॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ऋद्धिः लाभः

सिद्धः शुभम्

अथ दशवर्षीयमानवपञ्चाङ्गम्।

वैक्रमीयसंवत् २०७१ समारभ्य २०८० पर्यन्तम्।

पृथक्पृथग्विवाहमुहूर्तादिसहितम्।

पं. श्रीवल्लभ मनीराम

खेमराज श्रीकृष्णदास प्रकाशन, बम्बई

अथ दशवर्षीयमानवपञ्चाङ्गम्।

वैक्रमीयसंवत् २०७१ समारभ्य २०८० पर्यन्तम्।

पृथक्पृथग्विवाहमुहूर्तादिसहितम्।

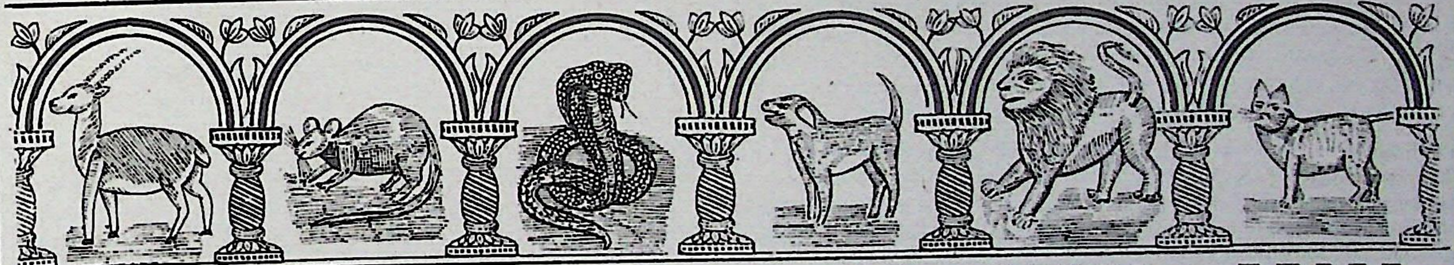

पं. श्रीवल्लभ मनीराम

इसके पुनर्मुद्रणादि सर्वाधिकार ''श्रीवेङ्कटेश्वर'' यन्त्रालयाधिपति के अधीन है

संस्करण : मार्च २०१७ संवत् २०७३

मूल्य : ३०० रुपये मात्र

© सर्वाधिकार : प्रकाशक द्वारा सुरक्षित

मुद्रक एवं प्रकाशक :
खेमराज श्रीकृष्णदास,™
अध्यक्ष : श्रीवेंकटेश्वर प्रेस,
खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग, बम्बई-

Printers & Publishers
Khemraj Shrikrishnadass
Prop: Shri Venkateshwar Press
Khemraj Shrikrishnadass Marg,
7th Khetwadi, Mumbai - 400 004.

Web Site : http://www.khe-shri.com
E-mail : khemraj@vsnl.com

Printed by Sanjay Bajaj for M/s Khemraj Shrikrishnadass Prop. Shri Venkateshwar Press, Mumbai-400004, at their Shri Venkateshwar Press, 66 Hadapsar Industrial Estate, Pune -411 013.

पं. श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग के बढ़ते कदम . . .

वर्तमान में भारतीय ज्योतिर्विद्या (पञ्चाङ्गगणित) को अपनी परम वृद्धावस्था में पहुँचाने का श्रेय हम भारतीय लोगों को है जिसके लिए बेहद दुख है। हमारे पूर्वजों (ऋषि-मुनियो) ने बहुत कुछ दिया है, लेकिन उनकी धरोहर को हम सुरक्षित नहीं रख पायें बल्कि उसका उपहास किया है। भारत में शायद ऐसा कोई विद्वान् जरुर उत्पन्न होगा जो जर्जर अवस्था में पहुँची इस ज्योतिर्विद्या को नवीनतम् रुप देगा। कहा भी है - **उद्यमेनैव सिद्धन्ति कार्याणि न मनोरथैः ॥**

प्रस्तुत पंचांग का वार्षिक संस्करण - संवत् २०६१ से १२४ पृष्ठ ॥ संवत् २०६३ से १४० पृष्ठ ॥ संवत् २०६५ से १४८ पृष्ठ और अब २०७१ से पृष्ठ बढने की संभावना ... । अस्तु ॥

क्रमशः पंचांग के पृष्ठ उत्तरोत्तर बढते ही जा रहे हैं परिणाम स्वरुप अनछुए विषयों का समावेश हो रहा है। आगे भी महत्व पूर्ण ज्योतिर्गणितीय विषयों का समावेश जारी रहेगा। पत्र या फोन द्वारा आपके सभी सुझाव या प्रश्नों का जवाब तुरंत फोन द्वारा दे दिया जाता है. जो फोन नम्बर नहीं लिखते हैं उनके जबाव में पत्र लिखने का समयाभाव रहता है लेकिन विचाराधीन अवश्य रखा जाता है। विस्तारित पञ्चाङ्ग का श्रेय आपको जाता है क्यों कि आपके सहयोग रुपी सुझाव का योगदान प्रसंशनीय ही नही अपितु जनहित में भी है। आपका सहयोग ही परिश्रम की सफलता है ॥ शुभम् ॥

पं. श्री वल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग जिन ग्रंथों से बनता है उन ग्रंथों के नाम-

१. श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः
२. केतकी ग्रहगणितम्,
३. वैजयन्ती पञ्चाङ्ग गणितम्,
४. ज्योतिर्गणितम्
५. मराठी ग्रहगणितम्,
६. भारतीय भूमण्डल सूर्यग्रहणगणितम्,
७. मराठी ग्रहगणित मालिका
८. बृहद् दैवज्ञ विनोद
९. सांवत्सरी पद्धत्ति
१०. निर्णय सिन्धु
११. धर्मसिन्धु
१२. सूर्य सिद्धान्त
१३. सिद्धान्त शिरोमणि
१४. मुहूर्त्त चिन्तामणि
१५. मुहूर्त्त मार्तण्ड
१६. बृहद् दैवज्ञ रंजन
१७. उपलब्ध पुराण
१८. पीयूषधारा
१९. वर्षप्रबोध
२०. वाराहमिहिर संहिता
२१. ग्रहलाघव

क्रमाङ्क २ से ७ के रचयिता- मानद् वेंकटेशबापू केतकर हैं।
उक्त ग्रंथों के प्रकाशक- महाराष्ट्र सरकार है, और प्राप्तिस्थल-

१. संचालक, शासन मुद्रण, लेखन सामग्री व प्रकाशन संचनालय
नेताजी सुभाष मार्ग, मुम्बई. (चर्नीरोड़), ४०० ००४
दूरध्वनी- ०२२-२३६३२६९३, ०२२-२३६३०६९५, ०२२-२३६३११४८, ०२२-२३६३४०४९

२. सचिव महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृति मंडल, मुंवई.
मराठीग्रंथ संग्रहालय इमारत, ३रा मजला १७२,
मुंवई मराठी ग्रंथ संग्रहालय मार्ग, दादर मुंवई. ४०० ०१४
दूरध्वनी- ०२२ २४१४४०२१, २४१४६००५

३. व्यवस्थापक- शसकीय फोटोझिंको मुद्रणालय व ग्रंथागार
फोटोझिंको मुद्रणालय, आवार जी. पी. ओ. नजीक, पूणे ४११ ००१,
दूरध्वनी ०२०, २६२४१५९, २६१२५८०८

४. व्यवस्थापक- शासकीय मुद्रणालय लेखन सामग्री भांडार,
तारावाई पार्क, कोल्हापुर, ४१६ ००३, दूरध्वनी २६५०३९५, २६५०४०२

५. व्यवस्थापक- शसकीय मुद्रणालय व ग्रंथागार
सिविल लाईन नागपुर ४४० ००१, दूरध्वनी २५२२६१५

प्रमुख हैं। लेकिन असीम दुःख के साथ लिखना पड़ रहा है कि एक भी ग्रंथ विक्री के लिए उपलब्ध नहीं है।

उक्त (क्रमाङ्क ८ से २१) ग्रंथों के प्रकाशक -
खेमराज श्रीकृष्णदास, मुम्बई, कल्याण, पूणे और वाराणसी है।

प्राप्तिस्थल - पञ्चाङ्ग के पृष्ठ ३४१ में देखें। प्राप्तिस्थल का दूरध्वनि क्रमाङ्क सहित सम्पूर्ण ठिकाना लिखा है।

मानद् वेंकटेशवापू केतकरजी ने ग्रहलाघव आदि ग्रंथो को स्थूल जानकर दृश्य गणित को जन्म दिया और अपना सम्पूर्ण जीवन उक्त ग्रंथो की रचना में लगा दिया. इस आशा के साथ कि आने वाली पीढी को सब ग्रंथ तैयार मिलेंगे और कम समय में आगे बढेंगें। किसी दूसरे पर निर्भर नही करना पड़ेगा। केतकरजी ने बहुत सी जगह कालान्तर संस्कार देकर गणित को शुद्ध भी किया है। उन्हांने जो परिश्रम किया है वो स्तुत्य ही नही अपितु चिर स्मरणीय और वंदनीय भी है। राष्ट्र के लिए मन लगाकर मेहनत से तैयार की हुई विद्या का प्रकृति कभी लोप नहीं होने देती. किसी न किसी व्यक्ति को माध्यम बनाकर अवश्य प्रेरणा करती हैं।

ज्ञातव्य हैं कि परम पूज्य गुरुजी, सोलापुर महाराष्ट्र के परम पूज्य धुंडीराजजी और सोलापुर महाराष्ट्र के परम पूज्य लक्ष्मण दाते. ये दैवज्ञ ही नही अपितु केतकरजी के ग्रंथो ने इनको सरस्वती पुत्र भी बना दिया था। केतकरजी का परिश्रम व्यर्थ नही जायेगा।

क्या पूरा दोष महाराष्ट्र सरकार को ही देना उचित होगा ? नहीं, महाराष्ट्र सरकार को उक्त ग्रंथ प्रकाशित कर बेचने में क्या आपत्ती है लेकिन कोई खरीददार तो चाहिए !

आपका सहयोग ही परिश्रम की सफलता है।

जिन वयोवृद्ध विद्वानों और दैवज्ञों ने पत्रों द्वारा आशिर्वाद भेजें है उनको मैं शिरोधार्य करते हुए दण्डवत् प्रणाम करता हूँ। भवदीय - वरदभावाकाँक्षी - गणितकर्ता

॥ भूमिका ॥ इस असार संसारमें जन्म लेकर नीति और धर्मसे विद्या द्रव्याद्युपार्जन करके सर्व साधारण प्राणिमात्रका उपकार करनेमें बुद्धि देना ही उत्तम पुरुषोंका काम है; ऐसा मनमें विचार कर आज २२ वर्षसे विविध मतोंके पंचांग देखकर ग्रहलाघवीय (मानवपंचांग) मैं भी बनाता हूं. आशा है कि इसको देखकर सज्जन सम्यक् प्रकारसे प्रसन्न होते होंगे. क्योंकि आजकल ग्रहलाघव ही सर्वलोकमान्य और उत्तम पंचांग निर्माण करने योग्य ग्रंथ है. यद्यपि इसके भौम और शुक्रकी वक्रावस्थामें किंचित् अंतर ग्रहलाघवकी टीकाद्वारा मुझको प्रतीत हुआ था सो अब वक्रारंभके अंशांकोंमें बीजसंस्कार देके पुनः इसका गणित ठीक कर लिया गया है. अतएव जो महाशय देखेंगे उनको स्वयं निश्चय हो जायगा और जो रामविनोदी पंचांग है सो इसी ही ग्रहलाघवकी शाखा है. कारण रामभट्टने रामदास महीपति और दिल्लीके अकबर बादशाहको प्रसन्न करनेके हित ग्रहलाघवकी छायासे ही रामविनोद ग्रन्थ बनाया है और जोधपुरका चण्डू पंचांग है सो कर्णकुतूहल (ब्रह्मतुल्य) से बनता है परंतु इसके ग्रहोंमें विशेष अंतर देखकर किसी विद्वान्ने रामबीज नाम एक नवीन संस्कार देकर ठीक किया था तो भी आजकल चंद्रग्रहणके मध्यकालमें पूर्णिमासे दो घटीका अनुमान अन्तर रहता है जिससे प्रतिदिनकी तिथि दो दो घटीके अनुमान सांतर प्रतीत होती है और सूर्यग्रहणमें ग्रहोंके उदयास्तमें भी बहुत कुछ अन्तर रहता है । और जो आधुनिक नवीन युक्तिके पंचांग बनते हैं उनका गणित आर्य ग्रन्थोंसे भिन्न है जिससे वे इन धर्मशास्त्रोंके अनुकूल मान्य नहीं हो सकते क्योंकि धर्मशास्त्र लिखता है (बाणवृद्धी रसक्षयः) अर्थात् एकतिथीकी कलासे दूसरी तिथि ५ पांच कला अधिक और ६ कलासे कमती नहीं होनी चाहिये परंतु आधुनिक पंचांगोंमें १० कलाका न्यूनाधिक्य होनेका भी ठिकाना नहीं और प्राचीन ग्रंथोंसे बुध एक दिनमें ११८ कलासे अधिक नहीं चल सकता और आधुनिक गणितसे १३२ कलातक चल सकता है और सृष्टिके कोट्यवधि वर्षोंके पीछे ग्रहलाघवाचार्यने प्राचीन गणितके तुल्य ही सूर्यको आकाशमें नलिकाद्वारा ठीक देखा था और आधुनिक पौनेचारसौ वर्षोंमें ही नवीन यंत्रवेधी कहते हैं कि प्राचीन गणितसे अभी सूर्य ४ अंश पीछा हट गया और दूसरे यंत्रवेधी कहते हैं कि केवल कन्याका सूर्य आगेसे ३३ कला पीछा हटा है; कहो किसको सत्य मानें ? अब ग्रहलाघवके तृतीयाधिकारमें शुक्र और मंगलके संस्कार देना (शुक्रारयोश्चलभवो) इत्यादि विशेष लिखा है परंतु इसके टीकाकार मल्लारि गणकने और विशेष लिखा है कि (शुक्रारयोश्चलभवोऽत्यगतो यदांकेति वचनात् अनेनापि विशेषफलेन संस्कृतौ भौमशुक्रौ महांतरितौ दृश्येते कुतः अन्त्यांकस्य बाहुल्यात् । अत्र सुधीभिः एकान्त्यांकमध्ये त्रींश्चतुरो वा अंकान् कृत्वा शीघ्रफलसिद्धिःकर्तव्या ॥ इत्यादि) ऐसे ग्रहलाघवके गणितमें नवीन शुद्ध संस्कार देके प्राचीन ऋषि-मुनिप्रणीत गणित ठीक मानकर ग्रहोंके उदयास्त और सूर्यचन्द्रके ग्रहणगणितको यथार्थ करके और रामविनोदी सूर्य अवधिके आदिमें और ग्रहलाघवीय सूर्य अवधिके अंतमें देके और प्रतिदिनके सौर और ब्रह्म दोनों रवि और सूर्योदयास्तके घंटा मिनट देके यह पंचांग निर्मित होता है. आशा है कि, इसमें किसी प्रकारका दृष्टिदोष हो तो सज्जन अपने सौजन्यवशसे सब सुधार लेंगे क्योंकि लिखते छापते शुद्ध करते कहीं न कहीं दृष्टिदोष तो रह ही जाता है ॥

रामगढ़निवासी पं० मनीराम शर्मा, ठि० " श्रीवेङ्कटेश्वर " स्टीम्-प्रेस, बंबई.

श्री गुरु चरणकमलेभ्यो नमः

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

इस पंचांग के अंतर्गत गणित पलित या मुहूर्तादि जो भी मेरे द्वारा किया गया है इनमें मेरा अपना कुछ भी नहीं है । जो भी है उन महापुरुष प्रातःस्मरणीय, सर्वदा वंदनीय, विद्या वारिधि सुविज्ञ निधि श्री गुरु चरणों की महीनता है जिन्होंने अनुग्रह करके मुझे जैसे मंदबुद्धि एवं अपरिचित को भी अपना अमूल्य समय देकर अमृतरुपी विद्या का पान करवाया लेकिन मुझ भाग्यहीन व्यक्ति का पान वैसा ही रहा जैसे समुद्र में से एक गिलास पानी । प्रथम श्री गुरु चरणों के दर्शन से ऐसा लगा कि न जाने विद्या-दान देंगे या नहीं । लेकिन चरणस्पर्श के बाद प्रार्थना करने पर मुझे जो प्रत्युत्तर मिला उससे मुझे बहुत आश्चर्य हुआ कि उतने महान् विद्वान होते हुए भी इतना कोमल स्वभाव मृदुभाषी अध्यापन में इतने सुविज्ञ कि मंदबुद्धिवाला भी सुगमतापूर्वक अध्ययन कर सकता है । अंहकार का तो स्पर्श मात्र भी नहीं है । पंचांग गणित की जिज्ञासा को लेकर मैंने कई विद्वानों से आग्रहपूर्वक संपर्क किया लेकिन वाञ्छिताभिलाषा से वञ्चित ही रहा और संयोगसे जब आपकी चरण रज का दर्शन हुआ तब से तो मेरी वही गति हो रही थी जैसे किसी धनार्थी को स्वयं कुबेरजी यह कहें कि इस खजाने से ले सके उतना धन ले ले । आपकी विद्वत्ता तो पूरा विश्व जानता है कि आपने लोगों के कल्याणार्थ "श्री वेंकटेश्वर शताब्दि पंचांग" का पूर्व काल में ही निर्माण कर दिया था जो कि पूरे एक सौ वर्ष (संवत् २००१ से २१०० तक) का मात्र यही एक पञ्चाङ्ग था । इस पंचांग के निर्माण कार्य से विद्या का अनुमान लगाना वैसे ही कठिन है जैसे महासागर की गहराई का । अस्तु, उन श्री गुरु चरणों को मैं पुनः पुनः प्रणाम करता हूँ ।

श्री.श्री. १०८ स्व. पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. श्री. रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)
मुम्बई - ४०० ०५७.

अथ पञ्चाङ्ग देखने की विधि

यह पञ्चाङ्ग दृश्य गणित से बनाया गया है साथ ही सौर पक्षीय एवं ब्रह्म पक्षीय सूर्योदय कालीन दैनिक सूर्य स्पष्ट भी है ।

यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम् ।
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादि निर्णयम् ॥
(इति वशिष्ठ वचनात्)

इस पञ्चाङ्ग का सभी गणित व्यंकटेश बापू केतकर पद्धति (केतकी, ज्योतिर्गणित, म. ग्रहगणित मालिका आदि .. ग्रंथो) से रामगढ (शेखावाटी) अक्षांशाः २८/०० उ., रेखांशाः ७४/५९ पूर्व, अं.व्यं. पलभाः ६/२३ के आधार पर किया गया है । तिथिनक्षत्र योग करण इनके घटिपल रामगढ (शेखावाटी) स्पष्टार्कोदय के लिखे गये हैं जब कि इससे पूर्व संवत् २०६० तक मध्यमार्कोदय के लिखे जाते थे लेकिन आपके सुझाव को ध्यान में रखकर स्पष्टार्कोदय के घटीपल लिखे हैं । घटि-पलों में २॥ का भाग देकर भागफल में रामगढ (शेखावाटी) के स्टैं. सूर्योदय का घंटा मिनट जोड़कर साधारण जनहितार्थ रेल्वे (स्टैण्डर्ड समय के घण्टा मिनट लिखे गये है, ये तिथ्यादि के घंटा मिनट भारतीय रेल्वे (स्टैण्डर्ड) समय से समाप्ति काल के हैं । ये स्टै. समय के घंटा मिनट संपूर्ण भारत में समान रुप से उपयोगी होंगें । उदाहरण के लिए किसी तिथि नक्षत्र योग का स्टैण्डर्ड घं. मि. १५ बजे लिखा है तो संपूर्ण भारत (पंजाब आसाम मद्रास केरल उ.प्र. राजस्थान) में दोपहर तीन बजे ही समाप्ति होगा । इस पंचांग से भारत के किसी भी गांव या शहर के स्थानिक घटी पल बनाने हों तो अभीष्ट शहर या गांव का स्टैण्डर्ड सूर्योदय इस पंचांग के तिथ्यादि के स्टै. समय में घटाकर (ऋण) शेष को २॥ से गुणा करने पर अभीष्ट गांव या शहर के स्थानिक घटी पल बन जायेंगे । किसी भी गांव या शहर के दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त की विधि भी इसी पंचांग में अन्यत्र लिखी हुई है ।

विद्वज्जनों की आवश्यकता को देखते हुए दैनिक रविक्रांति और पूरे भारत वर्ष (अक्षांशाः ८/०० उ. से ३६/०० उ. तक) की चरपल संस्कार सारणी भी पंचांग में दे दी गई है जिससे भारतवर्ष के किसी भी गांव या शहर का सुगमता पूर्वक दिनमान बना सकते हैं । दैनिक लग्नसारणी और चंद्रवार का स्टै. समय प्रवेशकाल दिया गया है ।

सूर्योदयास्त किरण वक्री बवन संस्कार रहित भारतीय रेल्वे (स्टैण्डर्ड) टाईम रामगढ (शेखा.) के हैं । किरण वक्री भवन संस्कार करने से वास्तविक क्षितिज वृत्त के उदयास्त में अंतर आ जाता है जिससे इष्ट बनाने तथा धार्मिक निर्णयों में त्रुटि होना संभव है परंतु स्टै. सूर्योदयास्त समय से यदि घड़ी का मिलान करना हो तो पंचांग में लिखित सूर्योदय में दो मिनट किरण वक्री भवन संस्कार घटाकर तथा सूर्यास्त में दो मिनट जोडकर घटिका यंत्र (घड़ी) से मिलान करना चाहिए क्योंकि गणितागत सूर्य क्षितिजवृत्त के उदय से दो मिनट पहले दिखाई देता है और गणितागत सूर्यास्त के दो मिनट बाद तक दृष्टिगोचर होता है परिणामस्वरुप दश पल (चार मिनट) दिनमान भी बढ जाता है ।

ग्रहचार भद्रा आदि भी स्टैण्डर्ड (रेल्वे) समय में ही लिखे गये है । पंक्तिस्थ ग्रहस्पष्ट रामगढ (शेखावाटी) के प्रातः सूर्योदय कालीन (इष्ट ००।००) के लिखे गये है साथ ही सर्वत्र उपयोगिता के लिए अयनांशाः (न्यूटेशन संस्कार युक्त) और सूर्यादि ग्रहों के नक्षत्र चरण भी दिये हैं ।

तिथ्यादि ग्रहचार चंद्रचार भद्रादि का स्टै समय जहाँ १३-१४-१५ आदि अंक हों वहाँ दिन के १२ बजे के बाद १-२-३ बजे समझें और जहाँ २५-२६-२७ आदि अंक लिखें हों वहाँ रात्रि के १२ बजे के बाद क्रमशः रात्रि के १-२-३ बजे समझें (१३ से २४ तक के दिन के १ बजे से रात्रि १२ बजे तक और २४ से ३० तक रात्रि के १२ बजे से दूसरे दिन प्रातः ६ बजे तक के लिखे हैं) । व्रतोत्सव-ग्रहचार में A B C D आदि चिन्ह दिये गये हैं इनका मतलब यह है कि उस तिथि या तारीख का मैटर उस पंक्ति (लाईन) में नहीं आ सका इसलिए वहाँ चिन्ह लगाकर शेष मैटर वैसा ही चिन्ह |A |B लगाकर पूरा किया गया है ।

विवाह मुहूर्त्तों में दिन के विवाह लग्न तो लिखते ही थे अब महर्षि कात्यायनोक्त नक्षत्र चतुष्टयी के विवाह मुहूर्त्तों का समावेश भी कर दिया है इन पर विद्वज्जन आवश्यकतानुसार निर्णय कर लें । पंचांग को अधिकाधिक उपयोगी बनानें के लिए उपनयन मुहूर्त, देवप्रतिष्ठा मुहूर्त्त गेहारंभ मुहूर्त्त नूतन और जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त्त भी दे दिये है अतः विद्वद्गण आवश्यकतानुसार निर्णय लेकर मुहूर्त्तों का उपयोग करें । इनका अत्यधिक लाभ लेकर श्री वल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग एवं प्रकाशन संस्थान खेमराज श्रीकृष्णदास के इस परिश्रम को सफल बनाकर कृतकृत्य करें ।

जिनके लिए आप बहुत दिनों से सुझाव भेज रहे थे, वार्षिक पंञ्चाङ्ग में उन उत्कृष्ट, अलभ्य, अश्रुत, अलौकिक, अज्ञात विषयों का समावेश कर दिया है । यह कोई अतिशयोक्ति या मिथ्या प्रशंसा नहीं है मेरा लक्ष्य आप तक विद्या पहुँचाना था परिणाम स्वरुप अहर्निश कार्यरत रहने से मेरा स्वास्थ्य खराब हो गया है, मैं रहूँ न रहूँ मेरी विद्या लाखों करोडों विद्वानों के पास रहेगी जो मैंने श्रीगुरुचरणों से प्राप्त की थी । इससे मुझे आत्मशान्ति तो प्राप्त हुई ही है बल्कि गुरुऋण और भूऋण से भी मुक्त हो गया । मेरी न्यूनताओं की जानकारी और विद्वज्जनों के उत्तम सुझाव प्राप्त होंगे तो उन्हें शिरोधार्य कर मैं आभारी रहूँगा ।

अवसान में करबद्ध प्रार्थना यही है कि इस पंचांग के निर्माण में हर तरह की सूक्ष्मता एवं सावधानी रखी गई है फिर भी अनवधान वश अथवा मुद्रणदोष से कहीं त्रुटि रह गई हो तो पक्षपात रहित बुद्धि से विद्वज्जन उसे सुधारकर उपयोग में ले लें और मुझे भी अवगत करावें । कहा भी है -

प्रमाददोषादिह या च काचिन्मान्यास्त्रुटिर्दृष्टिपथं व्रजेद्वै ।
ज्योतिर्विदः शास्त्रविचारदक्षाः धिया स्वयं शोधयतार्यवर्याः ॥
गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः ।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः ॥

दुर्जन गण अनेक प्रकार से प्रार्थना करने पर भी अपनी आदत नहीं छोड़ सकते हैं; क्योकि- खलो मृगयते दोषं गुणपूर्णेषु वस्तुषु ।
वने पुष्पफलाकीर्णे पुरीषमिव सूकरः ॥

विद्वज्जनों को मेरा पुनः पुनः प्रणाम ।

गणितकर्त्ता : विदुषां वशंवदः पंडित ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

पञ्चाङ्गस्थ रामगढ (शेखा.) की दैनिक लग्नप्रवेश सारणी से निम्नलिखित नगरों के लग्नसपष्ट संस्कार कोष्ठक (मिनट), सूक्ष्म गणित, (− = ऋण, + = धन)

नगरों के नाम / राशि		मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
१. अहमदाबाद	(गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १५	+ ११	+ ६	+ २	− ०	+ १	+ ४	+ ९
२. अमृतसर	(पंजा.)	− २	− ६	− ८	− ७	− ४	− ०	+ ४	+ ७	+ ९	+ ८	+ ५	+ २
३. अजमेर	(राज.)	+ २	+ ४	+ ५	+ ४	+ ३	+ १	− ०	− २	− २	− २	− १	+ १
४. अलवर	(राज.)	− ६	− ६	− ६	− ६	− ६	− ७	− ७	− ७	− ८	− ७	− ७	− ७
५. अंबिकापुर	(म.प्र.)	− २९	− २५	− २३	− २४	− २७	− ३२	− ३७	− ४१	− ४३	− ४२	− ३९	− ३४
६. अनंतपुर	(आं.प्र)	− ०	+ ११	+ १६	+ १४	+ ४	− ८	− २१	− ३१	− ३७	− ३५	− २५	− १३
७. अयोध्या	(उ.प्र.)	− २८	− २७	− २६	− २७	− २८	− २९	− ३०	− ३१	− ३२	− ३१	− ३०	− २९
८. आकोला	(महा.)	− ३	+ ४	+ ७	+ ५	− ०	− ७	− १४	− २१	− २४	− २२	− १७	− १०
९. आगरा	(उ.प्र.)	− ११	− १०	− १०	− १०	− ११	− ११	− १२	− १३	− १४	− १३	− १३	− १२
१०. आजमगढ	(उ.प्र.)	− ३१	− ३०	− २९	− २९	− ३१	− ३२	− ३४	− ३६	− ३७	− ३७	− ३५	− ३३
११. आबू रोड	(राज.)	+ १२	+ १५	+ १६	+ १६	+ १३	+ १०	+ ६	+ ३	+ २	+ २	+ ५	+ ८
१२. इंदौर	(म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	− २	− ८	− १२	− १५	− १४	− १०	− ५
१३. इटारसी	(म.प्र.)	− ६	+ १	+ ४	+ २	− ३	− १०	− १८	− २४	− २८	− २६	− २०	− १३
१४. इलाहाबाद	(उ.प्र.)	− २६	− २३	− २२	− २३	− २५	− २७	− ३०	− ३२	− ३३	− ३३	− ३१	− २८
१५. उज्जैन	(म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ६	+ ३	− २	− ७	− ११	− १३	− १२	− ९	− ४
१६. उदयपुर	(राज.)	+ ८	+ ११	+ १३	+ १२	+ ९	+ ६	+ २	− १	− २	− २	+ १	+ ४
१७. औरंगाबाद	(महा.)	+ ५	+ १२	+ १६	+ १४	+ ८	+ ०	− ८	− १५	− १८	− १७	− ११	− ३
१८. कटक	(उडी.)	− ३८	− ३१	− २८	− २९	− ३५	− ४२	− ५०	− ५६	− ६०	− ५८	− ५२	− ४५
१९. कोलकाता	(बंगा.)	− ५०	− ४५	− ४२	− ४३	− ४८	− ५३	− ५८	− ६३	− ६६	− ६४	− ६०	− ५५
२०. कानपुर	(उ.प्र.)	− २०	− १९	− १८	− १८	− १९	− २१	− २३	− २४	− २५	− २४	− २३	− २२
२१. कुचामन	(राज.)	+ १	+ २	+ २	+ २	+ २	+ १	− ०	− १	− १	− १	− ०	+ ०
२२. कोल्हापुर	(महा.)	+ १२	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	− ६	− १५	− २०	− १८	− १०	+ १
२३. कोटा	(राज.)	− १	+ १	+ ३	+ २	+ ०	− ३	− ६	− ८	− १०	− ९	− ७	− ४
२४. गंगानगर	(राज.)	+ ३	+ १	+ ०	+ ०	+ २	+ ४	+ ६	+ ८	+ ९	+ ९	+ ७	+ ५
२५. ग्वालियर	(म.प्र.)	− ११	− १०	− ९	− ९	− ११	− १२	− १४	− १६	− १७	− १६	− १५	− १३
२६. गया	(म.प्र.)	− ३८	− ३५	− ३३	− ३४	− ३६	− ३९	− ४३	− ४६	− ४७	− ४६	− ४४	− ४१
२७. गुडगावाँ	(हरि.)	− ९	− ९	− १०	− ९	− ९	− ८	− ८	− ७	− ७	− ७	− ७	− ८
२८. गोरखपुर	(उ.प्र.)	− ३३	− ३१	− ३१	− ३१	− ३२	− ३३	− ३५	− ३६	− ३६	− ३६	− ३५	− ३४
२९. गौहाटी	(आसा)	− ६६	− ६४	− ६३	− ६४	− ६५	− ६७	− ६९	− ७०	− ७१	− ७१	− ६९	− ६८
३०. गोवा	(भारत)	+ १४	+ २५	+ ३०	+ २८	+ १९	+ ७	− ५	− १५	− २१	− १८	− ९	+ २
३१. चंढीगढ	(पंजा.)	− १०	− १३	− १४	− १३	− ११	− ८	− ५	− ३	− १	− २	− ४	− ७
३२. चित्तौडगढ	(राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	− १	− ४	− ६	− ५	− ३	+ ०
३३. चिन्नई	(तमि.)	− १०	+ ३	+ ९	+ ६	− ४	− १८	− ३२	− ४४	− ५१	− ४८	− ३७	− २४
३४. जयपुर	(राज.)	− २	− १	− १	− १	− २	− ३	− ४	− ५	− ६	− ५	− ५	− ३
३५. जबलपुर	(म.प्र.)	− १६	− १२	− १०	− ११	− १४	− १९	− २४	− २८	− ३०	− २९	− २६	− २१
३६. जमशेदपुर	(विहा.)	− ४१	− ३६	− ३४	− ३५	− ३९	− ४४	− ४९	− ५४	− ५६	− ५५	− ५१	− ४६
३७. जलगाँव	(महा.)	+ २	+ ८	+ १०	+ ९	+ ५	− १	− ७	− १२	− १५	− १४	− ९	− ४

नगरों के नाम / राशि		मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
३८. जालंधर	(पंजा.)	− ५	− ८	− १०	− ९	− ७	− ३	+ ०	+ ४	+ ५	+ ५	+ २	− २
३९. जैसलमेर	(राज.)	+ १७	+ १८	+ १९	+ १९	+ १८	+ १७	+ १५	+ १४	+ १४	+ १४	+ १५	+ १६
४०. जौधपुर	(राज.)	+ ११	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ १०	+ ८	+ ७	+ ६	+ ६	+ ८	+ १०
४१. झांसी	(उ.प्र.)	− १२	− १०	− ९	− ९	− ११	− १४	− १७	− १९	− २०	− २०	− १८	− १५
४२. झुञ्झुनू	(राज.)	− २	− २	− २	− २	− २	− २	− २	− २	− २	− २	− २	− २
४३. झरिया	(विहा.)	− ४२	− ३८	− ३६	− ३७	− ४१	− ४५	− ४९	− ५३	− ५५	− ५४	− ५१	− ४७
४४. डिब्रुगढ	(आसा)	− ८०	− ७९	− ७९	− ७९	− ७९	− ८०	− ८०	− ८१	− ८१	− ८१	− ८१	− ८०
४५. डूंगरपुर	(राज)	+ ८	+ १२	+ १४	+ १३	+ १०	+ ६	+ २	− २	− ४	− ३	+ ०	+ ४
४६. दरभंगा	(विहा.)	− ४२	− ४०	− ३९	− ४०	− ४१	− ४३	− ४५	− ४७	− ४८	− ४७	− ४६	− ४४
४७. दिल्ली		− ९	− १०	− १०	− १०	− १०	− ९	− ८	− ८	− ७	− ८	− ८	− ९
४८. देवरिया	(उ.प्र.)	− ३४	− ३२	− ३१	− ३२	− ३३	− ३५	− ३६	− ३८	− ३८	− ३८	− ३७	− ३५
४९. नागपुर	(महा.)	− ११	− ५	− २	− ४	− ९	− १५	− २२	− २८	− ३१	− ३०	− २५	− १८
५०. नागौर	(राज.)	+ ६	+ ७	+ ७	+ ७	+ ६	+ ५	+ ४	+ ४	+ ३	+ ३	+ ४	+ ५
५१. नारनौल	(हरि.)	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५	− ५
५२. नासिक	(महा.)	+ ११	+ १८	+ २२	+ २०	+ १४	+ ७	− १	− ८	− १२	− १०	− ४	+ ४
५३. नैनिताल	(उ.प्र.)	− १९	− २१	− २१	− २१	− २०	− १८	− १७	− १६	− १५	− १५	− १६	− १८
५४. नैल्लोर	(आं.प्र)	− ११	+ ०	+ ६	+ ३	− ६	− १९	− ३२	− ४३	− ४९	− ४६	− ३६	− २४
५५. पटना	(विहा.)	− ३९	− ३७	− ३६	− ३६	− ३८	− ४०	− ४३	− ४५	− ४६	− ४६	− ४४	− ४१
५६. पटियाला	(पंजा.)	− ८	− १०	− ११	− ११	− ९	− ६	− ४	− २	− ०	− १	− ३	− ५
५७. प्रतापगढ	(उ.प्र.)	− २७	− २५	− २४	− २४	− २६	− २८	− ३०	− ३२	− ३३	− ३३	− ३१	− २९
५८. प्रयाग	(उ.प्र.)	− २५	− २३	− २२	− २२	− २४	− २७	− २९	− ३२	− ३३	− ३२	− ३०	− २८
५९. पाली	(राज.)	+ ८	+ १०	+ ११	+ ११	+ ९	+ ७	+ ४	+ २	+ १	+ २	+ ४	+ ६
६०. पूना	(महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ६	− ३	− ११	− १५	− १३	− ६	+ ३
६१. बडौदा	(गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ८	+ २	− ३	− ६	− ४	+ ०	+ ६
६२. बद्रीनाथ	(उ.प्र.)	− २१	− २३	− २५	− २४	− २२	− १९	− १६	− १३	− १२	− १२	− १५	− १८
६३. बरैली	(उ.प्र.)	− १८	− १९	− १९	− १९	− १८	− १८	− १८	− १७	− १७	− १७	− १७	− १८
६४. वारंगल	(आं.प्र)	− ११	− ३	+ २	− ०	− ७	− १७	− २७	− ३५	− ३९	− ३७	− ३०	− २१
६५. बांसवाडा	(राज.)	+ ६	+ १०	+ १२	+ ११	+ ८	+ ३	− १	− ५	− ७	− ६	− ३	+ १
६६. विलासपुर	(म.प्र.)	− २४	− १९	− १६	− १८	− २२	− २८	− ३४	− ३९	− ४२	− ४०	− ३६	− ३०
६७. बीकानेर	(राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७	+ ७
६८. बेलगाँव	(कर्ना.)	+ ११	+ २१	+ २६	+ २४	+ १५	+ ४	− ८	− १८	− २३	− २१	− १२	− १
६९. बैंगलोर	(कर्ना.)	+ १	+ १३	+ २०	+ १७	+ ६	− ८	− २२	− ३४	− ४०	− ३८	− २७	− १३
७०. बैलारी	(कर्ना.)	+ २	+ १३	+ १८	+ १६	+ ७	− ५	− १८	− २८	− ३४	− ३१	− २२	− १०
७१. भागलपुर	(विहा.)	− ४६	− ४३	− ४२	− ४३	− ४५	− ४७	− ५०	− ५३	− ५४	− ५४	− ५१	− ४९
७२. भावनगर	(गुज.)	+ १६	+ २२	+ २४	+ २३	+ १८	+ १२	+ ६	+ १	− २	− १	+ ४	+ १०
७३. भिवानी	(हरि.)	− ५	− ६	− ६	− ६	− ६	− ५	− ४	− ३	− ३	− ३	− ४	− ५
७४. भुवनेश्वर	(उडी.)	− ३८	− ३१	− २८	− २९	− ३५	− ४२	− ५०	− ५६	− ६०	− ५८	− ५२	− ४५

संवत् २०७१ पञ्चाङ्गस्थ रामगढ (शेखा.) की दैनिक लग्नप्रवेश सारणी से निम्नलिखित नगरों के लग्नसपष्ट संस्कार कोष्ठक (मिनट), सूक्ष्म गणित

नगरों के नाम / राशि		मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
७५. भोपाल	(म.प्र.)	– ५	– १	+ १	– ०	– ४	– ८	– १३	– १७	– २०	– १९	– १५	– १०
७६. मथुरा	(उ.प्र.)	– १०	– १०	– १०	– १०	– १०	– ११	– ११	– १२	– १२	– १२	– ११	– ११
७७. मंडला	(म.प्र.)	– १८	– १४	– ११	– १२	– १६	– २१	– २७	– ३१	– ३४	– ३३	– २९	– २३
७८. मारवाड	(राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ ११	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	– १	– ०	+ २	+ ५
७९. मेहसाणा	(गुज.)	+ ११	+ ११	+ ११	+ ११	+ ११	+ ११	+ १०	+ १०	+ ९	+ १०	+ १०	+ १०
८०. मुम्बई	(महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २६	+ १९	+ १०	+ २	– ६	– १०	– ८	– २	+ ७
८१. रतलाम	(म.प्र.)	+ ४	+ ८	+ १०	+ ९	+ ५	+ १	– ४	– ८	– १०	– ९	– ६	– १
८२. रायपुर	(म.प्र.)	– २१	– १६	– १३	– १४	– १९	– २५	– ३२	– ३८	– ४१	– ४०	– ३५	– २८
८३. राजगढ	(राज.)	– २	– ३	– ३	– ३	– ३	– २	– १	– १	– ०	– ०	– १	– २
८४. रिंगस	(राज.)	– २	– १	– १	– १	– १	– २	– ३	– ३	– ४	– ३	– ३	– २
८५. लखनऊ	(उ.प्र.)	– २३	– २२	– २१	– २१	– २२	– २३	– २५	– २६	– २६	– २६	– २५	– २४
८६. लुधियाना	(पंजा.)	– ६	– ९	– १०	– १०	– ७	– ४	– १	+ २	+ ३	+ २	+ ०	– ३
८७. वाराणसी	(उ.प्र.)	– ३०	– २७	– २६	– २७	– २९	– ३२	– ३४	– ३७	– ३८	– ३७	– ३५	– ३३
८८. विजयवाडा	(आं.प्र)	– १४	– ४	+ १	– २	– १०	– २०	– ३१	– ४१	– ४६	– ४४	– ३६	– २५
८९. शिमला	(हि.प्र)	– १२	– १५	– १६	– १५	– १३	– १०	– ६	– ३	– २	– २	– ५	– ८
९०. श्रीनगर	(ज.क)	– ५	– ११	– १४	– १३	– ८	– १	+ ६	+ १२	+ १५	+ १४	+ ८	+ २
९१. सागर	(म.प्र.)	– ११	– ८	– ६	– ७	– १०	– १४	– १८	– २२	– २४	– २३	– २०	– १६
९२. सिकर	(राज.)	– ०	+ ०	+ ०	+ ०	– ०	– १	– १	– १	– २	– १	– १	– १
९३. सिंघाना	(राज.)	– ३	– ३	– ३	– ३	– ३	– ३	– ३	– ४	– ४	– ४	– ४	– ३
९४. सिरोही	(राज.)	+ ११	+ १४	+ १५	+ १५	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ २	+ २	+ ५	+ ८
९५. सिल्लीगु.	(प.बंगा)	– ५३	– ५१	– ५१	– ५१	– ५२	– ५३	– ५५	– ५६	– ५७	– ५६	– ५५	– ५४
९६. सूरत	(गुज.)	+ १५	+ २१	+ २४	+ २३	+ १८	+ ११	+ ५	– १	– ५	– ३	+ २	+ ९
९७. सोलापुर	(महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	– २	– १२	– २०	– २५	– २३	– १६	– ६
९८. हरद्वार	(उ.प्र.)	– १५	– १६	– १७	– १७	– १५	– १३	– ११	– ९	– ८	– ९	– १०	– १३
९९. हैदराबाद	(आं.प्र)	– ६	+ ३	+ ८	+ ६	– २	– १२	– २२	– ३१	– ३६	– ३४	– २६	– १६
१००. हिंसार	(हरि.)	– ४	– ५	– ६	– ६	– ५	– ३	– २	– १	– ०	– १	– २	– ३

संस्कार कोष्ठक ज्ञानायः- पञ्चाङ्गस्थ रामगढ (शेखा.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

उदाहरण - तारीख १६ मई २०१४ को दरभंगा (बिहा.) में वृश्चिक लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है। पंचांग में १६ मई २०१४ को वृश्चिक का प्रवेश काल रात्री घंटा ७ मिनट ०४ और समाप्ति काल रात्री घंटा ९ मिनट २२ लिखा हुआ है। संस्कार कोष्ठक में दरभंगा (बिहा.) के वृश्चिक में – ४७ मि. और धनु में – ४८ मि. है (धनु का प्रवेश काल ही वृश्चिक का समाप्ति काल है)। अतः वृश्चिक के प्रवेश रात्रौ ७।०४ में – ४७ मि. का संस्कार किया (यदि – हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो दरभंगा (बिहा.) का स्पष्ट प्रवेश काल रात्रौ ६।१७ हो गया वृश्चिक के समाप्ति काल रात्रौ घंटा ९ मिनट २२ में – ४८ मि. का संस्कार किया तो वृश्चिक का समाप्ति काल रात्री ८।३४ स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्ठक में लिखे हुए १०० नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं। - पं. ग्यारसीलाल शर्मा, मुम्बई.

॥ अथ विंशोत्तरी क्रमेण महादशा-अन्तर्दशा चक्राणि ॥

॥ अथ विंशोत्तरीक्रमेण महादशाचक्रम् ॥

ग्रहाः	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
वर्ष	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२०
माह	००	००	००	००	००	००	००	००	००
दिन	००	००	००	००	००	००	००	००	००

सूर्य महादशा वर्ष ६ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = कृतिका, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढा

ग्रहाः	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०	१
माह	३	६	४	१०	९	११	१०	४	०
दिन	१८	०	६	२४	१८	१२	६	६	०

चंद्र महादशा वर्ष १० तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = रोहिणी, हस्त, श्रवण

ग्रहाः	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य
वर्ष	०	०	१	१	१	१	०	१	०
माह	१०	७	६	४	७	५	७	८	६
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

भौम महादशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा

ग्रहाः	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
वर्ष	०	१	०	१	०	०	१	०	०
माह	४	०	११	१	११	४	२	४	७
दिन	२७	१८	६	९	२७	२७	०	६	०

राहु महादशा वर्ष १८ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा

ग्रहाः	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम
वर्ष	२	२	२	२	१	३	०	१	१
माह	८	४	१०	६	०	०	१०	६	०
दिन	१२	२४	६	१८	१८	०	२४	०	१८

गुरु महादशा वर्ष १६ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पुनर्वसु, विशाखा, पूर्वाभाद्रपद

ग्रहाः	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु
वर्ष	२	२	२	०	२	०	१	०	२
माह	१	६	३	११	८	९	४	११	४
दिन	१८	१२	६	६	०	१८	०	६	२४

शनि महादशा वर्ष १९ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद

ग्रहाः	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु
वर्ष	३	२	१	३	०	१	१	२	२
माह	०	८	१	२	११	७	१	१०	६
दिन	३	९	९	०	१२	०	९	६	१२

बुध महादशा वर्ष १७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती

ग्रहाः	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि
वर्ष	२	०	२	०	१	०	२	२	२
माह	४	११	१०	१०	५	११	६	३	८
दिन	२७	२७	०	६	०	२७	१८	६	९

केतु महादशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = मघा, मूल, अश्विनी

ग्रहाः	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध
वर्ष	०	१	०	०	०	१	०	१	०
माह	४	२	४	७	४	०	११	१	११
दिन	२७	०	६	०	२७	१८	६	९	२७

शुक्र महादशा वर्ष २० तन्मध्येऽन्तरम्

नक्षत्र = पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढा, भरणी

ग्रहाः	शुक्र	सूर्य	चंद्र	भौम	राहु	गुरु	शनि	बुध	केतु
वर्ष	३	१	१	१	३	२	३	२	१
माह	४	०	८	२	०	८	२	१०	२
दिन	०	०	०	०	०	०	०	०	०

रवियोग : सूर्य नक्षत्र से चन्द्रमा के नक्षत्र तक गिनती करने से यदि सूर्य से चन्द्रमा का नक्षत्र ४, ६, ९, १०, १३ २० इन संख्याओं में पडे तो उसदिन रवियोग होगा जो समग्र दोषों को अच्छी प्रकार दूर करता है।

द्विपुष्कर - त्रिपुष्करयोग :

भद्रातिथि (२ / ७ / १२) शनि मंगल और रविवार के दिन कृतिका, पुन., उफा., विशाखा, उषा., पूभा. ये छ नक्षत्रों की स्थिति आती हो तो त्रिपुष्कर योग तथा उक्त भद्रातिथि, शनि मंगल और रविवार के दिन मृग, चित्रा, धनिष्ठा नक्षत्रों का योग होता है तो द्विपुष्कर योग बनता है। त्रिपुष्कर योग में होनेवाले किसी भी कार्य का त्रिगुणित फल और द्विपुष्कर में होनेवाले का दुगुना फल होता है।

हद्दासारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
बृ.६	शु.८	बु.६	मं.७	गु.६	बु.७	श.६	मं.७	गु१२	बु.७	बु.७	शु१२	स्वामि-अंश
शु.६	बु.६	शु.६	शु.६	शु.५	शु१०	बु.८	शु.४	शु.५	गु.७	शु.६	गु.४	स्वामि-अंश
बु.८	बृ.८	बृ.५	बु.६	श.७	गु.५	गु.७	बु.८	बु.४	शु.८	गु.७	बु.३	स्वामि-अंश
मं.५	श.५	मं.७	बृ.७	बु.६	मं.७	शु.७	गु.५	मं.५	श.४	मं.५	मं.९	स्वामि-अंश
श.५	मं.३	श.६	श.४	मं.६	श.२	मं.२	श.६	श.४	मं.४	श.५	श.२	स्वामि-अंश

होरा सारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	अंशाः १५
४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	३०

त्रिशांश सारिणी

विषमे त्रिशांशा							समे त्रिशांशा						
अंशाः	मेष	मि.	सिंह	तुला	धनु	कुंभ	वृष.	कर्क	क.	वृ.	म.	मी.	अंशाः
५	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	५
१०	११	११	११	११	११	११	६	६	६	६	६	६	१२
१८	९	९	९	९	९	९	१२	१२	१२	१२	१२	१२	२०
२५	३	३	३	३	३	३	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२५
३०	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	३०

सप्तमांश सारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	४।१७।८।३४
२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	८।३४।१७।०८
३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	१२।५१।२५।२३
४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	१७।८।३४।१७
५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	२१।२५।४२।५१
६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	२५।४२।५१।२६
७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	३०।००।००।००

द्रेष्काण सारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
मं.१	शु.२	बु.३	चं.४	सू.५	बु.६	शु.७	मं.८	गु.९	श१०	श११	गु१२	अंशाः१०
सू.५	बु.६	शु.७	मं.८	गु.९	श१०	श११	गु१२	मं.१	शु.२	बु.३	चं.४	२०
गु.९	श१०	श११	गु१२	मं.१	शु.२	बु.३	चं.४	सू.५	बु.६	शु.७	मं.८	३०

तारा बोधाय

वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक और कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक गिनकर ९ का भाग देवें शेष बचे उसके अनुसार तारागुण चक्र द्वारा गुणदेखें। ध्यान रहे शेष शून्य बचे तो ९ संख्या का फल देखें।

नवमांश सारिणी

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः अंश-क
१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	३।२०
२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	६।४०
३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	१०।००
४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	१३।२०
५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	१६।४०
६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	२०।००
७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	२३।२०
८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	२६।४०
९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	३०।००

द्वादशांश सारिणी

मेष	वृष	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः अंश-क
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	२।३०
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	५।००
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	७।३०
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	१०।००
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	१२।३०
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	१५।००
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	१७।३०
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	२०।००
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	२२।३०
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	२५।००
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२७।३०
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	३०।००

त्रिराशिपतिचक्रम्

मेष	वृष.	मि.	कर्क	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशयः
सू.	शु.	श.	शु.	बृ.	च.	बु.	मं.	श	मं.	गु.	चं.	दिने
गु.	चं.	बु.	म.	सू.	शु.	श	गु.	श.	मं.	गु.	चं.	रात्रौ

अथ हर्षबलम् -नंदत्रिषड्लग्नभवर्क्षपुत्रव्यया इनाद्धर्षपदं स्वभोचम्॥
त्रिभंत्रिभंलग्नभतः क्रमेण स्त्रीणां नृणां रात्रिदिनेषु तेषाम् ॥१॥

अर्थ- वर्ष लग्न में सूर्य ९, चंद्र ३, मंगल ६, बुध १, गुरु ११ भृगु ५ शनि १२ वे स्थान में होय तो हर्षता है और स्वगृही उच का ग्रह होता है सो हर्षबल देता है और लग्नकुण्डली में स्त्री. स्त्री. स्त्री. पु. पु. पु. ऐसी द्वितीयांवृत्ति करके स्त्री गृह स्त्री गणना में आवे तो हर्षबल देता है और पुरुष ग्रह पु. गणना में आवे तो हर्षबल देता हैं और दिन में प्रवेश होय तो पुरुषग्रह हर्षबल देता है और रात्रि में वर्ष प्रवेश होय तो स्त्री ग्रह हर्षबल देता है। इसी तरह एक एक का हर्षबल ५ पांच का होता है जब चारों में बल आने से २० का पूर्ण बल होता है।

पंचवर्गी बलम् / नवांशाः

पंचवर्गी बलम्					नवांशाः					
स्वक्षं	उच्च	हद्दा	द्रेष्का.	नवां.	सं.	मे.	वृष.	मि.	कर्क	
३० ०	२० ०	१५ ०	१० ०	५ ०	स्व.	सिं.	क	तु.	वृश्चि	
२२ ३०	१५ ०	११ १५	७ ३०	३ ४५	मित्र	ध.	म	कु.	मी.	
१५ ०	१० ०	७ ३०	५ ०	२ ३०	सम.	३. २०	६ ४०	१० ०	१३ २०	
७ ३०	५ ०	३ ४५	२ ३०	१ १५	शत्रु	१६ ४०	२० ०	२३ २०	२६ ४०	३० ०

भद्रा-मुख-पुच्छ-घटी-ज्ञान

	शुक्ल पक्ष				कृष्ण पक्ष			
तिथि	४	८	११	१५	३	७	१०	१४
प्रहर	५	२	७	४	८	३	६	१
आदि मुख घटी	५	५	५	५	५	५	५	५
प्रहर	८	१	६	३	७	२	५	४
अंत पुच्छ घटी	३	३	३	३	३	३	३	३

तिथि भोग (आरंभ से अंत तक) के घट्यादि मान में ८ के भाग से लब्धांक १ प्रहर का मान होता है। तिथि के आरंभ से प्रहर की गणना करनी चाहिये।

विवाहे पंचशलाकाचक्रम्

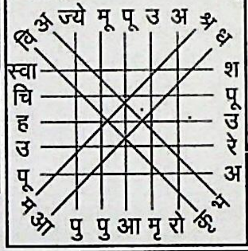

संर्वकार्येषु सप्तशलाकाचक्रम्

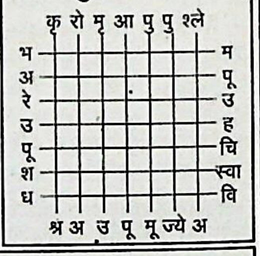

अथ मांगलिक बोधाय

लग्ने व्यये च पाताले, जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्या भर्त्तुर्विनाशाय भर्त्ता कन्या विनाशकः॥

वर कन्या के परस्पर जन्मांग और राशिचक्र के लग्न, चतुर्थ, सप्तम्, अष्टम् और द्वादशभावों में अवस्थित मंगल परस्पर विनाशकारी है।

अथ द्वादश राशिप. न. मासतिथिन. योगकरणादिघरतस्य तथा स्त्रीचन्द्रघात कोष्टकम्

राशि	मास	तिथि	वार	नक्षत्र	योग	करण	प्र.	ल.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	स्त्री.	ल.भा. घ.	प.
मेष	कार्तिक	नंदा	रवि	मघा	विष्कं.	बव	१	१	४	१	५	२	६	७	३	८	१	३	३८
वृषभ	मार्ग.	पूर्णा	शनि	हस्त	शू.	श.	४	२	८	५	९	६	१०	१०	७	१२	८	४	११
मिथुन	आषाढ	भद्रा	चंद्र	स्वाती	परि.	चं.	३	४	१२	९	१	१०	२	३	११	४	७	५	२३
कर्क	पौष	भद्रा	बुध	अनुराधा	व्या.	ना.	१	७	५	२	६	३	७	८	४	९	९	५	४४
सिंह	जेष्ठ	जया	शनि	मूल	धृ	व.	१	१०	९	६	१०	७	११	१२	८	१	५	५	५०
कन्या	भाद्र.	पूर्णा	शनि	श्रवण	शू.	कौ.	१	१२	१	१०	२	११	३	४	१२	५	३	५	४१
तुला	माघ	रिक्ता	गुरु	शत.	शू.	तै.	४	६	६	३	७	४	८	९	५	१०	६	५	४१
वृश्चिक	आश्वि.	नंदा	भृगु	रेवती	व्यती	ग.	१	८	१०	७	११	८	१२	१	९	२	२	५	५०
धनु	श्रावण	जया	शु.	भरणी	वश	तै.	१	९	७	४	८	५	९	१०	६	११	१०	५	४२
मकर	वैशाख	रिक्ता	भौम	रोहिणी	वै	श.	४	११	१२	८	१२	९	१	२	१०	३	११	५	२
कुंभ	चैत्र	जया	गुरु	आर्द्रा	गं.	किं.	३	३	२	११	३	१२	४	५	१	६	५	४	८
मीन	फाल्गुन	पूर्णा	शुक्र	आश्लेषा	वै.	च.	४	५	६	१२	४	१	५	६	२	७	१२	३	३५

चोरी, लाभालाभ को.

अंध	मंद	मध्य	सुलो.
रो.	मृ.	आ.	पु
पु.	आ.	म.	पू.
उ.	ह.	चि.	स्वा.
वि.	अनु	ज्ये.	मू.
पू.	उ.	भि.	श्र
ध.	श	पू.	उ.
रे.	अ.	भ.	कृ.
शीघ्रप्राप्ति	दिन ३ मि.	मास १ मि.	मिले नहीं

अथ ग्रहाणां मित्र सम शत्रूच्चनीचस्वगृह दृष्टि रत्नादि कोष्टकम्

ग्रहाणां नाम	रवि	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्रग्रहाः	चं.मं.गु.	सू. बु.	र.गु.चं.	सू. रा.शु.	सू.चं.मं.	बु.रा.श.	बु.रा.शु.	बु.श.शु.	बु.श.शु.
समग्रहाः	बु.	मं. शु. गु.श.	शु. श.	श.मं.गु.	श. रा.	मं. गु.	गु.	गु.	गु.
शत्रूग्रहाः	श.रा.शु	रा.	बु. रा.	चं.	बु. शु.	सू. चं.	सू.चं.मं.	सू.चं.मं.	सू.चं.मं.
उच्चराशयः	मेष	वृषभ	मकर	कन्या	कर्क	मीन	तुला	मिथुन	धनु
परमोच्चांशाः	१०	३	२८	१५	५	२७	२०	०	१५
नीचराशयः	तुला	वृश्चिक	कर्क	मीन	मकर	कन्या	मेष	धनु	मिथुन
नीचांशाः	१०	३	२८	१५	५	२७	२०	०	१५
ग्रहाणां स्वगृहाणि	सिंह	कर्क	मेष वृश्चिक	कन्या मिथुन	धनु मीन	तुला वृषभ	मकर कुंभ	कन्या	मीन
एकपाददृष्टिः	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	०।०	३।१०	३।१०
द्विपाददृष्टिः	५।९	५।९	५।९	५।९	०।०	५।९	५।९	५।९	५।९
त्रिपाददृष्टिः	४।८	४।८	०।०	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८
संपूर्णदृष्टिः	७	७	४।७।८	७	५।९।७	७	३।१०।७	७	७
ग्रहाणांवर्षाणि	२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४२
नेष्टग्रहस्य वर्षे दानोपायसाधन	हरिवंश श्रवण	रुद्रार्चन	रुद्रज	कास्य-दान	अमावस्या व्रत	गोप्रति पालन	मृत्युंजय जप	भुजग दान	ध्वजा-दान
राशी भु. प्राक्.	मास १	दिन २।	मा. १॥	मास१	मा.१३	मास १	मा. ३०	मा.१८	मा.१८
ग्रह रत्नानि.	माणक	मोती	प्रवाल	पन्ना	पुष्परा.	हीरा	नीलम	पिरोज	लसाठी
समय	मध्याह्न	अपराह्न	मध्याह्न	प्रभात	प्रभात	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न
अष्टोत्तरीदशा	६	१५	८	१७	१९	२१	१०	१२	०
योगिनीदशा	मंगला	पिंगला	धान्या	भ्राम	भद्रि	उल्का	सिद्धा	सक.	
वर्ष ३६	१	२	३	४	५	६	७	८	
जन्मनक्षत्र वशात-	आर्द्रा चि. श्र.	पुन स्वा. ध.	पु. वि. शत.	अश्वि.श्ले. अनु.पूभा	भ.म ज्ये उ.भा	कृ.पू.फा मू.रे	रो.उफा पू.षा.	मृ. ह. उ.षा.	

कन्यायाः ॥ योनि गुण चक्रम् ॥ वरस्य

योनि	अश्व	गज	मेष	सर्प	श्वान	मार्जार	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	मृग	वानर	नकुल	सिंह
अश्व	४	२	३	२	२	३	३	२	०	१	३	२	२	१
गज	२	४	३	२	२	३	३	३	३	१	३	२	२	०
मेष	३	३	४	२	२	३	३	३	३	१	३	०	१	१
सर्प	२	२	२	४	२	१	१	२	२	२	२	१	०	२
श्वान	२	२	२	२	४	१	१	२	२	२	०	२	२	२
मार्जार	३	३	३	१	१	४	०	३	३	२	३	२	२	२
मूषक	३	२	२	१	२	०	४	३	३	२	३	२	१	२
गौ	२	३	३	२	२	३	३	४	३	०	३	२	२	१
महिष	०	३	३	२	२	३	३	३	४	१	३	२	२	१
व्याघ्र	१	१	१	२	२	२	२	०	१	४	१	२	२	३
मृग	३	३	३	२	०	३	३	३	३	१	४	२	२	१
वानर	२	२	०	१	२	२	२	२	२	२	२	४	२	२
नकुल	२	२	२	०	२	२	१	२	२	२	२	२	४	२
सिंह	१	०	१	२	२	२	१	१	१	३	१	२	२	४

नाडी गुण चक्रम्

कन्यायाः / वरस्य	आद्य	मध्य	अंत्य
आद्य	०	८	८
मध्य	८	०	८
अंत्य	८	८	०

वश्य गुण चक्रम् ॥ वरस्य

कन्यायाः	चतुष्पद	मानव	जलचर	वनचर	कीटक
चतुष्पद	२	१	१	०	१
मानव	१	२	॥	०	१
जलचर	१	॥	२	१	१
वनचर	०	०	१	२	०
कीटक	१	१	१	०	२

वर्ण गुण चक्रम् ॥ वरस्य

कन्यायाः	ब्राह्मण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
ब्राह्मण	१	०	०	०
क्षत्रिय	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

गण गुण चक्रम् ॥वरस्य

कन्यायाः / वरस्य	देव	मनुष्य	राक्षस
देव	६	६	१
मनुष्य	६	५	०
राक्षस	०	०	६

कन्यायाः ॥ तारागुण चक्रम् ॥ वरस्य

	१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
२	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
३	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
४	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
५	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
६	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
७	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
८	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
९	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३

ग्रहगुण चक्रम् । वरस्य

कन्यायाः	सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
सूर्य	५	५	५	४	५	०	०
चन्द्र	५	५	४	१	४	॥	॥
मंगल	५	४	४	॥	५	३	॥
बुध	४	१	॥	५	॥	५	४
गुरु	५	४	५	॥	५	॥	३
शुक्र	०	॥	३	५	॥	५	५
शनि	०	॥	॥	४	३	५	५

भकूट गुण बोधाय

वर-कन्या के परस्पर राश्यैक, ३/११, ४/१० तथा सम सप्तम हों तो ७ गुण लेना। द्विर्द्वादश, षडाष्टक, नव-पंचम (२/१२, ६/८, ९/५) में राशी स्वामी एक हो तो भी गुण ग्राह्य हैं अन्यथा नहीं.

बालाद्यवस्था

विषमे	अंशाः	समे
बाला.	६	मृता.
कुमारा.	१२	वृद्धा.
युवा.	१८	युवा.
वृद्धा.	२४	कुमारा.
मृताऽ.	३०	बाला.

पञ्चधा मैत्री चक्रम्

१	मित्र+मित्र	अतिमित्र
२	मित्र+सम	मित्र
३	मित्र+शत्रु	सम
४	सम+शत्रु	शत्रु
५	शत्रु+शत्रु	अतिशत्रु

तात्कालिक मैत्री चक्रम्

मित्र	शत्रु
२, ३, ४, १०, ११, १२	१, ५, ६, ७, ८, ९

अश्वचक्रम्

सूर्यभात	५	१०	२	४	५	२
अंगानि	स्कंधे	पृष्ठे	पुच्छे	चतुष्पादे	उदरे	मुखे
फलम्	लक्ष्मी	अर्थ-सिद्धिः	स्त्रीनाश	रणभङ्ग	अश्व-नाश	अर्थ-लाभ

ज. जाग्रताद्यवस्था

विषमे	अंशाः	समे
जाग्रत्	१०	सुषुप्तिः
स्वप्न	२०	स्वप्न
सुषुप्तिः	३०	जाग्रत्

१ मूंग
२ हरितवस्त्र
३ सुवर्ण
४ कांस्य
५ मृगमद
६ आज्य
७ पंचरत्न
८ दासी
९ हस्तिदंत

ईशान्यांबाणाकारमंडल अंगुल ४ मगधदेश आत्रेयसगोत्र पीतवर्ण कन्यामिथुनको स्वामी जप ४०००

१ चित्रांबर
२ श्वेताश्व
३ धेनु
४ हीरा
५ रौप्य
६ सुवर्ण
७ तंदुल
८ सुगंध
९ घृत

पूर्वे पंचकोणमंडल वृष तुलाको स्वामी भोजकट देश भार्गवसगोत्र श्वेतवर्ण जप १६०००

१ वशपात्र
२ तंदुल
३ कर्पूर
४ मौक्तिक
५ श्वेतवस्त्र
६ वृषभ
७ रौप्य
८ घृतकुंभ
९ शंख

आग्नेय्यां चतुरस्त्रमंडल अंगुल ४ यमुनातीर देश आत्रेयसगोत्र श्वेतवर्ण कर्कको स्वामी जप ११०००

१ अश्व
२ शर्करा
३ हलद
४ पीतधान्य
५ पीतवस्त्र
६ पुष्पराग
७ लवण
८ कांचन

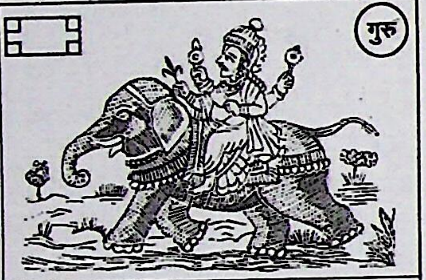

उत्तरदाघचतुरस्त्रमंडल अंगुल ६ सिंधुदेशाद्भव आंगि-रस गोत्र पीतवर्ण धनु मीनका स्वामी जप१९०००

१ माणिक
२ गेहूं
३ धेनु
४ कुसुंभ
५ गुड
६ ताम्र
७ रक्तवस्त्र
८ रक्तपुष्प
९ सुवर्ण

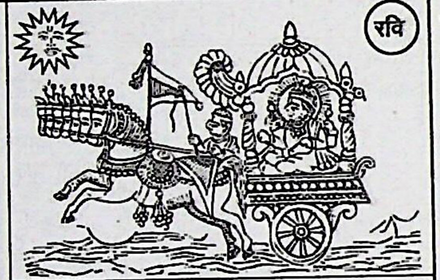

मध्यवर्तुलमंडल अंगुल १२ कलिंगदेशाद्भव काश्यप-सगोत्र रक्तवर्ण सिंहको स्वामी जप ७०००

१ प्रवाल
२ गेहूँ
३ मसूर
४ ताम्रवस्त्र
५ गुड
६ सुवर्ण
७ ताम्र
८ कण्हेर
९ वृषभ

द. त्रिकोणमंडल अंगुल ३ अवंतीदेशाद्भव भारद्वाज-सगोत्र रक्तवर्ण वृश्चिक मेषको स्वामी जप १००००

१ वैडूर्य
२ तिल
३ कंबल
४ कस्तूरी
५ शस्त्र
६ कृष्णवस्त्र
७ तैल
८ कृष्णपुष्प
९ छाग
१० लोहपात्र

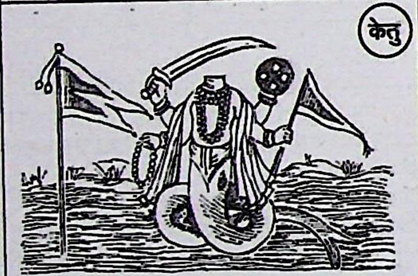

वायव्य ध्वजाकारमंडल केतु अंगुल ६ अवंतिदेश जैमिनिसगोत्र धूम्रवर्ण जप १७०००

१ माष
२ तिल
३ तैल
४ कुलित्थ
५ महिषी
६ लोहू
७ कृष्णागौ
८ इंद्रनील
९ शामवस्त्र

प. धनुराकारमंडल अंगुल २ सौराष्ट्रदेश काश्यपसगोत्र मकर कुंभको स्वामी कृष्णवर्ण जप २३०००

१ गोमेदरत्न
२ अश्व
३ नीलवस्त्र
४ कंबल
५ तिल
६ तैल
७ लोह
८ अभ्रक

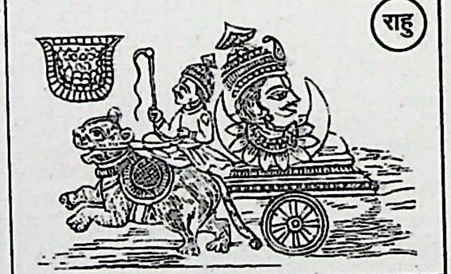

नैऋत्या शूर्पाकारमंडल अंगुल १२ काश्मीरदेश पैठीनसगोत्र कृष्णवर्ण जप १८०००

नामानि	दिवा सहमानि नीलकंठमते	रात्रौ सहमानि
पुण्यम्.	चन्द्र में सूर्य हीन करके लग्न युक्त करो।	सूर्य में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करना।
गुरु:विद्या	सूर्य में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करो।	चन्द्र में सूर्य हीन करके लग्न युक्त करना।
यश:बलम्	गुरु में पुण्य सहम करके लग्न युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
मित्रम्	गुरु सहम में पुण्य हीन करके भृगु युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु सहम हीन करके शुक्र युक्त करना।
माहात्म्यं सौर्य	पुण्य सहम में मंगल हीन करके लग्न युक्त करो।	मंगल में पुण्य सहम हीन करके लग्न युक्त करना।
आशा.	शनि में शुक्र हीन करके लग्न युक्त करो।	शुक्र में शनि हीन करके लग्न युक्त करना।
सामर्थ्यम्.	मंगल में लग्नेश हीन करके लग्न युक्त करो। यदि लग्नेश भी भौम होय तो गुरु लेना।	लग्नेश में भौम हीन करके लग्न जोडना। लग्नेश भौम होय तो यहां गुरु ग्रहण करना।
भ्राता.	गुरु में शनि हीन करके लग्न युक्त करो।	शनि में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
गौरवम्	गुरु में चन्द्र हीन करके सूर्य युक्त करो। सूर्य राशि।	गुरु में सूर्य हीन करके चन्द्र युक्त करना। चन्द्र राशि।
राज्यम्. पिता.	शनि में सूर्य हीन करके लग्न युक्त करो।	सूर्य में शनि हीन करके लग्न युक्त करना।
माता	चन्द्रमा में भृगु हीन करके लग्न युक्त करो।	भृगु में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करना।
स्त्री	सप्तमेश में भृगु हीन करके सप्तम भाव युक्त करो।	सप्तमेश में भृगु हीन करके शनि युक्त करना।
पुत्रः	गुरु में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करो।	गुरु में चंन्द्रमा हीन करके लग्न युक्त करना।
रोगः	लग्न में चन्द्र हीन करके लग्न युक्त करो।	लग्न में चन्द्रमा हीन करके लग्न युक्त करना।
मृत्युः	अष्टमभाव में चन्द्र हीन करके शनि युक्त करो।	अष्टमभाव में चन्द्र हीन करके शनि युक्त करना।
देशान्तरम्	नवमभाव में नवमेश हीन करके लग्न युक्त करो।	नवमभाव में नवमेश हीन करके लग्न युक्त करना।
धनम्	धनभाव में धनभावेश हीन करके लग्न युक्त करो।	धनभाव में धनभावेश हीन करके लग्न युक्त करना।
वाणिज्यम्	चन्द्र में बुध हीन करके लग्न युक्त करो।	चन्द्र में बुध हीन करके लग्न युक्त करना।
प्रसूतिः	गुरु में बुध हीन करके लग्न युक्त करो।	बुध में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
श्रद्धा	भृगु में भौम हीन करके लग्न युक्त करो।	भृगु में भौम हीन करके लग्न युक्त करना।
बलम्	गुरु में पुण्य सहम हीन करके लग्न युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
देहः	गुरु में पुण्य सहम हीन करके लग्न युक्त करो।	पुण्य सहम में गुरु हीन करके लग्न युक्त करना।
व्यापारः	भौम में बुध हीन करके लग्न युक्त करो।	भौम में बुध हीन करके लग्न युक्त करना।
रिपुः	भौम में शनि हीन करके लग्न युक्त करो।	शनि में भौम हीन करके लग्न युक्त करना।

गोरख पतडो

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	आ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मा.	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	सौख्यं	क्लेशः	भीतिः	अर्था.
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	शून्यं	नैःस्वम्	नैःस्वम्	मिश्रम्
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	धननाश	दुःखम्	इष्टाप्तिः	अर्था.
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	लाभः	सौख्यम्	मंगलम्	वित्तलाभः
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	लाभः	द्रव्याप्तिः	धनम्	सौख्यम्
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	भयम्	लाभः	मृत्युः	अर्था.
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	लाभः	कष्टम्	द्रव्यलाभः	सुखम्
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	कष्टम्	सौख्यम्	क्लेशः	सुखम्
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	सौख्यम्	लाभः	कार्यम्	कष्टम्
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	क्लेशः	कष्टात्सि	अर्थः	धनम्
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	मृत्युः	लाभः	द्रव्यलाभः	शून्यम्
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	शून्यम्	सौख्यम्	मृत्युः	अत्यंत-कष्टम्

अथ सहम करने की रीति :- सहमसांरिणी में जो सहम करना हो सो देखके करना परंतु इतना ध्यान रखना चाहिये कि घटने वाले से लेके जिसमें घटाया जायेगा इसके अन्तर्गत लग्न नहीं होय तो सहम में राशि १ युक्त करना नहीं तो नहीं करना और वर्ष लग्न में ग्रहों सहित सहम लगा देना चाहिये पीछे उस श्लोकप्रमाण से फल देखना।

श्लोक :- स्वस्वामिना शुभखगैः सहितं च दृष्टं स्वामी बली च यदि तत्सहमस्य वृद्धिः।
यस्वामिना शुभखगैश्च न युक्तद्दष्टं तत्संभवो नहि भवेदिति चिंत्यमादौ॥१॥

जो सहम अपना स्वामी और शुभग्रहों से युक्त हो और दृष्ट होय या उसका स्वामी बलवान हो तब उस सहम की वृद्धि होवेगी और यदि अपने स्वामी और शुभ ग्रहों के संग और दृष्टि नहीं होय तो समझ लेना उस सहम की वृद्धि नहीं होवे ऐसा आदि में विचार करके कहना चाहिये। इत्यलम्।

दशमसारिणी सुगमा.

अंशाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
९ मकर	४ ११	४ ३०	४ ४१	४ ५१	५ १	५ १२	५ २३	५ ३३	५ ४३	५ ५३	६ ३	६ १३	६ २३	६ ३३	६ ४३
१० कुंभ	९ २२	९ ३२	९ ४२	९ ५२	१० २	१० १२	१० २२	१० ३१	१० ४०	१० ४९	१० ५९	११ ८	११ १७	११ २६	११ ३६
११ मिन	१४ ४	१४ १३	१४ २२	१४ ३२	१४ ४१	१४ ५०	१५ ०	१५ ९	१५ १८	१५ १७	१५ ३७	१५ ४६	१५ ५५	१६ ४	१६ १४
० मेष	१८ ४२	१८ ५१	१९ ०	१९ १०	१९ १९	१९ २८	१९ ३८	१९ ४८	१९ ५८	२० ८	२० १८	२० २८	२० ३८	२० ४८	२० ५८
१ वृषभ	२३ ३७	२३ ४७	२३ ५७	२४ ७	२४ १७	२४ २७	२४ ३७	२४ ४८	२४ ५८	२५ १०	२५ २०	२५ ३१	२५ ४२	२५ ५२	२६ ३
२ मिथुन	२८ ५५	२९ ६	२९ १६	२९ २७	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० १०	३० २१	३० ३२	३० ४३	३० ५३	३१ ४	३१ १५	३१ २६
३ कर्क	३४ १८	३४ २९	३४ ३९	३४ ५०	३५ १	३५ १२	३५ २३	३५ ३३	३५ ४३	३५ ५३	३६ ३	३६ १३	३६ २३	३६ ३३	३६ ४३
४ सिंह	३९ २२	३९ ३२	३९ ४२	३९ ५२	४० २	४० १२	४० २२	४० ३१	४० ४०	४० ४९	४० ५९	४१ ८	४१ १७	४१ २६	४१ ३६
५ कन्या	४४ ४	४४ १३	४४ २२	४४ ३२	४४ ४१	४४ ५०	४५ ०	४५ ९	४५ १८	४५ २७	४५ ३७	४५ ४६	४५ ५५	४६ ४	४६ १४
६ तुला	४८ ४१	४८ ५१	४९ ०	४९ १०	४९ १९	४९ २८	४९ ३८	४९ ४८	४९ ५८	५० ८	५० १८	५० २८	५० ३८	५० ४८	५० ५८
७ वृश्चिक	५३ ३७	५३ ४७	५३ ५७	५४ ७	५४ १७	५४ २७	५४ ३७	५४ ४८	५४ ५८	५५ ९	५५ २०	५५ ३०	५५ ४१	५५ ५२	५६ ३
८ धनु	५८ ५५	५९ ६	५९ १६	५९ २७	५९ ३८	५९ ४९	० ०	० १०	० २१	० ३२	० ४३	० ५३	१ ४	१ १५	१ २६

अंशाः	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
९ मकर	६ ५३	७ २	७ १२	७ २२	७ ३२	७ ४२	७ ५२	८ २	८ १२	८ २२	८ ३२	८ ४२	८ ५२	९ २	९ १२
१० कुंभ	११ ४५	११ ५४	१२ ४	१२ १३	१२ २२	१२ ३१	१२ ४१	१२ ५०	१२ ५९	१३ ८	१३ १८	१३ २७	१३ ३६	१३ ४६	१३ ५५
११ मिन	१६ २३	१६ ३२	१६ ४१	१६ ५१	१७ ०	१७ ९	१७ १९	१७ २८	१७ ३७	१७ ४६	१७ ५६	१८ ५	१८ १४	१८ २३	१८ ३३
० मेष	२१ ८	२१ १८	२१ २७	२१ ३७	२१ ४७	२१ ५७	२२ ७	२२ १७	२२ २७	२२ ३७	२२ ४७	२२ ५७	२३ ७	२३ १७	२३ २७
१ वृषभ	२६ १३	२६ २४	२६ ३५	२६ ४६	२६ ५६	२७ ७	२७ १८	२७ २९	२७ ४०	२७ ५०	२८ १	२८ १२	२८ २३	२८ ३३	२८ ४४
२ मिथुन	३१ ३६	३१ ४७	३१ ५८	३२ ९	३२ १९	३२ ३०	३२ ४१	३२ ५२	३३ ३	३३ १३	३३ २४	३३ ३५	३३ ४६	३३ ५६	३४ ७
३ कर्क	३६ ५३	३७ २	३७ १२	३७ २२	३७ ३२	३७ ४२	३७ ५२	३८ २	३८ १२	३८ २२	३८ ३२	३८ ४२	३८ ५२	३९ २	३९ १२
४ सिंह	४१ ४५	४१ ५४	४२ ३	४२ १३	४२ २२	४२ ३२	४२ ४१	४२ ५०	४२ ५९	४३ ८	४३ १८	४३ २७	४३ ३६	४३ ४५	४३ ५५
५ कन्या	४६ २३	४६ ३२	४६ ४१	४६ ५१	४७ ०	४७ ८	४७ १८	४७ २७	४७ ३७	४७ ४६	४७ ५५	४८ ४	४८ १४	४८ २३	४८ ३२
६ तुला	५१ ८	५१ १८	५१ २८	५१ ३७	५१ ४७	५१ ५७	५२ ७	५२ १७	५२ २७	५२ ३७	५२ ४७	५२ ५७	५३ ७	५३ १७	५३ २७
७ वृश्चिक	५६ १३	५६ २४	५६ ३५	५६ ४६	५६ ५६	५७ ७	५७ १८	५७ २९	५७ ४०	५७ ५०	५८ १	५८ १२	५८ २३	५८ ३३	५८ ४४
८ धनु	१ ३६	१ ४७	१ ५८	२ ९	२ १९	२ ३०	२ ४१	२ ५२	३ ३	३ १३	३ २४	३ ३५	३ ११	३ ५८	४ ९

देखिये न नतका काम न उन्नतका काम फक्त लग्नसारिणी में जिन अंकोंसे लग्न मालुम हुआ है उन्ही अंकोसे इस सारिणी में दशम सिद्ध होगा. उदाहरण जैसे सूर्य० मेषराशिका०अंशके दिन १५ पंद्रह घटी ४५ पैंतालीस पलमें दशम ० मेषराशिका ० पुर्ण अंश सिद्ध हुआ। ज्योतिषी पण्डित हरदेवशर्मा (दांता रामगढ़)

मुम्बई लग्नसारिणी अयनांशा: २४ चरखंडानि ४०।३२।१३ अक्षभा ४।७

अंशाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
मेष ०	३ १०	३ १८	३ २६	३ ३४	३ ४२	३ ५०	३ ५८	४ ६	४ १५	४ २४	४ ३६	४ ४२	४ ५१	५ ०	५ ९
वृष. १	७ ३१	७ ४०	७ ४९	७ ५८	८ ७	८ १६	८ २५	८ ३५	८ ४५	८ ५६	९ ६	९ १६	९ २७	९ ३८	९ ४७
मिथुन २	१२ ३३	१२ ४३	१२ ५३	१३ ४	१३ १४	१३ २४	१३ ३५	१३ ४६	१३ ५७	१४ ८	१४ १९	१४ ३१	१४ ४२	१४ ५३	१५ ४
कर्क ३	१८ ३	१८ १५	१८ २६	१८ ३७	१८ ४८	१८ ५९	१९ ११	१९ २२	१९ ३३	१९ ४४	१९ ५५	२० ६	२० १७	२० २८	२० ३९
सिंह ४	२३ ३५	२३ ४७	२३ ५८	२४ ९	२४ २०	२४ ३१	२४ ४२	२४ ५२	२५ ३	२५ १३	२५ २४	२५ ३५	२५ ४५	२५ ५६	२६ ६
कन्या ५	२८ ५६	२९ ७	२९ १७	२९ २८	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० १०	३० २१	३० ३१	३० ४२	३० ५३	३१ ३	३१ १४	३१ २४
तुला ६	३४ १४	३४ २५	३४ ३५	३४ ४६	३४ ५६	३५ ७	३५ १८	३५ २९	३५ ४०	३५ ५१	३६ २	३६ १३	३६ २४	३६ ३५	३६ ४६
वृश्चिक ७	३९ ४२	३९ ५४	४० ५	४० १६	४० २७	४० ३८	४० ३९	४१ ०	४१ ११	४१ २२	४१ ३४	४१ ४५	४१ ५६	४२ ७	४२ १९
धनु ८	४५ १८	४५ २९	४५ ४०	४५ ५१	४६ ३	४६ १४	४६ २५	४६ ३५	४६ ४६	४६ ५६	४७ ६	४७ १७	४७ २७	४७ ३७	४७ ४८
मकर ९	५० ३३	५० ४३	५० ५४	५१ ४	५१ १४	५१ २५	५१ ३५	५१ ४४	५१ ५३	५२ २	५२ ११	५२ २०	५२ २८	५२ ३७	५२ ४६
कुंभ १०	५५ ९	५५ १८	५५ २६	५५ ३५	५५ ४४	५५ ५३	५६ २	५६ १०	५६ १८	५६ २६	५६ ३४	५६ ४२	५६ ४९	५६ ५७	५७ ५
मीन ११	५९ १२	५९ २०	५९ २८	५९ ३६	५९ ४४	५९ ५२	० ०	० ८	० १६	० २४	० ३२	० ४०	० ४७	० ५५	१ ३

अंशाः	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
मेष ०	५ १८	५ २७	५ ३६	५ ४५	५ ५३	६ २	६ ११	६ २०	६ २९	६ ३८	६ ४७	६ ५६	७ ५	७ १३	७ २२	२३८
वृष. १	९ ५८	१० ८	१० १८	१० २९	१० ३९	१० ४९	११ ०	११ १०	११ २०	११ ३१	११ ४१	११ ५१	१२ २	१२ १२	१२ २२	२६७
मिथुन २	१५ १५	१५ २७	१५ ३८	१५ ४९	१६ ०	१६ ११	१६ २३	१६ ३४	१६ ४५	१६ ५६	१७ ७	१७ १९	१७ ३०	१७ ४१	१७ ५२	३१०
कर्क ३	२० ५०	२१ १	२१ १२	२१ २३	२१ ३४	२१ ४५	२१ ५६	२२ ७	२२ १८	२२ २९	२२ ४०	२२ ५१	२३ २	२३ १३	२३ २४	३३६
सिंह ४	२६ १७	२६ २८	२६ ३८	२६ ४९	२६ ५९	२७ १०	२७ २१	२७ ३१	२७ ४२	२७ ५२	२८ ३	२८ १४	२८ २४	२८ ३५	२८ ४५	३३१
कन्या ५	३१ ३५	३१ ४६	३१ ५६	३२ ७	३२ १७	३२ २८	३२ ३९	३२ ४९	३३ ०	३३ १०	३३ २१	३३ ३२	३३ ४२	३३ ५३	३४ ३	३१८
तुला ६	३६ ५७	३७ ८	३७ १९	३७ ३०	३७ ४१	३७ ५२	३८ ३	३८ १४	३८ २५	३८ ३६	३८ ४७	३८ ५८	३९ ९	३९ २०	३९ ३१	३१८
वृश्चिक ७	४२ ३०	४२ ४१	४२ ५२	४३ ३	४३ १५	४३ २६	४३ ३७	४३ ४८	४३ ५९	४४ ११	४४ २२	४४ ३३	४४ ४४	४४ ५५	४५ ७	३३१
धनु ८	४७ ५८	४८ ८	४८ १९	४८ २९	४८ ३९	४८ ५०	४९ ०	४९ १०	४९ २१	४९ ३१	४९ ४१	४९ ५२	५० २	५० १२	५० २३	३३६
मकर ९	५२ ५५	५३ ४	५३ १३	५३ २२	५३ ३१	५३ ४०	५३ ४९	५३ ५७	५४ ६	५४ १५	५४ २४	५४ ३३	५४ ४२	५४ ५१	५५ ०	३१०
कुंभ १०	५७ १३	५७ २१	५७ २९	५७ ३७	५७ ४५	५७ ५३	५८ १	५८ ९	५८ १७	५८ २५	५८ ३३	५८ ४१	५८ ४८	५८ ५६	५९ ४	२६७
मीन ११	१ ११	१ १९	१ २७	१ ३५	१ ४३	१ ५१	१ ५९	२ ७	२ १५	२ २३	२ ३१	२ ३९	२ ४६	२ ५४	३ १	२६८

श्रीगणेशाय नमः ।। अथ लग्न सारणी ।। घटी-पल, परमरविक्रान्ति २३° २६′ १९″

अक्षांशाः २८° १०′, अयनांशाः २४° ०′, अं.व्यंगु.पलभा ६।२३,चरखण्डाः६१।५८, ५०।३५, २०।४६,(खगोलिक अक्षांशाः २८° ०′ २३″)

राशि	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	स्वदेशोदयपलानि
मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	२१७।०९
०	५३	०	७	१५	२२	३०	३८	४५	५३	१	८	१६	२४	३२	४०	४७	५५	४	१२	२०	२८	३६	४४	५३	१	१०	१८	२७	३५	४४	७।१४
वृष.	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	२४८।३०
१	५३	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४२	५१	१	११	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२२	३२	८।१७
मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	३०१।०२
२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	१०।०२
कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	३४२।३५
३	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	४२	५३	५	१७	२९	४०	५२	४	१५	२७	३९	५१	२	१४	२६	३७	४९	१	१२	२४	३५	४७	५९	११।२५
सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३४९।३९
४	१०	२२	३३	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	११।३९
कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४१।०४
५	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	१६	२८	३९	५०	२	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२१	११।२२
तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	३४१।०४
६	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	३	१४	२६	३७	४९	१	१२	२४	३६	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	९	११।२२
वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	३४९।३९
७	२१	३३	४४	५६	८	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	४१	५३	५	१६	२८	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	११।३९
धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	३४२।३५
८	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४६	५७	८	१८	२९	३९	५०	०	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५०	०	१०	११।२५
मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	३०१।०२
९	१९	२९	३८	४७	५७	६	१५	२४	३३	४२	५१	०	८	१७	२६	३४	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	१०।०२
कुंभ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२४८।३०
१०	३७	४५	५३	०	८	१६	२३	३१	३८	४६	५३	१	८	१६	२३	३०	३८	४५	५२	५९	७	१४	२१	२८	३५	४२	५०	५७	४	११	८।१७
मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	.२	२	२	२	२	२१७।०९
११	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	१४	२२	२९	३६	४३	५०	५७	४	११	१८	२५	३३	४०	४७	५४	१	९	१६	२३	३०	३८	४५	७।१४

चरसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

स्वात्यादित्ये श्रुतेस्त्रीणि चन्द्रश्चापि चरं चलम्।
तस्मिन्गजादिकारोहो वाटिकागमनादिकम्।।

स्वाती, पुनवसु, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा नक्षत्र और चन्द्रवार इनकी चर और चल संज्ञा है। इन नक्षत्रों में हाथी, घोड़े आदि सवारी (मोटरगाड़ी आदि सभी तरह की सवारियाँ) शुभ होता है।

मिश्रसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

विशास्वाग्नेयमे सौम्यो मिश्रं साधारणं स्मृतम्।
तत्राग्निकार्य मिश्रं च वृषोत्सर्गादि सिद्धयति ।।

विशास्वा, कृत्तिका तथा बुधवार इनकी मिश्र और साधारण संज्ञा है इनमें अग्निकार्य (अग्निहोत्र अर्थात् यज्ञ, हवनादि) मिश्रकार्य और वृषोत्सर्ग (मनोरथ पूर्ति के लिए वृषोत्सर्ग) करना शुभ है।

मृदुसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

मृगान्त्यचित्रामित्रर्क्ष मृदु मैत्रं भृगुस्तथा।
तत्र गीताम्बरक्रीडा मित्रकार्यं विभूषणम् ।।

मृगशिरा, रेवती, चित्रा, अनुराधा तथा शुक्रवार इनकी मृदु और मैत्र संज्ञा है इनमें गीत गाना, वस्त्र बनाना और पहनना, खेल खेलना, मित्र सम्बन्धी कार्य और भूषणों का बनाना तथा पहनना ये सब शुभ होते है.।

यामार्द्धकुलिकादिचक्रम्

वारः	यामार्द्ध घ.			कुलिकाः	कालवेला	यमघण्टः	कंटकः
	सं.	प्रष्ट	नि.	कृ.	का.	व.	क.
सूर्यः	४	१२	१६	१४	८	१०	६
सोमः	७	२४	२८	१२	६	८	४
मंगलः	२	४	८	१०	४	६	२
बुधः	५	१६	१०	८	२	४	१४
गुरुः	८	८	३	६	१४	२	१२
शुक्रः	३	८	१२	४	१२	१४	१०
शनिः	६	०	२४	२	१०	१३	८

यामार्द्ध ४।४ घटी के अन्यकुलिकादि २।२ घटी के ६ मुहूर्त उक्त वारों के उक्त समय में होते है। शु. कृ. वे है।

तीक्ष्णदारुणनक्षत्राणि तत्कृत्यं च.

मूलेन्द्रार्द्राहिमं सौरिस्तीक्ष्णं दारुणसंज्ञकम्।
तत्राभिचारघातोग्रभेदाः पशुदमादिकम् ।।

मूल ज्येष्ठा आर्द्रा ऽश्ले शनिवार इनकी तीक्ष्ण तथा दारुण संज्ञा है इनमें अभिचार, घात, उग्र, भेद, पशुदमादिक कर्म करना श्रेष्ठ है ।।

ध्रुवसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

उत्तरात्रय-रोहिण्यो भास्करश्च ध्रुवं स्थिरम्।
तत्र स्थिरं बीजगेहशान्त्यारामादि सिद्धये ।।

तीनों उत्तरा (उत्तरा फाल्गुनी, उत्तराषाढा और उत्तरा भाद्रपद) और रोहिणी और रविवार इनकी ध्रुव तथा सिथर संज्ञा है. इनमें स्थिर कार्य, बीज बोना, गृहारम्भ, शान्तिकर्म इत्यादि कार्य शुभ होते हैं।

उग्रसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

पूर्वात्रयं याम्यमघे उग्रं क्रूरं कुजस्तथा।
तस्मिन् घाताग्निशाठ्यानि विषशस्त्रादि सिद्ध्यति ।।

तीनों पूर्वा (पूर्वाफाल्गुनी,पूर्वाषाढ, पूर्वाभाद्रपद) भरणी और मघा मंगलवार इनकी उग्र तथा क्रूर संज्ञा है. इनमें उग्र (शस्त्रादि निर्माण कार्य) और क्रूर कार्य होते हैं।

क्षिप्रसंज्ञकनक्षत्राणि तत्कृत्यं च

हस्ताश्वि-पुष्याभिजितः क्षिप्रं लघु गुरुस्तथा।
तस्मिन्पण्यरतिज्ञानं भूषाशिल्पकलादिकम्।

हस्त, अश्विनी, पुष्य, अभिजित नक्षत्र और गुरुवार इनकी क्षिप्र और लघु संज्ञा है। इनमें पण्य (दुकान) खोलना, रति, शास्त्रविद्या का ज्ञान, भूषणों का बनाना और पहनना, शिल्प (चित्रकारी) कला (गान वाद्य नृत्यादि कला) कर्म शुभ होते हैं।

भ्रात्रादीनां दायविभागमुहूर्त्तयन्त्रम् । (सम्पत्ति का बटवारा)

मासाः	चैत्र	वैशास्व	ज्येष्ठ	आषाढ	श्रावण	भाद्रपद	आश्विन	कार्तिक	मार्गशीर्ष	पौष	माघ	फाल्गुन
मासफल	शोक	रोग	मरण	पशुनाश	धनसंप.	दरिद्र	कलहं	वृद्धि	धन	आनन्द	अग्निभय	सिद्धि
नक्षत्राणि	पुष्य	अनुराधा	श्रवण	चित्रा	रेवती	मूल	उत्तरा	धनिष्ठा	मृग.	शत.	०	०
वार	सोम	बुध	गुरु	शुक्र	चंद्रबल	तारावल	शुभयोग	०	शुभतिथि	०	०	०
वर्ज्यतिथि	१	४	९	१४	८	६	१२	३०	१५	भद्रा	अपयो	०

गृहारंभादिरवननेशेषचक्रम् ।

दिशाकोण	अग्नौ स्यातः	ऐशान्यां स्यातः	वायौ स्यातः	नैऋत्या स्यातः
गृहारंभे संक्रांति	५। ६। ७	८। ९ ।१०	११।१२। १	२। ३। ४
देवालये संक्रांति	१२। १। २	३। ४ । ५	६। ७। ८	९।१०।११
जलाशये संक्रांति	१०।११।१२	१। २ । ३	४। ५। ६	७। ८। ९

कूप-वापी चक्रम्

रा. नक्ष.	३	३	३	३	३	३	३	३	३
दिशा	मध्ये	पूर्वे	आग्ने	दक्षिण	निर्ऋतौ	पश्चि.	वायौ	उत्तरे	ईशा.
फलम्	शीघ्र जल	जलं नास्ति	मध्यम जल	जल नाश	बहु जल	अमृत जल	क्षार जल	जल	मध्य जल

चुल्लीचक्रम् ।

सूर्यनक्षत्रात्	६	४	८	५	२	२
फल	सुस्व	मृत्यु	सौरव्य	नाश	भोग	मृत्यु
अंग	पृष्ठ	शिर	बाहु	गर्भ	कर	पाद

चुल्लीस्थापनमहूर्तयन्त्रम् ।

वाराः	सू.	सो.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
वारफल	रोग	धनधान्य	भार्यानाश	लाभ	लक्ष्मी	धननाश	दरिद्र
ग्राह्यनक्षत्र	पूर्वा-३	आर्द्रा	रो. पु.	उत्तरा	अश्विनी	चं.बल	शु.तिथि

द्वारशारवा (चोगट) रोपणमुहूर्तयन्त्रम् ।

काष्ठशास्वा रोपण नक्षत्र	अश्वि. ह.	पु. श्र.	मृ. स्वा.		पाषाणशास्वा नक्षत्र	ध. श.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती
तिथिफल	१ दु:स्व	२।१० धननाश	३ शुभ		४।१४ अशुभ	५।१५ धनलाभ	६ अशुभ	७ धन	८।९ शुभ
त्याज्यवारादि	मं.	श.	चं.		सू.	त्रिपुष्कर	कृत्तिका	पंचक	०

स्त्रीणांचोटीआटीचम्बरमुहूर्त ।

हस्त, मूल, रोहिणी, विशास्वा, श्रवण, स्वाति, उत्तरा ३, मृग, बृहस्पति, चन्द्र, शुक्र, सूर्यवार, लग्न ५।४।१२।८।२।३, इन नक्षत्रादिकों में स्त्रियों ने आटी माथा गुथाणा ।

विपणी (दुकान) वाणिज्य मुहूर्त ।

अनु.उत्तरा, पुष्य, रेवती, रोहिणी, मृग,चित्रा, अश्विनी, अभिजित्, हस्त यह नक्षत्र, बृहस्पति, शुक्र, बुध, सोम, रविवार, शुभ तिथि, शुभलग्न, लग्न में चंद्र शुक्र हो तो दुकान बैठाना श्रेष्ठ है ।

तडागारंभे तडागचक्रम्

सूर्यनक्षत्रात्	दिशा	फल
२	पूर्व	जलशोष
२	अग्नि	बहुजल
२	दक्षिण	जलनाश
२	निर्ऋति	शुद्धजल
२	पश्चिम	स्वादु
२	वायु	जलशोष
२	उत्तर	स्थिरजल
२	ईशान्य	कुत्सितजल
५	मध्य	पूर्णजल
६	[illegible]	अमृतजल

गृहप्रवेशे वामार्कज्ञानचक्रम् ।

दिशा	पूर्वमुखे	दक्षिणमुखे	पश्चिममुखे	उत्तरमुखे
लग्नात्सूर्य स्थानि	८।९।१० ११।१२	५।६।७ ८।९	२।३।४ ५।६	११।१२।१ २।३
वामो रविः	रवि	रवि	रवि	रवि

स्तंभस्थापने स्तंभचक्रम् ।

सूर्यनक्षत्रात्	२	२०	६	०
फल	धननाश	सौख्य	मृत्यु	०
काटस्तंभस्थापने त्याज्यनक्षत्र	धनिष्ठा	शत-भिषा	पू.भा.	उ.भा. रेवती

द्वारशारवाचक्रम् ।

सूर्यभात् गणना	४	८	८	३	४
अंग	शिर	कोण	शास्वा	देहली	मध्य
फलं	लक्ष्मीप्राप्ति	उद्वसन	सौख्य	स्वामीनाश	सौख्य

यात्रा मुहूर्त विचार

अश्विनी, मृग, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त,अनुराधा, श्रवण, धनिष्टा,रेवती यह नक्षत्र यात्रा में श्रेष्ठ हैं । रोहिणी. उ.३, पू.३, मू. मध्यम और आश्लेषा, मघा, चित्रा, स्वाति, विशास्वा,ज्येष्ठा नेष्ट हैं । तिथि ४।९।१४।६।१२।३० नेष्ट हैं । जन्म लग्न और राशि से अष्टम ८ लग्न नेष्ट, कुंभ लग्न और कुंभ नवमांश में मीन पृष्ठोदय लग्न और घात चन्द्र नेष्ट हैं । लग्न से शुभ ग्रह १।४।७।१०।९।५ श्रेष्ट । पापग्रह ३।६।१०।११ श्रेष्ठ । शनि १०, शुक्र ७, चन्द्र १।६।८।१२, लग्नेश ६।७।८।१२ नेष्ट हैं ।

नूतनशकट (गाडा) चलाणेरा मुहूर्त ।

अदितिक्षिप्रभशाक्रमृदुस्तथा
भृगुजवाक्पतिपूर्णजयातिथौ ॥
शकटनावसुखासनशिल्पिका
भ्रमणिकाधरहट्टकसिद्धिदम् ॥१॥

टीका - पुनर्वसु, पुष्य, अश्विनी, हस्त, ज्येष्ठा, मृग, चित्रा, अनुराधा, रेवती, शुक्रवार, गुरुवार, ५।१०।१५।३।८।१३ यह तिथि गाडी, नौका, आसण, पालखी,हिंडोरा, रहट इत्यादि शु० काम में शुभ ।

कर्ण वेध मु. चक्रम्

नक्षत्राणि	अश्वि.पुन.पुष्य.हस्त,चित्रा अनु.मूल,श्रव,धनि.रेवती
वाराः	सोम, बुध, गुरु, शुक्र.
शुभ	२, ३, ५, ७
तिथि	१०, ११, १३ कृ. १

(१) सूर्यसंक्रान्ति से ५।७।९।१५। २१।२४ दिन धरती सूती जानना, (२)सूर्यनक्षत्रात् ५।७।९।१२।१९।२६ भूशयनं केचित् । नोट-पञ्चाङ्ग में प्रथमपक्ष का ग्रहण किया है।

भद्राअंगविभागफलचक्रम् ।

घडी	५	१	११	४	६	३
अंग	मुस्व	गल	वक्ष	नाभि	कटि	पुच्छ
फल	हानि	मृत्यु	दरिद्र	उन्मत्तता	नाश	जय

सूर्यभात् काष्ठगोमयसंचयचक्रम्

नक्षत्र	६	२	४	४
फल	रसपाक	शवदाह	सर्पभय	सुहृत्संगम
नक्षत्र	४	४	०	४
फल	रोग	भय	०	सुस्व

ग्रहणे चूडामणियोगः:- व्यासः-"रविग्रहः सूर्यवारे सोमे सोमग्रहस्तथा । चूडामणिरिति स्यातस्तत्र दत्तमनन्तकम् वारेष्वन्येषु यत्पुण्यं ग्रहणे चन्द्रसूर्ययोः ॥ तत्पुण्यं कोटिगुणितं योगे चूडामणौ स्मृतम् ॥ व्यासजी कहते हैं कि, रविवार को सूर्य और सोमवार को चन्द्रग्रहण होय तो यह चूडामणियोग है इसमें दिया हुआ अनन्त होता है जो और वारों मे चन्द्र-सूर्य के ग्रहण में दान जप का फल है उससे चूडामणियोग में करोड गुणा फल है ॥

वर्षप्रवेशसारिणी

वर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
दिन	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	५०	६	२१	३७	५२	८	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५
विप.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
वर्ष	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
दिन	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	३	४	५
घटी	१	१६	३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२१	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	०	१५	३१
पल	१६	४८	९९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०
विप.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
वर्ष	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०
दिन	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	०	१
घटी	४७	२	१८	३३	४९	४	२०	३५	५१	६	२२	३७	५३	८	२४	३९	५५	१०	२६	४२	५७	१३	२८	४४	५९	१५	३०	४६	१	१७
पल	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५
विप.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

जव किसी को वर्ष निकालना हो तो इस सारिणी से उसी वक्त निकाल लेना चाहिये । क्रिया - वर्तमान सम्वत् में जन्म समय का सम्वत् घटाने से गत वर्ष होता है उसी गत वर्ष के अंक के नीचे सारिणी में अंक, वारादि है, सो पाटी पै लिख के जन्म का वार इष्ट घटी जोड़ने से वर्षप्रवेष होता है, परंतु इतना ध्यान रक्खै कि, उपरके अंक में ७ से अधिक होवे तो ७ का भाग देना, लब्ध त्याग देना और नीचे साठि से ज्यादा हो तोसाठि के भाग से लब्ध ऊपर युक्त करने से वर्षप्रवेश का वारादि होगा । जन्म सूर्य स्पष्ट से देखना वार मिलेगा । इत्यलम् ।

राशि अक्षर विशेषः -

नक्षत्र व राशि में (श) और (स) तथा (ब) एवं (व) एक समझना । नाम में जहां दो अक्षर (क्ष,ज्ञ,द्य,ऋ) जुड़े हों वहां पहले अक्षर से देखना चाहिये (संयोगजाक्षरे नाम्नि ग्राह्य तत्र आदिम् अक्षरम्) । यथा - ज्ञानचन्द्र की (जजोर्ज्ञः) मकर राशिः । क्षेमचन्द्र की (क.ख. संयोगे क्ष) मिथुन राशि द्यालराम की (द. य. संयोगे द्य) कुम्भराशि । राशि के अक्षरों में ऋलृक् या अनुस्वार, मात्रा नहीं होती हैं, इ उ ए ओ व आदि होते हैं । जैसे ऋषिकुमार ।

राशि चक्रम् ।

चु	चे	चो	ला	लि	लु	ले	लो	अ	मेषः
इ	उ	ए	ओ	व	वि	वु	वे	वो	वृषः
क	कि	कु	घ	ङ	छ	के	को	ह	मिथुन
हि	हु	हे	हो	ड	डि	डु	डे	डो	कर्कः
म	मि	मु	मे	मो	ट	टि	टु	टे	सिंहः
टो	प	पि	पू	ष	ण	ठ	पी	पो	कन्या
र	रि	रु	रे	रो	त	ति	तु	ते	तुला
तो	न	नि	नु	ने	नो	या	यि	यु	वृश्चिकः
ये	यो	भ	भि	भू	धा	फा	ढा	भे	धनुः
भो	ज	जी	जु	जे जो	खि खि	खु खे	खो ग	गि	मकरः
गु	गे	गो	स	सि	सु	से	सो	द	कुंभः
दि	दु	थ	झ	ञ	दे	दो	च	चि	मीनः

छिक्काशब्दस्य फलज्ञानचक्रम् ।

दिशा	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम्	उत्तर	ईशान	अग्नि	नैऋति	वायव्य	ऊर्ध्व	मध्य	आत्मछिंका
फल	अशुभ	अग्नि	मिष्टान्न प्राप्ति	कलह	शुभ	शोक	शुभ	धन लाभ	शुभ	भय	भय

त्रिविष-घटी चक्रम् ।

नक्षत्र	घटी	नक्षत्र	घटी
अश्विनी	५०	स्वाती	१४
भरणी	२४	विशाखा	११
कृतिका	३०	अनुराधा	१०
रोहिणी	४०	ज्येष्ठा	१४
मृग	१४	मूल	५६
आर्द्रा	२१	पू.षा.	२४
पुनवर्सु	३०	उ.षा.	२१
पुष्य	२०	श्रवण	१०
आश्लेषा	३२	धनिष्ठा	१०
मघा	३०	शतभि	१८
पू.फा.	२०	पू.भा.	१६
उ.फा.	१८	उ.भा.	२४
हस्त	२१	रेवती	३०
चित्रा	२०·	००	००

तिथि-विष घटीचक्रम्

तिथि	घटी
प्रतिपदा	१५
द्वितीया	५
तृतीया	८
चतुर्थी	७
पंचमी	६
षष्ठी	५
सप्तमी	४
अष्टमी	८
नवमी	७
दशमी	१०
एकादशी	३
द्वादशी	१२
त्रयोदशी	१४
चतुर्दशी	७
पौर्णि.अमा.	८

॥ ग्रामवाससेवा-चक्रम् (स्वाभि.) ॥

ग्राम-नक्षत्रात्	७ मस्तके	७ पृष्ठे	७ हृदि	७ पादे
फलं	धनीमान्य	हीनदरिद्र	सुखसंपत	पर्यटन
स्वामि-नक्षत्रात्	७ मस्तक	७ पृष्ठ	७ कुक्षि	७ पाद
फलं	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ

विवाह में विहित मास - मिथुनकुम्भमृगाऽलिवृषाजगे मिथुनगेऽपि रवौ त्रिलवे शुचेः । अलिमृगाजगते करपीडनं भवति कार्तिकपौषमधुष्वपि ॥१३॥ **भावार्थः -** मिथुन, कुम्भ, मकर, वृश्चिक, वृष और मेष इन छै राशियों में सूर्य के रहने पर विवाह होता है । यदि सूर्य मिथुन राशि में रहे तो आषाढ़ मास के प्रथम त्रिभाग में (अर्थात् शुक्ल पक्ष की पड़िवा से १० मी तक) वृश्चिक में रहे तो कार्तिक-मार्ग. मास में मकर में रहे तो पौष मास और मेष राशि में रहें तो चैत्रमास में विवाह करना चाहिये (अपिच- सौरमास व देशाचार प्रधान है)।

विवाहादि शुभकार्यों में होलाष्टक का त्याग - विपाशेरावतीतीरे शुतुद्र्वाश्च त्रिपुष्करे । विवाहादिशुभे नेष्टं होलिकाप्राग्दिनाष्टकम् ॥४०॥ **भावार्थः -** विपाशा, इरावती और शुतुद्रु नदियों के तट में वसने वाले देशों में और त्रिपुष्कर देश में होलिका (फाल्गुन की पूर्णमासी) से आठ दिन पूर्व (अर्थात् फाल्गुन शुक्ला ८ मीसे पूर्णमासी तक) विवाह आदि शुभकार्य में निन्दित हैं ।

हलप्रवाहमुहूर्तः

अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढा, मघा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, श्रवण, रोहिणी, मृग, रेवती, उत्तरा-फाल्गुनी, उत्तराषाढा, उत्तरा-भाद्रपदा यह नक्षत्र शुभ है । गुरु, शुक्र, बुध, सोम, रवि यह वार शुभ है । ७।८।१०।११।१३।५।१ यह तिथि श्रेष्ठ है । २।३।६।१२ लग्न शुभ हैं ।

सूर्यभात् हलचक्रम् ।

नक्षत्र	३	३	३	५
फल	हानि	वृद्धि	हानि	वृद्धि
नक्षत्र	३	५	३	२
फल	हानि	वृद्धि	हानि	वृद्धि

॥ देव-प्रतिष्ठा मुहूर्त्तः ॥

मासशुद्धि	उत्तरायणे- मेष, वृष, मिथुन, मकर, कुंभ उग्रदेवानां दक्षिणायने तु कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक सक्रांतिमासाः अपि ग्राह्याः
नक्षत्राणि	अश्वि,रोहि, मृग, पुन, पुष्य, उफा, हस्त, चित्रा, स्वा, अनु, उषा, श्रव, धनि, शत, उभा, रेव,
तिथयः	कृष्णा - शुक्ला २, ३, ५, ६, ७ शुक्ला १०, ११, १२, १३, १५ ग्राह्याः
वाराः	रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र, शनि
लग्नादि-शुद्धिः	लग्न - २, ३, ६, ९, १२, लग्नात् ८, १२ भावरिक्तौ । दिवाकाले, पापरहितेष्वविद्धभेषु गुरुशुक्रयोरुदितयोः । नूतने तु वास्तुशांतिरपि.

॥ अथ अवकहडाचक्रम् विंशोत्तरी-अष्टोत्तरी-योगिनीमहादशा सहितम् ॥ (जन्मकुण्डली के महत्वपूर्ण कोष्ठक)

राशयः	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुंभ			मीन		
राशीनास्वामिनः अयन गोल ऋतु वर्ण हंसकादि	स्वा मंगल ऋतु बसंत	अयन उत्तर वर्णः क्षत्रि.	गोलः उत्तर हंसक अग्नि	स्वा शुक्र ऋतु ग्रीष्म	अयन उत्तर वर्णः वैश्य	गोलः उत्तर हंसकः भूमिः	स्वा बुध ऋतु ग्रीष्म	अयन उत्तर वर्णः शूद्रः	गोलः उत्तर हंसकः वायु	स्वा चंद्र ऋतु वर्षा	अयन दक्षिण वर्णः विप्रः	गोलः उत्तर हंसकः वारि	स्वा सूर्य ऋतु वर्षा	अयन दक्षिण वर्णः क्षत्रिय	गोलः उत्तर हंसक अग्नि	स्वा बुध ऋतु शरद	अयन दक्षिण वर्णः वैश्यः	गोलः उत्तर हंसक भूमिः	स्वा शुक्र ऋतु शरद	अयन दक्षिण वर्णः शूद्रः	गोलः दक्षिण हंसक वायु	स्वा मंगल ऋतु हेमन्त	अयन दक्षिण वर्णः विप्रः	गोलः दक्षिण हंसकः वारि	स्वा वृह. ऋतु हेमंत	अयन दक्षिण वर्णः क्षत्रिय	गोलः दक्षिण हंसकः अग्नि	स्वा शनि ऋतु शिशि	अयन उत्तर वर्णः वैश्यः	गोलः दक्षिण हंसकः भूमिः	स्वा शनि ऋतु शिशि	अयन उत्तर वर्णः शूद्रः	गोलः दक्षिण हंसकः वायु	स्वा वृह. ऋतु बसंत	अयन उत्तर वर्णः विप्र	गोलः दक्षिण हंसकः वारि
घातादयः	माह कार्ति नक्षत्र मघां प्रहर १	तिथि नंदा योग विष्कुं पु. चंद्रः १	वार रवि करण बव स्त्री १	माह मार्ग नक्षत्र हस्त प्रहर ४	तिथि पूर्णा योग शूल पु. चंद्रः ५	वार शनि करण शकु स्त्री ८	माह आषा नक्षत्र स्वा. प्रहर ३	तिथि भद्रा योग परि. पु. चंद्रः ९	वार चंद्र. करण चतु. स्त्री ७	माह पोष नक्षत्र अनु प्रहर १	तिथि भद्रा योग व्याघा पु. चंद्रः २	वार बुध करण नाग स्त्री ९	माह ज्येष्ठ नक्षत्र मूल प्रहर १	तिथि जया योग धृति पु. चंद्रः ६	वार शनि करण वणि. स्त्री ५	माह भाद्र नक्षत्र श्रवण प्रहर १	तिथि पूर्णा योग शूल पु. चंद्रः १०	वार शनि करण कौल स्त्री ३	माह माध नक्षत्र शत प्रहर ४	तिथि रिक्ता योग शूल पु. चंद्रः ३	वार वृह. करण तैतिल स्त्री ६	माह आश्वि नक्षत्र रेवति प्रहर १	तिथि नंदा योग व्यति पु. चंद्रः ७	वार शुक्र करण गर स्त्री २	माह श्राव नक्षत्र भर प्रहर १	तिथि जया योग वरीया पु. चंद्रः ४	वार शुक्र करण तैति स्त्री १०	माह वैशा नक्षत्र रोहि प्रहर ४	तिथि रिक्ता योग वैधृ पु. चंद्रः ८	वार भौम करण शकु. स्त्री ११	माह चैत्र नक्षत्र आर्द्रा प्रहर ३	तिथि जया योग गंड पु. चंद्रः ११	वार वृह. करण किंस्तु स्त्री ५	माह फाल्गु नक्षत्र श्ले प्रहर ४	तिथि पूर्णा योग वैधृति पु. चंद्रः १२	वार शुक्र करण चतुष्पा स्त्री १२

नक्षत्र चरण	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४	१ २ ३ ४
नक्षत्रनाम-संख्या	अश्वि१	भरणी२	कृति.३	रोहि.४	मृग.५	आर्द्रा६	पुन.७	पुष्य ८	श्ले.९	मघा१०	पूफा११	उफा१२	हस्त१३	चि.१४	स्वा.१५	वि.१६	अनु.१७	ज्ये.१८	मूल१९	पूषा२०	उषा२१	श्र.२२	धनि२३	शत.२४	पूभा२५	उभा.२६	रेव.२७
नक्षत्र-अक्षर	चू चे	ली लू	अ ई	ओ वा	वे बो	कु घ	के को	हू हे	डी डू	म मी	मो टा	टे टो	पु ष	पे पो	रू रे	ती तू	न नी	नो या	ये यो	भू धा	भे भो	खी खु	ग गी	गो सा	से सो	दु थ	दे दो
नक्षत्र-अक्षर	चो ल्र	ले लो	उ ए	वि बु	क की	ङ छ	ह ही	हो डा	डे डो	मु मे	टी टू	प पी	ण ठ	र री	रो ता	ते तो	नू ने	यी यू	भ भी	फा ढा	ज जी	खे खो	गु गे	सी सु	द दी	झ ञ	चा ची
योनि	अश्वः	गजः	मेषः	सर्पः	सर्पः	श्वान्	मार्जारः	मेषः	मार्जारः	मूषकः	मूषकः	गौ	महिषः	व्याघ्रः	महिषः	व्याघ्रः	मृगः	मृगः	श्वान्	वानरः	नकुलः	वानरः	सिंहः	अश्वः	सिंहः	गौ	गजः
गण	देव	मनुष्यः	राक्षसः	मनुष्यः	देवः	मनुष्यः	देवः	देवः	राक्षसः	राक्षसः	मनुष्यः	मनुष्यः	देवः	राक्षसः	देवः	राक्षसः	देवः	राक्षसः	राक्षसः	मनुष्यः	मनुष्यः	देवः	राक्षसः	राक्षसः	मनुष्यः	मनुष्यः	देवः
वर्ग	सिंह३ मृग.१	मृग	गरुड	गरू.१ मृग.३	मृग२ मार्जा.२	मार्जा३ सिंहः१	मार्जा२ मेषः२	मेषः३ श्वा.१	श्वान्	मूषकः	मूष.१ श्वा.३	श्वान२ मूष.२	मू१मे१ श्वा.२	मूषक२ मृगः२	मृगः३ सर्पः१	सर्पः	सर्पः	सर्पः१ मृगः३	मृगः२ मूष.२	मू.१स.१ मू.१श्वा.१	मूष.२ सिंहः२	मार्जारः	मार्जारः	मार्जा.१ मेषः ३	मेषः२ सर्पः२	सर्पः२ सिंहः२	सर्पः२ सिंहः२
युंजा	पूर्व	पूर्व	पूर्व	पूर्व	पूर्व	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य	अंत्य
नाडी	आद्य	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य	अंत्य
वश्य वश्य	चतुष्पद	चतुष्पद	चतुष्पद	चतुष्पद	चतु..२ मान.२	मानव	मान.३ जल.१	जलचर	जलचर	वनचर	वनचर	वन.१ मान.३	मानव	मानव	मानव	मान.३ कीट.१	कीट.	कीट	मानव	मान ॥ चतु.३॥	चतुष्प.	चतु.१॥ जल२॥	जलचर२ मान.२	मानव	मान.३ जल.१	जलचर	जलचर
वैरयोनि	महिषः	सिंहः	वानरः	नकुलः	नकुलः	मृगः	मूषकः	वानर	मूषकः	मार्जारः	मार्जारः	व्याघ्रः	अश्वः	गौ	अश्वः	गौ	श्वान्	श्वान्	मृगः	मेषः	व्याघ्रः	मेषः	गजः	महिषः	गजः	व्याघ्रः	सिंहः
शुभाऽशु.	शुभ	नाश	कार्यना.	सिद्धिः	शुभः	शुभः	मध्यम	शुभः	शोक	नाश	मृत्यु	विद्या	लक्ष्मी	शुभ	अशुभ	अशुभ	सर्वसि.	क्षय	हानिः	हानिः	वुद्धिः	सुख	शुभ	कल्याण	मृत्यु	लक्ष्मी	काम.
देवता	अश्विकु	यम	अग्नि	ब्रह्मा	चंद्रः	शिवः	अदिति	गुरुः	सर्पः	पितर	भगः	अर्यम्	रविः	त्वष्टा	वायु	इन्द्राग्निः	मित्र	इन्द्रः	राक्षसः	उदक्	विश्वेदे.	विष्णु	वसु	वरुणः	अजैक.	अहिर्बु.	पूषा.
मुख	तिर्यक	अधः	अधः	उर्ध्व	तिर्यक	उर्ध्व	तिर्यक	उर्ध्व	अधः	अधः	अधः	उर्ध्व	तिर्यक	तिर्यक	तिर्यक	अधः	तिर्यक	तिर्यक	अधः	अधः	उर्ध्व	उर्ध्व	उर्ध्व	उर्ध्व	अधः	उर्ध्व	तिर्यक
नेत्र (लोचन)	मन्दलो.	मध्य	सुलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य	सुलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य.	सुलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य.	सुलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य.	सूलो.	अन्ध.	मन्द.	सूलो.	अन्ध.	मन्द.	मध्य.	सुलो.	अन्ध.
ध्रुवक्षिप्रनामादि.	क्षिप्र	उ.क्रू.	मि.सा.	ध्रुवस्थि	मृदुमै	ती.दा.	चर,च.	क्षिप्र	ति.दा	उ.क्रू.	उ.क्रू.	ध्रुवस्थि	क्षिप्र	मृदु,मै	चर,च.	मिश्र	मृदु,मै.	ती.दा.	ती.दा.	उग्रक्रू.	ध्रुवस्थि	चर,च.	चर,च.	चर,च.	उग्रकू.	ध्रुवस्थि	मृदु,मै.
स्वरूप	अश्वमु.	योनि	वरूका.	शकट	मृगमु.	मणिसद	गृहाका	शरा.	चक्रा.	शाला.	शय्या.	पर्यका	हस्ता	मौक्ति	प्रवाल	तोरण	वलि	कुंडला	सिंहपु	हस्तिदं	शय्या	त्रिचरण	मृदंग	वर्तुला	मंचाका.	यमल.	मृदंगा
तारा	३	३	६	५	३	१	४	३	५	५	२	२	५	१	१	४	४	३	११	२	२	३	४	१००	२	२	३२
विंशो.महादशा	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	राहु	वृहस्प.	शनि	वुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	राहु	वृहस्प.	शनि	वुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	राहु	बृहस्प.	शनि	वुध
प्रमाणवर्षाणि	७	२०	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२०	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२०	६	१०	७	१८	१६	१९	१७
योगिनी नाम	भ्रामरी	भद्रिका	उल्का	सिद्धा	सङ्कटा	मंगला	पिंगला	धान्या	भ्रामरी	भद्रिका	उल्का	सिद्धा	सङ्कटा	मंगला	पिंगला	धान्या	भ्रामरी	भद्रिका	उल्का	सिद्धा	सङ्कटा	मंगला	पिंगला	धान्या	भ्रामरी	भद्रिका	उल्का
योगि.दशा-वर्ष	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६	७	८	१	२	३	४	५	६
अष्टोत्त.दशा-वर्ष	राहु-१२	राहु-१२	शुक्र२१	शुक्र२१	शुक्र२१	सूर्य-६	सूर्य-६	सूर्य-६	सूर्य-६	चंद्र-१५	चंद्र-१५	चंद्र-१५	मंग-८	मंग-८	मंग-८	मंग-८	वुध-१७	वुध-१७	वुध-१७	शनि-१०	शनि-१०	शनि-१०	वृह.१९	वृह.१९	वृह.१९	राहु-१२	राहु-१२
अष्टो.नक्षत्रमास	३६	३६	८४	८४	८४	१८	१८	१८	१८	६०	६०	६०	२४	२४	२४	२४	६८	६८	६८	३०	३०-३०	३०	७६	७६	७६	३६	३६

श्री गणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११५, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११५ भोग्यकलिः ४२६८८५ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०७१ शाकः १९३६ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चंद्रः १, मंत्री चंद्रः २, सस्येशो बुधः ३, धान्येशो भौमः ४, मेघेशो रविः ५, रसेशः शुक्रः ६, नीरसेशो बुधः ७, फलेशः शनिः ८, धनेशो भौमः ९, दुर्गेशः शनिः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्र विंशतिकायां १ प्लवंग नामास्य: संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ०।२।१२।२९ भोग्य मासादि ११।२७।४७।३१ सोम दैवतं युगम् । वर्षनाम मार्घशीर्ष । चतुर्मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासः संधौ । समय निवासो वैश्यगृहे । समय विश्वा १२ । समय वाहन मृग । स्तंभ २ जल तृण । सोमवत्यमा. १ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी २ । भानु सप्तमी ३ । बुधाष्टमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३३० । समय दिनानि ३५५ । तिथि क्षयः १५ । तिथि वृद्धिः १० । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९३ । स्पति विश्वा ८४ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । स्पति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा १५ । धान्यम् ९ । तृणम् ७ । शीतम् ७ । तेजः १७ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् १०९ । (क्षुधा १५ । तृष्णा ११ । निद्रा १ । आलस्य १५ । उद्यम १७ । शान्ति १ । क्रोध ३ । दण्ड ५ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुण्य ७ । उग्रत्व १९ । रसोत्पत्तिः १९ । फलोत्पत्तिः ७ । व्याधि ५ । व्याधिनाश १९ । आचार १९ । अनाचार ७ । मृत्यु ३ । जन्म ११ । चौर १७ । उपशमन ५ । अग्निभय ११ । अग्निशमः ३ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः पश्चिमायाम् । ग्रहणं १ चन्द्रमसः । उद्रिजः १५ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ५ । स्वदेजः ७ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रवल है ॥ **संवत् २०७१** शाकः १९३६ ॥ वर्षारम्भे चैत्रशुक्लप्रतिपदायाम् सोमवासरे वारप्रवृत्ति (सूर्योदय) काले अहर्गणाः (ता. ३१ मार्च २०१४), केतकी चक्रः ७, अहर्गणः १०९०, सौरपक्ष चक्रः ४४, अहर्गणः ३७२८, ब्रह्मपक्ष अहर्गणः ३०३५४५.

(१) आश्विन शुक्ला १५ बुधवार, संवत् २०७१, ता. ८ अक्टूबर २०१४, स्वग्रासं ग्रस्तोदयं **चन्द्रग्रहणम्**, चंद्रोदय १८।०७ बजे, परमग्रास १.१६

	स्पर्श	सम्मी.	मध्य	उन्मी.	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	२०	२३	२४	२६	२९	८
स्थानिक प.	४९	४६	५९	१२	०९	२०
रेल्वे घं.	१४	१६	१६	१६	१८	३
टाईम मि.	५०	००	३०	५९	१०	२०

यह ग्रस्तोदय स्वग्रास चंद्रग्रहण आश्विन शुक्ला १५ बुधवार, संवत् २०७१, ता. ८ अक्टूबर २०१४, को होगा । इस ग्रहण का सूतक स्टै ५।५० बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में वाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

संवत् २०७१ मध्ये सूर्यग्रहणाऽभावः

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिक पञ्चाङ्ग में देखें ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -

पं. श्री रामकुवारात्मज व्यासीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द, वाया- सिंघाना, जि.झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६, फो.०१५९३-२७११८४
मुम्बई. फोन. ०२२ २६१६६७८३

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
इकहत्तर संवत् का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां उत्तम संवत होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये पांच अधिकार ।
समय निवासो वैश्यघर रोहिणी संधि अधार ॥
सस्याधिप बुधदेव है धनाधिप मंगलराज ।
सुख संपत्ति संचार हो जग में मंगल काज ॥
चतुर्मेघ पुष्कर बना वर्षा स्वल्प दिखाय ।
दुर्गाधिप शनिराज हैं मंत्री हैं शशिराय ॥
इनकी खैंचाताण मैं व्यापारां कुछ शान ।
व्यापारा घटबढ घणी रसकस मंदी जाण ॥
रसाधिप तो भृगुदेव हैं समझो उत्तम साल ।
गुरु ईश्वरदत्त से गुरु नहीं कथन ग्यारसीलाल ॥
इकेत्तर संवत् फल कहा धर गुरु का ध्यान ।
हाथजोड़ विनति करुँ रखियो मेरा मान ॥
सदा विराजत चित्त में गुरु चरणों की धूल ।
क्षमा याचना विनय से हो कोई जो मेरी भूल ॥
विद्या वितरित कर दई जो मोहे था ज्ञान ।
मनीराम पंचांग का माध्यम दिया महान ॥

लाभ स्खर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्खर्च	लाभ	स्खर्च
मेष	१४	२	११	१४
वृष	८	११	५	८
मिथुन	११	८	११	५
कर्क	५	८	५	२
सिंह	८	२	८	१४
कन्या	११	८	११	५
तुला	८	११	५	८
वृश्चिक	१४	२	११	१४
धनु	२	११	८	५
मकर	५	५	२	८
कुंभ	५	५	२	८
मीन	२	११	८	५

वर्ष लग्नम् ७।२९

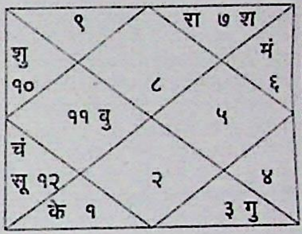

वर्षेश लग्नम् ०।१४

लाभ - स्खर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

|| अथ संवत् २०७१ वर्ष फलम् ||

|| श्री गणेशाय नमः || अथ वर्ष फलम् || अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७१ शाकः १९३६ प्लवंग नामास्यः संवत्सरः प्रवतर्ते तत्फलम् - प्लवंगाब्देमध्यवृष्टीरोगचौराकुलाधरा
|| श्री गणेशाय नमः || अथ वर्ष फलम् || अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७१ शाकः १९३६ प्लवंग नामास्यः संवत्सरः प्रवतर्ते तत्फलम् - प्लवंगाब्देमध्यवृष्टीरोगचौराकुलाधरा सोस्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ||
| अन्योन्यसमरेभूपाः शत्रुभिर्हतभूमयः || अथास्मिन् वर्षे राजाचंद्रस्तत्फलम् - चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचूरं च धान्यम् | सोस्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ||
| अन्योन्यसमरेभूपाः शत्रुभिर्हतभूमयः || अथास्मिन् वर्षे राजाचंद्रस्तत्फलम् - चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचूरं च धान्यम् | सस्येशोवुधस्तत्फलम् - जलधरा जलराशिमुचो भृशं
मंत्रीचंद्रस्तत्फलम् - शशिनि मन्त्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुस्वमण्डिता | वियति वारिधरा वहुवर्षिणो जनपदाः सुस्वराशिसुशोभिताः || सस्येशोवुधस्तत्फलम् - जलधरा जलराशिमुचो भृशं
मंत्रीचंद्रस्तत्फलम् - शशिनि मन्त्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुस्वमण्डिता | वियति वारिधरा वहुवर्षिणो जनपदाः सुस्वराशिसुशोभिताः || शालीक्षुघृततैलादिमहर्घाणिभवन्ति च ||
सुस्वसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् | द्विजगणः श्रुतिपाठकरः सदाप्रथमसस्यपतौ सति बोधने || धान्येशोभौमस्तत्फलम् - भूमिजेग्रीष्मधान्येशेग्रीष्मधान्यमहर्घकम् | शालीक्षुघृततैलादिमहर्घाणिभवन्ति च ||
सुस्वसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् | द्विजगणः श्रुतिपाठकरः सदाप्रथमसस्यपतौ सति बोधने || धान्येशोभौमस्तत्फलम् - भूमिजेग्रीष्मधान्येशेग्रीष्मधान्यमहर्घकम् | रसेशः शुक्रस्तत्फलम् - यजनयाजनकोत्सवकोत्सुकाजनपदाजलतोषितमानसाः
मेघेशोरविस्तत्फलम् - जलदपेयदिवासरपेतदासरसिवैरमतेजनतारसम् | यवचणेक्षुनिवारसुशालिभिः सुस्वचयंसुलभंभुवि वर्तते || रसेशः शुक्रस्तत्फलम् - यजनयाजनकोत्सवकोत्सुकाजनपदाजलतोषितमानसाः
मेघेशोरविस्तत्फलम् - जलदपेयदिवासरपेतदासरसिवैरमतेजनतारसम् | यवचणेक्षुनिवारसुशालिभिः सुस्वचयंसुलभंभुवि वर्तते || फलेशः शनिस्तत्फलम् - यदिशनिः फलपः
| सुस्वसुभिक्षसुमोदवतीधराधरणिपा हतपापगणप्रियाः || नीरसेशोवुधस्तत्फलम् - चित्रवस्त्रादिकंचैवशंस्वचंदनपूर्वकम् | अर्घवृद्धिः प्रजायेतनीरसेशोवुधोयदि || फलेशः शनिस्तत्फलम् - यदिशनिः फलपः
| सुस्वसुभिक्षसुमोदवतीधराधरणिपा हतपापगणप्रियाः || नीरसेशोवुधस्तत्फलम् - चित्रवस्त्रादिकंचैवशंस्वचंदनपूर्वकम् | अर्घवृद्धिः प्रजायेतनीरसेशोवुधोयदि || सकलदेशगताश्चलिता
फलहा भवेज्जनितपुष्पगणस्य दमःसदा | हिमभयंवरतस्करजन्तुभीर्जनपदो गदराशिमहाकुलः || धनेशोभौमस्तत्फलम् - असति मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि ताम्रकरस्तुषधान्यहृत् | सकलदेशगताश्चलिता
फलहा भवेज्जनितपुष्पगणस्य दमःसदा | हिमभयंवरतस्करजन्तुभीर्जनपदो गदराशिमहाकुलः || धनेशोभौमस्तत्फलम् - असति मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि ताम्रकरस्तुषधान्यहृत् | वर्षनाम मार्घशीर्ष
नरा न रपतिर्जनशोकविधायकः || दुर्गेशः शनिस्तत्फलम् - रविसुते गढपालिनि विग्रहो सकलदेशगताश्चलिता जनाः | विविधवैरिविशेषितनागराः कृषिधनं न लभेद्भुवि कश्चन || वर्षनाम मार्घशीर्ष
नरा न रपतिर्जनशोकविधायकः || दुर्गेशः शनिस्तत्फलम् - रविसुते गढपालिनि विग्रहो सकलदेशगताश्चलिता जनाः | विविधवैरिविशेषितनागराः कृषिधनं न लभेद्भुवि कश्चन || समय
तत्फलम् - कार्पासादिमहंर्घस्याद्रोधूमाषतिलादिकम् | मेघोवर्षतिदेदोदामार्गशीर्षेविशेषतः || चतुर्मेघनाम पुष्करस्तत्फलम् - पुष्करेमंदवृष्टिश्च | रोहिणी निवासः संधौ तत्फलम् - स्वंडवृष्टिश्च सन्धिषु | समय
निवासो वैश्यगृहे तत्फलम् - सर्वधान्यं महर्घ स्याद्वणिग्वेश्मनि संस्थिते || अपिच - वणिक्गृहे शुभंनास्ति | एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ||

|| अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ||

इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ५ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त
राजा और मंत्री चंद्र हैं | धान्येश और धनेश मंगल है | सस्येश और नीरसेश वुध हैं | रसेश शुक्र है | फलेश और दुर्गेश शनि हैं | मेघेश रवि हैं | इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ५ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त
हुए हैं और ५ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल मध्यम होगा | वर्षलग्न वृश्चिक होने से पश्चिम में नौ मास दुर्भिक्ष, उत्तर में आधी उत्पत्ति और धातुओं की समर्घता हो | पूर्व में राजाओं में विग्रह, मनुष्यों
में ३ मास दुःख पीछे सुख और मध्यदेश में धन्यनाश हो | दक्षिण में भावी वर्ष मे देशभंग हो और पांच मास पीछे धातुविक्रय में लाभ हो | वर्षेश लग्न मेष || **चैत्र** - उत्तरा भाद्रपद में वुध होने से राजनीति में क्लेश
तथा पक्षियों में आरोग्यता हो | प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो | प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो | शौण्डिक (मद्यविक्रेता - कलवार) पीड़ित हो | हस्त पर मंगल
होने से अल्पवृष्टि हो, तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ और नमक महंगे हो, श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों |
वैशाख - प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्चाव देश में स्थित जन पीड़ित हो, वृष्टि हो, जौ गेहूँ में रोग हो | ईख, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से
जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों | पुनर्वसु पर गुरु होने से अनावृष्टि से सर्वत्र दुर्भिक्ष हो, हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालों का नाश हो, तीव्र रोग हो, धान्य महँगे
हों और वैर बढे, तुला का शनि उदय होने से पृथ्वीश संधि करे वर्षा नहीं हो | अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो, कपास, तिल, सूत महँगे हों | **ज्येष्ठ** - सुभिक्ष हो, वर्षा अधिक
हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुखी रहें और ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, किरात तथा यवन पीड़ित हों | **आषाढ** - सरसों उड़द कम हों और सव धान्य उत्पन्न हों, अतिवृष्टि हों, नदियों में वहुत वाढ़
आवे, सुभिक्ष हो, वायु से वर्षा हो | पृथ्वी पर कहीं कहीं अत्यधिक मरी पड़े | तीव्र रोग से पीड़ा हो, चावल तथा गेहूँ महँगे हों, मिथुन राशि में वुध का उदय होने से वर्षा का अभाव हो, कहीं भी प्राकृतिक आपदा
हो, | पुष्य पर गुरु होने से अनावृष्टि से सर्वत्र दुर्भिक्ष हो | मृगशिरा में शुक्र होने से धान्य की महर्घता हो, रस (मधुर आदि) और धान्यो का नाश हो | कर्क राशि में गुरु के अस्त होने से राजाओं में भय हो, लेकिन
प्रजा में कुशल हो, सुभिक्ष हो | **श्रावण** - श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति वहुत हो | वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुखी रहें और ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, कोसल तथा
कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो | वालकों को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो, कर्क राशि में वुध का अस्त होने से अनावृष्टि और चौर भय हो, सुभिक्ष हो, मांगलिक उत्सव हों | राजाओ में भय हो, अश्मक
और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो | महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हो | **भाद्रपद** - वर्षा कम हो, धान्य नाश और प्रजा में भय हो, कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो | क्षेत्र के वंटवारे को लेकर पडौसी देश
से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो | सिंह राशि में वुध का उदय होने से चौपायों की मृत्यु हो | उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो, अनावृष्टि से सर्वत्र
दुर्भिक्ष हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य मे वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो | अनुराधा पर मंगल होने से सुभिक्ष हो, पशु पक्षियों को पीड़ा हो | **आश्विन**
- आश्विन की पूर्णिमा को अश्विनी का अभाव होने से महर्धता हो, प्रजा में कष्ट हो, शवर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर
आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो | कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) मे निवास करने वाले और पञ्जावस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो | तुला राशि
में वुध का अस्त होने से व्यापारी वस्तु महँगी हों, मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों अनावृष्टि हो | **कार्तिक** - चित्रा में वुध होने से वर्षा कम हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग
पीड़ित हो, कुआँ बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो, क्षत्रियों में पीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो, शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष हो, अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले,
नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो | राजा लोग क्रोधित रहे सर्पो में हर्ष बढें पक्षियों में युद्ध मचे | सातों द्वीपों में भूकम्पादि हों, मनुष्यों में कलह हो विकल्पता से शत्रुता फैले शुभ कर्मो का अभाव हो और गुणवानों
का नाश हो | गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो | शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो | **मार्गशीर्ष** - मन्द वर्षा हो, क्षत्रियों मे परस्पर विरोध हो, कहीं कहीं व्याधि भय और दुर्भिक्ष भी हो, लोकभय और
क्षेत्रपति का क्षय हो, ज्येष्ठा नक्षत्र में शुक्र होने से क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो, कुलूत, तङ्गण, खस (नेपाल), काश्मीर इन देशों में स्थित मनुष्य, मन्त्री और चक्रचर (कुम्भार तेली आदि), घण्टा
वजाने वाले और शिल्पि पीडित हों, मित्रों में परस्पर भेदभाव हो; ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो, प्रधान वैद्य पीड़ित हों अनावृष्टि हो | **पौष** - पशु पक्षी और वालकों में पीडा हो, व्यापारी,
वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों, धान्य मन्दा हो और ग्रीष्म में व्याधि तथा वर्षा हो, इन्द्र की भांति समृद्धि हो, धान्य
सस्ता हो और गुड शक्कर भी सस्ते हों | प्रजा में सुख का उदय हो | पौष में वुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो | **माघ** - माघ शुक्लाष्टमी को कृत्तिका न होने से फागुण में रोली लगे और श्रावण
में सूखा रहे, सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, कर्णपीड़ा हो, गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में वर्फ (ओले) गिरने का भय हो, कीड़े और मूषक अधिक हों तो भी खेतियां वहुत हों | शतभिषा में शुक्र होने से प्रजा
में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हो | **फाल्गुन** - पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो | प्रजा में सुखो की वृद्धि और सुभिक्ष हो, गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में वर्फ
(ओले) गिरने का भय हो, फल-मूल पीड़ित हो, पथिक (यात्रि) पीड़ित हो, सुभिक्ष हो, मनुष्यों में रोग हो और अन्न लक्ष्मी वहुत हो | **चैत्र** - शूद्रों में रोगोत्पत्ति हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले,
जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, हवा वहुत चले और हिम (ठंढ) से वृक्ष जल जायँ || आगे गो प्रजा भाग्य प्रवल है ||

॥ संवत् २०७१, शाकः १९३६ (सन २०१४-१५) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन२०१४	**वैशाख कृष्णपक्षः**
१९ अप्रे.	४ शनौ मूले रे. ८ IIIIIISSII रात्रौ लग्न ११
२० अप्रे.	५ रवौ मूले रे. ७ IIIIIISSIS दिवालग्न २,३,५ (मिथु.चं ७पूज्यः,सिंहे शु ७पूज्यः)
२२ अप्रे.	८ भौमे उषा. रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न २, ३, ४ (कर्के रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः)
सन२०१४	**वैशाख शुक्लपक्षः**
१ मई	२ गुरौ रोहि. रे. ९ IIIIIISIII दिवा लग्न ३, ४, ५, ६, रात्रौ लग्न १०, ११ (कर्के रा ४ दोषः, कन्या. शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं, मकरे शु ३ दोषः)
२ मई	३ शुक्रे रोहि. रे. ८ IIIIISSIII दिवा लग्न ३
२ मई	३ शुक्रे मृगे रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न ४, ५, ६ (कर्के रा ४ दोषः, कन्या. शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं) (भद्रा २४।३४ से)
८ मई	९ गुरौ मघा. रे. ९ IIIIIIIISI दिवालग्न २, ३, ४, ६, रात्रौलग्न गोधूलि(७), १० (कर्के रा ४ दोषः,कन्या. शु ७ पूज्यः;सोग्रांगः मं, गोधु. सोग्रांगः श रा,मकरे शु ३ दोषः)
सन२०१४	**ज्येष्ठ कृष्णपक्षः**
१५ मई	१ गुरौ अनुरा. रे. ७ IIIISISSII दिवा लग्न २, ४, ५, ६, रात्रौ लग्न १०, ११ (वृषे चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू, कर्के रा ४ दोषः, कन्या. शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं, मकरे शु ३ दोषः)
१८ मई	४ रवौ उषा. रे. ७ IIISSIISII रात्रौ लग्न १०, ११ (मकरे शु ३ दोषः)
२४ मई	११ शनौ रेवत्यां रे. ८ IIIISIISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८), १०, ११, २ (कुंभे शु ३ दोषः, वृषे सोग्रांगः सू)
२५ मई	१२ रवौ रेवत्यां रे. ८ IIIISIISII दिवालग्न २,३,४ (वृषे सोग्रांगः सू, कर्के रा ४ दोषः)
सन२०१४	**ज्येष्ठ शुक्लपक्षः**
४ जून	६ बुधे मघा. रे. ७ IIIIISSSII रात्रौ लग्न ११, २ (कुंभे शु ३ दोषः; चं ७ पूज्यः, वृषे सोग्रांगः सू)
५ जून	७ गुरौ मघा. रे. ८ IIIIISISII दिवालग्न २, ३,४ (वृषे सोग्रांगः सू,कर्के रा ४ दोषः)
६ जून	८ शुक्रे उफा. रे.८ SIIIIISIII दिवालग्न ६,७, रात्रौलग्न अ.गोधूलि(८),१०,११, २ (कन्या. सोग्रांगः मं, तुला. के ७ दोषः; शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः श रा, कुंभे शु ३ दोषः, वृषे सोग्रांगः सू)
७ जून	९ शनौ उफा. रे. ८ SIIIISIIII दिवा लग्न २, ३, ४, ५ (वृषे सोग्रांगः सू, कर्के रा ४ दोषः)
१० जून	१२ भौमे स्वातौ रे. ७ SIIISISIII दिवा लग्न ३, ४, ५, ६ (कर्के रा ४ दोषः, कन्या. सोग्रांगः मं)
११ जून	१३ बुधे अनुरा. रे. ८ IIISISIIII दिवा लग्न ७, रात्रौ लग्न १०, ११, २ (तुला. के ७ दोषः; शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः श रा, कुंभे शु ३ दोषः, वृषे चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू)

सन२०१४	**आषाढ़ कृष्णपक्षः**
२० जून	८ शुक्रे रेवत्यां रे. ८ IIIISIISII रात्रौ लग्न १०, ११, २ (मकरे गु ७ पूज्यः)
२१ जून	९ शनौ रेवत्यां रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न ३, ४, ५, ६, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(९) (मिथुने सोग्रांगः सू, कर्के रा ४ दोषः, कन्या. चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं)
सन२०१४	**आषाढ़ शुक्लपक्षः**
२ जुला	५ बुधे मघा. रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न ३, ४, ६, ७ (मिथुने सोग्रांगः सू, कर्के रा ४ दोषः,कन्या. सोग्रांगः मं,तुला.के ७ दोषः;सोग्रांगःश रा)
४ जुला	७ शुक्रे उफा. रे. ६ SSIIISISII दिवालग्न ३, ४, ५, ७, रात्रौलग्न अ.गोधूलि, १० (मिथुने सोग्रांगः सू,कर्के रा ४ दोषः,तुला.के ७ दोषः; सोग्रांगः श रा, मकरे गु ७ पूज्यः)
४ जुला	७ शुक्रे हस्ते रे. ८ SIIIIIISII रात्रौ लग्न २ (भद्रा २८।४८ से)
६ जुला	८ रवौ स्वातौ रे. ८ IIIISSIIII रात्रौ लग्न ३ (मिथुने सोग्रांगः सू)
	अग्रे चतुर्मासारम्भस्तेनाऽभावः
	शुक्रोदयः (२८ नवं. २०१४, स्टै. १९।४०)
सन२०१४	**मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः**
६ दिसं	१५ शनौ मृगे रे. ६ ISIISSISII रात्रौ लग्न ५, ६, ७, ८ (कन्या. के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, तुला. शु ३ दोषः, वृश्चिके चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू श)
सन२०१४	**पोष कृष्णपक्षः**
७ दिसं	१ रवौ मृगे रे. ६ ISIISSISII दिवालग्न ८,१०,११,१२,रात्रौलग्न गोधूलि(२), ५ (वृश्चिके चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू श,मकरे गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं,मीने रा ७ दोषः; सोग्रांगः के)
	अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः
सन२०१५	**माघ शुक्लपक्षः**
२९ जन.	१० गुरौ रोहि. रे. ६ IIIISSISSI दिवा लग्न १, ३ (मिथुने रा ४ दोषः) (महापात स्पर्शः १६।४७)
सन२०१५	**फाल्गुन कृष्णपक्षः**
१५ फर.	११ रवौ मूले रे. ७ ISIIISISII दिवा लग्न ११, १२, १ (कुंभे सोग्रांगः सू, मीने रा ७ दोषः; सोग्रांगः मं के)
	अग्रे होलाष्टकः
सन२०१५	**चैत्र कृष्णपक्षः**
१० मार्च	४ भौमे स्वातौ रे. ७ IIIIIIISSS दिवा लग्न १२, १, ४, रात्रौ लग्न गोधूलि(५) (मीने रा ७ दोषः; सोग्रांगः मं के, मेषे चं ७ पूज्यः, गोधुल्यां मं ८)
१३ मार्च	७ शुक्रे मूले रे. ७ SIIIISISII रात्रौ लग्न ११ (कुंभे शु ३ दोषः; सोग्रांगः सू)
	अग्रे मीनेऽर्कः

॥ संवत् २०७१ मध्ये कात्या. विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

वैशाख कृष्णपक्षः

सन२०१४
२२ अप्रे. ८ भौमे श्रवणे रे. ६ SSIIISISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(७), ११
(अ.गोधुल्यां सोग्रांगः श रा)
२३ अप्रे. ९ बुधे श्रवणे रे. ६ SSIIISISII दिवा लग्न २, ३, ४
(कर्के रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः) (महापात मोक्षः ८। ७)
२३ अप्रे. ९ बुधे धनि. रे. ८ SIIIIIISII रात्रौ लग्न अ.गोधूलि (अ.गोधुल्यां सोग्रांगःश रा)

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः

सन२०१४
१९ मई ५ चंद्रे श्रवणे रे. ७ SIIIISIISI रात्रौ लग्न ११
२१ मई ७ बुधे धनि. रे. ७ SIIIIIISSI दिवा लग्न २, ३, ४, ५
(वृषे सोग्रांगः सू, कर्के रा ४ दोषः, सिंहे चं ७ पूज्यः)

आषाढ़ कृष्णपक्षः

सन२०१४
१६ जून ४ चंद्रे श्रवणे रे. ७ SIIIIISSII दिवा लग्न ३, ४
(कर्के रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः) (वैधृति १४।२८ से)
१७ जून ५ भौमे धनि. रे. ६ SSIIISISII दिवा लग्न ७, रात्रौ लग्न गोधूलि(९), १०
(तुला. के ७ दोषः; शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः श रा) (वैधृति १०।५३ यावत्)
अग्रे चतुर्मासारम्भस्तेनाऽभावः

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

सन२०१४
३ दिसं १२ बुधे अश्वि. रे. १० IIIIIIIIII दिवा लग्न १०, ११, १२, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(२)
(मकरे गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं, मीने रा ७ दोषः; सोग्रांगः के)
अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः

माघ शुक्लपक्षः

सन२०१५
२१ जन. १ बुधे धनि. रे. ७ IIISSISIII रात्रौ लग्न ६, ७ (कन्या. के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)
(व्यतिपात २६।१४ से)

अग्रे मीनेऽर्कः

॥ अथ चौल (मुण्डन) मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०१४
२ मई शु. ०३ शुक्रे मृगे लग्न ४

ज्येष्ठ मासः

सन२०१४
१६ मई कृ. ०२ शुक्रे ज्येष्ठा. लग्न २, ३, ४, अभि.

आषाढ़ मासः

सन२०१४
७ जुला शु. ०९ चंद्रे स्वातौ लग्न ४, अभिजिति

माघ मासः

सन२०१५
२६ जन. शु. ०७ चंद्रे अश्वि. अभि., २

फाल्गुन मासः

सन२०१५
२३ फर. शु. ०५ चंद्रे अश्वि. लग्न २, अभि. (महापात मोक्षः १०।१०)

॥ संवत् २०७१ मध्ये द्विरागमन मुहूर्त्ताः ॥

वैशाख मासः

सन२०१४
१६ अप्रे. कृ. ०१ बुधे स्वातौ लग्न २, ३, अभि., ६
[वृषे, मिथुने, अभि., कन्या. शु वेध] (वृषे शु १० शुभ, कन्या. गु १० शुभ)
२१ अप्रे. कृ. ०७ चंद्रे उषा. लग्न ७
२५ अप्रे. कृ. ११ शुक्रे शते लग्न २, ३ (वृषे शु १० शुभ)
१ मई शु. ०२ गुरौ रोहि. लग्न ३, अभि., ६, ७ (मिथुने शु १० शुभ, कन्या. गु १० शुभ)
२ मई शु. ०३ शुक्रे रोहि. लग्न २,३ (मिथुने शु १० शुभ)
५ मई शु. ०६ चंद्रे पुष्ये लग्न ७

फाल्गुन मासः

सन२०१५
२३ फर. शु. ०५ चंद्रे अश्वि. लग्न २, अभि. (महापात मोक्षः १०।१०) (वृषे गु ३ शुभ)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

कन्या के विवाह में गुरुबल

कन्याविवाहकालं ग्रहशुद्धिं च वसन्तमालिकाछन्दसाह -
गुरुशुद्धिवशेन कन्यकानां समवर्षेषु षडशब्दकोपरिष्टात् ।
रविशुद्धिवशाच्छुभो वराणामुभयोश्चन्द्रविशुद्धितो विवाहः ॥१२॥

नारद, कश्यप, श्रीपतिनिबन्ध, पराशरादि सहित -
अत एवाह व्यासः - 'अष्टवर्षा भवेद्गौरी नववर्षा च रोहिणी ।
दशवर्षा भवेत्कन्या द्वादशे वृषली स्मृता ॥' इति ।

यदा तु कन्या कालातिक्रान्ता भवति तदा गुरुबलमनावश्यकमित्याह व्यासः -
'दशवर्षव्यतिक्रान्ता कन्या शुद्धिविवर्जिता । तस्यास्तारेन्दुलग्नानां शुद्धौ पाणिग्रहो मतः॥'. इति ।

प्राचीन आचार्यों के मत से १२ वर्ष से ऊपर की कन्याओं के विवाह में समय (अवस्था) के अतिक्रमण से गुरु शुद्धि आदिक विचार आवश्यक नहीं है ।

– पीयूषधारा

॥ संवत् २०७१, शाकः १९३६, सन २०१४-१५ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

॥ उपनयन ॥

सन२०१४	चैत्र मासः
९ अप्रे.	शु. १० बुधे पुष्ये लग्न ३
सन२०१४	वैशाख मासः
४ मई	शु. ०५ रवौ आर्द्रा. अभिजिति
सन२०१४	ज्येष्ठ मासः
१९ मई	कृ. ०५ चंद्रे उषा. अभिजिति
सन२०१४	आषाढ़ मासः
२९ जून	शु. ०२ रवौ पुष्ये अभिजिति
३० जून	शु. ०३ चंद्रे श्लेषा. अभिजिति
सन२०१५	माघ मासः
२९ जन.	शु. १० गुरौ रोहि. अभिजिति, २
	(महापात स्पर्शः १६।४७) (वृषे लग्नस्थ चंद्रः ग्राह्यः)
सन२०१५	फाल्गुन मासः
६ फर.	कृ. ०२ शुक्रे पूफा. अभिजिति, २
२० फर.	शु. ०२ शुक्रे पूभा. अभिजिति, २
२३ फर.	शु. ०५ चंद्रे अश्वि. अभिजिति
	(महापात मोक्षः १०।१०)

॥ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१४	वैशाख मासः
१० मई	शु. ११ शनौ उफा. अभिजिति
	(भद्रा १४।२८ से २६।५६ तक)
सन२०१४	ज्येष्ठ मासः
१५ मई	कृ. ०१ गुरौ अनुरा. अभिजिति
सन२०१५	माघ मासः
२९ जन.	शु. १० गुरौ रोहि. अभिजिति, २
	(महापात स्पर्शः १६।४७)

॥ वृषचक्र-रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१४	वैशाख मासः
२५ अप्रे.	कृ. ११ शुक्रे शते लग्न ३
१ मई	शु. ०२ गुरौ रोहि. अभिजिति
सन२०१४	ज्येष्ठ मासः
१९ मई	कृ. ०५ चंद्रे उषा. अभिजिति
२ जून	शु. ०४ चंद्रे पुष्ये अभिजिति
सन२०१४	भाद्रपद मासः
२८ अग.	शु. ०३ गुरौ हस्ते अभिजिति
सन२०१५	फाल्गुन मासः
११ फर.	कृ. ०७ बुधे स्वातौ लग्न २ (भद्रा ८।१८ तक)

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१४	वैशाख मासः
१० मई	शु. ११ शनौ उफा. अभिजिति
	(भद्रा १४।२८ से २६।५६ तक)
सन२०१५	माघ मासः
२९ जन.	शु. १० गुरौ रोहि. अभिजिति
	(महापात स्पर्शः १६।४७)

॥ कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१४	वैशाख मासः
१ मई	शु. ०२ गुरौ रोहि. अभिजिति
सन२०१४	ज्येष्ठ मासः
१५ मई	कृ. ०१ गुरौ अनुरा. अभिजिति
१९ मई	कृ. ०५ चंद्रे उषा. अभिजिति

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१४	वैशाख मासः
२५ अप्रे.	कृ. ११ शुक्रे शते लग्न ३

॥ कुंभचक्ररहिताः जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१४	वैशाख मासः
१६ अप्रे.	कृ. ०१ बुधे स्वातौ लग्न ३
सन२०१४	ज्येष्ठ मासः
२ जून	शु. ०४ चंद्रे पुष्ये अभिजिति
सन२०१५	फाल्गुन मासः
११ फर.	कृ. ०७ बुधे स्वातौ लग्न २ (भद्रा ८।१८ तक)

॥ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१४	वैशाख मासः
१ मई	शु. ०२ गुरौ रोहि. अभिजिति
१० मई	शु. ११ शनौ उफा. अभिजिति
	(भद्रा १४।२८ से २६।५६ तक)
सन२०१४	ज्येष्ठ मासः
१९ मई	कृ. ०५ चंद्रे उषा. अभिजिति
२ जून	शु. ०४ चंद्रे पुष्ये अभिजिति
सन२०१४	आषाढ़ मासः
१८ जून	कृ. ०६ बुधे शते लग्न ३ (भद्रा १५।०६ से)
२९ जून	शु. ०२ रवौ पुष्ये अभिजिति
४ जुला	शु. ०७ शुक्रे उफा. अभिजिति
सन२०१५	माघ मासः
२६ जन.	शु. ०७ चंद्रे अश्वि. अभिजिति
२९ जन.	शु. १० गुरौ रोहि. अभिजिति, २
	(महापात स्पर्शः १६।४७)
सन२०१५	फाल्गुन मासः
११ फर.	कृ. ०७ बुधे स्वातौ लग्न २ (भद्रा ८।१८ तक)
२३ फर.	शु. ०५ चंद्रे अश्वि. अभिजिति(महापातमोक्षः १०।१०)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

नोट- चौल (मुण्डन) और द्विरागमन मुहूर्त्त विवाह मुहूर्तों के पृष्ठ पर देखें -

॥ आवश्यक मुहूर्ताः ॥

ता.	मुहूर्त	नक्षत्रादि	ति.	वार	लग्न
१	रजोदर्शन	अश्वि.मृ. ह.चि. स्वा.अनु.. उत्तरा ३ श्र.ध. श. रे. माघ.फाल्गुन मार्गशीर्ष बैशास्व ज्येष्ठ आश्विन शुक्ल.	शुभ	चं. बु. गु. शु.	शुभ
२	रज स्नान	अश्वि.रो. मृ. उत्तरा. ह. स्वा. अनु. ज्ये. धनि. रे.	शुभ	शु.	शु.
३	गर्भाधान	रो. मृ. उ. ३. ह. स्वा. अनु. श्र. ध. शत.	शुभ	शु.	शु.
४	पुंसवन	मृ. पुन. पुष्य हस्त मूल श्र. मास ३ शुक्ल पक्ष	शुभ	सू.बृ.मं.	शु.
५	सीमंत(अगरणी)	मृ. पुन. पुष्य ह. मू. श्र. मास. ८ शुक्ल पक्ष	शुभ	सू.बृ.मं.	शुभ
६	जातकर्म	अश्वि.रो.,पुन.पुष्य,मघा,उ.३,ह.,वि.,स्वा.,अनु.,मू.,श्रव.,ध.,शत.,रे.	शुभ	शु.	शु.
७	नामकरण	जातकर्म नक्षत्रादि लेना,जन्माशौच के अन्त में चारों वर्णो के करना, जैसे ब्रा. ११ दि., क्ष. १३ दि. वै. १६ दि., शू. १ मास	शुभ	शु.	शु.
८	पालना में सुलाना	अश्वि. रो.मृ.पु. उत्तरा ३ ह.चि.अनु.रे. रवि भाद् गणना आरोग्य ५, कष्ट ५, मृ. ५ रो. ५, सु. ७	शुभ	शु.	शु.
९	अन्न प्राशन	अश्वि. रो. मृ.पुन. उत्तरा ३ ह.चि. स्वा. अनु. श्र. ध. श. रे. पुरुष ६-८ मास, स्त्री के ५-७ मास, पुरुष सम - स्त्री विषम मास	२-३-५-७	शु.	शु.
१०	चौलकर्म	अश्वि. मृ. पुन. पुष्य, ह.चि.स्वा.ज्ये.श्र.ध.शत.रे. वर्ष २-३-५ मासा- माघ,फा. वैशास्व, ज्ये.आषाढ चैत्र, हीनोत्तरायणे	२-३-५-७ १०,११,१३	शु.	शु.
११	विद्यारंभ	अश्वि. रो. मृ.आर्द्रा पुन.पु.श्ले. पू. ३ उ. ३ ह. चि. स्वा. श्र.ध. शत. अनु. मूल. रे. (उत्तरायने)	२,३,५,६ १०,११,१२	सू. गू. शुक्र	शु. शु.
१२	वापी-कूपतडाग	रो. मृग,पुष्य,मघा,उ. ३ ह. अनु.पू.षा.ध. शत.रे.	शुभ	शु.	शु.
१३	गृहारंभ	रो.मृ. पुष्य, उ. ३ ह. चि.स्वा. अनु. ध. शत.रे. १, २, ४, ५, ७, ८,१०,११ संक्रा. मास में जाग्रति भूमौ, वत्स च. शुद्धे	२,३,५,७ १०,११,१२ १३,१५	चं.बु.गु. शु.श.	२।३।५ ६।९
१४	क्रय	अश्वि. चि. स्वा. शत.-रे.	शुभ	शु.	शु.
१५	विक्रय	कृ. भ. आश्ले. पूर्वा. ३ विशास्वा	शुभ	सू.चं.बु. बृ.शु.श.	शु.
१६	नौकर रस्वने	अश्वि. मृ. पुष्य. ह. चि. अनु. रे.	शुभ	शु.सु.बु.बृ.	शु.
१७	बीज बोना राहु भाद्रणना	अश्वि.रो.मृ.पुष्य म.उ. ३ ह.चि.स्वा.अनु.मू.रे.ने ८ श्रे. ३ ने. १,श्रे. ३ ने. १,श्रे. ३ ने. १,श्रे. ३ ने. ४	शुभ	सू.चं.बु. बृ.शु.श.	शुभ
१८	रोग मुक्त स्ना.	अश्वि. भ.कृ.मृ. आर्द्रा, पुष्य पु. ३ ह.चि.वि. अनु. ज्ये. मू. श्र. ३	अशुभ	सू.मं.बु. बृ.श.	अशुभ (चर)
१९	देवस्थापन (प्रतिष्ठा)	अश्वि. रो.मृ. पुन. पुष्य. उत्तरा. ३ ह. चि. स्वा. अनु. श्र. ध. शत. रे. उत्तरायणे	शुभ	सू.चं.बु. बृ.शु.श.	शु.
२०	भूषणादिधारण	अश्वि. रो. पुन. उ. ३ ह.चि. स्वा.वि. अनु. ध. रे. सौभाग्यवती को. रो. पुन. पुष्य उत्तरा ३ त्याज्या	शुभ	सु. बु. बृ. श.	शु.
२१	औषधसेवन	अश्वि.मृ.पुन.पुष्य,ह.चि.स्वा.अनु.मू. श्र. ध.श. रे.	शुभ	शु.	द्वि.स्व.

॥ गृहप्रवेश मुहूर्तम् ॥

मासाः	वै. ज्ये.माघ फा.उत्तरायणे रवौ श्रेष्ठा जीर्णे गृहेतु कार्तिक,मार्ग.,श्रावणमासाः अपिग्राह्याः
भानि	उत्तरा ३ अनु.रो. मृ. चि. रे. एषुद्वारस्थभेषु च कुम्भ चक्रशुद्धौ जीर्णे तु पुष्य.स्वा. धनि. शत.अपिग्राह्याः पापरहितेष्वविद्धभेषु ।
वाराः	चं. वृ. शु. शनि तिथयः १।२।३।५।६।७।८। १०।११।१२।१३ ग्राह्याः (शुक्ला १ नेष्टा)
लग्न	२।५।८।११ सत् ३।६।९।१२ मध्या तत्र लग्नस्थचन्द्रः न शुभः
	लग्नात् ४।८ शुद्धयोः १।२।३।५।७।९।१०।११ एषु शुभैः ३।६।११ एषु पापैः वामार्के सति शुभः दिवाकाले वा गुरुशुक्रयोरुदितयोः ।

॥ अथ यज्ञोपवीत धारण महूर्त चक्रम् ॥

सर्वेषां ग्राह्य	अश्वि.रो.मृ.आर्द्रा.पुन.पुष्य.श्ले.पू. ३ उ. ३
नक्षत्राणि	ह. चि. स्वा. अनु. मू. श्र. ध. श. रे.
वर्ज्य नक्षत्रा	कृ. भ. म. ज्येष्ठा विशा.
ऋग्वेदिनां न	मृ. आर्द्रा. श्ले. पू. ३ ह. चि. स्वा. मू.
यजूषां ग्राह्य	मृ. पुन. पुष्य, उत्तरा. ३ ह. अनु. रे.
सामगानाम्	अश्वि. आर्द्रा. पुष्य. उ. ३ ह. श्र. ध.
अथर्वणाम्	अश्वि. पुन. मृ. ह. अनु. ध. रे.
सर्वेषां वाराः	सू. चंद्र.बु. गु. शुक्र,लग्न १।३।५।६।९ (२)
तिथ्यादि	कृ. २, ३, ५ शुक्ल २, ३, ५, १०, ११, १२ उत्तरायणे, चैत्ररहिते परं मीनार्के चैत्रं शुभम्
वर्ज्यतिथ्यादि.	४।७।८।९।१३।१४।१५।३०,रात्रिः,प्रदो.,अप.,भद्रा, अनध्या,रुग्वाण,गुरु-शु. वृद्धत्वं.,अस्त. शिशुत्व.

गृहप्रवेशकलशचक्रम् सूर्यनक्षत्रात्

नक्ष.	अंग	फलं
१	मुख	मृत्यु
४	पूर्व	गमन
४	दक्षिण	धन
४	पश्चिम	लक्ष्मी
४	उत्तर	वैर
४	गर्भ	शोक
३	कंठ	स्थिरता
३	गुद	सुख

गृहारंभे वृष चक्रम् सूर्यनक्षत्रात्(साभिजि.)

नक्ष.	अंगानि	फलम्
३	शिरसि	दाहः
४	अग्रपादे	शून्यम्
४	पृष्ठपादे	स्थिरता
३	पृष्ठे	श्रीः
४	दक्षिणकु.	लाभ
३	पुच्छे	स्वामिनाश
४	वाम कु.	दारिद्रम्
३	मुखे	पीडा

गृहारम्भे वृषवास्तुचक्रं शालिनीभ्यामाह -

गेहाद्यारम्भेऽर्कभाद्वत्सशीर्षे रामैर्दाहो वेदभैरग्रपादे ।
शून्यं वेदैः पृष्ठपादे स्थिरत्वं रामैः पृष्ठे क्षीयुगैर्दक्षकुक्षौ ॥
लाभो रामैः पुच्छगैः स्वामिनाशो वेदैर्नैःस्वं वामकुक्षौ मुखस्थैः ।
रामैः पीडा सन्ततं कार्यचिण्यादश्यै रुद्रैर्दिग्भिरुक्तं ह्यसत्सात् ॥

अथ सौरचान्द्रमासैक्येन प्राच्यादिदिक्षु द्वाराणि गृहनिर्माणनक्षत्राणि च
सूतिकागृहनिर्माणप्रवेशमुहूर्तौ स्रग्धराछन्दसाह -

कुम्भेऽर्के फाल्गुने प्रागपरमुखगृहं श्रावणे सिंहकर्क्योः
पौषे नक्रे च याम्योत्तरमुखसदनं गोऽजगेऽर्के च राधे ।

होलिका विषये - जब मुख्य कर्म का समय मिले तो गौण समय क्यों ? - निर्णयसिंधु (परि.२, पृष्ठ ३४२) तथा- भद्रायां द्वे न कर्तव्ये यथा - भद्रायां दीपिता होली राष्ट्रभङ्गं करोति वै । नगरस्य च नैवेष्टा तस्मात्तां परिवर्जयेत् ॥ श्रावणी फाल्गुनी तथा । श्रावणी नृपतिं हन्ति ग्रामं दहति फाल्गुनी ॥ -निर्णयसिंधु (परि.२)

गृहप्रवेशे कालशुद्धिः- सौम्यायने ज्येष्ठतपोऽन्त्यमाधवे यात्रानिवृत्तौ नृपतेर्नव गृहे । स्याद्वेशनं द्वाःस्थमृदुध्रुवोडुभिर्जन्मर्क्ष लग्नोपचयोदये स्थिते ॥

सौम्यायने इति । एतेषु सौम्यायन इत्यादिकेषु पदार्थेषु सत्सु नृपतेर्यात्रानिवृत्तौ अथवा नवे नूतनोत्थापिते गृहे वेशनं 'विशप्रवशने' स्यात् । सौम्यायन उत्तरायणे । अत्र शुक्रगुर्वस्तादिको दोषो 'वाप्यारामतडाग' इत्यादिनोक्त इति न पुनरुक्तः । एवं गीर्वाणाम्बुप्रतिष्ठा' इत्यादिना दक्षिणायननिषेधोऽपि । अतः परिशेषात्सौम्यायनग्रहणे सिद्धे तदुक्तिर्मन्दबुद्धिनां शीघ्रपतिपत्त्यर्था । उक्तं च वसिष्ठेन - 'अथ प्रवेशो नवसद्मनश्च सौम्यायने जीवसिते बलाढ्ये' इति । बलाढ्य उदिते । नारदेनापि - 'अथ सौम्यायने कार्यं नववेश्मप्रवेशनम । राज्ञां यात्रानिवृत्तौ' इति । केवलायां भूमौ क्रीतायां प्राप्तायां वा स्वतः सिद्धायां वा स्वतः सिद्धायां वोत्थापितं गृहं नूतनमित्युच्यते । ज्येष्ठेति । माघफाल्गुनवैशाखमासेष्वेव सत्यप्युत्तरायणे प्रवेशनं शुभम् । यदाह नारदः - 'माघफाल्गुनवैशाखज्येष्ठमासेषु शोभनः । प्रवेशो मध्यमो ज्ञेयः सौम्यकार्तिकमासयोः' इति । सौम्यो मार्गशीर्षः । मध्यमोक्तिरावश्यकविषया ।

पुष्यधनिष्ठाशततारकाः जीर्णगृहप्रवेशे एव न नूतने- अत्र पुष्यधनिष्ठाशततारकाः ग्रहणं जीर्णगृहप्रवेशविषयम् । उक्तं च ज्योतिःप्रकाशे- 'प्रवेशो नूतने हर्म्ये ध्रुवैर्मैत्रैः सुखाप्तये । पुष्यस्वातीयुतैस्तैश्च जीर्णे स्याद्वासवद्वये' इति ।

<table>
<tr><th colspan="14">॥ सन् २०१४-१५, संवत् २०७१ ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६|२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)</th></tr>
<tr><th>ता.</th><th>मार्च</th><th>अप्रेल</th><th>मई</th><th>जून</th><th>जुलाई</th><th>अगस्त</th><th>सितंबर</th><th>अक्टूबर</th><th>नवंबर</th><th>दिसंबर</th><th>जनवरी</th><th>फरवरी</th><th>मार्च</th></tr>
<tr><td>१</td><td>....</td><td>+ ४|२७</td><td>+१५|००</td><td>+२२|०१</td><td>+२३|०७</td><td>+१८|०५</td><td>+ ८|२२</td><td>- ३|०५</td><td>-१४|२१</td><td>-२१|४६</td><td>-२३|०२</td><td>-१७|१४</td><td>- ७|४६</td></tr>
<tr><td>२</td><td>....</td><td>+ ४|५०</td><td>+१५|१८</td><td>+२२|०९</td><td>+२३|०३</td><td>+१७|४९</td><td>+ ८|००</td><td>- ३|२८</td><td>-१४|४०</td><td>-२१|५५</td><td>-२२|५८</td><td>-१६|५७</td><td>- ७|२४</td></tr>
<tr><td>३</td><td>....</td><td>+ ५|१३</td><td>+१५|३६</td><td>+२२|१७</td><td>+२२|५९</td><td>+१७|३४</td><td>+ ७|३९</td><td>- ३|५२</td><td>-१४|५९</td><td>-२२|०४</td><td>-२२|५२</td><td>-१६|४०</td><td>- ७|०१</td></tr>
<tr><td>४</td><td>....</td><td>+ ५|३६</td><td>+१५|५४</td><td>+२२|२४</td><td>+२२|५४</td><td>+१७|१८</td><td>+ ७|१७</td><td>- ४|१५</td><td>-१५|१७</td><td>-२२|१२</td><td>-२२|४६</td><td>-१६|२२</td><td>- ६|३८</td></tr>
<tr><td>५</td><td>....</td><td>+ ५|५९</td><td>+१६|११</td><td>+२२|३१</td><td>+२२|४८</td><td>+१७|०२</td><td>+ ६|५४</td><td>- ४|३८</td><td>-१५|३६</td><td>-२२|२०</td><td>-२२|४०</td><td>-१६|०४</td><td>- ६|१५</td></tr>
<tr><td>६</td><td>....</td><td>+ ६|२२</td><td>+१६|२८</td><td>+२२|३८</td><td>+२२|४३</td><td>+१६|४६</td><td>+ ६|३२</td><td>- ५|०१</td><td>-१५|५४</td><td>-२२|२७</td><td>-२२|३३</td><td>-१५|४६</td><td>- ५|५१</td></tr>
<tr><td>७</td><td>....</td><td>+ ६|४४</td><td>+१६|४५</td><td>+२२|४४</td><td>+२२|३७</td><td>+१६|२९</td><td>+ ६|१०</td><td>- ५|२४</td><td>-१६|१२</td><td>-२२|३५</td><td>-२२|२६</td><td>-१५|२८</td><td>- ५|२८</td></tr>
<tr><td>८</td><td>....</td><td>+ ७|०७</td><td>+१७|०१</td><td>+२२|४९</td><td>+२२|३०</td><td>+१६|१३</td><td>+ ५|४७</td><td>- ५|४७</td><td>-१६|२९</td><td>-२२|४१</td><td>-२२|१८</td><td>-१५|०९</td><td>- ५|०५</td></tr>
<tr><td>९</td><td>....</td><td>+ ७|२९</td><td>+१७|१८</td><td>+२२|५५</td><td>+२२|२३</td><td>+१५|५५</td><td>+ ५|२५</td><td>- ६|१०</td><td>-१६|४७</td><td>-२२|४७</td><td>-२२|१०</td><td>-१४|५०</td><td>- ४|४१</td></tr>
<tr><td>१०</td><td>....</td><td>+ ७|५१</td><td>+१७|३३</td><td>+२३|००</td><td>+२२|१६</td><td>+१५|३८</td><td>+ ५|०२</td><td>- ६|३३</td><td>-१७|०४</td><td>-२२|५३</td><td>-२२|०२</td><td>-१४|३१</td><td>- ४|१८</td></tr>
<tr><td>११</td><td>....</td><td>+ ८|१४</td><td>+१७|४९</td><td>+२३|०४</td><td>+२२|०८</td><td>+१५|२०</td><td>+ ४|३९</td><td>- ६|५५</td><td>-१७|२१</td><td>-२२|५८</td><td>-२१|५३</td><td>-१४|११</td><td>- ३|५४</td></tr>
<tr><td>१२</td><td>....</td><td>+ ८|३६</td><td>+१८|०४</td><td>+२३|०८</td><td>+२२|००</td><td>+१५|०३</td><td>+ ४|१६</td><td>- ७|१८</td><td>-१७|३७</td><td>-२३|०३</td><td>-२१|४३</td><td>-१३|५१</td><td>- ३|३१</td></tr>
<tr><td>१३</td><td>....</td><td>+ ८|५७</td><td>+१८|१९</td><td>+२३|१२</td><td>+२१|५२</td><td>+१४|४५</td><td>+ ३|५४</td><td>- ७|४०</td><td>-१७|५३</td><td>-२३|०८</td><td>-२१|३४</td><td>-१३|३१</td><td>- ३|०७</td></tr>
<tr><td>१४</td><td>....</td><td>+ ९|१९</td><td>+१८|३४</td><td>+२३|१५</td><td>+२१|४३</td><td>+१४|२६</td><td>+ ३|३१</td><td>- ८|०३</td><td>-१८|०९</td><td>-२३|१२</td><td>-२१|२३</td><td>-१३|११</td><td>- २|४४</td></tr>
<tr><td>१५</td><td>....</td><td>+ ९|४१</td><td>+१८|४९</td><td>+२३|१८</td><td>+२१|३४</td><td>+१४|०८</td><td>+ ३|०८</td><td>- ८|२५</td><td>-१८|२५</td><td>-२३|१५</td><td>-२१|१३</td><td>-१२|५१</td><td>- २|२०</td></tr>
<tr><td>१६</td><td>....</td><td>+१०|०२</td><td>+१९|०३</td><td>+२३|२०</td><td>+२१|२४</td><td>+१३|४९</td><td>+ २|४४</td><td>- ८|४७</td><td>-१८|४०</td><td>-२३|१८</td><td>-२१|०२</td><td>-१२|३०</td><td>- १|५६</td></tr>
<tr><td>१७</td><td>....</td><td>+१०|२३</td><td>+१९|१६</td><td>+२३|२२</td><td>+२१|१४</td><td>+१३|३०</td><td>+ २|२१</td><td>- ९|०९</td><td>-१८|५५</td><td>-२३|२१</td><td>-२०|५०</td><td>-१२|०९</td><td>- १|३२</td></tr>
<tr><td>१८</td><td>....</td><td>+१०|४४</td><td>+१९|३०</td><td>+२३|२४</td><td>+२१|०४</td><td>+१३|११</td><td>+ १|५८</td><td>- ९|३१</td><td>-१९|१०</td><td>-२३|२३</td><td>-२०|३८</td><td>-११|४८</td><td>- १|०९</td></tr>
<tr><td>१९</td><td>....</td><td>+११|०५</td><td>+१९|४३</td><td>+२३|२५</td><td>+२०|५३</td><td>+१२|५१</td><td>+ १|३५</td><td>- ९|५३</td><td>-१९|२४</td><td>-२३|२४</td><td>-२०|२६</td><td>-११|२७</td><td>- ०|४५</td></tr>
<tr><td>२०</td><td>....</td><td>+११|२६</td><td>+१९|५६</td><td>+२३|२६</td><td>+२०|४२</td><td>+१२|३२</td><td>+ १|१२</td><td>-१०|१५</td><td>-१९|३८</td><td>-२३|२५</td><td>-२०|१४</td><td>-११|०६</td><td>- ०|२१</td></tr>
<tr><td>२१</td><td>....</td><td>+११|४७</td><td>+२०|०८</td><td>+२३|२६</td><td>+२०|३१</td><td>+१२|१२</td><td>+ ०|४८</td><td>-१०|३६</td><td>-१९|५१</td><td>-२३|२६</td><td>-२०|०१</td><td>-१०|४४</td><td>....</td></tr>
<tr><td>२२</td><td>....</td><td>+१२|०७</td><td>+२०|२०</td><td>+२३|२६</td><td>+२०|१९</td><td>+११|५२</td><td>+ ०|२५</td><td>-१०|५७</td><td>-२०|०४</td><td>-२३|२६</td><td>-१९|४७</td><td>-१०|२२</td><td>....</td></tr>
<tr><td>२३</td><td>....</td><td>+१२|२७</td><td>+२०|३२</td><td>+२३|२६</td><td>+२०|०७</td><td>+११|३२</td><td>+ ०|०२</td><td>-११|१९</td><td>-२०|१७</td><td>-२३|२६</td><td>-१९|३३</td><td>-१०|०१</td><td>....</td></tr>
<tr><td>२४</td><td>....</td><td>+१२|४७</td><td>+२०|४३</td><td>+२३|२५</td><td>+१९|५५</td><td>+११|११</td><td>- ०|२२</td><td>-११|४०</td><td>-२०|३०</td><td>-२३|२५</td><td>-१९|१९</td><td>- ९|३९</td><td>....</td></tr>
<tr><td>२५</td><td>....</td><td>+१३|०७</td><td>+२०|५४</td><td>+२३|२४</td><td>+१९|४२</td><td>+१०|५१</td><td>- ०|४५</td><td>-१२|००</td><td>-२०|४२</td><td>-२३|२४</td><td>-१९|०५</td><td>- ९|१६</td><td>....</td></tr>
<tr><td>२६</td><td>....</td><td>+१३|२६</td><td>+२१|०५</td><td>+२३|२२</td><td>+१९|२९</td><td>+१०|३०</td><td>- १|०८</td><td>-१२|२१</td><td>-२०|५३</td><td>-२३|२२</td><td>-१८|५०</td><td>- ८|५४</td><td>....</td></tr>
<tr><td>२७</td><td>....</td><td>+१३|४५</td><td>+२१|१५</td><td>+२३|२०</td><td>+१९|१६</td><td>+१०|०९</td><td>- १|३२</td><td>-१२|४१</td><td>-२१|०४</td><td>-२३|२०</td><td>-१८|३५</td><td>- ८|३२</td><td>....</td></tr>
<tr><td>२८</td><td>....</td><td>+१४|०४</td><td>+२१|२५</td><td>+२३|१७</td><td>+१९|०२</td><td>+ ९|४८</td><td>- १|५५</td><td>-१३|०२</td><td>-२१|१५</td><td>-२३|१८</td><td>-१८|२०</td><td>- ८|०९</td><td>....</td></tr>
<tr><td>२९</td><td>....</td><td>+१४|२३</td><td>+२१|३५</td><td>+२३|१४</td><td>+१८|४८</td><td>+ ९|२७</td><td>- २|१८</td><td>-१३|२२</td><td>-२१|२६</td><td>-२३|१५</td><td>-१८|०४</td><td>....</td><td>....</td></tr>
<tr><td>३०</td><td>....</td><td>+१४|४२</td><td>+२१|४४</td><td>+२३|११</td><td>+१८|३४</td><td>+ ९|०५</td><td>- २|४२</td><td>-१३|४२</td><td>-२१|३६</td><td>-२३|११</td><td>-१७|४८</td><td>....</td><td>....</td></tr>
<tr><td>३१</td><td>+ ४|०४</td><td>....</td><td>+२१|५३</td><td>....</td><td>+१८|२०</td><td>+ ८|४४</td><td>....</td><td>-१४|०१</td><td>....</td><td>-२३|०७</td><td>-१७|३१</td><td>....</td><td>....</td></tr>
<tr><td colspan="7">उत्तर (धन)</td><td colspan="7">दक्षिण (ऋण)</td></tr>
</table>

महापात योगाः (स्टै. समय में)
संवत् २०७१, (सन २०१४-१५)

<table>
<tr><th colspan="3">महापात स्पर्शः</th><th colspan="2">महापात मोक्षः</th></tr>
<tr><th>योगाः</th><th>तारीख</th><th>घं. मि.</th><th>तारीख</th><th>घं. मि.</th></tr>
<tr><td>व्यती.</td><td>१० अप्रे.</td><td>१८|५६</td><td>१० अप्रे.</td><td>२५|२४</td></tr>
<tr><td>वैधृति</td><td>२२ अप्रे.</td><td>२५|३४</td><td>२३ अप्रे.</td><td>८|०७</td></tr>
<tr><td>व्यती.</td><td>४ मई</td><td>२८|३८</td><td>५ मई</td><td>१५|४४</td></tr>
<tr><td>वैधृति</td><td>५ अग.</td><td>८|५१</td><td>५ अग.</td><td>२०|३४</td></tr>
<tr><td>व्यती.</td><td>१६ अग.</td><td>१५|०८</td><td>१६ अग.</td><td>२२|४३</td></tr>
<tr><td>वैधृति</td><td>२९ अग.</td><td>२४|४४</td><td>३० अग.</td><td>७|२६</td></tr>
<tr><td>व्यती.</td><td>१० सितं.</td><td>१९|१०</td><td>१० सितं.</td><td>२४|२१</td></tr>
<tr><td>वैधृति</td><td>२३ सितं.</td><td>१९|१२</td><td>२३ सितं.</td><td>२५|१५</td></tr>
<tr><td>व्यती.</td><td>५ अक्टू.</td><td>२७|०२</td><td>६ अक्टू.</td><td>८|११</td></tr>
<tr><td>वैधृति</td><td>१८ अक्टू.</td><td>११|१५</td><td>१८ अक्टू.</td><td>१८|२५</td></tr>
<tr><td>व्यती.</td><td>३० अक्टू.</td><td>२५|०५</td><td>३१ अक्टू.</td><td>८|३९</td></tr>
<tr><td>वैधृति</td><td>११ नवं.</td><td>८|५७</td><td>११ नवं.</td><td>२५|०९</td></tr>
<tr><td>वैधृति</td><td>२९ जन.</td><td>१६|४७</td><td>३० जन.</td><td>१०|५५</td></tr>
<tr><td>व्यती.</td><td>११ फर.</td><td>१७|१८</td><td>११ फर.</td><td>२६|०८</td></tr>
<tr><td>वैधृति</td><td>२२ फर.</td><td>२८|०६</td><td>२३ फर.</td><td>१०|०९</td></tr>
<tr><td>व्यती.</td><td>७ मार्च</td><td>३०|२१</td><td>८ मार्च</td><td>१२|४८</td></tr>
<tr><td>वैधृति</td><td>२० मार्च</td><td>१०|२६</td><td>२० मार्च</td><td>१५|२२</td></tr>
</table>

ताजिकनीलकण्ठी- नीलकण्ठाचार्यजी विरचित, पं. महीधरजी कृत हिन्दी टीका सहित, तन्त्रत्रयात्मक। इसमें वर्षपल बनाने का पूरा हाल और वर्षान्तदशा-फल, द्वादशभाव और प्रश्नतन्त्र में अनेक प्रकार प्रश्न के विषय चमत्कारिक है।

ताजिकभूषण- गणेशदैवज्ञजी कृत, हिन्दी टीका सहित। इसमें वर्षपत्रिका संबंधी फलादेश विस्तार पूर्वक है।

ताजिकसंग्रह- हिन्दी टीका सहित। द्वादशभावों का फल, वर्ष बनाने, ग्रह स्पष्ट करने, लघुपंचवर्गी, हर्षबल आदि के चक्रों से स्पष्ट उदाहरण, अरिष्टविचार, अरिष्टपरिहार और चमत्कारिक योग लिखे हैं।

दीपिका वा शुद्धिदीपिका- महामहोपाध्याय श्री. श्रीनिवासजी प्रणीत और पं.कन्हैयालालजी मिश्र कृत, हिन्दी टीका सहित। ज्योतिषियों को परमोपयोगी।

संवत् २०७१ शाकः १९३६ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
चै.शु. १४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	वै.शु. १५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	चै.शु. ०६ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	चै.कृ. ०८ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	वै.कृ. १० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.कृ. ११ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	चै.कृ. ०६ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	वै.कृ. ०७ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.कृ. ०९ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	चै.कृ. १० से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	वै.कृ. ११ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.शु. ०४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.
वै.शु. ०५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.शु.०५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.०३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	वै.शु. ०७ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.शु.०८ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.कृ.१२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	वै.कृ. १३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.१४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.०७ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	वै.कृ. ०९ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.१० से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.११ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.
आ.कृ.१२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.कृ.१३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु.०८ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	श्रा.कृ.०५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	भा.कृ.०६ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.०९ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.१३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.१४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.१४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	आ.कृ.०७ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	श्रा.कृ.०८ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.०९ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.
श्रा.कृ.११ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ.११ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ.३० से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.शु.०९ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.शु.११ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.०८ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु.११ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.शु.१२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.कृ.१४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.१४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ.१४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ.०८ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.
आ.कृ.०९ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.०९ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.१३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	आ.शु.०१ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.०३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु.१३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	का.कृ.०९ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.कृ. ०९ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.१३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.१३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	का.कृ.१४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.१३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.
का.कृ.३० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. ३० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. ११ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.३० से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.शु. ०१ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.शु. ०४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.१५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.शु. १५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.कृ. ०९ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.शु.१२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.शु. १३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.कृ. १३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.
पौ.कृ. १४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ. ३० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	पौ.शु. ०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	पौ.कृ. १२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. १४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	पौ.शु. ०३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	पौ.शु. ०६ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. ०७ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	पौ.शु. १५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.कृ. ०९ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	फा.कृ.०९ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	पौ.शु. १२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.
मा.शु. १४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.१४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.०३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.शु. ०५ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.०६ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.०१ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.शु. ०५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.०५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.०७ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. १५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	फा.शु.१५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	चै.कृ. ०८ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.

जातकालंकार- हिन्दी टीका सहित। भावफल और आयु कहने में अपूर्व।

जातकाभरण- श्रीदुंढिराजजी कृत। हिन्दी टीका सहित।

जातकचन्द्रिका- हिन्दी टीका सहित। इसमें जन्मजातक, तन्वादि भावफल, षड्वर्गफल अनेकानेक योगदशादि वर्णित है।

कर्मविपाक संहिता- नक्षत्र चरणगत। हिन्दी टीका सहित।

केत्रलीयप्रश्नरत्न- हिन्दी टीका सहित। मूकप्रश्न, मुष्टिप्रश्न आदि नाना प्रकार के प्रश्न कहने के लिये बहुत ही चमत्कारी।

केरलतत्त्वप्रश्नसंग्रह- हिन्दी टीका सहित। तात्कालिक लग्न साधनादि के बिना ही भूत, भविष्य बनाने की कुंजी।

केशवीजातक- सान्वय सोदाहरण हिन्दी टीका सहित।

गर्गजातक- हिन्द टीका सहित जातक संबंधी अनेक योग।

ग्रहगोचर- हिन्दी टीका सहित। गोचरग्रहों का विचार।

संवत् २०७१, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०१४

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	सोमवार ८ सितंबर दिन १०।४९ बजे के बाद (भाद्रपद शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम) "	मंगलवार ९ सितंबर प्रातः ७।१० बजे के बाद
द्वितीया (दूज) "	बुधवार १० सितंबर
तृतीया (तीज) "	गुरुवार ११ सितंबर
चतुर्थी (चोथ) "	शुक्रवार १२ सितंबर
पंचमी (पांच) "	शनिवार १३ सितंबर
षष्ठी (छठ) "	रविवार १४ सितंबर
सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	सोमवार १५ सितंबर
अष्टमी (आठं) "	मंगलवार १६ सितंबर
नवमी (नौमी) "	बुधवार १७ सितंबर
दशमी (दस) "	गुरुवार १८ सितंबर
एकादशी "	शुक्रवार १९ सितंबर
द्वादशी (बारस) "	शनिवार २० सितंबर
त्रयोदशी (तेरस) "	रविवार २१ सितंबर
चतुर्दशी (चौदस) "	सोमवार २२ सितंबर प्रातः ७।३४ बजे के बाद
अमावस्या (मावस) "	मंगलवार २३ सितंबर दिन ९।४६ बजे के बाद

३१ मार्च से १५ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिग्मा सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	सो	४०	०९	२२	२९	रेव	४५	०३	२४	२७	ऐ	४३	५४	२३	५९	किं	१२	१६	११	२०	३०/४४	६/२६	६/४३	१०	२९	३१	मेषे २४।२७	११।१६।०६।५४	५९।१४
सिंधारा	२	मं	३७	००	२१	१३	अश्वि	४३	४९	२३	५६	वै	३८	३८	२१	५२	वा	८	२५	९	४७	४८	२५	४४	११	३०	१	मेषे	११।१७।०६।०८	५९।११
गणगोर	३	बु	३५	२८	२०	३५	भर	४४	१०	२४	०४	वि	३४	३८	२०	१५	तै	६	०४	८	४९	५२	२४	४४	१२	१	२	वृषे ३०।१२	११।१८।०५।१९	५९।०९
लुम्बक	४	गु	३५	३९	२०	३८	कृति	४६	१३	२४	५२	प्री	३२	००	१९	१०	व	५	२१	८	३१	५६	२२	४५	१३	२	३	वृषे	११।१९।०४।२८	५९।०७
मित्र	५	शु	३७	३६	२१	२४	रोहि	४९	५९	२६	२१	आ	३०	४४	१८	३९	ब	६	२६	८	५६	३१/००	२१	४५	१४	३	४	वृषे	११।२०।०३।३५	५९।०५
वज्र	६	श	४१	१४	२२	५०	मृग	५५	२०	२८	२८	सौ	३०	४८	१८	३९	कौ	९	१६	१०	०३	०४	२०	४६	१५	४	५	मिथु. १५।२०	११।२१।०२।४०	५९।०२
ध्वाङ्क्ष	७	र	४६	१६	२४	५०	आर्द्रा	...	...	...	...	शो	३१	५९	१९	०७	ग	१३	३८	११	४६	०८	१९	४६	१६	५	६	मिथु.	११।२२।०१।४२	५९।००
काल	८	सो	५२	१३	२७	११	आर्द्रा	१	५९	७	०६	अ	३३	५६	१९	५३	वि	१९	११	१३	५९	१२	१८	४७	१७	६	७	कर्के २७।१६	११।२३।००।४२	५८।५८
रामनव	९	मं	५८	३०	२९	४१	पुन	९	२०	१०	०१	सु	३६	१६	२०	४७	बा	२५	२२	१६	२६	१६	१७	४७	१८	७	८	कर्के	११।२३।५९।४०	५८।५५
मातङ्ग	१०	बु	...	...	...	...	पुष्य	१६	५०	१३	००	धृ	३८	३२	२१	४१	तै	३१	३४	१८	५३	२०	१६	४८	१९	८	९	कर्के	११।२४।५८।३५	५८।५३
अमृत	१०	गु	४	३०	८	०३	श्ले	२३	५४	१५	४९	शू	४०	२०	२२	२३	ग	४	३०	८	०३	२४	१५	४९	२०	९	१०	सिंहे १५।४९	११।२५।५७।२८	५८।५१
ए.व्र.	११	शु	९	३८	१०	०५	मघा	३०	०५	१८	१६	गं	४१	२०	२२	४६	वि	९	३८	१०	०५	२८	१४	४९	२१	१०	११	सिंहे	११।२६।५६।१९	५८।४८
प्र.व्र.	१२	श	१३	३७	११	४०	पूफा	३५	०४	२०	१५	वृ	४१	२३	२२	४६	बा	१३	३७	११	४०	३२	१३	५०	२२	११	१२	कन्या २६।३९	११।२७।५५।०७	५८।४६
मित्र	१३	र	१६	१७	१२	४२	उफा	३८	४६	२१	४२	ध्रु	४०	२५	२२	२२	तै	१६	१७	१२	४२	३६	१२	५०	२३	१२	१३	कन्या	११।२८।५३।५४	५८।४४
वज्र	१४	सो	१७	३५	१३	१३	हस्त	४१	१०	२२	३९	व्या	३८	२४	२१	३२	व	१७	३५	१३	१३	४०	११	५१	२४	१३	१४	कन्या	११।२९।५२।३८	५८।४२
पूर्णिमा	१५	मं	१७	३४	१३	११	चित्रा	४२	१९	२३	०५	ह	३५	२३	२०	१९	ब	१७	३४	१३	११	४४	१०	५१	२५	१४	१५	तुला. १०।५५	०।००।५१।१९	५८।३९

केतकी अहर्गणः १०९० वसंतर्तु रविरुत्तरे, मार्च-अप्रेल २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
पंचकसमाप्तिः२४।२७,नवरात्रारम्भः,घटस्था.,ध्वजारो.,आरोग्य १ B
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंघारा) देशाचारे, अप्रेल ४ ता.३०
मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, गणगौरी पूजा, A
भ. ८।३१ उ. २०।३८ याः, बुधास्तः पूर्वस्याम् २०।५२
कल्पादि, डोलोत्सवः, मीने बुधः ९।१८
स्कन्द षष्ठी व्र. [B विद्या १, कल्पादि, रेव.रविः १७।३३ E
भ. २४।५० उ., उभा. बुधः ९।३९, शत. शुक्रः २१।०१
भ. १३।५९ या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं
श्री रामनवमी [E (सौरः १९।५०), कुंभे शुक्रः १३।११
[A मनोरथ तृतीयाव्र.,सौभाग्य शयनव्र.,शिवशक्ति पू.,जमादिलास्सर ६
भ. २१।०७ उ. [C चित्रान्नदानं भक्षणञ्च [D (सौरः ९।११)
भ. १०।०५ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, (व) हस्ते भौमः २८।३५
जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः, रेव. बुधः २१।२९
भ. १३।१३ उ. २५।१६ या., पूर्णिमाव्रतं, मेषे अश्वि.रविः ६।५३ D
मन्वादि, श्रीहनुमज्जयंती, पूर्णिमा पुण्यं, वैशाख स्नानारंभः, C

अयनांशाः २४।०२।३०

पं.५२ चै.शु. ७ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	५	११	२	१०	६	६	०
२२	२५	०३	१७	०६	२८	०५	०५
०७	५८	०५	४८	००	२७	०९	०९
१५	४०	५४	२५	४९	५२	४०	४०
५९	२२	१०१	५	६३	३	३	३
००	३७	२२	३८	५५	१२	१०	१०
रे	चि	पूभा	आ	ध	वि	चि	अ
२	१व	४	४	४	३व	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मार्च	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायँ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन प्रातः
११।१६।१४।०९	१ चं	३१	७।०६	८।४२	१०।३८	१२।५३	३।१३	५।३०	७।४६	१०।०५	१२।२३	२।२८	४।११	५।४०
११।१७।१३।२२	२ मं	१	७।०२	८।३८	१०।३४	१२।४९	३।०९	५।२६	७।४२	१०।०१	१२।१९	२।२४	४।०७	५।३६
११।१८।१२।३३	३ बु	२	६।५८	८।३४	१०।३०	१२।४५	३।०५	५।२२	७।३८	९।५७	१२।१६	२।२०	४।०३	५।३२
११।१९।११।४२	४ गु	३	६।५४	८।३०	१०।२६	१२।४१	३।०१	५।१८	७।३४	९।५३	१२।१२	२।१६	३।५९	५।२८
११।२०।१०।४९	५ शु	४	६।५०	८।२६	१०।२२	१२।३७	२।५७	५।१४	७।३०	९।४९	१२।०८	२।१२	३।५६	५।२४
११।२१।०९।५३	६ श	५	६।४६	८।२२	१०।१८	१२।३३	२।५३	५।१०	७।२६	९।४५	१२।०४	२।०८	३।५२	५।२०
११।२२।०८।५५	७ र	६	६।४२	८।१८	१०।१५	१२।२९	२।४९	५।०६	७।२२	९।४१	१२।००	२।०४	३।४८	५।१६
११।२३।०७।५५	८ चं	७	६।३८	८।१४	१०।११	१२।२५	२।४५	५।०२	७।१८	९।३७	११।५६	२।००	३।४४	५।१२
११।२४।०६।५२	९ मं	८	६।३४	८।११	१०।०७	१२।२१	२।४१	४।५८	७।१४	९।३३	११।५२	१।५६	३।४०	५।०८
११।२५।०५।४७	१० बु	९	६।३०	८।०७	१०।०३	१२।१७	२।३८	४।५४	७।१०	९।२९	११।४८	१।५३	३।३६	५।०४
११।२६।०४।४०	१० गु	१०	६।२६	८।०३	९।५९	१२।१४	२।३४	४।५०	७।०६	९।२५	११।४४	१।४९	३।३२	५।००
११।२७।०३।३०	११ शु	११	६।२३	७।५९	९।५५	१२।१०	२।३०	४।४७	७।०२	९।२१	११।४०	१।४५	३।२८	४।५७
११।२८।०२।१९	१२ श	१२	६।१९	७।५५	९।५१	१२।०६	२।२६	४।४३	६।५८	९।१८	११।३६	१।४१	३।२४	४।५३
११।२९।०१।०५	१३ र	१३	६।१५	७।५१	९।४७	१२।०२	२।२२	४।३९	६।५४	९।१४	११।३२	१।३७	३।२०	४।४९
११।२९।५९।४८	१४ चं	१४	६।११	७।४७	९।४३	११।५८	२।१८	४।३५	६।५१	९।१०	११।२८	१।३३	३।१६	४।४५
००।००।५८।३०	१५ मं	१५	६।०७	७।४३	९।३९	११।५४	२।१४	४।३१	६।४७	९।०६	११।२४	१।२९	३।१२	४।४१

संक्रांति फलम्

ता. १४ अप्रेल २०१४
चैत्र शु. १४ चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. (स्टैं.) टा. ६।५३ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः रवौ (स्टैं.) २४।५३ से चंद्रे १२।५३ तक। (दान-मेष)।

अयनांशाः २४।०२।३१

पं. १ चै.शु.१५ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	५	११	२	१०	६	६	०
००	२२	१९	१८	१५	२७	०४	०४
५७	३२	१४	४४	४३	५६	४१	४१
०१	५६	२२	४२	२७	४३	०४	०४
५८	२२	११५	७	६५	३	३	३
४२	३०	०८	००	४०	४६	११	११
अ	ह	रे	आ	श	वि	चि	अ
१	४व	१	४	३	३व	४	२

१६ अप्रेल से २९ अप्रेल तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमा सू. सू. तारीख | स्टै. | प्रातः | दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
घूम्र	१	बु	१६	२१	१२	४१	स्वा	४२	२०	२३	०४	व	३१	२६	१८	४३	को	१६	२१	१२	४१	३१/४८	६/०१	६/५३	२६	१५	१६	तुला.	०।०१।४९।५९	५८।३७
प्रवर्धमा	२	गु	१४	०२	११	४४	विशा	४१	२०	२२	३९	सि	२६	३८	१६	४७	ग	१४	०२	११	४४	५२	०८	५२	२७	१६	१७	वृश्चि. १६।४८	०।०२।४८।३६	५८।३५
च.व्र.	३	शु	१०	४६	१०	२५	अनु	३९	२८	२१	५४	व्य	२१	०८	१४	३४	वि	१०	४६	१०	२५	५६	०७	५३	२८	१७	१८	वृश्चि.	०।०३।४७।११	५८।३३
मुसल	४	श	६	४२	८	४७	ज्ये	३६	५२	२०	५१	व	१४	५९	१२	०५	बा	६	४२	८	४७	३२/००	०६	५३	२९	१८	१९	धनु. २०।५१	०।०४।४५।४४	५८।३१
सिद्धि	५	र	१	५८	६	५२	मूल	३३	४४	१९	३४	प	८	२१	९	२५	तै	१	५८	६	५२	०३	०५	५४	३०	१९	२०	धनु.	०।०५।४४।१४	५८।२८
क्षयः	६	र	५६	४४	२८	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
उत्पात	७	सो	५१	१२	२६	३२	पूषा	३०	१२	१८	०९	शि	१/५४	२०/०१	६/२७	३६/४०	वि	२४	०१	१५	४०	०७	०४	५४	१	२०	२१	मक. २३।४६	०।०६।४२।४२	५८।२६
मानस	८	मं	४५	३१	२४	१५	उषा	२६	२७	१६	३८	सा	४६	३७	२४	४१	बा	१८	२३	१३	२४	११	०३	५५	२	२१	२२	मक.	०।०७।४१।०९	५८।२४
छत्र	९	बु	३९	४९	२१	५७	श्रव	२२	३९	१५	०५	शु	३९	१४	२१	४३	तै	१२	४१	११	०६	१५	०२	५६	३	२२	२३	कुंभे २६।२०	०।०८।३९।३३	५८।२२
श्रीवत्स	१०	गु	३४	१७	१९	४४	घनि	१८	५७	१३	३६	शु	३१	५८	१८	४८	व	७	०२	८	५०	१८	०१	५६	४	२३	२४	कुंभे	०।०९।३७।५४	५८।२०
ए.व्र.	११	शु	२९	०५	१७	३८	शत	१५	३१	१२	१२	ब्र	२४	५८	१५	५९	ब	१	३९	६	३९	२२	००	५७	५	२४	२५	मीने २९।१७	०।१०।३६।१४	५८।१७
प्र.व्र.	१२	श	२४	२०	१५	४३	पूभा	१२	३३	११	००	ऐ	१८	२१	१३	२०	तै	२४	२०	१५	४३	२६	५/५९	५७	६	२५	२६	मीने	०।११।३४।३१	५८।१५
सुस्थिर	१३	र	२०	१६	१४	०४	उभा	१०	११	१०	०२	वै	१२	१६	१०	५३	व	२०	१६	१४	०४	२९	५८	५८	७	२६	२७	मीने	०।१२।३२।४७	५८।१३
मातङ्ग	१४	सो	१७	००	१२	४५	रेव	८	३५	९	२३	वि	६	४८	८	४१	श	१७	००	१२	४५	३३	५७	५८	८	२७	२८	मेषे ९।२३	०।१३।३१।००	५८।११
अमाव.	३०	मं	१४	४३	११	५०	अश्वि	७	५७	९	०७	प्री	२/५८	०७/१९	६/२९	४७/१६	ना	१४	४३	११	५०	३६	५६	५९	९	२८	२९	मेषे	०।१४।२९।११	५८।०९

वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A भर. रविः २२।४३ (सौरः २५।२५), मीने शुक्रः २६।४७, B
भ. २३।०७ उ.
भ. १०।२५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०३, पूभा. शुक्रः २७।३१
मूले रे. ८ ।।।।।।SS।। रात्रौ लग्न ११, अनुसूया जयंती
भ. २८।४६ उ., सायन वृषे भानुः ९।०४, मेषे अश्वि. बुधः १७।०६
[B अगस्त्यास्तः २४।३४
भ. १५।४० या., बूढो वास्योड़ो, भा. वैशाखारंभः

पंचक प्रारम्भः २६।२०
भ. ८।५० उ. १९।४४ या., पुन.-१ गुरुः २७।५७
वरुथिनि ११ व्र.
प्रदोषः, भर. बुधः २६।००
भ. १४।०४ उ. २५।२२ या., मासिकशिवरात्री व्र., A
पंचक समाप्तिः ९।२३, पितृकार्येऽमा.
देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०२।३२

पं. २ वै.कृ. ८ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	५	०	२	१०	६	६	०
०७	२०	०३	१९	२३	२७	०४	०४
४७	०१	०९	३६	२६	२९	१८	१८
१३	४५	०३	३१	३०	१४	५०	५०
५८	२०	१२४	७	६६	४	३	३
२८	०२	२३	५५	४४	०७	१०	१०
अ	ह	अ	आ	पूभा	वि	चि	अ
३	४व	१	४	२	३व	४	२

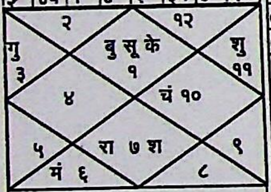

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अप्रे.	मेष प्रातः	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायं	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
००।०१।५७।०९	१ बु	१६	६।०३	७।३९	९।३५	११।५०	२।१०	४।२७	६।४३	९।०२	११।२०	१।२५	३।०८	४।३७
००।०२।५५।४६	२ गु	१७	५।५९	७।३५	९।३१	११।४६	२।०६	४।२३	६।३९	८।५८	११।१६	१।२१	३।०४	४।३३
००।०३।५४।२०	३ शु	१८	५।५५	७।३१	९।२७	११।४२	२।०२	४।१९	६।३५	८।५४	११।१२	१।१७	३।००	४।२९
००।०४।५२।५३	४ श	१९	५।५१	७।२७	९।२३	११।३८	१।५८	४।१५	६।३१	८।५०	११।०९	१।१३	२।५६	४।२५
००।०५।५१।२३	५ र	२०	५।४७	७।२३	९।१९	११।३४	१।५४	४।११	६।२७	८।४६	११।०५	१।०९	२।५३	४।२१
००।०६।४९।५१	७ चं	२१	५।४३	७।१९	९।१५	११।३०	१।५०	४।०७	६।२३	८।४२	११।०१	१।०५	२।४९	४।१७
००।०७।४८।१७	८ मं	२२	५।३९	७।१५	९।१२	११।२६	१।४६	४।०३	६।१९	८।३८	१०।५७	१।०१	२।४५	४।१३
००।०८।४६।४१	९ बु	२३	५।३५	७।११	९।०८	११।२२	१।४२	३।५९	६।१५	८।३४	१०।५३	१२।५७	२।४१	४।०९
००।०९।४५।०२	१० गु	२४	५।३१	७।०७	९।०४	११।१८	१।३८	३।५५	६।११	८।३०	१०।४९	१२।५३	२।३७	४।०५
००।१०।४३।२१	११ शु	२५	५।२७	७।०४	९।००	११।१४	१।३५	३।५१	६।०७	८।२६	१०।४५	१२।५०	२।३३	४।०१
००।११।४१।३९	१२ श	२६	५।२३	७।००	८।५६	११।१०	१।३१	३।४७	६।०३	८।२२	१०।४१	१२।४६	२।२९	३।५७
००।१२।३९।५४	१३ र	२७	५।२०	६।५६	८।५२	११।०७	१।२७	३।४३	५।५९	८।१८	१०।३७	१२।४२	२।२५	३।५३
००।१३।३८।०७	१४ चं	२८	५।१६	६।५२	८।४८	११।०३	१।२३	३।४०	५।५५	८।१४	१०।३३	१२।३८	२।२१	३।५०
००।१४।३६।१८	३० मं	२९	५।१२	६।४८	८।४४	१०।५९	१।१९	३।३६	५।५१	८।११	१०।२९	१२।३४	२।१७	३।४६

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा - बुधेरसक्षयोभूम्यां ॥ कृ.प्रतिपदा को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो, मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। बैशाख कृ. पांचै रविवार होने से आगामी वर्ष की संक्रान्ति के उस दिन वृष्टि को रोकता है। मगलवारी अमावस होने से राज्यभ्रंश, राजयुद्ध-क्लेशो की वृद्धि-उपघात-अल्पवृष्टि और द्रव्यों की हानि हो। अमावस्या अश्विनी योग सुभिक्ष और सुखद है। वैशाखी अमावस को अश्विनी होने से महर्ध-समर्ध मध्यम हो। वैशाख शुक्ला पंचमी को सूर्यवार होने से मंद वर्षा हो। रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।०२।३३

पं. ३ वै.कृ.३० मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	५	०	२	११	६	६	०
१४	१७	१७	२०	०१	२६	०३	०३
३५	५३	५९	३४	१६	५९	५६	५६
५३	१२	१३	४२	२४	३९	३५	३५
५८	१५	१२९	८	६७	४	३	३
१६	५४	१८	४७	३७	२२	१०	१०
भ	ह	भ	पुन	पूभा	वि	चि	अ
१	३व	२	१	४	३व	४	२

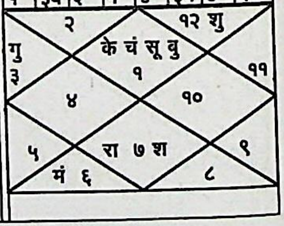

॥ पं. श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

३० अप्रेल से १४ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, क्षिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काण	१	बु	१३	३५	११	२२	भर	८	२६	९	१८	सौ	५५	३२	२८	०८	व	१३	३५	११	२२	३२ ४०	५ ५६	७ ००	१०	२९	३०	वृषे १५।२५	०।१५।२७।२०	५८।०७
लुम्बक	२	गु	१३	४५	११	२५	कृति	१०	११	९	५९	शो	५३	५०	२७	२७	कौ	१३	४५	११	२५	४३	५५	००	११	१	१	वृषे	०।१६।२५।२७	५८।०५
अक्षया	३	शु	१५	२०	१२	०२	रोहि	१३	१९	११	१३	अ	५३	१६	२७	१२	ग	१५	२०	१२	०२	४७	५४	०१	१२	२	२	मिथु. २४।०३	०।१७।२३।३२	५८।०३
वज्र	४	श	१८	२३	१३	१४	मृग	१७	५१	१३	०१	सु	५३	४८	२७	२४	वि	१८	२३	१३	१४	५०	५३	०१	१३	३	३	मिथु.	०।१८।२१।३५	५८।०१
ध्वाङ्क्ष	५	र	२२	४५	१४	५९	आर्द्रा	२३	४१	१५	२१	धृ	५५	१७	२७	५९	वा	२२	४५	१४	५९	५४	५२	०२	१४	४	४	मिथु.	०।१९।१९।३६	५७।५९
धूम्र	६	सो	२८	१३	१७	०९	पुन	३०	३३	१८	०५	शू	५७	२५	२८	४९	तै	२८	१३	१७	०९	५७	५२	०२	१५	५	५	कर्के ११।२२	०।२०।१७।३५	५७।५७
प्रवर्धमा	७	मं	३४	१८	१९	३४	पुष्य	३७	५९	२१	०२	गं	५९	४९	२९	४६	ग	१	१४	६	२१	३३ ००	५१	०३	१६	६	६	कर्के	०।२१।१५।३३	५७।५५
राक्षस	८	बु	४०	२१	२१	५९	श्ले	४५	२२	२३	५९	वृ	...	...	...	...	वि	७	२३	८	४७	०४	५०	०४	१७	७	७	सिंहे २३।५९	०।२२।१३।२८	५७।५३
मुसल	९	गु	४५	४७	२४	०८	मघा	५२	०८	२६	४१	वृ	२	०४	६	३९	वा	१३	१२	११	०६	०७	४९	०४	१८	८	८	सिंहे	०।२३।११।२१	५७।५१
सिद्धि	१०	शु	५०	०४	२५	५०	पूफा	५७	४४	२८	५४	ध्रु	३	४०	७	१७	तै	१८	०७	१३	०४	१०	४९	०५	१९	९	९	सिंहे	०।२४।०९।१२	५७।४९
ए.व्र.	११	श	५२	५१	२६	५६	उफा	...	...	...	...	व्या	४	१८	७	३१	व	२१	४१	१४	२८	१३	४८	०५	२०	१०	१०	कन्या ११।२३	०।२५।०७।०२	५७।४८
मित्र	१२	र	५३	५८	२७	२२	उफा	१	५४	६	३३	ह	३	४४	७	१७	ब	२३	३८	१५	१५	१६	४७	०६	२१	११	११	कन्या	०।२६।०४।४९	५७।४६
प्र.व्र.	१३	सो	५३	२१	२७	०७	हस्त	४	२३	७	३२	व	१ ५८	५१ ३६	६ २९	३१ १३	कौ	२३	५३	१५	२०	१९	४७	०६	२२	१२	१२	तुला. १९।४७	०।२७।०२।३५	५७।४४
ध्वाङ्क्ष	१४	मं	५१	१०	२६	१४	चित्रा	५	१३	७	५१	व्य	५४	०८	२७	२५	ग	२२	२८	१४	४५	२२	४६	०७	२३	१३	१३	तुला.	०।२८।००।१९	५७।४२
पूर्णिमा	१५	बु	४७	३२	२४	४६	स्वा	४	३१	७	३४	व	४८	३०	२५	१०	वि	१९	३१	१३	३४	२५	४६	०८	२४	१४	१४	वृश्चि. २४।५९	०।२८।५८।०१	५७।४०

केतकी अहर्गणः ११२० ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल-मई २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), उभा. शुक्रः २५।४५
रोहि.रे. ९ ||||||S||| रात्रौ लग्न ११,कल्पादि,शिवाजी जयंती, B
भ. २४।३४ उ., युगादि, अक्षय तृतीया
भ. १३।१४ या., कृत्ति. बुधः ६।५९, (व) विशा.-२ शनिः १७।०७
श्री आद्यशंकराचार्य जयंती, वृषे बुधः २१।०२
श्री रामानुज जयंती, बुधोदयः पश्चिमायाम् १९।५०
भ. १९।३४ उ., गंगोत्पत्ति [B परशुराम जयंती, मई ५ D
भ. ८।४७ या., टैगोर जयन्ती [D ता. ३१, रज्जब ७
मघा. रे. ९ ||||||||S| रात्रौ लग्न गोधूलि(७), सीता ९
रोहि. बुधः २१।२८ [E राहुः १८।०८, अश्वि.-१ केतुः १८।०८
भ. १४।२८ उ. २६।५६ या., मोहिनी ११ व्र., चित्रा.-३ E
कृत्ति. रविः १६।५४ (सौरः २०।२४)
प्रदोषः, रेव. शुक्रः १८।२८ [C वृषे रविः २७।४७
भ. २६।१४ उ., नृसिंह १४ [A धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं, C
भ.१३।३४ या.,कूर्मोत्पत्तिः,पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च,वैशाखस्नानपूर्तिः,A

अयनांशाः २४।०२।३४

पं. ४ वै.शु. ७ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	५	१	२	११	६	६	०
२१	१६	०२	२१	०९	२६	०३	०३
२३	१७	४९	३८	१२	२८	३४	३४
०७	०२	३०	३६	०१	४३	२०	२०
५८	१०	१२१	९	६८	४	३	३
०४	४४	१७	३३	२१	३०	१०	१०
भ	ह	कृ	पुन	उभा	वि	चि	अ
३	२व	२	१	२	२व	४	२

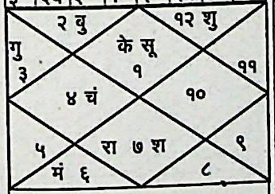

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।१५।३४।२६	१ बु	३०	५।०८	६।४४	८।४०	१०।५५	१।१५	३।३२	५।४७	८।०७	१०।२५	१२।३०	२।१३	३।४२
००।१६।३२।३३	२ गु	१	५।०४	६।४०	८।३६	१०।५१	१।११	३।२८	५।४४	८।०३	१०।२१	१२।२६	२।०९	३।३८
००।१७।३०।३८	३ शु	२	५।००	६।३६	८।३२	१०।४७	१।०७	३।२४	५।४०	७।५९	१०।१७	१२।२२	२।०५	३।३४
००।१८।२८।४१	४ श	३	४।५६	६।३२	८।२८	१०।४३	१।०३	३।२०	५।३६	७।५५	१०।१३	१२।१८	२।०१	३।३०
००।१९।२६।४१	५ र	४	४।५२	६।२८	८।२४	१०।३९	१२।५९	३।१६	५।३२	७।५१	१०।०९	१२।१४	१।५७	३।२६
००।२०।२४।४०	६ चं	५	४।४८	६।२४	८।२०	१०।३५	१२।५५	३।१२	५।२८	७।४७	१०।०५	१२।१०	१।५३	३।२२
००।२१।२२।३७	७ मं	६	४।४४	६।२०	८।१६	१०।३१	१२।५१	३।०८	५।२४	७।४३	१०।०२	१२।०६	१।४९	३।१८
००।२२।२०।३२	८ बु	७	४।४०	६।१६	८।१२	१०।२७	१२।४७	३।०४	५।२०	७।३९	९।५८	१२।०२	१।४६	३।१४
००।२३।१८।२५	९ गु	८	४।३६	६।१२	८।०८	१०।२३	१२।४३	३।००	५।१६	७।३५	९।५४	११।५८	१।४२	३।१०
००।२४।१६।१६	१० शु	९	४।३२	६।०८	८।०५	१०।१९	१२।३९	२।५६	५।१२	७।३१	९।५०	११।५४	१।३८	३।०६
००।२५।१४।०५	११ श	१०	४।२८	६।०४	८।०१	१०।१५	१२।३५	२।५२	५।०८	७।२७	९।४६	११।५०	१।३४	३।०२
००।२६।११।५२	१२ र	११	४।२४	६।००	७।५७	१०।११	१२।३१	२।४८	५।०४	७।२३	९।४२	११।४६	१।३०	२।५८
००।२७।०९।३८	१३ चं	१२	४।२०	५।५७	७।५३	१०।०७	१२।२८	२।४४	५।००	७।१९	९।३८	११।४३	१।२६	२।५४
००।२८।०७।२१	१४ मं	१३	४।१६	५।५३	७।४९	१०।०४	१२।२४	२।४०	४।५६	७।१५	९।३४	११।३९	१।२२	२।५०
००।२९।०५।०३	१५ बु	१४	४।१३	५।४९	७।४५	१०।००	१२।२०	२।३७	४।५२	७।११	९।३०	११।३५	१।१८	२।४७

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २०१४
वैशा. शु. १५ बुधे वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २७।४७ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २१।२३ से २७।४७ तक। (दान- गौ)।

अयनांशाः २४।०२।३५

पं. ५ वै.शु.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	५	१	२	११	६	६	०
२८	१५	१६	२२	१७	२५	०३	०३
०९	१८	०१	४७	१२	५७	१२	१२
००	३१	१६	४०	२७	१२	०६	०६
५७	५	१००	१०	६८	४	३	३
५३	१०	५१	१५	५९	३०	११	११
कृ	ह	रो	पुन	रे	वि	चि	अ
१	२व	२	१	१	२व	३	१

१५ मई से २८ मई तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	गु	४२	४१	२२	५०	विशा	२/५९	२६/१२	६/२९	४३/२६	प	४१	५४	२२	३१	बा	१५	१५	११	५१	३३/३८	५/४५	७/०८	२५	१५	१५	वृश्चि.	०।२९।५५।४२	५७।३९
चर	२	शु	३६	५६	२०	३१	ज्ये	५५	१०	२७	४९	शि	३४	३३	१९	३४	तै	९	५५	९	४२	३१	४४	०९	२६	१६	१६	धनु. २७।४९	१।००।५३।२०	५७।३७
च.व्र.	३	श	३०	३३	१७	५७	मूल	५०	३७	२५	५९	सि	२६	४१	१६	२४	व	३	४९	७	१६	३४	४४	०९	२७	१७	१७	धनु.	१।०१।५०।५७	५७।३५
शुभ	४	र	२३	५२	१५	१६	पूषा	४५	५२	२४	०४	सा	१८	३२	१३	०८	बा	२३	५२	१५	१६	३६	४३	१०	२८	१८	१८	मक. २९।३६	१।०२।४८।३३	५७।३४
मृत्यु	५	सो	१७	०८	१२	३४	उषा	४१	१३	२२	१२	शु	१०	२१	९	५१	तै	१७	०८	१२	३४	३९	४३	१०	२९	१९	१९	मक.	१।०३।४६।०७	५७।३२
लुम्बक	६	मं	१०	४१	९	५९	श्रव	३६	५५	२०	२८	शु	२/५४	२०/४१	६/२७	३९/३५	व	१०	४१	९	५९	४१	४२	११	३०	२०	२०	मक.	१।०४।४३।३९	५७।३१
मित्र	७	बु	४	४१	७	३५	धनि	३३	११	१८	५९	ऐ	४७	३४	२४	४४	व	४	४१	७	३५	४४	४२	१२	३१	२१	२१	कुंभे ७।४१	१।०५।४१।०९	५७।२९
क्षयः	८	बु	५९	२०	२९	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
वज्र	९	गु	५४	४७	२७	३६	शत	३०	११	१७	४६	वै	४१	०४	२२	०७	तै	२६	५७	१६	२९	४६	४२	१२	१	२२	२२	कुंभे	१।०६।३८।३८	५७।२७
ध्वाङ्क्ष	१०	शु	५१	०५	२६	०७	पूभा	२८	०१	१६	५४	वि	३५	१५	१९	४७	व	२२	५०	१४	४९	४९	४१	१३	२	२३	२३	मीने ११।०५	१।०७।३६।०६	५७।२६
ए.व्र.	११	श	४८	१७	२५	००	उभा	२६	४३	१६	२२	प्री	३०	१०	१७	४५	व	१९	३५	१३	३१	५१	४१	१३	३	२४	२४	मीने	१।०८।३३।३२	५७।२५
प्रवर्धमा	१२	र	४६	२४	२४	१४	रेव	२६	२०	१६	१२	आ	२५	४९	१६	००	कौ	१७	१४	१२	३४	५३	४०	१४	४	२५	२५	मेषे १६।१२	१।०९।३०।५६	५७।२३
प्र.व्र.	१३	सो	४५	२६	२३	५१	अश्वि	२६	५१	१६	२५	सौ	२२	१२	१४	३३	ग	१५	४९	१२	००	५६	४०	१४	५	२६	२६	मेषे	१।१०।२८।१९	५७।२२
मुसल	१४	मं	४५	२६	२३	५०	भर	२८	१८	१६	५९	शो	१९	२१	१३	२४	वि	१५	१९	११	४७	५८	४०	१५	६	२७	२७	वृषे २३।११	१।११।२५।४१	५७।२०
अमाव.	३०	बु	४६	२४	२४	१३	कृति	३०	४२	१७	५६	अ	१७	१५	१२	३४	च	१५	४७	११	५८	३४/००	३९	१५	७	२८	२८	वृषे	१।१२।२३।०१	५७।१९

ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे वैशास्त्रकृष्णेति गुर्जराः, मई २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

अनुरा. रे. ७ ।।।।S।SS।। रात्रौ लग्न ११, वृषे सौरः ७।३३
नारद जयंती, वीणादानं, पुन.-२ गुरुः ८।४४
भ. ७।१६ उ. १७।५७ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५०, C
उषा. रे. ७ ।।।SS।।S।। रात्रौ लग्न ११
[C मृगे बुधः २०।५६
भ. ९।५९ उ. २०।४५ या., मार्गी भौमः १८।५७
पंचक प्रारम्भः ७।४१, सायन मिथुने भानुः ८।१२
[B अपरा ११ व्र., मेषे अश्वि. शुक्रः ७।१३
भा. ज्येष्ठारंभः, मिथुने बुधः २४।१८
भ. १४।४९ उ. २६।०७ या.
रेवत्यां रे. ८ ।।।।S।।S।। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८), १०, २, B
पंचक समाप्तिः १६।१२, रोहि. रविः १३।०९ (सौरः १७।५०)
भ. २३।५१ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
भ. ११।४७ या. [A भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.)
शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., बटपूजनम् मरुस्थले, A

अयनांशाः २४।०२।३५

पं. ६ ज्ये.कृ. ६ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	५	१	२	११	६	६	०
०४	१४	२६	२४	२५	२५	०२	०२
५३	५९	३६	०१	१७	२५	४९	४९
४०	०१	१७	१८	०१	५६	५१	५१
५७	०	७६	१०	६९	४	३	३
४३	२१	४७	५२	३२	२४	११	११
कृ	ह	मृ	पुन	रे	चि	चि	अ
३	२	१	२	३	२व	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।००।०२।४४	१ गु	१५	४।०९	५।४५	७।४१	९।५६	१२।१६	२।३३	४।४८	७।०८	९।२६	११।३१	१।१४	२।४३
०१।०१।००।२२	२ शु	१६	४।०५	५।४१	७।३७	९।५२	१२।१२	२।२९	४।४४	७।०४	९।२२	११।२७	१।१०	२।३९
०१।०१।५७।५९	३ श	१७	४।०१	५।३७	७।३३	९।४८	१२।०८	२।२५	४।४१	७।००	९।१८	११।२३	१।०६	२।३५
०१।०२।५५।३४	४ र	१८	३।५७	५।३३	७।२९	९।४४	१२।०४	२।२१	४।३७	६।५६	९।१४	११।१९	१।०२	२।३१
०१।०३।५३।०७	५ चं	१९	३।५३	५।२९	७।२५	९।४०	१२।००	२।१७	४।३३	६।५२	९।१०	११।१५	१२।५८	२।२७
०१।०४।५०।३९	६ मं	२०	३।४९	५।२५	७।२१	९।३६	११।५६	२।१३	४।२९	६।४८	९।०६	११।११	१२।५४	२।२३
०१।०५।४८।१०	७ बु	२१	३।४५	५।२१	७।१७	९।३२	११।५२	२।०९	४।२५	६।४४	९।०२	११।०७	१२।५०	२।१९
०१।०६।४५।३८	९ गु	२२	३।४१	५।१७	७।१३	९।२८	११।४८	२।०५	४।२१	६।४०	८।५८	११।०३	१२।४६	२।१५
०१।०७।४३।०५	१० शु	२३	३।३७	५।१३	७।०९	९।२४	११।४४	२।०१	४।१७	६।३६	८।५५	१०।५९	१२।४२	२।११
०१।०८।४०।३१	११ श	२४	३।३३	५।०९	७।०५	९।२०	११।४०	१।५७	४।१३	६।३२	८।५१	१०।५५	१२।३९	२।०७
०१।०९।३७।५५	१२ र	२५	३।२९	५।०५	७।०१	९।१६	११।३६	१।५३	४।०९	६।२८	८।४७	१०।५१	१२।३५	२।०३
०१।१०।३५।१८	१३ चं	२६	३।२५	५।०१	६।५८	९।१२	११।३२	१।४९	४।०५	६।२४	८।४३	१०।४७	१२।३१	१।५९
०१।११।३२।४०	१४ मं	२७	३।२१	४।५७	६।५४	९।०८	११।२८	१।४५	४।०१	६।२०	८।३९	१०।४३	१२।२७	१।५५
०१।१२।३०।००	३० बु	२८	३।१७	४।५३	६।५०	९।०४	११।२४	१।४१	३।५७	६।१६	८।३५	१०।३९	१२।२३	१।५१

मास फलम्

इस माह मे पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो, यथा- चन्द्रजीवौ यदापंच धान्यादीनांसमर्घता। प्रजा वृद्धिस्तुभार्गवे। इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो। ज्येष्ठ कृष्णा प्रतिपदा को बृहस्पतिवार होने से समर्धता हो। ज्येष्ठ कृष्णा द्वादशी में रेवती होने से कष्ट हो। बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दुःस्थ-स्थानत्याग और कम धान्य हो। अमावस्या कृतिका योग सुभिक्ष और सुखद है। अश्विनी में शुक्र होने से ब्राह्मण जाति में विरोध हो। जौ, तिल, उड़द कम हों, मिथुन राशि में बुध का अस्त होने से राजाओं को पीड़ा हो।

अयनांशाः २४।०२।३६

पं. ७ ज्ये.कृ.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	५	२	२	०	६	६	०
११	१५	०४	२५	०३	२४	०२	०२
३७	१७	१३	१८	२५	५५	२७	२७
१६	११	४९	५९	१०	४२	३६	३६
५७	५	४९	११	७०	४	३	३
३५	३१	१६	२४	००	११	११	११
रो	ह	मृ	पुन	अ	वि	चि	अ
१	२	४	२	२	२व	३	१

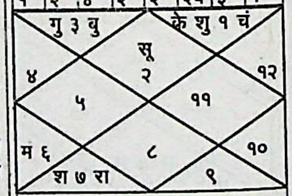

२९ मई से १३ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | केतकी अहर्गणः ११४९ ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे, मई-जून २०१४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
उत्पात	१	गु	४८	२५	२५	०१	रोहि	३४	०६	११	१८	सु	१५	५७	१२	०२	किं	१७	१७	१२	३४	३४/०२	५/३९	७/१६	८	२९	२९	वृषे	१।१३।२०।२०	५७।१८	भाऊका-करिदिन, करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा.
मानस	२	शु	५१	३३	२६	१६	मृग	३८	३४	२१	०५	धृ	१५	३०	११	५१	बा	१९	५१	१३	३५	०४	३९	१६	९	३०	३०	मिथु. ८।०८	१।१४।१७।३८	५७।१६	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), आर्द्रा. बुधः १३।१५
मुद्गर	३	श	५५	४४	२७	५६	आर्द्रा	४४	०५	२३	१७	शू	१५	५३	१२	००	तै	२३	३०	१५	०३	०६	३९	१७	१०	१	३१	मिथु.	१।१५।१४।५४	५७।१५	रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, सावान ८
ध्वजा	४	र	...	...	...	...	पुन	५०	३५	२५	५३	गं	१७	०७	१२	२९	व	२८	१३	१६	५६	०७	३९	१७	११	२	१	कर्क १९।१२	१।१६।१२।०९	५७।१४	भ. १६।५६ उ., जून ६ ता. ३०
धाता	४	सो	०	५५	६	००	पुष्य	५७	४९	२८	४६	वृ	१९	०२	१३	१५	वि	०	५५	६	००	०९	३८	१८	१२	३	२	कर्के	१।१७।०९।२३	५७।१३	भ. ६।०० या., पुन.-३ गुरुः २९।१८
आनन्द	५	मं	६	४७	८	२१	श्ले	...	...	...	...	ध्रु	२१	२४	१४	१२	बा	६	४७	८	२१	११	३८	१८	१३	४	३	कर्के	१।१८।०६।३६	५७।१२	[B अब्द साध्य व्र.
राक्षस	६	बु	१२	५६	१०	४९	श्ले	५	२२	७	४७	व्या	२३	५४	१५	१२	तै	१२	५६	१०	४९	१२	३८	१९	१४	५	४	सिंहे ७।४७	१।१९।०३।४७	५७।१०	मघा. रे. ७ IIIIISSSII रात्रौ लग्न २, भर. शुक्रः १६।५३
मुसल	७	गु	१८	४७	१३	०९	मघा	१२	४१	१०	४३	ह	२६	०६	१६	०४	व	१८	४७	१३	०९	१४	३८	१९	१५	६	५	सिंहे	१।२०।००।५८	५७।०९	भ. १३।०९ उ. २६।११ या.
सिद्धि	८	शु	२३	४४	१५	०७	पूफा	१९	१२	१३	१९	व	२७	३३	१६	३९	व	२३	४४	१५	०७	१५	३८	२०	१६	७	६	कन्या १९।५३	१।२०।५८।०७	५७।०८	उफा. रे. ८ SIIIIISIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८), १०, २ A
उत्पात	९	श	२७	१६	१६	३२	उफा	२४	२३	१५	२३	सि	२७	५३	१६	४७	कौ	२७	१६	१६	३२	१६	३८	२०	१७	८	७	कन्या	१।२१।५५।१६	५७।०७	वक्री बुधः २५।४३ [A दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती
गंगा	१०	र	२९	०१	१७	१४	हस्त	२७	५२	१६	४६	व्य	२६	५२	१६	२२	ग	२९	०१	१७	१४	१७	३८	२१	१८	९	८	तुला. २९।११	१।२२।५२।२३	५७।०६	भ. २९।१८ उ., गंगा दशहरा व्र., मृगे रविः ११।०३ (सौरः १७।१४)
ए.व्र.	११	सो	२८	५०	१७	१०	चित्रा	२९	२६	१७	२४	व	२४	१८	१५	२१	वि	२८	५०	१७	१०	१८	३८	२१	१९	१०	९	तुला.	१।२३।४९।२९	५७।०५	भ. १७।१० या., निर्जला ११ व्र.
प्र.व्र.	१२	मं	२६	४१	१६	१८	स्वा	२९	०५	१७	१६	प	२०	११	१३	४२	बा	२६	४१	१६	१८	२०	३८	२१	२०	११	१०	तुला.	१।२४।४६।३५	५७।०५	प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः, बुधास्तः पश्चिमायाम् २३।४८
धाता	१३	बु	२२	४१	१४	४२	विशा	२६	५४	१६	२३	शि	१४	३२	११	२६	तै	२२	४१	१४	४२	२०	३८	२२	२१	१२	११	वृश्चि. १०।४०	१।२५।४३।३९	५७।०४	अनुरा. रे. ८ IIISISIIII रात्रौ लग्न १०, २
आनन्द	१४	गु	१७	०४	१२	२७	अनु	२३	०८	१४	५३	सि	७/५९	३३/३७	८/२९	३९/३४	व	१७	०४	१२	२७	२१	३८	२२	२२	१३	१२	वृश्चि.	१।२६।४०।४३	५७।०३	भ. १२।२७ उ. २३।०८ या., गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, B
पूर्णिमा	१५	शु	१०	१०	९	४२	ज्ये	१८	०७	१२	५२	शु	५०	३१	२५	५०	व	१०	१०	९	४२	२२	३८	२३	२३	१४	१३	धनु. १२।५२	१।२७।३७।४६	५७।०२	मन्वादि, कवीर जयंती, ज्येष्ठी योगः

अयनांशाः २४।०२।३७ ॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥ अयनांशाः २४।०२।३८

पं. ८ ज्ये.शु. ५ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	५	२	२	०	६	६	०
१८	१६	०८	२६	११	२४	०२	०२
१९	१०	२५	४०	३६	२७	०५	०५
५५	०५	१४	१०	३१	१३	२१	२१
५७	१०	१७	११	७०	३	३	३
२७	११	३४	५२	२६	५३	११	११
रो	ह	आ	पुन	अ	वि	चि	अ
३	२	१	३	४	२व	३	१

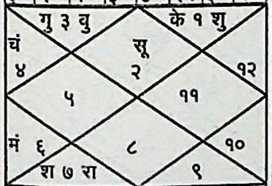

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।१३।२७।१८	१ गु	२९	३।१३	४।५०	६।४६	९।००	११।२१	१।३७	३।५३	६।१२	८।३१	१०।३६	१२।१९	१।४७
०१।१४।२४।३६	२ शु	३०	३।०९	४।४६	६।४२	८।५७	११।१७	१।३३	३।४९	६।०८	८।२७	१०।३२	१२।१५	१।४३
०१।१५।२१।५२	३ श	३१	३।०६	४।४२	६।३८	८।५३	११।१३	१।३०	३।४५	६।०४	८।२३	१०।२८	१२।११	१।४०
०१।१६।१९।०७	४ र	१	३।०२	४।३८	६।३४	८।४९	११।०९	१।२६	३।४१	६।०१	८।१९	१०।२४	१२।०७	१।३६
०१।१७।१६।२१	४ चं	२	२।५८	४।३४	६।३०	८।४५	११।०५	१।२२	३।३७	५।५७	८।१५	१०।२०	१२।०३	१।३२
०१।१८।१३।३३	५ मं	३	२।५४	४।३०	६।२६	८।४१	११।०१	१।१८	३।३३	५।५३	८।११	१०।१६	११।५९	१।२८
०१।१९।१०।४४	६ बु	४	२।५०	४।२६	६।२२	८।३७	१०।५७	१।१४	३।३०	५।४९	८।०७	१०।१२	११।५५	१।२४
०१।२०।०७।५५	७ गु	५	२।४६	४।२२	६।१८	८।३३	१०।५३	१।१०	३।२६	५।४५	८।०३	१०।०८	११।५१	१।२०
०१।२१।०५।०४	८ शु	६	२।४२	४।१८	६।१४	८।२९	१०।४९	१।०६	३।२२	५।४१	७।५९	१०।०४	११।४७	१।१६
०१।२२।०२।१२	९ श	७	२।३८	४।१४	६।१०	८।२५	१०।४५	१।०२	३।१८	५।३७	७।५५	१०।००	११।४३	१।१२
०१।२२।५९।१९	१० र	८	२।३४	४।१०	६।०६	८।२१	१०।४१	१२।५८	३।१४	५।३३	७।५१	९।५६	११।३९	१।०८
०१।२३।५६।२५	११ चं	९	२।३०	४।०६	६।०२	८।१७	१०।३७	१२।५४	३।१०	५।२९	७।४८	९।५२	११।३५	१।०४
०१।२४।५३।३१	१२ मं	१०	२।२६	४।०२	५।५८	८।१३	१०।३३	१२।५०	३।०६	५।२५	७।४४	९।४८	११।३२	१।००
०१।२५।५०।३५	१३ बु	११	२।२२	३।५८	५।५४	८।०९	१०।२९	१२।४६	३।०२	५।२१	७।४०	९।४४	११।२८	१२।५६
०१।२६।४७।३८	१४ गु	१२	२।१८	३।५४	५।५१	८।०५	१०।२५	१२।४२	२।५८	५।१७	७।३६	९।४०	११।२४	१२।५२
०१।२७।४४।४१	१५ शु	१३	२।१४	३।५०	५।४७	८।०१	१०।२१	१२।३८	२।५४	५।१३	७।३२	९।३६	११।२०	१२।४८

पं. ९ ज्ये.शु.१२ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	५	२	२	०	६	६	०
२५	१७	०८	२८	१९	२४	०१	०१
०१	३४	५२	०४	५०	०१	४३	४३
४८	०९	४०	२३	४१	१२	०६	०६
५७	१४	१३	१२	७०	३	३	३
२१	२०	१७	१५	४९	२९	११	११
मृ	ह	आ	पुन	भ	वि	चि	अ
१	३	१व	३	२	२व	३	१

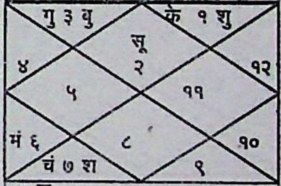

७ रा

१४ जून से २७ जून तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमासू. सू. तारीस्प

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	स्टै. चंद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति
गद	१	श	२	२१	६	३४	मूल	१२	१४	१०	३१	शु	४१	०६	२२	०४	कौ	२	२१	६	३४	३४/२३	५/३८	७/२३	२४	१५	१४	धनु.	१।२८।३४।४८	५७।०१
क्षयः	२	श	५४	०३	२७	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
शुभ	३	र	४५	३८	२३	५३	पूषा	५/५९	५५/३७	८/२९	००/२९	ब्र	३१	३०	१८	१४	व	१९	५०	१३	३४	२३	३८	२३	२५	१६	१५	मक. १३।२२	१।२९।३१।४९	५७।०१
च.व्र.	४	सो	३७	३३	२०	३९	श्रव	५३	४४	२७	०८	ऐ	२२	०५	१४	२८	व	११	३२	१०	१५	२४	३८	२४	२६	१७	१६	मक.	२।००।२८।५०	५७।००
उत्पात	५	मं	३०	०७	१७	४१	घनि	४८	३७	२५	०५	वै	१३	०८	१०	५३	कौ	३	४३	७	०७	२४	३८	२४	२७	१८	१७	कुंभे १४।०४	२।०१।२५।५०	५६।५९
मानस	६	बु	२३	३९	१५	०६	शत	४४	३४	२३	२८	वि	४/५७	५५/३९	७/२८	३६/४२	व	२३	३९	१५	०६	२५	३८	२४	२८	१९	१८	कुंभे	२।०२।२२।४९	५६।५९
मुद्गर	७	गु	१८	२१	१२	५९	पूभा	४१	४४	२२	२०	आ	५१	२४	२६	१२	व	१८	२१	१२	५९	२५	३८	२४	२९	२०	१९	मीने १६।३४	२।०३।१९।४८	५६।५८
ध्वजा	८	शु	१४	२२	११	२४	उभा	४०	१५	२१	४४	सौ	४६	१५	२४	०८	कौ	१४	२२	११	२४	२५	३९	२५	३०	२१	२०	मीने	२।०४।१६।४६	५६।५८
धाता	९	श	११	४४	१०	२१	रेव	४०	०४	२१	४१	शो	४२	१०	२२	३१	ग	११	४४	१०	२१	२५	३९	२५	३१	२२	२१	मेषे २१।४१	२।०५।१३।४३	५६।५७
आनन्द	१०	र	१०	२४	९	४९	अश्वि	४१	१०	२२	०७	अ	३९	०६	२१	१७	वि	१०	२४	९	४९	२५	३९	२५	१	२३	२२	मेषे	२।०६।१०।४१	५६।५७
ए.व्र.	११	सो	१०	१९	९	४७	भर	४३	२३	२३	०१	सु	३६	५८	२०	२६	बा	१०	१९	९	४७	२५	३९	२५	२	२४	२३	वृषे २९।१८	२।०७।०७।३७	५६।५६
प्र.व्र.	१२	मं	११	१८	१०	११	कृति	४६	३८	२४	१९	धृ	३५	४०	१९	५६	तै	११	१८	१०	११	२५	४०	२५	३	२५	२४	वृषे	२।०८।०४।३३	५६।५६
शुभ	१३	बु	१३	१९	१०	५९	रोहि	५०	४८	२५	५९	शू	३५	०७	१९	४२	व	१३	१९	१०	५९	२४	४०	२६	४	२६	२५	वृषे	२।०९।०१।२९	५६।५५
मृत्यु	१४	गु	१६	१२	१२	०९	मृग	५५	४८	२७	५९	गं	३५	१५	१९	४६	श	१६	१२	१२	०९	२४	४०	२६	५	२७	२६	मिथु. १४।५७	२।०९।५८।२५	५६।५५
अमाव.	३०	शु	१९	५६	१३	३९	आर्द्रा	…	…	…	…	वृ	३६	००	२०	०४	ना	१९	५६	१३	३९	२४	४०	२६	६	२८	२७	मिथु.	२।१०।५५।२०	५६।५५

ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[C अयन करिदिन, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन चातक वर्षाश्रेष्ठः
[A अ. गोधूलि(९), पंचक समाप्तिः २१।४१, सायन कर्के B
भ.१३।३४ उ.२३।५३ या., मिथुने रविः १०।२८ (सौरः१७।३०), E
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१८, (व) मृगे बुधः ७।११
पंचक प्रारम्भः १४।०४ [E कृत्ति. शुक्रः २४।०८
भ. १५।०६ उ. २५।५९ या., वृषे शुक्रः १९।३७
कर्के पुन.-४ गुरुः १२।३०
रेवत्यां रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ लग्न १०, ११, २
भ.२२।०१ उ., रेवत्यां रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ लग्न A
भ.९।४९ या.,भा.आषाढारंभः,आर्द्रा.रविः१०।०५ (सौरः१८।०१),C
योगिनी ११ व्र., (व) विशा.-१ शनिः १९।१३
प्रदोषः [B भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ १६।१२
भ. १०।५९ उ. २३।३१ या., मासिकशिवरात्री व्र.
रोहि. शुक्रः २९।२१
देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०२।३९

पं.१० आ.कृ. ५ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	५	२	२	०	६	६	०
०१	१९	०६	२९	२८	२३	०१	०१
४३	२५	१०	३१	०७	३८	२०	२०
०४	४४	४५	१०	२३	१५	५०	५०
५७	१७	३२	१२	७१	३	३	३
१७	५९	५१	३५	०९	००	११	११
मृ	ह	मृ	पुन	कृ	वि	चि	अ
३	३	४व	३	१	२व	३	१

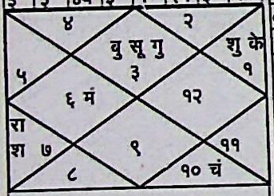

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन प्रातः	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायँ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०१।२८।४१।४३	१ श	१४	२।१०	३।४६	५।४३	७।५७	१०।१७	१२।३४	२।५०	५।०९	७।२८	९।३२	११।१६	१२।४४
०१।२९।३८।४४	३ र	१५	२।०६	३।४३	५।३९	७।५३	१०।१४	१२।३०	२।४६	५।०५	७।२४	९।२९	११।१२	१२।४०
०२।००।३५।४५	४ चं	१६	२।०२	३।३९	५।३५	७।४९	१०।१०	१२।२६	२।४२	५।०१	७।२०	९।२५	११।०८	१२।३६
०२।०१।३२।४४	५ मं	१७	१।५८	३।३५	५।३१	७।४६	१०।०६	१२।२२	२।३८	४।५७	७।१६	९।२१	११।०४	१२।३२
०२।०२।२९।४३	६ बु	१८	१।५५	३।३१	५।२७	७।४२	१०।०२	१२।१९	२।३४	४।५३	७।१२	९।१७	११।००	१२।२९
०२।०३।२६।४२	७ गु	१९	१।५१	३।२७	५।२३	७।३८	९।५८	१२।१५	२।३०	४।५०	७।०८	९।१३	१०।५६	१२।२५
०२।०४।२३।४०	८ शु	२०	१।४७	३।२३	५।१९	७।३४	९।५४	१२।११	२।२६	४।४६	७।०४	९।०९	१०।५२	१२।२१
०२।०५।२०।३७	९ श	२१	१।४३	३।१९	५।१५	७।३०	९।५०	१२।०७	२।२३	४।४२	७।००	९।०५	१०।४८	१२।१७
०२।०६।१७।३४	१० र	२२	१।३९	३।१५	५।११	७।२६	९।४६	१२।०३	२।१९	४।३८	६।५६	९।०१	१०।४४	१२।१३
०२।०७।१४।३१	११ चं	२३	१।३५	३।११	५।०७	७।२२	९।४२	११।५९	२।१५	४।३४	६।५२	८।५७	१०।४०	१२।०९
०२।०८।११।२७	१२ मं	२४	१।३१	३।०७	५।०३	७।१८	९।३८	११।५५	२।११	४।३०	६।४८	८।५३	१०।३६	१२।०५
०२।०९।०८।२३	१३ बु	२५	१।२७	३।०३	४।५९	७।१४	९।३४	११।५१	२।०७	४।२६	६।४४	८।४९	१०।३२	१२।०१
०२।१०।०५।१८	१४ गु	२६	१।२३	२।५९	४।५५	७।१०	९।३०	११।४७	२।०३	४।२२	६।४१	८।४५	१०।२८	११।५७
०२।११।०२।१३	३० शु	२७	१।१९	२।५५	४।५१	७।०६	९।२६	११।४३	१।५९	४।१८	६।३७	८।४१	१०।२४	११।५३

संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २०१४

आषा. कृ. ३ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।२८ वारात् ५ नक्षत्रात् ६ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १०।२८ से १६।५२ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २४।०२।४०

पं.११ आ.कृ.१२ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	५	२	३	१	६	६	०
०८	२१	०२	०१	०६	२३	००	००
२३	४१	१६	००	२६	१८	५८	५८
५४	२४	४८	०६	२५	५४	३४	३४
५७	२१	२९	१२	७१	२	३	३
१४	१०	००	५१	२८	२७	११	११
आ	ह	मृ	पुन	कृ	वि	चि	अ
१	४	३व	४	३	१व	३	१

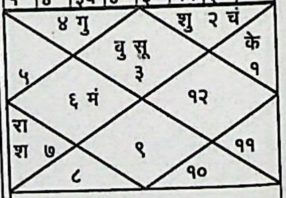

॥ पं. श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२८ जून से १२ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | केतकी अहर्गणः ११७९ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, जून-जुलाई २०१४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
मुद्गर	१	श	२४	२६	१५	२७	आर्द्रा	१	३४	६	१८	ध्रु	३७	२२	२०	३७	ब	२४	२६	१५	२७	३४/२३	५/४१	७/२६	७	२९	२८	कर्क २६।१४	२।११।५२।१५	५६।५५	चित्रा. भौमः १७।४३ [F हस्ते रे. ८ SIIIIIISII रात्रौ लग्न २, E
ध्वजा	२	र	२९	४१	१७	३३	पुन	८	०४	८	५४	व्या	३९	१५	२१	२३	कौ	२९	४१	१७	३३	२२	४१	२६	८	३०	२९	कर्क	२।१२।४९।१०	५६।५४	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री जगदीश रथ यात्रा
धाता	३	सो	३५	२९	१९	५३	पुष्य	१५	१०	११	४५	ह	४१	३४	२२	१९	तै	२	३१	६	४२	२२	४१	२६	९	१	३०	कर्क	२।१३।४६।०४	५६।५४	रमजान ९, बुधोदयः पूर्वस्याम् २५।४६ [E पुष्ये-१ गुरुः २४।०७
आनन्द	४	मं	४१	३९	२२	२१	श्ले	२२	४१	१४	४६	व	४४	०७	२३	२१	व	८	३२	९	०६	२१	४२	२६	१०	२	१	सिंहे १४।४६	२।१४।४२।५८	५६।५४	भ. ९।०६ उ. २२।२१ या., जुलाई ७ ता. ३१
चर	५	बु	४७	४३	२४	४७	मघा	३०	१६	१७	४८	सि	४६	३६	२४	२१	ब	१४	४३	११	३५	२०	४२	२६	११	३	२	सिंहे	२।१५।३९।५३	५६।५४	मार्गी बुधः १०।१८ [G २८।३९ से, मृगे शुक्रः ८।५०
गद	६	गु	५३	१६	२७	०१	पूफा	३७	२७	२०	४१	व्य	४८	४१	२५	११	कौ	२०	३६	१३	५७	१९	४२	२६	१२	४	३	कन्या २७।२१	२।१६।३६।४७	५६।५४	स्कंध षष्ठी [D १९।२७), सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वाहन स्वर अल्पवृष्टिः
शुभ	७	शु	५७	४३	२८	४८	उफा	४३	४३	२३	१२	व	४९	५८	२५	४२	ग	२५	३९	१५	५८	१८	४३	२६	१३	५	४	कन्या	२।१७।३३।४१	५६।५४	भ.२८।४८ उ.,उफा.रे.६ SSIIISISII रात्रौ लग्न अ.गोधूलि,१०,F
मृत्यु	८	श	...	...	...	...	हस्त	४८	३३	२५	०९	प	५०	०५	२५	४५	वि	२९	२३	१७	२८	१७	४३	२६	१४	६	५	कन्या	२।१८।३०।३५	५६।५४	भ. १७।२८ या. [C राहुः १५।४५, मीने रेव.-४ केतुः १५।४५
पद्म	८	र	०	३६	५	५८	चित्रा	५१	३६	२६	२२	शि	४८	४३	२५	१३	व	०	३६	५	५८	१५	४४	२६	१५	७	६	तुला. १३।५१	२।१९।२७।२९	५६।५४	स्वातौ रे. ८ IIIISSIIII रात्रौ लग्न ३,पुन. रविः ९।४२ (सौरः D
छत्र	९	सो	१	३५	६	२२	स्वा	५२	३६	२६	४६	सि	४५	४४	२४	०२	कौ	१	३५	६	२२	१४	४४	२६	१६	८	७	तुला.	२।२०।२४।२४	५६।५४	मन्वादि,आशादशमी,भड़ली ९ [B व्रतोद्यापनं,हरिवासरः८।०७ तक
ए.व्र.	१०	मं	०	२७	५	५५	विशा	५१	३१	२६	२१	सा	४१	०३	२२	१०	ग	०	२७	५	५५	१३	४५	२६	१७	९	८	वृश्चि. २०।३२	२।२१।२१।१८	५६।५५	भ.१७।२३ उ.२८।३९ या., देव शयनी ११ व्र.स्मार्त, हरिवासरः G
क्षयः	११	मं	५७	१६	२८	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, आषाढी योगः,कन्यायां चित्रा.-२ C
ए.व्र.	१२	बु	५२	०४	२६	३५	अनु	४८	२७	२५	०८	शु	३४	४२	१९	३८	ब	२४	५३	१५	४२	११	४५	२५	१८	१०	९	वृश्चि.	२।२२।१८।१३	५६।५५	देवशयनी ११ व्र.वैष्ण.,चातुर्मास व्रतारंभः,गोपद्म B
प्र.व्र.	१३	गु	४५	११	२३	५०	ज्ये	४३	३९	२३	१३	शु	२६	५४	१६	३१	कौ	१८	४८	१३	१७	१०	४५	२५	१९	११	१०	धनु. २३।१३	२।२३।१५।०८	५६।५५	प्रदोषः,श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, जयापार्वती व्रतं H
सुस्थिर	१४	शु	३६	५८	२०	३३	मूल	३७	३०	२०	४६	ब्र	१७	५२	१२	५४	ग	११	१२	१०	१५	०८	४६	२५	२०	१२	११	धनु.	२।२४।१२।०३	५६।५५	भ. २०।३३ उ. [H गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २७।५९
पूर्णिमा	१५	श	२७	५०	१६	५४	पूषा	३०	२७	१७	५७	ऐ	७/५७	५६/३९	८/२८	५७/५६	वि	२	२८	६	४५	०६	४६	२५	२१	१३	१२	मक. २३।१३	२।२५।०८।५८	५६।५६	भ.६।४५ या.,मन्वादि,पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च,वायुपरीक्षा,गोपद्मव्रतारंभ, A

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०२।४१

पं.१२ आ.शु. ४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	५	२	३	१	६	६	०
१५	२४	००	०२	१४	२३	००	००
०४	१८	०७	३०	४७	०३	३६	३६
२८	०८	१९	४२	३४	३४	१९	१९
५७	२३	०	१३	७१	१	३	३
१३	५७	५९	०३	४६	५०	११	११
आ	चि	मृ	पुन	रो	वि	चि	अ
३	१	३व	४	२	१व	३	१

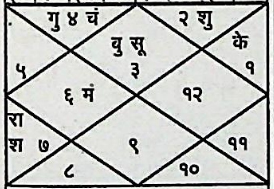

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।११।५९।०८	१ श	२८	१।१५	२।५१	४।४७	७।०२	९।२२	११।३९	१।५५	४।१४	६।३३	८।३७	१०।२१	११।४९
०२।१२।५६।०२	२ र	२९	१।११	२।४७	४।४३	६।५८	९।१८	११।३५	१।५१	४।१०	६।२९	८।३३	१०।१७	११।४५
०२।१३।५२।५७	३ चं	३०	१।०७	२।४३	४।४०	६।५४	९।१४	११।३१	१।४७	४।०६	६।२५	८।२९	१०।१३	११।४१
०२।१४।४९।५१	४ मं	१	१।०३	२।३९	४।३६	६।५०	९।१०	११।२७	१।४३	४।०२	६।२१	८।२५	१०।०९	११।३७
०२।१५।४६।४५	५ बु	२	१२।५९	२।३५	४।३२	६।४६	९।०६	११।२३	१।३९	३।५८	६।१७	८।२१	१०।०५	११।३३
०२।१६।४३।३९	६ गु	३	१२।५५	२।३२	४।२८	६।४२	९।०३	११।१९	१।३५	३।५४	६।१३	८।१८	१०।०१	११।२९
०२।१७।४०।३३	७ शु	४	१२।५१	२।२८	४।२४	६।३९	८।५९	११।१५	१।३१	३।५०	६।०९	८।१४	९।५७	११।२५
०२।१८।३७।२८	८ श	५	१२।४८	२।२४	४।२०	६।३५	८।५५	११।१२	१।२७	३।४६	६।०५	८।१०	९।५३	११।२२
०२।१९।३४।२२	८ र	६	१२।४४	२।२०	४।१६	६।३१	८।५१	११।०८	१।२३	३।४३	६।०१	८।०६	९।४९	११।१८
०२।२०।३१।१६	९ चं	७	१२।४०	२।१६	४।१२	६।२७	८।४७	११।०४	१।१९	३।३९	५।५७	८।०२	९।४५	११।१४
०२।२१।२८।१०	१० मं	८	१२।३६	२।१२	४।०८	६।२३	८।४३	११।००	१।१५	३।३५	५।५३	७।५८	९।४१	११।१०
०२।२२।२५।०५	१२ बु	९	१२।३२	२।०८	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५६	१।१२	३।३१	५।४९	७।५४	९।३७	११।०६
०२।२३।२२।००	१३ गु	१०	१२।२८	२।०४	४।००	६।१५	८।३५	१०।५२	१।०८	३।२७	५।४५	७।५०	९।३३	११।०२
०२।२४।१८।५५	१४ शु	११	१२।२४	२।००	३।५६	६।११	८।३१	१०।४८	१।०४	३।२३	५।४१	७।४६	९।२९	१०।५८
०२।२५।१५।५०	१५ श	१२	१२।२०	१।५६	३।५२	६।०७	८।२७	१०।४४	१।००	३।१९	५।३७	७।४२	९।२५	१०।५४

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। आषाढ कृष्णा नौमी को शनिवार होने से दुर्भिक्ष हो। आषाढ कृष्णा त्रयोदशी में रोहिणी होने से उत्तम पवन चले। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें। अमावस्या आर्द्रा योग सुभिक्ष और सुखद है। आषाढ़ शुक्ला पंचमी को बुधवार होने से पवन अधिक चले। पूर्णिमा पूर्वाषाढा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। आषाढी पूर्णिमा १५ घटी से अधिक है अतः चौमासे भर सुभिक्ष रहे। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों।

अयनांशाः २४।०२।४१

पं.१३ आ.शु.१० मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	५	२	३	१	६	६	०
२१	२७	०१	०४	२३	२२	००	००
४४	१३	५१	०२	१०	५२	१४	१४
५७	१७	२१	३५	४३	३५	०३	०३
५७	२६	३६	१३	७२	१	३	३
१३	२३	०५	१३	०२	१२	११	११
पुन	चि	मृ	पु	रो	वि	चि	अ
१	२	३	१	४	१व	३	१

१३ जुलाई से २६ जुलाई तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिना सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
अमृत	१	र	१८	१७	१३	०६	उषा	२२	५९	१४	५८	वि	४६	५४	२४	३२	कौ	१८	१७	१३	०६	३४/०४	५/४७	७/२५	२२	१४	१३	मक.	२।२६।०५।५४	५६।५६
वृहत्तल्पा	२	सो	८	४६	९	१८	श्रव	१५	३५	१२	०१	प्री	३६	३४	२०	२५	ग	८	४६	९	१८	०३	४७	२४	२३	१५	१४	कुंभे २२।३७	२।२७।०२।५०	५६।५६
क्षयः	३	सो	५९	४६	२९	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
च.व्र.	४	मं	५१	३९	२६	२७	घनि	८	४६	९	१८	आ	२६	५०	१६	३२	ब	२५	३४	१६	०१	०१	४८	२४	२४	१६	१५	कुंभे	२।२७।५९।४६	५६।५७
मानस	५	बु	४४	४७	२३	४३	शत	२/५८	५५/२४	६/२९	५८/१०	सौ	१८	०२	१३	०१	कौ	१८	०२	१३	०१	३३/५९	४८	२४	२५	१७	१६	मीने २३।३४	२।२८।५६।४३	५६।५७
छत्र	६	गु	३९	२५	२१	३५	उभा	५५	२७	२८	००	शो	१०	२३	९	५८	ग	११	५४	१०	३४	५६	४९	२३	२६	१८	१७	मीने	२।२९।५३।४०	५६।५८
श्रीवत्स	७	शु	३५	४४	२०	०७	रेव	५४	१०	२७	२९	अ	४/५९	०३/०७	७/२९	२६/२८	वि	७	२१	८	४६	५४	४९	२३	२७	१९	१८	मेषे २७।२९	३।००।५०।३८	५६।५८
सौम्य	८	श	३३	४५	१९	२०	अश्वि	५४	३५	२७	४०	धृ	५५	३१	२८	०२	वा	४	३१	७	३८	५२	५०	२३	२८	२०	१९	मेषे	३।०१।४७।३६	५६।५९
काल	९	र	३३	२६	१९	१३	भर	५६	३४	२८	२८	शू	५३	१३	२७	०८	तै	३	२२	७	११	५०	५०	२२	२९	२१	२०	मेषे	३।०२।४४।३५	५७।००
सुस्थिर	१०	सो	३४	३७	१९	४२	कृति	५९	५८	२९	५०	गं	५२	०४	२६	४०	व	३	५०	७	२३	४७	५१	२२	३०	२२	२१	वृषे १०।४५	३।०३।४१।३५	५७।००
ए.व्र.	११	मं	३७	०७	२०	४२	रोहि	...	...	...	...	वृ	५१	५३	२६	३७	व	५	४२	८	०८	४५	५१	२१	३१	२३	२२	वृषे	३।०४।३८।३५	५७।०१
शुभ	१२	बु	४०	४२	२२	०९	रोहि	४	३२	७	४१	ध्रु	५२	२९	२६	५२	कौ	८	४६	९	२२	४३	५२	२१	१	२४	२३	मिथु. २०।४५	३।०५।३५।३६	५७।०२
प्र.व्र.	१३	गु	४५	०८	२३	५६	मृग	१०	०४	९	५४	व्या	५३	४४	२७	२२	ग	१२	४९	११	००	४०	५२	२०	२	२५	२४	मिथु.	३।०६।३२।३८	५७।०२
पद्म	१४	शु	५०	१२	२५	५८	आर्द्रा	१६	२०	१२	२५	ह	५५	२६	२८	०३	वि	१७	३५	१२	५५	३७	५३	२०	३	२६	२५	मिथु.	३।०७।२९।४०	५७।०३
अमाव.	३०	श	५५	४६	२८	१२	पुन	२३	०८	१५	०९	व	५७	३०	२८	५४	च	२२	५६	१५	०४	३५	५४	१९	४	२७	२६	कर्के ८।२७	३।०८।२६।४३	५७।०४

वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नक्त व्रतारंभः, आर्द्रा. बुधः २८।४४, मिथुने शुक्रः २१।५९
भ. १९।२७ उ. २९।४२ या., पंचक प्रारम्भः २२।३७, वृहत्तल्पा, A
[A तुलायां भौमः ८।५२
अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४२
नागपञ्चमी (मरु.), कर्के रविः २१।२५, निरयन दक्षिणायनारंभः
भ. २१।३५ उ., कर्के सौरः ८।२९
भ. ८।४६ या., पंचक समाप्तिः २७।२९
पुष्ये-२ गुरुः २६।२१, आर्द्रा. शुक्रः १०।४४
पुष्ये रविः ९।१६ (सौरः २०।४५), सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन B
भ. ७।२३ उ. १९।४२ या., मार्गी शनिः १५।५६
कामिका ११ व्र., सायन सिंहे भानुः २७।११
भा. श्रावणारंभः, पुन. बुधः १९।५१
भ. २३।५६ उ., प्रदोषः [B मेष वर्षाश्रेष्ठः
भ. १२।५५ या., मासिकशिवरात्री व्र.
देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०

अयनांशाः २४।०२।४२

पं.१४ श्रा.कृ. ४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	६	२	३	२	६	५	११
२८	००	०७	०५	०१	२२	२९	२९
२५	२४	४७	३५	३५	४६	५१	५१
३२	३८	५२	२१	४६	११	४७	४७
५७	२८	६९	१३	७२	०	३	३
१५	३२	३७	१८	१८	३२	११	११
पुन	चि	आ	पु	मृ	वि	चि	रे
३	३	१	१	३	१व	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ
०२।२६।१२।४५	१ र	१३	१२।१६	१।५२	३।४८	६।०३	८।२३	१०।४०	१२।५६	३।१५	५।३३	७।३८	९।२१	१०।५०
०२।२७।०९।४१	२ चं	१४	१२।१२	१।४८	३।४४	५।५९	८।१९	१०।३६	१२।५२	३।११	५।३०	७।३४	९।१७	१०।४६
०२।२८।०६।३८	४ मं	१५	१२।०८	१।४४	३।४०	५।५५	८।१५	१०।३२	१२।४८	३।०७	५।२६	७।३०	९।१४	१०।४२
०२।२९।०३।३५	५ बु	१६	१२।०४	१।४०	३।३६	५।५१	८।११	१०।२८	१२।४४	३।०३	५।२२	७।२६	९।१०	१०।३८
०३।००।००।३२	६ गु	१७	१२।००	१।३६	३।३३	५।४७	८।०७	१०।२४	१२।४०	२।५९	५।१८	७।२२	९।०६	१०।३४
०३।००।५७।३०	७ शु	१८	११।५६	१।३२	३।२९	५।४३	८।०३	१०।२०	१२।३६	२।५५	५।१४	७।१८	९।०२	१०।३०
०३।०१।५४।२८	८ श	१९	११।५२	१।२८	३।२५	५।३९	७।५९	१०।१६	१२।३२	२।५१	५।१०	७।१४	८।५८	१०।२६
०३।०२।५१।२७	९ र	२०	११।४८	१।२५	३।२१	५।३५	७।५५	१०।१२	१२।२८	२।४७	५।०६	७।१०	८।५४	१०।२२
०३।०३।४८।२६	१० चं	२१	११।४४	१।२१	३।१७	५।३१	७।५२	१०।०८	१२।२४	२।४३	५।०२	७।०७	८।५०	१०।१८
०३।०४।४५।२७	११ मं	२२	११।४०	१।१७	३।१३	५।२८	७।४८	१०।०४	१२।२०	२।३९	४।५८	७।०३	८।४६	१०।१४
०३।०५।४२।२८	१२ बु	२३	११।३७	१।१३	३।०९	५।२४	७।४४	१०।०१	१२।१६	२।३५	४।५४	६।५९	८।४२	१०।११
०३।०६।३९।२९	१३ गु	२४	११।३३	१।०९	३।०५	५।२०	७।४०	९।५७	१२।१२	२।३२	४।५०	६।५५	८।३८	१०।०७
०३।०७।३६।३२	१४ शु	२५	११।२९	१।०५	३।०१	५।१६	७।३६	९।५३	१२।०८	२।२८	४।४६	६।५१	८।३४	१०।०३
०३।०८।३३।३५	३० श	२६	११।२५	१।०१	२।५७	५।१२	७।३२	९।४९	१२।०५	२।२४	४।४२	६।४७	८।३०	९।५९

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०१४
श्रा. कृ. ५ बुधे कर्केऽर्कः प्र. (स्टैं.) टा. २१।२५ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ९।२५ से २१।२५ तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २४।०२।४३

पं.१५ श्रा.कृ.११ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	६	२	३	२	६	५	११
०५	०३	१७	०७	१०	२२	२९	२९
०६	५०	२२	०८	०२	४४	२९	२९
२२	१५	४९	३८	४०	३१	३१	३१
५७	३०	९७	१३	७२	०	३	३
१८	२७	५८	२०	३४	०९	११	११
पु	चि	आ	पु	आ	वि	चि	रे
१	४	४	२	२	१	२	४

२७ जुलाई से १० अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः १२०८ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, जुलाई-अगस्त २०१४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
श्रीवत्स	१	र	...	...	...	...	पुष्य	३०	२०	१८	०२	सि	५९	४९	२९	५०	किं	२८	४१	१७	२२	३३/३२	५/५४	७/१२	५	२८	२७	कर्क	३।०९।२३।४७	५७।०५	स्वा. भौमः १७।१६ [F कर्के बुधः६।०२,बुधास्तःपूर्वस्याम् २०।३५
सौम्य	१	सो	१	३८	६	३४	श्ले	३७	४६	२१	०१	व्य	...	...	...	...	व	१	३८	६	३४	२९	५५	१८	६	२९	२८	सिंहे २१।०१	३।१०।२०।५२	५७।०६	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं
सिंधारा	२	मं	७	४३	९	००	मघा	४५	१७	२४	०२	व्य	२	१५	६	४९	कौ	७	४३	९	००	२६	५५	१८	७	१	२९	सिंहे	३।११।१७।५८	५७।०७	श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, सुकृत तृतीया व्र., सव्वाल १०, F
तीज	३	बु	१३	४६	११	२६	पूफा	५२	३६	२६	५८	व	४	४२	७	४८	ग	१३	४६	११	२६	२४	५६	१७	८	२	३०	सिंहे	३।१२।१५।०५	५७।०८	भ.२४।३६ उ.,तीज,स्वर्णगौरीव्र.,मधुश्रवाव्र.(गुर्जरे),वरदचतुर्थी, E
मातङ्ग	४	गु	१९	२८	१३	४३	उफा	५९	२२	२९	४१	प	६	५५	८	४२	वि	१९	२८	१३	४३	२१	५६	१६	९	३	३१	कन्या ९।४०	३।१३।१२।१३	५७।०९	भ.१३।४३ या. [G तिलकपुण्यतिथि [H पुन.शुक्रः ११।०८
अमृत	५	शु	२४	२६	१५	४३	हस्त	...	...	...	...	शि	८	३८	९	२४	बा	२४	२६	१५	४३	१८	५७	१६	१०	४	१	कन्या	३।१४।०९।२२	५७।१०	कल्की जयंती,नागपञ्चमी,नागदष्टव्र.,वर्णषष्ठी,अगस्त ८ ता.३१, G
मृत्यु	६	श	२८	१३	१७	१५	हस्त	५	०९	८	०१	सि	९	३२	९	४६	तै	२८	१३	१७	१५	१५	५७	१५	११	५	२	तुला.२०।५९	३।१५।०६।३२	५७।११	[C पुष्ये-३ गुरुः २६।४२, सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वाहन मूषक अल्पवृष्टिः
पद्म	७	र	३०	२७	१८	०९	चित्रा	९	३४	९	४७	सा	९	१७	९	४१	व	३०	२७	१८	०९	१२	५८	१४	१२	६	३	तुला.	३।१६।०३।४३	५७।१२	भ.१८।०९ उ.,शीतला,तुलसीजयंती,श्लेषा.रविः ८।१२ (सौरः२१।१२), C
छत्र	८	सो	३०	४६	१८	१७	स्वा	१२	१३	१०	५२	शु	७	३८	९	०२	वि	०	५०	६	१८	०८	५८	१४	१३	७	४	वृश्चि. २९।०९	३।१७।००।५५	५७।१३	भ. ६।१८ या., दुर्गाष्टमी [E दूर्वा गणपतिव्र., पुष्ये बुधः २१।५९, H
श्रीवत्स	९	मं	२९	०२	१७	३६	विशा	१२	५४	११	०८	शु	४/५९	२४/२९	७/२९	४४/४७	बा	०	०९	६	०३	०५	५९	१३	१४	८	५	वृश्चि.	३।१७।५८।०८	५७।१४	गुरोरुदयः पूर्वस्याम् ८।२८ — गुरोरुदयः पूर्वस्याम्
सौम्य	१०	बु	२५	१३	१६	०४	अनु	११	३०	१०	३५	ऐ	५२	५६	२७	१०	ग	२५	१३	१६	०४	०२	५९	१२	१५	९	६	वृश्चि	३।१८।५५।२२	५७।१६	भ.२७।०२ उ.,श्लेषा. बुधः ८।०२
ए.व्र.	११	गु	१९	२९	१३	४७	ज्ये	८	०९	९	१५	वै	४४	५३	२३	५७	वि	१९	२९	१३	४७	३२/५९	६/००	११	१६	१०	७	धनु. ९।१५	३।१९।५२।३८	५७।१७	भ. १३।४७ या., पवित्रा ११ व्र., कर्के शुक्रः १६।२७
प्र.व्र.	१२	शु	१२	०५	१०	५१	मूल	३/५६	०४/३९	७/२८	१४/४०	वि	३५	३७	२०	१५	बा	१२	०५	१०	५१	५६	००	११	१७	११	८	धनु.	३।२०।४९।५५	५७।१८	प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं
राक्षस	१३	श	३	२६	७	२३	उषा	४९	१७	२५	४४	प्री	२५	२५	१६	११	तै	३	२६	७	२३	५२	०९	१०	१८	१२	९	मक. ९।५७	३।२१।४७।१३	५७।२०	भ. २७।३५ उ., सूणमाण्डणा (पूरा दिन शुद्ध है)
क्षयः	१४	श	५३	५६	२७	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A व्रतंपुण्यञ्च रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं),श्रावणी (मरु), यजुर्वेदि, B
पूर्णिमा	१५	र	४४	०३	२३	३९	श्रव	४१	२९	२२	३७	आ	१४	४०	११	५४	वि	१९	००	१३	३७	४९	०५	०९	१२	१३	१०	मक	३।२२।४४।३३	५७।२१	भ. १३।३७ या., हयग्रीव जयंती, नारियल १५, पूर्णिमा A

[B तैतरीय, हिरण्यकेशीय, आपस्तंभ, बौधायन, काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), अथर्ववेदि, ऋग्वेदि उपाकर्म, पुष्ये शुक्रः १०।०२

अयनांशाः २४।०२।४४ || दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में || अयनांशाः २४।०२।४५

पं.१६ श्रा.शु. २ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	६	२	३	२	६	५	११
११	०७	२९	०८	१८	२२	२९	२९
४७	२८	५९	४१	३१	४७	०७	०७
३९	३५	२३	५९	२४	३८	१५	१५
५७	३२	११९	१३	७२	०	३	३
२२	०९	२७	१९	५०	५०	११	११
पु	स्वा	पुन	पु	आ	वि	चि	रे
३	१	३	२	४	१	२	४

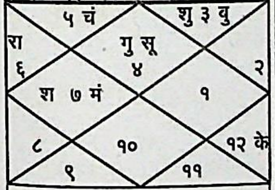

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०३।०९।३०।३९	१ र	२७	११।२१	१२।५७	२।५३	५।०८	७।२८	९।४५	१२।०१	२।२०	४।३८	६।४३	८।२६	९।५५
०३।१०।२७।४४	१ चं	२८	११।१७	१२।५३	२।४९	५।०४	७।२४	९।४१	११।५७	२।१६	४।३४	६।३९	८।२२	९।५१
०३।११।२४।५०	२ मं	२९	११।१३	१२।४९	२।४५	५।००	७।२०	९।३७	११।५३	२।१२	४।३०	६।३५	८।१८	९।४७
०३।१२।२१।५७	३ बु	३०	११।०९	१२।४५	२।४१	४।५६	७।१६	९।३३	११।४९	२।०८	४।२६	६।३१	८।१४	९।४३
०३।१३।१९।०५	४ गु	३१	११।०५	१२।४१	२।३७	४।५२	७।१२	९।२९	११।४५	२।०४	४।२२	६।२७	८।१०	९।३९
०३।१४।१६।१४	५ शु	१	११।०१	१२।३७	२।३३	४।४८	७।०८	९।२५	११।४१	२।००	४।१९	६।२३	८।०६	९।३५
०३।१५।१३।२३	६ श	२	१०।५७	१२।३३	२।२९	४।४४	७।०४	९।२१	११।३७	१।५६	४।१५	६।१९	८।०३	९।३१
०३।१६।१०।३५	७ र	३	१०।५३	१२।२९	२।२५	४।४०	७।००	९।१७	११।३३	१।५२	४।११	६।१५	७।५९	९।२७
०३।१७।०७।४७	८ चं	४	१०।४९	१२।२५	२।२२	४।३६	६।५६	९।१३	११।२९	१।४८	४।०७	६।११	७।५५	९।२३
०३।१८।०५।००	९ मं	५	१०।४५	१२।२१	२।१८	४।३२	६।५२	९।०९	११।२५	१।४४	४।०३	६।०७	७।५१	९।१९
०३।१९।०२।१५	१० बु	६	१०।४१	१२।१७	२।१४	४।२८	६।४८	९।०५	११।२१	१।४०	३।५९	६।०३	७।४७	९।१५
०३।१९।५९।३०	११ गु	७	१०।३७	१२।१४	२।१०	४।२४	६।४४	९।०१	११।१७	१।३६	३।५५	५।५९	७।४३	९।११
०३।२०।५६।४७	१२ शु	८	१०।३३	१२।१०	२।०६	४।२०	६।४१	८।५७	११।१३	१।३२	३।५१	५।५६	७।३९	९।०७
०३।२१।५४।०६	१३ श	९	१०।२९	१२।०६	२।०२	४।१७	६।३७	८।५३	११।०९	१।२८	३।४७	५।५२	७।३५	९।०३
०३।२२।५१।२६	१५ र	१०	१०।२६	१२।०२	१।५८	४।१३	६।३३	८।५०	११।०५	१।२४	३।४३	५।४८	७।३१	९।००

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद है, यथा- एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः । श्रावण में पांच रविवार होने से रोगोत्पत्ति हो, यथा- पंचार्कवासरेरोगाः पंचभौमेभयंमहत् । श्रावण कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों । श्रावण कृष्णा एकादशी को रोहिणी होंने से सुभिक्ष हो । श्रावण कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो । शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो पिता-पुत्रों में पराङ्मुखता हो । बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो ।

पं.१७ श्रा.शु. ९ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	६	३	३	२	६	५	११
१८	११	१४	१०	२७	२२	२८	२८
२९	१८	२३	१५	०१	५५	४४	४४
३३	१७	५०	०४	५८	३०	५९	५९
५७	३३	१२५	१३	७३	१	३	३
२८	४०	३३	१५	०५	३१	११	११
श्ले	स्वा	पु	पु	पुन	वि	चि	रे
१	२	४	३	३	१	२	४

११ अगस्त से २५ अगस्त तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमा सू. सू. तारीख — स्टै. — प्रातः — दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
शुभ	१	सो	३४	१६	१९	४४	धनि	३३	४६	१९	३२	सौ	३ ५३	४६ ०८	७ २७	३२ ५७	बा	९	०७	९	४१	३२ ४६	६ ०२	७ ०८	२०	१४	११	कुंभे ९।०४	३।२३।४१।५४	५७।२२
मृत्यु	२	मं	२५	०१	१६	०३	शत	२६	३६	१६	४१	अ	४३	०४	२३	१६	ग	२५	०१	१६	०३	४२	०३	०७	२१	१५	१२	कुंभे	३।२४।३९।१६	५७।२४
च.व्र.	३	बु	१६	४६	१२	४५	पूभा	२०	२७	१४	१४	सु	३३	५७	१९	३८	वि	१६	४६	१२	४५	३९	०३	०७	२२	१६	१३	मीने ८।४८	३।२५।३६।४०	५७।२५
छत्र	४	गु	९	५०	१०	००	उभा	१५	४०	१२	१९	धृ	२६	०१	१६	२८	बा	९	५०	१०	००	३५	०४	०६	२३	१७	१४	मीने	३।२६।३४।०५	५७।२७
श्रीवत्स	५	शु	४	३५	७	५४	रेव	१२	३२	११	०५	शू	१९	३०	१३	५२	तै	४	३५	७	५४	३२	०४	०५	२४	१८	१५	मेषे ११।०५	३।२७।३१।३२	५७।२८
सौम्य	६	श	१	०८	६	३२	अश्वि	११	१६	१०	३५	गं	१४	३०	११	५२	व	१	०८	६	३२	२८	०५	०४	२५	१९	१६	मेषे	३।२८।२९।००	५७।३०
क्षयः	७	श	५९	३७	२९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
जन्माष्ट.	८	र	५९	५९	३०	०५	भर	११	५३	१०	५०	वृ	११	०२	१०	३०	बा	२९	३४	१७	५५	२४	०५	०३	२६	२०	१७	वृषे १७।०१	३।२९।२६।३०	५७।३१
गोगा	९	सो	...	...	...	...	कृति	१४	२०	११	४९	ध्रु	९	०३	९	४३	तै	३०	४९	१८	२५	२१	०६	०२	२७	२१	१८	वृषे	४।००।२४।०१	५७।३३
मातङ्ग	९	मं	२	०४	६	५६	रोहि	१८	२५	१३	२८	व्या	८	२३	९	२७	ग	२	०४	६	५६	१७	०६	०१	२८	२२	१९	मिथु. २६।३०	४।०१।२१।३४	५७।३५
अमृत	१०	बु	५	३९	८	२२	मृग	२३	५१	१५	३९	ह	८	५१	९	३९	वि	५	३९	८	२२	१४	०७	००	२९	२३	२०	मिथु.	४।०२।१९।०९	५७।३६
ए.व्र.	११	गु	१०	२३	१०	१६	आर्द्रा	३०	१७	१८	१४	व	१०	१०	१०	११	बा	१०	२३	१०	१६	१०	०७	६ ५९	३०	२४	२१	मिथु.	४।०३।१६।४५	५७।३८
प्र.व्र.	१२	शु	१५	५३	१२	२९	पुन	३७	२२	२१	०४	सि	१२	०५	१०	५८	तै	१५	५३	१२	२९	०६	०८	५८	३१	२५	२२	कर्के १४।२१	४।०४।१४।२३	५७।४०
मित्र	१३	श	२१	५०	१४	५२	पुष्य	४४	४६	२४	०२	व्य	१४	२०	११	५२	व	२१	५०	१४	५२	०२	०८	५७	१	२६	२३	कर्के	४।०५।१२।०३	५७।४१
वज्र	१४	र	२७	५४	१७	१८	श्ले	५२	१२	२७	०२	व	१६	४३	१२	५०	श	२७	५४	१७	१८	३१ ५९	०९	५६	२	२७	२४	सिंहे २७।०२	४।०६।०९।४४	५७।४३
अमाव.	३०	सो	३३	५४	१९	४३	मघा	५९	३१	२९	५८	प	१९	०३	१३	४६	च	०	५५	६	३१	५५	०९	५५	३	२८	२५	सिंहे	४।०७।०७।२७	५७।४५

वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
पंचक प्रारम्भः ९।०४
भ. २६।२१ उ., कज्जली(बूढी ३), सिंहे मघा. बुधः २०।४२
भ. १२।४५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०१
[C रविः २९।५५, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन जम्बूक वर्षाश्रेष्ठः
पंचक समाप्तिः ११।०५, बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), A
भ. ६।३२ उ. १८।०८ या., शीतला व्र., सिंहे मघा. C
[A हलषष्ठी, चंद्रषष्ठी (मरु.), भारतीयस्वतंत्रतादिवस
मन्वादि, जन्माष्टमी व्र., दशाफल व्र., सिंहे मघा. सौरः E
गोगानवमी [E २०।०४, विशा.-२ शनिः ७।५५
भ. १९।३५ उ., विशा. भौमः २७।३८,पूफा. बुधः २०।४६, F
भ. ८।२२ या. [F पुष्ये-४ गुरुः ८।२३
अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, श्लेषा. शुक्रः ७।२८
प्रदोषः [D भा. भाद्रपदारंभः, सायन कन्यायां भानुः १०।२३
भ. १४।५२ उ. २८।०५ या., मासिकशिवरात्री व्र., D
[B लोहार्गल स्ना., मातृ ३०, सोमवती अमा.
कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, B

अयनांशाः २४।०२।४६

पं.१८ भा.कृ. २ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	६	३	३	३	६	५	११
२५	१५	२८	११	०५	२३	२८	२८
१२	१८	४७	४७	३४	०८	२२	२२
१४	१३	१६	२८	२१	०३	४३	४३
५७	३५	११९	१३	७३	२	३	३
३६	०३	०८	०७	२१	१०	११	११
श्ले	स्वा	श्ले	पु	पु	वि	चि	रे
३	३	४	३	१	१	२	४

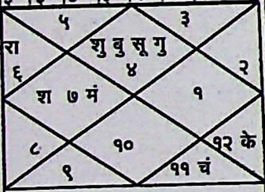

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायँ	मीन रात्रौ
०३।२३।४८।४७	१ चं	११	१०।२२	११।५८	१।५४	४।०९	६।२९	८।४६	११।०१	१।२१	३।३९	५।४४	७।२७	८।५६
०३।२४।४६।०९	२ मं	१२	१०।१८	११।५४	१।५०	४।०५	६।२५	८।४२	१०।५७	१।१७	३।३५	५।४०	७।२३	८।५२
०३।२५।४३।३३	३ बु	१३	१०।१४	११।५०	१।४६	४।०१	६।२१	८।३८	१०।५४	१।१३	३।३१	५।३६	७।१९	८।४८
०३।२६।४०।५८	४ गु	१४	१०।१०	११।४६	१।४२	३।५७	६।१७	८।३४	१०।५०	१।०९	३।२७	५।३२	७।१५	८।४४
०३।२७।३८।२५	५ शु	१५	१०।०६	११।४२	१।३८	३।५३	६।१३	८।३०	१०।४६	१।०५	३।२३	५।२८	७।११	८।४०
०३।२८।३५।५४	६ श	१६	१०।०२	११।३८	१।३४	३।४९	६।०९	८।२६	१०।४२	१।०१	३।१९	५।२४	७।०७	८।३६
०३।२९।३३।२३	८ र	१७	९।५८	११।३४	१।३०	३।४५	६।०५	८।२२	१०।३८	१२।५७	३।१५	५।२०	७।०३	८।३२
०४।००।३०।५५	९ चं	१८	९।५४	११।३०	१।२६	३।४१	६।०१	८।१८	१०।३४	१२।५३	३।११	५।१६	६।५९	८।२८
०४।०१।२८।२८	९ मं	१९	९।५०	११।२६	१।२२	३।३७	५।५७	८।१४	१०।३०	१२।४९	३।०८	५।१२	६।५५	८।२४
०४।०२।२६।०३	१० बु	२०	९।४६	११।२२	१।१८	३।३३	५।५३	८।१०	१०।२६	१२।४५	३।०४	५।०८	६।५२	८।२०
०४।०३।२३।३९	११ गु	२१	९।४२	११।१८	१।१४	३।२९	५।४९	८।०६	१०।२२	१२।४१	३।००	५।०४	६।४८	८।१६
०४।०४।२१।१७	१२ शु	२२	९।३८	११।१४	१।११	३।२५	५।४५	८।०२	१०।१८	१२।३७	२।५६	५।००	६।४४	८।१२
०४।०५।१८।५७	१३ श	२३	९।३४	११।१०	१।०७	३।२१	५।४१	७।५८	१०।१४	१२।३३	२।५२	४।५६	६।४०	८।०८
०४।०६।१६।३९	१४ र	२४	९।३०	११।०६	१।०३	३।१७	५।३७	७।५४	१०।१०	१२।२९	२।४८	४।५२	६।३६	८।०४
०४।०७।१४।२२	३० चं	२५	९।२६	११।०३	१२।५९	३।१३	५।३४	७।५०	१०।०६	१२।२५	२।४४	४।४९	६।३२	८।००

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २०१४
भा. कृ. ६ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।५५ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी वालावस्था (वैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २३।३१ से २९।५५ तक। (दान- छत्र)।

अयनांशाः २४।०२।४७

पं.१९ भा.कृ. ९ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	४	३	३	६	५	११
०१	१९	१२	१३	१४	२३	२८	२८
५५	२७	१३	१८	०८	२५	००	००
५१	२६	०४	४६	३६	०८	२८	२८
५७	३६	१०९	१२	७३	२	३	३
४५	१९	३४	५६	३७	४८	११	११
म	स्वा	म	पु	पु	वि	चि	रे
१	४	४	३	४	२	२	४

२६ अगस्त से ९ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धूम्र	१	मं	३९	४०	२२	०२	पूफा	...	...	...	...	शि	२१	१५	१४	३९	किं	६	४९	८	५३	३१/५१	६/१०	६/५४	४	२९	२६	सिंहे	४।०८।०५।१२	५७।४७
सुस्थिर	२	बु	४५	०३	२४	११	पूफा	६	३२	८	४७	सि	२३	०९	१५	२६	बा	१२	२५	११	०८	४७	१०	५३	५	३०	२७	कन्या १५।२७	४।०९।०२।५९	५७।४९
मातङ्ग	३	गु	४९	४८	२६	०६	उफा	१३	०६	११	२५	सा	२४	४०	१६	०२	तै	१७	३०	१३	१०	४३	१०	५२	६	१	२८	कन्या	४।१०।००।४८	५७।५१
गणेश	४	शु	५३	४२	२७	४०	हस्त	१८	५८	१३	४६	शु	२५	३५	१६	२५	व	२१	५२	१४	५६	३९	११	५१	७	२	२९	तुला. २६।४९	४।१०।५८।३८	५७।५२
ऋषि	५	श	५६	२५	२८	४५	चित्रा	२३	५२	१५	४४	शु	२५	४२	१६	२८	व	२५	१२	१६	१६	३६	११	५०	८	३	३०	तुला.	४।११।५६।३१	५७।५४
लुम्बक	६	र	५७	३८	२९	१५	स्वा	२७	२८	१७	११	ब्र	२४	४७	१६	०७	कौ	२७	१३	१७	०५	३२	१२	४९	९	४	३१	तुला.	४।१२।५४।२५	५७।५६
मित्र	७	सो	५७	११	२९	०५	विशा	२९	३२	१८	०१	ऐ	२२	३६	१५	१५	ग	२७	३७	१७	१५	२८	१२	४७	१०	५	१	वृश्चि. ११।५२	४।१३।५२।२१	५७।५८
वज्र	८	मं	५४	५४	२८	१०	अनु	२९	५०	१८	०९	वै	११	०२	१३	५०	वि	२६	१५	१६	४३	२४	१३	४६	११	६	२	वृश्चि.	४।१४।५०।१९	५८।००
ध्वाङ्क्ष	९	बु	५०	५०	२६	३३	ज्ये	२८	२१	१७	३४	वि	१४	०१	११	५०	बा	२३	०५	१५	२७	२०	१३	४५	१२	७	३	धनु. १७।३४	४।१५।४८।२०	५८।०२
धूम्र	१०	गु	४५	०५	२४	१६	मूल	२५	०८	१६	१७	प्री	५९/५९	३४/४९	४/३०	५५/४९	तै	१८	०९	१३	२९	१६	१४	४४	१३	८	४	धनु.	४।१६।४६।२२	५८।०४
ए.ब्र.	११	शु	३७	५६	२१	२४	पूषा	२०	२४	१४	२४	सौ	५०	५५	२६	३६	व	११	३९	१०	५४	१२	१४	४३	१४	९	५	मक. १९।५१	४।१७।४४।२६	५८।०६
प्र.ब्र.	१२	श	२९	४०	१८	०७	उषा	१४	२६	१२	०१	शो	४१	११	२२	४३	ब	३	५३	७	४८	०८	१५	४२	१५	१०	६	मक.	४।१८।४२।३२	५८।०८
गद	१३	र	२०	४०	१४	३१	श्रव	७	३८	९	१८	अ	३०	५६	१८	३७	तै	२०	४०	१४	३१	०४	१५	४१	१६	११	७	कुंभे १९।५२	४।१९।४०।४१	५८।१०
शुभ	१४	सो	११	२४	१०	४९	धनि	०/५३	२४/१४	६/२७	२५/३३	सु	२०	२९	१४	२७	व	११	२४	१०	४९	००	१६	४०	१७	१२	८	कुंभे	४।२०।३८।५१	५८।१२
पूर्णिमा	१५	मं	२	१४	७	१०	पूभा	४६	३१	२४	५३	धृ	१०	१३	१०	२१	व	२	१४	७	१०	३०/६	१६	३८	१८	१३	९	मीने १९।३१	४।२१।३७।०३	५८।१५

[B संवत्सरी, सामवेदि उपाकर्म, कन्यायां बुधः १४।५५ [D सौरः १६।४८, सिंहे मघा. शुक्रः २७।२९ [I भौमः २६।१२, हस्ते बुधः २८।३२ [H अनु. भौमः २८।४२

केतकी अहर्गणः १२३८ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अगस्त-सितंबर २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
बुधोदयः पश्चिमायाम् १९।४१ [F यावत्, श्लेषा.-१ गुरुः २७।५८
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), उफा. बुधः १३।२९, अगस्त्योदयः २९।४९
मन्वादि,वराह जयंती,हरितालिका व्र.,हस्तिगौरी व्र., जिल्काद ११
भ.१४।५६ उ.२७।४० या.,गणेशचतुर्थी (चंद्रदर्शनं निषेधः),जैन B
ऋषिपंचमी,पूफा.रविः २५।५४,सं.स्त्री.स्त्री.सू.सू.वाहन चातक अल्पवृष्टिः
सौर (सूर्य) षष्ठी,स्कन्द दर्शनं,ललिता षष्ठी व्र.(गुर्जरे),पूफा. D
भ.२९।०५ उ., मुक्ताभरण व्र.,उमामहेश्वर पू., दूबड़ी सातम, K
भ.१६।४३ या.,दधीची जयंती,श्रीराधा ८,गौरी आवाहन १८।०९ यावत्
अदुःख नवमी व्र.,श्रीचंद्र (उदासीन संप्रदाय),गौरी पूजन १७।३४ F
दशावतार व्र., श्री रामदेवजी का मेला, गौरी विसर्जन १६।१७ C
भ.१०।५४ उ.२१।२४ या.,जलझूलनी ११ व्र. [C यावत्, वृश्चिके I
प्रदोषः,वामन जयंती, दुग्धव्रतं,गोत्रिरात्र व्र. [K सितंबर ९ ता.३०
पंचक प्रारम्भः१९।५२ [A रंभारोपणं, प्रौष्ठपदी,महालय श्राद्धारंभः
भ.१०।४९ उ.२०।५८ या.,पूर्णिमा व्रतं,अनन्त १४,कदली व्रतं पूजनं, A
पूर्णिमा पुण्यं, महेश्वर पूजनं, कु. संध्यापूजा, इंदुला १५, H

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

अयनांशाः २४।०२।४७

पं.२० भा.शु. १ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	४	३	३	६	५	११
०८	२३	२४	१४	२२	२३	२७	२७
४०	४५	३०	४८	४४	४६	३८	३८
३३	०७	२०	३५	३९	३४	१२	१२
५७	३७	९९	१२	७३	३	३	३
५५	२७	४१	४१	५२	२४	११	११
म	वि	पूफा	पु	श्ले	वि	चि	रे
३	२	४	४	२	२	२	४

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायं	मीन रात्रौ
०४।०८।१२।०७	१ मं	२६	९।२२	१०।५९	१२।५५	३।०९	५।३०	७।४६	१०।०२	१२।२१	२।४०	४।४५	६।२८	७।५६
०४।०९।०९।५४	२ बु	२७	९।१८	१०।५५	१२।५१	३।०६	५।२६	७।४२	९।५८	१२।१७	२।३६	४।४१	६।२४	७।५२
०४।१०।०७।४३	३ गु	२८	९।१५	१०।५१	१२।४७	३।०२	५।२२	७।३९	९।५४	१२।१३	२।३२	४।३७	६।२०	७।४९
०४।११।०५।३४	४ शु	२९	९।११	१०।४७	१२।४३	२।५८	५।१८	७।३५	९।५०	१२।१०	२।२८	४।३३	६।१६	७।४५
०४।१२।०३।२६	५ श	३०	९।०७	१०।४३	१२।३९	२।५४	५।१४	७।३१	९।४६	१२।०६	२।२४	४।२९	६।१२	७।४१
०४।१३।०१।२१	६ र	३१	९।०३	१०।३९	१२।३५	२।५०	५।१०	७।२७	९।४३	१२।०२	२।२०	४।२५	६।०८	७।३७
०४।१३।५९।१७	७ चं	१	८।५९	१०।३५	१२।३१	२।४६	५।०६	७।२३	९।३९	११।५८	२।१६	४।२१	६।०४	७।३३
०४।१४।५७।१५	८ मं	२	८।५५	१०।३१	१२।२७	२।४२	५।०२	७।१९	९।३५	११।५४	२।१२	४।१७	६।००	७।२९
०४।१५।५५।१६	९ बु	३	८।५१	१०।२७	१२।२३	२।३८	४।५८	७।१५	९।३१	११।५०	२।०८	४।१३	५।५६	७।२५
०४।१६।५३।१८	१० गु	४	८।४७	१०।२३	१२।१९	२।३४	४।५४	७।११	९।२७	११।४६	२।०४	४।०९	५।५२	७।२१
०४।१७।५१।२३	११ शु	५	८।४३	१०।१९	१२।१५	२।३०	४।५०	७।०७	९।२३	११।४२	२।०१	४।०५	५।४८	७।१७
०४।१८।४९।२९	१२ श	६	८।३९	१०।१५	१२।११	२।२६	४।४६	७।०३	९।१९	११।३८	१।५७	४।०१	५।४४	७।१३
०४।१९।४७।३८	१३ र	७	८।३५	१०।११	१२।०७	२।२२	४।४२	६।५९	९।१५	११।३४	१।५३	३।५७	५।४१	७।०९
०४।२०।४५।४८	१४ चं	८	८।३१	१०।०७	१२।०३	२।१८	४।३८	६।५५	९।११	११।३०	१।४९	३।५३	५।३७	७।०५
०४।२१।४४।०१	१५ मं	९	८।२७	१०।०३	१२।००	२।१४	४।३४	६।५१	९।०७	११।२६	१।४५	३।४९	५।३३	७।०१

अयनांशाः २४।०२।४८

पं.२१ भा.शु. ८ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	६	५	३	४	६	५	११
१५	२८	०५	१६	०१	२४	२७	२७
२६	१०	३९	१६	२२	१२	१५	१५
२९	३२	२४	२७	२८	०७	५६	५६
५८	३८	९०	१२	७४	३	३	३
०६	३१	१४	२३	०७	५९	१२	११
पूफा	वि	उफा	पु	म	वि	चि	रे
१	३	३	४	१	२	२	४

अयनांशाः २४।०२।४९

पं.२२ भा.शु.१५ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	७	५	३	४	६	५	११
२२	०२	१५	१७	१०	२४	२६	२६
१३	४३	४४	४१	०१	४१	५३	५३
४६	०६	०६	५७	५८	३२	४०	४०
५८	३९	८१	११	७४	४	३	३
१८	२९	१८	५९	२१	३०	११	११
पूफा	वि	ह	श्ले	म	वि	चि	रे
३	४	२	१	४	२	२	४

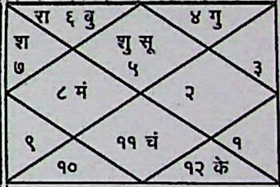

॥ पं. श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१० सितंबर से २४ सितंबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमा सू. सू. तारीस्त — स्टै. — प्रातः — दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	मं	५३	३८	२७	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
लुम्बक	२	बु	४५	५७	२४	३९	उभा	४०	४२	२२	३३	शू	०/५१	२७/३२	६/२६	२७/५३	तै	११	३९	१४	०८	३०/५२	६/१७	६/३७	११	१४	१०	मीने	४।२२।३५।१८	५८।१७
मित्र	३	गु	३९	३४	२२	०७	रेव	३६	०८	२०	४४	वृ	४३	४१	२३	४५	व	१२	३३	११	१८	४८	१७	३६	२०	१५	११	मेषे २०।४४	४।२३।३३।३५	५८।१९
च.व्र.	४	शु	३४	४७	२०	१२	अश्वि	३३	०९	१९	३३	ध्रु	३७	०८	२१	०९	ब	६	५७	९	०४	४४	१७	३५	२१	१६	१२	मेषे	४।२४।३१।५४	५८।२१
ध्वाङ्क्ष	५	श	३१	५०	१९	०२	भर	३१	५९	१९	०५	व्या	३२	०६	१९	०८	कौ	३	०४	७	३२	४०	१८	३४	२२	१७	१३	वृषे २५।०६	४।२५।३०।१५	५८।२३
धूम्र	६	र	३०	५१	१८	३९	कृति	३२	४४	१९	२४	ह	२८	३७	१७	४५	ग	१	०५	६	४४	३६	१८	३३	२३	१८	१४	वृषे	४।२६।२८।३८	५८।२५
प्रवर्धमा	७	सो	३१	५०	१९	०३	रोहि	३५	२४	२०	२९	व	२६	४१	१६	५९	वि	१	०५	६	४५	३२	१९	३१	२४	१९	१५	वृषे	४।२७।२७।०३	५८।२८
राक्षस	८	मं	३४	३९	२०	११	मृग	३९	५१	२२	१६	सि	२६	११	१६	४८	बा	३	०२	७	३२	२८	१९	३०	२५	२०	१६	मिथु. ९।१७	४।२८।२५।३१	५८।३०
मुसल	९	बु	३९	०३	२१	५७	आर्द्रा	४५	४६	२४	३८	व्य	२६	५४	१७	०५	तै	६	४०	९	००	२३	२०	२९	२६	२१	१७	मिथु.	४।२९।२४।०१	५८।३२
सिद्धि	१०	गु	४४	३३	२४	०९	पुन	५२	४२	२७	२५	व	२८	३३	१७	४५	व	११	४१	११	००	१९	२०	२८	२७	२२	१८	कर्क २०।४२	५।००।२२।३३	५८।३४
ए.व्र.	११	शु	५०	४१	२६	३७	पुष्य	...	...	...	...	प	३०	४६	१८	३९	ब	१७	३४	१३	२२	१५	२१	२७	२८	२३	१९	कर्क	५।०१।२१।०७	५८।३७
मित्र	१२	श	५६	५८	२९	०८	पुष्य	०	१०	६	२५	शि	३३	१२	१९	३८	कौ	२३	५०	१५	५३	११	२१	२६	२९	२४	२०	कर्क	५।०२।१९।४४	५८।३९
प्र.व्र.	१३	र	...	...	...	...	श्ले	७	४३	९	२७	सि	३५	३१	२०	३४	ग	३०	०१	१८	२२	०७	२२	२४	३०	२५	२१	सिंहे ९।२७	५।०३।१८।२२	५८।४१
ध्वाङ्क्ष	१३	सो	२	५९	७	३४	मघा	१४	५८	१२	२१	सा	३७	२९	२१	२२	व	२	५९	७	३४	०३	२२	२३	३१	२६	२२	सिंहे	५।०४।१७।०४	५८।४३
धूम्र	१४	मं	८	२८	९	४६	पूफा	२१	४०	१५	०३	शु	३९	००	२१	५९	श	८	२८	९	४६	२९/५९	२३	२२	१	२७	२३	कन्या २१।४१	५।०५।१५।४७	५८।४६
अमाव.	३०	बु	१३	१७	११	४२	उफा	२७	४२	१७	२८	शु	३९	५७	२२	२२	ना	१३	१७	११	४२	५५	२३	२१	२	२८	२४	कन्या	५।०६।१४।३३	५८।४८

शरदृत्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A १३।२७, रेव.-३ केतुः १३।२७, सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन D

[D अश्व वर्षाश्रेष्ठः

भ.११।१८ उ. २२।०७ या., पंचक समाप्तिः २०।४४, पूफा.शुक्रः२२।११

चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०२

भरणी श्राद्ध, चंद्रषष्ठी, उफा. रविः १९।४८, चित्रा.-१ राहुः A

भ. १८।३९ उ., उफा. सौरः १०।५९, चित्रा. बुधः २६।३६

भ. ६।४५ या., श्रीमहालक्ष्मी व्र.

अशोकाष्टमी, कन्यायां रविः २९।५५

सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, विश्वकर्मा पू., कन्यायां सौरः २१।०५

भ. ११।०० उ. २४।०९ या.

इंदिरा ११ व्र. [C हतानां श्राद्धं, उफा. शुक्रः १५।४५

सन्यासिनां श्राद्धं, तुलायां बुधः २२।४६, श्लेषा.-२ गुरुः २६।५८

प्रदोषः, युगादि [B तुलायां भानुः ८।०९

भ. ७।३४ उ. २०।४२ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि C

पितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, भा. अश्विनारंभः, सायन B

देवकार्येऽमा., मातामह श्रा.

अयनांशाः २४।०२।५०

पं.२३ आ.कृ. ८ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	७	५	३	४	६	५	११
२९	०७	२४	१९	१८	२५	२६	२६
०२	२२	४४	०४	४३	१४	३१	३१
३०	१५	१४	३६	०२	३२	२४	२४
५८	४०	७१	११	७४	४	३	३
३१	२३	०३	३२	३३	५९	११	११
उफा	अनु	चि	श्ले	पूफा	वि	चि	रे
१	२	१	१	२	२	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. सितं	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायँ
०४।२२।४२।१६	२ बु	१०	८।२३	९।५९	११।५६	२।१०	४।३०	६।४७	९।०३	११।२२	१।४१	३।४५	५।२९	६।५७
०४।२३।४०।३३	३ गु	११	८।१९	९।५५	११।५२	२।०६	४।२६	६।४३	८।५९	११।१८	१।३७	३।४१	५।२५	६।५३
०४।२४।३८।५२	४ शु	१२	८।१५	९।५२	११।४८	२।०२	४।२३	६।३९	८।५५	११।१४	१।३३	३।३८	५।२१	६।४९
०४।२५।३७।१३	५ श	१३	८।११	९।४८	११।४४	१।५९	४।१९	६।३५	८।५१	११।१०	१।२९	३।३४	५।१७	६।४५
०४।२६।३५।३६	६ र	१४	८।०८	९।४४	११।४०	१।५५	४।१५	६।३१	८।४७	११।०६	१।२५	३।३०	५।१३	६।४१
०४।२७।३४।०२	७ चं	१५	८।०४	९।४०	११।३६	१।५१	४।११	६।२८	८।४३	११।०२	१।२१	३।२६	५।०९	६।३८
०४।२८।३२।३०	८ मं	१६	८।००	९।३६	११।३२	१।४७	४।०७	६।२४	८।३९	१०।५९	१।१७	३।२२	५।०५	६।३४
०४।२९।३१।००	९ बु	१७	७।५६	९।३२	११।२८	१।४३	४।०३	६।२०	८।३५	१०।५५	१।१३	३।१८	५।०१	६।३०
०५।००।२९।३२	१० गु	१८	७।५२	९।२८	११।२४	१।३९	३।५९	६।१६	८।३२	१०।५१	१।०९	३।१४	४।५७	६।२६
०५।०१।२८।०७	११ शु	१९	७।४८	९।२४	११।२०	१।३५	३।५५	६।१२	८।२८	१०।४७	१।०५	३।१०	४।५३	६।२२
०५।०२।२६।४४	१२ श	२०	७।४४	९।२०	११।१६	१।३१	३।५१	६।०८	८।२४	१०।४३	१।०१	३।०६	४।४९	६।१८
०५।०३।२५।२३	१३ र	२१	७।४०	९।१६	११।१२	१।२७	३।४७	६।०४	८।२०	१०।३९	१२।५७	३।०२	४।४५	६।१४
०५।०४।२४।०४	१३ चं	२२	७।३६	९।१२	११।०८	१।२३	३।४३	६।००	८।१६	१०।३५	१२।५३	२।५८	४।४१	६।१०
०५।०५।२२।४८	१४ मं	२३	७।३२	९।०८	११।०४	१।१९	३।३९	५।५६	८।१२	१०।३१	१२।५०	२।५४	४।३७	६।०६
०५।०६।२१।३४	३० बु	२४	७।२८	९।०४	११।००	१।१५	३।३५	५।५२	८।०८	१०।२७	१२।४६	२।५०	४।३३	६।०२

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २०१४

आश्वि. कृ. ८ भौमे कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।५५ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २९।५५ से बुधे १२।१९ तक। (दान- गृह वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०२।५१

पं.२४ आ.कृ.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	७	६	३	४	६	५	११
०५	१२	०२	२०	२७	२५	२६	२६
५२	०७	१७	२३	२५	५०	०९	०९
४८	२८	५८	५२	३०	४७	०८	०८
५८	४१	५४	११	७४	५	३	३
४५	१३	४३	०१	४४	२६	११	११
उफा	अनु	चि	श्ले	उफा	वि	चि	रे
३	३	३	२	१	२	१	३

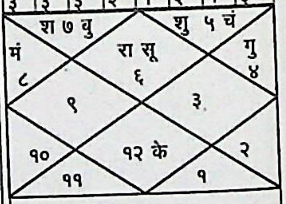

२५ सितंबर से ८ अक्टूबर, तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	गु	१७	१८	१३	१९	हस्त	३२	५७	१९	३४	ब्र	४०	१५	२२	२९	व	१७	१८	१३	१९	२९ ५१	६ २३	६ २०	३	२९	२५	कन्या	५।०७।१३।२०	५८।५०
मुसल	२	शु	२०	२५	१४	३४	चित्रा	३७	१८	२१	१९	ऐ	३९	५०	२२	२०	कौ	२०	२५	१४	३४	४७	२४	१९	४	३०	२६	तुला. ८।२९	५।०८।१२।११	५८।५३
सिद्धि	३	श	२२	३२	१५	२५	स्वा	४०	३८	२२	४०	वै	३८	३६	२१	५१	ग	२२	३२	१५	२५	४२	२४	१७	५	१	२७	तुला.	५।०९।११।०३	५८।५५
उत्पात	४	र	२३	३१	१५	४९	विशा	४२	५०	२३	३३	वि	३६	२८	२१	००	वि	२३	३१	१५	४९	३८	२५	१६	६	२	२८	वृश्चि. १७।२२	५।१०।०९।५८	५८।५७
मानस	५	सो	२३	१४	१५	४३	अनु	४३	४६	२३	५६	प्री	३३	१९	१९	४५	वा	२३	१४	१५	४३	३४	२५	१५	७	३	२९	वृश्चि.	५।११।०८।५५	५९।००
मुद्गर	६	मं	२१	३७	१५	०५	ज्ये	४३	२३	२३	४७	आ	२९	०६	१८	०४	तै	२१	३७	१५	०५	३०	२६	१४	८	४	३०	धनु. २३।४७	५।१२।०७।५५	५९।०२
ध्वजा	७	बु	१८	३८	१३	५४	मूल	४१	३९	२३	०६	सौ	२३	४७	१५	५७	व	१८	३८	१३	५४	२६	२६	१३	९	५	१	धनु.	५।१३।०६।५७	५९।०४
दुर्गा	८	गु	१४	२१	१२	११	पूषा	३८	४०	२१	५५	शो	१७	२६	१३	२५	व	१४	२१	१२	११	२२	२७	१२	१०	६	२	मक. २७।३३	५।१४।०६।०१	५९।०६
विजया	९	शु	८	५३	१०	००	उषा	३४	३५	२०	१७	अ	१०	०७	१०	३०	कौ	८	५३	१०	००	१८	२७	११	११	७	३	मक.	५।१५।०५।०८	५९।०९
ए.व्र.	१०	श	२	२४	७	२५	श्रव	२९	३७	१८	१९	सु	१	५९	७	१६	ग	२	२४	७	२५	१४	२८	०९	१२	८	४	कुंभे २९।१३	५।१६।०४।१६	५९।११
क्षयः	११	श	५५	११	२८	३२	०	०	०	०	०	धृ	५३	१६	२७	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
ए.व्र.	१२	र	४७	३०	२५	२८	धनि	२४	०१	१६	०५	शू	४४	०६	२४	०७	व	२१	२२	१५	०१	१०	२८	०८	१३	९	५	कुंभे	५।१७।०३।२८	५९।१४
प्र.व्र.	१३	सो	३९	३८	२२	२०	शत	१८	०७	१३	४४	गं	३४	४८	२०	२४	कौ	१३	३३	११	५४	०६	२९	०७	१४	१०	६	मीने २९।५८	५।१८।०२।४१	५९।१६
काण	१४	मं	३१	५७	११	१६	पूभा	१२	१५	११	२४	वृ	२५	३६	१६	४४	ग	५	४४	८	४७	०१	२९	०६	१५	११	७	मीने	५।१९।०१।५७	५९।१८
पूर्णिमा	१५	बु	२४	४६	१६	२४	उभा	६	४६	९	१२	ध्रु	१६	४८	१३	१३	व	२४	४६	१६	२४	२८ ५७	३०	०५	१६	१२	८	मीने	५।२०।०१।१५	५९।२०

केतकी अहर्गणः १२६८ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर-अक्टूबर २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती, कन्यायां शुक्रः ८।००
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [G सं.स्त्री.स्त्री.सू.सू.वाहन मण्डूक अल्पवृष्टिः
भ.२७।४१ उ., जिल्हेज १२, हस्ते रविः ११।१९ (सौरः२६।२१), G
भ.१५।४९ या., स्वा.बुधः २२।३५ [F ११ व्र.स्मार्त, वक्री बुधः २९।०३
उपांगललिता व्र., ज्येष्ठा.भौमः १९।५६
[D अवतार, शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ८।१६ E
भ.१३।५४ उ. २५।०६ या., सरस्वती आवाहनं मूलभे, भद्रकाली D
महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे, गांधीजयन्ती
मन्वादि, बोद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, सरस्वती B
भ. १८।०१ उ. २८।३२ या., पंचक प्रारम्भः २९।१३, पापांकुशा F
[B विसर्जनं श्रवणे, बुधास्तः पश्चिमायाम् २६।४४, हस्ते शुक्रः ८।२४
पापांकुशा ११ व्र.वैष्ण. [A पूजा, नवान्न भक्षण, आश्वयुजी कर्म C
प्रदोषः, कार्त्तिके द्विदलंत्यजेत् [C (आश्वलायन शाखा), कार्तिक स्नान प्रा.
भ. १९।१६ उ. २९।४८ या., शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र.
ग्रस्तोदयं खग्रासं चन्द्रग्रहणम्, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, बंगीय लखी A
[E अक्टूबर १० ता.३१, विशा.-३ शनिः २३।३१

शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०२।५२

पं.२५ आ.शु. ६ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	७	६	३	५	६	५	११
१२	१६	०७	२१	०६	२६	२५	२५
४४	५८	२१	३९	०९	३०	४६	४६
४२	१९	५८	१७	१०	००	५२	५२
५८	४१	२५	१०	७४	५	३	३
५९	५९	०५	२५	५४	४९	११	११
ह	ज्ये	स्वा	श्ले	उफा	वि	चि	रे
१	१	१	२	३	२	१	३

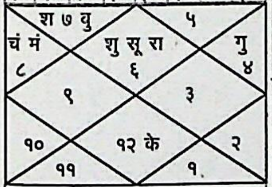

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०५।०७।२०।२२	१ गु	२५	७।२४	९।००	१०।५६	१।११	३।३१	५।४८	८।०४	१०।२३	१२।४२	२।४६	४।३०	५।५८
०५।०८।१९।१२	२ शु	२६	७।२०	८।५६	१०।५२	१।०७	३।२७	५।४४	८।००	१०।१९	१२।३८	२।४२	४।२६	५।५४
०५।०९।१८।०५	३ श	२७	७।१६	८।५२	१०।४९	१।०३	३।२३	५।४०	७।५६	१०।१५	१२।३४	२।३८	४।२२	५।५०
०५।१०।१७।००	४ र	२८	७।१२	८।४८	१०।४५	१२।५९	३।१९	५।३६	७।५२	१०।११	१२।३०	२।३४	४।१८	५।४६
०५।११।१५।५८	५ चं	२९	७।०८	८।४४	१०।४१	१२।५५	३।१५	५।३२	७।४८	१०।०७	१२।२६	२।३०	४।१४	५।४२
०५।१२।१४।५८	६ मं	३०	७।०४	८।४१	१०।३७	१२।५१	३।१२	५।२८	७।४४	१०।०३	१२।२२	२।२७	४।१०	५।३८
०५।१३।१४।००	७ बु	१	७।००	८।३७	१०।३३	१२।४८	३।०८	५।२४	७।४०	९।५९	१२।१८	२।२३	४।०६	५।३४
०५।१४।१३।०४	८ गु	२	६।५७	८।३३	१०।२९	१२।४४	३।०४	५।२१	७।३६	९।५५	१२।१४	२।१९	४।०२	५।३१
०५।१५।१२।११	९ शु	३	६।५३	८।२९	१०।२५	१२।४०	३।००	५।१७	७।३२	९।५२	१२।१०	२।१५	३।५८	५।२७
०५।१६।११।२०	१० श	४	६।४९	८।२५	१०।२१	१२।३६	२।५६	५।१३	७।२८	९।४८	१२।०६	२।११	३।५४	५।२३
०५।१७।१०।३२	१२ र	५	६।४५	८।२१	१०।१७	१२।३२	२।५२	५।०९	७।२४	९।४४	१२।०२	२।०७	३।५०	५।१९
०५।१८।०९।४५	१३ चं	६	६।४१	८।१७	१०।१३	१२।२८	२।४८	५।०५	७।२१	९।४०	११।५८	२।०३	३।४६	५।१५
०५।१९।०९।०२	१४ मं	७	६।३७	८।१३	१०।०९	१२।२४	२।४४	५।०१	७।१७	९।३६	११।५४	१।५९	३।४२	५।११
०५।२०।०८।२०	१५ बु	८	६।३३	८।०९	१०।०५	१२।२०	२।४०	४।५७	७।१३	९।३२	११।५०	१।५५	३।३८	५।०७

मास फलम्

चन्द्रग्रहण, ता. ८ अक्टू. २०१४,
इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो, यथा- बुधेरसक्षयोभूम्यां ॥ मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दुःख-स्थानत्याग और कम धान्य हो। अमावस्या को उत्तराफाल्गुनी होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। आश्विनी शुक्ला तीज को शनिवार होने से पृथ्वी पर प्रबल अग्निकाण्ड और अन्नादि की महँगाई हो। आसोज सुदी चौथ को रविवार होने से घी और अन्नादि भाव मंदा हो। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

अयनांशाः २४।०२।५३

पं.२६ आ.शु.१४ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	७	६	३	५	६	५	११
१९	२१	०८	२२	१४	२७	२५	२५
३८	५४	०२	५०	५३	११	२४	२४
१६	२१	३२	१४	५१	४९	३७	३७
५९	४२	२३	९	७५	६	३	३
१३	४१	१५	४५	०२	१०	११	११
ह	ज्ये	स्वा	श्ले	ह	वि	चि	रे
३	२	१व	२	२	३	१	३

९ अक्टूबर से २३ अक्टूबर तक,श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमासू. सू. तारीख

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.१	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	स्टै. चंद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति
मित्र	१	गु	१८	२६	१३	५३	रेव	२/५८	०१/२१	७/२९	११/४१	व्या	८	३७	९	५७	कौ	१८	२६	१३	५३	२८/५३	६/३१	६/०४	१७	१३	९	मेषे ७।१९	५।२१।००।३६	५९।२३
मुद्गर	२	शु	१३	१६	११	४९	भर	५६	०२	२८	५६	ह	१/५५	२१/१५	७/२८	०४/३७	ग	१३	१६	११	४९	४९	३१	०३	१८	१४	१०	मेषे	५।२१।५९।५८	५९।२५
च.व्र.	३	श	९	३४	१०	२१	कृति	५५	२१	२८	४०	सि	५०	२७	२६	४२	वि	९	३४	१०	२१	४५	३२	०२	१९	१५	११	वृषे १०।४८	५।२२।५९।२४	५९।२७
धाता	४	र	७	३५	९	३४	रोहि	५६	२९	२९	०८	व्य	४७	०६	२५	२३	वा	७	३५	९	३४	४१	३२	०१	२०	१६	१२	वृषे	५।२३।५८।५१	५९।३०
आनन्द	५	सो	७	२८	९	३२	मृग	५९	२८	३०	२०	व	४५	१३	२४	३८	तै	७	२८	९	३२	३७	३३	००	२१	१७	१३	मिथु. १७।३८	५।२४।५८।२१	५९।३२
चर	६	मं	९	१६	१०	१६	आर्द्रा	...	...	...	...	प	४४	४७	२४	२८	व	९	१६	१०	१६	३३	३३	५/५९	२२	१८	१४	मिथु.	५।२५।५७।५३	५९।३४
मुसल	७	बु	१२	५३	११	४३	आर्द्रा	४	१२	८	१४	शि	४५	३६	२४	४८	व	१२	५३	११	४३	२९	३४	५८	२३	१९	१५	कर्के २८।०४	५।२६।५७।२८	५९।३७
सिद्धि	८	गु	१७	५६	१३	४५	पुन	१०	२४	१०	४४	सि	४७	२०	२५	३१	कौ	१७	५६	१३	४५	२५	३४	५७	२४	२०	१६	कर्के	५।२७।५७।०४	५९।३९
उत्पात	९	शु	२४	००	१६	११	पुष्य	१७	३६	१३	३७	सा	४९	३६	२६	२५	ग	२४	००	१६	११	२१	३५	५६	२५	२१	१७	कर्के	५।२८।५६।४३	५९।४१
मानस	१०	श	३०	२४	१८	४५	श्ले	२५	११	१६	४०	शु	५१	५७	२७	२३	वि	३०	२४	१८	४५	१७	३६	५५	२६	२२	१८	सिंहे १६।४०	५।२९।५६।२५	५९।४४
ए.व्र.	११	र	३६	३५	२१	१४	मघा	३२	३६	१९	३९	शु	५४	००	२८	१२	ब	३	३३	८	०२	१३	३६	५४	२७	२३	१९	सिंहे	६।००।५६।०८	५९।४६
ध्वजा	१२	सो	४२	०४	२३	२७	पूफा	३९	२२	२२	२२	ब्र	५५	२६	२८	४७	कौ	९	२६	१०	२३	०९	३७	५३	२८	२४	२०	कन्या २८।५९	६।०१।५५।५४	५९।४८
प्र.व्र.	१३	मं	४६	३२	२५	१४	उफा	४५	१०	२४	४२	ऐ	५६	०४	२९	०३	ग	१४	२६	१२	२४	०५	३७	५२	२९	२५	२१	कन्या	६।०२।५५।४२	५९।५०
रुप १४	१४	बु	४९	४९	२६	३४	हस्त	४९	५१	२६	३४	वै	५५	४८	२८	५७	वि	१८	२०	१३	५८	०२	३८	५१	३०	२६	२२	कन्या	६।०३।५५।३२	५९।५२
दीपाव.	३०	गु	५१	५४	२७	२४	चित्रा	५३	२१	२७	५९	वि	५४	३५	२८	२९	च	२१	००	१५	०३	२७/५८	३९	५०	१	२७	२३	तुला. १५।२०	६।०४।५५।२५	५९।५५

शरदृत्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
पंचक समाप्तिः ७।१९, ग्रहण-करिदिन, (व) चित्रा. बुधः २३।४४
भ. २३।०० उ., चित्रा. रविः २४।१९, श्लेषा.-३ गुरुः ८।४०, C
भ. १०।२१ या., करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२५, दशरथ ललिता E
[A सायन वृश्चिके भानुः १७।३५, (व) हस्ते बुधः ७।०९
स्कन्द षष्ठी, चित्रा. शुक्रः २४।२२
भ. १०।१६ उ. २२।५४ या.
होई (अहोरी) ८ [C सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन महिष वर्षाश्रेष्ठः
(व) कन्यायां बुधः १३।०४ [E व्र., चित्रा. सौरः १४।५१
भ. २९।२८ उ., आकाश दीपारंभः, तुलायां रविः १७।५२
भ. १८।४५ या., तुलायां सौरः ८।०२, धनुषि मूले भौमः १२।३६
रमा ११ व्र., तुलायां शुक्रः ८।०९ [D दीपदानं, गोत्रिरात्र व्र.
गोवत्स द्वादशी [B १४, प्रभात स्नानं, बुधोदयः पूर्वस्याम् १२।३७
भ. २५।१४ उ., प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमाय D
भ. १३।५८ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं, रुप (नरक) B
देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुवेर पू.,भा.कार्तिकारंभः, A

अयनांशाः २४।०२।५३

पं.२७ का.कृ. ६ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	७	६	३	५	६	५	११
२६	२६	०२	२३	२३	२७	२५	२५
३३	५५	४२	५६	३९	५५	०२	०२
३१	११	०९	११	२२	५५	२१	२१
५९	४३	६९	८	७५	६	३	३
२८	२०	५४	५८	०८	२८	११	११
चि	ज्ये	चि	श्ले	चि	वि	चि	रे
१	४	३व	३	१	३	१	३

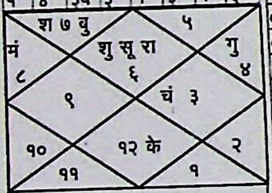

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अक्टू	मेष सायं	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला प्रातः	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०५।२१।०७।४१	१ गु	९	६।२९	८।०५	१०।०१	१२।१६	२।३६	४।५३	७।०९	९।२८	११।४६	१।५१	३।३४	५।०३
०५।२२।०७।०४	२ शु	१०	६।२५	८।०१	९।५७	१२।१२	२।३२	४।४९	७।०५	९।२४	११।४२	१।४७	३।३०	४।५९
०५।२३।०६।२९	३ श	११	६।२१	७।५७	९।५३	१२।०८	२।२८	४।४५	७।०१	९।२०	११।३९	१।४३	३।२६	४।५५
०५।२४।०५।५७	४ र	१२	६।१७	७।५३	९।४९	१२।०४	२।२४	४।४१	६।५७	९।१६	११।३५	१।३९	३।२३	४।५१
०५।२५।०५।२७	५ चं	१३	६।१३	७।४९	९।४५	१२।००	२।२०	४।३७	६।५३	९।१२	११।३१	१।३५	३।१९	४।४७
०५।२६।०५।००	६ मं	१४	६।०९	७।४५	९।४२	११।५६	२।१६	४।३३	६।४९	९।०८	११।२७	१।३१	३।१५	४।४३
०५।२७।०४।३४	७ बु	१५	६।०५	७।४१	९।३८	११।५२	२।१२	४।२९	६।४५	९।०४	११।२३	१।२७	३।११	४।३९
०५।२८।०४।११	८ गु	१६	६।०१	७।३७	९।३४	११।४८	२।०८	४।२५	६।४१	९।००	११।१९	१।२३	३।०७	४।३५
०५।२९।०३।५१	९ शु	१७	५।५७	७।३४	९।३०	११।४४	२।०४	४।२१	६।३७	८।५६	११।१५	१।१९	३।०३	४।३१
०६।००।०३।३२	१० श	१८	५।५३	७।३०	९।२६	११।४०	२।०१	४।१७	६।३३	८।५२	११।११	१।१६	२।५९	४।२७
०६।०१।०३।१६	११ र	१९	५।४९	७।२६	९।२२	११।३७	१।५७	४।१३	६।२९	८।४८	११।०७	१।१२	२।५५	४।२३
०६।०२।०३।०२	१२ चं	२०	५।४६	७।२२	९।१८	११।३३	१।५३	४।१०	६।२५	८।४४	११।०३	१।०८	२।५१	४।२०
०६।०३।०२।५१	१३ मं	२१	५।४२	७।१८	९।१४	११।२९	१।४९	४।०६	६।२१	८।४१	१०।५९	१।०४	२।४७	४।१६
०६।०४।०२।४१	१४ बु	२२	५।३८	७।१४	९।१०	११।२५	१।४५	४।०२	६।१७	८।३७	१०।५५	१।००	२।४३	४।१२
०६।०५।०२।३४	३० गु	२३	५।३४	७।१०	९।०६	११।२१	१।४१	३।५८	६।१४	८।३३	१०।५१	१२।५६	२।३९	४।०८

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०१४

का. कृ. ९ भृगौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।५२ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम मिश्रा पशून् सुस्वदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्वदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ११।५२ से २३।५२ तक । (दान- तिल गोरस) ।

अयनांशाः २४।०२।५४

पं.२८ का.कृ.१३ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	८	५	३	६	६	५	११
०३	०२	२४	२४	०२	२८	२४	२४
३०	००	४६	५६	२५	४१	४०	४०
२७	२४	०२	३१	३२	५६	०४	०४
५९	४३	४७	८	७५	६	३	३
४२	५६	४३	०७	१३	४२	११	११
चि	मू	चि	श्ले	चि	वि	चि	रे
४	१	१व	३	३	३	१	३

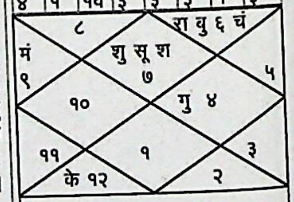

२४ अक्टूबर से ६ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
गद	१	शु	५२	४६	२७	४६	स्वा	५५	४२	२८	५६	प्री	५२	२७	२७	३८	किं	२२	२८	१५	३८	२७/५४	६/३९	५/४९	२	२८	२४	तुला.	६।०५।५५।२०	५९।५७
शुभ	२	श	५२	२९	२७	४०	विशा	५६	५४	२९	२६	आ	४९	२४	२६	२६	बा	२२	४६	१५	४६	५०	४०	४८	३	२९	२५	वृश्चि. २३।२१	६।०६।५५।१७	५९।५९
मृत्यु	३	र	५१	०६	२७	०७	अनु	५७	०३	२९	३०	सौ	४५	३०	२४	५३	तै	२१	५४	१५	२६	४६	४१	४७	४	१	२६	वृश्चि.	६।०७।५५।१६	६०।०१
पद्म	४	सो	४८	४३	२६	१०	ज्ये	५६	१३	२९	११	शो	४०	४७	२३	००	व	२०	००	१४	४१	४२	४१	४६	५	२	२७	धनु. २९।११	६।०८।५५।१७	६०।०४
छत्र	५	मं	४५	२५	२४	५२	मूल	५४	३१	२८	३०	अं	३५	२०	२०	५०	व	१७	०९	१३	३३	३९	४२	४५	६	३	२८	धनु.	६।०९।५५।२०	६०।०६
श्रीवत्स	६	बु	४१	२०	२३	१५	पूषा	५२	०३	२७	३२	सु	२९	१५	१८	२५	कौ	१३	२७	१२	०५	३५	४३	४५	७	४	२९	धनु.	६।१०।५५।२६	६०।०८
सौम्य	७	गु	३६	३६	२१	२२	उषा	४८	५८	२६	१८	धृ	२२	३५	१५	४५	ग	९	०१	१०	२०	३१	४३	४४	८	५	३०	मक. ९।१५	६।११।५५।३४	६०।१०
धूम्र	८	शु	३१	१९	१९	१६	श्रव	४५	२२	२४	५३	शू	१५	२९	१२	५६	वि	४	००	८	२०	२८	४४	४३	९	६	३१	मक.	६।१२।५५।४४	६०।१२
प्रवर्धमा	९	श	२५	३९	१७	००	धनि	४१	२६	२३	१९	गं	८	०२	९	५७	कौ	२५	३९	१७	००	२४	४५	४२	१०	७	१	कुंभे १२।०७	६।१३।५५।५६	६०।१४
राक्षस	१०	र	१९	४५	१४	३९	शत	३७	१७	२१	४०	वृ	०/५२	१९/३२	६/२७	५३/५६	ग	१९	४५	१४	३९	२०	४५	४२	११	८	२	कुंभे	६।१४।५६।१०	६०।१६
ए.व्र.	११	सो	१३	४५	१२	१६	पूभा	३३	०७	२०	०१	व्या	४४	४३	२४	३९	वि	१३	४५	१२	१६	१७	४६	४१	१२	९	३	मीने १४।२६	६।१५।५६।२६	६०।१८
प्र.व्र.	१२	मं	७	५१	९	५५	उभा	२९	०५	१८	२५	ह	३७	०४	२१	३६	बा	७	५१	९	५५	१३	४७	४०	१३	१०	४	मीने	६।१६।५६।४४	६०।२०
उत्पात	१३	बु	२	१४	७	४१	रेव	२५	२६	१६	५८	व	२९	४४	१८	४१	तै	२	१४	७	४१	१०	४८	३९	१४	११	५	मेषे १६।५८	६।१७।५७।०४	६०।२२
क्षयः	१४	बु	५७	१०	२९	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	गु	५२	५०	२७	५६	अश्वि	२२	२४	१५	४६	सि	२२	५६	१५	५९	वि	२४	५२	१६	४५	०६	४८	३९	१५	१२	६	मेषे	६।१८।५७।२६	६०।२४

केतकी अहर्गणः १२९७ हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर-नवंबर २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
वलीपूजा, गोवर्धनपू., अन्नकूटं देशाचारें, गुर्जराणां नूतनवर्षारंभः, A
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), भ्रातृ २, यम २, यमुना स्नानं, कलम दवात पू.
मोहोर्रम १ सन १४३६ हि., मार्गी बुधः १४।५५ [K शनिः १६।२१
भ.१४।४१ उ. २६।१० या., दूर्वागणपतिव्र. [G वृश्चिके विशा.-४ K
सौभाग्य ५, पाण्डव ५, चित्रा. बुधः २३।१० [F समाप्तिः, कार्तिक L
[D स्वा. शुक्रः १५।५१, सं.स्त्री.स्त्री.सू.सू.वाहन अश्व अल्पवृष्टिः
भ. २१।२२ उ., कल्पादि, शनेरस्तः पश्चिमायाम् २५।०५
भ. ८।२० या., गोपाष्टमी [L व्रतोद्यापनं, पूषा. भौमः १३।२९
पंचक प्रारम्भः १२।०७, युगादि, कुष्माण्ड(अक्षय) ९, नवंबर ११ ता. ३०, G
भ. २५।२८ उ. [E चतुर्मास व्रत समाप्तिः, भीष्म पंचक प्रा.
भ. १२।१६ या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी विवाह, E
प्रदोषः, मन्वादि, तुलायां बुधः२२।३४, श्लेषा.-४ गुरुः१५।२५, विशा.शुक्रः ७।०२
भ.२९।४० उ., पंचक समाप्तिः १६।५८, वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत F
[A गोक्रीडा, मार्गपाली बं., स्वा.रविः १०।४९ (सौरः२४।३३), D
भ.१६।४५ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, गोपद्मव्रत समाप्ति, B
[B त्रिपुरोत्सव, पुष्कर यात्रा, नानक जयंती, भीष्म पंचक समाप्ति, कार्तिक स्नान पूर्तिः, विशा. रविः १८।५६

अयनांशाः २४।०२।५५

पं.२९ का.शु. ५ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	८	५	३	६	६	५	११
१०	०७	२३	२५	११	२९	२४	२४
२१	०९	००	५०	१२	२९	१७	१७
०३	३७	१५	३५	११	२९	४८	४८
५९	४४	२८	७	७५	६	३	३
५६	२९	४७	११	१६	५४	११	११
स्वा	मू	ह	श्ले	स्वा	वि	चि	रे
२	३	४	३	२	३	१	३

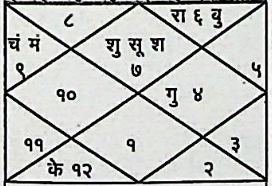

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टू	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।०६।०२।२९	१ शु	२४	५।३०	७।०६	९।०२	११।१७	१।३७	३।५४	६।१०	८।२९	१०।४७	१२।५२	२।३५	४।०४
०६।०७।०२।२६	२ श	२५	५।२६	७।०२	८।५८	११।१३	१।३३	३।५०	६।०६	८।२५	१०।४३	१२।४८	२।३१	४।००
०६।०८।०२।२६	३ र	२६	५।२२	६।५८	८।५४	११।०९	१।२९	३।४६	६।०२	८।२१	१०।३९	१२।४४	२।२७	३।५६
०६।०९।०२।२७	४ चं	२७	५।१८	६।५४	८।५०	११।०५	१।२५	३।४२	५।५८	८।१७	१०।३५	१२।४०	२।२३	३।५२
०६।१०।०२।३१	५ मं	२८	५।१४	६।५०	८।४६	११।०१	१।२१	३।३८	५।५४	८।१३	१०।३१	१२।३६	२।१९	३।४८
०६।११।०२।३७	६ बु	२९	५।१०	६।४६	८।४२	१०।५७	१।१७	३।३४	५।५०	८।०९	१०।२८	१२।३२	२।१५	३।४४
०६।१२।०२।४५	७ गु	३०	५।०६	६।४२	८।३८	१०।५३	१।१३	३।३०	५।४६	८।०५	१०।२४	१२।२८	२।१२	३।४०
०६।१३।०२।५५	८ शु	३१	५।०२	६।३८	८।३४	१०।४९	१।०९	३।२६	५।४२	८।०१	१०।२०	१२।२४	२।०८	३।३६
०६।१४।०३।०८	९ श	१	४।५८	६।३४	८।३१	१०।४५	१।०५	३।२२	५।३८	७।५७	१०।१६	१२।२०	२।०४	३।३२
०६।१५।०३।२२	१० र	२	४।५४	६।३०	८।२७	१०।४१	१।०१	३।१८	५।३४	७।५३	१०।१२	१२।१६	२।००	३।२८
०६।१६।०३।३८	११ चं	३	४।५०	६।२६	८।२३	१०।३७	१२।५७	३।१४	५।३०	७।४९	१०।०८	१२।१२	१।५६	३।२४
०६।१७।०३।५७	१२ मं	४	४।४६	६।२३	८।१९	१०।३३	१२।५३	३।१०	५।२६	७।४५	१०।०४	१२।०८	१।५२	३।२०
०६।१८।०४।१७	१३ बु	५	४।४२	६।१९	८।१५	१०।२९	१२।५०	३।०६	५।२२	७।४१	१०।००	१२।०५	१।४८	३।१६
०६।१९।०४।३९	१५ गु	६	४।३८	६।१५	८।११	१०।२६	१२।४६	३।०२	५।१८	७।३७	९।५६	१२।०१	१।४४	३।१२

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो, यथा- चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनांसमर्घता ॥ कार्तिक कृष्णा दशमी शनिवार को मेघ होने से घी और सुपारी महँगे हों । गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो । आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो । अमावस्या को चित्रा होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो । पूर्णिमा अश्विनी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

अयनांशाः २४।०२।५६

पं.३० का.शु.१२ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	८	५	३	६	७	५	११
१७	१२	२९	२६	१९	००	२३	२३
२९	२२	०९	३७	५९	१८	५५	५५
१४	२८	४१	४८	११	१३	३२	३२
६०	४४	७६	६	७५	७	३	३
०९	५८	३१	०८	१९	०२	११	११
स्वा	मू	चि	श्ले	स्वा	वि	चि	रे
४	४	२	३	४	४	१	३

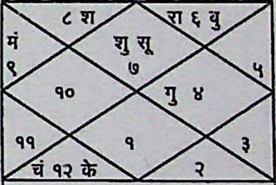

७ नवंबर से २२ नवंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिनासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	शु	४९	३३	२६	३८	भर	२०	१४	१४	५५	व्य	१६	५०	१३	३३	बा	२१	०२	१५	१४	३७/०३	६/४९	५/३८	१६	१३	७	वृषे २०।४६	६।१९।५७।५०	६०।२६
ध्वजा	२	श	४७	३३	२५	५१	कृति	१९	१३	१४	३१	व	११	३८	११	२९	तै	१८	२१	१४	१०	२६/५९	५०	३७	१७	१४	८	वृषे	६।२०।५८।१६	६०।२८
धाता	३	र	४७	०६	२५	४१	रोहि	१९	३५	१४	४१	प	७	३२	९	५१	व	१७	०६	१३	४१	५६	५१	३७	१८	१५	९	मिथु. २६।५९	६।२१।५८।४४	६०।३०
च.व्र.	४	सो	४८	१९	२६	११	मृग	२१	३२	१५	२८	शि	४	४१	८	४४	ब	१७	२९	१३	५१	५३	५१	३६	१९	१६	१०	मिथु.	६।२२।५९।१४	६०।३२
चर	५	मं	५१	१६	२७	२३	आर्द्रा	२५	०९	१६	५५	सि	३	०९	८	०८	कौ	१९	३४	१४	४२	४९	५२	३६	२०	१७	११	मिथु.	६।२३।५९।४६	६०।३४
गद	६	बु	५५	४८	२९	१२	पुन	३०	२१	१९	०१	सा	२	५५	८	०३	ग	२३	२०	१६	१३	४६	५३	३५	२१	१८	१२	कर्के १२।२६	६।२५।००।१९	६०।३५
शुभ	७	गु	...	...	...	...	पुष्य	३६	५३	२१	३९	शु	३	५०	८	२५	वि	२८	३३	१८	११	४३	५४	३५	२२	१९	१३	कर्के	६।२६।००।५५	६०।३७
मृत्यु	७	शु	१	३२	७	३१	श्ले	४४	१६	२४	३७	शु	५	३७	९	०९	व	१	३२	७	३१	४०	५४	३४	२३	२०	१४	सिंहे २४।३७	६।२७।०१।३२	६०।३९
पद्म	८	श	७	५९	१०	०७	मघा	५१	५४	२७	४१	ब्र	७	५३	१०	०४	कौ	७	५९	१०	०७	३७	५५	३४	२४	२१	१५	सिंहे	६।२८।०२।११	६०।४१
छत्र	९	र	१४	२५	१२	४२	पूफा	५९	०६	३०	३४	ऐ	१०	०९	१०	५९	ग	१४	२५	१२	४२	३४	५६	३३	२५	२२	१६	सिंहे	६।२९।०२।५१	६०।४२
श्रीवत्स	१०	सो	२०	१३	१५	०२	उफा	...	...	...	...	वै	११	५६	११	४३	वि	२०	१३	१५	०२	३१	५७	३३	२६	२३	१७	कन्या १३।१४	७।००।०३।३४	६०।४४
ए.व्र.	११	मं	२४	५१	१६	५४	उफा	५	१७	९	०४	वि	१२	५४	१२	०७	बा	२४	५१	१६	५४	२८	५७	३३	२७	२४	१८	कन्या	७।०१।०४।१८	६०।४६
आनन्द	१२	बु	२७	५७	१८	०९	हस्त	१०	०९	११	०२	प्री	१२	४५	१२	०४	तै	२७	५७	१८	०९	२५	५८	३२	२८	२५	१९	तुला. २३।४७	७।०२।०५।०४	६०।४७
प्र.व्र.	१३	गु	२९	२५	१८	४५	चित्रा	१३	२७	१२	२२	आ	११	२२	११	३२	व	२९	२५	१८	४५	२२	५९	३२	२९	२६	२०	तुला.	७।०३।०५।५१	६०।४९
गद	१४	शु	२९	१६	१८	४२	स्वा	१५	१०	१३	०४	सौ	८	४३	१०	२९	श	२९	१६	१८	४२	२०	७/००	३२	३०	२७	२१	तुला.	७।०४।०६।४०	६०।५१
अमाव.	३०	श	२७	३६	१८	०३	विशा	१५	२३	१३	१०	शो	४/५९	५१/५४	८/३०	५७/५८	ना	२७	३६	१८	०३	१७	०१	३१	१	२८	२२	वृश्चि. ७।१२	७।०५।०७।३१	६०।५२

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

विशा. सौरः ७।४१
[A धनुषि भानुः १५।०९, उषा. भौमः २७।२३
भ. १३।४१ उ. २५।४१ या., सौभाग्य सुंदरी व्र.,स्वा. बुधः १६।५२
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४५
वृश्चिके शुक्रः ३०।१८
भ. २९।१२ उ.
भ. १८।१९ या. [B (सौरः २९।३२)
कालभैरवाष्टमी, नेहरुजयन्ती (बालदिवस), अनु. शुक्रः २२।०३
हस्ते-४ राहुः ११।०३, रेव.-२ केतुः ११।०३
भ. २५।५५ उ., आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः १७।३८ [B
भ. १५।०२ या., विशा. बुधः ३०।५६
उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र.
अनु. रविः २४।५७, बुधास्तः पूर्वस्याम् १४।२२
भ. १८।४५ उ. ३०।४८ या., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., C
महाव्रतारंभः [C अनु. सौरः १२।३४
देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन A

अयनांशाः २४।०२।५७

पं.३१ मा.कृ. ५ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	८	६	३	६	७	५	११
२४	१७	०९	२७	२८	०१	२३	२३
३०	३८	०२	१७	४६	०७	३३	३३
५७	३५	५३	२८	२८	४४	१७	१७
६०	४५	९१	५	७५	७	३	३
२२	२४	५५	०२	२१	०७	१२	११
वि	पूषा	स्वा	श्ले	वि	वि	चि	रे
२	२	१	४	३	४	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. नवं.	मेष दिवा	वृष सायँ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक प्रातः	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०६।२०।०५।०४	१ शु	७	४।३५	६।११	८।०७	१०।२२	१२।४२	२।५९	५।१४	७।३३	९।५२	११।५७	१।४०	३।०९
०६।२१।०५।३०	२ श	८	४।३१	६।०७	८।०३	१०।१८	१२।३८	२।५५	५।१०	७।३०	९।४८	११।५३	१।३६	३।०५
०६।२२।०५।५८	३ र	९	४।२७	६।०३	७।५९	१०।१४	१२।३४	२।५१	५।०६	७।२६	९।४४	११।४९	१।३२	३।०१
०६।२३।०६।२८	४ चं	१०	४।२३	५।५९	७।५५	१०।१०	१२।३०	२।४७	५।०३	७।२२	९।४०	११।४५	१।२८	२।५७
०६।२४।०७।००	५ मं	११	४।१९	५।५५	७।५१	१०।०६	१२।२६	२।४३	४।५९	७।१८	९।३६	११।४१	१।२४	२।५३
०६।२५।०७।३४	६ बु	१२	४।१५	५।५१	७।४७	१०।०२	१२।२२	२।३९	४।५५	७।१४	९।३२	११।३७	१।२०	२।४९
०६।२६।०८।१०	७ गु	१३	४।११	५।४७	७।४३	९।५८	१२।१८	२।३५	४।५१	७।१०	९।२८	११।३३	१।१६	२।४५
०६।२७।०८।४७	७ शु	१४	४।०७	५।४३	७।३९	९।५४	१२।१४	२।३१	४।४७	७।०६	९।२४	११।२९	१।१२	२।४१
०६।२८।०९।२७	८ श	१५	४।०३	५।३९	७।३५	९।५०	१२।१०	२।२७	४।४३	७।०२	९।२०	११।२५	१।०८	२।३७
०६।२९।१०।०८	९ र	१६	३।५९	५।३५	७।३१	९।४६	१२।०६	२।२३	४।३९	६।५८	९।१७	११।२१	१।०४	२।३३
०७।००।१०।५०	१० चं	१७	३।५५	५।३१	७।२७	९।४२	१२।०२	२।१९	४।३५	६।५४	९।१३	११।१७	१।०१	२।२९
०७।०१।११।३५	११ मं	१८	३।५१	५।२७	७।२३	९।३८	११।५८	२।१५	४।३१	६।५०	९।०९	११।१३	१२।५७	२।२५
०७।०२।१२।२१	१२ बु	१९	३।४७	५।२३	७।२०	९।३४	११।५४	२।११	४।२७	६।४६	९।०५	११।०९	१२।५३	२।२१
०७।०३।१३।०८	१३ गु	२०	३।४३	५।१९	७।१६	९।३०	११।५०	२।०७	४।२३	६।४२	९।०१	११।०५	१२।४९	२।१७
०७।०४।१३।५८	१४ शु	२१	३।३९	५।१५	७।१२	९।२६	११।४६	२।०३	४।१९	६।३८	८।५७	११।०१	१२।४५	२।१३
०७।०५।१४।४८	३० श	२२	३।३५	५।१२	७।०८	९।२२	११।४२	१।५९	४।१५	६।३४	८।५३	१०।५७	१२।४१	२।०९

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०१४
मार्ग. कृ. ९ रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।३८ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ११।१४ से १७।३८ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २४।०२।५८

पं.३२ मा.कृ.११ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	६	३	७	७	५	११
०१	२२	२०	२७	०७	०१	२३	२३
३४	५७	००	४९	३३	५७	११	११
०५	३४	०४	०३	५५	४१	०१	०१
६०	४५	९५	३	७५	७	३	३
३३	४७	२१	५०	२२	०९	१२	११
वि	पूषा	वि	श्ले	अनु	वि	ह	रे
४	३	१	४	२	४	४	२

२३ नवंबर से ६ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, क्रिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	१	र	२४	३६	१६	५२	अनु	१४	१७	१२	४४	सु	५४	०१	२८	३८	व	२४	३६	१६	५२	२६/१५	०७/०१	५/३१	२	२९	२३	वृश्चि.	७।०६।०८।२३	६०।५४
पद्म	२	सो	२०	३५	१५	१६	ज्ये	१२	०४	११	५२	धृ	४७	२३	२५	५९	कौ	२०	३५	१५	१६	१२	०२	३१	३	१	२४	धनु. ११।५२	७।०७।०९।१६	६०।५५
छत्र	३	मं	१५	४४	१३	२०	मूल	९	०३	१०	४०	शू	४०	१३	२३	०८	ग	१५	४४	१३	२०	१०	०३	३१	४	२	२५	धनु.	७।०८।१०।११	६०।५७
श्रीवत्स	४	बु	१०	२४	११	१३	पूषा	५	२९	९	१५	गं	३२	४५	२०	१०	वि	१०	२४	११	१३	०७	०४	३१	५	३	२६	मक. १४।५३	७।०९।११।०८	६०।५८
ध्वाङ्क्ष	५	गु	४	४९	९	००	उषा	१	४०	७	४५	वृ	२५	१०	१७	०९	बा	४	४९	९	००	०५	०४	३०	६	४	२७	मक.	७।१०।१२।०६	६०।५९
क्षयः	६	गु	५९	१७	३०	४७	श्रव	५७	५२	३०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
धाता	७	शु	५३	५२	२८	३८	धनि	५४	१२	२८	४६	ध्रु	१७	३८	१४	०९	ग	२६	३१	१७	४२	०३	०५	३०	७	५	२८	कुंभे १७।२९	७।११।१३।०५	६१।०१
आनन्द	८	श	४८	४४	२६	३६	शत	५०	४८	२७	२५	व्या	१०	१६	११	१३	वि	२१	१५	१५	३६	०१	०६	३०	८	६	२९	कुंभे	७।१२।१४।०६	६१।०२
चर	९	र	४३	५९	२४	४३	पूभा	४७	४७	२६	१४	ह	३/५६	१०/२४	८/२६	३३/४१	बा	१६	१८	१३	३८	२५/५९	०७	३०	९	७	३०	मीने २०।३१	७।१३।१५।०८	६१।०३
गद	१०	सो	३९	४०	२३	००	उभा	४५	११	२५	१२	सि	४९	५८	२७	०७	तै	११	४५	११	४९	५७	०८	३०	१०	८	१	मीने	७।१४।१६।११	६१।०४
ए.व्र.	११	मं	३५	४८	२१	२८	रेव	४३	०३	२४	२१	व्य	४३	५३	२४	४१	व	७	३९	१०	१२	५५	०८	३०	११	९	२	मेषे २४।२१	७।१५।१७।१६	६१।०६
मृत्यु	१२	बु	३२	२९	२०	०९	अश्वि	४१	२७	२३	४४	व	३८	१४	२२	२७	ब	४	०४	८	४७	५३	०९	३०	१२	१०	३	मेषे	७।१६।१८।२१	६१।०७
प्र.व्र.	१३	गु	२९	४८	१९	०५	भर	४०	२९	२३	२२	प	३३	०७	२०	२५	कौ	१	०२	७	३५	५१	१०	३०	१३	११	४	वृषे २९।१९	७।१७।१९।२८	६१।०८
छत्र	१४	शु	२७	५४	१८	२०	कृति	४०	१९	२३	१८	शि	२८	३६	१८	३७	व	२७	५४	१८	२०	४९	११	३०	१४	१२	५	वृषे	७।१८।२०।३६	६१।०९
पूर्णिमा	१५	श	२६	५६	१७	५८	रोहि	४१	०७	२३	३८	सि	२४	५०	१७	०७	व	२६	५६	१७	५८	४८	११	३०	१५	१३	६	वृषे	७।१९।२१।४५	६१।१०

केतकी अहर्गणः १३२७ हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर-दिसंबर २०१४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.१५)

रंभास्त्येयं, सफर २, वृश्चिके बुधः १३।५२

भ. २४।१८ उ., ज्येष्ठा. शुक्रः १२।५६

भ. ११।१३ या., अनु. बुधः १६।१६

नागपंचमी, स्कंदषष्ठी, मकरे भौमः ११।३६

[D पंचक प्रारम्भः १७।२९,

भ. २८।३८ उ., शुक्रोदयः पश्चिमायाम् १९।४० D

भ. १५।३६ या., अनु.-१ शनिः २०।२५

कल्पादि [B ११ व्र., गीता जयंती, ज्येष्ठा. रविः २९।१३, C

दिसंबर १२ ता. ३१ [C शनेरुदयः पूर्वस्याम् २२।०१

भ. १०।१२ उ. २१।२८ या., पंचक समाप्तिः २४।२१, मोक्षदा B

ज्येष्ठा. सौरः १५।३९ [A व्रतंपुण्यञ्च, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा

प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र., ज्येष्ठा. बुधः २७।०८

भ.१८।२० उ.३०।०६ या.,पिशाचमोचन श्राद्धं,धनुषि मूले शुक्रः२७।४६

मृगे रे. ६ ।SIISSISII रात्रौ लग्न ५, ८, श्रीदत्त जयंती,पूर्णिमा A

शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०२।५९

पं.३३ मा.शु. ३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	८	७	३	७	७	५	११
०८	२८	०१	२८	१६	०२	२२	२२
३८	१९	०८	११	२१	४७	४८	४८
२९	०३	१३	५८	३१	३९	४४	४४
६०	४६	९५	२	७५	७	३	३
४४	०६	१७	३३	२३	०७	१२	११
अनु	उषा	वि	श्ले	अनु	वि	ह	रे
२	१	४	४	४	४	४	२

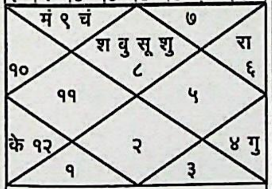

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. नवं.	मेष दिवा	वृष सायँ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक प्रातः	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०७।०६।१५।४१	१ र	२३	३।३१	५।०८	७।०४	९।१८	११।३९	१।५५	४।११	६।३०	८।४९	१०।५४	१२।३७	२।०५
०७।०७।१६।३५	२ चं	२४	३।२७	५।०४	७।००	९।१५	११।३५	१।५१	४।०७	६।२६	८।४५	१०।५०	१२।३३	२।०१
०७।०८।१७।३०	३ मं	२५	३।२४	५।००	६।५६	९।११	११।३१	१।४८	४।०३	६।२२	८।४१	१०।४६	१२।२९	१।५८
०७।०९।१८।२७	४ बु	२६	३।२०	४।५६	६।५२	९।०७	११।२७	१।४४	३।५९	६।१९	८।३७	१०।४२	१२।२५	१।५४
०७।१०।१९।२५	५ गु	२७	३।१६	४।५२	६।४८	९।०३	११।२३	१।४०	३।५५	६।१५	८।३३	१०।३८	१२।२१	१।५०
०७।११।२०।२४	७ शु	२८	३।१२	४।४८	६।४४	८।५९	११।१९	१।३६	३।५२	६।११	८।२९	१०।३४	१२।१७	१।४६
०७।१२।२१।२५	८ श	२९	३।०८	४।४४	६।४०	८।५५	११।१५	१।३२	३।४८	६।०७	८।२५	१०।३०	१२।१३	१।४२
०७।१३।२२।२७	९ र	३०	३।०४	४।४०	६।३६	८।५१	११।११	१।२८	३।४४	६।०३	८।२१	१०।२६	१२।०९	१।३८
०७।१४।२३।३१	१० चं	१	३।००	४।३६	६।३२	८।४७	११।०७	१।२४	३।४०	५।५९	८।१७	१०।२२	१२।०५	१।३४
०७।१५।२४।३६	११ मं	२	२।५६	४।३२	६।२८	८।४३	११।०३	१।२०	३।३६	५।५५	८।१३	१०।१८	१२।०१	१।३०
०७।१६।२५।४१	१२ बु	३	२।५२	४।२८	६।२४	८।३९	१०।५९	१।१६	३।३२	५।५१	८।०९	१०।१४	११।५७	१।२६
०७।१७।२६।४९	१३ गु	४	२।४८	४।२४	६।२०	८।३५	१०।५५	१।१२	३।२८	५।४७	८।०६	१०।१०	११।५३	१।२२
०७।१८।२७।५७	१४ शु	५	२।४४	४।२०	६।१६	८।३१	१०।५१	१।०८	३।२४	५।४३	८।०२	१०।०६	११।५०	१।१८
०७।१९।२९।०६	१५ श	६	२।४०	४।१६	६।१२	८।२७	१०।४७	१।०४	३।२०	५।३९	७।५८	१०।०२	११।४६	१।१४

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो ॥ प्रजावृद्धिस्तुभार्गवि ॥ इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। मार्गशीर्ष कृष्णा चतुर्दशी में स्वाति होने से वर्षा का अभाव हो। शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो पिता-पुत्रों में पराङ्मुखता हो। अमावस्या विशाखा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। मार्गशीर्ष शु. पंचमी गुरुवार होने से सुभिक्ष हो। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों। तुला राशि में बुध का अस्त होने से व्यापारी वस्तु महँगी हों। उत्तराषाढा पर मंगल होने से जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो। शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो।

अयनांशाः २४।०२।५९

पं.३४ मा.शु.११ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	७	३	७	७	५	११
१५	०३	१२	२८	२५	०३	२२	२२
४४	४२	१२	२५	०९	३७	२६	२६
०१	४०	४१	४५	११	१६	२८	२८
६०	४६	९४	१	७५	७	३	३
५२	२३	२८	१२	२३	०२	११	११
अनु	उषा	अनु	श्ले	ज्ये	अनु	ह	रे
४	३	३	४	३	१	४	२

७ दिसंबर से २१ दिसंबर तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमा सू. सू. तारीख — हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर २०१४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	स्टै. चंद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सौम्य	१	र	२७	०८	१८	०३	मृग	४३	०३	२४	२५	सा	२१	५६	१५	५८	कौ	२७	०८	१८	०३	२५/४६	७/१२	५/३१	१६	१४	७	मिथु. ११।५८	७।२०।२२।५५	६१।११	मृगे रे. ६ ।S॥SS।S॥ रात्रौ लग्न गोधूलि(२), ५
काल	२	सो	२८	३८	१८	४०	आर्द्रा	४६	१७	२५	४३	शु	२०	०२	१५	१३	ग	२८	३८	१८	४०	४५	१३	३१	१७	१५	८	मिथु.	७।२१।२४।०६	६१।१२	भ. ३१।११ उ.
च.व्र.	३	मं	३१	३२	१९	५०	पुन	५०	५२	२७	३४	शु	१९	११	१४	५४	वि	३१	३२	१९	५०	४४	१३	३१	१८	१६	९	कर्क २१।०४	७।२२।२५।१८	६१।१३	भ. १९।५० या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।२०, A
मातङ्ग	४	बु	३५	५२	२१	३५	पुष्य	५६	४७	२९	५७	ब्र	१९	२६	१५	००	ब	३	३१	८	३८	४३	१४	३१	१९	१७	१०	कर्क	७।२३।२६।३१	६१।१४	श्रव. भौमः १०।००
अमृत	५	गु	४१	२७	२३	५०	श्ले	...	...	...	...	ऐ	२०	३९	१५	३०	कौ	८	३०	१०	३९	४१	१५	३१	२०	१८	११	कर्क	७।२४।२७।४५	६१।१५	[A वक्री गुरुः १०।२२
मृत्यु	६	शु	४७	५२	२६	२४	श्ले	३	४४	८	४५	वै	२२	३६	१६	१८	ग	१४	३४	१३	०५	४०	१६	३२	२१	१९	१२	सिंहे ८।४५	७।२५।२९।००	६१।१६	भ. २६।२४ उ.
पद्म	७	श	५४	३५	२९	०६	मघा	११	२२	११	४९	वि	२४	५६	१७	१५	वि	२१	१३	१५	४५	४०	१६	३२	२२	२०	१३	सिंहे	७।२६।३०।१६	६१।१६	भ. १५।४५ या., धनुषि मूले बुधः १४।४१
छत्र	८	र	...	...	...	...	पूफा	१९	०३	१४	५४	प्री	२७	१२	१८	१०	बा	२७	४८	१८	२४	३९	१७	३२	२३	२१	१४	कन्या २१।३८	७।२७।३१।३२	६१।१७	
श्रीवत्स	८	सो	०	५१	७	३८	उफा	२६	०६	१७	४४	आ	२८	५५	१८	५१	कौ	०	५१	७	३८	३८	१७	३३	२४	२२	१५	कन्या	७।२८।३२।४९	६१।१८	[B पूषा. शुक्रः १८।३७
सौम्य	९	मं	६	०५	९	४४	हस्त	३१	५५	२०	०४	सौ	२९	३९	१९	०९	ग	६	०५	९	४४	३७	१८	३३	२५	२३	१६	कन्या	७।२९।३४।०७	६१।१९	भ. २२।३३ उ., धनुषि मूले रविः ८।१२ (सौरः १७।२६), B
काल	१०	बु	९	४२	११	१२	चित्रा	३६	०४	२१	४४	शो	२९	०४	१८	५६	वि	९	४२	११	१२	३७	१९	३३	२६	२४	१७	तुला. ९।००	८।००।३५।२६	६१।१९	भ. ११।१२ या.
ए.व्र.	११	गु	११	२५	११	५३	स्वा	३८	१९	२२	३९	अ	२६	५९	१८	०७	बा	११	२५	११	५३	३६	१९	३४	२७	२५	१८	तुला.	८।०१।३६।४५	६१।२०	सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२
प्र.व्र.	१२	शु	११	०७	११	४७	विशा	३८	३६	२२	४६	सु	२३	२१	१६	४०	तै	११	०७	११	४७	३६	२०	३४	२८	२६	१९	वृश्चि. १६।४९	८।०२।३८।०५	६१।२०	प्रदोषः
अमृत	१३	श	८	५२	१०	५३	अनु	३७	०५	२२	१०	धृ	१८	१३	१४	३७	व	८	५२	१०	५३	३६	२०	३५	२९	२७	२०	वृश्चि.	८।०३।३९।२५	६१।२१	भ. १०।५३ उ. २२।१० या., मासिकशिवरात्री व्र.
अमाव.	१४	र	४	५१	९	१७	ज्ये	३३	५९	२०	५७	शू	११	४४	१२	०२	श	४	५१	९	१७	३६	२१	३५	३०	२८	२१	धनु. २०।५७	८।०४।४०।४६	६१।२१	देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, सायन मकरे भानुः, सायन उत्तरायण C
क्षयः	३०	र	५९	२७	३१	०८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[C प्रारम्भ २८।२८, पूषा. बुधः २४।०८

अयनांशाः २४।०३।००

पं.३५ पौ.कृ. ३ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	७	३	८	७	५	११
२२	०९	२३	२८	०३	०४	२२	२२
५०	०८	१२	३०	५६	२६	०४	०४
३०	०२	५९	०४	५२	०६	१२	१२
६०	४६	९४	०	७५	६	३	३
५९	३६	२०	१०	२३	५३	११	११
ज्ये	उषा	ज्ये	श्ले	मू	अनु	ह	रे
२	४	२	४व	२	१	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. दिसं	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन सायं	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु प्रातः	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०७।२०।३०।१६	१ र	७	२।३६	४।१२	६।०९	८।२३	१०।४३	१।००	३।१६	५।३५	७।५४	९।५८	११।४२	१।१०
०७।२१।३१।२८	२ चं	८	२।३२	४।०८	६।०५	८।१९	१०।३९	१२।५६	३।१२	५।३१	७।५०	९।५४	११।३८	१।०६
०७।२२।३२।४०	३ मं	९	२।२८	४।०४	६।०१	८।१५	१०।३५	१२।५२	३।०८	५।२७	७।४६	९।५०	११।३४	१।०२
०७।२३।३३।५३	४ बु	१०	२।२४	४।०१	५।५७	८।११	१०।३१	१२।४८	३।०४	५।२३	७।४२	९।४६	११।३०	१२।५८
०७।२४।३५।०७	५ गु	११	२।२०	३।५७	५।५३	८।०७	१०।२८	१२।४४	३।००	५।१९	७।३८	९।४३	११।२६	१२।५४
०७।२५।३६।२२	६ शु	१२	२।१६	३।५३	५।४९	८।०४	१०।२४	१२।४०	२।५६	५।१५	७।३४	९।३९	११।२२	१२।५०
०७।२६।३७।३८	७ श	१३	२।१३	३।४९	५।४५	८।००	१०।२०	१२।३७	२।५२	५।११	७।३०	९।३५	११।१८	१२।४७
०७।२७।३८।५५	८ र	१४	२।०९	३।४५	५।४१	७।५६	१०।१६	१२।३३	२।४८	५।०८	७।२६	९।३१	११।१४	१२।४३
०७।२८।४०।१२	८ चं	१५	२।०५	३।४१	५।३७	७।५२	१०।१२	१२।२९	२।४४	५।०४	७।२२	९।२७	११।१०	१२।३९
०७।२९।४१।३०	९ मं	१६	२।०१	३।३७	५।३३	७।४८	१०।०८	१२।२५	२।४१	५।००	७।१८	९।२३	११।०६	१२।३५
०८।००।४२।४९	१० बु	१७	१।५७	३।३३	५।२९	७।४४	१०।०४	१२।२१	२।३७	४।५६	७।१४	९।१९	११।०२	१२।३१
०८।०१।४४।०८	११ गु	१८	१।५३	३।२९	५।२५	७।४०	१०।००	१२।१७	२।३३	४।५२	७।१०	९।१५	१०।५८	१२।२७
०८।०२।४५।२८	१२ शु	१९	१।४९	३।२५	५।२१	७।३६	९।५६	१२।१३	२।२९	४।४८	७।०६	९।११	१०।५४	१२।२३
०८।०३।४६।४९	१३ श	२०	१।४५	३।२१	५।१७	७।३२	९।५२	१२।०९	२।२५	४।४४	७।०२	९।०७	१०।५०	१२।१९
०८।०४।४८।१०	१४ र	२१	१।४१	३।१७	५।१३	७।२८	९।४८	१२।०५	२।२१	४।४०	६।५८	९।०३	१०।४६	१२।१५

संक्रांति फलम्

ता. १६ दिसंबर २०१४
पौष कृ. ९ भौमे धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. ८।१२ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) ८।१२ से १४।३६ तक। (दान- वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०३।०१

पं.३६ पौ.कृ. ९ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	८	३	८	७	५	११
२९	१४	०४	२८	१२	०५	२१	२१
५७	३४	१५	२४	४४	१३	४१	४१
४३	४७	२०	४५	२८	४७	५६	५६
६१	४६	९५	१	७५	६	३	३
०५	४६	१०	३३	२२	४१	११	११
ज्ये	श्र	मू	श्ले	मू	अनु	ह	रे
४	२	२	४व	४	१	४	२

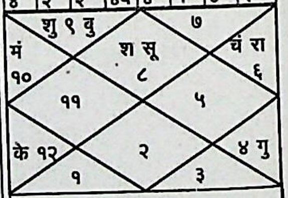

२२ दिसंबर से ५ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमा सू. सू. तारीख रटं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	केतकी अहर्गणः १३५६ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, दिसं.२०१४- जनवरी-१५
																															यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
लुम्वक	१	सो	५३	००	२८	३३	मूल	२९	४१	१९	१४	गं	४ ५५	०१ ४६	९ २२	०१ ४०	किं	२६	१८	१७	५३	३५ ३६	७ २१	५ ३६	१	२९	२२	धनु.	८।०५।४२।०७	६१।२२	भा. पोषारंभः, अयन करिदिन
मित्र	२	मं	४५	५३	२५	४३	पूषा	२४	३५	१७	१२	ध्रु	४६	५२	२६	०७	वा	१९	२९	१५	०९	३६	२२	३६	२	३०	२३	मक. २२।३९	८।०६।४३।२९	६१।२२	चंद्रदर्शनम् (मु.४५)
वज्र	३	बु	३८	३३	२२	४८	उषा	१९	०५	१५	००	व्या	३७	४९	२२	३०	तै	१२	१३	१२	१५	३६	२२	३७	३	१	२४	मक	८।०७।४४।५१	६१।२२	रविलावल ३
ध्वजा	४	गु	३१	२४	१९	५६	श्रव	१३	३७	१२	५०	ह	२८	५२	१८	५६	व	४	५६	९	२१	३६	२३	३७	४	२	२५	कुंभे २३।४७	८।०८।४६।१४	६१।२३	भ. ९।२१ उ. १९।५६ या., पंचक प्रारम्भः २३।४७, बडादिन
धाता	५	शु	२४	४३	१७	१६	धनि	८	३२	१०	४८	व	२०	१८	१५	३१	वा	२४	४३	१७	१६	३७	२३	३८	५	३	२६	कुंभे	८।०९।४७।३६	६१।२३	[A (सौरः १८।२७), मकरे शुक्रः २५।२१, अनु.-२ शनिः १४।३५
आनन्द	६	श	१८	४७	१४	५४	शत	४	०६	९	०२	सि	१२	१९	१२	१९	तै	१८	४७	१४	५४	३७	२४	३८	६	४	२७	मीने २५।५६	८।१०।४८।५९	६१।२३	धनि. भौमः १२।२५, उषा. शुक्रः ९।३५
चर	७	र	१३	४३	१२	५३	पूभा	० ५७	३९ १४	७ ३०	३६ ३३	व्य	५ ५८	०३ ३३	९ ३०	३५ ४९	व	१३	४३	१२	५३	३८	२४	३९	७	५	२८	मीने	८।११।५०।२३	६१।२३	भ. १२।५३ उ. २४।०१ या.
मातङ्ग	८	सो	९	३८	११	१६	रेव	५६	१३	२९	५४	प	५२	४९	२८	३२	व	९	३८	११	१६	३९	२४	४०	८	६	२९	मेषे २९।५४	८।१२।५१।४६	६१।२४	पंचक समाप्तिः २९।५४, शांकभरी यात्रा, पूषा. रविः १०।२३ A
अमृत	९	मं	६	३१	१०	०१	अश्वि	५५	२९	२९	३६	शि	४७	५१	२६	३३	कौ	६	३१	१०	०१	३९	२५	४०	९	७	३०	मेषे	८।१३।५३।१०	६१।२४	उषा. बुधः ७।५४, बुधोदयः पश्चिमायाम् २०।४३
काण	१०	बु	४	२३	९	१०	भर	५५	३८	२९	४०	सि	४३	३६	२४	५१	ग	४	२३	९	१०	४०	२५	४१	१०	८	३१	मेषे	८।१४।५४।३३	६१।२४	भ. २०।५२ उ.
ए.व्र.	११	गु	३	०९	८	४१	कृति	५६	४०	३०	०५	सा	४०	०३	२३	२६	वि	३	०९	८	४१	४१	२५	४२	११	९	१	वृषे ११।४५	८।१५।५५।५७	६१।२४	भ. ८।४१ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि, जनवरी १ ता. ३१ B
प्र.व्र.	१२	शु	२	४८	८	३३	रोहि	५८	३५	३०	५१	शु	३७	११	२२	१८	वा	२	४८	८	३३	४२	२५	४२	१२	१०	२	वृषे	८।१६।५७।२१	६१।२४	प्रदोषः [B सन २०१५ ई., मकरे बुधः १०।१६
वज्र	१३	श	३	२३	८	४७	मृग	...	...	...	...	शु	३५	०४	२१	२७	तै	३	२३	८	४७	४३	२६	४३	१३	११	३	मिथु. १९।२३	८।१७।५८।४४	६१।२४	[C कुंभे भौमः २४।५४
सौम्य	१४	र	४	५४	९	२३	मृग	१	२३	७	५९	ब्र	३३	३९	२०	५३	व	४	५४	९	२३	४५	२६	४४	१४	१२	४	मिथु.	८।१९।००।०८	६१।२३	भ. ९।२३ उ. २१।५१ या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, C
पूर्णिमा	१५	सो	७	२५	१०	२४	आर्द्रा	५	०९	९	३०	ऐ	३३	०२	२०	३९	व	७	२५	१०	२४	४६	२६	४५	१५	१३	५	कर्क २८।५४	८।२०।०१।३२	६१।२३	पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नानारंभः

अयनांशाः २४।०३।०२

पं.३७ पो.शु. २ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	८	३	८	७	५	११
०७	२०	१५	२८	२१	०५	२१	२१
०५	०२	२४	०९	३१	५९	१९	१९
२९	३४	५७	५०	५४	५४	४०	४०
६१	४६	९६	२	७५	६	३	३
०८	५३	१२	५४	१९	२६	११	११
मू	श्र	पूषा	श्ले	पूषा	अनु	ह	रे
३	४	१	४व	३	१	४	२

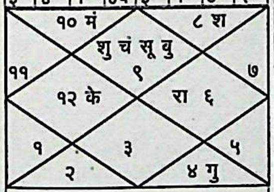

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०८।०५।४९।३१	१ चं	२२	१।३७	३।१३	५।०९	७।२४	९।४४	१२।०१	२।१७	४।३६	६।५५	८।५९	१०।४२	१२।११
०८।०६।५०।५३	२ मं	२३	१।३३	३।०९	५।०५	७।२०	९।४०	११।५७	२।१३	४।३२	६।५१	८।५५	१०।३९	१२।०७
०८।०७।५२।१५	३ बु	२४	१।२९	३।०५	५।०१	७।१६	९।३६	११।५३	२।०९	४।२८	६।४७	८।५१	१०।३५	१२।०३
०८।०८।५३।३८	४ गु	२५	१।२५	३।०१	४।५८	७।१२	९।३२	११।४९	२।०५	४।२४	६।४३	८।४७	१०।३१	११।५९
०८।०९।५५।०१	५ शु	२६	१।२१	२।५७	४।५४	७।०८	९।२८	११।४५	२।०१	४।२०	६।३९	८।४३	१०।२७	११।५५
०८।१०।५६।२४	६ श	२७	१।१७	२।५३	४।५०	७।०४	९।२४	११।४१	१।५७	४।१६	६।३५	८।३९	१०।२३	११।५१
०८।११।५७।४७	७ र	२८	१।१३	२।५०	४।४६	७।००	९।२१	११।३७	१।५३	४।१२	६।३१	८।३५	१०।१९	११।४७
०८।१२।५९।११	८ चं	२९	१।०९	२।४६	४।४२	६।५६	९।१७	११।३३	१।४९	४।०८	६।२७	८।३२	१०।१५	११।४३
०८।१४।००।३४	९ मं	३०	१।०५	२।४२	४।३८	६।५३	९।१३	११।२९	१।४५	४।०४	६।२३	८।२८	१०।११	११।३९
०८।१५।०१।५८	१० बु	३१	१।०२	२।३८	४।३४	६।४९	९।०९	११।२६	१।४१	४।००	६।१९	८।२४	१०।०७	११।३६
०:।१६।०३।२२	११ गु	१	१२।५८	२।३४	४।३०	६।४५	९।०५	११।२२	१।३७	३।५७	६।१५	८।२०	१०।०३	११।३२
०८।१७।०४।४६	१२ शु	२	१२।५४	२।३०	४।२६	६।४१	९।०१	११।१८	१।३३	३।५३	६।११	८।१६	९।५९	११।२८
०८।१८।०६।०९	१३ श	३	१२।५०	२।२६	४।२२	६।३७	८।५७	११।१४	१।३०	३।४९	६।०७	८।१२	९।५५	११।२४
०८।१९।०७।३३	१४ र	४	१२।४६	२।२२	४।१८	६।३३	८।५३	११।१०	१।२६	३।४५	६।०३	८।०८	९।५१	११।२०
०८।२०।०८।५७	१५ चं	५	१२।४२	२।१८	४।१४	६।२९	८।४९	११।०६	१।२२	३।४१	५।५९	८।०४	९।४७	११।१६

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं ॥ एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः ॥ इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। पौष शुक्ला एकादशी को कृत्तिका होने से लाल वस्तुओं तथा धान्य के भावों में तेजी हो। पूर्णिमा आर्द्रा युक्त होने से महर्घता हो। पौष की पूर्णिमा को पुष्य का अभाव होने से महर्धता हो। कर्क का बृहस्पति वक्री होने से घोर दुर्भिक्ष हो तथा राजाओं में युद्ध हो। वैर के उपद्रव से राष्ट्रभंग हो, रसादि सब वस्तु घी तेल खांड और कपास आदि में महर्धता हो। धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

अयनांशाः २४।०३।०३

पं.३८ पो.शु. ९ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	९	८	३	९	७	५	११
१४	२५	२६	२७	००	०६	२०	२०
१३	३१	३८	४५	१९	४४	५७	५७
३४	००	०४	३८	००	०२	२४	२४
६१	४६	९५	४	७५	६	३	३
१०	५७	३४	११	१६	०७	११	११
पूषा	ध	पूषा	श्ले	उषा	अनु	ह	रे
१	१	४	४व	२	२	४	२

६ जनवरी से २० जनवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सुस्थिर	१	मं	१०	५९	११	५०	पुन	९	५६	११	२५	वै	३३	१२	२०	४३	कौ	१०	५९	११	५०	३५/४७	७/२६	५/४५	१६	१४	६	कर्के	८।२१।०२।५५	६१।२३
मातङ्ग	२	बु	१५	३८	१३	४१	पुष्य	१५	४३	१३	४४	वि	३४	१०	२१	०६	ग	१५	३८	१३	४१	४९	२६	४६	१७	१५	७	कर्के	८।२२।०४।१८	६१।२३
च.व्र.	३	गु	२१	५६	१५	५७	श्ले	२२	२७	१६	२५	प्री	३५	५०	२१	४७	वि	२१	१६	१५	५७	५१	२७	४७	१८	१६	८	सिंहे १६।२५	८।२३।०५।४१	६१।२३
काण	४	शु	२७	४१	१८	३१	मघा	२९	५५	१९	२५	आ	३८	०३	२२	४०	वा	२७	४१	१८	३१	५२	२७	४८	१९	१७	९	सिंहे	८।२४।०७।०४	६१।२२
लुम्बक	५	श	३४	३१	२१	१५	पूफा	३७	४६	२२	३३	सौ	४०	३१	२३	३९	कौ	१	०४	७	५२	५४	२७	४८	२०	१८	१०	कन्या २९।२०	८।२५।०८।२६	६१।२२
मित्र	६	र	४१	१२	२३	५६	उफा	४५	२८	२५	३८	शो	४२	५०	२४	३५	ग	७	५४	१०	३६	५६	२७	४९	२१	१९	११	कन्या	८।२६।०९।४९	६१।२२
वज्र	७	सो	४७	०८	२६	१८	हस्त	५२	२३	२८	२४	अ	४४	३५	२५	१७	वि	१४	१८	१३	१०	५८	२७	५०	२२	२०	१२	कन्या	८।२७।११।१०	६१।२१
ध्वाङ्क्ष	८	मं	५१	४०	२८	०७	चित्रा	५७	५७	३०	३७	सु	४५	१८	२५	३४	वा	१९	३७	१५	१७	२६/००	२७	५१	२३	२१	१३	तुला. १७।३६	८।२८।१२।३१	६१।२१
धूम्र	९	बु	५४	१९	२९	१०	स्वा	...	...	...	...	धृ	४४	३९	२५	१८	तै	२३	१५	१६	४५	०२	२७	५१	२४	२२	१४	तुला.	८।२९।१३।५२	६१।२०
सुस्थिर	१०	गु	५४	४९	२९	२२	स्वा	१	४१	८	०७	शू	४२	२२	२४	२४	व	२४	५१	१७	२३	०४	२७	५२	२५	२३	१५	वृश्चि. २६।४१	९।००।१५।१३	६१।२०
ए.व्र.	११	शु	५३	०५	२८	४१	विशा	३	२०	८	४६	गं	३८	२२	२२	४७	ब	२४	१४	१७	०८	०७	२६	५३	२६	२४	१६	वृश्चि.	९।०१।१६।३२	६१।१९
अमृत	१२	श	४९	१४	२७	०८	अनु	२	४८	८	३४	वृ	३२	३९	२०	३०	कौ	२१	२४	१६	००	०९	२६	५४	२७	२५	१७	वृश्चि.	९।०२।१७।५१	६१।१९
प्र.व्र.	१३	र	४३	३१	२४	५१	ज्ये	०/५५	१५/५७	७/२१	३२/३१	ध्रु	२५	२५	१७	३६	ग	१६	३५	१४	०४	११	२६	५५	२८	२६	१८	धनु. ७।३२	९।०३।१९।१०	६१।१८
उत्पात	१४	सो	३६	२३	२१	५९	पूषा	५०	१८	२७	३३	व्या	१६	५४	१४	१२	वि	१०	०६	११	२९	१४	२६	५६	२९	२७	१९	धनु.	९।०४।२०।२८	६१।१७
अमाव.	३०	मं	२८	१३	१८	४३	उषा	४३	४७	२४	५६	ह	७/५७	२५/२०	१०/३०	२४/२२	च	२	२५	८	२४	१७	२६	५६	३०	२८	२०	मक. ८।५६	९।०५।२१।४५	६१।१६

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

श्रव. शुक्रः २४।४८

भ. २६।४६ उ., श्रव. बुधः २२।४४

भ. १५।५७ या., तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २०।४७, सौभाग्य A

[A सुन्दरी व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी

[B श्लेपा.-३ गुरुः २४।४६

भ. २३।५६ उ., उषा. रविः १२।२० (सौरः १९।१५), (द) B

भ. १३।१० या., स्वामी विवेकानन्द जयंती

शत. भौमः १३।१८

मकरे रविः १८।५१ (सौरः २५।३०), निरयन उत्तरायनारंभः

भ. १७।२३ उ. २९।२२ या.

षट्तिला ११ व्र., सक्रान्ति करिदिन

तिल द्वादशी, धनि. शुक्रः १६।३०, हस्ते-३ राहुः ८।४०, C

भ. २४।५१ उ., प्रदोषः [C रेव.-१ केतुः ८।४०

भ. ११।२९ या., मासिकशिवरात्री व्र.

देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि, सायन कुंभे भानुः १५।०३

अयनांशाः २४।०३।०४

पं.३९ मा.कृ. १ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	१०	९	३	९	७	५	११
२१	००	०७	२७	०९	०७	२०	२०
२१	५९	३४	१२	०५	२६	३५	३५
४५	४७	११	३८	३७	०७	०८	०८
६१	४६	८९	५	७५	५	३	३
१०	५८	४३	२१	११	४५	११	११
पूषा	ध	उषा	श्ले	उषा	अनु	ह	रे
३	३	४	४व	४	२	४	२

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जन.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायँ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर प्रातः	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०८।२१।१०।२०	१ मं	६	१२।३८	२।१४	४।१०	६।२५	८।४५	११।०२	१।१८	३।३७	५।५५	८।००	९।४३	११।१२
०८।२२।११।४४	२ बु	७	१२।३४	२।१०	४।०६	६।२१	८।४१	१०।५८	१।१४	३।३३	५।५१	७।५६	९।३९	११।०८
०८।२३।१३।०७	३ गु	८	१२।३०	२।०६	४।०२	६।१७	८।३७	१०।५४	१।१०	३।२९	५।४८	७।५२	९।३५	११।०४
०८।२४।१४।२९	४ शु	९	१२।२६	२।०२	३।५८	६।१३	८।३३	१०।५०	१।०६	३।२५	५।४४	७।४८	९।३१	११।००
०८।२५।१५।५२	५ श	१०	१२।२२	१।५८	३।५४	६।०९	८।२९	१०।४६	१।०२	३।२१	५।४०	७।४४	९।२८	१०।५६
०८।२६।१७।१४	६ र	११	१२।१८	१।५४	३।५०	६।०५	८।२५	१०।४२	१२।५८	३।१७	५।३६	७।४०	९।२४	१०।५२
०८।२७।१८।३६	७ चं	१२	१२।१४	१।५०	३।४७	६।०१	८।२१	१०।३८	१२।५४	३।१३	५।३२	७।३६	९।२०	१०।४८
०८।२८।१९।५७	८ मं	१३	१२।१०	१।४६	३।४३	५।५७	८।१७	१०।३४	१२।५०	३।०९	५।२८	७।३२	९।१६	१०।४४
०८।२९।२१।१८	९ बु	१४	१२।०६	१।४२	३।३९	५।५३	८।१३	१०।३०	१२।४६	३।०५	५।२४	७।२८	९।१२	१०।४०
०९।००।२२।३८	१० गु	१५	१२।०२	१।३९	३।३५	५।४९	८।१०	१०।२६	१२।४२	३।०१	५।२०	७।२५	९।०८	१०।३६
०९।०१।२३।५८	११ शु	१६	११।५८	१।३५	३।३१	५।४६	८।०६	१०।२२	१२।३८	२।५७	५।१६	७।२१	९।०४	१०।३२
०९।०२।२५।१७	१२ श	१७	११।५५	१।३१	३।२७	५।४२	८।०२	१०।१९	१२।३४	२।५३	५।१२	७।१७	९।००	१०।२८
०९।०३।२६।३६	१३ र	१८	११।५१	१।२७	३।२३	५।३८	७।५८	१०।१५	१२।३०	२।५०	५।०८	७।१३	८।५६	१०।२५
०९।०४।२७।५४	१४ चं	१९	११।४७	१।२३	३।१९	५।३४	७।५४	१०।११	१२।२६	२।४६	५।०४	७।०९	८।५२	१०।२१
०९।०५।२९।११	३० मं	२०	११।४३	१।१९	३।१५	५।३०	७।५०	१०।०७	१२।२२	२।४२	५।००	७।०५	८।४८	१०।१७

अयनांशाः २४।०३।०५

पं.४० मा.कृ. ८ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	१०	९	३	९	७	५	११
२८	०६	१७	२६	१७	०८	२०	२०
२९	२८	१३	३२	५१	०५	१२	१२
४९	३२	४४	०५	३२	१०	५३	५३
६१	४६	६९	६	७५	५	३	३
०८	५७	०५	२१	०४	२०	११	११
उषा	ध	श्र	श्ले	श्र	अनु	ह	रे
१	४	३	३व	३	२	४	२

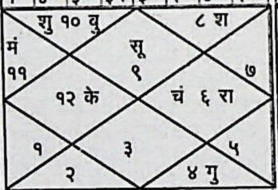

अयनांशाः २४।०३।०५

पं.४१ मा.कृ.३० मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	९	३	९	७	५	११
०५	११	२२	२५	२६	०८	१९	१९
३७	५६	५४	४५	३६	४१	५०	५०
३२	५९	३७	०७	३३	०५	३८	३८
६१	४६	१२	७	७४	४	३	३
०४	५२	५६	०९	५५	५१	११	११
उषा	श	श्र	श्ले	ध	अनु	ह	रे
३	२	४	३व	१	२	३	१

२१ जनवरी से ३ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमासू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	बु	१९	३२	१५	१४	श्रव	३६	५१	२२	१०	सि	४७	०२	२६	१४	व	१९	३२	१५	१४	२६/१९	७/२६	५/५७	१	२९	२१	मक.	९।०६।२३।०२	६१।१६
श्रीवत्स	२	गु	१०	४५	११	४३	धनि	३०	०१	१९	२६	व्य	३६	५२	२२	१०	कौ	१०	४५	११	४३	२२	२५	५८	२	१	२२	कुंभे ८।४७	९।०७।२४।१७	६१।१५
सौम्य	३	शु	२	२०	८	२१	शत	२३	४०	१६	५३	व	२७	१०	१८	१७	ग	२	२०	८	२१	२५	२५	५९	३	२	२३	कुंभे	९।०८।२५।३२	६१।१४
क्षयः	४	शु	५४	३९	२९	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
वसंत	५	श	४८	०१	२६	३७	पूभा	१८	१२	१४	४२	प	१८	१२	१४	४१	व	२१	११	१५	५३	२८	२५	६/०४	४	३	२४	मीने ९।१२	९।०९।२६।४६	६१।१३
सुस्थिर	६	र	४२	४०	२४	२८	उभा	१३	५४	१२	५८	शि	१०	१०	११	२८	कौ	१५	११	१३	२९	३०	२४	०१	५	४	२५	मीने	९।१०।२७।५९	६१।१२
मातङ्ग	७	सो	३८	४४	२२	५३	रेव	१०	५५	११	४६	सि	३/५७	१३/२४	८/३०	४१/२२	ग	१०	३१	११	३६	३३	२४	०१	६	५	२६	मेषे ११।४६	९।११।२९।१२	६१।११
अमृत	८	मं	३६	१५	२१	५३	अश्वि	९	२२	११	०९	शु	५२	४६	२८	३०	वि	७	१९	१०	१९	३६	२४	०२	७	६	२७	मेषे	९।१२।३०।२३	६१।१०
काण	९	बु	३५	१३	२१	२८	भर	९	१५	११	०५	शु	४९	१४	२७	०५	बा	५	३४	९	३७	४०	२३	०३	८	७	२८	वृषे १७।०९	९।१३।३१।३३	६१।०९
लुम्बक	१०	गु	३५	३३	२१	३६	कृति	१०	२९	११	३४	ब्र	४६	४३	२६	०४	तै	५	१३	९	२८	४३	२३	०४	९	८	२९	वृषे	९।१४।३२।४२	६१।०८
ए.ब्र.	११	शु	३७	०८	२२	१३	रोहि	१२	५९	१२	३४	ऐ	४५	१०	२५	२६	व	६	११	९	५१	४६	२२	०५	१०	९	३०	मिथु. २५।१४	९।१५।३३।५१	६१।०७
वज्र	१२	श	३९	५०	२३	१८	मृग	१६	३६	१४	००	वै	४४	२७	२५	०९	व	८	२२	१०	४३	४९	२२	०५	११	१०	३१	मिथु.	९।१६।३४।५८	६१।०६
प्र.ब्र.	१३	र	४३	३१	२४	४६	आर्द्रा	२१	१३	१५	५१	वि	४४	२९	२५	०९	कौ	११	३४	११	५९	५२	२१	०६	१२	११	१	मिथु.	९।१७।३६।०४	६१।०५
धूम्र	१४	सो	४८	०४	२६	३४	पुन	२६	४२	१८	०२	प्री	४५	१०	२५	२५	ग	१५	४२	१३	३८	५६	२१	०७	१३	१२	२	कर्के ११।२७	९।१८।३७।०८	६१।०४
पूर्णिमा	१५	मं	५३	२२	२८	४१	पुष्य	३२	५६	२०	३१	आ	४६	२४	२५	५४	वि	२०	३९	१५	३६	५९	२०	०८	१४	१३	३	कर्के	९।१९।३८।१२	६१।०२

केतकी अहर्गणः १३८६ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी-फरवरी २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टैं.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री वल्लभ जयंती, भा. माघारंभः, A
पंचक प्रारम्भः ८।४७, रविलास्यर ४, वक्री बुधः १०।२७, कुंभे C
भ. १८।४६ उ. २९।१७ या., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, D
[A अभि.प्र.रविः ७।५९ (सौरः १४।०४) [C शुक्रः २४।३७
वसन्त पञ्चमी, श्रव. रविः १४।३६ (सौरः २०।२६)
अभि.नि. रविः ११।३५ (सौरः १७।२०), बुधास्तः E
भ. २२।५३ उ., पंचक समाप्तिः ११।४६, मन्वादि, पुत्र ७, B
भ. १०।१९ या., भीष्माष्टमी [D नेताजी जयन्ती
शत. शुक्रः ८।५७ [E पश्चिमायाम् १९।११
[B रथ ७, अचला ७, गणराज्यदिवस
भ. ९।५१ उ. २२।१३ या., जया ११ व्र., पूभा. भौमः १५।०४
भीष्मद्वादशी
प्रदोषः, कल्पादि, फरवरी २ ता. २८
भ. २६।३४ उ.
भ. १५।३६ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः

अयनांशाः २४।०३।०६

पं.४२ मा.शु. ८ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	९	३	१०	७	५	११
१२	१७	२०	२४	०५	०९	१९	१९
४४	२४	२१	५३	२०	१३	२८	२८
४३	४८	४३	२०	२५	३२	२३	२३
६०	४६	६३	७	७४	४	३	३
५८	४६	२५	४१	४४	२०	११	११
श्र	श	श्र	श्ले	ध	अनु	ह	रे
१	४	४व	३व	४	२	३	१

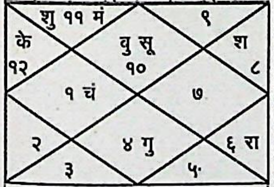

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।०६।३०।२७	१ बु	२१	११।३९	१।१५	३।११	५।२६	७।४६	१०।०३	१२।१९	२।३८	४।५६	७।०१	८।४४	१०।१३
०९।०७।३१।४३	२ गु	२२	११।३५	१।११	३।०७	५।२२	७।४२	९।५९	१२।१५	२।३४	४।५२	६।५७	८।४०	१०।०९
०९।०८।३२।५८	३ शु	२३	११।३१	१।०७	३।०३	५।१८	७।३८	९।५५	१२।११	२।३०	४।४८	६।५३	८।३६	१०।०५
०९।०९।३४।१२	५ श	२४	११।२७	१।०३	२।५९	५।१४	७।३४	९।५१	१२।०७	२।२६	४।४४	६।४९	८।३२	१०।०१
०९।१०।३५।२५	६ र	२५	११।२३	१२।५९	२।५५	५।१०	७।३०	९।४७	१२।०३	२।२२	४।४०	६।४५	८।२८	९।५७
०९।११।३६।३७	७ चं	२६	११।१९	१२।५५	२।५१	५।०६	७।२६	९।४३	११।५९	२।१८	४।३७	६।४१	८।२४	९।५३
०९।१२।३७।४८	८ मं	२७	११।१५	१२।५१	२।४७	५।०२	७।२२	९।३९	११।५५	२।१४	४।३३	६।३७	८।२१	९।४९
०९।१३।३८।५९	९ बु	२८	११।११	१२।४७	२।४३	४।५८	७।१८	९।३५	११।५१	२।१०	४।२९	६।३३	८।१७	९।४५
०९।१४।४०।०८	१० गु	२९	११।०७	१२।४३	२।४०	४।५४	७।१४	९।३१	११।४७	२।०६	४।२५	६।२९	८।१३	९।४१
०९।१५।४१।१६	११ शु	३०	११।०३	१२।३९	२।३६	४।५०	७।१०	९।२७	११।४३	२।०२	४।२१	६।२५	८।०९	९।३७
०९।१६।४२।२३	१२ श	३१	१०।५९	१२।३५	२।३२	४।४६	७।०६	९।२३	११।३९	१।५८	४।१७	६।२१	८।०५	९।३३
०९।१७।४३।२९	१३ र	१	१०।५५	१२।३२	२।२८	४।४२	७।०३	९।१९	११।३५	१।५४	४।१३	६।१८	८।०१	९।२९
०९।१८।४४।३४	१४ चं	२	१०।५१	१२।२८	२।२४	४।३९	६।५९	९।१५	११।३१	१।५०	४।०९	६।१४	७।५७	९।२५
०९।१९।४५।३७	१५ मं	३	१०।४७	१२।२४	२।२०	४।३५	६।५५	९।११	११।२७	१।४६	४।०५	६।१०	७।५३	९।२१

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०१५
माघ कृ. ९ बुधे मकरेऽर्कः प्र. (स्टैं.) टा. १८।५१ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टैं.) १८।५१ से गुरौ १०।५१ तक। (दान- काष्ट - अन्न)।

अयनांशाः २४।०३।०७

पं.४३ मा.शु.१५ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	९	३	१०	७	५	११
१९	२२	१२	२३	१४	०९	१९	१९
५१	५१	०१	५८	०२	४२	०६	०६
०८	४४	४१	३३	५३	०९	०८	०८
६०	४६	६३	७	७४	३	३	३
५१	३७	०७	५७	३०	४६	११	११
श्र	पूभा	श्र	श्ले	श	अनु	ह	रे
३	१	१व	३व	३	२	३	१

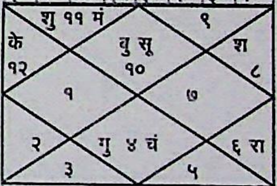

४ फरवरी से १८ फरवरी तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमा सू. सू. तारीख — स्टै. — प्रातः — दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
राक्षस	१	बु	५९	१८	३१	०३	श्ले	३९	४८	२३	१५	सौ	४८	०८	२६	३५	वा	२६	१७	१७	५०	२७/०३	७/२०	६/०९	१५	१४	४	सिंहे २३।१५	९।२०।३९।१४	६१।०१
मुसल	२	गु	...	...	...	...	मघा	४७	१२	२६	१२	शो	५०	१६	२७	२५	तै	३२	३०	२०	१९	०६	१९	०९	१६	१५	५	सिंहे	९।२१।४०।१५	६१।००
सिद्धि	२	शु	५	४७	९	३७	पूफा	५४	५७	२९	१७	अ	५२	३९	२८	२२	ग	५	४७	९	३७	०९	१८	१०	१७	१६	६	सिंहे	९।२२।४१।१५	६०।५८
च.व्र.	३	श	१२	३१	१२	१८	उफा	...	...	...	...	सु	५५	०७	२९	२०	वि	१२	३१	१२	१८	१३	१८	११	१८	१७	७	कन्या १२।०४	९।२३।४२।१४	६०।५७
मित्र	४	र	१९	१४	१४	५९	उफा	२	४६	८	२४	धृ	५७	१९	३०	१३	वा	१९	१४	१४	५९	१७	१७	१२	१९	१८	८	कन्या	९।२४।४३।११	६०।५६
वज्र	५	सो	२५	२५	१७	२६	हस्त	१०	१२	११	२१	शू	५८	५६	३०	५१	तै	२५	२५	१७	२६	२०	१६	१२	२०	१९	९	तुला. २४।४३	९।२५।४४।०६	६०।५४
ध्वाङ्क्ष	६	मं	३०	३३	१९	२९	चित्रा	१६	४७	१३	५८	गं	५९	३५	३१	०६	व	३०	३३	१९	२९	२४	१६	१३	२१	२०	१०	तुला.	९।२६।४५।०१	६०।५३
धूम्र	७	बु	३४	१०	२०	५५	स्वा	२२	००	१६	०३	वृ	५८	५६	३०	४९	वि	२	३७	८	१८	२८	१५	१४	२२	२१	११	तुला.	९।२७।४५।५३	६०।५१
प्रवर्धमा	८	गु	३५	५१	२१	३५	विशा	२५	२५	१७	२४	ध्रु	५६	४३	२९	५५	वा	५	१८	९	२२	३१	१४	१५	२३	२२	१२	वृश्चि. ११।०८	९।२८।४६।४५	६०।५०
राक्षस	९	शु	३५	२३	२१	२३	अनु	२६	४७	१७	५६	व्या	५२	४७	२८	२०	तै	५	५५	९	३५	३५	१३	१५	२४	२३	१३	वृश्चि.	९।२९।४७।३४	६०।४८
मुसल	१०	श	३२	४१	२०	१७	ज्ये	२६	००	१७	३७	ह	४७	०९	२६	०४	व	४	१९	८	५६	३९	१३	१६	२५	२४	१४	धनु. १७।३७	१०।००।४८।२३	६०।४७
ए.व्र.	११	र	२७	५६	१८	२२	मूल	२३	१०	१६	२८	व	३९	५६	२३	१०	ब	०	३४	७	२६	४३	१२	१७	२६	२५	१५	धनु.	१०।०१।४९।०९	६०।४५
प्र.व्र.	१२	सो	२१	२५	१५	४५	पूषा	१८	३३	१४	३६	सि	३१	२०	१९	४३	तै	२१	२५	१५	४५	४६	११	१८	२७	२६	१६	मक. २०।०३	१०।०२।४९।५४	६०।४४
शिवरा.	१३	मं	१३	३०	१२	३४	उषा	१२	३२	१२	११	व्य	२१	३९	१५	५०	व	१३	३०	१२	३४	५०	१०	१८	२८	२७	१७	मक.	१०।०३।५०।३८	६०।४२
अमाव.	१४	बु	४	३८	९	०१	श्रव	५	३३	९	२२	व	११	१७	११	४०	श	४	३८	९	०१	५४	०९	१९	२९	२८	१८	कुंभे १९।५३	१०।०४।५१।२०	६०।४०
क्षयः	३०	बु	५५	१४	२९	१५	घनि	५८	०२	३०	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

बुधोदयः पूर्वस्याम् ३०।२८

(व) उषा. बुधः ८।२४

भ. २२।५७ उ., धनि. रविः १७।४३ (सौरः २२।३३)

भ. १२।१८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१४, (व) श्लेषा.-२ B

[B गुरुः २७।२२, पूभा. शुक्रः २६।२६, अनु.-३ शनिः ३०।३५

[A भानुः २९।०५, श्रव. बुधः ३०।५४, उभा. शुक्रः २९।१५

भ. १९।२९ उ.

भ. ८।१८ या.

मीने भौमः १२।१४, मार्गी बुधः ९।४९

रामदास ९, कुंभे रविः ७।४५ (सौरः १२।०८)

भ. ८।५६ उ. २०।१७ या.

विजया ११ व्र., मीने शुक्रः २८।२४

प्रदोषः, उभा. भौमः १९।४८

भ. १२।३४ उ. २२।५० या., महाशिवरात्री व्रतम्

पंचक प्रारम्भः १९।५३, देवपितृकार्येऽमा., सायन मीने A

अयनांशाः २४।०३।०८

पं.४४ फा.कृ. ६ मं. इष्टघटी ०।००							
सु.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	९	३	१०	७	५	११
२६	२८	०७	२३	२२	१०	१८	१८
५६	१७	१९	०२	४३	०६	४३	४३
३८	३०	४४	४७	४१	४०	५३	५३
६०	४६	८	७	७४	३	३	३
४२	२६	१७	५६	१५	०९	११	११
घ	पूभा	उषा	श्ले	पूभा	अनु	ह	रे
२	३	४व	२व	१	३	३	१

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
०९।२०।४६।४०	१ बु	४	१०।४४	१२।२०	२।१६	४।३१	६।५१	९।०८	११।२३	१।४३	४।०१	६।०६	७।४९	९।१८
०९।२१।४७।४१	२ गु	५	१०।४०	१२।१६	२।१२	४।२७	६।४७	९।०४	११।१९	१।३९	३।५७	६।०२	७।४५	९।१४
०९।२२।४८।४०	२ शु	६	१०।३६	१२।१२	२।०८	४।२३	६।४३	९।००	११।१५	१।३५	३।५३	५।५८	७।४१	९।१०
०९।२३।४९।३९	३ श	७	१०।३२	१२।०८	२।०४	४।१९	६।३९	८।५६	११।१२	१।३१	३।४९	५।५४	७।३७	९।०६
०९।२४।५०।३६	४ र	८	१०।२८	१२।०४	२।००	४।१५	६।३५	८।५२	११।०८	१।२७	३।४५	५।५०	७।३३	९।०२
०९।२५।५१।३१	५ चं	९	१०।२४	१२।००	१।५६	४।११	६।३१	८।४८	११।०४	१।२३	३।४१	५।४६	७।२९	८।५८
०९।२६।५२।२५	६ मं	१०	१०।२०	११।५६	१।५२	४।०७	६।२७	८।४४	११।००	१।१९	३।३७	५।४२	७।२५	८।५४
०९।२७।५३।१८	७ बु	११	१०।१६	११।५२	१।४८	४।०३	६।२३	८।४०	१०।५६	१।१५	३।३३	५।३८	७।२१	८।५०
०९।२८।५४।०९	८ गु	१२	१०।१२	११।४८	१।४४	३।५९	६।१९	८।३६	१०।५२	१।११	३।३०	५।३४	७।१७	८।४६
०९।२९।५४।५९	९ शु	१३	१०।०८	११।४४	१।४०	३।५५	६।१५	८।३२	१०।४८	१।०७	३।२६	५।३०	७।१४	८।४२
१०।००।५५।४७	१० श	१४	१०।०४	११।४०	१।३६	३।५१	६।११	८।२८	१०।४४	१।०३	३।२२	५।२६	७।१०	८।३८
१०।०१।५६।३३	११ र	१५	१०।००	११।३६	१।३३	३।४७	६।०७	८।२४	१०।४०	१२।५९	३।१८	५।२२	७।०६	८।३४
१०।०२।५७।१८	१२ चं	१६	९।५६	११।३२	१।२९	३।४३	६।०३	८।२०	१०।३६	१२।५५	३।१४	५।१८	७।०२	८।३०
१०।०३।५८।०२	१३ मं	१७	९।५२	११।२८	१।२५	३।३९	५।५९	८।१६	१०।३२	१२।५१	३।१०	५।१४	६।५८	८।२६
१०।०४।५८।४३	१४ बु	१८	९।४८	११।२५	१।२१	३।३५	५।५६	८।१२	१०।२८	१२।४७	३।०६	५।११	६।५४	८।२२

संक्रांति फलम्

ता. १३ फरवरी २०१५
फा. कृ. ९ भृगौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ७।४५ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः गुरौ (स्टै.) २५।२१ से भृगौ ७।४५ तक। (दान- गोड़ - अन्न)।

अयनांशाः २४।०३।०९

पं.४५ फा.कृ.१३ मं. इष्टघटी ०।००							
सु.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	९	३	११	७	५	११
०४	०३	०८	२२	०१	१०	१८	१८
०१	४१	४४	०८	२२	२६	२१	२१
०१	५५	५५	००	३५	४६	३८	३८
६०	४६	३५	७	७३	२	३	३
३२	१३	२७	३७	५७	३०	११	११
ध	उभा	उषा	श्ले	पूभा	अनु	ह	रे
४	१	४	२व	४	३	३	१

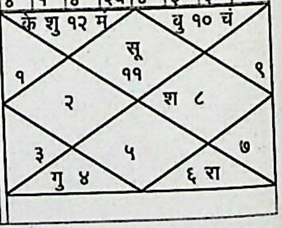

१९ फरवरी से ५ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | केतकी अहर्गणः १४१५ वसंतर्तू रविरुत्तरे, फरवरी-मार्च २०१५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिख्ये भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
वज्र	१	गु	४५	५०	२५	२९	शत	५०	३३	२७	२२	प	४९	३१/४५	७/२७	२९/५२	किं	२०	३२	१५	२१	२७/५८	७/०१	६/२०	३०	२९	१९	कुंभे	१०।०५।५२।००	६०।३८	शत. रविः २२।१२ (सौरः २६।०८)
फुलरि.	२	शु	३६	५०	२१	५१	पूभा	४३	३०	२४	३२	सि	३९	२१	२२	५२	बा	११	१७	११	३८	३६/४२	०८	२०	१	३०	२०	मीने १९।१३	१०।०६।५२।३८	६०।३७	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण B
धूम्र	३	श	२८	३६	१८	३३	उभा	३७	१७	२२	०२	सा	२९	३९	१८	५८	तै	२	३६	८	०९	०६	०७	२१	२	१	२१	मीने	१०।०७।५३।१५	६०।३५	भ. २९।०४ उ., जमादिलावल ५
प्रवर्धमा	४	र	२१	३१	१५	४२	रेव	३२	१६	२०	००	शु	२०	५१	१५	२६	वि	२१	३१	१५	४२	१०	०६	२२	३	२	२२	मेषे २०।००	१०।०८।५३।४९	६०।३३	भ. १५।४२ या., पंचक समाप्तिः २०।००
राक्षस	५	सो	१५	५२	१३	२६	अश्वि	२८	४३	१८	३४	शु	१३	१५	१२	२३	बा	१५	५२	१३	२६	१४	०५	२२	४	३	२३	मेषे	१०।०९।५४।२२	६०।३१	याज्ञवल्क्य जयंती [B परमहंस जयंती, भा. फाल्गुनारंभः
मुसल	६	मं	११	५२	११	४९	भर	२६	५०	१७	४८	ब्र	६	५७	९	५१	तै	११	५२	११	४९	१८	०४	२३	५	४	२४	वृषे २३।४३	१०।१०।५४।५४	६०।२९	[A के बाद, होलिका दहनं, करिदिन, पूभा. सौरः ७।३९, D
सिद्धि	७	बु	९	३८	१०	५४	कृति	२६	४३	१७	४४	ऐ	२/५८	०४/३५	७/३०	५३/२९	व	९	३८	१०	५४	२२	०३	२४	६	५	२५	वृषे	१०।११।५५।२३	६०।२७	भ. १०।५४ उ. २२।४३ या.
होलाष्ट.	८	गु	९	१४	१०	४४	रोहि	२८	२१	१८	२२	वि	५६	३०	२९	३८	ब	९	१४	१०	४४	२६	०२	२४	७	६	२६	मिथु. ३०।५७	१०।१२।५५।५१	६०।२६	मृगे, होलाष्टक
मानस	९	शु	१०	३५	११	१५	मृग	३१	३८	१९	४०	प्री	५५	३९	२९	१७	कौ	१०	३५	११	१५	३०	०१	२५	८	७	२७	मिथु.	१०।१३।५६।१६	६०।२४	[D रेव. भौमः २९।२७
मुद्गर	१०	श	१३	२९	१२	२४	आर्द्रा	३६	२२	२१	३३	आ	५५	५४	२९	२२	ग	१३	२९	१२	२४	३४	००	२६	९	८	२८	मिथु.	१०।१४।५६।४०	६०।२२	भ. २५।१० उ. [C के बाद, मार्च ३ ता. ३१, रेव. शुक्रः १७।४७
ए.व्र.	११	र	१७	४३	१४	०४	पुन	४२	१५	२३	५३	सौ	५६	५७	२९	४६	वि	१७	४३	१४	०४	३८	६/५३	२६	१०	९	१	कर्के १७।१६	१०।१५।५७।०२	६०।२०	भ. १४।०४ या.,आमलकी ११ व्र.,विड़कुला-ढाल थापणा भद्रा C
प्र.व्र.	१२	सो	२२	५८	१६	०९	पुष्य	४८	५९	२६	३४	शो	५८	३९	३०	२६	बा	२२	५८	१६	०९	४२	५८	२७	११	१०	२	कर्के	१०।१६।५७।२२	६०।१८	प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (खाटु)
आनन्द	१३	मं	२८	५३	१८	३०	श्ले	५६	१५	२९	२७	अ	...	...	...	...	तै	२८	५३	१८	३०	४६	५७	२८	१२	११	३	सिंहे २९।२७	१०।१७।५७।३९	६०।१६	धनि. बुधः २९।१९
चर	१४	बु	३५	१२	२१	०१	मघा	...	...	...	...	अ	०	४७	७	१५	ग	२	०२	७	४५	५०	५६	२८	१३	१२	४	सिंहे	१०।१८।५७।५५	६०।१४	भ. २१।०१ उ., पूभा. रविः २८।२८
होली	१५	गु	४१	४२	२३	३६	मघा	३	५१	८	२७	सु	३	०४	८	०९	वि	८	२८	१०	१८	५५	५५	२९	१४	१३	५	सिंहे	१०।१९।५८।०९	६०।१२	भ. १०।१८ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, जेलपोणी भद्रा A

अयनांशाः २४।०३।१०

पं.४६ फा.शु. ६ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	९	३	११	७	५	११
११	०९	१४	२१	०९	१०	१७	१७
०४	०४	१७	१६	५९	४२	५९	५९
०९	४३	३२	११	२०	१३	२३	२३
६०	४५	६०	७	७३	१	३	३
२०	५८	४६	०४	३८	४९	१०	१०
श	उभा	श्र	श्ले	उभा	अनु	ह	रे
२	२	२	२व	२	३	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।०५।५९।२३	१ गु	१९	९।४४	११।२१	१।१७	३।३२	५।५२	८।०८	१०।२४	१२।४३	३।०२	५।०७	६।५०	८।१८
१०।०७।००।०१	२ शु	२०	९।४१	११।१७	१।१३	३।२८	५।४८	८।०५	१०।२०	१२।३९	२।५८	५।०३	६।४६	८।१५
१०।०८।००।३८	३ श	२१	९।३७	११।१३	१।०९	३।२४	५।४४	८।०१	१०।१६	१२।३६	२।५४	४।५९	६।४२	८।११
१०।०९।०१।१३	४ र	२२	९।३३	११।०९	१।०५	३।२०	५।४०	७।५७	१०।१२	१२।३२	२।५०	४।५५	६।३८	८।०७
१०।१०।०१।४६	५ चं	२३	९।२९	११।०५	१।०१	३।१६	५।३६	७।५३	१०।०९	१२।२८	२।४६	४।५१	६।३४	८।०३
१०।११।०२।१७	६ मं	२४	९।२५	११।०१	१२।५७	३।१२	५।३२	७।४९	१०।०५	१२।२४	२।४२	४।४७	६।३०	७।५९
१०।१२।०२।४६	७ बु	२५	९।२१	१०।५७	१२।५३	३।०८	५।२८	७।४५	१०।०१	१२।२०	२।३८	४।४३	६।२६	७।५५
१०।१३।०३।१३	८ गु	२६	९।१७	१०।५३	१२।४९	३।०४	५।२४	७।४१	९।५७	१२।१६	२।३४	४।३९	६।२२	७।५१
१०।१४।०३।३९	९ शु	२७	९।१३	१०।४९	१२।४५	३।००	५।२०	७।३७	९।५३	१२।१२	२।३०	४।३५	६।१८	७।४७
१०।१५।०४।०२	१० श	२८	९।०९	१०।४५	१२।४१	२।५६	५।१६	७।३३	९।४९	१२।०८	२।२७	४।३१	६।१४	७।४३
१०।१६।०४।२४	११ र	१	९।०५	१०।४१	१२।३७	२।५२	५।१२	७।२९	९।४५	१२।०४	२।२३	४।२७	६।१०	७।३९
१०।१७।०४।४३	१२ चं	२	९।०१	१०।३७	१२।३३	२।४८	५।०८	७।२५	९।४१	१२।००	२।१९	४।२३	६।०७	७।३५
१०।१८।०५।०१	१३ मं	३	८।५७	१०।३३	१२।२९	२।४४	५।०४	७।२१	९।३७	११।५६	२।१५	४।१९	६।०३	७।३१
१०।१९।०५।१७	१४ बु	४	८।५३	१०।२९	१२।२६	२।४०	५।००	७।१७	९।३३	११।५२	२।११	४।१५	५।५९	७।२७
१०।२०।०५।३०	१५ गु	५	८।४९	१०।२५	१२।२२	२।३६	४।५६	७।१३	९।२९	११।४८	२।०७	४।११	५।५५	७।२३

मास फलम्

इस माह मे पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो और पांच गुरुवार होने से धान्य स.ता हो। यथा- बुधेरसक्षयोभूम्यां ।चन्द्रजीवौ यदापंच धान्यादीनां समर्घता ॥ इस माह की कृ. प्रतिपदा को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो। मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। फाल्गुन कृष्णा षष्ठी को चित्रा नक्षत्र होने से तीन मास सुभिक्ष हो। फाल्गुन शुक्ला सप्तमी को कृत्तिका होने से सुभिक्ष हो। फाल्गुन शुक्ला १० को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २४।०३।११

पं.४७ फा.शु.१३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	९	३	११	७	५	११
१८	१४	२२	२०	१८	१०	१७	१७
०५	२५	०९	२९	३३	५२	३७	३७
५५	४६	५९	०७	४१	५२	०५	०९
६०	४५	७५	६	७३	१	३	३
०८	४३	०४	१४	१६	०७	११	११
श	उभा	श्र	श्ले	रे	अनु	ह	रे
४	४	४	२व	१	३	३	१

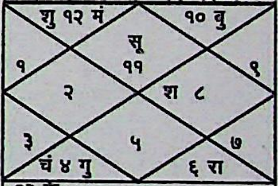

१२ के

६ मार्च से २० मार्च तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०७१, शाकः १९३६, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छारेंडी	१	शु	४८	११	२६	१०	पूफा	११	३०	११	३०	धृ	५	२७	९	०५	बा	१४	५९	१२	५४	२८ ५५	६ ५४	६ २३	१५	१४	६	कन्या १८।१५	१०।२०।५८।२१	६०।१०
उत्पात	२	श	५४	२८	२८	४०	उफा	१९	०३	१४	३०	शू	७	४५	९	५९	तै	२१	२४	१५	२६	३९ ०३	५३	३०	१६	१५	७	कन्या	१०।२१।५८।३१	६०।०८
मानस	३	र	...	...	...	...	हस्त	२६	१८	१७	२३	गं	९	५२	१०	४९	व	२७	२७	१७	५०	०७	५२	३१	१७	१६	८	तुला. ३०।४४	१०।२२।५८।३९	६०।०६
च.व.	३	सो	०	१७	६	५७	चित्रा	३२	५७	२०	०१	वृ	११	३४	११	२९	वि	०	१७	६	५७	११	५१	३१	१८	१७	९	तुला.	१०।२३।५८।४४	६०।०४
ध्वजा	४	मं	५	१५	८	५६	स्वा	३८	४०	२२	१८	ध्रु	१२	३७	११	५२	बा	५	१५	८	५६	१५	५०	३२	१९	१८	१०	तुला.	१०।२४।५८।४८	६०।०१
धाता	५	बु	९	०५	१०	२६	विशा	४३	०६	२४	०३	व्या	१२	४७	११	५५	तै	९	०५	१०	२६	१९	४९	३२	२०	१९	११	वृश्चि. १७।४०	१०।२५।५८।४९	५९।५९
आनन्द	६	गु	११	२४	११	२१	अनु	४५	५६	२५	१०	ह	११	४७	११	३०	व	११	२४	११	२१	२४	४७	३३	२१	२०	१२	वृश्चि.	१०।२६।५८।४८	५९।५७
शीतला	७	शु	११	५८	११	३३	ज्ये	४६	५९	२५	३४	व	९	२६	१०	३३	व	११	५८	११	३३	२८	४६	३३	२२	२१	१३	धनु. २५।३४	१०।२७।५८।४६	५९।५५
गद	८	श	१०	३८	११	००	मूल	४६	१०	२५	१३	सि	५	३७	९	००	कौ	१०	३८	११	००	३२	४५	३४	२३	२२	१४	धनु.	१०।२८।५८।४०	५९।५३
शुभ	९	र	७	२४	९	४२	पूषा	४३	३३	२४	०९	व्य	० ५३	१८ ३०	६ २८	५१ ०८	ग	७	२४	९	४२	३६	४४	३५	२४	२३	१५	मक. २९।४७	१०।२९।५८।३३	५९।५१
ए.व्र.	१०	सो	२	२४	७	४१	उषा	३९	१९	२२	२७	प	४५	२८	२४	५४	वि	२	२४	७	४१	४०	४३	३५	२५	२४	१६	मक.	११।००।५८।२४	५९।४८
क्षय.	११	सो	५५	४९	२९	०३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	मं	४८	०३	२५	५५	श्रव	३३	४५	२०	१२	शि	३६	२३	२१	१५	कौ	२२	०५	१५	३२	४४	४२	३६	२६	२५	१७	मक.	११।०१।५८।१२	५९।४६
प्र.व्र.	१३	बु	३९	२५	२२	२७	धनि	२७	१५	१७	३५	सि	२६	३१	१७	१७	ग	१३	५०	१२	१३	४९	४१	३६	२७	२६	१८	कुंभे ६।५६	११।०२।५७।५८	५९।४४
वज्र	१४	गु	३०	२१	१८	४८	शत	२०	१०	१४	४४	सा	१६	१२	१३	०८	वि	४	५६	८	३८	५३	४०	३७	२८	२७	१९	मीने ३०।३३	११।०३।५७।४२	५९।४२
अमाव.	३०	शु	२१	१२	१५	०७	पूभा	१२	५७	११	४९	शु	५ ५५	४३ २४	८ २८	५६ ४८	ना	२१	१२	१५	०७	५७	३९	३७	२९	२८	२०	मीने	११।०४।५७।२४	५९।४०

वसंतर्त्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, करिदिन
(व) श्लेषा.-१ गुरुः २७।४४
भ. १७।५० उ., कल्पादि, कुंभे बुधः ३०।०७
भ. ६।५७ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४४
[B सायन मेषे भानुः २७।५७, हस्ते-२ राहुः ३०।२०, C
[C उभा.-४ केतुः ३०।२०
भ. ११।२१ उ. २३।३३ या., मेषे अश्वि. शुक्रः १६।२१
शीतला पूजनं, शत. बुधः २१।४४
मीने रविः २८।३४
भ. २०।४६ उ., मीने सौरः ७।१९, वक्री शनिः ८।३१
भ. ७।४१ या., पापमोचनी ११ व्र.स्मार्त
[D २२।२७ तक, उभा. रविः १२।५३ (सौरः १५।३१)
पापमोचनी ११ व्र.वैष्ण., बुधास्तः पूर्वस्याम् ७।०३
भ. २२।२७ उ., पंचक प्रारम्भः ६।५६, प्रदोषः, मासिक A
भ. ८।३८ या. [A शिवरात्री व्र., वारुणी योग १७।३५ से D
देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः १४४४, चक्र ७, मन्वादि, B

अयनांशाः २४।०३।११

पं.४८ चै.कृ. ४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	१०	३	११	७	५	११
२५	१९	०१	१९	२७	१०	१७	१७
०६	४४	२६	४८	०५	५८	१४	१४
११	५१	०४	२०	२२	३६	५५	५५
५९	४५	८४	५	७२	०	३	३
५५	२५	५३	१४	५२	२५	११	११
पूभा	रे	ध	श्ले	रे	अनु	ह	रे
२	१	३	१व	४	३	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मार्च	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायँ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन प्रातः
१०।२१।०५।४२	१ शु	६	८।४५	१०।२२	१२।१८	२।३२	४।५३	७।०९	९।२५	११।४४	२।०३	४।०७	५।५१	७।१९
१०।२२।०५।५२	२ श	७	८।४१	१०।१८	१२।१४	२।२८	४।४९	७।०५	९।२१	११।४०	१।५९	४।०४	५।४७	७।१५
१०।२३।०५।५९	३ र	८	८।३७	१०।१४	१२।१०	२।२५	४।४५	७।०१	९।१७	११।३६	१।५५	४।००	५।४३	७।११
१०।२४।०६।०५	३ चं	९	८।३४	१०।१०	१२।०६	२।२१	४।४१	६।५८	९।१३	११।३२	१।५१	३।५६	५।३९	७।०८
१०।२५।०६।०८	४ मं	१०	८।३०	१०।०६	१२।०२	२।१७	४।३७	६।५४	९।०९	११।२९	१।४७	३।५२	५।३५	७।०४
१०।२६।०६।०९	५ बु	११	८।२६	१०।०२	११।५८	२।१३	४।३३	६।५०	९।०५	११।२५	१।४३	३।४८	५।३१	७।००
१०।२७।०६।०८	६ गु	१२	८।२२	९।५८	११।५४	२।०९	४।२९	६।४६	९।०२	११।२१	१।३९	३।४४	५।२७	६।५६
१०।२८।०६।०५	७ शु	१३	८।१८	९।५४	११।५०	२।०५	४।२५	६।४२	८।५८	११।१७	१।३५	३।४०	५।२३	६।५२
१०।२९।०६।००	८ श	१४	८।१४	९।५०	११।४६	२।०१	४।२१	६।३८	८।५४	११।१३	१।३१	३।३६	५।१९	६।४८
११।००।०५।५२	९ र	१५	८।१०	९।४६	११।४२	१।५७	४।१७	६।३४	८।५०	११।०९	१।२७	३।३२	५।१५	६।४४
११।०१।०५।४३	१० चं	१६	८।०६	९।४२	११।३८	१।५३	४।१३	६।३०	८।४६	११।०५	१।२३	३।२८	५।११	६।४०
११।०२।०५।३१	१२ मं	१७	८।०२	९।३८	११।३४	१।४९	४।०९	६।२६	८।४२	११।०१	१।२०	३।२४	५।०७	६।३६
११।०३।०५।१७	१३ बु	१८	७।५८	९।३४	११।३०	१।४५	४।०५	६।२२	८।३८	१०।५७	१।१६	३।२०	५।०४	६।३२
११।०४।०५।०१	१४ गु	१९	७।५४	९।३०	११।२६	१।४१	४।०१	६।१८	८।३४	१०।५३	१।१२	३।१६	५।००	६।२८
११।०५।०४।४२	३० शु	२०	७।५०	९।२६	११।२३	१।३७	३।५७	६।१४	८।३०	१०।४९	१।०८	३।१२	४।५६	६।२४

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०१५
चैत्र कृ. ८ शनौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।३४ वारात् २ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २८।३४ से रवौ १०।५८ तक। (दान-भूमि माला)।

अयनांशाः २४।०३।१२

पं.४९ चै.कृ.१२ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	१०	३	०	७	५	११
०२	२५	११	१९	०५	१०	१६	१६
०४	०१	४७	१५	३४	५९	५२	५२
५३	५३	४३	०२	०५	२२	४०	४०
५९	४५	९४	४	७२	०	३	३
४१	०७	०८	०६	२५	१८	१०	१०
पूभा	रे	श	श्ले	अ	अनु	ह	रे
४	३	२	१व	२	३व	३	१

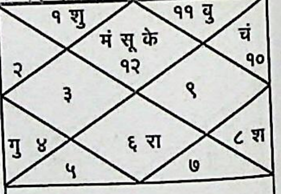

श्री गणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११६, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११६ भोग्यकलिः ४२६८८४ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०७२ शाकः १९३७ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिः १, मंत्री भौमः २, सस्येशो गुरुः ३, धान्येशो बुधः ४, मेघेशश्चंद्रः ५, रसेशः शनिः ६, नीरसेशो गुरुः ७, फलेशश्चंद्रः ८, धनेशो गुरुः ९, दुर्गेशश्चंद्रः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्र विंशतिकायां २ कीलक नामाख्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ०।६।२५।५५ भोग्य मासादि ११।२३।३४।५ सोम दैवतं युगम् । वर्षनाम पोष । चतुर्मेघनाम द्रोणः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहन महिष । स्तंभाऽभावः । सोमवत्यमा. ३ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी १ । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी ३ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्तानि ३९० । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः १९ । तिथि वृद्धिः १३ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ९३ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८१ । खपति विश्वा ११७ । वर्षा विश्वा ७ । धान्यम् १५ । तृणम् ७ । शीतम् ७ । तेजः १७ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् १०७ । (क्षुधा ११ । तृष्णा ७ । निद्रा १५ । आलस्य १५ । उद्यम १७ । शान्ति १ । क्रोध ३ । दण्ड ५ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुण्य ७ । उग्रत्व १७ । रसोत्पत्तिः १७ । फलोत्पत्तिः ५ । व्याधि ३ । व्याधिनाश १७ । आचार १७ । अनाचार ५ । मृत्यु १९ । जन्म ११ । चौर १७ । उपशमन ५ । अग्निभय ११ । अग्निशमः ३ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः पश्चिमायाम् । ग्रहणं १ चन्द्रमसः । उद्रिजः ११ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ९ । स्वदेजः १५ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रबल है **॥ संवत् २०७२ शाकः १९३७** ॥ वर्षारम्भे चैत्रशुक्लप्रतिपदायाम् शनिवासरे वारप्रवृत्ति (सूर्योदय) काले अहर्गणाः (ता. २१ मार्च २०१५), केतकी चक्रः ७, अहर्गणः १४४५, सौरपक्ष चक्रः ४५, अहर्गणः ६७, ब्रह्मपक्ष अहर्गणः ३०३९००.

(१) चैत्र शुक्ला १५ शनिवार, संवत् २०७२, ता. ४ अप्रेल २०१५, खग्रासं ग्रस्तोदयं **चन्द्रग्रहणम्**, चंद्रोदय १८।४७ बजे, परमग्रास १.०५

	स्पर्श	सम्मी.	मध्य	उन्मी.	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	२३	२७	२७	२८	३२	८
स्थानिक प.	३३	१५	५८	४२	२४	५१
रेल्वे घं.	१५	१७	१७	१७	१९	३
टाईम मि.	४७	१६	३३	५०	१९	३३

यह ग्रस्तोदय खग्रास चंद्रग्रहण चैत्र शुक्ला १५ शनिवार, संवत् २०७२, ता. ४ अप्रेल २०१५, को होगा । इस ग्रहण का सूतक स्टैं ६।४७ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

(२) नोट - भाद्रपद शुक्ला १५ सोमवार, संवत् २०७२, ता. २८ सितंबर २०१५, रामगढ में खग्रास चंद्रग्रहण का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा ।

नोट-ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिक पञ्चाङ्ग में देखें ।

फाल्गुन कृष्णा ३० बुधवासरे, संवत् २०७२, ता. ९ मार्च २०१६, ग्रस्तोदयं खण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

रामगढ में यह सूर्यग्रहण दिखाई नहीं देगा लेकिन भारत के अन्य भागों में दखाई देगा । जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -

पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा

मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द, वाया- सिंघाना, जि.झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६, फो.०१५९३-२७११८४ मुम्बई. फोन. ०२२ २६१६६७८३

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
बहत्तर संवत् का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां उत्तम संवत होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये सात अधिकार ।
रोहिणी वास समुद्र में समय है मालाकार ॥
शनिदेव राजा बने मंगल मंत्री सुहाय ।
इनकी खैंचाताण मै जन-जन से उलझाय ॥
धन-नीरस और सस्य के मालिक हैं गुरुराज ।
सुख संपत्ति संचार हो जग में मंगल काज ॥
दुर्गाधिप शशिराज हैं मेघ-फलों को लिवाय ।
चतुर्मेघ तो द्रोण है वर्षा बहुत दिखाय ॥
रसाधिप तो शनिदेव है समझो मध्यम साल ।
व्यापारा घटबढ घणी रसकस में हो निहाल ॥
संवत् भत्तर फल कहा ईश्वर जाने हाल ।
गुरु ईश्वरदत्त से गुरु नहीं कथन ग्यारसीलाल ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	अष्टोत्तरी मतेन लाभ	अष्टोत्तरी मतेन खर्च	विंशोत्तरी मतेन लाभ	विंशोत्तरी मतेन खर्च
मेष	१४	१४	८	५
वृष	८	८	२	१४
मिथुन	११	५	८	११
कर्क	५	५	२	८
सिंह	८	१४	५	५
कन्या	११	५	८	११
तुला	८	८	२	१४
वृश्चिक	१४	१४	८	५
धनु	२	८	५	११
मकर	५	२	१४	११
कुंभ	५	२	१४	११
मीन	२	८	५	११

वर्ष लग्नम् ३।२०

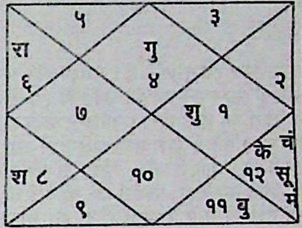

वर्षेश लग्नम् ३।१४

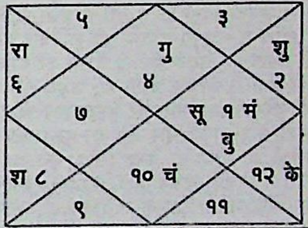

लाभ - खर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

॥ अथ संवत् २०७२ वर्ष फलम् ॥

कीलाव्देत्यीतिभीतिश्चप्रजाक्षोभनृपाह्वयौ !! श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७२ शाकः १९३७ कीलक नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - कीलाव्देत्यीतिभीतिश्चप्रजाक्षोभनृपाह्वयौ !! श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्व देशान् ॥ । तथापिवर्धतेलोकः समधान्यार्घवृष्टिभिः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजाशनिस्तत्फलम् - शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । सस्येशोगुरुस्तत्फलम् - कणपतौसुरराजपुरोहिते सकलसौस्यकरः मंत्रीभौमस्तत्फलम् - अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्युगदादिजवेदना । जनपदेषु जयंसुस्वसंचयंनवहुगोपुपयो द्वीजकर्म च ॥ सस्येशोगुरुस्तत्फलम् - कणपतौसुरराजपुरोहिते सकलसौस्यकरः मंत्रीभौमस्तत्फलम् - मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् - श्रुतिपूर्वकः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहुनि वसूनि वै ॥ धान्येशोवुधस्तत्फलम् - वुधधान्याधिपेमेघाजलंमुञ्चिंतिवैभृशम् । सैन्धवेलाटदेशेचमाधवोल्पंचवर्षति ॥ मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् - श्रुतिपूर्वकः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहुनि वसूनि वै ॥ धान्येशोवुधस्तत्फलम् - रविसुते रसपेरससंक्षयोनजलदागददाश्वपयोधराः । शशिनितोयदपेयदिगोमहिष्यजस्तरादिपुदग्धिरसंतदा । फलवतीधनधान्यवताधराविविधभोगवताननुभामिनी ॥ रसेशः शनिस्तत्फलम् - रविसुते रसपेरससंक्षयोनजलदागददाश्वपयोधराः । शशिनितोयदपेयदिगोमहिष्यजस्तरादिपुदग्धिरसंतदा । फलवतीधनधान्यवताधराविविधभोगवताननुभामिनी ॥ नीरसेशोयदाजीवः सर्वेषांप्रीतिरुत्तमा ॥ फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् - यदिविधुः अजगवांगजवाजिस्वरोष्ट्रहाजनपदेषुनरा न रसैर्युताः ॥ नीरसेशोगुरुस्तत्फलम् - हरिद्रापीतवस्तूनिपीतवस्त्रादिकंचयत् । नीरसेशोयदाजीवः सर्वेषांप्रीतिरुत्तमा ॥ फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् - यदिविधुः अजगवांगजवाजिस्वरोष्ट्रहाजनपदेषुनरा न रसैर्युताः ॥ धनेशोगुरुस्तत्फलम् - सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपराः सुस्वभाजनाः । फलितपुष्पितभूमिरुहाः फलपोद्रुमराशयःफलयुतावलिभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुस्वावरभोगसमन्वितानृपतयोनयनाटनतत्पराः ॥ धनेशोगुरुस्तत्फलम् - सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपराः सुस्वभाजनाः । वहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा नरवर्णितविग्रहाः ॥ वर्षनाम पोष तत्फलम् - सदा विविधद्रव्ययुता भुवि मानवाः ॥ दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् - गढपतिर्मृगलांछनको यदा नृपसुराज्यविलासितपौरजाः । वहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा नरवर्णितविग्रहाः ॥ वर्षनाम पोष तत्फलम् - सदा विविधद्रव्ययुता भुवि मानवाः ॥ दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् - द्रोणेवर्षत्तिसर्वदा । रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम् - समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो ज्वररोगक्षुधार्ताश्वानानाजनपदाः ससदा । महंर्घतुत्रयोमासापौषेस्वास्थ्यंततः परं ॥ चतुर्मेघनाम द्रोणस्तत्फलम् - द्रोणेवर्षत्तिसर्वदा । रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम् - समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो ज्वररोगक्षुधार्ताश्वानानाजनपदाः ससदा । महंर्घतुत्रयोमासापौषेस्वास्थ्यंततः परं ॥ अपिच - मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥ मालाकारगृहे तत्फलम् - सर्ववस्तुसमर्घ स्यान्मालाकारगृहेऽद्वके ॥ अपिच - मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ७ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं राजा और रसेश शनि हैं । मेघेश और फलेश और दुर्गेश चंद्र हैं । मंत्री मंगल हैं । धान्येश वुध हैं । सस्येश और नीरसेश और धनेश गुरु हैं । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ७ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ३ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल उत्तम होगा । प्रजा में सुस्व शान्ति होगी, धन-धान्य, व्यवसाय, राजकीयकोश की वृद्धि होगी । आधुनिक अस्त्र-शस्त्र ,स्वचालित यंत्रो के विकास में वृद्धि होगी, स्मगलरों का ह्रास होगा । वर्षलग्न कर्क होने से पूर्व में सुस्व, उत्तर में दुःस्व तथा आसन बल और पश्चिम में दुर्भिक्ष हो । वर्षेश लग्न कर्क ॥ **चैत्र** - तुप धान्य मँहगे हो । तिलों का अभाव हो, किरात तथा यवन पीड़ित हो, राजनीति में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो, सरसों उड़द कम हों और सब धान्य उत्पन्न हों, कृत्तिका नक्षत्र का शुक्र भेदन करने से अतिवृष्टि हो, नदियों में बहुत बाढ़ आवे । **वैशारव** - शृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों ।ब्राह्मणों को पीड़ा हो तथा उनका शीघ्र पतन हो, जौ गेहूँ में रोग हो, । ईस्व, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों, पत्थरों की महँगाई हो, हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालों का नाश हो, तीव्र रोग हो, धान्य महँगे हों और वैर वढै, अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो, सब देशों में तथा गावों में पीड़ा हो, धान्य महंगा हो, देश भंग हो और तपस्वियों के आश्रमों में पीड़ा हो । कपास, तिल, सूत महँगे हों । **ज्येष्ठ** - गेहूँ का भाव तेज हो, अल्प वृष्टि हो, कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश हो, वृक्षों में रोग, चौपायों में पीड़ा, कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो, अन्न का अभाव हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो, अधिक वृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । **प्र.आषाढ** - वायु और बादल के संयोग से फलों में न्यूनाधिकता हो । पृथ्वी जल से पूरित हो जाय और कपास की स्वेती नष्ट हो जायँ, कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, सर्पो से अत्यन्त पीडा हो । आर्द्रा पर मंगल होने से वृष्टि हो । सुभिक्ष हो, रोगोत्पत्ति हो । **द्वि.आषाढ** - हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुखी रहें और ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःस्वो से प्रजा पीडित हो । राजाओं को पीड़ा हो, तिलों का नाश तथा भैंसों का विनाश हो, कपास सूत मंदा हो, मांगलिक उत्सव हों, राजाओ में भय हो, महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों । **श्रावण** - शुक्ला सप्तमी को शनिवार होने से पृथ्वी जलपूर्ण हो, चौर भय हो, आपसी विरोध से क्षति हो, और राजा कमजोर हों, मघा में वुध होने से वर्षा कम हो, धान्य नाश और प्रजा में भय हो, कर्क राशि में मंगल का उदय होने से वैश्यों को बहुत पीड़ा हो, धान्योत्पत्ति हो, । श्रावण में वुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, क्षेत्र के वंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो, उड़द मूंग कम उत्पन्न हों । **भाद्रपद** - सुभिक्ष हो धान्य निरोग रहे, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो । मघा पर मंगल होने से वृष्टि के अभाव में उड़द मूंग और तिलो का नाश हों अन्य धान्य भी दुर्लभ हों । कन्या राशि में वुध का अस्त होने से चौर भय तथा अतिवृष्टि हो । **आश्विन** - अल्प वर्षा हो, प्रजा में पीड़ा हो और तेल का मूल्य बढ जाय, वहुत धान्य और सुस्व हो, सुभिक्ष हो धान्य निरोग रहे, प्रजा में कष्ट हो, शवर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो । **कार्तिक** - वर्षा के अवरोध से चौपायों में पीड़ा हो, घोड़ों का मूल्य वढे । कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जावस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो, व्यापारी वस्तु महँगी हों, मन्द वर्षा हो, सुभिक्ष हो, कहीं कहीं व्याधि भय और दुर्भिक्ष भी हो, मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों अनावृष्टि हो । राजाओं से पीड़ा तथा टीडी आदि से पीड़ा हो, तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ और नमक महंगे हो, कुआँ वनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । **मार्गशीर्ष** - ईस्व, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो, वर्षा हो, लोग सुखी रहें, अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो, तीव्र रोग से पीड़ा हो । चावल तथा गेहूँ महँगे हों । प्रजा में सुस्व का उदय हो, गेहूँ का भाव तेज हो । सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । **पौष** - क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो अनावृष्टि हो, लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो । व्यापारियों को कम लाभ हो, पूर्वाषाढा में (व.)वुध होने से धान्य मन्दा हो, प्रजा में सुस्व का उदय हो, प्रधान वैद्य पीड़ित हों अनावृष्टि हो । **माघ** - लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों । राहु सिंह का होने से चूपने (आचार मुरब्बे आम तथा ईस्व) की वस्तुओं के भाव मंदे हों । धनियां, सोंठ मिर्च पीपल जीरा और सीधा, स्वारी तथा संचर लवण इनके भाव मंदे हों, कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो, गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में वर्फ (ओले) गिरने का भय हो, कर्णपीड़ा हो । **फाल्गुन** - धनिष्ठा में वुध होने से गायें पीड़ित हों, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो, व्यापारियों को कम लाभ हो । प्रजा में सुस्वों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, पास्वण्डियों में भय उत्पन्न हो । प्रजा में सुस्वों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, राजनीति में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो, जुआडी लोग, कुरु तथा पञ्जाव देश में स्थित जन पीडित हो, और वृष्टि हो । **चैत्र** - जौ गेहूँ में रोग हो, ईस्व, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । गाय वैल आदि चौपायों को वडी भारी पीड़ा हो, टीडी आदि से धान्य महँगा हो । प्रजा में सुस्वों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, फल-मूल पीड़ित हो । आगे गो प्रजा भाग्य प्रवल है ।

॥ अथ संवत् २०७२, शाकः १९३७ (सन २०१५-१६) मध्ये सिंहस्थगुरु शास्त्रार्थः ॥

सिंहस्थ गुरु दोषः- गुरोः मघादि पंचपाद प्रवेशः (१४ जुला २०१५, स्टे. ११।२८)
गुरोः मघादि पंचपाद समाप्तिः (३० सितं २०१५, स्टे. २२।५५)

यदाह वराहः-
उद्यानचूडाव्रतबन्धदीक्षा विवाहयात्रादिवधूप्रवेशः ।
तडागकूपत्रिदशप्रतिष्ठा बृहस्पतौ सिंहगते न कुर्यात् ॥

अथ सिंहस्थगुरोः प्रकारत्रयेण परिहारमिन्द्रवज्रयाह-

सिंहे गुरौ सिंहलवे विवाहो नेष्टोऽथ गोदोत्तरतश्च यावत् ।
भागीरथीयाम्यतटे हि दोषो नान्यत्र देशे तपनेऽपि मेषे ॥४९॥

पीयूष धारा- सिंह इति । **अथ प्रथममंशभेदेन परिहार उच्यते** । गुरौ सिंहस्थिते सत्यपि सिहांशे तृतीयांशसहितत्रयदशांशकेभ्योनन्तरं १३।२० तृतीयांशसहितांशत्रयं ३।२० पञ्चमो नवांशः सिहांशस्तत्र गुरौ सति विवाहो नेष्टो निषिध्दः ।

उक्तं ज्योतिर्निबन्धे राजमार्तण्डेन- 'सिंहराशौ तु सिंहांशे यदा भवति वाक्पतिः । सर्वदेशेष्वयं त्याज्यो दम्पत्योर्निधन प्रदः ॥' इति ।

विशेषमाह वशिष्ठः- सिंहे सिहांशके जीवे कलिङ्गे गौडगुर्जरे । कालमृत्युरयं योगो दम्पत्योर्निधन प्रदः ॥ इति । अतोऽवशिष्टष्वंशेषु विवाहादि शुभं भवतीत्यर्थः ।

सिंहेऽपि भगदैवत्ये गुरौ पुत्रवती भवेत् ॥ अत्यन्त सुभगा साध्वी धनधान्यसमन्विता ॥ इति । **राजमार्तण्डोक्तेः** ।

अथ देशभेदेन द्वितीयः परिहार उच्यते ।
अथ गोदावरी नदी तस्या उत्तरदिशि भागीरथी गङ्गा तस्या याम्यतटं दक्षिणकूलं यावन्मर्यादीकृत्यगोदावरीगंगान्तरालवर्ती यो देशस्तत्र सिंहस्थ गुरुर्वर्ज्यो नाऽन्यत्र । अन्यदेशेषु न सिंहस्थगुरुदोषः ।

तदाह लल्लः- 'गोदावर्युत्तरतो यावद् भागीरथीतटं याम्यम् । तत्र विवाहो नेष्टः सिंहस्थे देवपतिपूज्ये ॥' इति । अर्थाद्गोदावरीदक्षिणे देशे भागीरथ्युत्तरे देशे च सिंहस्थगुरुदोषो नास्ति ।

यदाह वसिष्ठः- भागीरथ्युत्तरे कूले गौतम्या दक्षिणे तटे । विवाहो व्रतबन्धो वा सिंहस्थेज्ये न दुष्यति ॥ मृगेन्द्रसंस्थिते जीवे मध्यदेशे करग्रहः । मृत्युयोगो मृत्युदः स्याद्दम्पत्योः पञ्चवर्षतः ॥' इति । अत्र विवाहव्रतबन्धावेव निषिद्धौ । आभ्यामन्यानि शुभकर्माण्यनिषिद्धान्येव । अपवादस्य सङ्कोचाश्रयत्वादुपलक्षणत्वायोगात् ।
अथ सूर्यराशिवशेन तृतीयः परिहार उच्यते-
तपनेऽपि मेषे, सूर्ये मेषराशौविद्यमाने सति वा सिंहस्थगुरोर्दोषोनास्ति । "मङ्गलानीह कुर्वीत सिंहस्थो वाक्पतिर्यदा । भानौ मेषगते सम्यगित्याहुः शौनकादयः ॥" **इति ज्योतिर्निबन्धोक्तेः ।**
अन्यच्च तत्रैव "सिंहगते सुरमन्त्रिणि कन्या मेषगते तपने परिणीता । भूषणरत्नयुता च सुशीला सत्यवती सुरसकीर्तिसमेता ॥ इति ॥ ४९॥

पीताम्बरा- सिंह में सिहांश त्याज्य- सिंह राशि के बृहस्पति, सिंह राशि के नवांश में ही जिस समय से जितने समय तक रहते है उतने समय तक विवाहादि संस्कार नहीं करना चाहिए ।

गङ्गा से दक्षिण, गोदावरी से उत्तर में जितने देश आते है उन-उन देशों में सिंह के बृहस्पति में विवाहादि शुभ कार्य त्याज्य है । (भौगोलिक स्थितिवश- राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र का कुछ उत्तरी भाग. उडीसा (कलिंग), उत्तरप्रदेश और बिहार के कुछ दक्षिणी भाग, गङ्गागोदावरी के बीच में आते हैं) गङ्गा-गोदावरी के बीच के देशों के अतिरिक्त अन्य देशों में सिंहस्थ गुरु का विवाहादि के लिए निषेध नहीं है ।

सिंह राशि के बृहस्पति हों और यदि सूर्य मेष राशि में हो तो सर्वत्र सब देशों में उपयनयन और विवाहादिक मङ्गलोत्सव किये जा सकते हैं बृहस्पति की स्पष्ट राश्यादि जिस समय ४।०।०।० से ४।२९।५९।५९" तक गणित से होगी तब तक सिंहस्थ गुरु कहा जाता है तथा ४।१०।०।० से ४।१३।२०।० तक बृहस्पति सिंह राशि के नवांश पर रहता है ।
"ज्योतिर्निबन्ध" में- मेष के सूर्य और सिंह के बृहस्पति में विवाहित कन्या, सुशीला, सत्यवती, भूषण रत्नों से और सुरसकीर्ति से युक्त होती हैं' कहा है ॥४९॥

अथ सिंहराशिगतगुरु निषेधवाक्यानां प्रतिप्रसववाक्यानां च निर्गलितार्थमनुष्टुब्द्वयेनाह-

मघादिपञ्चपादेषु गरुः सर्वत्र निन्दितः ।
गंगागोदान्तरं हित्वा शेषाङ्घ्रिषु न दोषकृत् ॥५०॥
मेषेऽर्के सन् व्रतोद्वाहौ गंगागोदान्तरेऽपि च ।
सर्वः सिंहगुरुर्वर्ज्यः कलिङ्गे गौडगुर्जरे ॥५१॥

पीयूष धारा-मघादिपञ्चेति । मेषेर्क इत्यादि च । श्लोकद्वयं स्पष्टार्थम् ॥५०॥५१॥

पीताम्बरा- मघादि पञ्चपाद गुरु- मघा नक्षत्र के चारों चरण तथा पूर्वाफाल्गुनी का एक चरण (अर्थात् ४।०।०... से ४।१३।२०।० तक) इस प्रकार मघादि पञ्चपाद गुरु जितने मास रहे उतने मासों (वैवाहिक मासों) में विवाहादिक सब शुभ कर्म सब देशों में त्याज्य हैं । शेष (४।१३।२० से ४।२९।५९ तक) पूर्वाफाल्गुनी के तीन और उत्तरा फाल्गुनी का १ चरण अर्थात् इन ४ चरणों में गङ्गा-गोदावरी के अन्तरालीय देशों को छोडकर अन्यत्र सर्वत्र विवाहादिक शुभ कार्यो में दोष नहीं है । मेष राशि के सूर्य में जैसा पूर्व श्लोक में कहा गया है कि सिंहस्थ बृहस्पति में गङ्गा गोदावरी के बीच के देशों में भी विवाहादि होने ही चाहिए ।
किन्तु कलिंग गौड (मध्य बंगाल और उडीसा का कुछ उत्तरी भाग) और गुजरात में समग्र सिंह राशि गत गुरु वर्जित है ।

विशेष- (१) सिंह राशि का सिंहांश गुरु सर्वदेशों में त्याज्य है ।
(२) गंगा नदी के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण में जो देश हैं उन देशों में सिंह के बृहस्पति में विवाहादि शुभ कार्य होने चाहिए ।
(३) मेष राशि के सूर्य में सिंह और सिंहांशगत गुरु भी सभी देशों में विवाहादि शुभ कार्यो में गृहीत है ।
(४) मघा नक्षत्र युक्त माघमासीय पौर्णमासी जिस वर्ष में हो उस वर्ष में सिंहगत गुरु का दोष उसी वर्ष में होता है ॥५०-५१॥

- पीयूष धारा

॥ संवत् २०७२, शाकः १९३७ (सन २०१५-१६) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

वैशाख शुक्लपक्षः

सन२०१५

२१ अप्रे. **३ भौमे रोहि.** रे. ७ SIIISSIIII दिवा लग्न ५, ६, रात्रौ लग्न १०, ११
(कन्या. के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, मकरे गु ७ पूज्यः) (भद्रा २८।२५ से)

२३ अप्रे. **५ गुरौ मृगे** रे. ७ IIIIISSSII दिवा लग्न १ (मेषे सोग्रांगः सू मं)

२७ अप्रे. **९ चंद्रे मघा.** रे. ७ ISIIIIISSI रात्रौ लग्न अ. गोघूलि १८।३८ यावत्
तदुपरांत गोघूलि(७), १०, ११, १ (अ.गोधुल्यां मं ७, मकरे गु ७ पूज्यः,
कुंभे चं ७ पूज्यः, मेषे सोग्रांगः सू मं)

२८ अप्रे. **१० भौमे मघा.** रे. ८ IIIIISIISI दिवा लग्न १, ३, ६, रात्रौ लग्न गोघूलि(७)
(मेषे सोग्रांगः सू मं, मिथुने रा ४ दोषः, कन्या. के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, गोधुल्यां मं ७)

२९ अप्रे. **११ बुधे उफा.** रे. ७ IIIIISSISI रात्रौ लग्न ११, १
(कुंभे चं ७ पूज्यः, मेषे सोग्रांगः सू मं) (भद्रा २५।४८ यावत्)

३० अप्रे. **१२ गुरौ उफा.** रे. ७ IIIIISSISI दिवालग्न १,३,५, रात्रौलग्न अ.गोघूलि(७),१०, ११
(मेषे सोग्रांगः सू मं, मिथुने रा ४ दोषः, अ.गोधुल्यां मं ७, मकरे गु ७ पूज्यः)

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः

सन२०१५

८ मई **४ शुक्रे मूले** रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न ३ (मिथुने रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः)

९ मई **५ शनौ उषा.** रे. ६ SSIIISIIIS दिवालग्न ६, रात्रौ ल. अ.गोघूलि(७), ११,१२, १
(कन्या. के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, अ.गोधुल्यां मं ८, मीने रा ७ दोषः; सोग्रांगः के,
मेषे शु ३ दोषः; सोग्रांगः सू) (महापात मोक्षः १३।४८)

१४ मई **११ गुरौ रेवत्यां** रे. ७ IIIISSISII रात्रौ लग्न १ (मेषे शु ३ दोषः; सोग्रांगः सू)

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः

सन२०१५

१९ मई **१ भौमे मृगे** रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न ११, १२, १
(मीने रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, मेषे शु ३ दोषः)

२० मई **२ बुधे मृगे** रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न ३, ४, ६, ७
(मिथुने चं १ ०८।५० उपरांत; रा ४ दोषः, कन्या. के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)

२४ मई **६ रवौ मघा.** रे. ९ IIIIIISII रात्रौ लग्न १ (मेषे शु ३ दोषः)

२७ मई **९ बुधे उफा.** रे. ८ IIIIISSIII दिवालग्न ३,४,६,७, रात्रौ ल. गोघूलि(८),११, १२
(मिथुने रा ४ दोषः, कन्या. चं १ १५।१२ उपरांत; के ७ दोषः; सोग्रांगः रा,
गोधुल्यां मं ७; सोग्रांगः श, मीने रा ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः के)

२८ मई **१० गुरौ उफा.** रे. ९ IIIIIISIII दिवा लग्न ३, ४ (मिथुने रा ४ दोषः)

३० मई **१२ शनौ स्वातौ** रे. ९ SIIIIIIII रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(८), १०, १२, १
(अ.गोधुल्यां मं ७; सोग्रांगः श,मकरे गु शु ७ पूज्यः,मीने रा ७ दोषः;सोग्रांगः के,मेषे चं ७ पूज्यः)

३१ मई **१३ रवौ स्वातौ** रे. ८ SIIIISIIII दिवा लग्न ३, ४, ६
(मिथुने रा ४ दोषः, कन्या. के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)

प्र.आषाढ़ कृष्णपक्षः

सन२०१५

३ जून **१ बुधे मूले** रे. ९ ISIIIIIIII रात्रौ लग्न १२, १ (मीने रा ७ दोषः; सोग्रांगः के)

१२ जून **११ शुक्रे रेवत्यां** रे. ७ IIIISSISII दिवा लग्न ३, ४ (मिथुने रा ४ दोषः)

सिंहस्थ गुरु दोषः- गुरोः मघादि पंचपाद प्रवेशः (१४ जुला २०१५, स्टै. ११।२८)
अग्रे मघादि पंचपादत्वादभावः- 'मघादिपञ्चपादेषु गरुः सर्वत्र निन्दितः।'
गुरोः मघादि पंचपाद समाप्तिः (३० सितं २०१५, स्टै. २२।५५)
गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य मुहूर्त्त

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

सन२०१५

सिंहस्थ गुरु

२६ नवं. **१ गुरौ रोहि.** रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न ८, १०, ११
(वृश्चिके चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू श, कुंभे गु ७ पूज्यः)

२७ नवं. **२ शुक्रे मृगे** रे. ८ IIISSIIII रात्रौ लग्न ५

७ दिसं **११ चंद्रे स्वातौ** रे. ८ SIIIIISII रात्रौ लग्न ३, ४, ५, ६, ८
(मिथुने रा ४ दोषः; बु ७ पूज्यः, सिंहे शु ३ दोषः, कन्या. के ७ दोषः; सोग्रांगः मं रा,
वृश्चिके सोग्रांगः सू श)

८ दिसं **१२ भौमे स्वातौ** रे. ८ SIIIIISII दिवा लग्न ८, १०, ११
(वृश्चिके सोग्रांगः सू श, कुंभे गु ७ पूज्यः)

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

सन२०१५

सिंहस्थ गुरु

१३ दिसं **२ रवौ उषा.** रे.१० IIIIIIIII रात्रौ लग्न ६, ७, ८ (कन्या. के ७ दोषः; सोग्रांगः
मं रा, वृश्चिके सोग्रांगः सू श)

१४ दिसं **३ चंद्रे उषा.** रे.१० IIIIIIIII दिवा लग्न ११ (कुंभे गु ७ पूज्यः)

अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः

पोष शुक्लपक्षः

सन२०१६

सिंहस्थ गुरु

१५ जन. **६ शुक्रे उभा.** रे. ८ IIIISISIII दिवा लग्न ११, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(४)
(कुंभे गु ७ पूज्यः)

१९ जन. **१० भौमे रोहि.** रे. ८ IIIIISIISI रात्रौ लग्न ६ (कन्या. के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)
(भद्रा २३।२९ से)

२१ जन. **१२ गुरौ मृगे** रे. ७ SIIISSIIII रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(४)

माघ कृष्णपक्षः

सन२०१६

सिंहस्थ गुरु

२९ जन. **५ शुक्रे हस्ते** रे. ९ IIIIIISII दिवा लग्न ११, ३, रात्रौ लग्न गोघूलि(४), ७, ८
(कुंभे गु ७ पूज्यः, मिथुने रा ४ दोषः; बु शु ७ पूज्यः, तुला.शु ३ दोषः; सोग्रांगः मं,
वृश्चिके सोग्रांगः श)

४ फर. **११ गुरौ मूले** रे. ७ IIIIIISSIS रात्रौ लग्न ८ (वृश्चिके सोग्रांगः श)

५ फर. **१२ शुक्रे मूले** रे. ८ IIIIIISIS दिवा लग्न ११, ३ (कुंभे रा ७ दोषः; गु ७ पूज्यः;
सोग्रांगः के, मिथुने चं बु शु ७ पूज्यः)

॥ संवत् २०७२, शाक: १९३७ (सन २०१५-१६) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन२०१६	**माघ शुक्लपक्ष:**
	सिंहस्थ गुरु
१६ फर.	**९ भौमे रोहि.** रे. ७ IIISISSIII दिवा लग्न ११ (कुंभे रा ७ दोष:; गु ७ पूज्य:; सोग्रांग: सू के) (वैधृति ९।४३ से)
१७ फर.	**१० बुधे मृगे** रे. ६ ISIISSISII रात्रौ लग्न ८ (वृश्चिके शु ३ दोष:; सोग्रांग: श) (वैधृति ७।३२ यावत्)
सन२०१६	**फाल्गुन कृष्णपक्ष:**
	सिंहस्थ गुरु
२ मार्च	**८ बुधे मूले** रे. ७ SIIIIISSII रात्रौ लग्न १०
५ मार्च	**११ शनौ उषा.** रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न १, ३, ४, रात्रौ लग्न ७, ८ (कर्के चं शु ७ पूज्य:, वृश्चिके शु ३ दोष:; सोग्रांग: मं श)
सन२०१६	**फाल्गुन शुक्लपक्ष:**
	सिंहस्थ गुरु
१० मार्च	**२ गुरौ उभा.** रे. ९ IIIISIIIII दिवा लग्न १, ३, ४
	अग्रे मीनेऽर्क:

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ता: नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन२०१५	**वैशाख शुक्लपक्ष:**
२ मई	**१३ शनौ चित्रा.** रे. ७ SIIIISSIII दिवालग्न ३, ५, रात्रौ अ. गोधूलि(७), ११, १२, १ (मिथुने रा ४ दोष:, अ.गोधुल्यां मं ७, मीने रा ७ दोष:; सोग्रांग: के, मेषे शु ३ दोष:; चं ७ पूज्य:; सोग्रांग: सू मं)
सन२०१५	**ज्येष्ठ कृष्णपक्ष:**
११ मई	**८ चंद्रे श्रवणे** रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न ३ (मिथुने रा ४ दोष:)
११ मई	**८ चंद्रे धनि.** रे. ६ IIISSSISII दिवा लग्न ४,६, रात्रौलग्न अ.गोधूलि(७), १२, १ (कर्के चं ७ पूज्य:, कन्या. के ७ दोष:; सोग्रांग: रा, अ.गोधुल्यां मं ८, मीने रा ७ दोष:; सोग्रांग: के, मेषे शु ३ दोष:; सोग्रांग: सू)
१२ मई	**९ भौमे धनि.** रे. ७ IIISSIISII दिवा लग्न ३ (मिथुने रा ४ दोष:)
सन२०१५	**ज्येष्ठ शुक्लपक्ष:**
३० मई	**१२ शनौ चित्रा.** रे. ७ SSIIIISIII दिवा लग्न ३, ४, ६ (मिथुने रा ४ दोष:, कन्या. के ७ दोष:; सोग्रांग: रा) (व्यतिपात ७।५९ यावत्)
सन२०१५	**प्र.आषाढ़ कृष्णपक्ष:**
६ जून	**४ शनौ श्रवणे** रे. ७ IIIISIISSI रात्रौ लग्न गोधूलि(८), १२, १ (गोधुल्यां मं ७; सोग्रांग: श, मीने रा ७ दोष:; सोग्रांग: के)
७ जून	**५ रवौ श्रवणे** रे. ६ IIIISSISSI दिवा लग्न ३, ४, ६ (मिथुने रा ४ दोष:, कर्के चं ७ पूज्य:, कन्या. के ७ दोष:; सोग्रांग: रा)
१२ जून	**११ शुक्रे अश्वि.** रे. ७ IIIIISSSII दिवा लग्न ४, ६, ७, रात्रौ लग्न १०, १२ (कन्या. के ७ दोष:; सोग्रांग: रा, तुला. चं ७ पूज्य:, मकरे गु शु ७ पूज्य:, मीने रा ७ दोष:; सोग्रांग: के)
१३ जून	**१२ शनौ अश्वि.** रे. ८ IIIIIISSII दिवा लग्न ३ (मिथुने रा ४ दोष:)
सन२०१५	**कार्तिक शुक्लपक्ष:**
२३ नवं.	**१२ चंद्रे अश्वि.** रे. ६ SSISIISIII रात्रौ लग्न ७ (तुला. चं ७ पूज्य:) (व्यतिपात २७।४१ यावत्)
	अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभाव:
सन२०१६	**पौष शुक्लपक्ष:**
१७ जन.	**८ रवौ अश्वि.** रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न ११, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(४), ६ (कुंभे गु ७ पूज्य:, कन्या. शु ३ दोष:; के ७ दोष:; सोग्रांग: रा)
सन२०१६	**फाल्गुन कृष्णपक्ष:**
६ मार्च	**१२ रवौ श्रवणे** रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न १, ३, ४ (कर्के चं शु ७ पूज्य:)
सन२०१६	**फाल्गुन शुक्लपक्ष:**
११ मार्च	**३ शुक्रे अश्वि.** रे. ९ IIISIIIIII दिवा लग्न ४, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(५), ७, १० (तुला. चं ७ पूज्य:)
	अग्रे मीनेऽर्क:

कन्या के विवाह में गुरुबल

कन्याविवाहकालं ग्रहशुद्धिं च वसन्तमालिकाछन्दसाह -

गुरुशुद्धिवशेन कन्यकानां समवर्षेषु षडशब्दकोपरिष्टात् ।
रविशुद्धिवशाच्छुभो वराणामुभयोश्चन्द्रविशुद्धितो विवाहः ॥१२॥

नारद, कश्यप, श्रीपतिनिबन्ध, पराशरादि सहित -
अत एवाह व्यासः - 'अष्टवर्षा भवेद्गौरी नववर्षा च रोहिणी ।
दशवर्षा भवेत्कन्या द्वादशे वृषली स्मृता ॥' इति ।

यदा तु कन्या कालातिक्रान्ता भवति तदा गुरुबलमनावश्यकमित्याह व्यासः -
'दशवर्षव्यतिक्रान्ता कन्या शुद्धिविवर्जिता । तस्यास्तारेन्दुलग्नानां शुद्धौ पाणिग्रहो मतः॥' इति ।

प्राचीन आचार्यों के मत से १२ वर्ष से ऊपर की कन्याओं के विवाह में समय (अवस्था) के अतिक्रमण से गुरु शुद्धि आदिक विचार आवश्यक नहीं है ।

– पीयूषधारा

॥ संवत् २०७२, शाकः १९३७, सन २०१५-१६ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

सिंहस्थगुरुदोषः- ता. ३० सितं २०१५ से सभी मुहूर्त्त- गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य हैं ।

॥ उपनयन ॥

सन२०१५	**चैत्र मासः**
२९ मार्च	**शु. १० रवौ पुष्ये** लग्न १२, अभिजिति, ३, ४
	(कर्क लग्नस्थ चंद्रः ग्राह्यः)
३० मार्च	**शु. ११ चंद्रे पुष्ये** लग्न १२
४ अप्रे.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः हस्ते
सन२०१५	**वैशाख मासः**
६ अप्रे.	**कृ. ०२ चंद्रे स्वातौ** लग्न ३, अभिजिति, ४
२९ अप्रे.	**शु. ११ बुधे पूफा.** लग्न ४ (भद्रा १२।३१ से)
३० अप्रे.	**शु. १२ गुरौ उफा.** अभिजिति, ४
सन२०१५	**ज्येष्ठ मासः**
८ मई	**कृ. ०४ शुक्रे मूले** अभिजिति
२० मई	**शु. ०२ बुधे मृगे** लग्न २
	(वृषे लग्नस्थ चंद्रः ग्राह्यः)
२२ मई	**शु. ०५ शुक्रे पुनर्वसौ** लग्न २, अभिजिति, ६
२८ मई	**शु. १० गुरौ उफा.** लग्न २
सन२०१५	**प्र.आषाढ़ मासः**
४ जून	**कृ. ०२ गुरौ मूले** अभिजिति, ६
७ जून	**कृ. ०५ रवौ श्रवणे** लग्न २, ४, अभिजिति, ६

गुरोः मघादि पंचपाद प्रवेशः (१४ जुला २०१५, स्टै. ११।२८)

अत्रे मघादि पंचपादत्वादभावः-

'मघादिपञ्चपादेषु गरुः सर्वत्र निन्दितः ।'

गुरोः मघादि पंचपाद समाप्तिः (३० सितं २०१५, स्टै. २२।५५)

(गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य मुहूर्त्त)

सन२०१६	**माघ मासः**
२५ जन.	**कृ. ०१ चंद्रे श्लेषा.** अभिजिति
२९ जन.	**कृ. ०५ शुक्रे हस्ते** अभिजिति
१७ फर.	**शु. १० बुधे मृगे** लग्न २ (वैधृति ७।३२ तक)
	(वृषे लग्नस्थ चंद्रः ग्राह्यः)
१९ फर.	**शु. १२ शुक्रे पुनर्वसौ** अभिजिति, २

सन२०१६	**फाल्गुन मासः**
२५ फर.	**कृ. ०३ गुरौ हस्ते** लग्न २, अभिजिति
	(भद्रा १६।४६ से)

॥ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

४ अप्रे.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः हस्ते
सन२०१५	**वैशाख मासः**
३० अप्रे.	**शु. १२ गुरौ उफा.** अभिजिति
सन२०१५	**ज्येष्ठ मासः**
२८ मई	**शु. १० गुरौ उफा.** लग्न २
३० मई	**शु. १२ शनौ चित्रा.** अभिजिति, ६
	(व्यतिपात ७।५९ तक)
सन२०१५	**मार्गशीर्ष मासः**
२६ नवं.	**कृ. ०१ गुरौ रोहि.** अभिजिति, १२, २
२७ नवं.	**कृ. ०२ शुक्रे मृगे** अभिजिति, १२, २
सन२०१६	**फाल्गुन मासः**
२५ फर.	**कृ. ०३ गुरौ हस्ते** लग्न २, अभिजिति
	(भद्रा १६।४६ से)

॥ वृषचक्र-रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१५	**ज्येष्ठ मासः**
२० मई	**शु. ०२ बुधे मृगे** लग्न २, ६
सन२०१५	**प्र.आषाढ़ मासः**
११ जून	**कृ. ०९ गुरौ रेवत्यां** अभिजिति, ६
	(भद्रा १६।५७ से २७।५४ तक)
सन२०१५	**मार्गशीर्ष मासः**
१४ दिसं	**शु. ०३ चंद्रे उषा.** अभिजिति
सन२०१६	**माघ मासः**
२९ जन.	**कृ. ०५ शुक्रे हस्ते** अभिजिति
सन२०१६	**फाल्गुन मासः**
५ मार्च	**कृ. ११ शनौ उषा.** लग्न २, अभिजिति, ५
	(वृषे ११।२४ यावत् चं ८)

१० मार्च	**शु. ०२ गुरौ उभा.** लग्न २, अभिजिति, ३

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

४ अप्रे.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः हस्ते
सन२०१५	**वैशाख मासः**
३० अप्रे.	**शु. १२ गुरौ उफा.** अभिजिति
सन२०१५	**ज्येष्ठ मासः**
२८ मई	**शु. १० गुरौ उफा.** लग्न २
३० मई	**शु. १२ शनौ चित्रा.** अभिजिति, ६
	(व्यतिपात ७।५९ तक)
सन२०१६	**पोष मासः**
१५ जन.	**शु. ०६ शुक्रे उभा.** अभिजिति
सन२०१६	**फाल्गुन मासः**
५ मार्च	**कृ. ११ शनौ उषा.** लग्न २, अभिजिति, ५
	(वृषे ११।२४ यावत् चं ८)

॥ कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१५	**ज्येष्ठ मासः**
२० मई	**शु. ०२ बुधे मृगे** लग्न ६
सन२०१६	**फाल्गुन मासः**
१० मार्च	**शु. ०२ गुरौ उभा.** लग्न २, अभिजिति, ३

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

४ अप्रे.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः हस्ते
सन२०१५	**ज्येष्ठ मासः**
११ मई	**कृ. ०८ चंद्रे धनि.** अभिजिति
२३ मई	**शु. ०५ शनौ पुष्ये** लग्न २, अभिजिति, ६
सन२०१५	**मार्गशीर्ष मासः**
१७ दिसं	**शु. ०६ गुरौ शते** अभिजिति
सन२०१६	**फाल्गुन मासः**
७ मार्च	**कृ. १३ चंद्रे धनि.** लग्न २, अभिजिति

॥ संवत् २०७२, शाक: १९३७, सन २०१५-१६ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ता: शुद्धा: ॥

॥ कुंभचक्ररहिता: जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ता: ॥

सन२०१५	मार्गशीर्ष मास:
३० नवं.	कृ. ०५ चंद्रे पुष्ये लग्न ८, अभिजिति, २
सन२०१६	माघ मास:
१ फर.	कृ. ०८ चंद्रे स्वातौ अभिजिति

॥ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ता: ॥

४ अप्रे.	चन्द्र ग्रहणार्क्ष: हस्ते
सन२०१५	वैशाख मास:
२४ अप्रे.	शु. ०६ शुक्रे पुनर्वसौ अभिजिति
२५ अप्रे.	शु. ०७ शनौ पुनर्वसौ अभिजिति
३० अप्रे.	शु. १२ गुरौ उफा. अभिजिति
सन२०१५	ज्येष्ठ मास:
२० मई	शु. ०२ बुधे मृगे लग्न २, ६
२२ मई	शु. ०५ शुक्रे पुनर्वसौ लग्न २, अभिजिति, ६
२३ मई	शु. ०५ शनौ पुष्ये लग्न २, अभिजिति, ६
२७ मई	शु. ०९ बुधे उफा. लग्न ६ (कन्या. १५।१२ यावत् चं १२)
२८ मई	शु. १० गुरौ उफा. लग्न २
३० मई	शु. १२ शनौ चित्रा. अभिजिति, ६ (व्यतिपात ७।५९ तक)
३१ मई	शु. १३ रवौ स्वातौ लग्न २, अभिजिति, ६
सन२०१५	प्र.आषाढ़ मास:
७ जून	कृ. ०५ रवौ श्रवणे लग्न २, अभिजिति, ६
सन२०१६	पोष मास:
१५ जन.	शु. ०६ शुक्रे उभा. अभिजिति
सन२०१६	माघ मास:
२९ जन.	कृ. ०५ शुक्रे हस्ते अभिजिति
३१ जन.	कृ. ०७ रवौ स्वातौ अभिजिति
१७ फर.	शु. १० बुधे मृगे लग्न २ (वैधृति ७।३२ तक)
१९ फर.	शु. १२ शुक्रे पुनर्वसौ अभिजिति, २
सन२०१६	फाल्गुन मास:
२५ फर.	कृ. ०३ गुरौ हस्ते लग्न २, अभिजिति (भद्रा १६।४६ से)

१० मार्च	शु. ०२ गुरौ उभा. लग्न २, अभिजिति, ३

॥ चौल (मुण्डन) मुहूर्त्ता: ॥

४ अप्रे.	चन्द्र ग्रहणार्क्ष: हस्ते
सन२०१५	वैशाख मास:
२३ अप्रे.	शु. ०५ गुरौ मृगे लग्न २, ३
सन२०१५	ज्येष्ठ मास:
२० मई	शु. ०२ बुधे मृगे लग्न २, ३, ४, ६
२२ मई	शु. ०५ शुक्रे पुनर्वसौ लग्न २, ३, ४, अभिजिति, ६
सन२०१६	पोष मास:
२१ जन.	शु. १२ गुरौ मृगे लग्न ४
सन२०१६	माघ मास:
२९ जन.	कृ. ०५ शुक्रे हस्ते अभिजिति
१७ फर.	शु. १० बुधे मृगे लग्न २ (वैधृति ७।३२ तक)
सन२०१६	फाल्गुन मास:
२५ फर.	कृ. ०३ गुरौ हस्ते लग्न २, अभिजिति (भद्रा १६।४६ से)

॥ द्विरागमन मुहूर्त्ता: ॥

सन२०१५	वैशाख मास:
१५ अप्रे.	कृ. ११ बुधे शते लग्न २, ३ (वृषे गु ३ शुभ; शु १ शुभ)
२२ अप्रे.	शु. ०४ बुधे मृगे लग्न ६, ७ (कन्या. गु ११ शुभ, तुला. गु १० शुभ)
२३ अप्रे.	शु. ०५ गुरौ मृगे लग्न २, ३ (वृषे गु ३ शुभ; शु १ शुभ)
२४ अप्रे.	शु. ०६ शुक्रे पुनर्वसौ लग्न ६, ७ (कन्या. गु ११ शुभ, तुला. गु १० शुभ)
सन२०१५	ज्येष्ठ मास:
८ मई	कृ. ०४ शुक्रे मूले लग्न ३, अभिजिति (मिथुने शु १ शुभ)
सन२०१५	कार्तिक मास:
१८ नवं.	शु. ०७ बुधे श्रवणे लग्न १२ (मीने गु ६ शुभ)

सन२०१५	मार्गशीर्ष मास:
२६ नवं.	कृ. ०१ गुरौ रोहि. अभिजिति, १२, २ (मीने गु ६ शुभ)
२७ नवं.	कृ. ०२ शुक्रे मृगे अभिजिति, १२, २ (मीने गु ६ शुभ)
३० नवं.	कृ. ०५ चंद्रे पुष्ये अभिजिति, १२, २ (मीने गु ६ शुभ)
१४ दिसं	शु. ०३ चंद्रे उषा. अभिजिति, १२ (मीने गु ६ शुभ)
सन२०१६	माघ मास:
१७ फर.	शु. १० बुधे मृगे लग्न १२, २, ३ (वैधृति ७।३२ तक) (मीने गु ६ शुभ, मिथुने गु ३ शुभ)
सन२०१६	फाल्गुन मास:
२५ फर.	कृ. ०३ गुरौ हस्ते लग्न २, अभिजिति, ३ (भद्रा १६।४६ से) (मिथुने गु ३ शुभ)
७ मार्च	कृ. १३ चंद्रे धनि. लग्न १२, २, अभिजिति, ३ (मीने गु ६ शुभ, मिथुने गु ३ शुभ)
१० मार्च	शु. ०२ गुरौ उभा. लग्न १२, २, अभिजिति, ३ (मीन गु ६ शुभ, वृषे शु १० शुभ, मिथुने गु ३ शुभ)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभि:)

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीन-लग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेष: । - पीयूषधारा

अर्थ- लग्न शुद्धि के समय तिथि, नक्षत्र और विष्कुंभादि योग द्वारा उत्पन्न हुए मृत्यु-क्रकचादि कुयोग स्वयं नष्ट हो जाते हैं (जैसे सूर्योदय होने पर अंधेरा नष्ट हो जाता है) ।

विशेष- किसी एक विद्वान् के द्वारा बताये हुए शुद्धलग्न मुहूर्त्त को दूसरा विद्वान् (बालबुद्धि वाला) यजमान को यह कह कर भ्रमित (गुमराह) कर देता है कि उस दिन मृत्यु-क्रकचादि कुयोग होने से यह मुहूर्त्त अच्छा नहीं है। नोट- ऐसे बालमति के विद्वानों से करबद्ध प्रार्थना है कि ज्योतिष-शास्त्र का उपहास (मजाक) न करें । कहा भी है- "नानाशास्त्र विचक्षणश्च पुरुषांनिन्दन्ति मूर्खा: सदा इति" ।

॥ प्राचीन ऋषि-मुनियों के मत से - कन्या के विवाह में गुरुबल ॥

अथ कन्याविवाहकालं ग्रहशुद्धिं च वसन्तमालिकाछन्दसाह -

गुरुशुद्धिवशेन कन्यकानां समवर्षेषु षडशब्दकोपरिष्टात् ।
रविशुद्धिवशाच्छुभो वराणामुभयोश्चन्द्रविशुद्धितो विवाहः ॥१२॥

पीयूषधारा - गुर्विति । कन्यकानां विवाहः षडशब्कोपरिष्टात्षड्वर्षातिक्रमानन्तरं समवर्षेषु यग्मवर्षेषुसत्सु गुरुशुद्धौ सत्यां शुभः । अर्थात्पुरुषाणां विषमवर्षेषु रविशुद्धौ विवाहः शुभः । तदाह च्यवनः - 'षडब्दमध्ये नोद्वाह्या कन्या वर्षद्वयं यतः । सोमो भुंक्तेऽथ गन्धर्वस्ततः पश्चाद्धुताशनः ॥' इति । इदमस्य व्यास्यानम्, जन्मान्तरं वर्षद्वयं सोमः कन्यां भुङ्क्ते तदनन्तरं द्वे वर्ष गन्धर्वस्तदनन्तरमग्निस्ततो मनुष्याधिकार इति षडब्दतः प्राग्विवाहो न कार्यः । ततः षड्वर्षानन्तरं समवर्षे विवाहः शुभः ॥

स्त्रीणां युग्मे पुंसामयुग्मे वयस्येव विवाहः कार्यः -

यदाह नारदः - 'युग्मेऽब्दे जन्मतः स्त्रीणां शुभदं पाणिपीडनम् ।
एतत्पुंसामयुग्मेऽब्दे व्यत्यये नाशनं तयोः ॥' इति ।

कश्यपोऽपि - 'विवाहो जन्मतः स्त्रीणां युग्मेऽब्दे पुत्रपौत्रदः ।
अयुग्मे श्रीप्रदः पुंसा विपरीते तु मृत्युदः ॥' इति ।

एवं सति स्त्रीणां विवाहोऽष्टमदशमवर्षयोर्भवतीत्यर्थः ।

विवाहे कन्यायाः अष्टमं नवमं दशमं वयः श्रेष्ठम् -

अत एवाह व्यासः - 'अष्टवर्षा भवेद्गौरी नववर्षा च रोहिणी ।
दशवर्षा भवेत्कन्या द्वादशे वृषली स्मृता ॥' इति ।

अष्टमनवमदशमवयसि कन्यादाने सुफलमन्यथाऽशुभमिति -

अस्य फलश्रुतिमाह मात्स्यः - 'गौरीं ददन्नाकलोकं बैकुण्ठं रोहिणीं ददत् । कन्यां ददद्ब्रह्मलोकमतः परमसद्गतिम् ॥' प्राप्नोतीति विशेषः । 'गौरी विवाहिता सौस्यसम्पन्ना स्यात्पतिव्रता । रोहिणी धनधान्यादिपुत्राढ्या सुभगा भवेत् ॥ कन्या विवाहिता सम्पत्समृद्धा स्वामिपूजिता ।' इति । ननु नवमवर्षाया रोहिण्य अयुग्मवर्षत्वाद्विवाहः सम्भवति । गर्भता नवमवर्षग्रहणेऽयुग्मवर्षत्वापरिहारात्स दोषस्तदवस्थ एव । ये तु 'अयुग्मे दुर्भगा नारी युग्मे च विधवा भवेत्' इति चण्डेश्वरवाक्यमभ्यसन्ति तन्मते सुतरां विवाहाभावः । उच्यते - 'युग्मेऽब्दे सम्पदः सौस्यं विद्याधर्मायुषः सदा । भर्त्तुर्दुष्टा भवत्योजे निषेकात्रात्र संशयः ॥' इति पराशरवाक्याद्गर्भग्रहणं यथावसीयते । नारदादिवाक्ये तु जन्मत इत्यपि तत्र षष्ठवर्षानन्तरं जन्मतो विषमवर्षीयमासत्रयानन्तरं नव मासाः शुभाः समवर्षीयमासत्रयं च । इदमेव च मासत्रयं नारदादिमते गृह्यते इति युक्ता व्यवस्थेति युक्तमुत्पश्यामः । एतदेवाभिप्रेत्योक्तं श्रीपतिनिबन्धे -'मासत्रयादूर्ध्वयुग्मवर्षे युग्मे तु मासत्रयमेव यावत् । विवाहशुद्धिं प्रवदन्ति सन्तो वात्स्यादयो गर्गवराहमुस्याः ॥ इति । अयुग्मे दुर्भगा नारी युग्मे तु विधवा भवेत् । तस्माद्गर्भान्विते युग्मे विवाहे सा पतिव्रता ॥' इत चण्डेश्वरोक्तिश्च सार्थिका । एवं नवमवर्षस्यायुग्मत्वप्रयुक्तनिषेधोऽष्टवर्षानन्तरं मासत्रयमेव । तस्मादनन्तरं मासत्रयमेव । तस्मादनन्तरं तु सुस्नेन विवाह इति व्यासवाक्येनाविरोधः ।

स्त्रीणां गुरोः पुंसां रवेरुभयोश्चन्द्रस्य बलमावश्यकमेव विवाहे -

एवं विहितवर्षे यस्मिन्काले गुरुशुद्धिर्भवेत्तद्वशेन विवाहः कार्यः । गुरुशुद्धिस्तु - 'वटुकन्याजन्मराशेस्त्रिकोणायद्विसप्तगः । श्रेष्ठो गुरुः स्वषट्त्र्याद्ये पूजयाऽन्यत्र निन्दितः ॥' इत्युपनयनप्रकरणेऽभिहिता । यदाह गुरुः - 'स्त्रीणां गुरुबलेनैव विवाहः शोभनः स्मृतः । वरस्यार्कबलं ग्राह्यमैन्दवं तूभयोरपि' इति । 'सुरगुरबलमबलानां पुरुषाणां तीक्ष्णरश्मिबलमेव । चन्द्रबलं दम्पत्योरवलोक्य विशोधयेल्लग्नम् ॥' इति वराहोक्तेश्च । एतच्चावश्यकमित्यभिहितम् । यदा द्वयोरपि गुरुबलमिष्टं भवेत्तदा पाणिग्रहः शुभदः ।

रविगुरुबलान्यतराभावे विवाहादौ तत्सम्पादनोपायादिः -

द्वयोरन्यतरस्य गुर्वर्कशुद्धयै विवाहकालान्तरासम्भवे च तत्पित्रादिना पूजां कारयेत् । 'रविशुद्धौ गृहकरणं रविगुरुशुद्धौ व्रतोद्वाहौ । क्षौरं ताराशुद्धौ शेषं चन्द्राश्रितं कर्म ॥' इति राजमार्त्तण्डोक्तसामान्यवाक्यालोचनात् वराणां विवाह्यनां पुंसां रविशुद्धिवशेन विवाहः शुभः । उभयोः स्त्रीपुंसयोश्चन्द्रविशुद्धितो विवाहः शुभः स्मृतः । अत्र सम्मतिः प्रागुक्ताः ।

यदा तु कन्या कालातिक्रान्ता भवति तदा गुरुबलमनावश्यकमित्याह व्यासः -

'दशवर्षव्यतिक्रान्ता कन्या शुद्धिविवर्जिता । तस्यास्तारेन्दुलग्नानां शुद्धौ पाणिग्रहो मतः॥' इति ।

प्राप्ते काले गुरुशुद्ध्यादिविचार इति तत्त्वम् । सा च गुरुरविचन्द्रशुद्धिर्गोचरप्रकरणेऽभिहिता । गोचरबलाभावेऽष्टकवर्गादिबलं ग्राह्यमित्याह नारदः - 'गोचरं वेधजं चाष्टवर्गजं रूपजंबलम् । यथोत्तर बलाधिक्यं स्थूलं गोचरमार्गजम् ॥ इति ॥१२॥

पीताम्बरा - कन्या विवाह समय और ग्रह शुद्धि - ६ वर्ष से आगे सम वर्षो में (६, ८, १०) कन्या की जन्म राशि से गुरु की शुद्धि वर्ष के तथा वर की विषम वर्षो में रवि शुद्धि मास के और वर कन्या दोनों की चन्द्र शुद्धि दिवस में विवाह सम्बन्ध का लग्न शुभ होता है ।

प्राचीन आचार्यों के मत से कन्या के विवाह की वर्ष सीमा १२ वर्ष से कम है । १२ वर्ष से ऊपर की कन्याओं के विवाह में समय (अवस्था) के अतिक्रमण से गुरु शुद्धि आदिक विचार आवश्यक नहीं है । **-- पीयूषधारा**

नोट - आशा है कि विद्वानों (पाठकों) का इस पृष्ठ के आर्ष वचनों से विवाह में गुरुबल शंका समाधान हो जायेगा ।

प्रकाशक संस्थान ने मेरी लेखिनी को स्वतंत्र कर रखा है इसीलिए सारगर्भित व अनछुये रहस्यों को आपतक पहुँचाता रहता हूँ । अतः प्रकाशक संस्थान का आभार व्यक्त करते हैं । - गणितकर्ता

|| सन् २०१५-१६, संवत् २०७२ || + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल
१	....	+ ४।२१	+१४।५६	+२१।५९	+२३।०८	+१८।०८	+ ८।२८	- २।५९	-१४।१६	-२१।४३	-२३।०४	-१७।१८	- ७।२९	+ ४।३९
२	....	+ ४।४४	+१५।१४	+२२।०७	+२३।०४	+१७।५३	+ ८।०६	- ३।२३	-१४।३५	-२१।५३	-२२।५९	-१७।०१	- ७।०६	+ ५।०२
३	....	+ ५।०७	+१५।३२	+२२।१५	+२३।००	+१७।३८	+ ७।४४	- ३।४६	-१४।५४	-२२।०१	-२२।५३	-१६।४४	- ६।४३	+ ५।२५
४	....	+ ५।३०	+१५।४९	+२२।२२	+२२।५५	+१७।२२	+ ७।२२	- ४।०९	-१५।१३	-२२।१०	-२२।४८	-१६।२७	- ६।२०	+ ५।४८
५	....	+ ५।५३	+१६।०७	+२२।२९	+२२।५०	+१७।०६	+ ७।००	- ४।३२	-१५।३१	-२२।१८	-२२।४२	-१६।०९	- ५।५७	+ ६।१०
६	....	+ ६।१६	+१६।२४	+२२।३६	+२२।४४	+१६।५०	+ ६।३८	- ४।५५	-१५।५०	-२२।२६	-२२।३५	-१५।५१	- ५।३४	+ ६।३३
७	....	+ ६।३९	+१६।४१	+२२।४२	+२२।३८	+१६।३३	+ ६।१५	- ५।१८	-१६।०७	-२२।३३	-२२।२८	-१५।३२	- ५।१०	+ ६।५६
८	....	+ ७।०१	+१६।५७	+२२।४८	+२२।३२	+१६।१७	+ ५।५३	- ५।४१	-१६।२५	-२२।४०	-२२।२०	-१५।१३	- ४।४७	....
९	....	+ ७।२४	+१७।१४	+२२।५३	+२२।२५	+१६।००	+ ५।३०	- ६।०४	-१६।४३	-२२।४६	-२२।१२	-१४।५४	- ४।२४	....
१०	....	+ ७।४६	+१७।३०	+२२।५८	+२२।१८	+१५।४२	+ ५।०८	- ६।२७	-१७।००	-२२।५२	-२२।०४	-१४।३५	- ४।००	....
११	....	+ ८।०८	+१७।४५	+२३।०३	+२२।१०	+१५।२५	+ ४।४५	- ६।५०	-१७।१७	-२२।५७	-२१।५५	-१४।१६	- ३।३७	....
१२	....	+ ८।३०	+१८।०१	+२३।०७	+२२।०२	+१५।०७	+ ४।२२	- ७।१२	-१७।३३	-२३।०२	-२१।४६	-१३।५६	- ३।१३	....
१३	....	+ ८।५२	+१८।१६	+२३।११	+२१।५४	+१४।४९	+ ३।५९	- ७।३५	-१७।४९	-२३।०७	-२१।३६	-१३।३६	- २।४९	....
१४	....	+ ९।१४	+१८।३१	+२३।१४	+२१।४५	+१४।३१	+ ३।३६	- ७।५७	-१८।०५	-२३।११	-२१।२६	-१३।१६	- २।२६	....
१५	....	+ ९।३६	+१८।४५	+२३।१७	+२१।३६	+१४।१२	+ ३।१३	- ८।२०	-१८।२१	-२३।१४	-२१।१५	-१२।५६	- २।०२	....
१६	....	+ ९।५७	+१८।५९	+२३।२०	+२१।२६	+१३।५३	+ २।५०	- ८।४२	-१८।३६	-२३।१७	-२१।०४	-१२।३५	- १।३८	....
१७	....	+१०।१८	+१९।१३	+२३।२२	+२१।१७	+१३।३५	+ २।२७	- ९।०४	-१८।५१	-२३।२०	-२०।५३	-१२।१४	- १।१४	....
१८	....	+१०।३९	+१९।२७	+२३।२४	+२१।०६	+१३।१५	+ २।०४	- ९।२६	-१९।०६	-२३।२२	-२०।४१	-११।५३	- ०।५१	....
१९	....	+११।००	+१९।४०	+२३।२५	+२०।५६	+१२।५६	+ १।४१	- ९।४८	-१९।२०	-२३।२४	-२०।२९	-११।३२	- ०।२७	....
२०	....	+११।२१	+१९।५३	+२३।२६	+२०।४५	+१२।३६	+ १।१७	-१०।०९	-१९।३४	-२३।२५	-२०।१७	-११।११	- ०।०३	....
२१	+ ०।०२	+११।४२	+२०।०५	+२३।२६	+२०।३४	+१२।१७	+ ०।५४	-१०।३१	-१९।४८	-२३।२६	-२०।०४	-१०।४९	+ ०।२०	....
२२	+ ०।२६	+१२।०२	+२०।१७	+२३।२६	+२०।२२	+११।५७	+ ०।३१	-१०।५२	-२०।०१	-२३।२६	-१९।५१	-१०।२८	+ ०।४४	....
२३	+ ०।५०	+१२।२२	+२०।२९	+२३।२६	+२०।१०	+११।३७	+ ०।०७	-११।१३	-२०।१४	-२३।२६	-१९।३७	-१०।०६	+ १।०८	....
२४	+ १।१४	+१२।४२	+२०।४१	+२३।२५	+१९।५८	+११।१६	- ०।१६	-११।३४	-२०।२७	-२३।२६	-१९।२३	- ९।४४	+ १।३१	....
२५	+ १।३७	+१३।०२	+२०।५२	+२३।२४	+१९।४५	+१०।५६	- ०।३९	-११।५५	-२०।३९	-२३।२४	-१९।०९	- ९।२२	+ १।५५	....
२६	+ २।०१	+१३।२१	+२१।०२	+२३।२२	+१९।३२	+१०।३५	- १।०३	-१२।१६	-२०।५०	-२३।२३	-१८।५४	- ९।००	+ २।१९	....
२७	+ २।२४	+१३।४१	+२१।१३	+२३।२०	+१९।१९	+१०।१४	- १।२६	-१२।३६	-२१।०२	-२३।२१	-१८।३९	- ८।३७	+ २।४२	....
२८	+ २।४८	+१४।००	+२१।२३	+२३।१८	+१९।०६	+ ९।५३	- १।४९	-१२।५७	-२१।१३	-२३।१८	-१८।२३	- ८।१५	+ ३।०५	....
२९	+ ३।११	+१४।१९	+२१।३२	+२३।१५	+१८।५२	+ ९।३२	- २।१३	-१३।१७	-२१।२३	-२३।१५	-१८।०८	- ७।५२	+ ३।२९	....
३०	+ ३।३५	+१४।३७	+२१।४२	+२३।१२	+१८।३८	+ ९।११	- २।३६	-१३।३७	-२१।३३	-२३।१२	-१७।५२	....	+ ३।५२	....
३१	+ ३।५८	....	+२१।५१	....	+१८।२३	+ ८।४९	....	-१३।५६	....	-२३।०८	-१७।३५	....	+ ४।१५	....

उत्तर (धन) दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में)
संवत् २०७२, (सन २०१५-१६)

	महापात स्पर्शः		महापात मोक्षः	
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
व्यती.	१ अप्रे.	२१।२९	१ अप्रे.	२७।५८
वैधृति	१४ अप्रे.	१६।००	१४ अप्रे.	२१।४९
व्यती.	२६ अप्रे.	८।४८	२६ अप्रे.	१७।४३
वैधृति	८ मई	२३।५६	९ मई	१३।४८
व्यती.	८ अग.	९।१२	८ अग.	१९।५४
वैधृति	२१ अग.	१०।५८	२१ अग.	१९।०९
व्यती.	१ सितं.	२९।५५	२ सितं.	११।२९
वैधृति	१४ सितं.	२५।४९	१५ सितं.	८।१५
व्यती.	२७ सितं.	१४।०४	२७ सितं.	१९।०१
वैधृति	९ अक्टू.	१६।४२	९ अक्टू.	२३।२४
व्यती.	२२ अक्टू.	१७।५९	२२ अक्टू.	२४।२३
वैधृति	२ नवं.	२५।०८	३ नवं.	११।०९
व्यती.	२ फर.	३०।२५	३ फर.	२०।०२
वैधृति	१४ फर.	१९।५५	१४ फर.	२७।०६
व्यती.	२७ फर.	१३।४५	२७ फर.	२०।४८
वैधृति	१० मार्च	२१।१७	१० मार्च	२६।२२
व्यती.	२२ मार्च	२८।४५	२३ मार्च	११।००
वैधृति	४ अप्रे.	२८।३५	५ अप्रे.	९।५५

बृहद्दैवज्ञरंजन-मूल-(केवल संस्कृत में) अट्ठासी प्रकरणों में पञ्चाङ्ग निर्माणोपयोगी कालज्ञान से लेकर वास्तुप्रकरण पर्यन्त सभी विषय अर्थात् ज्योतिष के सिद्धान्त, संहिता, होरा नामक तीनों स्कन्धों का कोई विषय बाकी नहीं रहा है, यही नहीं किन्तु कई विषय ऐसे भी हैं, कि, जो अन्यत्र कहीं नहीं हैं।

प्रश्नशिरोमणि- हिन्दी टीका सहित। संपूर्ण द्वादश भावों का प्रश्न और उन्हींका फल, लाभप्रश्न, सन्तानप्रश्न, स्त्रीप्राप्तिप्रश्न, यात्राप्रश्न, द्रव्यप्राप्तिप्रश्न आदि लिखे हैं।

संवत् २०७२ शाकः १९३७ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
बै.कृ. १० से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	ज्ये.कृ. १२ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	बै.कृ. ०१ से रा द. उ. शु द. दि ७० प्र.	चै.शु. ०५ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	बै.शु. ०७ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	चै.शु. ०९ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	चै.शु. ०२ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	बै.शु. ०३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	चै.शु ०६ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	चै.शु. ०७ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	बै.शु. ०७ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	चै.शु. १५ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.
बै.शु. १५ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	प्र.आ.कृ. ०२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	प्र.आ.कृ. १४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	ज्ये.कृ. ०२ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	प्र.आ.कृ. ०५ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	ज्ये.शु. ०८ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	बै.शु. ०९ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	ज्ये.शु. ०९ से श द. उ. गु द. दि ५८ प्र.	ज्ये.शु. ०४ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	बै.शु. ०५ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	ज्ये.शु. ०५ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	ज्ये.शु. ०७ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.
प्र.आ.शु. ०८ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	द्वि.आ.शु. ०९ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	द्वि.आ.कृ. ०४ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	द्वि.आ.कृ. ३० से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	श्रा.शु. ०३ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	द्वि.आ.कृ. ०७ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	प्र.आ.शु. ०८ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	द्वि.आ.शु. ०९ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	प्र.आ.शु. ०९ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	प्र.आ.शु. ०३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	द्वि.आ.शु. ०३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	प्र.आ.शु. ०६ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.
द्वि.आ.शु. ०६ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	श्रा.शु. ०७ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	श्रा.शु. १० से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	श्रा.कृ. ०६ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	भा.कृ. ०९ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	भा.शु. ०४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	श्रा.कृ. ०८ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	भा.कृ. ०९ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	श्रा.शु. ०९ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	द्वि.आ.शु. ०९ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	श्रा.शु. ०९ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	श्रा.शु. ०४ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.
भा.शु. ०४ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. ०५ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	भा.शु. ०९ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	भा.शु. १२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.शु. १५ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.कृ. १० से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	आ.शु. ०४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.शु. ०५ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	आ.कृ. ०९ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	भा.शु. ०९ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	आ.शु. ०९ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	भा.शु. १० से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.
आ.शु. १० से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. १२ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. ०७ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. १० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	का.शु. १३ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	मा.कृ. ०२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	का.कृ. १० से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.कृ. १० से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.शु. ०५ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.कृ. ०९ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	मा.कृ. ०९ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	का.शु. १० से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.
मा.शु. ११ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	पौ.शु. १२ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	मा.शु. १४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. ०८ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	पौ.शु. ११ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	मा.शु. १५ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	पौ.कृ. ०२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	मा.कृ. ०२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	पौ.कृ. ११ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	पौ.शु. ०५ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	मा.शु. ०६ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	पौ.कृ. ०९ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.
मा.कृ. ०९ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	फा.कृ. १० से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	मा.शु. १४ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	मा.कृ. ०१ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	फा.कृ. ०३ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	मा.कृ. ०१ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	फा.कृ. ०१ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	फा.कृ. ०३ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	मा.कृ. १० से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.कृ. १० से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.शु. ०६ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.

संवत् २०७२, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०१५

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	रविवार २७ सितंवर मध्यान्ह १२।०७ बजे के बाद (भाद्र.शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम) ”	सोमवार २८ सितंबर प्रातः ८।२३ बजे के बाद
द्वितीया (दूज) ”	मंगलवार २९ सितंवर
तृतीया (तीज) ”	बुधवार ३० सितंवर
चतुर्थी (चोथ) ”	गुरुवार १ अक्टूवर
पंचमी (पांच) ”	शुक्रवार २ अक्टूबर
षष्ठी (छठ) ”	शनिवार ३ अक्टूवर
सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	रविवार ४ अक्टूबर मध्यान्ह २।३६ बजे के पहले
अष्टमी (आठं) ”	सोमवार ५ अक्टूबर
नवमी (नौमी) ”	मंगलवार ६ अक्टूबर
दशमी (दस) ”	बुधवार ७ अक्टूबर
एकादशी ”	गुरुवार ८ अक्टूबर
द्वादशी (बारस) ”	शुक्रवार ९ अक्टूबर
त्रयोदशी (तेरस) ”	शनिवार १० अक्टूबर
चतुर्दशी (चौदस) ”	रविवार ११ अक्टूबर
अमावस्या (मावस) ”	सोमवार १२ अक्टूबर

२१ मार्च से ४ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७,																						दिमा सू. सू. तारीख						स्टै.	प्रातः	दैनिक	केतकी अहर्गणः १४४५ वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च-अप्रेल २०१५
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सिंधारा	१	श	१२	२३	११	३५	उभा	५९	४४	३०	३७	ब्र	४५	३६	२४	५२	व	१२	२३	११	३५	३०/०१	६/३७	६/३८	३०	२९	२१	मेषे ३०।३०	११।०५।५७।०४	५९।३७	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक समाप्तिः ३०।३०, नवरात्रारम्भः, B
गणगोर	२	र	४	१७	८	१९	अश्वि	५४	२९	२८	२४	ऐ	३६	३६	२१	१५	कौ	४	१७	८	१९	०५	३६	३८	१	१	२२	मेषे	११।०६।५६।४१	५९।३५	मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, गणगौरी पूजा, मनोरथ तृतीया व्र., A
क्षयः	३	र	५७	१४	२९	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A सौभाग्य शयन व्र.,शिवशक्ति पू.,अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, D
चर	४	सो	५१	३९	२७	१५	भर	५०	४१	२६	५२	वै	२८	४०	१८	०३	व	२४	१७	१६	१८	०९	३५	३९	२	२	२३	मेषे	११।०७।५६।१६	५९।३३	भ.१६।१८ उ. २७।१५ या.,मेषे अश्वि.भौमः २१।३८,भर.शुक्रः १७।२४
गद	५	मं	४७	४८	२५	४१	कृति	४८	३४	२६	००	वि	२२	०३	१५	२३	ब	१९	३१	१४	२२	१४	३४	३९	३	३	२४	वृषे ८।३५	११।०८।५५।४९	५९।३०	कल्पादि, डोलोत्सवः [B घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, E
शुभ	६	बु	४५	५०	२४	५३	रोहि	४८	२१	२५	५३	प्री	१६	५३	१३	१८	कौ	१६	३६	१३	११	१८	३३	४०	४	४	२५	वृषे	११।०९।५५।१९	५९।२८	स्कन्द षष्ठी व्र. [E विद्या १,कल्पादि, श्रृंगार (सिंघारा) देशाचारे
मृत्यु	७	गु	४५	५४	२४	५३	मृग	५०	०६	२६	३४	आ	१३	१९	११	५१	ग	१५	३८	१२	४७	२२	३२	४१	५	५	२६	मिथु. १४।०८	११।१०।५४।४७	५९।२६	भ. २४।५३ उ. [G मीने बुधः २६।१३
पद्म	८	शु	४७	५६	२५	४१	आर्द्रा	५३	४५	२८	०१	सौ	११	१८	११	०२	वि	१६	४२	१३	१२	२६	३१	४१	६	६	२७	मिथु.	११।११।५४।१३	५९।२४	भ. १३।१२ या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं, G
रामनव	९	श	५१	४२	२७	१०	पुन	५९	०४	३०	०७	शो	१०	४६	१०	४८	बा	१९	३९	१४	२१	३०	२९	४२	७	७	२८	कर्के २३।३२	११।१२।५३।३७	५९।२१	श्री रामनवमी [D भा.चैत्रारंभः,जमादिलास्सर ६, पूभा.बुधः ८।२९
श्रीवत्स	१०	र	५६	५३	२९	१४	पुष्य	...	...	...	...	अ	११	२९	११	०४	तै	२४	११	१६	०९	३४	२८	४२	८	८	२९	कर्के	११।१३।५२।५८	५९।१९	उभा. बुधः २१।५६ [F रविः २३।४२ (सौरः २६।०३)
धाता	११	सो	...	...	...	...	पुष्य	५	४३	८	४५	सु	१३	११	११	४४	व	२९	५३	१८	२४	३९	२७	४३	९	९	३०	कर्के	११।१४।५२।१७	५९।१७	भ. १८।२४ उ. [C व्रतंपुण्यञ्च, वैशाख स्नानारंभः
ए.व्र.	११	मं	३	०३	७	३९	श्ले	१३	०९	११	४२	धृ	१५	२७	१२	३७	वि	३	०३	७	३९	४३	२६	४३	१०	१०	३१	सिंहे ११।४२	११।१५।५१।३४	५९।१४	भ. ७।३९ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः, रेव. F.
प्र.व्र.	१२	बु	९	३४	१०	१५	मघा	२०	५५	१४	४७	शू	१८	०१	१३	३७	वा	९	३४	१०	१५	४७	२५	४४	११	११	१	सिंहे	११।१६।५०।४८	५९।१२	प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, अप्रेल ४ ता. ३०
गद	१३	गु	१६	०७	१२	५१	पूफा	२८	३८	१७	५१	गं	२०	३२	१४	३७	तै	१६	०७	१२	५१	५१	२४	४४	१२	१२	२	कन्या २४।३६	११।१७।५०।००	५९।१०	जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः
शुभ	१४	शु	२२	१९	१५	१९	उफा	३६	०१	२०	४७	वृ	२२	४९	१५	३०	व	२२	१९	१५	१९	५५	२३	४५	१३	१३	३	कन्या	११।१८।४९।१०	५९।०७	भ. १५।१९ उ. २८।२८ या., कृत्ति. शुक्रः २१।३३
पूर्णिमा	१५	श	२८	००	१७	३४	हस्त	४२	५०	२३	३०	ध्रु	२४	४१	१६	१४	व	२८	००	१७	३४	५९	२२	४५	१४	१४	४	कन्या	११।१९।४८।१८	५९।०५	ग्रस्तोदयं खग्रासं चन्द्रग्रहणम्, मन्वादि, श्रीहनुमज्जयंती, पूर्णिमा C

अयनांशाः २४।०३।१३

पं.५० चै.शु. ५ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	१०	३	०	७	५	११
०९	००	२३	१८	१३	१०	१६	१६
०१	१६	१५	५०	५९	५५	३०	३०
५८	४३	३३	०७	३१	१२	२६	२६
५९	४४	१०३	२	७१	०	३	३
२७	४८	५०	५०	५५	५९	११	११
उभा	अ	पूभा	श्ले	भ	अनु	ह	उभा
२	१	१	१व	१	३व	२	४

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।०६।०४।२१	१ श	२१	७।४६	९।२२	११।१९	१।३३	३।५३	६।१०	८।२६	१०।४५	१।०४	३।०८	४।५२	६।२०
११।०७।०३।५८	२ र	२२	७।४२	९।१८	११।१५	१।२९	३।४९	६।०६	८।२२	१०।४१	१।००	३।०४	४।४८	६।१६
११।०८।०३।३३	४ चं	२३	७।३८	९।१५	११।११	१।२५	३।४६	६।०२	८।१८	१०।३७	१२।५६	३।०१	४।४४	६।१२
११।०९।०३।०६	५ मं	२४	७।३४	९।११	११।०७	१।२२	३।४२	५।५८	८।१४	१०।३३	१२।५२	२।५७	४।४०	६।०८
११।१०।०२।३६	६ बु	२५	७।३१	९।०७	११।०३	१।१८	३।३८	५।५५	८।१०	१०।२९	१२।४८	२।५३	४।३६	६।०४
११।११।०२।०४	७ गु	२६	७।२७	९।०३	१०।५९	१।१४	३।३४	५।५१	८।०६	१०।२६	१२।४४	२।४९	४।३२	६।०१
११।१२।०१।२९	८ शु	२७	७।२३	८।५९	१०।५५	१।१०	३।३०	५।४७	८।०२	१०।२२	१२।४०	२।४५	४।२८	५।५७
११।१३।००।५३	९ श	२८	७।१९	८।५५	१०।५१	१।०६	३।२६	५।४३	७।५९	१०।१८	१२।३६	२।४१	४।२४	५।५३
११।१४।००।१४	१० र	२९	७।१५	८।५१	१०।४७	१।०२	३।२२	५।३९	७।५५	१०।१४	१२।३२	२।३७	४।२०	५।४९
११।१४।५९।३२	११ चं	३०	७।११	८।४७	१०।४३	१२।५८	३।१८	५।३५	७।५१	१०।१०	१२।२८	२।३३	४।१६	५।४५
११।१५।५८।४९	११ मं	३१	७।०७	८।४३	१०।३९	१२।५४	३।१४	५।३१	७।४७	१०।०६	१२।२४	२।२९	४।१२	५।४१
११।१६।५८।०३	१२ बु	१	७।०३	८।३९	१०।३५	१२।५०	३।१०	५।२७	७।४३	१०।०२	१२।२०	२।२५	४।०८	५।३७
११।१७।५७।१५	१३ गु	२	६।५९	८।३५	१०।३१	१२।४६	३।०६	५।२३	७।३९	९।५८	१२।१७	२।२१	४।०४	५।३३
११।१८।५६।२४	१४ शु	३	६।५५	८।३१	१०।२७	१२।४२	३।०२	५।१९	७।३५	९।५४	१२।१३	२।१७	४।००	५।२९
११।१९।५५।३१	१५ श	४	६।५१	८।२७	१०।२३	१२।३८	२।५८	५।१५	७।३१	९।५०	१२।०९	२।१३	३।५७	५।२५

मास फलम्

चन्द्रग्रहण, ता. ४ अप्रे. २०१५, शनिवार, संवत् २०७२ । प्रतिपदा को शनिवार होने से रस (रसायन) घास और खेती का नाश तथा जल का शोष हो । मास की शुक्ला तृतीया का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों । पूर्णिमा हस्त युक्त होने से समर्घता हो । पूर्णिमा शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष हो । पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । अतिवृष्टि हो, नदियों में बहुत बाढ़ आवे ।

अयनांशाः २४।०३।१४

पं.५१ चै.शु.११ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	११	३	०	७	५	११
१५	०५	०५	१८	२२	१०	१६	१६
५७	२९	५१	३४	२१	४६	०८	०८
२२	१६	२३	०९	१४	१४	११	११
५९	४४	११३	१	७१	१	३	३
१३	२८	२३	३२	२१	४०	११	११
उभा	अ	उभा	श्ले	भ	अनु	ह	उभा
४	२	१	१व	३	३व	२	४

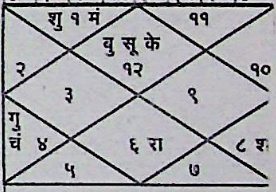

५ अप्रेल से १८ अप्रेल तक, श्री वैशास्य कृष्णपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	(दिमा) घ.प	(सू.) उ.	(सू.) अ.	(तारीख) भा.	मु.	इं.	(स्टै.) चंद्रः	(प्रातः) सौर र. स्प.	(दैनिक) गति
पद्म	१	र	३२	५८	१९	३२	चित्रा	४८	५७	२५	५५	व्या	२६	०१	१६	४५	बा	०	३६	६	३५	३१/०३	६/२१	६/४६	१५	१५	५	तुला. १२।४५	११।२०।४७।२३	५९।०३
छत्र	२	सो	३७	०४	२१	०९	स्वा	५४	१२	२८	००	ह	२६	४५	१७	०१	तै	५	१०	८	२४	०७	१९	४६	१६	१६	६	तुला.	११।२१।४६।२६	५९।०१
श्रीवत्स	३	मं	४०	०८	२२	२२	विशा	५८	२५	२९	४०	व	२६	४१	१६	५९	व	८	४६	९	४९	११	१८	४७	१७	१७	७	वृश्चि. २३।१८	११।२२।४५।२६	५८।५८
च.व्र.	४	बु	४२	०१	२३	०६	अनु	...	...	...	...	सि	२५	४४	१६	३५	ब	११	१५	१०	४७	१५	१७	४७	१८	१८	८	वृश्चि.	११।२३।४४।२४	५८।५६
आनन्द	५	गु	४२	३४	२३	१८	अनु	१	२९	६	५२	व्य	२३	४९	१५	४८	कौ	१२	२९	११	१६	१९	१६	४८	१९	१९	९	वृश्चि.	११।२४।४३।२०	५८।५४
चर	६	शु	४१	४२	२२	५६	ज्ये	३	१२	७	३२	व	२०	४८	१४	३४	गं	१२	२०	११	११	२३	१५	४८	२०	२०	१०	धनु. ७।३२	११।२५।४२।१४	५८।५१
गद	७	श	३९	२६	२२	००	मूल	३	३२	७	३९	प	१६	४०	१२	५४	वि	१०	४६	१०	३२	२७	१४	४९	२१	२१	११	धनु.	११।२६।४१।०५	५८।४९
शुभ	८	र	३५	४६	२०	३१	पूषा	२	२८	७	१२	शि	११	२४	१०	४७	बा	७	४७	९	२०	३१	१३	४९	२२	२२	१२	मक. १३।००	११।२७।३९।५४	५८।४७
काण	९	सो	३०	५०	१८	३२	उषा	०/५६	०४/२५	६/२८	१४/४६	सि	५/५७	०५/४४	८/२९	१४/४२	तै	३	२९	७	३५	३५	१२	५०	२३	२३	१३	मक.	११।२८।३८।४१	५८।४५
उत्पात	१०	मं	२४	४६	१६	०५	धनि	५१	४७	२६	५४	शु	४९	३७	२६	०२	वि	२४	४६	१६	०५	३९	११	५१	२४	२४	१४	कुंभे १५।५३	११।२९।३७।२६	५८।४२
ए.व्र.	११	बु	१७	४६	१३	१६	शत	४६	२२	२४	४३	शु	४०	४८	२२	२९	बा	१७	४६	१३	१६	४३	१०	५१	२५	२५	१५	कुंभे	०।००।३६।०८	५८।४०
प्र.व्र.	१२	गु	१०	०७	१०	१२	पूभा	४०	२५	२२	१९	ब्र	३१	३३	१८	४६	तै	१०	०७	१०	१२	४७	०९	५२	२६	२६	१६	मीने १६।५५	०।०१।३४।४८	५८।३८
ध्वजा	१३	शु	२	०४	६	५७	उभा	३४	१५	१९	५०	ऐ	२२	०५	१४	५८	व	२	०४	६	५७	५१	०८	५२	२७	२७	१७	मीने	०।०२।३३।२६	५८।३६
क्षयः	१४	शु	५३	५५	२७	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमाव.	३०	श	४६	०४	२४	३२	रेव	२८	१४	१७	२५	वै	१२	४०	११	११	च	१९	५७	१४	०६	५५	०७	५३	२८	२८	१८	मेषे १७।२५	०।०३।३२।०२	५८।३३

वसंतर्त्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल २०१५

यहाँ लिख्ये भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
ग्रहण-करिदिन, रेव. बुधः २०।११
वृषे शुक्रः १७।१०
भ. ९।४९ उ. २२।२२ या.
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२१, अनुसूया जयंती
मार्गी गुरुः ७।२९
भ. २२।५६ उ., भर. भौमः २१।४२
भ. १०।३२ या.
बूढो वास्योड़ो, मेषे अश्वि. बुधः ८।१३
भ. २९।२२ उ.
भ. १६।०५ या., पंचक प्रारम्भः १५।५३, मेषे अश्वि. रविः A
वरुथिनि ११ व्र. [A १३।०२ (सौरः १५।२४), रोहि. शुक्रः २९।४०
प्रदोषः [C पश्चिमायाम् १४।२२
भ. ६।५७ उ. १७।१९ या., मासिकशिवरात्री व्र., भौमास्तः C
[B (व) अनु.-२ शनिः २९।००
पंचक समाप्तिः १७।२५, देवपितृकार्येऽमा., भर. बुधः १६।३४, B

अयनांशाः २४।०३।१५

पं.५२ वै.कृ. ३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	११	३	१	७	५	११
२२	१०	१९	१८	००	१०	१५	१५
५१	३९	३१	२७	३८	३२	४५	४५
०७	२७	१५	२५	४६	४१	५८	५८
५८	४४	१२१	०	७०	२	३	३
५८	०७	४७	१२	४२	१७	११	११
रे	अ	रे	श्ले	कृ	अनु	ह	उभा
२	४	१	१व	२	३व	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अप्रे.	मेष प्रातः	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायं	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
११।२०।५४।३६	१.र	५	६।४७	८।२३	१०।१९	१२।३४	२।५४	५।११	७।२७	९।४६	१२।०५	२।०९	३।५३	५।२१
११।२१।५३।३९	२ चं	६	६।४३	८।१९	१०।१६	१२।३०	२।५०	५।०७	७।२३	९।४२	१२।०१	२।०५	३।४९	५।१७
११।२२।५२।३९	३ मं	७	६।३९	८।१५	१०।१२	१२।२६	२।४६	५।०३	७।१९	९।३८	११।५७	२।०१	३।४५	५।१३
११।२३।५१।३७	४ बु	८	६।३५	८।१२	१०।०८	१२।२२	२।४३	४।५९	७।१५	९।३४	११।५३	१।५७	३।४१	५।०९
११।२४।५०।३३	५ गु	९	६।३१	८।०८	१०।०४	१२।१८	२।३९	४।५५	७।११	९।३०	११।४९	१।५४	३।३७	५।०५
११।२५।४९।२६	६ शु	१०	६।२७	८।०४	१०।००	१२।१५	२।३५	४।५१	७।०७	९।२६	११।४५	१।५०	३।३३	५।०१
११।२६।४८।१७	७ श	११	६।२४	८।००	९।५६	१२।११	२।३१	४।४८	७।०३	९।२२	११।४१	१।४६	३।२९	४।५८
११।२७।४७।०६	८ र	१२	६।२०	७।५६	९।५२	१२।०७	२।२७	४।४४	६।५९	९।१९	११।३७	१।४२	३।२५	४।५४
११।२८।४५।५३	९ चं	१३	६।१६	७।५२	९।४८	१२।०३	२।२३	४।४०	६।५५	९।१५	११।३३	१।३८	३।२१	४।५०
११।२९।४४।३७	१० मं	१४	६।१२	७।४८	९।४४	११।५९	२।१९	४।३६	६।५२	९।११	११।२९	१।३४	३।१७	४।४६
००।००।४३।१९	११ बु	१५	६।०८	७।४४	९।४०	११।५५	२।१५	४।३२	६।४८	९।०७	११।२५	१।३०	३।१३	४।४२
००।०१।४१।५९	१२ गु	१६	६।०४	७।४०	९।३६	११।५१	२।११	४।२८	६।४४	९।०३	११।२१	१।२६	३।०९	४।३८
००।०२।४०।३६	१३ शु	१७	६।००	७।३६	९।३२	११।४७	२।०७	४।२४	६।४०	८।५९	११।१७	१।२२	३।०५	४।३४
००।०३।३९।११	३० श	१८	५।५६	७।३२	९।२८	११।४३	२।०३	४।२०	६।३६	८।५५	११।१३	१।१८	३।०१	४।३०

संक्रांति फलम्

ता. १४ अप्रेल २०१५
वैशा. कृ. १० भौमे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १३।०२ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम महोदरी चोरान् सुस्यदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्यदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोल्मनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (वैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) ७।०२ से १९।०२ तक (दान- मेष)।

अयनांशाः २४।०३।१६

पं. १ वै.कृ.११ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	०	३	१	७	५	११
००	१६	०६	१८	१०	१०	१५	१५
४१	३१	०८	३१	०१	१२	२०	२०
५८	०२	१२	०५	२७	०३	३२	३२
५८	४३	१२६	१	६९	२	३	३
४२	४३	२३	१८	५०	५६	११	११
अ	भ	अ	श्ले	रो	अनु	ह	उभा
१	१	२	१	१	३व	२	४

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१९ अप्रेल से ४ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
आनन्द	१	र	३८	५१	२१	३८	अश्वि	२२	४४	१५	११	वि	३/५५	३५/०५	७/२८	३२/०२	किं	१२	२२	११	०३	३१/५९	६/०६	६/५३	२९	२९	१९	मेषे	०।०४।३०।३५	५८।३१
चर	२	सो	३२	३७	१९	०७	भर	१८	०६	१३	१९	आ	४७	३२	२५	०५	वा	५	३६	८	१९	३३/०३	०५	५४	३०	३०	२०	वृषे १८।५६	०।०५।२९।०६	५८।२९
अक्षया	३	मं	२७	४३	१७	०९	कृति	१४	४४	११	५७	सौ	४१	०८	२२	३१	ग	२७	४३	१७	०९	०६	०४	५४	१	१	२१	वृषे	०।०६।२७।३५	५८।२७
शुभ	४	बु	२४	२९	१५	५१	रोहि	१२	५६	११	१३	शो	३६	०९	२०	३०	वि	२४	२९	१५	५१	१०	०३	५५	२	२	२२	मिथु. २३।०८	०।०७।२६।०२	५८।२५
मृत्यु	५	गु	२३	१०	१५	१८	मृग	१२	५९	११	१४	अ	३२	४३	१९	०७	बा	२३	१०	१५	१८	१४	०२	५५	३	३	२३	मिथु.	०।०८।२४।२६	५८।२२
पद्म	६	शु	२३	५३	१५	३४	आर्द्रा	१५	००	१२	०१	सु	३०	५३	१८	२२	तै	२३	५३	१५	३४	१७	०१	५६	४	४	२४	मिथु.	०।०९।२२।४८	५८।२०
छत्र	७	श	२६	३४	१६	३८	पुन	१८	५९	१३	३६	धृ	३०	३५	१८	१४	व	२६	३४	१६	३८	२१	००	५७	५	५	२५	कर्के ७।०८	०।१०।२१।०९	५८।१८
श्रीवत्स	८	र	३१	००	१८	२३	पुष्य	२४	४०	१५	५१	शू	३१	३६	१८	३८	व	३१	००	१८	२३	२५	५/५९	५७	६	६	२६	कर्के	०।११।१९।२७	५८।१६
सौम्य	९	सो	३६	४३	२०	४०	श्ले	३१	३९	१८	३८	गं	३३	३६	१९	२५	बा	३	४५	७	२८	२८	५८	५८	७	७	२७	सिंहे १८।३८	०।१२।१७।४३	५८।१४
काल	१०	मं	४३	०९	२३	१३	मघा	३९	२२	२१	४२	वृ	३६	०९	२०	२५	तै	९	५४	९	५५	३२	५७	५८	८	८	२८	सिंहे	०।१३।१५।५६	५८।१२
ए.व्र.	११	बु	४९	३९	२५	४८	पूफा	४७	११	२४	४९	ध्रु	३८	५०	२१	२९	व	१६	२७	१२	३१	३६	५७	५९	९	९	२९	सिंहे	०।१४।१४।०८	५८।१०
मातङ्ग	१२	गु	५५	४४	२८	१३	उफा	५४	३७	२७	४७	व्या	४१	१५	२२	२६	व	२२	४७	१५	०३	३९	५६	५९	१०	१०	३०	कन्या ७।३५	०।१५।१२।१८	५८।०८
प्र.व्र.	१३	शु	...	...	...	...	हस्त	...	...	...	...	ह	४३	०६	२३	०९	कौ	२८	३०	१७	१९	४३	५५	७/००	११	११	१	कन्या	०।१६।१०।२५	५८।०६
मृत्यु	१३	श	१	०१	६	१९	हस्त	१	१८	६	२५	व	४४	१२	२३	३५	तै	१	०१	६	१९	४६	५४	०१	१२	१२	२	तुला. १९।३६	०।१७।०८।३१	५८।०४
पद्म	१४	र	५	१४	७	५९	चित्रा	६	५७	८	४०	सि	४४	२६	२३	४०	व	५	१४	७	५९	४९	५३	०१	१३	१३	३	तुला.	०।१८।०६।३४	५८।०२
पूर्णिमा	१५	सो	८	१८	९	१२	स्वा	११	२९	१०	२८	व्य	४३	४५	२३	२३	व	८	१८	९	१२	५३	५३	०२	१४	१४	४	वृश्चि. २९।३१	०।१९।०४।३६	५८।००

केतकी अहर्गणः १४७४ वसंतर्तु रविरुत्तरे, अप्रेल-मई २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
[A सायन वृषे भानुः १४।५५, बुधोदयः पश्चिमायाम् ७।२३
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती, A
भ.२८।२५ उ.,रोहि. रे. ६ SISशुISSIIII रात्रौ लग्न १०, ११, B
भ. १५।५१ या. [B युगादि, कल्पादि, अक्षय तृतीया, भा. E
श्री आद्यशंकराचार्य जयंती [E वैशाखारंभः, रज्जव ७
श्री रामानुज जयंती
भ. १६।३८ उ. २९।२६ या., गंगोत्पत्ति, कृत्ति. बुधः १२।१०
मृगे शुक्रः १९।०४ [D भर. रविः २८।५२, वृषे बुधः १०।०९
मघा. रे. ६ ISIIISISSI रात्रौ लग्न १०, ११, १, सीता ९, D
भर. सौरः ७।३८, अगस्त्यास्तः ६।४३
भ.१२।३१ उ. २५।४८ या., उफा. रे. ७ IIIIISSISI रात्रौ लग्न F
उफा. रे. ७ IIIIISSISI रात्रौ लग्न १०, ११
प्रदोषः,मई ५ ता.३१ [F ११, १, मोहिनी ११ व्र.,कृत्ति.भौमः ६।४२
नृसिंह १४, मिथुने शुक्रः १६।२० [C रोहि. बुधः ८।०१
भ. ७।५९ उ. २०।३९ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतं, वृषे भौमः २२।२६
पूर्णिमा पुण्यं, वैशाखस्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदानं, C

अयनांशाः २४।०३।१७

पं. २ वै.शु. ४ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	०	०	३	१	७	५	११
०७	२१	२०	१८	१८	०९	१४	१४
३२	३६	३२	४४	०७	४९	५८	५८
१३	०३	३८	०१	४५	५८	१७	१७
५८	४३	११६	२	६८	३	३	३
२९	२३	१६	३४	५७	२६	११	११
अ	भ	भ	श्ले	रो	अनु	ह	उभा
३	३	३	१	३	२व	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।०४।३७।४४	१ र	१९	५।५२	७।२८	९।२४	११।३९	१।५९	४।१६	६।३२	८।५१	११।१०	१।१४	२।५७	४।२६
००।०५।३६।१५	२ चं	२०	५।४८	७।२४	९।२०	११।३५	१।५५	४।१२	६।२८	८।४७	११।०६	१।१०	२।५४	४।२२
००।०६।३४।४४	३ मं	२१	५।४४	७।२०	९।१६	११।३१	१।५१	४।०८	६।२४	८।४३	११।०२	१।०६	२।५०	४।१८
००।०७।३३।१०	४ बु	२२	५।४०	७।१६	९।१३	११।२७	१।४७	४।०४	६।२०	८।३९	१०।५८	१।०२	२।४६	४।१४
००।०८।३१।३४	५ गु	२३	५।३६	७।१२	९।०९	११।२३	१।४३	४।००	६।१६	८।३५	१०।५४	१२।५८	२।४२	४।१०
००।०९।२९।५७	६ शु	२४	५।३२	७।०८	९।०५	११।१९	१।३९	३।५६	६।१२	८।३१	१०।५०	१२।५४	२।३८	४।०६
००।१०।२८।१६	७ श	२५	५।२८	७।०५	९।०१	११।१५	१।३६	३।५२	६।०८	८।२७	१०।४६	१२।५१	२।३४	४।०२
००।११।२६।३४	८ र	२६	५।२४	७।०१	८।५७	११।१२	१।३२	३।४८	६।०४	८।२३	१०।४२	१२।४७	२।३०	३।५८
००।१२।२४।५०	९ चं	२७	५।२०	६।५७	८।५३	११।०८	१।२८	३।४५	६।००	८।१९	१०।३८	१२।४३	२।२६	३।५४
००।१३।२३।०३	१० मं	२८	५।१७	६।५३	८।४९	११।०४	१।२४	३।४१	५।५६	८।१६	१०।३४	१२।३९	२।२२	३।५१
००।१४।२१।१५	११ बु	२९	५।१३	६।४९	८।४५	११।००	१।२०	३।३७	५।५२	८।१२	१०।३०	१२।३५	२।१८	३।४७
००।१५।१९।२४	१२ गु	३०	५।०९	६।४५	८।४१	१०।५६	१।१६	३।३३	५।४९	८।०८	१०।२६	१२।३१	२।१४	३।४३
००।१६।१७।३१	१३ शु	१	५।०५	६।४१	८।३७	१०।५२	१।१२	३।२९	५।४५	८।०४	१०।२२	१२।२७	२।१०	३।३९
००।१७।१५।३७	१३ श	२	५।०१	६।३७	८।३३	१०।४८	१।०८	३।२५	५।४१	८।००	१०।१८	१२।२३	२।०६	३।३५
००।१८।१३।४०	१४ र	३	४।५७	६।३३	८।२९	१०।४४	१।०४	३।२१	५।३७	७।५६	१०।१४	१२।१९	२।०२	३।३१
००।१९।११।४१	१५ चं	४	४।५३	६।२९	८।२५	१०।४०	१।००	३।१७	५।३३	७।५२	१०।१०	१२।१५	१।५८	३।२७

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं और वैशाख मे पांच रविवार होने से वर्षा के गर्भ को बिगाड़ते हैं । यथा- एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः । पंचार्कयोगेवैशाखे वृष्टिगर्भविनाशकः ॥ इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो । शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो पिता-पुत्रों में पराङ्मुखता हो । अमावस्या रेवती योग सुभिक्ष और सुखद है । वैशाखी अमावस को रेवती होने से सुभिक्ष हो । धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों । मेष राशि में बुध का उदय होने से गाय बैल आदि चौपायों को बड़ी भारी पीड़ा हो, टीडी आदि से धान्य महँगा हो ।

अयनांशाः २४।०३।१८

पं. ३ वै.शु.११ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के..
०	०	१	३	१	७	५	११
१४	२६	०२	१९	२६	०९	१४	१४
२०	३८	५७	०५	०७	२४	३६	३६
५७	३८	३९	४०	२४	४०	०३	०३
५८	४३	९११	३	६७	३	३	३
१६	०२	३१	४६	५५	५१	१०	१०
भ	भ	कृ	श्ले	मृ	अनु	ह	उभा
१	४	२	१	१	२व	२	४

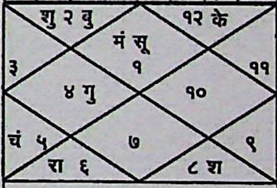

५ मई से १८ मई तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	मं	१०	०९	९	५५	विशा	१४	५२	११	४८	व	४२	०८	२२	४३	कौ	१०	०९	९	५५	३२/५६	५/५२	७/०२	१५	१५	५	वृश्चि.	०।२०।०२।३५	५७।५८
सौम्य	२	बु	१०	४८	१०	१०	अनु	१७	०४	१२	४१	प	३९	३६	२१	४१	ग	१०	४८	१०	१०	३३/००	५१	०३	१६	१६	६	वृश्चि.	०।२१।००।३३	५७।५६
च.व्र.	३	गु	१०	१८	९	५७	ज्ये	१८	०९	१३	०६	शि	३६	१०	२०	१८	वि	१०	१८	९	५७	०३	५०	०३	१७	१७	७	धनु. १३।०६	०।२१।५८।२९	५७।५४
सुस्थिर	४	शु	८	४२	९	१८	मूल	१८	११	१३	०६	सि	३१	५४	१८	३५	बा	८	४२	९	१८	०६	५०	०४	१८	१८	८	धनु.	०।२२।५६।२२	५७।५२
मातङ्ग	५	श	६	०७	८	१५	पूषा	१७	१४	१२	४३	सा	२६	५२	१६	३४	तै	६	०७	८	१५	०९	४९	०५	१९	१९	९	मक. १८।३३	०।२३।५४।१४	५७।५०
अमृत	६	र	२	३७	६	५१	उषा	१५	२६	११	५९	शु	२१	०९	१४	१६	व	२	३७	६	५१	१२	४८	०५	२०	२०	१०	मक.	०।२४।५२।०४	५७।४८
क्षयः	७	र	५८	१९	२९	०८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिद्धि	८	सो	५३	२०	२७	०८	श्रव	१२	५२	१०	५६	शु	१४	४९	११	४३	वा	२५	५५	१६	१०	१५	४८	०६	२१	२१	११	कुंभे २२।१९	०।२५।४९।५२	५७।४६
उत्पात	९	मं	४७	४८	२४	५४	धनि	९	३८	९	३८	ब्र	७	५६	८	५८	तै	२०	३९	१४	०३	१८	४७	०६	२२	२२	१२	कुंभे	०।२६।४७।३८	५७।४४
मानस	१०	बु	४१	४५	२२	२८	शत	५	५१	८	०७	ऐ	०/५२	३७/५४	६/२६	०१/५६	व	१४	५०	११	४२	२१	४६	०७	२३	२३	१३	मीने २४।५१	०।२७।४५।२३	५७।४३
ए.व्र.	११	गु	३५	२०	१९	५४	पूभा	१/५७	३७/०४	६/२८	३५/३५	वि	४४	५६	२३	४४	ब	८	३५	९	१२	२४	४६	०७	२४	२४	१४	मीने	०।२८।४३।०५	५७।४१
प्र.व्र.	१२	शु	२८	४५	१७	१५	रेव	५२	२६	२६	४४	प्री	३६	५०	२०	२९	कौ	२	०४	६	३५	२७	४५	०८	२५	२५	१५	मेषे २६।४४	०।२९।४०।४६	५७।३९
सौम्य	१३	श	२२	११	१४	३७	अश्वि	४७	५७	२४	५५	आ	२८	४८	१७	१६	व	२२	११	१४	३७	३०	४५	०९	२६	२६	१६	मेषे	१।००।३८।२६	५७।३७
काल	१४	र	१५	५५	१२	०६	भर	४३	५३	२३	१७	सौ	२१	०२	१४	०९	श	१५	५५	१२	०६	३३	४४	०९	२७	२७	१७	वृषे २८।५५	१।०१।३६।०३	५७।३६
अमाव.	३०	सो	१०	१३	९	४९	कृति	४०	३४	२१	५७	शो	१३	४७	११	१४	ना	१०	१३	९	४९	३६	४४	१०	२८	२८	१८	वृषे	१।०२।३३।३९	५७।३४

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति गुर्जराः, मई २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

भ. २२।०७ उ., नारद जयंती, वीणादानं
भ. ९।५७ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०५, टैगोर जयन्ती
आर्द्रा. शुक्रः १५।४७
उषा. रे. ६ SSIIISIIIS रात्रौ लग्न ११
भ. ६।५१ उ. १८।०२ या., श्लेषा.-२ गुरुः २२।२०
[A (मरु.), रोहि. भौमः २५।१८
पंचक प्रारम्भः २२।१९, कृत्ति. रविः २३।०३ (सौरः २६।३७)
[B भाऊका-करिदिन
भ. ११।४२ उ. २२।२८ या.
अपरा ११ व्र.
पंचक समाप्तिः २६।४४, प्रदोषः, वृषे रविः ९।५६ (सौरः १३।४५)
भ. १४।३७ उ. २५।२० या., मासिकशिवरात्री व्र.
शनैश्चर जयन्ती, पितृकार्येऽमा., भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. A
देवकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, सोमवती अमा., B

अयनांशाः २४।०३।१८

पं. ४ ज्ये.कृ. २ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	१	३	२	७	५	११
२१	०१	१२	१९	०३	०८	१४	१४
०८	३८	१०	३५	५९	५६	१३	१३
१४	४८	०८	३५	१६	४७	४८	४८
५८	४२	६१	४	६६	४	३	३
०४	४१	३१	५४	४२	१०	१०	१०
भ	कृ	रो	श्ले	मृ	अनु	ह	उभा
३	२	१	१	४	२व	२	४

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।२०।०९।४०	१ मं	५	४।४९	६।२५	८।२१	१०।३६	१२।५६	३।१३	५।२९	७।४८	१०।०७	१२।११	१।५४	३।२३
००।२१।०७।३८	२ बु	६	४।४५	६।२१	८।१७	१०।३२	१२।५२	३।०९	५।२५	७।४४	१०।०३	१२।०७	१।५०	३।१९
००।२२।०५।३३	३ गु	७	४।४१	६।१७	८।१३	१०।२८	१२।४८	३।०५	५।२१	७।४०	९।५९	१२।०३	१।४७	३।१५
००।२३।०३।२६	४ शु	८	४।३७	६।१३	८।०९	१०।२४	१२।४४	३।०१	५।१७	७।३६	९।५५	११।५९	१।४३	३।११
००।२४।०१।१८	५ श	९	४।३३	६।०९	८।०६	१०।२०	१२।४०	२।५७	५।१३	७।३२	९।५१	११।५५	१।३९	३।०७
००।२४।५९।०८	६ र	१०	४।२९	६।०५	८।०२	१०।१६	१२।३६	२।५३	५।०९	७।२८	९।४७	११।५१	१।३५	३।०३
००।२५।५६।५५	८ चं	११	४।२५	६।०१	७।५८	१०।१२	१२।३२	२।४९	५।०५	७।२४	९।४३	११।४७	१।३१	२।५९
००।२६।५४।४१	९ मं	१२	४।२१	५।५८	७।५४	१०।०८	१२।२९	२।४५	५।०१	७।२०	९।३९	११।४४	१।२७	२।५५
००।२७।५२।२६	१० बु	१३	४।१७	५।५४	७।५०	१०।०५	१२।२५	२।४१	४।५७	७।१६	९।३५	११।४०	१।२३	२।५१
००।२८।५०।०८	११ गु	१४	४।१४	५।५०	७।४६	१०।०१	१२।२१	२।३८	४।५३	७।१२	९।३१	११।३६	१।१९	२।४७
००।२९।४७।४९	१२ शु	१५	४।१०	५।४६	७।४२	९।५७	१२।१७	२।३४	४।४९	७।०९	९।२७	११।३२	१।१५	२।४४
०१।००।४५।२७	१३ श	१६	४।०६	५।४२	७।३८	९।५३	१२।१३	२।३०	४।४५	७।०५	९।२३	११।२८	१।११	२।४०
०१।०१।४३।०५	१४ र	१७	४।०२	५।३८	७।३४	९।४९	१२।०९	२।२६	४।४२	७।०१	९।१९	११।२४	१।०७	२।३६
०१।०२।४०।४०	३० चं	१८	३।५८	५।३४	७।३०	९।४५	१२।०५	२।२२	४।३८	६।५७	९।१५	११।२०	१।०३	२।३२

संक्रांति फलम्

ता. १५ मई २०१५
ज्ये. कृ. १२ भृगौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ९।५६ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्सा उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः गुरौ (स्टै.) २७।३२ से भृगौ ९।५६ तक। (दान-गौ)।

अयनांशाः २४।०३।१९

पं. ५ ज्ये.कृ.१० बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	१	३	२	७	५	११
२७	०६	१७	२०	११	०८	१३	१३
५४	३६	४१	१३	४१	२७	५१	५१
१०	३३	२५	१५	५५	०१	३३	३३
५७	४२	२७	५	६५	४	३	३
५३	२१	३७	५९	१५	२२	११	११
कृ	कृ	रो	श्ले	आ	अनु	ह	उभा
१	३	३	२	२	२व	२	४

१९ मई से २ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिना सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः १५०४ ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे, मई-जून २०१५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मातङ्ग	१	मं	५	२७	७	५४	रोहि	३८	२२	२१	०४	अ	७	१७	८	३८	व	५	२७	७	५४	३३/३२	५/४३	७/१०	२९	२९	१९	वृषे	१।०३।३१।१३	५७।३३	मृगे रे. ९ ।।।।।ऽ।।।। रात्रौ लग्न ११, चंद्रदर्शनम् (मु.४५), B
अमृत	२	बु	१	५६	६	२९	मृग	३७	३५	२०	४५	सु	१	५०	६	२७	कौ	१	५६	६	२९	४१	४३	११	३०	१	२०	मिथु. ८।५०	१।०४।२८।४६	५७।३१	रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, सावान ८, पुन. शुक्रः २३।१४
क्षयः	३	बु	५९	५७	२९	४१	०	०	०	०	०	धृ	५७	३६	२८	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	[B करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा., वक्री बुधः १६।१२
काण	४	गु	५९	४५	२९	३६	आर्द्रा	३८	२९	२१	०६	शू	५४	४९	२७	३८	व	२९	३७	१७	३३	४३	४२	११	३१	२	२१	मिथु.	१।०५।२६।१७	५७।२९	भ. १७।३३ उ. २९।३६ या., सायन मिथुने भानुः १४।०३
लुम्बक	५	शु	...	...	...	...	पुन	४१	१२	२२	११	गं	५३	३०	२७	०६	व	३०	२२	१७	५१	४६	४२	१२	१	३	२२	कर्के १५।५०	१।०६।२३।४६	५७।२८	भा. ज्येष्ठारंभः, बुधास्तः पश्चिमायाम् २०।२७, हस्ते-१ राहुः C
मित्र	५	श	१	२८	६	१६	पुष्य	४५	४४	२३	५९	वृ	५३	३८	२७	०८	वा	१	२८	६	१६	४८	४१	१३	२	४	२३	कर्के	१।०७।२१।१४	५७।२६	[C २७।५८, उभा.-३ केतुः २७।५८
वज्र	६	र	४	५८	७	४०	श्ले	५१	५१	२६	२५	ध्रु	५४	५९	२७	४१	तै	४	५८	७	४०	५१	४१	१३	३	५	२४	सिंहे २६।२५	१।०८।१८।४०	५७।२५	[A साध्य व्र., कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः, पुष्ये शुक्रः २३।४०
ध्वाङ्क्ष	७	सो	१०	०१	९	४१	मघा	५९	०६	२९	१९	व्या	५७	१३	२८	३४	व	१०	०१	९	४१	५३	४१	१४	४	६	२५	सिंहे	१।०९।१६।०५	५७।२३	भ. ९।४१ उ. २२।५१ या., रोहि. रविः १९।१८ (सौरः २४।०२)
धूम्र	८	मं	१६	०३	१२	०५	पूफा	...	...	...	...	ह	५९	५४	२९	३८	व	१६	०३	१२	०५	५५	४०	१४	५	७	२६	सिंहे	१।१०।१३।२८	५७।२२	दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती
सुस्थिर	९	बु	२२	२९	१४	३९	पूफा	६	५३	८	२५	व	...	...	...	...	कौ	२२	२९	१४	३९	५७	४०	१५	६	८	२७	कन्या १५।१२	१।११।१०।५०	५७।२१	उफा. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।। रात्रौ लग्न ११
गंगा	१०	गु	२८	३६	१७	०६	उफा	१४	३१	११	२८	व	२	३१	६	४०	ग	२८	३६	१७	०६	५९	४०	१५	७	९	२८	कन्या	१।१२।०८।११	५७।१९	गंगा दशहरा व्र.
ए.व्र.	११	शु	३३	४९	१९	११	हस्त	२१	२४	१४	१३	सि	४	३६	७	३०	व	१	२१	६	१२	३४/०१	३९	१६	८	१०	२९	तुला. २७।२५	१।१३।०५।३०	५७।१८	भ. ६।१२ उ. १९।११ या., निर्जला ११ व्र.
काण	१२	श	३७	४६	२०	४५	चित्रा	२७	०६	१६	२९	व्य	५	५०	७	५९	व	५	५९	८	०३	०३	३९	१६	९	११	३०	तुला.	१।१४।०२।४८	५७।१७	स्वातौ रे. ९ ऽ।।।।।।।।। रात्रौ लग्न १०, १, कर्के शुक्रः १५।२६
प्र.व्र.	१३	र	४०	१२	२१	४३	स्वा	३१	२३	१८	१२	व	५	५८	८	०२	कौ	९	१०	९	१९	०५	३९	१७	१०	१२	३१	तुला.	१।१५।००।०५	५७।१५	प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः
मित्र	१४	सो	४१	०६	२२	०५	विशा	३४	०९	१९	१८	प	४	५६	७	३७	ग	१०	५०	९	५९	०७	३९	१७	११	१३	१	वृश्चि. १३।०५	१।१५।५७।२०	५७।१४	भ. २२।०५ उ., जून ६ ता. ३०
पूर्णिमा	१५	मं	४०	३१	२१	५१	अनु	३५	२८	१९	५०	शि	५३/५९	४०/४७	२६/२९	४२/२१	वि	१०	५९	१०	०२	०९	३८	१८	१२	१४	२	वृश्चि.	१।१६।५४।३५	५७।१३	भ. १०।०२ या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द A

अयनांशाः २४।०३।२०

पं. ६ ज्ये.शु. २ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	१	३	२	७	५	११
०४	११	१९	२०	१९	०७	१३	१३
३८	३१	०७	५८	१३	५६	२९	२९
५३	५७	३६	०७	३६	०६	१९	१९
५७	४२	७	६	६३	४	३	३
४३	०१	२५	५८	३१	२८	११	११
कृ	रो	रो	श्ले	आ	अनु	ह	उभा
३	१	३व	२	४	२व	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।०३।३८।१४	१ मं	१९	३।५४	५।३०	७।२६	९।४१	१२।०१	२।१८	४।३४	६।५३	९।११	११।१६	१२।५९	२।२८
०१।०४।३५।४६	२ बु	२०	३।५०	५।२६	७।२२	९।३७	११।५७	२।१४	४।३०	६।४९	९।०७	११।१२	१२।५५	२।२४
०१।०५।३३।१७	४ गु	२१	३।४६	५।२२	७।१८	९।३३	११।५३	२।१०	४।२६	६।४५	९।०३	११।०८	१२।५१	२।२०
०१।०६।३०।४६	५ शु	२२	३।४२	५।१८	७।१४	९।२९	११।४९	२।०६	४।२२	६।४१	९।००	११।०४	१२।४७	२।१६
०१।०७।२८।१४	५ श	२३	३।३८	५।१४	७।१०	९।२५	११।४५	२।०२	४।१८	६।३७	८।५६	११।००	१२।४३	२।१२
०१।०८।२५।४०	६ र	२४	३।३४	५।१०	७।०६	९।२१	११।४१	१।५८	४।१४	६।३३	८।५२	१०।५६	१२।४०	२।०८
०१।०९।२३।०५	७ चं	२५	३।३०	५।०६	७।०२	९।१७	११।३७	१।५४	४।१०	६।२९	८।४८	१०।५२	१२।३६	२।०४
०१।१०।२०।२८	८ मं	२६	३।२६	५।०२	६।५९	९।१३	११।३३	१।५०	४।०६	६।२५	८।४४	१०।४८	१२।३२	२।००
०१।११।१७।५०	९ बु	२७	३।२२	४।५८	६।५५	९।०९	११।२९	१।४६	४।०२	६।२१	८।४०	१०।४४	१२।२८	१।५६
०१।१२।१५।१०	१० गु	२८	३।१८	४।५४	६।५१	९।०५	११।२५	१।४२	३।५८	६।१७	८।३६	१०।४०	१२।२४	१।५२
०१।१३।१२।२९	११ शु	२९	३।१४	४।५१	६।४७	९।०१	११।२२	१।३८	३।५४	६।१३	८।३२	१०।३७	१२।२०	१।४८
०१।१४।०९।४७	१२ श	३०	३।१०	४।४७	६।४३	८।५८	११।१८	१।३४	३।५०	६।०९	८।२८	१०।३३	१२।१६	१।४४
०१।१५।०७।०३	१३ र	३१	३।०७	४।४३	६।३९	८।५४	११।१४	१।३१	३।४६	६।०५	८।२४	१०।२९	१२।१२	१।४०
०१।१६।०४।१८	१४ चं	१	३।०३	४।३९	६।३५	८।५०	११।१०	१।२७	३।४२	६।०२	८।२०	१०।२५	१२।०८	१।३७
०१।१७।०१।३२	१५ मं	२	२।५९	४।३५	६।३१	८।४६	११।०६	१।२३	३।३८	५।५८	८।१६	१०।२१	१२।०४	१।३३

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो, यथा- ॥ मंगलेम्रियतेराजा ॥ ज्येष्ठ कृष्णा प्रतिपदा को मंगलवार होने से उदंगल करे। ज्येष्ठ कृष्णा द्वादशी में रेवती होने से कष्ट हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो। अमावस्या कृतिका योग सुभिक्ष और सुखद है। मास की शुक्ला तृतीया का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २४।०३।२१

पं. ७ ज्ये.शु. ९ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	१	३	२	७	५	११
११	१६	१६	२१	२६	०७	१३	१३
२२	२५	५४	४९	३२	२४	०७	०७
३०	०२	३६	३८	०८	५०	०३	०३
५७	४१	३०	७	६१	४	३	३
३५	४१	४०	५२	२५	२७	११	११
रो	रो	रो	श्ले	पुन	अनु	ह	उभा
१	२	३व	२	२	२व	१	३

३ जून से १६ जून तक, श्री प्र.आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्वाङ्क्ष	१	बु	३८	३६	२१	०५	ज्ये	३५	२९	१९	५०	सा	५४	५४	२७	३६	बा	९	४३	९	३१	३४/१०	५/३८	७/१८	१३	१५	३	धनु. १९।५०	११७।५१।४८	५७।१२
धूम्र	२	गु	३५	३६	१९	५३	मूल	३४	२२	१९	२३	शु	४९	४०	२५	३०	तै	७	१४	८	३२	१२	३८	१९	१४	१६	४	धनु.	११८।४९।००	५७।११
च.व्र.	३	शु	३१	४२	१८	१९	पूषा	३२	२३	१८	३५	शु	४३	४६	२३	०८	व	३	४५	७	०८	१३	३८	१९	१५	१७	५	मक. २४।२१	११९।४६।१०	५७।१०
राक्षस	४	श	२७	१०	१६	३०	उषा	२९	४६	१७	३२	ब्र	३७	२३	२०	३५	बा	२७	१०	१६	३०	१५	३८	२०	१६	१८	६	मक.	१२०।४३।२०	५७।०९
गद	५	र	२२	१३	१४	३१	श्रव	२६	४४	१६	२०	ऐ	३०	४२	१७	५४	तै	२२	१३	१४	३१	१६	३८	२०	१७	१९	७	कुंभे २७।४१	१२१।४०।२९	५७।०८
शुभ	६	सो	१७	००	१२	२६	धनि	२३	२८	१५	०१	वै	२३	४९	१५	०९	व	१७	००	१२	२६	१७	३८	२१	१८	२०	८	कुंभे	१२२।३७।३६	५७।०७
मृत्यु	७	मं	११	४०	१०	१८	शत	२०	०६	१३	४०	वि	१६	५१	१२	२२	ब	११	४०	१०	१८	१८	३८	२१	१९	२१	९	कुंभे	१२३।३४।४३	५७।०६
पद्म	८	बु	६	१८	८	०९	पूभा	१६	४१	१२	१८	प्री	९	५२	९	३४	कौ	६	१८	८	०९	१९	३८	२१	२०	२२	१०	मीने ६।३९	१२४।३१।४९	५७।०५
छत्र	९	गु	०	५७	६	००	उभा	१३	१९	१०	५७	आ	२	५३	६	४७	ग	०	५७	६	००	२०	३८	२२	२१	२३	११	मीने	१२५।२८।५३	५७।०४
क्षयः	१०	गु	५५	४२	२७	५४	०	०	०	०	०	सौ	५६	००	२८	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
ए.व्र.	११	शु	५०	३६	२५	५२	रेव	१०	०३	९	३९	शो	४९	१५	२५	२०	व	२३	०७	१४	५३	२१	३८	२२	२२	२४	१२	मेषे ९।३९	१२६।२५।५७	५७।०३
ए.व्र.	१२	श	४५	४७	२३	५७	अश्वि	६	५८	८	२५	अ	४२	४२	२२	४३	कौ	१८	०९	१२	५३	२२	३८	२२	२३	२५	१३	मेषे	१२७।२३।००	५७।०२
प्र.व्र.	१३	र	४१	२५	२२	१२	भर	४	१३	७	१९	सु	३६	३३	२०	१५	ग	१३	३१	११	०२	२३	३८	२३	२४	२६	१४	वृषे १३।०४	१२८।२०।०३	५७।०२
सुस्थिर	१४	सो	३७	४४	२०	४४	कृति	२	००	६	२६	धृ	३०	५४	१८	००	वि	९	२८	९	२५	२३	३८	२३	२५	२७	१५	वृषे	१२९।१७।०४	५७।०१
अमाव.	३०	मं	३४	५८	१९	३७	रोहि	०	३२	५	५१	शू	२६	००	१६	०२	च	६	१३	८	०७	२४	३८	२३	२६	२८	१६	मिथु. १७।४२	२००।१४।०५	५७।००

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

मूले रे. ९ ।ऽ।।।।।।।। रात्रौ लग्न १

भ. ७।०८ उ. १८।१९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४६

मृगे भौमः ५।४४, श्लेषा.-३ गुरुः २२।४६, (व) अनु.-१ C

पंचक प्रारम्भः २७।४१

भ. १२।२६ उ. २३।२२ या., मृगे रविः १७।१२ (सौरः २३।२७)

[C शनिः ११।४८

भ. १६।५७ उ. २७।५४ या.

[A पूर्वस्याम् ८।२६, मार्गी बुधः २४।५३

पंचक समाप्तिः ९।३९, योगिनी ११ व्र.स्मार्त, बुधोदयः A

योगिनी ११ व्र.वैष्ण.

भ. २२।१२ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.

भ. ९।२५ या., मिथुने रविः १६।३७ (सौरः २३।४२), मिथुने B

देवपितृकार्येऽमा., अधिक मासारंभः [B भौमः २३।३८

अयनांशाः २४।०३।२२

पं. ८ प्र.आ.कृ. १ बु.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	१	३	३	७	५	११
१८	२१	१३	२२	०३	०६	१२	१२
०५	१५	०६	४७	३४	५३	४४	४४
१२	५१	५१	११	४४	५९	४९	४९
५७	४१	३०	८	५८	४	३	३
२८	२२	०९	४१	५२	२०	११	११
रो	रो	रो	श्ले	पु	अनु	ह	उभा
३	४	१व	२	१	२व	१	३

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।१७।५८।४५	१ बु	३	२।५५	४।३१	६।२७	८।४२	११।०२	१।१९	३।३५	५।५४	८।१२	१०।१७	१२।००	१।२९
०१।१८।५५।५७	२ गु	४	२।५१	४।२७	६।२३	८।३८	१०।५८	१।१५	३।३१	५।५०	८।०८	१०।१३	११।५६	१।२५
०१।१९।५३।०७	३ शु	५	२।४७	४।२३	६।१९	८।३४	१०।५४	१।११	३।२७	५।४६	८।०४	१०।०९	११।५२	१।२१
०१।२०।५०।१७	४ श	६	२।४३	४।१९	६।१५	८।३०	१०।५०	१।०७	३।२३	५।४२	८।००	१०।०५	११।४८	१।१७
०१।२१।४७।२५	५ र	७	२।३९	४।१५	६।११	८।२६	१०।४६	१।०३	३।१९	५।३८	७।५६	१०।०१	११।४४	१।१३
०१।२२।४४।३३	६ चं	८	२।३५	४।११	६।०७	८।२२	१०।४२	१२।५९	३।१५	५।३४	७।५२	९।५७	११।४०	१।०९
०१।२३।४१।३९	७ मं	९	२।३१	४।०७	६।०३	८।१८	१०।३८	१२।५५	३।११	५।३०	७।४९	९।५३	११।३६	१।०५
०१।२४।३८।४५	८ बु	१०	२।२७	४।०३	५।५९	८।१४	१०।३४	१२।५१	३।०७	५।२६	७।४५	९।४९	११।३३	१।०१
०१।२५।३५।४९	९ गु	११	२।२३	३।५९	५।५५	८।१०	१०।३०	१२।४७	३।०३	५।२२	७।४१	९।४५	११।२९	१२।५७
०१।२६।३२।५३	११ शु	१२	२।१९	३।५५	५।५२	८।०६	१०।२६	१२।४३	२।५९	५।१८	७।३७	९।४१	११।२५	१२।५३
०१।२७।२९।५६	१२ श	१३	२।१५	३।५१	५।४८	८।०२	१०।२२	१२।३९	२।५५	५।१४	७।३३	९।३७	११।२१	१२।४९
०१।२८।२६।५८	१३ र	१४	२।११	३।४७	५।४४	७।५८	१०।१८	१२।३५	२।५१	५।१०	७।२९	९।३३	११।१७	१२।४५
०१।२९।२३।५९	१४ चं	१५	२।०७	३।४४	५।४०	७।५४	१०।१५	१२।३१	२।४७	५।०६	७।२५	९।३०	११।१३	१२।४१
०२।००।२१।००	३० मं	१६	२।०३	३।४०	५।३६	७।५१	१०।११	१२।२७	२।४३	५।०२	७।२१	९।२६	११।०९	१२।३७

संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २०१५

प्र.आषा. कृ. १४ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।३७ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः शकुनिकरणे प्रविष्टा महर्घफलं श्वान्वाहनं शार्दूलोपवाहनं सुभिक्षकारक चित्रकवस्त्रं पाशायुधं वस्त्रपात्रं गुड़भक्षणं हरिद्रालेपनं क्षत्रीयजातिः कमलपुष्पं कोडीभूषणं कृष्णजिकंचुकी वंन्ध्यावस्था (उभी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १६।३७ से २३।०१ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २४।०३।२३

पं. ९ प्र.आ.कृ. ८ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	१	३	३	७	५	११
२४	२६	१०	२३	१०	०६	१२	१२
४७	०४	३३	५०	१७	२४	२२	२२
०६	२९	१३	१४	४९	२०	३३	३३
५७	४१	७	९	५५	४	३	३
२२	०४	५३	२५	४४	०६	११	११
मृ	मृ	रो	श्ले	पु	अनु	ह	उभा
१	१	१व	३	३	१व	१	३

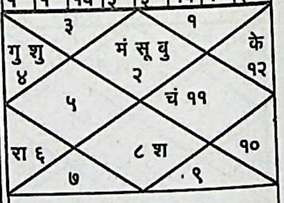

१७ जून से २ जुलाई तक, श्री प्र.आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टं. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः १५३३ ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे, जून-जुलाई २०१५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	ध.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सांर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
अमृत	१	बु	३३	२३	१८	५९	मृग	०	०५	५	४०	गं	२२	०१	१४	२६	किं	४	०१	७	१५	३४/२४	५/३८	७/२४	२७	२९	१७	मिथु.	२।०१।११।०५	५६।५९	श्लेषा. शुक्रः ७।१३
काण	२	गु	३३	१३	१८	५५	आर्द्रा	०	५४	६	००	वृ	१९	०७	१३	१७	वा	३	०७	६	५३	२५	३८	२४	२८	३०	१८	कर्क २४।३८	२।०२।०८।०४	५६।५९	चंद्रदर्शनम् (मु.४५)
लुम्बक	३	शु	३४	३६	१९	२९	पुन	३	११	६	५५	ध्रु	१७	२७	१२	३७	तै	३	४१	७	०७	२५	३८	२४	२९	१	१९	कर्क	२।०३।०५।०३	५६।५८	रमजान ९
मित्र	४	श	३७	३४	२०	४०	पुष्य	७	०१	८	२७	व्या	१७	०१	१२	२७	व	५	५३	८	००	२५	३९	२५	३०	२	२०	कर्क	२।०४।०२।०१	५६।५८	भ. ८।०० उ. २०।४० या.
वज्र	५	र	४२	०३	२२	२८	श्ले	१२	२४	१०	३६	ह	१७	४८	१२	४६	व	९	३९	९	३०	२५	३९	२५	३१	३	२१	सिंहे १०।३६	२।०४।५८।५९	५६।५७	सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ २२।०३
ध्वाङ्क्ष	६	सो	४७	४३	२४	४४	मघा	१९	०४	१३	१७	व	१९	३७	१३	३०	कौ	१४	४६	११	३४	२५	३९	२५	१	४	२२	सिंहे	२।०५।५५।५६	५६।५७	भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. रविः १६।१४ (सौरः २४।१३), अयन A
धूम्र	७	मं	५४	०२	२७	१६	पूफा	२६	३६	१६	१८	सि	२२	०६	१४	३०	ग	२०	४९	१३	५९	२५	३९	२५	२	५	२३	कन्या२३।०५	२।०६।५२।५३	५६।५६	भ. २७।१६ उ. [A करिदिन, सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वाहन मूषक B
प्रवर्धमा	८	बु	...	...	...	...	उफा	३४	२४	१९	२५	व्य	२४	५०	१५	३६	वि	२७	१४	१६	३३	२५	३९	२५	३	६	२४	कन्या	२।०७।४९।४९	५६।५६	भ. १६।३३ या. [B अल्पवृष्टिः
राक्षस	८	गु	०	१८	५	४७	हस्त	४१	४५	२२	२२	व	२७	१७	१६	३५	ब	०	१८	५	४७	२४	४०	२५	४	७	२५	कन्या	२।०८।४६।४५	५६।५६	आर्द्रा. भौमः १९।५६
मुसल	९	शु	५	५२	८	०१	चित्रा	४८	०३	२४	५३	प	२९	००	१७	१६	कौ	५	५२	८	०१	२४	४०	२६	५	८	२६	तुला. ११।४१	२।०९।४३।४१	५६।५५	श्लेषा.-४ गुरुः २३।२४
सिद्धि	१०	श	१०	०७	९	४३	स्वा	५२	४९	२६	४८	शि	२९	३६	१७	३१	ग	१०	०७	९	४३	२४	४०	२६	६	९	२७	तुला.	२।१०।४०।३६	५६।५५	भ. २२।२० उ.
ए.व्र.	११	र	१२	४२	१०	४५	विशा	५५	४९	२८	००	सि	२८	४९	१७	१२	वि	१२	४२	१०	४५	२३	४१	२६	७	१०	२८	वृश्चि. २१।४६	२।११।३७।३१	५६।५५	भ. १०।४५ या., कमला ११ व्र.
प्र.व्र.	१२	सो	१३	२५	११	०३	अनु	५६	५९	२८	२८	सा	२६	३४	१६	१८	बा	१३	२५	११	०३	२२	४१	२६	८	११	२९	वृश्चि.	२।१२।३४।२६	५६।५५	प्रदोषः
मुद्गर	१३	मं	१२	१९	१०	३७	ज्ये	५६	२७	२८	१६	शु	२२	५१	१४	५०	तै	१२	१९	१०	३७	२२	४१	२६	९	१२	३०	धनु. २८।१६	२।१३।३१।२१	५६।५४	मृगे बुधः २२।५७
ध्वजा	१४	बु	९	३१	९	३०	मूल	५४	२६	२७	२८	शु	१७	५१	१२	५०	व	९	३१	९	३०	२१	४२	२६	१०	१३	१	धनु.	२।१४।२८।१५	५६।५४	भ. ९।३० उ. २०।४४ या., पूर्णिमा व्रतं, जुलाई ७ ता. ३१
पूर्णिमा	१५	गु	५	१८	७	४९	पूषा	५१	१७	२६	१३	ब्र	११	४२	१०	२३	ब	५	१८	७	४९	२०	४२	२६	११	१४	२	धनु.	२।१५।२५।०९	५६।५४	पूर्णिमा पुण्यं

अयनांशाः २४।०३।२४

पं.१० प्र.आ.शु. १ बु.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	१	३	३	७	५	११
०१	००	११	२४	१६	०५	१२	१२
२८	५१	१३	५८	३६	५६	००	००
२३	००	००	१२	३५	३६	१८	१८
५७	४०	२४	१०	५१	३	३	३
१७	४६	३४	०५	४७	४६	११	११
मृ	मृ	रो	श्ले	पु	अनु	ह	उभा
३	३	१	३	४	१व	१	३

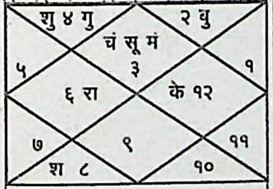

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।०१।१८।००	१ बु	१७	१।५९	३।३६	५।३२	७।४७	१०।०७	१२।२३	२।३९	४।५८	७।१७	९।२२	११।०५	१२।३३
०२।०२।१४।५९	२ गु	१८	१।५६	३।३२	५।२८	७।४३	१०।०३	१२।२०	२।३५	४।५४	७।१३	९।१८	११।०१	१२।३०
०२।०३।११।५८	३ शु	१९	१।५२	३।२८	५।२४	७।३९	९।५९	१२।१६	२।३१	४।५१	७।०९	९।१४	१०।५७	१२।२६
०२।०४।०८।५६	४ श	२०	१।४८	३।२४	५।२०	७।३५	९।५५	१२।१२	२।२७	४।४७	७।०५	९।१०	१०।५३	१२।२२
०२।०५।०५।५३	५ र	२१	१।४४	३।२०	५।१६	७।३१	९।५१	१२।०८	२।२४	४।४३	७।०१	९।०६	१०।४९	१२।१८
०२।०६।०२।५०	६ चं	२२	१।४०	३।१६	५।१२	७।२७	९।४७	१२।०४	२।२०	४।३९	६।५७	९।०२	१०।४५	१२।१४
०२।०६।५९।४७	७ मं	२३	१।३६	३।१२	५।०८	७।२३	९।४३	१२।००	२।१६	४।३५	६।५३	८।५८	१०।४१	१२।१०
०२।०७।५६।४३	८ बु	२४	१।३२	३।०८	५।०४	७।१९	९।३९	११।५६	२।१२	४।३१	६।४९	८।५४	१०।३७	१२।०६
०२।०८।५३।३९	८ गु	२५	१।२८	३।०४	५।००	७।१५	९।३५	११।५२	२।०८	४।२७	६।४५	८।५०	१०।३३	१२।०२
०२।०९।५०।३४	९ शु	२६	१।२४	३।००	४।५६	७।११	९।३१	११।४८	२।०४	४।२३	६।४२	८।४६	१०।२९	११।५८
०२।१०।४७।३०	१० श	२७	१।२०	२।५६	४।५२	७।०७	९।२७	११।४४	२।००	४।१९	६।३८	८।४२	१०।२५	११।५४
०२।११।४४।२४	११ र	२८	१।१६	२।५२	४।४८	७।०३	९।२३	११।४०	१।५६	४।१५	६।३४	८।३८	१०।२२	११।५०
०२।१२।४१।१९	१२ चं	२९	१।१२	२।४८	४।४४	६।५९	९।१९	११।३६	१।५२	४।११	६।३०	८।३४	१०।१८	११।४६
०२।१३।३८।१४	१३ मं	३०	१।०८	२।४४	४।४१	६।५५	९।१५	११।३२	१।४८	४।०७	६।२६	८।३०	१०।१४	११।४२
०२।१४।३५।०८	१४ बु	१	१।०४	२।४०	४।३७	६।५१	९।११	११।२८	१।४४	४।०३	६।२२	८।२६	१०।१०	११।३८
०२।१५।३२।०२	१५ गु	२	१।००	२।३६	४।३३	६।४७	९।०७	११।२४	१।४०	३।५९	६।१८	८।२२	१०।०६	११।३४

अयनांशाः २४।०३।२४

पं.११ प्र.आ.शु. ८ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	१	३	३	७	५	११
०८	०५	१५	२६	२२	०५	११	११
०९	३५	४३	१०	२४	३१	३८	३८
१४	२८	१५	३५	३७	२६	०२	०२
५७	४०	५६	१०	४६	३	३	३
१४	२९	३२	४०	४४	२१	११	११
आ	मृ	रो	श्ले	श्ले	अनु	ह	उभा
१	४	२	३	२	१व	१	३

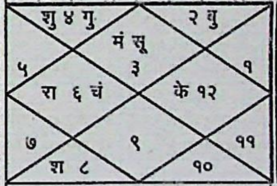

अयनांशाः २४।०३।२५

पं.१२ प्र.आ.शु.१४ बु.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	१	३	३	७	५	११
१४	१०	२३	२७	२७	०५	११	११
४९	१७	४२	२६	३३	०९	१५	१५
४९	५८	२४	५१	१०	२६	४६	४६
५७	४०	८३	११	४०	२	३	३
१३	१२	२०	११	१३	५१	११	११
आ	आ	मृ	श्ले	श्ले	अनु	ह	उभा
३	२	१	४	४	१व	१	३

३ जुलाई से १६ जुलाई तक, श्री द्वि.आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमासू. सू. तारीस्व | स्टै. | प्रातः | दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
आनन्द	१	शु	०	०१	५	४३	उषा	४७	१९	२४	३८	ऐ	४	४३	७	३६	कौ	०	०१	५	४३	३४	५	७	१२	१५	३	मक. ७।५०	२।१६।२२।०३	५६।५४
क्षयः	२	शु	५३	५९	२७	१८	०	०	०	०	०	वै	५७	१०	२८	३४	०	०	०	०	०	१९	४२	२६	०	०	०	० ०	०	०
सुस्थिर	३	श	४७	३३	२४	४४	श्रव	४२	५५	२२	५३	वि	४९	१६	२५	२५	व	२०	४८	१४	०२	१८	४३	२६	१३	१६	४	मक.	२।१७।१८।५८	५६।५४
च.व्र.	४	र	४१	०१	२२	०७	धनि	३८	२४	२१	०५	प्री	४१	१९	२२	१५	ब	१४	१६	११	२६	१७	४३	२६	१४	१७	५	कुंभे ९।५९	२।१८।१५।५२	५६।५४
अमृत	५	सो	३४	३८	१९	३५	शत	३४	०१	१९	२०	आ	३३	२८	१९	०७	कौ	७	४७	८	५०	१६	४४	२६	१५	१८	६	कुंभे	२।१९।१२।४६	५६।५४
काण	६	मं	२८	३५	१७	१०	पूभा	२९	५८	१७	४३	सौ	२५	५५	१६	०६	ग	१	३३	६	२१	१४	४४	२६	१६	१९	७	मीने १२।०६	२।२०।०९।४०	५६।५४
लुम्बक	७	बु	२३	००	१४	५६	उभा	२६	२३	१६	१८	शो	१८	४३	१३	१४	ब	२३	००	१४	५६	१३	४४	२६	१७	२०	८	मीने	२।२१।०६।३५	५६।५५
मित्र	८	गु	१७	५६	१२	५५	रेव	२३	२०	१५	०५	अ	११	५८	१०	३२	कौ	१७	५६	१२	५५	११	४५	२५	१८	२१	९	मेषे १५।०५	२।२२।०३।२९	५६।५५
वज्र	९	शु	१३	२७	११	०८	अश्वि	२०	५२	१४	०६	सु	५/५९	४१/५६	८/२९	०२/४४	ग	१३	२७	११	०८	१०	४५	२५	१९	२२	१०	मेषे	२।२३।००।२४	५६।५५
ध्वाङ्क्ष	१०	श	९	३६	९	३६	भर	१९	०१	१३	२२	शू	५४	४२	२७	३९	वि	९	३६	९	३६	०८	४६	२५	२०	२३	११	वृषे १९।१४	२।२३।५७।१९	५६।५५
ए.व्र.	११	र	६	२६	८	२१	कृति	१७	५३	१२	५५	गं	५०	०५	२५	४८	बा	६	२६	८	२१	०७	४६	२५	२१	२४	१२	वृषे	२।२४।५४।१४	५६।५६
प्र.व्र.	१२	सो	४	०३	७	२४	रोहि	१७	३२	१२	४८	वृ	४६	१०	२४	१५	तै	४	०३	७	२४	०५	४७	२५	२२	२५	१३	मिथु. २४।५२	२।२५।५१।१०	५६।५६
राक्षस	१३	मं	२	३४	६	४९	मृग	१८	०६	१३	०२	ध्रु	४३	०२	२३	००	व	२	३४	६	४९	०३	४७	२४	२३	२६	१४	मिथु.	२।२६।४८।०६	५६।५६
मुसल	१४	बु	२	०५	६	३८	आर्द्रा	१९	४२	१३	४०	व्या	४०	४६	२२	०६	श	२	०५	६	३८	०१	४८	२४	२४	२७	१५	मिथु.	२।२७।४५।०२	५६।५७
अमाव.	३०	गु	२	४५	६	५४	पुन	२२	२६	१४	४७	ह	३९	२७	२१	३५	ना	२	४५	६	५४	३३/५९	४८	२४	२५	२८	१६	कर्के ८।२७	२।२८।४१।५९	५६।५७

वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे प्र.आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
[A निरयन दक्षिणायनारंभः, पुन. बुधः ५।४९
[B बुधः ११।४०
भ. १४।०२ उ. २४।४४ या., सिंहे मघा. शुक्रः २४।५६
पंचक प्रारम्भः ९।५९, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०४, मिथुने B
पुन. रविः १५।५१ (सौरः २५।३९), सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन C
भ. १७।१० उ. २८।०२ या.
[C नाग वर्षाश्रेष्ठः
पंचक समाप्तिः १५।०५, आर्द्रा. बुधः ९।४८
भ. २२।२० उ.
भ. ९।३६ या.
कमला ११ व्र. [D मघा.-१ गुरुः ११।२८
प्रदोषः, बुधास्तः पूर्वस्याम् २१।२९
भ. ६।४९ उ. १८।४० या., मासिकशिवरात्री व्र., सिंहे D
पितृकार्येऽमा., पुन. भौमः १९।२९
देवकार्येऽमा., अधिक मास समाप्तिः, कर्के रविः २७।३४, A

अयनांशाः २४।०३।२६

पं.१३ द्वि.आ.कृ. ७ बु.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	३	४	७	५	११
२१	१४	०४	२८	०१	०४	१०	१०
३०	५८	३५	४६	५०	५१	५३	५३
१८	३५	३४	३१	२२	०६	३१	३१
५७	३९	१०६	११	३१	२	३	३
१३	५६	०३	३८	४१	१८	११	११
पुन	आ	मृ	श्ले	म	अनु	ह	उभा
१	३	४	४	१	१व	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुल	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ
०२।१६।२८।५६	१ शु	३	१२।५६	२।३३	४।२९	६।४३	९।०४	११।२०	१।३६	३।५५	६।१४	८।१९	१०।०२	११।३०
०२।१७।२५।५०	३ श	४	१२।५२	२।२९	४।२५	६।४०	९।००	११।१६	१।३२	३।५१	६।१०	८।१५	९।५८	११।२६
०२।१८।२२।४४	४ र	५	१२।४९	२।२५	४।२१	६।३६	८।५६	११।१३	१।२८	३।४७	६।०६	८।११	९।५४	११।२२
०२।१९।१९।३८	५ चं	६	१२।४५	२।२१	४।१७	६।३२	८।५२	११।०९	१।२४	३।४४	६।०२	८।०७	९।५०	११।१९
०२।२०।१६।३३	६ मं	७	१२।४१	२।१७	४।१३	६।२८	८।४८	११।०५	१।२०	३।४०	५।५८	८।०३	९।४६	११।१५
०२।२१।१३।२७	७ बु	८	१२।३७	२।१३	४।०९	६।२४	८।४४	११।०१	१।१७	३।३६	५।५४	७।५९	९।४२	११।११
०२।२२।१०।२१	८ गु	९	१२।३३	२।०९	४।०५	६।२०	८।४०	१०।५७	१।१३	३।३२	५।५०	७।५५	९।३८	११।०७
०२।२३।०७।१६	९ शु	१०	१२।२९	२।०५	४।०१	६।१६	८।३६	१०।५३	१।०९	३।२८	५।४६	७।५१	९।३४	११।०३
०२।२४।०४।११	१० श	११	१२।२५	२।०१	३।५७	६।१२	८।३२	१०।४९	१।०५	३।२४	५।४२	७।४७	९।३०	१०।५९
०२।२५।०१।०६	११ र	१२	१२।२१	१।५७	३।५३	६।०८	८।२८	१०।४५	१।०१	३।२०	५।३८	७।४३	९।२६	१०।५५
०२।२५।५८।०२	१२ चं	१३	१२।१७	१।५३	३।४९	६।०४	८।२४	१०।४१	१२।५७	३।१६	५।३४	७।३९	९।२२	१०।५१
०२।२६।५४।५८	१३ मं	१४	१२।१३	१।४९	३।४५	६।००	८।२०	१०।३७	१२।५३	३।१२	५।३१	७।३५	९।१८	१०।४७
०२।२७।५१।५४	१४ बु	१५	१२।०९	१।४५	३।४१	५।५६	८।१६	१०।३३	१२।४९	३।०८	५।२७	७।३१	९।१५	१०।४३
०२।२८।४८।५१	३० गु	१६	१२।०५	१।४१	३।३७	५।५२	८।१२	१०।२९	१२।४५	३।०४	५।२३	७।२७	९।११	१०।३९

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०१५
द्वि.आषा. कृ. ३० गुरौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २७।३४ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (वैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंमो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १५।३४ से २७।३४ तक । (दान- घृत, धेनु) ।

अयनांशाः २४।०३।२७

पं.१४ द्वि.आ.कृ.१४ बु.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	४	४	७	५	११
२८	१९	१७	००	०५	०४	१०	१०
१०	३७	५६	०९	००	३६	३१	३१
५२	२२	०८	०८	३०	५१	१५	१५
५७	३९	१२३	१२	२०	१	३	३
१४	४१	४९	०१	३५	४१	११	११
पुन	आ	आ	म	म	अनु	ह	उभा
३	४	४	१	२	१व	१	३

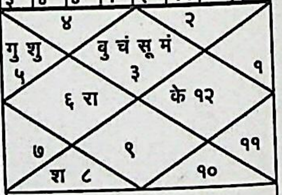

१७ जुलाई से ३१ जुलाई तक,श्री द्वि.आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	ध.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	शु	४	३९	७	४०	पुष्य	२६	२४	१६	२२	व	३९	०७	२१	२८	ब	४	३९	७	४०	३३ ५७	५ ४९	७ २३	२६	२९	१७	कर्के	२।२९।३८।५६	५६।५८
मानस	२	श	७	५०	८	५७	श्ले	३१	३६	१८	२८	सि	३९	४८	२१	४४	कौ	७	५०	८	५७	५५	४९	२३	२७	३०	१८	सिंहे १८।२८	३।००।३५।५४	५६।५८
मुद्गर	३	र	१२	१४	१०	४३	मघा	३७	५७	२१	०१	व्य	४१	२२	२२	२२	ग	१२	१४	१०	४३	५३	५०	२३	२८	१	१९	सिंहे	३।०१।३२।५२	५६।५९
ध्वजा	४	सो	१७	४३	१२	५६	पूफा	४५	१५	२३	५६	व	४३	३९	२३	१८	वि	१७	४३	१२	५६	५०	५०	२२	२९	२	२०	सिंहे	३।०२।२९।५१	५६।५९
धाता	५	मं	२३	५८	१५	२६	उफा	५३	०३	२७	०४	प	४६	२३	२४	२४	वा	२३	५८	१५	२६	४८	५१	२२	३०	३	२१	कन्या ६।४२	३।०३।२६।५०	५७।००
आनन्द	६	बु	३०	२५	१८	०१	हस्त	...	...	...	...	शि	४९	०७	२५	३०	तै	३०	२५	१८	०१	४६	५१	२१	३१	४	२२	कन्या	३।०४।२३।५०	५७।०१
राक्षस	७	गु	३६	२९	२०	२७	हस्त	०	४८	६	११	सि	५१	२४	२६	२५	ग	३	३३	७	१७	४३	५२	२१	१	५	२३	तुला. ११।३९	३।०५।२०।५१	५७।०१
मुसल	८	शु	४१	२९	२२	२८	चित्रा	७	५४	९	०२	सा	५२	४६	२६	५९	वि	९	०८	९	३१	४१	५२	२१	२	६	२४	तुला.	३।०६।१७।५२	५७।०२
सिद्धि	९	श	४४	५३	२३	५०	स्वा	१३	४१	११	२१	शु	५२	५०	२७	०१	वा	१३	२३	११	१४	३८	५३	२०	३	७	२५	तुला.	३।०७।१४।५४	५७।०३
उत्पात	१०	र	४६	१९	२४	२५	विशा	१७	४३	१२	५९	शु	५१	२०	२६	२५	तै	१५	५०	१२	१३	३५	५३	२०	४	८	२६	वृश्चि. ६।३९	३।०८।११।५७	५७।०४
ए.ब्र.	११	सो	४५	४०	२४	१०	अनु	१९	४६	१३	४८	ब्र	४८	१२	२५	११	व	१६	१३	१२	२३	३३	५४	१९	५	९	२७	वृश्चि.	३।०९।०९।०१	५७।०५
मुद्गर	१२	मं	४३	००	२३	०७	ज्ये	१९	४६	१३	४९	ऐ	४३	२७	२३	१७	व	१४	३३	११	४४	३०	५४	१८	६	१०	२८	धनु. १३।४९	३।१०।०६।०६	५७।०६
प्र.ब्र.	१३	बु	३८	३३	२१	२०	मूल	१७	५४	१३	०४	वै	३७	१५	२०	४९	कौ	१०	५७	१०	१८	२७	५५	१८	७	११	२९	धनु.	३।११।०३।१२	५७।०७
कोकिला	१४	गु	३२	३६	१८	५८	पूषा	१४	२५	११	४१	वि	२९	४८	१७	५१	ग	५	४३	८	१३	२४	५६	१७	८	१२	३०	मक. १७।१६	३।१२।००।१८	५७।०८
पूर्णिमा	१५	शु	२५	३४	१६	१०	उषा	९	४१	९	४९	प्री	२१	२६	१४	३१	ब	२५	३४	१६	१०	२१	५६	१७	९	१३	३१	मक.	३।१२।५७।२६	५७।०९

केतकी अहर्गणः १५६३ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, जुलाई २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
श्री जगदीश रथ यात्रा, कर्के सौरः १४।४१
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [A व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा
भ. २३।४७ उ., सव्वाल १०
भ. १२।५६ या., पुष्ये रविः १५।२५ (सौरः २६।५८), कर्के B
[B बुधः २२।५७, सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वाहन मेष अल्पवृष्टिः
स्कंध षष्ठी, पुष्ये बुधः १२।१८
भ. २०।२७ उ., भा. श्रावणारंभः, सायन सिंहे भानुः ९।०२
भ. ९।३१ या., उफा.-४ राहुः २५।३७, उभा.-२ केतुः २५।३७
भड़ली ९, वक्री शुक्रः २६।१६
मन्वादि, आशा दशमी [D २४।५५, मघा.-२ गुरुः १७।२१
भ. १२।२३ उ. २४।१० या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास C
श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, श्लेषा. बुधः २१।०९
प्रदोषः, जया पार्वती व्रतं [C व्रतारंभः, गोपद्मव्रतोद्यापनं
भ. १८।५८ उ. २९।३७ या., कोकिला व्रतं, कर्के भौमः D
मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वायु परीक्षा, गोपद्मव्रतारंभ, A

अयनांशाः २४।०३।२८

पं.१५ द्वि.आ.शु. ६ बु.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	३	४	४	७	५	११
०४	२४	०२	०१	०६	०४	१०	१०
५१	१४	४५	३४	४४	२६	०८	०८
४१	२५	३३	१४	०७	५८	५८	५९
५७	३९	१२८	१२	६	१	३	३
१८	२६	१८	२०	३१	०२	११	११
पु	पुन	पुन	म	म	अनु	ह	उभा
१	२	४	१	३	१व	१	३

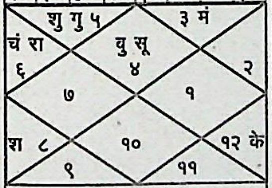

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।२९।४५।४८	१ शु	१७	१२।०१	१।३७	३।३४	५।४८	८।०८	१०।२५	१२।४१	३।००	५।१९	७।२३	९।०७	१०।३५
०३।००।४२।४५	२ श	१८	११।५७	१।३३	३।३०	५।४४	८।०४	१०।२१	१२।३७	२।५६	५।१५	७।१९	९।०३	१०।३१
०३।०१।३९।४४	३ र	१९	११।५३	१।२९	३।२६	५।४०	८।००	१०।१७	१२।३३	२।५२	५।११	७।१५	८।५९	१०।२७
०३।०२।३६।४२	४ चं	२०	११।४९	१।२६	३।२२	५।३६	७।५७	१०।१३	१२।२९	२।४८	५।०७	७।११	८।५५	१०।२३
०३।०३।३३।४२	५ मं	२१	११।४५	१।२२	३।१८	५।३२	७।५३	१०।०९	१२।२५	२।४४	५।०३	७।०८	८।५१	१०।१९
०३।०४।३०।४२	६ बु	२२	११।४१	१।१८	३।१४	५।२९	७।४९	१०।०५	१२।२१	२।४०	४।५९	७।०४	८।४७	१०।१५
०३।०५।२७।४३	७ गु	२३	११।३८	१।१४	३।१०	५।२५	७।४५	१०।०२	१२।१७	२।३६	४।५५	७।००	८।४३	१०।१२
०३।०६।२४।४४	८ शु	२४	११।३४	१।१०	३।०६	५।२१	७।४१	९।५८	१२।१३	२।३३	४।५१	६।५६	८।३९	१०।०८
०३।०७।२१।४६	९ श	२५	११।३०	१।०६	३।०२	५।१७	७।३७	९।५४	१२।०९	२।२९	४।४७	६।५२	८।३५	१०।०४
०३।०८।१८।४९	१० र	२६	११।२६	१।०२	२।५८	५।१३	७।३३	९।५०	१२।०६	२।२५	४।४३	६।४८	८।३१	१०।००
०३।०९।१५।५३	११ चं	२७	११।२२	१२।५८	२।५४	५।०९	७।२९	९।४६	१२।०२	२।२१	४।३९	६।४४	८।२७	९।५६
०३।१०।१२।५८	१२ मं	२८	११।१८	१२।५४	२।५०	५।०५	७।२५	९।४२	११।५८	२।१७	४।३५	६।४०	८।२३	९।५२
०३।११।१०।०४	१३ बु	२९	११।१४	१२।५०	२।४६	५।०१	७।२१	९।३८	११।५४	२।१३	४।३१	६।३६	८।१९	९।४८
०३।१२।०७।१०	१४ गु	३०	११।१०	१२।४६	२।४२	४।५७	७।१७	९।३४	११।५०	२।०९	४।२७	६।३२	८।१५	९।४४
०३।१३।०४।१८	१५ शु	३१	११।०६	१२।४२	२।३८	४।५३	७।१३	९।३०	११।४६	२।०५	४।२३	६।२८	८।११	९।४०

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो, यथा-प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे। आषाढ कृष्णा तीज को श्रवण होने से समर्घता कारक है। आषाढ कृष्णा नौमी को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो। आषाढ कृष्णा १२ को रोहिणी होने से दुर्भिक्ष हो। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या पुनर्वसु योग समर्घता कारक है। आषाढ़ शुक्ला पंचमी को मंगलवार होने से अतिवृष्टि हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।०३।२९

पं.१६ द्वि.आ.शु.१३ बु.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	२	३	४	४	७	५	११
११	२८	१७	०३	०६	०४	०९	०९
३२	४९	२४	०१	४१	२१	४६	४६
५७	४८	३६	२४	०७	४१	४३	४३
५७	३९	१२व	१२	१०	०	३	३
२२	१३	४०	३६	०१	२२	११	११
पु	पुन	श्ले	म	म	अनु	उफा	उभा
३	३	१	१	३व	१व	४	२

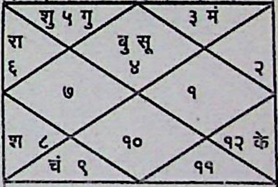

१ अगस्त से १४ अगस्त तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सुस्थिर	१	श	१७	५०	१३	०५	श्रव	४ / ५८	०९ / १३	७ / २१	३६ / ३४	आ	१२	२८	१०	५६	कौ	१७	५०	१३	०५	३३ / १२	५ / ५७	७ / १६	१०	१४	१	कुंभे १८।२६	३।१३।५४।३४	५७।१०
बृहत्तल्पा	२	र	९	४८	९	५२	शत	५२	१५	२६	५१	सौ	३ / ५४	१४ / ००	७ / २७	५५ / ३३	ग	९	४८	९	५२	१५	५७	१५	११	१५	२	कुंभे	३।१४।५१।४४	५७।११
च.व्र.	३	सो	१	५०	६	४२	पूभा	४६	३६	२४	३६	अ	४५	०२	२३	५९	वि	१	५०	६	४२	१२	५८	१५	१२	१६	३	मीने ११।०९	३।१५।४८।५५	५७।१२
क्षयः	४	सो	५४	१५	२७	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिद्धि	५	मं	४७	१८	२४	५३	उभा	४१	३४	२२	३६	सु	३६	३४	२०	३६	कौ	२०	४१	१४	१४	०९	५८	१४	१३	१७	४	मीने	३।१६।४६।०६	५७।१३
उत्पात	६	बु	४१	१०	२२	२७	रेव	३७	२१	२०	५५	धृ	२८	४५	१७	२९	ग	१४	०७	११	३७	०६	५९	१३	१४	१८	५	मेषे २०।५५	३।१७।४३।२०	५७।१४
मानस	७	गु	३६	००	२०	२३	अश्वि	३४	०६	१९	३७	शू	२१	४४	१४	४१	वि	८	२६	९	२२	०३	५९	१२	१५	१९	६	मेषे	३।१८।४०।३४	५७।१५
मुद्गर	८	शु	३१	५६	१८	४६	भर	३१	५४	१८	४६	गं	१५	३३	१२	१३	वा	३	५०	७	३२	००	६ / ००	१२	१६	२०	७	वृषे २४।३७	३।१९।३७।४९	५७।१७
ध्वजा	९	श	२९	००	१७	३६	कृति	३०	५१	१८	२१	वृ	१०	१८	१०	०७	तै	०	१९	६	०८	३२ / ५६	००	११	१७	२१	८	वृषे	३।२०।३५।०६	५७।१८
घाता	१०	र	२७	१४	१६	५४	रोहि	३०	५७	१८	२४	ध्रु	५	५८	८	२४	वि	२७	१४	१६	५४	५३	०१	१०	१८	२२	९	वृषे	३।२१।३२।२४	५७।१९
ए.व्र.	११	सो	२६	४०	१६	४१	मृग	३२	१४	१८	५५	व्या	२	३६	७	०४	वा	२६	४०	१६	४१	५०	०१	०९	१९	२३	१०	मिथु. ६।३६	३।२२।२९।४३	५७।२१
प्र.व्र.	१२	मं	२७	१८	१६	५७	आर्द्रा	३४	४१	१९	५४	ह	० / ५८	५५ / ३२	६ / २९	०६ / ३४	तै	२७	१८	१६	५७	४६	०२	०८	२०	२४	११	मिथु.	३।२३।२७।०३	५७।२२
गद	१३	बु	२९	०४	१७	४०	पुन	३८	१५	२१	२१	सि	५८	०६	२९	१७	व	२९	०४	१७	४०	४३	०२	०८	२१	२५	१२	कर्के १४।५७	३।२४।२४।२५	५७।२३
शुभ	१४	गु	३१	५९	१८	५०	पुष्य	४२	५३	२३	१२	व्य	५८	१८	२९	२२	वि	०	२२	६	१२	३९	०३	०७	२२	२६	१३	कर्के	३।२५।२१।४९	५७।२५
अमाव.	३०	शु	३५	५३	२०	२५	श्ले	४८	३०	२५	२७	व	५९	१७	२९	४६	च	३	४८	७	३४	३६	०३	०६	२३	२७	१४	सिंहे २५।२७	३।२६।१९।१४	५७।२६

वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे द्वि.आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
पंचक प्रारम्भः १८।२६, नक्त व्रतारंभः, अगस्त ८ ता. ३१, B
भ. २०।१६ उ., बृहत्तल्पा, मार्गी शनिः २५।५८
भ. ६।४२ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।२८, श्लेषा. रविः A
[A १४।२१ (सौरः२७।२४), सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन स्पर वर्षाश्रेष्ठः
नागपञ्चमी (मरु.), पुष्ये भौमः २७।४६, सिंहे मघा. बुधः १७।३६
भ.२२।२७ उ., शुक्रास्तः पश्चिमायाम् १६।१४ C
भ. ९।२२ या., भौमोदयः पूर्वस्याम् १२।२१
बुधोदयः पश्चिमायाम् ७।५३ [C पंचक समाप्तिः २०।५५,
भ. २९।१२ उ. [B तिलकपुण्यतिथि
भ. १६।५४ या.
कामिका ११ व्र.
प्रदोषः, गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २७।१०
भ. १७।४९ उ., मासिकशिवरात्री व्र., पूफा. बुधः ७।३७
भ. ६।१२ या., (व) कर्के श्लेषा. शुक्रः १९।२१
देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०

शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०३।२९

पं.१७ श्रा.कृ. ६ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	४	४	४	७	५	११
१८	०३	००	०४	०४	०४	०९	०९
१४	२३	५७	३०	४०	२१	२४	२४
४९	३५	३१	१३	३१	०७	२७	२७
५७	३८	१०९	१२	२६	०	३	३
२८	५९	५६	४८	२३	१८	११	११
श्ले	पु	म	म	म	अनु	उफा	उभा
१	१	१	२	२व	१	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रात.	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायँ	मीन रात्रौ
०३।१४।०१।२६	१ श	१	११।०२	१२।३८	२।३४	४।४९	७।०९	९।२६	११।४२	२।०१	४।२०	६।२४	८।०७	९।३६
०३।१४।५८।३६	२ र	२	१०।५८	१२।३४	२।३०	४।४५	७।०५	९।२२	११।३८	१।५७	४।१६	६।२०	८।०४	९।३२
०३।१५।५५।४७	३ चं	३	१०।५४	१२।३०	२।२६	४।४१	७।०१	९।१८	११।३४	१।५३	४।१२	६।१६	८।००	९।२८
०३।१६।५२।५९	५ मं	४	१०।५०	१२।२६	२।२३	४।३७	६।५७	९।१४	११।३०	१।४९	४।०८	६।१२	७।५६	९।२४
०३।१७।५०।१२	६ बु	५	१०।४६	१२।२२	२।१९	४।३३	६।५३	९।१०	११।२६	१।४५	४।०४	६।०८	७।५२	९।२०
०३।१८।४७।२६	७ गु	६	१०।४२	१२।१८	२।१५	४।२९	६।४९	९।०६	११।२२	१।४१	४।००	६।०४	७।४८	९।१६
०३।१९।४४।४२	८ शु	७	१०।३८	१२।१५	२।११	४।२५	६।४६	९।०२	११।१८	१।३७	३।५६	६।००	७।४४	९।१२
०३।२०।४१।५८	९ श	८	१०।३४	१२।११	२।०७	४।२१	६।४२	८।५८	११।१४	१।३३	३।५२	५।५७	७।४०	९।०८
०३।२१।३९।१६	१० र	९	१०।३०	१२।०७	२।०३	४।१८	६।३८	८।५४	११।१०	१।२९	३।४८	५।५३	७।३६	९।०४
०३।२२।३६।३६	११ चं	१०	१०।२७	१२।०३	१।५९	४।१४	६।३४	८।५१	११।०६	१।२५	३।४४	५।४९	७।३२	९।०१
०३।२३।३३।५६	१२ मं	११	१०।२३	११।५९	१।५५	४।१०	६।३०	८।४७	११।०२	१।२२	३।४०	५।४५	७।२८	८।५७
०३।२४।३१।१८	१३ बु	१२	१०।१९	११।५५	१।५१	४।०६	६।२६	८।४३	१०।५८	१।१८	३।३६	५।४१	७।२४	८।५३
०३।२५।२८।४२	१४ गु	१३	१०।१५	११।५१	१।४७	४।०२	६।२२	८।३९	१०।५५	१।१४	३।३२	५।३७	७।२०	८।४९
०३।२६।२६।०७	३० शु	१४	१०।११	११।४७	१।४३	३।५८	६।१८	८।३५	१०।५१	१।१०	३।२८	५।३३	७।१६	८।४५

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो और पांच शनिवार होने से दुर्भिक्ष हो, यथा- दुर्भिक्षंपंचमंदेषु शेषावाराः शुभप्रदाः ॥ श्रावण कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों । श्रावण कृ. नवमी शनिवार होने से संतापकारक है और राजनीति भी प्रभावित हो । श्रावण कृष्णा एकादशी को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष हो । शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में वहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें । अमावस्या आश्लेषा योग समर्घता कारक है । अमावस को आश्लेषा होने से मध्यम वर्षा हो । दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हों, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो ।

अयनांशाः २४।०३।३०

पं.१८ श्रा.कृ.१३ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	४	४	४	७	५	११
२४	०७	१३	०६	००	०४	०९	०९
५७	५५	१३	००	५८	२५	०२	०२
२८	५१	३२	१६	१७	१९	११	११
५७	३८	९८	१२	३७	०	३	३
३६	४६	४५	५६	१४	५९	११	११
श्ले	पु	म	म	म	अनु	उफा	उभा
३	२	४	२	१व	१	४	२

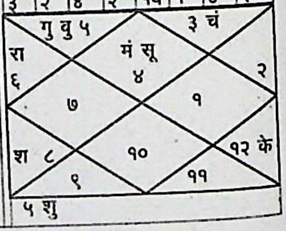

१५ अगस्त से २९ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
पद्म	१	श	४०	४५	२२	२२	मघा	५५	००	२८	०४	प	...	...	...	...	किं	८	१२	९	२१	३३/३३	६/०४	७/०५	२४	२८	१५	सिंहे	३।२७।१६।४०	५७।२८
सिंधारा	२	र	४६	२४	२४	३८	पूफा	...	...	...	...	प	०	५५	६	२७	बा	१३	२९	११	२८	२९	०४	०४	२५	२९	१६	सिंहे	३।२८।१४।०८	५७।२९
तीज	३	सो	५२	४०	२७	०९	पूफा	२	१२	६	५८	शि	३	०९	७	२०	तै	१९	२८	१३	५२	२५	०५	०३	२६	१	१७	कन्या १३।४३	३।२९।११।३७	५७।३१
धाता	४	मं	५९	१३	२९	४७	उफा	९	५६	१०	०४	सि	५	४७	८	२४	व	२५	५६	१६	२८	२२	०५	०२	२७	२	१८	कन्या	४।००।०९।०८	५७।३३
आनन्द	५	बु	...	...	...	...	हस्त	१७	५१	१३	१४	सा	८	३४	९	३२	व	३२	२७	१९	०५	१८	०६	०१	२८	३	१९	तुला. २६।४८	४।०१।०६।४१	५७।३४
चर	५	गु	५	३५	८	२०	चित्रा	२५	२७	१६	१७	शु	११	१०	१०	३४	बा	५	३५	८	२०	१४	०६	००	२९	४	२०	तुला.	४।०२।०४।१५	५७।३६
गद	६	शु	११	१४	१०	३७	स्वा	३२	१२	१९	००	शु	१३	११	११	२३	तै	११	१४	१०	३७	११	०७	६/५९	३०	५	२१	तुला.	४।०३।०१।५१	५७।३७
शुभ	७	श	१५	३६	१२	२२	विशा	३७	३३	२१	०८	ब्र	१४	११	११	४८	व	१५	३६	१२	२२	०७	०७	५८	३१	६	२२	वृश्चि. १४।४०	४।०३।५९।२८	५७।३९
मृत्यु	८	र	१८	१५	१३	२६	अनु	४१	०५	२२	३४	ऐ	१३	५२	११	४१	व	१८	१५	१३	२६	०३	०८	५७	१	७	२३	वृश्चि.	४।०४।५७।०७	५७।४१
पद्म	९	सो	१८	५१	१३	४१	ज्ये	४२	३५	२३	१०	वै	११	५८	१०	५६	कौ	१८	५१	१३	४१	००	०८	५६	२	८	२४	धनु. २३।१०	४।०५।५४।४८	५७।४३
छत्र	१०	मं	१७	१९	१३	०५	मूल	४१	५९	२२	५७	वि	८	२२	९	३०	ग	१७	१९	१३	०५	३१/६६	०९	५५	३	९	२५	धनु.	४।०६।५२।३१	५७।४४
ए.ब्र.	११	बु	१३	४४	११	३९	पूषा	३९	२७	२१	५६	प्री	३/५६	०६/२४	७/२८	३४/४३	वि	१३	४४	११	३९	५२	०९	५४	४	१०	२६	मक. २७।३४	४।०७।५०।१६	५७।४६
प्र.ब्र.	१२	गु	८	२०	९	३०	उषा	३५	१४	२०	१५	सौ	४८	१६	२५	२८	बा	८	२०	९	३०	४८	१०	५३	५	११	२७	मक.	४।०८।४८।०२	५७।४८
धूम्र	१३	शु	१	२५	६	४५	श्रव	२९	४१	१८	०३	शो	३९	०९	२१	५०	तै	१	२५	६	४५	४४	१०	५२	६	१२	२८	कुंभे २८।४८	४।०९।४५।५०	५७।५०
क्षयः	१४	शु	५३	२५	२७	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	श	४४	३९	२४	०३	धनि	२३	१४	१५	२८	अ	२९	२१	१७	५५	वि	१९	०५	१३	४९	४०	११	५१	७	१३	२९	कुंभे	४।१०।४३।४०	५७।५२

केतकी अहर्गणः १५९२ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, अगस्त २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
भारतीयस्वतंत्रतादिवस, मघा.-३ गुरुः ७।३९ H [H
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे
तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवाव्र. (गुर्जरे), सुकृत तृतीया व्र., रोटक B
भ. १६।२८ उ. २९।४७ या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र.
नागपञ्चमी, नागदष्टव्र. [B व्रतारंभः, सोमेश्वर पूजनं, जिल्काद ११, D
कल्की जयंती, शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २२।१० M
शीतला [D सिंहे मघा. रविः १२।०४ E
भ. १२।२२ उ. २५।०० या., तुलसी जयंती, दुर्गाष्टमी
भा. भाद्रपदारंभः, सायन कन्यायां भानुः १६।१४, कन्यायां बुधः ८।२६
[E (सौरः २६।१७), सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वाहन मण्डूक अल्पवृष्टिः
भ.२४।२८ उ., श्लेषा. भौमः २०।०९ [M वर्णषष्ठी, उफा. बुधः २३।११,
भ. ११।३९ या., पवित्रा ११ व्र. [G शुद्ध है), ऋग्वेदि उपाकर्म, I
प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं [I अगस्त्योदयः ११।५८
भ.२७।३२ उ., पंचक प्रारम्भः २८।४८, सूणमाण्डणा (पूरा दिन G
[A जयंती, नारियल १५, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, यजुर्वेदि, तैतरीय, C
भ. १३।४९ या., रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं), श्रावणी (मरु), हयग्रीव A
[C हिरण्यकेशीय, आपस्तंभ, बौधायन, काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), अथर्ववेदि उपाकर्म

शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०३।३१

पं.१९ श्रा.शु. ५ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	४	४	३	७	५	११
०१	१२	२४	०७	२६	०४	०८	०८
४१	२६	११	३१	३०	३४	३९	३९
०३	३८	१२	०९	३७	१५	५५	५५
५७	३८	८७	१३	३७	१	३	३
४४	३४	३६	०२	१५	३९	११	११
म	पु	पूफा	म	श्ले	अनु	उफा	उभा
१	३	४	३	३व	१	४	२

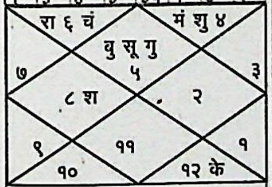

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।२७।२३।३३	१ श	१५	१०।०७	११।४३	१।३९	३।५४	६।१४	८।३१	१०।४७	१।०६	३।२४	५।२९	७।१२	८।४१
०३।२८।२१।०१	२ र	१६	१०।०३	११।३९	१।३५	३।५०	६।१०	८।२७	१०।४३	१।०२	३।२०	५।२५	७।०८	८।३७
०३।२९।१८।३१	३ चं	१७	९।५९	११।३५	१।३१	३।४६	६।०६	८।२३	१०।३९	१२।५८	३।१६	५।२१	७।०४	८।३३
०४।००।१६।०२	४ मं	१८	९।५५	११।३१	१।२७	३।४२	६।०२	८।१९	१०।३५	१२।५४	३।१३	५।१७	७।००	८।२९
०४।०१।१३।३५	५ बु	१९	९।५१	११।२७	१।२३	३।३८	५।५८	८।१५	१०।३१	१२।५०	३।०९	५।१३	६।५६	८।२५
०४।०२।११।०९	५ गु	२०	९।४७	११।२३	१।१९	३।३४	५।५४	८।११	१०।२७	१२।४६	३।०५	५।०९	६।५३	८।२१
०४।०३।०८।४५	६ शु	२१	९।४३	११।१९	१।१५	३।३०	५।५०	८।०७	१०।२३	१२।४२	३।०१	५।०५	६।४९	८।१७
०४।०४।०६।२२	७ श	२२	९।३९	११।१५	१।१२	३।२६	५।४६	८।०३	१०।१९	१२।३८	२।५७	५।०१	६।४५	८।१३
०४।०५।०४।०२	८ र	२३	९।३५	११।११	१।०८	३।२२	५।४२	७।५९	१०।१५	१२।३४	२।५३	४।५७	६।४१	८।०९
०४।०६।०१।४३	९ चं	२४	९।३१	११।०७	१।०४	३।१८	५।३८	७।५५	१०।११	१२।३०	२।४९	४।५३	६।३७	८।०५
०४।०६।५९।२६	१० मं	२५	९।२७	११।०४	१।००	३।१४	५।३५	७।५१	१०।०७	१२।२६	२।४५	४।५०	६।३३	८।०१
०४।०७।५७।११	११ बु	२६	९।२३	११।००	१२।५६	३।११	५।३१	७।४७	१०।०३	१२।२२	२।४१	४।४६	६।२९	७।५७
०४।०८।५४।५७	१२ गु	२७	९।१९	१०।५६	१२।५२	३।०७	५।२७	७।४३	९।५९	१२।१८	२।३७	४।४२	६।२५	७।५३
०४।०९।५२।४५	१३ शु	२८	९।१६	१०।५२	१२।४८	३।०३	५।२३	७।४०	९।५५	१२।१४	२।३३	४।३८	६।२१	७।५०
०४।१०।५०।३६	१५ श	२९	९।१२	१०।४८	१२।४४	२।५९	५।१९	७।३६	९।५१	१२।११	२।२९	४।३४	६।१७	७।४६

संक्रांति फलम्

ता. १७ अगस्त २०१५
श्रा. शु. ३ चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १२।०४ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रास्तः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः रवौ (स्टै.) २९।४० से चंद्रे १२।०४ तक । (दान- छत्र) ।

अयनांशाः २४।०३।३२

पं.२० श्रा.शु.११ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	५	४	३	७	५	११
०८	१६	०३	०९	२२	०४	०८	०८
२५	५६	५१	०२	३७	४७	१७	१७
४३	००	२१	३०	३३	४९	३९	३९
५७	३८	७६	१३	२६	२	३	३
५४	२२	३०	०३	२०	१९	११	११
म	श्ले	उफा	म	श्ले	अनु	उफा	उभा
३	१	३	३	२व	१	४	२

३० अगस्त से १३ सितंबर तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७,दिमासू. सू. तारीख

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	स्टै. चंद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति
राक्षस	१	र	३५	३६	२०	२६	शत	१६	१६	१२	४२	सु	१९	११	१३	५२	बा	१०	०८	१०	१४	३१/३७	६/१९	६/५०	८	१४	३०	मीने २८।३५	४।११।४१।३२	५७।५४
मुसल	२	सो	२६	३६	१६	५०	पूभा	९	१५	९	५४	धृ	८/५९	५८/०२	९/२९	४७/४९	तै	१	०४	६	३७	३३	१२	४९	९	१५	३१	मीने	४।१२।३९।२६	५७।५६
च.व्र.	३	मं	१८	०२	१३	२५	उभा	२/५६	३२/३१	७/२८	१३/४९	गं	४९	३७	२६	०३	वि	१८	०२	१३	२५	२९	१२	४८	१०	१६	१	मेषे २८।४९	४।१३।३७।२२	५७।५८
मृत्यु	४	बु	१०	१५	१०	१९	अश्वि	५१	२९	२६	४८	वृ	४०	५९	२२	३७	बा	१०	१५	१०	१९	२५	१३	४७	११	१७	२	मेषे	४।१४।३५।१९	५८।००
पद्म	५	गु	३	३१	७	३७	भर	४७	४१	२५	१८	ध्रु	३३	२१	१९	३४	तै	३	३१	७	३७	२१	१३	४६	१२	१८	३	मेषे	४।१५।३३।१९	५८।०२
क्षयः	६	गु	५८	०७	२९	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
छत्र	७	शु	५४	१०	२७	५४	कृति	४५	२२	२४	२२	व्या	२६	५४	१६	५९	वि	२५	५६	१६	३६	१७	१४	४४	१३	१९	४	वृषे ७।००	४।१६।३१।२१	५८।०४
जन्माष्ट.	८	श	५१	५२	२६	५९	रोहि	४४	३८	२४	०५	ह	२१	४१	१४	५५	बा	२२	४८	१५	२१	१३	१४	४३	१४	२०	५	वृषे	४।१७।२९।२४	५८।०६
गोगा	९	र	५१	१४	२६	४४	मृग	४५	३१	२४	२७	व	१७	४९	१३	२२	तै	२१	२०	१४	४७	०९	१५	४२	१५	२१	६	मिथु. १२।११	४।१८।२७।३०	५८।०८
काल	१०	सो	५२	१२	२७	०८	आर्द्रा	४८	००	२५	२७	सि	१५	१४	१२	२१	व	२१	३०	१४	५१	०५	१५	४१	१६	२२	७	मिथु.	४।१९।२५।३८	५८।१०
ए.व्र.	११	मं	५४	३९	२८	०७	पुन	५१	५७	२७	०२	व्य	१३	५२	११	४८	व	२३	१५	१५	३३	०१	१६	४०	१७	२३	८	कर्के २०।३५	४।२०।२३।४८	५८।१२
मातङ्ग	१२	बु	५८	२४	२९	३८	पुष्य	५७	०८	२९	०७	व	१३	३८	११	४३	कौ	२६	२३	१६	४९	३०/५१७	१६	३९	१८	२४	९	कर्के	४।२१।२२।००	५८।१४
प्र.व्र.	१३	गु	...	...	...	...	श्ले	...	...	...	...	प	१४	१९	१२	००	ग	३०	४०	१८	३२	५३	१६	३८	१९	२५	१०	कर्के	४।२२।२०।१४	५८।१६
मृत्यु	१३	शु	३	१०	७	३३	श्ले	३	१७	७	३६	शि	१५	४४	१२	३५	व	३	१०	७	३३	४९	१७	३६	२०	२६	११	सिंहे ७।३६	४।२३।१८।३०	५८।१८
पद्म	१४	श	८	४३	९	४७	मघा	१०	१२	१०	२२	सि	१७	४१	१३	२२	श	८	४३	९	४७	४५	१७	३५	२१	२७	१२	सिंहे	४।२४।१६।४८	५८।२०
अमाव.	३०	र	१४	४८	१२	१३	पूफा	१७	३७	१३	२१	सा	२०	०१	१४	१८	ना	१४	४८	१२	१३	४१	१८	३४	२२	२८	१३	कन्या २०।०७	४।२५।१५।०९	५८।२३

शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त-सितंबर २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मघा.-४ गुरुः १५।५४ [C चन्द्रोदयः २०।४९, सितंबर ९ ता. ३०
भ.२७।०६ उ.,कज्जली(बूढी ३), पूफा.रविः ८।०४ (सौरः २३।०१), B
भ. १३।२५ या., पंचक समाप्तिः २८।४९, अंगारकी चतुर्थीव्रतं C
[B हस्ते बुधः ७।२२, सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहन मूषक वर्षाश्रेष्ठः
भ. २९।२८ उ., बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, D
[D चंद्रषष्ठी (मरु.)
भ. १६।३६ या., शीतला व्र.
मन्वादि, जन्माष्टमी व्र., दशाफल व्र.
गोगानवमी, गुरोरुदयः पूर्वस्याम् २२।४३, मार्गी शुक्रः २८।४३
भ. १४।५१ उ. २७।०८ या.
अजा ११ व्र., जैनपर्युषण
वत्सपूजा
प्रदोषः [A रविः २५।५७, सं.स्त्री.स्त्री.सू.सू.वाहन अश्व अल्पवृष्टिः
भ. ७।३३ उ. २०।३७ या., मासिकशिवरात्री व्र.
कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, पितृकार्येऽमा.
देवकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना.,मातृ ३०,उफा. A

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०३।३३

पं.२१ भा.कृ. ४ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	५	४	३	७	५	११
१५	२१	१२	१०	२०	०५	०७	०७
११	२४	०९	३३	२१	०५	५५	५५
३६	००	४८	५१	४०	५२	२४	२४
५८	३८	६३	१३	९	२	३	३
०५	११	२०	०३	४२	५७	१२	१२
पूफा	श्ले	ह	म	श्ले	अनु	उफा	उभा
१	२	१	४	२व	१	४	२

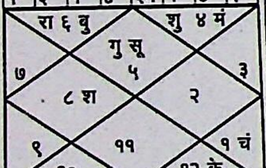

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायँ	मीन रात्रौ
०४।११।४८।२८	१ र	३०	९।०८	१०।४४	१२।४०	२।५५	५।१५	७।३२	९।४७	१२।०७	२।२५	४।३०	६।१३	७।४२
०४।१२।४६।२२	२ चं	३१	९।०४	१०।४०	१२।३६	२।५१	५।११	७।२८	९।४४	१२।०३	२।२१	४।२६	६।०९	७।३८
०४।१३।४४।१८	३ मं	१	९।००	१०।३६	१२।३२	२।४७	५।०७	७।२४	९।४०	११।५९	२।१७	४।२२	६।०५	७।३४
०४।१४।४२।१५	४ बु	२	८।५६	१०।३२	१२।२८	२।४३	५।०३	७।२०	९।३६	११।५५	२।१३	४।१८	६।०१	७।३०
०४।१५।४०।१५	५ गु	३	८।५२	१०।२८	१२।२४	२।३९	४।५९	७।१६	९।३२	११।५१	२।०९	४।१४	५।५७	७।२६
०४।१६।३८।१७	७ शु	४	८।४८	१०।२४	१२।२०	२।३५	४।५५	७।१२	९।२८	११।४७	२।०५	४।१०	५।५३	७।२२
०४।१७।३६।२१	८ श	५	८।४४	१०।२०	१२।१६	२।३१	४।५१	७।०८	९।२४	११।४३	२।०२	४।०६	५।४९	७।१८
०४।१८।३४।२७	९ र	६	८।४०	१०।१६	१२।१२	२।२७	४।४७	७।०४	९।२०	११।३९	१।५८	४।०२	५।४५	७।१४
०४।१९।३२।३५	१० चं	७	८।३६	१०।१२	१२।०८	२।२३	४।४३	७।००	९।१६	११।३५	१।५४	३।५८	५।४२	७।१०
०४।२०।३०।४५	११ मं	८	८।३२	१०।०८	१२।०४	२।१९	४।३९	६।५६	९।१२	११।३१	१।५०	३।५४	५।३८	७।०६
०४।२१।२८।५७	१२ बु	९	८।२८	१०।०४	१२।०१	२।१५	४।३५	६।५२	९।०८	११।२७	१।४६	३।५०	५।३४	७।०२
०४।२२।२७।११	१३ गु	१०	८।२४	१०।००	११।५७	२।११	४।३१	६।४८	९।०४	११।२३	१।४२	३।४६	५।३०	६।५८
०४।२३।२५।२८	१३ शु	११	८।२०	९।५६	११।५३	२।०७	४।२७	६।४४	९।००	११।१९	१।३८	३।४२	५।२६	६।५४
०४।२४।२३।४६	१४ श	१२	८।१६	९।५३	११।४९	२।०३	४।२४	६।४०	८।५६	११।१५	१।३४	३।३९	५।२२	६।५०
०४।२५।२२।०७	३० र	१३	८।१२	९।४९	११।४५	२।००	४।२०	६।३६	८।५२	११।११	१।३०	३।३५	५।१८	६।४६

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद है और पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो, यथा- एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः । भाद्रपद कृष्णाष्टमी रोहिणीयुक्त होने से शुभदा है। अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो। अमावस्या पूर्वाफाल्गुनी योग समर्घता कारक है। अमावस को पूर्वाफाल्गुनी होने से मध्यम वर्षा हो। अमावस्या को रविवार और पूर्वाफाल्गुनी होने से अरिष्टकारी योग बनता है। भादवा की अमावस रविवारी होने से घी महँगा हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।०३।३४

पं.२२ भा.कृ.१२ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	५	४	३	७	५	११
२१	२५	१८	१२	२०	०५	०७	०७
५८	५०	३७	०४	०५	२८	३३	३३
५०	४०	२१	५२	२०	१४	०८	०८
५८	३७	४२	१२	७	३	३	३
१७	५९	३५	५७	११	३२	११	११
पूफा	श्ले	ह	म	श्ले	अनु	उफा	उभा
३	३	३	४	२	१	४	२

४ शु

१४ सितंवर से २८ सितंवर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	सो	२१	१२	१४	४७	उफा	२५	२०	१६	२६	शु	२२	३४	१५	२०	व	२१	१२	१४	४७	३०/३७	६/१८	६/३३	२३	२९	१४	कन्या	४।२६।१३।३१	५८।२५
सौम्य	२	मं	२७	४२	१७	२४	हस्त	३३	०७	१९	३३	शु	२५	११	१६	२३	कौ	२७	४२	१७	२४	३३	१९	३२	२४	३०	१५	कन्या	४।२७।११।५६	५८।२७
काल	३	बु	३४	०२	१९	५६	चित्रा	४०	४३	२२	३६	ब्र	२७	४१	१७	२३	तैं	०	५३	६	४०	२९	१९	३१	२५	१	१६	तुला. ९।०६	४।२८।१०।२३	५८।२९
गणेश	४	गु	३९	५०	२२	१६	स्वा	४७	४७	२५	२६	ऐ	२९	४९	१८	१५	व	७	०१	९	०८	२४	२०	२९	२६	२	१७	तुला.	४।२९।०८।५२	५८।३२
ऋषि	५	शु	४४	४४	२४	१४	विशा	५३	५५	२७	५४	वै	३१	१८	१८	५१	व	१२	२५	११	१८	२०	२०	२८	२७	३	१८	वृश्चि. २१।२०	५।००।०७।२४	५८।३४
अमृत	६	श	४८	१७	२५	३९	अनु	५८	४२	२९	४९	वि	३१	४९	१९	०४	कौ	१६	४१	१३	०१	१६	२१	२७	२८	४	१९	वृश्चि.	५।०१।०५।५८	५८।३६
काण	७	र	५०	०९	२६	२५	ज्ये	...	...	...	...	प्री	३१	०५	१८	४७	ग	१९	२६	१४	०८	१२	२१	२६	२९	५	२०	वृश्चि.	५।०२।०४।३४	५८।३८
पद्म	८	सो	५०	०७	२६	२४	ज्ये	१	४७	७	०४	आ	२८	५६	१७	५६	वि	२०	२३	१४	३१	०८	२१	२५	३०	६	२१	धनु. ७।०४	५।०३।०३।१२	५८।४१
छत्र	९	मं	४८	०८	२५	३७	मूल	३	०१	७	३४	सौ	२५	१२	१६	२७	बा	१९	२२	१४	०७	०४	२२	२४	३१	७	२२	धनु.	५।०४।०१।५२	५८।४३
श्रीवत्स	१०	बु	४४	१३	२४	०४	पूषा	२/५६	१८/४६	७/३०	१८/१७	शो	१९	५६	१४	२१	तै	१६	२३	१२	५६	००	२२	२२	१	८	२३	मक. १३।०६	५।०५।००।३५	५८।४५
ए.व्र.	११	गु	३८	३५	२१	४९	श्रव	५५	३४	२८	३७	अ	१३	११	११	३९	व	११	३५	११	०१	२९/२६	२३	२१	२	९	२४	मक.	५।०५।५९।२०	५८।४७
धाता	१२	शु	३१	३०	१८	५९	धनि	५०	०१	२६	२४	सु	५/५६	०४/०४	२८	२७/४४	ब	५	११	८	२८	५२	२३	२०	३	१०	२५	कुंभे १५।३४	५।०६।५८।०७	५८।५०
प्र.व्र.	१३	श	२३	१७	१५	४२	शत	४३	२६	२३	४६	शू	४६	०८	२४	५१	तै	२३	१७	१५	४२	४८	२४	१९	४	११	२६	कुंभे	५।०७।५६।५७	५८।५२
चर	१४	र	१४	१७	१२	०७	पूभा	३६	१४	२०	५४	गं	३५	४३	२०	४१	व	१४	१७	१२	०७	४३	२४	१८	५	१२	२७	मीने १५।३८	५।०८।५५।४९	५८।५४
पूर्णिमा	१५	सो	४	५६	८	२३	उभा	२८	४९	१७	५६	वृ	२५	०६	१६	२७	व	४	५६	८	२३	३९	२५	१७	६	१३	२८	मीने	५।०९।५४।४३	५८।५७

केतकी अहर्गणः १६२२ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

उफा. सौरः १७।११, पूफा.-१ गुरुः २६।०२ [H आवाहन २९।४९ यावत्
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), सामवेदि उपाकर्म, सिंहे मघा. भौमः २०।०९
मन्वादि,वराह जयंती,हरितालिका व्र.,हस्तिगौरी व्र.,जिल्हेज १२, G
भ. ९।०८ उ. २२।१६ या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), F
ऋषि पंचमी, वक्री बुधः ८।१३ [G बुधास्तः पश्चिमायाम् २१।५८
सौर(सूर्य) षष्ठी,स्कन्द दर्शनं, ललिता षष्ठीव्र.(गुर्जरे), गौरी H
भ.२६।२५ उ., मुक्ताभरण व्र.,उमामहेश्वर पू.,दूबड़ी सातम,गौरी पूजन
भ.१४।३१ या.,दधीची जयंती, श्रीराधा ८, गौरी विसर्जन ७।०४ उपरान्त
अदुःख नवमी व्र., श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय)
दशावतारव्र.,श्री रामदेवजी का मेला,विष्णुश्रृंखला ३०।१७ से, C
भ.११।०१ उ. २१।४९ या.,जलझूलनी ११ व्र.,विष्णुश्रृंखला २८।३७ तक
पंचक प्रारम्भः १५।३४, वामन जयंती, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्र व्र., K
प्रदोषः,अनु.-२ शनिः११।५५ [K उफा.-३ राहुः२३।१८,उभा.-१केतुः२३।१८
भ.१२।०७ उ. २२।१६ या.,पूर्णिमा व्रतं, अनन्त १४,कदली व्रतं A
पूर्णिमा पुण्यं, महेश्वर पूजनं, कु. संध्यापूजा, हस्ते सौरः ८।३४

[F जैन संवत्सरी,विश्वकर्मा पू.,कन्यायां रविः १२।०४ (सौरः२७।१८) [C भा.अश्विनारंभः,सायन तुलायांभानुः १४।०० [A पूजनं,रंभारोपणं,प्रौष्ठपदी, महालयश्राद्धारंभः,इंदुला १५,हस्तेरविः १७।२८,सं.सी.पु.सू.सू.वाहन मेष वर्षाश्रेष्ठः

अयनांशाः २४।०३।३५

पं.२३ भा.शु. ३ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	५	४	३	७	५	११
२८	००	२१	१३	२१	०५	०७	०७
४७	१६	५८	३५	४०	५४	१०	१०
३१	०२	४९	०७	३६	३९	५१	५१
५८	३७	७	१२	२१	४	३	३
३१	४८	०२	४८	३६	०५	११	११
उफा	म	ह	पूफा	श्ले	अनु	उफा	उभा
१	१	४	१	२	१	४	२

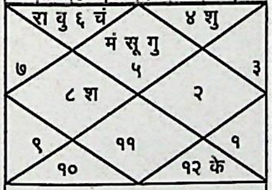

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायें
०४।२६।२०।३०	१ चं	१४	८।०८	९।४५	११।४१	१।५६	४।१६	६।३३	८।४८	११।०७	१।२६	३।३१	५।१४	६।४२
०४।२७।१८।५५	२ मं	१५	८।०५	९।४१	११।३७	१।५२	४।१२	६।२९	८।४४	११।०४	१।२२	३।२७	५।१०	६।३९
०४।२८।१७।२२	३ बु	१६	८।०१	९।३७	११।३३	१।४८	४।०८	६।२५	८।४०	११।००	१।१८	३।२३	५।०६	६।३५
०४।२९।१५।५२	४ गु	१७	७।५७	९।३३	११।२९	१।४४	४।०४	६।२१	८।३६	१०।५६	१।१४	३।१९	५।०२	६।३१
०५।००।१४।२३	५ शु	१८	७।५३	९।२९	११।२५	१।४०	४।००	६।१७	८।३३	१०।५२	१।१०	३।१५	४।५८	६।२७
०५।०१।१२।५८	६ श	१९	७।४९	९।२५	११।२१	१।३६	३।५६	६।१३	८।२९	१०।४८	१।०६	३।११	४।५४	६।२३
०५।०२।११।३४	७ र	२०	७।४५	९।२१	११।१७	१।३२	३।५२	६।०९	८।२५	१०।४४	१।०२	३।०७	४।५०	६।१९
०५।०३।१०।१२	८ चं	२१	७।४१	९।१७	११।१३	१।२८	३।४८	६।०५	८।२१	१०।४०	१२।५८	३।०३	४।४६	६।१५
०५।०४।०८।५३	९ मं	२२	७।३७	९।१३	११।०९	१।२४	३।४४	६।०१	८।१७	१०।३६	१२।५४	२।५९	४।४२	६।११
०५।०५।०७।३६	१० बु	२३	७।३३	९।०९	११।०५	१।२०	३।४०	५।५७	८।१३	१०।३२	१२।५१	२।५५	४।३८	६।०७
०५।०६।०६।२१	११ गु	२४	७।२९	९।०५	११।०१	१।१६	३।३६	५।५३	८।०९	१०।२८	१२।४७	२।५१	४।३४	६।०३
०५।०७।०५।०९	१२ शु	२५	७।२५	९।०१	१०।५७	१।१२	३।३२	५।४९	८।०५	१०।२४	१२।४३	२।४७	४।३१	५।५९
०५।०८।०३।५९	१३ श	२६	७।२१	८।५७	१०।५३	१।०८	३।२८	५।४५	८।०१	१०।२०	१२।३९	२।४३	४।२७	५।५५
०५।०९।०२।५१	१४ र	२७	७।१७	८।५३	१०।५०	१।०४	३।२४	५।४१	७।५७	१०।१६	१२।३५	२।३९	४।२३	५।५१
०५।१०।०१।४६	१५ चं	२८	७।१३	८।४९	१०।४६	१।००	३।२०	५।३७	७।५३	१०।१२	१२।३१	२।३५	४।१९	५।४७

संक्रांति फलम्

ता. १७ सितंवर २०१५
भा. शु. ४ गुरौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १२।०४ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १२।०४ से १८।२८ तक । (दान- गृह वस्त्र) ।

अयनांशाः २४।०३।३५

पं.२४ भा.शु.१० बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	५	४	३	७	५	११
०५	०४	२०	१५	२४	०६	०६	०६
३७	४०	२३	०४	४७	२४	४८	४८
४४	०६	२४	०९	४३	५१	३६	३६
५८	३७	४२	१२	३३	४	३	३
४४	३७	०१	३६	०१	३७	११	११
उफा	म	ह	पूफा	श्ले	अनु	उफा	उभा
३	२	४व	१	३	१	४	२

२९ सितंबर से १२ अक्टूबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख

शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंवर-अक्टूवर २०१५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	स्टै. चंद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
क्षयः	१	सो	५५	३४	२८	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A बुधः ११।१३, सं.स्त्री.स्त्री.सू.सू.वाहन स्वर अल्पवृष्टिः
शुभ	२	मं	४६	३५	२५	०३	रेव	२१	३४	१५	०३	ध्रु	१४	३७	१२	१६	तै	२१	००	१४	४९	३९/३५	६/२५	६/१५	७	१४	२९	मेषे १५।०३	५।१०।५३।४०	५८।५९	पंचक समाप्तिः १५।०३
मृत्यु	३	बु	३८	२३	२१	४७	अश्वि	१४	५६	१२	२४	व्या	४/५५	३६/२०	८/२८	१६/३४	व	१२	२१	११	२२	३१	२६	१४	८	१५	३०	मेषे	५।११।५२।३९	५९।०१	भ. ११।२२ उ. २१।४७ या., भरणी श्राद्ध, पूफा.-२ गुरुः २२।५५
च.व्र.	४	गु	३१	२२	१८	५९	भर	९	१७	१०	०९	व	४७	०७	२५	१७	ब	४	४२	८	१९	२७	२६	१३	९	१६	१	वृषे १५।४०	५।१२।५१।४०	५९।०४	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०१, अक्टूवर १० ता. ३१, सिंहे D
छत्र	५	शु	२५	५०	१६	४७	कृति	५	०१	८	२७	सि	४०	१२	२२	३१	तै	२५	५०	१६	४७	२३	२७	१२	१०	१७	२	वृषे	५।१३।५०।४४	५९।०६	चंद्रषष्ठी, गांधी जयन्ती
श्रीवत्स	६	श	२२	०६	१५	१८	रोहि	२	२६	७	२६	व्य	३४	४६	२०	२२	व	२२	०६	१५	१८	१९	२७	११	११	१८	३	मिथु. १९।१२	५।१४।४९।५०	५९।०८	भ. १५।१८ उ. २६।५१ या., (व) उफा. बुधः १७।२९
सौम्य	७	र	२०	२१	१४	३६	मृग	१	४४	७	०९	व	३०	५५	१८	५०	ब	२०	२१	१४	३६	१५	२८	१०	१२	१९	४	मिथु.	५।१५।४८।५८	५९।११	श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी
काल	८	सो	२०	३८	१४	४४	आर्द्रा	३	०२	७	४१	प	२८	४०	१७	५६	कौ	२०	३८	१४	४४	११	२८	०९	१३	२०	५	कर्के २६।३५	५।१६।४८।०८	५९।१३	[D मघा. शुक्रः १३।०१
सुस्थिर	९	मं	२२	५२	१५	३८	पुन	६	१५	८	५९	शि	२७	५३	१७	३८	ग	२२	५२	१५	३८	०६	२९	०७	१४	२१	६	कर्के	५।१७।४७।२१	५९।१५	भ. २८।२० उ., सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, पूफा. भौमः २७।४१, B
मातङ्ग	१०	बु	२६	४६	१७	१२	पुष्य	११	११	१०	५८	सि	२८	२३	१७	५०	वि	२६	४६	१७	१२	०२	२९	०६	१५	२२	७	कर्के	५।१८।४६।३७	५९।१८	भ. १७।१२ या. [B बुधोदयः पूर्वस्याम् १६।०१
ए.व्र.	११	गु	३२	००	१९	१८	श्ले	१७	२७	१३	२९	सा	२९	५२	१८	२६	बा	३२	००	१९	१८	२८/५८	३०	०५	१६	२३	८	सिंहे १३।२९	५।१९।४५।५४	५९।२०	इंदिरा ११ व्र. [C श्राद्धं, चित्रा. सौरः २१।०३
काण	१२	शु	३८	०६	२१	४५	मघा	२४	३९	१६	२२	शु	३२	००	१९	१८	कौ	४	५८	८	३०	५४	३०	०४	१७	२४	९	सिंहे	५।२०।४५।१४	५९।२२	सन्यासिनां श्राद्धं
प्र.व्र.	१३	श	४४	३८	२४	२२	पूफा	३२	२१	१९	२७	शु	३४	२८	२०	१८	ग	११	१९	११	०३	५०	३१	०३	१८	२५	१०	कन्या २६।१४	५।२१।४४।३६	५९।२५	भ. २४।२२ उ., प्रदोषः, युगादि, चित्रा. रविः ३०।२८, मार्गी A
मित्र	१४	र	५१	१३	२७	०१	उफा	४०	०९	२२	३५	ब्र	३७	०२	२१	२०	वि	१७	५५	१३	४२	४६	३१	०२	१९	२६	११	कन्या	५।२२।४४।०१	५९।२७	भ. १३।४२ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि हतानां C
अमाव.	३०	सो	५७	३७	२९	३५	हस्त	४७	४७	२५	३९	ऐ	३९	२९	२२	१९	च	२४	२७	१६	१९	४२	३२	०१	२०	२७	१२	कन्या	५।२३।४३।२८	५९।२९	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., सर्वपितृ श्राद्धम्

अयनांशाः २४।०३।३६

पं.२५ आ.कृ. ३ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	५	४	३	७	५	११
१२	०९	१३	१६	२९	०६	०६	०६
२९	०२	४०	३१	०६	५८	२६	२६
३५	५३	५९	३२	२९	३५	२०	२०
५८	३७	६७	१२	४१	५	३	३
५८	२६	२६	१९	४७	०५	११	११
ह	म	ह	पूफा	श्ले	अनु	उफा	उभा
१	३	२व	१	४	२	३	१

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. सितं	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायं
०५।११।००।४२	२ मं	२९	७।०९	८।४५	१०।४२	१२।५६	३।१६	५।३३	७।४९	१०।०८	१२।२७	२।३१	४।१५	५।४३
०५।११।५९।४२	३ बु	३०	७।०५	८।४२	१०।३८	१२।५२	३।१३	५।२९	७।४५	१०।०४	१२।२३	२।२८	४।११	५।३९
०५।१२।५८।४३	४ गु	१	७।०१	८।३८	१०।३४	१२।४९	३।०९	५।२५	७।४१	१०।००	१२।१९	२।२४	४।०७	५।३५
०५।१३।५७।४७	५ शु	२	६।५८	८।३४	१०।३०	१२।४५	३।०५	५।२२	७।३७	९।५६	१२।१५	२।२०	४।०३	५।३१
०५।१४।५६।५३	६ श	३	६।५४	८।३०	१०।२६	१२।४१	३।०१	५।१८	७।३३	९।५३	१२।११	२।१६	३।५९	५।२८
०५।१५।५६।०२	७ र	४	६।५०	८।२६	१०।२२	१२।३७	२।५७	५।१४	७।२९	९।४९	१२।०७	२।१२	३।५५	५।२४
०५।१६।५५।१३	८ चं	५	६।४६	८।२२	१०।१८	१२।३३	२।५३	५।१०	७।२६	९।४५	१२।०३	२।०८	३।५१	५।२०
०५।१७।५४।२६	९ मं	६	६।४२	८।१८	१०।१४	१२।२९	२।४९	५।०६	७।२२	९।४१	११।५९	२।०४	३।४७	५।१६
०५।१८।५३।४१	१० बु	७	६।३८	८।१४	१०।१०	१२।२५	२।४५	५।०२	७।१८	९।३७	११।५५	२।००	३।४३	५।१२
०५।१९।५२।५९	११ गु	८	६।३४	८।१०	१०।०६	१२।२१	२।४१	४।५८	७।१४	९।३३	११।५१	१।५६	३।३९	५।०८
०५।२०।५२।२०	१२ शु	९	६।३०	८।०६	१०।०२	१२।१७	२।३७	४।५४	७।१०	९।२९	११।४७	१।५२	३।३५	५।०४
०५।२१।५१।४२	१३ श	१०	६।२६	८।०२	९।५८	१२।१३	२।३३	४।५०	७।०६	९।२५	११।४३	१।४८	३।३१	५।००
०५।२२।५१।०७	१४ र	११	६।२२	७।५८	९।५४	१२।०९	२।२९	४।४६	७।०२	९।२१	११।४०	१।४४	३।२७	४।५६
०५।२३।५०।३४	३० चं	१२	६।१८	७।५४	९।५०	१२।०५	२।२५	४।४२	६।५८	९।१७	११।३६	१।४०	३।२४	४।५२

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो, यथा-मंगलेम्रियतेराजा प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रवल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो। अमावस्या को हस्त होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। शुक्ला प्रतिपदा की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो। आसोज की शु. अष्टमी बुधवार होने से घी का भाव मंदा हो। आसोज शु. एकादशी को शनिवार होने से शत्रु तथा चौरादि से उपद्रव हो। उत्तराफाल्गुनी में बुध होने से उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २४।०३।३७

पं.२६ आ.कृ.१० बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	५	४	४	७	५	११
१९	१३	०७	१७	०४	०७	०६	०६
२३	२४	२३	५६	२०	३५	०४	०४
०५	२१	५३	४९	०८	२९	०४	०४
५९	३७	२३	११	४८	५	३	३
१३	१५	१६	५९	३०	३१	११	११
ह	पूफा	उफा	पूफा	म	अनु	उफा	उभा
३	१	४व	२	२	२	३	१

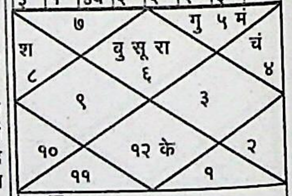

५ शु

१३ अक्टूबर से २७ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	मं	...	...	...	...	चित्रा	५५	०४	२८	३४	वै	४१	३९	२३	१२	किं	३०	४०	१८	४९	२६ ३८	६ ३३	६ ००	२१	२८	१३	तुला. १५।०८	५।२४।४२।५७	५९।३१
धूम्र	१	बु	३	३४	७	५९	स्वा	...	...	...	...	वि	४३	२४	२३	५५	व	३	३४	७	५९	३४	३३	५ ५९	२२	२९	१४	तुला.	५।२५।४२।२९	५९।३४
सुस्थिर	२	गु	८	५७	१०	०८	स्वा	१	४६	७	१६	प्री	४४	३७	२४	२४	कौ	८	५७	१०	०८	३०	३४	५८	२३	१	१५	वृश्चि. २७।०६	५।२६।४२।०२	५९।३६
मातङ्ग	३	शु	१३	३२	११	५९	विशा	७	४५	९	४०	आ	४५	०७	२४	३७	ग	१३	३२	११	५९	२६	३४	५७	२४	२	१६	वृश्चि.	५।२७।४१।३९	५९।३८
अमृत	४	श	१७	०५	१३	२५	अनु	१२	४५	११	४१	सौ	४४	४५	२४	२९	वि	१७	०५	१३	२५	२२	३५	५६	२५	३	१७	वृश्चि.	५।२८।४१।१७	५९।४१
काण	५	र	१९	२३	१४	२१	ज्ये	१६	३५	१३	१३	शो	४३	२१	२३	५६	बा	१९	२३	१४	२१	१८	३५	५५	२६	४	१८	धनु. १३।१३	५।२९।४०।५८	५९।४३
लुम्बक	६	सो	२०	१४	१४	४२	मूल	१९	०१	१४	१२	अ	४०	४८	२२	५५	तै	२०	१४	१४	४२	१४	३६	५४	२७	५	१९	धनु.	६।००।४०।४१	५९।४५
मित्र	७	मं	१९	३३	१४	२६	पूषा	१९	५६	१४	३५	सु	३७	००	२१	२५	व	१९	३३	१४	२६	१०	३७	५३	२८	६	२०	मक. २०।३५	६।०१।४०।२६	५९।४८
दुर्गा	८	बु	१७	१६	१३	३२	उषा	१९	१७	१४	२०	धृ	३१	५६	१९	२४	व	१७	१६	१३	३२	०६	३७	५२	२९	७	२१	मक.	६।०२।४०।१३	५९।५०
विजया	९	गु	१३	२३	११	५९	श्रव	१७	०५	१३	२८	शू	२५	३७	१६	५३	कौ	१३	२३	११	५९	०२	३८	५१	३०	८	२२	कुंभे २४।४९	६।०३।४०।०३	५९।५२
धाता	१०	शु	८	०३	९	५२	धनि	१३	२७	१२	०१	गं	१८	०८	१३	५४	ग	८	०३	९	५२	२७ ५५	३९	५०	१	९	२३	कुंभे	६।०४।३९।५५	५९।५४
ए.व्र.	११	श	१	२६	७	१३	शत	८	३३	१०	०४	वृ	९	३९	१०	३१	वि	१	२६	७	१३	५५	३९	४९	२	१०	२४	मीने २६।२०	६।०५।३९।४९	५९।५६
क्षयः	१२	श	५३	४६	२८	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्र.व्र.	१३	र	४५	१९	२४	४७	पूभा	२ ५६	३७ ००	७ २९	४३ ०४	ध्रु	० ५०	१६ २४	६ २६	४७ ४९	कौ	१९	३७	१४	३१	५१	४०	४८	३	११	२५	मीने	६।०६।३९।४६	५९।५९
मातङ्ग	१४	सो	३६	२६	२१	१५	रेव	४८	५९	२६	१६	ह	४०	०७	२२	४३	ग	१०	५४	११	०२	४७	४०	४७	४	१२	२६	मेषे २६।१६	६।०७।३९।४४	६०।०१
पूर्णिमा	१५	मं	२७	२८	१७	४१	अश्वि	४२	०१	२३	२९	व	२९	४९	१८	३७	वि	१	५६	७	२७	४३	४१	४६	५	१३	२७	मेषे	६।०८।३९।४५	६०।०३

केतकी अहर्गणः १६५१ शरदृत्तू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टं.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती, मातामह श्रा.
चंद्रदर्शनम् (मु.१५) [C सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहन जम्बूक वर्षाश्रेष्ठः
मोहोर्रम १ सन १४३७ हि., हस्ते बुधः २८।०४
भ. २४।४५ उ. [D पूफा.-३ गुरुः१९।०९, पूफा. शुक्रः १५।४४
भ. १३।२५ या., आकाश दीपारंभः, तुलायां रविः २४।०२, D
उपांग ललिता व्र., तुलायां सौरः १४।१५ [B शमीपूजा, E
सरस्वती आवाहनं मूलभे [E पट्टाभिषेक, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे
भ.१४।२६ उ. २६।०४ या., भद्रकाली अवतार, सरस्वती पूजनं पू.षाभे
महाष्टमी, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे
पंचक प्रारम्भः २४।४९, मन्वादि, बोद्धावतार, विजया १०, B
भ. २०।३६ उ., भा. कार्तिकारंभः, सायन वृश्चिके भानुः २३।२६
भ. ७।१३ या., पापांकुशा ११ व्र., स्वा. रविः १६।५८, C
[A भक्षण, आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन शाखा), कार्तिक स्नानप्रा.
प्रदोषः, कार्तिके द्विदलं त्यजेत्, स्वा. सौरः ६।४६, चित्रा. बुधः २०।४०
भ.२१।१५ उ., पंचक समाप्तिः २६।१६, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र.
भ. ७।२७ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, बंगीय लक्ष्मी पूजा, नवान्न A

अयनांशाः २४।०३।३८

पं.२७ आ.शु. १ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	५	४	४	७	५	११
२६	१७	०८	१९	१०	०८	०५	०५
१८	४४	२१	१९	१५	१५	४१	४१
१७	२९	५५	३१	५५	१६	४८	४८
५९	३७	४७	११	५३	५	३	३
२७	०३	५४	३४	४०	५४	११	११
चि	पूफा	उफा	पूफा	म	अनु	उफा	उभा
१	२	४	२	४	२	३	१

५ शु

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अक्टू	मेष सायँ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला प्रातः	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०५।२४।५०।०४	१ मं	१३	६।१४	७।५०	९।४६	१२।०१	२।२१	४।३८	६।५४	९।१३	११।३२	१।३६	३।२०	४।४८
०५।२५।४९।३५	१ बु	१४	६।१०	७।४६	९।४३	११।५७	२।१७	४।३४	६।५०	९।०९	११।२८	१।३२	३।१६	४।४४
०५।२६।४९।०९	२ गु	१५	६।०६	७।४२	९।३९	११।५३	२।१३	४।३०	६।४६	९।०५	११।२४	१।२८	३।१२	४।४०
०५।२७।४८।४६	३ शु	१६	६।०२	७।३८	९।३५	११।४९	२।०९	४।२६	६।४२	९।०१	११।२०	१।२४	३।०८	४।३६
०५।२८।४८।२५	४ श	१७	५।५८	७।३५	९।३१	११।४५	२।०६	४।२२	६।३८	८।५७	११।१६	१।२०	३।०४	४।३२
०५।२९।४८।०६	५ र	१८	५।५४	७।३१	९।२७	११।४१	२।०२	४।१८	६।३४	८।५३	११।१२	१।१७	३।००	४।२८
०६।००।४७।४९	६ चं	१९	५।५०	७।२७	९।२३	११।३८	१।५८	४।१४	६।३०	८।४९	११।०८	१।१३	२।५६	४।२४
०६।०१।४७।३४	७ मं	२०	५।४७	७।२३	९।१९	११।३४	१।५४	४।११	६।२६	८।४५	११।०४	१।०९	२।५२	४।२१
०६।०२।४७।२२	८ बु	२१	५।४३	७।१९	९।१५	११।३०	१।५०	४।०७	६।२२	८।४२	११।००	१।०५	२।४८	४।१७
०६।०३।४७।१२	९ गु	२२	५।३९	७।१५	९।११	११।२६	१।४६	४।०३	६।१८	८।३८	१०।५६	१।०१	२।४४	४।१३
०६।०४।४७।०४	१० शु	२३	५।३५	७।११	९।०७	११।२२	१।४२	३।५९	६।१५	८।३४	१०।५२	१२।५७	२।४०	४।०९
०६।०५।४६।५९	११ श	२४	५।३१	७।०७	९।०३	११।१८	१।३८	३।५५	६।११	८।३०	१०।४८	१२।५३	२।३६	४।०५
०६।०६।४६।५६	१३ र	२५	५।२७	७।०३	८।५९	११।१४	१।३४	३।५१	६।०७	८।२६	१०।४४	१२।४९	२।३२	४।०१
०६।०७।४६।५५	१४ चं	२६	५।२३	६।५९	८।५५	११।१०	१।३०	३।४७	६।०३	८।२२	१०।४०	१२।४५	२।२८	३।५७
०६।०८।४६।५६	१५ मं	२७	५।१९	६।५५	८।५१	११।०६	१।२६	३।४३	५।५९	८।१८	१०।३६	१२।४१	२।२४	३।५३

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०१५

आश्वि. शु. ४ शनौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २४।०२ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं देवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १८।०२ से ३०।०२ तक। (दान- तिल गोरस)।

अयनांशाः २४।०३।३९

पं.२८ आ.शु. ८ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	४	५	४	४	७	५	११
०३	२२	१६	२०	१६	०८	०५	०५
१५	०३	१८	३९	४४	५७	१९	१९
०९	१४	४५	०८	१८	३५	३२	३२
५९	३६	८७	११	५७	६	३	३
४१	५१	३८	०५	४३	१४	११	११
चि	पूफा	ह	पूफा	पूफा	अनु	उफा	उभा
३	३	२	३	२	२	३	१

२८ अक्टूबर से ११ नवंबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमासू. सू. तारीख | स्टै. | प्रातः | दैनिक

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर-नवंबर २०१५

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
काण	१	बु	१८	५२	१४	१५	भर	३५	३०	२०	५४	सि	१९	४८	१४	३७	कौ	१८	५२	१४	१५	२७ ४०	६ ४२	५ ४६	६	१४	२८	वृषे २६।१८	६।०९।३९।४८	६०।०५	उफा. भौमः १९।२८
लुम्बक	२	गु	११	०१	११	०७	कृति	२९	५३	१८	४०	व्य	१०	२६	१०	५३	ग	११	०१	११	०७	३६	४२	४५	७	१५	२९	वृषे	६।१०।३९।५३	६०।०७	भ. २१।४४ उ., तुलायां बुधः २२।४८
च.व्र.	३	शु	४	२३	८	२८	रोहि	२५	३७	१६	५८	व	२	०२	७	३२	वि	४	२३	८	२८	३२	४३	४४	८	१६	३०	मिथु. २८।२२	६।११।४०।००	६०।०९	भ. ८।२८ या., करवा ४ चन्द्रोदयः २०।३२, दशरथ ललिता A
क्षयः	४	शु	५९	२१	३०	२८	०	०	०	०	०	प	५४	५६	२८	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	०	[A व्र., उफा. शुक्रः २९।५१, अनु.-३ शनिः २४।३३
वज्र	५	श	५६	१३	२९	१३	मृग	२३	०३	१५	५७	शि	४९	२०	२६	२८	कौ	२७	३१	१७	४४	२८	४४	४३	९	१७	३१	मिथु.	६।१२।४०।०९	६०।११	बुधास्तः पूर्वस्याम् १७।३८
ध्वाङ्क्ष	६	र	५५	१४	२८	५०	आर्द्रा	२२	२९	१५	४४	सि	४५	२४	२४	५४	ग	२५	२७	१६	५५	२५	४५	४२	१०	१८	१	मिथु.	६।१३।४०।२१	६०।१३	भ. २८।५० उ., स्कन्द षष्ठी, नवंबर ११ ता. ३०
धूम्र	७	सो	५६	२७	२९	२०	पुन	२४	०३	१६	२३	सा	४३	१२	२४	०२	वि	२५	३३	१६	५८	२१	४५	४२	११	१९	२	कर्के १०।०८	६।१४।४०।३४	६०।१६	भ. १६।५८ या., स्वा. बुधः २३।२३
प्रवर्धमा	८	मं	५९	४४	३०	३९	पुष्य	२७	४३	१७	५१	शु	४२	३६	२३	४८	बा	२७	५०	१७	५४	१८	४६	४१	१२	२०	३	कर्के	६।१५।४०।५०	६०।१८	होई (अहोरी) ८, कन्यायां भौमः ६।५३, कन्यायां शुक्रः १०।४३
राक्षस	९	बु	...	...	...	...	श्ले	३३	१२	२०	०३	शु	४३	२३	२४	०८	तै	३२	०२	१९	३५	१४	४७	४०	१३	२१	४	सिंहे २०।०३	६।१६।४१।०७	६०।२०	[B विशा. बुधः २६।००
मुसल	९	गु	४	४२	८	४०	मघा	४०	०४	२२	४९	ब्र	४५	११	२४	५२	ग	४	४२	८	४०	१०	४७	४०	१४	२२	५	सिंहे	६।१७।४१।२७	६०।२२	भ. २१।५२ उ., पूफा.-४ गुरुः १४।४१
सिद्धि	१०	शु	१०	५२	११	०९	पूफा	४७	४६	२५	५४	ऐ	४७	३६	२५	५१	वि	१०	५२	११	०९	०७	४८	३९	१५	२३	६	सिंहे	६।१८।४१।४९	६०।२४	भ. ११।०९ या., विशा. रविः २५।०५
ए.व्र.	११	श	१७	३९	१३	५२	उफा	५५	४२	२९	०६	वै	५०	१२	२६	५४	बा	१७	३९	१३	५२	०४	४९	३८	१६	२४	७	कन्या ८।४२	६।१९।४२।१२	६०।२५	रमा ११ व्र., गोवत्स द्वादशी, विशा. सौरः १३।५३
मानस	१२	र	२४	२६	१६	३६	हस्त	...	...	...	...	वि	५२	३८	२७	५३	तै	२४	२६	१६	३६	००	५०	३८	१७	२५	८	कन्या	६।२०।४२।३८	६०।२७	धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं
प्र.व्र.	१३	सो	३०	४५	१९	०८	हस्त	३	२१	८	११	प्री	५४	३६	२८	४१	व	३०	४५	१९	०८	२६ ५७	५०	३७	१८	२६	९	तुला.२१।३८	६।२१।४३।०५	६०।२९	भ. १९।०८ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., गोत्रिरात्र व्र.
रुप १४	१४	मं	३६	२०	२१	२३	चित्रा	१०	२५	११	०१	आ	५५	५७	२९	१४	वि	३	३९	८	१९	५४	५१	३६	१९	२७	१०	तुला.	६।२२।४३।३४	६०।३१	भ. ८।१९ या., दीपदानं, रुप (नरक) १४, प्रभात स्नानं, B
दीपाव.	३०	बु	४१	००	२३	१६	स्वा	१६	३९	१३	३२	सौ	५६	३५	२९	३०	च	८	४७	१०	२३	५०	५२	३६	२०	२८	११	तुला.	६।२३।४४।०६	६०।३३	देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुवेर पू., वलीपूजा

अयनांशाः २४।०३।४०

पं.२९ का.कृ. १ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	४	५	४	४	७	५	११
१०	२६	२७	२१	२३	०९	०४	०४
१३	२०	१५	५५	३८	४२	५७	५७
४१	३१	०४	०७	१९	०३	१६	१६
५९	३६	९८	१०	६०	६	३	३
५५	३८	३५	३१	५५	३१	११	११
स्वा	पूफा	चि	पूफा	पूफा	अनु	उफा	उभा
२	४	२	३	४	२	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टु	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।०९।४६।५९	१ बु	२८	५।१५	६।५१	८।४७	११।०२	१।२२	३।३९	५।५५	८।१४	१०।३२	१२।३७	२।२०	३।४९
०६।१०।४७।०४	२ गु	२९	५।११	६।४७	८।४३	१०।५८	१।१८	३।३५	५।५१	८।१०	१०।२९	१२।३३	२।१६	३।४५
०६।११।४७।१२	३ शु	३०	५।०७	६।४३	८।३९	१०।५४	१।१४	३।३१	५।४७	८।०६	१०।२५	१२।२९	२।१३	३।४१
०६।१२।४७।२१	५ श	३१	५।०३	६।३९	८।३५	१०।५०	१।१०	३।२७	५।४३	८।०२	१०।२१	१२।२५	२।०९	३।३७
०६।१३।४७।३३	६ र	१	४।५९	६।३५	८।३२	१०।४६	१।०६	३।२३	५।३९	७।५८	१०।१७	१२।२१	२।०५	३।३३
०६।१४।४७।४७	७ चं	२	४।५५	६।३१	८।२८	१०।४२	१।०२	३।१९	५।३५	७।५४	१०।१३	१२।१७	२।०१	३।२९
०६।१५।४८।०२	८ मं	३	४।५१	६।२७	८।२४	१०।३८	१२।५८	३।१५	५।३१	७।५०	१०।०९	१२।१३	१।५७	३।२५
०६।१६।४८।२०	९ बु	४	४।४७	६।२४	८।२०	१०।३४	१२।५५	३।११	५।२७	७।४६	१०।०५	१२।०९	१।५३	३।२१
०६।१७।४८।४०	९ गु	५	४।४३	६।२०	८।१६	१०।३०	१२।५१	३।०७	५।२३	७।४२	१०।०१	१२।०६	१।४९	३।१७
०६।१८।४९।०२	१० शु	६	४।३९	६।१६	८।१२	१०।२७	१२।४७	३।०३	५।१९	७।३८	९।५७	१२।०२	१।४५	३।१३
०६।१९।४९।२६	११ श	७	४।३६	६।१२	८।०८	१०।२३	१२।४३	३।००	५।१५	७।३४	९।५३	११।५८	१।४१	३।१०
०६।२०।४९।५२	१२ र	८	४।३२	६।०८	८।०४	१०।१९	१२।३९	२।५६	५।११	७।३१	९।४९	११।५४	१।३७	३।०६
०६।२१।५०।१९	१३ चं	९	४।२८	६।०४	८।००	१०।१५	१२।३५	२।५२	५।०७	७।२७	९।४५	११।५०	१।३३	३।०२
०६।२२।५०।४९	१४ मं	१०	४।२४	६।००	७।५६	१०।११	१२।३१	२।४८	५।०४	७।२३	९।४१	११।४६	१।२९	२।५८
०६।२३।५१।२१	३० बु	११	४।२०	५।५६	७।५२	१०।०७	१२।२७	२।४४	५।००	७।१९	९।३७	११।४२	१।२५	२।५४

अयनांशाः २४।०३।४१

पं.३० का.कृ. ९ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	४	५	७	५	११
१७	००	०८	२३	००	१०	०४	०४
१३	३६	५०	०६	५२	२८	३५	३५
४९	१६	००	५४	४७	२०	०१	०१
६०	३६	९९	९	६३	६	३	३
०९	२४	१७	५४	३०	४५	११	१२
स्वा	उफा	स्वा	पूफा	उफा	अनु	उफा	उभा
४	२	१	३	२	३	३	१

अयनांशाः २४।०३।४१

पं.३१ का.कृ.३० बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	४	५	७	५	११
२४	०४	२०	२४	०८	११	०४	०४
१५	५०	१९	१३	२३	१६	१२	१२
२९	२०	४६	५५	४६	०४	४४	४४
६०	३६	९७	९	६५	६	३	३
२१	०९	२१	१०	३६	५५	११	१२
वि	उफा	वि	पूफा	उफा	अनु	उफा	उभा
२	३	१	४	४	३	३	१

१२ नवंबर से २५ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सांर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	गु	४४	४०	२४	४५	विशा	२१	५८	१५	४०	शो	५६	२८	२९	२८	किं	१२	५६	१२	०३	३६/४७	६/५३	५/३५	२१	२९	१२	वृश्चि. ९।१०	६।२४।४४।३९	६०।३५
राक्षस	२	शु	४७	१७	२५	४८	अनु	२६	१७	१७	२४	अ	५५	३२	२९	०६	बा	१६	०६	१३	२०	४४	५३	३५	२२	३०	१३	वृश्चि.	६।२५।४५।१४	६०।३७
मुसल	३	श	४८	५१	२६	२७	ज्ये	२९	३६	१८	४४	सु	५३	४८	२८	२५	तै	१८	११	१४	११	४१	५४	३४	२३	१	१४	धनु. १८।४४	६।२६।४५।५०	६०।३९
सिद्धि	४	र	४९	२१	२६	३९	मूल	३१	५३	१९	४०	धृ	५१	१४	२७	२५	व	१९	१३	१४	३६	३८	५५	३४	२४	२	१५	धनु.	६।२७।४६।२९	६०।४०
उत्पात	५	सो	४८	४६	२६	२६	पूषा	३३	०६	२०	१०	शू	४७	४९	२६	०३	ब	१९	१०	१४	३६	३५	५६	३४	२५	३	१६	मक. २६।१४	६।२८।४७।०९	६०।४२
मानस	६	मं	४७	०६	२५	४७	उषा	३३	१७	२०	१५	गं	४३	३३	२४	२२	कौ	१८	०३	१४	१०	३२	५६	३३	२६	४	१७	मक.	६।२९।४७।५१	६०।४४
छत्र	७	बु	४४	२०	२४	४१	श्रव	३२	२३	१९	५५	वृ	३८	२६	२२	२०	ग	१५	४९	१३	१७	२९	५७	३३	२७	५	१८	मक.	७।००।४८।३५	६०।४५
श्रीवत्स	८	गु	४०	३०	२३	१०	धनि	३०	२६	१९	०९	ध्रु	३२	२८	१९	५७	वि	१२	३१	११	५८	२६	५८	३२	२८	६	१९	कुंभे ७।३५	७।०१।४९।२०	६०।४७
सौम्य	९	शु	३५	३७	२१	१४	शत	२७	२८	१७	५८	व्या	२५	३९	१७	१४	बा	८	१०	१०	१५	२३	५९	३२	२९	७	२०	कुंभे	७।०२।५०।०७	६०।४९
काल	१०	श	२९	४७	१८	५४	पूभा	२३	३०	१६	२४	ह	१८	०३	१४	१३	तै	२	४९	८	०७	२०	७/००	३२	३०	८	२१	मीने १०।४९	७।०३।५०।५६	६०।५०
ए.व्र.	११	र	२३	०७	१६	१५	उभा	१८	४२	१४	२९	व	९	४४	१०	५४	वि	२३	०७	१६	१५	१८	००	३१	१	९	२२	मीने	७।०४।५१।४६	६०।५२
प्र.व्र.	१२	सो	१५	४८	१३	२०	रेव	१३	१५	१२	१९	सि	०/५१	५१/३९	७/२७	३२/४१	बा	१५	४८	१३	२०	१५	०१	३१	२	१०	२३	मेषे १२।१९	७।०५।५२।३८	६०।५३
अमृत	१३	मं	८	०८	१०	१७	अश्वि	७	२५	१०	००	व	४२	१६	२३	५६	तै	८	०८	१०	१७	१३	०२	३१	३	११	२४	मेषे	७।०६।५३।३१	६०।५५
पूर्णिमा	१४	बु	०	२५	७	१३	भर	१	३३	७	४०	प	३३	०५	२०	१७	व	०	२५	७	१३	१०	०३	३१	४	१२	२५	वृषे १३।०६	७।०७।५४।२६	६०।५६
क्षयः	१५	बु	५३	०७	२८	१७	कृति	५६	०५	२९	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०

केतकी अहर्गणः १६८१ हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
गोवर्धन पू.,अन्नकूटं देशाचारे,गोक्रीडा,गुर्जराणां नूतनवर्षारंभः, C
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), भ्रातृ २,यम २,यमुना स्नानं,कलम दवात पू.
सफर २, नेहरुजयन्ती (बालदिवस) [C मार्गपाली बं., हस्ते H
भ. १४।३६ उ. २६।३९ या.,दूर्वागणपति व्र. [H शुक्रः १८।०३, J
सौभाग्य ५,पाण्डव ५, आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः २३।४७
वन्हि (रवि) षष्ठी, वृश्चिके सौरः ११।४५, वृश्चिके बुधः ७।११
भ. २४।४१ उ., कल्पादि [J शनेरस्तः पश्चिमायाम् ११।५९
भ.११।५८ या.,पंचकप्रारम्भः ७।३५,गोपाष्टमी,हस्ते भौमः २१।२३,अनु.बुधः ९।३४
युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९, अनु. रविः ७।०६ (सौरः १८।४७)
भ. २९।३७ उ. [B चतुर्मास व्रत समाप्तिः, भीष्मपंचक प्रा., E
भ. १६।१५ या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी विवाह, B
पंचक समाप्तिः १२।१९, प्रदोषः, मन्वादि, हरिवासरः १२।१९ तक
वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत समाप्तिः, चित्रा. शुक्रः १५।३९
भ. ७।१३ उ. १७।४४ या.,मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च,कार्तिक A
[E हरिवासरः ३०।५३ से,भा.मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः २१।०१

[A व्रतोद्यापनं, नानक जयंती, भीष्म पंचक समाप्ति, कार्तिक स्नान पूर्तिः,गोपद्मव्रत समाप्ति, त्रिपुरोत्सव, पुष्कर यात्रा

अयनांशाः २४।०३।४२

पं.३२ का.शु. ७ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	४	५	७	५	११
०१	०९	०१	२५	१६	१२	०३	०३
१८	०२	३४	१५	०८	०४	५०	५०
३४	३६	३१	३३	१७	५१	२८	२८
६०	३५	९५	८	६७	७	३	३
३३	५३	११	२०	१९	०२	११	११
वि	उफा	वि	पूफा	ह	अनु	उफा	उभा
४	४	४	४	२	३	३	१

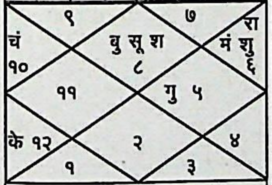

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।२४।५१।५४	१ गु	१२	४।१६	५।५२	७।४८	१०।०३	१२।२३	२।४०	४।५६	७।१५	९।३३	११।३८	१।२१	२।५०
०६।२५।५२।२९	२ शु	१३	४।१२	५।४८	७।४४	९।५९	१२।१९	२।३६	४।५२	७।११	९।२९	११।३४	१।१७	२।४६
०६।२६।५३।०६	३ श	१४	४।०८	५।४४	७।४०	९।५५	१२।१५	२।३२	४।४८	७।०७	९।२५	११।३०	१।१३	२।४२
०६।२७।५३।४५	४ र	१५	४।०४	५।४०	७।३६	९।५१	१२।११	२।२८	४।४४	७।०३	९।२१	११।२६	१।०९	२।३८
०६।२८।५४।२६	५ चं	१६	४।००	५।३६	७।३२	९।४७	१२।०७	२।२४	४।४०	६।५९	९।१८	११।२२	१।०५	२।३४
०६।२९।५५।०८	६ मं	१७	३।५६	५।३२	७।२८	९।४३	१२।०३	२।२०	४।३६	६।५५	९।१४	११।१८	१।०२	२।३०
०७।००।५५।५२	७ बु	१८	३।५२	५।२८	७।२४	९।३९	११।५९	२।१६	४।३२	६।५१	९।१०	११।१४	१२।५८	२।२६
०७।०१।५६।३७	८ गु	१९	३।४८	५।२४	७।२१	९।३५	११।५५	२।१२	४।२८	६।४७	९।०६	११।१०	१२।५४	२।२२
०७।०२।५७।२४	९ शु	२०	३।४४	५।२०	७।१७	९।३१	११।५१	२।०८	४।२४	६।४३	९।०२	११।०६	१२।५०	२।१८
०७।०३।५८।१३	१० श	२१	३।४०	५।१६	७।१३	९।२७	११।४७	२।०४	४।२०	६।३९	८।५८	११।०२	१२।४६	२।१४
०७।०४।५९।०४	११ र	२२	३।३६	५।१३	७।०९	९।२३	११।४४	२।००	४।१६	६।३५	८।५४	१०।५८	१२।४२	२।१०
०७।०५।५९।५६	१२ चं	२३	३।३२	५।०९	७।०५	९।१९	११।४०	१।५६	४।१२	६।३१	८।५०	१०।५५	१२।३८	२।०६
०७।०७।००।४९	१३ मं	२४	३।२८	५।०५	७।०१	९।१६	११।३६	१।५२	४।०८	६।२७	८।४६	१०।५१	१२।३४	२।०२
०७।०८।०१।४४	१४ बु	२५	३।२५	५।०१	६।५७	९।१२	११।३२	१।४९	४।०४	६।२३	८।४२	१०।४७	१२।३०	१।५९

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०१५
का. शु. ५ चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।४७ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १७।२३ से २३।४७ तक । (दान- दीप) ।

अयनांशाः २४।०३।४३

पं.३३ का.शु.१४ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	४	५	७	५	११
०८	१३	१२	२६	२४	१२	०३	०३
२२	१२	३६	११	०३	५४	२८	२८
५५	५२	१२	१२	५८	१९	१२	१२
६०	३५	९३	७	६८	७	३	३
४३	३५	५२	२५	४५	०६	११	११
अनु	ह	अनु	पूफा	चि	अनु	उफा	उभा
२	१	३	४	१	३	३	१

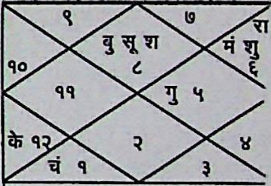

२६ नवंबर से ११ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

ोगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	गु	४६	३३	२५	४१	रोहि	५१	२३	२७	३७	शि	२४	२४	१६	४९	वा	१९	४१	१४	५६	२६/०८	७/०४	५/३१	५	१३	२६	वृषे	७।०८।५५।२२	६०।५८
ानस	२	शु	४१	१०	२३	३२	मृग	४७	५३	२६	१४	सि	१६	३२	१३	४१	तै	१३	४०	१२	३२	०५	०४	३०	६	१४	२७	मिथु. १४।५१	७।०९।५६।१९	६०।५९
ुद्गर	३	श	३७	२३	२२	०२	आर्द्रा	४६	०१	२५	२९	सा	९	४९	११	०१	व	९	०३	१०	४२	०३	०५	३०	७	१५	२८	मिथु.	७।१०।५७।१८	६१।००
र.व्र.	४	र	३५	३२	२१	१८	पुन	४६	०२	२५	३१	शु	४	३०	८	५४	व	६	११	९	३४	०१	०६	३०	८	१६	२९	कर्के १९।२६	७।११।५८।१९	६१।०२
ाता	५	सो	३५	४५	२१	२५	पुष्य	४८	०६	२६	२१	शु	०/५८	४५/३१	७/३०	२५/३५	कौ	५	२०	९	१५	२५/५९	०७	३०	९	१७	३०	कर्के	७।१२।५९।२०	६१।०३
आनन्द	६	मं	३८	०६	२२	२२	श्ले	५२	११	२८	००	ऐ	५८	११	३०	२४	ग	६	३९	९	४७	५७	०७	३०	१०	१८	१	सिंहे २८।००	७।१४।००।२३	६१।०४
र	७	बु	४२	२३	२४	०५	मघा	५८	०३	३०	२१	वै	५९	०२	३०	४५	वि	९	५९	११	०८	५५	०८	३०	११	१९	२	सिंहे	७।१५।०१।२७	६१।०५
ाद	८	गु	४८	०९	२६	२५	पूफा	...	...	...	...	वि	...	...	...	...	बा	१५	०५	१३	११	५३	०९	३०	१२	२०	३	सिंहे	७।१६।०२।३३	६१।०७
सिद्धि	९	शु	५४	५१	२९	०६	पूफा	५	१०	९	१४	वि	०	५२	७	३०	तै	२१	२५	१५	४४	५२	१०	३०	१३	२१	४	कन्या १६।००	७।१७।०३।३९	६१।०८
उत्पात	१०	श	...	...	...	...	उफा	१३	००	१२	२३	प्री	३	१७	८	२९	व	२८	१६	१८	२९	५०	१०	३०	१४	२२	५	कन्या	७।१८।०४।४७	६१।०९
ानस	१०	र	१	४१	७	५१	हस्त	२०	५०	१५	३१	आ	५	४७	९	३०	वि	१	४१	७	५१	४८	११	३०	१५	२३	६	तुला. २९।०१	७।१९।०५।५६	६१।१०
.व्र.	११	सो	८	०४	१०	२६	चित्रा	२८	०४	१८	२६	सौ	७	५५	१०	२२	बा	८	०४	१०	२६	४७.	१२	३१	१६	२४	७	तुला.	७।२०।०७।०६	६१।११
.व्र.	१२	मं	१३	३०	१२	३७	स्वा	३४	१६	२०	५५	शो	९	१७	१०	५६	तै	१३	३०	१२	३७	४५	१३	३१	१७	२५	८	तुला.	७।२१।०८।१६	६१।१२
ाता	१३	बु	१७	४०	१४	१७	विशा	३९	१३	२२	५५	अ	९	४५	११	०७	व	१७	४०	१४	१७	४४	१३	३१	१८	२६	९	वृश्चि. १६।२८	७।२२।०९।२८	६१।१३
आनन्द	१४	गु	२०	२७	१५	२५	अनु	४२	५१	२४	२२	सु	९	११	१०	५४	श	२०	२७	१५	२५	४३	१४	३१	१९	२७	१०	वृश्चि.	७।२३।१०।४१	६१।१४
अमाव.	३०	शु	२१	५३	१६	००	ज्ये	४५	१३	२५	२०	धृ	७	३४	१०	१६	ना	२१	५३	१६	००	४२	१५	३१	२०	२८	११	धनु. २५।२०	७।२४।११।५५	६१।१५

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर-दिसंबर २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा. में है।
[A उफा.-२ राहुः २०।५३, पूभा.-४ केतुः २०।५३
मृगे रे. ८ ।।।।ऽऽ।।।। रात्रौ लग्न ५, ज्येष्ठा. बुधः २१।२८, A
भ. १०।४२ उ. २२।०२ या., सौभाग्य सुंदरी व्र., उफा.-१ B
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०५
तुलायां शुक्रः १०।४४
भ. २२।२२ उ., दिसंबर १२ ता. ३१
भ. ११।०८ या.
कालभैरवाष्टमी, ज्येष्ठा. रविः ११।२३ (सौरः २१।५२)
[B गुरुः ३०।५४, अनु.-४ शनिः २१।५३
भ. १८।२९ उ., स्वा. शुक्रः २७।५६
भ. ७।५१ या., धनुषि मूले बुधः १०।५२
स्वातौ रे. ७ ऽ।ऽशु।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न ४, ८, उत्पत्ति ११ व्र., C
प्रदोषः [C वैतरणी व्र.
भ. १४।१७ उ. २६।५५ या., मासिकशिवरात्री व्र.
महाव्रतारंभः
देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र.

अयनांशाः २४।०३।४४

ा.३४ मा.कृ. ७ बु. इष्टघटी ०।००							
ू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	४	६	७	५	११
५	१७	२३	२७	०२	१३	०३	०३
८	२०	३१	००	०८	४४	०५	०५
५	५५	५१	१२	५४	०३	५६	५६
०	३५	९३	६	६९	७	३	३
२	१५	३०	२५	५६	०६	११	११
नु	ह	ज्ये	उफा	चि	अनु	उफा	पूभा
	३	३	१	३	४	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट मे ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०७।०९।०२।४१	१ गु	२६	३।२१	४।५७	६।५३	९।०८	११।२८	१।४५	४।००	६।२०	८।३८	१०।४३	१२।२६	१।५५
०७।१०।०३।३८	२ शु	२७	३।१७	४।५३	६।४९	९।०४	११।२४	१।४१	३।५६	६।१६	८।३४	१०।३९	१२।२२	१।५१
०७।११।०४।३८	३ श	२८	३।१३	४।४९	६।४५	९।००	११।२०	१।३७	३।५३	६।१२	८।३०	१०।३५	१२।१८	१।४७
०७।१२।०५।३८	४ र	२९	३।०९	४।४५	६।४१	८।५६	११।१६	१।३३	३।४९	६।०८	८।२६	१०।३१	१२।१४	१।४३
०७।१३।०६।४०	५ चं	३०	३।०५	४।४१	६।३७	८।५२	११।१२	१।२९	३।४५	६।०४	८।२२	१०।२७	१२।१०	१।३९
०७।१४।०७।४३	६ मं	१	३।०१	४।३७	६।३३	८।४८	११।०८	१।२५	३।४१	६।००	८।१८	१०।२३	१२।०६	१।३५
०७।१५।०८।४८	७ बु	२	२।५७	४।३३	६।२९	८।४४	११।०४	१।२१	३।३७	५।५६	८।१४	१०।१९	१२।०२	१।३१
०७।१६।०९।५३	८ गु	३	२।५३	४।२९	६।२५	८।४०	११।००	१।१७	३।३३	५।५२	८।१०	१०।१५	११।५८	१।२७
०७।१७।११।००	९ शु	४	२।४९	४।२५	६।२१	८।३६	१०।५६	१।१३	३।२९	५।४८	८।०७	१०।११	११।५४	१।२३
०७।१८।१२।०८	१० श	५	२।४५	४।२१	६।१७	८।३२	१०।५२	१।०९	३।२५	५।४४	८।०३	१०।०७	११।५१	१।१९
०७।१९।१३।१७	१० र	६	२।४१	४।१७	६।१३	८।२८	१०।४८	१।०५	३।२१	५।४०	७।५९	१०।०३	११।४७	१।१५
०७।२०।१४।२७	११ चं	७	२।३७	४।१३	६।१०	८।२४	१०।४४	१।०१	३।१७	५।३६	७।५५	९।५९	११।४३	१।११
०७।२१।१५।३८	१२ मं	८	२।३३	४।०९	६।०६	८।२०	१०।४०	१२।५७	३।१३	५।३२	७।५१	९।५५	११।३९	१।०७
०७।२२।१६।५०	१३ बु	९	२।२९	४।०५	६।०२	८।१६	१०।३६	१२।५३	३।०९	५।२८	७।४७	९।५१	११।३५	१।०३
०७।२३।१८।०३	१४ गु	१०	२।२५	४।०२	५।५८	८।१२	१०।३३	१२।४९	३।०५	५।२४	७।४३	९।४७	११।३१	१२।५९
०७।२४।१९।१७	३० शु	११	२।२१	३।५८	५।५४	८।०८	१०।२९	१२।४५	३।०१	५।२०	७।३९	९।४४	११।२७	१२।५५

मास फलम्

इस माह मे पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो और पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो, यथा- चन्द्रजीवौ यदापंच धान्यादीनां समर्घता । प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे ॥ मार्गशीर्ष कृ. तीज को आर्द्रा होने से धान्य सस्ता रहे। राज्य स्वस्थ रहे और प्रजा में सुख रहे। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में वहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें। अमावस्या ज्येष्ठा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। पूर्णिमा मृगशिरा युक्त होने से महर्घता हो। पूर्णिमा शुक्रवार और मृगशिरा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।०३।४५

पं.३५ मा.कृ.१३ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	८	४	६	७	५	११
२२	२१	०४	२७	१०	१४	०२	०२
३४	२६	२५	४१	२१	३३	४३	४३
५१	३२	२६	५७	२९	४१	४०	४०
६०	३४	९२	५	७०	७	३	३
५९	५२	५९	२०	५५	०३	११	११
ज्ये	ह	मू	उफा	स्वा	अनु	उफा	पूभा
२	४	२	१	२	४	२	४

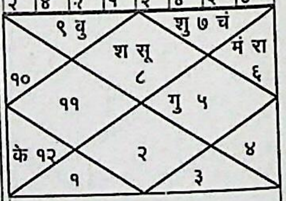

१२ दिसंवर से २५ दिसंवर तक,श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टे. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
गद	१	श	२२	०५	१६	०५	मूल	४६	२७	२५	५०	शू	४	५९	९	१५	व	२२	०५	१६	०५	२५/४९	७/१५	५/३२	२१	२९	१२	धनु.	७।२५।१३।०९	६१।१५
शुभ	२	र	२१	१३	१५	४५	पूषा	४६	४२	२५	५७	गं	१/५७	३३/२२	७/३०	५३/१३	कौ	२१	१३	१५	४५	४०	१६	३२	२२	१	१३	धनु.	७।२६।१४।२५	६१।१६
मृत्यु	३	सो	१९	२६	१५	०३	उषा	४६	०८	२५	४४	ध्रु	५२	३२	२८	१७	ग	१९	२६	१५	०३	३९	१७	३२	२३	२	१४	मक. ७।५५	७।२७।१५।४१	६१।१७
लुम्बक	४	मं	१६	५५	१४	०३	श्रव	४४	५४	२५	१५	व्या	४७	१०	२६	०९	वि	१६	५५	१४	०३	३८	१७	३३	२४	३	१५	मक.	७।२८।१६।५८	६१।१८
मित्र	५	वु	१३	४७	१२	४९	धनि	४३	०६	२४	३२	ह	४१	२१	२३	५०	वा	१३	४७	१२	४९	३८	१८	३३	२५	४	१६	कुंभे १२।५५	७।२९।१८।१६	६१।१८
वज्र	६	गु	१०	०५	११	२०	शत	४०	४८	२३	३८	व	३५	०७	२१	२१	तै	१०	०५	११	२०	३७	१८	३३	२६	५	१७	कुंभे	८।००।१९।३४	६१।१९
ध्वाङ्क्ष	७	शु	५	५३	९	४०	पूभा	३८	००	२२	३१	सि	२८	३०	१८	४३	व	५	५३	९	४०	३७	१९	३४	२७	६	१८	मीने १६।४९	८।०१।२०।५३	६१।२०
धूम्र	८	श	१	११	७	४८	उभा	३४	४४	२१	१३	व्य	२१	२९	१५	५५	व	१	११	७	४८	३६	२०	३४	२८	७	१९	मीने	८।०२।२२।१३	६१।२०
क्षयः	९	श	५६	०४	२९	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्रवर्धमा	१०	र	५०	३१	२७	३३	रेव.	३१	०२	१९	४५	व	१४	०७	१२	५९	तै	२३	२०	१६	४०	३६	२०	३५	२९	८	२०	मेषे १९।४५	८।०३।२३।३३	६१।२१
ए.व्र.	११	सो	४४	४०	२५	१३	अश्वि	२७	००	१८	०९	प	६/५८	३७/३६	९/३०	५५/४७	व	१७	३७	१४	२३	३६	२१	३५	३०	९	२१	मेषे	८।०४।२४।५४	६१।२१
मुसल	१२	मं	३८	४४	२२	५१	भर	२२	४९	१६	२९	सि	५०	४३	२७	३८	व	११	४२	१२	०२	३६	२१	३६	१	१०	२२	वृषे २२।०४	८।०५।२६।१५	६१।२२
प्र.व्र.	१३	वु	३२	५९	२०	३३	कृति	१८	४३	१४	५१	सा	४३	०२	२४	३४	कौ	५	४९	९	४१	३६	२२	३६	२	११	२३	वृषे	८।०६।२७।३६	६१।२२
उत्पात	१४	गु	२७	४३	१८	२७	रोहि	१५	००	१३	२२	शु	३५	४६	२१	४१	ग	०	१५	७	२८	३६	२२	३७	३	१२	२४	मिथु. २४।४४	८।०७।२८।५८	६१।२२
पूर्णिमा	१५	शु	२३	१७	१६	४१	मृग	१२	०३	१२	१२	शु	२९	१४	१९	०४	व	२३	१७	१६	४१	३६	२३	३७	४	१३	२५	मिथु.	८।०८।३०।२१	६१।२३

केतकी अहर्गणः १७११ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, दिसंवर २०१५

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), चित्रा. भौमः १३।३१
उषा. रे.१० ||||||||| रात्रौ लग्न ७, ८, रंभास्येयं, B
भ. २६।३६ उ., पूषा. बुधः २६।१८, शनेरुदयः पूर्वस्याम् २१।३३
भ. १४।०३ या. [B रविलावल ३, बुधोदयः पश्चिमायाम् १२।४३
पंचक प्रारम्भः १२।५५, नागपंचमी, स्कंदषष्ठी, धनुषि मूले C
विशा. शुक्रः ९।५७ [D प्रारम्भ १०।१९
भ. ९।४० उ. २०।४६ या.
कल्पादि [C रविः १४।२१ (सौरः २३।३९)
[A वडादिन, वृश्चिके शुक्रः १७।३४
पंचक समाप्तिः १९।४५
भ. १४।२३ उ. २५।१३ या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती
भा. पोषारंभः, सायन मकरे भानुः, सायन उत्तरायण D
प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र.,तुलायां भौमः २९।१०, अयन करिदिन
भ. १८।२७ उ. २९।३१ या., पिशाच मोचन श्राद्धं, उषा.बुधः ८।०८
श्री दत्त जयंती,पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, द्वात्रिंशी (वत्तीसी) पूर्णिमा, A

अयनांशाः २४।०३।४६

पं.३६ मा.शु. ५ वु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	वु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	८	४	६	७	५	११
२९	२५	१५	२८	१८	१५	०२	०२
४२	२९	०९	१५	४०	२२	२१	२१
०३	२३	४४	५१	२३	४९	२४	२४
६१	३४	९०	४	७१	६	३	३
०५	२७	०३	१०	४३	५७	११	११
ज्ये	चि	पूषा	उफा	स्वा	अनु	उफा	पूभा
४	१	१	१	४	४	२	४

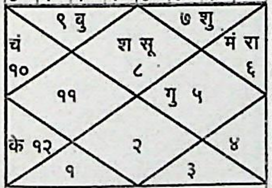

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।२५।२०।३२	१ श	१२	२।१७	३।५४	५।५०	८।०५	१०।२५	१२।४१	२।५७	५।१६	७।३५	९।४०	११।२३	१२।५९
०७।२६।२१।४७	२ र	१३	२।१४	३।५०	५।४६	८।०१	१०।२१	१२।३८	२।५३	५।१२	७।३१	९।३६	११।१९	१२।४८
०७।२७।२३।०४	३ चं	१४	२।१०	३।४६	५।४२	७।५७	१०।१७	१२।३४	२।४९	५।०९	७।२७	९।३२	११।१५	१२।४४
०७।२८।२४।२१	४ मं	१५	२।०६	३।४२	५।३८	७।५३	१०।१३	१२।३०	२।४५	५।०५	७।२३	९।२८	११।११	१२।४०
०७।२९।२५।३९	५ वु	१६	२।०२	३।३८	५।३४	७।४९	१०।०९	१२।२६	२।४२	५।०१	७।१९	९।२४	११।०७	१२।३६
०८।००।२६।५७	६ गु	१७	१।५८	३।३४	५।३०	७।४५	१०।०५	१२।२२	२।३८	४।५७	७।१५	९।२०	११।०३	१२।३२
०८।०१।२८।१६	७ शु	१८	१।५४	३।३०	५।२६	७।४१	१०।०१	१२।१८	२।३४	४।५३	७।११	९।१६	१०।५९	१२।२८
०८।०२।२९।३६	८ श	१९	१।५०	३।२६	५।२२	७।३७	९।५७	१२।१४	२।३०	४।४९	७।०७	९।१२	१०।५५	१२।२४
०८।०३।३०।५६	१० र	२०	१।४६	३।२२	५।१८	७।३३	९।५३	१२।१०	२।२६	४।४५	७।०३	९।०८	१०।५१	१२।२०
०८।०४।३२।१७	११ चं	२१	१।४२	३।१८	५।१४	७।२९	९।४९	१२।०६	२।२२	४।४१	६।५९	९।०४	१०।४७	१२।१६
०८।०५।३३।३९	१२ मं	२२	१।३८	३।१४	५।१०	७।२५	९।४५	१२।०२	२।१८	४।३७	६।५६	९।००	१०।४३	१२।१२
०८।०६।३५।००	१३ वु	२३	१।३४	३।१०	५।०६	७।२१	९।४१	११।५८	२।१४	४।३३	६।५२	८।५६	१०।४०	१२।०८
०८।०७।३६।२२	१४ गु	२४	१।३०	३।०६	५।०२	७।१७	९।३७	११।५४	२।१०	४।२९	६।४८	८।५२	१०।३६	१२।०४
०८।०८।३७।४५	१५ शु	२५	१।२६	३।०२	४।५९.	७।१३	९।३३	११।५०	२।०६	४।२५	६।४४	८।४८	१०।३२	१२।००

संक्रांति फलम्

ता. १६ दिसंवर २०१५
मार्ग. शु. ५ वुधे धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. १४।२१ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १४।२१ से २०।४५ तक । (दान- वस्त्र) ।

अयनांशाः २४।०३।४७

पं.३७ मा.शु.१३ वु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	वु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	५	८	४	६	७	५	११
०६	२९	२५	२८	२७	१६	०१	०१
४९	२९	१७	४१	०४	११	५९	५९
४८	०८	२३	२२	२४	०३	०७	०७
६१	३३	८०	२	७२	६	३	३
०८	५८	३३	५५	२२	४७	११	११
मू	चि	पूषा	उफा	वि	अनु	उफा	पूभा
३	२	४	१	३	४	२	४

२६ दिसंबर से ९ जनवरी तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	श	२०	०२	१५	२४	आर्द्रा	१०	१२	११	२८	ब्र	२३	४०	१६	५१	कौ	२०	०२	१५	२४	२५/३७	७/२३	५/३८	५	१४	२६	कर्के २९।१७	८।०९।३१।४३	६१।२३
ध्वजा	२	र	१८	१९	१४	४३	पुन	९	४६	११	१८	ऐ	१९	१७	१५	०६	ग	१८	१९	१४	४३	३७	२३	३८	६	१५	२७	कर्के	८।१०।३३।०६	६१।२३
च.व्र.	३	सो	१८	१९	१४	४३	पुष्य	१०	५९	११	४७	वै	१६	१६	१३	५४	वि	१८	१९	१४	४३	३८	२४	३९	७	१६	२८	कर्के	८।११।३४।३०	६१।२३
आनन्द	४	मं	२०	११	१५	२८	श्ले	१४	००	१३	००	वि	१४	४०	१३	१६	बा	२०	११	१५	२८	३८	२४	४०	८	१७	२९	सिंहे १३।००	८।१२।३५।५३	६१।२४
चर	५	बु	२३	५२	१६	५७	मघा	१८	४६	१४	५५	प्री	१४	२७	१३	११	तै	२३	५२	१६	५७	३९	२५	४०	९	१८	३०	सिंहे	८।१३।३७।१६	६१।२४
गद	६	गु	२९	०८	१९	०४	पूफा	२५	०३	१७	२६	आ	१५	२७	१३	३६	व	२९	०८	१९	०४	४०	२५	४१	१०	१९	३१	कन्या २४।०९	८।१४।३८।४०	६१।२४
शुभ	७	शु	३५	३१	२१	३७	उफा	३२	२६	२०	२३	सौ	१७	२२	१४	२२	वि	२	१३	८	१८	४१	२५	४२	११	२०	१	कन्या	८।१५।४०।०४	६१।२४
मृत्यु	८	श	४२	२१	२४	२२	हस्त	४०	१६	२३	३२	शो	१९	४६	१५	२०	बा	८	५५	१०	५९	४२	२५	४२	१२	२१	२	कन्या	८।१६।४१।२७	६१।२४
पद्म	९	र	४८	५६	२७	००	चित्रा	४७	५३	२६	३५	अ	२२	०९	१६	१७	तै	१५	४३	१३	४३	४३	२६	४३	१३	२२	३	तुला. १३।०५	८।१७।४२।५१	६१।२४
छत्र	१०	सो	५४	३३	२९	१५	स्वा	५४	३६	२९	१६	सु	२४	०२	१७	०२	व	२१	५३	१६	११	४४	२६	४४	१४	२३	४	तुला.	८।१८।४४।१५	६१।२४
ए.व्र.	११	मं	५८	४४	३०	५६	विशा	५९	५८	३१	२५	धृ	२५	००	१७	२६	ब	२६	५०	१८	१०	४६	२६	४४	१५	२४	५	वृश्चि. २४।५७	८।१९।४५।३८	६१।२३
सौम्य	१२	बु	...	...	...	...	अनु	...	...	...	...	शू	२४	४६	१७	२१	कौ	३०	१३	१९	३१	४७	२६	४५	१६	२५	६	वृश्चि.	८।२०।४७।०२	६१।२३
प्र.व्र.	१२	गु	१	१४	७	५६	अनु	३	४३	८	५६	गं	२३	१३	१६	४४	तै	१	१४	७	५६	४९	२६	४६	१७	२६	७	वृश्चि.	८।२१।४८।२५	६१।२३
चर	१३	शु	२	००	८	१५	ज्ये	५	४८	९	४६	वृ	२०	२३	१५	३६	व	२	००	८	१५	५०	२६	४७	१८	२७	८	धनु. ९।४६	८।२२।४९।४८	६१।२३
अमाव.	१४	श	१	०९	७	५४	मूल	६	२१	९	५९	ध्रु	१६	२०	१३	५८	श	.१	०९	७	५४	५२	२७	४७	१९	२८	९	धनु.	८।२३।५१।११	६१।२३
क्षयः	३०	श	५८	५५	३१	०१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः,दिसं.२०१५-जन. १६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

मकरे बुधः २३।२९

भ. २६।३८ उ., ज्येष्ठा.-१ शनिः १३।२५

भ. १४।४३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४२, अनु. शुक्रः ११।४१

पूषा. रविः १६।३३ (सौरः २४।३९)

भ. १९।०४ उ.

भ. ८।१८ या., जनवरी १ ता. ३१ सन २०१६ ई.

[A गुरुः १९।००, ज्येष्ठा. शुक्रः १०।३३

भ. १६।११ उ. २९।१५ या., स्वा. भौमः २७।५९

सफला ११ व्र.

सुरुप द्वादशी १२, वक्री बुधः ८।३६

प्रदोषः

भ. ८।१५ उ. २०।०९ या., मासिकशिवरात्री व्र., वक्री A

देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, बुधास्तः पश्चिमायाम् २०।२६

अयनांशाः २४।०३।४७

पं.३८ पौ.कृ. ५ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	९	४	७	७	५	११
१३	०३	०३	२८	०५	१६	०१	०१
५७	२५	३५	५७	३२	५७	३६	३६
५२	२३	५२	५८	३३	५८	५२	५२
६१	३३	५३	१	७२	६	३	३
१०	२६	३८	३८	५२	३४	११	११
पूषा	चि	उषा	उफा	अनु	ज्ये	उफा	पूभा
१	४	३	१	१	१	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०८।०९।३९।०८	१ श	२६	१।२२	२।५८	४।५५	७।०९	९।२९	११।४६	२।०२	४।२१	६।४०	८।४४	१०।२८	११।५६
०८।१०।४०।३१	२ र	२७	१।१८	२।५४	४।५१	७।०५	९।२५	११।४२	१।५८	४।१७	६।३६	८।४०	१०।२४	११।५२
०८।११।४१।५४	३ चं	२८	१।१४	२।५१	४।४७	७।०१	९।२२	११।३८	१।५४	४।१३	६।३२	८।३६	१०।२०	११।४८
०८।१२।४३।१८	४ मं	२९	१।१०	२।४७	४।४३	६।५८	९।१८	११।३४	१।५०	४।०९	६।२८	८।३३	१०।१६	११।४४
०८।१३।४४।४१	५ बु	३०	१।०६	२।४३	४।३९	६।५४	९।१४	११।३०	१।४६	४।०५	६।२४	८।२९	१०।१२	११।४०
०८।१४।४६।०५	६ गु	३१	१।०३	२।३९	४।३५	६।५०	९।१०	११।२७	१।४२	४।०१	६।२०	८।२५	१०।०८	११।३७
०८।१५।४७।२९	७ शु	१	१२।५९	२।३५	४।३१	६।४६	९।०६	११।२३	१।३८	३।५८	६।१६	८।२१	१०।०४	११।३३
०८।१६।४८।५३	८ श	२	१२।५५	२।३१	४।२७	६।४२	९।०२	११।१९	१।३४	३।५४	६।१२	८।१७	१०।००	११।२९
०८।१७।५०।१६	९ र	३	१२।५१	२।२७	४।२३	६।३८	८।५८	११।१५	१।३१	३।५०	६।०८	८।१३	९।५६	११।२५
०८।१८।५१।४०	१० चं	४	१२।४७	२।२३	४।१९	६।३४	८।५४	११।११	१।२७	३।४६	६।०४	८।०९	९।५२	११।२१
०८।१९।५३।०४	११ मं	५	१२।४३	२।१९	४।१५	६।३०	८।५०	११।०७	१।२३	३।४२	६।००	८।०५	९।४८	११।१७
०८।२०।५४।२७	१२ बु	६	१२।३९	२।१५	४।११	६।२६	८।४६	११।०३	१।१९	३।३८	५।५६	८।०१	९।४४	११।१३
०८।२१।५५।५१	१२ गु	७	१२।३५	२।११	४।०७	६।२२	८।४२	१०।५९	१।१५	३।३४	५।५२	७।५७	९।४०	११।०९
०८।२२।५७।१४	१३ शु	८	१२।३१	२।०७	४।०३	६।१८	८।३८	१०।५५	१।११	३।३०	५।४९	७।५३	९।३६	११।०५
०८।२३।५८।३७	१४ श	९	१२।२७	२।०३	३।५९	६।१४	८।३४	१०।५१	१।०७	३।२६	५।४५	७।४९	९।३२	११।०१

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। पौष में शुक्ल पक्ष की तिथि घटें तो राजा के लिए अशुभ और अतिरौद्र दुर्भिक्ष हो। ज्येष्ठा नक्षत्र में स्थित शनैश्चर राजा, पुरोहित, राजाओं से पूजित, शूर, गण (सन्यासियों के मठ), प्रधान कुल और जनसङ्घियों को पीड़ित करता है। अनुराधा में शुक्र होने से अल्प वृष्टि तथा चौपायों में पीड़ा हो, पौष में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।०३।४८

पं.३९ पौ.कृ.१२ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	९	४	७	७	५	११
२१	०७	०७	२९	१४	१७	०१	०१
०६	१७	०२	०५	०३	४३	१४	१४
०४	४१	०१	१४	५५	२८	३६	३६
६१	३२	११	०	७३	६	३	३
१०	५०	१४	१७	१६	१८	११	११
पूषा	स्वा	उषा	उफा	अनु	ज्ये	उफा	पूभा
३	१	४व	१	४	१	२	४

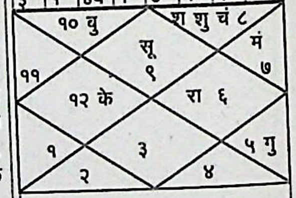

१० जनवरी से २३ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, द्विमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
शुभ	१	र	५५	३४	२९	४०	पूषा	५	३३	९	४०	व्या	११	१५	११	५७	किं	२७	२२	१८	२३	२५/५४	७/२७	५/४८	२०	२९	१०	मक. १५।३१	८।२४।५२।३४	६१।२२
काण	२	सो	५१	२३	२८	००	उषा	३	४२	८	५५	ह	५/५८	२०/४९	९/३०	३५/५८	बा	२३	३४	१६	५२	५६	२७	४९	२१	३०	११	मक.	८।२५।५३।५६	६१।२२
लुम्बक	३	मं	४६	४०	२६	०७	श्रव	१/५७	०५/५८	७/३०	५३/३८	सि	५१	५३	२८	१२	तै	१९	०५	१५	०५	५८	२७	५०	२२	१	१२	कुंभे १९।१६	८।२६।५५।१८	६१।२१
मानस	४	बु	४१	३८	२४	०६	शत	५४	३७	२९	१७	व्य	४४	४४	२५	२०	व	१४	१०	१३	०७	२६/००	२७	५०	२३	२	१३	कुंभे	८।२७।५६।३९	६१।२१
मुद्गर	५	गु	३६	२९	२२	०२	पूभा	५१	१०	२७	५५	व	३७	२९	२२	२६	ब	९	०४	११	०४	०२	२७	५१	२४	३	१४	मीने २२।१५	८।२८।५८।००	६१।२०
ध्वजा	६	शु	३१	२१	१९	५९	उभा	४७	४४	२६	३२	प	३०	१५	१९	३२	कौ	३	५५	९	००	०४	२७	५२	२५	४	१५	मीने	८।२९।५९।२०	६१।२०
धाता	७	श	२६	१७	१७	५७	रेव	४४	२५	२५	१२	शि	२३	०५	१६	४०	व	२६	१७	१७	५७	०६	२६	५३	२६	५	१६	मेषे २५।१२	९।०१।००।४०	६१।१९
आनन्द	८	र	२१	२२	१५	५९	अश्वि	४१	१५	२३	५६	सि	१६	०१	१३	५१	ब	२१	२२	१५	५९	०८	२६	५४	२७	६	१७	मेषे	९।०२।०१।५९	६१।१९
चर	९	सो	१६	३८	१४	०६	भर	३८	१८	२२	४५	सा	९	०६	११	०५	कौ	१६	३८	१४	०६	११	२६	५५	२८	७	१८	वृषे २८।२९	९।०३।०३।१८	६१।१८
गद	१०	मं	१२	१२	१२	१९	कृति	३५	४०	२१	४२	शु	३/५६	२४/०४	२६/२९	३४/४०	ग	१२	१२	१२	१९	१३	२६	५५	२९	८	१९	वृषे	९।०४।०४।३६	६१।१७
ए.ब्र.	११	बु	८	०८	१०	४१	रोहि	३३	३०	२०	५०	ब्र	५०	०२	२७	२७	वि	८	०८	१०	४१	१६	२६	५६	३०	९	२०	वृषे	९।०५।०५।५४	६१।१७
प्र.ब्र.	१२	गु	४	४०	९	१७	मृग	३१	५८	२०	१३	ऐ	४४	३७	२५	१६	बा	४	४०	९	१७	१९	२६	५७	१	१०	२१	मिथु. ८।२९	९।०६।०७।१०	६१।१६
पद्म	१३	शु	१	५८	८	१३	आर्द्रा	३१	१७	१९	५६	वै	३९	५६	२३	२४	तै	१	५८	८	१३	२१	२५	५८	२	११	२२	मिथु.	९।०७।०८।२६	६१।१५
पूर्णिमा	१४	श	०	१३	७	३०	पुन	३१	३९	२०	०५	वि	३६	०५	२१	५१	व	०	१३	७	३०	२४	२५	५९	३	१२	२३	कर्क १४।००	९।०८।०९।४१	६१।१४
क्षयः	१५	श	५९	३९	३१	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

केतकी अहर्गणः १७४० शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे, जनवरी २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[D बुधः १५।१४
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), उषा. रविः १८।३० (सौरः २५।२८)
पंचक प्रारम्भः १९।१६, रविलास्यर ४
भ. १३।०७ उ. २४।०६ या.
मकरे रविः २५।००, निरयन उत्तरायनारंभः, (व) धनुषि D
उभा. रे. ८ IIIISISIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४), मकरे E
भ. १७।५७ उ. २८।५८ या., पंचक समाप्तिः २५।१२, (व) C
शांकभरी यात्रा [E सौरः ७।४२
[C पूषा. बुधः २७।५३, सक्रान्ति करिदिन
भ.२३।२९ उ., बुधोदयः पूर्वस्याम् १८।४८,धनुषि मूले शुक्रः ७।३३
भ.१०।४१ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि, सायन कुंभे भानुः २०।५४
मृगे रे. ७ SIIISSIIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४), प्रदोषः, B
[B भा. माघारंभः, अभि.प्र.रविः१४।०८ (सौरः २०।१७)
भ. ७।३० उ. १९।२० या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ A
[A स्नानारंभः, शाकंभरी जयंती, नेताजी जयन्ती

अयनांशाः २४।०३।४९

पं.४० पौ.शु. ४ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	९	४	७	७	५	११
२८	११	०१	२९	२२	१८	००	००
१४	०५	४५	०३	३७	२६	५२	५२
०८	२७	००	१०	४५	३५	२०	२०
६१	३२	७८	१	७३	५	३	३
०८	०८	४८	०४	३४	५८	११	११
उषा	स्वा	उषा	उफा	ज्ये	ज्ये	उफा	पूभा
१	२	२व	१व	२	१	२	४

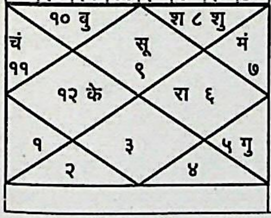

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०८।२४।५९।५९	१ र	१०	१२।२३	१।५९	३।५५	६।१०	८।३०	१०।४७	१।०३	३।२२	५।४१	७।४५	९।२९	१०।५७
०८।२६।०१।२२	२ चं	११	१२।१९	१।५५	३।५१	६।०६	८।२६	१०।४३	१२।५९	३।१८	५।३७	७।४१	९।२५	१०।५३
०८।२७।०२।४३	३ मं	१२	१२।१५	१।५१	३।४८	६।०२	८।२२	१०।३९	१२।५५	३।१४	५।३३	७।३७	९।२१	१०।४९
०८।२८।०४।०५	४ बु	१३	१२।११	१।४७	३।४४	५।५८	८।१८	१०।३५	१२।५१	३।१०	५।२९	७।३३	९।१७	१०।४५
०८।२९।०५।२६	५ गु	१४	१२।०७	१।४३	३।४०	५।५४	८।१४	१०।३१	१२।४७	३।०६	५।२५	७।२९	९।१३	१०।४१
०९।००।०६।४६	६ शु	१५	१२।०३	१।४०	३।३६	५।५०	८।११	१०।२७	१२।४३	३।०२	५।२१	७।२६	९।०९	१०।३७
०९।०१।०८।०६	७ श	१६	११।५९	१।३६	३।३२	५।४७	८।०७	१०।२३	१२।३९	२।५८	५।१७	७।२२	९।०५	१०।३३
०९।०२।०९।२५	८ र	१७	११।५५	१।३२	३।२८	५।४३	८।०३	१०।२०	१२।३५	२।५४	५।१३	७।१८	९।०१	१०।२९
०९।०३।१०।४४	९ चं	१८	११।५२	१।२८	३।२४	५।३९	७।५९	१०।१६	१२।३१	२।५१	५।०९	७।१४	८।५७	१०।२६
०९।०४।१२।०२	१० मं	१९	११।४८	१।२४	३।२०	५।३५	७।५५	१०।१२	१२।२७	२।४७	५।०५	७।१०	८।५३	१०।२२
०९।०५।१३।२०	११ बु	२०	११।४४	१।२०	३।१६	५।३१	७।५१	१०।०८	१२।२४	२।४३	५।०१	७।०६	८।४९	१०।१८
०९।०६।१४।३६	१२ गु	२१	११।४०	१।१६	३।१२	५।२७	७।४७	१०।०४	१२।२०	२।३९	४।५७	७।०२	८।४५	१०।१४
०९।०७।१५।५२	१३ शु	२२	११।३६	१।१२	३।०८	५।२३	७।४३	१०।००	१२।१६	२।३५	४।५३	६।५८	८।४१	१०।१०
०९।०८।१७।०७	१४ श	२३	११।३२	१।०८	३।०४	५।१९	७।३९	९।५६	१२।१२	२।३१	४।४९	६।५४	८।३७	१०।०६

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०१६
पौष शु. ५ गुरौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २५।०० वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित् कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २५।०० से भृगौ १७।०० तक (दान- काष्ट - अन्न) ।

अयनांशाः २४।०३।५०

पं.४१ पौ.शु.११ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	८	४	८	७	५	११
०५	१४	२३	२८	०१	१९	००	००
२१	४८	१५	५१	१३	०७	३०	३०
५२	०५	४९	४०	२५	१३	०६	०६
६१	३१	४७	२	७३	५	३	३
०४	२०	३९	२४	४७	३५	११	११
उषा	स्वा	पूषा	उफा	मू	ज्ये	उफा	पूभा
३	३	३व	१व	१	१	२	४

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२४ जनवरी से ८ फरवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	र	...	...	...	...	पुष्य	३३	१४	२०	४२	प्री	३३	१४	२०	४२	बा	२९	५१	१९	२१	३६/३७	७/२५	५/५९	४	१३	२४	कर्के	९।०९।१०।५६	६१।१३
सौम्य	१	सो	०	२५	७	३४	श्ले	३६	१०	२१	५२	आ	३१	२८	२०	००	कौ	०	२५	७	३४	३०	२४	६/००	५	१४	२५	सिंहे २१।५२	९।१०।१२।०९	६१।१२
काल	२	मं	२	३६	८	२६	मघा	४०	३०	२३	३६	सौ	३०	४९	१९	४४	ग	२	३६	८	२६	३३	२४	०१	६	१५	२६	सिंहे	९।११।१३।२१	६१।१२
च.व्र.	३	बु	६	१६	९	५४	पूफा	४६	१२	२५	५२	शो	३१	१४	१९	५३	वि	६	१६	९	५४	३६	२४	०२	७	१६	२७	सिंहे	९।१२।१४।३३	६१।११
मातङ्ग	४	गु	११	१६	११	५४	उफा	५३	०२	२८	३६	अ	३२	३७	२०	२६	बा	११	१६	११	५४	३९	२३	०३	८	१७	२८	कन्या ८।३१	९।१३।१५।४४	६१।०९
अमृत	५	शु	१७	२३	१४	२०	हस्त	...	...	...	...	सु	३४	४३	२१	१६	तै	१७	२३	१४	२०	४२	२३	०४	९	१८	२९	कन्या	९।१४।१६।५३	६१।०८
मृत्यु	६	श	२४	०७	१७	०१	हस्त	०	४०	७	३९	धृ	३७	१०	२२	१४	व	२४	०७	१७	०१	४५	२२	०४	१०	१९	३०	तुला. २१।१३	९।१५।१८।०१	६१।०७
पद्म	७	र	३०	५०	१९	४२	चित्रा	८	३१	१०	४६	शू	३९	३१	२३	१०	ब	३०	५०	१९	४२	४८	२२	०५	११	२०	३१	तुला.	९।१६।१९।०९	६१।०६
छत्र	८	सो	३६	५१	२२	०६	स्वा	१५	५४	१३	४३	गं	४१	१७	२३	५२	बा	४	००	८	५७	५२	२१	०६	१२	२१	१	तुला.	९।१७।२०।१५	६१।०५
श्रीवत्स	९	मं	४१	३४	२३	५८	विशा	२२	१३	१६	१४	वृ	४२	०३	२४	१०	तै	९	२५	११	०७	५५	२१	०७	१३	२२	२	वृश्चि. ९।३९	९।१८।२१।२०	६१।०४
सौम्य	१०	बु	४४	३१	२५	०९	अनु	२६	५८	१८	०८	ध्रु	४१	२८	२३	५६	व	१३	१७	१२	३९	५८	२०	०८	१४	२३	३	वृश्चि.	९।१९।२२।२४	६१।०३
ए.व्र.	११	गु	४५	३१	२५	३२	ज्ये	२९	५३	१९	१७	व्या	३९	२६	२३	०६	व	१५	१६	१३	२६	२७/०२	२०	०८	१५	२४	४	धनु. १९।१७	९।२०।२३।२७	६१।०१
सुस्थिर	१२	शु	४४	३२	२५	०८	मूल	३०	५३	१९	४१	ह	३५	५३	२१	४०	कौ	१५	१६	१३	२६	०५	१९	०९	१६	२५	५	धनु.	९।२१।२४।२८	६१।००
प्र.व्र.	१३	श	४१	४७	२४	०१	पूषा	३०	०६	१९	२१	व	३०	५३	१९	४०	ग	१३	२३	१२	४०	०९	१९	१०	१७	२६	६	मक. २५।१०	९।२२।२५।२८	६०।५९
अमृत	१४	र	३७	३०	२२	१८	उषा	२७	४७	१८	२५	सि	२४	३९	१७	०९	वि	९	५०	११	१४	१२	१८	११	१८	२७	७	मक.	९।२३।२६।२७	६०।५७
अमाव.	३०	सो	३२	०२	२०	०६	श्रव	२४	१३	१६	५८	व्य	१७	२५	१४	१५	च	४	५५	९	१५	१६	१७	१२	१९	२८	८	कुंभे २८।०७	९।२४।२७।२४	६०।५६

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णोति गुर्जराः, जनवरी-फरवरी २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
श्रव. रविः २०।४५ (सौरः २६।३९)
अभि.नि. रविः १७।४४ (सौरः २३।३३)
भ. २१।०६ उ., गणराज्यदिवस, मार्गी बुधः १५।५८
भ. ९।५४ या., तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २१।१२, सौभाग्य B
[B सुन्दरी व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी
हस्ते रे. ९ ||||||S|| रात्रौ लग्न गोधूलि(४), ८, पूषा. शुक्रः A
भ. १७।०१ उ. ३०।२३ या., विशा. भौमः १०।५०
स्वामी विवेकानन्द जयंती
फरवरी २ ता. २९ [A २७।२४, ज्येष्ठा.-२ शनिः ३०।२३, D
[D सिंहे उफा.-१ राहुः १८।३३, कुंभे पूभा.-३ केतुः १८।३३
भ.१२।३९ उ. २५।०९ या. [C मौनी ३०,युगादि,मकरे बुधः२७।४९
मूले रे. ७ |||||SS|S रात्रौ लग्न ८, षट्तिला ११ व्र.
तिल द्वादशी, उषा. बुधः २१।५२ [E २३।५२ (सौरः २८।४६)
भ. २४।०१ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., धनि. रविः E
भ. ११।१४ या., अर्धोदय योगः २२।१८ से ३१।१७
पंचक प्रारम्भः २८।०७, देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., C

अयनांशाः २४।०३।५१

प.४२ मा.कृ. ३ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	८	४	८	७	५	११
१२	१८	२०	२८	०९	१९	००	००
२९	२४	५१	३०	५०	४४	०७	०७
०४	४९	४८	५९	२४	५९	५०	५०
६०	३०	१२	३	७३	५	३	३
५८	२६	२१	४१	५६	०९	११	११
श्र	स्वा	पूषा	उफा	मू	ज्ये	उफा	पूभा
१	४	३	१व	३	१	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।०९।१८।२२	१ र	२४	११।२८	९।०४	३।००	५।१५	७।३५	९।५२	१२।०८	२।२७	४।४५	६।५०	८।३३	१०।०२
०९।१०।१९।३५	१ चं	२५	११।२४	९।००	२।५६	५।११	७।३१	९।४८	१२।०४	२।२३	४।४२	६।४६	८।२९	९।५८
०९।११।२०।४७	२ मं	२६	११।२०	१२।५६	२।५२	५।०७	७।२७	९।४४	१२।००	२।१९	४।३८	६।४२	८।२५	९।५४
०९।१२।२१।५९	३ बु	२७	११।१६	१२।५२	२।४८	५।०३	७।२३	९।४०	११।५६	२।१५	४।३४	६।३८	८।२२	९।५०
०९।१३।२३।०९	४ गु	२८	११।१२	१२।४८	२।४४	४।५९	७।१९	९।३६	११।५२	२।११	४।३०	६।३४	८।१८	९।४६
०९।१४।२४।१९	५ शु	२९	११।०८	१२।४४	२।४१	४।५५	७।१५	९।३२	११।४८	२।०७	४।२६	६।३०	८।१४	९।४२
०९।१५।२५।२७	६ श	३०	११।०४	१२।४०	२।३७	४।५१	७।११	९।२८	११।४४	२।०३	४।२२	६।२६	८।१०	९।३८
०९।१६।२६।३५	७ र	३१	११।००	१२।३६	२।३३	४।४७	७।०७	९।२४	११।४०	१।५९	४।१८	६।२२	८।०६	९।३४
०९।१७।२७।४१	८ चं	१	१०।५६	१२।३३	२।२९	४।४३	७।०४	९।२०	११।३६	१।५५	४।१४	६।१९	८।०२	९।३०
०९।१८।२८।४६	९ मं	२	१०।५२	१२।२९	२।२५	४।४०	७।००	९।१६	११।३२	१।५१	४।१०	६।१५	७।५८	९।२६
०९।१९।२९।५०	१० बु	३	१०।४८	१२।२५	२।२१	४।३६	६।५६	९।१३	११।२८	१।४७	४।०६	६।११	७।५४	९।२२
०९।२०।३०।५२	११ गु	४	१०।४५	१२।२१	२।१७	४।३२	६।५२	९।०९	११।२४	१।४४	४।०२	६।०७	७।५०	९।१९
०९।२१।३१।५४	१२ शु	५	१०।४१	१२।१७	२।१३	४।२८	६।४८	९।०५	११।२०	१।४०	३।५८	६।०३	७।४६	९।१५
०९।२२।३२।५४	१३ श	६	१०।३७	१२।१३	२।०९	४।२४	६।४४	९।०१	११।१७	१।३६	३।५४	५।५९	७।४२	९।११
०९।२३।३३।५२	१४ र	७	१०।३३	१२।०९	२।०५	४।२०	६।४०	८।५७	११।१३	१।३२	३।५०	५।५५	७।३८	९।०७
०९।२४।३४।५०	३० चं	८	१०।२९	१२।०५	२।०१	४।१६	६।३६	८।५३	११।०९	१।२८	३।४६	५।५१	७।३४	९।०३

मास फलम्

इस माह मे पांच रविवार नेष्ट हैं और पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो, यथा- एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः । सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुस्थ हो । अमावस्या श्रवण योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। माघ शुक्ला प्रतिपदा को मंगलवार होने से ईतिभय हो । माघ शुक्ला सप्तमी रविवार होने से दुर्भिक्ष हो । माघी शुक्ला सप्तमी को भरणी होने से धान्योत्पत्ति उत्तम हो। पूर्णिमा मघा युक्त होने से समर्घता हो । शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो ।

अयनांशाः २४।०३।५२

पं.४३ मा.कृ.१० बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	८	४	८	७	४	१०
१९	२१	२४	२८	१८	२०	२९	२९
३५	५४	२२	०१	२८	१९	४५	४५
३२	४६	५१	३६	१७	३२	३६	३६
६०	२९	४९	४	७४	४	३	३
५१	२३	३५	५१	०२	३९	११	११
श्र	वि	पूषा	उफा	पूषा	ज्ये	उफा	पूभा
३	१	४	१व	२	२	१	३

९ फरवरी से २२ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, द्विमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	मं	२५	४४	१७	३४	धनि	१९	४७	१५	११	व	९	२६	११	०३	व	२५	४४	१७	३४	२७/५२	७/१७	६/१२	२०	२९	९	कुंभे	९।२५।२८।२०	६०।५५
मानस	२	बु	१८	५७	१४	५१	शत	१४	५०	१३	१२	प	०/५२	५८/१४	७/२८	३९/१०	कौ	१८	५७	१४	५१	२३	१६	१३	२१	१	१०	मीने २९।३८	९।२६।२९।१५	६०।५३
मुद्गर	३	गु	१२	००	१२	०३	पूभा	९	४१	११	०७	सि	४३	३४	२४	४१	ग	१२	००	१२	०३	२७	१५	१४	२२	२	११	मीने	९।२७।३०।०८	६०।५२
वसंत	४	शु	५	०९	९	१८	उभा	४	३८	९	०५	सा	३५	०७	२१	१७	वि	५	०९	९	१८	३०	१४	१५	२३	३	१२	मेषे ३१।१२	९।२८।३१।००	६०।५०
क्षयः	५	शु	५८	३८	३०	४२	रेव	५९	५४	३१	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
सौम्य	६	श	५२	४१	२८	१८	अश्वि	५५	४५	२९	३२	शु	२७	०२	१८	०२	कौ	२५	३६	१७	२८	३४	१४	१५	२४	४	१३	मेषे	९।२९।३१।५०	६०।४९
काल	७	र	४७	२७	२६	१२	भर	५२	१८	२८	०८	शु	१९	२८	१५	००	ग	१९	५९	१५	१३	३८	१३	१६	२५	५	१४	मेषे	१०।००।३२।३९	६०।४७
सुस्थिर	८	सो	४३	०३	२४	२५	कृति	४९	४३	२७	०५	ब्र	१२	३२	१२	१३	वि	१५	०९	१३	१६	४२	१२	१७	२६	६	१५	वृषे ९।५०	१०।०१।३३।२६	६०।४५
मातङ्ग	९	मं	३९	३७	२३	०२	रोहि	४८	०४	२६	२५	ऐ	६	१९	९	४३	बा	११	१४	११	४१	४६	११	१७	२७	७	१६	वृषे	१०।०२।३४।११	६०।४४
अमृत	१०	बु	३७	१२	२२	०३	मृग	४७	२७	२६	०९	वै	०/५६	५४/४६	७/२९	३२/३१	तै	८	१७	१०	२९	४९	१०	१८	२८	८	१७	मिथु. १४।१४	१०।०३।३४।५५	६०।४२
ए.व्र.	११	गु	३५	५३	२१	३१	आर्द्रा	४७	५४	२६	१९	प्री	५२	३३	२८	११	व	६	२५	९	४४	५३	१०	१९	२९	९	१८	मिथु.	१०।०४।३५।३७	६०।४०
लुम्बक	१२	शु	३५	४२	२१	२६	पुन	४९	२७	२६	५६	आ	४९	४२	२७	०२	व	५	४१	९	२५	५७	०९	२०	३०	१०	१९	कर्क २०।४४	१०।०५।३६।१८	६०।३९
प्र.व्र.	१३	श	३६	४०	२१	४८	पुष्य	५२	०७	२७	५९	सौ	४७	४६	२६	१४	कौ	६	०४	९	३३	२८/०१	०८	२०	१	११	२०	कर्के	१०।०६।३६।५७	६०।३७
वज्र	१४	र	३८	४५	२२	३७	श्ले	५५	५१	२९	२८	शो	४६	४०	२५	४७	ग	७	३६	१०	०९	०५	०७	२१	२	१२	२१	सिंहे २९।२८	१०।०७।३७।३४	६०।३५
पूर्णिमा	१५	सो	४१	५६	२३	५२	मघा	...	...	...	...	अ	४६	२५	२५	४०	वि	१०	१४	११	१२	०९	०६	२२	३	१३	२२	सिंहे	१०।०८।३८।०९	६०।३४

केतकी अहर्गणः १७७० शिशिरर्तू रविरुत्तरे, फरवरी २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्री वल्लभ जयंती, उषा. शुक्रः २२।३६
जमादिलावल ५
भ. २२।४० उ., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी
भ. ९।१८ या., पंचक समाप्तिः ३१।१२, वसन्त पञ्चमी, B
[B मकरे शुक्रः १५।२०
कुंभे रविः १३।५५ (सौरः १८।२०)
भ. २६।१२ उ., मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७, विजया ७
भ. १३।१६ या., भीष्माष्टमी
[A वृश्चिके भौमः १६।४६, श्रव. शुक्रः १७।२८
श्रव. बुधः ७।२७, (व) पूफा.-४ गुरुः ८।४७
भ. ९।४४ उ. २१।३१ या., जया ११ व्र.
भीष्मद्वादशी, शत. रविः २८।२१, सायन मीने भानुः १०।५६
प्रदोषः, कल्पादि, भा. फाल्गुनारंभः, शत. सौरः ८।२०, A
भ. २२।३७ उ.
भ. ११।१२ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्त्तिः

अयनांशाः २४।०३।५३

पं.४४ मा.शु. २ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	९	४	८	७	४	१०
२६	२५	०१	२७	२७	२०	२९	२९
४१	१६	१६	२४	०६	५०	२३	२३
०४	५३	४३	२३	४७	३०	२०	२०
६०	२८	६९	५	७४	४	३	३
४२	१०	२८	५४	०६	०७	११	११
ध	वि	उषा	उफा	उषा	ज्ये	उफा	पूभा
२	२	२	१व	१	२	१	३

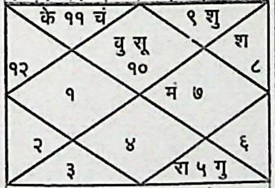

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
०९।२५।३५।४६	१ मं	९	१०।२५	१२।०१	१।५७	४।१२	६।३२	८।४९	११।०५	१।२४	३।४२	५।४७	७।३०	८।५९
०९।२६।३६।४०	२ बु	१०	१०।२१	११।५७	१।५३	४।०८	६।२८	८।४५	११।०१	१।२०	३।३८	५।४३	७।२६	८।५५
०९।२७।३७।३३	३ गु	११	१०।१७	११।५३	१।४९	४।०४	६।२४	८।४१	१०।५७	१।१६	३।३५	५।३९	७।२२	८।५१
०९।२८।३८।२५	४ शु	१२	१०।१३	११।४९	१।४५	४।००	६।२०	८।३७	१०।५३	१।१२	३।३१	५।३५	७।१८	८।४७
०९।२९।३९।१५	६ श	१३	१०।०९	११।४५	१।४१	३।५६	६।१६	८।३३	१०।४९	१।०८	३।२७	५।३१	७।१५	८।४३
१०।००।४०।०३	७ र	१४	१०।०५	११।४१	१।३७	३।५२	६।१२	८।२९	१०।४५	१।०४	३।२३	५।२७	७।११	८।३९
१०।०१।४०।५०	८ चं	१५	१०।०१	११।३७	१।३४	३।४८	६।०८	८।२५	१०।४१	१।००	३।१९	५।२३	७।०७	८।३५
१०।०२।४१।३६	९ मं	१६	९।५७	११।३३	१।३०	३।४४	६।०४	८।२१	१०।३७	१२।५६	३।१५	५।१९	७।०३	८।३१
१०।०३।४२।१९	१० बु	१७	९।५३	११।२९	१।२६	३।४०	६।००	८।१७	१०।३३	१२।५२	३।११	५।१५	६।५९	८।२७
१०।०४।४३।०१	११ गु	१८	९।४९	११।२६	१।२२	३।३६	५।५७	८।१३	१०।२९	१२।४८	३।०७	५।१२	६।५५	८।२३
१०।०५।४३।४२	१२ शु	१९	९।४५	११।२२	१।१८	३।३३	५।५३	८।०९	१०।२५	१२।४४	३।०३	५।०८	६।५१	८।१९
१०।०६।४४।२०	१३ श	२०	९।४२	११।१८	१।१४	३।२९	५।४९	८।०६	१०।२१	१२।४०	२।५९	५।०४	६।४७	८।१५
१०।०७।४४।५७	१४ र	२१	९।३८	११।१४	१।१०	३।२५	५।४५	८।०२	१०।१७	१२।३७	२।५५	५।००	६।४३	८।१२
१०।०८।४५।३२	१५ चं	२२	९।३४	११।१०	१।०६	३।२१	५।४१	७।५८	१०।१३	१२।३३	२।५१	४।५६	६।३९	८।०८

संक्रांति फलम्

ता. १३ फरवरी २०१६
माघ शु. ६ शनौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १३।५५ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ७।३१ से १३।५५ तक। (दान- गोड़ - अन्न)।

अयनांशाः २४।०३।५३

पं.४५ मा.शु.१० बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	६	९	४	९	७	४	१०
०३	२८	०९	२६	०५	२१	२९	२९
४५	२९	५९	४०	४५	१७	०१	०१
३०	५६	०४	२७	३८	३५	०६	०६
६०	२६	८०	६	७४	३	३	३
३२	४५	२५	४४	०८	३२	११	११
घ	वि	उषा	उफा	उषा	ज्ये	उफा	पूभा
४	३	४	१व	३	२	१	३

२३ फरवरी से ९ मार्च तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी-मार्च २०१६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
काल	१	मं	४६	१०	२५	३३	मघा	०	४१	७	२१	सु	४६	५८	२५	५२	बा	१३	५७	१२	४०	२८/१३	७/०५	६/२२	४	१४	२३	सिंहे	१०।०९।३८।४३	६०।३२	[B शत. बुधः २७।३९
सुस्थिर	२	बु	५१	२२	२७	३७	पूफा	६	२७	९	३९	धृ	४८	१३	२६	२१	तै	१८	४०	१४	३२	१७	०४	२३	५	१५	२४	कन्या १६।१७	१०।१०।३९।१४	६०।३०	
मातङ्ग	३	गु	५७	२२	३०	००	उफा	१३	०६	१२	१८	शू	५०	०७	२७	०६	व	२४	१७	१६	४६	२१	०३	२४	६	१६	२५	कन्या	१०।११।३९।४४	६०।२८	भ. १६।४६ उ. ३०।०० या.
च.व्र.	४	शु	...	...	...	...	हस्त	२०	२९	१५	१४	गं	५२	२७	२८	०१	ब	३०	३८	१९	१७	२५	०२	२४	७	१७	२६	तुला.२८।४६	१०।१२।४०।१२	६०।२६	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३८, धनि. बुधः १६।५७
काण	४	श	३	५९	८	३७	चित्रा	२८	१५	१८	१९	वृ	५४	५७	२९	००	बा	३	५९	८	३७	२९	०१	२५	८	१८	२७	तुला.	१०।१३।४०।३८	६०।२४	[A प्रारम्भः १४।४५, कुंभे शुक्रः २१।३२
लुम्बक	५	र	१०	४१	११	१७	स्वा	३५	५८	२१	२४	ध्रु	५७	१५	२९	५४	तै	१०	४१	११	१७	३३	००	२६	९	१९	२८	तुला.	१०।१४।४१।०२	६०।२२	अनु. भौमः १५।४०, बुधास्तः पूर्वस्याम् ७।०९
मित्र	६	सो	१६	५९	१३	४७	विशा	४३	०६	२४	१४	व्या	५८	५७	३०	३४	व	१६	५९	१३	४७	३७	५६	२६	१०	२०	२९	वृश्चि. १७।३३	१०।१५।४१।२५	६०।२०	भ. १३।४७ उ. २६।५४ या.
वज्र	७	मं	२२	१७	१५	५३	अनु	४९	०५	२६	३६	ह	५९	३८	३०	५०	ब	२२	१७	१५	५३	४१	५८	२७	११	२१	१	वृश्चि.	१०।१६।४१।४५	६०।१८	मार्च ३ ता. ३१, कुंभे बुधः २४।५०
ध्वाङ्क्ष	८	बु	२६	०४	१७	२३	ज्ये	५३	२७	२८	२०	व	५९	०१	३०	३४	कौ	२६	०४	१७	२३	४५	५७	२७	१२	२२	२	धनु. २८।२०	१०।१७।४२।०३	६०।१६	मूले रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।। रात्रौ लग्न १०, धनि. शुक्रः १२।११
धूम्र	९	गु	२७	५८	१८	०७	मूल	५५	५५	२९	१८	सि	५६	५२	२९	४१	ग	२७	५८	१८	०७	४९	५६	२८	१३	२३	३	धनु.	१०।१८।४२।२०	६०।१४	भ. ३०।१२ उ., रामदास ९
प्रवर्धमा	१०	शु	२७	५१	१८	०४	पूषा	५६	२४	२९	२९	व्य	५३	०८	२८	११	वि	२७	५१	१८	०४	५४	५५	२९	१४	२४	४	धनु.	१०।१९।४२।३४	६०।१२	भ. १८।०४ या., पूभा. रविः १०।३७ (सौरः १३।५२)
ए.व्र.	११	श	२५	४१	१७	१०	उषा	५४	५८	२८	५३	व	४७	५१	२६	०३	बा	२५	४१	१७	१०	५८	५४	२९	१५	२५	५	मक. ११।२४	१०।२०।४२।४७	६०।१०	उषा. रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न ७, विजया ११ व्र., B
प्र.व्र.	१२	र	२१	४०	१५	३३	श्रव	५१	४९	२७	३७	प	४१	०९	२३	२१	तै	२१	४०	१५	३३	२९/०२	५३	३०	१६	२६	६	मक.	१०।२१।४२।५७	६०।०८	प्रदोषः
शिवरा.	१३	सो	१६	०२	१३	१७	धनि	४७	१६	२५	४६	शि	३३	१४	२०	१०	व	१६	०२	१३	१७	०६	५२	३०	१७	२७	७	कुंभे १४।४५	१०।२२।४३।०५	६०।०६	भ. १३।१७ उ. २३।५७ या., महाशिवरात्री व्रतम्, पंचक A
मृत्यु	१४	मं	९	०९	१०	३०	शत	४१	३८	२३	३०	सि	२४	२३	१६	३६	श	९	०९	१०	३०	१०	५१	३१	१८	२८	८	कुंभे	१०।२३।४३।११	६०।०४	पितृकार्येऽमा.
अमाव.	३०	बु	१	२०	७	२२	पूभा	३५	१९	२०	५८	सा	१४	५३	१२	४७	ना	१	२०	७	२२	१४	५०	३२	१९	२९	९	मीने १५।३७	१०।२४।४३।१५	६०।०२	देवकार्येऽमा.

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०३।५४

पं.४६ फा.कृ. २ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	९	४	९	७	४	१०
१०	०१	१९	२५	१४	२१	२८	२८
४८	३२	४५	५१	२४	४०	३८	३८
४१	२६	३७	१४	४१	२९	५१	५१
६०	२५	८८	७	७४	२	३	३
२१	०७	०३	२३	१०	५४	१०	१०
श	वि	श्र	पूफा	श्र	ज्ये	उफा	पूभा
२	४	३	४व	२	२	१	३

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. फर.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह सायं	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ प्रातः	मीन दिवा
१०।०९।४६।०६	१ मं	२३	९।३०	११।०६	१।०२	३।१७	५।३७	७।५४	१०।१०	१२।२९	२।४७	४।५२	६।३५	८।०४
१०।१०।४६।३७	२ बु	२४	९।२६	११।०२	१२।५८	३।१३	५।३३	७।५०	१०।०६	१२।२५	२।४३	४।४८	६।३१	८।००
१०।११।४७।०७	३ गु	२५	९।२२	१०।५८	१२।५४	३।०९	५।२९	७।४६	१०।०२	१२।२१	२।३९	४।४४	६।२७	७।५६
१०।१२।४७।३५	४ शु	२६	९।१८	१०।५४	१२।५०	३।०५	५।२५	७।४२	९।५८	१२।१७	२।३५	४।४०	६।२३	७।५२
१०।१३।४८।०१	४ श	२७	९।१४	१०।५०	१२।४६	३।०१	५।२१	७।३८	९।५४	१२।१३	२।३१	४।३६	६।१९	७।४८
१०।१४।४८।२५	५ र	२८	९।१०	१०।४६	१२।४२	२।५७	५।१७	७।३४	९।५०	१२।०९	२।२८	४।३२	६।१५	७।४४
१०।१५।४८।४७	६ चं	२९	९।०६	१०।४२	१२।३८	२।५३	५।१३	७।३०	९।४६	१२।०५	२।२४	४।२८	६।११	७।४०
१०।१६।४९।०७	७ मं	१	९।०२	१०।३८	१२।३४	२।४९	५।०९	७।२६	९।४२	१२।०१	२।२०	४।२४	६।०८	७।३६
१०।१७।४९।२५	८ बु	२	८।५८	१०।३४	१२।३१	२।४५	५।०५	७।२२	९।३८	११।५७	२।१६	४।२०	६।०४	७।३२
१०।१८।४९।४२	९ गु	३	८।५४	१०।३०	१२।२७	२।४१	५।०१	७।१८	९।३४	११।५३	२।१२	४।१६	६।००	७।२८
१०।१९।४९।५६	१० शु	४	८।५०	१०।२६	१२।२३	२।३७	४।५७	७।१४	९।३०	११।४९	२।०८	४।१२	५।५६	७।२४
१०।२०।५०।०८	११ श	५	८।४६	१०।२३	१२।१९	२।३३	४।५४	७।१०	९।२६	११।४५	२।०४	४।०८	५।५२	७।२०
१०।२१।५०।१८	१२ र	६	८।४२	१०।१९	१२।१५	२।२९	४।५०	७।०६	९।२२	११।४१	२।००	४।०५	५।४८	७।१६
१०।२२।५०।२६	१३ चं	७	८।३८	१०।१५	१२।११	२।२६	४।४६	७।०२	९।१८	११।३७	१।५६	४।०१	५।४४	७।१२
१०।२३।५०।३२	१४ मं	८	८।३५	१०।११	१२।०७	२।२२	४।४२	६।५९	९।१४	११।३३	१।५२	३।५७	५।४०	७।०९
१०।२४।५०।३६	३० बु	९	८।३१	१०।०७	१२।०३	२।१८	४।३८	६।५५	९।१०	११।३०	१।४८	३।५३	५।३६	७।०५

अयनांशाः २४।०३।५५

पं.४७ फा.कृ. ८ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	१०	४	९	७	४	१०
१७	०४	००	२४	२३	२१	२८	२८
५०	२२	२४	५८	०३	५८	१६	१६
२९	३७	०६	२४	५०	५६	३७	३७
६०	२३	९५	७	७४	२	३	३
०८	११	३५	४४	१०	१६	११	११
श	अनु	ध	पूफा	श्र	ज्ये	उफा	पूभा
४	१	३	४व	४	२	१	३

अयनांशाः २४।०३।५६

पं.४८ फा.कृ.३० बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	१०	४	१०	७	४	१०
२४	०६	११	२४	०१	२२	२७	२७
५०	५८	५७	०३	४२	१२	५४	५४
४९	२५	४८	५०	५८	४५	२२	२२
५९	२०	१०३	७	७४	१	३	३
५५	५७	५४	४९	१०	३५	११	११
पूभा	अनु	श	पूफा	ध	ज्ये	उफा	पूभा
२	२	२	४व	३	२	१	३

१० मार्च से २३ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | केतकी अहर्गणः १८०० वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च २०१६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
क्षयः	१	बु	५२	५६	२८	००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[E भद्रा के वाद
फुलरि.	२	गु	४४	२३	२४	३४	उभा	२८	४३	१८	१८	शु	५/५५	०१/०१	२८	३९/४२	वा	१८	४१	१४	१७	२९/१८	६/५२	६/३३	२०	३०	१०	मीने	१०।२५।४३।१७	६०।००	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस C
श्रीवत्स	३	शु	३६	०३	२१	१३	रेव	२२	११	१५	४०	व्र	४५	१८	२४	५५	तै	१०	११	१०	५२	२३	४८	३३	२१	१	११	मेषे १५।४०	१०।२६।४३।१७	५९।५८	पंचक समाप्तिः १५।४०, जमादिलाखर ६ [C जयंती
सौम्य	४	श	२८	१५	१८	०५	अश्वि	१६	०७	१३	१३	ऐ	३६	०४	२१	१२	व	२	०५	७	३६	२७	४७	३३	२२	२	१२	मेषे	१०।२७।४३।१५	५९।५५	भ. ७।३६ उ. १८।०५ या.
काल	५	र	२१	१९	१५	१७	भर	१०	५०	११	०६	वै	२७	३५	१७	४८	बा	२१	१९	१५	१७	३१	४६	३४	२३	३	१३	वृषे १६।३८	१०।२८।४३।१०	५९।५३	याज्ञवल्क्य जयंती, पूभा. बुधः १९।५०, शत. शुक्रः ६।५३
सुस्थिर	६	सो	१५	३२	१२	५७	कृति	६	३९	९	२४	वि	२०	०५	१४	४७	तै	१५	३२	१२	५७	३५	४४	३४	२४	४	१४	वृषे	१०।२९।४३।०४	५९।५१	मीने रविः १०।४३ (सौरः १३।३२), (व) पूफा.-३ गुरुः २१।४८
मातङ्ग	७	मं	११	०८	११	१०	रोहि	३	४९	८	१५	प्री	१३	४२	१२	१२	व	११	०८	११	१०	३९	४३	३५	२५	५	१५	मिथु. १९।५४	११।००।४२।५५	५९।४९	भ. ११।१० उ. २२।३१ या.
होलाष्ट.	८	बु	८	१६	१०	०१	मृग	२	२९	७	४२	आ	८	३४	१०	०८	व	८	१६	१०	०१	४३	४२	३६	२६	६	१६	मिथु.	११।०१।४२।४४	५९।४७	होलाष्टक [D उभा. बुधः २१।४५
काण	९	गु	७	०३	९	३०	आर्द्रा	२	४५	७	४७	सौ	४	४४	८	३५	कौ	७	०३	९	३०	४८	४१	३६	२७	७	१७	कर्क २६।१६	११।०२।४२।३१	५९।४५	उभा. रविः १९।०२ (सौरः २१।४४) [B पूभा. शुक्रः २५।३८
लुम्बक	१०	शु	७	२५	९	३८	पुन	४	३५	८	३०	शो	२	०८	७	३१	ग	७	२५	९	३८	५२	४०	३७	२८	८	१८	कर्क	११।०३।४२।१५	५९।४२	भ. २१।५६ उ., मीने बुधः २८।२३
ए.व्र.	११	श	९	१७	१०	२१	पुष्य	७	५१	९	४७	अ	०	४४	६	५७	वि	९	१७	१०	२१	५६	३९	३७	२९	९	१९	कर्क	११।०४।४१।५८	५९।४०	भ. १०।२१ या., आमलकी ११ व्र., विड़कुला-ढाल थापणा E
प्र.व्र.	१२	र	१२	२६	११	३६	श्ले	१२	२४	११	३५	सु	०	२१	६	४६	बा	१२	२६	११	३६	३०/००	३८	३८	३०	१०	२०	सिंहे ११।३५	११।०५।४१।३८	५९।३८	प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (खाटु), सायन मेषे भानुः ९।४९, D
ध्वाङ्क्ष	१३	सो	१६	३९	१३	१६	मघा	१७	५७	१३	४८	धृ	०	४८	६	५६	तै	१६	३९	१३	१६	०४	३७	३८	१	११	२१	सिंहे	११।०६।४१।१६	५९।३६	भा. चैत्रारंभः [A दहनं भद्रोत्तरम्, करिदिन
होली	१४	मं	२१	४२	१५	१६	पूफा	२४	१९	१६	१९	शू	१	५६	७	२२	व	२१	४२	१५	१६	०८	३५	३९	२	१२	२२	कन्या २२।५९	११।०७।४०।५१	५९।३३	भ.१५।१६ उ. २८।२३ या., जेलपोणी भद्रा के पहिले, होलिका A
छारेंड़ी	१५	बु	२७	२३	१७	३२	उफा	३१	१६	१९	०५	गं	३	३५	८	००	व	२७	२३	१७	३२	१३	३४	३९	३	१३	२३	कन्या	११।०८।४०।२४	५९।३१	मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, छारेंडी देशाचारे, करिदिन, B

अयनांशाः २४।०३।५७

पं.४९ फा.शु. ८ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	७	१०	४	१०	७	४	१०
०१	०९	२४	२३	१०	२२	२७	२७
४९	१७	३०	०९	२२	२१	३२	३२
३५	२०	३०	२७	०४	४५	०८	०८
५९	१८	११२	७	७४	०	३	३
४२	१८	१८	४०	०९	५३	१०	१०
पूभा	अनु	पूभा	पूफा	श	ज्ये	उफा	पूभा
४	२	२	३व	२	२	१	३

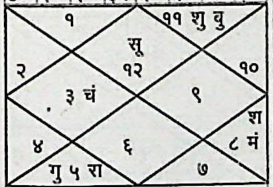

११ के

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मार्च	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायं	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन प्रातः
१०।२५।५०।३८	२ गु	१०	८।२७	१०।०३	११।५९	२।१४	४।३४	६।५१	९।०६	११।२६	१।४४	३।४९	५।३२	७।०१
१०।२६।५०।३७	३ शु	११	८।२३	९।५९	११।५५	२।१०	४।३०	६।४७	९।०३	११।२२	१।४०	३।४५	५।२८	६।५७
१०।२७।५०।३५	४ श	१२	८।१९	९।५५	११।५१	२।०६	४।२६	६।४३	८।५९	११।१८	१।३६	३।४१	५।२४	६।५३
१०।२८।५०।३०	५ र	१३	८।१५	९।५१	११।४७	२।०२	४।२२	६।३९	८।५५	११।१४	१।३२	३।३७	५।२०	६।४९
१०।२९।५०।२३	६ चं	१४	८।११	९।४७	११।४३	१।५८	४।१८	६।३५	८।५१	११।१०	१।२८	३।३३	५।१६	६।४५
११।००।५०।१४	७ मं	१५	८।०७	९।४३	११।३९	१।५४	४।१४	६।३१	८।४७	११।०६	१।२४	३।२९	५।१२	६।४१
११।०१।५०।०३	८ बु	१६	८।०३	९।३९	११।३५	१।५०	४।१०	६।२७	८।४३	११।०२	१।२१	३।२५	५।०८	६।३७
११।०२।४९।४९	९ गु	१७	७।५९	९।३५	११।३१	१।४६	४।०६	६।२३	८।३९	१०।५८	१।१७	३।२१	५।०५	६।३३
११।०३।४९।३४	१० शु	१८	७।५५	९।३१	११।२७	१।४२	४।०२	६।१९	८।३५	१०।५४	१।१३	३।१७	५।०१	६।२९
११।०४।४९।१६	११ श	१९	७।५१	९।२७	११।२४	१।३८	३।५८	६।१५	८।३१	१०।५०	१।०९	३।१३	४।५७	६।२५
११।०५।४८।५६	१२ र	२०	७।४७	९।२३	११।२०	१।३४	३।५४	६।११	८।२७	१०।४६	१।०५	३।०९	४।५३	६।२१
११।०६।४८।३३	१३ चं	२१	७।४३	९।१९	११।१६	१।३०	३।५०	६।०७	८।२३	१०।४२	१।०१	३।०५	४।४९	६।१७
११।०७।४८।०९	१४ मं	२२	७।३९	९।१६	११।१२	१।२६	३।४७	६।०३	८।१९	१०।३८	१२।५७	३।०२	४।४५	६।१३
११।०८।४७।४२	१५ बु	२३	७।३५	९।१२	११।०८	१।२३	३।४३	५।५९	८।१५	१०।३४	१२।५३	२।५८	४।४१	६।०९

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०१६
फा. शु. ६ चंद्रे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।४३ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १०।४३ से १७।०७ तक । (दान- भूमि माला) ।

अयनांशाः २४।०३।५८

पं.५० फा.शु.१५ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	७	११	४	१०	७	४	१०
०८	११	०७	२२	१९	२२	२७	२७
४६	१६	५९	१७	०१	२५	०९	०९
४३	३०	२५	०७	०४	५२	५४	५४
५९	१५	११९	७	७४	०	३	३
२७	१४	३२	१२	०८	११	११	११
उभा	अनु	उभा	पूफा	श	ज्ये	उफा	पूभा
२	३	२	३व	४	२	१	३

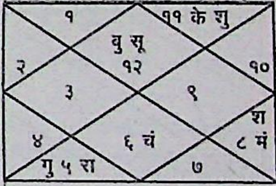

२४ मार्च से ७ अप्रेल तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०७२, शाकः १९३७,

																						दिमा	सू.	सू.	तारीख			स्टै.	प्रातः	दैनिक
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मू.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
राक्षस	१	गु	३३	३१	१९	५८	हस्त	३८	३८	२२	०१	वृ	५	३८	८	४८	बा	०	२६	६	४४	३०/१७	६/३३	६/४०	४	१४	२४	कन्या	११।०९।३९।५५	५९।२९
मुसल	२	शु	३९	५६	२२	३०	चित्रा	४६	१६	२५	०२	ध्रु	७	५६	९	४३	तै	६	४५	९	१४	२१	३२	४०	५	१५	२५	तुला. ११।३१	११।१०।३९।२४	५९।२६
सिद्धि	३	श	४६	२४	२५	०५	स्वा	५३	५५	२८	०५	व्या	१०	२३	१०	४०	व	१३	१२	११	४८	२५	३१	४१	६	१६	२६	तुला.	११।११।३८।५१	५९।२४
च.व्र.	४	र	५२	३४	२७	३१	विशा	...	...	...	...	ह	१२	४६	११	३६	ब	१९	३४	१४	१९	२९	३०	४१	७	१७	२७	वृश्चि. २४।१७	११।१२।३८।१५	५९।२२
मित्र	५	सो	५८	०३	२९	४२	विशा	१	१८	७	००	व	१४	५०	१२	२५	कौ	२५	२६	१६	३९	३३	२९	४२	८	१८	२८	वृश्चि.	११।१३।३७।३७	५९।२०
वज्र	६	मं	...	...	...	...	अनु	७	५६	९	३८	सि	१६	१६	१२	५८	ग	३०	२४	१८	३७	३७	२७	४२	९	१९	२९	वृश्चि.	११।१४।३६।५६	५९।१७
ध्वाङ्क्ष	६	बु	२	२७	७	२५	ज्ये	१३	२६	११	४९	व्य	१६	४६	१३	०९	व	२	२७	७	२५	४२	२६	४३	१०	२०	३०	धनु. ११।४९	११।१५।३६।१४	५९।१५
शीतला	७	गु	५	१८	८	३३	मूल	१७	२६	१३	२४	व	१६	०४	१२	५१	ब	५	१८	८	३३	४६	२५	४४	११	२१	३१	धनु.	११।१६।३५।२९	५९।१३
प्रवर्धमा	८	शु	६	२३	८	५७	पूषा	१९	४१	१४	१७	प	१३	५९	१२	००	कौ	६	२३	८	५७	५०	२४	४४	१२	२२	१	मक. २०।२३	११।१७।३४।४१	५९।१०
राक्षस	९	श	५	३३	८	३६	उषा	२०	०३	१४	२४	शि	१०	२३	१०	३२	ग	५	३३	८	३६	५४	२३	४५	१३	२३	२	मक.	११।१८।३३।५२	५९।०८
ए.व्र.	१०	र	२	४६	७	२८	श्रव	१८	३२	१३	४७	सि	५	१५	८	२८	वि	२	४६	७	२८	५८	२२	४५	१४	२४	३	कुंभे २५।१२	११।१९।३३।००	५९।०६
क्षयः	११	र	५८	०७	२९	३७	०	०	०	०	०	सा	५८	३७	२९	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
ए.व्र.	१२	सो	५१	५३	२७	०६	धनि	१५	१५	१२	२७	शु	५०	४३	२६	३८	कौ	२५	१२	१६	२५	३१/०३	२१	४६	१५	२५	४	कुंभे	११।२०।३२।०६	५९।०३
प्र.व्र.	१३	मं	४४	१९	२४	०३	शत	१०	२७	१०	३०	शु	४१	४३	२३	०१	ग	१८	१६	१३	३८	०६	२०	४६	१६	२६	५	मीने २६।४३	११।२१।३१।०९	५९।०१
पद्म	१४	बु	३५	४४	२०	३६	पूभा	४/५७	२५/२८	८/२९	२५/१८	ब्र	३१	५२	१९	०३	वि	१०	०९	१०	२२	१०	१९	४७	१७	२७	६	मीने	११।२२।३०।१०	५८।५९
अमाव.	३०	गु	२६	३२	१६	५४	रेव	५०	०७	२६	२०	ऐ	२१	२८	१४	५३	च	१	१३	६	४७	१४	१८	४७	१८	२८	७	मेषे २६।२०	११।२३।२९।०९	५८।५६

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च-अप्रेल २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा. में है।
वसन्त १
वक्री शनिः २७।४१
भ. ११।४८ उ. २५।०५ या., कल्पादि
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०५, रेव. बुधः १३।५४

[B पंचक समाप्तिः २६।२०, मन्वादि
भ. ७।२५ उ. २०।०४ या., रेव. रविः २९।५१
शीतला पूजनं, रेव. सौरः ८।१५, मीने शुक्रः २७।४७
अप्रेल ४ ता. ३०, पूफा.-४ राहुः १६।१४, पूभा.-२ केतुः १६।१४
भ. २०।०८ उ., मेषे अश्वि. बुधः २६।५३
भ. ७।२८ या., पंचक प्रारम्भः २५।१२, पापमोचनी ११ A
[A व्र.स्मार्त, बुधोदयः पश्चिमायाम् १६।०२, उभा. शुक्रः २०।३१
पापमोचनी ११ व्र.वैष्ण., वारुणी योग से २७।०६
भ. २४।०३ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., वारुणी C
भ. १०।२२ या. [C योग १०।३० तक
देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः १८२८, चक्र ७, B

अयनांशाः २४।०३।५८

पं.५१ चै.कृ. ६ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	७	११	४	१०	७	४	१०
१५	१२	२२	२१	२७	२२	२६	२६
४२	५२	०९	२८	३९	२५	४७	४७
११	३७	५७	३९	५४	०६	३९	३९
५९	११	१२२	६	७४	०	३	३
१३	३८	४४	३१	०६	३०	११	११
उभा	अनु	रे	पूफा	पूभा	ज्ये	उफा	पूभा
४	३	२	३व	३	२व	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।०९।४७।१२	१ गु	२४	७।३१	९।०८	११।०४	१।१९	३।३९	५।५६	८।११	१०।३०	१२।४९	२।५४	४।३७	६।०५
११।१०।४६।४१	२ शु	२५	७।२८	९।०४	११।००	१।१५	३।३५	५।५२	८।०७	१०।२७	१२।४५	२।५०	४।३३	६।०२
११।११।४६।०७	३ श	२६	७।२४	९।००	१०।५६	१।११	३।३१	५।४८	८।०३	१०।२३	१२।४१	२।४६	४।२९	५।५८
११।१२।४५।३१	४ र	२७	७।२०	८।५६	१०।५२	१।०७	३।२७	५।४४	८।००	१०।१९	१२।३७	२।४२	४।२५	५।५४
११।१३।४४।५३	५ चं	२८	७।१६	८।५२	१०।४८	१।०३	३।२३	५।४०	७।५६	१०।१५	१२।३३	२।३८	४।२१	५।५०
११।१४।४४।१२	६ मं	२९	७।१२	८।४८	१०।४४	१२।५९	३।१९	५।३६	७।५२	१०।११	१२।२९	२।३४	४।१७	५।४६
११।१५।४३।२९	६ बु	३०	७।०८	८।४४	१०।४०	१२।५५	३।१५	५।३२	७।४८	१०।०७	१२।२५	२।३०	४।१३	५।४२
११।१६।४२।४४	७ गु	३१	७।०४	८।४०	१०।३६	१२।५१	३।११	५।२८	७।४४	१०।०३	१२।२१	२।२६	४।०९	५।३८
११।१७।४१।५६	८ शु	१	७।००	८।३६	१०।३२	१२।४७	३।०७	५।२४	७।४०	९।५९	१२।१८	२।२२	४।०५	५।३४
११।१८।४१।०६	९ श	२	६।५६	८।३२	१०।२८	१२।४३	३।०३	५।२०	७।३६	९।५५	१२।१४	२।१८	४।०१	५।३०
११।१९।४०।१४	१० र	३	६।५२	८।२८	१०।२४	१२।३९	२।५९	५।१६	७।३२	९।५१	१२।१०	२।१४	३।५८	५।२६
११।२०।३९।१९	१२ चं	४	६।४८	८।२४	१०।२१	१२।३५	२।५५	५।१२	७।२८	९।४७	१२।०६	२।१०	३।५४	५।२२
११।२१।३८।२३	१३ मं	५	६।४४	८।२०	१०।१७	१२।३१	२।५१	५।०८	७।२४	९।४३	१२।०२	२।०६	३।५०	५।१८
११।२२।३७।२४	१४ बु	६	६।४०	८।१६	१०।१३	१२।२७	२।४७	५।०४	७।२०	९।३९	११।५८	२।०२	३।४६	५।१४
११।२३।३६।२२	३० गु	७	६।३६	८।१३	१०।०९	१२।२३	२।४४	५।००	७।१६	९।३५	११।५४	१।५८	३।४२	५।१०

मास फलम्

गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या रेवती योग सुभिक्ष और सुखद है। रेवती में बुध होने से श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, बुध रेवती को भेदने से व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।०३।५९

पं.५२ चै.कृ.१४ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	७	०	४	११	७	४	१०
२२	१४	०६	२०	०६	२२	२६	२६
३६	०२	०९	४५	१८	१९	२५	२५
००	००	३८	३४	३२	२८	२५	२५
५८	७	११२	५	७४	१	३	३
५९	३१	३८	३८	०४	११	११	११
रे	अनु	अ	पूफा	उभा	ज्ये	पूफा	पूभा
२	४	२	३व	१	२व	४	२

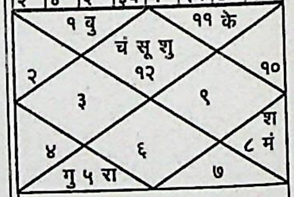

श्री गणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११७, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११७ भोग्यकलिः ४२६८८३ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०७३ शाकः १९३८ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रः १, मंत्री बुधः २, सस्येशः शनिः ३, धान्येशो गुरुः ४, मेघेशो भौमः ५, रसेशो रविः ६, नीरसेशः शुक्रः ७, फलेशो भौमः ८, धनेशः शुक्रः ९, दुर्गेशो भौमः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्र विंशतिकायां ३ सौम्य नामाख्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ०।१०।३९।२२ भोग्य मासादि ११।१९।२०।३८ सोम दैवतं युगम् । वर्षनाम माघ । चतुर्मेघनाम आवर्त्तः । रोहिणी निवासो पर्वते । समय निवासो कुंभकारगृहे । समय विश्वा ५ । समय वाहन दुर्दुर । स्तंभ २ तृण अन्न । सोमवत्यमा. १ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी १ । भानु सप्तमी ० । बुधाष्टमी १ । रविदशमी १ । समय मुहूर्तानि ४०५ । समय दिनानि ३५५ । तिथि क्षयः १६ । तिथि वृद्धिः ११ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । खपति विश्वा १२६ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । खपति विश्वा १२३ । वर्षा विश्वा १३ । धान्यम् १५ । तृणम् ७ । शीतम् ७ । तेजः १७ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् ११३ । (क्षुधा ७ । तृष्णा ३ । निद्रा ११ । आलस्य ११ । उद्यम १३ । शान्ति १५ । क्रोध ३ । दण्ड ५ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुंण्य ७ । उग्रत्व १५ । रसोत्पत्तिः १५ । फलोत्पत्तिः ३ । व्याधि १९ । व्याधिनाश १७ । आचार १७ । अनाचार ५ । मृत्यु १९ । जन्म ११ । चौर १७ । उपशमन ५ । अग्निभय ११ । अग्निशमः ३ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः पश्चिमायाम् । ग्रहणाऽभावः । उद्रिजः ७ । जरायुजः ३ । पिण्डजः १३ । स्वदेजः ९ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रबल है ॥ **संवत् २०७३ शाकः** १९३८ ॥ वर्षारम्भे चैत्रशुक्लप्रतिपदायाम् शुक्रवासरे वारप्रवृत्ति (सूर्योदय) काले अहर्गणाः (ता. ८ अप्रेल २०१६), केतकी चक्रः ७, अहर्गणः १८२९, सौरपक्ष चक्रः ४५, अहर्गणः ४५१, ब्रह्मपक्ष अहर्गणः ३०४२८४.

॥ चंद्रग्रहणम् ॥ संवत् २०७३ में भूमण्डल पर चंद्र ग्रहण नहीं होगा ।

संवत् २०७३ मध्ये सूर्यग्रहणाऽभावः

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिक पञ्चाङ्ग में देखें ।

अप्रत्यक्षाणि शास्त्राणि विवादास्तेषु केवलम् ।
प्रत्यक्षम् ज्योतिषं शास्त्रं चन्द्रार्कौ यत्र साक्षिणौ ॥

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -

पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द, वाया- सिंघाना,
जि.झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६, फो.०१५९३-२७११८४
मुम्बई. फोन. ०२२ २६१६६७८३

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
तेहत्तर संवत् फल कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां मध्यम संवत होय ॥
राजा-नीरस-धनपति हुए शुक्र ग्रहचार ।
मंत्री बुध की मंत्रणा गावें मंगलाचार ॥
सूर्य रसाधिप हो गये समझो मध्यम साल ।
पिता-पुत्र व्यवहार सुँ माड़ो होसी हाल ॥
धान्याधिप गुरुदेव हैं इनकी खींचातान ।
मेघ-फल और दुर्ग के मालिक भौम सुजान ॥
रोहिणी पर्वत वास है समय प्रजापति भाय ।
चतुर्मेघ आवर्त्त हुआ वर्षा स्वल्प दिखाय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये पांच अधिकार ।
उग्रग्रहों के पांच हैं होसी बराबर सार ॥
तृण-अन्न दो स्तंभ हैं इनकी बनाओ ढाल ।
गुरु ईश्वरदत्त से गुरु नहीं कथन ग्यारसीलाल ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	खर्च	लाभ	खर्च
मेष	२	८	११	५
वृष	११	१४	५	१४
मिथुन	१४	११	११	११
कर्क	८	११	५	८
सिंह	११	५	८	५
कन्या	१४	११	११	११
तुला	११	१४	५	१४
वृश्चिक	२	८	११	५
धनु	५	१४	८	११
मकर	८	८	२	१४
कुंभ	८	८	२	१४
मीन	५	१४	८	११

वर्ष लग्नम् ४।२९

वर्षेश लग्नम् ६।०५

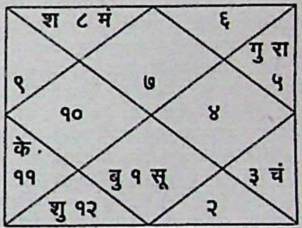

लाभ - खर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

॥ अथ संवत् २०७३ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७३ शाकः १९३८ सौम्य नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - सौम्याब्देनिखिलालोकावहुसस्यार्घवृष्टिभिः । विवैरिणोधराधीशाविप्राश्चाध्वरतत्पराः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजाशुक्रस्तत्फलम् - शुक्रस्य राज्ये वहुसस्यसंकुला सुतीव्रवेगाः सरितोऽम्बुराशिभिः । फलन्ति वृक्षा वहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरापार्थिवसौख्यसंयुता ॥ मंत्रीवुधस्तत्फलम् - शशिसुतेशुभमंत्रिसमागतेस्वपतिनारमते मदनक्रियाम् । वहुधनवहुवादिसमन्वितंयवमसूरचणान्नमहर्घताम ॥ सस्येशः शनिस्तत्फलम् - रविसुतेयदिधान्यपतौजनानृपतिभिः परिपीडितविग्रहाः । गदभयंतुषधान्यहरंसदादुरितवादविवादयुतानराः ॥ धान्येशोगुरुस्तत्फलम् - गुरौधान्यपतौ याते यवगोधूमशालयः । पच्यन्तेसर्वदेशेषुयज्वानोब्राह्मणादयः ॥ मेघेशोभौमस्तत्फलम् - अवनिजेजलदस्यपतौभुविश्रुतिविचारविहीनधरामराः । क्वचिदपिप्रचुरंजलमल्पकंक्वचिदपिप्रशमंवहुतापदम् ॥ रसेशोरविस्तत्फलम् - रसपतौतरणीधरणोतदाविरसभागरताल्पपयोधरा । वसनतैलघृतप्रियमानवाः सुखेरसंनभुनक्ति महीपतिः ॥ नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् - कर्परागरगन्धानांहेममौक्तिकवाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतनीरसेशोभृगुर्यदि ॥ फलेशोभौमस्तत्फलम् - फलपतिर्यदिभूतनयोभवेत्रवहुपुष्पफलान्वितपादपाः । गदभयान्वितदेशजनास्तदाननृपतयोवहुविग्रहकारकाः ॥ धनेशः शुक्रस्तत्फलम् - द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला भुवि मानवाः । समसुखाः क्रयविक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः ॥ दुर्गेशोभौमस्तत्फलम् - अवनिजो गढनायकतां गतो विविधदुःखवियोगसमन्वितः । जनपदेषु जनः क्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ॥ वर्षनाम माघ तत्फलम् - सुभिक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमंपश्चिमेतथा । उत्तरेरौरवंमाघेवर्षेधान्यमहर्घता ॥ चतुर्मेघनाम आवर्त्तस्तत्फलम् - आवर्त्तेछिन्न वृष्टिश्च । रोहिणी निवासो पर्वते तत्फलम् - पर्वते विन्दुमात्रश्च । समय निवासो कुंभकारगृहे तत्फलम् - कुंभकारगृहे वासो तद्वर्षे मध्यमं फलम् ॥ अपिच - अनावृष्टि प्रजापतौ । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

राजा और नीरसेश और धनेश शुक्र हैं। सस्येश शनि हैं। रसेश रवि हैं। मेघेश और फलेश और दुर्गेश मंगल हैं। मंत्री बुध हैं। धान्येश गुरु हैं। इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ५ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ५ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल मध्यम होगा। वर्षलग्न सिंह होने से दक्षिण में दाढ़भय, धान्य में समर्घता और छः मास तक महाधन की प्राप्ति हो। पश्चिम में धातु की वस्तु और फल महँगे हों, उत्तर में महावृष्टि और राजा प्रजा में सुख हो। पूर्व में आधी उपज हो, आगे पांच मास में कल्याण हो, मध्य देश में ५ मास राजयुद्ध रहे ॥ वर्षेश लग्न तुला ॥ **चैत्र** - हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालो का नाश हो, तीव्र रोग हो, धान्य महँगे हों और वैर वढे, बुध भरणी नक्षत्र को भेदने से प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो, प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, पथिक (यात्रि) पीड़ित हो, विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो। **वैशाख** - ब्राह्मण जाति में विरोध हो, जौ, तिल, उड़द कम हों, सुभिक्ष हो, चौर तथा अग्नि का भय हो राजाओं की नीति खोटी हो और अन्न की उत्पत्ति हो, तुष धान्य महँगे हो और तिलों का अभाव हो, किरात तथा यवन पीड़ित हो, धान्य महँगे हों और वैर वढें, वृश्चिक में शनि उदय होने से गेहूँ का भाव तेज हो। कृत्तिका पर शुक्र होने से सरसों उड़द कम हों और सव धान्य उत्पन्न हों, अतिवृष्टि हो, नदियों में वहुत वाढ़ आवे। **ज्येष्ठ** - ज्येष्ठ सुदी तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे, गाय वैल आदि चौपायों को वड़ी भारी पीड़ा हो, टीडी आदि से धान्य महँगा हो, आरोग्यता हो, पृथ्वी केश और अस्थिखण्डों से शवल (विचित्र वर्ण की) होकर कापालिक की तरह व्रत धारण करे अर्थात् पृथ्वी पर अत्यधिक मरी पड़े, कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो, ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो, धान्य की महर्घता हो, शुक्र मृगशिरा नक्षत्र में होने से रस (मधुर आदि) और धान्यों का नाश हो, कपास, तिल, सूत महँगे हों, अल्प वृष्टि हो, कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो। **आषाढ़** - अमावस्या आर्द्रा योग सुभिक्ष और सुखद है, शुक्र प्रतिपदा में पुनर्वसु नक्षत्र का २९ घटी भोग है अतः चौमासे में ४८ प्रतिशत वर्षा हो, सुभिक्ष हो, वायु से वर्षा हो, अन्न का अभाव हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुखी रहें और ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, वालकों को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो, शुक्र पुष्य नक्षत्र में होने से अधिक वृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो। अनुराधा नक्षत्र मे स्थित शनैश्चर कुलूत, तङ्गण, खस (नेपाल), काश्मीर इन देशों में स्थित मनुष्य, मन्त्री और चक्रचर (कुम्भार तेली आदि), घण्टा वजाने वाले और शिल्पियों को पीडित करता है तथा मित्रों में परस्पर भेदभाव उत्पन्न कराता है। **श्रावण** - श्रावण की पूर्णिमा को श्रवण का अभाव होने से महर्घता हो, लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो, वर्षा कम हो, धान्य नाश और प्रजा में भय हो, प्रजा में कष्ट हो, क्षेत्र के वंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मंदा हो, शवर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो, उड़द मूंग कम उत्पन्न हों। **भाद्रपद** - कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जावस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो, चौर भय तथा अतिवृष्टि हो, हस्त में शुक्र होने से मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो, कुआँ बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो। राजा, पुरोहित, राजाओं से पूजित, शूर, गण (सन्यासियों के मठ), प्रधान कुल और जनसद्धिय पीड़ित हो। **आश्विन** - आश्विनी शुक्ला तीज को मंगलवार होने से पृथ्वी पर प्रवल अग्निकाण्ड और अन्नादि की महँगाई हो। आसोज शु. दशमी मंगलवार हो तो पृथ्वी में व्याधि उत्पन्न हो। क्षत्रियों में पीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो। क्षेम और सुभिक्ष हो, अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो, उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों, जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो। शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो, चौर भय तथा अतिवृष्टि हो, अल्प वृष्टि तथा चौपायों में पीड़ा हो। **कार्तिक** - जल वहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो। शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो, लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो, प्रधान वैद्य पीड़ित हों अनावृष्टि हो। अनुराधा में वुध होने से सुभिक्ष हो, पक्षियों में पीड़ा हो, मनुष्य सुखी हों, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, रोग हो, धान्योत्पत्ति कम हो, पीछे वर्षा हो। **मार्गशीर्ष** - प्राणियों में भय हो और राजाओं से पीड़ा तथा टीडी आदि से पीड़ा हो, राजभय और सुभिक्ष हो, पशु पक्षी और वालकों में पीडा हो, इन्द्र की भांति समृद्धि हो, धान्य सस्ता हो और गुड शक्कर भी सस्ते हों, धान्योत्पत्ति कहीं कम कहीं ज्यादा हो, प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, श्रवण नक्षत्र में शुक्र होने से कर्णपीड़ा हो। **पौष** - शतभिषा पर मंगल होने से कीड़े और मूषक अधिक हों तो भी खेतियां बहुत हों, प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो। गेहूँ का भाव तेज हो। कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो। प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, पूर्वा भाद्रपद पर मंगल होने से तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हों। **माघ** - धान्य मन्दा हो और ग्रीष्म में व्याधि तथा वर्षा हो, क्षुधा, शस्त्र, चौर और रोगों की वृद्धि हो। वृहस्पति और शुक्र परस्पर सप्तम राशि में स्थित होने से रोग और अनेक प्रकार के भय से प्रजागण पीड़ित हो तथा अवृष्टि हो। अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे वालकों में पीड़ा हो, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो। उ.भा मे स्थित शुक्र फल-मूलों को पीड़ित करता है। सभी वस्तुओं के भाव मंदे हों, गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में वर्फ (ओले) गिरने का भय हो, मकर राशि में बुध का अस्त होने से व्यापारियों को कम लाभ हो, माघ में बुध का अस्त होने से सुभिक्ष हो। **फाल्गुन** - समर्घता हो, अन्न लक्ष्मी वहुत हो, गायें पीड़ित हों, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो। रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है। शतभिषा में बुध होने से शूद्रों में रोगोत्पत्ति हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों। तुष धान्य मँहगे हों, कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। उत्तरा भाद्रपद में वुध होने से राजनीति मे क्लेश तथा पक्षियों मे आरोग्यता हो, प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो। **चैत्र** - प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, उत्तरभाद्रपद में स्थित शुक्र फल-मूलों को पीड़ित करता है, अति वृष्टि से दुर्भिक्ष हो, रेवती में वुध होने से श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों। ब्राह्मणों को पीड़ा हो तथा उनका शीघ्र पतन हो। जौ गेहूँ में रोग हो। ईख, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों ॥ आगे गो प्रजा भाग्य प्रबल है ॥

॥ संवत् २०७३, शाकः १९३८ (सन २०१६-१७) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

गंगागोदान्तरं हित्वा शेषाङ्घ्रिषु न दोषकृत् ॥

गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य मुहूर्त्त

सन२०१६ — चैत्र शुक्लपक्षः — सिंहस्थ गुरु

१८ अप्रे. १२ चंद्रे उफा. रे. ६ SIISSIIISI रात्रौ लग्न ८, १०
(वृश्चिके सोग्रांगः मं श, मकरे शु ३ दोषः)

१९ अप्रे. १३ भौमे उफा. रे. ७ SIISSIIIII दिवा लग्न ३, ४, ५, रात्रौ लग्न अ.गोधूलि(७), ८
(सिंहे के ७ दोषः, वृश्चिके सोग्रांगः मं श)

१९ अप्रे. १३ भौमे हस्ते रे. ८ IIIIISSIII रात्रौ लग्न १० (मकरे शु ३ दोषः)

२० अप्रे. १४ बुधे हस्ते रे. ८ IIIIISSIII दिवालग्न ३, ४, ५, रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, ८, १०
(सिंहे के ७ दोषः, वृश्चिके सोग्रांगः मं श, मकरे शु ३ दोषः)

२२ अप्रे. १५ शुक्रे स्वातौ रे. ६ IIIISSSSII दिवा लग्न ३, ४, ५, ६, रात्रौ लग्न ८, १०
(सिंहे के ७ दोषः, कन्या. शु ७ पूज्यः, वृश्चिके सोग्रांगः मं श, मकरे शु ३ दोषः)

अग्रे शुक्रास्तत्वादभावः (२६ अप्रे.२०१६,स्टै.१३।३०), शुक्रोदयः (३ जुला २०१६,स्टै. ५।५७)

सन२०१६ — आषाढ़ शुक्लपक्षः

सिंहस्थ गुरु दोषः

७ जुला ३ गुरौ मघा. रे.१० IIIIIIIIII दिवा लग्न ८, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(९)
(वृश्चिके सोग्रांगः श) (भद्रा २४।३६ से)

९ जुला ५ शनौ उफा. रे. ८ IIIISSIIII रात्रौ लग्न ३ (मिथुने सोग्रांगः सू)

१० जुला ६ रवौ उफा. रे. ८ IIIISSIIII दिवा लग्न ४, ५, ७, ८, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(९)
(सिंहे के ७ दोषः, तुला. सोग्रांगः मं, वृश्चिके सोग्रांगः श)

१० जुला ६ रवौ हस्ते रे. ८ IIIIIISSII रात्रौ लग्न ३ (मिथुने सोग्रांगः सू)

११ जुला ७ चंद्रे हस्ते रे. ८ IIIIIISSII दिवा लग्न ४, ५, ७, ८
(सिंहे के ७ दोषः, तुला. सोग्रांगः मं, वृश्चिके सोग्रांगः श) (भद्रा १७। ८ से)

१३ जुला ९ बुधे स्वातौ रे. ९ IIIIISIIII दि.ल. ४, ५, ६, ८, रात्रौलग्न गोधूलि, १०, १, ३
(सिंहे के ७ दोषः, वृश्चिके सोग्रांगः मं श,मकरे बु शु ७ पूज्यः,मेषे चं ७ पूज्यः,मिथुने सोग्रांगः सू)

सिंहस्थ गुरु समाप्तिः (११ अग. २०१६, स्टै. २६।३७)

सन२०१६ — मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

१६ नवं. २ बुधे रोहि. रे. ९ IIIISIIIII दिवा लग्न ८ (वृश्चिके चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू श)

१६ नवं. २ बुधे मृगे रे. ९ IIIISIIIII दिवा लग्न १०, ११, १२
(मकरे सोग्रांगः मं, कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, मीने गु ७ पूज्यः) (भद्रा २२। २ से)

२४ नवं. ११ गुरौ उफा. रे. ७ SIIIISISII दिवा लग्न ८ (वृश्चिके सोग्रांगः सू श)

सन२०१६ — मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

४ दिसं ५ रवौ उषा. रे.१० IIIIIIIIII दिवा लग्न ८ (वृश्चिके शु ३ दोषः; सोग्रांगः सू श)

८ दिसं ९ गुरौ उभा. रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न ११, रात्रौ लग्न गोधूलि(२), ३
(कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, मिथुने बु ७ पूज्यः) (व्यतिपात २३।२३ से)

९ दिसं १० शुक्रे रेवत्यां रे. ६ ISIIISSSII रात्रौ लग्न ६, ८
(कन्या. चं ७ पूज्यः, वृश्चिके शु ३ दोषः; सोग्रांगः सू श) (व्यतिपात २०।२८ यावत्)

१२ दिसं १३ चंद्रे रोहि. रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न ६, ७, ८
(वृश्चिके शु ३ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू श)

अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः

सन२०१७ — माघ कृष्णपक्षः

१६ जन. ४ चंद्रे उफा. रे. ७ IIIISSISII रात्रौ लग्न ७, ८ (वृश्चिके सोग्रांगः श)

१७ जन. ५ भौमे उफा. रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न १०, ११, १२, ३, रात्रौ लग्न गोधूलि(४)
(मकरे सोग्रांगः सू,कुंभे रा ७ दोषः;सोग्रांगः मं के,मीने चं गु ७ पूज्यः,मिथुने बु ७ पूज्यः,गो.मं ८)

१७ जन. ५ भौमे हस्ते रे. ८ SIIIIISIII रात्रौ लग्न ७, ८ (वृश्चिके सोग्रांगः श)

२३ जन. ११ चंद्रे अनुरा. रे. ८ ISIIIIISII दिवा लग्न १०, ११, १२, १
(मकरे सोग्रांगः सू, कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, मीने गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं)

सन२०१७ — माघ शुक्लपक्षः

५ फर. ९ रवौ रोहि. रे. ८ IIIIIIISSI रात्रौलग्न ८ (वृश्चि.चं ७ पूज्यः) (महापात मोक्षः २१।३१)

६ फर. १० चंद्रे रोहि. रे. ८ IIIIIISISI दिवा लग्न ११, १२, १
(कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, मीने गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं)

सन२०१७ — फाल्गुन कृष्णपक्षः

१५ फर. ५ बुधे हस्ते रे. ६ IIISSSISII दिवा लग्न ११, १२
(कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के, मीने चं गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं)

१८ फर. ७ शनौ अनुरा. रे. ७ SIIIISISII रात्रौ लग्न ९ (धनुषि सोग्रांगः श)

१९ फर. ८ रवौ अनुरा. रे. ७ SIIIISISII दिवा लग्न ११, १२, १, २, ४, रात्रौलग्न अ.गोधूलि
(कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के, मीने गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं, वृषे रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः, कर्के बु ७ पूज्यः, अ.गोधुल्यां मं ८; सोग्रांगः रा)

सन२०१७ — फाल्गुन शुक्लपक्षः

२७ फर. १ चंद्रे उभा. रे. ७ SSIIISIIII रात्रौ लग्न ११ (कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के)

२८ फर. २ भौमे उभा. रे. ७ SSIIISIIII दिवा लग्न ११, १, २, ४, रात्रौ लग्न ८, ९
(कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के, वृषे रा ४ दोषः, धनुषि सोग्रांगः श)

सन२०१७ — चैत्र कृष्णपक्षः

१३ मार्च १ चंद्रे हस्ते रे. ६ ISISSSIIII रात्रौ लग्न ९, ११
(धनुषि सोग्रांगः श, कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के)

अग्रे मीनेऽर्कः

॥ संवत् २०७३ मध्ये कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

शुक्रास्तत्वादभावः

सन२०१६ — मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

२५ नवं. ११ शुक्रे चित्रा. रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न ११, १२, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(२), ५
(कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, मीने चं गु ७ पूज्यः, सिंहे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)

सन२०१६ — मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

४ दिसं ५ रवौ श्रवणे रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न ११, १२, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(२), ३
(कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, मीने गु ७ पूज्यः, मिथुने बु ७ पूज्यः) अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः

सन२०१७ — माघ शुक्लपक्षः

२९ जन. २ रवौ धनि. रे. ८ ISIIISIIII दिवा लग्न २ (वृषे रा ४ दोषः,व्यतिपात १२।५८ यावत्)

अग्रे मीनेऽर्कः *(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)*

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽ नुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसीलाल शर्मा, ५८, राम कुटीर, विलेपार्ले (पूर्व), मुम्बई ४०००५७. दू. ०२२-२६१६६७८३

॥ संवत् २०७३, शाकः १९३८, सन २०१६-१७ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

सिंहस्थगुरुदोष:- ता. ११ अग. २०१६ तक के सभी मुहूर्त्त- गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य हैं।

शुक्रास्त:(२६ अप्रे. २०१६, स्टै. १३।३०)
शुक्रोदय:(३ जुला २०१६, स्टै. ५।५७)

॥ उपनयन ॥

	आषाढ़ मास:
सन२०१६ ७ जुला	शु. ०३ गुरौ श्लेषा. लग्न ३
	माघ मास:
सन२०१७ १६ जन.	कृ. ०४ चंद्रे पूफा. अभिजिति
६ फर.	शु. १० चंद्रे रोहि. अभिजिति (वैधृति १४।४९ से)

॥ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

	चैत्र मास:
सन२०१६ २२ अप्रे.	शु. १५ शुक्रे स्वातौ लग्न ३, अभिजिति
	वैशाख मास:
सन२०१६ २३ अप्रे.	कृ. ०१ शनौ स्वातौ लग्न ३
	श्रावण मास:
सन२०१६ १८ अग.	शु. १५ गुरौ धनि. लग्न ५, अभिजिति
	कार्तिक मास:
सन२०१६ ११ नवं.	शु. ११ शुक्रे उभा. अभिजिति (भद्रा ९।१३ तक)
१२ नवं.	शु. १३ शनौ रेवत्यां अभिजिति
	माघ मास:
सन२०१७ ६ फर.	शु. १० चंद्रे रोहि. अभिजिति (वैधृति १४।४९ से)
	चैत्र मास:
सन२०१७ १३ मार्च	कृ. ०१ चंद्रे उफा. अभिजिति, ३

॥ वृषचक्र-रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

	श्रावण मास:
सन२०१६ २१ जुला	कृ. १० शुक्रे रोहि. अभिजिति (भद्रा १०।४६ तक)
	कार्तिक मास:
सन२०१६ २७ अक्टु	कृ. १२ गुरौ उफा. अभिजिति

	मार्गशीर्ष मास:
सन२०१६ २५ नवं.	कृ. ११ शुक्रे चित्रा. अभिजिति
२६ नवं.	कृ. १२ शनौ चित्रा. अभिजिति
	माघ मास:
सन२०१७ २३ जन.	कृ. ११ चंद्रे अनुरा. अभिजिति

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

	माघ मास:
सन२०१७ २३ जन.	कृ. ११ चंद्रे अनुरा. अभिजिति
२ फर.	शु. ०६ गुरौ रेवत्यां अभिजिति
६ फर.	शु. १० चंद्रे रोहि. अभिजिति (वैधृति १४।४९ से)

॥ कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताऽभावः ॥

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताऽभावः ॥

॥ कुंभचक्ररहिताः जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

	वैशाख मास:
सन२०१६ २३ अप्रे.	कृ. ०१ शनौ स्वातौ लग्न ३

॥ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः ॥

	चैत्र मास:
सन२०१६ २२ अप्रे.	शु. १५ शुक्रे स्वातौ लग्न ३
	आषाढ़ मास:
सन२०१६ १० जुला	शु. ०६ रवौ उफा. अभिजिति
११ जुला	शु. ०७ चंद्रे हस्ते अभिजिति
	माघ मास:
सन२०१७ २ फर.	शु. ०६ गुरौ रेवत्यां अभिजिति
३ फर.	शु. ०७ शुक्रे अश्वि. अभिजिति
६ फर.	शु. १० चंद्रे रोहि. अभिजिति (वैधृति १४।४९ से)

॥ अथ चौल (मुण्डन) मुहूर्त्ताः ॥

	आषाढ़ मास:
सन२०१६ ११ जुला	शु. ०७ चंद्रे हस्ते अभिजिति, ६, ७

	माघ मास:
सन२०१७ ३ फर.	शु. ०७ शुक्रे अश्वि. लग्न १२, अभिजिति
	फाल्गुन मास:
सन२०१७ १५ फर.	कृ. ०५ बुधे हस्ते लग्न १२

॥ द्विरागमन मुहूर्त्ताः ॥

	चैत्र मास:
सन२०१६ २२ अप्रे.	शु. १५ शुक्रे स्वातौ लग्न ३, अभिजिति, ६, ७ (मिथुने गु ३ शुभ; शु १० शुभ, तुला. गु ११ शुभ)
	मार्गशीर्ष मास:
सन२०१६ १६ नवं.	कृ. ०२ बुधे मृगे लग्न १२ (मीने शु १० शुभ)
१८ नवं.	कृ. ०५ शुक्रे पुनर्वसौ अभिजिति, १२ (मीने शु १० शुभ)
२३ नवं.	कृ. १० बुधे उफा. लग्न १२ (भद्रा १६।२८ से २९।२७ तक) (मीने शु १० शुभ)
	पोष मास:
सन२०१६ १४ दिसं	कृ. ०१ बुधे मृगे लग्न १२, २
	फाल्गुन मास:
सन२०१७ १५ फर.	कृ. ०५ बुधे हस्ते लग्न १२ (मीने शु १ शुभ)
२४ फर.	कृ. १३ शुक्रे श्रवणे लग्न १२, २, अभिजिति, ३ (मीने शु १ शुभ, मिथुने शु १० शुभ)
	चैत्र मास:
सन२०१७ १३ मार्च	कृ. ०१ चंद्रे उफा. लग्न १२, २, अभिजिति, ३ (मीने शु १ शुभ, मिथुने शु १० शुभ)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

परे लग्नशुद्ध्या कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्ध्या समीचीन-लग्नवलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः । - पीयूषधारा

॥ सन् २०१६-१७, संवत् २०७३ ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च
१	....	+१५।१०	+२२।०५	+२३।०५	+१७।५७	+ ८।११	- ३।१७	-१४।३०	-२१।५०	-२३।००	-१७।०६	- ७।३५
२	....	+१५।२७	+२२।१३	+२३।०१	+१७।४२	+ ७।४९	- ३।४०	-१४।४९	-२१।५९	-२२।५५	-१६।४८	- ७।१२
३	....	+१५।४५	+२२।२१	+२२।५६	+१७।२६	+ ७।२७	- ४।०३	-१५।०८	-२२।०८	-२२।४९	-१६।३१	- ६।४९
४	....	+१६।०३	+२२।२८	+२२।५१	+१७।१०	+ ७।०५	- ४।२७	-१५।२७	-२२।१६	-२२।४३	-१६।१३	- ६।२६
५	....	+१६।२०	+२२।३४	+२२।४६	+१६।५४	+ ६।४३	- ४।५०	-१५।४५	-२२।२४	-२२।३७	-१५।५५	- ६।०३
६	....	+१६।३७	+२२।४१	+२२।४०	+१६।३७	+ ६।२१	- ५।१३	-१६।०३	-२२।३१	-२२।३०	-१५।३७	- ५।३९
७	....	+१६।५३	+२२।४७	+२२।३३	+१६।२१	+ ५।५८	- ५।३६	-१६।२१	-२२।३८	-२२।२२	-१५।१८	- ५।१६
८	+ ७।१८	+१७।१०	+२२।५२	+२२।२७	+१६।०४	+ ५।३६	- ५।५९	-१६।३८	-२२।४४	-२२।१४	-१४।५९	- ४।५३
९	+ ७।४१	+१७।२६	+२२।५७	+२२।१९	+१५।४७	+ ५।१३	- ६।२१	-१६।५६	-२२।५०	-२२।०६	-१४।४०	- ४।२९
१०	+ ८।०३	+१७।४१	+२३।०२	+२२।१२	+१५।२९	+ ४।५०	- ६।४४	-१७।१३	-२२।५६	-२१।५७	-१४।२१	- ४।०६
११	+ ८।२५	+१७।५७	+२३।०६	+२२।०४	+१५।११	+ ४।२८	- ७।०७	-१७।२९	-२३।०१	-२१।४८	-१४।०१	- ३।४२
१२	+ ८।४७	+१८।१२	+२३।१०	+२१।५६	+१४।५३	+ ४।०५	- ७।२९	-१७।४६	-२३।०६	-२१।३८	-१३।४१	- ३।१९
१३	+ ९।०९	+१८।२७	+२३।१३	+२१।४७	+१४।३५	+ ३।४२	- ७।५२	-१८।०२	-२३।१०	-२१।२८	-१३।२१	- २।५५
१४	+ ९।३०	+१८।४२	+२३।१६	+२१।३८	+१४।१७	+ ३।१९	- ८।१४	-१८।१७	-२३।१३	-२१।१८	-१३।०१	- २।३१
१५	+ ९।५२	+१८।५६	+२३।१९	+२१।२९	+१३।५८	+ २।५६	- ८।३६	-१८।३३	-२३।१७	-२१।०७	-१२।४०	- २।०८
१६	+१०।१३	+१९।१०	+२३।२१	+२१।१९	+१३।३९	+ २।३३	- ८।५९	-१८।४८	-२३।१९	-२०।५६	-१२।१९	- १।४४
१७	+१०।३४	+१९।२३	+२३।२३	+२१।०९	+१३।२०	+ २।०९	- ९।२०	-१९।०२	-२३।२२	-२०।४४	-११।५९	- १।२०
१८	+१०।५५	+१९।३७	+२३।२५	+२०।५९	+१३।०१	+ १।४६	- ९।४२	-१९।१७	-२३।२४	-२०।३२	-११।३७	- ०।५७
१९	+११।१६	+१९।४९	+२३।२६	+२०।४८	+१२।४१	+ १।२३	-१०।०४	-१९।३१	-२३।२५	-२०।२०	-११।१६	- ०।३३
२०	+११।३७	+२०।०२	+२३।२६	+२०।३७	+१२।२२	+ १।००	-१०।२६	-१९।४५	-२३।२६	-२०।०७	-१०।५५	- ०।०९
२१	+११।५७	+२०।१४	+२३।२६	+२०।२५	+१२।०२	+ ०।३६	-१०।४७	-१९।५८	-२३।२६	-१९।५४	-१०।३३	+ ०।१५
२२	+१२।१७	+२०।२६	+२३।२६	+२०।१३	+११।४१	+ ०।१३	-११।०८	-२०।११	-२३।२६	-१९।४०	-१०।११	+ ०।३८
२३	+१२।३७	+२०।३८	+२३।२५	+२०।०१	+११।२१	- ०।१०	-११।२९	-२०।२३	-२३।२६	-१९।२६	- ९।४९	+ १।०२
२४	+१२।५७	+२०।४९	+२३।२४	+१९।४९	+११।०१	- ०।३४	-११।५०	-२०।३६	-२३।२५	-१९।१२	- ९।२७	+ १।२६
२५	+१३।१७	+२१।००	+२३।२३	+१९।३६	+१०।४०	- ०।५७	-१२।११	-२०।४८	-२३।२३	-१८।५७	- ९।०५	+ १।४९
२६	+१३।३६	+२१।१०	+२३।२१	+१९।२२	+१०।१९	- १।२०	-१२।३१	-२०।५९	-२३।२१	-१८।४२	- ८।४३	+ २।१३
२७	+१३।५५	+२१।२०	+२३।१९	+१९।०९	+ ९।५८	- १।४४	-१२।५२	-२१।१०	-२३।१९	-१८।२७	- ८।२०	+ २।३६
२८	+१४।१४	+२१।३०	+२३।१६	+१८।५५	+ ९।३७	- २।०७	-१३।१२	-२१।२१	-२३।१६	-१८।११	- ७।५७	+ ३।००
२९	+१४।३३	+२१।४०	+२३।१३	+१८।४१	+ ९।१६	- २।३०	-१३।३२	-२१।३१	-२३।१३	-१७।५५	....	....
३०	+१४।५१	+२१।४९	+२३।०९	+१८।२७	+ ८।५४	- २।५४	-१३।५२	-२१।४१	-२३।०९	-१७।३९	....	....
३१	....	+२१।५७	....	+१८।१२	+ ८।३३	....	-१४।११	....	-२३।०५	-१७।२३	....	....

उत्तर (धन) — दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में)
संवत् २०७३, (सन २०१६-१७)

महापात स्पर्शः			महापात मोक्षः	
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
व्यती.	१६ अप्रे.	१९।१४	१६ अप्रे.	२६।३३
वैधृति	२९ अप्रे.	२५।०५	३० अप्रे.	९।५३
व्यती.	१० मई	१५।१९	११ मई	११।०९
वैधृति	११ अग.	१६।३१	११ अग.	२६।४०
व्यती.	२३ अग.	१९।५२	२३ अग.	२६।०९
वैधृति	५ सितं.	६।५३	५ सितं.	१३।२४
व्यती.	१७ सितं.	२४।१५	१७ सितं.	२९।१६
वैधृति	२९ सितं.	२५।३३	३० सितं.	७।३६
व्यती.	१३ अक्टू.	६।४८	१३ अक्टू.	१२।३०
वैधृति	२४ अक्टू.	१७।३१	२४ अक्टू.	२४।५५
व्यती.	६ नवं.	२१।५१	७ नवं.	८।३४
वैधृति	५ फर.	१२।४१	५ फर.	२१।३१
व्यती.	१७ फर.	१६।०१	१७ फर.	२३।३३
वैधृति	२ मार्च	९।१९	२ मार्च	१४।४७
व्यती.	१४ मार्च	१०।५१	१४ मार्च	१६।३७
वैधृति	२७ मार्च	१३।४९	२७ मार्च	१९।००

बृहज्जातक- (वराह मिहिराचार्य कृत) पं. महीधर शर्मा कृत सरल हिन्दी टीका सहित। इस ग्रन्थ में यथास्थान विविध फल, प्रश्न, शकुन, योगाभ्यास, कलाकौशल्य व कामकेलि आदि अनेक विषय मूलाक्षरों से दिखाकर एक एक श्लोक के अर्थ सप्रमाण लिखे हैं।

ज्योतिषकल्पद्रुम-(हिन्दी में) श्री महाराज शंभुसिंहजी सुठालियाधीश कृत। इसमें पृच्छक का विचार, चोरी, रोग उत्पत्ति, भोजन, मृत्यु, स्वप्न, विवाह, शकुन और नद्यागम यात्रा तथा वृष्टि इत्यादि मनुष्योपयोगी प्रकरण तथा प्रकाशक नवग्रहों के अतिरिक्त अप्रकाशक ग्रहों का भी विचार है।

ज्योतिषश्यामसंग्रह- चक्रोदाहरण युक्त हिन्दी टीका सहित। जातक फलादेश संबंधी अपूर्व अनुभवों से युक्त।

जैमिनीसूत्र- हिन्दी टीका सहित। चार अध्यायों में मारकादि, स्वस्थानादि, निर्णयादि संपूर्ण फल और शंका-समाधान सहित।

संवत् २०७३ शाकः १९३८ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
चै.शु. ०७ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	वै.शु. ०८ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	चै.कृ. १२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	चै.कृ. ०१ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. ०२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.कृ. ०४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.१३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.शु. १४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.कृ. ०१ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	चै.कृ. ०२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	बै.कृ. ०२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.कृ. १० से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.
बै.कृ. ११ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.कृ.१३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.शु.१० से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.कृ. ३० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.शु.०२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.कृ.०३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. ०४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.०४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	वै.शु.. १४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.शु. १५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.०१ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.०२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.
आ.कृ.०३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.कृ.०५ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.कृ.३० से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.शु.१२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु.१३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.०३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.०५ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.०५ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.शु.१३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.शु.१४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.०१ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.
श्रा.कृ.०२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ.०३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ.०७ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.शु.०३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.शु.०४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.शु.१५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु.०४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.शु.०४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.कृ.०६ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.०५ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ.०६ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	श्रा.शु.१४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.
भा.शु.१५ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.०२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.०५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	आ.कृ.१० से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.कृ.११ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु.०५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.शु.१५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.कृ.०१ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.०४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.०५ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	का.कृ.०६ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.०६ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.
का.कृ.०७ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ.०९ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ.०३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.०८ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.कृ.१० से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.कृ.१२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.०५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.शु.०६ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.कृ.०२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.शु.०४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.शु.०४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.कृ.०७ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.
पौ.कृ.०७ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ.०८ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	पौ.कृ.१० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	पौ.कृ.०६ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ.०७ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	पौ.कृ.११ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	पौ.कृ.१३.से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.कृ.१३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	पौ.शु.०६ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.कृ.०१ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	फा.कृ.०२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	पौ.शु.०४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.
मा.शु.०५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.०६ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.कृ.०९ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ.१२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.कृ.१३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.कृ.०८ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ.११ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.कृ.११ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.कृ.१३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु.०६ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	फा.शु.०६ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	चै.कृ. ०२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.

ग्रहलाघव- सान्वय हिन्दी टीका सहित और उदाहरण सहित। स्व.ज्योतिर्भूषण पं. बच्चूजी द्वारा परिशोधित।

गर्गमनोरमा- हिन्द टीका सहित

गौरीजातक- हिन्दी टीका सहित। ज्योतिषविद्या की अद्भुत पुस्तक। इससे जन्मपत्र का फल प्रत्यक्षसिद्ध कहा जा सकता है।

चमत्कारचिन्तामणि- हिन्दी टीका सहित। भावफलादेश का ग्रन्थ। ज्योतिष सीखने वाले विद्यार्थियों के लिये अत्यंत उपयोगी ग्रन्थ।

चमत्कारज्योतिष- यो पंडित नारायणप्रसादजी मिश्र रचित। हिन्दी टीका सहित।

जन्मपत्रीप्रदीप- हिन्दी टीका सहित

प्रश्नज्ञानप्रदीप- हिन्दी टीका सहित। (श्रीमान् सुठालियाधीश महाराजा शंभुसिहजी देव विरचित केरलीय प्रश्नशास्त्र) इससे भूत, भविष्य, वर्तमानादि अनेक प्रश्नफल शीघ्र कह सकते हैं।

संवत् २०७३, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०१६

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	शुक्रवार १६ सितंबर (भाद्रपद शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम) ”	शनिवार १७ सितंबर
द्वितीया (दूज) ”	रविवार १८ सितंबर
तृतीया (तीज) ”	सोमवार १९ सितंबर
चतुर्थी (चोथ) ”	मंगलवार २० सितंबर मध्यान्ह ११।५९ बजे के पहले
पंचमी (पांच) ”	मंगलवार २० सितंबर मध्यान्ह ११।५९ बजे के बाद
षष्ठी (छठ) ”	बुधवार २१ सितंबर प्रातः ९।०२ बजे के बाद

सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	गुरुवार २२ सितंबर प्रातः ६।२६ बजे के बाद
अष्ठमी (आठं) ”	शुक्रवार २३ सितंबर
नवमी (नौमी) ”	शनिवार २४ सितंबर
दशमी (दस) ”	रविवार २५ सितंबर
एकादशी ”	सोमबार २६ सितंबर
द्वादशी (वारस) ”	मंगलवार २७ सितंबर
त्रयोदशी (तेरस) ”	बुधवार २८ सितंबर
चतुर्दशी (चौदस) ”	गुरुवार २९ सितंबर
अमावस्या (मावस) ”	शुक्रवार ३० सितंबर

८ अप्रेल से २२ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिंधारा	१	शु	१७	०७	१३	०७	अश्वि	४२	४४	२३	२२	वै	१०	५१	१०	३७	व	१७	०७	१३	०७	३१/१८	६/१६	६/४२	१९	२९	८	मेषे	११।२४।२८।०६	५८।५४
गणगोर	२	श	७	५४	९	२५	भर	३५	४६	२०	३४	वि	०	२२	६	२४	कौ	७	५४	९	२५	२२	१५	४८	२०	१	९	वृषे २५।५५	११।२५।२७।००	५८।५२
क्षयः	३	श	५९	१६	२९	५८	०	०	०	०	०	प्री	५०	१९	२६	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
धूम्र	४	र	५१	४३	२६	५६	कृति	२९	४०	१८	०६	आ	४१	०७	२२	४१	व	२५	२२	१६	२३	२६	१४	४९	२१	२	१०	वृषे	११।२६।२५।५२	५८।५०
प्रवर्धमा	५	सो	४५	३५	२४	२७	रोहि	२४	५०	१६	०९	सौ	३३	०२	१९	२६	द	१८	२८	१३	३६	३०	१३	४९	२२	३	११	मिथु. २७।२५	११।२७।२४।४२	५८।४७
राक्षस	६	मं	४१	११	२२	४०	मृग	२१	३८	१४	५१	शो	२६	१८	१६	४३	कौ	१३	१०	११	२८	३४	१२	५०	२३	४	१२	मिथु.	११।२८।२३।२९	५८।४५
मुसल	७	बु	३८	४३	२१	४०	आर्द्रा	२०	१८	१४	१८	अ	२१	०८	१४	३८	ग	९	४३	१०	०४	३८	११	५०	२४	५	१३	मिथु.	११।२९।२२।१४	५८।४३
सिद्धि	८	गु	३८	१८	२१	२९	पुन	२०	५६	१४	३३	सु	१७	३३	१३	११	वि	८	१७	९	२९	४२	१०	५१	२५	६	१४	कर्के ८।२५	०।००।२०।५७	५८।४१
रामनव	९	शु	३९	५०	२२	०५	पुष्य	२३	३२	१५	३४	धृ	१५	३३	१२	२२	वा	८	५१	९	४१	४६	०९	५१	२६	७	१५	कर्के	०।०१।१९।३८	५८।३८
मानस	१०	श	४३	०४	२३	२२	श्ले	२७	५२	१७	१७	शू	१४	५८	१२	०७	तै	११	१६	१०	३९	५०	०८	५२	२७	८	१६	सिंहे १७।१७	०।०२।१८।१६	५८।३६
ए.व्र.	११	र	४७	४१	२५	१२	मघा	३३	३७	१९	३४	गं	१५	३५	१२	२१	व	१५	१६	१२	१३	५४	०७	५३	२८	९	१७	सिंहे	०।०३।१६।५२	५८।३४
ध्वजा	१२	सो	५३	१७	२७	२५	पूफा	४०	२३	२२	१५	वृ	१७	०५	१२	५६	व	२०	२५	१४	१६	५८	०६	५३	२९	१०	१८	कन्या २८।५८	०।०४।१५।२६	५८।३२
प्र.व्र.	१३	मं	५९	२४	२९	५१	उफा	४७	४४	२५	११	ध्रु	१९	१०	१३	४५	कौ	२६	१८	१६	३६	३२/०१	०५	५४	३०	११	१९	कन्या	०।०५।१३।५८	५८।२९
आनन्द	१४	बु	...	...	...	...	हस्त	५५	२१	२८	१३	व्या	२१	३४	१४	४२	ग	३२	३५	१९	०६	०५	०४	५४	३१	१२	२०	कन्या	०।०६।१२।२७	५८।२७
चर	१४	गु	५	४६	८	२२	चित्रा	...	...	...	...	ह	२४	०४	१५	४१	व	५	४६	८	२२	०९	०३	५५	१	१३	२१	तुला. १७।४४	०।०७।१०।५४	५८।२५
पूर्णिमा	१५	शु	१२	०५	१०	५२	चित्रा	३	०१	७	१५	व	२६	२९	१६	३८	ब	१२	०५	१०	५२	१३	०२	५५	२	१४	२२	तुला.	०।०८।०९।११	५८।२३

केतकी अहर्गणः १८२९ वसंतर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), नवरात्रारम्भः, घटस्था.,श्रृंगार (सिंधारा) B
मन्वादि,मत्स्योत्पत्तिः,गणगौरी पूजा,मनोरथतृतीया व्र.,सौभाग्य A
[A रज्ञव ७, शयन व्र.,शिवशक्ति पू.,अरुन्धतीव्रतं पूजनञ्च, C
भ. १६।२३ उ. २६।५६ या. [B देशाचारे,ध्वजारो., आरोग्य १, F
कल्पादि,डोलोत्सवः [C भर.बुधः ३०।११
स्कन्द षष्ठीव्र. [F विद्या १,कल्पादि, [J योगं २१।४० से सू.उ.
भ.२१।४० उ., मेषे अश्वि.रविः १९।११ (सौरः२१।३७),प्राशस्त्य J
भ. ९।२९ या.,भवान्युत्पत्तिः,अशोककलिका प्राशनं, रेव.शुक्रः १५।३५
श्री रामनवमी,(व)पूफा.-२ गुरुः ७।२५ [E जैनमहावीर जयंती,सायन H
मघा. रे. ६ ।ऽ।।।ऽ।ऽऽ। रात्रौ लग्न गोधूलि [H वृषे भानुः २०।४६
भ. १२।१३ उ. २५।१२ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त I
उफा. रे. ६ ऽ।।ऽऽ।।।ऽ। रात्रौ लग्न ८, हरि दमनोत्सवः
उफा. रे. ७ ऽ।।ऽऽ।।।।। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि, ८, प्रदोषः, E
हस्ते रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि, ८, शिव पूजन G
भ. ८।२२ उ. २१।३८ या., पूर्णिमा व्रतं, भा. वैशाखारंभः
स्वातौ रे. ६ ।।।।ऽऽऽऽ।। रात्रौ लग्न ८,मन्वादि, श्रीहनुमज्जयंती, D

[I दोलोत्सवः, वक्री भौमः २९।०१ [G विशेषः, कृत्ति. बुधः २६।०७ [D पूर्णिमा पुण्यं, वैशाख स्नानारंभः, चित्रान्नदानंभक्षणञ्च

अयनांशाः २४।०४।००

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०४।०१

पं. १ चै.शु. ८ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	७	०	४	११	७	४	१०
००	१४	१९	२०	१६	२२	२६	२६
२६	४३	२५	०४	१०	०७	००	००
५४	४२	०५	३९	५६	२०	००	००
५८	२	७९	४	७४	१	३	३
४३	०८	०६	२५	०१	५६	११	११
अ	अनु	भ	पूफा	उभा	ज्ये	पूफा	पूभा
१	४	२	३व	४	२व	४	२

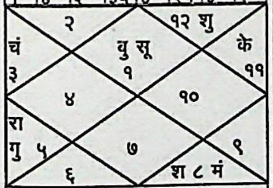

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
११।२४।३५।१८	१ शु	८	६।३२	८।०९	१०।०५	१२।२०	२।४०	४।५६	७।१२	९।३१	११।५०	१।५५	३।३८	५।०६
११।२५।३४।१२	२ श	९	६।२८	८।०५	१०।०१	१२।१६	२।३६	४।५२	७।०८	९।२७	११।४६	१।५१	३।३४	५।०२
११।२६।३३।०४	४ र	१०	६।२५	८।०१	९।५७	१२।१२	२।३२	४।४९	७।०४	९।२३	११।४२	१।४७	३।३०	४।५९
११।२७।३१।५३	५ चं	११	६।२१	७।५७	९।५३	१२।०८	२।२८	४।४५	७।००	९।२०	११।३८	१।४३	३।२६	४।५५
११।२८।३०।४१	६ मं	१२	६।१७	७।५३	९।४९	१२।०४	२।२४	४।४१	६।५६	९।१६	११।३४	१।३९	३।२२	४।५१
११।२९।२९।२५	७ बु	१३	६।१३	७।४९	९।४५	१२।००	२।२०	४।३७	६।५३	९।१२	११।३०	१।३५	३।१८	४।४७
००।००।२८।०८	८ गु	१४	६।०९	७।४५	९।४१	११।५६	२।१६	४।३३	६।४९	९।०८	११।२६	१।३१	३।१४	४।४३
००।०१।२६।४८	९ शु	१५	६।०५	७।४१	९।३७	११।५२	२।१२	४।२९	६।४५	९।०४	११।२२	१।२७	३।१०	४।३९
००।०२।२५।२६	१० श	१६	६।०१	७।३७	९।३३	११।४८	२।०८	४।२५	६।४१	९।००	११।१८	१।२३	३।०६	४।३५
००।०३।२४।०२	११ र	१७	५।५७	७।३३	९।२९	११।४४	२।०४	४।२१	६।३७	८।५६	११।१४	१।१९	३।०२	४।३१
००।०४।२२।३६	१२ चं	१८	५।५३	७।२९	९।२५	११।४०	२।००	४।१७	६।३३	८।५२	११।११	१।१५	२।५८	४।२७
००।०५।२१।०७	१३ मं	१९	५।४९	७।२५	९।२१	११।३६	१।५६	४।१३	६।२९	८।४८	११।०७	१।११	२।५५	४।२३
००।०६।१९।३६	१४ बु	२०	५।४५	७।२१	९।१७	११।३२	१।५२	४।०९	६।२५	८।४४	११।०३	१।०७	२।५१	४।१९
००।०७।१८।०३	१४ गु	२१	५।४१	७।१७	९।१४	११।२८	१।४८	४।०५	६।२१	८।४०	१०।५९	१।०३	२।४७	४।१५
००।०८।१६।२८	१५ शु	२२	५।३७	७।१३	९।१०	११।२४	१।४४	४।०१	६।१७	८।३६	१०।५५	१२।५९	२।४३	४।११

संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रेल २०१६
चैत्र शु. ७ बुधे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १९।११ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं कुशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १३।११ से २५।११ तक। (दान- मेष)।

पं. २ चै.शु.१४ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	७	०	४	११	७	४	१०
०७	१४	२६	१९	२४	२१	२५	२५
१७	४३	४७	३७	४८	५१	३७	३७
१४	२१	४१	१०	५७	५९	४५	४५
५८	३	४१	३	७३	२	३	३
२९	०१	१९	१४	५९	३२	११	११
अ	अनु	कृ	पूफा	रे	ज्ये	पूफा	पूभा
३	४व	१	२व	३	२व	४	२

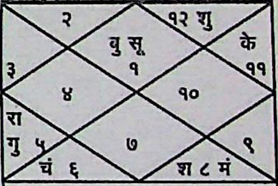

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२३ अप्रेल से ६ मई तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. चंद्रः | प्रातः सौर र. स्प. | दैनिक गति

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	श	१८	१०	१३	१७	स्वा	१०	२७	१०	१२	सि	२८	४४	१७	३१	कौ	१८	१०	१३	१७	३२ १७	६ ०१	६ ५६	३	१५	२३	तुला.	०।०९।०७।४२	५८।२१
उत्पात	२	र	२३	५१	१५	३३	विशा	१७	३१	१३	०१	व्य	३०	३९	१८	१६	ग	२३	५१	१५	३३	२०	००	५६	४	१६	२४	वृश्चि. ६।१९	०।१०।०६।०३	५८।१९
च.व्र.	३	सो	२८	५४	१७	३३	अनु	२४	०१	१५	३६	व	३२	०५	१८	४९	वि	२८	५४	१७	३३	२४	५ ५९	५७	५	१७	२५	वृश्चि.	०।११।०४।२२	५८।१६
मुद्गर	४	मं	३३	०७	१९	१३	ज्ये	२९	४४	१७	५२	प	३२	५२	१९	०७	ब	१	०९	६	२६	२८	५९	५८	६	१८	२६	धनु. १७।५२	०।१२।०२।३८	५८।१४
ध्वजा	५	बु	३६	१४	२०	२७	मूल	३४	२३	१९	४३	शि	३२	४९	१९	०५	कौ	४	५०	७	५४	३१	५८	५८	७	१९	२७	धनु.	०।१३।००।५२	५८।१२
धाता	६	गु	३८	००	२१	०९	पूषा	३७	४६	२१	०३	सि	३१	४५	१८	३९	ग	७	१९	८	५२	३५	५७	५९	८	२०	२८	मक. २७।१८	०।१३।५९।०५	५८।१०
आनन्द	७	शु	३८	१६	२१	१४	उषा	३९	४०	२१	४८	सा	२९	३०	१७	४४	वि	८	२१	९	१६	३८	५६	५९	९	२१	२९	मक.	०।१४।५७।१५	५८।०८
सुस्थिर	८	श	३६	५३	२०	४०	श्रव	३९	५८	२१	५४	शु	२५	५९	१६	१९	बा	७	४७	९	०२	४२	५५	७ ००	१०	२२	३०	मक.	०।१५।५५।२३	५८।०६
मातङ्ग	९	र	३३	४७	१९	२५	धनि	३८	३६	२१	२१	शु	२१	०७	१४	२१	तै	५	३४	८	०८	४५	५४	००	११	२३	१	कुंभे ९।४२	०।१६।५३।२९	५८।०४
अमृत	१०	सो	२९	०४	१७	३१	शत	३५	३७	२०	०८	ब्र	१४	५४	११	५१	व	१	३९	६	३३	४९	५४	०१	१२	२४	२	कुंभे	०।१७।५१।३३	५८।०२
ए.व्र.	११	मं	२२	५०	१५	०१	पूभा	३१	०७	१८	२०	ऐ	७ ५८	२५ ४६	६ २६	५९ २३	बा	२२	५०	१५	०१	५२	५३	०२	१३	२५	३	मीने १२।५०	०।१८।४९।३५	५८।००
प्र.व्र.	१२	बु	१५	१७	११	५९	उभा	२५	२२	१६	०१	वि	४९	१५	२५	३४	तै	१५	१७	११	५९	५५	५२	०२	१४	२६	४	मीने	०।१९।४७।३५	५७।५८
मित्र	१३	गु	६	४४	८	३३	रेव	१८	४०	१३	१९	प्री	३९	०३	२१	२८	व	६	४४	८	३३	५९	५१	०३	१५	२७	५	मेषे १३।१९	०।२०।४५।३३	५७।५६
क्षयः	१४	गु	५७	३०	२८	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमाव.	३०	शु	४८	०३	२५	०४	अश्वि	११	२४	१०	२४	आ	२८	३२	१७	१५	च	२२	४८	१४	५८	३३ ०३	५०	०३	१६	२८	६	मेषे	०।२१।४३।२९	५७।५४

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल-मई २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A मेषे अश्वि. शुक्रः १०।५५

भ. २८।३५ उ.

भ. १७।३३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४४, A

अनुसूया जयंती, शुक्रास्तः पूर्वस्याम् १३।३०

भर. रविः ११।०१ (सौरः १३।५१), अगस्त्यास्तः १२।५२

भ. २१।०९ उ.

भ. ९।१६ या., बूढो बास्योड़ो, वक्री बुधः १०।४७

पंचक प्रारम्भः ९।४२, मई ५ ता. ३१

भ. ६।३३ उ. १७।३१ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् ११।३३

वरुथिनि ११ व्र.

प्रदोषः

भ. ८।३३ उ. १८।४४ या., पंचक समाप्तिः १३।१९, B

[B मासिकशिवरात्री व्र.

देवपितृकार्येऽमा., भर. शुक्रः ६।३२

शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अप्रे.	मेष प्रातः	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायं	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
००।०९।१४।५१	१ श	२३	५।३३	७।०९	९।०६	११।२०	१।४०	३।५७	६।१३	८।३२	१०।५१	१२।५५	२।३९	४।०७
००।१०।१३।११	२ र	२४	५।२९	७।०६	९।०२	११।१६	१।३७	३।५३	६।०९	८।२८	१०।४७	१२।५२	२।३५	४।०३
००।११।११।२९	३ चं	२५	५।२५	७।०२	८।५८	११।१३	१।३३	३।४९	६।०५	८।२४	१०।४३	१२।४८	२।३१	३।५९
००।१२।०९।४६	४ मं	२६	५।२१	६।५८	८।५४	११।०९	१।२९	३।४६	६।०१	८।२०	१०।३९	१२।४४	२।२७	३।५५
००।१३।०८।००	५ बु	२७	५।१८	६।५४	८।५०	११।०५	१।२५	३।४२	५।५७	८।१७	१०।३५	१२।४०	२।२३	३।५२
००।१४।०६।१२	६ गु	२८	५।१४	६।५०	८।४६	११।०१	१।२१	३।३८	५।५३	८।१३	१०।३१	१२।३६	२।१९	३।४८
००।१५।०४।२२	७ शु	२९	५।१०	६।४६	८।४२	१०।५७	१।१७	३।३४	५।५०	८।०९	१०।२७	१२।३२	२।१५	३।४४
००।१६।०२।२९	८ श	३०	५।०६	६।४२	८।३८	१०।५३	१।१३	३।३०	५।४६	८।०५	१०।२३	१२।२८	२।११	३।४०
००।१७।००।३५	९ र	१	५।०२	६।३८	८।३४	१०।४९	१।०९	३।२६	५।४२	८।०१	१०।१९	१२।२४	२।०७	३।३६
००।१७।५८।३९	१० चं	२	४।५८	६।३४	८।३०	१०।४५	१।०५	३।२२	५।३८	७।५७	१०।१५	१२।२०	२।०३	३।३२
००।१८।५६।४१	११ मं	३	४।५४	६।३०	८।२६	१०।४१	१।०१	३।१८	५।३४	७।५३	१०।११	१२।१६	१।५९	३।२८
००।१९।५४।४०	१२ बु	४	४।५०	६।२६	८।२२	१०।३७	१२।५७	३।१४	५।३०	७।४९	१०।०८	१२।१२	१।५५	३।२४
००।२०।५२।३८	१३ गु	५	४।४६	६।२२	८।१८	१०।३३	१२।५३	३।१०	५।२६	७।४५	१०।०४	१२।०८	१।५१	३।२०
००।२१।५०।३४	३० शु	६	४।४२	६।१८	८।१४	१०।२९	१२।४९	३।०६	५।२२	७।४१	१०।००	१२।०४	१।४८	३।१६

अयनांशाः २४।०४।०२

पं. ३ वै.कृ. ६ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	७	०	४	०	७	४	१०
१४	१४	२९	१९	०३	२१	२५	२५
०६	०६	३६	१८	२६	३२	१५	१५
०१	१०	०३	१०	३९	३८	३०	३०
५८	८	१	२	७३	३	३	३
१७	२२	०६	०१	५६	०४	१०	१०
भ	अनु	कृ	पूफा	अ	ज्ये	पूफा	पूभा
१	४व	१	२व	२	२व	४	२

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें। अमावस्या अश्विनी योग सुभिक्ष और सुखद है। वैशाखी अमावस को अश्विनी होने से महर्ध-समर्ध मध्यम हो। वैशाख शुक्ला ३ को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष होता हो। वैशाख शुक्ला पंचमी को बुधवार होने से पवन अधिक चले। वैशाख शुक्लाष्टमी को शनिवार होने से जल शोष, प्रजापीड़ित और राजनीति हलचल हो। शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २४।०४।०३

पं. ४ वै.कृ.१३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	७	०	४	०	७	४	१०
२०	१२	२७	१९	१२	२१	२४	२४
५३	५२	५८	०८	०३	०९	५३	५३
२१	०३	३१	०१	५९	४३	१६	१६
५८	१३	३०	०	७३	३	३	३
०५	२७	२४	४४	५३	३२	१०	१०
भ	अनु	कृ	पूफा	अ	ज्ये	पूफा	पूभा
३	३व	१व	२व	४	२व	४	२

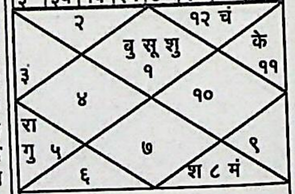

७ मई से २१ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः १८५८ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई २०१६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
ध्वाङ्क्ष	१	श	३८	४८	२१	२१	भर	४/५६	००/५६	७/२८	१६/३६	सौ	१८	०२	१३	०३	किं	१३	२३	११	११	३३/०५	५/५०	७/०४	१७	२९	७	वृषे १२।४२	०।२२।४१।२४	५७।५२	टैगोर जयन्ती, (व) भर. बुधः १६।१५
धाता	२	र	३०	१३	१७	५४	रोहि	५०	४४	२६	०७	शो	७/५८	५७/३८	१/२१	००/१६	बा	४	२५	७	३५	०८	४९	०४	१८	३०	८	वृषे	०।२३।३९।१६	५७।५०	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती
अक्षया	३	सो	२२	४५	१४	५५	मृग	४५	५०	२४	०९	सु	५०	२६	२५	५९	ग	२२	४५	१४	५५	१२	४८	०५	१९	१	९	मिथु. १३।०३	०।२४।३७।०६	५७।४९	भ. २५।३८ उ., युगादि, कल्पादि, अक्षय तृतीया, सावान ८, B
चर	४	मं	१६	५०	१२	३२	आर्द्रा	४२	३८	२२	५१	धृ	४३	४०	२३	१६	वि	१६	५०	१२	३२	१५	४८	०६	२०	२	१०	मिथु.	०।२५।३४।५५	५७।४७	भ. १२।३२ या., कृत्ति. रविः २९।१२
गद	५	बु	१२	४७	१०	५४	पुन	४१	२५	२२	२१	शू	३८	३३	२१	१२	बा	१२	४७	१०	५४	१८	४७	०६	२१	३	११	कर्के १६।२४	०।२६।३२।४२	५७।४५	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती, कृत्ति. सौरः ८।४९
शुभ	६	गु	१०	५१	१०	०७	पुष्य	४२	२१	२२	४३	गं	३५	०८	१९	५०	तै	१०	५१	१०	०७	२१	४६	०७	२२	४	१२	कर्के	०।२७।३०।२७	५७।४३	गंगोत्पत्ति, श्री रामानुज जयंती
मृत्यु	७	शु	११	०६	१०	१२	श्ले	४५	२३	२३	५५	वृ	३३	२७	१९	०९	व	११	०६	१०	१२	२४	४६	०७	२३	५	१३	सिंहे २३।५५	०।२८।२८।१०	५७।४१	भ. १०।१२ उ. २२।३४ या.
पद्म	८	श	१३	२४	११	०७	मघा	५०	१७	२५	५२	ध्रु	३३	१९	१९	०५	व	१३	२४	११	०७	२७	४५	०८	२४	६	१४	सिंहे	०।२९।२५।५१	५७।४०	वृषे रविः १६।०५ (सौरः १९।५८)
छत्र	९	र	१७	३१	१२	४५	पूफा	५६	३९	२८	२४	व्या	३४	२७	१९	३१	कौ	१७	३१	१२	४५	२९	४५	०८	२५	७	१५	सिंहे	१।००।२३।३१	५७।३८	सीता ९ [B मार्गी गुरुः २७।१०
श्रीवत्स	१०	सो	२२	५४	१४	५४	उफा	...	...	...	...	ह	३६	२९	२०	२०	ग	२२	५४	१४	५४	३२	४४	०९	२६	८	१६	कन्या ११।०७	१।०१।२१।०९	५७।३६	भ. २८।०७ उ., कृत्ति. शुक्रः २६।२७
ए.व्र.	११	मं	२९	०६	१७	२२	उफा	४	०१	७	२०	व	३९	०२	२१	२०	वि	२९	०६	१७	२२	३५	४४	१०	२७	९	१७	कन्या	१।०२।१८।४५	५७।३५	भ. १७।२२ या., मोहिनी ११ व्र.
आनन्द	१२	बु	३५	३२	१९	५६	हस्त	११	४६	१०	२५	सि	४१	४२	२२	२४	ब	२	१९	६	३९	३८	४३	१०	२८	१०	१८	तुला. २३।५९	१।०३।१६।१९	५७।३३	[A वैशाखस्नानपूर्त्तिः, धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदानं
प्र.व्र.	१३	गु	४१	४६	२२	२५	चित्रा	१९	२९	१३	३०	व्य	४४	१३	२३	२४	कौ	८	४२	९	११	४०	४३	११	२९	११	१९	तुला.	१।०४।१३।५२	५७।३१	प्रदोषः, वृषे शुक्रः १९।२८
गद	१४	शु	४७	३२	२४	४३	स्वा	२६	४८	१६	२६	व	४६	२१	२४	१४	ग	१४	४४	११	३६	४३	४२	११	३०	१२	२०	तुला.	१।०५।११।२४	५७।३०	भ. २४।४३ उ., नृसिंह १४, सायन मिथुने भानुः १९।५३
पूर्णिमा	१५	श	५२	३५	२६	४४	विशा	३३	३२	१९	०७	प	४७	५९	२४	५३	वि	२०	१०	१३	४६	४५	४२	१२	३१	१३	२१	वृश्चि. १२।२८	१।०६।०८।५३	५७।२८	भ. १३।४६ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २४।०४।०४

पं. ५ वै.शु. ६ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	७	०	४	०	७	४	१०
२७	११	२३	१९	२०	२०	२४	२४
३९	०४	५४	०६	४१	४३	३१	३१
१९	२७	४२	५०	००	४७	०१	०१
५७	१७	३४	०	७३	३	३	३
५४	४२	४१	३४	५०	५५	११	११
कृ	अनु	भ	पूफा	भ	ज्ये	पूफा	पूभा
१	३व	४व	२	३	२व	४	२

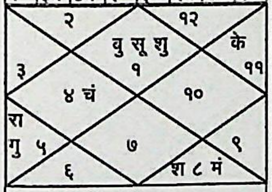

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।२२।४८।२८	१ श	७	४।३८	६।१४	८।१०	१०।२५	१२।४५	३।०२	५।१८	७।३७	९।५६	१२।००	१।४४	३।१२
००।२३।४६।२०	२ र	८	४।३४	६।१०	८।०७	१०।२१	१२।४१	२।५८	५।१४	७।३३	९।५२	११।५६	१।४०	३।०८
००।२४।४४।१०	३ चं	९	४।३०	६।०६	८।०३	१०।१७	१२।३७	२।५४	५।१०	७।२९	९।४८	११।५२	१।३६	३।०४
००।२५।४१।५८	४ मं	१०	४।२६	६।०२	७।५९	१०।१३	१२।३३	२।५०	५।०६	७।२५	९।४४	११।४८	१।३२	३।००
००।२६।३९।४५	५ बु	११	४।२२	५।५९	७।५५	१०।०९	१२।३०	२।४६	५।०२	७।२१	९।४०	११।४५	१।२८	२।५६
००।२७।३७।२९	६ गु	१२	४।१८	५।५५	७।५१	१०।०६	१२।२६	२।४२	४।५८	७।१७	९।३६	११।४१	१।२४	२।५२
००।२८।३५।१२	७ शु	१३	४।१५	५।५१	७।४७	१०।०२	१२।२२	२।३९	४।५४	७।१३	९।३२	११।३७	१।२०	२।४८
००।२९।३२।५३	८ श	१४	४।११	५।४७	७।४३	९।५८	१२।१८	२।३५	४।५०	७।१०	९।२८	११।३३	१।१६	२।४५
०१।००।३०।३३	९ र	१५	४।०७	५।४३	७।३९	९।५४	१२।१४	२।३१	४।४६	७।०६	९।२४	११।२९	१।१२	२।४१
०१।०१।२८।१०	१० चं	१६	४।०३	५।३९	७।३५	९।५०	१२।१०	२।२७	४।४३	७।०२	९।२०	११।२५	१।०८	२।३७
०१।०२।२५।४६	११ मं	१७	३।५९	५।३५	७।३१	९।४६	१२।०६	२।२३	४।३९	६।५८	९।१६	११।२१	१।०४	२।३३
०१।०३।२३।२१	१२ बु	१८	३।५५	५।३१	७।२७	९।४२	१२।०२	२।१९	४।३५	६।५४	९।१२	११।१७	१।००	२।२९
०१।०४।२०।५३	१३ गु	१९	३।५१	५।२७	७।२३	९।३८	११।५८	२।१५	४।३१	६।५०	९।०८	११।१३	१२।५६	२।२५
०१।०५।१८।२५	१४ शु	२०	३।४७	५।२३	७।१९	९।३४	११।५४	२।११	४।२७	६।४६	९।०४	११।०९	१२।५२	२।२१
०१।०६।१५।५४	१५ श	२१	३।४३	५।१९	७।१५	९।३०	११।५०	२।०७	४।२३	६।४२	९।०१	११।०५	१२।४८	२।१७

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २०१६
वैशा. शु. ८ शनौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।०५ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं वंकणभूषणं पर्णवंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ९।४१ से १६।०५ तक । (दान- गौ) ।

अयनांशाः २४।०४।०५

पं. ६ वै.शु.१३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	७	०	४	०	७	४	१०
०४	०८	२०	१९	२९	२०	२४	२४
२४	५१	४५	१४	१७	१५	०८	०८
०५	२०	१५	३४	४३	२९	४६	४६
५७	२०	१३	१	७३	४	३	३
४४	२६	४३	४९	४८	१२	११	११
कृ	अनु	भ	पूफा	कृ	ज्ये	पूफा	पूभा
३	२व	३व	२	१	२व	४	२

२२ मई से ५ जून तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	१	र	५६	५४	२८	२७	अनु	३९	३२	२१	३०	शि	४९	०१	२५	१८	वा	२४	५२	१५	३८	३३ ४८	५ ४१	७ १२	१	१४	२२	वृश्चि.	१।०७।०६।२२	५७।२७
पद्म	२	सो	...	...	...	...	ज्ये	४४	४४	२३	३५	सि	४९	२५	२५	२७	तै	२८	४४	१७	१०	५०	४१	१३	२	१५	२३	धनु. २३।३५	१।०८।०३।४८	५७।२५
छत्र	२	मं	०	२०	५	४९	मूल	४९	०३	२५	१८	सा	४९	०५	२५	१९	ग	०	२०	५	४९	५२	४१	१४	३	१६	२४	धनु.	१।०९।०१।१४	५७।२४
च.व्र.	३	बु	२	५१	६	४९	पूषा	५२	२४	२६	३८	शु	४७	५९	२४	५२	वि	२	५१	६	४९	५५	४०	१४	४	१७	२५	धनु.	१।०९।५८।३८	५७।२२
सौम्य	४	गु	४	१९	७	२४	उषा	५४	४१	२७	३२	शु	४६	०२	२४	०५	बा	४	१९	७	२४	५७	४०	१५	५	१८	२६	मक. ८।५४	१।१०।५६।००	५७।२१
धूम्र	५	शु	४	४१	७	३२	श्रव	५५	४९	२७	५९	ब्र	४३	११	२२	५६	तै	४	४१	७	३२	५९	४०	१५	६	१९	२७	मक.	१।११।५३।२१	५७।२०
प्रवर्धमा	६	श	३	५३	७	१२	धनि	५५	४३	२७	५६	ऐ	३९	१९	२१	२३	व	३	५३	७	१२	३४ ०१	३९	१६	७	२०	२८	कुंभे १६।०२	१।१२।५०।४१	५७।१८
राक्षस	७	र	१	४८	६	२२	शत	५४	१९	२७	२३	वै	३४	२६	१९	२५	ब	१	४८	६	२२	०३	३९	१६	८	२१	२९	कुंभे	१।१३।४७।५९	५७।१७
क्षयः	८	र	५८	२४	२९	०१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मुसल	९	सो	५३	४१	२७	०७	पूभा	५१	३७	२६	१७	वि	२८	२९	१७	०२	तै	२६	१२	१६	०८	०५	३९	१७	९	२२	३०	मीने २०।३७	१।१४।४५।१६	५७।१६
सिद्धि	१०	मं	४७	४५	२४	४५	उभा	४७	३९	२४	४२	प्री	२१	२८	१४	१४	व	२०	५२	१४	००	०६	३९	१७	१०	२३	३१	मीने	१।१५।४२।३२	५७।१५
ए.व्र.	११	बु	४०	४१	२१	५५	रेव	४२	३६	२२	४१	आ	१३	२९	११	०२	व	१४	२१	११	२३	०८	३८	१८	११	२४	१	मेषे २२।४१	१।१६।३९।४६	५७।१३
प्र.व्र.	१२	गु	३२	४७	१८	४५	अश्वि	३६	४१	२०	१९	सौ	४ ५५	४० १४	७ २७	३० ४४	कौ	६	४९	८	२२	१०	३८	१८	१२	२५	२	मेषे	१।१७।३६।५९	५७।१२
मुद्गर	१३	शु	२४	१९	१५	२२	भर	३०	१४	१७	४४	अ	४५	३०	२३	५०	व	२४	१९	१५	२२	११	३८	१९	१३	२६	३	वृषे २३।०४	१।१८।३४।१२	५७।११
ध्वजा	१४	श	१५	४१	११	५४	कृति	२३	४१	१५	०६	सु	३५	४६	१९	५६	श	१५	४१	११	५४	१३	३८	१९	१४	२७	४	वृषे	१।१९।३१।२३	५७।१०
अमाव.	३०	र	७	१९	८	३४	रोहि	१७	२७	१२	३७	धृ	२६	२४	१६	११	ना	७	१९	८	३४	१४	३८	२०	१५	२८	५	मिथु. २३।२९	१।२०।२८।३३	५७।०९

ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति गुर्जराः, मई-जून २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

भा. ज्येष्ठारंभः, बुधोदयः पूर्वस्याम् २३।५४, (व) ज्येष्ठा.-१ D

नारद जयंती, वीणादानं, मार्गी बुधः १२।२९

भ. १८।२२ उ., रोहि. रविः २५।२७

भ. ६।४९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१२, रोहि. सौरः ६।१५

[D शनिः २१।२५

रोहि. शुक्रः २२।३५

भ. ७।१२ उ. १८।५१ या., पंचक प्रारम्भः १६।०२

[B गुरुः ६।१८, पूफा.-३ राहुः १३।५२, पूभा.-१ केतुः १३।५२

[A (मरु.), (व) विशा. भौमः ८।२०

[C कृत्ति. बुधः ९।३२

भ. १४।०० उ. २४।४५ या.

पंचक समाप्तिः २२।४१, अपरा ११ व्र., जून ६ ता. ३०

प्रदोषः

भ. १५।२२ उ. २५।३८ या., मासिकशिवरात्री व्र., पूफा.-३ B

शनैश्चर जयन्ती, पितृकार्येऽमा., भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. A

देवकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, भाऊका-करिदिन, C

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०४।०५ -

पं. ७ ज्ये.कृ. ४ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	७	०	४	१	७	४	१०
११	०६	२०	१९	०७	१९	२३	२३
०७	२५	३७	३०	५४	४५	४६	४६
४५	०३	३२	५९	११	३१	३१	३१
५७	२१	१६	३	७३	४	३	३
३५	०६	१२	०२	४६	२२	११	११
रो	अनु	भ	पूफा	कृ	ज्ये	पूफा	पूभा
१	१व	३	२	४	१व	४	२

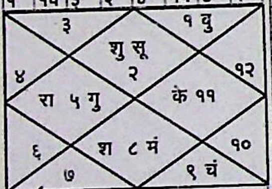

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मई	मेष रात्रौ	वृष प्रातः	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक सायँ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०१।०७।१३।२२	१ र	२२	३।३९	५।१५	७।११	९।२६	११।४६	२।०३	४।१९	६।३८	८।५७	११।०१	१२।४४	२।१३
०१।०८।१०।४९	२ चं	२३	३।३५	५।११	७।०७	९।२२	११।४२	१।५९	४।१५	६।३४	८।५३	१०।५७	१२।४१	२।०९
०१।०९।०८।१४	२ मं	२४	३।३१	५।०७	७।०३	९।१८	११।३८	१।५५	४।११	६।३०	८।४९	१०।५३	१२।३७	२।०५
०१।१०।०५।३७	३ बु	२५	३।२७	५।०३	७।००	९।१४	११।३४	१।५१	४।०७	६।२६	८।४५	१०।४९	१२।३३	२।०१
०१।११।०२।५९	४ गु	२६	३।२३	४।५९	६।५६	९।१०	११।३०	१।४७	४।०३	६।२२	८।४१	१०।४५	१२।२९	१।५७
०१।१२।००।२०	५ शु	२७	३।१९	४।५५	६।५२	९।०६	११।२६	१।४३	३।५९	६।१८	८।३७	१०।४१	१२।२५	१।५३
०१।१२।५७।३९	६ श	२८	३।१५	४।५२	६।४८	९।०२	११।२३	१।३९	३।५५	६।१४	८।३३	१०।३८	१२।२१	१।४९
०१।१३।५४।५८	७ र	२९	३।११	४।४८	६।४४	८।५९	११।१९	१।३५	३।५१	६।१०	८।२९	१०।३४	१२।१७	१।४५
०१।१४।५२।१४	९ चं	३०	३।०७	४।४४	६।४०	८।५५	११।१५	१।३२	३।४७	६।०६	८।२५	१०।३०	१२।१३	१।४१
०१।१५।४९।३०	१० मं	३१	३।०४	४।४०	६।३६	८।५१	११।११	१।२८	३।४३	६।०३	८।२१	१०।२६	१२।०९	१।३८
०१।१६।४६।४४	११ बु	१	३।००	४।३६	६।३२	८।४७	११।०७	१।२४	३।३९	५।५९	८।१७	१०।२२	१२।०५	१।३४
०१।१७।४३।५७	१२ गु	२	२।५६	४।३२	६।२८	८।४३	११।०३	१।२०	३।३६	५।५५	८।१३	१०।१८	१२।०१	१।३०
०१।१८।४१।०९	१३ शु	३	२।५२	४।२८	६।२४	८।३९	१०।५९	१।१६	३।३२	५।५१	८।०९	१०।१४	११।५७	१।२६
०१।१९।३८।२०	१४ श	४	२।४८	४।२४	६।२०	८।३५	१०।५५	१।१२	३।२८	५।४७	८।०५	१०।१०	११।५३	१।२२
०१।२०।३५।३०	३० र	५	२।४४	४।२०	६।१६	८।३१	१०।५१	१।०८	३।२४	५।४३	८।०१	१०।०६	११।४९	१।१८

मास फलम्

इस माह मे पांच रविवार नेष्ट हैं और पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। यथा- एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः। ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा को रविवार होने से पवन अधिक चले। ज्येष्ठ कृष्णा एकादशी में रेवती होने से खण्ड वृष्टि हो। अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो। अमावस्या रोहिणी योग सुभिक्ष और सुखद है। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हो, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

अयनांशाः २४।०४।०६

पं. ८ ज्ये.कृ.१२ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	७	०	४	१	७	४	१०
१७	०४	२४	१९	१६	१९	२३	२३
५०	००	०१	५५	३०	१४	२४	२४
२८	४७	१०	४२	३१	३७	१६	१६
५७	१९	४५	४	७३	४	३	३
२८	३२	५१	११	४५	२७	११	११
रो	अनु	भ	पूफा	रो	ज्ये	पूफा	पूभा
३	१व	४	२	२	१व	४	२

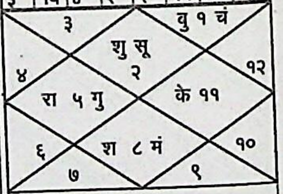

६ जून से २० जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः १८८८ ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे, जून २०१६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
क्षयः	१	र	५९	३९	२९	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A सायन दक्षिणायन प्रारम्भ २७।५३
आनन्द	२	सो	५३	०७	२६	५३	मृग	१२	०२	१०	२७	शू	१७	४४	१२	४३	वा	२६	१३	१६	०७	३४/१६	५/३८	७/२०	१६	२९	६	मिथु.	१।२१।२५।४२	५७।०८	चंद्रदर्शनम् (मु.१५)
चर	३	मं	४८	०८	२४	५३	आर्द्रा	७	५१	८	४६	गं	१०	१०	९	४२	तै	२०	२५	१३	४८	१७	३८	२०	१७	१	७	कर्क २५।५६	१।२२।२२।४९	५७।०७	रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, रमजान ९, मृगे रविः २३।२१, B
गद	४	बु	४५	००	२३	३८	पुन	५	१८	७	४५	वृ	३/५९	५६/१६	७/२१	१२/२०	व	१६	२०	१२	०९	१८	३८	२१	१८	२	८	कर्क	१।२३।११।५६	५७।०६	भ. १२।०९ उ. २३।३८ या., मृगे सौरः ५।३९, वृषे बुधः १४।३२
शुभ	५	गु	४३	५५	२३	१२	पुष्य	४	४०	७	३०	व्या	५६	१५	२८	०८	व	१४	१२	११	१९	१९	३८	२१	१९	३	९	कर्क	१।२४।१७।०२	५७।०५	[B मृगे शुक्रः १८।५३
मृत्यु	६	शु	४४	५७	२३	३७	श्ले	६	०६	८	०४	ह	५४	५६	२७	३६	कौ	१४	१०	११	१८	२०	३८	२२	२०	४	१०	सिंहे ८।०४	१।२५।१४।०७	५७।०४	[C रोहि. बुधः २५।५४
पद्म	७	श	४७	५७	२४	४८	मघा	९	३३	९	२७	व	५५	०६	२७	४०	ग	१६	१३	१२	०७	२१	३८	२२	२१	५	११	सिंहे	१।२६।११।११	५७।०३	भ. २४।४८ उ.
छत्र	८	र	५२	३५	२६	४०	पूफा	१४	५०	११	३४	सि	५६	३०	२८	१४	वि	२०	०५	१३	४०	२२	३८	२२	२२	६	१२	कन्या १८।११	१।२७।०८।१५	५७।०२	भ. १३।४० या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती, मिथुने शुक्रः २९।०३
श्रीवत्स	९	सो	५८	२१	२८	५८	उफा	२१	३०	१४	१४	व्य	५८	४४	२९	०७	वा	२५	२२	१५	४७	२२	३८	२३	२३	७	१३	कन्या	१।२८।०५।१७	५७।०२	[D अब्द साध्य व्र.
सौम्य	१०	मं	...	...	...	...	हस्त	२९	००	१७	१४	व	...	...	...	...	तै	३१	२९	१८	१३	२३	३८	२३	२४	८	१४	कन्या	१।२९।०२।१९	५७।०१	मिथुने रविः २२।४६
गंगा	१०	बु	४	३८	७	२९	चित्रा	३६	४३	२०	१९	व	१	२२	६	११	ग	४	३८	७	२९	२४	३८	२३	२५	९	१५	तुला. ६।४७	१।२९।५९।२०	५७।००	भ. २०।४४ उ., गंगा दशहरा व्र., मिथुने सौरः ५।५५, C
ए.व्र.	११	गु	१०	४९	९	५८	स्वा	४४	०६	२३	१७	प	३	५७	७	१३	वि	१०	४९	९	५८	२४	३८	२४	२६	१०	१६	तुला.	२।००।५६।२०	५७।००	भ. ९।५८ या., निर्जला ११ व्र.
प्र.व्र.	१२	शु	१६	२५	१२	१२	विशा	५०	४५	२५	५६	शि	६	०७	८	०५	वा	१६	२५	१२	१२	२४	३८	२४	२७	११	१७	वृश्चि. १९।१८	२।०१।५३।२०	५६।५९	प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः, (व) तुलायां भौमः १७।१९
अमृत	१३	श	२१	०७	१४	०५	अनु	५६	२५	२८	१२	सि	७	३७	८	४१	तै	२१	०७	१४	०५	२५	३८	२४	२८	१२	१८	वृश्चि.	२।०२।५०।१९	५६।५८	आर्द्रा. शुक्रः १५।१३
काण	१४	र	२४	४४	१५	३२	ज्ये	...	...	...	...	सा	८	१९	८	५८	व	२४	४४	१५	३२	२५	३९	२४	२९	१३	१९	वृश्चि.	२।०३।४७।१७	५६।५८	भ. १५।३२ उ. २८।०६ या., गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, D
पूर्णिमा	१५	सो	२७	१५	१६	३३	ज्ये	१	००	६	०३	शु	८	१०	८	५५	ब	२७	१५	१६	३३	२५	३९	२५	३०	१४	२०	धनु. ६।०३	२।०४।४४।१५	५६।५७	मन्वादि, कवीर जयंती, ज्येष्ठी योगः, सायन कर्के भानुः, A

अयनांशाः २४।०४।०७

पं. ९ ज्ये.शु. ५ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	७	१	४	१	७	४	१०
२४	०१	००	२०	२५	१८	२३	२३
३२	५३	४३	२८	०६	४३	०२	०२
२४	४०	०६	१७	४६	३४	०१	०१
५७	१६	७१	५	७३	४	३	३
२२	००	५९	१६	४५	२४	११	११
मृ	वि	कृ	पूफा	मृ	ज्ये	पूफा	पूभा
१	४व	२	३	१	१व	३	१

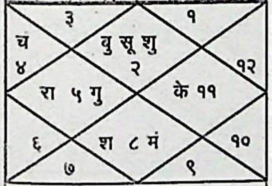

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।२१।३२।३८	२ चं	६	२।४०	४।१६	६।१२	८।२७	१०।४७	१।०४	३।२०	५।३९	७।५७	१०।०२	११।४५	१।१४
०१।२२।२९।४६	३ मं	७	२।३६	४।१२	६।०८	८।२३	१०।४३	१।००	३।१६	५।३५	७।५४	९।५८	११।४१	१।१०
०१।२३।२६।५३	४ बु	८	२।३२	४।०८	६।०४	८।१९	१०।३९	१२।५६	३।१२	५।३१	७।५०	९।५४	११।३७	१।०६
०१।२४।२३।५९	५ गु	९	२।२८	४।०४	६।००	८।१५	१०।३५	१२।५२	३।०८	५।२७	७।४६	९।५०	११।३४	१।०२
०१।२५।२१।०३	६ शु	१०	२।२४	४।००	५।५६	८।११	१०।३१	१२।४८	३।०४	५।२३	७।४२	९।४६	११।३०	१२।५८
०१।२६।१८।०७	७ श	११	२।२०	३।५६	५।५३	८।०७	१०।२७	१२।४४	३।००	५।१९	७।३८	९।४२	११।२६	१२।५४
०१।२७।१५।१०	८ र	१२	२।१६	३।५२	५।४९	८।०३	१०।२३	१२।४०	२।५६	५।१५	७।३४	९।३८	११।२२	१२।५०
०१।२८।१२।१३	९ चं	१३	२।१२	३।४८	५।४५	७।५९	१०।१९	१२।३६	२।५२	५।११	७।३०	९।३४	११।१८	१२।४६
०१।२९।०९।१४	१० मं	१४	२।०८	३।४५	५।४१	७।५५	१०।१६	१२।३२	२।४८	५।०७	७।२६	९।३१	११।१४	१२।४२
०२।००।०६।१५	१० बु	१५	२।०४	३।४१	५।३७	७।५२	१०।१२	१२।२८	२।४४	५।०३	७।२२	९।२७	११।१०	१२।३८
०२।०१।०३।१५	११ गु	१६	२।००	३।३७	५।३३	७।४८	१०।०८	१२।२५	२।४०	४।५९	७।१८	९।२३	११।०६	१२।३४
०२।०२।००।१५	१२ शु	१७	१।५७	३।३३	५।२९	७।४४	१०।०४	१२।२१	२।३६	४।५६	७।१४	९।१९	११।०२	१२।३१
०२।०२।५७।१३	१३ श	१८	१।५३	३।२९	५।२५	७।४०	१०।००	१२।१७	२।३२	४।५२	७।१०	९।१५	१०।५८	१२।२७
०२।०३।५४।१२	१४ र	१९	१।४९	३।२५	५।२१	७।३६	९।५६	१२।१३	२।२८	४।४८	७।०६	९।११	१०।५४	१२।२३
०२।०४।५१।०९	१५ चं	२०	१।४५	३।२१	५।१७	७।३२	९।५२	१२।०९	२।२५	४।४४	७।०२	९।०७	१०।५०	१२।१९

संक्रांति फलम्

ता. १४ जून २०१६
ज्ये. शु. १० भौमे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।४६ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २२।४६ से २९।१० तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २४।०४।०८

पं.१० ज्ये.शु.११ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	७	१	४	२	७	४	१०
०१	००	१०	२१	०३	१८	२२	२२
१३	१६	१४	०८	४३	१३	३९	३९
४२	००	०७	१५	०२	०८	४५	४५
५७	११	९३	६	७३	४	३	३
१७	०२	३५	१७	४६	१५	११	११
मृ	वि	रो	पूफा	मृ	ज्ये	पूफा	पूभा
३	४व	१	३	४	१व	३	१

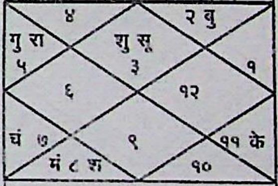

|| श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ||

२१ जून से ४ जुलाई तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमा सू. सू. तारीख — स्टै. — प्रातः — दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	मं	२८	४२	१७	०८	मूल	४	३३	७	२८	शु	७	०९	८	३१	कौ	२८	४२	१७	०८	३४/२५	५/३९	७/२५	३१	१५	२१	धनु.	२१०५।४१।१२	५६।५७
श्रीवत्स	२	बु	२९	०९	१७	११	पूषा	७	०५	८	२९	ब्र	५	२१	७	४८	ग	२९	०९	१७	११	२५	३९	२५	१	१६	२२	मक. १४।४१	२१०६।३८।०९	५६।५६
च.व्र.	३	गु	२८	३९	१७	०७	उषा	८	४१	९	०८	ऐ	२/५९	४७/२९	६/२९	४६/२७	वि	२८	३९	१७	०७	२५	३९	२५	२	१७	२३	मक.	२१०७।३५।०६	५६।५६
धूम्र	४	शु	२७	१५	१६	३४	श्रव	९	२३	९	२५	वि	५५	२९	२७	५१	वा	२७	१५	१६	३४	२५	४०	२५	३	१८	२४	कुंभे २१।२५	२१०८।३२।०२	५६।५६
प्रवर्धमा	५	श	२५	००	१५	४०	धनि	९	१३	९	२१	प्री	५०	४७	२५	५९	तै	२५	००	१५	४०	२४	४०	२६	४	१९	२५	कुंभे	२१०९।२८।५७	५६।५५
राक्षस	६	र	२१	५१	१४	२४	शत	८	११	८	५७	आ	४५	२२	२३	४९	व	२१	५१	१४	२४	२४	४०	२६	५	२०	२६	मीने २६।२५	२११०।२५।५३	५६।५५
मुसल	७	सो	१७	५०	१२	४८	पूभा	६	१७	८	११	सौ	३९	१४	२१	२२	व	१७	५०	१२	४८	२३	४१	२६	६	२१	२७	मीने	२१११।२२।४८	५६।५५
सिद्धि	८	मं	१२	५७	१०	५२	उभा	३/५९	३१/५६	७/२९	०५/३१	शो	३२	२४	१८	३९	कौ	१२	५७	१०	५२	२३	४१	२६	७	२२	२८	मेषे २९।३९	२११२।१९।४२	५६।५५
मृत्यु	९	बु	७	१६	८	३६	अश्वि	५५	३७	२७	५६	अ	२४	५७	१५	४०	ग	७	१६	८	३६	२२	४१	२६	८	२३	२९	मेषे	२११३।१६।३७	५६।५४
ए.व्र.	१०	गु	०	५२	६	०३	भर	५०	४६	२६	००	सु	१६	५७	१२	२८	वि	०	५२	६	०३	२१	४२	२६	९	२४	३०	मेषे	२११४।१३।३१	५६।५४
क्षयः	११	गु	५३	५९	२७	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	शु	४६	४९	२४	२६	कृति	४५	३९	२३	५७	धृ	८	३४	९	०८	कौ	२०	२४	१३	५२	२०	४२	२६	१०	२५	१	वृषे ७।३०	२११५।१०।२६	५६।५४
प्र.व्र.	१३	श	३९	४२	२१	३५	रोहि	४०	३४	२१	५६	शू	५१	४४/३४	५/२६	४४/२२	ग	१३	१४	११	००	१९	४२	२६	११	२६	२	वृषे	२११६।०७।२०	५६।५४
सौम्य	१४	र	३२	५९	१८	५४	मृग	३५	५४	२०	०४	वृ	४३	४१	२३	११	वि	६	१६	८	१३	१८	४३	२६	१२	२७	३	मिथु. ८।५८	२११७।०४।१४	५६।५४
अमाव.	३०	सो	२७	०४	१६	३३	आर्द्रा	३२	०२	१८	३२	ध्रु	३६	२३	२०	१६	ना	२७	०४	१६	३३	१७	४३	२६	१३	२८	४	मिथु.	२११८।०१।०८	५६।५४

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून-जुलाई २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
आर्द्रा. रविः २२।२३, अयन करिदिन, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन A
भ. २९।१५ उ., भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. सौरः ६।२६
भ. १७।०७ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४३, मृगे बुधः २१।३०
पंचक प्रारम्भः २१।२५
[A मूषक वर्षाश्रेष्ठः
भ. १४।२४ उ. २५।३९ या., बुधास्तः पूर्वस्याम् ११।२९
मिथुने बुधः ७।५१ [C आर्द्रा. बुधः १३।२२
पंचक समाप्तिः २९।३९
भ. १९।२१ उ., पुन. शुक्रः ११।३०
भ. ६।०३ या., योगिनी ११ व्र.स्मार्त, मार्गी भौमः १३।५७, C
[B पूफा.-४ गुरुः २६।१९,
योगिनी ११ व्र.वैष्ण., जुलाई ७ ता. ३१
भ. २१।३५ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
भ. ८।१३ या., शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ५।५७ B
देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा.

शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०४।०९

पं.११ आ.कृ. ३ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	६	१	४	२	७	४	१०
०७	२९	२२	२१	१२	१७	२२	२२
५४	१५	०५	५५	१९	४४	१७	१७
३४	४१	५८	०५	२४	०४	२९	२९
५७	५	११२	७	७३	४	३	३
१४	१९	०७	१३	४७	००	११	११
आ	वि	रो	पूफा	आ	ज्ये	पूफा	पूभा
१	३व	४	३	२	१व	३	१

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।०५।४८।०६	१ मं	२१	१।४१	३।१७	५।१३	७।२८	९।४८	१२।०५	२।२१	४।४०	६।५८	९।०३	१०।४६	१२।१५
०२।०६।४५।०३	२ बु	२२	१।३७	३।१३	५।०९	७।२४	९।४४	१२।०१	२।१७	४।३६	६।५४	८।५९	१०।४२	१२।११
०२।०७।४१।५९	३ गु	२३	१।३३	३।०९	५।०५	७।२०	९।४०	११।५७	२।१३	४।३२	६।५०	८।५५	१०।३८	१२।०७
०२।०८।३८।५५	४ शु	२४	१।२९	३।०५	५।०१	७।१६	९।३६	११।५३	२।०९	४।२८	६।४६	८।५१	१०।३४	१२।०३
०२।०९।३५।५१	५ श	२५	१।२५	३।०१	४।५७	७।१२	९।३२	११।४९	२।०५	४।२४	६।४३	८।४७	१०।३०	११।५९
०२।१०।३२।४६	६ र	२६	१।२१	२।५७	४।५३	७।०८	९।२८	११।४५	२।०१	४।२०	६।३९	८।४३	१०।२६	११।५५
०२।११।२९।४१	७ चं	२७	१।१७	२।५३	४।४९	७।०४	९।२४	११।४१	१।५७	४।१६	६।३५	८।३९	१०।२३	११।५१
०२।१२।२६।३६	८ मं	२८	१।१३	२।४९	४।४६	७।००	९।२०	११।३७	१।५३	४।१२	६।३१	८।३५	१०।१९	११।४७
०२।१३।२३।३०	९ बु	२९	१।०९	२।४५	४।४२	६।५६	९।१६	११।३३	१।४९	४।०८	६।२७	८।३१	१०।१५	११।४३
०२।१४।२०।२५	१० गु	३०	१।०५	२।४१	४।३८	६।५२	९।१२	११।२९	१।४५	४।०४	६।२३	८।२७	१०।११	११।३९
०२।१५।१७।११	१२ शु	१	१।०१	२।३७	४।३४	६।४८	९।०९	११।२५	१।४१	४।००	६।१९	८।२३	१०।०७	११।३५
०२।१६।१४।१३	१३ श	२	१२।५७	२।३४	४।३०	६।४४	९।०५	११।२१	१।३७	३।५६	६।१५	८।२०	१०।०३	११।३१
०२।१७।११।०७	१४ र	३	१२।५३	२।३०	४।२६	६।४१	९।०१	११।१७	१।३३	३।५२	६।११	८।१६	९।५९	११।२७
०२।१८।०८।०१	३० चं	४	१२।४९	२।२६	४।२२	६।३७	८।५७	११।१४	१।२९	३।४८	६।०७	८।१२	९।५५	११।२३

मास फलम्

इस माह मे पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो, यथा- || मंगलेम्रियतेराजा || लेकिन ग्रंथान्तर से - आषाढ़ में पांच मंगलवार होने से शुभ है । आषाढे कार्तिकेमासेफाल्गुनेपिचदैवतः । जायते पंचभौमाश्च पंचमासास्तदा शुभाः || आषाढ कृष्णा द्वितीया को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो । आषाढ कृष्णा नौमी को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो । आषाढ कृष्णा त्रयोदशी मे रोहिणी होने से उत्तम पवन चले । सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रवल उदय- धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो । आषाढ में कर्क संक्रान्ति के दिन शनिवार होने से धान्य महँगा हो और दुर्भिक्ष हो ।

अयनांशाः २४।०४।१०

पं.१२ आ.कृ.१० गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	६	२	४	२	७	४	१०
१४	२८	०५	२२	२०	१७	२१	२१
३५	५६	५९	४८	५५	१७	५५	५५
०९	०५	२६	१३	५४	०४	१४	१४
५७	०	१२७	८	७३	३	३	३
१३	३३	०१	०४	४८	३९	११	११
आ	वि	मृ	पूफा	पुन	ज्ये	पूफा	पूभा
३	३	४	३	१	१व	३	१

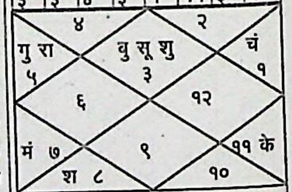

५ जुलाई से १९ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिनासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | केतकी अहर्गणः १९९७ वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे, जुलाई २०१६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सुस्थिर	१	मं	२२	१७	१४	३८	पुन	२९	२१	१७	२८	व्या	३०	०५	१७	४५	व	२२	१७	१४	३८	३४/१६	५/४३	७/२६	१४	२९	५	कर्क ११।४१	२।१८।५८।०३	५६।५४	पुन. रविः २२।००, सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन जम्बूक अल्पवृष्टिः
मातङ्ग	२	बु	१८	५६	१३	१८	पुष्य	२८	०८	१६	५९	ह	२४	५९	१५	४३	कौ	१८	५६	१३	१८	१५	४४	२६	१५	३०	६	कर्क	२।१९।५४।५७	५६।५४	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्री जगदीश रथ यात्रा, पुन.सौरः ७।५२, I
अमृत	३	गु	१७	१८	१२	४०	श्ले	२८	३७	१७	११	व	२१	१६	१४	१५	ग	१७	१८	१२	४०	१३	४४	२६	१६	१	७	सिंहे १७।११	२।२०।५१।५१	५६।५४	भ. २४।३६ उ., मघा. रे.१० ।।।।।।।।।। रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, F
काण	४	शु	१७	३०	१२	४५	मघा	३०	५६	१८	०७	सि	१९	०२	१३	२२	वि	१७	३०	१२	४५	१२	४५	२५	१७	२	८	सिंहे	२।२१।४८।४६	५६।५५	भ.१२।४५ या. [E ।।।।।ऽऽ।। रात्रौ लग्न ३,स्कंध षष्टी,पुष्ये शुक्रः ७।४३
लुम्बक	५	श	१९	३४	१३	३५	पूफा	३५	०३	१९	४६	व्य	१८	१५	१३	०३	बा	१९	३४	१३	३५	१०	४५	२५	१८	३	९	कन्या २६।१७	२।२२।४५।४०	५६।५५	उफा. रे. ८ ।।।ऽऽ।।।। रात्रौ लग्न ३ [I पुन. बुधः १७।२९
मित्र	६	र	२३	१९	१५	०५	उफा	४०	४५	२२	०४	व	१८	४९	१३	१७	तै	२३	१९	१५	०५	०९	४६	२५	१९	४	१०	कन्या	२।२३।४२।३५	५६।५५	उफा. रे. ८ ।।।ऽऽ।।।। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(९), हस्ते रे.८ E
वज्र	७	सो	२८	२६	१७	०८	हस्त	४७	३८	२४	४९	प	२०	२५	१३	५६	व	२८	२६	१७	०८	०७	४६	२५	२०	५	११	कन्या	२।२४।३९।३०	५६।५६	भ. १७।०८ उ., कर्के बुधः ९।११, (व) अनु.-४ शनिः ८।३८
ध्वाङ्क्ष	८	मं	३४	२४	१९	३२	चित्रा	५५	०८	२७	५०	शि	२२	४४	१४	५२	वि	१	२१	६	१९	०५	४७	२५	२१	६	१२	तुला. १४।१९	२।२५।३६।२६	५६।५६	भ. ६।१९ या., वृश्चिके भौमः १६।४३, पुष्ये बुधः २३।३०
धूम्र	९	बु	४०	३२	२२	००	स्वा	...	...	...	...	सि	२५	१७	१५	५४	वा	७	२८	८	४६	०३	४७	२४	२२	७	१३	तुला.	२।२६।३३।२२	५६।५६	स्वातौ रे. ९ ।।।।।ऽ।।।। रात्रौ लग्न गोधूलि, १०, १, ३, भड़ली ९
सुस्थिर	१०	गु	४६	१४	२४	१७	स्वा	२	३७	६	५०	सा	२७	३६	१६	५०	तै	१३	२८	११	११	०२	४८	२४	२३	८	१४	वृश्चि. २६।५७	२।२७।३०।१८	५६।५७	मन्वादि, आशा दशमी [F सव्वाल १०, कर्के शुक्रः १४।४०
ए.व्र.	११	शु	५०	५८	२६	११	विशा	९	३०	९	३६	शु	२९	१७	१७	३१	व	१८	४५	१३	१८	००	४८	२४	२४	९	१५	वृश्चि.	२।२८।२७।१५	५६।५७	भ. १३।१८ उ. २६।११ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास G
अमृत	१२	श	५४	२५	२७	३४	अनु	१५	१९	११	५६	शु	३०	०१	१७	४९	ब	२२	५१	१४	५७	३३/५१	४९	२४	२५	१०	१६	वृश्चि.	२।२९।२४।१२	५६।५८	श्रावणे वर्जयेच्छाकम्,कर्के रविः ९।४३ (सौरः२०।५४),निरयनदक्षिणायनारंभः
प्र.व्र.	१३	र	५६	२७	२८	२४	ज्ये	१९	५०	१३	४५	ब्र	२९	४१	१७	४२	कौ	२५	३६	१६	०३	५५	४९	२३	२६	११	१७	धनु. १३।४५	३।००।२१।०९	५६।५८	प्रदोषः, जया पार्वती व्रतं [G व्रतारंभः, गोपद्मव्रतोद्यापनं
लुम्बक	१४	सो	५७	०५	२८	४०	मूल	२२	५७	१५	००	ऐ	२८	१५	१७	०८	ग	२६	५५	१६	३५	५३	५०	२३	२७	१२	१८	धनु.	३।०१।१८।०७	५६।५९	भ.२८।४० उ. [A गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा,गुरु पूर्णिमा, B
पूर्णिमा	१५	मं	५६	२७	२८	२५	पूषा	२४	४५	१५	४४	वै	२५	४४	१६	०८	वि	२६	५५	१६	३६	५१	५०	२२	२८	१३	१९	मक. २१।५०	३।०२।१५।०६	५६।५९	भ. १६।३६ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपूण्यञ्च, वायु परीक्षा, A

[B आषाढी योगः, पुष्ये रविः २१।३४, श्लेषा. बुधः १७।२१, बुधोदयः पश्चिमायाम् ६।५४, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन चातक वर्षाश्रेष्ठः

अयनांशाः २४।०४।११

प.१३ आ.शु. ३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	६	२	४	२	७	४	१०
२९	२९	२१	२३	२९	१६	२१	२१
१५	१७	०६	४७	३२	५२	३२	३२
३८	००	४३	०६	३२	४७	५८	५८
५७	६	१३०	८	७३	३	३	३
१३	१०	११	५१	४९	१३	११	११
पुन	वि	पुन	पूफा	पुन	ज्ये	पूफा	पूषा
१	३	१	४	३	१व	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रदेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जुला.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क प्रातः	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर सायं	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०२।१९।०४।५५	१ मं	५	१२।४६	२।२२	४।१८	६।३३	८।५३	११।१०	१।२५	३।४५	६।०३	८।०८	९।५१	११।२०
०२।२०।०१।४९	२ बु	६	१२।४२	२।१८	४।१४	६।२९	८।४९	११।०६	१।२१	३।४१	५।५९	८।०४	९।४७	११।१६
०२।२०।५८।४४	३ गु	७	१२।३८	२।१४	४।१०	६।२५	८।४५	११।०२	१।१८	३।३७	५।५५	८।००	९।४३	११।१२
०२।२१।५५।३८	४ शु	८	१२।३४	२।१०	४।०६	६।२१	८।४१	१०।५८	१।१४	३।३३	५।५१	७।५६	९।३९	११।०८
०२।२२।५२।३३	५ श	९	१२।३०	२।०६	४।०२	६।१७	८।३७	१०।५४	१।१०	३।२९	५।४७	७।५२	९।३५	११।०४
०२।२३।४९।२८	६ र	१०	१२।२६	२।०२	३।५८	६।१३	८।३३	१०।५०	१।०६	३।२५	५।४३	७।४८	९।३१	११।००
०२।२४।४६।२३	७ चं	११	१२।२२	१।५८	३।५४	६।०९	८।२९	१०।४६	१।०२	३।२१	५।३९	७।४४	९।२७	१०।५६
०२।२५।४३।१८	८ मं	१२	१२।१८	१।५४	३।५०	६।०५	८।२५	१०।४२	१२।५८	३।१७	५।३५	७।४०	९।२३	१०।५२
०२।२६।४०।१४	९ बु	१३	१२।१४	१।५०	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३८	१२।५४	३।१३	५।३२	७।३६	९।१९	१०।४८
०२।२७।३७।१०	१० गु	१४	१२।१०	१।४६	३।४२	५।५७	८।१७	१०।३४	१२।५०	३।०९	५।२८	७।३२	९।१६	१०।४४
०२।२८।३४।[illegible]	११ शु	१५	१२।०६	१।४२	३।३८	५।५३	८।१३	१०।३०	१२।४६	३।०५	५।२४	७।२८	९।१२	१०।४०
०२।२९।३१।०४	१२ श	१६	१२।०२	१।३८	३।३४	५।४९	८।०९	१०।२६	१२।४२	३।०१	५।२०	७।२४	९।०८	१०।३६
०३।००।२८।०१	१३ र	१७	११।५८	१।३४	३।३०	५।४५	८।०५	१०।२२	१२।३८	२।५७	५।१६	७।२०	९।०४	१०।३२
०३।०१।२४।५९	१४ चं	१८	११।५४	१।३०	३।२७	५।४१	८।०१	१०।१८	१२।३४	२।५३	५।१२	७।१६	९।००	१०।२८
०३।०२।२१।५८	१५ मं	१९	११।५०	१।२७	३।२३	५।३७	७।५८	१०।१४	१२।३०	२।४९	५।०८	७।१२	८।५६	१०।२४

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०१६ आषा. शु. १२ शनौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ९।४३ वारात् ५ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा पूर्वान्हे १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः भृगौ (स्टै.) २१।४३ से शनौ ९।४३ तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २४।०४।११

प.१४ आ.शु.१० गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	७	३	४	३	७	४	१०
२७	००	०५	२४	०८	१६	२१	२१
५६	१६	५५	५१	०९	३१	१०	१०
१२	०३	३७	१५	१८	४७	४२	४२
५७	११	१२१	९	७३	२	३	३
१४	२१	२३	३३	५०	४२	११	११
पुन	वि	पु	पूफा	पु	अनु	पूफा	पूषा
३	४	१	४	२	४व	३	१

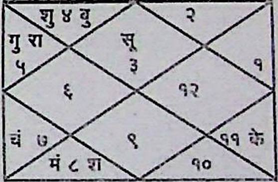

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२० जुलाई से २ अगस्त तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमा सू. सू. तारीस्व स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
वज्र	१	बु	५४	४२	२७	४४	उषा	२५	२२	१६	००	वि	२२	१८	१४	४६	बा	२५	४२	१६	०७	३३/४६	५/५१	७/२२	२९	१४	२०	मक.	३।०३।१२।०५	५७।००
बृहत्तल्पा	२	गु	५२	०१	२६	४०	श्रव	२४	५९	१५	५१	प्री	१८	०१	१३	०३	तै	२३	२७	१५	१४	४६	५१	२२	३०	१५	२१	कुंभे २७।३९	३।०४।०९।०५	५७।०१
धाता	३	शु	४८	३५	२५	१८	धनि	२३	४५	१५	२२	आ	१३	०२	११	०४	व	२०	२२	१४	०१	४४	५२	२१	३१	१६	२२	कुंभे	३।०५।०६।०६	५७।०१
च.व्र.	४	श	४४	२९	२३	४०	शत	२१	५०	१४	३६	सौ	७	२८	८	५१	व	१६	३५	१२	३०	४१	५२	२१	१	१७	२३	कुंभे	३।०६।०३।०७	५७।०२
चर	५	र	३९	५३	२१	५०	पूभा	१९	२१	१३	३७	शो	१/५४	३४/५८	६/२७	३६/५२	कौ	१२	१४	१०	४६	३९	५३	२०	२	१८	२४	मीने ७।५३	३।०७।००।०९	५७।०३
गद	६	सो	३४	४९	११	४९	उभा	१६	२४	१२	२७	सु	४८	१०	२५	०९	ग	७	२३	८	५०	३६	५३	२०	३	१९	२५	मीने	३।०७।५७।१२	५७।०४
शुभ	७	मं	२९	२४	१७	३९	रेव	१३	०३	११	०७	धृ	४१	०५	२२	२०	वि	२	०८	६	४५	३३	५४	१९	४	२०	२६	मेषे ११।०७	३।०८।५४।१५	५७।०५
मृत्यु	८	बु	२३	४४	१५	२४	अश्वि	९	२५	९	४०	शू	३३	४८	१९	२६	कौ	२३	४४	१५	२४	३१	५४	१९	५	२१	२७	मेषे	३।०९।५१।२०	५७।०५
पद्म	९	गु	१७	५५	१३	०५	भर	५	३६	८	०९	गं	२६	२५	१६	२९	ग	१७	५५	१३	०५	२८	५५	१८	६	२२	२८	वृषे १३।४६	३।१०।४८।२५	५७।०६
छत्र	१०	शु	१२	०६	१०	४६	कृति	१/५८	४६/०६	६/२९	३८/४०	वृ	१९	०४	१३	३३	वि	१२	०६	१०	४६	२५	५५	१७	७	२३	२९	वृषे	३।११।४५।३१	५७।०७
ए.व्र.	११	श	६	३०	८	३२	मृग	५४	४९	२७	५१	ध्रु	११	५५	१०	४२	वा	६	३०	८	३२	२२	५६	१७	८	२४	३०	मिथु. १६।२९	३।१२।४२।३९	५७।०८
प्र.व्र.	१२	र	१	१९	६	२८	आर्द्रा	५२	१०	२६	४८	व्या	५	०७	७	५९	तै	१	१९	६	२८	१९	५६	१६	९	२५	३१	मिथु.	३।१३।३९।४७	५७।०९
क्षयः	१३	र	५६	५०	२८	४१	०	०	०	०	०	ह	५८	५४	२९	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
धूम्र	१४	सो	५३	१४	२७	१५	पुन	५०	२३	२६	०६	व	५३	२४	२७	१९	वि	२४	५३	१५	५४	१६	५७	१५	१०	२६	१	कर्के २०।१५	३।१४।३६।५६	५७।१०
अमाव.	३०	मं	५०	४६	२६	१६	पुष्य	४९	४४	२५	५१	सि	४८	५०	२५	३०	च	२१	५०	१४	४२	१३	५८	१५	११	२७	२	कर्के	३।१५।३४।०७	५७।१२

वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे आपाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई-अगस्त २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नक्त व्रतारंभः, पुष्ये सौरः ९।११, श्लेषा. शुक्रः २७।५२
पंचक प्रारम्भः २७।३९, बृहत्तल्पा
भ. १४।०१ उ. २५।१८ या., सायन सिंहे भानुः १४।५२
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५१, भा. श्रावणारंभः
नागपञ्चमी (मरु.), उफा.-१ गुरुः २६।४६
भ. १९।४९ उ.
भ. ६।४५ या., पंचक समाप्तिः ११।०७, अनु. भौमः ११।३१
सिंहे मघा. बुधः ५।५७
भ. २३।५५ उ. [B तिलकपुण्यतिथि
भ. १०।४६ या.
कामिका ११ व्र.
भ. २८।४१ उ., प्रदोषः, सिंहे मघा. शुक्रः २४।०३
[A सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन नाग अल्पवृष्टिः
भ. १५।५४ या., मासिकशिवरात्री व्र., अगस्त ८ ता. ३१, B
देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०, श्लेषा. रविः २०।३०, A

अयनांशाः २४।०४।१२

पं.१५ श्रा.कृ. २ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	७	३	४	३	७	४	१०
०४	०१	१९	२६	१६	१६	२०	२०
३७	४९	२९	००	४६	१४	४८	४८
००	४०	५५	०६	०७	३२	२६	२६
५७	१५	१०९	१०	७३	२	३	३
१७	५८	२६	११	५०	०८	११	११
पु	वि	श्ले	पूफा	श्ले	अनु	पूफा	पूभा
१	४	१	४	१	४व	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जुला	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क प्रातः	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर सायं	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०३।०३।१८।५७	१ बु	२०	११।४६	१।२३	३।१९	५।३४	७।५४	१०।१०	१२।२६	२।४५	५।०४	७।०९	८।५२	१०।२०
०३।०४।१५।५७	२ गु	२१	११।४२	१।१९	३।१५	५।३०	७।५०	१०।०६	१२।२२	२।४१	५।००	७।०५	८।४८	१०।१६
०३।०५।१२।५८	३ शु	२२	११।३९	१।१५	३।११	५।२६	७।४६	१०।०३	१२।१८	२।३७	४।५६	७।०१	८।४४	१०।१२
०३।०६।०९।५९	४ श	२३	११।३५	१।११	३।०७	५।२२	७।४२	९।५९	१२।१४	२।३४	४।५२	६।५७	८।४०	१०।०९
०३।०७।०७।०१	५ र	२४	११।३१	१।०७	३।०३	५।१८	७।३८	९।५५	१२।१०	२।३०	४।४८	६।५३	८।३६	१०।०५
०३।०८।०४।०४	६ चं	२५	११।२७	१।०३	२।५९	५।१४	७।३४	९।५१	१२।०७	२।२६	४।४४	६।४९	८।३२	१०।०१
०३।०९।०१।०७	७ मं	२६	११।२३	१२।५९	२।५५	५।१०	७।३०	९।४७	१२।०३	२।२२	४।४०	६।४५	८।२८	९।५७
०३।०९।५८।१२	८ बु	२७	११।१९	१२।५५	२।५१	५।०६	७।२६	९।४३	११।५९	२।१८	४।३६	६।४१	८।२४	९।५३
०३।१०।५५।१७	९ गु	२८	११।१५	१२।५१	२।४७	५।०२	७।२२	९।३९	११।५५	२।१४	४।३२	६।३७	८।२०	९।४९
०३।११।५२।२४	१० शु	२९	११।११	१२।४७	२।४३	४।५८	७।१८	९।३५	११।५१	२।१०	४।२८	६।३३	८।१६	९।४५
०३।१२।४९।३१	११ श	३०	११।०७	१२।४३	२।३९	४।५४	७।१४	९।३१	११।४७	२।०६	४।२५	६।२९	८।१२	९।४१
०३।१३।४६।३९	१२ र	३१	११।०३	१२।३९	२।३५	४।५०	७।१०	९।२७	११।४३	२।०२	४।२१	६।२५	८।०८	९।३७
०३।१४।४३।४९	१४ चं	१	१०।५९	१२।३५	२।३१	४।४६	७।०६	९।२३	११।३९	१।५८	४।१७	६।२१	८।०५	९।३३
०३।१५।४०।५९	३० मं	२	१०।५५	१२।३१	२।२७	४।४२	७।०२	९।१९	११।३५	१।५४	४।१३	६।१७	८।०१	९।२९

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २०१६
श्रा. शु. १३ भौमे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।१३ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) ११।४९ से १८।१३ तक। (दान- छत्र)।

अयनांशाः २४।०४।१३

पं.१६ श्रा.कृ. ९ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	७	४	४	३	७	४	१०
११	०३	०१	२७	२५	१६	२०	२०
१८	५४	३८	१३	२२	०१	२६	२६
१५	००	२९	०९	५४	२५	११	११
५७	२०	९६	१०	७३	१	३	३
२२	०२	५१	४५	४९	३१	११	११
पु	अनु	म	उफा	श्ले	अनु	पूफा	पूभा
३	१	१	१	३	४व	३	१

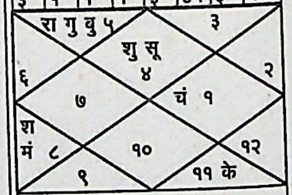

३ अगस्त से १८ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
राक्षस	१	बु	४९	३६	२५	४९	श्ले	५०	२२	२६	०७	व्य	४५	१८	२४	०५	किं	२०	००	१३	५८	३३/१०	५/१८	७/१४	१२	२८	३	सिंहे २६।०७	३।१६।३१।१८	५७।१३
सिंधारा	२	गु	४९	५४	२५	५६	मघा	५२	२६	२६	५७	व	४२	५५	२३	०९	बा	१९	३३	१३	४८	०७	५९	१३	१३	२९	४	सिंहे	३।१७।२८।३१	५७।१४
तीज	३	शु	५१	४४	२६	४१	पूफा	५५	५९	२८	२३	प	४१	४४	२२	४१	तै	२०	३७	१४	१४	०४	५९	१३	१४	१	५	सिंहे	३।१८।२५।४५	५७।१५
उत्पात	४	श	५५	०२	२८	०१	उफा	...	...	...	...	शि	४१	४३	२२	४१	व	२३	१२	१५	१६	००	६/००	१२	१५	२	६	कन्या १०।५०	३।१९।२३।००	५७।१६
मित्र	५	र	५९	४१	२९	५३	उफा	०	५७	६	२३	सि	४२	४६	२३	०७	व	२७	१२	१६	५३	३२/५७	००	११	१६	३	७	कन्या	३।२०।२०।१६	५७।१८
वज्र	६	सो	...	...	...	...	हस्त	७	११	८	५३	सा	४४	३९	२३	५२	कौ	३२	२४	१८	५८	५४	०१	१०	१७	४	८	तुला. २२।१७	३।२१।१७।३४	५७।१९
ध्वाङ्क्ष	६	मं	५	१७	८	०८	चित्रा	१४	२०	११	४५	शु	४७	०२	२४	५०	तै	५	१७	८	०८	५१	०१	०९	१८	५	९	तुला.	३।२२।१४।५३	५७।२०
धूम्र	७	बु	११	२४	१०	३५	स्वा	२१	५२	१४	४६	शु	४९	२९	२५	४९	व	११	२४	१०	३५	४७	०२	०९	१९	६	१०	तुला.	३।२३।१२।१३	५७।२२
प्रवर्धमा	८	गु	१७	२१	१२	५९	विशा	२९	०९	१७	४२	ब्र	५१	३१	२६	३९	व	१७	२१	१२	५९	४४	०२	०८	२०	७	११	वृश्चि. १०।५९	३।२४।०९।३५	५७।२३
राक्षस	९	शु	२२	३२	१५	०४	अनु	३५	३५	२०	१७	ऐ	५२	४५	२७	०९	कौ	२२	३२	१५	०४	४०	०३	०७	२१	८	१२	वृश्चि.	३।२५।०६।५८	५७।२४
मुसल	१०	श	२६	२७	१६	३८	ज्ये	४०	४२	२२	२०	वै	५२	५१	२७	१२	ग	२६	२७	१६	३८	३७	०३	०६	२२	९	१३	धनु. २२।२०	३।२६।०४।२२	५७।२६
ए.व्र.	११	र	२८	४५	१७	३४	मूल	४४	१४	२३	४५	वि	५१	३९	२६	४४	वि	२८	४५	१७	३४	३३	०४	०५	२३	१०	१४	धनु.	३।२७।०१।४८	५७।२७
प्र.व्र.	१२	सो	२९	२१	१७	४९	पूषा	४६	०६	२४	३१	प्री	४९	०८	२५	४३	बा	२९	२१	१७	४९	३०	०४	०४	२४	११	१५	धनु.	३।२७।५९।१६	५७।२९
मानस	१३	मं	२८	१८	१७	२४	उषा	४६	२३	२४	३८	आ	४५	१८	२४	१२	तै	२८	१८	१७	२४	२६	०५	०३	२५	१२	१६	मक. ६।३६	३।२८।५६।४५	५७।३१
छत्र	१४	बु	२५	४६	१६	२४	श्रव	४५	१५	२४	११	सौ	४०	२१	२२	१४	व	२५	४६	१६	२४	२३	०५	०२	२६	१३	१७	मक.	३।२९।५४।१५	५७।३२
पूर्णिमा	१५	गु	२१	५७	१४	५३	धनि	४२	५७	२३	१७	शो	३४	२४	१९	५१	व	२१	५७	१४	५३	१९	०६	०१	२७	१४	१८	कुंभे ११।४७	४।००।५१।४७	५७।३४

केतकी अहर्गणः १९४६ वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे, अगस्त २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
श्लेषा. सौरः ९।३७ [A पंचक प्रारम्भः ११।४७,नारियल १५, B
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार(सिंधारा) देशाचारे,पूफा.बुधः २३।५४
तीज,स्वर्णगौरी व्र.,मधुश्रवाव्र.(गुर्जरे),सुकृत तृतीयाव्र., D
भ. १५।१६ उ. २८।०१ या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र.
नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र. [F उफा. बुधः २५।२६
कल्की जयंती, वर्णषष्ठी, रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं
शीतला [D जिल्काद ११,पूफा.-२ राहुः११।२९,शत.-४ केतुः ११।२९
भ. १०।३५ उ. २३।४९ या., तुलसी जयंती, दुर्गाष्टमी
कन्यायां उफा.-२ गुरुः २६।३७, पूफा. शुक्रः २०।२३
[E (भद्रा के पूर्व), ऋग्वेदि उपाकर्म, सिंहे मघा. सौरः ८।२९
भ. २९।११ उ. [B (मरु), यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय, C
भ. १७।३४ या., पवित्रा ११ व्र., मार्गी शनिः ६।४४
प्रदोषः,दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं,भारतीयस्वतंत्रतादिवस, F
सिंहे मघा. रविः १८।१३, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन मण्डूक वर्षाश्रेष्ठः
भ. १६।२४ उ. २७।४२ या., हयग्रीव जयंती, सूणमाण्डणा E
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रक्षावंधनं (पूरा दिन शुद्ध है), श्रावणी A
[C आपस्तंभ, बांधायन, काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), अथर्ववेदि उपाकर्म

अयनांशाः २४।०४।१४

पं.१७ श्रा.शु. २ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	७	४	४	४	७	४	१०
१८	०६	१२	२८	०३	१५	२०	२०
००	२५	१७	२९	५९	५२	०३	०३
०६	१३	२७	५६	३३	४४	५५	५४
५७	२३	८३	११	७३	०	३	३
२८	३५	४७	१५	४७	५२	११	११
श्ले	अनु	म	उफा	म	अनु	पूफा	पूभा
१	१	४	१	२	४व	३	१

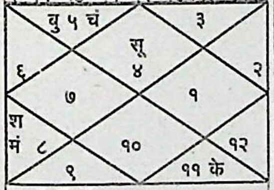

५ गु शु रा

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।१६।३८।११	१ बु	३	१०।५१	१२।२७	२।२४	४।३८	६।५८	९।१५	११।३१	१।५०	४।०९	६।१३	७।५७	९।२५
०३।१७।३५।२४	२ गु	४	१०।४७	१२।२३	२।२०	४।३४	६।५४	९।११	११।२७	१।४६	४।०५	६।०९	७।५३	९।२१
०३।१८।३२।३८	३ शु	५	१०।४३	१२।१९	२।१६	४।३०	६।५०	९।०७	११।२३	१।४२	४।०१	६।०५	७।४९	९।१७
०३।१९।२९।५३	४ श	६	१०।३९	१२।१६	२।१२	४।२६	६।४७	९।०३	११।१९	१।३८	३।५७	६।०१	७।४५	९।१३
०३।२०।२७।०९	५ र	७	१०।३५	१२।१२	२।०८	४।२३	६।४३	८।५९	११।१५	१।३४	३।५३	५।५८	७।४१	९।०९
०३।२१।२४।२७	६ चं	८	१०।३१	१२।०८	२।०४	४।१९	६।३९	८।५५	११।११	१।३०	३।४९	५।५४	७।३७	९।०५
०३।२२।२१।४६	६ मं	९	१०।२८	१२।०४	२।००	४।१५	६।३५	८।५२	११।०७	१।२६	३।४५	५।५०	७।३३	९।०२
०३।२३।१९।०६	७ बु	१०	१०।२४	१२।००	१।५६	४।११	६।३१	८।४८	११।०३	१।२३	३।४१	५।४६	७।२९	८।५८
०३।२४।१६।२८	८ गु	११	१०।२०	११।५६	१।५२	४।०७	६।२७	८।४४	१०।५९	१।१९	३।३७	५।४२	७।२५	८।५४
०३।२५।१३।५१	९ शु	१२	१०।१६	११।५२	१।४८	४।०३	६।२३	८।४०	१०।५६	१।१५	३।३३	५।३८	७।२१	८।५०
०३।२६।११।१६	१० श	१३	१०।१२	११।४८	१।४४	३।५९	६।१९	८।३६	१०।५२	१।११	३।२९	५।३४	७।१७	८।४६
०३।२७।०८।४२	११ र	१४	१०।०८	११।४४	१।४०	३।५५	६।१५	८।३२	१०।४८	१।०७	३।२५	५।३०	७।१३	८।४२
०३।२८।०६।०९	१२ चं	१५	१०।०४	११।४०	१।३६	३।५१	६।११	८।२८	१०।४४	१।०३	३।२१	५।२६	७।०९	८।३८
०३।२९।०३।३८	१३ मं	१६	१०।००	११।३६	१।३२	३।४७	६।०७	८।२४	१०।४०	१२।५९	३।१७	५।२२	७।०५	८।३४
०४।००।०१।०९	१४ बु	१७	९।५६	११।३२	१।२८	३।४३	६।०३	८।२०	१०।३६	१२।५५	३।१४	५।१८	७।०१	८।३०
०४।००।५८।४१	१५ गु	१८	९।५२	११।२८	१।२४	३।३९	५।५९	८।१६	१०।३२	१२।५१	३।१०	५।१४	६।५७	८।२६

अयनांशाः २४।०४।१५

पं.१८ श्रा.शु. ८ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	७	४	४	४	७	४	१०
२४	०९	२१	२९	१२	१५	१९	१९
४२	१९	२३	५०	३५	४८	४१	४१
४३	५१	२४	००	५५	४१	३८	३८
५७	२६	७०	११	७३	०	३	३
३५	४१	०३	४०	४४	१२	११	११
श्ले	अनु	पूफा	उफा	म	अनु	पूफा	श
३	२	३	१	४	४व	२	४

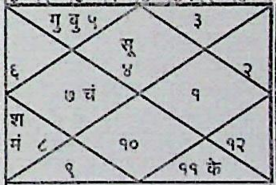

५ शु रा

अयनांशाः २४।०४।१६

पं.१९ श्रा.शु.१५ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	७	४	५	४	७	४	१०
०१	१२	२८	०१	२१	१५	१९	१९
२६	३४	४६	१२	११	४९	१९	१९
१५	५१	३५	५१	५५	२१	२३	२३
५७	२९	५३	१२	७३	०	३	३
४४	२१	१७	०२	४१	२९	११	११
म	अनु	उफा	उफा	पूफा	अनु	पूफा	श
१	३	१	२	३	४	२	४

१९ अगस्त से १ सितंबर तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमासू. सू. तारीस्व — स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सौम्य	१	शु	१७	०८	१२	५८	शत	३९	४३	२२	००	अ	२७	४०	१७	११	कौ	१७	०८	१२	५८	३२/५५	६/०६	७/००	२८	१५	१९	कुंभे	४।०१।४९।२१	५७।३५
काल	२	श	११	३२	१०	४४	पूभा	३५	५०	२०	२७	सु	२०	२२	१४	१५	ग	११	३२	१०	४४	१२	०७	६/५९	२९	१६	२०	मीने १४।५१	४।०२।४६।५६	५७।३७
च.व्र.	३	र	५	२७	८	१८	उभा	३१	३३	१८	४४	धृ	१२	३९	११	११	वि	५	२७	८	१८	०८	०७	५९	३०	१७	२१	मीने	४।०३।४४।३३	५७।३९
क्षयः	४	र	५९	०५	२९	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मातङ्ग	५	सो	५२	३८	२७	११	रेव	२७	०५	१६	५८	शू	४/५६	४४/४८	८/२८	०१/५१	कौ	२५	५१	१६	२८	०४	०८	५८	३१	१८	२२	मेषे १६।५८	४।०४।४२।१२	५७।४१
अनृत	६	मं	४६	२१	२४	४१	अश्वि	२२	४०	१५	१२	वृ	४८	५८	२५	४४	ग	१९	२७	१३	५५	००	०८	५६	१	१९	२३	मेषे	४।०५।३९।५३	५७।४२
जन्माष्ट.	७	बु	४०	२१	२२	१७	भर	१८	२९	१३	३२	ध्रु	४१	२५	२२	४३	वि	१३	१८	११	२८	३१/५७	०९	५५	२	२०	२४	वृषे ११।०९	४।०६।३७।३५	५७।४४
जन्माष्ट.	८	गु	३४	५२	२०	०६	कृति	१४	४४	१२	०३	व्या	३४	१७	१९	५२	बा	७	३२	९	१०	५३	०९	५४	३	२१	२५	वृषे	४।०७।३५।१९	५७।४६
गोगा	९	शु	३०	०२	१८	११	रोहि	११	३४	१०	४७	ह	२७	३९	१७	१३	तै	२	२१	७	०६	४९	१०	५३	४	२२	२६	मिथु. २२।१६	४।०८।३३।०५	५७।४८
वज्र	१०	श	२५	५८	१६	३३	मृग	९	०८	९	४९	व	२१	३९	१४	५०	वि	२५	५८	१६	३३	४५	१०	५२	५	२३	२७	मिथु.	४।०९।३०।५३	५७।५०
ए.व्र.	११	र	२२	४९	१५	१८	आर्द्रा	७	३४	९	१२	सि	१६	२३	१२	४४	बा	२२	४९	१५	१८	४१	११	५१	६	२४	२८	कर्के २७।००	४।१०।२८।४२	५७।५१
प्र.व्र.	१२	सो	२०	४१	१४	२८	पुन	६	५८	८	५९	व्य	११	५५	१०	५७	तै	२०	४१	१४	२८	३७	११	५०	७	२५	२९	कर्के	४।११।२६।३४	५७।५३
प्रवर्धमा	१३	मं	१९	३८	१४	०३	पुष्य	७	२६	९	१०	व	८	१८	९	३१	व	१९	३८	१४	०३	३४	१२	४९	८	२६	३०	कर्के	४।१२।२४।२७	५७।५५
राक्षस	१४	बु	१९	४३	१४	०५	श्ले	९	००	९	४८	प	५	३५	८	२६	श	१९	४३	१४	०५	३०	१२	४८	९	२७	३१	सिंहे ९।४८	४।१३।२२।२२	५७।५७
अमाव.	३०	गु	२०	५७	१४	३५	मघा	११	४१	१०	५३	शि	३	४५	७	४३	ना	२०	५७	१४	३५	२६	१३	४७	१०	२८	१	सिंहे	४।१४।२०।१९	५७।५९

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त-सितंबर २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
कन्यायां बुधः १५।४२ [B चंद्रषष्ठी (मरु.), भा. भाद्रपदारंभः
भ. २१।३२ उ., कज्जली(बूढी ३) [D उफा. शुक्रः १७।०२
भ. ८।१८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१३
[A १४।१३ (सौरः२९।१३),सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन स्वर अल्पवृष्टिः
पंचक समाप्तिः १६।५८, सायन कन्यायां भानुः २२।०४, D
भ. २४।४१ उ., बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, B
भ. ११।२८ या., जन्माष्टमी व्र. स्मा., शीतला व्र.
मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. वैष्ण., कन्यायां शुक्रः १०।१५
भ. २९।१९ उ., गोगानवमी, ज्येष्ठा. भौमः ६।४५
भ. १६।३३ या., अगस्त्योदयः १८।०७
अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, उफा.-३ गुरुः १५।२२
प्रदोषः, बुधास्तः पश्चिमायाम् २८।३९
भ. १४।०३ उ. २६।०१ या., मासिकशिवरात्री व्र., पूफा. रविः A
कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०,वक्री बुधः ६।५७ [C सितंबर ९ ता. ३०
देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०, C

अयनांशाः २४।०४।१७

पं.२० भा.कृ. ८ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	७	५	५	४	७	४	१०
०८	१६	०३	०२	२९	१५	१८	१८
१०	०७	४९	३८	४७	५४	५७	५७
५३	३१	३४	०५	२७	४६	०७	०७
५७	३१	२७	१२	७३	१	३	३
५४	४१	३१	२१	३६	१०	११	११
म	अनु	उफा	उफा	उफा	अनु	पूफा	श
३	४	३	२	१	४	२	४

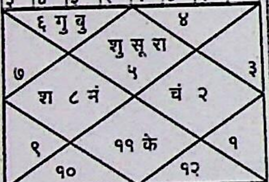

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायँ	मीन रात्रौ
०४।०१।५६।१५	१ शु	१९	९।४८	११।२४	१।२०	३।३५	५।५५	८।१२	१०।२८	१२।४७	३।०६	५।१०	६।५४	८।२२
०४।०२।५३।५१	२ श	२०	९।४४	११।२०	१।१६	३।३१	५।५१	८।०८	१०।२४	१२।४३	३।०२	५।०६	६।५०	८।१८
०४।०३।५१।२८	३ र	२१	९।४०	११।१६	१।१३	३।२७	५।४७	८।०४	१०।२०	१२।३९	२।५८	५।०२	६।४६	८।१४
०४।०४।४९।०७	५ चं	२२	९।३६	११।१२	१।०९	३।२३	५।४३	८।००	१०।१६	१२।३५	२।५४	४।५८	६।४२	८।१०
०४।०५।४६।४७	६ मं	२३	९।३२	११।०८	१।०५	३।१९	५।३९	७।५६	१०।१२	१२।३१	२।५०	४।५४	६।३८	८।०६
०४।०६।४४।३०	७ बु	२४	९।२८	११।०५	१।०१	३।१५	५।३६	७।५२	१०।०८	१२।२७	२।४६	४।५१	६।३४	८।०२
०४।०७।४२।१४	८ गु	२५	९।२४	११।०१	१२।५७	३।१२	५।३२	७।४८	१०।०४	१२।२३	२।४२	४।४७	६।३०	७।५८
०४।०८।४०।००	९ शु	२६	९।२०	१०।५७	१२।५३	३।०८	५।२८	७।४५	१०।००	१२।१९	२।३८	४।४३	६।२६	७।५४
०४।०९।३७।४८	१० श	२७	९।१७	१०।५३	१२।४९	३।०४	५।२४	७।४१	९।५६	१२।१६	२।३४	४।३९	६।२२	७।५१
०४।१०।३५।३८	११ र	२८	९।१३	१०।४९	१२।४५	३।००	५।२०	७।३७	९।५२	१२।१२	२।३०	४।३५	६।१८	७।४७
०४।११।३३।२९	१२ चं	२९	९।०९	१०।४५	१२।४१	२।५६	५।१६	७।३३	९।४८	१२।०८	२।२६	४।३१	६।१४	७।४३
०४।१२।३१।२३	१३ मं	३०	९।०५	१०।४१	१२।३७	२।५२	५।१२	७।२९	९।४५	१२।०४	२।२२	४।२७	६।१०	७।३९
०४।१३।२९।१८	१४ बु	३१	९।०१	१०।३७	१२।३३	२।४८	५।०८	७।२५	९।४१	१२।००	२।१८	४।२३	६।०६	७।३५
०४।१४।२७।१५	३० गु	१	८।५७	१०।३३	१२।२९	२।४४	५।०४	७।२१	९।३७	११।५६	२।१४	४।१९	६।०२	७।३१

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो, यथा- प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे ॥ गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःस्व का नाश हों। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या मघा योग समर्घता कारक है। अमावस को मघा होने से मध्यम वर्षा हो। भादवा शु. चतुर्थी को सोमवार और चित्रा होने से दुर्भिक्ष हो। भादवा सुदी छठ को अनुराधा नहीं होने से दुर्भिक्ष हों। भादवा सुदि नौमी रविवार मूल नक्षत्र होने से दुर्भिक्ष हों। भाद. शु.१३ तिथि क्षय होने से राजा को कष्ट और अतिरौद्र दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा शतभिषा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २४।०४।१७

पं.२१ भा.कृ.३० गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	७	५	५	५	७	४	१०
१४	१९	०५	०४	०८	१६	१८	१८
५६	५५	०९	०५	२२	०४	३४	३४
४३	३६	४३	१५	२६	५५	५१	५१
५८	३३	१२	१२	७३	१	३	३
०५	४३	३८	३६	३१	५०	११	११
पूफा	ज्ये	उफा	उफा	उफा	अनु	पूफा	श
१	१	३व	३	४	४	२	४

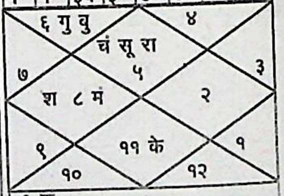

६ शु

२ सितंबर से १६ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	शु	२३	२२	१५	३४	पूफा	१५	३०	१२	२५	सि	२	५०	७	२१	व	२३	२२	१५	३४	३१/३२	६/१३	६/४६	११	२९	२	कन्या १८।५२	४।१५।१८।१८	५८।०१
उत्पात	२	श	२६	५४	१६	५९	उफा	२०	२६	१४	२४	सा	२	४९	७	२१	कौ	२६	५४	१६	५९	१८	१४	४५	१२	३०	३	कन्या	४।१६।१६।२०	५८।०३
मानस	३	र	३१	३१	१८	५१	हस्त	२६	२४	१६	४८	शु	३	३९	७	४१	ग	३१	३१	१८	५१	१४	१४	४४	१३	१	४	तुला. ३०।०८	४।१७।१४।२३	५८।०५
गणेश	४	सो	३७	०२	२१	०३	चित्रा	३३	१४	१९	३२	शु	५	१३	८	२०	व	४	१०	७	५५	१०	१४	४२	१४	२	५	तुला.	४।१८।१२।२८	५८।०७
ऋषि	५	मं	४३	०८	२३	३०	स्वा	४०	४०	२२	३१	ब्र	७	२१	९	११	व	१०	०२	१०	१६	०६	१५	४१	१५	३	६	तुला.	४।१९।१०।३५	५८।०९
धाता	६	बु	४९	२१	२६	००	विशा	४८	१३	२५	३३	ऐ	९	४७	१०	१०	कौ	१६	१५	१२	४५	०२	१५	४०	१६	४	७	वृश्चि. १८।४७	४।२०।०८।४४	५८।११
आनन्द	७	गु	५५	०८	२८	१९	अनु	५५	२१	२८	२४	वै	१२	०८	११	०७	ग	२२	२०	१५	१२	३०/५८	१६	३९	१७	५	८	वृश्चि.	४।२१।०६।५६	५८।१३
चर	८	शु	५९	५१	३०	१३	ज्ये	...	...	...	...	वि	१४	००	११	५२	वि	२७	३८	१७	२०	५४	१६	३८	१८	६	९	वृश्चि.	४।२२।०५।०९	५८।१६
मुसल	९	श	...	...	...	...	ज्ये	१	२८	६	५२	प्री	१४	५६	१२	१५	वा	३१	४२	१८	५८	५०	१७	३७	१९	७	१०	धनु. ६।५२	४।२३।०३।२५	५८।१८
सिद्धि	९	र	३	०५	७	३१	मूल	६	०८	८	४४	आ	१४	३९	१२	०९	कौ	३	०५	७	३१	४६	१७	३६	२०	८	११	धनु.	४।२४।०१।४३	५८।२०
उत्पात	१०	सो	४	३१	८	०६	पूषा	९	०४	९	५५	सौ	१२	५७	११	२८	ग	४	३१	८	०६	४२	१८	३४	२१	९	१२	मक. १६।०६	४।२५।००।०३	५८।२२
ए.व्र.	११	मं	४	०३	७	५५	उषा	१०	०७	१०	२१	शो	९	४५	१०	१२	वि	४	०३	७	५५	३८	१८	३३	२२	१०	१३	मक.	४।२५।५८।२५	५८।२४
प्र.व्र.	१२	बु	१	४४	७	००	श्रव	९	२२	१०	०३	अ	५	०३	८	२०	वा	१	४४	७	००	३४	१९	३२	२३	११	१४	कुंभे २१।३९	४।२६।५६।४९	५८।२६
क्षयः	१३	बु	५७	४४	२९	२४	०	०	०	०	०	सु	५९	०१	२९	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
श्रीवत्स	१४	गु	५२	१४	२७	१३	धनि	६	५७	९	०६	धृ	५१	४७	२७	०२	ग	२५	०८	१६	२२	२९	१९	३१	२४	१२	१५	कुंभे	४।२७।५५।१५	५८।२९
पूर्णिमा	१५	शु	४५	३५	२४	३४	शत	३/५९	०७/१२	७/२९	३४/३६	शू	४३	३६	२३	४६	वि	१९	०१	१३	५६	२५	२०	३०	२५	१३	१६	मीने २४।०८	४।२८।५३।४४	५८।३१

केतकी अहर्गणः १९७६ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
हस्ते शुक्रः १४।०४ [C गौरी पूजन, (व) सिंहे बुधः१९।२१
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [F उपाकर्म, जिल्हेज १२
मन्वादि, वराह जयंती, हरितालिकाव्र., हस्तिगौरी व्र.,सामवेदि F
भ. ७।५५ उ. २१।०३ या.,गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), G
ऋषि पंचमी [H गौरीआवाहन २८।२४ यावत् [G जैन संवत्सरी
सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे)
भ.२८।१९ उ., मुक्ताभरण व्र., उमामहेश्वर पू., दूबड़ी सातम, H
भ. १७।२० या., श्रीराधा ८, दधीची जयंती, C
श्रीचंद्र(उदासीन संप्रदाय), गुरोरस्तःपश्चि.२५।३० I
अदुःख नवमी व्र., दशावतार व्र. [I गौरी विसर्जन ६।५२ उपरान्त
भ. २०।०७ उ., श्री रामदेवजी का मेला, (व) पूफा. बुधः २६।०५
भ. ७।५५ या., जलझूलनी ११ व्र., वामन जयंती, हरिवासरः A
पंचक प्रारम्भः २१।३९, प्रदोषः, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्र व्र. [E १५।०९
[A १८।१४ से २६।११, उफा. रविः ८।०६ (सौरः २३।२४), D
भ.२७।१३ उ.,अनन्त १४, कदलीव्रतं पू.,रंगारोपणं,ज्येष्ठा.-१ शनिः E
भ. १३।५६ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, प्रौष्ठपदी, महालय B

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

[D उफा.-४ गुरुः ९।५७, चित्रा. शुक्रः ११।३४, सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन अश्व वर्षाश्रेष्ठः [B श्राद्धारंभः, महेश्वर पूजनं, कु. संध्यापूजा, इंदुला १५, कन्यायां रविः १८।१३

अयनांशाः २४।०४।१८

पं.२२ भा.शु. ७ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	७	५	५	५	७	४	१०
२१	२३	०१	०५	१६	१६	१८	१८
४३	५७	२६	३३	५६	१९	१२	१२
५३	०६	१०	५९	५०	४०	३५	३५
५८	३५	५४	१२	७३	२	३	३
१७	३०	३१	४६	२६	२९	११	११
पूफा	ज्ये	उफा	उफा	ह	अनु	पूफा	श
३	३	२व	३	३	४	२	४

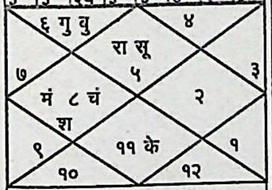

/६ शु

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. सितं	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायं
०४।१५।२५।१५	१ शु	२	८।५३	१०।२९	१२।२५	२।४०	५।००	७।१७	९।३३	११।५२	२।१०	४।१५	५।५८	७।२७
०४।१६।२३।१६	२ श	३	८।४९	१०।२५	१२।२१	२।३६	४।५६	७।१३	९।२९	११।४८	२।०६	४।११	५।५४	७।२३
०४।१७।२१।२०	३ र	४	८।४५	१०।२१	१२।१७	२।३२	४।५२	७।०९	९।२५	११।४४	२।०३	४।०७	५।५०	७।१९
०४।१८।१९।२५	४ चं	५	८।४१	१०।१७	१२।१३	२।२८	४।४८	७।०५	९।२१	११।४०	१।५९	४।०३	५।४६	७।१५
०४।१९।१७।३२	५ मं	६	८।३७	१०।१३	१२।०९	२।२४	४।४४	७।०१	९।१७	११।३६	१।५५	३।५९	५।४३	७।११
०४।२०।१५।४२	६ बु	७	८।३३	१०।०९	१२।०५	२।२०	४।४०	६।५७	९।१३	११।३२	१।५१	३।५५	५।३९	७।०७
०४।२१।१३।५३	७ गु	८	८।२९	१०।०५	१२।०२	२।१६	४।३६	६।५३	९।०९	११।२८	१।४७	३।५१	५।३५	७।०३
०४।२२।१२।०७	८ शु	९	८।२५	१०।०१	११।५८	२।१२	४।३२	६।४९	९।०५	११।२४	१।४३	३।४७	५।३१	६।५९
०४।२३।१०।२३	९ श	१०	८।२१	९।५७	११।५४	२।०८	४।२८	६।४५	९।०१	११।२०	१।३९	३।४३	५।२७	६।५५
०४।२४।०८।४१	९ र	११	८।१७	९।५४	११।५०	२।०४	४।२५	६।४१	८।५७	११।१६	१।३५	३।४०	५।२३	६।५१
०४।२५।०७।०१	१० चं	१२	८।१३	९।५०	११।४६	२।०१	४।२१	६।३७	८।५३	११।१२	१।३१	३।३६	५।१९	६।४७
०४।२६।०५।२४	११ मं	१३	८।०९	९।४६	११।४२	१।५७	४।१७	६।३४	८।४९	११।०८	१।२७	३।३२	५।१५	६।४३
०४।२७।०३।४८	१२ बु	१४	८।०६	९।४२	११।३८	१।५३	४।१३	६।३०	८।४५	११।०५	१।२३	३।२८	५।११	६।४०
०४।२८।०२।१५	१४ गु	१५	८।०२	९।३८	११।३४	१।४९	४।०९	६।२६	८।४१	११।०१	१।१९	३।२४	५।०७	६।३६
०४।२९।००।४४	१५ शु	१६	७।५८	९।३४	११।३०	१।४५	४।०५	६।२२	८।३८	१०।५७	१।१५	३।२०	५।०३	६।३२

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २०१६
भा. शु. १५ भृगौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।१३ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १८।१३ से २४।३७ तक । (दान- गृह वस्त्र) ।

अयनांशाः २४।०४।१९

पं.२३ भा.शु.१४ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	७	४	५	५	७	४	१०
२८	२८	२४	०७	२५	१६	१७	१७
३२	१०	३१	०३	३०	३८	५०	५०
३१	२०	१०	४९	३७	५२	१९	१९
५८	३७	५३	१२	७३	३	३	३
३०	०३	२५	५४	२१	०६	११	११
उफा	ज्ये	पूफा	उफा	चि	अनु	पूफा	श
१	४	४व	४	१	४	२	४

१७ सितंबर से ३० सितंबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमासू. सू. तारीख — स्टै. — प्रातः — दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर २०१६ — यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
धूम्र	१	श	३८	०५	२१	३४	उभा	५२	३१	२७	२०	गं	३४	४२	२०	१३	बा	११	५४	११	०६	३०/३१	६/२०	६/२९	२६	१४	१७	मीने	४|२९|५२|१५	५८|३३	विश्वकर्मा पू., कन्यायां सौरः ९|३१, धनुषि मूले भौमः २९|००
प्रवर्धमा	२	र	३०	०६	१८	२३	रेव	४६	२६	२४	५५	वृ	२५	२१	१६	२९	तै	४	०७	७	५९	१७	२०	२७	२७	१५	१८	मेषे २४|५५	५|००|५०|४८	५८|३५	भ. २८|४५ उ., पंचक समाप्तिः २४|५५, तुलायां शुक्रः २२|३१
च.व्र.	३	सो	२१	५९	१५	०८	अश्वि	४०	१८	२२	२८	ध्रु	१५	५३	१२	४२	वि	२१	५९	१५	०८	१३	२१	२६	२८	१६	१९	मेषे	५|०१|४९|२४	५८|३८	भ. १५|०८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०|३५, बुधोदयः C
मुसल	४	मं	१४	०३	११	५९	भर	३४	३१	२०	१०	व्या	५६/५७	३३/३२	२६/२५	५८/२५	बा	१४	०३	११	५९	०९	२१	२५	२९	१७	२०	वृषे २५|३७	५|०२|४८|०१	५८|४०	भरणी श्राद्ध [C पूर्वस्याम् ११|२९
सिद्धि	५	बु	६	४२	९	०२	कृति	२९	२४	१८	०७	व	४९	२२	२६	०७	तै	६	४२	९	०२	०५	२२	२४	३०	१८	२१	वृषे	५|०३|४६|४१	५८|४२	चंद्रषष्ठी [D हस्ते-१ गुरुः २०|५१
उत्पात	६	गु	०	१०	६	२६	रोहि	२५	१५	१६	२८	सि	४१	५७	२३	०९	व	०	१०	६	२६	०१	२२	२३	३१	१९	२२	मिथु. २७|४९	५|०४|४५|२३	५८|४५	भ. ६|२६ उ. १७|१८ या., सायन तुलायां भानुः १९|५१, E
क्षयः	७	गु	५४	४६	२८	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B २१|२७ से २९|४३ तक [E मार्गी बुधः २५|०४
मानस	८	शु	५०	३८	२६	३८	मृग	२२	१६	१५	१७	व्य	३५	३३	२०	३६	बा	२२	३१	१५	२३	२९/५|१६	२३	२१	१	२०	२३	मिथु.	५|०५|४४|०८	५८|४७	श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी, भा. अश्विनारंभः
मुद्गर	९	श	४७	५२	२५	३२	आर्द्रा	२०	३७	१४	३८	व	३०	१५	१८	२९	तै	१९	०३	१४	००	५३	२३	२०	२	२१	२४	मिथु.	५|०६|४२|५४	५८|४९	सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, स्वा. शुक्रः ९|३५
ध्वजा	१०	र	४६	३२	२५	०१	पुन	२०	२२	१४	३३	प	२६	०५	१६	५०	व	१७	०२	१३	१२	४९	२४	१९	३	२२	२५	कर्के ८|३१	५|०७|४१|४४	५८|५१	भ. १३|१२ उ. २५|०१ या. [A मूषक अल्पवृष्टिः
ए.व्र.	११	सो	४६	३६	२५	०३	पुष्य	२१	३०	१५	००	शि	२३	०१	१५	३७	ब	१६	२४	१२	५८	४४	२४	१८	४	२३	२६	कर्के	५|०८|४०|३५	५८|५४	इंदिरा ११ व्र., हस्ते रविः २३|३७, सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन A
आनन्द	१२	मं	४७	५७	२५	३५	श्ले	२३	५५	१५	५९	सि	२०	५९	१४	४८	कौ	१७	०६	१३	१५	४०	२५	१७	५	२४	२७	सिंहे १५|५९	५|०९|३९|२९	५८|५६	सन्यासिनां श्राद्धं, गजच्छाया योगः २५|३५ से, हस्ते सौरः १४|४६
प्र.व्र.	१३	बु	५०	२५	२६	३५	मघा	२७	३०	१७	२५	सा	१९	५३	१४	२३	ग	१९	०२	१४	०२	३६	२५	१६	६	२५	२८	सिंहे	५|१०|३८|२५	५८|५८	भ. २६|३५ उ., प्रदोषः, युगादि, गजच्छाया योगः १७|२५ तक, D
गद	१४	गु	५३	५३	२७	५९	पूफा	३२	०६	१९	१६	शु	१९	३६	१४	१६	वि	२२	०१	१५	१४	३२	२६	१४	७	२६	२९	कन्या २५|४७	५|११|३७|२३	५९|०१	भ. १५|१४ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
अमाव.	३०	शु	५८	१२	२९	४३	उफा	३७	३२	२१	२७	शु	२०	०१	१४	२६	च	२५	५६	१६	४९	२८	२६	१३	८	२७	३०	कन्या	५|१२|३६|२४	५९|०३	देवपितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, गजच्छाया (वोधायन) B

अयनांशाः २४|०४|२०

पं.२४ आ.कृ. ६ गु. इष्टघटी ०|००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	८	४	५	६	७	४	१०
०५	०२	२०	०८	०४	१७	१७	१७
२२	३३	४४	३४	०३	०२	२८	२८
४१	५०	०७	२१	४५	१८	०४	०४
५८	३८	२	१२	७३	३	३	३
४४	२४	०८	५८	१५	४१	११	११
उफा	मू	पूफा	उफा	चि	ज्ये	पूफा	श
३	१	३	४	४	१	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट मे ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. सितं	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायँ
०४|२९|५९|१५	१ श	१७	७|५४	९|३०	११|२६	१|४१	४|०१	६|१८	८|३४	१०|५३	१|११	३|१६	४|५९	६|२८
०५|००|५७|४८	२ र	१८	७|५०	९|२६	११|२२	१|३७	३|५७	६|१४	८|३०	१०|४९	१|०७	३|१२	४|५५	६|२४
०५|०१|५६|२४	३ चं	१९	७|४६	९|२२	११|१८	१|३३	३|५३	६|१०	८|२६	१०|४५	१|०३	३|०८	४|५१	६|२०
०५|०२|५५|०२	४ मं	२०	७|४२	९|१८	११|१४	१|२९	३|४९	६|०६	८|२२	१०|४१	१२|५९	३|०४	४|४७	६|१६
०५|०३|५३|४२	५ बु	२१	७|३८	९|१४	११|१०	१|२५	३|४५	६|०२	८|१८	१०|३७	१२|५५	३|००	४|४३	६|१२
०५|०४|५२|२४	६ गु	२२	७|३४	९|१०	११|०६	१|२१	३|४१	५|५८	८|१४	१०|३३	१२|५२	२|५६	४|३९	६|०८
०५|०५|५१|०९	८ शु	२३	७|३०	९|०६	११|०२	१|१७	३|३७	५|५४	८|१०	१०|२९	१२|४८	२|५२	४|३५	६|०४
०५|०६|४९|५६	९ श	२४	७|२६	९|०२	१०|५८	१|१३	३|३३	५|५०	८|०६	१०|२५	१२|४४	२|४८	४|३२	६|००
०५|०७|४८|४५	१० र	२५	७|२२	८|५८	१०|५५	१|०९	३|२९	५|४६	८|०२	१०|२१	१२|४०	२|४४	४|२८	५|५६
०५|०८|४७|३७	११ चं	२६	७|१८	८|५४	१०|५१	१|०५	३|२५	५|४२	७|५८	१०|१७	१२|३६	२|४०	४|२४	५|५२
०५|०९|४६|३१	१२ मं	२७	७|१४	८|५०	१०|४७	१|०१	३|२१	५|३८	७|५४	१०|१३	१२|३२	२|३६	४|२०	५|४८
०५|१०|४५|२७	१३ बु	२८	७|१०	८|४६	१०|४३	१२|५७	३|१८	५|३४	७|५०	१०|०९	१२|२८	२|३२	४|१६	५|४४
०५|११|४४|२६	१४ गु	२९	७|०६	८|४३	१०|३९	१२|५३	३|१४	५|३०	७|४६	१०|०५	१२|२४	२|२९	४|१२	५|४०
०५|१२|४३|२७	३० शु	३०	७|०२	८|३९	१०|३५	१२|५०	३|१०	५|२६	७|४२	१०|०१	१२|२०	२|२५	४|०८	५|३६

मास फलम्

इस माह मे पांच शनिवार होने से महँगाई हो और पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं, यथा- एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः ॥ आश्विन कृष्णा एकादशी को सोमवार होने से गाय भैंस महँगी हों । शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें । अमावस्या को उत्तराफाल्गुनी होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो । शुक्ला प्रतिपदा की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो ।.आसोज शु. प्रतिपदा को शनिवार होने से धान्यादि भाव में मंदी हो । रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों ।

अयनांशाः २४|०४|२१

पं.२५ आ.कृ.१४ गु. इष्टघटी ०|००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	८	४	५	६	७	४	१०
१२	०७	२४	१०	१२	१७	१७	१७
१४	०६	१६	०५	३६	२९	०५	०५
२८	१९	४८	११	१२	४५	४७	४७
५८	३९	६४	१२	७३	४	३	३
५८	३६	३१	५८	०९	१४	११	११
ह	मू	पूफा	ह	स्वा	ज्ये	पूफा	श
१	३	४	१	२	१	२	४

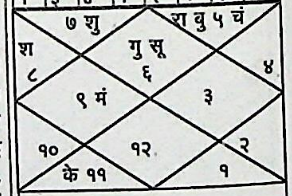

१ अक्टूबर से १६ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, हिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	श	...	...	...	...	हस्त	४३	४४	२३	५६	ब्र	२१	०३	१४	५२	किं	३०	३९	१८	४२	३९/३४	६/२७	६/१३	९	२८	१	कन्या	५।१३।३५।२७	५९।०५
पद्म	१	र	३	१५	७	४५	चित्रा	५०	३२	२६	४०	ऐ	२२	३५	१५	२९	ब	३	१५	७	४५	२०	२७	११	१०	२९	२	तुला. १३।१६	५।१४।३४।३२	५९।०८
छत्र	२	सो	८	५६	१०	०२	स्वा	५७	५०	२९	३६	वै	२४	३५	१६	१७	कौ	८	५६	१०	०२	१६	२८	१०	११	१	३	तुला.	५।१५।३३।४०	५९।१०
श्रीवत्स	३	मं	१५	०५	१२	३०	विशा	...	...	...	...	वि	२६	५१	१७	१३	ग	१५	०५	१२	३०	१२	२८	०९	१२	२	४	वृश्चि. २५।५२	५।१६।३२।५०	५९।१२
धाता	४	बु	२१	२४	१५	०२	विशा	५	२२	८	३८	प्री	२९	१३	१८	१०	वि	२१	२४	१५	०२	०७	२९	०८	१३	३	५	वृश्चि.	५।१७।३२।०२	५९।१५
आनन्द	५	गु	२७	३३	१७	३१	अनु	१२	५०	११	३७	आ	३१	२५	१९	०३	वा	२७	३३	१७	३१	०३	२९	०७	१४	४	६	वृश्चि.	५।१८।३१।१६	५९।१७
चर	६	शु	३३	०१	१९	४२	ज्ये	१९	४५	१४	२४	सौ	३३	०४	१९	४३	कौ	०	२३	६	३९	३६	३०	०५	१५	५	७	धनु. १४।२४	५।१९।३०।३३	५९।१९
गद	७	श	३७	१९	२१	२६	मूल	२५	४०	१६	४६	शो	३३	५०	२०	०२	ग	५	२०	८	३८	५५	३०	०४	१६	६	८	धनु.	५।२०।२९।५३	५९।२२
दुर्गा	८	र	४०	०४	२२	३२	पूषा	३०	०७	१८	३४	अ	३३	२५	१९	५३	वि	८	५४	१०	०४	५१	३१	०३	१७	७	९	मक. २४।५४	५।२१।२९।१४	५९।२४
मृत्यु	९	सो	४०	५५	२२	५३	उषा	३२	४९	१९	३९	सु	३१	३३	१९	०९	वा	१०	४४	१०	४९	४७	३१	०२	१८	८	१०	मक.	५।२२।२८।३८	५९।२६
विजया	१०	मं	३९	४८	२२	२७	श्रव	३३	३४	१९	५७	धृ	२८	१०	१७	४८	तै	१०	३६	१०	४६	४३	३२	०१	१९	९	११	मक.	५।२३।२८।०५	५९।२९
ए.व्र.	११	बु	३६	४०	२१	१२	धनि	३२	२१	१९	२९	शू	२३	१०	१५	४८	व	८	२८	९	५६	३९	३२	००	२०	१०	१२	कुंभे ७।४९	५।२४।२७।३३	५९।३१
वज्र	१२	गु	३१	४२	१९	१४	शत	२९	१७	१८	१६	गं	१६	३९	१३	१३	व	४	२३	८	१८	३५	३३	५९	२१	११	१३	कुंभे	५।२५।२७।०४	५९।३३
प्र.व्र.	१३	शु	२५	०५	१६	३६	पूभा	२४	३६	१६	२४	वृ	५६	४५/४३	१०/३०	०४/२७	तै	२५	०५	१६	३६	३१	३४	५८	२२	१२	१४	मीने १०।५५	५।२६।२६।३७	५९।३६
धूम्र	१४	श	१७	१२	१३	२७	उभा	१८	३६	१४	०१	व्या	४९	४८	२६	२९	व	१७	१२	१३	२७	२७	३४	५७	२३	१३	१५	मीने	५।२७।२६।१३	५९।३८
पूर्णिमा	१५	र	८	२२	९	५६	रेव	११	४१	११	१५	ह	३९	१८	२२	१८	व	८	२२	९	५६	२३	३५	५६	२४	१४	१६	मेषे ११।१५	५।२८।२५।५१	५९।४०

केतकी अहर्गणः २००५ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेनजयंती, मातामहश्रा.,अक्टू. १० G
चंद्रदर्शनम् (मु.३०),गांधी जयन्ती [G ता.३१, उफा. बुधः ८।४३
मोहोर्रम १ सन १४३८ हि., कन्यायां बुधः १९।२५
भ. २५।४६ उ. [B (सौरः २७।१६), सं. स्त्री. पु. सू. चं. C
भ. १५।०२ या., विशा. शुक्रः ८।१० [E पूषा. भौमः १३।३१
उपांगललिताव्र., गुरोरुदयः पूर्वस्याम् २५।१२
पूफा.-१ राहुः ९।१०, शत.-३ केतुः ९।१०

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

भ. २१।२६ उ., सरस्वती आवाहनं मूलभे, भद्रकाली अवतार, E
भ.१०।०४ या., महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे, हस्ते बुधः २४।२८
मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे, चित्रा. रविः १२।३७ B
बोद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे
भ. ९।५६ उ. २१।१२ या., पंचक प्रारम्भः ७।४९, पापांकुशा I
कार्तिके द्विदलंत्यजेत्, वृश्चिके शुक्रः १३।३२ [C वाहनस्वर वर्षाश्रेष्ठः
प्रदोषः, हस्ते-२ गुरुः ८।४५ [I ११ व्र., बुधास्तः पूर्वस्याम् १७।५०
भ.१३।२७ उ. २३।४३ या., पूर्णिमाव्रतं, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र.
पंचक समाप्तिः ११।१५, पूर्णिमा पुण्यं, बंगीय लक्ष्मी पूजा, A

[A नवान्न भक्षण, आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन शाखा), कार्तिक स्नान प्रा., आकाश दीपारंभः, तुलायां रविः ३०।११, अनु. शुक्रः ७।२५

अयनांशाः २४।०४।२२ ॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥ अयनांशाः २४।०४।२३

पं.२६ आ.शु. ५ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	८	५	५	६	७	४	१०
१९	११	०३	११	२१	१८	१६	१६
०७	४६	४६	३५	०७	००	४३	४३
५५	४०	०१	५२	५५	५५	३२	३२
५९	४०	९७	१२	७३	४	३	३
१२	३८	१२	५५	०२	४४	११	११
ह	मू	उफा	ह	वि	ज्ये	पूफा	श
३	४	३	१	१	१	२	४

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अक्टू	मेष सायँ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला प्रातः	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०५।१३।४२।३०	१ श	१	६।५८	८।३५	१०।३१	१२।४६	३।०६	५।२३	७।३८	९।५७	१२।१६	२।२१	४।०४	५।३२
०५।१४।४१।३६	१ र	२	६।५५	८।३१	१०।२७	१२।४२	३।०२	५।१९	७।३४	९।५४	१२।१२	२।१७	४।००	५।२९
०५।१५।४०।४४	२ चं	३	६।५१	८।२७	१०।२३	१२।३८	२।५८	५।१५	७।३०	९।५०	१२।०८	२।१३	३।५६	५।२५
०५।१६।३९।५४	३ मं	४	६।४७	८।२३	१०।१९	१२।३४	२।५४	५।११	७।२७	९।४६	१२।०४	२।०९	३।५२	५।२१
०५।१७।३९।०६	४ बु	५	६।४३	८।१९	१०।१५	१२।३०	२।५०	५।०७	७।२३	९।४२	१२।००	२।०५	३।४८	५।१७
०५।१८।३८।२१	५ गु	६	६।३९	८।१५	१०।११	१२।२६	२।४६	५।०३	७।१९	९।३८	११।५६	२।०१	३।४४	५।१३
०५।१९।३७।३९	६ शु	७	६।३५	८।११	१०।०७	१२।२२	२।४२	४।५९	७।१५	९।३४	११।५२	१।५७	३।४०	५।०९
०५।२०।३६।५८	७ श	८	६।३१	८।०७	१०।०३	१२।१८	२।३८	४।५५	७।११	९।३०	११।४८	१।५३	३।३६	५।०५
०५।२१।३६।२०	८ र	९	६।२७	८।०३	९।५९	१२।१४	२।३४	४।५१	७।०७	९।२६	११।४५	१।४९	३।३२	५।०१
०५।२२।३५।४४	९ चं	१०	६।२३	७।५९	९।५५	१२।१०	२।३०	४।४७	७।०३	९।२२	११।४१	१।४५	३।२८	४।५७
०५।२३।३५।११	१० मं	११	६।१९	७।५५	९।५१	१२।०६	२।२६	४।४३	६।५९	९।१८	११।३७	१।४१	३।२४	४।५३
०५।२४।३४।४०	११ बु	१२	६।१५	७।५१	९।४७	१२।०२	२।२२	४।३९	६।५५	९।१४	११।३३	१।३७	३।२१	४।४९
०५।२५।३४।११	१२ गु	१३	६।११	७।४७	९।४४	११।५८	२।१८	४।३५	६।५१	९।१०	११।२९	१।३३	३।१७	४।४५
०५।२६।३३।४५	१३ शु	१४	६।०७	७।४३	९।४०	११।५४	२।१४	४।३१	६।४७	९।०६	११।२५	१।२९	३।१३	४।४१
०५।२७।३३।२१	१४ श	१५	६।०३	७।३९	९।३६	११।५०	२।१०	४।२७	६।४३	९।०२	११।२१	१।२५	३।०९	४।३७
०५।२८।३२।५९	१५ र	१६	५।५९	७।३६	९।३२	११।४६	२।०७	४।२३	६।३९	८।५८	११।१७	१।२१	३।०५	४।३३

संक्रांति फलम्

ता. १६ अक्टूबर २०१६

आश्वि. शु. १५ रवौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. ३०।११ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २४।११ से चंद्रे १२।११ तक। (दान- तिल गोरस)।

पं.२७ आ.शु.१२ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	८	५	५	६	७	४	१०
२६	१६	१५	१३	२९	१८	१६	१६
०३	३३	३६	०६	३८	३५	२१	२१
०२	५२	५६	०२	४९	३२	१६	१६
५९	४१	१०४	१२	७२	५	३	३
२६	३२	२५	४८	५५	१२	११	११
चि	पूषा	ह	ह	वि	ज्ये	पूफा	श
१	१	२	१	३	१	१	३

१७ अक्टूबर से ३० अक्टूबर तक,श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमा सू. सू. तारीख

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घ.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	स्टै. चंद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति
क्षयः	१	र	५९	०२	३०	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
राक्षस	२	सो	४९	३८	२६	२६	अश्वि	४/५६	५६/५२	८/२९	५८/३०	व	२८	३६	१८	०२	तै	२४	१८	१६	१९	२८/१९	६/३५	५/५५	२५	१५	१७	मेषे	५।२९।२५।३१	५९।४२
गद	३	मं	४०	३६	२२	५०	कृति	४९	५२	२६	३३	सि	१८	०४	१३	५०	व	१५	०१	१२	३७	१५	३६	५४	२६	१६	१८	वृषे १०।३७	६।००।२५।१३	५९।४५
च.व्र.	४	बु	३२	२३	१९	३४	रोहि	४३	४७	२४	०७	व्य	८/५८	०३/५४	९/३०	५०/१०	व	६	२१	९	०९	११	३७	५३	२७	१७	१९	वृषे	६।०१।२४।५८	५९।४७
मृत्यु	५	गु	२५	२३	१६	४६	मृग	३८	५९	२२	१३	प	५०	५३	२६	५८	तै	२५	२३	१६	४६	०७	३७	५२	२८	१८	२०	मिथु. ११।०५	६।०२।२४।४५	५९।४९
पद्म	६	शु	१९	५६	१४	३६	आर्द्रा	३५	४७	२०	५७	शि	४४	१३	२४	१९	व	१९	५६	१४	३६	०३	३८	५१	२९	१९	२१	मिथु.	६।०३।२४।३४	५९।५१
छत्र	७	श	१६	१६	१३	०९	पुन	३४	२४	२०	२४	सि	३९	०१	२२	१५	व	१६	१६	१३	०९	००	३८	५०	३०	२०	२२	कर्के १४।२८	६।०४।२४।२५	५९।५४
श्रीवत्स	८	र	१४	३१	१२	२७	पुष्य	३४	५२	२०	३६	सा	३५	१९	२०	४६	को	१४	३१	१२	२७	२७/५६	३९	४९	१	२१	२३	कर्के	६।०५।२४।१९	५९।५६
सौम्य	९	सो	१४	३६	१२	३०	श्ले	३७	०७	२१	३०	शु	३३	०२	१९	५३	ग	१४	३६	१२	३०	५२	४०	४८	२	२२	२४	सिंहे २१।३०	६।०६।२४।१५	५९।५८
काल	१०	मं	१६	२५	१३	१४	मघा	४०	५५	२३	०२	शु	३२	००	१९	२८	वि	१६	२५	१३	१४	४८	४०	४८	३	२३	२५	सिंहे	६।०७।२४।१३	६०।००
ए.व्र.	११	बु	१९	४०	१४	३३	पूफा	४५	५९	२५	०५	ब्र	३२	०१	१९	३०	वा	१९	४०	१४	३३	४४	४१	४७	४	२४	२६	सिंहे	६।०८।२४।१३	६०।०२
मातङ्ग	१२	गु	२४	०३	१६	१९	उफा	५२	०१	२७	३०	ऐ	३२	५१	१९	५०	तै	२४	०३	१६	१९	४०	४२	४६	५	२५	२७	कन्या ७।३९	६।०९।२४।१५	६०।०५
प्र.व्र.	१३	शु	२९	१४	१८	२४	हस्त	५८	४१	३०	११	वै	३४	१५	२०	२४	व	२९	१४	१८	२४	३७	४२	४५	६	२६	२८	कन्या	६।१०।२४।२०	६०।०७
रुप १४	१४	श	३४	५७	२०	४२	चित्रा	...	...	...	...	वि	३६	०१	२१	०७	वि	२	०१	७	३१	३३	४३	४४	७	२७	२९	तुला. ११।३५	६।११।२४।२७	६०।०९
दीपाव.	३०	र	४१	०१	२३	०८	चित्रा	५	४५	९	०२	प्री	३८	०३	२१	५७	च	७	५७	९	५४	२९	४४	४३	८	२८	३०	तुला.	६।१२।२४।३५	६०।११

शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

[A मेष अल्पवृष्टिः

तुलायां सौरः २०।२७, चित्रा. बुधः १७।०७

भ. १२।३७ उ. २२।५० या., दशरथ ललिता व्र.

करवा ४ चन्द्रोदयः २०।५७ [D ज्येष्ठा.-२ शनिः ७।४६

[B हस्ते-३ गुरुः ६।५४

भ. १४।३६ उ. २५।४७ या., स्कन्द षष्ठी, तुलायां बुधः १४।०८

होई (अहोरी) ८, सायन वृश्चिके भानुः २९।१७

भा. कार्तिकारंभः, स्वा. रविः २३।०७, सं.सी.सी.सू.चं.वाहन A

भ. २४।४७ उ., स्वा. सौरः १२।५८

भ. १३।१४ या., स्वा. बुधः १२।५१

रमा ११ व्र., गोवत्स द्वादशी [C १४।५३, ज्येष्ठा. शुक्रः ७।३३

धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं, उषा. भौमः C

भ. १८।२४ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., गोत्रिरात्र व्र., D

भ. ७।३१ या., दीपदानं, रुप (नरक) १४, प्रभात स्नानं

देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुवेर पू., वलीपूजा, B

अयनांशाः २४।०४।२३

पं.२८ का.कृ. ५ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	८	५	५	७	७	४	१०
०२	२१	२७	१४	०८	१९	१५	१५
५९	२७	४५	३५	०८	१३	५९	५९
५१	०२	१३	११	४४	१५	००	००
५९	४२	१०२	१२	७२	५	३	३
४१	१९	४७	३८	४५	३७	११	११
चि	पूषा	चि	ह	अनु	ज्ये	पूफा	श
३	३	२	२	२	१	१	३

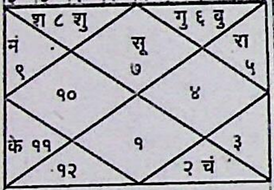

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अक्टु	मेष सायँ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला प्रातः	वृश्चिक दिवा	धनु दिवां	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०५।२९।३२।३९	२ चं	१७	५।५५	७।३२	९।२८	११।४३	२।०३	४।१९	६।३५	८।५४	११।१३	१।१८	३।०१	४।२९
०६।००।३२।२२	३ मं	१८	५।५१	७।२८	९।२४	११।३९	१।५९	४।१५	६।३१	८।५०	११।०९	१।१४	२।५७	४।२५
०६।०१।३२।०७	४ बु	१९	५।४८	७।२४	९।२०	११।३५	१।५५	४।१२	६।२७	८।४६	११।०५	१।१०	२।५३	४।२१
०६।०२।३१।५४	५ गु	२०	५।४४	७।२०	९।१६	११।३१	१।५१	४।०८	६।२३	८।४३	११।०१	१।०६	२।४९	४।१८
०६।०३।३१।४३	६ शु	२१	५।४०	७।१६	९।१२	११।२७	१।४७	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५७	१।०२	२।४५	४।१४
०६।०४।३१।३५	७ श	२२	५।३६	७।१२	९।०८	११।२३	१।४३	४।००	६।१६	८।३५	१०।५३	१२।५८	२।४१	४।१०
०६।०५।३१।२९	८ र	२३	५।३२	७।०८	९।०४	११।१९	१।३९	३।५६	६।१२	८।३१	१०।४९	१२।५४	२।३७	४।०६
०६।०६।३१।२५	९ चं	२४	५।२८	७।०४	९।००	११।१५	१।३५	३।५२	६।०८	८।२७	१०।४५	१२।५०	२।३३	४।०२
०६।०७।३१।२३	१० मं	२५	५।२४	७।००	८।५६	११।११	१।३१	३।४८	६।०४	८।२३	१०।४१	१२।४६	२।२९	३।५८
०६।०८।३१।२४	११ बु	२६	५।२०	६।५६	८।५२	११।०७	१।२७	३।४४	६।००	८।१९	१०।३७	१२।४२	२।२५	३।५४
०६।०९।३१।२६	१२ गु	२७	५।१६	६।५२	८।४८	११।०३	१।२३	३।४०	५।५६	८।१५	१०।३४	१२।३८	२।२१	३।५०
०६।१०।३१।३१	१३ शु	२८	५।१२	६।४८	८।४४	१०।५९	१।१९	३।३६	५।५२	८।११	१०।३०	१२।३४	२।१७	३।४६
०६।११।३१।३८	१४ श	२९	५।०८	६।४४	८।४०	१०।५५	१।१५	३।३२	५।४८	८।०७	१०।२६	१२।३०	२।१४	३।४२
०६।१२।३१।४७	३० र	३०	५।०४	६।४०	८।३६	१०।५१	१।११	३।२८	५।४४	८।०३	१०।२२	१२।२६	२।१०	३।३८

मास फलम्

इस माह मे पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो । अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो । अमावस्या को चित्रा होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो । कार्त्तिकी अमावस्या रविवारी होने से राजाओ में युद्ध हो । पूर्णिमा भरणी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। चित्रा में वुध होने से वर्षा कम हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो । स्वाति में वुध होने से मन्द वर्षा हो, स्वाती नक्षत्र में वुध का विचरण होने से गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो ।

अयनांशाः २४।०४।२४

पं.२९ का.कृ.१२ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	८	६	५	७	७	४	१०
०९	२६	०९	१६	१६	१९	१५	१५
५८	२५	३४	०२	३७	५३	३६	३६
२०	२१	०७	५४	२६	४५	४४	४४
५९	४२	९९	१२	७२	५	३	३
५५	५९	१०	२३	३३	५९	११	११
स्वा	पूषा	स्वा	ह	अनु	ज्ये	पूफा	श
१	४	१	२	४	१	१	३

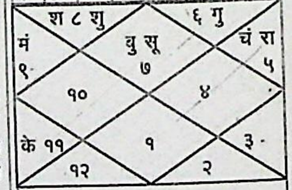

३१ अक्टूबर से १४ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	सो	४७	१६	२५	३९	स्वा	१३	०४	११	५८	आ	४०	११	२२	४९	किं	१४	०६	१२	२३	३७/३६	६/४४	५/४३	९	२९	३१	तुला.	६।१३।२४।४६	६०।१३
श्रीवत्स	२	मं	५३	३०	२८	०९	विशा	२०	२९	१४	५७	सौ	४२	२१	२३	४१	बा	२०	२२	१४	५४	२२	४५	४२	१०	३०	१	वृश्चि. ८।१२	६।१४।२४।५९	६०।१५
सौम्य	३	बु	५९	३४	३०	३५	अनु	२७	५०	१७	५४	शो	४४	२४	२४	३१	तै	२६	३३	१७	२३	१८	४६	४१	११	१	२	वृश्चि.	६।१५।२५।१४	६०।१७
काल	४	गु	...	...	...	...	ज्ये	३४	५३	२०	४३	अ	४६	११	२५	१५	व	३२	२७	१९	४५	१५	४६	४०	१२	२	३	धनु. २०।४३	६।१६।२५।३१	६०।१९
सुस्थिर	४	शु	५	१०	८	५१	मूल	४१	१९	२३	१९	सु	४७	२५	२५	४५	वि	५	१०	८	५१	११	४७	४०	१३	३	४	धनु.	६।१७।२५।५०	६०।२१
मातङ्ग	५	श	१०	००	१०	४८	पूषा	४६	४९	२५	३२	धृ	४७	५४	२५	५७	बा	१०	००	१०	४८	०८	४८	३९	१४	४	५	धनु.	६।१८।२६।११	६०।२३
अमृत	६	र	१३	४१	१२	१७	उषा	५१	०१	२७	१३	शू	४७	२१	२५	४५	तै	१३	४१	१२	१७	०४	४९	३८	१५	५	६	मक. ८।००	६।१९।२६।३४	६०।२५
सिद्धि	७	सो	१५	५१	१३	१०	श्रव	५३	३६	२८	१६	गं	४५	३१	२५	०२	व	१५	५१	१३	१०	०१	४९	३८	१६	६	७	मक.	६।२०।२६।५९	६०।२७
उत्पात	८	मं	१६	१६	१३	२१	धनि	५४	२१	२८	३५	वृ	४२	१३	२३	४३	व	१६	१६	१३	२१	५६/५८	५०	३७	१७	७	८	कुंभे १६।३१	६।२१।२७।२६	६०।२९
मानस	९	बु	१४	४४	१२	४४	शत	५३	११	२८	०७	ध्रु	३७	२३	२१	४८	कौ	१४	४४	१२	४४	५४	५१	३७	१८	८	९	कुंभे	६।२२।२७।५५	६०।३१
मुद्गर	१०	गु	११	१५	११	२१	पूभा	५०	०७	२६	५४	व्या	३१	००	१९	१६	ग	११	१५	११	२१	५१	५२	३६	१९	९	१०	मीने २१।१७	६।२३।२८।२६	६०।३३
ए.व्र.	११	शु	५	५२	९	१३	उभा	४५	१९	२५	००	ह	२३	१०	१६	०८	वि	५	५२	९	१३	४८	५२	३६	२०	१०	११	मीने	६।२४।२८।५९	६०।३४
क्षयः	१२	शु	५८	५२	३०	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्र.व्र.	१३	श	५०	२९	२७	०५	रेव	३९	०५	२२	३१	व	१४	०२	१२	३०	कौ	२४	४८	१६	४८	४५	५३	३५	२१	११	१२	मेषे २२।३१	६।२५।२९।३३	६०।३६
आनन्द	१४	र	४१	०८	२३	२१	अश्वि	३१	४८	१९	३७	सि	३/५३	५३/०४	८/२८	२७/०८	ग	१५	५२	१३	१५	४१	५४	३५	२२	१२	१३	मेषे	६।२६।३०।०९	६०।३८
पूर्णिमा	१५	सो	३१	१७	१९	२६	भर	२३	५६	१६	२९	व	४१	५४	२३	४०	वि	६	१३	९	२४	३८	५५	३४	२३	१३	१४	वृषे २१।४१	६।२७।३०।४७	६०।४०

केतकी अहर्गणः २०३५ हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर-नवंबर २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
गोवर्धन पू.,अन्नकूटं देशाचारे,गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः,गोक्रीडा, D
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भ्रातृ २, यम २, यमुना स्नानं, कलम F
सफर २,विशा.बुधः १६।२७ [D मार्गपाली बं.,मकरे भौमः ३०।०६
भ. १९।४५ उ., दूर्वागणपति व्र. [F दवात पू.,नवंबर ११ ता. ३०
भ. ८।५१ या. [B कार्तिक स्नान पूर्तिः, पद्मकयोगः, प्रशस्ता C
सौभाग्य ५, पाण्डव ५ [C पूर्णिमा, नेहरुजयन्ती (बालदिवस), G
विशा. रविः ७।१५ (सौरः २०।०६) [G श्रव. भौमः २२।३७
भ. १३।१० उ. २५।२१ या., कल्पादि, धनुषि मूले शुक्रः ८।५९
पंचक प्रारम्भः १६।३१, गोपाष्टमी, वृश्चिके बुधः २४।२३
युगादि,कुष्माण्ड (अक्षय) ९ [E चतुर्मास व्रत समाप्तिः,भीष्म H
भ. २२।२३ उ., अनु. बुधः २७।५० [H पंचक प्रा., मन्वादि
भ. ९।१३ या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी विवाह, E
[A त्रिपुरोत्सव,पुष्कर यात्रा,नानकजयंती,भीष्मपंचक समाप्ति, B
पंचक समाप्तिः २२।३१, प्रदोषः
भ.२३।२१ उ.,वैकुण्ठ १४,रोटकव्रत समाप्तिः, कार्तिक व्रतोद्यापनं
भ. ९।२४ या.,मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यज्व,गोपद्मव्रत समाप्ति, A

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०४।२५

पं.३० का.शु. ४ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	९	६	५	७	७	४	१०
१६	०१	२०	१७	२५	२०	१५	१५
५८	२८	५७	२८	०४	३६	१४	१४
२४	०४	२०	३९	३५	३९	२८	२८
६०	४३	९५	१२	७२	६	३	३
०८	३४	३९	०५	१८	१९	११	११
स्वा	उषा	वि	ह	ज्ये	ज्ये	पूफा	श
४	२	१	३	३	२	१	३

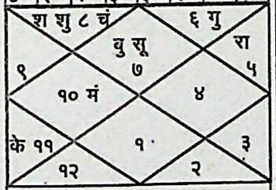

ब्रह्म र..स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टू	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।१३।३१।५८	१ चं	३१	५।००	६।३६	८।३३	१०।४७	१।०७	३।२४	५।४०	७।५९	१०।१८	१२।२२	२।०६	३।३४
०६।१४।३२।१२	२ मं	१	४।५६	६।३२	८।२९	१०।४३	१।०३	३।२०	५।३६	७।५५	१०।१४	१२।१८	२।०२	३।३०
०६।१५।३२।२७	३ बु	२	४।५२	६।२८	८।२५	१०।३९	१२।५९	३।१६	५।३२	७।५१	१०।१०	१२।१४	१।५८	३।२६
०६।१६।३२।४४	४ गु	३	४।४८	६।२५	८।२१	१०।३५	१२।५६	३।१२	५।२८	७।४७	१०।०६	१२।१०	१।५४	३।२२
०६।१७।३३।०४	४ शु	४	४।४४	६।२१	८।१७	१०।३२	१२।५२	३।०८	५।२४	७।४३	१०।०२	१२।०७	१।५०	३।१८
०६।१८।३३।२५	५ श	५	४।४०	६।१७	८।१३	१०।२८	१२।४८	३।०४	५।२०	७।३९	९।५८	१२।०३	१।४६	३।१४
०६।१९।३३।४८	६ र	६	४।३७	६।१३	८।०९	१०।२४	१२।४४	३।०१	५।१६	७।३५	९।५४	११।५९	१।४२	३।१०
०६।२०।३४।१४	७ चं	७	४।३३	६।०९	८।०५	१०।२०	१२।४०	२।५७	५।१२	७।३२	९।५०	११।५५	१।३८	३।०७
०६।२१।३४।४१	८ मं	८	४।२९	६।०५	८।०१	१०।१६	१२।३६	२।५३	५।०८	७।२८	९।४६	११।५१	१।३४	३।०३
०६।२२।३५।१०	९ बु	९	४।२५	६।०१	७।५७	१०।१२	१२।३२	२।४९	५।०५	७।२४	९।४२	११।४७	१।३०	२।५९
०६।२३।३५।४१	१० गु	१०	४।२१	५।५७	७।५३	१०।०८	१२।२८	२।४५	५।०१	७।२०	९।३८	११।४३	१।२६	२।५५
०६।२४।३६।१४	११ शु	११	४।१७	५।५३	७।४९	१०।०४	१२।२४	२।४१	४।५७	७।१६	९।३४	११।३९	१।२२	२।५१
०६।२५।३६।४९	१३ श	१२	४।१३	५।४९	७।४५	१०।००	१२।२०	२।३७	४।५३	७।१२	९।३०	११।३५	१।१८	२।४७
०६।२६।३७।२५	१४ र	१३	४।०९	५।४५	७।४१	९।५६	१२।१६	२।३३	४।४९	७।०८	९।२६	११।३१	१।१४	२।४३
०६।२७।३८।०३	१५ चं	१४	४।०५	५।४१	७।३७	९।५२	१२।१२	२।२९	४।४५	७।०४	९।२३	११।२७	१।१०	२।३९

अयनांशाः २४।०४।२६

पं.३१ का.शु.१० गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	९	७	५	८	७	४	१०
२४	०६	०१	१८	०३	२१	१४	१४
००	३४	५८	५२	२९	२१	५२	५२
०१	३०	४०	०१	४६	३८	१२	१२
६०	४४	९३	११	७१	६	३	३
२१	०३	०९	४१	५९	३४	११	११
वि	उषा	वि	ह	मू	ज्ये	पूफा	श
२	३	४	३	२	२	१	३

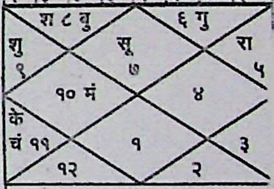

१५ नवंबर से २९ नवंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
गद	१	मं	२१	२७	१५	३०	कृति	१५	५९	१३	१९	प	३०	४८	१९	१५	कौ	२१	२७	१५	३०	३६ ३५	६ ५५	५ ३४	२४	१४	१५	वृषे	६।२८।३१।२७	६०।४१
शुभ	२	बु	१२	०४	११	४६	रोहि	८	२७	१०	१९	शि	२०	११	१५	०१	ग	१२	०४	११	४६	३२	५६	३३	२५	१५	१६	मिथु. २०।५७	६।२९।३२।०९	६०।४३
च.व्र.	३	गु	३	४०	८	२५	मृग	१	५२	७	४२	सि	१०	२६	११	०७	वि	३	४०	८	२५	२९	५७	३३	२६	१६	१७	मिथु.	७।००।३२।५२	६०।४५
क्षयः	४	गु	५६	४२	२९	३८	आर्द्रा	५६	४२	२९	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
लुम्बक	५	शु	५१	३१	२७	३४	पुन	५३	१६	२८	१६	सा	१ ५४	५९ ४७	७ २८	४२ ५३	कौ	२३	५१	१६	३०	२७	५८	३२	२७	१७	१८	कर्के २२।३२	७।०१।३३।३७	६०।४७
मित्र	६	श	४८	२२	२६	१९	पुष्य	५१	५२	२७	४३	शु	४९	२०	२६	४३	ग	१९	४०	१४	५०	२४	५९	३२	२८	१८	१९	कर्के	७।०२।३४।२३	६०।४८
वज्र	७	र	४७	२३	२५	५७	श्ले	५२	३५	२८	०१	ब्र	४५	३५	२५	१३	वि	१७	३५	१४	०१	२१	५९	३२	२९	१९	२०	सिंहे २८।०१	७।०३।३५।१२	६०।५०
ध्वाङ्क्ष	८	सो	४८	३०	२६	२४	मघा	५५	१९	२९	०८	ऐ	४३	२८	२४	२३	वा	१७	४०	१४	०४	१८	७ ००	३२	३०	२०	२१	सिंहे	७।०४।३६।०१	६०।५१
धूम्र	९	मं	५१	३१	२७	३७	पूफा	५९	५०	३०	५७	वै	४२	४८	२४	०८	तै	१९	४७	१४	५६	१६	०१	३१	१	२१	२२	सिंहे	७।०५।३६।५३	६०।५३
प्रवर्धमा	१०	बु	५६	०३	२९	२७	उफा	...	...	...	...	वि	४३	२०	२४	२२	व	२३	३६	१६	२८	१३	०२	३१	२	२२	२३	कन्या १३।३०	७।०६।३७।४५	६०।५४
मातङ्ग	११	गु	...	...	...	...	उफा	५	४३	९	२०	प्री	४४	४३	२४	५६	ब	२८	४४	१८	३२	११	०३	३१	३	२३	२४	कन्या	७।०७।३८।४०	६०।५६
ए.व्र.	११	शु	१	३८	७	४२	हस्त	१२	३५	१२	०५	आ	४६	३८	२५	४३	वा	१	३८	७	४२	०८	०३	३१	४	२४	२५	तुला. २५।३३	७।०८।३९।३६	६०।५७
प्र.व्र.	१२	श	७	५२	१०	१३	चित्रा	१९	५८	१५	०३	सौ	४८	४९	२६	३६	तै	७	५२	१०	१३	०६	०४	३१	५	२५	२६	तुला.	७।०९।४०।३३	६०।५९
लुम्बक	१३	र	१४	१९	१२	४९	स्वा	२७	२९	१८	०४	शो	५१	००	२७	२९	व	१४	१९	१२	४९	०४	०५	३०	६	२६	२७	तुला.	७।१०।४१।३१	६१।००
मित्र	१४	सो	२०	४०	१५	२२	विशा	३४	५२	२१	०२	अ	५३	०१	२८	१८	श	२०	४०	१५	२२	०२	०६	३०	७	२७	२८	वृश्चि. १४।१८	७।११।४२।३१	६१।०१
अमाव.	३०	मं	२६	४४	१७	४८	अनु	४१	५७	२३	५३	सु	५४	४६	२९	०१	ना	२६	४४	१७	४८	००	०६	३०	८	२८	२९	वृश्चि.	७।१२।४३।३३	६१।०३

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः २९।५६, हस्ते-४ गुरुः २८।३२
भ. २२।०२ उ., वृश्चिके सौरः १७।५७
भ. ८।२५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३६, सौभाग्य सुंदरी व्र.
[A ज्येष्ठा. बुधः २०।३६
पूषा. शुक्रः १२।२१
भ. २६।१९ उ., अनु. रविः १३।१६ (सौरः २४।५९), A
भ. १४।०१ या.
कालभैरवाष्टमी, सायन धनुषि भानुः २६।५३
भा. मार्गशीर्षारंभः
भ. १६।२८ उ. २९।२७ या., शनेरस्तः पश्चिमायाम् १८।१८
बुधोदयः पश्चिमायाम् ३०।०४
उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र.
प्रदोषः [B ज्येष्ठा.-३ शनिः १६।४८
भ. १२।४९ उ. २६।०५ या., मासिकशिवरात्री व्र., B
महाव्रतारंभः, धनुषि मूले बुधः १९।४१
देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., उषा. शुक्रः १८।३८

अयनांशाः २४।०४।२७

पं.३२ मा.कृ. ३ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	७	५	८	७	४	१०
०१	११	१२	२०	११	२२	१४	१४
०३	४४	४५	१२	५२	०८	२९	२९
०२	०२	३४	२५	२५	१९	५६	५६
६०	४४	९१	११	७१	६	३	३
३२	२६	३१	१३	३४	४७	११	११
दि	श्र	अनु	ह	मू	ज्ये	पूफा	श
४	१	३	४	४	२	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. नवं.	मेष दिवा	वृष सायं	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक प्रातः	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०६।२८।३८।४४	१ मं	१५	४।०१	५।३७	७।३३	९।४८	१२।०८	२।२५	४।४१	७।००	९।१९	११।२३	१।०६	२।३५
०६।२९।३९।२५	२ बु	१६	३।५७	५।३३	७।२९	९।४४	१२।०४	२।२१	४।३७	६।५६	९।१५	११।१९	१।०३	२।३१
०७।००।४०।०९	३ गु	१७	३।५३	५।२९	७।२५	९।४०	१२।००	२।१७	४।३३	६।५२	९।११	११।१५	१२।५९	२।२७
०७।०१।४०।५४	५ शु	१८	३।४९	५।२५	७।२२	९।३६	११।५६	२।१३	४।२९	६।४८	९।०७	११।११	१२।५५	२।२३
०७।०२।४१।४१	६ श	१९	३।४५	५।२१	७।१८	९।३२	११।५२	२।०९	४।२५	६।४४	९।०३	११।०७	१२।५१	२।१९
०७।०३।४२।२९	७ र	२०	३।४१	५।१७	७।१४	९।२८	११।४८	२।०५	४।२१	६।४०	८।५९	११।०३	१२।४७	२।१५
०७।०४।४३।१९	८ चं	२१	३।३७	५।१४	७।१०	९।२४	११।४५	२।०१	४।१७	६।३६	८।५५	१०।५९	१२।४३	२।११
०७।०५।४४।११	९ मं	२२	३।३३	५।१०	७।०६	९।२१	११।४१	१।५७	४।१३	६।३२	८।५१	१०।५६	१२।३९	२।०७
०७।०६।४५।०४	१० बु	२३	३।२९	५।०६	७।०२	९।१७	११।३७	१।५३	४।०९	६।२८	८।४७	१०।५२	१२।३५	२।०३
०७।०७।४५।५९	११ गु	२४	३।२६	५।०२	६।५८	९।१३	११।३३	१।५०	४।०५	६।२४	८।४३	१०।४८	१२।३१	१।५९
०७।०८।४६।५५	११ शु	२५	३।२२	४।५८	६।५४	९।०९	११।२९	१।४६	४।०१	६।२१	८।३९	१०।४४	१२।२७	१।५६
०७।०९।४७।५२	१२ श	२६	३।१८	४।५४	६।५०	९।०५	११।२५	१।४२	३।५७	६।१७	८।३५	१०।४०	१२।२३	१।५२
०७।१०।४८।५१	१३ र	२७	३।१४	४।५०	६।४६	९।०१	११।२१	१।३८	३।५४	६।१३	८।३१	१०।३६	१२।१९	१।४८
०७।११।४९।५१	१४ चं	२८	३।१०	४।४६	६।४२	८।५७	११।१७	१।३४	३।५०	६।०९	८।२७	१०।३२	१२।१५	१।४४
०७।१२।५०।५३	३० मं	२९	३।०६	४।४२	६।३८	८।५३	११।१३	१।३०	३।४६	६।०५	८।२३	१०।२८	१२।११	१।४०

संक्रांति फलम्

ता. १५ नवंबर २०१६
मार्ग. कृ. १ भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।५६ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २३।३२ से २९।५६ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २४।०४।२८

पं.३३ मा.कृ.११ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	७	५	८	७	४	१०
०८	१६	२३	२१	२०	२२	१४	१४
०७	५६	२०	२९	११	५६	०७	०७
२१	०४	३३	२१	५०	१८	४०	४०
६०	४४	८९	१०	७१	६	३	३
४३	४५	१९	४०	०२	५६	११	११
अनु	श्र	ज्ये	ह	पूषा	ज्ये	पूफा	श
२	३	३	४	३	२	१	३

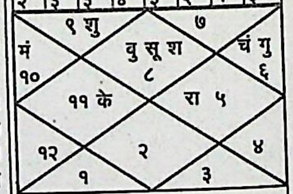

३० नवंबर से १३ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिगा सू. सू. तारीख स्टं. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः २०६५ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर-दिसंबर २०१६

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टं.टा.में हैं ।
ध्वाङ्क्ष	१	बु	३२	२३	२०	०४	ज्ये	४८	३७	२६	३४	धृ	५६	११	२९	३६	व	३२	२३	२०	०४	२५/५८	७/०७	५/३०	९	२९	३०	धनु. २६।३४	७।१३।४४।३५	६१।०४	[B बुधः १९।२८, मघा.-४ राहुः ३०।४८, शत.-२ केतुः ३०।४८
धूम्र	२	गु	३७	३१	२२	०८	मूल	५४	४६	२९	०२	शू	५७	१०	३०	००	बा	५	०१	९	०८	५६	०८	३०	१०	३०	१	धनु.	७।१४।४५।३९	६१।०५	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), दिसंबर १२ ता. ३१
प्रवर्धमा	३	शु	४१	५९	२३	५६	पूषा	...	...	...	...	गं	५७	३७	३०	११	तै	९	५०	११	०५	५४	०९	३०	११	१	२	धनु.	७।१५।४६।४४	६१।०६	रंभास्येयं, रविलावल ३,ज्येष्ठा.रविः १७।३२ (सौरः २८।०५), C
मातङ्ग	४	श	४५	३७	२५	२४	पूषा	०	१२	७	१४	वृ	५७	२३	३०	०७	व	१३	५५	१२	४३	५२	०९	३०	१२	२	३	मक. १३।४४	७।१६।४७।५०	६१।०७	भ.१२।४३ उ. २५।२४ या.,उषा.रे.८ ।।ऽशु।।ऽ।।।। रात्रौलग्न ६, ७
मुसल	५	र	४८	१०	२६	२६	उषा	४	४८	९	०५	ध्रु	५६	१९	२९	४२	व	१७	०१	१३	५९	५०	१०	३०	१३	३	४	मक.	७।१७।४८।५८	६१।०८	नागपंचमी, चित्रा.-१ गुरुः २६।३९
सिद्धि	६	सो	४९	२५	२६	५७	श्रव	८	१८	१०	३०	व्या	५४	१३	२८	५२	कौ	१८	५७	१४	४६	४९	११	३०	१४	४	५	कुंभे २३।०१	७।१८।५०।०६	६१।१०	पंचक प्रारम्भः २३।०१, स्कंदषष्ठी
उत्पात	७	मं	४९	०९	२६	५१	धनि	१०	२९	११	२३	ह	५०	५७	२७	३४	ग	१९	२८	१४	५९	४७	१२	३१	१५	५	६	कुंभे	७।१९।५१।१६	६१।११	भ. २६।५१ उ. [C धनि. भौमः २०।२७, मकरे शुक्रः १४।४८
मानस	८	बु	४७	१३	२६	०६	शत	११	०८	११	४०	व	४६	२२	२५	४५	वि	१८	२३	१४	३४	४६	१२	३१	१६	६	७	मीने २९।२६	७।२०।५२।२६	६१।१२	भ. १४।३४ या. [D व्र., गीता जयंती, श्रव. शुक्रः २९।१६
मुद्गर	९	गु	४३	३२	२४	३८	पूभा	१०	०८	११	१६	सि	४०	२४	२३	२३	बा	१५	३५	१३	२७	४४	१३	३१	१७	७	८	मीने	७।२१।५३।३८	६१।१३	उभा. रे. ९ ।।।।।ऽ।।।। रात्रौ लग्न गोधूलि, ३, कल्पादि, पूषा. B
ध्वजा	१०	शु	३८	११	२२	३०	उभा	७	२५	१०	१२	व्य	३३	०६	२०	२८	तै	११	०३	११	३९	४३	१४	३१	१८	८	९	मीने	७।२२।५४।५१	६१।१४	रेवत्यां रे. ६ ।ऽ।।।ऽऽऽ।। रात्रौ लग्न ६
ए.व्र.	११	श	३१	१९	१९	४६	रेव	३/५७	०७/२८	८/३०	२९/१४	व	२४	३४	१७	०४	व	४	५५	९	१२	४२	१४	३१	१९	९	१०	मेषे ८।२९	७।२३।५६।०४	६१।१४	भ. ९।१२ उ. १९।४६ या.,पंचक समाप्तिः ८।२९, मोक्षदा ११ D
प्र.व्र.	१२	र	२३	१५	१६	३३	भर	५०	४६	२७	३३	प	१५	०२	१३	१६	वा	२३	१५	१६	३३	४१	१५	३२	२०	१०	११	मेषे	७।२४।५७।१८	६१।१५	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र., कुंभे भौमः १७।१८
सुस्थिर	१३	सो	१४	२२	१३	०१	कृति	४३	२७	२४	३९	शि	४/५४	३४/०५	९/२८	१०/५४	तै	१४	२२	१३	०१	४०	१६	३२	२१	११	१२	वृषे ८।५१	७।२५।५८।३४	६१।१६	रोहि. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न ६, ७, पिशाच मोचन श्राद्धं
पूर्णिमा	१४	मं	५	०३	९	१८	रोहि	३६	०१	२१	४१	सा	४३	२२	२४	३७	व	५	०३	९	१८	३९	१६	३२	२२	१२	१३	वृषे	७।२६।५९।५०	६१।१७	भ. ९।१८ उ. १९।२७ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा A
क्षयः	१५	मं	५५	५२	२९	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A व्रतंपुण्यञ्च, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा

अयनांशाः २४।०४।२९

पं.३४ मा.शु. २ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	८	५	८	७	४	१०
१५	२२	०३	२२	२८	२३	१३	१३
१२	१०	३२	४२	२७	४५	४५	४५
४८	०५	०७	१४	१२	१३	२४	२४
६०	४४	८३	१०	७०	७	३	३
५२	५९	४७	०३	२३	०२	११	११
अनु	श्र	मू	ह	उषा	ज्ये	पूफा	श
४	४	२	४	१	३	१	३

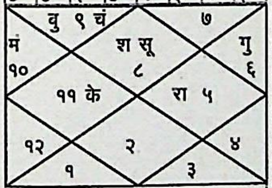

९ शु

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ग्रह्य र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. नवं.	मेष दिवा	वृष सायं	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक प्रातः	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०७।१३।५१।५५	१ बु	३०	३।०२	४।३८	६।३४	८।४९	११।०९	१।२६	३।४२	६।०१	८।१९	१०।२४	१२।०७	१।३६
०७।१४।५२।५९	२ गु	१	२।५८	४।३४	६।३०	८।४५	११।०५	१।२२	३।३८	५।५७	८।१५	१०।२०	१२।०३	१।३२
०७।१५।५४।०५	३ शु	२	२।५४	४।३०	६।२६	८।४१	११।०१	१।१८	३।३४	५।५३	८।१२	१०।१६	११।५९	१।२८
०७।१६।५५।११	४ श	३	२।५०	४।२६	६।२२	८।३७	१०।५७	१।१४	३।३०	५।४९	८।०८	१०।१२	११।५५	१।२४
०७।१७।५६।१९	५ र	४	२।४६	४।२२	६।१८	८।३३	१०।५३	१।१०	३।२६	५।४५	८।०४	१०।०८	११।५१	१।२०
०७।१८।५७।२७	६ चं	५	२।४२	४।१८	६।१४	८।२९	१०।४९	१।०६	३।२२	५।४१	८।००	१०।०४	११।४८	१।१६
०७।१९।५८।३७	७ मं	६	२।३८	४।१४	६।११	८।२५	१०।४५	१।०२	३।१८	५।३७	७।५६	१०।००	११।४४	१।१२
०७।२०।५९।४८	८ बु	७	२।३४	४।१०	६।०७	८।२१	१०।४१	१२।५८	३।१४	५।३३	७।५२	९।५६	११।४०	१।०८
०७।२२।०१।००	९ गु	८	२।३०	४।०६	६।०३	८।१७	१०।३७	१२।५४	३।१०	५।२९	७।४८	९।५२	११।३६	१।०४
०७।२३।०२।१३	१० शु	९	२।२६	४।०३	५।५९	८।१३	१०।३४	१२।५०	३।०६	५।२५	७।४४	९।४८	११।३२	१।००
०७।२४।०३।२६	११ श	१०	२।२२	३।५९	५।५५	८।१०	१०।३०	१२।४६	३।०२	५।२१	७।४०	९।४५	११।२८	१२।५६
०७।२५।०४।४१	१२ र	११	२।१८	३।५५	५।५१	८।०६	१०।२६	१२।४२	२।५८	५।१७	७।३६	९।४१	११।२४	१२।५२
०७।२६।०५।५६	१३ चं	१२	२।१५	३।५१	५।४७	८।०२	१०।२२	१२।३९	२।५४	५।१३	७।३२	९।३७	११।२०	१२।४८
०७।२७।०७।१२	१४ मं	१३	२।११	३।४७	५।४३	७।५८	१०।१८	१२।३५	२।५०	५।१०	७।२८	९।३३	११।१६	१२।४५

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो, यथा-मंगलेम्रियतेराजा प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे ॥ मगलवारी अमावस होने से राज्यंभ्रंश, राजयुद्ध-क्लेशो की वृद्धि-उपघात-अल्पवृष्टि और द्रव्यों की हानि हो। अमावस्या अनुराधा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी हैं। मार्गशीर्ष शु. एकादशी को शनिवार होने से अनावृष्टि और प्रजा उपद्रव हों। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों। पूर्वाषाढा में शुक्र होने से लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों। ज्येष्ठा में बुध होने से ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो।

अयनांशाः २४।०४।२९

पं.३५ मा.शु. ९ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	९	८	५	९	७	४	१०
२२	२७	१२	२३	०६	२४	१३	१३
१९	२५	४४	५०	३७	३४	२३	२३
१३	३३	१७	२९	२९	३९	०७	०७
६०	४५	६९	९	६९	७	३	३
५९	१०	५९	२०	३३	०५	११	११
ज्ये	ध	मू	चि	उषा	ज्ये	पूफा	श
२	२	४	१	३	३	१	३

१४ दिसंबर से २९ दिसंबर तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, द्विमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
अमृत	१	बु	४७	१२	२६	१०	मृग	२८	५६	१८	५२	शु	३३	०१	२०	२९	बा	२१	२५	१५	५१	३५/३८	७/१७	५/३२	२३	१३	१४	मिथु. ८।१४	७।२८।०१।०६	६१।१८
काण	२	गु	३९	३४	२३	०७	आर्द्रा	२२	४३	१६	२३	शु	२३	२३	१६	३९	तै	१३	१२	१२	३५	३८	१८	३३	२४	१४	१५	मिथु.	७।२९।०२।२४	६१।१८
लुम्बक	३	शु	३३	२२	२०	३९	पुन	१७	४९	१४	२६	ब्र	१४	५१	१३	१५	व	६	१४	९	४८	३७	१८	३३	२५	१५	१६	कर्के ८।५२	८।००।०३।४२	६१।१९
च.व्र.	४	श	२८	५९	१८	५५	पुष्य	१४	३७	१३	१०	ऐ	७	४१	१०	२३	ब	०	५५	७	४१	३७	१९	३४	२६	१६	१७	कर्के	८।०१।०५।०१	६१।१९
वज्र	५	र	२६	४०	१७	५९	श्ले	१३	२३	१२	४१	वै	२/५८	०५/११	८/३०	१०/३६	तै	२६	४०	१७	५९	३६	१९	३४	२७	१७	१८	सिंहे १२।४१	८।०२।०६।२१	६१।२०
ध्वाङ्क्ष	६	सो	२६	३२	१७	५७	मघा	१४	१६	१३	०२	प्री	५५	५६	२९	४३	च	२६	३२	१७	५७	३६	२०	३४	२८	१८	१९	सिंहे	८।०३।०७।४०	६१।२१
धूम्र	७	मं	२८	२९	१८	४४	पूफा	१७	१२	१४	१३	आ	५५	१४	२९	२६	ब	२८	२९	१८	४४	३६	२१	३५	२९	१९	२०	कन्या २०।३८	८।०४।०९।०१	६१।२१
प्रवर्धना	८	बु	३२	१९	२०	१७	उफा	२१	५९	१६	०९	सौ	५५	४८	२९	४०	बा	०	१०	७	२५	३६	२१	३५	३०	२०	२१	कन्या	८।०५।१०।२२	६१।२२
राक्षस	९	गु	३७	३८	२२	२५	हस्त	२८	१३	१८	३९	शो	५७	२१	३०	१८	तै	४	४८	९	१७	३६	२२	३६	१	२१	२२	कन्या	८।०६।११।४४	६१।२२
मुसल	१०	शु	४३	५२	२४	५५	चित्रा	३५	२६	२१	३२	अ	५९	२६	३१	०९	व	१०	३९	११	३८	३६	२२	३६	२	२२	२३	तुला. ८।०४	८।०७।१३।०६	६१।२२
ए.व्र.	११	श	५०	२८	२७	३४	स्वा	४३	०३	२४	३६	सु	...	...	...	...	ब	१७	०९	१४	१४	३६	२३	३७	३	२३	२४	तुला.	८।०८।१४।२८	६१।२३
उत्पात	१२	र	५६	५६	३०	०९	विशा	५०	३४	२७	३७	सु	१	४१	८	०४	कौ	२३	४४	१६	५३	३७	२३	३८	४	२४	२५	वृश्चि. २०।५२	८।०९।१५।५०	६१।२३
प्र.व्र.	१३	सो	...	...	...	...	अनु	५७	३८	३०	२७	धृ	३	४८	८	५५	ग	२९	५९	१९	२३	३७	२३	३८	५	२५	२६	वृश्चि.	८।१०।१७।१३	६१।२३
मुद्गर	१३	मं	२	५१	८	३२	ज्ये	...	...	...	...	शू	५	३१	९	३६	व	२	५१	८	३२	३८	२४	३९	६	२६	२७	वृश्चि.	८।११।१८।३६	६१।२३
ध्वाङ्क्ष	१४	बु	८	०३	१०	३७	ज्ये	४	००	९	००	गं	६	४०	१०	०४	श	८	०३	१०	३७	३८	२४	३९	७	२७	२८	धनु. ९।००	८।१२।२०।००	६१।२३
अमाव.	३०	गु	१२	२६	१२	२३	मूल	९	३६	११	१५	वृ	७	११	१०	१७	ना	१२	२६	१२	२३	३९	२४	४०	८	२८	२९	धनु.	८।१३।२१।२३	६१।२४

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर २०१६

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A (वं) मूले बुधः २५।११, चित्रा.-२ गुरुः २६।३७, कुंभे C
धनुपि मूले रविः २०।३१ (सौरः २९।५१)
भ. ९।४८ उ. २०।३९ या.
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।२१
[C शुक्रः २२।४३
भ. १७।५७ उ. ३०।१४ या., वक्री बुधः ३०।१९
शत. भौमः १३।२८
सायन मकरे भानुः, सायन उत्तरायण प्रारम्भ १६।११
भा. पोषारंभः, धनि. शुक्रः २२।३१, अयन करिदिन
भ. ११।३८ उ. २४।५५ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् १६।४८
सफला ११ व्र.
सुरुप द्वादशी १२, वडादिन, ज्येष्ठा.-४ शनिः २६।११, B
प्रदोषः [B शनेरुदयः पूर्वस्याम् २५।४५
भ. ८।३२ उ. २१।३७ या., मासिकशिवरात्री व्र.
पितृकार्येऽमा., कुहूः, पूषा. रविः २२।४२ (सौरः ३०।५२), A
देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०४।३०

पं.३६ पो.कृ. २ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	१०	८	५	९	७	४	१०
२९	०२	१९	२४	१४	२५	१३	१३
२६	४२	२९	५३	४१	२४	००	००
२३	०१	१८	३०	२६	१५	५१	५१
६१	४५	३५	८	६८	७	३	३
०४	१६	५८	३२	३२	०४	११	११
ज्ये	घ	पूफा	चि	श्र	ज्ये	म	श
४	३	२	१	२	३	४	२

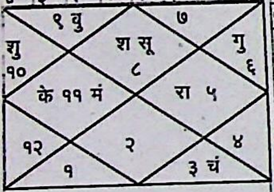

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. दिसं	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन सायं	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु प्रातः	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०७।२८।०८।२९	१ बु	१४	२।०७	३।४३	५।३९	७।५४	१०।१४	१२।३१	२।४६	५।०६	७।२४	९।२९	११।१२	१२।४१
०७।२९।०९।४७	२ गु	१५	२।०३	३।३९	५।३५	७।५०	१०।१०	१२।२७	२।४३	५।०२	७।२०	९।२५	११।०८	१२।३७
०८।००।११।०५	३ शु	१६	१।५९	३।३५	५।३१	७।४६	१०।०६	१२।२३	२।३९	४।५८	७।१६	९।२१	११।०४	१२।३३
०८।०१।१२।२४	४ श	१७	१।५५	३।३१	५।२७	७।४२	१०।०२	१२।१९	२।३५	४।५४	७।१२	९।१७	११।००	१२।२९
०८।०२।१३।४४	५ र	१८	१।५१	३।२७	५।२३	७।३८	९।५८	१२।१५	२।३१	४।५०	७।०८	९।१३	१०।५६	१२।२५
०८।०३।१५।०४	६ चं	१९	१।४७	३।२३	५।१९	७।३४	९।५४	१२।११	२।२७	४।४६	७।०४	९।०९	१०।५२	१२।२१
०८।०४।१६।२५	७ मं	२०	१।४३	३।१९	५।१५	७।३०	९।५०	१२।०७	२।२३	४।४२	७।०१	९।०५	१०।४८	१२।१७
०८।०५।१७।४६	८ बु	२१	१।३९	३।१५	५।११	७।२६	९।४६	१२।०३	२।१९	४।३८	६।५७	९।०१	१०।४४	१२।१३
०८।०६।१९।०८	९ गु	२२	१।३५	३।११	५।०७	७।२२	९।४२	११।५९	२।१५	४।३४	६।५३	८।५७	१०।४१	१२।०९
०८।०७।२०।३०	१० शु	२३	१।३१	३।०७	५।०३	७।१८	९।३८	११।५५	२।११	४।३०	६।४९	८।५३	१०।३७	१२।०५
०८।०८।२१।५२	११ श	२४	१।२७	३।०३	५।००	७।१४	९।३४	११।५१	२।०७	४।२६	६।४५	८।४९	१०।३३	१२।०१
०८।०९।२३।१५	१२ र	२५	१।२३	२।५९	४।५६	७।१०	९।३०	११।४७	२।०३	४।२२	६।४१	८।४५	१०।२९	११।५७
०८।१०।२४।३८	१३ चं	२६	१।१९	२।५५	४।५२	७।०६	९।२६	११।४३	१।५९	४।१८	६।३७	८।४१	१०।२५	११।५३
०८।११।२६।०१	१३ मं	२७	१।१५	२।५२	४।४८	७।०२	९।२३	११।३९	१।५५	४।१४	६।३३	८।३७	१०।२१	११।४९
०८।१२।२७।२५	१४ बु	२८	१।११	२।४८	४।४४	६।५९	९।१९	११।३५	१।५१	४।१०	६।२९	८।३४	१०।१७	११।४५
०८।१३।२८।४८	३० गु	२९	१।०७	२।४४	४।४०	६।५५	९।१५	११।३१	१।४७	४।०६	६।२५	८।३०	१०।१३	११।४१

अयनांशाः २४।०४।३१

पं.३७ पो.कृ. ९ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	१०	८	५	९	७	४	१०
०६	०७	२०	२५	२२	२६	१२	१२
३४	५९	२७	५०	३७	१३	३८	३८
०७	०४	३४	४०	३१	३५	३५	३५
६१	४५	३५	७	६७	७	३	३
०८	१९	२५	३९	१६	००	११	११
मू	श	पूषा	चि	श्र	ज्ये	म	श
२	१	३व	१	४	३	४	२

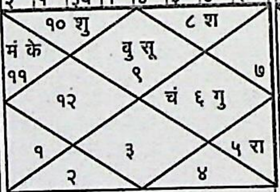

अयनांशाः २४।०४।३२

पं.३८ पो.कृ.३० गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	१०	८	५	१०	७	४	१०
१३	१३	१२	२६	००	२७	१२	१२
४२	१६	५८	४१	२३	०२	१६	१६
११	१६	२१	२२	५२	१६	२०	२०
६१	४५	८३	६	६५	६	३	३
१०	१९	०९	४१	४१	५३	११	११
पूषा	श	मू	चि	ध	ज्ये	म	श
१	२	४व	२	३	४	४	२

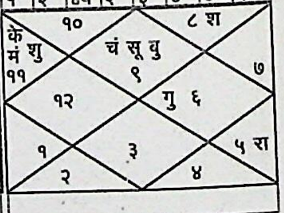

३० दिसंबर से १२ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | केतकी अहर्गणः २०९५ शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे, दिसं.२०१६-जन. १७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
प्रवर्धमा	१	शु	१५	५७	१३	४८	पूषा	१४	२२	१३	१०	ध्रु	७	०५	१०	१५	व	१५	५७	१३	४८	३५/४०	७/२५	५/४१	९	२९	३०	मक. १९।३५	८।१४।२२।४७	६१।२४	चंद्रदर्शनम् (मु.४५)
राक्षस	२	श	१८	३५	१४	५१	उषा	१८	१९	१४	४५	व्या	६	१९	९	५७	कौ	१८	३५	१४	५१	४१	२५	४१	१०	१	३१	मक.	८।१५।२४।११	६१।२४	रविलास्नर ४
गद	३	र	२०	२०	१५	३३	श्रव	२१	२३	१५	५९	ह	४	५२	९	२२	ग	२०	२०	१५	३३	४२	२५	४२	११	२	१	कुंभे २८।२७	८।१६।२५।३४	६१।२४	भ. २७।४५ उ., पंचक प्रारम्भः २८।२७, जनवरी १ ता. ३१ B
शुभ	४	सो	२१	०५	१५	५२	धनि	२३	३१	१६	५०	व	२/५९	४१/४४	८/३१	३०/५९	वि	२१	०५	१५	५२	४३	२६	४३	१२	३	२	कुंभे	८।१७।२६।५८	६१।२४	भ. १५।५२ या., बुधोदयः पूर्वस्याम् १६।५६
मृत्यु	५	मं	२०	४६	१५	४४	शत	२४	३७	१७	१७	व्य	५५	५३	२९	४७	बा	२०	४६	१५	४४	४४	२६	४३	१३	४	३	कुंभे	८।१८।२८।२२	६१।२३	शत. शुक्रः २६।१२
पद्म	६	बु	१९	१८	१५	०९	पूभा	२४	३५	१७	१६	व	५१	०५	२७	५२	तै	१९	१८	१५	०९	४५	२६	४४	१४	५	४	मीने ११।१९	८।१९।२९।४५	६१।२४	[B सन २०१७ ई.
छत्र	७	गु	१६	३५	१४	०४	उभा	२३	२०	१६	४६	प	४५	१८	२५	३३	व	१६	३५	१४	०४	४७	२६	४५	१५	६	५	मीने	८।२०।३१।०९	६१।२३	भ. १४।०४ उ. २५।२० या.
श्रीवत्स	८	शु	१२	३६	१२	२९	रेव	२०	५०	१५	४६	शि	३८	३१	२२	५१	व	१२	३६	१२	२९	४८	२६	४६	१६	७	६	मेषे १५।४६	८।२१।३२।३२	६१।२३	पंचक समाप्तिः १५।४६, शांकभरी यात्रा, पूभा. भौमः २९।२६
सौम्य	९	श	७	२५	१०	२४	अश्वि	१७	१०	१४	१९	सि	३०	४८	११	४६	कौ	७	२५	१०	२४	५०	२६	४६	१७	८	७	मेषे	८।२२।३३।५५	६१।२३	[A मार्गी बुधः २६।३०
ए.व्र.	१०	र	१	०८	७	५४	भर	१२	२९	१२	२६	सा	२२	१९	१६	२२	ग	१	०८	७	५४	५१	२७	४७	१८	९	८	वृषे १७।५५	८।२३।३५।१८	६१।२३	भ. १८।३१ उ. २९।०४ या., पुत्रदा ११ व्र.स्मार्त, मन्वादि, A
क्षयः	११	र	५४	०३	२९	०४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
ए.व्र.	१२	सो	४६	२६	२६	०१	कृति	७	०१	१०	१५	शु	१३	१३	१२	४४	व	२०	१७	१५	३३	५३	२७	४८	१९	१०	९	वृषे	८।२४।३६।४१	६१।२२	पुत्रदा ११ व्र.वैष्ण.
प्र.व्र.	१३	मं	३८	३८	२२	५४	रोहि	१/५५	०७/०९	७/२९	५३/३०	शु	३/५४	४९/२३	८/२९	५८/११	कौ	१२	३१	१२	२७	५५	२७	४९	२०	११	१०	मिथु. १८।४१	८।२५।३८।०३	६१।२२	प्रदोषः, उषा. रविः २४।३९
मुसल	१४	बु	३१	०२	१९	५१	आर्द्रा	४९	३२	२७	१५	ऐ	४५	१२	२५	३१	ग	४	४७	९	२१	५७	२७	४९	२१	१२	११	मिथु.	८।२६।३९।२५	६१।२२	भ. १९।५१ उ. ३०।२६ या., उषा. सौरः ७।४०
पूर्णिमा	१५	गु	२४	०५	१७	०५	पुन	४४	४०	२५	१९	वै	३६	३८	२२	०६	व	२४	०५	१७	०५	५९	२७	५०	२२	१३	१२	कर्के १९।४६	८।२७।४०।४६	६१।२१	पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शाकंभरी जयंती, माघ स्नानारंभः

अयनांशाः २४।०४।३३

पं.३९ पौ.शु. ७ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	१०	८	५	१०	७	४	१०
२०	१८	०५	२७	०७	२७	११	११
५०	३३	३२	२४	५८	५०	५४	५४
२२	१७	३०	५१	०२	१०	०४	०४
६१	४५	२६	५	६३	६	३	३
१०	१५	४४	३८	४३	४२	१२	१२
पूषा	श	नू	चि	श	ज्ये	म	श
३	४	२व	२	१	४	४	२

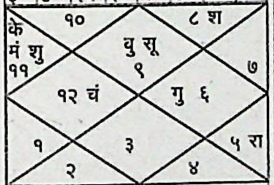

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०८।१४।३०।१२	१ शु	३०	१।०४	२।४०	४।३६	६।५१	९।११	११।२८	१।४३	४।०२	६।२१	८।२६	१०।०९	११।३८
०८।१५।३१।३६	२ श	३१	१।००	२।३६	४।३२	६।४७	९।०७	११।२४	१।३९	३।५९	६।१७	८।२२	१०।०५	११।३४
०८।१६।३३।००	३ र	१	१२।५६	२।३२	४।२८	६।४३	९।०३	११।२०	१।३५	३।५५	६।१३	८।१८	१०।०१	११।३०
०८।१७।३४।२३	४ चं	२	१२।५२	२।२८	४।२४	६।३९	८।५९	११।१६	१।३२	३।५१	६।०९	८।१४	९।५७	११।२६
०८।१८।३५।४७	५ मं	३	१२।४८	२।२४	४।२०	६।३५	८।५५	११।१२	१।२८	३।४७	६।०५	८।१०	९।५३	११।२२
०८।१९।३७।११	६ बु	४	१२।४४	२।२०	४।१६	६।३१	८।५१	११।०८	१।२४	३।४३	६।०१	८।०६	९।४९	११।१८
०८।२०।३८।३४	७ गु	५	१२।४०	२।१६	४।१२	६।२७	८।४७	११।०४	१।२०	३।३९	५।५७	८।०२	९।४५	११।१४
०८।२१।३९।५८	८ शु	६	१२।३६	२।१२	४।०८	६।२३	८।४३	११।००	१।१६	३।३५	५।५३	७।५८	९।४१	११।१०
०८।२२।४१।२१	९ श	७	१२।३२	२।०८	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५६	१।१२	३।३१	५।५०	७।५४	९।३७	११।०६
०८।२३।४२।४४	१० र	८	१२।२८	२।०४	४।००	६।१५	८।३५	१०।५२	१।०८	३।२७	५।४६	७।५०	९।३३	११।०२
०८।२४।४४।०७	१२ चं	९	१२।२४	२।००	३।५६	६।११	८।३१	१०।४८	१।०४	३।२३	५।४२-	७।४६	९।३०	१०।५८
०८।२५।४५।२९	१३ मं	१०	१२।२०	१।५६	३।५२	६।०७	८।२७	१०।४४	१।००	३।१९	५।३८	७।४२	९।२६	१०।५४
०८।२६।४६।५१	१४ बु	११	१२।१६	१।५२	३।४९	६।०३	८।२३	१०।४०	१२।५६	३।१५	५।३४	७।३८	९।२२	१०।५०
०८।२७।४८।१२	१५ गु	१२	१२।१२	१।४८	३।४५	५।५९	८।१९	१०।३६	१२।५२	३।११	५।३०	७।३४	९।१८	१०।४६

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २०१६

पौष कृ. २ गुरौ धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. २०।३१ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २०।३१ से २६।५५ तक । (दान- वस्त्र) ।

अयनांशाः २४।०४।३४

पं.४० पौ.शु.१५ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	१०	८	५	१०	७	४	१०
२७	२३	०५	२८	१५	२८	११	११
५८	४९	३६	००	१६	३६	३१	३१
२७	४७	२१	५०	५६	२१	४८	४८
६१	४५	३०	४	६१	६	३	३
०८	०९	५८	२९	१४	२७	११	११
उषा	पूभा	मू	चि	श	ज्ये	म	श
१	२	२	२	३	४	४	२

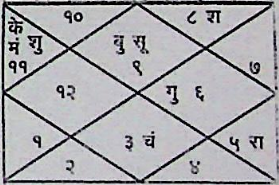

१३ जनवरी से २७ जनवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	शु	१८	०९	१४	४२	पुष्य	४०	५७	२३	५०	वि	२८	५७	१९	०१	कौ	१८	०९	१४	४२	२६ ०१	७ २७	५ ५१	२३	१४	१३	कर्क	८।२८।४२।०७	६१।२१
मानस	२	श	१३	३४	१२	५२	श्ले	३८	४३	२२	५६	प्री	२२	२५	१६	२४	ग	१३	३४	१२	५२	०३	२७	५२	२४	१५	१४	सिंहे २२।५६	८।२९।४३।२८	६१।२०
च.व्र.	३	र	१०	४०	११	४२	मघा	३८	१२	२२	४३	आ	१७	१३	१४	२०	वि	१०	४०	११	४२	०६	२६	५३	२५	१६	१५	सिंहे	९।००।४४।४८	६१।२०
ध्वजा	४	सो	९	३७	११	१७	पूफा	३९	३४	२३	१६	सौ	१३	३०	१२	५०	बा	९	३७	११	१७	०८	२६	५४	२६	१७	१६	कन्या २९।३१	९।०१।४६।०७	६१।१९
धाता	५	मं	१०	३२	११	३९	उफा	४२	४८	२४	३३	शो	११	१८	११	५८	तै	१०	३२	११	३९	१०	२६	५४	२७	१८	१७	कन्या	९।०२।४७।२६	६१।१८
आनन्द	६	बु	१३	२२	१२	४७	हस्त	४७	४७	२६	३३	अ	१०	३३	११	३९	व	१३	२२	१२	४७	१३	२६	५५	२८	१९	१८	कन्या	९।०३।४८।४५	६१।१८
चर	७	गु	१७	५२	१४	३५	चित्रा	५४	१०	२९	०६	सु	११	०५	११	५२	ब	१७	५२	१४	३५	१५	२६	५६	२९	२०	१९	तुला. १५।४६	९।०४।५०।०२	६१।१७
गद	८	शु	२३	३८	१६	५३	स्वा	...	...	...	...	धृ	१२	३६	१२	२८	कौ	२३	३८	१६	५३	१८	२६	५७	३०	२१	२०	तुला.	९।०५।५१।१९	६१।१६
सिद्धि	९	श	३०	०५	१९	२८	स्वा	१	२७	८	००	शू	१४	४१	१३	१८	ग	३०	०५	१९	२८	२१	२५	५८	१	२२	२१	वृश्चि. २८।१७	९।०६।५२।३५	६१।१५
उत्पात	१०	र	३६	३४	२२	०३	विशा	९	०२	११	०२	गं	१६	५६	१४	११	व	३	२३	८	४६	२३	२५	५८	२	२३	२२	वृश्चि.	९।०७।५३।५०	६१।१५
ए.व्र.	११	सो	४२	३२	२४	२६	अनु	१६	२०	१३	५७	वृ	१८	५३	१४	५८	व	९	३९	११	१७	२६	२५	५९	३	२४	२३	वृश्चि.	९।०८।५५।०५	६१।१४
मुद्गर	१२	मं	४७	३५	२६	२६	ज्ये	२२	५४	१६	३४	ध्रु	२०	१५	१५	३१	कौ	१५	१२	१३	२९	२९	२४	६ ००	४	२५	२४	धनु. १६।३४	९।०९।५६।१९	६१।१३
प्र.व्र.	१३	बु	५१	२६	२७	५९	मूल	२८	२४	१८	४६	व्या	२०	४९	१५	४४	ग	१९	४१	१५	१६	३२	२४	०१	५	२६	२५	धनु.	९।१०।५७।३१	६१।१२
धाता	१४	गु	५४	०५	२९	०२	पूषा	३२	४५	२०	३०	ह	२०	२७	१५	३४	वि	२२	५५	१६	३४	३५	२४	०२	६	२७	२६	मक. २६।५२	९।११।५८।४३	६१।११
अमाव.	३०	शु	५५	३१	२९	३६	उषा	३५	५७	२१	४६	व	१९	१०	१५	०३	च	२४	५७	१७	२२	३८	२३	०३	७	२८	२७	मक.	९।१२।५९।५४	६१।१०

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोपकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
मकरे रविः ३१।१०, निरयन उत्तरायनारंभः
भ. २४।१२ उ., मकरे सौरः १३।५५
भ. ११।४२ या., तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २१।०२, सौभाग्य A
उफा. रे. ७ ।।।।SSISII रात्रौ लग्न ७, ८, पूभा. शुक्रः २३।५०
हस्ते रे. ८ SIIIIISIII रात्रौ लग्न ७, ८ [A सुन्दरी व्र.,संकट C
भ. १२।४७ उ. २५।३६ या. [C हरगणपति व्र.,गौरी चतुर्थी, D
स्वामी विवेकानन्द जयंती, सायन कुंभे भानुः २६।४६
अभि.प्र.रविः२०।१७ (सौरः २६।३०), मीने भौमः १२।३०
भा. माघारंभः, पूषा. बुधः १४।१९ [D सक्रान्ति करिदिन
भ. ८।४६ उ. २२।०३ या. [B (सौरः२९।४६), उभा.भौमः २३।१६
षट्तिला ११ व्र., नेताजी जयन्ती, श्रव. रविः २६।५५
तिल द्वादशी, श्रव. सौरः ८।५१, अभि.नि. रविः २३।५३ B
भ. २७।५९ उ., प्रदोषः, धनुषि मूले-१ शनिः २०।००
भ. १६।३४ या., मासिकशिवरात्री व्र., गणराज्यदिवस
देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि, मीने शुक्रः १४।०७

अयनांशाः २४।०४।३५

पं.४१ मा.कृ. ७ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१०	८	५	१०	७	४	१०
०५	२९	१०	२८	२२	२९	११	११
०६	०५	५५	२८	१६	२०	०९	०९
१३	२८	४३	३५	२८	४१	३३	३३
६१	४५	६१	३	५८	६	३	३
०४	०१	९०	१६	०३	१०	११	११
उषा	पूभा	मू	चि	पूभा	ज्ये	म	श
३	३	४	२	१	४	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०८।२८।४९।३४	१ शु	१३	१२।०८	१।४४	३।४१	५।५५	८।१५	१०।३२	१२।४८	३।०७	५।२६	७।३०	९।१४	१०।४२
०८।२९।५०।५४	२ श	१४	१२।०४	१।४१	३।३७	५।५१	८।१२	१०।२८	१२।४४	३।०३	५।२२	७।२७	९।१०	१०।३८
०९।००।५२।१४	३ र	१५	१२।००	१।३७	३।३३	५।४८	८।०८	१०।२४	१२।४०	२।५९	५।१८	७।२३	९।०६	१०।३४
०९।०१।५३।३४	४ चं	१६	११।५६	१।३३	३।२९	५।४४	८।०४	१०।२१	१२।३६	२।५५	५।१४	७।१९	९।०२	१०।३०
०९।०२।५४।५३	५ मं	१७	११।५३	१।२९	३।२५	५।४०	८।००	१०।१७	१२।३२	२।५२	५।१०	७।१५	८।५८	१०।२७
०९।०३।५६।११	६ बु	१८	११।४९	१।२५	३।२१	५।३६	७।५६	१०।१३	१२।२८	२।४८	५।०६	७।११	८।५४	१०।२३
०९।०४।५७।२८	७ गु	.१९	११।४५	१।२१	३।१७	५।३२	७।५२	१०।०९	१२।२५	२।४४	५।०२	७।०७	८।५०	१०।१९
०९।०५।५८।४५	८ शु	२०	११।४१	१।१७	३।१३	५।२८	७।४८	१०।०५	१२।२१	२।४०	४।५८	७।०३	८।४६	१०।१५
०९।०७।००।०१	९ श	२१	११।३७	१।१३	३।०९	५।२४	७।४४	१०।०१	१२।१७	२।३६	४।५४	६।५९	८।४२	१०।११
०९।०८।०१।१७	१० र	२२	११।३३	१।०९	३।०५	५।२०	७।४०	९।५७	१२।१३	२।३२	४।५०	६।५५	८।३८	१०।०७
०९।०९।०२।३१	११ चं	२३	११।२९	१।०५	३।०१	५।१६	७।३६	९।५३	१२।०९	२।२८	४।४६	६।५१	८।३४	१०।०३
०९।१०।०३।४५	१२ मं	२४	११।२५	१।०१	२।५७	५।१२	७।३२	९।४९	१२।०५	२।२४	४।४३	६।४७	८।३०	९।५९
०९।११।०४।५७	१३ बु	२५	११।२१	१२।५७	२।५३	५।०८	७।२८	९।४५	१२।०१	२।२०	४।३९	६।४३	८।२६	९।५५
०९।१२।०६।०९	१४ गु	२६	११।१७	१२।५३	२।४९	५।०४	७।२४	९।४१	११।५७	२।१६	४।३५	६।३९	८।२३	९।५१
०९।१३।०७।२०	३० शु	२७	११।१३	१२।४९	२।४५	५।००	७।२०	९।३७	११।५३	२।१२	४।३१	६।३५	८।१९	९।४७

संक्रांति फलम्

ता. १३ जनवरी २०१७
माघ कृ. १ भृगौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ३१।१० वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) ३१।१० से शनौ २३।१० तक । (दान- काष्ट - अन्न) ।

अयनांशाः २४।०४।३५

पं.४२ मा.कृ.१४ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	११	८	५	१०	८	४	१०
१२	०४	१८	२८	२८	००	१०	१०
१३	२०	५५	४७	५१	०२	४७	४७
२६	०६	०९	४१	०७	४७	१८	१८
६०	४४	७६	२	५३	५	३	३
५९	५१	२०	००	५७	४९	११	११
श्र	उभा	पूषा	चि	पूभा	मू	म	श
१	१	२	२	३	१	४	२

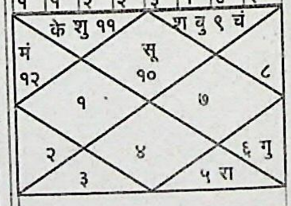

२८ जनवरी से १० फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः २१२४ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी-फरवरी २०१७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सुस्थिर	१	श	५५	५१	२९	४३	श्रव	३८	०२	२२	३६	सि	१७	००	१४	११	किं	२५	५०	१७	४३	२६/४१	७/२३	६/०३	८	२९	२८	मक.	९।१४।०१।०४	६१।०९	श्री वल्लभ जयंती
मातङ्ग	२	र	५५	०८	२९	२६	धनि	३९	०६	२३	०१	व्य	१४	००	१२	५८	वा	२५	३८	१७	३८	४४	२२	०४	९	३०	२९	कुंभे १०।५१	९।१५।०२।१२	६१।०८	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः १०।५१
अमृत	३	सो	५३	३०	२८	४६	शत	३९	१४	२३	०४	व	१०	१३	११	२७	तै	२४	२७	१७	०९	४८	२२	०५	१०	१	३०	कुंभे	९।१६।०३।२०	६१।०७	जमादिलावल ५
काण	४	मं	५०	५९	२७	४५	पूभा	३८	३०	२२	४६	प	५	४३	९	३९	व	२२	२२	१६	१८	५१	२२	०६	११	२	३१	मीने १६।५२	९।१७।०४।२६	६१।०५	भ. १६।१८ उ. २७।४५ या., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, B
वसंत	५	बु	४७	४०	२६	२५	उभा	३६	५९	२२	०८	शि	०/५४	३४/४५	७/२९	३४/१५	ब	११	२६	१५	०७	५४	२१	०७	१२	३	१	मीने	९।१८।०५।३२	६१।०४	वसन्त पञ्चमी, फरवरी २ ता. २८
मित्र	६	गु	४३	३७	२४	४७	रेव	३४	४३	२१	१४	सा	४८	२४	२६	४२	कौ	१५	४४	१३	३८	५७	२०	०७	१३	४	२	मेषे २१।१४	९।१९।०६।३६	६१।०३	पंचक समाप्तिः २१।१४ [B उषा.बुधः २७।३६, उभा.शुक्रः १०।२०
वज्र	७	शु	३८	५५	२२	५४	अश्वि	३१	४९	२०	०३	शु	४१	३२	२३	५७	ग	११	२२	११	५३	२७/०१	२०	०८	१४	५	३	मेषे	९।२०।०७।३९	६१।०२	भ. २२।५४ उ., मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७, मकरे C
ध्वाङ्क्ष	८	श	३३	४१	२०	४८	भर	२८	२१	१८	४०	शु	३४	१४	२१	०१	वि	६	२२	९	५२	०४	१९	०९	१५	६	४	वृषे २४।१७	९।२१।०८।४१	६१।००	भ. ९।५२ या., भीष्माष्टमी [C बुधः १२।४०
धूम्र	९	र	२८	०२	१८	३१	कृति	२४	२८	१७	०६	ब्र	२६	३६	१७	५७	वा	०	५४	७	४०	०८	१९	१०	१६	७	५	वृषे	९।२२।०९।४१	६०।५९	रोहि. रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ। रात्रौ लग्न ८, धनि. रविः ३०।०२
प्रवर्धमा	१०	सो	२२	०९	१६	१०	रोहि	२०	२१	१५	२६	ऐ	१८	४८	१४	४९	ग	२२	०९	१६	१०	११	१८	११	१७	८	६	मिथु. २६।३६	९।२३।१०।४०	६०।५८	भ. २६।५८ उ., धनि. सौरः १०।५८, वक्री गुरुः २२।०६
ए.व्र.	११	मं	१६	१३	१३	४७	मृग	१६	१२	१३	४६	वै	१०	५७	११	४०	वि	१६	१३	१३	४७	१५	१७	११	१८	९	७	मिथु.	९।२४।११।३८	६०।५६	भ. १३।४७ या., जया ११ व्र., भीष्मद्वादशी
प्र.व्र.	१२	बु	१०	३१	११	२९	आर्द्रा	१२	१४	१२	१०	वि	३/५५	१५/५२	८/२९	३५/३७	वा	१०	३१	११	२९	१८	१७	१२	१९	१०	८	कर्के २९।०६	९।२५।१२।३५	६०।५५	प्रदोषः, कल्पादि
सिद्धि	१३	गु	५	१५	९	२२	पुन	८	४४	१०	४६	आ	४९	०२	२६	५३	तै	५	१५	९	२२	२२	१६	१३	२०	११	९	कर्के	९।२६।१३।२९	६०।५४	मघा.-३ राहुः २८।२३, शत.-१ केतुः २८।२३
पूर्णिमा	१४	शु	०	४३	७	३२	पुष्य	५	५८	९	३९	सौ	४२	५७	२४	२६	व	०	४३	७	३२	२६	१५	१४	२१	१२	१०	कर्के	९।२७।१४।२३	६०।५२	भ. ७।३२ उ. १८।४६ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान A
क्षयः	१५	शु	५७	०६	३०	०६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A पूर्तिः, श्रव. बुधः ८।१६, बुधास्तः पूर्वस्याम् १३।२३

अयनांशाः २४।०४।३६

पं.४३ मा.शु. ६ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	११	८	५	११	८	४	१०
१९	०९	२८	२८	०४	००	१०	१०
१९	३३	१६	५७	५३	४२	२५	२५
५५	२६	२९	४४	२९	१७	०३	०३
६०	४४	८४	०	४८	५	३	३
५१	३९	३०	४१	३५	२५	११	११
श्र	उभा	उषा	चि	उभा	मू	म	श
३	२	१	२	१	१	४	२

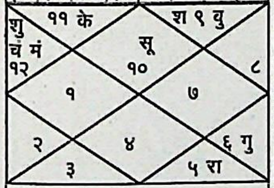

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।१४।०८।३०	१ श	२८	११।०९	१२।४५	२।४२	४।५६	७।१६	९।३३	११।४९	२।०८	४।२७	६।३१	८।१५	९।४३
०९।१५।०९।३८	२ र	२९	११।०५	१२।४१	२।३८	४।५२	७।१२	९।२९	११।४५	२।०४	४।२३	६।२७	८।११	९।३९
०९।१६।१०।४६	३ चं	३०	११।०१	१२।३७	२।३४	४।४८	७।०८	९।२५	११।४१	२।००	४।१९	६।२३	८।०७	९।३५
०९।१७।११।५२	४ मं	३१	१०।५७	१२।३४	२।३०	४।४४	७।०५	९।२१	११।३७	१।५६	४।१५	६।२०	८।०३	९।३१
०९।१८।१२।५८	५ बु	१	१०।५३	१२।३०	२।२६	४।४१	७।०१	९।१७	११।३३	१।५२	४।११	६।१६	७।५९	९।२७
०९।१९।१४।०२	६ गु	२	१०।४९	१२।२६	२।२२	४।३७	६।५७	९।१४	११।२९	१।४८	४।०७	६।१२	७।५५	९।२३
०९।२०।१५।०५	७ शु	३	१०।४६	१२।२२	२।१८	४।३३	६।५३	९।१०	११।२५	१।४५	४।०३	६।०८	७।५१	९।२०
०९।२१।१६।०६	८ श	४	१०।४२	१२।१८	२।१४	४।२९	६।४९	९।०६	११।२१	१।४१	३।५९	६।०४	७।४७	९।१६
०९।२२।१७।०७	९ र	५	१०।३८	१२।१४	२।१०	४।२५	६।४५	९।०२	११।१८	१।३७	३।५५	६।००	७।४३	९।१२
०९।२३।१८।०६	१० चं	६	१०।३४	१२।१०	२।०६	४।२१	६।४१	८।५८	११।१४	१।३३	३।५१	५।५६	७।३९	९।०८
०९।२४।१९।०४	११ मं	७	१०।३०	१२।०६	२।०२	४।१७	६।३७	८।५४	११।१०	१।२९	३।४७	५।५२	७।३५	९।०४
०९।२५।२०।००	१२ बु	८	१०।२६	१२।०२	१।५८	४।१३	६।३३	८।५०	११।०६	१।२५	३।४३	५।४८	७।३१	९।००
०९।२६।२०।५५	१३ गु	९	१०।२२	११।५८	१।५४	४।०९	६।२९	८।४६	११।०२	१।२१	३।३९	५।४४	७।२७	८।५६
०९।२७।२१।४८	१४ शु	१०	१०।१८	११।५४	१।५०	४।०५	६।२५	८।४२	१०।५८	१।१७	३।३६	५।४०	७।२३	८।५२

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें। अमावस्या उत्तराषाढा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शु. प्रतिपदा को शनिवार होने से सब धान्योत्पत्ति उत्तम हो। माघ शुक्लाष्टमी को कृत्तिका न होने से फागुण में रोली लगे और श्रावण में सूखा रहे। माघ की पूर्णिमा को मघा का अभाव होने से महर्घता हो। शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हों, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २४।०४।३७

पं.४४ मा.शु.१३ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	११	९	५	११	८	४	१०
२६	१४	०८	२८	१०	०१	१०	१०
२५	४५	२५	५८	१३	१८	०२	०२
२९	१७	५१	३३	२३	४८	४८	४८
६०	४४	९०	०	४१	४	३	३
४३	२५	१८	३८	२९	५७	११	११
ध	उभा	उषा	चि	उभा	मू	म	श
१	४	४	२व	३	१	४	२

११ फरवरी से २६ फरवरी तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी २०१७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मानस	१	श	५४	४३	२९	०८	श्ले	४	१०	८	५५	शो	३७	४७	२२	२१	बा	२५	४६	१७	३३	३७/३९	७/१५	६/१४	२२	१३	११	सिंहे ८।५५	९।२८।१५।१५	६०।५१	रेव. भौमः २१।१५
मुद्गर	२	र	५३	४५	२८	४४	मघा	३	३५	८	४०	अ	३३	३९	२०	४१	तै	२४	०४	१६	५२	३३	१४	१५	२३	१४	१२	सिंहे	९।२९।१६।०६	६०।४९	कुंभे रविः २०।०४ (सौरः २४।३३)
ध्वजा	३	सो	५४	२०	२८	५७	पूफा	४	२३	८	५८	सु	३०	४३	१९	३०	व	२३	५२	१६	४६	३७	१३	१६	२४	१५	१३	कन्या १५।०८	१०।००।१६।५५	६०।४७	भ. १६।४६ उ. २८।५७ या.
च.व्र.	४	मं	५६	३२	२९	४९	उफा	६	४३	९	५३	धृ	२९	०२	१८	४९	ब	२५	१६	१७	१९	४१	१२	१७	२५	१६	१४	कन्या	१०।०१।१७।४२	६०।४६	अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३५
आनन्द	५	बु	...	...	...	...	हस्त	१०	३७	११	२६	शू	२८	३५	१८	३८	कौ	२८	१६	१८	३०	४५	११	१७	२६	१७	१५	तुला. २४।२६	१०।०२।१८।२८	६०।४४	[B शुक्रः ११।०४
चर	५	गु	०	२२	७	१९	चित्रा	१५	५९	१३	३४	गं	२९	१५	१८	५३	तै	०	२२	७	१९	४८	११	१८	२७	१८	१६	तुला.	१०।०३।१९।१२	६०।४३	[A १६।४८, धनि. बुधः १९।३३
गद	६	शु	५	३१	९	२२	स्वा	२२	३४	१६	१२	वृ	३०	५०	१९	३०	व	५	३१	९	२२	५२	१०	१९	२८	१९	१७	तुला.	१०।०४।१९।५५	६०।४१	भ. ९।२२ उ. २२।३३ या.
शुभ	७	श	११	३६	११	४७	विशा	२९	५५	१९	०७	ध्रु	३२	५६	२०	१९	व	११	३६	११	४७	५६	०९	१९	२९	२०	१८	वृश्चि. १२।२२	१०।०५।२०।३६	६०।३९	अनुरा. रे. ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न ९,सायन मीने भानुः A
मृत्यु	८	र	१८	०१	१४	२०	अनु	३७	२५	२२	०६	व्या	३५	०९	२१	१२	कौ	१८	०१	१४	२०	२८/००	०८	२०	३०	२१	१९	वृश्चि.	१०।०६।२१।१५	६०।३७	शत. रविः १०।३० (सौरः १४।३३)
पद्म	९	सो	२४	०८	१६	४६	ज्ये	४४	२८	२४	५४	ह	३७	०१	२१	५६	ग	२४	०८	१६	४६	०४	०७	२१	१	२२	२०	धनु. २४।५४	१०।०७।२१।५३	६०।३६	भ. २९।५२ उ., रामदास ९, भा. फाल्गुनारंभः, रेव. B
छत्र	१०	मं	२९	२२	१८	५१	मूल	५०	३१	२७	१९	व	३८	१०	२२	२२	वि	२९	२२	१८	५१	०८	०६	२१	२	२३	२१	धनु.	१०।०८।२२।२८	६०।३४	भ. १८।५१ या.
ए.व्र.	११	बु	३३	१६	२०	२४	पूषा	५५	१४	२९	११	सि	३८	१७	२२	२४	व	१	३१	७	४२	१२	०५	२२	३	२४	२२	धनु.	१०।०९।२३।०२	६०।३२	विजया ११ व्र., कुंभे बुधः १९।१२
सौम्य	१२	गु	३५	३९	२१	२०	उषा	५८	२७	३०	२७	व्य	३७	१४	२१	५८	कौ	४	४०	८	५७	१६	०४	२३	४	२५	२३	मक. ११।३३	१०।१०।२३।३५	६०।३०	
शिवरा.	१३	शु	३६	२६	२१	३८	श्रव	...	...	...	...	व	३४	५९	२१	०३	ग	६	१६	९	३४	२०	०३	२३	५	२६	२४	मक.	१०।११।२४।०५	६०।२८	भ. २१।३८ उ., प्रदोषः, महाशिवरात्री व्रतम्
सुस्थिर	१४	श	३५	४२	२१	१९	श्रव	०	११	७	०७	प	३१	३३	१९	४०	वि	६	१७	९	३३	२४	०३	२४	६	२७	२५	कुंभे १९।१३	१०।१२।२४।३३	६०।२७	भ. ९।३३ या., पंचक प्रारम्भः १९।१३
अमाव.	३०	र	३३	३५	२०	२८	धनि	०/५९	२६/२३	७/३०	१२/४७	शि	२७	००	१७	५०	च	४	४९	८	५७	२८	०२	२५	७	२८	२६	कुंभे	१०।१३।२५।००	६०।२५	देवपितृकार्येऽमा., शत. बुधः १५।११

अयनांशाः २४।०४।३८

पं.४५ फा.कृ. ५ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	९	५	११	८	४	१०
०३	१९	१९	२८	१४	०१	०९	०९
२९	५५	१५	५०	३७	५१	४०	४०
५८	२९	३३	०४	०६	५९	३३	३३
६०	४४	९६	१	३२	४	३	३
३३	१०	२१	५८	०६	२७	११	११
ध	रे	श्र	चि	उभा	मू	म	श
४	१	३	२व	४	१	३	१

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
०९।२८।२२।४०	१ श	११	१०।१४	११।५०	९।४६	४।०१	६।२१	८।३८	१०।५४	१।१३	३।३२	५।३६	७।१९	८।४८
०९।२९।२३।३१	२ र	१२	१०।१०	११।४६	९।४२	३।५७	६।१७	८।३४	१०।५०	१।०९	३।२८	५।३२	७।१६	८।४४
१०।००।२४।२०	३ चं	१३	१०।०६	११।४२	९।३८	३।५३	६।१३	८।३०	१०।४६	१।०५	३।२४	५।२८	७।१२	८।४०
१०।०१।२५।०७	४ मं	१४	१०।०२	११।३८	९।३५	३।४९	६।०९	८।२६	१०।४२	१।०१	३।२०	५।२४	७।०८	८।३६
१०।०२।२५।५३	५ बु	१५	९।५८	११।३४	९।३१	३।४५	६।०५	८।२२	१०।३८	१२।५७	३।१६	५।२०	७।०४	८।३२
१०।०३।२६।३७	५ गु	१६	९।५४	११।३०	९।२७	३।४१	६।०१	८।१८	१०।३४	१२।५३	३।१२	५।१६	७।००	८।२८
१०।०४।२७।१९	६ शु	१७	९।५०	११।२७	९।२३	३।३७	५।५८	८।१४	१०।३०	१२।४९	३।०८	५।१३	६।५६	८।२४
१०।०५।२८।००	७ श	१८	९।४६	११।२३	९।१९	३।३४	५।५४	८।१०	१०।२६	१२।४५	३।०४	५।०९	६।५२	८।२०
१०।०६।२८।३९	८ र	१९	९।४२	११।१९	९।१५	३।३०	५।५०	८।०७	१०।२२	१२।४१	३।००	५।०५	६।४८	८।१६
१०।०७।२९।१७	९ चं	२०	९।३९	११।१५	९।११	३।२६	५।४६	८।०३	१०।१८	१२।३८	२।५६	५।०१	६।४४	८।१३
१०।०८।२९।५२	१० मं	२१	९।३५	११।११	९।०७	३।२२	५।४२	७।५९	१०।१४	१२।३४	२।५२	४।५७	६।४०	८।०९
१०।०९।३०।२६	११ बु	२२	९।३१	११।०७	९।०३	३।१८	५।३८	७।५५	१०।११	१२।३०	२।४८	४।५३	६।३६	८।०५
१०।१०।३०।५८	१२ गु	२३	९।२७	११।०३	१२।५९	३।१४	५।३४	७।५१	१०।०७	१२।२६	२।४४	४।४९	६।३२	८।०१
१०।११।३१।२८	१३ शु	२४	९।२३	१०।५९	१२।५५	३।१०	५।३०	७।४७	१०।०३	१२।२२	२।४०	४।४५	६।२८	७।५७
१०।१२।३१।५७	१४ श	२५	९।१९	१०।५५	१२।५१	३।०६	५।२६	७।४३	९।५९	१२।१८	२।३६	४।४१	६।२४	७।५३
१०।१३।३२।२३	३० र	२६	९।१५	१०।५१	१२।४७	३।०२	५।२२	७।३९	९।५५	१२।१४	२।३२	४।३७	६।२०	७।४९

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २०१७
फा. कृ. २ रवौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २०।०४ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (वैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १३।४० से २०।०४ तक। (दान- गोड़ - अन्न)।

अयनांशाः २४।०४।३९

पं.४६ फा.कृ.१२ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	११	१०	५	११	८	४	१०
१०	२५	००	२८	१७	०२	०९	०९
३३	०३	५०	३२	४६	२१	१८	१८
१२	५३	३८	२८	३६	३१	१९	१९
६०	४३	१०३	३	१९	३	३	३
२१	५४	२१	१५	४६	५४	१०	१०
श	रे	ध	चि	रे	मू	म	श
२	३	३	२व	१	१	३	१

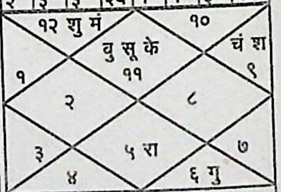

२७ फरवरी से १२ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, क्विना सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः २१५४ वसंतर्त्तू रविरुत्तरे, फरवरी-मार्च २०१७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मुसल	१	सो	३०	१५	११	०७	पूभा	५७	१७	२९	५५	सि	२१	३१	१५	३७	किं	२	०५	७	५१	३८/३२	०७/०१	६/२५	८	२९	२७	मीने २४।१०	१०।१४।२५।२५	६०।२३	[B फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
फुलरि.	२	मं	२५	५८	१७	२३	उभा	५४	२०	२८	४४	सा	१५	१४	१३	०५	को	२५	५८	१७	२३	३६	००	२६	९	३०	२८	मीने	१०।१५।२५।४८	६०।२१	उभा. रे. ७ SSIIISIIII रात्रौ लग्न ८, ९,चंद्रदर्शनम् (मु.४५), B
उत्पात	३	बु	२०	५७	१५	२१	रेव	५०	४८	२७	१८	शु	८	१८	१०	१८	ग	२०	५७	१५	२१	४०	६/५३	२७	१०	१	१	मेषे २७।१८	१०।१६।२६।०८	६०।१९	भ. २६।१६ उ., पंचक समाप्तिः २७।१८, मार्च ३ ता. ३१, C
मानस	४	गु	१५	२५	१३	०८	अश्वि	४६	५३	२५	४३	शु	०/५३	५७/५६	७/२८	२०/१६	वि	१५	२५	१३	०८	४४	५८	२७	११	२	२	मेषे	१०।१७।२६।२७	६०।१७	भ. १३।०८ या.
मुद्गर	५	शु	९	३७	१०	४७	भर	४२	५०	२४	०४	ऐ	४५	३४	२५	१०	वा	९	३७	१०	४७	४८	५७	२८	१२	३	३	वृषे २९।४०	१०।१८।२६।४४	६०।१५	याज्ञवल्क्य जयंती [E शुक्रः २३।४५
ध्वजा	६	श	३	४७	८	२६	कृति	३८	५२	२२	२८	वै	३७	५६	२२	०६	तै	३	४७	८	२६	५३	५५	२८	१३	४	४	वृषे	१०।१९।२६।५९	६०।१३	भ. ३०।०९ उ., पूभा. रविः १६।४६ (सौरः २०।०४), वक्री E
क्षयः	७	श	५८	०४	३०	०९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A के बाद, होलिका दहनं, करिदिन, उभा. बुधः १८।५६
होलाष्ट.	८	र	५२	४२	२७	५९	रोहि	३५	१०	२०	५८	वि	३०	३१	१९	०७	वि	२५	२१	१७	०३	५७	५४	२९	१४	५	५	वृषे	१०।२०।२७।१२	६०।११	भ. १७।०३ या., होलाष्टक, पूभा. बुधः २१।३८
आनन्द	९	सो	४७	४९	२६	०१	मृग	३१	५४	१९	३९	प्री	२३	२६	१६	१६	वा	२०	१३	१४	५८	२९/०१	५३	३०	१५	६	६	मिथु. ८।१७	१०।२१।२७।२३	६०।०९	[C जमादिलास्तर ६, मेषे अश्वि. भौमः २५।१५
चर	१०	मं	४३	३३	२४	१७	आर्द्रा	२९	११	१८	३३	आ	१६	४९	१३	३६	तै	१५	३७	१३	०७	०५	५२	३०	१६	७	७	मिथु.	१०।२२।२७।३२	६०।०७	[D ढाल थापणा भद्रा के पहिले
ए.ब्र.	११	बु	३९	५६	२२	५०	पुन	२७	०९	१७	४३	सौ	१०	४२	११	०८	व	११	४०	११	३१	०९	५१	३१	१७	८	८	कर्क ११।५४	१०।२३।२७।३८	६०।०५	भ. ११।३१ उ. २२।५० या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला- D
शुभ	१२	गु	३७	०८	२१	४१	पुष्य	२५	५१	१७	११	शो	५	११	८	५५	व	८	२७	१०	१३	१३	५०	३१	१८	९	९	कर्क	१०।२४।२७।४३	६०।०३	मेला श्रीश्यामजी (खाटू)
प्र.ब्र.	१३	शु	३५	१२	२०	५४	श्ले	२५	२४	१६	५९	अ	०/५६	३०/३८	६/२६	५७/५६	कौ	६	०४	९	१५	१७	४९	३२	१९	१०	१०	सिंहे १६।५९	१०।२५।२७।४६	६०।००	प्रदोषः, मीने बुधः २६।११
पद्म	१४	श	३४	११	२०	२८	मघा	२५	५१	१७	०८	धृ	५२	४४	२७	५४	ग	४	३५	८	३८	२२	४८	३३	२०	११	११	सिंहे	१०।२६।२७।४६	५९।५८	भ. २०।२८ उ.
होली	१५	र	३४	१३	२०	२८	पूफा	२७	१८	१७	४२	शू	५०	११	२६	५१	वि	४	०५	८	२५	२६	४७	३३	२१	१२	१२	कन्या २३।५४	१०।२७।२७।४४	५९।५६	भ. ८।२५ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, जेलपोणी भद्रा A

अयनांशाः २४।०४।४०

पं.४७ फा.शु. ४ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	०	१०	५	११	८	४	१०
१७	००	१३	२८	१९	०२	०८	०८
३५	१०	१५	०६	२०	४७	५६	५६
०४	२४	५२	०९	०५	०४	०५	०५
६०	४३	११०	४	४	३	३	३
०९	३८	३३	२५	१३	१९	११	११
श	अ	श	चि	रे	मू	म	श
४	१	२	२व	१	१	३	१

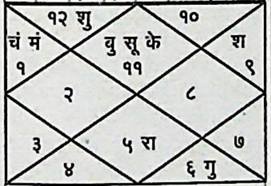

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।१४।३२।४८	१ चं	२७	९।११	१०।४७	१२।४३	२।५८	५।१८	७।३५	९।५१	१२।१०	२।२९	४।३३	६।१६	७।४५
१०।१५।३३।१०	२ मं	२८	९।०७	१०।४३	१२।३९	२।५४	५।१४	७।३१	९।४७	१२।०६	२।२५	४।२९	६।१२	७।४१
१०।१६।३३।३१	३ बु	१	९।०३	१०।३९	१२।३५	२।५०	५।१०	७।२७	९।४३	१२।०२	२।२१	४।२५	६।०९	७।३७
१०।१७।३३।५०	४ गु	२	८।५९	१०।३५	१२।३२	२।४६	५।०६	७।२३	९।३९	११।५८	२।१७	४।२१	६।०५	७।३३
१०।१८।३४।०६	५ शु	३	८।५५	१०।३१	१२।२८	२।४२	५।०२	७।१९	९।३५	११।५४	२।१३	४।१७	६।०१	७।२९
१०।१९।३४।२१	६ श	४	८।५१	१०।२७	१२।२४	२।३८	४।५८	७।१५	९।३१	११।५०	२।०९	४।१३	५।५७	७।२५
१०।२०।३४।३४	८ र	५	८।४७	१०।२४	१२।२०	२।३४	४।५५	७।११	९।२७	११।४६	२।०५	४।०९	५।५३	७।२१
१०।२१।३४।४४	९ चं	६	८।४३	१०।२०	१२।१६	२।३१	४।५१	७।०७	९।२३	११।४२	२।०१	४।०६	५।४९	७।१७
१०।२२।३४।५३	१० मं	७	८।३९	१०।१६	१२।१२	२।२७	४।४७	७।०३	९।१९	११।३८	१।५७	४।०२	५।४५	७।१३
१०।२३।३४।५९	११ बु	८	८।३६	१०।१२	१२।०८	२।२३	४।४३	७।००	९।१५	११।३५	१।५३	३।५८	५।४१	७।१०
१०।२४।३५।०४	१२ गु	९	८।३२	१०।०८	१२।०४	२।१९	४।३९	६।५६	९।११	११।३१	१।४९	३।५४	५।३७	७।०६
१०।२५।३५।०६	१३ शु	१०	८।२८	१०।०४	१२।००	२।१५	४।३५	६।५२	९।०८	११।२७	१।४५	३।५०	५।३३	७।०२
१०।२६।३५।०६	१४ श	११	८।२४	१०।००	११।५६	२।११	४।३१	६।४८	९।०४	११।२३	१।४१	३।४६	५।२९	६।५८
१०।२७।३५।०४	१५ र	१२	८।२०	९।५६	११।५२	२।०७	४।२७	६।४४	९।००	११।१९	१।३७	३।४२	५।२५	६।५४

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो और पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं, यथा- एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः। मार्गशीर्ष से फाल्गुन तक शुक्लपक्ष में तिथियां क्षय होने से लोगों का स्वास्थ्य बिगड़े, राजविग्रह हो और छत्रभंग भी हो। फाल्गुन कृष्णा षष्ठी को स्वाति होने से दुर्भिक्ष हो। अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो। अमावस्या धनिष्ठा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। फाल्गुन शुक्ला १० को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों।

अयनांशाः २४।०४।४१

पं.४८ फा.शु.१२ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	०	१०	५	११	८	४	१०
२४	०५	२६	२७	१८	०३	०८	०८
३५	१४	२८	३१	५६	०८	३३	३३
२७	५५	५४	५४	४२	२३	५०	५०
५९	४३	११६	५	१३	२	३	३
५६	२०	३१	२९	३७	४१	११	११
पूभा	अ	पूभा	चि	रे	मू	म	श
२	२	२	२व	१व	१	३	१

१३ मार्च से २८ मार्च तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०७३, शाकः १९३८, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छारेंडी	१	सो	३५	२२	२०	५४	उफा	२९	४९	१८	४१	गं	४८	३१	२६	१०	बा	४	३९	८	३७	२९ ३०	६ ४६	६ ३४	२२	१३	१३	कन्या	१०।२८।२७।४०	५९।५४
सौम्य	२	मं	३७	४३	२१	५०	हस्त	३३	३०	२०	०९	वृ	४७	४८	२५	५२	तै	६	२४	९	१८	३४	४५	३४	२३	१४	१४	कन्या	१०।२९।२७।३४	५९।५२
काल	३	बु	४१	१८	२३	१५	चित्रा	३८	२२	२२	०५	ध्रु	४८	००	२५	५६	व	९	२२	१०	२८	३८	४४	३५	२४	१५	१५	तुला. ९।०३	११।००।२७।२६	५९।५०
च.व्र.	४	गु	४६	०४	२५	०८	स्वा	४४	२३	२४	२८	व्या	४९	०७	२६	२१	ब	१३	३४	१२	०८	४२	४२	३५	२५	१६	१६	तुला.	११।०१।२७।१५	५९।४७
मातङ्ग	५	शु	५१	४७	२७	२४	विशा	५१	१९	२७	१३	ह	५०	५५	२७	०३	कौ	१८	५०	१४	१३	४७	४१	३६	२६	१७	१७	वृश्चि. २०।३०	११।०२।२७।०३	५९।४५
अमृत	६	श	५८	०३	२९	५३	अनु	५८	४७	३०	११	व	५३	१०	२७	५६	ग	२४	५४	१६	३८	५१	४०	३७	२७	१८	१८	वृश्चि.	११।०३।२६।४८	५९।४३
काण	७	र	...	...	...	...	ज्ये	...	...	...	...	सि	५५	२६	२८	५०	वि	३१	१५	१९	०९	५५	३९	३७	२८	१९	१९	वृश्चि.	११।०४।२६।३१	५९।४१
शीतला	७	सो	४	२२	८	२३	ज्ये	६	१७	९	०९	व्य	५७	२०	२९	३४	ब	४	२२	८	२३	५९	३८	३८	२९	२०	२०	धनु. ९।०९	११।०५।२६।११	५९।३८
छत्र	८	मं	१०	०१	१०	३७	मूल	१३	०९	११	५२	व	५८	२४	२९	५८	कौ	१०	०१	१०	३७	३० ०३	३७	३८	३०	२१	२१	धनु.	११।०६।२५।५०	५९।३६
श्रीवत्स	९	बु	१४	३०	१२	२४	पूषा	१८	५१	१४	०८	प	५८	२०	२९	५६	ग	१४	३०	१२	२४	०७	३६	३९	१	२२	२२	मक. २०।३६	११।०७।२५।२६	५९।३४
सौम्य	१०	गु	१७	२२	१३	३१	उषा	२३	००	१५	४७	शि	५६	५४	२९	२०	वि	१७	२२	१३	३१	१२	३५	३९	२	२३	२३	मक.	११।०८।२५।००	५९।३२
ए.व्र.	११	शु	१८	२४	१३	५५	श्रव	२५	२३	१६	४२	सि	५४	००	२८	१०	बा	१८	२४	१३	५५	१६	३३	४०	३	२४	२४	कुंभे २८।५४	११।०९।२४।३२	५९।२९
प्र.व्र.	१२	श	१७	३२	१३	३३	धनि	२५	५५	१६	५४	सा	४९	४०	२६	२४	तै	१७	३२	१३	३३	२०	३२	४०	४	२५	२५	कुंभे	११।१०।२४।०१	५९।२७
राक्षस	१३	र	१४	५३	१२	२८	शत	२४	४३	१६	२४	शु	४३	५६	२४	०६	व	१४	५३	१२	२८	२४	३१	४१	५	२६	२६	कुंभे	११।११।२३।२८	५९।२५
मुसल	१४	सो	१०	३५	१०	४४	पूभा	२१	५७	१५	१७	शु	३७	०२	२१	१९	श	१०	३५	१०	४४	२८	३०	४१	६	२७	२७	मीने ९।३७	११।१२।२२।५३	५९।२३
अमाव.	३०	मं	४	५७	८	२८	उभा	१७	५४	१३	३८	ब्र	२९	०९	१८	०८	ना	४	५७	८	२८	३२	२९	४२	७	२८	२८	मीने	११।१३।२२।१५	५९।२०

वसंतर्त्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
हस्ते रे.६ ।S।SSS।।।। रात्रौ लग्न ९,वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, B
मीने रविः १६।५२ (सौरः १९।४४)
भ. १०।२८ उ. २३।१५ या., कल्पादि, (व) उभा. शुक्रः २१।४२
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०३ [D भर. भौमः १२।३८
उभा. रविः २५।११ (सौरः २७।५६), (व) चित्रा.-१ गुरुः २२।३९
भ. २९।५३ उ., बुधोदयः पश्चिमायाम् १८।४१
भ. १९।०९ या., रेव. बुधः १४।००
शीतला पूजनं, सायन मेषे भानुः १५।४०, D
शुक्रास्तः पश्चिमायाम् २६।२९
भ. २५।०३ उ., भा. चैत्रारंभः [E महावारुणी योग १६।५४ से,
भ. १३।३१ या. [B करिदिन, मूले-२ शनिः २१।२९
पंचक प्रारम्भः २८।५४, पापमोचनी ११ व्र.
प्रदोषः, शुक्रोदयः पूर्वस्याम् १०।४१ E
भ. १२।२८ उ. २३।४१ या., मासिकशिवरात्री व्र., वारुणी योग C
पितृकार्येऽमा., मन्वादि [C १२।२८ तक, मेषे अश्वि. बुधः २९।००
देवकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः २१८३, चक्र ७, कल्पादि, A

शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

[A नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १

अयनांशाः २४।०४।४२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०४।४२

पं.४९ चै.कृ. ४ गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	११	५	११	८	४	१०
०१	१०	१०	२६	१६	०३	०८	०८
३४	१७	१३	५०	२९	२५	११	११
१६	२३	१९	४३	२८	१५	३५	३५
५९	४३	११७	६	३०	२	३	३
४२	०२	५६	२३	०७	०२	११	११
पूभा	अ	उभा	चि	उभा	मू	म	श
४	४	३	२व	४व	२	३	१

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मार्च	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायँ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन प्रातः
१०।२८।३५।००	१ चं	१३	८।१६	९।५२	११।४८	२।०३	४।२३	६।४०	८।५६	११।१५	१।३३	३।३८	५।२१	६।५०
१०।२९।३४।५४	२ मं	१४	८।१२	९।४८	११।४४	१।५९	४।१९	६।३६	८।५२	११।११	१।२९	३।३४	५।१७	६।४६
११।००।३४।४५	३ बु	१५	८।०८	९।४४	११।४०	१।५५	४।१५	६।३२	८।४८	११।०७	१।२६	३।३०	५।१३	६।४२
११।०१।३४।३५	४ गु	१६	८।०४	९।४०	११।३६	१।५१	४।११	६।२८	८।४४	११।०३	१।२२	३।२६	५।०९	६।३८
११।०२।३४।२२	५ शु	१७	८।००	९।३६	११।३२	१।४७	४।०७	६।२४	८।४०	१०।५९	१।१८	३।२२	५।०६	६।३४
११।०३।३४।०७	६ श	१८	७।५६	९।३२	११।२८	१।४३	४।०३	६।२०	८।३६	१०।५५	१।१४	३।१८	५।०२	६।३०
११।०४।३३।४९	७ र	१९	७।५२	९।२८	११।२५	१।३९	३।५९	६।१६	८।३२	१०।५१	१।१०	३।१४	४।५८	६।२६
११।०५।३३।३०	७ चं	२०	७।४८	९।२४	११।२१	१।३५	३।५५	६।१२	८।२८	१०।४७	१।०६	३।१०	४।५४	६।२२
११।०६।३३।०८	८ मं	२१	७।४४	९।२०	११।१७	१।३१	३।५१	६।०८	८।२४	१०।४३	१।०२	३।०६	४।५०	६।१८
११।०७।३२।४४	९ बु	२२	७।४०	९।१७	११।१३	१।२७	३।४८	६।०४	८।२०	१०।३९	१२।५८	३।०३	४।४६	६।१४
११।०८।३२।१७	१० गु	२३	७।३६	९।१३	११।०९	१।२४	३।४४	६।००	८।१६	१०।३५	१२।५४	२।५९	४।४२	६।१०
११।०९।३१।४९	११ शु	२४	७।३२	९।०९	११।०५	१।२०	३।४०	५।५७	८।१२	१०।३१	१२।५०	२।५५	४।३८	६।०६
११।१०।३१।१८	१२ श	२५	७।२९	९।०५	११।०१	१।१६	३।३६	५।५३	८।०८	१०।२८	१२।४६	२।५१	४।३४	६।०३
११।११।३०।४५	१३ र	२६	७।२५	९।०१	१०।५७	१।१२	३।३२	५।४९	८।०४	१०।२४	१२।४२	२।४७	४।३०	५।५९
११।१२।३०।०९	१४ चं	२७	७।२१	८।५७	१०।५३	१।०८	३।२८	५।४५	८।०१	१०।२०	१२।३८	२।४३	४।२६	५।५५
११।१३।२९।३१	३० मं	२८	७।१७	८।५३	१०।४९	१।०४	३।२४	५।४१	७।५७	१०।१६	१२।३४	२।३९	४।२२	५।५१

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०१७
चैत्र कृ. २ भौमे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।५२ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १६।५२ से २३।१६ तक। (दान- भूमि माला)।

पं.५० चै.कृ.१० गु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	११	५	११	८	४	१०
०८	१५	२३	२६	१२	०३	०७	०७
३१	१७	३१	०३	२५	३७	४९	४९
२८	४६	२५	५१	५०	२६	२१	२१
५९	४२	१०४	७	३८	१	३	३
२८	४४	४३	०४	५९	२१	११	११
उभा	भ	रे	चि	उभा	मू	म	श
२	१	३	१व	३व	२	३	१

श्री गणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११८, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११८ भोग्यकलिः ४२६८८२ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०७४ शाकः १९३९ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भौमः १, मंत्री गुरुः २, सस्येशो रविः ३, धान्येशः शुक्रः ४, मेघेशो वुधः ५, रसेशो भौमः ६, नीरसेशो रविः ७, फलेशो वुधः ८, धनेशः शनिः ९, दुर्गेशो वुधः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्र विंशतिकायां ४ साधारण नामाख्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ०।१४।५२।४८ भोग्य मासादि ११।१५।७।१२ सोम दैवतं युगम् । वर्षनाम फाल्गुन । चतुर्मेघनाम संवर्त्तः । रोहिणी निवासो तटे । समय निवासो रजकगृहे । समय विश्वा १० । समय वाहन वृषभ । स्तंभ १ तृण । सोमवत्यमा. २ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी २ । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ४२० । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १३ । तिथि वृद्धिः ८ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९६ । खपति विश्वा १०८ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । खपति विश्वा ८७ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् ७ । तृणम् १३ । शीतम् ७ । तेजः १७ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् १०३ । (क्षुधा ३ । तृष्णा १७ । निद्रा ११ । आलस्य ११ । उद्यम १३ । शान्ति १५ । क्रोध ३ । दण्ड ५ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुण्य ७ । उग्रत्व १३ । रसोत्पत्तिः १३ । फलोत्पत्तिः १९ । व्याधि १९ । व्याधिनाश १७ । आचार १७ । अनाचार ५ । मृत्यु १९ । जन्म ११ । चौर १७ । उपशमन ५ । अग्निभय ११ । अग्निशमः ३ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः पश्चिमायाम् । ग्रहणं २ चन्द्रमसः । उद्भिजः ३ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ३ । स्वदेजः ३ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौं प्रजा भाग्य प्रबल है ॥ **संवत् २०७४ शाकः १९३९** ॥ वर्षारम्भे चैत्रशुक्लप्रतिपदायाम् बुधवासरे वारप्रवृत्ति (सूर्योदय) काले अहर्गणाः (ता. २९ मार्च २०१७), केतकी चक्रः ७, अहर्गणः २१८४, सौरपक्ष चक्रः ४५, अहर्गणः ८०६, ब्रह्मपक्ष अहर्गणः ३०४६३९.

(१) श्रावण शुक्ला १५ सोमवार, संवत् २०७४, ता. ७ अगस्त २०१७, खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	४१	४४	४६	४
स्थानिक प.	५०	१८	४६	५७
रेल्वे घं.	२२	२३	२४	१
टाईम मि.	४४	४३	४३	५९

यह खण्डग्रास चंद्रग्रहण श्रावण शुक्ला १५ सोमवार, संवत् २०७४, ता. ७ अगस्त २०१७, को होगा । इस ग्रहण का सूतक स्टैं १३।४४ वजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में वाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

(२) माघ शुक्ला १५ वुधवार, संवत् २०७४, ता. ३१ जनवरी २०१८, खग्रासं ग्रस्तोदयं चन्द्रग्रहणम्

	स्पर्श	सम्मी.	मध्य	उन्मी.	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	२४	२७	२९	३०	३३	८
स्थानिक प.	५४	३३	०९	४४	२३	२९
रेल्वे घं.	१७	१८	१९	१९	२०	३
टाईम मि.	१९	२३	०१	३९	४३	२४

यह ग्रस्तोदय खग्रास चंद्रग्रहण माघ शुक्ला १५ वुधवार, संवत् २०७४, ता. ३१ जनवरी २०१८, को होगा । इस ग्रहण का सूतक स्टैं ८।१९ वजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में वाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

संवत् २०७४ मध्ये सूर्यग्रहणाऽभावः

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिक पञ्चाङ्ग में देखें ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -

पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा

मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द, वाया- सिंघाना, जि.झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६, फो.०१५९३-२७११८४ मुम्बई. फोन. ०२२ २६१६६७८३

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
चोहत्तर संवत् फल कहो श्रीमुख से सव हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां मध्यम संवत होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये पांच अधिकार ।
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट आधार ॥
पर भृगुजी धान्येश है सस्याधिप रविराज ।
सुख संपति संचार हो जग में मंगल काज ॥
चतुर्मेघ संवर्त्त है वर्षा वहुत दिखाय ।
दुर्गाधिप बुधराज हैं मंत्री हैं गुरुराय ॥
इनकी खैंचाताण में व्यापारां कुछ हान ।
व्यापारा घटवढ घणी रसकस तेजी जाण ॥
रसाधिप मंगलदेव हैं समझो मध्यम साल ।
गुरु ईश्वरदत्त से गुरु नहीं कथन ग्यारसीलाल ॥
संवत् चोहत्तर फल कहा कर गुरु का ध्यान ।
हाथजोड़ विनति करूँ रसियो मेरा मान ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	अष्टोत्तरी मतेन लाभ	अष्टोत्तरी मतेन खर्च	विंशोत्तरी मतेन लाभ	विंशोत्तरी मतेन खर्च
मेष	८	१४	२	१४
वृष	२	८	११	५
मिथुन	५	५	२	५
कर्क	१४	२	११	१४
सिंह	२	१४	१४	११
कन्या	५	५	२	५
तुला	२	८	११	५
वृश्चिक	८	१४	२	१४
धनु	११	५	१४	२
मकर	१४	१४	८	५
कुंभ	१४	१४	८	५
मीन	११	५	१४	२

वर्ष लग्नम् ०।२३

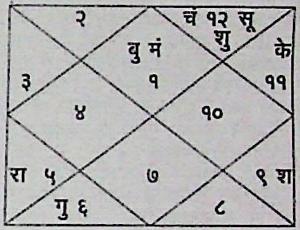

वर्षेश लग्नम् ८।२७

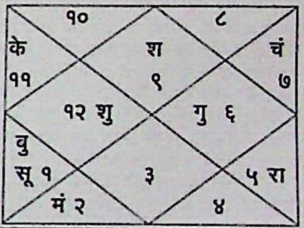

लाभ - खर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

॥ अथ संवत् २०७४ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७४ शाकः १९३९ साधारण नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - साधारणाब्देवृष्टयर्द्धभयंसाधारणंस्मृतम् । विवैरिणोधराधीशाः प्रजाः स्युः स्वच्छचेतसः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजाभौमस्तत्फलम् - भौमे नृपे वह्निभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिवविग्रहं च । दुःखं प्रजाव्याधिवियोगपीडा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः ॥ मंत्रीगुरुस्तत्फलम् - विविधधान्ययुतास्त्वलुमेदिनीप्रचरतोयघनामुदिता भवेत् । नृपतयो जलपालनतत्परः सुरगुरौ ननुमंत्रिसमागते ॥ सस्येशोरविस्तत्फलम् - सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं वहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूतहाश्च ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् - भृगौपश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यंसमर्घतांयातिस्वल्पंक्षीरंगवामपि ॥ मेघेशोबुधस्तत्फलम् - अमृतरश्मिसुतेयदिवारिपेबहुजलंतुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरायजनोत्सुकचेतसोविविधसौख्ययुताधरणीतदा ॥ रसेशोभौमस्तत्फलम् - यदिधरातनयो रसपोभवेन्नरसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमोजनतापदोनजलदोबहुवृष्टिकरोभुवि ॥ नीरसेशोरविस्तत्फलम् - नीरसाधिपतौसूर्येताम्रचन्दनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ॥ फलेशोबुधस्तत्फलम् - यदिबुधेफलपेफलमुत्तमंजलधराजलराशिमुचस्तदा । बहुतृणंकुसुमैः कमलैर्युतंजनपदोजनसौख्यमुदान्वितः ॥ धनेशः शनिस्तत्फलम् - द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अगनिका वणिजः कृपिजीविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः ॥ दुर्गेशोबुधस्तत्फलम् - विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः । राशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित् ॥ वर्षनाम फाल्गुन तत्फलम् - सुभिक्षंप्रचुरावृष्टिरुत्तरेयाम्यपश्चिमे । पूर्वस्यांरौरवंघोरं फाल्गुनेवत्सरे शुभम् ॥ चतुर्मेघनाम संवर्त्तस्तत्फलम् - संवर्त्तजलपूरिता । रोहिणी निवासो तटे तत्फलम् - तटे वृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजकगृहे तत्फलम् - वापीकूपतडागानि नदीनदवनानि च । जलपूर्णानि दृश्यन्ते वासो रजकवेश्मनि ॥ अपिच - रजके वृष्टिः रुत्तमा । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

राजा और रसेश मंगल हैं । मेघेश, फलेश और दुर्गेश बुध हैं । मंत्री गुरु हैं । धान्येश शुक्र हैं । धनेश शनि है । सस्येश और नीरसेश रवि हैं । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ५ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ५ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल मध्यम होगा । वर्षलग्न मेष होने से उस वर्ष पूर्व में राज विग्रह तथा दुर्भिक्ष हो, दक्षिण में वहुत धान्य और सुभिक्ष हो । धान्य बेचने से लाभ हो, मेघ बहुत वर्षे, घी तैलादि महंगे हों । उत्तर में सुभिक्ष हो, राजाओं में उद्वेग हो, मध्य देश में महावर्षा और धान्य उपजे ॥ वर्षेश लग्न धनु ॥ **चैत्र** - कृत्तिका पर मंगल होने से सब देशों में तथा गावों में पीड़ा हो, धान्य महंगा हो, देश भंग हो और तपस्वियों के आश्रमों में पीड़ा हो । पूर्वाभाद्रपद में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो । **वैशाख** - अमावस को अश्विनी होने से महर्घ-समर्घ मध्यम हो । मास की शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों । शुक्ला ३ को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो । शुक्ला पंचमी को सूर्यवार होने से मंद वर्षा हो । शुक्ला नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर बहुत कष्ट हो । पूर्णिमा स्वाति युक्त होने से दुर्भिक्ष हो, वर्षा हो, लोग सुखी रहें । उत्तराभाद्रपद में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, उ.भा. में स्थित शुक्र फल-मूलों को पीड़ित करता है । वृक्षों में रोग, चौपायों में पीड़ा, कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो । गाय बैल आदि चौपायों को बड़ी भारी पीड़ा हो, टीडी आदि से धान्य महँगा हो । **ज्येष्ठ** - प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है, पृथ्वी जल से पूरित हो जाय और कपास की खेती नष्ट हो जायँ, हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालों का नाश हो, तीव्र रोग हो, धान्य महँगे हों और वैर बढै, मनष्यों का स्वास्थ्य बिगड़े और रोग अधिक हों, स्त्री और बालकों में विपत्ति हो और धान्य का नाश हो, जौ, तिल, उड़द कम हों, विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो, अति वर्षा हो । आर्द्रा पर मंगल होने से वृष्टि हो, कपास, तिल, सूत महँगे हों । **आषाढ** - पूर्णिमा पन्द्रह घटी से भी कम है अतःमहर्घता हो, वायु और बादल के संयोग से फलों में न्यूनाधिकता हो, तुष धान्य महँगे हो और तिलों का अभाव हो, सुभिक्ष हो, वायु से वर्षा हो, रोगोत्पत्ति हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुखी रहें और ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःखों से प्रजा पीडित हो । राजा लोग क्रोधित रहें सर्पों में हर्ष बढें पक्षियों में युद्ध मचे । सातों द्वीपों मे भूकम्पादि हों । राजाओं का मरण तथा वर्षा का अभाव हो । मनुष्यों में कलह हो विकल्पता से शत्रुता फैले शुभ कर्मों का अभाव हो और गुणवानों का नाश हो, राजा, पुरोहित, राजाओं से पूजित, शूर, गण (सन्यासियो के मठ), प्रधान कुल और जनसङ्घियों पीड़ित हो, सरसों उड़द कम हों और सब धान्य उत्पन्न हों । **श्रावण** - महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःखो से प्रजा पीडित हो । चौर भय हो, आपसी विरोध से क्षति हो, और राजा कमजोर हों, धान्य की महर्घता हो, रस (मधुर आदि) और धान्यों का नाश हो । अल्प वृष्टि हो, कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो । पूर्वाफाल्गुनी में बुध होने से क्षेत्र के वंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चौर और रोगों की वृद्धि हो । आश्लेषा पर मंगल होने से बहुत वर्षा से धान्य नाश हो, दुर्भिक्ष हो और साँपों का भय अधिक हो । **भाद्रपद** - पुनर्वसु में शुक्र होने से अन्न का अभाव हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । सिंह राशि में बुध का अस्त होने से वर्षा कम हो । कर्क का राहु होने से अवश्य ही लोगों को चौरों से बहुत पीड़ा हो । चावलो की कमी हो सोना चांदी सस्ते हों और कांसी तांबा संग्रह करने से छः मास में लाभ दे । वर्षा के अभाव में उड़द मूंग और तिलो का नाश हों अन्य धान्य भी दुर्लभ हों । **आश्विन** - आश्विन की पूर्णिमा को अश्विनी का अभाव होने से महर्घता हो । सिंह राशि में मंगल का उदय होने से चावल महँगे हों । प्रजा में कष्ट हो, हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । पूर्वाफाल्गुनी में बुध होने से क्षेत्र के वंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो, तेल का मूल्य बढ जाय, उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्ज़ा और शुक्र) की हानि हो, वर्षा कम हो । सुभिक्ष हो धान्य निरोग रहे, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मूल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो । **कार्तिक** - उत्तराफाल्गुनी में शुक्र होने से प्रजा में कष्ट हो, कुरु देश मे निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्चावस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । घोड़ों का मूल्य बढे, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो । मन्द वर्षा हो, गौओं को पीड़ा हो, मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों, सुभिक्ष हो । कुआँ बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । **मार्गशीर्ष** - स्वाति में शुक्र होने से क्षेम और सुभिक्ष हो, अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो, । ज्येष्ठा में बुध होने से ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों मे रोग हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, चावल तथा गेहूँ महँगे हो, पशु पक्षी और बालकों में पीडा हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । **पौष** - घन राशि में बुध का अस्त होने से राजाओं में भय हो । रोग का प्रचार हो । पौष में बुध का अस्त होने से सुभिक्ष हो, ज्येष्ठा मे शुक्र होने से लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो । स्वाती पर मंगल होने से अनावृष्टि हो, ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों मे रोग हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो । कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो । **माघ** - माघ की पूर्णिमा को मघा का अभाव होने से महर्घता हो । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, मनष्यों का स्वास्थ्य विगड़े और रोग अधिक हों, स्त्री और बालकों में विपत्ति हो और धान्य का नाश हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो, प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, श्रवण नक्षत्र में शुक्र होने से कर्णपीड़ा हो । राजाओं में भय हो । रोग का प्रचार हो, अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे बालकों में पीड़ा हो, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो । **फाल्गुन** - धनिष्ठा में बुध होने से गायें पीडित हों, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो, अल्पवृष्टि हो, रोगों की प्रबलता हो, शूद्रों में रोगोत्पत्ति हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, कहीं दुर्भिक्ष हो और कही क्षेम तथा आरोग्यता हो । क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । पूर्वाषाढ़ा में स्थित शनैश्चर अङ्ग, वङ्ग, कोशल, गिरिव्रज, मगध, पुण्ड्र, मिथिला और ताम्रलिप्ती देश में निवास करने वाले मनुष्यों को पीड़ित करता है । चैत्र - उ.भा. में स्थित शुक्र फल-मूलों को पीड़ित करता है, क्षत्रियों में पीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो, वर्तन, सुगन्धवाली वस्तुएं, कपास, नमक, यह सस्ते हों । रेवती में बुध होने से श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । आगे गो प्रजा भाग्य प्रवल है ।

॥ संवत् २०७४, शाक: १९३९ (सन २०१७-१८) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन२०१७	**वैशाख कृष्णपक्ष:**
१९ अप्रे.	८ बुधे उषा. रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न १, २, ४, ६, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(७) (मेषे सोग्रांगः सू,वृषे रा ४ दोषः;सोग्रांगः मं,कर्के चं ७ पूज्यः,कन्या.शु ७ पूज्यः,अ.गोधुल्यां मं ८)
सन२०१७	**वैशाख शुक्लपक्ष:**
३० अप्रे.	५ रवौ मृगे रे. ९ IIIIISIIII दि.ल.१,२ (मेषे सोग्रांगः सू,वृषे रा ४ दोषः;सोग्रांगः मं)
७ मई	१२ रवौ उफा. रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न २ (वृषे रा ४ दोषः; सोग्रांगः मं)
९ मई	१४ भौमे स्वातौ रे. ७ IIIISSISII दिवा लग्न ४, ६ (कन्या. शु ७ पूज्यः) (व्यतिपात १५।३१ से भद्रा २५।१० से)
सन२०१७	**ज्येष्ठ कृष्णपक्ष:**
११ मई	१ गुरौ अनुरा. रे. ६ IIIISSSSII रात्रौ लग्न गोधूलि(७), ९, ११, १२, १ (गोधुल्यां मं ८, धनुषि सोग्रांगः श,कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः के,मीने गु ७ पूज्यः,मेषे सोग्रांगः सू)
१२ मई	२ शुक्रे अनुरा. रे. ७ IIIISISSII दिवा लग्न २, ४, ६, रात्रौ लग्न गोधूलि(७) (वृषे रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं, कन्या. शु ७ पूज्यः, गोधुल्यां मं ८)
१६ मई	५ भौमे उषा. रे. ६ IIISISISSI रात्रौ लग्न ११ (कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः के)
२२ मई	११ चंद्रे उभा. रे. ७ SIISIIISII दिवा लग्न २ (वृषे रा ४ दोषः; सोग्रांगः सू मं)
२२ मई	११ चंद्रे रेवत्यां रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न ४, ६, रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, ९,११, १ (कन्या. चं शु ७ पूज्यः, अ.गोधुल्यां मं ७, धनुषि सोग्रांगः श, कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः के)
२३ मई	१२ भौमे रेवत्यां रे. ७ IIIISSISII दिवा लग्न २ (वृषे रा ४ दोषः; सोग्रांगः सू मं)
सन२०१७	**ज्येष्ठ शुक्लपक्ष:**
२ जून	८ शुक्रे उफा. रे. ८ IIIIISSIII दिवा लग्न ७, रात्रौ लग्न गोधूलि(८), ११, १२, २ (तुला. बु शु ७ पूज्यः, गोधुल्यां मं ८, कुंभे शु ३ दोषः; रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, मीने चं गु ७ पूज्यः, वृषे रा ४ दोषः; सोग्रांगः सू)
३ जून	९ शनौ उफा. रे.१० IIIIIIIIII दिवा लग्न २, ४, ५ (वृषे रा ४ दोषः; सोग्रांगः सू, सिंहे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)
६ जून	१२ भौमे स्वातौ रे. ८ SIIISIIIII दिवा लग्न ४, ५, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८) (सिंहे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, अ.गोधुल्यां मं ८)
७ जून	१३ बुधे अनुरा. रे. ८ IIIISIISII रात्रौ लग्न ११, १२, १, २ (कुंभे शु ३ दोषः; रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, मीने गु ७ पूज्यः, वृषे रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू)
८ जून	१४ गुरौ अनुरा. रे. ९ IIIISIIIII दिवा लग्न ४, ५, ७ (सिंहे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, तुला. शु ७ पूज्यः) (भद्रा १६।१९ से)
सन२०१७	**आषाढ़ कृष्णपक्ष:**
१८ जून	९ रवौ उभा. रे. ६ SIISISISII दिवा लग्न ४, ५ (सिंहे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)
१८ जून	९ रवौ रेवत्यां रे. ८ IIIISIISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(९), ११, १, २ (अ.गोधुल्यां मं ७; सोग्रांगः श, कुंभे शु ३ दोषः; रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, वृषे रा ४ दोषः)
१९ जून	१० चंद्रे रेवत्यां रे. ७ IIIISSISII दिवा लग्न ४, ५ (सिंहे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा) (भद्रा १४।२३ से)

सन२०१७	**आषाढ़ शुक्लपक्ष:**
३० जून	७ शुक्रे उफा. रे. ७ ISIIIISSII दिवा लग्न ४, ५, ७, ८ (सिंहे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, वृश्चिके शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः श) (व्यतिपात ५।४९ यावत् भद्रा १८। ० से)
२ जुला	९ रवौ स्वातौ रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न १२, १, ३ (मीने शु ३ दोषः; गु ७ पूज्यः, मेषे चं ७ पूज्यः, मिथुने सोग्रांगः सू मं)
३ जुला	१० चंद्रे स्वातौ रे. ८ IIIIISISII दि.ल.३,४,५,८, रात्रौलग्न गोधूलि, १०,११,१२,१ (मिथुने सोग्रांगः सू मं, सिंहे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, वृश्चिके शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः श, गोधुल्यां मं ७,मकरे बु ७ पूज्यः,कुंभे रा ७ दोषः;सोग्रांगः के,मीने शु ३ दोषः;गु ७ पूज्यः,मेषे चं ७ पूज्यः)
	अग्रे चतुर्मासारम्भस्तेनाऽभावः
सन२०१७	**मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष:**
२३ नवं.	५ गुरौ उषा. रे. ६ ISIIISSSII दिवालग्न ८,११, रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, ४, ६, ७ (वृश्चिके सोग्रांगः सू, कर्के के ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः रा, कन्या. सोग्रांगः मं)
२४ नवं.	६ शुक्रे उषा. रे. ८ ISIIIIISII दिवा लग्न ८ (वृश्चिके सोग्रांगः सू)
२८ नवं.	९ भौमे उभा. रे. ६ SIIIIISSIS रात्रौ लग्न गोधूलि(२), ४, ५, ६, ८ (कर्के के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, कन्या. शु ३ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं, वृश्चिके सोग्रांगः सू)
२९ नवं.	१० बुधे उभा. रे. ७ SIIIIIISIS दिवा लग्न ८, ११ (वृश्चिके सोग्रांगः सू)
२९ नवं.	१० बुधे रेवत्यां रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न गोधूलि(२), ४ (कर्के के ७ दोषः; सोग्रांगः रा) (व्यतिपात २२।३४ से भद्रा २२।१५ से)
सन२०१७	**पौष कृष्णपक्ष:**
४ दिसं	१ चंद्रे मृगे रे. ६ ISIISSISII दिवालग्न ८,११,१२,रात्रौलग्न गोधूलि, ४, ५, ६ (वृश्चिके चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू, कर्के के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, कन्या. शु ३ दोषः)
	अग्रे शुक्रास्तत्वादभावः (११ दिसं २०१७, स्टै. १३।१२)
	शुक्रोदयः (६ फर. २०१८, स्टै. २०।४४)
सन२०१८	**फाल्गुन शुक्लपक्ष:**
१८ फर.	३ रवौ उभा. रे. ९ SIIIIIIIII दिवा लग्न ४, रात्रौ लग्नं ८, ९ (कर्के के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, वृश्चिके सोग्रांगः मं, धनुषि शु ३ दोषः; सोग्रांगः श)
१९ फर.	४ चंद्रे उभा. रे. ७ SIIIISIIIS दिवा लग्न १ (मेषे रा ४ दोषः; गु ७ पूज्यः)
२० फर.	५ भौमे रेवत्यां रे.१० IIIIIIIIII दिवा लग्न १ (मेषे रा ४ दोषः; गु ७ पूज्यः)
	अग्रे होलाष्टकः
सन२०१८	**चैत्र कृष्णपक्ष:**
२ मार्च	१ शुक्रे उफा. रे. ९ IIIISIIIII रात्रौलग्न ८, ९ (वृश्चिके सोग्रांगः मं,धनुषि सोग्रांगः श)
३ मार्च	२ शनौ उफा. रे. ९ IIIISIIIII दिवा लग्न १२, ४, रात्रौ लग्न गोधूलि(५) (मीने चं ७ पूज्यः, कर्के के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)

॥ संवत् २०७४ मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

५ मार्च	४ चंद्रे स्वातौ रे. ६ IIIIISISSS रात्रौ लग्न ६, ८, ९
	(कन्या. बु शु ७ पूज्यः, वृश्चिके सोग्रांगः मं, धनुषि सोग्रांगः श)
६ मार्च	५ भौमे स्वातौ रे. ८ IIIIIIISSI दिवा लग्न १२, १, ४, रात्रौ लग्न गोधूलि(५), ६
	(मेषे रा ४ दोषः; चं गु ७ पूज्यः, कर्के के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, कन्या. बु शु ७ पूज्यः)
	अग्रे मीनेऽर्कः

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

	वैशाख शुक्लपक्षः
सन२०१७ ८ मई	१३ चंद्रे चित्रा. रे. ९ IIIIIISIII दिवांलग्न ४, रात्रौलग्न अ.गोधूलि(७),९,११,१२, १
	(अ.गोधुल्यां मं ८, धनुषि सोग्रांगः श, कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, मीने गु ७ पूज्यः, मेषे चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू)
९ मई	१४ भौमे चित्रा. रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न ४
	आषाढ़ कृष्णपक्षः
सन२०१७ १९ जून	१० चंद्रे अश्वि. रे. ७ IIIIISSSII रात्रौ लग्न १२, २
	(मीने गु ७ पूज्यः, वृषे रा ४ दोषः) (भद्रा २५।१६ यावत्)
२० जून	११ भौमे अश्वि. रे. ७ IIIIISSSII दिवा लग्न ४, ५, ७
	(सिंहे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, तुला. चं शु ७ पूज्यः)
	आषाढ़ शुक्लपक्षः
सन२०१७ २ जुला	९ रवौ चित्रा. रे.१० IIIIIIIIII दिवालग्न ३, ४, ५, ८, रात्रौ लग्न गोधूलि, १०, ११
	(मिथुने सोग्रांगः सू मं, सिंहे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, वृश्चिके शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः श,. गोधुल्यां मं ७, कुंभे रा ७ दोषः; सोग्रांगः के)
	अग्रे चतुर्मासारम्भस्तेनाऽभावः
	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
सन२०१७ २४ नवं.	६ शुक्रे श्रवणे रे. ९ IIIIISIIII दिवालग्न ११, रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, ४, ६, ७, ८
	(कर्के के ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः रा, कन्या. सोग्रांगः मं, वृश्चिके सोग्रांगः सू)
२५ नवं.	६ शनौ श्रवणे रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न ८ (वृश्चिके सोग्रांगः सू)
१ दिसं	१२ शुक्रे अश्वि. रे. ६ SSIISSIIII दिवा लग्न ९, ११ (धनुषि सोग्रांगः श)
	अग्रे शुक्रास्तत्वादभावः (११ दिसं २०१७, स्टै. १३।१२)
	शुक्रोदयः (६ फर. २०१८, स्टै. २०।४४)
	फाल्गुन शुक्लपक्षः
सन२०१८ २० फर.	५ भौमे अश्वि. रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न ४, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(५), ७, ९
	(कर्के के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, तुला. चं ७ पूज्यः, धनुषि शु ३ दोषः; सोग्रांगः श)
२१ फर.	६ बुधे अश्वि. रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न १२
	अग्रे मीनेऽर्कः

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

॥ अथ चौल (मुण्डन) मुहूर्त्ताः ॥

	वैशाख मासः
सन२०१७ ८ मई	शु. १३ चंद्रे चित्रा. लग्न ३, अभिजिति
	आषाढ़ मासः
सन२०१७ ३ जुला	शु. १० चंद्रे स्वातौ लग्न ३, अभिजिति, ६
७ अग.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः श्रवणे
३१ जन.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः श्लेषा.

॥ द्विरागमन मुहूर्त्ताः ॥

	वैशाख मासः
सन२०१७ ८ मई	शु. १३ चंद्रे चित्रा. लग्न ३, अभिजिति, ६, ७ (मिथुने शु १० शुभ)
	ज्येष्ठ मासः
सन२०१७ ११ मई	कृ. 0१ गुरौ अनुरा. लग्न ७
१२ मई	कृ. 0२ शुक्रे अनुरा. लग्न २, ३, अभिजिति, ६, ७ (मिथुने शु १० शुभ)
७ अग.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः श्रवणे
	मार्गशीर्ष मासः
सन२०१७ २३ नवं.	शु. 0५ गुरौ उषा. अभिजिति, १२
२९ नवं.	शु. १0 बुधे उभा. लग्न १२
१ दिसं	शु. १२ शुक्रे अश्वि. अभिजिति, १२
	पोष मासः
सन२०१७ ४ दिसं	कृ. 0१ चंद्रे मृगे अभिजिति, १२, २ (वृषे गु ६ शुभ)
३१ जन.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः श्लेषा.
	चैत्र मासः
सन२०१८ १२ मार्च	कृ. १0 चंद्रे उषा. लग्न २, अभिजिति, ३ (भद्रा ११।२१ तक)
	(वृषे गु ६ शुभ, मिथुने शु १० शुभ)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽ नुग्रहीत शिष्यः

पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), ५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड, विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०००५७. दू. ०२२- २६१६६७८३,

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीन-लग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः । - पीयूषधारा

अर्थ- लग्न शुद्धि के समय तिथि, नक्षत्र और विष्कुंभादि योग द्वारा उत्पन्न हुए मृत्यु-क्रकचादि कुयोग स्वयं नष्ट हो जाते हैं (जैसे सूर्योदय होने पर अंधेरा नष्ट हो जाता है) ।

॥ संवत् २०७४, शाकः १९३९, सन २०१७-१८ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

॥ उपनयन ॥

सन२०१७	चैत्र मासः
२९ मार्च	शु. ०२ बुधे रेवत्यां लग्न ३
५ अप्रे.	शु. ०९ बुधे पुष्ये लग्न ३
६ अप्रे.	शु. १० गुरौ श्लेषा. लग्न ३, अभिजिति
सन२०१७	वैशाख मासः
३० अप्रे.	शु. ०५ रवौ आर्द्रा. अभिजिति
५ मई	शु. १० शुक्रे पूफा. अभिजिति
सन२०१७	ज्येष्ठ मासः
१२ मई	कृ. ०२ शुक्रे अनुरा. अभिजिति
२८ मई	शु. ०३ रवौ आर्द्रा. अभिजिति
५ जून	शु. ११ चंद्रे चित्रा. अभिजिति, ५ (भद्रा ९।४४ तक)
सन२०१७	आषाढ़ मासः
२५ जून	शु. ०२ रवौ पुनर्वसौ लग्न ५, अभिजिति
७ अग.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः श्रवणे
३१ जन.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः श्लेषा.

॥ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१७	वैशाख मासः
८ मई	शु. १३ चंद्रे चित्रा. अभिजिति
सन२०१७	ज्येष्ठ मासः
१२ मई	कृ. ०२ शुक्रे अनुरा. अभिजिति
७ अग.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः श्रवणे
सन२०१७	भाद्रपद मासः
२ सितं	शु. ११ शनौ उषा. अभिजिति (भद्रा ९।४२ तक)
सन२०१७	पोष मासः
४ दिसं	कृ. ०१ चंद्रे मृगे अभिजिति
३१ जन.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः श्लेषा.
सन२०१८	चैत्र मासः
३ मार्च	कृ. ०२ शनौ उफा. अभिजिति

॥ वृषचक्र-रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१७	वैशाख मासः
२२ अप्रे.	कृ. ११ शनौ शते अभिजिति
सन२०१७	श्रावण मासः
२१ जुला	कृ. १३ शुक्रे मृगे अभिजिति
२७ जुला	शु. ०४ गुरौ उफा. अभिजिति
२९ जुला	शु. ०६ शनौ चित्रा. अभिजिति
सन२०१७	भाद्रपद मासः
१२ अग.	कृ. ०५ शनौ रेवत्यां अभिजिति
सन२०१७	मार्गशीर्ष मासः
१० नवं.	कृ. ०७ शुक्रे पुष्ये अभिजिति
२३ नवं.	शु. ०५ गुरौ उषा. अभिजिति
सन२०१८	चैत्र मासः
१२ मार्च	कृ. १० चंद्रे उषा. अभिजिति (भद्रा ११।२१ तक)

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१७	वैशाख मासः
८ मई	शु. १३ चंद्रे चित्रा. अभिजिति
सन२०१७	ज्येष्ठ मासः
२२ मई	कृ. ११ चंद्रे रेवत्यां अभिजिति, ८
३ जून	शु. ०९ शनौ उफा. अभिजिति, ५
५ जून	शु. ११ चंद्रे चित्रा. अभिजिति, ५ (भद्रा ९।४४ तक)

॥ कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१७	ज्येष्ठ मासः
१२ मई	कृ. ०२ शुक्रे अनुरा. अभिजिति

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१७	वैशाख मासः
२२ अप्रे.	कृ. ११ शनौ शते अभिजिति
सन२०१७	ज्येष्ठ मासः
१९ मई	कृ. ०८ शुक्रे शते अभिजिति

॥ कुंभचक्ररहिताः जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१७	मार्गशीर्ष मासः
१० नवं.	कृ. ०७ शुक्रे पुष्ये अभिजिति

॥ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१७	वैशाख मासः
८ मई	शु. १३ चंद्रे चित्रा. अभिजिति
सन२०१७	ज्येष्ठ मासः
१२ मई	कृ. ०२ शुक्रे अनुरा. अभिजिति
३ जून	शु. ०९ शनौ उफा. अभिजिति
५ जून	शु. ११ चंद्रे चित्रा. अभिजिति (भद्रा ९।४४ तक)
सन२०१७	आषाढ़ मासः
२५ जून	शु. ०२ रवौ पुनर्वसौ लग्न ३, अभिजिति
३० जून	शु. ०७ शुक्रे उफा. अभिजिति (व्यतिपात ५।४९ तक)
३ जुला	शु. १० चंद्रे स्वातौ अभिजिति
सन२०१७	श्रावण मासः
१० जुला	कृ. ०१ चंद्रे उषा. अभिजिति
१५ जुला	कृ. ०६ शनौ उभा. अभिजिति (भद्रा १४।३९ से)
७ अग.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः श्रवणे
३१ जन.	चन्द्र ग्रहणार्क्षः श्लेषा.
सन२०१८	चैत्र मासः
३ मार्च	कृ. ०२ शनौ उफा. अभिजिति
४ मार्च	कृ. ०३ रवौ हस्ते अभिजिति (भद्रा १३।४१ से)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

नोट- चौल (मुण्डन) और द्विरागमन मुहूर्त्त विवाह मुहूर्तों के पृष्ठ पर देखें -

प्रमुख व्रतोत्सवों (त्योंहारों) को राष्ट्रीय एकता के सूत्र में पिरोने का प्रयास

आदरणीय दैवज्ञ पञ्चाङ्गकर्ता एवं विद्वानों को
सस्नेह हृदयालिङ्गनम् नतोऽस्मिच ।

हेतु- भारत में प्रमुख व्रतोत्सव एकता

जैसे गणित में समय समय पर कालान्तर संस्कार देना आवश्यक है ठीक वैसे ही समय समय पर युगाऽनुधर्म के अनुसार युगान्तर संस्कार देना भी आवश्यक है अन्यथा जैसे विना कालान्तर संस्कार के स्थूल गणित की उपेक्षा कर दी जाती है . . . .

अव समय आगया है जो युगान्तर संस्कार करना आवश्यक है -

१. भारत में प्रमुख व्रतोत्सव एकता
२. वर-कन्या मांगलीक

व्रतोत्सव -	स्थल
१. चैत्रीयनवरात्रारंभ	वैष्णोदेवी जम्मू
२. गुड़ीपड़वा	पैठण (महाराष्ट्र)
३. श्रीरामनवमी	अयोध्या (उ.प्र.)
४. नानक जयन्ती	अमृतसर (पंजाव)
५. बुद्ध जयन्ती	पाटणा (विहार)
६. अक्षय तृतीया	जयपुर (राज.)
७. रक्षावंधन	अहमदावाद (गुज.)
८. जन्माष्टमी	मथुरा (उ.प्र)
९. हरितालिका	कन्याकुमारी
१०. गणेशचतुर्थी	पूणे (महा.)
११. शारदीय नवरात्रारंभ	कोलकात्ता (वंगाल)
१२. विजया दशमी	अयोध्या (उ.प्र)
१३. दीपावली	अयोध्या (उ.प्र)
१४. गुर्जर नयासंवत्	अहमदावाद (गुज.)
१५. होलिकादहन	दिल्ली

नोट- इनमें जो स्थल दिये है वे वदली भी किये जा सकते है ।

केद्र सरकार से भी प्रार्थना है कि राष्ट्रीय व्रतोत्सव एकता में सहयोग करे ।

मांगलीक

मैने जो शास्त्रों का अध्ययन किया है उनमें मांगलीक प्रमाणित करने के लिए जो बहुमत प्राप्त होता है वह कन्या शब्द के लिए है "कन्याभर्तु विनाशाय" इति प्रसिद्धः ।। अव प्रश्न यह उठता है कि कन्या शब्द की प्रामाणिकता कन्या की आयु से की जाय या उसके लक्षणों से की जाय या फिर विवाह नहीं होता हो तवतक कन्या होती है । कृपया विद्वद्गण स्वयं निर्णय लें और सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने में आगे आयें । -गणितकर्ता

पं. श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्ग के बढ़ते कदम . . .

॥ सन् २०१७-१८, संवत् २०७४ ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च
१	....	+ ४।३३	+१५।०५	+२२।०३	+२३।०६	+१८।०१	+ ८।१६	- ३।११	-१४।२६	-२१।४८	-२३।०१	-१७।१०	- ७।४०
२	....	+ ४।५६	+१५।२३	+२२।११	+२३।०२	+१७।४५	+ ७।५५	- ३।३५	-१४।४५	-२१।५७	-२२।५६	-१६।५३	- ७।१७
३	....	+ ५।१९	+१५।४१	+२२।१९	+२२।५७	+१७।३०	+ ७।३३	- ३।५८	-१५।०४	-२२।०६	-२२।५१	-१६।३५	- ६।५४
४	....	+ ५।४२	+१५।५८	+२२।२६	+२२।५२	+१७।१४	+ ७।११	- ४।२१	-१५।२२	-२२।१४	-२२।४५	-१६।१७	- ६।३१
५	....	+ ६।०५	+१६।१६	+२२।३३	+२२।४७	+१६।५८	+ ६।४८	- ४।४४	-१५।४१	-२२।२२	-२२।३८	-१५।५९	- ६।०८
६	....	+ ६।२८	+१६।३३	+२२।३९	+२२।४१	+१६।४१	+ ६।२६	- ५।०७	-१५।५९	-२२।२९	-२२।३१	-१५।४१	- ५।४५
७	....	+ ६।५०	+१६।४९	+२२।४५	+२२।३५	+१६।२५	+ ६।०४	- ५।३०	-१६।१७	-२२।३६	-२२।२४	-१५।२३	- ५।२२
८	....	+ ७।१३	+१७।०६	+२२।५१	+२२।२८	+१६।०८	+ ५।४१	- ५।५३	-१६।३४	-२२।४३	-२२।१६	-१५।०४	- ४।५८
९	....	+ ७।३५	+१७।२२	+२२।५६	+२२।२१	+१५।५१	+ ५।१९	- ६।१६	-१६।५१	-२२।४९	-२२।०८	-१४।४५	- ४।३५
१०	....	+ ७।५७	+१७।३८	+२३।०१	+२२।१४	+१५।३३	+ ४।५६	- ६।३९	-१७।०८	-२२।५५	-२१।५९	-१४।२५	- ४।१२
११	....	+ ८।१९	+१७।५३	+२३।०५	+२२।०६	+१५।१६	+ ४।३३	- ७।०१	-१७।२५	-२३।००	-२१।५०	-१४।०६	- ३।४८
१२	....	+ ८।४१	+१८।०८	+२३।०९	+२१।५८	+१४।५८	+ ४।१०	- ७।२४	-१७।४२	-२३।०४	-२१।४१	-१३।४६	- ३।२४
१३	....	+ ९।०३	+१८।२३	+२३।१३	+२१।४९	+१४।४०	+ ३।४७	- ७।४६	-१७।५८	-२३।०९	-२१।३१	-१३।२६	- ३।०१
१४	....	+ ९।२५	+१८।३८	+२३।१६	+२१।४०	+१४।२१	+ ३।२४	- ८।०९	-१८।१३	-२३।१३	-२१।२१	-१३।०६	- २।३७
१५	....	+ ९।४७	+१८।५२	+२३।१९	+२१।३१	+१४।०३	+ ३।०१	- ८।३१	-१८।२९	-२३।१६	-२१।१०	-१२।४५	- २।१३
१६	....	+१०।०८	+१९।०६	+२३।२१	+२१।२१	+१३।४४	+ २।३८	- ८।५३	-१८।४४	-२३।१९	-२०।५९	-१२।२५	- १।५०
१७	....	+१०।२९	+१९।२०	+२३।२३	+२१।११	+१३।२५	+ २।१५	- ९।१५	-१८।५९	-२३।२१	-२०।४७	-१२।०४	- १।२६
१८	....	+१०।५०	+१९।३३	+२३।२४	+२१।०१	+१३।०५	+ १।५२	- ९।३७	-१९।१३	-२३।२३	-२०।३५	-११।४३	....
१९	....	+११।११	+१९।४६	+२३।२५	+२०।५०	+१२।४६	+ १।२९	- ९।५९	-१९।२७	-२३।२५	-२०।२३	-११।२१	....
२०	....	+११।३२	+१९।५९	+२३।२६	+२०।३९	+१२।२६	+ १।०५	-१०।२०	-१९।४१	-२३।२६	-२०।१०	-११।००	....
२१	....	+११।५२	+२०।११	+२३।२६	+२०।२८	+१२।०६	+ ०।४२	-१०।४२	-१९।५५	-२३।२६	-१९।५७	-१०।३८	....
२२	....	+१२।१२	+२०।२३	+२३।२६	+२०।१६	+११।४६	+ ०।१९	-११।०३	-२०।०८	-२३।२६	-१९।४४	-१०।१७	....
२३	....	+१२।३२	+२०।३५	+२३।२६	+२०।०४	+११।२६	- ०।०५	-११।२४	-२०।२०	-२३।२६	-१९।३०	- ९।५५	....
२४	....	+१२।५२	+२०।४६	+२३।२५	+१९।५२	+११।०६	- ०।२८	-११।४५	-२०।३३	-२३।२५	-१९।१६	- ९।३३	....
२५	....	+१३।१२	+२०।५७	+२३।२३	+१९।३९	+१०।४५	- ०।५१	-१२।०६	-२०।४५	-२३।२४	-१९।०१	- ९।१०	....
२६	....	+१३।३१	+२१।०८	+२३।२१	+१९।२६	+१०।२४	- १।१५	-१२।२६	-२०।५६	-२३।२२	-१८।४६	- ८।४८	....
२७	....	+१३।५१	+२१।१८	+२३।१९	+१९।१२	+१०।०३	- १।३८	-१२।४७	-२१।०७	-२३।२०	-१८।३१	- ८।२६	....
२८	....	+१४।१०	+२१।२८	+२३।१७	+१८।५९	+ ९।४२	- २।०१	-१३।०७	-२१।१८	-२३।१७	-१८।१५	- ८।०३	....
२९	+ ३।२३	+१४।२८	+२१।३७	+२३।१४	+१८।४५	+ ९।२१	- २।२५	-१३।२७	-२१।२९	-२३।१४	-१७।५९	....	....
३०	+ ३।४७	+१४।४७	+२१।४६	+२३।१०	+१८।३०	+ ९।००	- २।४८	-१३।४७	-२१।३८	-२३।१०	-१७।४३	....	....
३१	+ ४।१०	....	+२१।५५	....	+१८।१६	+ ८।३८	....	-१४।०६	....	-२३।०६	-१७।२७	....	....

उत्तर (धन) दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में) संवत् २०७४, (सन २०१७-१८)

	महापात स्पर्शः		महापात मोक्षः	
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
व्यती.	८ अप्रे.	८।१९	८ अप्रे.	१४।१९
वैधृति	२१ अप्रे.	१६।२७	२१ अप्रे.	२३।१८
व्यती.	२ मई	२५।३९	३ मई	१०।२५
वैधृति	२ अग.	१५।३३	२ अग.	२८।३६
व्यती.	१५ अग.	८।३१	१५ अग.	१५।३९
वैधृति	२७ अग.	६।२६	२७ अग.	१२।५३
व्यती.	९ सितं.	९।४३	९ सितं.	१५।०२
वैधृति	२१ सितं.	७।४७	२१ सितं.	१३।०६
व्यती.	४ अक्टू.	१४।२४	४ अक्टू.	१९।४६
वैधृति	१६ अक्टू.	९।१८	१६ अक्टू.	१५।०६
व्यती.	२९ अक्टू.	१४।५८	२९ अक्टू.	२२।२६
वैधृति	९ नवं.	२७।५२	१० नवं.	१३।०७
वैधृति	२७ जन.	२१।५४	२८ जन.	९।००
व्यती.	८ फर.	१२।४६	८ फर.	२०।४७
वैधृति	२१ फर.	१९।१४	२१ फर.	२५।१२
व्यती.	५ मार्च	११।५२	५ मार्च	१७।०९

बृहत् पाराशरहोराशास्त्र- पूर्वखण्ड तथा उत्तरखण्ड संपूर्ण। संस्कृत मूल तथा हिन्दी टीका सहित। इसमें दशान्तर्दशा तथा ग्रहों के पृथक्-पृथक् भावफलादेश इत्यादि अपूर्व विषय हैं।

मानसागरी- हिन्दी टीका सहित। मानसागर प्रणीत जातक, ताजिक, स्वरप्रश्न, शकुन आदि ग्रन्थों में अत्यंत सरल ग्रन्थ। इसमें जन्मपत्र बनाने का संपूर्ण फलादेशादि भली प्रकार वर्णित हैं।

ज्योतिषसार- हिन्दी टीका सहित। इसमें संपूर्ण मुहूर्त जन्मपत्रज्ञान, वर्षज्ञान आदि बहुत विषयों का संग्रह है।

ज्योतिर्गणितकौमुदी- अर्थात् शुद्धग्रह गणित अपूर्व ग्रन्थ। ज्योतिषाचार्य विद्यानिधि श्रीरजनीकांतजी शास्त्री बी. ए. बी. एल्. साहित्य सारस्वती ज्योतिभूषण कृत।

संवत् २०७४ शाकः १९३९ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
वै.कृ. ०२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	ज्ये.कृ.०३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	चै.शु. ०८ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	चै.कृ. ११ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	वै.कृ. १३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.कृ. १४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	चै.कृ. ०९ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	वै.कृ. १० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.कृ. ११ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	चै.कृ. १३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	वै.कृ. १३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.शु. ०७ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.
वै.शु. ०८ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.शु.०९ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.०५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	वै.शु. ११ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.शु.१२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.कृ.३० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	वै.शु. ०१ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.शु.०२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.०९ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	वै.कृ. १२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.११ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.१३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.
आ.कृ.१४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.शु.०१ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु.११ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	श्रा.कृ.०७ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	भा.कृ.०९ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.१४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.शु.०२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.शु.०२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.शु.०२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	आ.कृ.१० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	श्रा.कृ.०९ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.१२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.
श्रा.कृ.१३ से नं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ. ३० से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.शु. ०३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.शु.१३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.शु. १४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.११ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु.१५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.शु. १५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.शु. ०२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.शु.०२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.शु. ०२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ. १० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.
आ.कृ.११ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.१३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.शु.०१ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	आ.शु.०५ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.०६ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.कृ.०१ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	का.कृ.१३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.कृ. १३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.१५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.शु.०२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	का.शु.०२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.शु.०२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.
का.शु.०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.शु. ०४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. १४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.शु.०४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.शु. ०५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.शु. ०७ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.कृ. ०३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.कृ. ०३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.कृ. १३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.शु.१५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.शु. १५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.शु. ०२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.
पौ.शु. ०२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.शु. ०३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	पौ.शु. ०५ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	पौ.शु. ०१ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.शु. ०२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	पौ.शु. ०६ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	पौ.शु. ०९ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. ०९ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.कृ. ०३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.कृ. १३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	फा.कृ.१२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	पौ.शु. १५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.
फा.कृ.०१ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	चै.कृ. ०३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.०५ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.शु. ०७ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.०९ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.०४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.शु. ०७ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.०८ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.०९ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	फा.कृ.०३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	चै.कृ. ०३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	चै.कृ. १२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.

प्रश्नचण्डेश्वर - संस्कृत टीका तथा हिन्दी टीका सहित। इसमें सत्त्वादि साधनफल लाभकार्य, अमुक कार्य, अमुक प्रश्न, मुष्टिप्रश्न, यात्रा, आगमन, युद्धसंबंध, रिपुनाश, दुर्गभंग, कन्या-पुत्र विवाह, शुभाशुभ, इन्द्रचाप, शिकार तथा भोजनादि प्रश्न है।

बालबोधज्योतिष- हिन्दी टीका सहित। इस ग्रन्थ से बालक भी ज्योतिष के कठिन विषयों को सरलता से समझ सकते हैं।

बृहद्यवनजातक- स्व. वि. वा. पं. ज्वालाप्रसादजी मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित। लग्नादि द्वादशभाव, ग्रहनक्षत्र स्थानाधिपति स्थानांतर आदि के फलादेश और सुख-दुःख तथा आयु कहने में एक ही है। एक-एक भाव का सात-सात प्रकार से फल लिखा गया है।

बृहदवकहडाचक्र- हिन्दी टीका सहित।

वर्षयोगसमूह - स्व.वि.वा.पं. ज्वालाप्रसादजी मिश्र कृत, हिन्दी टीका सहित

संवत् २०७४, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०१७

पूर्णिमा	(पूनम)	का श्राद्ध	मंगलवार ५ सितंबर मध्यान्ह १२।३८ बजे के बाद (भाद्र.शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा	(एकम)	"	बुधवार ६ सितंबर मध्यान्ह १२।३० बजे के बाद
द्वितीया	(दूज)	"	गुरुवार ७ सितंबर मध्यान्ह ११।५१ बजे के बाद
तृतीया	(तीज)	"	शुक्रवार ८ सितंबर दिन १०।४५ बजे के बाद
चतुर्थी	(चोथ)	"	शनिवार ९ सितंबर प्रातः ९।१६ बजे के बाद
पंचमी	(पांच)	"	रविवार १० सितंबर प्रातः ७।२८ बजे के बाद
षष्ठी	(छठ)	"	सोमवार ११ सितंबर
सप्तमी	(सातं)	का श्राद्ध	मंगलवार १२ सितंबर
अष्ठमी	(आठं)	"	बुधवार १३ सितंबर
नवमी	(नौमी)	"	गुरुवार १४ सितंबर
दशमी	(दस)	"	शुक्रवार १५ सितंबर
एकादशी		"	शनिवार १६ सितंबर
द्वादशी	(बारस)	"	रविवार १७ सितंबर मध्यान्ह २।४३ बजे के पहले
त्रयोदशी	(तेरस)	"	सोमवार १८ सितंबर मध्यान्ह १।१० बजे के पहले
चतुर्दशी	(चौदस)	"	सोमवार १८ सितंबर मध्यान्ह १।१० बजे के बाद
अमावस्या	(मावस)	"	मंगलवार १९ सितंबर मध्यान्ह ११।५५ बजे के बाद

२९ मार्च से ११ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमा सू. सू. तारीख																												स्टैं.	प्रातः	दैनिक	केतकी अहर्गणः २१८४ वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च-अप्रेल २०१७
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टैं.टा.में है।
क्षयः	१	मं	५८	१४	२९	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	संवत्सरारंभः मंगलवासरे [C (सिंधारा) देशाचारे
सिंधारा	२	बु	५०	५४	२६	४९	रेव	१२	५५	११	३८	ऐ	२०	३३	१४	४१	बा	२४	३९	१६	१९	३०/३६	६/२८	६/४३	८	२९	२९	मेषे ११।३८	११।१४।२१।३५	५९।१८	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक समाप्तिः ११।३८, श्रृंगार C
गणगोर	३	गु	४३	१७	२३	४५	अश्वि	७	२२	९	२३	वै	११	३२	११	०४	तैं	१७	०७	१३	१८	४१	२७	४३	९	१	३०	मेषे	११।१५।२०।५३	५९।१६	मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, गणगौरी A
मुद्गर	४	शु	३५	४३	२०	४३	भर	१/५६	३८/०५	७/२८	०५/५९	वि	२/५३	३५/३५	७/२७	२३/४७	व	९	२९	१०	१३	४५	२६	४३	१०	२	३१	वृषे १२।३१	११।१६।२०।०९	५९।१३	भ. १०।१३ उ. २०।४३ या., रेव. रविः १२।०० (सौरः १४।२८)
श्रीवत्स	५	श	२८	३६	१७	५१	रोहि	५१	०७	२६	५१	आ	४४	५५	२४	२२	व	२	०७	७	१५	४९	२४	४४	११	३	१	वृषे	११।१७।१९।२२	५९।११	कल्पादि, डोलोत्सवः, अप्रेल ४ ता. ३०
सौम्य	६	र	२२	१२	१५	१६	मृग	४६	५९	२५	११	सौ	३७	०४	२१	१३	तै	२२	१२	१५	१६	५३	२३	४४	१२	४	२	मिथु. १३।५८	११।१८।१८।३३	५९।०९	स्कन्द षष्ठी व्र. [A पूजा, मनोरथ तृतीया व्र., सौभाग्य शयन D
काल	७	सो	१६	४५	१३	०४	आर्द्रा	४३	५३	२३	५५	शो	३०	०२	१८	२३	व	१६	४५	१३	०४	५७	२२	४५	१३	५	३	मिथु.	११।१९।१७।४२	५९।०६	भ. १३।०४ उ. २४।०८ या., अशोककलिका प्राशनं
रामनव	८	मं	१२	२५	११	१९	पुन	४१	५७	२३	०८	अ	२३	५७	१५	५६	व	१२	२५	११	१९	३१/०१	२१	४६	१४	६	४	कर्के १७।१७	११।२०।१६।४८	५९।०४	भवान्युत्पत्तिः, श्री रामनवमी [D व्र., शिवशक्ति पू., रज्जव ७
मातङ्ग	९	बु	९	१९	१०	०४	पुष्य	४१	१३	२२	४९	सु	१८	५०	१३	५२	कौ	९	१९	१०	०४	०५	२०	४६	१५	७	५	कर्के	११।२१।१५।५२	५९।०२	उदया नवमी [B स्नानारंभः, चित्रान्नदानं भक्षणञ्च
अमृत	१०	गु	७	२४	९	१६	श्ले	४१	३९	२२	५९	धृ	१४	४१	१२	११	ग	७	२४	९	१६	०९	१९	४७	१६	८	६	सिंहे २२।५९	११।२२।१४।५४	५८।५९	भ. २१।०४ उ., वक्री शनिः २१।४८
ए.ब्र.	११	शु	६	३९	८	५८	मघा	४३	११	२३	३४	शू	११	२७	१०	५२	वि	६	३९	८	५८	१३	१८	४७	१७	९	७	सिंहे	११।२३।१३।५३	५८।५७	भ. ८।५८ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
प्र.ब्र.	१२	श	६	५९	९	०४	पूफा	४५	४२	२४	३४	गं	९	०४	९	५४	बा	६	५९	९	०४	१७	१७	४८	१८	१०	८	सिंहे	११।२४।१२।५१	५८।५५	प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, कृत्ति. भौमः ८।१९
मित्र	१३	र	८	१८	९	३५	उफा	४९	०८	२५	५५	वृ	७	२६	९	१४	तै	८	१८	९	३५	२१	१६	४८	१९	११	९	कन्या ६।५२	११।२५।११।४५	५८।५३	जैन महावीर जयंती,शिव पूजन विशेषः, (व) पूभा. शुक्रः १३।०४.
वज्र	१४	सो	१०	३२	१०	२७	हस्त	५३	२६	२७	३७	ध्रु	६	३१	८	५१	व	१०	३२	१०	२७	२५	१५	४९	२०	१२	१०	कन्या	११।२६।१०।३८	५८।५०	भ. १०।२७ उ. २३।०१ या., पूर्णिमा व्रतं, वक्री बुधः १६।४०
पूर्णिमा	१५	मं	१३	३८	११	४१	चित्रा	५८	३४	२९	३९	व्या	६	१७	८	४४	व	१३	३८	११	४१	२९	१३	४९	२१	१३	११	तुला. १६।३५	११।२७।०९।२८	५८।४८	मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा पुण्यं, वैशाख B

अयनांशाः २४।०४।४३

पं.५१ चै.शु. ३ गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	०	५	११	८	४	१०
१५	२०	०४	२५	०७	०३	०७	०७
२७	१६	०९	१२	५५	४४	२७	२७
००	०२	३१	५४	५३	५०	०७	०७
५९	४२	६९	७	३५	०	३	३
१४	२६	२७	३१	३७	४०	११	११
उभा	भ	अ	चि	उभा	मू	म	श
४	३	२	१व	२व	२	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।१४।२८।५१	२ बु	२९	७।१३	८।४९	१०।४५	१।००	३।२०	५।३७	७।५३	१०।१२	१२।३०	२।३५	४।१८	५।४७
११।१५।२८।०९	३ गु	३०	७।०९	८।४५	१०।४१	१२।५६	३।१६	५।३३	७।४९	१०।०८	१२।२६	२।३१	४।१४	५।४३
११।१६।२७।२४	४ शु	३१	७।०५	८।४१	१०।३७	१२।५२	३।१२	५।२९	७।४५	१०।०४	१२।२२	२।२७	४।१०	५।३९
११।१७।२६।३७	५ श	१	७।०१	८।३७	१०।३३	१२।४८	३।०८	५।२५	७।४१	१०।००	१२।१९	२।२३	४।०६	५।३५
११।१८।२५।४८	६ र	२	६।५७	८।३३	१०।२९	१२।४४	३।०४	५।२१	७।३७	९।५६	१२।१५	२।१९	४।०२	५।३१
११।१९।२४।५६	७ चं	३	६।५३	८।२९	१०।२५	१२।४०	३।००	५।१७	७।३३	९।५२	१२।११	२।१५	३।५९	५।२७
११।२०।२४।०२	८ मं	४	६।४९	८।२५	१०।२२	१२।३६	२।५६	५।१३	७।२९	९।४८	१२।०७	२।११	३।५५	५।२३
११।२१।२३।०६	९ बु	५	६।४५	८।२१	१०।१८	१२।३२	२।५२	५।०९	७।२५	९।४४	१२।०३	२।०७	३।५१	५।१९
११।२२।२२।०८	१० गु	६	६।४१	८।१७	१०।१४	१२।२८	२।४८	५।०५	७।२१	९।४०	११।५९	२।०३	३।४७	५।१५
११।२३।२१।०७	११ शु	७	६।३७	८।१४	१०।१०	१२।२४	२।४५	५।०१	७।१७	९।३६	११।५५	१।५९	३।४३	५।११
११।२४।२०।०४	१२ श	८	६।३३	८।१०	१०।०६	१२।२१	२।४१	४।५७	७।१३	९।३२	११।५१	१।५६	३।३९	५।०७
११।२५।१८।५८	१३ र	९	६।२९	८।०६	१०।०२	१२।१७	२।३७	४।५३	७।०९	९।२८	११।४७	१।५२	३।३५	५।०३
११।२६।१७।५१	१४ चं	१०	६।२६	८।०२	९।५८	१२।१३	२।३३	४।५०	७।०५	९।२५	११।४३	१।४८	३।३१	५।००
११।२७।१६।४१	१५ मं	११	६।२२	७।५८	९।५४	१२।०९	२।२९	४।४६	७।०१	९।२१	११।३९	१।४४	३।२७	४।५६

मास फलम्

चैत्र शु. अष्टमी को मंगलवार होने से अल्प वर्षा हो। पूर्णिमा चित्रा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा मंगलवार और चित्रा युक्त होने से व्याधि की वृद्धि हो। कन्या राशि पर बैठे हुए गुरु के उदय से बालकों को पीड़ा हो तथा गणिका (वेश्या) और वृद्धों को पीड़ा हो। चैत्र में बृहस्पति उदय होने से विचित्र (कहीं-कहीं) वर्षा हो। चित्रा नक्षत्र (चैत्रवर्ष) में गुरु उदय होने से राजा स्वच्छ, स्त्री स्वल्पप्रजा, वर्षा कम, खेती न्यून और प्रजा में व्याधि हो। पू. भा. में स्थित शुक्र जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश में स्थित जनों को पीड़ित और वृष्टि करता है।

अयनांशाः २४।०४।४४

पं.५२ चै.शु.१० गु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	०	५	११	८	४	१०
२२	२५	०९	२४	०४	०३	०७	०७
२०	१२	५८	१९	२३	४७	०४	०४
५२	११	४०	३५	०७	२३	५२	५२
५८	४२	२३	७	२२	०	३	३
५९	०८	००	४३	०४	०२	१०	१०
रे	भ	अ	चि	उभा	मू	म	श
२	४	३	१व	१व	२व	३	१

१२ अप्रेल से २६ अप्रेल तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धूम्र	१	बु	१७	३७	१३	१५	स्वा	...	...	...	...	ह	६	४४	८	५४	कौ	१७	३७	१३	१५	३१/३३	६/१२	६/५०	२२	१४	१२	तुला.	११।२८।०८।१६	५८।४६
सुस्थिर	२	गु	२२	२५	१५	०९	स्वा	४	३४	८	०१	व	७	४९	९	१९	ग	२२	२५	१५	०९	३७	११	५०	२३	१५	१३	वृश्चि. २७।५९	११।२९।०७।०२	५८।४३
च.व्र.	३	शु	२७	५९	१७	२२	विशा	११	१६	१०	४१	सि	९	२९	९	५८	वि	२७	५९	१७	२२	४१	१०	५१	२४	१६	१४	वृश्चि.	०।००।०५।४६	५८।४१
अमृत	४	श	३४	०४	१९	४७	अनु	१८	३३	१३	३५	व्य	११	३८	१०	४९	व	०	५९	६	३३	४५	०९	५१	२५	१७	१५	वृश्चि.	०।०१।०४।२७	५८।३९
काण	५	र	४०	२२	२२	१७	ज्ये	२६	०७	१६	३५	व	१४	०२	११	४५	कौ	७	१५	९	०२	४९	०८	५२	२६	१८	१६	धनु. १६।३५	०।०२।०३।०६	५८।३७
लुम्बक	६	सो	४६	२०	२४	३९	मूल	३३	३०	१९	३१	प	१६	२३	१२	४०	ग	१३	२७	११	३०	५३	०७	५२	२७	१९	१७	धनु.	०।०३।०१।४२	५८।३४
मित्र	७	मं	५१	२८	२६	४१	पूषा	४०	१०	२२	१०	शि	१८	१५	१३	२४	वि	१९	०३	१३	४४	५७	०६	५३	२८	२०	१८	मक. २८।४६	०।०४।००।१७	५८।३२
वज्र	८	बु	५५	१२	२८	१०	उषा	४५	३७	२४	२०	सि	१९	१८	१३	४९	बा	२३	३३	१५	३१	३२/०१	०५	५४	२९	२१	१९	मक.	०।०४।५८।४९	५८।३०
ध्वजा	९	गु	५७	१३	२८	५७	श्रव	४९	२४	२५	५०	सा	१९	०९	१३	४४	तै	२६	२८	१६	४०	०४	०४	५४	३०	२२	२०	मक.	०।०५।५७।१९	५८।२८
धाता	१०	शु	५७	१३	२८	५६	धनि	५१	१७	२६	३४	शु	१७	३४	१३	०५	व	२७	२९	१७	०३	०८	०३	५५	१	२३	२१	कुंभे १४।१८	०।०६।५५।४७	५८।२६
ए.व्र.	११	श	५५	०७	२८	०५	शत	५१	०८	२६	२९	शु	१४	२३	११	४८	ब	२६	२६	१६	३७	१२	०२	५५	२	२४	२२	कुंभे	०।०७।५४।१३	५८।२३
ए.व्र.	१२	र	५१	०४	२६	२७	पूभा	४९	००	२५	३७	ब्र	९	३३	९	५१	कौ	२३	२१	१५	२२	१६	०१	५६	३	२५	२३	मीने ११।५५	०।०८।५२।३६	५८।२१
प्र.व्र.	१३	सो	४५	१२	२४	०५	उभा	४५	०५	२४	०३	ऐ	३/५५	०९/११	७/२८	१६/०८	ग	१८	२१	१३	२१	१९	०१	५६	४	२६	२४	मीने	०।०९।५०।५७	५८।१९
शुभ	१४	मं	३७	५४	२१	०९	रेव	३९	४३	२१	५३	वि	४६	२३	२४	३३	वि	११	४४	१०	४१	२३	००	५७	५	२७	२५	मेषे २१।५३	०।१०।४९।१७	५८।१७
अमाव.	३०	बु	२९	३१	१७	४७	अश्वि	३३	१८	१९	१८	प्री	३६	३७	२०	३८	च	३	५०	७	३१	२७	५/६	५७	६	२८	२६	मेषे	०।११।४७।३४	५८।१५

वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
वृषे भौमः २६।३७
भ. २८।१३ उ., मेषे अश्वि. रविः २५।२० (सौरः २७।४९), A
भ. १७।२२ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३९
अनुसूया जयंती, मार्गी शुक्रः २७।४२
[A बुधास्तः पश्चिमायाम् १२।२७, (व) हस्ते-४ गुरुः २४।१२, B
भ. २४।३९ उ. [B मघा.-२ राहुः २६।०४, धनि.-४ केतुः २६।०४
भ. १३।४४ या.
बूढो वास्योड़ो, सायन वृषे भानुः २६।३६
[C वैशाखारंभः, उभा. शुक्रः २३।४७
भ. १७।०३ उ. २८।५६ या., पंचक प्रारम्भः १४।१८, भा. C
वरुथिनि ११ व्र.स्मार्त
वरुथिनि ११ व्र.वैष्ण.
भ. २४।०५ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
भ. १०।४१ या., पंचक समाप्तिः २१।५३
देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०४।४५

पं. १ वै.कृ. ३ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	०	५	११	८	४	१०
००	००	०९	२३	०२	०३	०६	०६
११	४८	५९	१८	३५	४४	३९	३९
५१	०५	१८	०६	४६	२२	२७	२७
५८	४१	२६	७	२	०	३	३
४३	४८	३०	३५	११	४९	११	११
अ	कृ	अ	ह	पूभा	मू	म	ध
१	२	३व	४व	४व	२व	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अप्रे.	मेष प्रातः	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायं	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
११।२८।१५।२८	१ बु	१२	६।१८	७।५४	९।५०	१२।०५	२।२५	४।४२	६।५८	९।१७	११।३५	१।४०	३।२३	४।५२
११।२९।१४।१४	२ गु	१३	६।१४	७।५०	९।४६	१२।०१	२।२१	४।३८	६।५४	९।१३	११।३१	१।३६	३।१९	४।४८
००।००।१२।५७	३ शु	१४	६।१०	७।४६	९।४२	११।५७	२।१७	४।३४	६।५०	९।०९	११।२७	१।३२	३।१५	४।४४
००।०१।११।३८	४ श	१५	६।०६	७।४२	९।३८	११।५३	२।१३	४।३०	६।४६	९।०५	११।२३	१।२८	३।११	४।४०
००।०२।१०।१६	५ र	१६	६।०२	७।३८	९।३४	११।४९	२।०९	४।२६	६।४२	९।०१	११।१९	१।२४	३।०७	४।३६
००।०३।०८।५३	६ चं	१७	५।५८	७।३४	९।३०	११।४५	२।०५	४।२२	६।३८	८।५७	११।१६	१।२०	३।०३	४।३२
००।०४।०७।२७	७ मं	१८	५।५४	७।३०	९।२६	११।४१	२।०१	४।१८	६।३४	८।५३	११।१२	१।१६	२।५९	४।२८
००।०५।०५।५९	८ बु	१९	५।५०	७।२६	९।२२	११।३७	१।५७	४।१४	६।३०	८।४९	११।०८	१।१२	२।५५	४।२४
००।०६।०४।२९	९ गु	२०	५।४६	७।२२	९।१८	११।३३	१।५३	४।१०	६।२६	८।४५	११।०४	१।०८	२।५२	४।२०
००।०७।०२।५६	१० शु	२१	५।४२	७।१८	९।१५	११।२९	१।४९	४।०६	६।२२	८।४१	११।००	१।०४	२।४८	४।१६
००।०८।०१।२२	११ श	२२	५।३८	७।१४	९।११	११।२५	१।४५	४।०२	६।१८	८।३७	१०।५६	१।००	२।४४	४।१२
००।०८।५९।४५	१२ र	२३	५।३४	७।१०	९।०७	११।२१	१।४१	३।५८	६।१४	८।३३	१०।५२	१२।५६	२।४०	४।०८
००।०९।५८।०६	१३ चं	२४	५।३०	७।०७	९।०३	११।१७	१।३८	३।५४	६।१०	८।२९	१०।४८	१२।५३	२।३६	४।०४
००।१०।५६।२५	१४ मं	२५	५।२६	७।०३	८।५९	११।१४	१।३४	३।५०	६।०६	८।२५	१०।४४	१२।४९	२।३२	४।००
००।११।५४।४१	३० बु	२६	५।२२	६।५९	८।५५	११।१०	१।३०	३।४७	६।०२	८।२१	१०।४०	१२।४५	२।२८	३।५६

संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रेल २०१७
वैशा. कृ. २ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २५।२० वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (वैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १९।२० से भृगौ ७।२० तक । (दान- मेष) ।

अयनांशाः २४।०४।४६

पं. २ वै.कृ.१० शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	०	५	११	८	४	१०
०७	०५	०५	२२	०३	०३	०६	०६
०२	३९	४३	२५	०९	३६	१७	१७
१४	४७	३२	५५	५०	४०	१३	१३
५८	४१	४२	७	१३	१	३	३
३०	३०	४२	१३	४५	२९	११	११
अ	कृ	अ	ह	पूभा	मू	म	ध
३	३	२व	४व	४	२व	२	४

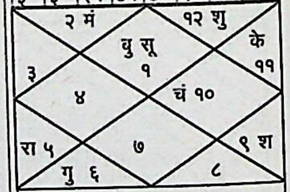

२७ अप्रेल से १० मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
पद्म	१	गु	२०	३१	१४	१०	भर	२६	१७	१६	२९	आ	२६	२४	१६	३१	व	२०	३१	१४	१०	३२/३०	५/५८	६/५८	७	२९	२७	वृषे २१।४६	०।१२।४५।४८	५८।१३
छत्र	२	शु	११	२२	१०	३०	कृति	१९	१०	१३	३७	सौ	१६	०५	१२	२३	कौ	११	२२	१०	३०	३४	५७	५९	८	१	२८	वृषे	०।१३।४४।०१	५८।११
अक्षया	३	श	२	३०	६	५६	रोहि	१२	२४	१०	५४	शो	६	०३	८	२१	ग	२	३०	६	५६	३७	५६	५९	९	२	२९	मिथु. २१।३९	०।१४।४२।१२	५८।०९
क्षयः	४	श	५४	१८	२७	३९	०	०	०	०	०	अ	५६	३५	२८	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
सौम्य	५	र	४७	१४	२४	४९	मृग	६	२६	८	३०	सु	४८	०५	२५	०९	व	२०	३८	१४	१०	४१	५५	७/००	१०	३	३०	मिथु.	०।१५।४०।२१	५८।०७
काल	६	सो	४१	३२	२२	३१	आर्द्रा	१/५८	३९/१५	६/२६	३४/१३	धृ	४०	४३	२२	१२	कौ	१४	१४	११	३६	४४	५४	००	११	४	१	कर्क २३।२९	०।१६।३८।२७	५८।०५
प्रवर्धमा	७	मं	३७	२६	२०	५२	पुष्य	५६	३०	२८	३०	शू	३४	३९	१९	४५	ग	९	१८	९	३७	४८	५४	०१	१२	५	२	कर्क	०।१७।३६।३२	५८।०३
राक्षस	८	बु	३४	५८	१९	५२	श्ले	५६	२३	२८	२६	गं	२९	५५	१७	५१	वि	६	००	८	१७	५१	५३	०१	१३	६	३	सिंहे २८।२६	०।१८।३४।३४	५८।०१
मुसल	९	गु	३४	०७	१९	३१	मघा	५७	५०	२९	००	वृ	२६	२९	१६	२८	वा	४	२२	७	३७	५५	५२	०२	१४	७	४	सिंहे	०।१९।३२।३५	५७।५९
सिद्धि	१०	शु	३४	४७	१९	४६	पूफा	...	...	...	...	ध्रु	२४	१५	१५	३३	तै	४	१७	७	३४	५८	५१	०३	१५	८	५	सिंहे	०।२०।३०।३३	५७।५७
ए.व्र.	११	श	३६	४६	२०	३३	पूफा	०	४३	६	०८	व्या	२३	०५	१५	०५	व	५	३८	८	०६	३३/०१	५१	०३	१६	९	६	कन्या १२।२९	०।२१।२८।३०	५७।५५
मित्र	१२	र	३९	५०	२१	४६	उफा	४	४५	७	४४	ह	२२	४८	१४	५७	व	८	१०	९	०६	०४	५०	०४	१७	१०	७	कन्या	०।२२।२६।२५	५७।५३
प्र.व्र.	१३	सो	४३	४५	२३	१९	हस्त	९	४५	९	४३	व	२३	१४	१५	०७	कौ	११	४२	१०	३०	०८	४९	०४	१८	११	८	तुला. २२।५०	०।२३।२४।१८	५७।५१
ध्वाङ्क्ष	१४	मं	४८	२३	२५	१०	चित्रा	१५	३०	१२	०१	सि	२४	१५	१५	३१	ग	१६	०१	१२	१३	११	४९	०५	१९	१२	९	तुला.	०।२४।२२।०८	५७।४९
पूर्णिमा	१५	बु	५३	३५	२७	१४	स्वा	२१	५२	१४	३२	व्य	२५	४४	१६	०५	वि	२०	५६	१४	१०	१४	४८	०५	२०	१३	१०	तुला.	०।२५।१९।५८	५७।४७

केतकी अहर्गणः २२१३ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल-मई २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भर. रविः १७।१० (सौरः २०।०३), B
कल्पादि, शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती, सावान ८
भ. १७।१५ उ. २७।३९ या., मृगे रे. ९ ||||ऽ|||| रात्रौ C
[C लग्न १२, १, युगादि, अक्षय तृतीया
श्री आद्यशंकराचार्य जयंती, (व) मूले-१ शनिः ७।०२
श्री रामानुज जयंती, मई ५ ता. ३१
भ. २०।५२ उ., गंगोत्पत्ति, बुधोदयः पूर्वस्याम् २०।१५
भ. ८।१७ या.
सीता ९, मार्गी बुधः ९।४३
[B रोहि. भौमः १२।४९, अगस्त्यास्तः १९।०१
भ. ८।०६ उ. २०।३३ या., मोहिनी ११ व्र.
टैगोर जयन्ती
प्रदोषः [A वैशाखस्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदानं
भ. २५।१० उ., नृसिंह १४
भ. १४।१० या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २४।०४।४७

पं. ३ वै.शु. २ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	०	५	११	८	४	१०
१३	१०	०१	२१	०५	०३	०५	०५
५१	२९	२६	३७	२६	२४	५४	५४
०४	२८	४६	०४	२८	२४	५८	५८
५८	४१	२३	६	२६	२	३	३
१७	१३	३३	३८	३६	०७	१०	१०
भ	रो	अ	ह	उभा	मू	म	ध
१	१	१व	४व	१	२व	२	४

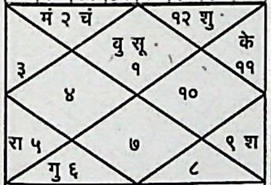

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।१२।५२।५६	१ गु	२७	५।१९	६।५५	८।५१	११।०६	१।२६	३।४३	५।५८	८।१८	१०।३६	१२।४१	२।२४	३।५३
००।१३।५१।०९	२ शु	२८	५।१५	६।५१	८।४७	११।०२	१।२२	३।३९	५।५४	८।१४	१०।३२	१२।३७	२।२०	३।४९
००।१४।४९।१९	३ श	२९	५।११	६।४७	८।४३	१०।५८	१।१८	३।३५	५।५१	८।१०	१०।२८	१२।३३	२।१६	३।४५
००।१५।४७।२७	५ र	३०	५।०७	६।४३	८।३९	१०।५४	१।१४	३।३१	५।४७	८।०६	१०।२४	१२।२९	२।१२	३।४१
००।१६।४५।३४	६ चं	१	५।०३	६।३९	८।३५	१०।५०	१।१०	३।२७	५।४३	८।०२	१०।२०	१२।२५	२।०८	३।३७
००।१७।४३।३८	७ मं	२	४।५९	६।३५	८।३१	१०।४६	१।०६	३।२३	५।३९	७।५८	१०।१६	१२।२१	२।०४	३।३३
००।१८।४१।४०	८ बु	३	४।५५	६।३१	८।२७	१०।४२	१।०२	३।१९	५।३५	७।५४	१०।१२	१२।१७	२।००	३।२९
००।१९।३९।४०	९ गु	४	४।५१	६।२७	८।२३	१०।३८	१२।५८	३।१५	५।३१	७।५०	१०।०९	१२।१३	१।५६	३।२५
००।२०।३७।३९	१० शु	५	४।४७	६।२३	८।१९	१०।३४	१२।५४	३।११	५।२७	७।४६	१०।०५	१२।०९	१।५२	३।२१
००।२१।३५।३५	११ श	६	४।४३	६।१९	८।१५	१०।३०	१२।५०	३।०७	५।२३	७।४२	१०।०१	१२।०५	१।४९	३।१७
००।२२।३३।२९	१२ र	७	४।३९	६।१५	८।११	१०।२६	१२।४६	३।०३	५।१९	७।३८	९।५७	१२।०१	१।४५	३।१३
००।२३।३१।२२	१३ चं	८	४।३५	६।११	८।०८	१०।२२	१२।४२	२।५९	५।१५	७।३४	९।५३	११।५७	१।४१	३।०९
००।२४।२९।१३	१४ मं	९	४।३१	६।०७	८।०४	१०।१८	१२।३८	२।५५	५।११	७।३०	९।४९	११।५३	१।३७	३।०५
००।२५।२७।०१	१५ बु	१०	४।२७	६।०३	८।००	१०।१४	१२।३५	२।५१	५।०७	७।२६	९।४५	११।४९	१।३३	३।०१

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो, यथा- बुधेरसक्षयोभूम्याम् ॥ कृ. प्रतिपदा को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो, विशेष करके जेठ की पड़वा को बुधवार होने से वर्षा का अभाव हो। मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दुःस्थ-स्थानत्याग और कम धान्य हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।०४।४८

पं. ४ वै.शु.१० शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	०	५	११	८	४	१०
२०	१५	००	२०	०९	०३	०५	०५
३८	१७	१७	५३	०३	०७	३२	३२
२७	१२	१०	०६	४६	५४	४३	४३
५८	४०	८	५	३६	२	३	३
०५	५७	२२	४८	२६	४१	११	११
भ	रो	अ	ह	उभा	मू	म	ध
३	२	१	४व	२	१व	२	४

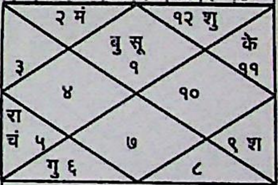

११ मई से २५ मई तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	गु	५९	१३	२९	२८	विशा	२८	४२	१७	१६	व	२७	३५	१६	४९	बा	२६	२२	१६	२०	३३ ४७	५ ४७	७ ०६	२१	१४	११	वृश्चि. १०।३४	०।२६।१७।४५	५७।४५
राक्षस	२	शु	...	...	...	...	अनु	३५	५४	२०	०८	प	२९	५४	१७	४०	तै	३२	१०	१८	३८	२०	४७	०७	२२	१५	१२	वृश्चि.	०।२७।१५।३०	५७।४४
मुसल	२	श	५	११	७	५१	ज्ये	४३	२०	२३	०६	शि	३२	०५	१८	३६	ग	५	११	७	५१	२३	४६	०७	२३	१६	१३	धनु. २३।०६	०।२८।१३।१४	५७।४२
च.व्र.	३	र	११	१७	१०	१६	मूल	५०	४६	२६	०४	सि	३४	२८	१९	३३	वि	११	१७	१०	१६	२६	४५	०८	२४	१७	१४	धनु.	०।२९।१०।५५	५७।४०
उत्पात	४	सो	१७	१४	१२	३८	पूषा	५७	५०	२८	५३	सा	३६	३९	२०	२४	बा	१७	१४	१२	३८	२९	४५	०८	२५	१८	१५	धनु.	१।००।०८।३६	५७।३८
मानस	५	मं	२२	३७	१४	४७	उषा	...	...	...	...	शु	३८	११	२१	०४	तै	२२	३७	१४	४७	३२	४४	०९	२६	१९	१६	नक. ११।३२	१।०१।०६।१४	५७।३७
मुद्गर	६	बु	२७	०३	१६	३३	उषा	४	०८	७	२३	शु	३९	०९	२१	२३	व	२७	०३	१६	३३	३४	४४	०९	२७	२०	१७	मक.	१।०२।०३।५१	५७।३५
ध्वजा	७	गु	३०	०२	१७	४४	श्रव	९	१२	९	२४	ब्र	३८	५१	२१	१६	ब	३०	०२	१७	४४	३७	४३	१०	२८	२१	१८	कुंभे २२।११	१।०३।०१।२६	५७।३३
धाता	८	शु	३१	१५	१८	१३	धनि	१२	३९	१०	४६	ऐ	३७	०६	२०	३३	बा	०	५४	६	०४	४०	४३	११	२९	२२	१९	कुंभे	१।०३।५८।५९	५७।३२
आनन्द	९	श	३०	२८	१७	५४	शत	१४	११	११	२३	वै	३३	४७	१९	१३	तै	१	०८	६	१०	४२	४२	११	३०	२३	२०	मीने २९।१८	१।०४।५६।३१	५७।३०
चर	१०	र	२७	३५	१६	४४	पूभा	१३	४१	११	१०	वि	२८	४६	१७	१२	वि	२७	३५	१६	४४	४५	४२	१२	३१	२४	२१	मीने	१।०५।५४।०१	५७।२९
ए.व्र.	११	सो	२२	४२	१४	४६	उभा	११	०८	१०	०९	प्री	२२	०९	१४	३३	बा	२२	४२	१४	४६	४७	४१	१२	१	२५	२२	मीने	१।०६।५१।३०	५७।२७
प्र.व्र.	१२	मं	१६	०१	१२	०५	रेव	६	४६	८	२३	आ	१४	०२	११	१८	तै	१६	०१	१२	०५	५०	४१	१३	२	२६	२३	मेषे ८।२३	१।०७।४८।५७	५७।२६
मृत्यु	१३	बु	७	५३	८	५०	अश्वि	०	५२	६	०१	सौ	४	४३	७	३४	व	७	५३	८	५०	५२	४१	१३	३	२७	२४	मेषे	१।०८।४६।२२	५७।२४
क्षयः	१४	बु	५८	४२	२९	१०	भर	५३	५०	२७	१३	शो	५४	२९	२७	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
अमाव.	३०	गु	४८	५८	२५	१६	कृति	४६	१२	२४	०९	अ	४३	४६	२३	११	च	२३	५३	१५	१३	५४	४०	१४	४	२८	२५	वृषे ८।२८	१।०९।४३।४७	५७।२३

ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति गुर्जराः, मई २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

अनुरा. रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।। रात्रौ लग्न ९, १२, १, कृत्ति. E

नारद जयंती, वीणादानं [E रविः ११।२१ (सौरः १५।०२)

भ. २१।०३ उ.

भ. १०।१६ या.,चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०५,वृषे रविः २२।१४ C

(व) हस्ते-३ गुरुः १३।११, रेव. शुक्रः २८।०९

मृगे भौमः २६।०८ [C (सौरः २६।१०)

भ. १६।३३ उ. २९।१४ या.

पंचक प्रारम्भः २२।११

[D भा. ज्येष्ठारंभः

भ. २९।२५ उ., सायन मिथुने भानुः २५।४३

भ. १६।४४ या. [B ७।३६ (सौरः १२।२७)

रेवत्यां रे. ७ ।।ऽशु।ऽ।।ऽ।। रात्रौ लग्न ९, १, अपरा ११ व्र., D

पंचक समाप्तिः ८।२३, प्रदोषः, भर. बुधः १५।४८

भ. ८।५० उ. १९।०२ या., मासिकशिवरात्री व्र.

[A भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.), रोहि. रविः B

शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, A

अयनांशाः २४।०४।४९

पं. ५ ज्ये.कृ. २ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	०	५	११	८	४	१०
२७	२०	०२	२०	१३	०२	०५	०५
२४	०३	४५	१५	४२	४७	१०	१०
२९	०२	१५	२२	२०	३३	२९	२९
५७	४०	३७	४	४३	३	३	३
५४	४१	१६	४९	५२	१२	११	११
कृ	रो	अ	ह	उभा	मू	न	ध
१	४	१	४व	४	१व	२	४

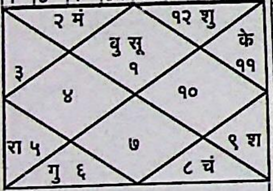

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मई	मेष रात्रौ	वृष प्रातः	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक सायं	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
००।२६।२४।४८	१ गु	११	४।२३	६।००	७।५६	१०।१०	१२।३१	२।४७	५।०३	७।२२	९।४१	११।४६	१।२९	२।५७
००।२७।२२।३३	२ शु	१२	४।१९	५।५६	७।५२	१०।०७	१२।२७	२।४३	४।५९	७।१८	९।३७	११।४२	१।२५	२।५३
००।२८।२०।१७	२ श	१३	४।१५	५।५२	७।४८	१०।०३	१२।२३	२।४०	४।५५	७।१४	९।३३	११।३८	१।२१	२।४९
००।२९।१७।५८	३ र	१४	४।१२	५।४८	७।४४	९।५९	१२।१९	२।३६	४।५१	७।११	९।२९	११।३४	१।१७	२।४६
०१।००।१५।३८	४ चं	१५	४।०८	५।४४	७।४०	९।५५	१२।१५	२।३२	४।४७	७।०७	९।२५	११।३०	१।१३	२।४२
०१।०१।१३।१६	५ मं	१६	४।०४	५।४०	७।३६	९।५१	१२।११	२।२८	४।४४	७।०३	९।२१	११।२६	१।०९	२।३८
०१।०२।१०।५३	६ बु	१७	४।००	५।३६	७।३२	९।४७	१२।०७	२।२४	४।४०	६।५९	९।१७	११।२२	१।०५	२।३४
०१।०३।०८।२७	७ गु	१८	३।५६	५।३२	७।२८	९।४३	१२।०३	२।२०	४।३६	६।५५	९।१३	११।१८	१।०१	२।३०
०१।०४।०६।००	८ शु	१९	३।५२	५।२८	७।२४	९।३९	११।५९	२।१६	४।३२	६।५१	९।०९	११।१४	१२।५७	२।२६
०१।०५।०३।३२	९ श	२०	३।४८	५।२४	७।२०	९।३५	११।५५	२।१२	४।२८	६।४७	९।०५	११।१०	१२।५३	२।२२
०१।०६।०१।०२	१० र	२१	३।४४	५।२०	७।१६	९।३१	११।५१	२।०८	४।२४	६।४३	९।०२	११।०६	१२।४९	२।१८
०१।०६।५८।३०	११ चं	२२	३।४०	५।१६	७।१२	९।२७	११।४७	२।०४	४।२०	६।३९	८।५८	११।०२	१२।४५	२।१४
०१।०७।५५।५७	१२ मं	२३	३।३६	५।१२	७।०८	९।२३	११।४३	२।००	४।१६	६।३५	८।५४	१०।५८	१२।४२	२।१०
०१।०८।५३।२३	१३ बु	२४	३।३२	५।०८	७।०४	९।१९	११।३९	१।५६	४।१२	६।३१	८।५०	१०।५४	१२।३८	२।०६
०१।०९।५०।४६	३० गु	२५	३।२८	५।०४	७।०१	९।१५	११।३५	१।५२	४।०८	६।२७	८।४६	१०।५०	१२।३४	२।०२

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २०१७

ज्ये. कृ. ३ रवौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।१४ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १५।५० से २२।१४ तक । (दान- गौ) ।

अयनांशाः २४।०४।४९

पं. ६ ज्ये.कृ. ८ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	०	५	११	८	४	१०
०४	२४	०८	१९	१९	०२	०४	०४
०९	४७	२१	४४	०७	२३	४८	४८
१७	०३	५८	५४	०९	४८	१४	१४
५७	४०	६१	३	४९	३	३	३
४४	२६	५२	४२	२९	३८	११	११
कृ	मृ	अ	ह	रे	मू	म	ध
३	१	३	३व	१	१व	२	४

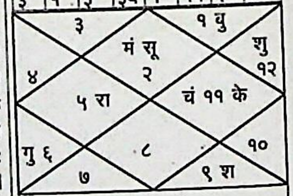

२६ मई से ९ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, क्रिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मित्र	१	शु	३९	०८	२१	१९	रोहि	३८	२७	२१	०३	सु	३२	५५	१८	५०	किं	१४	०२	११	१७	३३/५६	५/४७	७/१४	५	२९	२६	वृषे	१।१०।४१।०९	५७।२१
वज्र	२	श	२९	४१	१७	३२	मृग	३१	०५	१८	०५	धृ	२२	२१	१४	३६	बा	४	२०	७	२४	५८	४०	१५	६	३०	२७	मिथु. ७।३२	१।११।३८।३१	५७।२०
ध्वाङ्क्ष	३	र	२१	०५	१४	०५	आर्द्रा	२४	३४	१५	२९	शू	१२	२६	१०	३८	ग	२१	०५	१४	०५	३४/००	३९	१६	७	१	२८	मिथु.	१।१२।३५।५१	५७।१९
धूम्र	४	सो	१३	४३	११	०८	पुन	१९	२१	१३	२३	गं	३/५५	३०/५०	७/२७	०३/५९	वि	१३	४३	११	०८	०२	३९	१६	८	२	२९	कर्के ७।५१	१।१३।३३।०९	५७।१७
प्रवर्धमा	५	मं	७	५५	८	४९	पुष्य	१५	४३	११	५६	ध्रु	४९	३६	२५	२९	बा	७	५५	८	४९	०४	३९	१७	९	३	३०	कर्के	१।१४।३०।२७	५७।१६
राक्षस	६	बु	३	५४	७	१२	श्ले	१३	५४	११	१२	व्या	४४	५४	२३	३६	तै	३	५४	७	१२	०६	३९	१७	१०	४	३१	सिंहे ११।१२	१।१५।२७।४३	५७।१५
मुसल	७	गु	१	४८	६	२१	मघा	१३	५७	११	१३	ह	४१	४४	२२	२०	व	१	४८	६	२१	०८	३८	१८	११	५	१	सिंहे	१।१६।२४।५८	५७।१४
सिद्धि	८	शु	१	३४	६	१६	पूफा	१५	५१	११	५९	व	३९	५८	२१	३७	व	१	३४	६	१६	०९	३८	१८	१२	६	२	कन्या १८।१७	१।१७।२२।११	५७।१२
उत्पात	९	श	३	०३	६	५२	उफा	१९	२४	१३	२४	सि	३९	२९	२१	२६	को	३	०३	६	५२	११	३८	१९	१३	७	३	कन्या	१।१८।१९।२४	५७।११
गंगा	१०	र	६	०४	८	०४	हस्त	२४	२०	१५	२२	व्य	४०	०१	२१	३८	ग	६	०४	८	०४	१३	३८	१९	१४	८	४	तुला. २८।३१	१।१९।१६।३५	५७।१०
ए.व्र.	११	सो	१०	१६	९	४४	चित्रा	३०	२०	१७	४६	व	४१	१९	२२	१०	वि	१०	१६	९	४४	१४	३८	१९	१५	९	५	तुला.	१।२०।१३।४५	५७।०९
प्र.व्र.	१२	मं	१५	१९	११	४६	स्वा	३७	०२	२०	२७	प	४३	१०	२२	५४	बा	१५	१९	११	४६	१५	३८	२०	१६	१०	६	तुला.	१।२१।१०।५४	५७।०८
धाता	१३	बु	२०	५३	१३	५९	विशा	४४	१०	२३	१८	शि	४५	१९	२३	४५	तै	२०	५३	१३	५९	१७	३८	२०	१७	११	७	वृश्चि. १६।३४	१।२२।०८।०३	५७।०७
आनन्द	१४	गु	२६	४३	१६	१९	अनु	५१	२८	२६	१३	सि	४७	३७	२४	४०	व	२६	४३	१६	१९	१८	३८	२१	१८	१२	८	वृश्चि.	१।२३।०५।१०	५७।०६
पूर्णिमा	१५	शु	३२	३६	१८	४०	ज्ये	५८	४७	२९	०८	सा	४९	५५	२५	३६	व	३२	३६	१८	४०	१९	३८	२१	१९	१३	९	धनु. २९।०८	१।२४।०२।१६	५७।०५

केतकी अहर्गणः २२४२ ग्रीष्मर्त्तु रविरुत्तरे, मई-जून २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
भाऊका-करिदिन, करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा., B
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), रंभा व्रतं [B मिथुने भौमः २३।५९
भ. २४।३३ उ., प्रताप जयंती, रमजान ९
भ. ११।०८ या.
[A बुधास्तः पूर्वस्याम् ८।०३, मार्गी गुरुः २९।२३
मेषे अश्वि. शुक्रः १३।४० [D ता. ३०, कृत्ति. बुधः २०।३१
भ. ६।२१ उ. १८।१३ या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती, जून ६ D
उफा. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।। रात्रौ लग्न १२
भौमास्तः पश्चिमायाम् २५।२६, वृषे बुधः १९।५८
भ. २०।५१ उ., गंगा दशहरा व्र. [C साध्य व्र.,मृगे सौरः ११।५२
भ. ९।४४ या., निर्जला ११ व्र., आर्द्रा. भौमः २३।५१
प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः
अनुरा. रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ लग्न १२, १, मृगे रविः २९।३०
भ. १६।१९ उ. २९।३० या., गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अव्द C
मन्वादि, कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः, रोहि. बुधः ७।२४, A

अयनांशाः २४।०४।५०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं. ७ ज्ये.शु. १ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	०	५	११	८	४	१०
१०	२९	१६	१९	२५	०१	०४	०४
५२	२९	४०	२२	०७	५७	२५	२५
५९	१९	३९	३१	०७	१५	५९	५९
५७	४०	८३	२	५३	३	३	३
३५	११	०४	३१	४७	५९	११	११
रो	मृ	भ	ह	रे	मू	म	घ
१	२	२	३व	३	१व	२	४

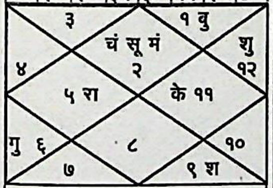

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मई	मेष रात्रौ	वृष प्रातः	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक सायं	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०१।१०।४८।०९	१ शु	२६	३।२४	५।००	६।५७	९।११	११।३१	१।४८	४।०४	६।२३	८।४२	१०।४६	१२।३०	१।५८
०१।११।४५।३०	२ श	२७	३।२०	४।५६	६।५३	९।०७	११।२८	१।४४	४।००	६।१९	८।३८	१०।४२	१२।२६	१।५४
०१।१२।४२।५०	३ र	२८	३।१६	४।५३	६।४९	९।०३	११।२४	१।४०	३।५६	६।१५	८।३४	१०।३९	१२।२२	१।५०
०१।१३।४०।०८	४ चं	२९	३।१२	४।४९	६।४५	९।००	११।२०	१।३६	३।५२	६।११	८।३०	१०।३५	१२।१८	१।४६
०१।१४।३७।२५	५ मं	३०	३।०८	४।४५	६।४१	८।५६	११।१६	१।३३	३।४८	६।०७	८।२६	१०।३१	१२।१४	१।४२
०१।१५।३४।४१	६ बु	३१	३।०५	४।४१	६।३७	८।५२	११।१२	१।२९	३।४४	६।०४	८।२२	१०।२७	१२।१०	१।३९
०१।१६।३१।५६	७ गु	१	३।०१	४।३७	६।३३	८।४८	११।०८	१।२५	३।४०	६।००	८।१८	१०।२३	१२।०६	१।३५
०१।१७।२९।०९	८ शु	२	२।५७	४।३३	६।२९	८।४४	११।०४	१।२१	३।३७	५।५६	८।१४	१०।१९	१२।०२	१।३१
०१।१८।२६।२१	९ श	३	२।५३	४।२९	६।२५	८।४०	११।००	१।१७	३।३३	५।५२	८।१०	१०।१५	११।५८	१।२७
०१।१९।२३।३३	१० र	४	२।४९	४।२५	६।२१	८।३६	१०।५६	१।१३	३।२९	५।४८	८।०६	१०।११	११।५४	१।२३
०१।२०।२०।४३	११ चं	५	२।४५	४।२१	६।१७	८।३२	१०।५२	१।०९	३।२५	५।४४	८।०२	१०।०७	११।५०	१।१९
०१।२१।१७।५२	१२ मं	६	२।४१	४।१७	६।१३	८।२८	१०।४८	१।०५	३।२१	५।४०	७।५८	१०।०३	११।४६	१।१५
०१।२२।१४।५९	१३ बु	७	२।३७	४।१३	६।०९	८।२४	१०।४४	१।०१	३।१७	५।३६	७।५५	९।५९	११।४२	१।११
०१।२३।१२।०६	१४ गु	८	२।३३	४।०९	६।०५	८।२०	१०।४०	१२।५७	३।१३	५।३२	७।५१	९।५५	११।३८	१।०७
०१।२४।०९।१२	१५ शु	९	२।२९	४।०५	६।०१	८।१६	१०।३६	१२।५३	३।०९	५।२८	७।४७	९।५१	११।३५	१।०३

अयनांशाः २४।०४।५१

पं. ८ ज्ये.शु. ८ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	०	५	०	८	४	१०
१७	०४	२७	१९	०१	०१	०४	०४
३५	०९	१७	०८	३४	२८	०३	०३
४४	५७	२७	३९	०९	३१	४४	४४
५७	३९	१००	१	५७	४	३	३
२८	५८	५५	१६	०८	१४	११	११
रो	मृ	कृ	ह	अ	मू	म	घ
३	४	१	३व	१	१व	२	४

अयनांशाः २४।०४।५२

पं. ९ ज्ये.शु.१५ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	१	५	०	८	४	१०
२४	०८	०९	१९	०८	००	०३	०३
१७	४९	५१	०३	२२	५८	४१	४१
४२	०१	२४	३६	२५	२०	२८	२८
५७	३९	११६	०	५९	४	३	३
२२	४५	२८	००	४७	२३	११	११
मृ	आ	कृ	ह	अ	मू	म	घ
१	१	४	३	३	१व	२	४

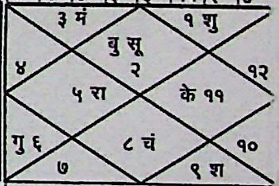

१० जून से २४ जून तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
गद	१	श	३८	२५	२१	००	मूल	...	...	...	...	शु	५२	०७	२६	२९	बा	५	३३	७	५१	३४ २०	५ ३८	७ २२	२०	१४	१०	धनु.	१।२४।५९।२१	५७।०४
सिद्धि	२	र	४४	००	२३	१४	मूल	५	५७	८	०१	शु	५४	०८	२७	१७	तै	११	१५	१०	०८	२१	३८	२२	२१	१५	११	धनु.	१।२५।५६।२५	५७।०४
उत्पात	३	सो	४९	०७	२५	१७	पूषा	१२	४९	१०	४५	ब्र	५५	४६	२७	५६	व	१६	३७	१२	१७	२२	३८	२२	२२	१६	१२	मक. १७।२५	१।२६।५३।२९	५७।०३
च.व्र.	४	मं	५३	३०	२७	०२	उषा	१९	०९	१३	१७	ऐ	५६	४८	२८	२१	ब	२१	२५	१४	१२	२२	३८	२३	२३	१७	१३	मक.	१।२७।५०।३२	५७।०२
छत्र	५	बु	५६	५१	२८	२२	श्रव	२४	३८	१५	२९	वै	५७	०२	२८	२७	कौ	२५	२०	१५	४६	२३	३८	२३	२४	१८	१४	कुंभे २८।२५	१।२८।४७।३४	५७।०१
श्रीवत्स	६	गु	५८	४९	२९	१०	धनि	२८	५७	१७	१३	वि	५६	१२	२८	०७	ग	२८	०२	१६	५१	२३	३८	२३	२५	१९	१५	कुंभे	१।२९।४४।३५	५७।००
सौम्य	७	शु	५९	१०	२९	१८	शत	३१	४७	१८	२१	प्री	५४	०५	२७	१६	वि	२९	१३	१७	१९	२४	३८	२४	२६	२०	१६	कुंभे	२।००।४१।३५	५७।००
काल	८	श	५७	३९	२८	४२	पूभा	३२	५३	१८	४७	आ	५०	३१	२५	५१	बा	२८	३८	१७	०५	२४	३८	२४	२७	२१	१७	मीने १२।४५	२।०१।३८।३५	५६।५९
सुस्थिर	९	र	५४	१५	२७	२०	उभा	३२	०८	१८	२९	सौ	४५	२६	२३	४९	तै	२६	११	१६	०७	२५	३८	२४	२८	२२	१८	मीने	२।०२।३५।३४	५६।५९
मातङ्ग	१०	सो	४९	०३	२५	१६	रेव	२९	३२	१७	२७	शो	३८	५०	२१	११	व	२१	५२	१४	२३	२५	३८	२४	२९	२३	१९	मेषे १७।२७	२।०३।३२।३३	५६।५८
ए.व्र.	११	मं	४२	१३	२२	३२	अश्वि	२५	१३	१५	४४	अ	३०	५३	१८	००	ब	१५	४९	११	५८	२५	३९	२५	३०	२४	२०	मेषे	२।०४।२९।३१	५६।५७
प्र.व्र.	१२	बु	३४	०५	१९	१७	भर	१९	३०	१३	२७	सु	२१	४६	१४	२१	कौ	८	१७	८	५८	२५	३९	२५	३१	२५	२१	वृषे १८।४८	२।०५।२६।२८	५६।५७
लुम्बक	१३	गु	२५	०२	१५	४०	कृति	१२	४४	१०	४५	धृ	११	४८	१०	२२	व	२५	०२	१५	४०	२५	३९	२५	१	२६	२२	वृषे	२।०६।२३।२५	५६।५७
मित्र	१४	शु	१५	३१	११	५२	रोहि	५ ५७	२२ ५३	७ २८	४८ ४८	शू	१ ५०	३१ ४५	६ २९	१२ ४७	श	१५	३१	११	५२	२५	३९	२५	२	२७	२३	मिथु. १८।१८	२।०७।२०।२२	५६।५६
अमाव.	३०	श	५	५७	८	०२	आर्द्रा	५०	४४	२५	५७	वृ	४०	२४	२१	४९	ना	५	५७	८	०२	२५	४०	२५	३	२८	२४	मिथु.	२।०८।१७।१८	५६।५६

ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A दक्षिणायन प्रारम्भ ९।४३, आर्द्रा. बुधः २३।२५, E
[E सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन महिष वर्षाश्रेष्ठः
भ. १२।१७ उ. २५।१७ या.
अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२०, भर. शुक्रः २७।५०
पंचक प्रारम्भः २८।२५, मिथुने रविः २८।५५
भ. २९।१० उ., मिथुने सौरः १२।०७, मृगे बुधः २०।३८, C
भ. १७।१९ या. [C मघा.-१ राहुः २३।४४, धनि.-३ केतुः २३।४४
[D वृश्चिके ज्येष्ठा.-४ शनिः १०।५३, अयन करिदिन
रेवत्यां रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ लग्न १, मिथुने बुधः २२।३७
भ. १४।२३ उ. २५।१६ या., पंचक समाप्तिः १७।२७
योगिनी ११ व्र.
प्रदोषः, आर्द्रा. रविः २८।३२, सायन कर्के भानुः, सायन A
भ. १५।४० उ. २५।४७ या., मासिकशिवरात्री व्र., भा. B
पितृकार्येऽमा. [B आपाढारंभः, आर्द्रा. सौरः १२।३९, (व) D
देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०४।५३

पं.१० आ.कृ. ७ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	१	५	०	८	४	१०
००	१३	२४	१९	१५	००	०३	०३
५९	२६	०७	०७	२७	२७	१९	१९
०२	३७	५२	२३	३५	२६	१३	१३
५७	३९	१२९	१	६१	४	३	३
१७	३२	०७	१५	५५	२६	११	११
मृ	आ	मृ	ह	भ	मू	म	ध
३	३	१	३	१	१व	१	३

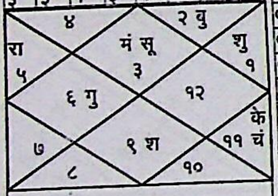

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन प्रातः	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायं	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०१।२५।०६।१७	१ श	१०	२।२५	४।०१	५।५७	८।१२	१०।३२	१२।४९	३।०५	५।२४	७।४३	९।४७	११।३१	१२।५९
०१।२६।०३।२२	२ र	११	२।२१	३।५७	५।५४	८।०८	१०।२८	१२।४५	३।०१	५।२०	७।३९	९।४३	११।२७	१२।५५
०१।२७।००।२५	३ चं	१२	२।१७	३।५३	५।५०	८।०४	१०।२४	१२।४१	२।५७	५।१६	७।३५	९।३९	११।२३	१२।५१
०१।२७।५७।२७	४ मं	१३	२।१३	३।४९	५।४६	८।००	१०।२०	१२।३७	२।५३	५।१२	७।३१	९।३५	११।१९	१२।४७
०१।२८।५४।२९	५ बु	१४	२।०९	३।४६	५।४२	७।५६	१०।१७	१२।३३	२।४९	५।०८	७।२७	९।३२	११।१५	१२।४३
०१।२९।५१।३०	६ गु	१५	२।०५	३।४२	५।३८	७।५३	१०।१३	१२।२९	२।४५	५।०४	७।२३	९।२८	११।११	१२।३९
०२।००।४८।३०	७ शु	१६	२।०१	३।३८	५।३४	७।४९	१०।०९	१२।२६	२।४१	५।००	७।१९	९।२४	११।०७	१२।३५
०२।०१।४५।३०	८ श	१७	१।५८	३।३४	५।३०	७।४५	१०।०५	१२।२२	२।३७	४।५७	७।१५	९।२०	११।०३	१२।३२
०२।०२।४२।२९	९ र	१८	१।५४	३।३०	५।२६	७।४१	१०।०१	१२।१८	२।३३	४।५३	७।११	९।१६	१०।५९	१२।२८
०२।०३।३९।२७	१० चं	१९	१।५०	३।२६	५।२२	७।३७	९।५७	१२।१४	२।३०	४।४९	७।०७	९।१२	१०।५५	१२।२४
०२।०४।३६।२५	११ मं	२०	१।४६	३।२२	५।१८	७।३३	९।५३	१२।१०	२।२६	४।४५	७।०३	९।०८	१०।५१	१२।२०
०२।०५।३३।२३	१२ बु	२१	१।४२	३।१८	५।१४	७।२९	९।४९	१२।०६	२।२२	४।४१	६।५९	९।०४	१०।४७	१२।१६
०२।०६।३०।१९	१३ गु	२२	१।३८	३।१४	५।१०	७।२५	९।४५	१२।०२	२।१८	४।३७	६।५५	९।००	१०।४३	१२।१२
०२।०७।२७।१६	१४ शु	२३	१।३४	३।१०	५।०६	७।२१	९।४१	११।५८	२।१४	४।३३	६।५१	८।५६	१०।३९	१२।०८
०२।०८।२४।१२	३० श	२४	१।३०	३।०६	५।०२	७।१७	९।३७	११।५४	२।१०	४।२९	६।४७	८।५२	१०।३५	१२।०४

संक्रांति फलम्

ता. १४ जून २०१७
आपा. कृ. ५ बुधे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।५५ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभोऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २८।५५ से गुरौ ११।१९ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २४।०४।५४

पं.११ आ.कृ.१४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	५	०	७	४	१०
०७	१८	०९	१९	२२	२९	०२	०२
३९	०२	२६	१९	४६	५६	५६	५६
५४	५०	०३	५१	२८	३५	५८	५८
५७	३९	१३९	२	६३	४	३	३
१४	२१	०९	३०	४०	२१	१२	११
आ	आ	आ	ह	भ	ज्ये	म	ध
१	४	१	३	३	४व	१	३

२५ जून से ९ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिनासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	श	५६	४९	२८	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वजा	२	र	४८	३१	२५	०४	पुन	४४	२५	२३	२६	ध्रु	३०	३९	१७	५५	बा	२२	३२	१४	४०	३४/२४	५/४०	७/२६	४	२९	२५	कर्क १८।०१	२।०९।१४।१३	५६।५५
धाता	३	सो	४१	२८	२२	१५	पुष्य	३९	१८	२१	२३	व्या	२१	४९	१४	२४	तै	१४	४९	११	३६	२४	४०	२६	५	१	२६	कर्क	२।१०।११।०९	५६।५५
आनन्द	४	मं	३५	५९	२०	०४	श्ले	३५	४६	१९	५९	ह	१४	१३	११	२२	व	८	३१	९	०५	२३	४०	२६	६	२	२७	सिंहे १९।५९	२।११।०८।०४	५६।५५
चर	५	बु	३२	१८	१८	३६	मघा	३४	०१	१९	१७	व	८	०१	८	५३	ब	३	५४	७	१४	२३	४१	२६	७	३	२८	सिंहे	२।१२।०४।५९	५६।५५
गद	६	गु	३०	३३	१७	५४	पूफा	३४	१२	१९	२२	सि	३	२२	७	०२	कौ	१	११	६	०९	२२	४१	२६	८	४	२९	कन्या २५।३०	२।१३।०१।५४	५६।५४
शुभ	७	शु	३०	४७	१८	००	उफा	३६	१९	२०	१३	व्य	०/५८	१८/४५	५/२२	४९/५२	ग	०	२६	५	५२	२१	४१	२६	९	५	३०	कन्या	२।१३।५८।४८	५६।५४
मृत्यु	८	श	३२	५१	१८	५०	हस्त	४०	१२	२१	४७	प	५८	३५	२९	०८	वि	१	३६	६	२०	२०	४२	२६	१०	६	१	कन्या	२।१४।५५।४२	५६।५४
पद्म	९	र	३६	३१	२०	१८	चित्रा	४५	३७	२३	५७	शि	५९	३२	२९	३१	बा	४	३०	७	३०	२०	४२	२६	११	७	२	तुला. १०।४८	२।१५।५२।३७	५६।५४
छत्र	१०	सो	४१	२४	२२	१६	स्वा	५२	०९	२६	३४	सि	...	...	...	...	तै	८	५०	९	१४	१९	४३	२६	१२	८	३	तुला.	२।१६।४९।३१	५६।५४
ए.व्र.	११	मं	४७	०४	२४	३२	विशा	५९	२०	२९	२७	सि	१	१७	६	१४	व	१४	१०	११	२३	१७	४३	२६	१३	९	४	वृश्चि. २२।४३	२।१७।४६।२५	५६।५४
सौम्य	१२	बु	५३	०२	२६	५६	अनु	...	...	...	...	सा	३	३३	७	०९	व	२०	०२	१३	४४	१६	४३	२६	१४	१०	५	वृश्चि.	२।१८।४३।१९	५६।५४
प्र.व्र.	१३	गु	५८	५८	२९	१९	अनु	६	४५	८	२६	शु	५	५७	८	०७	कौ	२६	०१	१६	०८	१५	४४	२६	१५	११	६	वृश्चि.	२।१९।४०।१३	५६।५४
चर	१४	शु	...	...	...	...	ज्ये	१४	०४	११	२२	शु	८	१७	९	०३	ग	३१	४८	१८	२७	१४	४४	२६	१६	१२	७	धनु. ११।२२	२।२०।३७।०८	५६।५४
गद	१४	श	४	३२	७	३४	मूल	२१	०१	१४	०९	ब्र	१०	२१	९	५३	व	४	३२	७	३४	१२	४५	२६	१७	१३	८	धनु.	२।२१।३४।०२	५६।५५
पूर्णिमा	१५	र	९	३७	९	३६	पूषा	२७	२८	१६	४४	ऐ	१२	००	१०	३३	व	९	३७	९	३६	११	४५	२५	१८	१४	९	मक. २३।२१	२।२२।३०।५७	५६।५५

केतकी अहर्गणः २२७२ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, जून-जुलाई २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
[A व्रतारंभः, गोपद्मव्रतोद्यापनं, हरिवासरः २९।२७ से, पुष्ये B
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), श्री जगदीश रथ यात्रा, पुन. भौमः २९।१०
सव्वाल १०, कृत्ति.शुक्रः २१।१८ [E उपाकर्म,रोहि. शुक्रः २६।२८
भ. ९।०५ उ. २०।०४ या., पुन. बुधः २७।३८
[B बुधः २०।०६, हस्ते-४ गुरुः २६।१७
स्कंध षष्ठी, वृषे शुक्रः २३।३२
भ. १८।०० उ. [D बुधः २६।२१, बुधोदयः पश्चिमायाम् ६।०७
भ. ६।२० या., जुलाई ७ ता. ३१
स्वातौ रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न १, ३, भड़ली ९, कर्के D
स्वातौ रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न १०, १, मन्वादि,आशा दशमी
भ. ११।२३ उ. २४।३२ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास A
श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, हरिवासरः १२।१२ तक, पुन. रविः F
प्रदोषः, जया पार्वती व्रतं, पुन. सौरः १४।०४ [C आषाढी योगः
[F २८।०९, सं.स्त्री.नपु.चं.सू.वाहन जम्बूक अनावृष्टिः
भ. ७।३४ उ. २०।३७ या., पूर्णिमा व्रतं,वायु परीक्षा, बौधायन E
मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, C

अयनांशाः २४।०४।५५

पं.१२ आ.शु. ७ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	५	१	७	४	१०
१४	२२	२४	१९	००	२९	०२	०२
२०	३७	१८	४०	१६	२६	३४	३४
२९	४६	२८	४५	३८	३३	४१	४१
५७	३९	१२१	३	६५	४	३	३
१३	११	१०	३९	०७	११	११	११
आ	पुन	पुन	ह	कृ	ज्ये	म	ध
३	१	२	३	२	४व	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।०९।२१।०७	२ र	२५	१।२६	३।०२	४।५८	७।१३	९।३३	११।५०	२।०६	४।२५	६।४४	८।४८	१०।३१	१२।००
०२।१०।१८।०३	३ चं	२६	१।२२	२।५८	४।५४	७।०९	९।२९	११।४६	२।०२	४।२१	६।४०	८।४४	१०।२७	११।५६
०२।११।१४।५८	४ मं	२७	१।१८	२।५४	४।५०	७।०५	९।२५	११।४२	१।५८	४।१७	६।३६	८।४०	१०।२४	११।५२
०२।१२।११।५२	५ बु	२८	१।१४	२।५०	४।४७	७।०१	९।२१	११।३८	१।५४	४।१३	६।३२	८।३६	१०।२०	११।४८
०२।१३।०८।४७	६ गु	२९	१।१०	२।४६	४।४३	६।५७	९।१७	११।३४	१।५०	४।०९	६।२८	८।३२	१०।१६	११।४४
०२।१४।०५।४१	७ शु	३०	१।०६	२।४२	४।३९	६।५३	९।१३	११।३०	१।४६	४।०५	६।२४	८।२८	१०।१२	११।४०
०२।१५।०२।३६	८ श	१	१।०२	२।३८	४।३५	६।४९	९।१०	११।२६	१।४२	४।०१	६।२०	८।२४	१०।०८	११।३६
०२।१५।५९।३०	९ र	२	१२।५८	२।३५	४।३१	६।४६	९।०६	११।२२	१।३८	३।५७	६।१६	८।२१	१०।०४	११।३२
०२।१६।५६।२४	१० चं	३	१२।५४	२।३१	४।२७	६।४२	९।०२	११।१८	१।३४	३।५३	६।१२	८।१७	१०।००	११।२८
०२।१७।५३।१८	११ मं	४	१२।५०	२।२७	४।२३	६।३८	८।५८	११।१५	१।३०	३।४९	६।०८	८।१३	९।५६	११।२४
०२।१८।५०।१२	१२ बु	५	१२।४७	२।२३	४।१९	६।३४	८।५४	११।११	१।२६	३।४६	६।०४	८।०९	९।५२	११।२१
०२।१९।४७।०६	१३ गु	६	१२।४३	२।१९	४।१५	६।३०	८।५०	११।०७	१।२२	३।४२	६।००	८।०५	९।४८	११।१७
०२।२०।४४।००	१४ शु	७	१२।३९	२।१५	४।११	६।२६	८।४६	११।०३	१।१९	३।३८	५।५६	८।०१	९।४४	११।१३
०२।२१।४०।५५	१४ श	८	१२।३५	२।११	४।०७	६।२२	८।४२	१०।५९	१।१५	३।३४	५।५२	७।५७	९।४०	११।०९
०२।२२।३७।४९	१५ र	९	१२।३१	२।०७	४।०३	६।१८	८।३८	१०।५५	१।११	३।३०	५।४८	७।५३	९।३६	११।०५

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो और इस माह मे पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं, यथा- एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभा- वहाः ॥ आषाढ कृष्णा चतुर्दशी में रोहिणी होने से राजयुद्ध तथा प्रजा में शोक हो । शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो पिता-पुत्रों में पराङ्मुखता हो । अमावस्या आर्द्रा योग सुभिक्ष और सुखद है । शुक्ला पंचमी को बुधवार होने से पवन अधिक चले । शुक्ला एकादशी को मंगलवार होने से सुभिक्ष हों । बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो ।

अयनांशाः २४।०४।५६

पं.१३ आ.शु.१४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	३	५	१	७	४	१०
२१	२७	०७	२०	०७	२८	०२	०२
००	११	४७	०९	५६	५८	१२	१२
५८	३१	०२	४०	१५	०३	२६	२६
५७	३९	१०७	४	६६	३	३	३
१३	०१	४९	४६	२०	५४	११	११
पुन	पुन	पु	ह	कृ	ज्ये	म	ध
१	३	२	४	४	४व	१	३

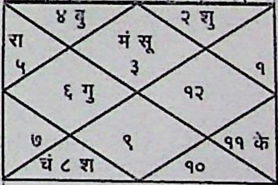

१० जुलाई से २३ जुलाई तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमासू. सू. तारीख — स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	१	सो	१४	०६	११	२४	उषा	३३	१६	१९	०४	वै	१३	१०	११	०१	कौ	१४	०६	११	२४	३४/०९	५/४६	७/२५	१९	१५	१०	मक.	२।२३।२७।५२	५६।५५
बृहत्तल्पा	२	मं	१७	४९	१२	५४	श्रव	३८	२०	२१	०६	वि	१३	४७	११	१७	ग	१७	४९	१२	५४	०७	४६	२५	२०	१६	११	मक.	२।२४।२४।४७	५६।५५
च.व्र.	३	बु	२०	४१	१४	०३	धनि	४२	२८	२२	४६	प्री	१३	४३	११	१६	वि	२०	४१	१४	०३	०६	४६	२५	२१	१७	१२	कुंभे ९।५९	२।२५।२१।४२	५६।५६
वज्र	४	गु	२२	२७	१४	४६	शत	४५	३१	२३	५९	आ	१२	५०	१०	५५	बा	२२	२७	१४	४६	०४	४७	२४	२२	१८	१३	कुंभे	२।२६।१८।३८	५६।५६
ध्वाङ्क्ष	५	शु	२२	५८	१४	५९	पूभा	४७	१६	२४	४२	सौ	१०	५९	१०	११	तै	२२	५८	१४	५९	०२	४७	२४	२३	१९	१४	मीने १८।३४	२।२७।१५।३४	५६।५६
धूम्र	६	श	२२	०७	१४	३९	उभा	४७	३५	२४	५०	शो	८	०२	९	०१	व	२२	०७	१४	३९	००	४८	२४	२४	२०	१५	मीने	२।२८।१२।३०	५६।५७
प्रवर्धमा	७	र	१९	४५	१३	४२	रेव	४६	२५	२४	२३	अ	३/५८	५५/३६	७/२९	३२/५५	ब	१९	४५	१३	४२	३३/१८	४८	२४	२५	२१	१६	मेषे २४।२३	२।२९।०९।२७	५६।५७
राक्षस	८	सो	१५	५३	१२	१०	अश्वि	४३	४८	२३	२०	धृ	५२	०५	२६	३९	कौ	१५	५३	१२	१०	५६	४९	२३	२६	२२	१७	मेषे	३।००।०६।२५	५६।५८
मुसल	९	मं	१०	३७	१०	०४	भर	३९	५१	२१	४६	शू	४४	२९	२३	३७	ग	१०	३७	१०	०४	५४	४९	२३	२७	२३	१८	वृषे २७।१८	३।०१।०३।२३	५६।५९
ए.व्र.	१०	बु	४	०७	७	२९	कृति	३४	४७	१९	४५	गं	३६	००	२०	१४	वि	४	०७	७	२९	५१	५०	२३	२८	२४	१९	वृषे	३।०२।००।२१	५६।५९
क्षयः	११	बु	५६	३९	२८	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	गु	४८	२९	२५	१४	रोहि	२८	५४	१७	२४	वृ	२६	५०	१६	३५	कौ	२२	३७	१४	५३	४९	५०	२२	२९	२५	२०	मिथु. २८।०९	३।०२।५७।२०	५७।००
प्र.व्र.	१३	शु	४०	०१	२१	५१	मृग	२२	३४	१४	५३	ध्रु	१७	१७	१२	४६	ग	१४	१५	११	३३	४७	५१	२२	३०	२६	२१	मिथु.	३।०३।५४।२०	५७।००
मुद्गर	१४	श	३१	३६	१८	३०	आर्द्रा	१६	०९	१२	१९	व्या	७/५८	३९/१४	८/२९	५५/०९	वि	५	४५	८	१०	४४	५२	२१	३१	२७	२२	कर्के २८।२९	३।०४।५१।२०	५७।०१
अमाव.	३०	र	२३	३६	१५	१९	पुन	१०	०४	९	५४	व	४९	१९	२५	३६	ना	२३	३६	१५	१९	४२	५२	२१	१	२८	२३	कर्के	३।०५।४८।२१	५७।०२

वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रंह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

नक्त व्रतारंभः

भ. २५।३१ उ., बृहत्तल्पा, कर्के भौमः १३।३१

भ. १४।०३ या., पंचक प्रारम्भः ९।५९, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः C

[C २१।४३, श्लेषा. बुधः ९।०९

नागपञ्चमी (मरु.)

भ. १४।३९ उ. २६।१५ या.

पंचक समाप्तिः २४।२३, कर्के रविः १५।५२ (सौरः २७।०७), B

[B निरयन दक्षिणायनारंभः, पुष्ये भौमः १७।०१

भ. २०।५० उ.

भ. ७।२९ या., कामिका ११ व्र.स्मार्त, पुष्ये रविः २७।४३, A

[A सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन मूषक वर्षाश्रेष्ठः

कामिका ११ व्र.वैष्ण., पुष्ये सौरः १५।२३, मृगे शुक्रः २३।२४

भ. २१।५१ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., सिंहे मघा. D

भ. ८।१० या., सायन सिंहे भानुः २०।४२ [D बुधः ९।०५

देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०, भा. श्रावणारंभः

अयनांशाः २४।०४।५६

पं.१४ श्रा.कृ. ५ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	३	५	१	७	४	१०
२७	०१	१९	२०	१५	२८	०१	०१
४१	४४	३९	४६	४३	३१	५०	५०
३२	०९	४२	१३	५१	४९	१०	१०
५७	३८	९३	५	६७	३	३	३
१४	५२	३६	४८	२३	३२	११	११
पुन	पुन	श्ले	ह	रो	ज्ये	म	ध
३	४	१	४	२	४व	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जुला	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क प्रातः	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर सायँ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०२।२३।३४।४४	१ चं	१०	१२।२७	२।०३	३।५९	६।१४	८।३४	१०।५१	१।०७	३।२६	५।४४	७।४९	९।३२	११।०१
०२।२४।३१।३९	२ मं	११	१२।२३	१।५९	३।५५	६।१०	८।३०	१०।४७	१।०३	३।२२	५।४०	७।४५	९।२८	१०।५७
०२।२५।२८।३५	३ बु	१२	१२।१९	१।५५	३।५१	६।०६	८।२६	१०।४३	१२।५९	३।१८	५।३७	७।४१	९।२४	१०।५३
०२।२६।२५।३०	४ गु	१३	१२।१५	१।५१	३।४७	६।०२	८।२२	१०।३९	१२।५५	३।१४	५।३३	७।३७	९।२०	१०।४९
०२।२७।२२।२६	५ शु	१४	१२।११	१।४७	३।४३	५।५८	८।१८	१०।३५	१२।५१	३।१०	५।२९	७।३३	९।१६	१०।४५
०२।२८।१९।२३	६ श	१५	१२।०७	१।४३	३।३९	५।५४	८।१४	१०।३१	१२।४७	३।०६	५।२५	७।२९	९।१३	१०।४१
०२।२९।१६।२०	७ र	१६	१२।०३	१।३९	३।३६	५।५०	८।१०	१०।२७	१२।४३	३।०२	५।२१	७।२५	९।०९	१०।३७
०३।००।१३।१७	८ चं	१७	११।५९	१।३५	३।३२	५।४६	८।०६	१०।२३	१२।३९	२।५८	५।१७	७।२१	९।०५	१०।३३
०३।०१।१०।१५	९ मं	१८	११।५५	१।३१	३।२८	५।४२	८।०२	१०।१९	१२।३५	२।५४	५।१३	७।१७	९।०१	१०।२९
०३।०२।०७।१३	१० बु	१९	११।५१	१।२८	३।२४	५।३८	७।५९	१०।१५	१२।३१	२।५०	५।०९	७।१३	८।५७	१०।२५
०३।०३।०४।१३	१२ गु	२०	११।४७	१।२४	३।२०	५।३५	७।५५	१०।११	१२।२७	२।४६	५।०५	७।१०	८।५३	१०।२१
०३।०४।०१।१२	१३ शु	२१	११।४३	१।२०	३।१६	५।३१	७।५१	१०।०७	१२।२३	२।४२	५।०१	७।०६	८।४९	१०।१७
०३।०४।५८।१३	१४ श	२२	११।४०	१।१६	३।१२	५।२७	७।४७	१०।०४	१२।१९	२।३८	४।५७	७।०२	८।४५	१०।१३
०३।०५।५५।१४	३० र	२३	११।३६	१।१२	३।०८	५।२३	७।४३	१०।००	१२।१५	२।३५	४।५३	६।५८	८।४१	१०।१०

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०१७
श्रा. कृ. ७ रवौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १५।५२ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः शनौ (स्टै.) २७।५२ से रवौ १५।५२ तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २४।०४।५७

पं.१५ श्रा.कृ.१३ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	३	५	१	७	४	१०
०४	०६	२९	२१	२३	२८	०१	०१
२२	१५	४९	२९	३८	०८	२७	२७
२०	४७	२९	५१	१९	२६	५४	५४
५७	३८	७८	६	६८	३	३	३
१७	४४	१२	४७	१७	०४	११	११
पु	पु	श्ले	ह	मृ	ज्ये	म	ध
१	१	४	४	१	४व	१	३

२४ जुलाई से ७ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, द्विमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धाता	१	सो	१६	२६	१२	२७	पुष्य	४	४१	७	४५	सि	४१	१३	२२	२२	व	१६	२६	१२	२७	३३ ३९	५ ५३	७ २०	२	२९	२४	कर्के	३।०६।४५।२३	५७।०३
सिंधारा	२	मं	१०	२३	१०	०२	श्ले	० ५७	३३ ३०	६ २८	०२ ५३	व्य	३४	१०	१९	३३	कौ	१०	२३	१०	०२	३७	५३	२०	३	३०	२५	सिंहे ६।०२	३।०७।४२।२६	५७।०३
तीज	३	बु	५	४७	८	१२	पूफा	५६	१५	२८	२४	व	२८	२५	१७	१६	ग	५	४७	८	१२	३४	५४	१९	४	१	२६	सिंहे	३।०८।३९।२९	५७।०४
मातङ्ग	४	गु	२	५३	७	०३	उफा	५६	४८	२८	३८	प	२४	०४	१५	३२	वि	२	५३	७	०३	३१	५४	१९	५	२	२७	कन्या १०।२३	३।०९।३६।३४	५७।०५
अमृत	५	शु	१	४९	६	३८	हस्त	५९	१४	२९	३६	शि	२१	१४	१४	२४	वा	१	४९	६	३८	२९	५५	१८	६	३	२८	कन्या	३।१०।३३।३९	५७।०६
काण	६	श	२	३९	६	५९	चित्रा	...	...	...	...	सि	१२	५४	१३	५३	तै	२	३९	६	५९	२६	५५	१८	७	४	२९	तुला. १८।२२	३।११।३०।४५	५७।०७
पद्म	७	र	५	१८	८	०३	चित्रा	३	२५	७	१८	सा	१९	५६	१३	५४	व	५	१८	८	०३	२३	५६	१७	८	५	३०	तुला.	३।१२।२७।५२	५७।०८
छत्र	८	सो	९	३१	९	४५	स्वा	९	०८	९	३६	शु	२१	०६	१४	२३	व	९	३१	९	४५	२०	५६	१६	९	६	३१	वृश्चि. २९।३७	३।१३।२५।००	५७।०९
श्रीवत्स	९	मं	१४	५३	११	५४	विशा	१५	५७	१२	२०	शु	२३	०५	१५	११	कौ	१४	५३	११	५४	१७	५७	१६	१०	७	१	वृश्चि.	३।१४।२२।०९	५७।१०
सौम्य	१०	बु	२०	५२	१४	१८	अनु	२३	२१	१५	१८	ब्र	२५	२८	१६	०९	ग	२०	५२	१४	१८	१४	५७	१५	११	८	२	वृश्चि.	३।१५।१९।१९	५७।११
ए.ब्र.	११	गु	२६	५२	१६	४३	ज्ये	३०	४६	१८	१६	ऐ	२७	५२	१७	०७	वि	२६	५२	१६	४३	११	५८	१४	१२	९	३	धनु. १८।१६	३।१६।१६।३०	५७।१२
सुस्थिर	१२	शु	३२	२७	१८	५७	मूल	३७	४५	२१	०४	वै	२९	५५	१७	५६	बा	३२	२७	१८	५७	०८	५८	१४	१३	१०	४	धनु.	३।१७।१३।४३	५७।१४
प्र.ब्र.	१३	श	३७	१८	२०	५४	पूषा	४४	००	२३	३५	वि	३१	२३	१८	३२	कौ	४	५८	७	५८	०४	५९	१३	१४	११	५	धनु.	३।१८।१०।५६	५७।१५
अमृत	१४	र	४१	११	२२	२८	उषा	४९	१९	२५	४३	प्री	३२	१०	१८	५२	ग	९	२१	९	४४	०१	६ ००	१२	१५	१२	६	मक. ६।०९	३।१९।०८।११	५७।१६
पूर्णिमा	१५	सो	४४	०५	२३	३८	श्रव	५३	४०	२७	२८	आ	३२	१०	१८	५२	वि	१२	४५	११	०६	३२ ५८	००	११	१६	१३	७	मक.	३।२०।०५।२७	५७।१७

केतकी अहर्गणः २३०१ वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे, जुलाई-अगस्त २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं [C (मरु) (वेध से पहिले)
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, सुकृत तृतीया व्र.
भ. १९।३३ उ., तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र. (गुर्जरे), वरद B
भ.७।०३ या., नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., काण्वमध्यन्दिन(कात्या.) उपाकर्म
कल्की जयंती, वर्णषष्ठी, ऋग्वेदि, हिरण्यकेशीय उपाकर्म
शीतला [B चतुर्थी, दूर्वागणपति व्र., जिल्काद ११, मिथुने शुक्रः १९।३१
भ. ८।०३ उ. २०।५० या., तुलसी जयंती, दुर्गाष्टमी
[A हयग्रीव जयंती, नारियल १५, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, श्रावणी C
अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि, आर्द्रा. शुक्रः १४।२१
भ. २७।३१ उ., श्लेषा. रविः २६।३९, पूफा. बुधः २३।२९, E
भ. १६।४३ या., पवित्रा ११ व्र., श्लेषा. सौरः १५।५०
दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, चित्रा.-१ गुरुः १६।०८
प्रदोषः [E सं.स्त्री.नपु.चं.सू.वाहन अश्व अनावृष्टिः
भ.२२।२८ उ., सूणमाण्डणा (पूरा दिन शुद्ध है), श्लेषा.भौमः १०।०९
भ. ११।०६ या., खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्, रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं), A

अयनांशाः २४।०४।५८

पं.१६ श्रा.शु. ५ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	४	५	२	७	४	१०
११	१०	०८	२२	०१	२७	०१	०१
०३	४६	०७	२०	३८	४८	०५	०५
३३	३०	१४	०५	४५	२७	३८	३८
५७	३८	६१	७	६९	२	३	३
२२	३६	१३	४१	०४	३३	११	११
पु	पु	म	ह	मृ	ज्ये	म	ध
३	३	३	४	३	४व	१	३

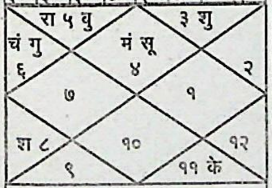

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०३।०६।५२।१६	१ चं	२४	११।३२	१।०८	३।०४	५।१९	७।३९	९।५६	१२।११	२।३१	४।४९	६।५४	८।३७	१०।०६
०३।०७।४९।१८	२ मं	२५	११।२८	१।०४	३।००	५।१५	७।३५	९।५२	१२।०८	२।२७	४।४५	६।५०	८।३३	१०।०२
०३।०८।४६।२२	३ बु	२६	११।२४	१।००	२।५६	५।११	७।३१	९।४८	१२।०४	२।२३	४।४१	६।४६	८।२९	९।५८
०३।०९।४३।२६	४ गु	२७	११।२०	१२।५६	२।५२	५।०७	७।२७	९।४४	१२।००	२।१९	४।३७	६।४२	८।२५	९।५४
०३।१०।४०।३१	५ शु	२८	११।१६	१२।५२	२।४८	५।०३	७।२३	९।४०	११।५६	२।१५	४।३३	६।३८	८।२१	९।५०
०३।११।३७।३७	६ श	२९	११।१२	१२।४८	२।४४	४।५९	७।१९	९।३६	११।५२	२।११	४।२९	६।३४	८।१७	९।४६
०३।१२।३४।४४	७ र	३०	११।०८	१२।४४	२।४०	४।५५	७।१५	९।३२	११।४८	२।०७	४।२६	६।३०	८।१३	९।४२
०३।१३।३१।५२	८ चं	३१	११।०४	१२।४०	२।३६	४।५१	७।११	९।२८	११।४४	२।०३	४।२२	६।२६	८।०९	९।३८
०३।१४।२९।०२	९ मं	१	११।००	१२।३६	२।३२	४।४७	७।०७	९।२४	११।४०	१।५९	४।१८	६।२२	८।०६	९।३४
०३।१५।२६।१२	१० बु	२	१०।५६	१२।३२	२।२८	४।४३	७।०३	९।२०	११।३६	१।५५	४।१४	६।१८	८।०२	९।३०
०३।१६।२३।२३	११ गु	३	१०।५२	१२।२८	२।२५	४।३९	६।५९	९।१६	११।३२	१।५१	४।१०	६।१४	७।५८	९।२६
०३।१७।२०।३५	१२ शु	४	१०।४८	१२।२४	२।२१	४।३५	६।५५	९।१२	११।२८	१।४७	४।०६	६।१०	७।५४	९।२२
०३।१८।१७।४९	१३ श	५	१०।४४	१२।२०	२।१७	४।३१	६।५१	९।०८	११।२४	१।४३	४।०२	६।०६	७।५०	९।१८
०३।१९।१५।०४	१४ र	६	१०।४०	१२।१७	२।१३	४।२७	६।४८	९।०४	११।२०	१।३९	३।५८	६।०२	७।४६	९।१४
०३।२०।१२।२०	१५ चं	७	१०।३६	१२।१३	२।०९	४।२४	६।४४	९।००	११।१६	१।३५	३।५४	५।५९	७।४२	९।१०

मास फलम्

चन्द्रग्रहण, ता. ७ अग. २०१७, सोमवार, संवत् २०७४ ॥ इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो अपरश्च श्रावण में पांच सोमवार शुभद हैं। श्रावण कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। श्रावण कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो। अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो। अमावस्या पुनर्वसु योग समर्घता कारक है। पूर्णिमा श्रवण युक्त होने से शुभ फल दायिनी हैं। श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति बहुत हो। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों।

अयनांशाः २४।०४।५९

पं.१७ श्रा.शु.१२ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	४	५	२	७	४	१०
१७	१५	१४	२३	०९	२७	००	००
४५	१६	१६	१६	४४	३२	४३	४३
२२	२३	१४	२४	२५	२०	२२	२२
५७	३८	४०	८	६९	१	३	३
२८	३०	०७	३०	४७	५८	११	११
श्ले	पु	पूफा	ह	आ	ज्ये	म	ध
१	४	१	४	१	४व	१	३

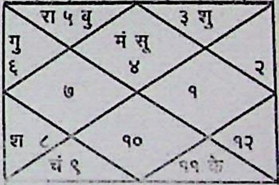

८ अगस्त से २१ अगस्त तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	मं	४५	५५	२४	२३	धनि	५६	५९	२८	४८	सौ	३१	२०	१८	३३	बा	१५	०७	१२	०३	३२/५५	६/०१	७/१०	१७	१४	८	कुंभे १६।११	३।२१।०२।४४	५७।१९
मानस	२	बु	४६	४१	२४	४२	शत	५९	१५	२९	४३	शो	२९	४१	१७	५४	तै	१६	२६	१२	३५	५१	०१	१०	१८	१५	९	कुंभे	३।२२।००।०३	५७।२०
मुद्गर	३	गु	४६	२३	२४	३५	पूभा	...	...	...	...	अ	२७	११	१६	५४	व	१६	४०	१२	४१	४८	०२	०९	१९	१६	१०	मीने २४।०८	३।२२।५७।२३	५७।२१
च.व्र.	४	शु	४४	५८	२४	०१	पूभा	०	२६	६	१२	सु	२३	४८	१५	३३	ब	१५	४८	१२	२२	४५	०२	०८	२०	१७	११	मीने	३।२३।५४।४४	५७।२३
धूम्र	५	श	४२	२८	२३	०२	उभा	५९	३३/३८	६/२९	५६/५४	धृ	१९	३२	१३	५२	कौ	१३	५०	११	३५	४१	०३	०७	२१	१८	१२	मेषे २९।५४	३।२४।५२।०७	५७।२४
आनन्द	६	र	३८	५६	२१	३८	अश्वि	५७	४०	२९	०७	शू	१४	२६	११	४९	ग	१०	५०	१०	२३	३८	०३	०६	२२	१९	१३	मेषे	३।२५।४९।३१	५७।२६
जन्माष्ट.	७	सो	३४	२७	१९	५०	भर	५४	४८	२७	५९	गं	८	३०	९	२८	वि	६	४८	८	४७	३४	०४	०५	२३	२०	१४	मेषे	३।२६।४६।५६	५७।२७
जन्माष्ट.	८	मं	२९	०८	१७	४३	कृति	५१	०८	२६	३२	वृ	१/५४	५९/३५	६/२७	४८/५४	बा	१	५३	६	४९	३१	०४	०४	२४	२१	१५	वृषे ९।३९	३।२७।४४।२३	५७।२९
गोगा	९	बु	२३	०७	१५	१९	रोहि	४६	५२	२४	५०	व्या	४६	४८	२४	४८	ग	२३	०७	१५	१९	२७	०५	०४	२५	२२	१६	वृषे	३।२८।४१।५२	५७।३०
मृत्यु	१०	गु	१६	३७	१२	४४	मृग	४२	१२	२२	५८	ह	३८	४१	२१	३४	वि	१६	३७	१२	४४	२३	०५	०३	२६	२३	१७	मिथु. ११।५५	३।२९।३९।२२	५७।३२
ए.व्र.	११	शु	९	५०	१०	०२	आर्द्रा	३७	२१	२१	०२	व	३०	२४	१८	१५	बा	९	५०	१०	०२	२०	०६	०२	२७	२४	१८	मिथु.	४।००।३६।५४	५७।३३
प्र.व्र.	१२	श	३	००	७	१८	पुन	३२	३५	१९	०८	सि	२२	१०	१४	५८	तै	३	००	७	१८	१६	०६	०१	२८	२५	१९	कर्के १३।३६	४।०१।३४।२७	५७।३५
क्षयः	१३	श	५६	२४	२८	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
श्रीवत्स	१४	र	५०	१५	२६	१३	पुष्य	२८	११	१७	२३	व्य	१४	११	११	४७	वि	२३	१५	१५	२५	१३	०७	००	२९	२६	२०	कर्के	४।०२।३२।०२	५७।३७
अमाव.	३०	सो	४४	५१	२४	०४	श्ले	२४	२४	१५	५३	व	६/५९	४०/५०	८/३०	४७/०३	च	१७	२६	१३	०६	०९	०७	६/५६	३०	२७	२१	सिंहे १५।५३	४।०३।२९।३९	५७।३८

वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
पंचक प्रारम्भः १६।११, ग्रहण-करिदिन
[B बुधास्तः पश्चिमायाम् १३।४६, वक्री बुधः २२।५१
भ. १२।४१ उ. २४।३५ या., कज्जली(बूढी ३)
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३८ [C सं.स्री.पु.चं.सू.वाहन मेष वर्षाश्रेष्ठः
पंचक समाप्तिः २९।५४, चंद्रषष्ठी (मरु.), पुन. शुक्रः २४।४२
भ. २१।३८ उ., वृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, B
भ. ८।४७ या., जन्माष्टमी व्र. स्मा., शीतला व्र.
मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. वैष्ण., भारतीयस्वतंत्रतादिवस
भ. २६।०३ उ., गोगानवमी, सिंहे मघा. रविः २४।२२, C
भ. १२।४४ या.,सिंहे मघा.सौरः १४।४२, कर्के श्लेषा.-४ राहुः D
अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा
भ. २८।४० उ., प्रदोषः [D २१।२१,मकरे धनि.-२ केतुः २१।२१
[A लोहार्गल स्ना.,मातृ ३०, सोमवती अमा.,कर्के शुक्रः ११।५८
भ. १५।२५ या., मासिकशिवरात्री व्र.
कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, A

अयनांशाः २४।०५।००

पं.१८ भा.कृ. ४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	४	५	२	७	४	१०
२४	१९	१७	२४	१७	२७	००	००
२७	४५	३१	१८	५४	२०	२१	२१
५७	३१	४९	१६	४८	२६	०६	०६
५७	३८	९	९	७०	१	३	३
३५	२४	२१	१६	२५	२०	११	११
श्ले	श्ले	पूफा	चि	आ	ज्ये	म	घ
३	१	२	१	४	४व	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायं	मीन रात्रौ
०३।२१।०९।३७	१ मं	८	१०।३२	१२।०९	२।०५	४।२०	६।४०	८।५७	११।१२	१।३१	३।५०	५।५५	७।३८	९।०६
०३।२२।०६।५६	२ बु	९	१०।२९	१२।०५	२।०१	४।१६	६।३६	८।५३	११।०८	१।२८	३।४६	५।५१	७।३४	९।०२
०३।२३।०४।१६	३ गु	१०	१०।२५	१२।०१	१।५७	४।१२	६।३२	८।४९	११।०४	१।२४	३।४२	५।४७	७।३०	८।५९
०३।२४।०१।३७	४ शु	११	१०।२१	११।५७	१।५३	४।०८	६।२८	८।४५	११।००	१।२०	३।३८	५।४३	७।२६	८।५५
०३।२४।५९।००	५ श	१२	१०।१७	११।५३	१।४९	४।०४	६।२४	८।४१	१०।५७	१।१६	३।३४	५।३९	७।२२	८।५१
०३।२५।५६।२४	६ र	१३	१०।१३	११।४९	१।४५	४।००	६।२०	८।३७	१०।५३	१।१२	३।३०	५।३५	७।१८	८।४७
०३।२६।५३।५०	७ चं	१४	१०।०९	११।४५	१।४१	३।५६	६।१६	८।३३	१०।४९	१।०८	३।२६	५।३१	७।१४	८।४३
०३।२७।५१।१७	८ मं	१५	१०।०५	११।४१	१।३७	३।५२	६।१२	८।२९	१०।४५	१।०४	३।२२	५।२७	७।१०	८।३९
०३।२८।४८।४६	९ बु	१६	१०।०१	११।३७	१।३३	३।४८	६।०८	८।२५	१०।४१	१।००	३।१८	५।२३	७।०६	८।३५
०३।२९।४६।१६	१० गु	१७	९।५७	११।३३	१।२९	३।४४	६।०४	८।२१	१०।३७	१२।५६	३।१५	५।१९	७।०२	८।३१
०४।००।४३।४८	११ शु	१८	९।५३	११।२९	१।२५	३।४०	६।००	८।१७	१०।३३	१२।५२	३।११	५।१५	६।५८	८।२७
०४।०१।४१।२१	१२ श	१९	९।४९	११।२५	१।२१	३।३६	५।५६	८।१३	१०।२९	१२।४८	३।०७	५।११	६।५५	८।२३
०४।०२।३८।५७	१४ र	२०	९।४५	११।२१	१।१७	३।३२	५।५२	८।०९	१०।२५	१२।४४	३।०३	५।०७	६।५१	८।१९
०४।०३।३६।३३	३० चं	२१	९।४१	११।१७	१।१४	३।२८	५।४८	८।०५	१०।२१	१२।४०	२।५९	५।०३	६।४७	८।१५

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २०१७
भा. कृ. ९ बुधे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २४।२२ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गो विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १७।५८ से २४।२२ तक । (दान- छत्र) ।

अयनांशाः २४।०५।०१

पं.१९ भा.कृ.११ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	४	५	२	७	३	९
०१	२४	१६	२५	२६	२७	२९	२९
११	१४	३७	२५	०९	१३	५८	५८
२८	००	३८	१०	२६	०२	५१	५१
५७	३८	३१	९	७०	०	३	३
४४	१८	१०	५६	५९	४१	११	११
म	श्ले	पूफा	चि	पुन	ज्ये	श्ले	ध
१	३	१व	१	२	४व	४	२

२२ अगस्त से ६ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	मं	४०	२९	२२	१९	मघा	२१	३३	१४	४५	शि	५३	५३	२७	४१	किं	१२	३०	११	०८	३२/०५	६/०८	६/५८	३१	२८	२२	सिंहे	४।०४।२७।१७	५७।४०
सुस्थिर	२	बु	३७	२३	२१	०५	पूफा	१९	५३	१४	०५	सि	४९	०१	२५	४५	वा	८	४४	९	३८	०१	०८	५७	१	२९	२३	कन्या २०।०१	४।०५।२४।५७	५७।४२
मातङ्ग	३	गु	३५	४७	२०	२७	उफा	१९	३८	१४	००	सा	४५	२२	२४	१७	तै	६	२७	८	४१	३१/५८	०९	५६	२	१	२४	कन्या	४।०६।२२।३९	५७।४४
गणेश	४	शु	३५	५२	२०	३०	हस्त	२०	५९	१४	३३	शु	४३	०३	२३	२२	व	५	३५	८	२३	५४	०९	५५	३	२	२५	तुला. २७।०४	४।०७।२०।२३	५७।४५
ऋषि	५	श	३७	३९	२१	१३	चित्रा	२४	०१	१५	४६	शु	४२	०६	२३	००	व	६	३१	८	४६	५०	१०	५४	४	३	२६	तुला.	४।०८।१८।०८	५७।४७
लुम्बक	६	र	४१	०७	२२	३७	स्वा	२८	४२	१७	३९	ब्र	४२	२५	२३	०८	कौ	९	११	९	५१	४६	१०	५३	५	४	२७	तुला.	४।०९।१५।५५	५७।४९
मित्र	७	सो	४५	५९	२४	३४	विशा	३४	४७	२०	०५	ऐ	४३	४७	२३	४१	ग	१३	२४	११	३२	४२	११	५२	६	५	२८	वृश्चि. १३।२६	४।१०।१३।४४	५७।५१
वज्र	८	मं	५१	४६	२६	५३	अनु	४१	५०	२२	५५	वै	४५	५३	२४	३२	वि	१८	४६	१३	४२	३८	११	५०	७	६	२९	वृश्चि.	४।११।११।३५	५७।५३
ध्वाङ्क्ष	९	बु	५७	५४	२९	२१	ज्ये	४९	१९	२५	५५	वि	४८	१६	२५	३०	वा	२४	४९	१६	०७	३५	१२	४९	८	७	३०	धनु. २५।५५	४।१२।०९।२८	५७।५५
धूम्र	१०	गु	...	...	...	...	मूल	५६	३५	२८	५०	प्री	५०	३०	२६	२४	तै	३०	५३	१८	३३	३१	१२	४८	९	८	३१	धनु.	४।१३।०७।२३	५७।५७
प्रवर्धमा	१०	शु	३	४३	७	४२	पूषा	...	...	...	...	आ	५२	१०	२७	०५	ग	३	४३	७	४२	२७	१२	४७	१०	९	१	धनु.	४।१४।०५।१९	५७।५९
ए.ब्र.	११	श	८	४३	९	४२	पूषा	३	०५	७	२७	सौ	५२	५९	२७	२५	वि	८	४३	९	४२	२३	१३	४६	११	१०	२	मक. १४।०२	४।१५।०३।१८	५८।०१
प्र.ब्र.	१२	र	१२	३३	११	१५	उषा	८	२९	९	३७	शो	५२	४६	२७	२०	वा	१२	३३	११	१५	१९	१३	४५	१२	११	३	मक.	४।१६।०१।१९	५८।०३
सिद्धि	१३	सो	१४	५९	१२	१३	श्रव	१२	३३	११	१५	अ	५१	२६	२६	४८	तै	१४	५९	१२	१३	१५	१४	४४	१३	१२	४	कुंभे २३।५२	४।१६।५९।२१	५८।०५
उत्पात	१४	मं	१६	००	१२	३८	धनि	१५	१४	१२	२०	सु	४९	०१	२५	५१	व	१६	००	१२	३८	११	१४	४३	१४	१३	५	कुंभे	४।१७।५७।२६	५८।०७
पूर्णिमा	१५	बु	१५	३८	१२	३०	शत	१६	३४	१२	५३	धृ	४५	३१	२४	२७	व	१५	३८	१२	३०	०७	१५	४२	१५	१४	६	कुंभे	४।१८।५५।३३	५८।०९

केतकी अहर्गणः २३३० वर्षर्त्तु रविर्दक्षिणे, अगस्त-सितंबर २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सायन कन्यायां भानुः २७।५५, (व) मघा. बुधः २६।०८
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), भा. भाद्रपदारंभः [L १२, पुष्ये शुक्रः ७।१८
मन्वादि,वराह जयंती, हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र.,जिल्हेज L
भ. ८।२३ उ. २०।३० या.,गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), E
ऋषि पंचमी, मार्गी शनिः ७।१९ [E जैन संवत्सरी, सामवेदि J
सौर(सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं,ललिता षष्ठी व्र.(गुजरे), सिंहे D
भ. २४।३४ उ., मुक्ताभरण व्र., उमामहेश्वर पू., दूबड़ी सातम
भ.१३।४२ या., दधीचीजयंती, श्रीराधा ८,गौरी आवाहन २२।५५ यावत्
अदुःख नवमी व्र., श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय), गौरी पूजन A
दशावतार व्र., श्री रामदेवजी का मेला,गौरी विसर्जन २८।५० H
भ.२०।४५ उ.,सितंबर ९ ता. ३० [H यावत्, पूफा. सौरः ११।२६
भ.९।४२ या.,जलझूलनी ११ व्र.,वामन जयंती,बुधोदयः पूर्वस्याम् २१।१५
प्रदोषः, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्र व्र. [J उपाकर्म, चित्रा.-२ गुरुः १३।५१
पंचकप्रारम्भः२३।५२,श्लेषा.शुक्रः१०।४३ [C यजुर्वेदि,अथर्ववेदि उपाकर्म
भ. १२।३८ उ. २४।३८ या., पूर्णिमा व्रतं, अनन्त १४, कदली B
पूर्णिमा पुण्यं, महेश्वर पूजनं, कु.संध्यापूजा, आपस्तंभ तैतरीय, C

[D मघा. भौमः ७।१३, अगस्त्योदयः २४।१६ [A २५।५५ यावत्, पूफा. रविः २०।२२, सं.स्त्री.नपु.सू.सू.वाहन स्वर अनावृष्टिः [B व्रतं पूजनं, रंभारोपणं, प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, मार्गी बुधः २८।४१

अयनांशाः २४।०५।०२

पं.२० भा.शु. ४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	३	४	५	३	७	३	९
०७	२८	११	२६	०४	२७	२९	२९
५६	४१	२३	३६	२७	१०	३६	३६
०२	५४	३९	३७	५९	१७	३४	३४
५७	३८	५५	१०	७१	०	३	३
५४	१४	५०	३३	३२	००	११	११
म	श्ले	म	चि	पु	ज्ये	श्ले	ध
३	४	४व	१	१	४व	४	२

४ रा

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टॅंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०४।०४।३४।१२	१ मं	२२	९।३७	११।१३	१।१०	३।२४	५।४४	८।०१	१०।१७	१२।३६	२।५५	४।५९	६।४३	८।११
०४।०५।३१।५२	२ बु	२३	९।३३	११।०९	१।०६	३।२०	५।४०	७।५७	१०।१३	१२।३२	२।५१	४।५५	६।३९	८।०७
०४।०६।२९।३४	३ गु	२४	९।२९	११।०६	१।०२	३।१६	५।३७	७।५३	१०।०९	१२।२८	२।४७	४।५२	६।३५	८।०३
०४।०७।२७।१८	४ शु	२५	९।२५	११।०२	१२।५८	३।१३	५।३३	७।४९	१०।०५	१२।२४	२।४३	४।४८	६।३१	७।५९
०४।०८।२५।०३	५ श	२६	९।२१	१०।५८	१२।५४	३।०९	५।२९	७।४६	१०।०१	१२।२०	२।३९	४।४४	६।२७	७।५५
०४।०९।२२।५१	६ र	२७	९।१८	१०।५४	१२।५०	३।०५	५।२५	७।४२	९।५७	१२।१७	२।३५	४।४०	६।२३	७।५२
०४।१०।२०।४०	७ चं	२८	९।१४	१०।५०	१२।४६	३।०१	५।२१	७।३८	९।५३	१२।१३	२।३१	४।३६	६।१९	७।४८
०४।११।१८।३१	८ मं	२९	९।१०	१०।४६	१२।४२	२।५७	५।१७	७।३४	९।५०	१२।०९	२।२७	४।३२	६।१५	७।४४
०४।१२।१६।२४	९ बु	३०	९।०६	१०।४२	१२।३८	२।५३	५।१३	७।३०	९।४६	१२।०५	२।२३	४।२८	६।११	७।४०
०४।१३।१४।१९	१० गु	३१	९।०२	१०।३८	१२।३४	२।४९	५।०९	७।२६	९।४२	१२।०१	२।१९	४।२४	६।०७	७।३६
०४।१४।१२।१६	१० शु	१	८।५८	१०।३४	१२।३०	२।४५	५।०५	७।२२	९।३८	११।५७	२।१५	४।२०	६।०३	७।३२
०४।१५।१०।१५	११ श	२	८।५४	१०।३०	१२।२६	२।४१	५।०१	७।१८	९।३४	११।५३	२।११	४।१६	५।५९	७।२८
०४।१६।०८।१५	१२ र	३	८।५०	१०।२६	१२।२२	२।३७	४।५७	७।१४	९।३०	११।४९	२।०७	४।१२	५।५५	७।२४
०४।१७।०६।१८	१३ चं	४	८।४६	१०।२२	१२।१८	२।३३	४।५३	७।१०	९।२६	११।४५	२।०४	४।०८	५।५१	७।२०
०४।१८।०४।२३	१४ मं	५	८।४२	१०।१८	१२।१४	२।२९	४।४९	७।०६	९।२२	११।४१	२।००	४।०४	५।४७	७।१६
०४।१९।०२।३०	१५ बु	६	८।३८	१०।१४	१२।१०	२।२५	४।४५	७।०२	९।१८	११।३७	१।५६	४।००	५।४४	७।१२

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो और पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो, यथा- मंगलेम्रियतेराजा प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे। बुधेरसक्षयोभूम्यां दुर्भिक्षंतुशनैश्चरे॥ सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय- धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो। अमावस्या आश्लेषा योग समर्घता कारक है। अमावस को आश्लेषा होने से मध्यम वर्षा हो। शु. चतुर्थी को शुक्रवार और हस्त होने से दुर्भिक्ष हो। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।०५।०३

पं.२१ भा.शु.१० शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	४	५	३	७	३	९
१४	०३	०५	२७	१२	२७	२९	२९
४१	०९	३९	५२	५०	१२	१४	१४
५०	१७	०९	०६	१३	१८	१९	१९
५८	३८	३०	११	७२	०	३	३
०५	१०	३९	०५	०२	४१	११	११
पूफा	म	म	चि	पु	ज्ये	श्ले	ध
१	१	२व	२	३	४	४	२

७ सितंबर से २० सितंबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	गु	१३	५९	११	५१	पूभा	१६	३९	१२	५५	शू	४१	०३	२२	४१	कौ	१३	५९	११	५१	३१/०३	६/१५	६/४०	१६	१५	७	मीने ६।५७	४।१९।५३।४१	५८।११
ध्वजा	२	शु	११	१२	१०	४५	उभा	१५	३७	१२	३०	गं	३५	४६	२०	३४	ग	११	१२	१०	४५	३०/५९	१६	३९	१७	१६	८	मीने	४।२०।५१।५२	५८।१३
च.व्र..	३	श	७	२९	९	१६	रेव	१३	३९	११	४४	वृ	२९	४४	१८	१०	वि	७	२९	९	१६	५५	१६	३८	१८	१७	९	मेषे ११।४४	४।२१।५०।०५	५८।१५
आनन्द	४	र	२	५९	७	२८	अश्वि	१०	५६	१०	३९	ध्रु	२३	१०	१५	३३	बा	२	५९	७	२८	५१	१७	३७	१९	१८	१०	मेषे	४।२२।४८।२०	५८।१७
क्षयः	५	र	५७	५६	२९	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
चर	६	सो	५२	३१	२७	१७	भर	७	४२	९	२२	व्या	१६	१३	१२	४६	ग	२५	१५	१६	२३	४७	१७	३६	२०	१९	११	वृषे १५।०१	४।२३।४६।३७	५८।१९
गद	७	मं	४६	५४	२५	०३	कृति	४	०७	७	५६	ह	८	५९	९	५३	वि	१९	४२	१४	१०	४३	१८	३५	२१	२०	१२	वृषे	४।२४।४४।५७	५८।२२
शुभ	८	बु	४१	१५	२२	४८	रोहि	०/५६	३४/४२	६/२८	२८/५९	व	१/५४	३९/३०	६/२८	५८/०२	वा	१४	०४	११	५५	३९	१८	३३	२२	२१	१३	मिथु. १७।४३	४।२५।४३।१८	५८।२४
काण	९	गु	३५	४४	२०	३६	आर्द्रा	५३	०७	२७	३३	व्य	४७	०६	२५	०९	तै	८	२८	९	४२	३५	१८	३२	२३	२२	१४	मिथु.	४।२६।४१।४२	५८।२६
लुम्बक	१०	शु	३०	२६	१८	२९	पुन	४९	४८	२६	१४	व	४०	०५	२२	२१	व	३	०२	७	३२	३०	१९	३१	२४	२३	१५	कर्के २०।३३	४।२७।४०।०८	५८।२८
ए.व्र.	११	श	२५	२८	१६	३१	पुष्य	४६	५२	२५	०४	प	३३	२२	१९	४०	बा	२५	२८	१६	३१	२६	१९	३०	२५	२४	१६	कर्के	४।२८।३८।३६	५८।३०
प्र.व्र.	१२	र	२०	५८	१४	४३	श्ले	४४	२६	२४	०६	शि	२७	०२	१७	०९	तै	२०	५८	१४	४३	२२	२०	२९	२६	२५	१७	सिंहे २४।०६	४।२९।३७।०६	५८।३३
ध्वाङ्क्ष	१३	सो	१७	०४	१३	१०	मघा	४२	३९	२३	२४	सि	२१	११	१४	४९	व	१७	०४	१३	१०	१८	२०	२८	२७	२६	१८	सिंहे	५।००।३५।३९	५८।३५
धूम्र	१४	मं	१३	५५	११	५५	पूफा	४१	४१	२३	०१	सा	१५	५७	१२	४३	श	१३	५५	११	५५	१४	२१	२६	२८	२७	१९	कन्या २८।५९	५।०१।३४।१४	५८।३७
अमाव.	३०	बु	११	४१	११	०२	उफा	४१	४४	२३	०३	शु	११	२७	१०	५६	ना	११	४१	११	०२	१०	२१	२५	२९	२८	२०	कन्या	५।०२।३२।५१	५८।३९

शरदृत्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंवर २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A कन्यायां सौरः १५।४३, पूफा. भौमः ७।००
भ. २२।०३ उ.
भ. ९।१६ या.,पंचक समाप्तिः ११।४४,चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५७
भरणी श्राद्ध
[B सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहन मण्डूक वर्षाश्रेष्ठः
भ. २७।१७ उ., चंद्रषष्ठी, भौमोदयः पूर्वस्याम् १८।१४
भ. १४।१० या., श्रीमहालक्ष्मी व्र., तुलायां चित्रा.-३ गुरुः १०।४८
अशोकाष्टमी, उफा. रविः १४।१५ (सौरः २९।३७), B
सौभाग्यवतीनां श्राद्धं
भ. ७।३२ उ. १८।२९ या., सिंहे मघा. शुक्रः ११।१९
इंदिरा ११ व्र., कन्यायां रविः २४।२२, पूफा. बुधः २९।३२
प्रदोषः, युगादि, सन्यासिनां श्राद्धं, विश्वकर्मा पू., A
भ. १३।१० उ. २४।३० या., मासिकशिवरात्री व्र., C
पितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम् [C शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
देवकार्येऽमा., मातामह श्रा.

अयनांशाः २४।०५।०३

पं.२२ आ.कृ. २ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	४	५	३	७	३	९
२१	०७	०४	२९	२१	२७	२८	२८
२८	३६	४८	११	१५	१९	५२	५२
५७	१५	३३	११	१२	०५	०३	०३
५८	३८	२६	११	७२	१	३	३
१७	०६	०९	३४	३०	२१	११	११
पूफा	म	म	चि	श्ले	ज्ये	श्ले	घ
३	३	२	२	२	४	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रो	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।२०।००।३९	१ गु	७	८।३४	१०।१०	१२।०७	२।२१	४।४१	६।५८	९।१४	११।३३	१।५२	३।५६	५।४०	७।०८
०४।२०।५८।५०	२ शु	८	८।३०	१०।०६	१२।०३	२।१७	४।३७	६।५४	९।१०	११।२९	१।४८	३।५२	५।३६	७।०४
०४।२१।५७।०३	३ श	९	८।२६	१०।०२	११।५९	२।१३	४।३३	६।५०	९।०६	११।२५	१।४४	३।४८	५।३२	७।००
०४।२२।५५।१९	४ र	१०	८।२२	९।५८	११।५५	२।०९	४।३०	६।४६	९।०२	११।२१	१।४०	३।४४	५।२८	६।५६
०४।२३।५३।३६	६ चं	११	८।१८	९।५५	११।५१	२।०५	४।२६	६।४२	८।५८	११।१७	१।३६	३।४१	५।२४	६।५२
०४।२४।५१।५६	७ मं	१२	८।१४	९।५१	११।४७	२।०२	४।२२	६।३८	८।५४	११।१३	१।३२	३।३७	५।२०	६।४८
०४।२५।५०।१७	८ बु	१३	८।१०	९।४७	११।४३	१।५८	४।१८	६।३५	८।५०	११।०९	१।२८	३।३३	५।१६	६।४४
०४।२६।४८।४१	९ गु	१४	८।०७	९।४३	११।३९	१।५४	४।१४	६।३१	८।४६	११।०६	१।२४	३।२९	५।१२	६।४१
०४।२७।४७।०७	१० शु	१५	८।०३	९।३९	११।३५	१।५०	४।१०	६।२७	८।४२	११।०२	१।२०	३।२५	५।०८	६।३७
०४।२८।४५।३६	११ श	१६	७।५९	९।३५	११।३१	१।४६	४।०६	६।२३	८।३९	१०।५८	१।१६	३।२१	५।०४	६।३३
०४।२९।४४।०६	१२ र	१७	७।५५	९।३१	११।२७	१।४२	४।०२	६।१९	८।३५	१०।५४	१।१२	३।१७	५।००	६।२९
०५।००।४२।३९	१३ चं	१८	७।५१	९।२७	११।२३	१।३८	३।५८	६।१५	८।३१	१०।५०	१।०८	३।१३	४।५६	६।२५
०५।०१।४१।१४	१४ मं	१९	७।४७	९।२३	११।१९	१।३४	३।५४	६।११	८।२७	१०।४६	१।०४	३।०९	४।५२	६।२१
०५।०२।३९।५१	३० बु	२०	७।४३	९।१९	११।१५	१।३०	३।५०	६।०७	८।२३	१०।४२	१।००	३।०५	४।४८	६।१७

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंवर २०१७
आश्वि. कृ. ११ शनौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २४।२२ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २४।२२ से रवौ ६।४६ तक। (दान- गृह वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०५।०४

पं.२३ आ.कृ.१० शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	४	६	३	७	३	९
२८	१२	१०	००	२९	२७	२८	२८
१७	०२	३९	३३	४४	३०	२९	२९
३२	५०	४३	२२	४७	३३	४७	४७
५८	३८	७८	११	७२	२	३	३
२९	०३	४३	५८	५७	०१	११	११
उफा	म	म	चि	श्ले	ज्ये	श्ले	घ
१	४	४	३	४	४	४	२

२१ सितंवर से ५ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, द्विमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	ग.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	गु	१०	३५	१०	३६	हस्त	४२	५७	२३	३२	शु	७	५०	९	३०	व	१०	३५	१०	३६	३० ०६	६ ०२	६ २४	३०	२९	२१	कन्या	५।०३।३१।३०	५८।४२
मुसल	२	शु	१०	४७	१०	४१	चित्रा	४५	३१	२४	३४	ब्र	५	१४	८	२८	कौ	१०	४७	१०	४१	०२	२२	२३	३१	१	२२	तुला. ११।५९	५।०४।३०।१२	५८।४४
सिद्धि	३	श	१२	२४	११	२०	स्वा	४९	३०	२६	११	ऐ	३	४५	७	५३	ग	१२	२४	११	२०	२९ ५८	२३	२२	१	२	२३	तुला.	५।०५।२८।५६	५८।४६
उत्पात	४	र	१५	३०	१२	३५	विशा	५४	५३	२८	२०	वै	३	२३	७	४४	वि	१५	३०	१२	३५	५४	२३	२१	२	३	२४	वृश्चि. २१।४५	५।०६।२७।४२	५८।४८
मानस	५	सो	२०	००	१४	२३	अनु	...	...	...	...	वि	४	०७	८	०३	वा	२०	००	१४	२३	५०	२४	१९	३	४	२५	वृश्चि.	५।०७।२६।३०	५८।५१
वज्र	६	मं	२५	३६	१६	३९	अनु	१	२६	६	५८	प्री	५	४६	८	४२	तै	२५	३६	१६	३९	४५	२४	१८	४	५	२६	वृश्चि.	५।०८।२५।२१	५८।५३
ध्वाङ्क्ष	७	बु	३१	५०	१९	०९	ज्ये	८	४७	९	५५	आ	७	५९	९	३६	व	३१	५०	१९	०९	४१	२५	१७	५	६	२७	धनु. ९।५५	५।०९।२४।१४	५८।५५
दुर्गा	८	गु	३८	०५	२१	३९	मूल	१६	२१	१२	५८	सौ	१०	२४	१०	३४	वि	५	००	८	२५	३७	२५	१६	६	७	२८	धनु.	५।१०।२३।०९	५८।५८
प्रवर्धमा	९	शु	४३	४०	२३	५३	पूषा	२३	३०	१५	४९	शो	१२	३०	११	२५	वा	१०	५८	१०	४९	३३	२६	१५	७	८	२९	मक. २२।२९	५।११।२२।०७	५९।००
विजया	१०	श	४८	००	२५	३८	उषा	२९	३७	१८	१७	अ	१३	५१	११	५८	तै	१६	००	१२	५०	२९	२६	१४	८	९	३०	मक.	५।१२।२१।०७	५९।०२
ए.ब्र.	११	र	५०	४५	२६	४४	श्रव	३४	१६	२०	०९	सु	१४	०८	१२	०६	व	१९	३५	१४	१७	२५	२७	१२	९	१०	१	मक.	५।१३।२०।१०	५९।०५
शुभ	१२	सो	५१	४१	२७	०८	धनि	३७	१३	२१	२०	धृ	१३	०५	११	४१	व	२१	२७	१५	०२	२१	२७	११	१०	११	२	कुंभे ८।५०	५।१४।१९।१४	५९।०७
प्र.ब्र.	१३	मं	५०	४९	२६	४७	शत	३८	२३	२१	४९	शू	१०	३७	१०	४२	कौ	२१	२८	१५	०३	१७	२८	१०	११	१२	३	कुंभे	५।१५।१८।२१	५९।०९
पद्म	१४	बु	४८	१५	२५	४६	पूभा	३७	५२	२१	३७	गं	६	४४	९	१०	ग	१९	४४	१४	२२	१३	२८	०९	१२	१३	४	मीने १५।४३	५।१६।१७।३१	५९।१२
पूर्णिमा	१५	गु	४४	१२	२४	०९	उभा	३५	४९	२०	४८	वृ	९ ५५	३३ १४	७ २८	०६ ३४	वि	१६	२४	१३	०२	०८	२९	०८	१३	१४	५	मीने	५।१७।१६।४२	५९।१४

केतकी अहर्गणः २३६० शरदृत्तू रविर्दक्षिणे, सितंवर-अक्टूबर २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती
मोहोर्रम १ सन १४३९ हि., सायन तुलायां भानुः २५।४२
भ.२३।५४ उ., भा.अश्विनारंभः [C नपु.सू.सू.वाहन मूषक अनावृष्टिः
भ. १२।३५ या., उफा. बुधः २८।३७ [D विसर्जनं श्रवणे
उपांग ललिता व्र., बुधास्तः पूर्वस्याम् १६।२३ [G सौरः २०।५९
हस्ते रविः२९।४६, कन्यायां बुधः२४।३८, पूफा.शुक्रः ९।२८, सं.स्त्री.C
भ.१९।०९ उ., सरस्वती आवाहनं मूलभे, भद्रकाली अवतार, हस्ते G
भ.८।२५ या., महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे, चित्रा.-४ गुरुः२०।२०
मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे [E हस्ते बुधः १२।२२
बोद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, सरस्वती D
भ. १४।१७ उ. २६।४४ या., पापांकुशा ११ व्र., अक्टूबर १० ता.३१
पंचक प्रारम्भः ८।५०, कार्तिके द्विदलं त्यजेत्, गांधी जयन्ती, E
प्रदोषः [B कर्म (आश्वलायन शाखा), कार्तिक स्नान प्रा.
भ. २५।४६ उ. [A वंगीय लक्ष्मी पूजा, नवान्न भक्षण, आश्वयुजी B
भ.१३।०२ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शरदपूर्णिमा, कोजागरी व्र., A

अयनांशाः २४।०५।०५

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.२४ आ.शु. २ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	४	६	४	७	३	९
०५	१६	२१	०१	०८	२७	२८	२८
०७	२९	२७	५८	१६	४६	०७	०७
३८	०६	३२	१२	४६	३७	३१	३१
५८	३८	१०५	१२	७३	२	३	३
४३	०१	२३	१९	२३	४०	११	११
उफा	पूफा	पूफा	चि	म	ज्ये	श्ले	ध
३	१	३	३	३	४	४	२

५ शु

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०५।०३।३८।३१	१ गु	२१	७।३९	९।१५	११।११	१।२६	३।४६	६।०३	८।१९	१०।३८	१२।५७	३।०१	४।४४	६।१३
०५।०४।३७।१३	२ शु	२२	७।३५	९।११	११।०७	१।२२	३।४२	५।५९	८।१५	१०।३४	१२।५३	२।५७	४।४०	६।०९
०५।०५।३५।५७	३ श	२३	७।३१	९।०७	११।०३	१।१८	३।३८	५।५५	८।११	१०।३०	१२।४९	२।५३	४।३६	६।०५
०५।०६।३४।४३	४ र	२४	७।२७	९।०३	१०।५९	१।१४	३।३४	५।५१	८।०७	१०।२६	१२।४५	२।४९	४।३३	६।०१
०५।०७।३३।३२	५ चं	२५	७।२३	८।५९	१०।५६	१।१०	३।३०	५।४७	८।०३	१०।२२	१२।४१	२।४५	४।२९	५।५७
०५।०८।३२।२३	६ मं	२६	७।१९	८।५५	१०।५२	१।०६	३।२६	५।४३	७।५९	१०।१८	१२।३७	२।४१	४।२५	५।५३
०५।०९।३१।१७	७ बु	२७	७।१५	८।५१	१०।४८	१।०२	३।२२	५।३९	७।५५	१०।१४	१२।३३	२।३७	४।२१	५।४९
०५।१०।३०।१२	८ गु	२८	७।११	८।४७	१०।४४	१२।५८	३।१९	५।३५	७।५१	१०।१०	१२।२९	२।३३	४।१७	५।४५
०५।११।२९।१०	९ शु	२९	७।०७	८।४४	१०।४०	१२।५५	३।१५	५।३१	७।४७	१०।०६	१२।२५	२।३०	४।१३	५।४१
०५।१२।२८।११	१० श	३०	७।०३	८।४०	१०।३६	१२।५१	३।११	५।२७	७।४३	१०।०२	१२।२१	२।२६	४।०९	५।३७
०५।१३।२७।१३	११ र	१	६।५९	८।३६	१०।३२	१२।४७	३।०७	५।२४	७।३९	९।५८	१२।१७	२।२२	४।०५	५।३३
०५।१४।२६।१८	१२ चं	२	६।५६	८।३२	१०।२८	१२।४३	३।०३	५।२०	७।३५	९।५५	१२।१३	२।१८	४।०१	५।३०
०५।१५।२५।२६	१३ मं	३	६।५२	८।२८	१०।२४	१२।३९	२।५९	५।१६	७।३१	९।५१	१२।०९	२।१४	३।५७	५।२६
०५।१६।२४।३५	१४ बु	४	६।४८	८।२४	१०।२०	१२।३५	२।५५	५।१२	७।२८	९।४७	१२।०५	२।१०	३।५३	५।२२
०५।१७।२३।४७	१५ गु	५	६।४४	८।२०	१०।१६	१२।३१	२।५१	५।०८	७।२४	९।४३	१२।०१	२।०६	३।४९	५।१८

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। चन्द्रजीवीयदापच धान्यादीनांसमर्घता ॥ बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दुःख-स्थानत्याग और कम धान्य हो। अमावस्या को उत्तराफाल्गुनी होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। शुक्ला तीज को मंगलवार होने से पृथ्वी पर प्रवल अग्निकाण्ड और अन्नादि की महँगाई हो। आसोज सुदी चौथ को रविवार होने से घी और अन्नादि भाव मंदा हो। शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २४।०५।०६

पं.२५ आ.शु. ९ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	५	६	४	७	३	९
११	२०	०४	०३	१६	२८	२७	२७
५९	५५	०५	२५	५१	०७	४५	४५
२२	०७	३८	१७	३६	०६	१५	१५
५८	३७	१०९	१२	७३	३	३	३
५७	५९	३२	३६	४६	१६	११	११
ह	पूफा	उफा	चि	पूफा	ज्ये	श्ले	ध
१	३	३	४	२	४	४	२

६ अक्टूबर से १९ अक्टूबर तक,श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिना सू. सू. तारीख — स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	शु	३८	५७	२२	०४	रेव	३२	३३	१९	३०	व्या	४७	५८	२५	४०	बा	११	४२	११	१०	२९ ०४	६ २९	६ ०७	१४	१५	६	मेषे १९।३०	५।१८।१५।५६	५९।१६
सौम्य	२	श	३२	५०	१९	३८	अश्वि	२८	२२	१७	५१	ह	४०	०३	२२	३१	तै	५	५८	८	५३	००	३०	०६	१५	१६	७	मेषे	५।१९।१५।१३	५९।१९
च.व्र.	३	र	२६	१२	१६	५९	भर	२३	३९	१५	५८	व	३१	४५	१९	१२	वि	२६	१२	१६	५९	२८ ५६	३०	०५	१६	१७	८	वृषे २१।२९	५।२०।१४।३२	५९।२१
सुस्थिर	४	सो	१९	२५	१४	१७	कृति	१८	४५	१४	०१	सि	२३	२०	१५	५१	बा	१९	२५	१४	१७	५२	३१	०४	१७	१८	९	वृषे	५।२१।१३।५३	५९।२३
मातङ्ग	५	मं	१२	४६	११	३७	रोहि	१३	५९	१२	०७	व्य	१५	०४	१२	३३	तै	१२	४६	११	३७	४८	३१	०२	१८	१९	१०	मिथु. २३।१४	५।२२।१३।१६	५९।२६
अमृत	६	बु	६	३२	९	०९	मृग	९	३९	१०	२३	व	७ ५९	०८ ४२	९ ३०	३३ ५५	व	६	३२	९	०९	४४	३२	०१	१९	२०	११	मिथु.	५।२३।१२।४२	५९।२८
काण	७	गु	०	५५	६	५४	आर्द्रा	५	५५	८	५४	शि	५२	५१	२७	४१	व	०	५५	६	५४	४०	३२	००	२०	२१	१२	कर्के २५।५९	५।२४।१२।१०	५९।३०
क्षयः	८	गु	५६	०३	२८	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
लुम्बक	९	शु	५१	५८	२७	२०	पुन	२	५५	७	४३	सि	४६	४०	२५	१३	तै	२३	५३	१६	०६	३६	३३	५ ५९	२१	२२	१३	कर्के	५।२५।११।४०	५९।३३
मित्र	१०	श	४८	४२	२६	०२	पुष्य	० ५९	४४ २२	६ ३०	२१ ४८	सा	४१	०६	२३	००	व	२०	१४	१४	३९	३२	३३	५८	२२	२३	१४	सिंहे ३०।१८	५।२६।११।१३	५९।३५
ए.व्र.	११	र	४६	१६	२५	०४	मघा	५८	४६	३०	०५	शु	३६	१२	२१	०३	ब	१७	२३	१३	३१	२८	३४	५७	२३	२४	१५	सिंहे	५।२७।१०।४८	५९।३७
ध्वजा	१२	सो	४४	३९	२४	२६	पूफा	५९	००	३०	११	शु	३१	५७	१९	२१	कौ	१५	२०	१२	४३	२४	३५	५६	२४	२५	१६	सिंहे	५।२८।१०।२५	५९।४०
प्र.व्र.	१३	मं	४३	५४	२४	०९	उफा	...	...	...	...	ब्र	२८	२१	१७	५६	ग	१४	०९	१२	१५	२०	३५	५५	२५	२६	१७	कन्या १२।१५	५।२९।१०।०४	५९।४२
रुप १४	१४	बु	४४	०४	२४	१३	उफा	०	०३	६	३७	ऐ	२५	२८	१६	४७	वि	१३	५१	१२	०८	१६	३६	५४	२६	२७	१८	कन्या	६।००।०९।४६	५९।४४
दीपाव.	३०	गु	४५	१३	२४	४२	हस्त	२	०२	७	२५	वै	२३	१९	१५	५६	च	१४	३०	१२	२४	१२	३६	५३	२७	२८	१९	तुला. १९।५८	६।०१।०९।३०	५९।४६

शरदृत्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
पंचकसमाप्तिः १९।३०, उफा.शुक्रः २९।२८ [E चित्रा.सौरः ९।२९
भ. ३०।१९ उ. [B स्त्री.पु.सू.सू. वाहन अश्व वर्षाश्रेष्ठः
भ.१६।५९ या.,करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२०,दशरथ ललिता व्र.,G
चित्रा.बुधः २५।२०,कन्यायां शुक्रः २२।१० [G उफा. भौमः ८।३०
स्कन्द षष्ठी, चित्रा. रविः १८।४७,सं. B
भ.९।०९उ.१९।५९ या.,गुरोरस्तःपश्चि. २१।३८ E
होई (अहोरी) ८ [A धन्वन्तरी जयंती,यमायदीपदानं,गोत्रिरात्र C
[C व्र.,आकाश दीपारंभः,तुलायां रविः १२।२० (सौरः२६।४०) F
कन्यायां भौमः १५।०४, तुलायां बुधः २३।२८
भ. १४।३९ उ. २६।०२ या., स्वा.-१ गुरुः ११।३१
रमा ११ व्र. [F ,स्वा. बुधः २४।२३, हस्ते शुक्रः २३।३९
गोवत्स द्वादशी [D १८।५७, धनि.-१ केतुः १८।५७
भ. २४।०९ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., धनतेरस, A
भ. १२।०८ या., दीपदानं, रुप (नरक) १४, प्रभात स्नानं
देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू., श्लेपा.-३ राहुः D

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०५।०७

पं.२६ का.कृ. १ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	५	६	४	७	३	९
१८	२५	१६	०४	२५	२८	२७	२७
५२	२०	४३	५४	२९	३१	२३	२३
४५	५६	१६	०७	०४	४७	००	००
५९	३७	१०५	१२	७४	३	३	३
११	५७	५३	४९	०७	५१	११	११
ह	पूफा	ह	चि	पूफा	ज्ये	श्ले	ध
३	४	३	४	४	४	४	२

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टु	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।१८।२३।०२	१ शु	६	६।४०	८।१६	१०।१२	१२।२७	२।४७	५।०४	७।२०	९।३९	११।५७	२।०२	३।४५	५।१४
०५।१९।२२।१८	२ श	७	६।३६	८।१२	१०।०८	१२।२३	२।४३	५।००	७।१६	९।३५	११।५३	१।५८	३।४१	५।१०
०५।२०।२१।३७	३ र	८	६।३२	८।०८	१०।०४	१२।१९	२।३९	४।५६	७।१२	९।३१	११।४९	१।५४	३।३७	५।०६
०५।२१।२०।५९	४ चं	९	६।२८	८।०४	१०।००	१२।१५	२।३५	४।५२	७।०८	९।२७	११।४६	१।५०	३।३३	५।०२
०५।२२।२०।२२	५ मं	१०	६।२४	८।००	९।५६	१२।११	२।३१	४।४८	७।०४	९।२३	११।४२	१।४६	३।२९	४।५८
०५।२३।१९।४८	६ बु	११	६।२०	७।५६	९।५२	१२।०७	२।२७	४।४४	७।००	९।१९	११।३८	१।४२	३।२५	४।५४
०५।२४।१९।१६	७ गु	१२	६।१६	७।५२	९।४८	१२।०३	२।२३	४।४०	६।५६	९।१५	११।३४	१।३८	३।२२	४।५०
०५।२५।१८।४७	९ शु	१३	६।१२	७।४८	९।४५	११।५९	२।१९	४।३६	६।५२	९।११	११।३०	१।३४	३।१८	४।४६
०५।२६।१८।२०	१० श	१४	६।०८	७।४४	९।४१	११।५५	२।१५	४।३२	६।४८	९।०७	११।२६	१।३०	३।१४	४।४२
०५।२७।१७।५५	११ र	१५	६।०४	७।४०	९।३७	११।५१	२।११	४।२८	६।४४	९।०३	११।२२	१।२६	३।१०	४।३८
०५।२८।१७।३३	१२ चं	१६	६।००	७।३७	९।३३	११।४७	२।०८	४।२४	६।४०	८।५९	११।१८	१।२२	३।०६	४।३४
०५।२९।१७।१३	१३ मं	१७	५।५६	७।३३	९।२९	११।४४	२।०४	४।२०	६।३६	८।५५	११।१४	१।१९	३।०२	४।३०
०६।००।१६।५५	१४ बु	१८	५।५२	७।२९	९।२५	११।४०	२।००	४।१६	६।३२	८।५१	११।१०	१।१५	२।५८	४।२६
०६।०१।१६।३९	३० गु	१९	५।४८	७।२५	९।२१	११।३६	१।५६	४।१३	६।२८	८।४७	११।०६	१।११	२।५४	४।२२

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०१७
का. कृ. १३ भौमे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १२।२० वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यमावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः चंद्रे (स्टै.) ३०।२० से भौमे १८।२० तक। (दान- तिल गोरस)।

अयनांशाः २४।०५।०८

पं.२७ का.कृ. ९ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	५	६	५	७	३	९
२५	२९	२८	०६	०४	२९	२७	२७
४७	४६	४९	२४	०८	००	००	००
४८	३३	००	२१	५६	२४	४४	४४
५९	३७	१००	१२	७४	४	३	३
२६	५६	४२	५८	२७	२४	११	११
चि	उफा	चि	चि	उफा	ज्ये	श्ले	ध
१	१	२	४	३	४	४	२

२० अक्टूबर से ४ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमा सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः २३८९ शरदृत्तू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर-नवंबर २०१७

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं ।
मुसल	१	शु	४७	२९	२५	३६	चित्रा	५	००	८	३७	वि	२२	००	१५	२५	किं	१६	११	१३	०५	२८/०८	६/३७	५/५२	२८	२९	२०	तुला.	६।०२।०९।१६	५९।४९	वलीपूजा, गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गुर्जराणां नूतनवर्षारंभः, C
सिद्धि	२	श	५०	५२	२६	५८	स्वा	९	०३	१०	१५	प्री	२१	३३	१५	१५	वा	१९	००	१४	१४	०४	३८	५१	२९	३०	२१	वृश्चि. २९।४६	६।०३।०९।०५	५९।५१	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), भ्रातृ २, यम २, यमुना स्नानं, कलम दवात पू.
उत्पात	३	र	५५	२६	२८	४९	विशा	१४	१३	१२	१९	आ	२१	५८	१५	२५	तै	२३	००	१५	५०	००	३८	५०	३०	१	२२	वृश्चि.	६।०४।०८।५६	५९।५३	सफर २ [C मार्गपाली बं., गोक्रीडा [E पुष्करयात्रा, अनु.बुधः २९।५७
मानस	४	सो	...	...	...	...	अनु	२०	२६	१४	४९	सौ	२३	१३	१५	५६	व	२८	०५	१७	५३	२७/५७	३९	५०	१	२	२३	वृश्चि.	६।०५।०८।४९	५९।५५	भ.१७।५३ उ., दूर्वागणपति व्र., भा.कार्तिकारंभः, स्वा.रविः २९।१६ A
मुद्गर	४	मं	०	५९	७	०३	ज्ये	२७	३४	१७	४१	शो	२५	०९	१६	४३	वि	०	५९	७	०३	५३	३९	४९	२	३	२४	धनु. १७।४१	६।०६।०८।४४	५९।५७	भ. ७।०३ या., स्वा. सौरः १९।११ [A सायन वृश्चिके भानुः F
ध्वजा	५	बु	७	२०	९	३६	मूल	३५	१३	२०	४६	अ	२७	३२	१७	४१	वा	७	२०	९	३६	४९	४०	४८	३	४	२५	धनु.	६।०७।०८।४२	६०।००	सौभाग्य ५, पाण्डव ५, धनुषि मूले-१ शनिः १६।४५
धाता	६	गु	१३	५५	१२	१५	पूषा	४२	५४	२३	५०	सु	२९	५९	१८	४०	तै	१३	५५	१२	१५	४५	४१	४७	४	५	२६	मक. ३०।३५	६।०८।०८।४१	६०।०२	विशा.बुधः १०।२६ [F ११।०८, सं.स्त्री.नपु.सू.सू.वाहन मेष अनावृष्टिः
आनन्द	७	शु	२०	०८	१४	४५	उषा	४९	५७	२६	४०	धृ	३२	०१	१९	३०	व	२०	०८	१४	४५	४१	४१	४६	५	६	२७	मक.	६।०९।०८।४३	६०।०४	भ. १४।४५ उ. २७।५२ या., कल्पादि [H तुलायां शुक्रः २४।२४
सुस्थिर	८	श	२५	२२	१६	५१	श्रव	५५	४९	२९	०२	शू	३३	१५	२०	००	व	२५	२२	१६	५१	३८	४२	४५	६	७	२८	मक.	६।१०।०८।४७	६०।०६	गोपाष्टमी, चित्रा. शुक्रः १६।२६ [G ११।०५, स्वा.-२ गुरुः १८।५४
मातङ्ग	९	र	२९	०४	१८	२०	धनि	५९	५८	३०	४२	गं	३३	१४	२०	००	कौ	२९	०४	१८	२०	३४	४३	४४	७	८	२९	कुंभे १७।५७	६।११।०८।५३	६०।०८	पंचक प्रारम्भः १७।५७, युगादि, कुष्माण्ड(अक्षय) ९, हस्ते भौमः G
अमृत	१०	सो	३०	४८	१९	०३	शत	...	...	...	...	वृ	३१	४५	१९	२५	तै	०	११	६	४८	३०	४३	४४	८	९	३०	कुंभे	६।१२।०९।०१	६०।१०	[D तुलसी विवाह, चतुर्मास व्रत समाप्तिः, भीष्म पंचक प्रा.
ए.व्र.	११	मं	३०	२७	१८	५५	शत	२	०८	७	३५	ध्रु	२८	३५	१८	१०	व	०	५३	७	०५	२७	४४	४३	९	१०	३१	मीने २५।४२	६।१३।०९।१२	६०।१२	भ. ७।०५ उ. १८।५५ या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, D
प्र.व्र.	१२	बु	२७	५८	१७	५६	पूभा	२	१४	७	३९	व्या	२३	४७	१६	१६	वा	२७	५८	१७	५६	२३	४५	४२	१०	११	१	मीने	६।१४।०९।२४	६०।१४	प्रदोषः, मन्वादि, नवंबर ११ ता. ३०, वृश्चिके बुधः २४।१५
छत्र	१३	गु	२३	३४	१६	११	उभा	०/५६	३२/३६	६/२९	५४/२८	ह	१७	२५	१३	४४	तै	२३	३४	१६	११	१९	४६	४१	११	१२	२	मेषे २९।२८	६।१५।०९।३८	६०।१७	पंचक समाप्तिः २९।२८, वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत समाप्तिः, H
वज्र	१४	शु	१७	३३	१३	४७	अश्वि	५१	४५	२७	२८	व	९	४३	१०	३९	व	१७	३३	१३	४७	१६	४६	४१	१२	१३	३	मेषे	६।१६।०९।५५	६०।१९	भ.१३।४७ उ. २४।२४ या., पूर्णिमाव्रतं, कार्तिक व्रतोद्यापनं, त्रिपुरोत्सव E
पूर्णिमा	१५	श	१०	१६	१०	५३	भर	४५	४६	२५	०५	सि	०/५१	५७/३९	७/२७	१०/३३	व	१०	१६	१०	५३	१२	४७	४०	१३	१४	४	वृषे ३०।२७	६।१७।१०।१४	६०।२१	मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, गोपद्मव्रत समाप्ति, नानक जयंती, B

[B भीष्म पंचक समाप्ति, कार्तिक स्नान पूर्तिः

अयनांशाः २४।०५।०९

पं.२८ का.शु. १ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	६	५	७	३	९
०२	०४	१०	०७	१२	२९	२६	२६
४४	१२	१८	५५	५०	३२	३८	३८
३३	००	५८	३०	५३	४१	२७	२७
५९	३७	९५	१३	७४	४	३	३
४०	५५	५२	०४	४३	५३	११	११
चि	उफा	स्वा	स्वा	ह	ज्ये	श्ले	ध
३	३	२	१	१	४	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अक्टू	मेष सायँ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला प्रातः	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०६।०२।१६।२६	१ शु	२०	५।४५	७।२१	९।१७	११।३२	१।५२	४।०९	६।२४	८।४४	११।०२	१।०७	२।५०	४।१९
०६।०३।१६।१५	२ श	२१	५।४१	७।१७	९।१३	११।२८	१।४८	४।०५	६।२०	८।४०	१०।५८	१।०३	२।४६	४।१५
०६।०४।१६।०६	३ र	२२	५।३७	७।१३	९।०९	११।२४	१।४४	४।०१	६।१७	८।३६	१०।५४	१२।५९	२।४२	४।११
०६।०५।१५।५९	४ चं	२३	५।३३	७।०९	९।०५	११।२०	१।४०	३।५७	६।१३	८।३२	१०।५०	१२।५५	२।३८	४।०७
०६।०६।१५।५४	४ मं	२४	५।२९	७।०५	९।०१	११।१६	१।३६	३।५३	६।०९	८।२८	१०।४६	१२।५१	२।३४	४।०३
०६।०७।१५।५२	५ बु	२५	५।२५	७।०१	८।५७	११।१२	१।३२	३।४९	६।०५	८।२४	१०।४२	१२।४७	२।३०	३।५९
०६।०८।१५।५२	६ गु	२६	५।२१	६।५७	८।५३	११।०८	१।२८	३।४५	६।०१	८।२०	१०।३८	१२।४३	२।२६	३।५५
०६।०९।१५।५४	७ शु	२७	५।१७	६।५३	८।४९	११।०४	१।२४	३।४१	५।५७	८।१६	१०।३५	१२।३९	२।२२	३।५१
०६।१०।१५।५९	८ श	२८	५।१३	६।४९	८।४५	११।००	१।२०	३।३७	५।५३	८।१२	१०।३१	१२।३५	२।१८	३।४७
०६।११।१६।०५	९ र	२९	५।०९	६।४५	८।४१	१०।५६	१।१६	३।३३	५।४९	८।०८	१०।२७	१२।३१	२।१४	३।४३
०६।१२।१६।१३	१० चं	३०	५।०५	६।४१	८।३७	१०।५२	१।१२	३।२९	५।४५	८।०४	१०।२३	१२।२७	२।११	३।३९
०६।१३।१६।२४	११ मं	३१	५।०१	६।३७	८।३४	१०।४८	१।०८	३।२५	५।४१	८।००	१०।१९	१२।२३	२।०७	३।३५
०६।१४।१६।३७	१२ बु	१	४।५७	६।३३	८।३०	१०।४४	१।०४	३।२१	५।३७	७।५६	१०।१५	१२।१९	२।०३	३।३१
०६।१५।१६।५२	१३ गु	२	४।५३	६।२९	८।२६	१०।४०	१।००	३।१७	५।३३	७।५२	१०।११	१२।१५	१।५९	३।२७
०६।१६।१७।०८	१४ शु	३	४।४९	६।२६	८।२२	१०।३६	१२।५७	३।१३	५।२९	७।४८	१०।०७	१२।११	१।५५	३।२३
०६।१७।१७।२७	१५ श	४	४।४५	६।२२	८।१८	१०।३३	१२।५३	३।०९	५।२५	७।४४	१०।०३	१२।०८	१।५१	३।१९

अयनांशाः २४।०५।१०

पं.२९ का.शु. ७ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	६	५	८	३	९
०९	०८	२१	०९	२१	००	२६	२६
४२	३७	१८	२७	३४	०८	१६	१६
५८	१९	०६	०८	४०	१९	११	११
५९	३७	९२	१३	७४	५	३	३
५४	५३	०८	०६	५७	२१	११	११
स्वा	उफा	वि	स्वा	ह	मू	श्ले	ध
१	४	१	१	४	१	३	१

अयनांशाः २४।०५।१०

पं.३० का.शु.१४ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	७	६	६	८	३	९
१६	१३	०१	१०	००	००	२५	२५
४२	०२	५३	५८	१९	४६	५३	५३
५९	२९	५९	४९	५६	५८	५६	५६
६०	३७	८९	१३	७५	५	३	३
०८	५२	०८	०६	०९	४५	१२	११
स्वा	ह	वि	स्वा	चि	मू	श्ले	ध
४	१	४	२	३	१	३	१

५ नवंबर से १८ नवंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धून्न	१	र	२	११	७	४०	कृति	३९	१६	२२	३०	व	४१	३७	२३	२६	कौ	२	११	७	४०	२७	६	५	१४	१५	५	वृषे	६।१८।१०।३४	६०।२३
क्षयः	२	र	५३	४७	२८	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०९	४८	३९	०	०	०	०	०	०
प्रवर्धमा	३	सो	४५	२६	२४	५९	रोहि	३२	४४	१९	५४	प	३१	४३	१९	३०	व	१९	३३	१४	३७	०५	४८	३९	१५	१६	६	मिथु. ३०।३९	६।१९।१०।५७	६०।२४
च.व्र.	४	मं	३७	३४	२१	५१	मृग	२६	३६	१७	२८	शि	२२	०८	१५	४०	ब	११	२४	११	२३	०२	४९	३८	१६	१७	७	मिथु.	६।२०।११।२१	६०।२६
मुसल	५	बु	३०	३२	१९	०३	आर्द्रा	२१	१४	१५	२०	सि	१३	१०	१२	०६	कौ	३	५४	८	२४	२६/५८	५०	३७	१७	१८	८	मिथु.	६।२१।११।४८	६०।२८
सिद्धि	६	गु	२४	३५	१६	४१	पुन	१६	५५	१३	३७	सा	५/५७	०१/५४	८/३०	५९/००	व	२४	३५	१६	४१	५५	५१	३७	१८	१९	९	कर्के ८।००	६।२२।१२।१६	६०।३०
उत्पात	७	शु	१९	५५	१४	४९	पुष्य	१३	४९	१२	२३	शु	५१	४६	२७	३४	ब	१९	५५	१४	४९	५२	५१	३६	१९	२०	१०	कर्के	६।२३।१२।४६	६०।३२
मानस	८	श	१६	३४	१३	३०	श्ले	१२	०१	११	४१	ब्र	४६	४३	२५	३३	कौ	१६	३४	१३	३०	४९	५२	३६	२०	२१	११	सिंहे ११।४१	६।२४।१३।१८	६०।३४
मुद्गर	९	र	१४	३१	१२	४१	मघा	११	३१	११	३०	ऐ	४२	३९	२३	५७	ग	१४	३१	१२	४१	४५	५३	३५	२१	२२	१२	सिंहे	६।२५।१३।५२	६०।३६
ध्वजा	१०	सो	१३	४५	१२	२४	पूफा	१२	१५	११	४८	वै	३९	३२	२२	४३	वि	१३	४५	१२	२४	४२	५४	३५	२२	२३	१३	कन्या १७।५७	६।२६।१४।२८	६०।३८
ए.व्र.	११	मं	१४	०८	१२	३४	उफा	१४	०६	१२	३३	वि	३७	१८	२१	५०	बा	१४	०८	१२	३४	३९	५४	३४	२३	२४	१४	कन्या	६।२७।१५।०६	६०।३९
प्र.व्र.	१२	बु	१५	३४	१३	०९	हस्त	१६	५९	१३	४३	प्री	३५	५०	२१	१५	तै	१५	३४	१३	०९	३६	५५	३४	२४	२५	१५	तुला. २६।२६	६।२८।१५।४५	६०।४१
चर	१३	गु	१८	००	१४	०८	चित्रा	२०	४८	१५	१५	आ	३५	०७	२०	५९	व	१८	००	१४	०८	३३	५६	३३	२५	२६	१६	तुला.	६।२९।१६।२६	६०।४३
गद	१४	शु	२१	२२	१५	३०	स्वा	२५	३१	१७	०९	सौ	३५	०४	२०	५८	श	२१	२२	१५	३०	३०	५७	३३	२६	२७	१७	तुला.	७।००।१७।०९	६०।४५
अमाव.	३०	श	२५	३६	१७	१२	विशा	३१	०३	१९	२३	शो	३५	४०	२१	१४	ना	२५	३६	१७	१२	२७	५८	३३	२७	२८	१८	वृश्चि. १२।४८	७।०१।१७।५४	६०।४६

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

[B समाप्तिः, वृश्चिके रविः १२।०५ (सौरः २४।१०)

[A सौभाग्य सुंदरी व्र., विशा. रविः १३।२४ (सौरः २६।१८),

भ. १४।३७ उ. २४।५९ या., गुरोरुदयः पूर्वस्याम् ९।०६ A

अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५०, C

स्वा. शुक्रः ८।०९

भ. १६।४१ उ. २७।४१ या.

कालभैरवाष्टमी

[C बुधोदयः पश्चिमायाम् १७।३६

भ. २४।२९ उ.

भ. १२।२४ या., ज्येष्ठा. बुधः १२।४६, स्वा.-३ गुरुः २७।१४

उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र., नेहरुजयन्ती (बालदिवस)

प्रदोषः

भ. १४।०८ उ. २६।४६ या., मासिकशिवरात्री व्र., आकाशदीप B

महाव्रतारंभः

देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., विशा. शुक्रः २३।०८

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०५।११

पं.३१ मा.कृ. ७ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	७	६	६	८	३	९
२३	१७	१२	१२	०९	०१	२५	२५
४४	२७	०७	३०	०६	२८	३१	३१
३२	३०	१४	०८	२५	१७	४०	४०
६०	३७	८५	१२	७५	६	३	३
२०	५१	०६	५९	१७	०६	११	११
वि	ह	अनु	स्वा	स्वा	मू	श्ले	ध
२	३	३	२	१	१	३	१

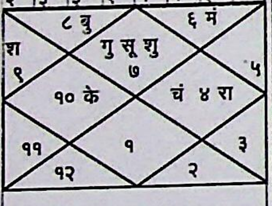

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ.	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।१८।१७।४८	१ र	५	४।४१	६।१८	८।१४	१०।२९	१२।४९	३।०६	५।२१	७।४०	९।५९	१२।०४	१।४७	३।१५
०६।१९।१८।११	३ चं	६	४।३८	६।१४	८।१०	१०।२५	१२।४५	३।०२	५।१७	७।३७	९।५५	१२।००	१।४३	३।११
०६।२०।१८।३६	४ मं	७	४।३४	६।१०	८।०६	१०।२१	१२।४१	२।५८	५।१३	७।३३	९।५१	११।५६	१।३९	३।०८
०६।२१।१९।०२	५ बु	८	४।३०	६।०६	८।०२	१०।१७	१२।३७	२।५४	५।०९	७।२९	९।४७	११।५२	१।३५	३।०४
०६।२२।१९।३१	६ गु	९	४।२६	६।०२	७।५८	१०।१३	१२।३३	२।५०	५।०६	७।२५	९।४३	११।४८	१।३१	३।००
०६।२३।२०।०२	७ शु	१०	४।२२	५।५८	७।५४	१०।०९	१२।२९	२।४६	५।०२	७।२१	९।३९	११।४४	१।२७	२।५६
०६।२४।२०।३४	८ श	११	४।१८	५।५४	७।५०	१०।०५	१२।२५	२।४२	४।५८	७।१७	९।३५	११।४०	१।२३	२।५२
०६।२५।२१।०८	९ र	१२	४।१४	५।५०	७।४६	१०।०१	१२।२१	२।३८	४।५४	७।१३	९।३१	११।३६	१।१९	२।४८
०६।२६।२१।४४	१० चं	१३	४।१०	५।४६	७।४२	९।५७	१२।१७	२।३४	४।५०	७।०९	९।२७	११।३२	१।१५	२।४४
०६।२७।२२।२२	११ मं	१४	४।०६	५।४२	७।३८	९।५३	१२।१३	२।३०	४।४६	७।०५	९।२४	११।२८	१।११	२।४०
०६।२८।२३।०२	१२ बु	१५	४।०२	५।३८	७।३४	९।४९	१२।०९	२।२६	४।४२	७।०१	९।२०	११।२४	१।०७	२।३६
०६।२९।२३।४३	१३ गु	१६	३।५८	५।३४	७।३०	९।४५	१२।०५	२।२२	४।३८	६।५७	९।१६	११।२०	१।०३	२।३२
०७।००।२४।२६	१४ शु	१७	३।५४	५।३०	७।२६	९।४१	१२।०१	२।१८	४।३४	६।५३	९।१२	११।१६	१।००	२।२८
०७।०१।२५।११	३० श	१८	३।५०	५।२६	७।२३	९।३७	११।५७	२।१४	४।३०	६।४९	९।०८	११।१२	१२।५६	२।२४

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०१७
मार्ग. कृ. १३ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १२।०५ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूल पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः बुधे (स्टै.) २९।४१ से गुरौ १२।०५ तक । (दान- दीप) ।

अयनांशाः २४।०५।१२

पं.३२ मा.कृ.१४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	६	६	८	३	९
००	२१	२१	१४	१७	०२	२५	२५
४७	५२	४१	००	५३	११	०९	०९
३१	२१	१३	३६	४८	५५	२३	२३
६०	३७	७६	१२	७५	६	३	३
३२	४९	३६	५०	२४	२४	११	११
वि	ह	ज्ये	स्वा	स्वा	मू	श्ले	ध
४	४	२	३	४	१	३	१

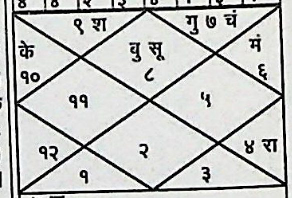

७ शु

१९ नवंबर से ३ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमा सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक																															केतकी अहर्गणः २४१९ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर-दिसंबर २०१७
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मृत्यु	१	र	३०	४०	१९	१५	अनु	३७	२२	२१	५५	अ	३६	५३	२१	४४	व	३०	४०	१९	१५	२६/२५	६/५८	५/३२	२८	२९	१९	वृश्चि.	७।०२।१८।४०	६०।४८	अनु. रविः १९।२५, चित्रा. भौमः १४।३६
पद्म	२	सो	३६	३०	२१	३५	ज्ये	४४	२४	२४	४५	सु	३८	३९	२२	२७	बा	३	२९	८	२३	२२	५९	३२	२९	३०	२०	धनु. २४।४५	७।०३।१९।२७	६०।४९	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), अनु. सौरः ७।१२
छत्र	३	मं	४२	५४	२४	१०	मूल	५१	५७	२७	४७	धृ	४०	५१	२३	२०	तै	९	३७	१०	५१	१९	०७/००	३२	३०	१	२१	धनु.	७।०४।२०।१७	६०।५१	रंभास्त्येयं, रविलावल ३ [A (बत्तीसी) पूर्णिमा, ज्येष्ठा. सौरः C
श्रीवत्स	४	बु	४९	३८	२६	५२	पूषा	५९	४५	३०	५५	शू	४३	१७	२४	१९	व	१६	१४	१३	३०	१६	०१	३१	१	२	२२	धनु.	७।०५।२१।०८	६०।५२	भ.१३।३० उ. २६।५२ या.,भा.मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः ८।४४
सौम्य	५	गु	५६	१४	२९	३१	उषा	...	...	...	...	गं	४५	४०	२५	१७	व	२२	५८	१६	१३	१४	०२	३१	२	३	२३	मक. १३।४२	७।०६।२२।००	६०।५४	उषा. रे. ६ ISIIISSSII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि, ६, ७,नागपंचमी
काल	६	शु	...	...	...	...	उषा	७	२०	९	५८	वृ	४७	३८	२६	०५	कौ	२९	१९	१८	४६	११	०२	३१	३	४	२४	मक.	७।०७।२२।५४	६०।५५	स्कंदषष्ठी, धनुषि मूले बुधः ११।२५
सुस्थिर	६	श	२	०९	७	५५	श्रव	१४	१४	१२	४५	ध्रु	४८	४५	२६	३३	तै	२	०९	७	५५	०९	०३	३१	४	५	२५	कुंभे २५।५७	७।०८।२३।५०	६०।५७	पंचक प्रारम्भः २५।५७ [C १०।१७, वक्री बुधः २५।२६
मातङ्ग	७	र	६	५३	९	४९	धनि	१९	५२	१५	०१	व्या	४८	४०	२६	३२	व	६	५३	९	४९	०७	०४	३१	५	६	२६	कुंभे	७।०९।२४।४६	६०।५८	भ. ९।४९ उ. २२।३१ या., वृश्चिके शुक्रः २२।०४
अमृत	८	सो	९	५१	११	०१	शत	२३	४५	१६	३४	ह	४७	०४	२५	५४	व	९	५१	११	०१	०४	०५	३०	६	७	२७	कुंभे	७।१०।२५।४५	६१।००	कल्पादि, मूले-२ शनिः १५।५२
काण	९	मं	१०	४४	११	२३	पूभा	२५	३३	१७	१९	व	४३	४५	२४	३५	कौ	१०	४४	११	२३	०२	०५	३०	७	८	२८	मीने ११।१३	७।११।२६।४४	६१।०१	उभा. रे. ६ SIIIIISSIS रात्रौ लग्न गोधूलि(२), ५, ८
लुम्बक	१०	बु	९	२१	१०	५१	उभा	२५	१०	१७	१०	सि	३८	४१	२२	३४	ग	९	२१	१०	५१	००	०६	३०	८	९	२९	मीने	७।१२।२७।४५	६१।०२	भ. २२।१५ उ., रेवत्यां रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न गोधूलि, B
ए.ब्र.	११	गु	५	४६	९	२६	रेव	२२	४०	१६	११	व्य	३१	५५	१९	५३	वि	५	४६	९	२६	२५/५८	०७	३०	९	१०	३०	मेषे १६।११	७।१३।२८।४७	६१।०४	भ. ९।२६ या.,पंचक समाप्तिः १६।११,मोक्षदा ११ व्र.,गीता जयंती
प्र.ब्र.	१२	शु	०	१२	७	१३	अश्वि	१८	१७	१४	२७	व	२३	४१	१६	३६	वा	०	१२	७	१३	५६	०८	३०	१०	११	१	मेषे	७।१४।२९।५१	६१।०५	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र., दिसंबर १२ ता. ३१
क्षयः	१३	शु	५३	००	२८	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B तुलायां भौमः २८।४९,स्वा.-४ गुरुः २१।५३,अनु.शुक्रः १३।४०
ध्वाङ्क्ष	१४	श	४४	३३	२४	५८	भर	१२	२३	१२	०६	प	१४	१३	१२	५०	ग	१८	५३	१४	४२	५४	०९	३०	११	१२	२	वृषे १७।२६	७।१५।३०।५६	६१।०६	भ. २४।५८ उ., पिशाच मोचन श्राद्धं, ज्येष्ठा. रविः २३।४१
पूर्णिमा	१५	र	३५	२०	२१	१७	कृति	५/५७	२६/१७	९/३०	२०/२०	शि	३/५३	५६/३५	२/२८	४४/४६	वि	९	५९	११	०९	५२	०९	३०	१२	१३	३	वृषे	७।१६।३२।०२	६१।०७	भ. ११।०९ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, द्वात्रिंशी A

अयनांशाः २४।०५।१३

पं.३३ मा.शु. ६ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	५	७	६	६	८	३	९
०७	२६	२९	१५	२६	०२	२४	२४
५१	१६	४९	२९	४१	५७	४७	४७
४७	५९	२८	४६	५२	३०	०७	०७
६०	३७	५७	१२	७५	६	३	३
४२	४७	४७	३६	२९	३९	११	११
अनु	चि	ज्ये	स्वा	वि	मू	श्ले	ध
२	१	४	३	३	१	३	१

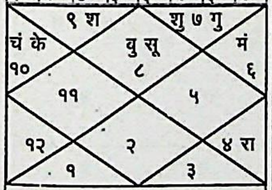

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०७।०२।२५।५७	१ र	१९	३।४६	५।२२	७।१९	९।३३	११।५३	२।१०	४।२६	६।४५	९।०४	११।०८	१२।५२	२।२०
०७।०३।२६।४५	२ चं	२०	३।४२	५।१८	७।१५	९।२९	११।४९	२।०६	४।२२	६।४१	९।००	११।०४	१२।४८	२।१६
०७।०४।२७।३५	३ मं	२१	३।३८	५।१५	७।११	९।२५	११।४६	२।०२	४।१८	६।३७	८।५६	११।००	१२।४४	२।१२
०७।०५।२८।२६	४ बु	२२	३।३४	५।११	७।०७	९।२२	११।४२	१।५८	४।१४	६।३३	८।५२	१०।५७	१२।४०	२।०८
०७।०६।२९।१९	५ गु	२३	३।३०	५।०७	७।०३	९।१८	११।३८	१।५४	४।१०	६।२९	८।४८	१०।५३	१२।३६	२।०४
०७।०७।३०।१३	६ शु	२४	३।२६	५।०३	६।५९	९।१४	११।३४	१।५१	४।०६	६।२६	८।४४	१०।४९	१२।३२	२।००
०७।०८।३१।०९	६ श	२५	३।२३	४।५९	६।५५	९।१०	११।३०	१।४७	४।०२	६।२२	८।४०	१०।४५	१२।२८	१।५७
०७।०९।३२।०६	७ र	२६	३।१९	४।५५	६।५१	९।०६	११।२६	१।४३	३।५८	६।१८	८।३६	१०।४१	१२।२४	१।५३
०७।१०।३३।०४	८ चं	२७	३।१५	४।५१	६।४७	९।०२	११।२२	१।३९	३।५५	६।१४	८।३२	१०।३७	१२।२०	१।४९
०७।११।३४।०४	९ मं	२८	३।११	४।४७	६।४३	८।५८	११।१८	१।३५	३।५१	६।१०	८।२८	१०।३३	१२।१६	१।४५
०७।१२।३५।०५	१० बु	२९	३।०७	४।४३	६।३९	८।५४	११।१४	१।३१	३।४७	६।०६	८।२४	१०।२९	१२।१२	१।४१
०७।१३।३६।०८	११ गु	३०	३।०३	४।३९	६।३५	८।५०	११।१०	१।२७	३।४३	६।०२	८।२०	१०।२५	१२।०८	१।३७
०७।१४।३७।११	१२ शु	१	२।५९	४।३५	६।३१	८।४६	११।०६	१।२३	३।३९	५।५८	८।१६	१०।२१	१२।०४	१।३३
०७।१५।३८।१६	१४ श	२	२।५५	४।३१	६।२७	८।४२	११।०२	१।१९	३।३५	५।५४	८।१३	१०।१७	१२।००	१।२९
०७।१६।३९।२३	१५ र	३	२।५१	४।२७	६।२३	८।३८	१०।५८	१।१५	३।३१	५।५०	८।०९	१०।१३	११।५६	१।२५

मास फलम्

इस माह मे पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं, यथा- एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः। कृष्णा चतुर्दशी में स्वाति होने से वर्षा का अभाव हो। शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो पिता-पुत्रों में पराङ्मुखता हो। अमावस्या विशाखा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शु. पंचमी गुरुवार होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा कृतिका युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। वृश्चिक राशि मे बुध का उदय होने से राजभय और सुभिक्ष हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।०५।१४

पं.३४ मा.शु.१२ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	८	६	७	८	३	९
१४	००	०४	१६	०५	०३	२४	२४
५७	४१	४७	५७	३०	४४	२४	२४
१२	२१	२५	०७	२३	३८	५१	५१
६०	३७	१६	१२	७५	६	३	३
५१	४५	११	१८	३२	५०	११	११
अनु	चि	मू	स्वा	अनु	मू	श्ले	ध
४	३	२	४	१	२	३	१

४ दिसंबर से १८ दिसंबर तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
आनन्द	१	सो	२५	५०	१७	३०	मृग	५०	२२	२७	१९	सा	४२	१९	२४	०६	बा	०	३४	७	२४	२५/५१	७/१०	५/३०	१३	१४	४	मिथु. १६।४९	७।१७।३३।०९	६१।०८
चर	२	मं	१६	३२	१३	४८	आर्द्रा	४३	१३	२४	२८	शु	३१	४३	१९	५२	ग	१६	३२	१३	४८	४९	११	३०	१४	१५	५	मिथु.	७।१८।३४।१७	६१।०९
च.व्र.	३	बु	७	५२	१०	२०	पुन	३६	५३	२१	५७	शु	२१	४६	१५	५४	वि	७	५२	१०	२०	४७	११	३०	१५	१६	६	कर्क १६।३२	७।१९।३५।२६	६१।१०
शुभ	४	गु	०	१४	७	१८	पुष्य	३१	४६	१९	५५	ब्र	१२	४२	१२	१७	बा	०	१४	७	१८	४६	१२	३१	१६	१७	७	कर्क	७।२०।३६।३७	६१।११
क्षयः	५	गु	५३	५८	२८	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मृत्यु	६	शु	४९	१४	२६	५४	श्ले	२८	०७	१८	२८	ऐ	४/५८	४७/११	४/३०	२६/२९	ग	२१	२२	१५	४६	४५	१३	३१	१७	१८	८	सिंहे १८।२८	७।२१।३७।४८	६१।१२
पद्म	७	श	४६	११	२५	४२	मघा	२६	०७	१७	४०	वि	५२	५४	२८	२३	वि	१७	२९	१४	१३	४३	१४	३१	१८	१९	९	सिंहे	७।२२।३९।००	६१।१३
छत्र	८	र	४४	५३	२५	१२	पूफा	२५	४७	१७	३३	प्री	४८	५८	२६	४९	बा	१५	१८	१३	२१	४२	१४	३१	१९	२०	१०	कन्या २३।३८	७।२३।४०।१३	६१।१४
श्रीवत्स	९	सो	४५	१४	२५	२१	उफा	२७	०६	१८	०६	आ	४६	१८	२५	४६	तै	१४	५०	१३	११	४१	१५	३१	२०	२१	११	कन्या	७।२४।४१।२८	६१।१५
सौम्य	१०	मं	४७	०७	२६	०६	हस्त	२९	५७	१९	१४	सौ	४४	५०	२५	१२	व	१५	५८	१३	३९	४०	१६	३२	२१	२२	१२	कन्या	७।२५।४२।४३	६१।१६
ए.व्र.	११	बु	५०	२०	२७	२४	चित्रा	३४	०७	२०	५५	शो	४४	२१	२५	०१	ब	१८	३३	१४	४१	३९	१६	३२	२२	२३	१३	तुला. ८।०१	७।२६।४३।५८	६१।१७
सुस्थिर	१२	गु	५४	३७	२९	०८	स्वा	३९	२२	२३	०२	अ	४४	४२	२५	१०	कौ	२२	२१	१६	१३	३९	१७	३२	२३	२४	१४	तुला.	७।२७।४५।१५	६१।१७
प्र.व्र.	१३	शु	५९	४६	३१	१२	विशा	४५	३०	२५	२९	सु	४५	४४	२५	३५	ग	२७	०६	१८	०८	३८	१८	३३	२४	२५	१५	वृश्चि. १८।५१	७।२८।४६।३२	६१।१८
अमृत	१४	श	...	...	...	...	अनु	५२	१५	२८	१२	धृ	४७	१४	२६	१२	वि	३२	३४	२०	२०	३७	१८	३३	२५	२६	१६	वृश्चि.	७।२९।४७।५०	६१।१९
काण	१४	र	५	३२	९	३१	ज्ये	५९	२८	३१	०६	शू	४९	०७	२६	५८	श	५	३२	९	३१	३७	१९	३३	२६	२७	१७	धनु. ३१।०६	८।००।४९।०९	६१।१९
अमाव.	३०	सो	११	४४	१२	०१	मूल	...	...	...	...	गं	५१	१५	२७	४९	ना	११	४४	१२	०१	३६	१९	३४	२७	२८	१८	धनु.	८।०१।५०।२८	६१।२०

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर २०१७

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मृगे रे. ६ ।ऽ।।ऽऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न गोधूलि(२), ५
भ. २४।०१ उ., शनेरस्तः पश्चिमायाम् २०।१२
भ. १०।२० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३८, बुधास्तः B
[B पश्चिमायाम् २६।४५
[A १२।०४, विशा.-१ गुरुः १६।००
भ. २६।५४ उ.
भ. १४।१३ या., ज्येष्ठा. शुक्रः २७।५८
स्वा. भौमः १९।२९, (व) वृश्चिके ज्येष्ठा. बुधः २८।५३
शुक्रास्तः पूर्वस्याम् १८।४२
भ. १३।३९ उ. २६।०६ या.
सफला ११ व्र.
सुरुप द्वादशी १२
भ. ३१।१२ उ., प्रदोषः, धनुषि मूले रविः २६।४०
भ. २०।२० या., मासिकशिवरात्री व्र., धनुषि मूले सौरः A
पितृकार्येऽमा., कुहूः, बुधोदयः पूर्वस्याम् २२।०८
देवकार्येऽमा., सोमवती अमा.

शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. दिसं	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन सायँ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु प्रातः	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०७।१७।४०।३०	१ चं	४	२।४७	४।२३	६।१९	८।३४	१०।५४	१।११	३।२७	५।४६	८।०५	१०।०९	११।५२	१।२१
०७।१८।४१।३८	२ मं	५	२।४३	४।१९	६।१५	८।३०	१०।५०	१।०७	३।२३	५।४२	८।०१	१०।०५	११।४९	१।१७
०७।१९।४२।४८	३ बु	६	२।३९	४।१५	६।१२	८।२६	१०।४६	१।०३	३।१९	५।३८	७।५७	१०।०१	११।४५	१।१३
०७।२०।४३।५८	४ गु	७	२।३५	४।११	६।०८	८।२२	१०।४२	१२।५९	३।१५	५।३४	७।५३	९।५७	११।४१	१।०९
०७।२१।४५।१०	६ शु	८	२।३१	४।०७	६।०४	८।१८	१०।३८	१२।५५	३।११	५।३०	७।४९	९।५३	११।३७	१।०५
०७।२२।४६।२२	७ श	९	२।२७	४।०४	६।००	८।१४	१०।३५	१२।५१	३।०७	५।२६	७।४५	९।४९	११।३३	१।०१
०७।२३।४७।३६	८ र	१०	२।२३	४।००	५।५६	८।११	१०।३१	१२।४७	३।०३	५।२२	७।४१	९।४६	११।२९	१२।५७
०७।२४।४८।५०	९ चं	११	२।१९	३।५६	५।५२	८।०७	१०।२७	१२।४३	२।५९	५।१८	७।३७	९।४२	११।२५	१२।५३
०७।२५।५०।०५	१० मं	१२	२।१५	३।५२	५।४८	८।०३	१०।२३	१२।४०	२।५५	५।१५	७।३३	९।३८	११।२१	१२।४९
०७।२६।५१।२१	११ बु	१३	२।१२	३।४८	५।४४	७।५९	१०।१९	१२।३६	२।५१	५।११	७।२९	९।३४	११।१७	१२।४६
०७।२७।५२।३८	१२ गु	१४	२।०८	३।४४	५।४०	७।५५	१०।१५	१२।३२	२।४७	५।०७	७।२५	९।३०	११।१३	१२।४२
०७।२८।५३।५६	१३ शु	१५	२।०४	३।४०	५।३६	७।५१	१०।११	१२।२८	२।४४	५।०३	७।२१	९।२६	११।०९	१२।३८
०७।२९।५५।१४	१४ श	१६	२।००	३।३६	५।३२	७।४७	१०।०७	१२।२४	२।४०	४।५९	७।१७	९।२२	११।०५	१२।३४
०८।००।५६।३३	१४ र	१७	१।५६	३।३२	५।२८	७।४३	१०।०३	१२।२०	२।३६	४।५५	७।१३	९।१८	११।०१	१२।३०
०८।०१।५७।५२	३० चं	१८	१।५२	३।२८	५।२४	७।३९	९।५९	१२।१६	२।३२	४।५१	७।०९	९।१४	१०।५७	१२।२६

अयनांशाः २४।०५।१५

पं.३५ पौ.कृ. ६ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	८	६	७	८	३	९
२२	०५	०३	१८	१४	०४	२४	२४
०३	०५	११	२२	१९	३२	०२	०२
३५	२५	१३	१०	१०	५७	३५	३५
६०	३७	५६	११	७५	६	३	३
५९	४२	५९	५६	३३	५८	११	११
ज्ये	चि	मू	स्वा	अनु	मू	श्ले	घ
२	४	१व	४	४	२	३	१

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २०१७
पौष कृ. १३ भृगौ धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. २६।४० वारात् २ नक्षत्रात् ४ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २६।४० से शनौ ९।०४ तक। (दान- वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०५।१६

पं.३६ पौ.कृ.१३ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	७	६	७	८	३	९
२९	०९	२४	१९	२३	०५	२३	२३
१०	२९	२१	४४	०८	२२	४०	४०
४४	०४	४६	२३	०७	०३	१९	१९
६१	३७	७६	११	७५	७	३	३
०४	३८	१३	२९	३४	०३	११	११
ज्ये	स्वा	ज्ये	स्वा	ज्ये	मू	श्ले	ध
४	१	३व	४	२	२	३	१

७ गु

१९ दिसंबर से २ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमा सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	मं	१८	१५	१४	३८	मूल	६	५८	१०	०७	वृ	५३	३१	२८	४४	व	१८	१५	१४	३८	२५/३६	७/२०	५/३४	२८	२९	१९	धनु.	८।०२।५१।४८	६१।२०
श्रीवत्स	२	बु	२४	५४	१७	१८	पूषा	१४	३६	१३	११	ध्रु	५५	४७	२९	३९	कौ	२४	५४	१७	१८	३६	२०	३५	२९	१	२०	मक. १९।५७	८।०३।५३।०९	६१।२१
सौम्य	३	गु	३१	२२	१९	५४	उषा	२२	१०	१६	१३	व्या	५७	५०	३०	२९	ग	३१	२२	१९	५४	३६	२१	३५	३०	२	२१	मक.	८।०४।५४।३०	६१।२१
धूम्र	४	शु	३७	२३	२२	१९	श्रव	२९	२०	१९	०५	ह	५९	२५	३१	०७	व	४	२८	९	०९	३६	२१	३६	१	३	२२	मक.	८।०५।५५।५१	६१।२२
प्रवर्धमा	५	श	४२	३१	२४	२२	धनि	३५	४२	२१	३९	व	...	...	...	...	व	१०	०४	११	२४	३६	२२	३६	२	४	२३	कुंभे ८।२५	८।०६।५७।१३	६१।२२
राक्षस	६	र	४६	१८	२५	५४	शत	४०	५०	२३	४२	द	०/५९	१२/५६	७/३१	३७/२१	कौ	१४	३६	१३	१३	३६	२२	३७	३	५	२४	कुंभे	८।०७।५८।३५	६१।२३
मुसल	७	सो	४८	२२	२६	४३	पूभा	४४	२१	२५	०७	व्य	५८	१७	३०	४२	ग	१७	३३	१४	२४	३६	२३	३७	४	६	२५	मीने १८।५०	८।०८।५९।५८	६१।२३
सिद्धि	८	मं	४८	२४	२६	४५	उभा	४५	५७	२५	४६	व	५५	०५	२९	२५	वि	१८	३७	१४	५०	३७	२३	३८	५	७	२६	मीने	८।१०।०१।२०	६१।२३
उत्पात	९	बु	४६	२०	२५	५६	रेव	४५	३०	२५	३६	प	५०	१३	२७	२९	वा	१७	३७	१४	२६	३७	२४	३९	६	८	२७	मेषे २५।३६	८।११।०२।४३	६१।२३
मानस	१०	गु	४२	१२	२४	१७	अश्वि	४३	०२	२४	३७	शि	४३	४५	२४	५४	तै	१४	३०	१३	१२	३८	२४	३९	७	९	२८	मेषे	८।१२।०४।०७	६१।२३
ए.व्र.	११	शु	३६	१४	२१	५४	भर	३८	४४	२२	५४	सि	३५	४७	२१	४३	व	९	२५	११	११	३९	२४	४०	८	१०	२९	वृषे २८।२२	८।१३।०५।३०	६१।२४
ध्वजा	१२	श	२८	४३	१८	५४	कृति	३२	५७	२०	३५	सा	२६	३५	१८	०३	व	२	३८	८	२८	४०	२५	४१	९	११	३०	वृषे	८।१४।०६।५४	६१।२४
प्र.व्र.	१३	र	२०	०५	१५	२७	रोहि	२६	०४	१७	५१	शु	१६	२७	१४	००	तै	२०	०५	१५	२७	४०	२५	४१	१०	१२	३१	मिथु. २८।२२	८।१५।०८।१७	६१।२४
आनन्द	१४	सो	१०	४५	११	४३	मृग	१८	३३	१४	५०	शु	५/५४	४३/४६	९/२१	४३/२०	व	१०	४५	११	४३	४१	२५	४२	११	१३	१	मिथु.	८।१६।०९।४१	६१।२४
पूर्णिमा	१५	मं	१	११	७	५४	आर्द्रा	१०	५१	११	४६	ऐ	४३	५६	२५	००	व	१	११	७	५४	४३	२६	४३	१२	१४	२	कर्क २७।३२	८।१७।११।०५	६१।२४

केतकी अहर्गणः २४४९ हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे, दिसं.२०१७-जन. १८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टैं.टा.में है ।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
रविलास्वर ४, धनुषि मूले शुक्रः १८।१०
सायन मकरे भानुः, सायन उत्तरायण प्रारम्भ २२।०३, A
भ. ९।०९ उ. २२।१९ या., भा. पोषारंभः, अयन करिदिन
पंचक प्रारम्भः ८।२५, मार्गी बुधः १८।००
[A श्लेषा.-२ राहुः १६।३५, श्रव.-४ केतुः १६।३५
भ. २६।४३ उ., बडादिन, मूले-३ शनिः ३०।५८
भ. १४।५० या., शांकभरी यात्रा
पंचक समाप्तिः २५।३६
पूषा. रविः २८।५१ [C सौरः १३।०४
भ. ११।११ उ. २१।५४ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि, पूषा. C
[B जनवरी १ ता. ३१ सन २०१८ ई.
प्रदोषः, विशा. भौमः २६।४९, पूषा. शुक्रः ८।२०
भ. ११।४३ उ. २१।४९ या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, B
पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नानारंभः

अयनांशाः २४।०५।१७

पं.३७ पौ.शु. ४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	७	६	८	८	३	९
०६	१३	१८	२१	०१	०६	२३	२३
१८	५२	५२	०३	५७	११	१८	१८
२६	१५	२६	१५	०५	३३	०३	०३
६१	३७	४	१०	७५	७	३	३
०८	३३	१८	५७	३४	०५	११	११
मू	स्वा	ज्ये	वि	मू	मू	श्ले	श्र
२	३	१व	१	१	२	२	४

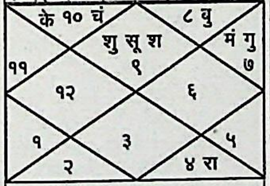

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

व्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०८।०२।५९।१२	१ मं	१९	१।४८	३।२४	५।२०	७।३५	९।५५	१२।१२	२।२८	४।४७	७।०५	९।१०	१०।५३	१२।२२
०८।०४।००।३३	२ बु	२०	१।४४	३।२०	५।१६	७।३१	९।५१	१२।०८	२।२४	४।४३	७।०२	९।०६	१०।४९	१२।१८
०८।०५।०१।५४	३ गु	२१	१।४०	३।१६	५।१२	७।२७	९।४७	१२।०४	२।२०	४।३९	६।५८	९।०२	१०।४५	१२।१४
०८।०६।०३।१५	४ शु	२२	१।३६	३।१२	५।०८	७।२३	९।४३	१२।००	२।१६	४।३५	६।५४	८।५८	१०।४१	१२।१०
०८।०७।०४।३७	५ श	२३	१।३२	३।०८	५।०४	७।१९	९।३९	११।५६	२।१२	४।३१	६।५०	८।५४	१०।३८	१२।०६
०८।०८।०६।००	६ र	२४	१।२८	३।०४	५।०१	७।१५	९।३५	११।५२	२।०८	४।२७	६।४६	८।५०	१०।३४	१२।०२
०८।०९।०७।२२	७ चं	२५	१।२४	३।००	४।५७	७।११	९।३१	११।४८	२।०४	४।२३	६।४२	८।४६	१०।३०	११।५८
०८।१०।०८।४५	८ मं	२६	१।२०	२।५६	४।५३	७।०७	९।२७	११।४४	२।००	४।१९	६।३८	८।४२	१०।२६	११।५४
०८।११।१०।०८	९ बु	२७	१।१६	२।५३	४।४९	७।०३	९।२४	११।४०	१।५६	४।१५	६।३४	८।३८	१०।२२	११।५०
०८।१२।११।३२	१० गु	२८	१।१२	२।४९	४।४५	७।००	९।२०	११।३६	१।५२	४।११	६।३०	८।३५	१०।१८	११।४६
०८।१३।१२।५५	११ शु	२९	१।०८	२।४५	४।४१	६।५६	९।१६	११।३३	१।४८	४।०७	६।२६	८।३१	१०।१४	११।४२
०८।१४।१४।१९	१२ श	३०	१।०५	२।४१	४।३७	६।५२	९।१२	११।२९	१।४४	४।०४	६।२२	८।२७	१०।१०	११।३८
०८।१५।१५।४३	१३ र	३१	१।०१	२।३७	४।३३	६।४८	९।०८	११।२५	१।४०	४।००	६।१८	८।२३	१०।०६	११।३५
०८।१६।१७।०७	१४ चं	१	१२।५७	२।३३	४।२९	६।४४	९।०४	११।२१	१।३६	३।५६	६।१४	८।१९	१०।०२	११।३१
०८।१७।१८।३०	१५ मं	२	१२।५३	२।२९	४।२५	६।४०	९।००	११।१७	१।३३	३।५२	६।१०	८।१५	९।५८	११।२७

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो और पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो । सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रवल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो । अमावस्या मूल योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है । शु. सप्तमी सोमवार होने से भैंसो में रोग पीड़ा वहुत हो । पूर्णिमा आर्द्रा युक्त होने से महर्घता हो । पौष की पूर्णिमा को पुष्य का अभाव होने से महर्धता हो । शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुस्ती हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हो, गाय भैस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

अयनांशाः २४।०५।१७

पं.३८ पौ.शु.११ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	७	६	८	८	३	९
१३	१८	२१	२२	१०	०७	२२	२२
२६	१४	१७	१८	४६	०१	५५	५५
३०	५१	४८	१०	००	०१	४७	४७
६१	३७	४७	१०	७५	७	३	३
१०	२७	०६	२१	३३	०३	११	११
पूषा	स्वा	ज्ये	वि	मू	मू	श्ले	श्र
१	४	२	१	४	३	२	४

३ जनवरी से १७ जनवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमासू. सू. तारीख																												स्टै.	प्रातः	दैनिक
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	मं	५१	५१	२८	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
गद	२	बु	४३	०७	२४	४१	पुन	३/५६	२७/४२	८/३०	४९/४९	वै	३३	३४	२०	५२	तै	१७	२२	१४	२३	३५/४४	७/२६	५/४३	१३	१५	३	कर्के	८।१८।१२।२९	६१।२३
अमृत	३	गु	३५	२५	२१	३६	श्ले	५१	१५	२७	५६	वि	२३	५९	१७	०२	व	९	०७	११	०५	४५	२६	४४	१४	१६	४	सिंहे २७।५६	८।१९।१३।५२	६१।२४
च.व्र.	४	शु	२९	०७	१९	०५	मघा	४७	०९	२६	१८	प्री	१५	२८	१३	३७	ब	२	०४	८	१६	४६	२६	४५	१५	१७	५	सिंहे	८।२०।१५।१६	६१।२३
लुम्बक	५	श	२४	२७	१७	१३	पूफा	४४	४६	२५	२१	आ	८	१४	१०	४४	तै	२४	२७	१७	१३	४८	२६	४५	१६	१८	६	कन्या ३१।१३	८।२१।१६।३९	६१।२३
मित्र	६	र	२१	३९	१६	०६	उफा	४४	१६	२५	०९	सौ	२/५८	२७/१२	८/३०	२५/४३	व	२१	३९	१६	०६	४९	२६	४६	१७	१९	७	कन्या	८।२२।१८।०२	६१।२३
वज्र	७	सो	२०	५०	१५	४६	हस्त	४५	४१	२५	४३	अ	५५	२९	२९	३८	व	२०	५०	१५	४६	५१	२७	४७	१८	२०	८	कन्या	८।२३।१९।२५	६१।२३
ध्वाङ्क्ष	८	मं	२१	५८	१६	१४	चित्रा	४८	५६	२७	०१	सु	५४	११	२९	०७	कौ	२१	५८	१६	१४	५३	२७	४८	१९	२१	९	तुला. १४।१७	८।२४।२०।४८	६१।२२
धूम्र	९	बु	२४	५५	१७	२५	स्वा	५३	४८	२८	५८	धृ	५४	०९	२९	०६	ग	२४	५५	१७	२५	५५	२७	४९	२०	२२	१०	तुला.	८।२५।२२।१०	६१।२२
प्रवर्धमा	१०	गु	२९	२१	१९	११	विशा	५९	५८	३१	२६	शू	५५	०९	२९	३०	वि	२९	२१	१९	११	५७	२७	४९	२१	२३	११	वृश्चि. २४।४६	८।२६।२३।३२	६१।२२
ए.व्र.	११	शु	३४	५६	२१	२५	अनु	...	...	...	...	गं	५६	५१	३०	११	व	२	०१	८	१५	५९	२७	५०	२२	२४	१२	वृश्चि.	८।२७।२४।५४	६१।२१
अमृत	१२	श	४१	१४	२३	५६	अनु	७	००	१०	१५	वृ	५८	५९	३१	०२	कौ	८	०१	१०	३९	२६/०१	२७	५१	२३	२५	१३	वृश्चि.	८।२८।२६।१५	६१।२१
प्र.व्र.	१३	र	४७	५१	२६	३५	ज्ये	१४	३२	१३	१५	ध्रु	...	...	...	...	ग	१४	३२	१३	१५	०३	२७	५२	२४	२६	१४	धनु. १३।१५	८।२९।२७।३६	६१।२०
लुम्बक	१४	सो	५४	२७	२९	१३	मूल	२२	१२	१६	१९	ध्रु	१	१६	७	५७	वि	२१	१०	१५	५५	०५	२६	५२	२५	२७	१५	धनु.	९।००।२८।५६	६१।२०
मित्र	३०	मं	...	...	...	...	पूषा	२९	४५	१९	२०	व्या	३	३२	८	५१	च	२७	४२	१८	३१	०७	२६	५३	२६	२८	१६	मक. २६।०५	९।०१।३०।१५	६१।१९
अमाव.	३०	बु	०	५०	७	४६	उषा	३७	००	२२	१४	ह	५	३७	९	४१	ना	०	५०	७	४६	१०	२६	५४	२७	२९	१७	मक.	९।०२।३१।३४	६१।१८

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोपकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A हरगणपति व्र., विशा.-२ गुरुः १०।३७

[B पूषा. बुधः १९।५२

भ. ११।०५ उ. २१।३६ या., सौभाग्य सुन्दरी व्र., संकट A

तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २१।३३, गौरी चतुर्थी

धनुषि मूले बुधः २०।४३

भ. १६।०६ उ. २७।५१ या., शनेरुदयः पूर्वस्याम् १३।२४

स्वामी विवेकानन्द जयंती

[C निरयन उत्तरायनारंभः

भ. ३०।१४ उ., उषा. रविः ३०।४८, उषा. शुक्रः २२।३५

भ. १९।११ या., उषा. सौरः १३।५३

षट्तिला ११ व्र.

तिल द्वादशी, मकरे शुक्रः १४।१०

भ. २६।३५ उ., प्रदोषः, मकरे रविः १३।१९ (सौरः २०।०७), C

भ. १५।५५ या., मासिकशिवरात्री व्र., सक्रान्ति करिदिन

पितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि. वृश्चिके भौमः २९।०४, B

देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०५।१८

पं.३९ मा.कृ. ४ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	७	६	८	८	३	९
२०	२२	२८	२३	१९	०७	२२	२२
३४	३६	०८	२८	३४	५०	३३	३३
४१	४४	५७	२८	४८	२२	३२	३२
६१	३७	७०	९	७५	६	३	३
१०	२१	४५	४१	३२	५८	१२	११
पूषा	वि	ज्ये	वि	पूषा	मू	श्ले	श्र
३	१	४	२	२	३	२	४

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०८।१८।१९।५४	२ बु	३	१२।४९	२।२५	४।२१	६।३६	८।५६	११।१३	१।२९	३।४८	६।०६	८।११	९।५४	११।२३
०८।१९।२१।१८	३ गु	४	१२।४५	२।२१	४।१७	६।३२	८।५२	११।०९	१।२५	३।४४	६।०२	८।०७	९।५०	११।१९
०८।२०।२२।४२	४ शु	५	१२।४१	२।१७	४।१३	६।२८	८।४८	११।०५	१।२१	३।४०	५।५८	८।०३	९।४६	११।१५
०८।२१।२४।०५	५ श	६	१२।३७	२।१३	४।०९	६।२४	८।४४	११।०१	१।१७	३।३६	५।५४	७।५९	९।४२	११।११
०८।२२।२५।२८	६ र	७	१२।३३	२।०९	४।०५	६।२०	८।४०	१०।५७	१।१३	३।३२	५।५१	७।५५	९।३८	११।०७
०८।२३।२६।५१	७ चं	८	१२।२९	२।०५	४।०१	६।१६	८।३६	१०।५३	१।०९	३।२८	५।४७	७।५१	९।३४	११।०३
०८।२४।२८।१४	८ मं	९	१२।२५	२।०१	३।५७	६।१२	८।३२	१०।४९	१।०५	३।२४	५।४३	७।४७	९।३१	१०।५९
०८।२५।२९।३६	९ बु	१०	१२।२१	१।५७	३।५४	६।०८	८।२८	१०।४५	१।०१	३।२०	५।३९	७।४३	९।२७	१०।५५
०८।२६।३०।५८	१० गु	११	१२।१७	१।५३	३।५०	६।०४	८।२४	१०।४१	१२।५७	३।१६	५।३५	७।३९	९।२३	१०।५१
०८।२७।३२।२०	११ शु	१२	१२।१३	१।४९	३।४६	६।००	८।२०	१०।३७	१२।५३	३।१२	५।३१	७।३५	९।१९	१०।४७
०८।२८।३३।४१	१२ श	१३	१२।०९	१।४५	३।४२	५।५६	८।१७	१०।३३	१२।४९	३।०८	५।२७	७।३१	९।१५	१०।४३
०८।२९।३५।०२	१३ र	१४	१२।०५	१।४२	३।३८	५।५२	८।१३	१०।२९	१२।४५	३।०४	५।२३	७।२८	९।११	१०।३९
०९।००।३६।२२	१४ चं	१५	१२।०१	१।३८	३।३४	५।४९	८।०९	१०।२५	१२।४१	३।००	५।१९	७।२४	९।०७	१०।३५
०९।०१।३७।४२	३० मं	१६	११।५७	१।३४	३।३०	५।४५	८।०५	१०।२२	१२।३७	२।५६	५।१५	७।२०	९।०३	१०।३१
०९।०२।३९।०१	३० बु	१७	११।५४	१।३०	३।२६	५।४१	८।०१	१०।१८	१२।३३	२।५३	५।११	७।१६	८।५९	१०।२८

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०१८

माघ कृ. १३ रवौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १३।१९ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १३।१९ से २९।१९ तक। (दान- काष्ट - अन्न)।

अयनांशाः २४।०५।१९

पं.४० मा.कृ.११ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	८	६	८	८	३	९
२७	२६	०७	२४	२८	०८	२२	२२
४२	५७	०२	३३	२३	३८	११	११
४६	४७	०८	४९	२३	३८	१६	१६
६१	३७	८१	८	७५	६	३	३
०८	१३	५४	५३	२९	४८	११	११
उषा	वि	मू	वि	उषा	मू	श्ले	श्र
१	३	३	२	१	३	२	४

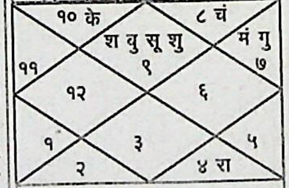

१८ जनवरी से ३१ जनवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	केतकी अहर्गणः २४७९ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी २०१८ — यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
ध्वजा	१	गु	६	४८	१०	०९	श्रव	४३	४६	२४	५६	व	७	२२	१०	२३	ब	६	४८	१०	०९	२६/१२	७/२६	५/५५	२८	३०	१८	मक.	९।०३।३२।५३	६१।१८	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री वल्लभ जयंती
धाता	२	शु	१२	१२	१२	१९	घनि	४९	५२	२७	२३	सि	८	४३	१०	५५	कौ	१२	१२	१२	१९	१५	२६	५६	२९	१	१९	कुंभे १४।१२	९।०४।३४।११	६१।१७	पंचक प्रारम्भः १४।१२, जमादिलावल ५
आनन्द	३	श	१६	४८	१४	०९	शत	५५	०५	२९	२८	व्य	९	२६	११	१२	ग	१६	४८	१४	०९	१७	२६	५७	३०	२	२०	कुंभे	९।०५।३५।२८	६१।१६	भ. २६।५५ उ., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, C
चर	४	र	२०	२१	१५	३४	पूभा	५९	०९	३१	०५	व	९	२७	११	१२	वि	२०	२१	१५	३४	२०	२५	५७	१	३	२१	मीने २४।४४	९।०६।३६।४४	६१।१६	भ. १५।३४ या., भा. माघारंभः, अभि.प्र. सौरः ८।४२, श्रव. F
वसंत	५	सो	२२	३५	१६	२७	उभा	...	...	...	...	प	८	२८	१०	४९	वा	२२	३५	१६	२७	२३	२५	५८	२	४	२२	मीने	९।०७।३७।५९	६१।१५	वसन्त पञ्चमी, अनु. भौमः १४।३४ [F शुक्रः १२।५८
सिद्धि	६	मं	२३	१८	१६	४४	उभा	१	५०	८	०९	शि	६	२३	९	५८	तै	२३	१८	१६	४४	२५	२५	५९	३	५	२३	मीने	९।०८।३९।१४	६१।१४	नेताजी जयन्ती [C अभि.प्र.रविः२६।२६, सायन कुंभे भानुः ८।३७
उत्पात	७	बु	२२	२१	१६	२१	रेव	२	५७	८	३५	सि	३/५८	०२/२२	८/३०	३७/४५	व	२२	२१	१६	२१	२८	२५	६/००	४	६	२४	मेषे ८।३५	९।०९।४०।२८	६१।१३	भ. १६।२१ उ. २७।५४ या., पंचक समाप्तिः ८।३५, मन्वादि, A
मानस	८	गु	१९	४१	१५	१७	अश्वि	२	२५	८	२२	शु	५२	२२	२८	२१	ब	१९	४१	१५	१७	३१	२४	०१	५	७	२५	मेषे	९।१०।४१।४१	६१।१२	भीष्माष्टमी, अभि.नि. सौरः ११।५८, उषा. बुधः २०।३३
मुद्गर	९	शु	१५	२४	१३	३४	भर	०/५६	१५/३३	७/३०	३०/०१	शु	४५	०९	२५	२७	कौ	१५	२४	१३	३४	३४	२४	०२	६	८	२६	वृषे १३।११	९।११।४२।५३	६१।११	गणराज्यदिवस [A पुत्र ७, रथ ७, अचला ७, श्रव. रविः D
श्रीवत्स	१०	श	९	३९	११	१५	रोहि	५१	३६	२८	०२	ब्र	३६	५०	२२	०७	ग	९	३९	११	१५	३७	२३	०२	७	९	२७	वृषे	९।१२।४४।०४	६१।१०	भ. २१।५४ उ., मकरे बुधः २४।४३, विशा.-३ गुरुः २८।२९
ए.ब्र.	११	र	२	४०	८	२७	मृग	४५	४०	२५	३९	ऐ	२७	४०	१८	२७	वि	२	४०	८	२७	४०	२३	०३	८	१०	२८	मिथु. १४।५३	९।१३।४५।१४	६१।०९	भ. ८।२७ या., जया ११ व्र., भीष्मद्वादशी
क्षयः	१२	र	५४	४४	२९	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[D ९।०४ (सौरः १५।०४), अभि.नि. रविः ३०।०२, बुधास्तः E
प्र.ब्र.	१३	सो	४६	१५	२५	५३	आर्द्रा	३९	०६	२३	०१	वै	१७	५१	१४	३१	कौ	२०	३३	१५	३६	४४	२३	०४	९	११	२९	मिथु.	९।१४।४६।२३	६१।०८	प्रदोषः, कल्पादि [E पूर्वस्याम् १६।५२, मूले-४ शनिः १३।३१
सुस्थिर	१४	मं	३७	३४	२२	२४	पुन	३२	१६	२०	१६	वि	७/५७	४३/३२	१०/३०	२७/२३	ग	११	५६	१२	०८	४७	२२	०५	१०	१२	३०	कर्के १४।५८	९।१५।४७।३१	६१।०७	भ.२२।२४ उ. [B व्रतंपुण्यञ्च, माघस्नान पूर्त्तिः,धनि.शुक्रः २७।३७
पूर्णिमा	१५	बु	२९	०३	१८	५९	पुष्य	२५	३४	१७	३५	आ	४७	३८	२६	२५	वि	३	१७	८	४०	५०	२२	०६	११	१३	३१	कर्के	९।१६।४८।३८	६१।०६	भ. ८।४० या., ग्रस्तोदयं सग्रासं चन्द्रग्रहणम्, पूर्णिमा B

अयनांशाः २४।०५।२०

पं.४१ मा.शु. २ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	८	६	९	८	३	९
०४	०१	१६	२५	०७	०९	२१	२१
५०	१७	५४	३३	११	२५	४९	४९
३३	५१	३८	२७	४२	४२	०१	०१
६१	३७	८७	८	७५	६	३	३
०४	०४	४२	०१	२७	३६	११	११
उषा	वि	पूषा	वि	उषा	मू	श्ले	श्र
३	४	२	२	४	३	२	४

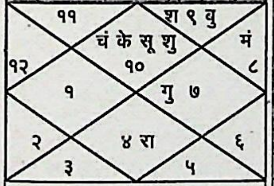

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।०३।४०।१९	१ गु	१८	११।५०	१।२६	३।२२	५।३७	७।५७	१०।१४	१२।२९	२।४९	५।०७	७।१२	८।५५	१०।२४
०९।०४।४१।३७	२ शु	१९	११।४६	१।२२	३।१८	५।३३	७।५३	१०।१०	१२।२६	२।४५	५।०३	७।०८	८।५१	१०।२०
०९।०५।४२।५४	३ श	२०	११।४२	१।१८	३।१४	५।२९	७।४९	१०।०६	१२।२२	२।४१	४।५९	७।०४	८।४७	१०।१६
०९।०६।४४।१०	४ र	२१	११।३८	१।१४	३।१०	५।२५	७।४५	१०।०२	१२।१८	२।३७	४।५५	७।००	८।४३	१०।१२
०९।०७।४५।२६	५ चं	२२	११।३४	१।१०	३।०६	५।२१	७।४१	९।५८	१२।१४	२।३३	४।५१	६।५६	८।३९	१०।०८
०९।०८।४६।४१	६ मं	२३	११।३०	१।०६	३।०२	५।१७	७।३७	९।५४	१२।१०	२।२९	४।४७	६।५२	८।३५	१०।०४
०९।०९।४७।५४	७ बु	२४	११।२६	१।०२	२।५८	५।१३	७।३३	९।५०	१२।०६	२।२५	४।४४	६।४८	८।३१	१०।००
०९।१०।४९।०७	८ गु	२५	११।२२	१२।५८	२।५४	५।०९	७।२९	९।४६	१२।०२	२।२१	४।४०	६।४४	८।२७	९।५६
०९।११।५०।१९	९ शु	२६	११।१८	१२।५४	२।५०	५।०५	७।२५	९।४२	११।५८	२।१७	४।३६	६।४०	८।२४	९।५२
०९।१२।५१।३०	१० श	२७	११।१४	१२।५०	२।४६	५।०१	७।२१	९।३८	११।५४	२।१३	४।३२	६।३६	८।२०	९।४८
०९।१३।५२।४०	११ र	२८	११।१०	१२।४६	२।४३	४।५७	७।१७	९।३४	११।५०	२।०९	४।२८	६।३२	८।१६	९।४४
०९।१४।५३।४९	१३ चं	२९	११।०६	१२।४२	२।३९	४।५३	७।१३	९।३०	११।४६	२।०५	४।२४	६।२८	८।१२	९।४०
०९।१५।५४।५७	१४ मं	३०	११।०२	१२।३८	२।३५	४।४९	७।१०	९।२६	११।४२	२।०१	४।२०	६।२४	८।०८	९।३६
०९।१६।५६।०४	१५ बु	३१	१०।५८	१२।३५	२।३१	४।४५	७।०६	९।२२	११।३८	१।५७	४।१६	६।२१	८।०४	९।३२

माघ मास फलम् -

चन्द्रग्रहण, ता. ३१ जन. २०१८, बुधवार, संवत् २०७४ ॥ इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो । मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो । मगलवारी अमावस होने से राज्यभ्रंश, राजयुद्ध-क्लेशों की वृद्धि-उपघात-अल्पवृष्टि और द्रव्यों की हानि हो । अमावस्या पूर्वाषाढा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है । बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दुःख-स्थानत्याग और कम धान्य हों । उत्तराषाढा में शुक्र होने से लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, रोगों की उत्पत्ति हो । रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों ।

अयनांशाः २४।०५।२१

पं.४२ मा.शु. ९ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	८	६	९	८	३	९
११	०५	२७	२६	१५	१०	२१	२१
५७	३६	२१	२६	५९	११	२६	२६
४८	४६	१७	५०	३६	१०	४६	४६
६०	३६	९१	७	७५	६	३	३
५९	५३	५४	०५	२३	२१	११	११
श्र	अनु	उषा	वि	श्र	मू	श्ले	श्र
१	१	१	२	२	४	२	४

१ फरवरी से १५ फरवरी तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
अमृत	१	गु	२१	०५	१५	४७	श्ले	१९	२५	१५	०७	सौ	३८	१७	२२	४०	कौ	२१	०५	१५	४७	२६ ५३	७ २१	६ ०६	१२	१४	१	सिंहे १५।०७	९।१७।४९।४३	६१।०४
काण	२	शु	१४	०४	१२	५८	मघा	१४	१०	१३	०१	शो	२९	४८	११	१६	ग	१४	०४	१२	५८	५७	२१	०७	१३	१५	२	सिंहे	९।१८।५०।४८	६१।०३
च.व्र.	३	श	८	२०	१०	४०	पूफा	१०	१३	११	२५	अ	२२	२८	१६	११	वि	८	२०	१०	४०	२७ ००	२०	०८	१४	१६	३	कन्या १७।०७	९।१९।५१।५१	६१।०२
मित्र	४	र	४	१४	९	०१	उफा	७	५२	१०	२८	सु	१६	२८	१३	५५	बा	४	१४	९	०१	०३	११	०९	१५	१७	४	कन्या	९।२०।५२।५३	६१।०१
वज्र	५	सो	२	००	८	०७	हस्त	७	२१	१०	१५	धृ	११	५८	१२	०६	तै	२	००	८	०७	०७	११	१०	१६	१८	५	तुला. २२।२७	९।२१।५३।५४	६१।००
ध्वाङ्क्ष	६	मं	१	४७	८	०१	चित्रा	८	५०	१०	५०	शू	९	०५	१०	५६	व	१	४७	८	०१	१०	१८	१०	१७	१९	६	तुला.	९।२२।५४।५४	६०।५८
धूम्र	७	बु	३	३८	८	४५	स्वा	१२	१७	१२	१२	गं	७	४६	१०	२४	व	३	३८	८	४५	१४	१८	११	१८	२०	७	तुला.	९।२३।५५।५२	६०।५७
प्रवर्धमा	८	गु	७	२०	१०	१३	विशा	१७	३०	१४	१७	वृ	७	५१	१०	२५	कौ	७	२०	१०	१३	१८	१७	१२	१९	२१	८	वृश्चि. ७।४२	९।२४।५६।४९	६०।५५
राक्षस	९	शु	१२	३७	१२	११	अनु	२४	०७	१६	५५	ध्रु	९	०६	१०	५५	ग	१२	३७	१२	११	२१	१६	१३	२०	२२	९	वृश्चि.	९।२५।५७।४४	६०।५४
नुसल	१०	श	१८	५४	१४	४९	ज्ये	३१	३७	१९	५४	व्या	११	१०	११	४३	वि	१८	५४	१४	४९	२५	१५	१३	२१	२३	१०	धनु. ११।५४	९।२६।५८।३८	६०।५३
ए.व्र.	११	र	२५	४०	१७	३१	मूल	३९	२७	२३	०२	ह	१३	३६	१२	४१	बा	२५	४०	१७	३१	२९	१५	१४	२२	२४	११	धनु.	९।२७।५९।३०	६०।५१
उत्पात	१२	सो	३२	२०	२०	१०	पूषा	४७	०७	२६	०५	व	१६	०१	१३	३९	तै	३२	२०	२०	१०	३२	१४	१५	२३	२५	१२	धनु.	९।२९।००।२१	६०।४९
प्र.व्र.	१३	मं	३८	३०	२२	३७	उषा	५४	१५	२८	५५	सि	१८	१०	१४	२९	ग	५	३१	९	२६	३६	१३	१६	२४	२६	१३	मक. ८।४९	१०।००।०१।११	६०।४८
शिवरा.	१४	बु	४३	५५	२४	४७	श्रव	...	...	...	...	व्य	१९	४९	१५	०८	वि	११	२०	११	४४	४०	१२	१६	२५	२७	१४	मक.	१०।०१।०१।५९	६०।४६
अमाव.	३०	गु	४८	२५	२६	३४	श्रव	०	३९	७	२७	व	२०	४९	१५	३१	च	१६	१८	१३	४३	४४	१२	१७	२६	२८	१५	कुंभे २०।३५	१०।०२।०२।४५	६०।४५

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

ग्रहण-करिदिन, फरवरी २ ता. २८

भ. २३।४५ उ.

भ. १०।४० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१८, B

[B श्रव. बुधः ८।३८

शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

भ. ८।०१ उ. २०।१६ या., शुक्रोदयः पश्चिमायाम् २०।४४ A

[A धनि. रविः १२।११ (सौरः १७।११), कुंभे शुक्रः ११।०६,

भ. २५।३२ उ., रामदास ९

भ. १४।४९ या.

विजया ११ व्र., धनि. बुधः ८।००, शत. शुक्रः १८।५१

कुंभे रविः २६।१३ (सौरः ३०।४५)

भ. २२।३७ उ., प्रदोषः, ज्येष्ठा. भौमः ९।५८

भ. ११।४४ या., महाशिवरात्री व्रतम्, कुंभे बुधः २७।०८

पंचक प्रारम्भः २०।३५, देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०५।२२

प. ४३ फा.कृ. २ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	९	६	९	८	३	९
१९	०९	०८	२७	२४	१०	२१	२१
०४	५४	१८	१३	४७	५४	०४	०४
१९	२१	०८	१८	०१	३९	३१	३१
६०	३६	९६	६	७५	६	३	३
५२	४०	३७	०३	१८	०२	११	११
श्र	अनु	उषा	वि	ध	मू	श्ले	श्र
३	२	४	३	१	४	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. फर.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह सायँ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ प्रातः	मीन दिवा
०९।१७।५७।१०	१ गु	१	१०।५४	१२।३१	२।२७	४।४२	७।०२	९।१८	११।३४	१।५३	४।१२	६।१७	८।००	९।२८
०९।१८।५८।१४	२ शु	२	१०।५०	१२।२७	२।२३	४।३८	६।५८	९।१५	११।३०	१।४९	४।०८	६।१३	७।५६	९।२४
०९।१९।५९।१७	३ श	३	१०।४७	१२।२३	२।१९	४।३४	६।५४	९।११	११।२६	१।४६	४।०४	६।०९	७।५२	९।२१
०९।२१।००।१९	४ र	४	१०।४३	१२।१९	२।१५	४।३०	६।५०	९।०७	११।२२	१।४२	४।००	६।०५	७।४८	९।१७
०९।२२।०१।२०	५ चं	५	१०।३९	१२।१५	२।११	४।२६	६।४६	९।०३	११।१९	१।३८	३।५६	६।०१	७।४४	९।१३
०९।२३।०२।१९	६ मं	६	१०।३५	१२।११	२।०७	४।२२	६।४२	८।५९	११।१५	१।३४	३।५२	५।५७	७।४०	९।०९
०९।२४।०३।१७	७ बु	७	१०।३१	१२।०७	२।०३	४।१८	६।३८	८।५५	११।११	१।३०	३।४८	५।५३	७।३६	९।०५
०९।२५।०४।१४	८ गु	८	१०।२७	१२।०३	१।५९	४।१४	६।३४	८।५१	११।०७	१।२६	३।४४	५।४९	७।३२	९।०१
०९।२६।०५।०९	९ शु	९	१०।२३	११।५९	१।५५	४।१०	६।३०	८।४७	११।०३	१।२२	३।४०	५।४५	७।२८	८।५७
०९।२७।०६।०३	१० श	१०	१०।१९	११।५५	१।५१	४।०६	६।२६	८।४३	१०।५९	१।१८	३।३७	५।४१	७।२४	८।५३
०९।२८।०६।५६	११ र	११	१०।१५	११।५१	१।४७	४।०२	६।२२	८।३९	१०।५५	१।१४	३।३३	५।३७	७।२०	८।४९
०९।२९।०७।४६	१२ चं	१२	१०।११	११।४७	१।४३	३।५८	६।१८	८।३५	१०।५१	१।१०	३।२९	५।३३	७।१७	८।४५
१०।००।०८।३६	१३ मं	१३	१०।०७	११।४३	१।३९	३।५४	६।१४	८।३१	१०।४७	१।०६	३।२५	५।२९	७।१३	८।४१
१०।०१।०९।२४	१४ बु	१४	१०।०३	११।३९	१।३६	३।५०	६।१०	८।२७	१०।४३	१।०२	३।२१	५।२५	७।०९	८।३७
१०।०२।१०।१०	३० गु	१५	९।५९	११।३५	१।३२	३।४६	६।०६	८।२३	१०।३९	१२।५८	३।१७	५।२१	७।०५	८।३३

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २०१८ फा. कृ. १२ चंद्रे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २६।१३ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (वैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १९।४९ से २६।१३ तक। (दान- गोड़ - अन्न)।

अयनांशाः २४।०५।२३

प. ४४ फा.कृ. ९ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	९	६	१०	८	३	९
२६	१४	१९	२७	०३	११	२०	२०
०९	१०	५१	५२	३३	३५	४२	४२
५५	२१	१२	२१	४७	४७	१६	१६
६०	३६	१०२	४	७५	५	३	३
४३	२६	२०	५६	१२	४०	११	११
ध	अनु	श्र	वि	ध	मू	श्ले	श्र
१	४	३	३	४	४	२	४

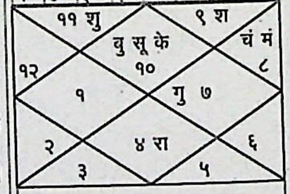

१६ फरवरी से १ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९, दिनासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धाता	१	शु	५१	५३	२७	५६	धनि	६	०७	९	३८	प	२१	०४	१५	३६	किं	२०	१८	१५	१८	२७/४७	७/११	६/१२	२७	२९	१६	कुंभे	१०।०३।०३।३०	६०।४३
फुलरि.	२	श	५४	१६	२८	५२	शत	१०	३६	११	२४	शि	२०	३१	१५	२२	वा	२३	१४	१६	२७	५१	१०	१९	२८	३०	१७	मीने ३०।२८	१०।०४।०४।१३	६०।४१
चर	३	र	५५	३०	२९	२१	पूभा	१४	००	१२	४५	सि	१९	०७	१४	४८	तै	२५	०३	१७	१०	५५	०९	१९	२९	१	१८	मीने	१०।०५।०४।५४	६०।४०
गद	४	सो	५५	३२	२९	२१	उभा	१६	१८	१३	३९	सा	१६	५०	१३	५२	व	२५	४१	१७	२५	५९	०८	२०	३०	२	१९	मीने	१०।०६।०५।३४	६०।३८
शुभ	५	मं	५४	२४	२८	५३	रेव	१७	२७	१४	०६	शु	१३	३८	१२	३५	व	२५	०८	१७	११	२८/०३	०७	२१	१	३	२०	मेषे १४।०६	१०।०७।०६।१२	६०।३६
मृत्यु	६	बु	५२	०६	२७	५७	अश्वि	१७	२६	१४	०५	शु	९	३१	१०	५५	कौ	२३	२४	१६	२८	०७	०६	२१	२	४	२१	मेषे	१०।०८।०६।४८	६०।३४
पद्म	७	गु	४८	४१	२६	३४	भर	१६	१९	१३	३७	ब्र	४/५८	३०/३४	८/३०	५३/३१	ग	२०	३३	१५	१९	११	०६	२२	३	५	२२	वृषे १९।२६	१०।०९।०७।२२	६०।३३
होलाष्ट.	८	शु	४४	१५	२४	४७	कृति	१४	०९	१२	४४	वै	५१	५४	२७	५०	वि	१६	३७	१३	४३	१५	०५	२३	४	६	२३	वृषे	१०।१०।०७।५५	६०।३१
श्रीवत्स	९	श	३८	५६	२२	३८	रोहि	११	०१	११	२८	वि	४४	३१	२४	५२	वा	११	४३	११	४५	१९	०४	२३	५	७	२४	मिथु. २२।४३	१०।११।०८।२६	६०।२९
सौम्य	१०	र	३२	५१	२०	११	मृग	७	०५	९	५३	प्री	३६	३३	२१	४०	तै	६	००	९	२७	२३	०३	२४	६	८	२५	मिथु.	१०।१२।०८।५५	६०।२७
ए.व्र.	११	सो	२६	१२	१७	३१	आर्द्रा	२/५७	२९/३३	८/२९	०१/५९	आ	२८	०७	१८	१७	वि	२६	१२	१७	३१	२७	०२	२५	७	९	२६	कर्के २४।३०	१०।१३।०९।२२	६०।२५
प्र.व्र.	१२	मं	१९	१२	१४	४१	पुष्य	५२	०७	२७	५१	सौ	१९	२५	१४	४७	वा	१९	१२	१४	४१	३१	०१	२५	८	१०	२७	कर्के	१०।१४।०९।४७	६०।२३
राक्षस	१३	बु	१२	०४	११	४९	श्ले	४६	५४	२५	४६	शो	१०	३७	११	१५	तै	१२	०४	११	४९	३५	००	२६	९	११	२८	सिंहे २५।४६	१०।१५।१०।१०	६०।२१
होली	१४	गु	५	०८	९	०२	मघा	४२	०५	२३	४९	अ	१	५८	७	४६	व	५	०८	९	०२	३९	६	२६	१०	१२	१	सिंहे	१०।१६।१०।३२	६०।१९
क्षयः	१५	गु	५८	३८	३०	२६	०	०	०	०	०	सु	५३	३९	२८	२६	०	०	०	०	०	०	५९	०	०	०	०	० ०	०	०

केतकी अहर्गणः २५०८ शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे, फरवरी-मार्च २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
[C सायन मीने भानुः २२।३९, शत. बुधः १९।३९
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
उभा. रे. ८ SIIIISIIII रात्रौ लग्न ८, जमादिलास्वर ६, C
भ. १७।२५ उ. २९।२१ या., शत. रविः १६।३९ (सौरः २०।४६)
पंचक समाप्तिः १४।०६, याज्ञवल्क्य जयंती, भा. फाल्गुनारंभः
[D श्रव.-३ केतुः १४।१५
भ.२६।३४ उ., पूभा. शुक्रः १०।२०, श्लेषा.-१ राहुः १४।१५, D
भ. १३।४३ या., होलाष्टक
[E भद्रा के बाद
भ. ३०।५२ उ., पूभा. बुधः २३।०७
भ. १७।३१ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल थापणा E
प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (खाटु)
[B करिदिन, मार्च ३ ता. ३१, पूषा.-१ शनिः २३।२२
भ. ९।०२ उ. १९।४२ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A
[A जेलपोणी भद्रा के पहिले, होलिका दहनं भद्रोत्तरम्, B

अयनांशाः २४।०५।२४

पं.४५ फा.शु. १ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	१०	६	१०	८	३	९
०३	१८	०२	२८	१२	१२	२०	२०
१४	२४	०५	२३	१९	१४	२०	२०
२६	३२	३०	२४	४६	११	०१	०१
६०	३६	१०८	३	७५	५	३	३
३३	०९	१५	४६	०४	१५	११	११
ध	ज्ये	ध	वि	श	मू	श्ले	श्र
३	१	३	३	२	४	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।०३।१०।५४	१ शु	१६	९।५५	११।३१	१।२८	३।४२	६।०३	८।१९	१०।३५	१२।५४	३।१३	५।१७	७।०१	८।२९
१०।०४।११।३७	२ श	१७	९।५१	११।२८	१।२४	३।३९	५।५९	८।१५	१०।३१	१२।५०	३।०९	५।१४	६।५७	८।२५
१०।०५।१२।१८	३ र	१८	९।४७	११।२४	१।२०	३।३५	५।५५	८।११	१०।२७	१२।४६	३।०५	५।१०	६।५३	८।२१
१०।०६।१२।५८	४ चं	१९	९।४३	११।२०	१।१६	३।३१	५।५१	८।०८	१०।२३	१२।४२	३।०१	५।०६	६।४९	८।१७
१०।०७।१३।३६	५ मं	२०	९।४०	११।१६	१।१२	३।२७	५।४७	८।०४	१०।१९	१२।३९	२।५७	५।०२	६।४५	८।१४
१०।०८।१४।१२	६ बु	२१	९।३६	११।१२	१।०८	३।२३	५।४३	८।००	१०।१५	१२।३५	२।५३	४।५८	६।४१	८।१०
१०।०९।१४।४६	७ गु	२२	९।३२	११।०८	१।०४	३।१९	५।३९	७।५६	१०।१२	१२।३१	२।४९	४।५४	६।३७	८।०६
१०।१०।१५।१९	८ शु	२३	९।२८	११।०४	१।००	३।१५	५।३५	७।५२	१०।०८	१२।२७	२।४५	४।५०	६।३३	८।०२
१०।११।१५।४९	९ श	२४	९।२४	११।००	१२।५६	३।११	५।३१	७।४८	१०।०४	१२।२३	२।४१	४।४६	६।२९	७।५८
१०।१२।१६।१८	१० र	२५	९।२०	१०।५६	१२।५२	३।०७	५।२७	७।४४	१०।००	१२।१९	२।३७	४।४२	६।२५	७।५४
१०।१३।१६।४५	११ चं	२६	९।१६	१०।५२	१२।४८	३।०३	५।२३	७।४०	९।५६	१२।१५	२।३३	४।३८	६।२१	७।५०
१०।१४।१७।१०	१२ मं	२७	९।१२	१०।४८	१२।४४	२।५९	५।१९	७।३६	९।५२	१२।११	२।३०	४।३४	६।१७	७।४६
१०।१५।१७।३३	१३ बु	२८	९।०८	१०।४४	१२।४०	२।५५	५।१५	७।३२	९।४८	१२।०७	२।२६	४।३०	६।१३	७।४२
१०।१६।१७।५४	१४ गु	१	९।०४	१०।४०	१२।३६	२।५१	५।११	७।२८	९।४४	१२।०३	२।२२	४।२६	६।१०	७।३८

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०१८
चैत्र कृ. १२ बुधे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।०१ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २३।०१ से २९।२५ तक । (दानभूमि माला) ।

अयनांशाः २४।०५।२५

पं.४६ फा.शु. ८ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	१०	६	१०	८	३	९
१०	२२	१४	२८	२१	१२	१९	१९
१७	३६	५८	४५	०४	४९	५७	५७
४३	३६	१३	५९	४९	३०	४६	४६
६०	३५	११२	२	७४	४	३	३
२२	४९	४५	३०	५५	४६	१०	१०
श	ज्ये	श	वि	पूभा	मू	श्ले	श्र
२	२	३	३	१	४	१	३

२ मार्च से १७ मार्च तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०७४, शाकः १९३९. दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छारेंडी	१	शु	५३	००	२८	१०	पूफा	३७	५८	२२	०९	धृ	४६	०२	२५	२३	वा	२५	४३	१७	१५	२८ ४३	६ ५८	६ २७	११	१३	२	कन्या २७।४८	१०।१७।१०।५१	६०।१७
उत्पात	२	श	४८	३३	२६	२२	उफा	३४	५६	२०	५५	शू	३९	१९	२२	४०	तै	२०	३७	१५	१२	४७	५७	२८	१२	१४	३	कन्या	१०।१८।११।०९	६०।१५
मानस	३	र	४५	३५	२५	१०	हस्त	३३	१९	२०	१५	गं	३३	४६	२०	२६	व	१६	५३	१३	४१	५२	५६	२८	१३	१५	४	कन्या	१०।१९।११।२४	६०।१३
च.ब्र.	४	सो	४४	२३	२४	४०	चित्रा	३३	२२	२०	१५	वृ	२९	३५	१८	४५	ब	१४	४७	१२	४९	५६	५५	२९	१४	१६	५	तुला. ८।१०	१०।२०।११।३७	६०।११
ध्वजा	५	मं	४५	०८	२४	५७	स्वा	३५	१६	२१	००	ध्रु	२६	५३	१७	३९	कौ	१४	३३	१२	४३	२९ ००	५४	३०	१५	१७	६	तुला.	१०।२१।११।४९	६०।०९
घाता	६	बु	४७	५०	२६	००	विशा	३९	०५	२२	३१	व्या	२५	४३	१७	१०	ग	१६	१६	१३	२३	०४	५३	३०	१६	१८	७	वृश्चि. १६।०४	१०।२२।११।५८	६०।०७
आनन्द	७	गु	५२	१८	२७	४७	अनु	४४	३७	२४	४२	ह	२५	५७	१७	१४	वि	१९	५३	१४	४९	०८	५१	३१	१७	१९	८	वृश्चि.	१०।२३।१२।०५	६०।०५
शीतला	८	शु	५८	०६	३०	०५	ज्ये	५१	३१	२७	२७	व	२७	२३	१७	४८	बा	२५	०५	१६	५३	१२	५०	३१	१८	२०	९	धनु. २७।२७	१०।२४।१२।१०	६०।०३
गद	९	श	...	...	...	...	मूल	५९	१२	३०	३०	सि	२९	३६	१८	४०	तै	३१	२२	१९	२२	१६	४९	३२	१९	२१	१०	धनु.	१०।२५।१२।१४	६०।०१
शुभ	९	र	४	४४	८	४२	पूषा	...	...	...	...	व्य	३२	०८	१९	३९	ग	४	४४	८	४२	२१	४८	३२	२०	२२	११	धनु.	१०।२६।१२।१४	५९।५९
उत्पात	१०	सो	११	२३	११	२१	पूषा	७	०४	९	३७	व	३४	३३	२०	३६	वि	११	२३	११	२१	२५	४७	३३	२१	२३	१२	मक. १६।२२	१०।२७।१२।१३	५९।५७
ए.ब्र.	११	मं	१७	३२	१३	४७	उषा	१४	२५	१२	३२	प	३६	२७	२१	२१	बा	१७	३२	१३	४७	२९	४६	३४	२२	२४	१३	मक.	१०।२८।१२।१०	५९।५४
प्र.ब्र.	१२	बु	२२	४०	१५	४९	श्रव	२०	५१	१५	०५	शि	३७	३२	२१	४६	तै	२२	४०	१५	४९	३३	४५	३४	२३	२५	१४	कुंभे २८।१२	१०।२९।१२।०४	५९।५२
श्रीवत्स	१३	गु	२६	३३	१७	२१	घनि	२६	०५	१७	१०	सि	३७	३७	२१	४७	व	२६	३३	१७	२१	३७	४४	३५	२४	२६	१५	कुंभे	११।००।११।५७	५९।५०
सौम्य	१४	शु	२९	००	१८	१९	शत	२९	५८	१८	४२	सा	३६	३८	२१	२२	श	२९	००	१८	१९	४१	४३	३५	२५	२७	१६	कुंभे	११।०१।११।४७	५९।४८
अमाव.	३०	श	३०	०३	१८	४३	पूभा	३२	२९	१९	४१	शु	३४	३५	२०	३१	ना	३०	०३	१८	४३	४६	४२	३६	२६	२८	१७	मीने १३।२९	११।०२।११।३५	५९।४६

वसंततूर् रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
उफा. रे. ९ ||||S||||| रात्रौ लग्न ८, ९, वसन्त १, छारेंडी A
उफा. रे. ९ ||||S||||| रात्रौ लग्न गोधूलि(५)
भ.१३।४१ उ. २५।१० या.,कल्पादि, पूभा.रविः २२।५६ (सौरः D
स्वातौ रे. ६ |||||S|SSS रात्रौ लग्न ६, ८, ९, चतुर्थीव्रतं E
स्वातौ रे. ८ |||||||SS| रात्रौ लग्न गोधूलि(५), ६
भ. २६।०० उ., धनुषि मूले भौमः १८।३७
भ.१४।४९ या. [D २६।१७),उभा.बुधः २५।५६, उभा.शुक्रः २६।४५
शीतला पूजनं, वक्री गुरुः २०।०६
[A देशाचारे, करिदिन, मीने बुधः ३०।२७, बुधोदयः C
भ. २२।०२ उ. [C पश्चिमायाम् १२।५४, मीने शुक्रः १०।३४
भ. ११।२१ या. [E चन्द्रोदयः २१।५७
पापमोचनी ११ व्र., रेव. बुधः ११।२५
पंचक प्रारम्भः २८।१२, प्रदोषः, मीने रविः २३।०१ (सौरः २५।५७)
भ. १७।२१ उ. २९।५४ या., मासिकशिवरात्री व्र., वारुणी B
[B योग १७।१० से १७।२१ तक, रेव. शुक्रः २०।०७
देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः २५३७, चक्र ७, मन्वादि

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१०।१७।१८।१३	१ शु	२	९।००	१०।३६	१२।३३	२।४७	५।०७	७।२४	९।४०	११।५९	२।१८	४।२२	६।०६	७।३४
१०।१८।१८।३१	२ श	३	८।५६	१०।३२	१२।२९	२।४३	५।०३	७।२०	९।३६	११।५५	२।१४	४।१८	६।०२	७।३०
१०।१९।१८।४६	३ र	४	८।५२	१०।२८	१२।२५	२।३९	४।५९	७।१६	९।३२	११।५१	२।१०	४।१४	५।५८	७।२६
१०।२०।१८।५९	४ चं	५	८।४८	१०।२५	१२।२१	२।३५	४।५६	७।१२	९।२८	११।४७	२।०६	४।१०	५।५४	७।२२
१०।२१।१९।१०	५ मं	६	८।४४	१०।२१	१२।१७	२।३२	४।५२	७।०८	९।२४	११।४३	२।०२	४।०७	५।५०	७।१८
१०।२२।१९।१९	६ बु	७	८।४०	१०।१७	१२।१३	२।२८	४।४८	७।०५	९।२०	११।३९	१।५८	४।०३	५।४६	७।१४
१०।२३।१९।२७	७ गु	८	८।३७	१०।१३	१२।०९	२।२४	४।४४	७।०१	९।१६	११।३६	१।५४	३।५९	५।४२	७।१०
१०।२४।१९।३१	८ शु	९	८।३३	१०।०९	१२।०५	२।२०	४।४०	६।५७	९।१२	११।३२	१।५०	३।५५	५।३८	७।०७
१०।२५।१९।३४	९ श	१०	८।२९	१०।०५	१२।०१	२।१६	४।३६	६।५३	९।०९	११।२८	१।४६	३।५१	५।३४	७।०३
१०।२६।१९।३५	९ र	११	८।२५	१०।०१	११।५७	२।१२	४।३२	६।४९	९।०५	११।२४	१।४२	३।४७	५।३०	६।५९
१०।२७।१९।३४	१० चं	१२	८।२१	९।५७	११।५३	२।०८	४।२८	६।४५	९।०१	११।२०	१।३८	३।४३	५।२६	६।५५
१०।२८।१९।३०	११ मं	१३	८।१७	९।५३	११।४९	२।०४	४।२४	६।४१	८।५७	११।१६	१।३४	३।३९	५।२२	६।५१
१०।२९।१९।२४	१२ बु	१४	८।१३	९।४९	११।४५	२।००	४।२०	६।३७	८।५३	११।१२	१।३०	३।३५	५।१८	६।४७
११।००।१९।१६	१३ गु	१५	८।०९	९।४५	११।४१	१।५६	४।१६	६।३३	८।४९	११।०८	१।२७	३।३१	५।१४	६।४३
११।०१।१९।०६	१४ शु	१६	८।०५	९।४१	११।३७	१।५२	४।१२	६।२९	८।४५	११।०४	१।२३	३।२७	५।१०	६।३९
११।०२।१८।५४	३० श	१७	८।०१	९।३७	११।३३	१।४८	४।०८	६।२५	८।४१	११।००	१।१९	३।२३	५।०६	६।३५

अयनांशाः २४।०५।२५

पं.४७ चै.कृ. १ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	१०	६	१०	८	३	९
१७	२६	२८	२८	२९	१३	१९	१९
१९	४६	१०	५९	४८	२१	३५	३५
३८	१३	१९	४३	४६	२२	३२	३२
६०	३५	११२	१	७४	४	३	३
०९	२६	००	१४	४५	१५	११	११
श	ज्ये	पूभा	वि	पूभा	पूषा	श्ले	श्र
४	४	३	३	३	१	१	३

अयनांशाः २४।०५।२६

पं.४८ चै.कृ. ८ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	८	११	६	११	८	३	९
२४	००	१०	२९	०८	१३	१९	१९
२०	५२	३६	०४	३१	४९	१३	१३
०४	५९	४७	२२	२९	३१	१८	१८
५९	३४	९४	०	७४	३	३	३
५६	५९	५०	०५	३४	४२	११	११
पूभा	मू	उभा	वि	उभा	पूषा	श्ले	श्र
२	१	३	३व	२	१	१	३

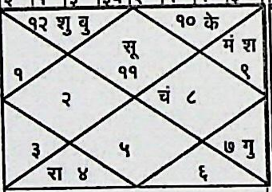

अयनांशाः २४।०५।२७

पं.४९ चै.कृ.१४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	८	११	६	११	८	३	९
०१	०४	१९	२८	१७	१४	१८	१८
१८	५६	४३	५९	१२	१३	५१	५१
५७	२४	२५	४८	५२	३७	०३	०३
५९	३४	५१	१	७४	३	३	३
४३	२८	१०	२४	२२	०६	११	११
पूभा	मू	रे	वि	रे	पूषा	श्ले	श्र
४	२	१	३व	१	१	१	३

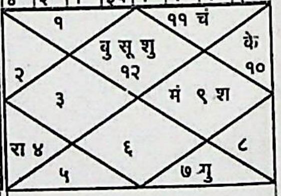

श्री गणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११९, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११९ भोग्यकलिः ४२६८८१ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०७५ शाकः १९४० । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा रविः १, मंत्री शनिः २, सस्येशश्चंद्रः ३, धान्येशो रविः ४, मेघेशः शुक्रः ५, रसेशो बुधः ६, नीरसेशश्चंद्रः ७, फलेशो गुरुः ८, धनेशश्चंद्रः ९, दुर्गेशः शुक्रः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्र विंशतिकायां ५ विरोधकृत् नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ०।१९।६।१४ भोग्य मासादि ११।१०।५३।४६ सोम दैवतं युगम् । वर्षनाम चैत्र । चतुर्मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासः संधौ । समय निवासो वैश्यगृहे । समय विश्वा २० । समय वाहन अश्व । स्तंभ १ वायु । सोमवत्यमा. २ । सोमवती पंचमी ३ । अंगारकी चतुर्थी ३ । भानु सप्तमी ३ । बुधाष्टमी ३ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३३० । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः १९ । तिथि वृद्धिः १३ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । स्वपति विश्वा ९३ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा १२३ । स्वपति विश्वा ७५ । वर्षा विश्वा ११ । धान्यम् ७ । तृणम् १३ । शीतम् ७ । तेजः १७ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् १०९ । (क्षुधा १७ । तृष्णा १७ । निद्रा ११ । आलस्य ११ । उद्यम १३ । शान्ति १५ । क्रोध ३ । दण्ड ५ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुण्य ७ । उग्रत्व ११ । रसोत्पत्तिः ११ । फलोत्पत्तिः १७ । व्याधि १७ । व्याधिनाश १५ । आचार १५ । अनाचार ३ । मृत्यु १७ । जन्म ९ । चौर १५ । उपशमन ३ । अग्निभय ९ । अग्निशमः १९ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः पश्चिमायाम् । ग्रहणं १ चन्द्रमसः । उद्रिजः १३ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ७ । स्वदेजः ११ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रवल है ॥ **संवत् २०७५ शाकः १९४० ॥** वर्षारम्भे चैत्रशुक्लप्रतिपदायाम् रविवासरे वारप्रवृत्ति (सूर्योदय) काले अहर्गणाः (ता. १८ मार्च २०१८), केतकी चक्रः ७, अहर्गणः २५३८, सौरपक्ष चक्रः ४५, अहर्गणः ११६०, ब्रह्मपक्ष अहर्गणः ३०४९९३.

(१) आषाढ शुक्ला १५ शुक्रवार, संवत् २०७५, ता. २७ जुलाई २०१८, स्वग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास १.६३

	स्पर्श	सम्मी.	मध्य	उन्मी.	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	४५	४७	४९	५२	५४	९
स्थानिक प.	०२	४७	५७	०७	५२	५०
रेल्वे घं.	२३	२५	२५	२६	२७	३
टाईम मि.	५५	०१	५३	४५	५१	५६

यह स्वग्रास चंद्रग्रहण आषाढ शुक्ला १५ शुक्रवार, संवत् २०७५, ता. २७ जुलाई २०१८, को होगा । इस ग्रहण का सूतक स्टैं १४।५५ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में वाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

संवत् २०७५ मध्ये सूर्यग्रहणाऽभावः

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिक पञ्चाङ्ग में देखें ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -
पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द, वाया- सिंघाना, जि.झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६, फो.०१५९३-२७११८४
मुम्बई. फोन. ०२२ २६१६६७८३

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
पिचेहत्तर संवत् फल कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां उत्तम संवत होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये सात अधिकार ।
रवि राजा-धान्येश हैं रविसुत मंत्री विचार ॥
दुर्गाधिप भृगुराज हैं मेघेशोऽपि संभाल ।
रसाधिप तो बुधदेव हैं समझो उत्तम साल ॥
सस्य-धन-नीरसपति बहुत ही चंद्र सुहाय ।
गुरुदेव फलपति बने जन सुख होसी भाय ॥
समय निवासो वैश्यघर रोहिणी संधि में जाय ।
चतुर्मेघ पुष्कर हुए वर्षा स्वल्प दिखाय ॥
सदा विराजत चित्त में गुरु चरणों की धूल ।
हाथजोड़ विनति करुँ हो कोई जो मेरी भूल ॥
गुरु ध्यानधर फल कहा संवत् पिचेत्तर साल ।
गुरु ईश्वरदंत से गुरु नहीं कथन ग्यारसीलाल ॥

लाभ स्वर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	२	१४	१४	११
वृष	११	५	८	५
मिथुन	१४	२	१४	२
कर्क	८	२	८	१४
सिंह	११	११	११	११
कन्या	१४	२	१४	२
तुला	११	५	८	५
वृश्चिक	२	१४	१४	११
धनु	५	५	११	२
मकर	८	१४	५	५
कुंभ	८	१४	५	५
मीन	५	५	११	२

वर्ष लग्नम् ५।०४

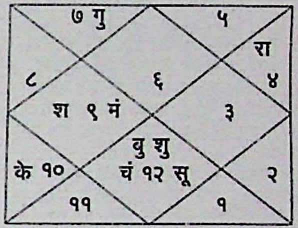

वर्षेश लग्नम् ०।२५

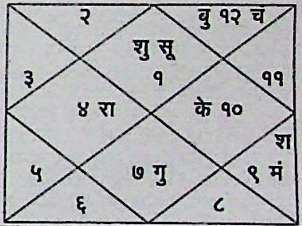

लाभ - स्वर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

|| अथ संवत् २०७५ वर्ष फलम् ||

|| श्री गणेशाय नमः || अथ वर्ष फलम् || अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७५ शाकः १९४० विरोधकृत् नामास्यः संवत्सरः प्रवतर्ते तत्फलम् - विरोधकृद्वत्सरेतुपरस्परविरेधिनः
|| सर्वेजनानृपाश्चैवमध्यसस्यार्घवृष्टयः || अथास्मिन् वर्षे राजारविस्तत्फलम् - सूर्ये नृपे स्वल्पफलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गौषुजनेषु पीडा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ||
। सर्वेजनानृपाश्चैवमध्यसस्यार्घवृष्टयः || अथास्मिन् वर्षे राजारविस्तत्फलम् - सूर्ये नृपे स्वल्पफलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गौषुजनेषु पीडा
मंत्रीशनिस्तत्फलम् - रविसुतेयदिमंत्रिणिपार्थिवाविनयसंरहितावहुदुःस्वदाः । नजलदाजलदाजनतापदाजनपदेषु सुस्संनधनंक्वचित् || सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् - सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुस्सं मेघः पयो
मुञ्चति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा || धान्येशोरविस्तत्फलम् - पश्चाद्धान्याधिपेसूर्येपश्चाद्धान्यंतदानहि । विग्रहंभूभृतांधान्यंमहर्घजेवरपीड़नम् || मेघेशः शुक्रस्तत्फलम्
- भृगुसुतोजलदस्यपतिर्यदाजलमुचोजलदादिविशोभनाः । धननिधानयुताद्विजपालकानृपतयो जनतासुस्सदायकाः || रसेशोवुधस्तत्फलम् - रसपतौद्विराजयुतेमहीसुलभधान्यघृतादियुता जनाः । प्रमुदिता
वरनायकपालितावहुजलास्विलदेशसुरक्षिता || नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम् - शुक्लवर्णादिवस्तूनांमुक्तारजतवाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतशंशाकेनीरसाधिपे || फलेशोगुरुस्तत्फलम् - सुरगुरुः
फलनायकतांगतोगतमयावनराशिमहाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सवमन्दिराः श्रुतिविचारपराद्विजपूर्वकाः || धनेशश्चंद्रस्तत्फलम् - धनपतिर्मृगलाञ्छनकोयदारसचयक्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालिसुगंधर
संवहुद्रविणतैलघृतं नृपसौस्यकम् || दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् - नरवरेभुविशेद्यपतिर्यदा भृगुसुतो वहुसौस्यकरो मतः । विनयवाणिजगेहसमः सुस्वे गतवनं निकटेऽपि च दूरतः|| वर्षनाम चैत्र तत्फलम् -
सस्यानिघृतकापास तैलादिसुस्ससंचयः । चैत्रवर्षेभवेद्वृद्धिर्नृपसौस्यफलप्रदा || चतुर्मेघनाम पुष्करस्तत्फलम् - पुष्करेमंदवृष्टिश्च । रोहिणी निवासः संधौ तत्फलम् - स्वंडवृष्टिश्च सन्धिषु । समय निवासो
वैश्यगृहे तत्फलम् - सर्वधान्यं महर्घ स्याद्वणिग्वेश्मनि संस्थिते || अपिच - वणिक्गृहे शुभंनास्ति । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ||

|| अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ||

राजा और धान्येश रवि हैं । सस्येश और नीरसेश और धनेश चंद्र हैं । रसेश वुध हैं । फलेश गुरु हैं । मेघेश और दुर्गेश शुक्र हैं । मंत्री शनि है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ७ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए
हैं और ३ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल उत्तम होगा । प्रजा में सुस्व शान्ति होगी , धन-धान्य ,व्यवसाय , राजकीयकोश की वृद्धि होगी । आधुनिक अस्त्र-शस्त्र ,स्वचालित यंत्रो के विकास में वृद्धि
होगी,स्मगलरों का ह्रास होगा । वर्षलग्न कन्या होने से पूर्व में स्थिरता, घी की महँगाई और ३ मास मंजीठ आदि सस्ते हों । दक्षिण में मरी पड़े, वंगाल में उपद्रव हो । पश्चिम में लोक विग्रह और अन्न महँगा हो फिर
चौपायों मे सुस्व, पूर्वोत्तर में राजविग्रह, मध्य देश मे प्रजाभंग और घी में समर्घता (सस्ता) हो || वर्षेश लग्न मेष || **चैत्र** - अश्वपालकों को पीड़ित करता है, जल वहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित
हो । शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । **वैशाख** - राजनीति में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा, अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो, तुष धान्य महँगे हो और
तिलों का अभाव हो, सरसों उड़द कम हों और सव धान्य उत्पन्न हों, अतिवृष्टि हो, नदियों में वहुत वाढ़ आवे, शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो, रोहिणी में शुक्र होने से आरोग्यता हो, पृथ्वी केश और अस्थिस्वण्डों
से शवल (विचित्र वर्ण की) होकर कापालिक की तरह व्रत धारण करे अर्थात पृथ्वी पर अत्यधिक मरी पड़े । **प्र.ज्येष्ठ** - धान्य की महर्घता हो, रस (मधुर आदि) और धान्यों का नाश हो, जौ गेहूँ मे रोग हो,
ईस्व, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालों का नाश हो, तीव्र रोग हो, धान्य
महँगे हो और वैर वढै, कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो, सुभिक्ष हो, मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो । **द्वि.ज्येष्ठ** - पूर्णिमा को ज्येष्ठा का अभाव होने से महर्घता हो, कपास,
तिल, सूत महँगे हों, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो, स्त्री और वालकों में विपत्ति हो और धान्य का नाश हो, मूल में स्थित शनैश्चर काशी, कोशल, पञ्जाव इन
देशों में रहने वाले मनुष्य, फल, औषध और युद्ध करने वालों को पीड़ित करता है, वायु से वर्षा हो, आर्द्रा में वुध होने से वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुस्वी रहें और ग्रहपात तथा पवन का
प्रवाह हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःस्वो से प्रजा पीडित हो, लोगो को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो, मंगल असिमुसल वक्र होने से चोरो से पीडा, अनावृष्टि और शस्त्रभय हो
। **आषाढ** - आषाढी पूर्णिमा तीस घटी से अधिक है अतः छः महीने समर्घता और पीछे महर्घता हो, चावल तथा गुड़ादि की महर्घता हो और पश्चिम धान्य (मूँग मोठ तिल वाजरी) का नाश हो, वर्षा अधिक हो, तुष
धान्य उत्पन्न हों, आश्लेषा नक्षत्र में वुध का सञ्चार होने से शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःस्वो से प्रजा पीडित हो, शवर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो, शालि, तिल,
घी और उड़द महँगे हो । **श्रावण** - मूंग घी महगें हों, श्रावण की पूर्णिमा को श्रवण का अभाव होने से महर्घता हो, प्रजा में कष्ट हो, कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने
वाले और पञ्जावस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो, अन्न और वर्षा मध्यम हो, मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों, प्रजा में सुस्व हो, रोगों की वृद्धि हो, कुआँ वनाने वालों और पक्षियों
को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । **भाद्रपद** - पूर्वाभाद्रपद का अभाव होने से महर्घता हो, क्षेत्र के वंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो, उड़द मूंग
कम उत्पन्न हों, सुभिक्ष हो धान्य निरोग रहे, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, रोग हो, धान्योत्पत्ति कम हो, पीछे वर्षा
हो । **आश्विन** - वर्षा कम हो, गणिका, शिल्पी, स्वाति में वुध होने से मन्द वर्षा हो, सुभिक्ष हो, कहीं कहीं व्याधि भय और दुर्भिक्ष भी हो, भूकंप तथा युद्धादि हों, शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय
हो । **कार्तिक** - अन्न और वर्षा मध्यम हो, चित्रा में शुक्र होने से रोगों की वृद्धि हो, कुआँ वनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हों । ज्येष्ठा में वुध होने से ईस्व, शाली और घी महँगे हों तथा
घोड़ों में रोग हो । शतभिषा पर मंगल होने से कीड़े और मूषक अधिक हों तो भी स्वेतियाँ वहुत हों, धातुओं के भाव तेज़ हों, । अनुराधा में वुध होने से सुभिक्ष हो, पक्षियों में पीड़ा हो, मनुष्य सुस्वी हों । **मार्गशीर्ष**
- राजभय और सुभिक्ष हो, क्षेम और सुभिक्ष हो, अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हों, पूर्वा भाद्रपद पर मंगल होने से तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हो, धनु
में शनि अस्त होने से प्रजा में सुस्व-शान्ति हो, ईस्व, शाली और घी महँगे हो तथा घोड़ों में रोग हो, तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । **पौष** - मूल मे वुध होने से
पशु पक्षी और वालकों में पीडा हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, अल्प वृष्टि तथा चौपायों में पीडा हो, क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो
अनावृष्टि हो, राजाओं में भय हो, रोग का प्रचार हो, सुभिक्ष हो, धान्य मन्दा हो और ग्रीष्म में व्याधि तथा वर्षा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो, लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, क्षत्रियों में प्रधान का
अभाव हो अनावृष्टि हो, अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे वालकों में पीड़ा हो, रोगोत्पत्ति हो । **माघ** - श्रवण में वुध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में वर्फ (ओले) गिरने का भय हो, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति
हो, लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, प्रधान वैद्य पीड़ित हों अनावृष्टि हो, तुष धान्य मँहगे हों, शूद्रों में रोगोत्पत्ति हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व)
पीडित हों, मार्ग में हवा वहुत चले, माघ में वुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । **फाल्गुन** - शुक्ला ९ को आर्द्रा होने से अवर्षण हो, लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, रोगों की उत्पत्ति हो । भरणी
पर मंगल होने से ब्राह्मणों को पीड़ा हो तथा उनका शीघ्र पतन हो, उत्तरा भाद्रपद में वुध होने से राजनीति में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो, प्रजा में सुस्वों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, कर्णपीड़ा हो । मिथुन का
राहु (उच्च का) होने के कारण घी, धान्य, मूंगा आदि सस्ते हों, राज्यवर्ग में पीड़ा हो, कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । पास्वण्डियों में भय उत्पन्न हो
। **चैत्र** - धान्य, गेहूँ, चावल, शक्कर अधिक हों और कपास प्रवाल, कांसी, लोह, घी, सीसा, सोना, चांदी यह महँगे हों तथा तिल तेल, गुड़, सुपारी, श्वेत वस्त्र यह कुछ सस्ते हों, भैंस, घोड़े, गौ, मंजीठ महँगे हो,
चौपाये आदि तथा कपास के भाव मंदे हों, स्वंड वर्षा हो और राजाओं में दारुण रण हो || आगे गो प्रजा भाग्य प्रवल है ||

॥ संवत् २०७५, शाक: १९४० (सन २०१८-१९) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन२०१८ — **वैशाख शुक्लपक्ष:**

१८ अप्रे. ३ बुधे रोहि. रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न ११ (कुंभे शु ३ दोष:)

२० अप्रे. ५ शुक्रे मृगे रे. ८ IIIIIISSII दिवा लग्न १, ४, ५, ६, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(७)
(मेषे रा ४ दोष:; गु ७ पूज्य:; सोग्रांग: सू, कर्के के ७ दोष:; सोग्रांग: रा, कन्या. बु ७ पूज्य:)

२७ अप्रे. १२ शुक्रे उफा. रे. ९ SIIIIIIII दिवा लग्न २, ४ (कर्के के ७ दोष:; सोग्रांग: रा)

२७ अप्रे. १२ शुक्रे हस्ते रे. ६ IIISSSSIII दिवा लग्न ५, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(७), ८
(वृश्चिके शु ७ पूज्य:)

२८ अप्रे. १३ शनौ हस्ते रे. ७ SSIIISIIII दिवा लग्न २, ४ (कर्के के ७ दोष:; सोग्रांग: रा)

३० अप्रे. १५ चंद्रे स्वातौ रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न १
(मेषे रा ४ दोष:; चं गु ७ पूज्य:; सोग्रांग: सू) (व्यतिपात १०।१८ से)

सन२०१८ — **प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्ष:**

११ मई ११ शुक्रे उभा. रे: ७ ISIIISISII दिवा लग्न ५, ६, रात्रौ लग्न ८, ११
(कन्या. चं ७ पूज्य:, वृश्चिके शु ७ पूज्य:) (वैधृति १३।४२ यावत्)

१२ मई १२ शनौ उभा. रे. ८ IIIIIISSII दिवा लग्न २, ५

१२ मई १२ शनौ रेवत्यां रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न ५, ६, रात्रौ लग्न ८
(कन्या. चं ७ पूज्य:, वृश्चिके शु ७ पूज्य:)

सन२०१८ — **द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्ष:**

२१ जून ९ गुरौ हस्ते रे. ९ ISIIIIIII दिवा लग्न ५, ७, ८, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(९)
(अ.गोधुल्यां सोग्रांग: श)

२५ जून १३ चंद्रे अनुरा. रे. ८ SSIIIIIII दिवा लग्न ५, ६, ७, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(९)
(अ.गोधुल्यां सोग्रांग: श)

सन२०१८ — **आषाढ़ कृष्णपक्ष:**

६ जुला ८ शुक्रे रेवत्यां रे. ७ IIIISISIS दिवालग्न ६, ८, रात्रौलग्न अ. गोधूलि(९), ११, २
(कन्या. चं ७ पूज्य:, अ.गोधुल्यां सोग्रांग: श, कुंभे शु ७ पूज्य:)

१० जुला १२ भौमे रोहि. रे. ८ ISIIIISII दिवा लग्न ५, ६, ७, ८ (वृश्चिके चं ७ पूज्य:)

अग्रे गुरोरस्तत्वादभाव: (१२ नवं. २०१८, स्टै. १३।२१)
गुरोरुदय: (७ दिसं २०१८, स्टै. ११।१२)

अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभाव:

सन२०१९ — **पोष शुक्लपक्ष:**

१८ जन. १२ शुक्रे रोहि. रे. ८ IIIIIIISS दिवा लग्न ११, १२ (मीने सोग्रांग: मं)

सन२०१९ — **माघ कृष्णपक्ष:**

२२ जन. २ भौमे मघा. रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न ७, ८, ९ (धनुषि सोग्रांग: श)

२३ जन. ३ बुधे मघा. रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न ११, १, २
(कुंभे चं ७ पूज्य:, मेषे रा ४ दोष:, वृषे गु शु ७ पूज्य:) (भद्रा १३।४४ से)

२५ जन. ५ शुक्रे हस्ते रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न गोधूलि(४), ७, ८, ९
(गोधुल्यां सोग्रांग: रा, धनुषि सोग्रांग: श)

२६ जन. ६ शनौ हस्ते रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न ११, १२, २
(मीने चं ७ पूज्य:; सोग्रांग: मं, वृषे गु शु ७ पूज्य:)

२९ जन. ९ भौमे अनुरा. रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४), ७
(अ.गोधुल्यां सोग्रांग: रा) (भद्रा २७। २ से महापात स्पर्श: ३०।३१)

सन२०१९ — **माघ शुक्लपक्ष:**

८ फर. ३ शुक्रे उभा. रे. १० IIIIIIIIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४)
(अ.गोधुल्यां सोग्रांग: रा) (भद्रा २३।२२ से)

१० फर. ५ रवौ रेवत्यां रे. ६ SSIIISISII दिवा लग्न ११, १, २, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४)
(मेषे रा ४ दोष:; सोग्रांग: मं, वृषे गु ७ पूज्य:, अ.गोधुल्यां सोग्रांग: रा)

सन२०१९ — **फाल्गुन कृष्णपक्ष:**

२१ फर. २ गुरौ उफा. रे. ८ IIIISSIIII दिवा लग्न ११, १, २, रात्रौ लग्न गोधूलि(५)
(कुंभे चं ७ पूज्य:; सोग्रांग: सू, मेषे चं ६ १०।२२ उपरांत; रा ४ दोष:; सोग्रांग: मं,
वृषे गु ७ पूज्य:) (भद्रा २४।२५ से)

सन२०१९ — **फाल्गुन शुक्लपक्ष:**

८ मार्च २ शुक्रे रेवत्यां रे. ९ SIIIIIIII रात्रौ लग्न ९, ११
(धनुषि रा ७ दोष:; सोग्रांग: श के, कुंभे सोग्रांग: सू)

९ मार्च ३ शनौ रेवत्यां रे. ८ SIIIISIIII दिवा लग्न १, २, रात्रौ लग्न ६
(मेषे सोग्रांग: मं, वृषे गु ७ पूज्य:, कन्या. चं बु ७ पूज्य:) (महापात स्पर्श: २१।३५)

अग्रे मीनेऽर्क:

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ता: नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन२०१८ — **वैशाख शुक्लपक्ष:**

२८ अप्रे. १३ शनौ चित्रा. रे. ७ IIIISSSIII दिवालग्न ५, रात्रौ लग्न अ.गोधूलि(७), ८, ११, १
(वृश्चिके शु ७ पूज्य:, मेषे रा ४ दोष:; चं गु ७ पूज्य:; सोग्रांग: सू)

सन२०१८ — **प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्ष:**

८ मई ८ भौमे धनि. रे. ८ SIIIIIISII दिवालग्न २, ६, रात्रौ लग्न अ.गोधूलि(७), ८, १२
(कन्या. बु ७ पूज्य:, वृश्चिके शु ७ पूज्य:, मीने शु ३ दोष:)

९ मई ९ बुधे धनि. रे. ७ SIIIISISII दिवा लग्न २

सन२०१८ — **द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्ष:**

२१ जून ९ गुरौ चित्रा. रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न २ (वृषे शु ३ दोष:)

२२ जून १० शुक्रे चित्रा. रे. ७ IIIIISSSII दिवा लग्न ५, ६, ८, रात्रौ लग्न गोधूलि(९), १२
(कन्या. चं १ १३।३८ यावत्, गोधुल्यां सोग्रांग: श)

सन२०१८ — **आषाढ़ कृष्णपक्ष:**

२ जुला ४ चंद्रे धनि. रे. ७ IIISSIISII दिवा लग्न ७, ८, रात्रौ लग्न गोधूलि(९)
(गोधुल्यां सोग्रांग: श)

॥ संवत् २०७५ मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

७ जुला	९ शनौ अश्वि.. रे. ८ IIIIISISII दिवालग्न ५, ६, ७, रात्रौ लग्न अ.गोघूलि, ११, २ (तुला. चं ७ पूज्यः, अ.गोघुल्यां सोग्रांगः श, कुंभे शु ७ पूज्यः)
	अग्रे गुरोरस्तत्वादभावः (१२ नवं. २०१८, स्टै. १३।२१) गुरोरुदयः (७ दिसं २०१८, स्टै. ११।१२)
सन२०१८	**मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः**
१२ दिसं	५ बुधे श्रवणे रे. ७ SIIISIISII दिवा लग्न ९, ११, १२, १ (धनुषि सोग्रांगः श. कुंभे सोग्रांगः मं, मेषे रा ४ दोषः; शु ७ पूज्यः)
१२ दिसं	५ बुधे धनि. रे. ८ IIIIISSIII रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(२), ४, ६, ७, ८ (कर्क के ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोंग्रांगः रा)
१३ दिसं	६ गुरौ धनि. रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न ९, १२, १, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(२) (धनुषि सोग्रांगः श, मेषे रा ४ दोषः; शु ७ पूज्यः)
	अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः
सन२०१९	**पोष शुक्लपक्षः**
१५ जन.	९ भौमे अश्वि. रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न ११, १२ (मीने सोग्रांगः मं)
सन२०१९	**माघ कृष्णपक्षः**
२७ जन.	७ रवौ चित्रा. रे. ८ SIIISIIIII दिवा लग्न ११, १२, १ (मीने सोग्रांगः मं, मेषे रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः)
सन२०१९	**फाल्गुन कृष्णपक्षः**
३ मार्च	१२ रवौ श्रवणे रे. ९ IIIIIISIII दिवा लग्न १, २ (मेषे रा ४ दोषः; सोग्रांगः मं, वृषे गु ७ पूज्यः)
सन२०१९	**फाल्गुन शुक्लपक्षः**
९ मार्च	३ शनौ अश्वि. रे. ८ IIIIISIIIS रात्रौ लग्न ९, ११ (धनुषि रा ७ दोषः; सोग्रांगः श के, कुंभे सोग्रांगः सू) (महापात मोक्षः २६।५७)
१० मार्च	४ रवौ अश्वि. रे. ९ IIIIIIIIIS दिवा लग्न १२, २ (मीने रा ४ दोषः, वृषे गु ७ पूज्यः) (भद्रा १५।४१ से)
	अग्रे मीनेऽर्कः
	(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽ नुग्रहीत शिष्यः
पं. प्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), ५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड, विलेपार्ले (पूर्व)
मुम्बई ४०००५७. दू. ०२२- २६१६६७८३,

॥ अथ चौल (मुण्डन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१८	**वैशाख मासः**
२० अप्रे.	शु. ०५ शुक्रे मृगे अभिजिति, ४
सन२०१८	**द्वि.ज्येष्ठ मासः**
२२ जून	शु. १० शुक्रे चित्रा. लग्न ४, अभिजिति, ६, ७
२७ जुला	चन्द्र ग्रहणार्क्षः श्रवणे
सन२०१९	**माघ मासः**
२५ जन.	कृ. ०५ शुक्रे हस्ते लग्न ४
६ फर.	शु. ०२ बुधे शते लग्न १२
७ फर.	शु. ०२ गुरौ शते लग्न १२

॥ द्विरागमन मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१८	**वैशाख मासः**
२० अप्रे.	शु. ०५ शुक्रे मृगे लग्न २, ३, अभिजिति, ६ (वृषे गु ६ शुभ; शु १ शुभ)
२७ अप्रे.	शु. १२ शुक्रे उफा. लग्न २, ३, अभिजिति (वृषे गु ६ शुभ; शु १ शुभ)
२७ अप्रे.	शु. १२ शुक्रे हस्ते लग्न ६, ७
३० अप्रे.	शु. १५ चंद्रे स्वातौ लग्न २, ३ (व्यतिपात १०।१८ से) (वृषे गु ६ शुभ; शु १ शुभ)
सन२०१८	**प्र.ज्येष्ठ मासः**
२ मई	कृ. ०२ बुधे अनुरा. लग्न २, ३, ६ (वृषे गु ६ शुभ; शु १ शुभ)
४ मई	कृ. ०४ शुक्रे मूले अभिजिति, ६, ७
१० मई	कृ. १० गुरौ शते लग्न २, ३ (भद्रा ११।०६ से) (वृषे गु ६ शुभ; शु १ शुभ)
११ मई	कृ. ११ शुक्रे उभा. लग्न ६, ७ (वैधृति १३।४२ तक)
२७ जुला	चन्द्र ग्रहणार्क्षः श्रवणे
सन२०१८	**मार्गशीर्ष मासः**
१२ दिसं	शु. ०५ बुधे श्रवणे लग्न १२, २
१२ दिसं	शु. ०५ बुधे धनि. लग्न २
१४ दिसं	शु. ०७ शुक्रे शते अभिजिति, १२, २
सन२०१९	**फाल्गुन मासः**
२१ फर.	कृ. ०२ गुरौ उफा. लग्न १२, अभिजिति, २, ३ (मीने शु १० शुभ, मिथुने गु ६ शुभ)
४ मार्च	कृ. १३ चंद्रे श्रवणे लग्न १२, २
४ मार्च	कृ. १३ चंद्रे धनि. अभिजिति, ३ (मिथुने गु ६ शुभ)
१३ मार्च	शु. ०७ बुधे रोहि. लग्न १२, २, ३ (मिथुने गु ६ शुभ)

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीन-लग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः । - पीयूषधारा

॥ संवत् २०७५, शाकः १९४०, सन २०१८-१९ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

॥ उपनयन ॥

सन२०१८	चैत्र मासः
२६ मार्च	शु. १० चंद्रे पुष्ये लग्न ४
	(कर्क लग्नस्थ चंद्रः ग्राह्यः; शु ४ शुभ)
सन२०१८	वैशाख मासः
२ अप्रे.	कृ. ०२ चंद्रे स्वातौ अभिजिति, ४
२० अप्रे.	शु. ०५ शुक्रे मृगे अभिजिति
सन२०१८	प्र.ज्येष्ठ मासः
४ मई	कृ. ०४ शुक्रे मूले अभिजिति
सन२०१८	द्वि.ज्येष्ठ मासः
१७ जून	शु. ०४ रवौ श्लेषा. अभिजिति, ६
२२ जून	शु. १० शुक्रे चित्रा. अभिजिति, ६
	(कन्या. १३।३८ यावत् लग्नस्थ चंद्रः)
सन२०१९	पोष मासः
१८ जन.	शु. १२ शुक्रे रोहि. लग्न १२
सन२०१९	माघ मासः
७ फर.	शु. ०२ गुरौ पूभा. अभिजिति
१० फर.	शु. ०५ रवौ रेवत्यां अभिजिति
सन२०१९	चैत्र मासः
२२ मार्च	कृ. ०२ शुक्रे चित्रा. अभिजिति, ३
	(मिथुने १३।०७ उपरांत मं १२)
२५ मार्च	कृ. ०५ चंद्रे अनुरा. अभिजिति

॥ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१८	वैशाख मासः
२७ अप्रे.	शु. १२ शुक्रे उफा. अभिजिति
२७ जुला	चन्द्र ग्रहणार्क्षः श्रवणे
सन२०१८	भाद्रपद मासः
२७ अग.	कृ. ०१ चंद्रे शते अभिजिति
सन२०१८	मार्गशीर्ष मासः
१४ दिसं	शु. ०७ शुक्रे शते अभिजिति
सन२०१९	पोष मासः
२१ जन.	शु. १५ चंद्रे पुष्ये लग्न १२, अभिजिति
सन२०१९	फाल्गुन मासः
२३ फर.	कृ. ०४ शनौ चित्रा. अभिजिति

॥ वृषचक्र-रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१८	प्र.ज्येष्ठ मासः
१२ मई	कृ. १२ शनौ उभा. अभिजिति
सन२०१८	श्रावण मासः
२ अग.	कृ. ०५ गुरौ उभा. लग्न ६
१५ अग.	शु. ०५ बुधे हस्ते लग्न ६
सन२०१८	कार्तिक मासः
५ नवं.	कृ. १३ चंद्रे हस्ते अभिजिति
सन२०१९	माघ मासः
९ फर.	शु. ०४ शनौ उभा. अभिजिति
सन२०१९	फाल्गुन मासः
४ मार्च	कृ. १३ चंद्रे धनि. अभिजिति
९ मार्च	शु. ०३ शनौ रेवत्यां अभिजिति

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१८	वैशाख मासः
२७ अप्रे.	शु. १२ शुक्रे उफा. अभिजिति
सन२०१८	प्र.ज्येष्ठ मासः
१२ मई	कृ. १२ शनौ उभा. अभिजिति
सन२०१८	द्वि.ज्येष्ठ मासः
२२ जून	शु. १० शुक्रे चित्रा. अभिजिति, ६
	(कन्या. १३।३८ यावत् लग्नस्थ चंद्रः नेष्टः)
२५ जून	शु. १३ चंद्रे अनुरा. अभिजिति, ६
सन२०१९	पोष मासः
१८ जन.	शु. १२ शुक्रे रोहि. लग्न १२

॥कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः॥

सन२०१८	वैशाख मासः
२० अप्रे.	शु. ०५ शुक्रे मृगे अभिजिति
सन२०१९	माघ मासः
९ फर.	शु. ०४ शनौ उभा. अभिजिति
सन२०१९	फाल्गुन मासः
२१ फर.	कृ. ०२ गुरौ उफा. अभिजिति
२३ फर.	कृ. ०४ शनौ चित्रा. अभिजिति
९ मार्च	शु. ०३ शनौ रेवत्यां अभिजिति

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१८	वैशाख मासः
२३ अप्रे.	शु. ०८ चंद्रे पुष्ये अभिजिति
सन२०१८	मार्गशीर्ष मासः
१३ दिसं	शु. ०६ गुरौ धनि. अभिजिति
१४ दिसं	शु. ०७ शुक्रे शते अभिजिति
सन२०१९	फाल्गुन मासः
४ मार्च	कृ. १३ चंद्रे धनि. अभिजिति

॥ कुंभचक्ररहिताः जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१८	श्रावण मासः
३० जुला	कृ. ०२ चंद्रे शते अभिजिति
सन२०१९	पोष मासः
२१ जन.	शु. १५ चंद्रे पुष्ये लग्न १२, अभिजिति
सन२०१९	माघ मासः
२८ जन.	कृ. ०८ चंद्रे स्वातौ अभिजिति

॥ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१८	वैशाख मासः
२० अप्रे.	शु. ०५ शुक्रे मृगे अभिजिति
२२ अप्रे.	शु. ०७ रवौ पुनर्वसौ अभिजिति
२७ अप्रे.	शु. १२ शुक्रे उफा. अभिजिति
सन२०१८	द्वि.ज्येष्ठ मासः
२२ जून	शु. १० शुक्रे चित्रा. अभिजिति, ६
२५ जून	शु. १३ चंद्रे अनुरा. अभिजिति, ६
सन२०१९	पोष मासः
१८ जन.	शु. १२ शुक्रे रोहि. लग्न १२
२१ जन.	शु. १५ चंद्रे पुष्ये लग्न १२
सन२०१९	माघ मासः
२६ जन.	कृ. ०६ शनौ हस्ते लग्न १२, अभिजिति
२७ जन.	कृ. ०७ रवौ चित्रा. अभिजिति
९ फर.	शु. ०४ शनौ उभा. अभिजिति
१० फर.	शु. ०५ रवौ रेवत्यां अभिजिति
सन२०१९	फाल्गुन मासः
२१ फर.	कृ. ०२ गुरौ उफा. अभिजिति
२३ फर.	कृ. ०४ शनौ चित्रा. अभिजिति
९ मार्च	शु. ०३ शनौ रेवत्यां अभिजिति

नोट- चौल (मुण्डन) और द्विरागमन मुहूर्त्त विवाह मुहूर्तो के पृष्ठ पर देखें -

अथ गृहप्रवेशे कलशवास्तुचक्रं शार्दूलविक्रीडितेनाह -

वक्त्रे भूरविभात्प्रवेशसमये कुम्भेऽग्निदाहः कृताः
प्राच्यामुद्वसनं कृता यमगता लाभः कृताः पश्चिमे ।
श्रीर्वेदाः कलिरुत्तरे युगमिता गर्भे विनाशो गुदे,
रामाः स्थैर्यमतः स्थिरत्वमनलाः कण्ठे भवेत्सर्वदा ॥६॥

पीयूषधारा - वक्त्रेति । कलशस्याष्टधा विभागाः परिकल्प्याः - मुखं कण्ठो गर्भो गुदं चेति चत्वारो विभागाः, पूर्वादिदिक्परत्वेन च चत्वारो विभागाः । एवमष्टौ भागाः स्युः । तत्र विभागपरत्वेन सूर्यभावत्रक्षत्रन्यासे फलमुच्यते - वक्र इति । गृहप्रवेशसमये इति सर्वत्रापि सम्बध्यते । कुम्भे कलशाकृतौ वास्तुनि रविभात्सूर्याक्रान्तनक्षत्रादिति ल्यवलोपे पञ्चमी । रविभारभ्य नक्षत्रन्यास इत्यर्थः । तत्र कलशस्य वक्त्रे मुखे भूरेकं सूर्यनक्षत्रमेव स्थाप्यम् । तत्फलं गृहस्याग्निदाहः ।

ततः सूर्यभात्कृता अग्रिमाणि चत्वारि भानि प्राच्यां स्थाप्यानि । फलमुद्वसनं जनवासशून्यं गृहं स्यात् । ततः कृता यमगताः तदग्रिमाणि चत्वारि भानि दक्षिणस्यां यमदिशि स्थाप्यानि फलं गृहपतेर्लाभो द्रव्यप्राप्तिः । ततः कृता पश्चिमे तदग्रिमाणि चत्वारि भानि पश्चिमायां स्थाप्यानि, फलं गृहपतेः श्रीप्राप्तिः । ततो वेदा उत्तरे तदग्रिमाणि चत्वारि भानि उत्तरस्यां स्थाप्यानि, फलं कलिर्लोकैः सह गृहसम्वन्धी निरर्थकः कलहः स्यात् । ततो युगमितास्ततोऽग्रिमाणि चत्वारि भानि गर्भे कलशमध्ये स्थाप्यानि । फलं विनाशः । कस्येत्याकाङ्क्षायां गर्भो पादाद्भाविनां गर्भाणां विनाश इत्यर्थः । ततो रामास्तदग्रिभाणि त्रीणि भानि गुदे बुध्न्ये स्थाप्यानि फलं स्थैर्यं गृहपतेर्वहुकालं तत्र गृहे निवासः । ततोऽनलास्तदग्रिमाणि त्रीणि भानि कण्ठे स्थाप्यानि, फलं स्थिरत्वं सर्वदा गृहपतेर्भवेत् । एवमभिजिद्रहितानि सप्तविंशतिभानि स्युः ।

सौरमानं गृहप्रवेशे न ग्राह्यम् - वशिष्ठेन तु गृहप्रवेशे दूषितम् । यथा - 'मृगादिषड्राशिषु संस्थितेऽर्के नवप्रवेशः शुभदः सदैव । कुम्भं विनान्येष्वपि केचिदूचुर्न सौरमिष्टं खलु सन्निवेशे' इति । अस्यार्थः नूतनगृहप्रवेशो मकरादिषड्राशिसंस्थिते सूर्ये शुभफलदो भवति । तत्रापि माघादिषु विहितेषु चतुर्षु मासेषु शुभः ।

उत्तरायण के ज्येष्ठ, माघ, फाल्गुन, वैशाख मासों का गृहप्रवेश शुभ होता है । तृणागार तृण, घार फूस आदि से आच्छादित नवीन घरों में दक्षिणायन में भी प्रवेश किया जा सकता है ।

सर्वप्रवेशे क्रूराक्रान्तविद्धनक्षत्राणि वर्ज्यानि -

अत्रेदं ध्येयम् । यत्त्रिविधेऽपि प्रवेशे प्रवेशदिनीयनक्षत्रं क्रूराक्रान्तं क्रूरविद्धं वा तत्सर्वथा वर्ज्यमिति । उक्तं च वसिष्ठेन 'क्रूरग्रहाधिष्ठितविद्धभं च विवर्जनीयं त्रिविधप्रवेशे' इति ॥२॥

अथ गृहप्रवेशदिनात्प्राक्कर्तव्यां वास्तुपूजां विवक्षुरतन्नक्षत्राण्युपजातिकापूर्वार्धेनाह -

मृदुध्रुवक्षिप्रचरेषु मूलभे वास्त्वर्चनं वलिं च कारयेत् ।

पीयूषधारा - मृद्विति । मृदूनि ध्रुवाणि क्षिप्राणि चराणि नक्षत्राणि प्रसिद्धानि मूलभं च । एषु, सप्तदशसु भेषु नक्षत्रेषु वास्तोः वास्तुपुरुषस्यार्चनं वलिं च कारयेत् । गृह-पतिर्वास्तुपूजां कुर्यात् । पुरोहितो गृहपतिं वास्तुपूजादिकं कारयेत् । 'हृक्रोरन्यतरस्याम्' इत्यणौ कर्तुः कर्मत्वम् । यदाह

ऋक्षोच्चयः - 'चित्रा शतभिषा स्वाती हस्तः पुष्य पुनर्वसुः । रोहिणी रेवती मूलश्रवणोत्तरफाल्गुनी ॥ धनिष्ठा चोत्तराषाढा तथा भाद्रोत्तरान्विता । अश्विनी मृगशीर्ष च अनुराधा तथैव च ॥ वास्तुपूजनमेतेषु नक्षत्रेषु करोति यः । स प्राप्नोति नरो लक्ष्मीमिति प्राह पराशरः' इति ।

- पीयूषधारा

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीन-लग्नवलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः । - पीयूषधारा

अर्थ- लग्न शुद्धि के समय तिथि, नक्षत्र और विष्कुंभादि योग द्वारा उत्पन्न हुए मृत्यु-क्रकचादि कुयोग स्वयं नष्ट हो जाते हैं (जैसे सूर्योदय होने पर अंधेरा नष्ट हो जाता है) ।

विशेष- किसी एक विद्वान् के द्वारा वताये हुए शुद्धलग्न मुहूर्त को दूसरा विद्वान् (वालबुद्धि वाला) यजमान को यह कह कर भ्रमित (गुमराह) कर देता है कि उस दिन मृत्यु-क्रकचादि कुयोग होने से यह मुहूर्त्त अच्छा नहीं है । नोट- ऐसे वालमति के विद्वानों से करवद्ध प्रार्थना है कि ज्योतिष-शास्त्र का उपहास (मजाक) न करें । कहा भी है- "नानाशास्त्र विचक्षणश्च पुरुषानिन्दन्ति मूर्खाः सदा इति" ।

॥ सोग्रांगः - स उग्र अंगः ॥ स सहितः, उग्र उग्रग्रहाणाम् (सूर्य, मंगल, शनि, राहु, केतु), अंगः लग्नः ॥

भाव- लग्न में उक्त ग्रहों में से कोई एक भी ग्रह हो तो सोग्रांगः लिखा जाता है ।

॥ नवग्रहों के पौराणिकमन्त्र ॥

सूर्य - जपाकुसुमसंकाशं, काश्यपेयं महाद्युतिम् ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मिदिवाकरम् ॥ ॐ सूर्याय नमः ॥

चन्द्र - दधिशंखतुषाराभं, क्षीरोदार्णवसम्भवम् ।
नमामिशशिनं भक्त्याशम्भोर्मुकुट भूषणम् ॥ ॐ चन्द्राय नमः ॥

भौम - धरणीगर्भसम्भूतंविद्युतक्रान्ति- समप्रभम् ।
कुमारं शक्तिहस्तं च मंगलं प्रमाम्यहम् ॥ ॐ भौमाय नमः ॥

वुध - प्रियंगुकलिकाश्यामं रुपेणाप्रतिमंवुधम् ।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं वुधं प्रणमाम्यहम् ॥ ॐ वुधाय नमः ॥

गुरु - देवानां च ऋषीणां च गुरुंकाश्चनसन्निभम् ।
बुद्धिभूतंत्रिलोकेशं तं गुरुं प्रणमाम्यहम् ॥ ॐ वृहस्पतये नमः ॥

शुक्र - हिमकुन्दमृणालाभंदैत्यानां परमंगुरुम् ।
सर्वशास्त्र प्रवक्तारंभार्गवं प्रणमाम्यहम् ॥ ॐ शुक्राय नमः ॥

शनि - नीलांजन समाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छाया- मार्तण्ड सम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥ ॐ शनैश्चराय नमः ॥

राहु - अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्य-विमर्दनम् ।
सिंहिका गर्भ सम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ॥ ॐ राहवे नमः ॥

केतु - पलाशपुष्पसंकाशं तारका-ग्रहमस्तकम् ।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ॥ ॐ केतवे नमः ॥

॥ सन् २०१८-१९, संवत् २०७५ ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल
१	....	+ ४।२७	+१५।०१	+२२।०१	+२३।०७	+१८।०४	+ ८।२२	- ३।०६	-१४।२१	-२१।४६	-२३।०२	-१७।१४	- ७।४६	+ ४।२२
२	....	+ ४।५०	+१५।१९	+२२।०९	+२३।०३	+१७।४९	+ ८।००	- ३।२९	-१४।४०	-२१।५५	-२२।५७	-१६।५७	- ७।२३	+ ४।४५
३	....	+ ५।१४	+१५।३७	+२२।१७	+२२।५९	+१७।३४	+ ७।३८	- ३।५२	-१४।५९	-२२।०४	-२२।५२	-१६।३९	- ७।००	+ ५।०८
४	....	+ ५।३७	+१५।५४	+२२।२४	+२२।५४	+१७।१८	+ ७।१६	- ४।१५	-१५।१८	-२२।१२	-२२।४६	-१६।२२	- ६।३७	+ ५।३१
५	....	+ ५।५९	+१६।११	+२२।३१	+२२।४८	+१७।०२	+ ६।५४	- ४।३८	-१५।३६	-२२।२०	-२२।४०	-१६।०४	- ६।१४	+ ५।५४
६	....	+ ६।२२	+१६।२८	+२२।३८	+२२।४३	+१६।४५	+ ६।३२	- ५।०२	-१५।५४	-२२।२८	-२२।३३	-१५।४६	- ५।५१	....
७	....	+ ६।४५	+१६।४५	+२२।४४	+२२।३६	+१६।२९	+ ६।०९	- ५।२५	-१६।१२	-२२।३५	-२२।२६	-१५।२७	- ५।२७	....
८	....	+ ७।०७	+१७।०२	+२२।४९	+२२।३०	+१६।१२	+ ५।४७	- ५।४७	-१६।३०	-२२।४१	-२२।१८	-१५।०८	- ५।०४	....
९	....	+ ७।३०	+१७।१८	+२२।५५	+२२।२३	+१५।५५	+ ५।२४	- ६।१०	-१६।४७	-२२।४७	-२२।१०	-१४।४९	- ४।४१	....
१०	....	+ ७।५२	+१७।३४	+२३।००	+२२।१६	+१५।३८	+ ५।०१	- ६।३३	-१७।०४	-२२।५३	-२२।०१	-१४।३०	- ४।१७	....
११	....	+ ८।१४	+१७।४९	+२३।०४	+२२।०८	+१५।२०	+ ४।३९	- ६।५६	-१७।२१	-२२।५९	-२१।५३	-१४।११	- ३।५४	....
१२	....	+ ८।३६	+१८।०५	+२३।०८	+२२।००	+१५।०२	+ ४।१६	- ७।१८	-१७।३८	-२३।०३	-२१।४३	-१३।५१	- ३।३०	....
१३	....	+ ८।५८	+१८।२०	+२३।१२	+२१।५१	+१४।४४	+ ३।५३	- ७।४१	-१७।५४	-२३।०८	-२१।३३	-१३।३१	- ३।०७	....
१४	....	+ ९।२०	+१८।३४	+२३।१५	+२१।४३	+१४।२६	+ ३।३०	- ८।०३	-१८।१०	-२३।१२	-२१।२३	-१३।११	- २।४३	....
१५	....	+ ९।४१	+१८।४९	+२३।१८	+२१।३३	+१४।०७	+ ३।०७	- ८।२६	-१८।२५	-२३।१५	-२१।१२	-१२।५०	- २।१९	....
१६	....	+१०।०३	+१९।०३	+२३।२०	+२१।२४	+१३।४८	+ २।४४	- ८।४८	-१८।४०	-२३।१८	-२१।०१	-१२।३०	- १।५६	....
१७	....	+१०।२४	+१९।१७	+२३।२२	+२१।१४	+१३।२९	+ २।२१	- ९।१०	-१८।५५	-२३।२१	-२०।५०	-१२।०९	- १।३२	....
१८	- १।०२	+१०।४५	+१९।३०	+२३।२४	+२१।०४	+१३।१०	+ १।५८	- ९।३२	-१९।१०	-२३।२३	-२०।३८	-११।४८	- १।०८	....
१९	- ०।३९	+११।०६	+१९।४३	+२३।२५	+२०।५३	+१२।५१	+ १।३४	- ९।५३	-१९।२४	-२३।२४	-२०।२६	-११।२७	- ०।४४	....
२०	- ०।१५	+११।२७	+१९।५६	+२३।२६	+२०।४२	+१२।३१	+ १।११	-१०।१५	-१९।३८	-२३।२५	-२०।१३	-११।०५	- ०।२१	....
२१	+ ०।०९	+११।४७	+२०।०८	+२३।२६	+२०।३१	+१२।११	+ ०।४८	-१०।३७	-१९।५१	-२३।२६	-२०।००	-१०।४४	+ ०।०३	....
२२	+ ०।३३	+१२।०७	+२०।२०	+२३।२६	+२०।१९	+११।५१	+ ०।२४	-१०।५८	-२०।०५	-२३।२६	-१९।४७	-१०।२२	+ ०।२७	....
२३	+ ०।५६	+१२।२८	+२०।३२	+२३।२६	+२०।०७	+११।३१	+ ०।०१	-११।१९	-२०।१७	-२३।२६	-१९।३३	-१०।००	+ ०।५०	....
२४	+ १।२०	+१२।४७	+२०।४४	+२३।२५	+१९।५५	+११।११	- ०।२२	-११।४०	-२०।३०	-२३।२५	-१९।१९	- ९।३८	+ १।१४	....
२५	+ १।४३	+१३।०७	+२०।५५	+२३।२४	+१९।४२	+१०।५०	- ०।४६	-१२।०१	-२०।४२	-२३।२४	-१९।०५	- ९।१६	+ १।३८	....
२६	+ २।०७	+१३।२७	+२१।०५	+२३।२२	+१९।२९	+१०।२९	- १।०९	-१२।२१	-२०।५३	-२३।२२	-१८।५०	- ८।५३	+ २।०१	....
२७	+ २।३१	+१३।४६	+२१।१६	+२३।२०	+१९।१६	+१०।०८	- १।३२	-१२।४२	-२१।०५	-२३।२०	-१८।३५	- ८।३१	+ २।२५	....
२८	+ २।५४	+१४।०५	+२१।२५	+२३।१७	+१९।०२	+ ९।४७	- १।५६	-१३।०२	-२१।१६	-२३।१८	-१८।१९	- ८।०८	+ २।४८	....
२९	+ ३।१७	+१४।२४	+२१।३५	+२३।१४	+१८।४८	+ ९।२६	- २।१९	-१३।२२	-२१।२६	-२३।१४	-१८।०३	....	+ ३।१२	....
३०	+ ३।४१	+१४।४२	+२१।४४	+२३।११	+१८।३४	+ ९।०५	- २।४२	-१३।४२	-२१।३६	-२३।११	-१७।४७	....	+ ३।३५	....
३१	+ ४।०४	....	+२१।५३	....	+१८।१९	+ ८।४३	....	-१४।०२	....	-२३।०७	-१७।३१	....	+ ३।५८	....

उत्तर (धन) दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में)
संवत् २०७५, (सन २०१८-१९)

महापात स्पर्शः			महापात मोक्षः	
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
वैधृति	१८ मार्च	२०।०५	१८ मार्च	२५।२०
व्यती.	३० मार्च	१८।१०	३० मार्च	२३।०७
वैधृति	१२ अप्रे.	२३।०३	१२ अप्रे.	२९।००
व्यती.	२४ अप्रे.	२२।३१	२४ अप्रे.	२८।३९
वैधृति	७ मई	१९।५२	७ मई	२९।२३
व्यती.	१९ मई	१४।००	१९ मई	२९।०७
वैधृति	२४ जुला.	७।३६	२४ जुला.	२४।१८
व्यती.	६ अग.	१२।३८	६ अग.	२०।३६
वैधृति	१७ अग.	२५।४५	१८ अग.	८।०९
व्यती.	३१ अग.	१५।१२	३१ अग.	२०।५३
वैधृति	१२ सितं.	८।४१	१२ सितं.	१३।२५
व्यती.	२५ सितं.	१७।२७	२५ सितं.	२२।४३
वैधृति	७ अक्टू.	१९।५३	७ अक्टू.	२४।३५
व्यती.	२० अक्टू.	१९।५९	२० अक्टू.	२६।०८
वैधृति	१ नवं.	२६।५२	२ नवं.	९।००
व्यती.	१४ नवं.	१६।०८	१४ नवं.	२६।१०
वैधृति	२६ नवं.	१५।२५	२७ नवं.	१०।५६
वैधृति	१८ जन.	१७।५६	१९ जन.	७।४५
व्यती.	२९ जन.	३०।३१	३० जन.	१४।५७
वैधृति	१२ फर.	२०।५१	१२ फर.	२७।१७
व्यती.	२४ फर.	९।१७	२४ फर.	१४।१८
वैधृति	९ मार्च	२१।३६	९ मार्च	२६।५७
व्यती.	२१ मार्च	२१।५३	२१ मार्च	२६।१०
वैधृति	३ अप्रे.	२३।१५	३ अप्रे.	२८।४२

धनुर्वेदसंहिता- महर्षि वसिष्ठमुनिजी प्रणीत, हिन्दी टीका सहित। युद्धविद्या सीखने में यह अत्यंत लाभदायक है।
नष्टजन्माङ्गदीपिका एवं पञ्चाङ्गदीपिका- गद्य-पद्यात्मक टीका सहित। परमोपयोगी अलभ्य कुंजी।

संवत् २०७५ शाकः १९४० की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
बै.कृ. १३ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	प्र.ज्ये.कृ.१४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	बै.कृ. ०५ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	चै.शु. ०७ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	बै.शु. १० से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	चै.शु. १२ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	चै.शु. ०५ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	बै.शु. ०६ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	चै.शु. ०८ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	चै.शु. १० से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	बै.शु. १० से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	बै.कृ. ०३ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.
प्र.ज्ये.कृ. ०४ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	द्वि.ज्ये.कृ.०५ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	द्वि.ज्ये.शु.०२ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	प्र.ज्ये.कृ. ०६ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	द्वि.ज्ये.कृ.०८ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	प्र.ज्ये.शु. १२ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	बै.शु. १२ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	प्र.ज्ये.शु. १३ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	प्र.ज्ये.शु. ०७ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	बै.शु. ०८ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	प्र.ज्ये.शु. ०९ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	प्र.ज्ये.शु. १० से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.
द्वि.ज्ये.शु.१२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.शु. १२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.कृ. ०७ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	आ.शु. ०४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	श्रा.शु. ०७ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	आ.कृ. १० से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	द्वि.ज्ये.शु. १३ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	आ.शु. १३ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	द्वि.ज्ये.शु. १३ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	द्वि.ज्ये.शु. ०६ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. ०७ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	द्वि.ज्ये.शु. ०९ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.
आ.शु. १० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	श्रा.शु. ११ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	श्रा.शु. १४ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	श्रा.कृ. ०८ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	भा.कृ. ११ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	भा.शु. ०८ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	श्रा.कृ. १० से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	भा.कृ. ११ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	श्रा.शु. १३ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	आ.शु. १३ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	श्रा.शु. १३ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	श्रा.शु. ०७ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.
भा.शु. ०८ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. ०८ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	भा.शु. १३ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	भा.शु. १५ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	का.कृ. ०३ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.कृ. १३ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	आ.शु. ०८ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.शु. ०८ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	आ.कृ. १२ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	भा.शु. १३ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	आ.शु. १३ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	भा.शु. १३ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.
आ.शु. १४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. १४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. १० से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. १४ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	मा.कृ. ०१ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	मा.कृ. ०५ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	का.कृ. १४ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.कृ. १४ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.शु. ०९ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.कृ. १२ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	मा.कृ. १२ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	का.शु. १२ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.
मा.शु. १४ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	पौ.शु. १४ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	पौ.कृ. ०२ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. ११ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	पौ.शु. १४ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	पौ.कृ. ०३ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	पौ.कृ. ०५ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	मा.कृ. ०६ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	पौ.कृ. ३० से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	पौ.शु. ०८ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	मा.शु. ०८ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	पौ.कृ. १२ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.
मा.कृ. १३ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	फा.कृ. १३ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	फा.कृ. ०२ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	मा.कृ. ०४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	फा.कृ. ०७ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	फा.कृ. ०१ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	मा.कृ. ०४ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	फा.कृ. ०४ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	फा.कृ. ०७ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	मा.कृ. १४ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.कृ. १४ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.शु. ०८ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.

संवत् २०७५, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०१८

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	सोमवार २४ सितंबर प्रातः ७।१७ बजे के बाद (भाद्रपद शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम) ”	मंगलवार २५ सितंबर प्रातः ८।२१ बजे के बाद
द्वितीया (दूज) ”	बुधवार २६ सितंबर प्रातः ८।५६ बजे के बाद
तृतीया (तीज) ”	गुरुवार २७ सितंबर प्रातः ९।०४ बजे के बाद
चतुर्थी (चोथ) ”	शुक्रवार २८ सितंबर प्रातः ८।४७ बजे के बाद
पंचमी (पांच) ”	शनिवार २९ सितंबर प्रातः ८।०७ बजे के बाद
षष्ठी (छठ) ”	रविवार ३० सितंबर प्रातः ७।०६ बजे के बाद

सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	सोमवार १ अक्टूबर
अष्ठमी (आठं) ”	मंगलवार २ अक्टूबर
नवमी (नौमी) ”	बुधवार ३ अक्टूबर
दशमी (दस) ”	गुरुवार ४ अक्टूबर
एकादशी ”	शुक्रवार ५ अक्टूबर
द्वादशी (बारस) ”	शनिवार ६ अक्टूबर
त्रयोदशी (तेरस) ”	रविवार ७ अक्टूबर मध्यान्ह २।०६ बजे के पहले
चतुर्दशी (चौदस) ”	सोमवार ८ अक्टूबर मध्यान्ह ११।३४ बजे के पहले
अमावस्या (मावस) ”	सोमवार ८ अक्टूबर मध्यान्ह ११।३४ बजे के बाद

१८ मार्च से ३१ मार्च तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	र	२९	४७	१८	३५	उभा	३३	४३	२०	१०	शु	३१	२९	१९	१६	किं	०	०६	६	४३	२९/५०	६/४०	६/३६	२७	२९	१८	मीने	११।०३।११।२०	५९।४३
सिंधारा	२	सो	२८	१८	१७	५८	रेव	३३	४८	२०	१०	ब्र	२७	२७	१७	३८	कौ	२८	१८	१७	५८	५४	३९	३७	२८	३०	१९	मेषे २०।१०	११।०४।११।०४	५९।४१
गणगोर	३	मं	२५	४६	१६	५७	अश्वि	३२	५२	१९	४७	ऐ	२२	३६	१५	४१	ग	२५	४६	१६	५७	५८	३८	३७	२९	१	२०	मेषे	११।०५।१०।४५	५९।३९
काण	४	बु	२२	२५	१५	३५	भर	३१	०९	१९	०४	वै	१७	०५	१३	२७	वि	२२	२५	१५	३५	३०/०२	३७	३८	३०	२	२१	वृषे २४।५१	११।०६।१०।२४	५९।३७
लुम्बक	५	गु	१८	२३	१३	५७	कृति	२८	४७	१८	०७	वि	११	०१	११	००	बा	१८	२३	१३	५७	०६	३६	३९	१	३	२२	वृषे	११।०७।१०।०१	५९।३५
मित्र	६	शु	१३	५१	१२	०७	रोहि	२५	५८	१६	५८	प्री	४/५७	३२/४३	८/२९	२४/४०	तै	१३	५१	१२	०७	११	३५	३९	२	४	२३	मिथु. २८।२१	११।०८।०९।३५	५९।३२
वज्र	७	श	८	५८	१०	०९	मृग	२२	५०	१५	४२	सौ	५०	४३	२६	५१	व	८	५८	१०	०९	१५	३४	४०	३	५	२४	मिथु.	११।०९।०९।०८	५९।३०
रामनव	८	र	३	५१	८	०५	आर्द्रा	१९	२८	१४	२०	शो	४३	३५	२३	५९	ब	३	५१	८	०५	१९	३३	४०	४	६	२५	मिथु.	११।१०।०८।३८	५९।२८
क्षयः	९	र	५८	३१	२९	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धूम्र	१०	सो	५३	०७	२७	४६	पुन	१५	५८	१२	५५	अ	३६	२२	२१	०४	तै	२५	५१	१६	५२	२३	३१	४१	५	७	२६	कर्के ७।१६	११।११।०८।०५	५९।२५
ए.व्र.	११	मं	४७	४४	२५	३६	पुष्य	१२	२४	११	२८	सु	२९	०७	१८	०९	व	२०	२७	१४	४१	२७	३०	४१	६	८	२७	कर्के	११।१२।०७।३१	५९।२३
राक्षस	१२	बु	४२	२८	२३	२८	श्ले	८	५२	१०	०२	धृ	२१	५६	१५	१६	व	१५	०६	१२	३१	३१	२९	४२	७	९	२८	सिंहे १०।०२	११।१३।०६।५४	५९।२१
प्र.व्र.	१३	गु	३७	२९	२१	२८	मघा	५	३१	८	४१	शू	१४	५७	१२	२७	कौ	९	५७	१०	२७	३५	२८	४२	८	१०	२९	सिंहे	११।१४।०६।१४	५९।१८
सिद्धि	१४	शु	३३	०२	१९	४०	पूफा	२	३४	७	२८	गं	८	१७	९	४६	ग	५	१२	८	३२	४०	२७	४३	९	११	३०	कन्या १३।१३	११।१५।०५।३३	५९।१६
पूर्णिमा	१५	श	२९	२४	१८	११	उफा	०/५८	१५/४७	६/२९	३३/५७	वृ	२/५६	११/४७	७/२९	१६/०९	वि	१	०८	६	५३	४४	२६	४३	१०	१२	३१	कन्या	११।१६।०४।४९	५९।१४

केतकी अहर्गणः २५३८ वसंतर्त्तू रविरुत्तरे, मार्च २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १, C
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक समाप्तिः २०।१०, श्रृंगार(सिंघारा) देशाचारे
भ. २८।१८ उ., मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, A
भ. १५।३५ या. [C कल्पादि उभा. रविः ७।२१ (सौरः १०।०९)
कल्पादि, डोलोत्सवः, स्कन्द षष्ठी व्र., भा. चैत्रारंभः
वक्री बुधः १५।५७ [A गणगौरी पूजा, मनोरथ तृतीया व्र., D
भ. १०।०९ उ. २१।०८ या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं
श्री रामनवमी [D सौभाग्य शयन व्र., शिवशक्ति पू., रज्ञव ७, E
[E सायन मेषे भानुः २१।३१
बुधास्तः पश्चिमायाम् १०।२१, मेषे अश्वि. शुक्रः १४।३५
भ.१४।४१ उ. २५।३६ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
हरि दमनोत्सवः [B स्नानारंभः, रेव. रविः १८।१० (सौरः २०।४०)
प्रदोषः, जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः
भ. १९।४० उ., पूषा. भौमः २७।३२
भ. ६।५३ या., मन्वादि, श्रीहनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च वैशाख B

अयनांशाः २४।०५।२८

पं.५० चै.शु. ६ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	८	११	६	११	८	३	९
०८	०८	२२	२८	२५	१४	१८	१८
१६	५५	५३	४६	५२	३३	२८	२८
१३	५५	३९	०७	४७	२६	४९	४९
५९	३३	४	२	७४	२	३	३
२८	५२	४४	४१	०९	२८	११	११
उभा	मू	रे	वि	रे	पूषा	श्ले	श्र
२	३	२व	३व	३	१	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मार्च	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायँ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन प्रातः
११।०३।१८।३९	१ र	१८	७।५७	९।३३	११।२९	१।४४	४।०४	६।२१	८।३७	१०।५६	१।१५	३।१९	५।०३	६।३१
११।०४।१८।२३	२ चं	१९	७।५३	९।२९	११।२६	१।४०	४।००	६।१७	८।३३	१०।५२	१।११	३।१५	४।५९	६।२७
११।०५।१८।०४	३ मं	२०	७।४९	९।२५	११।२२	१।३६	३।५६	६।१३	८।२९	१०।४८	१।०७	३।११	४।५५	६।२३
११।०६।१७।४२	४ बु	२१	७।४५	९।२१	११।१८	१।३२	३।५३	६।०९	८।२५	१०।४४	१।०३	३।०७	४।५१	६।१९
११।०७।१७।१९	५ गु	२२	७।४१	९।१८	११।१४	१।२८	३।४९	६।०५	८।२१	१०।४०	१२।५९	३।०४	४।४७	६।१५
११।०८।१६।५३	६ शु	२३	७।३७	९।१४	११।१०	१।२५	३।४५	६।०१	८।१७	१०।३६	१२।५५	३।००	४।४३	६।११
११।०९।१६।२५	७ श	२४	७।३३	९।१०	११।०६	१।२१	३।४१	५।५८	८।१३	१०।३२	१२।५१	२।५६	४।३९	६।०७
११।१०।१५।५५	८ र	२५	७।३०	९।०६	११।०२	१।१७	३।३७	५।५४	८।०९	१०।२९	१२।४७	२।५२	४।३५	६।०४
११।११।१५।२२	१० चं	२६	७।२६	९।०२	१०।५८	१।१३	३।३३	५।५०	८।०५	१०।२५	१२।४३	२।४८	४।३१	६।००
११।१२।१४।४७	११ मं	२७	७।२२	८।५८	१०।५४	१।०९	३।२९	५।४६	८।०२	१०।२१	१२।३९	२।४४	४।२७	५।५६
११।१३।१४।१०	१२ बु	२८	७।१८	८।५४	१०।५०	१।०५	३।२५	५।४२	७।५८	१०।१७	१२।३५	२।४०	४।२३	५।५२
११।१४।१३।३१	१३ गु	२९	७।१४	८।५०	१०।४६	१।०१	३।२१	५।३८	७।५४	१०।१३	१२।३१	२।३६	४।१९	५।४८
११।१५।१२।४९	१४ शु	३०	७।१०	८।४६	१०।४२	१२।५७	३।१७	५।३४	७।५०	१०।०९	१२।२७	२।३२	४।१५	५।४४
११।१६।१२।०५	१५ श	३१	७।०६	८।४२	१०।३८	१२।५३	३।१३	५।३०	७।४६	१०।०५	१२।२३	२।२८	४।११	५।४०

मास फलम्

प्रतिपदा को रविवार होने से पवन अधिक चले और धान्य, वर्षा तथा फल कम हों। पूर्णिमा उत्तराफाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो और शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। मीन राशि में बुध का अस्त होने से राज्यवर्ग में पीड़ा हो। बृहस्पति और शुक्र परस्पर सप्तम राशि में स्थित होने से रोग और अनेक प्रकार के भय से प्रजागण पीड़ित हो तथा अवृष्टि हो। अश्विनी में शुक्र होने से ब्राह्मण जाति में विरोध हो। जौ, तिल, उड़द कम हों,

अयनांशाः २४।०५।२९

पं.५१ चै.शु.१४ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	८	११	६	०	८	३	९
१५	१२	२०	२८	०४	१४	१८	१८
११	५०	००	२३	३१	४८	०६	०६
४९	५१	३०.	४०	०९	४५	३४	३४
५९	३३	४५	३	७३	१	३	३
१४	०९	२३	५३	५५	४९	११	११
उभा	मू	रे	वि	अ	पूषा	श्ले	श्र
४	४	२व	३व	२	१	१	३

१ अप्रेल से १६ अप्रेल तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल २०१८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
पद्म	१	र	२६	४९	१७	०८	चित्रा	५८	३५	२९	५१	व्या	५२	२५	२७	२३	कौं	२६	४९	१७	०८	३० ५८	६ २५	६ ४४	११	१३	१	तुला. १७।५०	११।१७।०४।०३	५९।१२	अप्रेल ४ ता. ३०
छत्र	२	सो	२५	३४	१६	३७	स्वा	५९	५०	३०	२०	ह	४९	१०	२६	०४	ग	२५	३४	१६	३७	५२	२४	४४	१२	१४	२	तुला.	११।१८।०३।१५	५९।०९	भ. २८।३६ उ.
च.व्र.	३	मं	२५	५६	१६	४५	विशा	...	...	...	...	व	४७	१४	२५	१६	वि	२५	५६	१६	४५	५६	२२	४५	१३	१५	३	वृश्चि. २५।०७	११।१९।०२।२४	५९।०७	भ. १६।४५ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३६, (व) A
धाता	४	बु	२७	५८	१७	३३	विशा	२	४५	७	२७	सि	४६	३८	२५	०१	बा	२७	५८	१७	३३	३१ ००	२१	४५	१४	१६	४	वृश्चि.	११।२०।०१।३१	५९।०५	अनुसूया जयंती
आनन्द	५	गु	३१	४३	१९	०१	अनु	७	१७	९	१५	व्य	४७	१७	२५	१५	तै	३१	४३	१९	०१	०४	२०	४६	१५	१७	५	वृश्चि.	११।२१।००।३५	५९।०२	[A उभा. बुधः ९।४९
चर	६	शु	३६	५४	२१	०५	ज्ये	१३	२०	११	३९	व	४८	५९	२५	५५	ग	४	११	७	५९	०८	१९	४६	१६	१८	६	धनु. ११।३९	११।२१।५९।३८	५९।००	भ. २१।०५ उ., भर. शुक्रः १०।१५
गद	७	श	४३	०८	२३	३३	मूल	२०	३२	१४	३१	प	५१	२३	२६	५१	वि	९	५७	१०	१७	१२	१८	४७	१७	१९	७	धनु.	११।२२।५८।३८	५८।५८	भ. १०।१७ या.
शुभ	८	र	४९	४३	२६	१०	पूषा	२८	१९	१७	३७	शि	५४	००	२७	५३	बा	१६	२६	१२	५१	१६	१७	४७	१८	२०	८	मक. २४।२३	११।२३।५७।३६	५८।५६	वूढो वास्योड़ो
मृत्यु	९	सो	५५	५९	२८	४०	उषा	३६	००	२०	४०	सि	५६	२१	२८	४८	तै	२२	५८	१५	२७	२०	१६	४८	१९	२१	९	मक.	११।२४।५६।३१	५८।५३	[B रविः ७।२९ (सौरः १०।०२)
लुम्बक	१०	मं	...	...	...	...	श्रव	४२	५६	२३	२५	सा	५७	५८	२९	२६	व	२८	४८	१७	४६	२४	१५	४९	२०	२२	१०	मक.	११।२५।५५।२४	५८।५१	भ. १७।४६ उ.
मित्र	१०	बु	१	१९	६	४५	धनि	४८	३६	२५	४०	शु	५८	३०	२९	३८	वि	१	१९	६	४५	२८	१४	४९	२१	२३	११	कुंभे १२।३७	११।२६।५४।१५	५८।४९	भ. ६।४५ या., पंचक प्रारम्भः १२।३७
ए.व्र.	११	गु	५	०९	८	१६	शत	५२	४०	२७	१७	शु	५७	४३	२९	१८	बा	५	०९	८	१६	३२	१३	५०	२२	२४	१२	कुंभे	११।२७।५३।०४	५८।४६	वरुथिनि ११ व्र., वुधोदयः पूर्वस्याम् ८।३५
प्र.व्र.	१२	शु	७	१७	९	०७	पूभा	५५	०१	२८	१२	ब्र	५५	३५	२८	२६	तै	७	१७	९	०७	३६	१२	५०	२३	२५	१३	मीने २२।०२	११।२८।५१।५०	५८।४४	प्रदोषः
धूम्र	१३	श	७	३७	९	१४	उभा	५५	३९	२८	२६	ऐ.	५२	०५	२७	०१	व	७	३७	९	१४	४०	११	५१	२४	२६	१४	मीने	११।२९।५०।३४	५८।४२	भ. ९।१४ उ. २१।०२ या., मासिकशिवरात्री व्र., मेषे अश्वि. B
प्रवर्धमा	१४	र	६	१६	८	४०	रेव	५४	४७	२८	०४	वै	४७	२१	२५	०६	श	६	१६	८	४०	४४	१०	५१	२५	२७	१५	मेषे २८।०४	०।००।४९।१६	५८।३९	पंचक समाप्तिः २८।०४, पितृकार्येऽमा., मार्गी बुधः २३।५१
अमाव.	३०	सो	३	२४	७	३०	अश्वि	५२	३९	२७	१२	वि	४१	३३	२२	४६	ना	३	२४	७	३०	४८	०९	५२	२६	२८	१६	मेषे	०।०१।४७।५५	५८।३७	देवकार्येऽमा., सोमवती अमा.

अयनांशाः २४।०५।३०

प.५२ वै.कृ. ६ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	८	११	६	०	८	३	९
२२	१६	१४	२७	१३	१४	१७	१७
०५	४०	२२	५३	०७	५९	४४	४४
४५	२४	३४	०१	५५	२४	२०	२०
५९	३२	४३	५	७३	१	३	३
००	१८	११	०१	४१	०८	१०	१०
रे	पूषा	उभा	वि	अ	पूषा	श्ले	श्र
२	२	४व	३व	४	१	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
११।१७।११।१८	१ र	१	७।०२	८।३८	१०।३४	१२।४९	३।०९	५।२६	७।४२	१०।०१	१२।२०	२।२४	४।०७	५।३६
११।१८।१०।३०	२ चं	२	६।५८	८।३४	१०।३०	१२।४५	३।०५	५।२२	७।३८	९।५७	१२।१६	२।२०	४।०३	५।३२
११।१९।०९।३९	३ मं	३	६।५४	८।३०	१०।२६	१२।४१	३।०१	५।१८	७।३४	९।५३	१२।१२	२।१६	४।००	५।२८
११।२०।०८।४५	४ बु	४	६।५०	८।२६	१०।२३	१२।३७	२।५७	५।१४	७।३०	९।४९	१२।०८	२।१२	३।५६	५।२४
११।२१।०७।५०	५ गु	५	६।४६	८।२२	१०।१९	१२।३३	२।५३	५।१०	७।२६	९।४५	१२।०४	२।०८	३।५२	५।२०
११।२२।०६।५२	६ शु	६	६।४२	८।१८	१०।१५	१२।२९	२।४९	५।०६	७।२२	९।४१	१२।००	२।०४	३।४८	५।१६
११।२३।०५।५१	७ श	७	६।३८	८।१५	१०।११	१२।२५	२।४६	५।०२	७।१८	९।३७	११।५६	२।००	३।४४	५।१२
११।२४।०४।४९	८ र	८	६।३४	८।११	१०।०७	१२।२२	२।४२	४।५८	७।१४	९।३३	११।५२	१।५७	३।४०	५।०८
११।२५।०३।४४	९ चं	९	६।३०	८।०७	१०।०३	१२।१८	२।३८	४।५५	७।१०	९।२९	११।४८	१।५३	३।३६	५।०४
११।२६।०२।३७	१० मं	१०	६।२७	८।०३	९।५९	१२।१४	२।३४	४।५१	७।०६	९।२६	११।४४	१।४९	३।३२	५।००
११।२७।०१।२८	१० बु	११	६।२३	७।५९	९।५५	१२।१०	२।३०	४।४७	७।०२	९।२२	११।४०	१।४५	३।२८	४।५७
११।२८।००।१६	११ गु	१२	६।१९	७।५५	९।५१	१२।०६	२।२६	४।४३	६।५९	९।१८	११।३६	१।४१	३।२४	४।५३
११।२८।५९।०२	१२ शु	१३	६।१५	७।५१	९।४७	१२।०२	२।२२	४।३९	६।५५	९।१४	११।३२	१।३७	३।२०	४।४९
११।२९।५७।४६	१३ श	१४	६।११	७।४७	९।४३	११।५८	२।१८	४।३५	६।५१	९।१०	११।२८	१।३३	३।१६	४।४५
००।००।५६।२७	१४ र	१५	६।०७	७।४३	९।३९	११।५४	२।१४	४।३१	६।४७	९।०६	११।२४	१।२९	३।१२	४।४१
००।०१।५५।०६	३० चं	१६	६।०३	७।३९	९।३५	११।५०	२।१०	४।२७	६।४३	९।०२	११।२०	१।२५	३।०८	४।३७

संक्रांति फलम्

ता. १४ अप्रेल २०१८
वैशा. कृ. १३ शनौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ७।२९ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (वैठी) मु. ४५ धान्यमावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः भृगौ (स्टै.) २५।२९ से शनौ १३।२९ तक। (दान- मेष)।

अयनांशाः २४।०५।३१

प. १ वै.कृ.१४ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	८	११	६	०	८	३	९
००	२१	१०	२७	२४	१५	१७	१७
५५	२६	४१	०३	०९	०६	१५	१५
३१	०३	२०	०१	५२	०३	४४	४४
५८	३०	१	६	७३	०	३	३
४२	५९	२३	१२	२२	१५	११	११
अ	पूषा	उभा	वि	भ	पूषा	श्ले	श्र
१	३	३	३व	४	१	१	३

१७ अप्रेल से ३० अप्रेल तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिना सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	सो	५९	१४	२९	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मुसल	२	मं	५४	१३	२७	४९	भर	४९	३४	२५	५७	प्री	३४	५५	२०	०६	वा	२६	५१	१६	५२	३५/५२	६/०८	६/५३	२७	२९	१७	मेषे	०।०२।४६।३३	५८।३५
अक्षया	३	बु	४८	३६	२५	३३	कृति	४५	५२	२४	२७	आ	२७	४४	१७	१२	तै	२१	२९	१४	४२	५६	०७	५३	२८	१	१८	वृषे ७।३६	०।०३।४५।०८	५८।३३
उत्पात	४	गु	४२	४२	२३	१०	रोहि	४१	५२	२२	५०	सौ	२०	१३	१४	११	व	१५	४१	१२	२२	३२/००	०६	५३	२९	२	१९	वृषे	०।०४।४३।४०	५८।३१
मानस	५	शु	३६	४७	२०	४७	मृग	३७	५२	२१	१३	शो	१२	३६	११	०७	व	९	४५	९	५९	०३	०५	५४	३०	३	२०	मिथु. १०।०२	०।०५।४२।११	५८।२८
नुद्दर	६	श	३१	०४	१८	२९	आर्द्रा	३४	०३	११	४१	अ	५/५७	०४/३५	२६	०५/१०	कौ	३	५५	७	३८	०७	०४	५४	१	४	२१	मिथु.	०।०६।४०।३९	५८।२६
ध्वजा	७	र	२५	३९	१६	१८	पुन	३०	३३	१८	१६	धृ	५०	४६	२६	२१	व	२५	३९	१६	१८	११	०३	५५	२	५	२२	कर्के १२।३६	०।०७।३९।०६	५८।२४
धाता	८	सो	२०	४०	१४	१८	पुष्य	२७	२९	१७	०१	शू	४४	०७	२३	४०	व	२०	४०	१४	१८	१५	०२	५६	३	६	२३	कर्के	०।०८।३७।३०	५८।२२
आनन्द	९	मं	१६	०६	१२	२७	श्ले	२४	५१	१५	५७	गं	३७	५१	२१	०९	कौ	१६	०६	१२	२७	१८	०१	५६	४	७	२४	सिंहे १५।५७	०।०९।३५।५२	५८।२०
चर	१०	बु	१२	०२	१०	४९	मघा	२२	४२	१५	०५	वृ	३१	५९	१८	४८	ग	१२	०२	१०	४९	२२	००	५७	५	८	२५	सिंहे	०।१०।३४।११	५८।१८
ए.ब्र.	११	गु	८	२८	९	२२	पूफा	२१	०५	१४	२५	ध्रु	२६	३३	१६	३६	वि	८	२८	९	२२	२६	५/५१	५७	६	९	२६	कन्या २०।१७	०।११।३२।२९	५८।१५
प्र.ब्र.	१२	शु	५	२९	८	१०	उफा	२०	०४	१४	००	व्या	२१	३९	१४	३७	वा	५	२९	८	१०	२९	५८	५८	७	१०	२७	कन्या	०।१२।३०।४४	५८।१३
मृत्यु	१३	श	३	१५	७	१५	हस्त	१९	४७	१३	५२	ह	१७	१९	१२	५३	तै	३	१५	७	१५	३३	५७	५८	८	११	२८	तुला. २५।५६	०।१३।२८।५८	५८।११
पद्म	१४	र	१	५०	६	४०	चित्रा	२०	२५	१४	०६	व	१३	४३	११	२६	व	१	५०	६	४०	३७	५६	५९	९	१२	२९	तुला.	०।१४।२७।०९	५८।०९
पूर्णिमा	१५	सो	१	२९	६	३१	स्वा	२२	०६	१४	४६	सि	१०	५७	१०	१८	व	१	२९	६	३१	४०	५६	७/००	१०	१३	३०	तुला.	०।१५।२५।१८	५८।०७

केतकी अहर्गणः २५६८ वसंतर्त्तू रविरुत्तरे, अप्रेल २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A भर. रविः २३।१९ (सौरः २६।१६), रेव. बुधः २८।२८, D
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), शिवाजी जयंती, कृत्ति. शुक्रः ७।१५
युगादि, कल्पादि, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया, B
भ. १२।२२ उ. २३।१० या., वृषे शुक्रः २४।४३
मृगे रे. ७ IIIIISSSII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(७), श्री C
श्री रामानुज जयंती, भा. वैशाखारंभः
भ. १६।१८ उ. २७।१७ या., गंगोत्पत्ति
[B सावान ८, (व) विशा.-२ गुरुः २१।०३, वक्री शनिः १७।२९
सीता ९ [D रोहि. शुक्रः २९।४२, अगस्त्यास्तः २५।१०
भ. २२।०४ उ., उपा. भौमः १५।५५ [E श्रव.-२ केतुः ११।५५
भ. ९।२२ या., मोहिनी ११ व्र., पुष्ये-४ राहुः ११।५५, E
हस्ते रे. ६ IIISSSSIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि, ८, प्रदोषः, A
नृसिंह १४ [C आद्यशंकराचार्य जयंती, सायन वृषे भानुः ८।२७
भ. ६।४० उ. १८।३३ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतं
पूर्णिमा पुण्यं, वैशाखस्नानपूर्त्तिः, धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदानं

अयनांशाः २४।०५।३२

पं. २ वै.शु. ७ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	८	११	६	१	८	३	९
०७	२४	१२	२६	०२	१५	१६	१६
४५	५९	३१	१७	४२	०५	५३	५३
४४	१९	२५	२२	४२	४३	२९	३०
५८	२९	३३	६	७३	०	३	३
२९	४४	०२	५६	०७	२७	१०	१०
अ	पूषा	उभा	वि	कृ	पूषा	श्ले	श्र
३	४	३	२व	२	१व	१	३

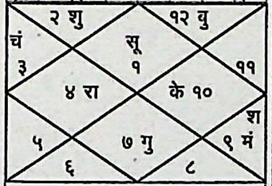

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।०२।५३।४३	२ मं	१७	५।५९	७।३५	९।३१	११।४६	२।०६	४।२३	६।३९	८।५८	११।१७	१।२१	३।०४	४।३३
००।०३।५२।१८	३ बु	१८	५।५५	७।३१	९।२७	११।४२	२।०२	४।१९	६।३५	८।५४	११।१३	१।१७	३।००	४।२९
००।०४।५०।५१	४ गु	१९	५।५१	७।२७	९।२३	११।३८	१।५८	४।१५	६।३१	८।५०	११।०९	१।१३	२।५६	४।२५
००।०५।४९।२१	५ शु	२०	५।४७	७।२३	९।१९	११।३४	१।५४	४।११	६।२७	८।४६	११।०५	१।०९	२।५३	४।२१
००।०६।४७।४९	६ श	२१	५।४३	७।१९	९।१६	११।३०	१।५०	४।०७	६।२३	८।४२	११।०१	१।०५	२।४९	४।१७
००।०७।४६।१५	७ र	२२	५।३९	७।१५	९।१२	११।२६	१।४६	४।०३	६।१९	८।३८	१०।५७	१।०१	२।४५	४।१३
००।०८।४४।३९	८ चं	२३	५।३५	७।११	९।०८	११।२२	१।४३	३।५९	६।१५	८।३४	१०।५३	१२।५७	२।४१	४।०९
००।०९।४३।००	९ मं	२४	५।३१	७।०८	९।०४	११।१८	१।३९	३।५५	६।११	८।३०	१०।४९	१२।५४	२।३७	४।०५
००।१०।४१।२०	१० बु	२५	५।२७	७।०४	९।००	११।१५	१।३५	३।५१	६।०७	८।२६	१०।४५	१२।५०	२।३३	४।०१
००।११।३९।३७	११ गु	२६	५।२३	७।००	८।५६	११।११	१।३१	३।४८	६।०३	८।२२	१०।४१	१२।४६	२।२९	३।५७
००।१२।३७।५२	१२ शु	२७	५।२०	६।५६	८।५२	११।०७	१।२७	३।४४	५।५९	८।१९	१०।३७	१२।४२	२।२५	३।५४
००।१३।३६।०५	१३ श	२८	५।१६	६।५२	८।४८	११।०३	१।२३	३।४०	५।५५	८।१५	१०।३३	१२।३८	२।२१	३।५०
००।१४।३४।१६	१४ र	२९	५।१२	६।४८	८।४४	१०।५९	१।१९	३।३६	५।५२	८।११	१०।२९	१२।३४	२।१७	३।४६
००।१५।३२।२५	१५ चं	३०	५।०८	६।४४	८।४०	१०।५५	१।१५	३।३२	५।४८	८।०७	१०।२५	१२।३०	२।१३	३।४२

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद है, वर्षा के गर्भ को बिगाड़ते हैं, यथा- पंचार्कयोगेवैशाखे वृष्टिगर्भविनाशकः ॥ इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रवल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुखी हो। अमावस्या अश्विनी योग सुभिक्ष और सुखद है। वैशाखी अमावस को अश्विनी होने से महर्ध-समर्ध मध्यम हो। शुक्ला पंचमी को शुक्रवार होने से कलह हो। शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २४।०५।३३

पं. ३ वै.शु.१४ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	८	११	६	१	८	३	९
१४	२८	१७	२५	११	१५	१६	१६
३४	२३	३६	२७	१३	००	३१	३१
२५	१३	३७	२५	३९	३७	१५	१५
५८	२८	५६	७	७२	१	३	३
१६	१६	३२	२५	५०	०७	१०	१०
भ	उषा	रे	वि	रो	पूषा	पु	श्र
१	१	१	२व	१	१व	४	२

१ मई से १५ मई तक, श्री प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	मं	२	१८	६	५०	विशा	२५	००	१५	५५	व्य	९	१०	९	३५	कौ	२	१८	६	५०	३३/४४	५/५५	७/००	११	१४	१	वृश्चि. ९।३५	०।१६।२३।२५	५८।०५
सौम्य	२	बु	४	२८	७	४१	अनु	२९	१४	१७	३५	व	८	२७	९	१६	ग	४	२८	७	४१	४७	५४	०१	१२	१५	२	वृश्चि.	०।१७।२१।३०	५८।०३
च.व्र.	३	गु	८	००	९	०५	ज्ये	३४	४६	१९	४८	प	८	४५	९	२३	वि	८	००	९	०५	५०	५३	०१	१३	१६	३	धनु. १९।४८	०।१८।१९।३३	५८।०१
सुस्थिर	४	शु	१२	५१	११	०१	मूल	४१	२९	२२	२८	शि	१०	०५	९	५४	बा	१२	५१	११	०१	५४	५२	०२	१४	१७	४	धनु.	०।१९।१७।३४	५७।५९
मातङ्ग	५	श	१८	४४	१३	२१	पूषा	४९	०२	२५	२९	सि	१२	१३	१०	४५	तै	१८	४४	१३	२१	५७	५२	०२	१५	१८	५	धनु.	०।२०।१५।३४	५७।५७
अमृत	६	र	२५	१२	१५	५५	उषा	५६	५४	२८	३६	सा	१४	५०	११	४७	व	२५	१२	१५	५५	३३/०३	५१	०३	१६	१९	६	नक. ८।१५	०।२१।१३।३१	५७।५५
काण	७	सो	३१	३८	१८	२९	श्रव	...	...	...	...	शु	१७	३१	१२	५१	ब	३१	३८	१८	२९	०४	५०	०४	१७	२०	७	मक.	०।२२।११।२६	५७।५३
लुम्बक	८	मं	३७	२०	२०	४५	श्रव	४	२६	७	३६	शु	१९	४६	१३	४४	बा	४	३८	७	४०	०७	४९	०४	१८	२१	८	कुंभे २०।५८	०।२३।०९।१९	५७।५१
मित्र	९	बु	४१	४२	२२	२९	धनि	१०	५७	१०	१२	ब्र	२१	०७	१४	१५	तै	९	४४	९	४२	१०	४९	०५	१९	२२	९	कुंभे	०।२४।०७।११	५७।५०
वज्र	१०	गु	४४	१७	२३	३१	शत	१५	५६	१२	१०	ऐ	२१	११	१४	१७	व	१३	१५	११	०६	१३	४८	०५	२०	२३	१०	कुंभे	०।२५।०५।००	५७।४८
ए.व्र.	११	शु	४४	५३	२३	४४	पूभा	१९	०२	१३	२४	वै	१९	४६	१३	४२	व	१४	५०	११	४४	१६	४७	०६	२१	२४	११	मीने ७।१०	०।२६।०२।४८	५७।४६
धूम्र	१२	श	४३	२४	२३	०८	उभा	२०	०९	१३	५०	वि	१६	४३	१२	२८	कौ	१४	२३	११	३२	१९	४७	०६	२२	२५	१२	मीने	०।२७।००।३४	५७।४४
प्र.व्र.	१३	र	४०	०३	२१	४८	रेव	१९	१९	१३	३०	प्री	१२	०५	१०	३६	ग	११	५७	१०	३३	२२	४६	०७	२३	२६	१३	मेषे १३।३०	०।२७।५८।१८	५७।४२
राक्षस	१४	सो	३५	०६	१९	४८	अश्वि	१६	४७	१२	२८	आ	६/५८	०३/४२	८/२९	११/१७	वि	७	४५	८	५२	२५	४६	०८	२४	२७	१४	मेषे	०।२८।५६।००	५७।४१
अमाव.	३०	मं	२८	५२	१७	१८	भर	१२	५२	१०	५४	शो	५०	४०	२६	०१	च	२	०८	६	३६	२८	४५	०८	२५	२८	१५	वृषे १६।२६	०।२९।५३।४०	५७।३९

ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे वैशास्तकृष्णेति गुर्जराः, मई २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मई ५ ता. ३१
भ. २०।१९ उ., नारद जयंती, वीणादानं, मकरे भौमः १६।५८
भ. ९।०५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०८
[A अधिक मासारंभः, भाऊका ३०, वट सावित्री व्र.(मरु.), B
[B वृषे सौरः ८।२३, (व) विशा.-१ गुरुः २५।२७
भ. १५।५५ उ. २९।१४ या.
टैगोर जयन्ती
पंचक प्रारम्भः २०।५८, मृगे शुक्रः २९।४८
मेषे अश्वि. बुधः २०।५४ [C कृत्ति. रविः १७।३० (सौरः २१।१४)
भ. ११।०६ उ. २३।३१ या.
उभा. रे. ७ ।ऽ।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न ८, ११, अपरा ११ व्र., C
रेवत्यां रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न ८ [D मासिकशिवरात्री व्र.
भ. २१।४८ उ., पंचक समाप्तिः १३।३०, प्रदोषः, D
भ. ८।५२ या., वृषे रविः २८।२३, मिथुने शुक्रः १८।३४
शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, A

अयनांशाः २४।०५।३४

पं. ४ प्र.ज्ये.कृ. ६ र.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	११	६	१	८	३	९
२१	०१	२५	२४	१९	१४	१६	१६
२१	३५	१२	३४	४२	५०	०९	०९
३९	५५	००	४९	३५	५४	००	००
५८	२६	७५	७	७२	१	३	३
०४	३०	५६	३९	३२	४६	१०	५०
भ	उषा	रे	वि	रो	पूषा	पु	श्र
३	२	३	२व	३	१व	४	२

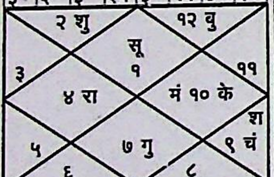

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।१६।३०।३२	१ मं	१	५।०४	६।४०	८।३६	१०।५१	१।११	३।२८	५।४४	८।०३	१०।२१	१२।२६	२।०९	३।३८
००।१७।२८।३७	२ बु	२	५।००	६।३६	८।३२	१०।४७	१।०७	३।२४	५।४०	७।५९	१०।१७	१२।२२	२।०५	३।३४
००।१८।२६।३९	३ गु	३	४।५६	६।३२	८।२८	१०।४३	१।०३	३।२०	५।३६	७।५५	१०।१३	१२।१८	२।०१	३।३०
००।१९।२४।४०	४ शु	४	४।५२	६।२८	८।२४	१०।३९	१२।५९	३।१६	५।३२	७।५१	१०।१०	१२।१४	१।५७	३।२६
००।२०।२२।३९	५ श	५	४।४८	६।२४	८।२०	१०।३५	१२।५५	३।१२	५।२८	७।४७	१०।०६	१२।१०	१।५३	३।२२
००।२१।२०।३६	६ र	६	४।४४	६।२०	८।१६	१०।३१	१२।५१	३।०८	५।२४	७।४३	१०।०२	१२।०६	१।५०	३।१८
००।२२।१८।३१	७ चं	७	४।४०	६।१६	८।१३	१०।२७	१२।४७	३।०४	५।२०	७।३९	९।५८	१२।०२	१।४६	३।१४
००।२३।१६।२४	८ मं	८	४।३६	६।१२	८।०९	१०।२३	१२।४३	३।००	५।१६	७।३५	९।५४	११।५८	१।४२	३।१०
००।२४।१४।१५	९ बु	९	४।३२	६।०८	८।०५	१०।१९	१२।३९	२।५६	५।१२	७।३१	९।५०	११।५४	१।३८	३।०६
००।२५।१२।०४	१० गु	१०	४।२८	६।०४	८।०१	१०।१५	१२।३६	२।५२	५।०८	७।२७	९।४६	११।५०	१।३४	३।०२
००।२६।०९।५२	११ शु	११	४।२४	६।०१	७।५७	१०।१२	१२।३२	२।४८	५।०४	७।२३	९।४२	११।४७	१।३०	२।५८
००।२७।०७।३७	१२ श	१२	४।२०	५।५७	७।५३	१०।०८	१२।२८	२।४४	५।००	७।१९	९।३८	११।४३	१।२६	२।५४
००।२८।०५।२१	१३ र	१३	४।१६	५।५३	७।४९	१०।०४	१२।२४	२।४१	४।५६	७।१५	९।३४	११।३९	१।२२	२।५०
००।२९।०३।०३	१४ चं	१४	४।१३	५।४९	७।४५	१०।००	१२।२०	२।३७	४।५२	७।१२	९।३०	११।३५	१।१८	२।४७
०१।००।००।४३	३० मं	१५	४।०९	५।४५	७।४१	९।५६	१२।१६	२।३३	४।४८	७।०८	९।२६	११।३१	१।१४	२।४३

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २०१८
प्र.ज्ये. कृ. १४ चंद्रे वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।२३ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्वदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्वदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः चतुष्पादकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं मेषवाहनं महिषोपवाहनं पीड़ाकारक कंवलवस्त्रं अंकुशायुधं करपात्रं मधुभक्षणं अंजनलेपनं वैश्यजातिः मल्लिकापुष्पं नीलभूषणं चर्मकंचुकी अतिवंध्यावस्था (सूती) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २१।५९ से २८।२३ तक । (दान- गौ) ।

अयनांशाः २४।०५।३५

पं. ५ प्र.ज्ये.कृ.१३ र.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	०	६	१	८	३	९
२८	०४	०४	२३	२८	१४	१५	१५
०७	३५	५६	४१	०९	३६	४६	४६
३३	१९	०५	२२	१८	४७	४५	४५
५७	२४	९३	७	७२	२	३	३
५३	२४	०२	३६	१२	२१	११	११
कृ	उषा	अ	वि	मृ	पूषा	पु	श्र
१	३	२	२व	२	१व	४	२

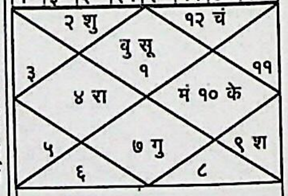

१६ मई से २९ मई तक, श्री प्र.ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	बु	२१	४८	१४	२८	कृति	७	५९	८	५६	अ	४२	००	२२	३३	ब	२१	४८	१४	२८	३३/३१	५/४४	७/०९	२६	२९	१६	वृषे	१।००।५१।१९	५७।३७
उत्पात	२	गु	१४	१७	११	२७	रोहि	२/५६	३३/५९	६/२८	४५/३०	सु	३३	०५	१८	५८	कौ	१४	१७	११	२७	३४	४४	०९	२७	१	१७	मिथु. १७।३७	१।०१।४८।५६	५७।३५
पद्म	३	शु	६	४२	८	२४	आर्द्रा	५१	३२	२६	२०	धृ	२४	११	१५	२४	ग	६	४२	८	२४	३६	४३	१०	२८	२	१८	मिथु.	१।०२।४६।३२	५७।३४
क्षयः	४	शु	५९	२०	२९	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
छत्र	५	श	५२	३४	२६	४४	पुन	४६	३९	२४	२३	शू	१५	३७	११	५८	ब	२५	५३	१६	०४	३९	४३	१०	२९	३	१९	कर्के १८।५१	१।०३।४४।०६	५७।३२
श्रीवत्स	६	र	४६	३०	२४	१८	पुष्य	४२	२९	२२	४२	गं	७	३३	८	४४	कौ	१९	२५	१३	२९	४२	४२	११	३०	४	२०	कर्के	१।०४।४१।३८	५७।३१
सौम्य	७	सो	४१	१८	२२	१३	श्ले	३९	११	२१	२२	वृ	०/५३	०७/२४	५/२७	४५/५४	ग	१३	४७	११	१३	४४	४२	१२	३१	५	२१	सिंहे २१।२२	१।०५।३९।०८	५७।२९
काल	८	मं	३७	०३	२०	३१	मघा	३६	४९	२०	२५	व्या	४७	२९	२४	४१	वि	९	०४	९	१९	४७	४२	१२	१	६	२२	सिंहे	१।०६।३६।३७	५७।२८
सुस्थिर	९	बु	३३	४७	१९	१२	पूफा	३५	२५	१९	५१	ह	४२	२२	२२	३८	वा	५	१८	७	४८	४९	४१	१३	२	७	२३	कन्या २५।४६	१।०७।३४।०५	५७।२६
मातङ्ग	१०	गु	३१	३०	१८	१७	उफा	३५	००	१९	४१	व	३८	०२	२०	५४	तै	२	३१	६	४१	५१	४१	१३	३	८	२४	कन्या	१।०८।३१।३१	५७।२५
ए.व्र.	११	शु	३०	१४	१७	४६	हस्त	३५	३६	१९	५५	सि	३४	३२	१९	२९	व	०	४५	५	५८	५४	४०	१४	४	९	२५	कन्या	१।०९।२८।५५	५७।२३
प्र.व्र.	१२	श	२९	५९	१७	४०	चित्रा	३७	१२	२०	३३	व्य	३१	५२	१८	२५	वा	२९	५९	१७	४०	५६	४०	१४	५	१०	२६	तुला. ८।११	१।१०।२६।१९	५७।२२
लुम्बक	१३	र	३०	४८	१७	५९	स्वा	३९	४९	२१	३५	व	३०	००	१७	४०	कौ	०	१६	५	४६	५८	४०	१५	६	११	२७	तुला.	१।११।२३।४०	५७।२०
मित्र	१४	सो	३२	३८	१८	४३	विशा	४३	२८	२३	०३	प	२८	५७	१७	१४	ग	१	३५	६	१७	३४/००	३९	१५	७	१२	२८	वृश्चि. १६।३९	१।१२।२१।०१	५७।१९
पूर्णिमा	१५	मं	३५	३२	१९	५२	अनु	४८	०८	२४	५४	शि	२८	४५	१७	०९	वि	३	५७	७	१४	०२	३९	१६	८	१३	२९	वृश्चि.	·१।१३।१८।२०	५७।१८

केतकी अहर्गणः २५९७ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.४५)

रमजान ९

भ. १८।५४ उ. २९।२७ या., भर. बुधः ९।३३

[B पूर्वस्याम् ७।२२

आर्द्रा. शुक्रः ७।५१

भ. २२।१३ उ., सायन मिथुने भानुः ७।३३

भ. ९।१९ या., भा. ज्येष्ठारंभः, बुधास्तः B

[A रविः १३।४५ (सौरः १८।४०), कृत्ति. बुधः १५।२८

भ. ५।५८ उ. १७।४६ या., कमला ११ व्र., रोहि. A

प्रदोषः

श्रव. भौमः २६।३१, वृषे बुधः ७।५२

भ. १८।४३ उ.

भ. ७।१४ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च

अयनांशाः २४।०५।३५

पं. ६ प्र.ज्ये.शु. ६ र.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	९	०	६	२	८	३	९
०४	०७	१६	२२	०६	१४	१५	१५
५२	१८	३३	४८	३३	१८	२४	२४
१३	५२	११	५४	३५	३५	३१	३१
५७	२१	१०७	७	७१	२	३	३
४३	५४	५५	१९	४९	५५	११	११
कृ	उषा	भ	वि	मृ	पूषा	पु	श्र
३	४	१	१व	४	१व	४	२

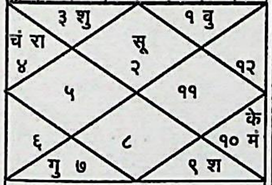

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।००।५८।२२	१ बु	१६	४।०५	५।४१	७।३७	९।५२	१२।१२	२।२९	४।४५	७।०४	९।२२	११।२७	१।१०	२।३९
०१।०१।५५।५९	२ गु	१७	४।०१	५।३७	७।३३	९।४८	१२।०८	२।२५	४।४१	७।००	९।१८	११।२३	१।०६	२।३५
०१।०२।५३।३४	३ शु	१८	३।५७	५।३३	७।२९	९।४४	१२।०४	२।२१	४।३७	६।५६	९।१४	११।१९	१।०२	२।३१
०१।०३।५१।०७	५ श	१९	३।५३	५।२९	७।२५	९।४०	१२।००	२।१७	४।३३	६।५२	९।१०	११।१५	१२।५८	२।२७
०१।०४।४८।३९	६ र	२०	३।४९	५।२५	७।२१	९।३६	११।५६	२।१३	४।२९	६।४८	९।०६	११।११	१२।५४	२।२३
०१।०५।४६।१०	७ चं	२१	३।४५	५।२१	७।१७	९।३२	११।५२	२।०९	४।२५	६।४४	९।०३	११।०७	१२।५०	२।१९
०१।०६।४३।३८	८ मं	२२	३।४१	५।१७	७।१३	९।२८	११।४८	२।०५	४।२१	६।४०	८।५९	११।०३	१२।४६	२।१५
०१।०७।४१।०६	९ बु	२३	३।३७	५।१३	७।०९	९।२४	११।४४	२।०१	४।१७	६।३६	८।५५	१०।५९	१२।४३	२।११
०१।०८।३८।३१	१० गु	२४	३।३३	५।०९	७।०६	९।२०	११।४०	१।५७	४।१३	६।३२	८।५१	१०।५५	१२।३९	२।०७
०१।०९।३५।५६	११ शु	२५	३।२९	५।०५	७।०२	९।१६	११।३६	१।५३	४।०९	६।२८	८।४७	१०।५१	१२।३५	२।०३
०१।१०।३३।१९	१२ श	२६	३।२५	५।०१	६।५८	९।१२	११।३२	१।४९	४।०५	६।२४	८।४३	१०।४७	१२।३१	१।५९
०१।११।३०।४०	१३ र	२७	३।२१	४।५७	६।५४	९।०८	११।२९	१।४५	४।०१	६।२०	८।३९	१०।४३	१२।२७	१।५५
०१।१२।२८।००	१४ चं	२८	३।१७	४।५४	६।५०	९।०५	११।२५	१।४१	३।५७	६।१६	८।३५	१०।४०	१२।२३	१।५१
०१।१३।२५।१९	१५ मं	२९	३।१३	४।५०	६।४६	९।०१	११।२१	१।३७	३।५३	६।१२	८।३१	१०।३६	१२।१९	१।४७

मास फलम्

इस माह में पाच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। दो ज्येष्ठ होने से राजध्वंस, धनधान्य की उत्पत्ति हो। कृष्णा प्रतिपदा को मंगलवार होने से उदंगल करे। मगलवारी अमावस होने से राज्यभ्रंश, राजयुद्ध-क्लेशो की वृद्धि-उपघात-अल्पवृष्टि और द्रव्यों की हानि हो। अमावस्या भरणी योग सुभिक्ष और सुस्वद है। शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगे हों। ज्येष्ठ सुदी तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हो, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।०५।३६

पं. ७ प्र.ज्ये.शु.१३ र.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	९	०	६	२	८	३	९
११	०९	२९	२१	१४	१३	१५	१५
३५	४३	४८	५९	५५	५८	०२	०२
४९	३३	५१	११	०५	४६	१५	१५
५७	१८	१२१	६	७१	३	३	३
३५	५६	०६	४७	२४	२३	११	११
रो	उषा	कृ	वि	आ	पूषा	पु	श्र
१	४	१	१व	३	१व	४	२

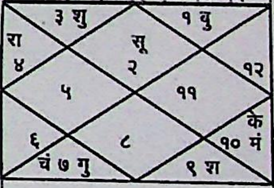

३० मई से १३ जून तक, श्री द्वि.ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, मई-जून २०१८ / यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
ध्वाङ्क्ष	१	बु	३९	२८	२१	२६	ज्ये	५३	४८	२७	१०	सि	२९	२१	१७	२३	बा	७	२३	८	३६	३४ ०४	५ ३९	७ १६	९	१४	३०	धनु. २७।१०	१।१४।१५।३७	५७।१६	[A कर्के शुक्रः २३।३३
धूम्र	२	गु	४४	२३	२३	२४	मूल	...	...	...	...	सा	३०	४२	१७	५६	तै	११	४९	१०	२२	०६	३९	१७	१०	१५	३१	धनु.	१।१५।१२।५४	५७।१५	रोहि. बुधः २७।३३, पुन. शुक्रः १२।१८
सुस्थिर	३	शु	५०	०८	२५	४२	मूल	०	२४	५	४८	शु	३२	४५	१८	४४	व	१७	११	१२	३१	०७	३९	१७	११	१६	१	धनु.	१।१६।१०।०९	५७।१४	भ. १२।३१ उ. २५।४२ या., जून ६ ता. ३०
च.व्र.	४	श	५६	२८	२८	१३	पूषा	७	४५	८	४४	शु	३५	१७	१९	४५	व	२३	१६	१४	५७	०९	३८	१८	१२	१७	२	मक. १५।३०	१।१७।०७।२३	५७।१३	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२७
मुसल	५	र	...	...	...	...	उषा	१५	३३	११	५१	ब्र	३८	०२	२०	५१	कौ	२९	४३	१७	३१	११	३८	१८	१३	१८	३	मक.	१।१८।०४।३६	५७।१२	
सिद्धि	५	सो	२	५७	६	४९	श्रव	२३	२१	१४	५१	ऐ	४०	४०	२१	५४	तै	२	५७	६	४९	१२	३८	१९	१४	१९	४	कुंभे २८।२८	१।१९।०१।४७	५७।११	पंचक प्रारम्भः २८।२८
उत्पात	६	मं	९	००	९	१४	धनि	३०	३५	१७	५२	वै	४२	४४	२२	४३	व	९	००	९	१४	१४	३८	१९	१५	२०	५	कुंभे	१।१९।५८।५८	५७।०९	भ. ९।१४ उ. २२।१९ या.
मानस	७	बु	१४	०३	११	१५	शत	३६	३९	२०	१८	वि	४३	४७	२३	०९	व	१४	०३	११	१५	१५	३८	२०	१६	२१	६	कुंभे	१।२०।५६।०७	५७।०८	(व) मूले-४ शनिः ७।१६
मुद्गर	८	गु	१७	३२	१२	३८	पूभा	४१	०४	२२	०३	प्री	४३	२७	२३	०१	कौ	१७	३२	१२	३८	१६	३८	२०	१७	२२	७	मीने १५।४१	१।२१।५३।१६	५७।०७	मृगे बुधः ५।५८
ध्वजा	९	शु	१९	०४	१३	१५	उभा	४३	२९	२३	०१	आ	४१	३२	२२	१४	ग	१९	०४	१३	१५	१७	३८	२१	१८	२३	८	मीने	१।२२।५०।२३	५७।०६	भ. २५।१५ उ., मृगे रविः ११।३९ (सौरः १८।०४), A
धाता	१०	श	१८	२८	१३	०१	रेव	४३	४८	२३	०९	सौ	३७	५५	२०	४८	वि	१८	२८	१३	०१	१९	३८	२१	१९	२४	९	मेषे २३।०९	१।२३।४७।२९	५७।०५	भ. १३।०१ या., पंचक समाप्तिः २३।०९
ए.व्र.	११	र	१५	४५	११	५५	अश्वि	४२	०४	२२	२७	शो	३२	३८	१८	४१	वा	१५	४५	११	५५	२०	३८	२१	२०	२५	१०	मेषे	१।२४।४४।३५	५७।०५	कमला ११ व्र., मिथुने बुधः ६।४९
प्र.व्र.	१२	सो	११	०६	१०	०४	भर	३८	३३	२१	०३	अ	२५	४९	१५	५७	तै	११	०६	१०	०४	२०	३८	२२	२१	२६	११	वृषे २६।३६	१।२५।४१।३९	५७।०४	प्रदोषः, पुष्ये शुक्रः १९।४४
गद	१३	मं	४	४८	७	३३	कृति	३३	३४	१९	०३	सु	१७	४४	१२	४३	व	४	४८	७	३३	२१	३८	२२	२२	२७	१२	वृषे	१।२६।३८।४३	५७।०३	भ. ७।३३ उ. १८।०६ या., मासिकशिवरात्री व्र.
क्षयः	१४	मं	५७	१६	२८	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
अमाव.	३०	बु	४८	५४	२५	११	रोहि	२७	३३	१६	३९	धृ	५९	४३ ०२	२९	०६ १५	च	२३	१०	१४	५४	२२	३८	२३	२३	२८	१३	मिथु. २७।२१	१।२७।३५।४६	५७।०२	देवपितृकार्येऽमा., अधिक मास समाप्तिः, आर्द्रा. बुधः ९।२८

अयनांशाः २४।०५।३७

पं. ८ द्वि.ज्ये.कृ. ५ र.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	९	१	६	२	८	३	९
१८	११	१४	२१	२३	१३	१४	१४
१८	४५	३०	१३	१३	३१	४०	४०
२९	५६	१८	४८	२८	४७	०१	०१
५७	१५	१३१	६	७०	३	३	३
२७	२७	०९	०२	५५	४७	११	११
रो	श्र	रो	वि	पुन	पूषा	पु	श्र
३	१	२	१व	१	१व	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।१४।२२।३६	१ बु	३०	३।०९	४।४६	६।४२	८।५७	११।१७	१।३४	३।४९	६।०८	८।२७	१०।३२	१२।१५	१।४३
०१।१५।१९।५२	२ गु	३१	३।०६	४।४२	६।३८	८।५३	११।१३	१।३०	३।४५	६।०५	८।२३	१०।२८	१२।११	१।४०
०१।१६।१७।०७	३ शु	१	३।०२	४।३८	६।३४	८।४९	११।०९	१।२६	३।४१	६।०१	८।१९	१०।२४	१२।०७	१।३६
०१।१७।१४।२१	४ श	२	२।५८	४।३४	६।३०	८।४५	११।०५	१।२२	३।३८	५।५७	८।१५	१०।२०	१२।०३	१।३२
०१।१८।११।३४	५ र	३	२।५४	४।३०	६।२६	८।४१	११।०१	१।१८	३।३४	५।५३	८।११	१०।१६	११।५९	१।२८
०१।१९।०८।४५	५ चं	४	२।५०	४।२६	६।२२	८।३७	१०।५७	१।१४	३।३०	५।४९	८।०७	१०।१२	११।५५	१।२४
०१।२०।०५।५५	६ मं	५	२।४६	४।२२	६।१८	८।३३	१०।५३	१।१०	३।२६	५।४५	८।०३	१०।०८	११।५१	१।२०
०१।२१।०३।०५	७ बु	६	२।४२	४।१८	६।१४	८।२९	१०।४९	१।०६	३।२२	५।४१	७।५९	१०।०४	११।४७	१।१६
०१।२२।००।१३	८ गु	७	२।३८	४।१४	६।१०	८।२५	१०।४५	१।०२	३।१८	५।३७	७।५६	१०।००	११।४३	१।१२
०१।२२।५७।२०	९ शु	८	२।३४	४।१०	६।०६	८।२१	१०।४१	१२।५८	३।१४	५।३३	७।५२	९।५६	११।३९	१।०८
०१।२३।५४।२६	१० श	९	२।३०	४।०६	६।०२	८।१७	१०।३७	१२।५४	३।१०	५।२९	७।४८	९।५२	११।३६	१।०४
०१।२४।५१।३१	११ र	१०	२।२६	४।०२	५।५८	८।१३	१०।३३	१२।५०	३।०६	५।२५	७।४४	९।४८	११।३२	१।००
०१।२५।४८।३६	१२ चं	११	२।२२	३।५८	५।५५	८।०९	१०।२९	१२।४६	३।०२	५।२१	७।४०	९।४४	११।२८	१२।५६
०१।२६।४५।३९	१३ मं	१२	२।१८	३।५४	५।५१	८।०५	१०।२५	१२।४२	२।५८	५।१७	७।३६	९।४०	११।२४	१२।५२
०१।२७।४२।४२	३० बु	१३	२।१४	३।५०	५।४७	८।०१	१०।२२	१२।३८	२।५४	५।१३	७।३२	९।३६	११।२०	१२।४८

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो और पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो, यथा- बुधेरसक्षयोभूम्याम् ..। चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनांसमर्घता ॥ कृ. प्रतिपदा को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो, अन्न की महँगाई हो और वर्षा का अभाव या खण्ड वृष्टि हो। कृष्णा दशमी को रेवती होने से सुख हो। बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दुःख-स्थानत्याग और कम धान्य हो। अमावस्या रोहिणी योग सुभिक्ष और सुखद है। शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २४।०५।३८

पं. ९ द्वि.ज्ये.कृ.११ र.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	९	१	६	३	८	३	९
२५	१३	२९	२०	०१	१३	१४	१४
००	२२	५३	३४	२८	०४	१७	१७
२२	१४	३३	१२	१८	१७	४५	४५
५७	११	१३०	५	७०	४	३	३
२१	२४	०८	०७	२२	०६	११	११
मृ	श्र	मृ	वि	पुन	मू	पु	श्र
१	२	२	१व	४	४व	४	२

१४ जून से २८ जून तक, श्री द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	१	गु	४०	०५	२१	४०	मृग	२०	५६	१४	००	गं	४९	०५	२५	१६	किं	१४	३१	११	२६	३४ ३३	५ ३८	७ २३	२४	२९	१४	मिथु.	१।२८।३२।४८	५७।०१
पद्म	२	शु	३१	१७	१८	०९	आर्द्रा	१४	०९	११	१८	वृ	३९	१२	२१	१९	वा	५	३९	७	५४	२३	३८	२३	२५	३०	१५	कर्क २७।१९	१।२९।२९।४९	५७।०१
छत्र	३	श	२२	५०	१४	४६	पुन	७	३७	८	४१	ध्रु	२९	३९	१७	३०	ग	२२	५०	१४	४६	२४	३८	२४	२६	१	१६	कर्क	२।००।२६।५०	५७।००
श्रीवत्स	४	र	१५	०४	११	४०	पुष्य	१ ५६	४१ ४०	६ २८	११ १८	व्या	२०	४३	१३	५५	वि	१५	०४	११	४०	२४	३८	२४	२७	२	१७	सिंहे २८।१८	२।०१।२३।५०	५६।५९
ध्वाङ्क्ष	५	सो	८	१६	८	५७	मघा	५२	४७	२६	४५	ह	१२	३६	१०	४१	वा	८	१६	८	५७	२५	३८	२४	२८	३	१८	सिंहे	२।०२।२०।४९	५६।५९
धूम्र	६	मं	२	३८	६	४२	पूफा	५०	११	२५	४३	व	५	२८	७	५०	तै	२	३८	६	४२	२५	३८	२४	२९	४	१९	सिंहे	२।०३।१७।४८	५६।५८
क्षयः	७	मं	५८	१९	२८	५८	०	०	०	०	०	सि	५९	२६	२९	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
प्रवर्धमा	८	बु	५५	२७	२७	४९	उफा	४९	०१	२५	१५	व्य	५४	३४	२७	२८	वि	२६	४२	१६	११	२५	३९	२५	३०	५	२०	कन्या ७।३३	२।०४।१४।४६	५६।५८
राक्षस	९	गु	५४	०२	२७	१६	हस्त	४९	१७	२५	२२	व	५०	५२	२६	००	वा	२४	३४	१५	२८	२५	३९	२५	३१	६	२१	कन्या	२।०५।११।४४	५६।५७
गंगा	१०	शु	५४	०५	२७	१७	चित्रा	५१	००	२६	०३	प	४८	२०	२४	५९	तै	२३	५३	१५	१२	२५	३९	२५	१	७	२२	तुला. १३।३८	२।०६।०८।४१	५६।५७
ए.व्र.	११	श	५५	२९	२७	५१	स्वा	५४	०३	२७	१६	शि	४६	५४	२४	२५	व	२४	३७	१५	३०	२५	३९	२५	२	८	२३	तुला.	२।०७।०५।३८	५६।५६
उत्पात	१२	र	५८	१०	२८	५५	विशा	५८	१९	२८	५९	सि	४६	२७	२४	१४	व	२६	४१	१६	२०	२५	४०	२५	३	९	२४	वृश्चि. २२।३१	२।०८।०२।३४	५६।५६
प्र.व्र.	१३	सो	...	...	...	...	अनु	...	...	...	...	सा	४६	५१	२४	२४	कौ	२९	५४	१७	३७	२४	४०	२६	४	१०	२५	वृश्चि.	२।०८।५९।३०	५६।५६
वज्र	१३	मं	१	५३	६	२५	अनु	३	३८	७	०७	शु	४७	५९	२४	५२	तै	१	५३	६	२५	२४	४०	२६	५	११	२६	वृश्चि.	२।०९।५६।२५	५६।५५
ध्वाङ्क्ष	१४	बु	६	३१	८	१७	ज्ये	९	४८	९	३६	शु	४९	४३	२५	३४	व	६	३१	८	१७	२३	४०	२६	६	१२	२७	धनु. ९।३६	२।१०।५३।२०	५६।५५
पूर्णिमा	१५	गु	११	५०	१०	२५	मूल	१६	४०	१२	२१	ब्र	५१	५५	२६	२७	व	११	५०	१०	२५	२३	४१	२६	७	१३	२८	धनु.	२।११।५०।१५	५६।५५

केतकी अहर्गणः २६२६ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, जून २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
भाऊका-करिदिन, करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा.
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), मिथुने रविः ११।०४ (सौरः १८।२०), E
भ. २५।१० उ., रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, सव्वाल १०
भ. ११।४० या., (व) स्वा.-४ गुरुः १४।३३
[D भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ १५।३३
भ.२८।५८ उ., पुन.बुधः २५।५१ [E बुधोदयः पश्चिमायाम् २२।०७
[B साध्य व्र.,ज्येष्ठी योगः,वक्री भौमः १३।३२,पुष्ये बुधः १८।०४
भ. १६।१९ या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती [F नाग अल्पवृष्टिः
हस्ते रे. ९ ।SIIIIIIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(९), सायन कर्के D
गंगा दशहरा व्र., भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. रविः १०।४१ A
भ. १५।३० उ. २७।५१ या., निर्जला ११ व्र., श्लेषा. शुक्रः ६।५८
[A (सौरः १८।५१), अयन करिदिन, सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वाहन F
अनुरा. रे. ८ SSIIIIIIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(९), प्रदोषः, C
[C वट सावित्री व्रतारंभः, कर्के बुधः १७।०३
भ. ८।१७ उ. २१।१९ या., गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द B
मन्वादि, कबीर जयंती, पुष्ये-३ राहुः ९।३२, श्रव.-१ केतुः ९।३२

अयनांशाः २४।०५।३९

पं.१० द्वि.ज्ये.शु. ४ र.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	९	२	६	३	८	३	९
०१	१४	१४	२०	०९	१२	१३	१३
४१	२८	३१	०१	३९	३४	५५	५५
३८	३१	०६	३०	०७	५४	३०	३०
५७	६	११७	४	६९	४	३	३
१७	४८	४५	०३	४५	१९	११	११
मृ	श्र	आ	वि	पु	मू	पु	श्र
३	२	३	१व	२	४व	४	२

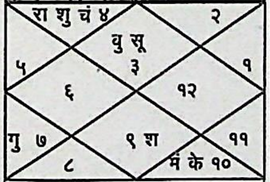

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।२८।३९।४४	१ गु	१४	२।१०	३।४७	५।४३	७।५७	१०।१८	१२।३४	२।५०	५।०९	७।२८	९।३३	११।१६	१२।४४
०१।२९।३६।४५	२ शु	१५	२।०६	३।४३	५।३९	७।५४	१०।१४	१२।३०	२।४६	५।०५	७।२४	९।२९	११।१२	१२।४०
०२।००।३३।४६	३ श	१६	२।०२	३।३९	५।३५	७।५०	१०।१०	१२।२७	२।४२	५।०१	७।२०	९।२५	११।०८	१२।३६
०२।०१।३०।४५	४ र	१७	१।५९	३।३५	५।३१	७।४६	१०।०६	१२।२३	२।३८	४।५८	७।१६	९।२१	११।०४	१२।३३
०२।०२।२७।४५	५ चं	१८	१।५५	३।३१	५।२७	७।४२	१०।०२	१२।१९	२।३४	४।५४	७।१२	९।१७	११।००	१२।२९
०२।०३।२४।४३	६ मं	१९	१।५१	३।२७	५।२३	७।३८	९।५८	१२।१५	२।३१	४।५०	७।०८	९।१३	१०।५६	१२।२५
०२।०४।२१।४१	८ बु	२०	१।४७	३।२३	५।१९	७।३४	९।५४	१२।११	२।२७	४।४६	७।०४	९।०९	१०।५२	१२।२१
०२।०५।१८।३९	९ गु	२१	१।४३	३।१९	५।१५	७।३०	९।५०	१२।०७	२।२३	४।४२	७।००	९।०५	१०।४८	१२।१७
०२।०६।१५।३५	१० शु	२२	१।३९	३।१५	५।११	७।२६	९।४६	१२।०३	२।१९	४।३८	६।५६	९।०१	१०।४४	१२।१३
०२।०७।१२।३२	११ श	२३	१।३५	३।११	५।०७	७।२२	९।४२	११।५९	२।१५	४।३४	६।५२	८।५७	१०।४०	१२।०९
०२।०८।०९।२८	१२ र	२४	१।३१	३।०७	५।०३	७।१८	९।३८	११।५५	२।११	४।३०	६।४९	८।५३	१०।३६	१२।०५
०२।०९।०६।२४	१३ चं	२५	१।२७	३।०३	४।५९	७।१४	९।३४	११।५१	२।०७	४।२६	६।४५	८।४९	१०।३२	१२।०१
०२।१०।०३।१९	१३ मं	२६	१।२३	२।५९	४।५५	७।१०	९।३०	११।४७	२।०३	४।२२	६।४१	८।४५	१०।२८	११।५७
०२।११।००।१४	१४ बु	२७	१।१९	२।५५	४।५१	७।०६	९।२६	११।४३	१।५९	४।१८	६।३७	८।४१	१०।२५	११।५३
०२।११।५७।०९	१५ गु	२८	१।१५	२।५१	४।४८	७।०२	९।२२	११।३९	१।५५	४।१४	६।३३	८।३७	१०।२१	११।४९

संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २०१८
द्वि.ज्ये. शु. २ भृगौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।०४ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) ११।०४ से १७।२८ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २४।०५।४०

पं.११ द्वि.ज्ये.शु.१२ र.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	९	२	६	३	८	३	९
०८	१५	२७	१९	१७	१२	१३	१३
२२	०१	२९	३६	४५	०४	३३	३३
२८	०८	५८	३८	२१	२२	१४	१४
५७	१	१०२	२	६९	४	३	३
१४	४४	२९	५३	०३	२५	११	११
आ	श्र	पुन	स्वा	श्ले	मू	पु	श्र
१	२	३	४व	१	४व	४	२

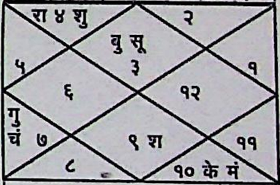

२९ जून से १३ जुलाई तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	शु	१७	४५	१२	४७	पूषा	२४	०२	१५	१८	ऐ	५४	२६	२७	२७	कौ	१७	४५	१२	४७	३४/२२	५/४१	७/२६	८	१४	२९	मक. २२।०३	२।१२।४७।१०	५६।५५
राक्षस	२	श	२३	५९	१५	१७	उषा	३१	४३	१८	२३	वै	५७	०६	२८	३२	ग	२३	५९	१५	१७	२२	४१	२६	९	१५	३०	मक.	२।१३।४४।०५	५६।५४
च.व्र.	३	र	३०	१९	१७	४९	श्रव	३९	२८	२१	२९	वि	५९	४५	२९	३६	वि	३०	१९	१७	४९	२१	४२	२६	१०	१६	१	मक.	२।१४।४०।५९	५६।५४
शुभ	४	सो	३६	२४	२०	१६	धनि	४६	५४	२४	२८	प्री	...	...	...	...	ब	३	२४	७	०४	२०	४२	२६	११	१७	२	कुंभे ११।००	२।१५।३७।५३	५६।५४
मृत्यु	५	मं	४१	४७	२२	२५	शत	५३	३६	२७	०९	प्री	२	०२	६	३१	कौ	९	१२	९	२३	१९	४२	२६	१२	१८	३	कुंभे	२।१६।३४।४७	५६।५४
पद्म	६	बु	४५	५८	२४	०६	पूभा	५९	०४	२९	२०	आ	३	३८	७	१०	ग	१४	०१	११	१९	१८	४३	२६	१३	१९	४	मीने २२।५१	२।१७।३१।४२	५६।५४
छत्र	७	गु	४८	३३	२५	०८	उभा	...	...	...	...	सौ	४	१३	७	२५	वि	१७	२८	१२	४२	१७	४३	२६	१४	२०	५	मीने	२।१८।२८।३६	५६।५४
ध्वजा	८	शु	४९	१४	२५	२५	उभा	२	५३	६	५३	शो	३	२८	७	०७	बा	१९	०७	१३	२३	१५	४४	२६	१५	२१	६	मीने	२।१९।२५।३०	५६।५४
धाता	९	श	४७	५२	२४	५३	रेव	४	४८	७	३९	अ	१/५७	१२/१७	६/२८	१३/३९	तै	१८	४७	१३	१५	१४	४४	२६	१६	२२	७	मेषे ७।३९	२।२०।२२।२४	५६।५४
आनन्द	१०	र	४४	२८	२३	३२	अश्वि	४	४३	७	३८	धृ	५१	४५	२६	२७	व	१६	२४	१२	१८	१३	४५	२६	१७	२३	८	मेषे	२।२१।१९।१९	५६।५५
ए.व्र.	११	सो	३९	१५	२१	२७	भर	२/५८	४०/५२	६/२९	४९/१८	शू	४४	४४	२३	३९	ब	१२	०४	१०	३५	११	४५	२५	१८	२४	९	वृषे १२।३०	२।२२।१६।१३	५६।५५
प्र.व्र.	१२	मं	३२	२८	१८	४४	रोहि	५३	३६	२७	१२	गं	३६	२७	२०	२०	कौ	६	०२	८	१०	०९	४५	२५	१९	२५	१०	वृषे	२।२३।१३।०८	५६।५५
अमृत	१३	बु	२४	२६	१५	३२	मृग	४७	१५	२४	४०	वृ	२७	०९	१६	३८	व	२४	२६	१५	३२	०८	४६	२५	२०	२६	११	मिथु. १३।५९	२।२४।१०।०३	५६।५५
काण	१४	गु	१५	३५	१२	००	आर्द्रा	४०	१३	२१	५२	ध्रु	१७	१०	१२	३८	श	१५	३५	१२	००	०६	४६	२५	२१	२७	१२	मिथु.	२।२५।०६।५८	५६।५६
अमाव.	३०	शु	६	१७	८	१८	पुन	३२	५६	१८	५७	व्या	६/५६	४९/२७	८/२८	३१/२२	ना	६	१७	८	१८	०४	४७	२५	२२	२८	१३	कर्क १३।४१	२।२६।०३।५४	५६।५६

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून-जुलाई २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
उषा. रे. ८ IIIIISIISI रात्रौ लग्न १२
भ. २८।३३ उ.
भ. १७।४९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४९, जुलाई ७ ता. ३१
पंचक प्रारम्भः ११।००
[A पुन. रविः १०।१८ (सौरः २०।१७), सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन B
भ. २४।०६ उ., सिंहे नघा. शुक्रः २३।०६
भ. १२।४२ या. [B मण्डूक वर्षाश्रेष्ठः
रेवत्यां रे. ७ IIIIISISIS रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(९), ११, २, A
पंचक समाप्तिः ७।३९, श्लेषा. बुधः ७।०६
भ. १२।१८ उ. २३।३२ या.
योगिनी ११ व्र.
प्रदोषः
भ. १५।३२ उ. २५।४८ या., मासिकशिवरात्री व्र., C
पितृकार्येऽमा. [C मार्गी गुरुः ८।२४
देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०५।४१

प.१२ आ.कृ. ३ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	९	३	६	३	८	३	९
१५	१४	०८	१९	२५	११	१३	१३
०३	५७	३८	२०	४६	३३	१०	१०
०३	३४	५४	०८	२६	२६	५८	५८
५७	३	८५	१	६८	४	३	३
१३	३१	५९	३९	१६	२४	११	११
आ	श्र	पु	स्वा	श्ले	मू	पु	श्र
३	२व	२	४व	३	४व	३	१

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन प्रातः	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायं	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०२।१२।५४।०४	१ शु	२९	१।११	२।४७	४।४४	६।५८	९।१८	११।३५	१।५१	४।१०	६।२९	८।३३	१०।१७	११।४५
०२।१३।५०।५८	२ श	३०	१।०७	२।४३	४।४०	६।५४	९।१४	११।३१	१।४७	४।०६	६।२५	८।२९	१०।१३	११।४१
०२।१४।४७।५२	३ र	१	१।०३	२।३९	४।३६	६।५०	९।११	११।२७	१।४३	४।०२	६।२१	८।२५	१०।०९	११।३७
०२।१५।४४।४७	४ चं	२	१२।५९	२।३६	४।३२	६।४७	९।०७	११।२३	१।३९	३।५८	६।१७	८।२२	१०।०५	११।३३
०२।१६।४१।४१	५ मं	३	१२।५५	२।३२	४।२८	६।४३	९।०३	११।१९	१।३५	३।५४	६।१३	८।१८	१०।०१	११।२९
०२।१७।३८।३५	६ बु	४	१२।५१	२।२८	४।२४	६।३९	८।५९	११।१६	१।३१	३।५१	६।०९	८।१४	९।५७	११।२५
०२।१८।३५।२९	७ गु	५	१२।४८	२।२४	४।२०	६।३५	८।५५	११।१२	१।२७	३।४७	६।०५	८।१०	९।५३	११।२२
०२।१९।३२।२३	८ शु	६	१२।४४	२।२०	४।१६	६।३१	८।५१	११।०८	१।२३	३।४३	६।०१	८।०६	९।४९	११।१८
०२।२०।२९।१७	९ श	७	१२।४०	२।१६	४।१२	६।२७	८।४७	११।०४	१।२०	३।३९	५।५७	८।०२	९।४५	११।१४
०२।२१।२६।१२	१० र	८	१२।३६	२।१२	४।०८	६।२३	८।४३	११।००	१।१६	३।३५	५।५३	७।५८	९।४१	११।१०
०२।२२।२३।०६	११ चं	९	१२।३२	२।०८	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५६	१।१२	३।३१	५।४९	७।५४	९।३७	११।०६
०२।२३।२०।०१	१२ मं	१०	१२।२८	२।०४	४।००	६।१५	८।३५	१०।५२	१।०८	३।२७	५।४५	७।५०	९।३३	११।०२
०२।२४।१६।५६	१३ बु	११	१२।२४	२।००	३।५६	६।११	८।३१	१०।४८	१।०४	३।२३	५।४१	७।४६	९।२९	१०।५८
०२।२५।१३।५१	१४ गु	१२	१२।२०	१।५६	३।५२	६।०७	८।२७	१०।४४	१।००	३।१९	५।३८	७।४२	९।२५	१०।५४
०२।२६।१०।४७	३० शु	१३	१२।१६	१।५२	३।४८	६।०३	८।२३	१०।४०	१२।५६	३।१५	५।३४	७।३८	९।२१	१०।५०

मास फलम्

चन्द्रग्रहण, ता. २७ जुला. २०१८, शुक्रवार, संवत् २०७५, इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो ॥ प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे ॥ कृष्णा द्वितीया शनिवार होने से दुर्भिक्ष हो। कृष्णा तीज को श्रवण होने से समर्घता कारक है। कृष्णा नोमी को शनिवार होने से दुर्भिक्ष हो। कृष्णा १२ को रोहिणी होने से दुर्भिक्ष हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।०५।४२

प.१३ आ.कृ.१० र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	९	३	६	४	८	३	९
२१	१४	१७	१९	०३	११	१२	१२
४३	१७	४६	१२	४१	०२	४८	४८
३१	३१	०७	२३	३६	५१	४३	४३
५७	८	६७	०	६७	४	३	३
१३	३४	१८	२२	२१	१७	१२	११
पुन	श्र	श्ले	स्वा	म	मू	पु	श्र
१	२व	१	४व	२	४व	३	१

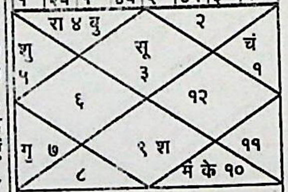

१४ जुलाई से २७ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिग्मा सू. सू. तारीख																												स्टें. चंद्रः	प्रातः सार र. स्प.	दैनिक गति
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.१	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सार र. स्प.	गति
क्षयः	१	शु	५६	५७	२८	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मित्र	२	श	४७	५५	२४	५७	पुष्य	२५	४८	१६	०६	व	४६	२०	२४	२०	बा	२२	२२	१४	४४	३४/०२	५/४७	७/२४	२३	२९	१४	कर्क	२।२७।००।५०	५६।५६
वज्र	३	र	३९	३६	२१	३८	श्ले	१९	१२	१३	२९	सि	३६	४८	२०	३१	तै	१३	३८	११	१५	००	४८	२४	२४	१	१५	सिंहे १३।२९	२।२७।५७।४६	५६।५७
ध्वाङ्क्ष	४	सो	३२	१८	१८	४३	मघा	१३	३२	११	१३	व्य	२८	०७	१७	०३	व	५	४७	८	०७	३३/५८	४८	२४	२५	२	१६	सिंहे	२।२८।५४।४३	५६।५७
धूम्र	५	मं	२६	२१	१६	२१	पूफा	९	०६	९	२७	व	२०	३२	१४	०१	वा	२६	२१	१६	२१	५६	४९	२३	२६	३	१७	कन्या १५।०६	२।२९।५१।४१	५६।५८
प्रवर्धमा	६	बु	२१	५८	१४	३७	उफा	६	१२	८	१८	प	१४	१३	११	३९	तै	२१	५८	१४	३७	५४	४९	२३	२७	४	१८	कन्या	३।००।४८।३८	५६।५८
राक्षस	७	गु	१९	२२	१३	३५	हस्त	५	००	७	५०	शि	९	२०	९	३४	व	१९	२२	१३	३५	५२	५०	२३	२८	५	१९	तुला. १९।५२	३।०१।४५।३७	५६।५९
मुसल	८	शु	१८	३६	१३	१७	चित्रा	५	३८	८	०५	सि	५	५६	८	१३	व	१८	३६	१३	१७	५०	५०	२२	२९	६	२०	तुला.	३।०२।४२।३६	५७।००
सिद्धि	९	श	१९	३९	१३	४२	स्वा	८	०२	९	०४	सा	३	५८	७	२६	कौ	१९	३९	१३	४२	४७	५१	२२	३०	७	२१	वृश्चि. २८।१४	३।०३।३९।३५	५७।००
उत्पात	१०	र	२२	२२	१४	४८	विशा	१२	०७	१०	४२	शु	३	२२	७	१२	ग	२२	२२	१४	४८	४५	५१	२१	३१	८	२२	वृश्चि.	३।०४।३६।३५	५७।०१
ए.व्र.	११	सो	२६	२८	१६	२७	अनु	१७	३४	१२	५४	शु	३	५४	७	२५	वि	२६	२८	१६	२७	४२	५२	२१	१	९	२३	वृश्चि.	३।०५।३३।३६	५७।०२
मुद्गर	१२	मं	३१	३६	१८	३१	ज्ये	२४	०६	१५	३१	ब्र	५	१९	८	००	वा	३१	३६	१८	३१	४०	५२	२०	२	१०	२४	धनु. १५।३१	३।०६।३०।३८	५७।०२
प्र.व्र.	१३	बु	३७	२६	२०	५१	मूल	३१	१८	१८	२४	ऐ	७	२३	८	५०	कौ	४	२७	७	४०	३७	५३	२०	३	११	२५	धनु.	३।०७।२७।४०	५७।०३
धाता	१४	गु	४३	३६	२३	२०	पूषा	३८	५२	२१	२६	वै	९	४९	९	४९	ग	१०	२९	१०	०५	३५	५४	१९	४	१२	२६	मक. २८।१३	३।०८।२४।४३	५७।०४
पूर्णिमा	१५	शु	४९	५१	२५	५०	उषा	४६	३२	२४	३१	वि	१२	२५	१०	५२	वि	१६	४२	१२	३५	३२	५४	[illegible]	५	१३	२७	मक.	३।०९।२१।४७	५७।०५

केतकी अहर्गणः २६५६ वर्षर्तु रविर्दक्षिणे, जुलाई २०१८

यहां लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं।
|A वायु परीक्षा, गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, (व) B
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्री जगदीश रथ यात्रा
जिल्काद ११ |B उषा.भौमः १४।४३, बुधास्तः पश्चिमायाम् १७।४५
भ. ८।०७ उ. १८।४३ या., कर्के रविः २२।०१, निरयन F
कर्के सौरः ९।१९
स्कंद षष्ठी |D स्वर अल्पवृष्टिः
भ. १३।३५ उ. २५।२० या.
पुष्ये रविः ९।५२ (सौरः २१।३६), सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वाहन D
भड्ली ९ |F दक्षिणायनारंभः, पूफा. शुक्रः २१।३९
भ. २७।३४ उ., मन्वादि, आशा दशमी, सायन सिंहे भानुः २६।३२
भ. १६।२७ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, C
श्रावणे वर्जयेच्छाकम् |C गोपद्मव्रतोद्यापनं, भा. श्रावणारंभः, E
प्रदोषः, जया पार्वती व्रतं |E (व) मूले-३ शनिः १९।१५
भ. २३।२० उ., वक्री बुधः २८।३४
भ.१२।३५ या., सग्रासं चन्द्रग्रहणम्, मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २४।०५।४३

पं.१४ आ.शु. ३ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	९	३	६	४	८	३	९
२८	१३	२४	१९	११	१०	१२	१२
२४	०४	३४	१३	३०	३३	२६	२६
०६	१३	३९	३३	०१	२५	२७	२७
५७	१२	४५	०	६६	४	३	३
१५	४७	४६	५३	१८	०४	११	११
पुन	श्र	श्ले	स्वा	म	मू	पु	श्र
३	१व	३	४	४	४व	३	१

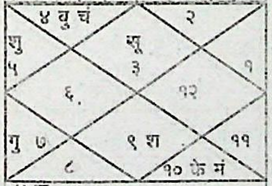

४ रा

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्री	रात्री	रात्री	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्री	रात्री
०२।२७।०७।४३	२ श	१४	१२।१२	१।४८	३।४४	५।५९	८।१९	१०।३६	१२।५२	३।११	५।३०	७।३४	९।१७	१०।४६
०२।२८।०४।३९	३ र	१५	१२।०८	१।४४	३।४०	५।५५	८।१५	१०।३२	१२।४८	३।०७	५।२६	७।३०	९।१४	१०।४२
०२।२९।०१।३६	४ चं	१६	१२।०४	१।४०	३।३७	५।५१	८।११	१०।२८	१२।४४	३।०३	५।२२	७।२६	९।१०	१०।३८
०२।२९।५८।३३	५ मं	१७	१२।००	१।३६	३।३३	५।४७	८।०७	१०।२४	१२।४०	२।५९	५।१८	७।२२	९।०६	१०।३४
०३।००।५५।३१	६ बु	१८	११।५६	१।३२	३।२९	५।४३	८।०३	१०।२०	१२।३६	२।५५	५।१४	७।१८	९।०२	१०।३०
०३।०१।५२।२९	७ गु	१९	११।५२	१।२९	३।२५	५।३९	८।००	१०।१६	१२।३२	२।५१	५।१०	७।१४	८।५८	१०।२६
०३।०२।४९।२८	८ शु	२०	११।४८	१।२५	३।२१	५।३६	७।५६	१०।१२	१२।२८	२।४७	५।०६	७।११	८।५४	१०।२२
०३।०३।४६।२८	९ श	२१	११।४४	१।२१	३।१७	५।३२	७।५२	१०।०९	१२।२४	२।४३	५।०२	७।०७	८।५०	१०।१८
०३।०४।४३।२८	१० र	२२	११।४०	१।१७	३।१३	५।२८	७।४८	१०।०५	१२।२०	२।४०	४।५८	७।०३	८।४६	१०।१४
०३।०५।४०।२९	११ चं	२३	११।३७	१।१३	३।०९	५।२४	७।४४	१०।०१	१२।१६	२।३६	४।५४	६।५९	८।४२	१०।११
०३।०६।३७।३०	१२ मं	२४	११।३३	१।०९	३।०५	५।२०	७।४०	९।५७	१२।१२	२।३२	४।५०	६।५५	८।३८	१०।०७
०३।०७।३४।३३	१३ बु	२५	११।२९	१।०५	३।०१	५।१६	७।३६	९।५३	१२।०९	२।२८	४।४६	६।५१	८।३४	१०।०३
०३।०८।३१।३६	१४ गु	२६	११।२५	१।०१	२।५७	५।१२	७।३२	९।४९	१२।०५	२।२४	४।४२	६।४७	८।३०	९।५९
०३।०९।२८।४०	१५ शु	२७	११।२१	१२।५७	२।५३	५।०८	७।२८	९।४५	१२।०१	२।२०	४।३८	६।४३	८।२६	९।५५

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०१८
आषा. शु. ४ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।०१ नागत् ४ नक्षत्रात् ६ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तर राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभा ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १०।०१ से २२।०१ तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २४।०५।४३

प.१५ आ.शु.१० र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	९	३	६	४	८	३	९
०५	११	२८	१९	१९	१०	१२	१२
०४	२५	३८	२३	१०	०५	०४	०४
५६	२८	२१	३१	३७	४९	११	११
५७	९५	१८	२	६५	३	३	३
१८	३२	४९	०८	०५	४५	११	११
पु	श्र	श्ले	स्वा	पूफा	मू	पु	श्र
१	१व	४	४	२	४व	३	१

२८ जुलाई से ११ अगस्त तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई-अगस्त २०१८

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सुस्थिर	१	श	५५	५७	२८	१७	श्रव	५४	०४	२७	३२	प्री	१४	५९	११	५४	बा	२२	५५	१५	०५	३३ २९	५ ५५	७ १८	६	१४	२८	मक.	३।१०।१८।५२	५७।०६	ग्रहण-करिदिन, नक्त व्रतारंभः, उफा. शुक्रः २९।१०
बृहत्तल्पा	२	र	...	...	...	...	धनि	...	...	...	...	आ	१७	२४	१२	५३	तै	२८	५२	१७	२८	२६	५५	१८	७	१५	२९	कुंभे १७।००	३।११।१५।५८	५७।०७	पंचक प्रारम्भः १७।००, बृहत्तल्पा
शुभ	२	सो	१	४०	६	३६	धनि	१	१५	६	२६	सौ	१९	२८	१३	४३	ग	१	४०	६	३६	२४	५६	१७	८	१६	३०	कुंभे	३।१२।१३।०५	५७।०८	भ. १९।४० उ.
च.व्र.	३	मं	६	४९	८	४०	शत	७	५१	९	०५	शो	२०	५९	१४	२०	वि	६	४९	८	४०	२१	५६	१६	९	१७	३१	मीने २८।५०	३।१३।१०।१३	५७।०९	भ. ८।४० या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३९
पद्म	४	बु	११	०२	१०	२२	पूभा	१३	३५	११	२३	अ	२१	४७	१४	४०	बा	११	०२	१०	२२	१८	५७	१६	१०	१८	१	मीने	३।१४।०७।२२	५७।१०	अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि, कन्यायां शुक्रः ८।५५
छत्र	५	गु	१४	०३	११	३५	उभा	१८	०७	१३	१२	सु	२१	३५	१४	३५	तै	१४	०३	११	३५	१५	५७	१५	११	१९	२	मीने	३।१५।०४।३१	५७।११	नागपञ्चमी (मरु.), विशा.-१ गुरुः २७।१५
श्रीवत्स	६	शु	१५	३५	१२	१२	रेव	२१	११	१४	२६	धृ	२०	१३	१४	०३	व	१५	३५	१२	१२	१२	५८	१४	१२	२०	३	मेषे १४।२६	३।१६।०१।४२	५७।१२	भ. १२।१२ उ. २४।१५ या., पंचक समाप्तिः १४।२६, श्लेषा. A
सौम्य	७	श	१५	२६	१२	०९	अश्वि	२२	३७	१५	०१	शू	१७	३०	१२	५८	व	१५	२६	१२	०९	०८	५८	१४	१३	२१	४	मेषे	३।१६।५८।५५	५७।१३	
काल	८	र	१३	३३	११	२४	भर	२२	१९	१४	५५	गं	१३	२४	११	२०	कौ	१३	३३	११	२४	०५	५९	१३	१४	२२	५	वृषे २०।४७	३।१७।५६।०८	५७।१४	[B अश्व वर्षाश्रेष्ठः
सुस्थिर	९	सो	९	५७	९	५८	कृति	२०	२०	१४	०७	वृ	७	५५	९	०९	ग	९	५७	९	५८	०२	५९	१२	१५	२३	६	वृषे	३।१८।५३।२२	५७।१६	भ. २१।०० उ.
ए.व्र.	१०	मं	४	४४	७	५४	रोहि	१६	४७	१२	४३	ध्रु	१	०७	६	२७	वि	४	४४	७	५४	३२	६	११	१६	२४	७	मिथु. २३।४८	३।१९।५०।३८	५७।१७	भ. ७।५४ या., कामिका ११ व्र.स्मार्त
क्षयः	११	मं	५८	१०	२९	१६	०	०	०	०	०	व्या	५३	१०	२७	१६	०	०	०	०	०	५९	००	०	०	०	०	० ०	०	०	[A रविः ८।४८ (सौरः २२।०२), सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन B
ए.व्र.	१२	बु	५०	२७	२६	११	मृग	११	५४	१०	४६	ह	४४	१५	२३	४२	कौ	२४	२५	१५	४७	५६	००	११	१७	२५	८	मिथु.	३।२०।४७।५५	५७।१८	कामिका ११ व्र.वैष्ण.
प्र.व्र.	१३	गु	४१	५४	२२	४७	आर्द्रा	५ ५९	५७ १८	८ २९	३४ ४४	व	३४	३६	१९	५१	ग	१६	१४	१२	३१	५२	०१	१०	१८	२६	९	कर्के २४।२५	३।२१।४५।१३	५७।२०	भ. २२।४७ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
उत्पात	१४	शु	३२	५३	१९	११	पुष्य	५२	१५	२६	५५	सि	२४	३१	१५	५०	वि	७	२५	८	५९	४९	०१	०९	१९	२७	१०	कर्के	३।२२।४२।३३	५७।२१	भ. ८।५९ या., हस्ते शुक्रः २६।१९
अमाव.	३०	श	२३	४४	१५	३१	श्ले	४५	१३	२४	०७	व्य	१४	१६	११	४४	ना	२३	४४	१५	३१	४५	०२	०८	२०	२८	११	सिंहे २४।०७	३।२३।३९।५३	५७।२२	देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०

अयनांशाः २४।०५।४४

पं.१६ श्रा.कृ. २ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	९	३	६	४	८	३	९
११	०९	२९	१९	२६	०९	११	११
४६	३३	०९	४२	४२	४०	४१	४१
१३	२७	२७	०५	०१	४३	५५	५५
५७	१६	१५	३	६३	३	३	३
२२	१३	५६	२०	३८	२१	११	११
पु	उषा	श्ले	स्वा	उफा	मू	पु	श्र
३	४व	४व	४	१	३व	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुल	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ
०३।१०।२५।४५	१ श	२८	११।१७	१२।५३	२।४९	५।०४	७।२४	९।४१	११।५७	२।१६	४।३४	६।३९	८।२२	९।५१
०३।११।२२।५१	२ र	२९	११।१३	१२।४९	२।४५	५।००	७।२०	९।३७	११।५३	२।१२	४।३०	६।३५	८।१८	९।४७
०३।१२।१९।५८	२ चं	३०	११।०९	१२।४५	२।४१	४।५६	७।१६	९।३३	११।४९	२।०८	४।२७	६।३१	८।१४	९।४३
०३।१३।१७।०५	३ मं	३१	११।०५	१२।४१	२।३७	४।५२	७।१२	९।२९	११।४५	२।०४	४।२३	६।२७	८।१०	९।३९
०३।१४।१४।१४	४ बु	१	११।०१	१२।३७	२।३३	४।४८	७।०८	९।२५	११।४१	२।००	४।१९	६।२३	८।०६	९।३५
०३।१५।११।२४	५ गु	२	१०।५७	१२।३३	२।२९	४।४४	७।०४	९।२१	११।३७	१।५६	४।१५	६।१९	८।०३	९।३१
०३।१६।०८।३५	६ शु	३	१०।५३	१२।२९	२।२६	४।४०	७।००	९।१७	११।३३	१।५२	४।११	६।१५	७।५९	९।२७
०३।१७।०५।४७	७ श	४	१०।४९	१२।२५	२।२२	४।३६	६।५६	९।१३	११।२९	१।४८	४।०७	६।११	७।५५	९।२३
०३।१८।०३।०१	८ र	५	१०।४५	१२।२१	२।१८	४।३२	६।५२	९।०९	११।२५	१।४४	४।०३	६।०७	७।५१	९।१९
०३।१९।००।१५	९ चं	६	१०।४१	१२।१८	२।१४	४।२८	६।४९	९।०५	११।२१	१।४०	३।५९	६।०४	७।४७	९।१५
०३।१९।५७।३१	१० मं	७	१०।३७	१२।१४	२।१०	४।२५	६।४५	९।०१	११।१७	१।३६	३।५५	६।००	७।४३	९।११
०३।२०।५४।४८	१२ बु	८	१०।३३	१२।१०	२।०६	४।२१	६।४१	८।५८	११।१३	१।३२	३।५१	५।५६	७।३९	९।०७
०३।२१।५२।०६	१३ गु	९	१०।३०	१२।०६	२।०२	४।१७	६।३७	८।५४	११।०९	१।२९	३।४७	५।५२	७।३५	९।०३
०३।२२।४९।२६	१४ शु	१०	१०।२६	१२।०२	१।५८	४।१३	६।३३	८।५०	११।०५	१।२५	३।४३	५।४८	७।३१	९।००
०३।२३।४६।४७	३० श	११	१०।२२	११।५८	१।५४	४।०९	६।२९	८।४६	११।०२	१।२१	३।३९	५।४४	७।२७	८।५६

संक्रांति फलम्

ता. १७ अगस्त २०१८
श्रा. शु. ७ भृगौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ६।३१ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः गुरौ (स्टै.) २४।०७ से भृगौ ६।३१ तक। (दान- छत्र)।

अयनांशाः २४।०५।४५

पं.१७ श्रा.कृ. ८ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	९	३	६	५	८	३	९
१८	०७	२५	२०	०४	०९	११	११
२८	४३	३६	०८	०२	१८	१९	१९
०७	१४	२२	५७	२५	४३	३९	३९
५७	१४	४५	४	६१	२	३	३
२८	४२	५९	२९	५३	५१	११	११
श्ले	उषा	श्ले	वि	उफा	मू	पु	श्र
१	४व	३व	१	३	३व	३	१

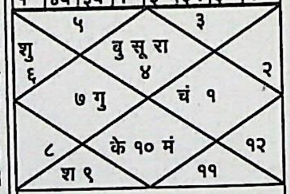

१२ अगस्त से २६ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	चं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिंधारा	१	र	१४	५०	११	५९	मघा	३८	३७	२१	२९	व	४/५४	१०/३४	७/२७	४३/५२	ब	१४	५०	११	५९	३२/४२	६/०३	७/०७	२१	२९	१२	सिंहे	३।२४।३७।१६	५७।२४
तीज	२	सो	६	३५	८	४१	पूफा	३२	५१	१९	११	शि	४५	४५	२४	२१	कौ	६	३५	८	४१	३९	०३	०६	२२	१	१३	कन्या २४।४१	३।२५।३४।४०	५७।२५
क्षयः	३	सो	५९	२४	२९	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
धाता	४	मं	५३	३५	२७	३०	उफा	२८	१८	१७	२३	सि	३७	५९	२१	१५	व	२६	१७	१६	३४	३५	०४	०६	२३	२	१४	कन्या	३।२६।३२।०५	५७।२७
आनन्द	५	बु	४९	२९	२५	५२	हस्त	२५	२०	१६	१२	सा	३१	३४	१८	४२	ब	२१	१७	१४	३५	३२	०४	०५	२४	३	१५	तुला. २७।५३	३।२७।२९।३१	५७।२८
चर	६	गु	४७	२०	२५	०१	चित्रा	२४	१३	१५	४६	शु	२६	४१	१६	४५	कौ	१८	०८	१३	२०	२८	०५	०४	२५	४	१६	तुला.	३।२८।२७।००	५७।३०
गद	७	शु	४७	१५	२४	५९	स्वा	२५	०७	१६	०८	शु	२३	२७	१५	२८	ग	१७	०२	१२	५४	२४	०५	०३	२६	५	१७	तुला.	३।२९।२४।२९	५७।३१
शुभ	८	श	४९	१३	२५	४७	विशा	२८	०१	१७	१८	ब्र	२१	५०	१४	४९	वि	१७	५९	१३	१७	२१	०६	०२	२७	६	१८	वृश्चि. १०।५६	४।००।२२।०१	५७।३३
मृत्यु	९	र	५२	५६	२७	१७	अनु	३२	४६	१९	१३	ऐ	२१	४२	१४	४७	वा	२०	५२	१४	२७	१७	०६	०१	२८	७	१९	वृश्चि.	४।०१।१९।३४	५७।३५
पद्म	१०	सो	५८	०६	२९	२१	ज्ये	३९	००	२१	४३	वै	२२	४९	१५	१४	तै	२५	२२	१६	१५	१३	०७	००	२९	८	२०	धनु. २१।४३	४।०२।१७।०८	५७।३६
छत्र	११	मं	...	...	...	...	मूल	४६	१५	२४	३७	वि	२४	४९	१६	०३	व	३१	०२	१८	३२	१०	०७	५६	३०	९	२१	धनु.	४।०३।१४।४४	५७।३८
ए.व्र.	११	बु	४	०८	७	४७	पूषा	५३	५९	२७	४३	प्री	२७	२२	१७	०४	वि	४	०८	७	४७	०६	०८	५८	३१	१०	२२	धनु.	४।०४।१२।२२	५७।४०
प्र.व्र.	१२	गु	१०	३४	१०	२२	उषा	...	...	...	...	आ	३०	०२	१८	०९	वा	१०	३४	१०	२२	०२	०८	५७	१	११	२३	मक. १०।३०	४।०५।१०।०२	५७।४१
काल	१३	शु	१६	५४	१२	५४	उषा	१	४३	६	५०	सौ	३२	३४	१९	१०	तै	१६	५४	१२	५४	३१/५८	०९	५६	२	१२	२४	मक.	४।०६।०७।४३	५७।४३
सुस्थिर	१४	श	२२	५०	१५	१७	श्रव	९	०८	९	४८	शो	३४	४३	२०	०२	व	२२	५०	१५	१७	५५	०९	५५	३	१३	२५	कुंभे २३।१२	४।०७।०५।२६	५७।४५
पूर्णिमा	१५	र	२८	०६	१७	२४	घनि	१५	५८	१२	३३	अ	३६	२१	२०	४२	व	२८	०६	१७	२४	५१	१०	५४	४	१४	२६	कुंभे	४।०८।०३।११	५७।४७

केतकी अहर्गणः २६८५ वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे, अगस्त २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे
तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), सुकृत तृतीया व्र., C
[A नारियल १५, यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय,आपस्तंभ, B
भ. १६।३४ उ. २७।३० या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र.
नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., भारतीयस्वतंत्रतादिवस
कल्की जयंती, वर्णषष्ठी, बुधोदयः पूर्वस्याम् १९।५१
भ. २४।५९ उ., शीतला, तुलसी जयंती,सिंहे मघा.रविः ६।३१ D
भ. १३।१७ या., दुर्गाष्टमी [D (सौरः २०।५४), G
मार्गी बुधः १८।४५ [G सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वाहन मूषक अल्पवृष्टिः
[B बौधायन, काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), अथर्ववेदि उपाकर्म
भ. १८।३२ उ. [C रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं, जिल्हेज १२
भ. ७।४७ या., पवित्रा ११ व्र. [F सायन कन्यायां भानुः ९।४५
प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, भा. भाद्रपदारंभः, F
चित्रा.शुक्रः२३।३८ [E सूणमाण्डणा (भद्रा के पूर्व),ऋग्वेदि उपाकर्म
भ.१५।१७ उ. २८।२३ या.,पंचक प्रारम्भः २३।१२,हयग्रीव जयंती, E
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च,रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है),श्रावणी(मरु),A

अयनांशाः २४।०५।४६

पं.१८ श्रा.शु. १ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	९	३	६	५	८	३	९
२५	०६	२०	२०	११	०९	१०	१०
१०	०९	०५	४३	०९	००	५७	५७
४७	४८	५२	४१	२४	२१	२३	२३
५७	११	३९	५	५९	२	३	३
३६	१३	५३	३५	४४	१८	११	११
श्ले	उषा	श्ले	वि	ह	मू	पु	श्र
३	३व	२व	१	१	३व	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायं	मीन रात्रौ
०३।२४।४४।०९	१ र	१२	१०।१८	११।५४	१।५०	४।०५	६।२५	८।४२	१०।५८	१।१७	३।३५	५।४०	७।२३	८।५२
०३।२५।४१।३३	२ चं	१३	१०।१४	११।५०	१।४६	४।०१	६।२१	८।३८	१०।५४	१।१३	३।३१	५।३६	७।१९	८।४८
०३।२६।३८।५९	४ मं	१४	१०।१०	११।४६	१।४२	३।५७	६।१७	८।३४	१०।५०	१।०९	३।२७	५।३२	७।१५	८।४४
०३।२७।३६।२५	५ बु	१५	१०।०६	११।४२	१।३८	३।५३	६।१३	८।३०	१०।४६	१।०५	३।२३	५।२८	७।११	८।४०
०३।२८।३३।५४	६ गु	१६	१०।०२	११।३८	१।३४	३।४९	६।०९	८।२६	१०।४२	१।०१	३।१९	५।२४	७।०७	८।३६
०३।२९।३१।२३	७ शु	१७	९।५८	११।३४	१।३०	३।४५	६।०५	८।२२	१०।३८	१२।५७	३।१६	५।२०	७।०३	८।३२
०४।००।२८।५५	८ श	१८	९।५४	११।३०	१।२६	३।४१	६।०१	८।१८	१०।३४	१२।५३	३।१२	५।१६	६।५९	८।२८
०४।०१।२६।२८	९ र	१९	९।५०	११।२६	१।२२	३।३७	५।५७	८।१४	१०।३०	१२।४९	३।०८	५।१२	६।५६	८।२४
०४।०२।२४।०३	१० चं	२०	९।४६	११।२२	१।१९	३।३३	५।५३	८।१०	१०।२६	१२।४५	३।०४	५।०८	६।५२	८।२०
०४।०३।२१।३९	११ मं	२१	९।४२	११।१८	१।१५	३।२९	५।४९	८।०६	१०।२२	१२।४१	३।००	५।०४	६।४८	८।१६
०४।०४।१९।१७	११ बु	२२	९।३८	११।१४	१।११	३।२५	५।४५	८।०२	१०।१८	१२।३७	२।५६	५।००	६।४४	८।१२
०४।०५।१६।५७	१२ गु	२३	९।३४	११।१०	१।०७	३।२१	५।४२	७।५८	१०।१४	१२।३३	२।५२	४।५६	६।४०	८।०८
०४।०६।१४।३८	१३ शु	२४	९।३०	११।०७	१।०३	३।१७	५।३८	७।५४	१०।१०	१२।२९	२।४८	४।५३	६।३६	८।०४
०४।०७।१२।२२	१४ श	२५	९।२६	११।०३	१२।५९	३।१४	५।३४	७।५०	१०।०६	१२।२५	२।४४	४।४९	६।३२	८।००
०४।०८।१०।०७	१५ र	२६	९।२२	१०।५९	१२।५५	३।१०	५।३०	७।४७	१०।०२	१२।२१	२।४०	४।४५	६।२८	७।५६

अयनांशाः २४।०५।४७

पं.१९ श्रा.शु. ९ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	९	३	६	५	८	३	९
०१	०५	१७	२१	१७	०८	१०	१०
५४	०५	२४	२५	५९	४६	३५	३५
२४	१७	०३	५०	४३	००	०७	०७
५७	६	३	६	५७	१	३	३
४५	२१	२७	३६	०१	४२	११	११
म	उषा	श्ले	वि	ह	मू	पु	श्र
१	३व	१	१	३	३व	३	१

अयनांशाः २४।०५।४८

पं.२० श्रा.शु.१५ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	९	३	६	५	८	३	९
०८	०४	२०	२२	२४	०८	१०	१०
३९	३७	२३	१४	२८	३६	१२	१२
०६	१८	०५	५४	५६	००	५१	५१
५७	०	५४	७	५३	१	३	३
५५	४७	२८	३३	३३	०३	११	११
म	उषा	श्ले	वि	चि	मू	पु	श्र
३	३व	२	१	१	३व	३	१

२७ अगस्त से ९ सितंबर तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.च	उ.	अ.	भा.	नृ.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
अमृत	१	सो	३२	३६	११	१२	शत	२२	०३	१४	५१	सु	३७	२३	२१	०७	वा	०	२७	६	२१	३१ ४१७	६ १०	६ ५३	५	१५	२७	कुंभे	४।०९।००।५८	५७।४९
काण	२	मं	३६	०९	२०	३८	पूभा	२७	१६	१७	०५	धृ	३७	४१	२१	१५	तै	४	२९	७	५८	४३	१०	५२	६	१६	२८	मीने १०।३६	४।०९।५८।४६	५७।५०
लुम्बक	३	बु	३८	४१	२१	३९	उभा	३१	३०	१८	४७	शू	३७	१०	२१	०३	व	७	३२	९	१२	३९	११	५९	७	१७	२९	मीने	४।१०।५६।३७	५७।५२
च.व्र.	४	गु	४०	०४	२२	१३	रेव	३४	३७	२०	०२	गं	३५	४५	२०	३०	व	९	३०	९	५९	३५	११	५०	८	१८	३०	मेषे २०।०२	४।११।५४।२९	५७।५४
वज्र	५	शु	४०	१२	२२	१७	अश्वि	३६	३२	२०	४९	वृ	३३	२३	१९	३३	कौ	१०	१७	१०	११	३२	१२	४९	९	१९	३१	मेषे	४।१२।५२।२३	५७।५६
ध्वाङ्क्ष	६	श	३९	०३	२१	४९	भर	३७	१२	२१	०५	ध्रु	२९	५९	१८	१२	ग	९	४७	१०	०७	२८	१२	४७	१०	२०	१	वृषे २७।०४	४।१३।५०।११	५७।५८
जन्माष्ट.	७	र	३६	३७	२०	५१	कृति	३६	३५	२०	५१	व्या	२५	३३	१६	२६	वि	७	५९	९	२४	२४	१३	४६	११	२१	२	वृषे	४।१४।४८।१८	५८।००
जन्माष्ट.	८	सो	३२	५४	१९	२३	रोहि	३४	४२	२०	०६	ह	२०	०५	१४	१५	बा	४	५४	८	११	२०	१३	४५	१२	२२	३	वृषे	४।१५।४६।१८	५८।०२
गोगा	९	मं	२८	००	१७	२६	मृग	३१	३९	१८	५३	व	१३	३९	११	४२	तै	०	३५	६	२८	१६	१४	४४	१३	२३	४	मिथु. ७।३३	४।१६।४४।२०	५८।०४
मुसल	१०	बु	२२	०२	१५	०३	आर्द्रा	२७	३१	१७	१५	सि	५८	०६	२९	३४	वि	२२	०२	१५	०३	१२	१४	४३	१४	२४	५	मिथु.	४।१७।४२।२४	५८।०६
ए.व्र.	११	गु	१५	०८	१२	१८	पुन	२२	३०	१५	१५	व	४९	२१	२५	५९	बा	१५	०८	१२	१८	०८	१५	४२	१५	२५	६	कर्के १।४६	४।१८।४०।३०	५८।०८
प्र.व्र.	१२	शु	७	३२	९	१६	पुष्य	१६	४७	१२	५८	प	४०	०५	२२	१७	तै	७	३२	९	१६	०४	१५	४१	१६	२६	७	कर्के	४।१९।३८।३८	५८।१०
क्षयः	१३	शु	५९	३०	३०	०३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मानस	१४	श	५१	१९	२६	४७	श्ले	१०	४१	१०	३२	शि	३०	३६	१८	३०	वि	२५	२३	१६	२५	००	१६	४०	१७	२७	८	सिंहे १०।३२	४।२०।३६।४९	५८।१२
अमाव.	३०	र	४३	२०	२३	३६	मघा	५८	३०	२६	४४	सि	२१	११	१४	४४	च	१७	१६	१३	१०	५६	१६	३८	१८	२८	९	सिंहे	४।२१।३५।०१	५८।१५

शरदृत्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त-सितंबर २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मार्गी भौमः २९।१६ [E बुधः २२।०८
कज्जली(बूढी ३), अगस्त्योदयः ६।२५
भ. ९।१२ उ. २१।३९ या. [C ९ ता. ३०, तुलायां शुक्रः १५।१६
पंचक समाप्तिः २०।०२, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।२४, पूफा. B
चंद्रषष्ठी (मरु.), पूफा. सौरः १७।३८
भ. २१।४९ उ., बृहद्गौरीव्र.(कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, सितंबर C
भ. ९।२४ या., जन्माष्टमी व्र. स्मा., शीतला व्र., सिंहे मघा. E
मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. वैष्ण., विशा.-२ गुरुः ९।३६
भ. २८।१८ उ., गोगानवमी [B रविः २६।३१, पूर्वा-२ राहुः D
भ. १५।०३ या. [D ७।१३, उषा.-४ केतुः ७।१३, सं.स्त्री.पु.सू. G
अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, मार्गी शनिः २९।४८
भ. ३०।०३ उ., प्रदोष [C वं.दाहन नाग वर्षाभेदः
[A लोहार्गल स्ना., मातृ ३०, कुशास्तः पूर्वस्याम् ७।४६, F
भ. १६।२५ या., मासिकशिवरात्री व्र. [F स्वा. शुक्रः २९।५६
कुशाग्रहणी, पिठोरी ३०, देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, A

अयनांशाः २४।०५।४९

पं.२१ भा.कृ. ७ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	९	३	६	६	८	३	९
१५	०४	२८	२३	००	०८	०९	०९
२५	४८	५६	१०	३०	३०	५०	५०
०१	५६	४८	२२	५८	३६	३६	३६
५८	४	९५	८	४९	०	३	३
०६	५४	१७	२६	०३	२३	१२	११
पूफा	उषा	श्ले	वि	चि	मू	पु	उषा
१	३	४	१	३	३च	२	४

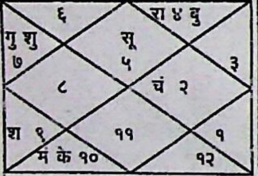

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायं	मीन रात्रौ
०४।०९।०७।५३	१ चं	२७	९।१९	१०।५५	१२।५१	३।०६	५।२६	७।४३	९।५८	१२।१८	२।३६	४।४१	६।२४	७।५२
०४।१०।०५।४२	२ मं	२८	९।१५	१०।५१	१२।४७	३।०२	५।२२	७।३९	९।५४	१२।१४	२।३२	४।३७	६।२०	७।४९
०४।११।०३।३३	३ बु	२९	९।११	१०।४७	१२।४३	२।५८	५।१८	७।३५	९।५१	१२।१०	२।२८	४।३३	६।१६	७।४५
०४।१२।०१।२५	४ गु	३०	९।०७	१०।४३	१२।३९	२।५४	५।१४	७।३१	९।४७	१२।०६	२।२४	४।२९	६।१२	७।४१
०४।१२।५९।२०	५ शु	३१	९।०३	१०।३९	१२।३५	२।५०	५।१०	७।२७	९।४३	१२।०२	२।२०	४।२५	६।०८	७।३७
०४।१३।५७।१६	६ श	१	८।५९	१०।३५	१२।३१	२।४६	५।०६	७।२३	९।३९	११।५८	२।१६	४।२१	६।०४	७।३३
०४।१४।५५।१४	७ र	२	८।५५	१०।३१	१२।२७	२।४२	५।०२	७।१९	९।३५	११।५४	२।१२	४।१७	६।००	७।२९
०४।१५।५३।१५	८ चं	३	८।५१	१०।२७	१२।२३	२।३८	४।५८	७।१५	९।३१	११।५०	२।०८	४।१३	५।५६	७।२५
०४।१६।५१।१७	९ मं	४	८।४७	१०।२३	१२।१९	२।३४	४।५४	७।११	९।२७	११।४६	२।०५	४।०९	५।५२	७।२१
०४।१७।४९।२१	१० बु	५	८।४३	१०।१९	१२।१५	२।३०	४।५०	७।०७	९।२३	११।४२	२।०१	४।०५	५।४८	७।१७
०४।१८।४७।२८	११ गु	६	८।३९	१०।१५	१२।११	२।२६	४।४६	७।०३	९।१९	११।३८	१।५७	४।०१	५।४५	७।१३
०४।१९।४५।३६	१२ शु	७	८।३५	१०।११	१२।०८	२।२२	४।४२	६।५९	९।१५	११।३४	१।५३	३।५७	५।४१	७।०९
०४।२०।४३।४७	१४ श	८	८।३१	१०।०७	१२।०४	२।१८	४।३८	६।५५	९।११	११।३०	१।४९	३।५३	५।३७	७।०५
०४।२१।४१।५९	३० र	९	८।२७	१०।०३	१२।००	२।१४	४।३४	६।५१	९।०७	११।२६	१।४५	३।४९	५।३३	७।०१

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो और पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। कृष्णाष्टमी रोहिणीयुक्त होने से शुभदा है। अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो और घी महँगा हो। अमावस्या मघा योग समर्घता कारक है। अमावस को मघा होने से मध्यम वर्षा हो। अमावस्या को रविवार और मघा होने से अरिष्टकारी योग बनता है। शु. षष्ठी को अनुराधा होने से सुभिक्ष हो। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हो, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।०५।५०

पं.२२ भा.कृ.३० र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	९	४	६	६	८	३	९
२२	०५	११	२४	०५	०८	०९	०९
१२	३९	१२	११	५७	२९	२८	२८
१८	४१	२६	४४	३०	५७	२०	२०
५८	१०	११३	९	४३	०	३	३
१८	१८	२८	१३	०८	१८	११	११
पूफा	उषा	म	वि	चि	मू	पु	उषा
३	३	४	२	४	३	२	४

१० सितंबर से २५ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	सो	३५	५८	२०	४०	उफा	५३	३१	२७	४१	सा	१२	०७	११	०७	किं	९	३२	१०	०५	३०/५२	६/१७	६/३०	१९	२९	१०	कन्या ११।११	४।२२।३३।१६	५८।१७
सौम्य	२	मं	२९	३५	१८	०७	हस्त	४९	३१	२६	०५	शु	३/५६	४४/३१	७/२८	४७/४९	बा	२	३८	७	२०	४८	१७	३६	२०	३०	११	कन्या	४।२३।३१।३२	५८।१९
काल	३	बु	२४	३७	१६	०८	चित्रा	४७	०२	२५	०६	व्र	५०	१४	२६	२३	ग	२४	३७	१६	०८	४४	१७	३५	२१	१	१२	तुला. १३।३१	४।२४।२९।५१	५८।२१
गणेश	४	गु	२१	२४	१४	५१	स्वा	४६	२३	२४	५१	ऐ	४५	३७	२४	३३	वि	२१	२४	१४	५१	४०	१८	३४	२२	२	१३	तुला.	४।२५।२८।१२	५८।२३
ऋषि	५	शु	२०	०८	१४	२२	विशा	४७	४५	२५	२४	वै	४२	३८	२३	२२	बा	२०	०८	१४	२२	३६	१८	३३	२३	३	१४	वृश्चि. १९।११	४।२६।२६।३५	५८।२५
अमृत	६	श	२१	०१	१४	४३	अनु	५१	०९	२६	४६	वि	४१	१८	२२	५०	तै	२१	०१	१४	४३	३१	१९	३१	२४	४	१५	वृश्चि.	४।२७।२५।०१	५८।२७
काण	७	र	२३	५४	१५	५३	ज्ये	५६	२४	२८	५३	प्री	४१	२८	२२	५४	व	२३	५४	१५	५३	२७	१९	३०	२५	५	१६	धनु. २८।५३	४।२८।२३।२८	५८।३०
लुम्बक	८	सो	२८	३३	१७	४५	मूल	...	...	...	...	आ	४२	५२	२३	२९	व	२८	३३	१७	४५	२३	२०	२९	२६	६	१७	धनु.	४।२९।२१।५८	५८।३२
छत्र	९	मं	३४	२७	२०	०७	मूल	३	०६	७	३५	सौ	४५	०८	२४	२३	वा	१	२३	६	५३	१९	२०	२८	२७	७	१८	धनु.	५।००।२०।३०	५८।३४
श्रीवत्स	१०	बु	४०	५९	२२	४४	पूषा	१०	४२	१०	३८	शो	४७	४५	२५	२७	तै	७	४०	९	२५	१५	२१	२७	२८	८	१९	मक. १७।२५	५।०१।१९।०४	५८।३६
ए.व्र.	११	गु	४७	२८	२५	२०	उषा	१८	३३	१३	४६	अ	५०	२०	२६	२९	व	१४	१६	१२	०३	११	२१	२६	२९	९	२०	मक.	५।०२।१७।४०	५८।३९
धूम्र	१२	शु	५३	२५	२७	४४	श्रव	२६	०५	१६	४७	सु	५२	२७	२७	२१	व	२०	३१	१४	३४	०७	२२	२४	३०	१०	२१	कुंभे ३०।११	५।०३।१६।१९	५८।४१
प्र.व्र.	१३	श	५८	२४	२९	४४	धनि	३२	५०	१९	३०	धृ	५३	५२	२७	५५	कौ	२६	०२	१६	४७	०३	२२	२३	३१	११	२२	कुंभे	५।०४।१५।००	५८।४३
राक्षस	१४	र	...	...	...	...	शत	३८	३२	२१	४७	शू	५४	२५	२८	०९	ग	३०	२९	१८	३४	२९/५९	२३	२२	१	१२	२३	कुंभे	५।०५।१३।४४	५८।४६
मुसल	१४	सो	२	१५	७	१७	पूभा	४३	०५	२३	३७	गं	५४	०२	२८	००	व	२	१५	७	१७	५५	२३	२१	२	१३	२४	मीने १७।१२	५।०६।१२।२९	५८।४८
पूर्णिमा	१५	मं	४	५३	८	२१	उभा	४६	२८	२४	५९	वृ	५२	४३	२७	२९	व	४	५३	८	२१	५१	२३	२०	३	१४	२५	मीने	५।०७।११।१७	५८।५०

केतकी अहर्गणः २७१४ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
पूफा. बुधः ९।१४ [A उफा. रविः २०।२४, सं.स्त्री.स्त्री.सू.सू. H
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), सामवेदि उपाकर्म [D मोहोर्रम १ सन १४४० हि.
भ.२७।२४ उ., मन्वादि, वराहजयंती, हरितालिकाव्र., हस्तिगौरीव्र. D
भ.१४।५१ या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), जैन संवत्सरी, A
ऋषि पंचमी, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे), उफा. सौरः ११।४९
सौर(सूर्य) षष्ठी, स्कन्ददर्शनं, दूबड़ीसातम, गौरी आवाहन २६।४६ यावत्
भ.१५।५३ उ.२८।४५ या., मुक्ताभरणव्र., उमामहेश्वरपू., गौरीपूजन २८।५३ यावत्
दधीची जयंती, श्री राधा ८, गौरी विसर्जन, विश्वकर्मा पू., B
अदुःख नवमीव्र., श्रीचंद्र (उदासीन संप्रदाय), कन्यायां बुधः २८।०१
दशावतार व्र., श्री रामदेवजी का मेला [H वाहन मेष अल्पवृष्टिः
भ. १२।०३ उ. २५।२० या., जलझूलनी ११ व्र., विष्णुश्रृंखला K
पंचक प्रारम्भः ३०।११, वामन जयंती, दुग्धव्रतं, विष्णुश्रृंखला G
प्रदोषः, गोत्रिरात्र व्र. [G १६।४७ तक, हरिवासरः ७।४८ तक
अनन्त १४, कदली व्रतं पूजनं, रंभारोपणं, भा. अश्विनारंभः, C
भ. ७।१७ उ. १९।५३ या., पूर्णिमा व्रतं, प्रौष्ठपदी, महालय F
पूर्णिमा पुण्यं, महेश्वर पूजनं, कु. संध्यापूजा, श्रव. भौमः २२।३४

[B कन्यायां रविः ६।३१ (सौरः २१।५६), उफा. बुधः ९।१८. [K १३।४६ से, हरिवासरः २५।२० से. [C सायन तुलायां भानुः ७।३२, विशा.-३ गुरुः २९।०१ [F श्राद्धारंभः, इंदुला १५, हस्ते बुधः १५।४८

अयनांशाः २४।०५।५१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०५।५२

पं.२३ भा.शु. ७ र. इष्टघटी ०।००

सु.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	९	४	६	६	८	३	९
२९	०७	२४	२५	१०	०८	०९	०९
०१	०६	३२	१८	३७	३४	०६	०६
०२	४९	३९	२७	०७	०५	०४	०४
५८	१५	११३	९	३५	०	३	३
३१	१२	२५	५६	१७	५९	११	११
उफा	उषा	पूफा	वि	स्वा	मू	पु	उषा
१	४	४	२	२	३	२	४

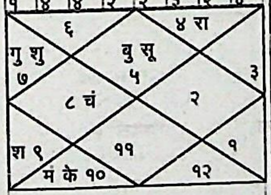

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. सित	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायं
०४।२२।४०।१४	१ चं	१०	८।२३	९।५९	११।५६	२।१०	४।३१	६।४७	९।०३	११।२२	१।४१	३।४५	५।२९	६।५७
०४।२३।३८।३१	२ मं	११	८।१९	९।५६	११।५२	२।०७	४।२७	६।४३	८।५९	११।१८	१।३७	३।४२	५।२५	६।५३
०४।२४।३६।५०	३ बु	१२	८।१५	९।५२	११।४८	२।०३	४।२३	६।३९	८।५५	११।१४	१।३३	३।३८	५।२१	६।४९
०४।२५।३५।११	४ गु	१३	८।११	९।४८	११।४४	१।५९	४।१९	६।३६	८।५१	११।१०	१।२९	३।३४	५।१७	६।४५
०४।२६।३३।३५	५ शु	१४	८।०८	९।४४	११।४०	१।५५	४।१५	६।३२	८।४७	११।०७	१।२५	३।३०	५।१३	६।४२
०४।२७।३२।००	६ श	१५	८।०४	९।४०	११।३६	१।५१	४।११	६।२८	८।४३	११।०३	१।२१	३।२६	५।०९	६।३८
०४।२८।३०।२८	७ र	१६	८।००	९।३६	११।३२	१।४७	४।०७	६।२४	८।४०	१०।५९	१।१७	३।२२	५।०५	६।३४
०४।२९।२८।५८	८ चं	१७	७।५६	९।३२	११।२८	१।४३	४।०३	६।२०	८।३६	१०।५५	१।१३	३।१८	५।०१	६।३०
०५।००।२७।३०	९ मं	१८	७।५२	९।२८	११।२४	१।३९	३।५९	६।१६	८।३२	१०।५१	१।०९	३।१४	४।५७	६।२६
०५।०१।२६।०५	१० बु	१९	७।४८	९।२४	११।२०	१।३५	३।५५	६।१२	८।२८	१०।४७	१।०५	३।१०	४।५३	६।२२
०५।०२।२४।४१	११ गु	२०	७।४४	९।२०	११।१६	१।३१	३।५१	६।०८	८।२४	१०।४३	१।०१	३।०६	४।४९	६।१८
०५।०३।२३।२०	१२ शु	२१	७।४०	९।१६	११।१२	१।२७	३।४७	६।०४	८।२०	१०।३९	१२।५८	३।०२	४।४५	६।१४
०५।०४।२२।०२	१३ श	२२	७।३६	९।१२	११।०८	१।२३	३।४३	६।००	८।१६	१०।३५	१२।५४	२।५८	४।४१	६।१०
०५।०५।२०।४५	१४ र	२३	७।३२	९।०८	११।०४	१।१९	३।३९	५।५६	८।१२	१०।३१	१२।५०	२।५४	४।३७	६।०६
०५।०६।१९।३१	१४ चं	२४	७।२८	९।०४	११।००	१।१५	३।३५	५।५२	८।०८	१०।२७	१२।४६	२।५०	४।३४	६।०२
०५।०७।१८।१९	१५ मं	२५	७।२४	९।००	१०।५७	१।११	३।३१	५।४८	८।०४	१०।२३	१२।४२	२।४६	४।३०	५।५८

संक्रांति फलम्

ता. १७ सितंबर २०१८

भा. शु. ८ चंद्रे कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. ६।३१ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) ६।३१ से १२।५५ तक। (दान- गृह वस्त्र)।

पं.२४ भा.शु.१४ र. इष्टघटी ०।००

सु.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	९	५	६	६	८	३	९
०५	०९	०७	२६	१४	०८	०८	०८
५१	०६	३०	३०	१४	४२	४३	४३
१८	३०	२९	०१	३५	५९	४८	४८
५८	१९	१०७	१०	२४	१	३	३
४५	३०	३९	३५	५४	३९	११	११
उफा	उषा	उफा	वि	स्वा	मू	पु	उषा
३	४	४	२	३	३	२	४

२६ सितंबर से ९ अक्टूबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	बु	६	१९	८	५६	रेव	४८	४३	२५	५३	ध्रु	५०	२९	२६	३६	कौ	६	१९	८	५६	२९ ४६	६ २४	६ १९	४	१५	२६	मेषे २५।५३	५।०८।१०।०७	५८।५२
मानस	२	गु	६	३९	९	०४	अश्वि	४९	५६	२६	२३	व्या	४७	२५	२५	२२	ग	६	३९	९	०४	४२	२४	१७	५	१६	२७	मेषे	५।०९।०९।००	५८।५५
च.व्र.	३	शु	५	५५	८	४७	भर	५०	११	२६	२९	ह	४३	३५	२३	५१	वि	५	५५	८	४७	३८	२५	१६	६	१७	२८	मेषे	५।१०।०७।५४	५८।५७
ध्वजा	४	श	४	१४	८	०७	कृति	४९	३४	२६	१५	व	३९	०२	२२	०२	बा	४	१४	८	०७	३४	२५	१५	७	१८	२९	वृषे ८।२७	५।११।०६।५१	५८।५९
धाता	५	र	१	४१	७	०६	रोहि	४८	१०	२५	४२	सि	३३	५१	१९	५८	तै	१	४१	७	०६	३०	२६	१४	८	१९	३०	वृषे	५।१२।०५।५१	५९।०२
क्षयः	६	र	५८	२४	२९	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
आनन्द	७	सो	५४	२३	२८	१२	मृग	४६	०४	२४	५२	व्य	२८	०४	१७	४०	वि	२६	२८	१७	०१	२६	२६	१३	९	२०	१	मिथु. १३।१९	५।१३।०४।५३	५९।०४
चर	८	मं	४९	४१	२६	१९	आर्द्रा	४३	१७	२३	४६	व	२१	४३	१५	०८	बा	२२	०६	१५	१७	२२	२७	१२	१०	२१	२	मिथु.	५।१४।०३।५७	५९।०६
गद	९	बु	४४	२२	२४	१२	पुन	३९	५२	२२	२४	प	१४	५०	१२	२३	तै	१७	०६	१३	१८	१८	२७	१०	११	२२	३	कर्के १६।४६	५।१५।०३।०३	५९।०९
शुभ	१०	गु	३८	३०	२१	५२	पुष्य	३५	५४	२०	४९	शि	९ ५९	२८ ४२	९ ३०	२७ २१	व	११	२९	११	०४	१४	२८	०९	१२	२३	४	कर्के	५।१६।०२।१२	५९।११
ए.व्र.	११	शु	३२	१०	१९	२१	श्ले	३१	२९	१९	०४	सा	५१	३७	२७	०७	व	५	२२	८	३७	०९	२८	०८	१३	२४	५	सिंहे १९।०४	५।१७।०१।२३	५९।१३
प्र.व्र.	१२	श	२५	३७	१६	४४	मघा	२६	४७	१७	१२	शु	४३	२१	२३	४९	तै	२५	३७	१६	४४	०५	२९	०७	१४	२५	६	सिंहे	५।१८।००।३७	५९।१६
छत्र	१३	र	१९	००	१४	०६	पूफा	२२	०५	१५	१९	शु	३५	०९	२०	३३	व	१९	००	१४	०६	०१	२९	०६	१५	२६	७	कन्या२०।५२	५।१८।५९।५२	५९।१८
श्रीवत्स	१४	सो	१२	४१	११	३४	उफा	१७	४०	१३	३४	ब्र	२७	१६	१७	२४	श	१२	४१	११	३४	२८ ५७	३०	०५	१६	२७	८	कन्या	५।१९।५९।१०	५९।२१
अमाव.	३०	मं	७	००	९	१८	हस्त	१३	५५	१२	०५	ऐ	१९	५८	१४	३०	ना	७	००	९	१८	५३	३१	०४	१७	२८	९	तुला. २३।२९	५।२०।५८।३१	५९।२३

शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर-अक्टूबर २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं।
पंचक समाप्तिः २५।५३
भ. २०।५८ उ., हस्ते रविः ११।५५ (सौरः २७।१२), B
भ. ८।४७ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४०, भरणी श्राद्ध
[B सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन महिष वर्षाश्रेष्ठः
भ. २९।४८ उ., चंद्रषष्ठी
[A तक, तुलायां बुधः १२।१५, वक्री शुक्रः ७।४६
भ. १७।०१ या., अक्टूबर १० ता. ३१
श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी, गांधी जयन्ती, चित्रा. बुधः १०।००
सौभाग्यवतीनां श्राद्धं
भ. ११।०४ उ. २१।५२ या.
इंदिरा ११ व्र. [C शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
प्रदोषः, सन्यासिनां श्राद्धं, गजच्छाया योगः १६।४४ से १७।१२ A
भ. १४।०६ उ. २४।४९ या., मासिकशिवरात्री व्र., युगादि, C
पितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, गजच्छाया (बोधायन) १३।३४ से
देवकार्येऽमा., मातामह श्रा., गजच्छाया (बोधायन) ९।१८ तक

अयनांशाः २४।०५।५२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.२५ आ.कृ. ५ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	९	५	६	६	८	३	९
१२	११	१९	२७	१६	०८	०८	०८
४३	३४	४४	४५	३०	५६	२१	२१
१२	३५	०७	५६	३३	३५	३२	३२
५८	२३	१०१	११	११	२	३	३
५९	१४	०३	१०	३१	१९	११	११
ह	श्र	ह	वि	स्वा	मू	पु	उषा
१	१	३	३	३	३	२	४

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. सितं	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायँ
०५।०८।१७।१०	१ बु	२६	७।२०	८।५६	१०।५३	१।०७	३।२७	५।४४	८।००	१०।१९	१२।३८	२।४२	४।२६	५।५४
०५।०९।१६।०२	२ गु	२७	७।१६	८।५२	१०।४९	१।०३	३।२३	५।४०	७।५६	१०।१५	१२।३४	२।३८	४।२२	५।५०
०५।१०।१४।५७	३ शु	२८	७।१२	८।४८	१०।४५	१२।५९	३।२०	५।३६	७।५२	१०।११	१२।३०	२।३४	४।१८	५।४६
०५।११।१३।५५	४ श	२९	७।०८	८।४५	१०।४१	१२।५६	३।१६	५।३२	७।४८	१०।०७	१२।२६	२।३१	४।१४	५।४२
०५।१२।१२।५४	५ र	३०	७।०४	८।४१	१०।३७	१२।५२	३।१२	५।२९	७।४४	१०।०३	१२।२२	२।२७	४।१०	५।३८
०५।१३।११।५७	७ चं	१	७।००	८।३७	१०।३३	१२।४८	३।०८	५।२५	७।४०	१०।००	१२।१८	२।२३	४।०६	५।३४
०५।१४।११।०१	८ मं	२	६।५७	८।३३	१०।२९	१२।४४	३।०४	५।२१	७।३६	९।५६	१२।१४	२।१९	४।०२	५।३१
०५।१५।१०।०८	९ बु	३	६।५३	८।२९	१०।२५	१२।४०	३।००	५।१७	७।३२	९।५२	१२।१०	२।१५	३।५८	५।२७
०५।१६।०९।१७	१० गु	४	६।४९	८।२५	१०।२१	१२।३६	२।५६	५।१३	७।२९	९।४८	१२।०६	२।११	३।५४	५।२३
०५।१७।०८।२८	११ शु	५	६।४५	८।२१	१०।१७	१२।३२	२।५२	५।०९	७।२५	९।४४	१२।०२	२।०७	३।५०	५।१९
०५।१८।०७।४२	१२ श	६	६।४१	८।१७	१०।१३	१२।२८	२।४८	५।०५	७।२१	९।४०	११।५८	२।०३	३।४६	५।१५
०५।१९।०६।५८	१३ र	७	६।३७	८।१३	१०।०९	१२।२४	२।४४	५।०१	७।१७	९।३६	११।५४	१।५९	३।४२	५।११
०५।२०।०६।१६	१४ चं	८	६।३३	८।०९	१०।०५	१२।२०	२।४०	४।५७	७।१३	९।३२	११।५०	१।५५	३।३८	५।०७
०५।२१।०५।३७	३० मं	९	६।२९	८।०५	१०।०१	१२।१६	२।३६	४।५३	७।०९	९।२८	११।४७	१।५१	३।३४	५।०३

मास फलम्

इस माह में पाच वुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो ॥ वुधेरसक्षयोभूम्याम् ॥ कृ. प्रतिपदा को वुधवार होने से दुर्भिक्ष हो। कृ. पंचमी रविवार होने से माघ की अमावस पर घी निश्चय महँगा हो। मगलवारी अमावस होने से राज्यभ्रंश, राजयुद्ध-क्लेशो की वृद्धि-उपघात-अल्पवृष्टि और द्रव्यों की हानि हो। अमावस्या को हस्त होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। वुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।०५।५३

पं.२६ आ.कृ.१३ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	९	६	६	६	८	३	९
१९	१४	०१	२९	१७	०९	०७	०७
३६	२६	१२	०५	०३	१४	५९	५९
४५	५९	४९	४१	४३	४३	१७	१६
५९	२६	९५	११	४	२	३	३
१३	२४	०१	४२	४४	५७	१२	११
ह	श्र	चि	वि	स्वा	मू	पु	उषा
३	२	३	३	४व	३	२	४

७ शु

१० अक्टूबर से २४ अक्टूबर तक,श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०,दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	बु	२	१८	७	२६	चित्रा	११	१३	११	००	वै	१३	३२	११	५६	व	२	१८	७	२६	२८	६	६	१८	२९	१०	तुला.	५।२१।५७।५४	५९।२५
क्षयः	२	बु	५८	५९	३०	०७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	४९	३१	०३	०	०	०	०	०	०
सुस्थिर	३	गु	५७	२१	२९	२८	स्वा	९	५४	१०	२९	वि	८	१६	९	५०	तै	२७	५६	१७	४२	४५	३२	०२	१९	१	११	वृश्चि. २८।३२	५।२२।५७।१९	५९।२७
मातङ्ग	४	शु	५७	३४	२९	३४	विशा	१०	१५	१०	३८	प्री	४	१९	८	१६	व	२७	११	१७	२५	४१	३२	०१	२०	२	१२	वृश्चि.	५।२३।५६।४६	५९।३०
अमृत	५	श	५९	४३	३०	२६	अनु	१२	२८	११	३२	आ	१	५३	७	१८	व	२८	२३	१७	५४	३७	३३	००	२१	३	१३	वृश्चि.	५।२४।५६।१६	५९।३२
काण	६	र	...	...	...	...	ज्ये	१६	३४	१३	११	सौ	०	५६	६	५६	कौ	३१	२९	१९	०९	३३	३३	५८	२२	४	१४	धनु. १३।११	५।२५।५५।४८	५९।३४
लुम्बक	६	सो	३	४१	८	०२	मूल	२२	२१	१५	३०	शो	१	२३	७	०७	तै	३	४१	८	०२	२९	३४	५७	२३	५	१५	धनु.	५।२६।५५।२२	५९।३७
मित्र	७	मं	९	११	१०	१५	पूषा	२९	२४	१८	२०	अ	२	५८	७	४६	व	९	११	१०	१५	२५	३४	५६	२४	६	१६	मक. २५।०६	५।२७।५४।५९	५९।३९
दुर्गा	८	बु	१५	३६	१२	४९	उषा	३७	०९	२१	२७	सु	५	१७	८	४२	व	१५	३६	१२	४९	२१	३५	५५	२५	७	१७	मक.	५।२८।५४।३८	५९।४१
ध्वजा	९	गु	२२	१५	१५	३०	श्रव	४४	५४	२४	३३	धृ	७	५१	९	४४	कौ	२२	१५	१५	३०	१७	३६	५४	२६	८	१८	मक.	५।२९।५४।१९	५९।४३
विजया	१०	शु	२८	२७	१७	५९	धनि	५२	००	२७	२४	शू	१०	१०	१०	४०	ग	२८	२७	१७	५९	१३	३६	५३	२७	९	१९	कुंभे १४।०२	६।००।५४।०३	५९।४६
ए.व्र.	११	श	३३	३३	२०	०२	शत	५७	५५	२९	४७	गं	११	४८	११	२०	व	१	०९	७	०५	०९	३७	५३	२८	१०	२०	कुंभे	६।०१।५३।४८	५९।४८
चर	१२	र	३७	१६	२१	३२	पूभा	...	...	...	...	वृ	१२	२७	११	३६	व	५	३५	८	५१	०५	३७	५२	२९	११	२१	मीने २५।११	६।०२।५३।३६	५९।५०
प्र.व्र.	१३	सो	३९	२२	२२	२३	पूभा	२	२२	७	३५	ध्रु	११	५३	११	२३	कौ	८	३०	१०	०२	०१	३८	५१	३०	१२	२२	मीने	६।०३।५३।२७	५९।५२
सिद्धि	१४	मं	३९	५४	२२	३६	उभा	५	१७	८	४६	व्या	१०	०४	१०	४०	ग	९	४८	१०	३४	२७/५८	३९	५०	१	१३	२३	मीने	६।०४।५३।१९	५९।५५
पूर्णिमा	१५	बु	३८	५९	२२	१५	रेव	६	४३	९	२१	ह	७	०६	९	३०	वि	९	३५	१०	३०	५४	३९	४९	२	१४	२४	मेषे ९।२१	६।०५।५३।१४	५९।५७

केतकी अहर्गणः २७४४ शरदृत्तू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है। चंद्रदर्शनम् (मु.१५),नवरात्रारम्भः,घटस्था.अग्रसेनजयंती,चित्रा. C [C रविः २४।५६, स्वा. बुधः १८।०१, सं.स्री.स्री.सू.सू.वाहन G सफर २, चित्रा. सौरः १५।४१, वृश्चिके विशा.-४ गुरुः २०।५८ भ. १७।२५ उ. २९।३४ या. [G जम्बूक अल्पवृष्टिः उपांग ललिता व्र., शुक्रास्तः पश्चिमायाम् २१।०० [A पूर्णिमा, बंगीय लक्ष्मी पूजा,नवान्न भक्षण, B सरस्वती आवाहनं मूलभे [B आश्वयुजीकर्म (आश्वलायन D भ.१०।१५ उ.२३।३० या.,भद्रकाली अवतार,सरस्वतीपूजनं पू.षाभे आकाश दीपारंभः, महाष्टमी, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे, F मन्वादि, पट्टाभिषेक,सरस्वती विसर्जनं श्रवणे,तुलायां सौरः ८।५३ पंचकप्रारम्भः १४।०२,बोद्धावतार,विजया १०,शमीपूजा, विशा. H भ. ७।०५ उ. २०।०२ या., पापांकुशा ११ व्र., बुधोदयः K कार्त्तिके द्विदलं त्यजेत् [H बुधः १५।४५ [F तुलायां रविः १८।२९ प्रदोषः [K पश्चिमायाम् ६।४६,मूले-४ शनिः ८।०० [I भानुः १६।५९ भ. २२।३६ उ., कोजागरी व्र., भा.कार्तिकारंभः, सायन वृश्चिके I भ.१०।३० या.,पंचक समाप्तिः ९।२१,पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शरद A

शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

[D शास्त्रा), कार्तिक स्नान प्रा., स्वा. रविः ११।२६ (सौरः २५।२३), सं.स्री.पु.सू.चं.वाहन चातक वर्षाश्रेष्ठः

अयनांशाः २४।०५।५४

पं.२७ आ.शु. ६ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	९	६	७	६	८	३	९
२६	१७	१२	००	१५	०९	०७	०७
३२	४०	०२	२८	३८	३७	३७	३७
००	०२	३५	५०	५१	१२	००	००
५९	२९	९०	१२.	२१	३	३	३
२८	०४	०७	०७	४६	३३	११	११
चि	श्र	स्वा	वि	स्वा	मू	पु	उषा
१	३	२	४	३व	३	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टू	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।२२।०५।००	१ बु	१०	६।२५	८।०१	९।५७	१२।१२	२।३२	४।४९	७।०५	९।२४	११।४३	१।४७	३।३०	४।५९
०५।२३।०४।२५	३ गु	११	६।२१	७।५७	९।५३	१२।०८	२।२८	४।४५	७।०१	९।२०	११।३९	१।४३	३।२६	४।५५
०५।२४।०३।५३	४ शु	१२	६।१७	७।५३	९।४९	१२।०४	२।२४	४।४१	६।५७	९।१६	११।३५	१।३९	३।२३	४।५१
०५।२५।०३।२३	५ श	१३	६।१३	७।४९	९।४६	१२।००	२।२०	४।३७	६।५३	९।१२	११।३१	१।३५	३।१९	४।४७
०५।२६।०२।५६	६ र	१४	६।०९	७।४५	९।४२	११।५६	२।१६	४।३३	६।४९	९।०८	११।२७	१।३१	३।१५	४।४३
०५।२७।०२।३०	६ चं	१५	६।०५	७।४१	९।३८	११।५२	२।१२	४।२९	६।४५	९।०४	११।२३	१।२७	३।११	४।३९
०५।२८।०२।०७	७ मं	१६	६।०१	७।३८	९।३४	११।४८	२।०९	४।२५	६।४१	९।००	११।१९	१।२३	३।०७	४।३५
०५।२९।०१।४६	८ बु	१७	५।५७	७।३४	९।३०	११।४५	२।०५	४।२१	६।३७	८।५६	११।१५	१।२०	३।०३	४।३१
०६।००।०१।२८	९ गु	१८	५।५३	७।३०	९।२६	११।४१	२।०१	४।१८	६।३३	८।५२	११।११	१।१६	२।५९	४।२७
०६।०१।०१।१२	१० शु	१९	५।४९	७।२६	९।२२	११।३७	१।५७	४।१४	६।२९	८।४९	११।०७	१।१२	२।५५	४।२३
०६।०२।००।५८	११ श	२०	५।४६	७।२२	९।१८	११।३३	१।५३	४।१०	६।२५	८।४५	११।०३	१।०८	२।५१	४।२०
०६।०३।००।४६	१२ र	२१	५।४२	७।१८	९।१४	११।२९	१।४९	४।०६	६।२१	८।४१	१०।५९	१।०४	२।४७	४।१६
०६।०४।००।३६	१३ चं	२२	५।३८	७।१४	९।१०	११।२५	१।४५	४।०२	६।१८	८।३७	१०।५५	१।००	२।४३	४।१२
०६।०५।००।२९	१४ मं	२३	५।३४	७।१०	९।०६	११।२१	१।४१	३।५८	६।१४	८।३३	१०।५१	१२।५६	२।३९	४।०८
०६।०६।००।२४	१५ बु	२४	५।३०	७।०६	९।०२	११।१७	१।३७	३।५४	६।१०	८।२९	१०।४७	१२।५२	२।३५	४।०४

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०१८
आश्वि. शु. ८ बुधे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।२९ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रास्तः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १२।२९ से २४।२९ तक। (दान- तिल गोरस)।

अयनांशाः २४।०५।५५

पं.२८ आ.शु.१२ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	९	६	७	६	८	३	९
०३	२१	२२	०१	१२	१०	०७	०७
२८	१०	२०	५४	२३	०३	१४	१४
५६	२७	०९	५३	३२	४९	४४	४४
५९	३१	८५	१२	३४	४	३	३
४२	१९	३६	३०	४०	०७	११	११.
चि	श्र	वि	वि	स्वा	मू	पु	उषा
४	४	१	४	२व	४	२	४

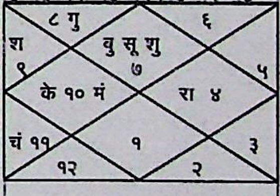

२५ अक्टूबर से ७ नवंबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	गु	३६	५०	२१	२४	अश्वि	६	५०	९	२४	व	३/५८	०३/०८	७/२९	५३/५५	बा	८	०१	९	५२	२७/५०	६/४०	५/४८	३	१५	२५	मेपे	६।०६।५३।११	५९।५९
मुद्गर	२	शु	३३	४३	२०	१०	भर	५	५२	९	०१	व्य	५२	२९	२७	४०	तै	५	२१	८	४९	४६	४१	४७	४	१६	२६	वृषे १४।५२	६।०७।५३।१०	६०।०१
च.व्र.	३	श	२९	५२	१८	३८	कृति	४	०३	८	१९	व	४६	२०	२५	१३	व	१	५०	७	२५	४२	४१	४६	५	१७	२७	वृषे	६।०८।५३।११	६०।०३
धाता	४	र	२५	३१	१६	५४	रोहि	१/५८	४०/५५	७/३०	२२/५६	प	३९	५०	२२	३८	बा	२५	३१	१६	५४	३९	४२	४५	६	१८	२८	मिथु. १८।५०	६।०९।५३।१४	६०।०६
काल	५	सो	२०	५३	१५	०४	आर्द्रा	५५	५५	२९	०५	शि	३३	०५	१९	५७	तै	२०	५३	१५	०४	३५	४३	४५	७	१९	२९	मिथु.	६।१०।५३।२०	६०।०८
सुस्थिर	६	मं	१६	०३	१३	०९	पुन	५२	४७	२७	५०	सि	२६	१३	१७	१३	व	१६	०३	१३	०९	३१	४३	४४	८	२०	३०	कर्के २२।०९	६।११।५३।२७	६०।१०
मातङ्ग	७	बु	११	०७	११	११	पुष्य	४९	३४	२६	३३	सा	१९	१७	१४	२७	व	११	०७	११	११	२७	४४	४३	९	२१	३१	कर्के	६।१२।५३।३७	६०।१२
अमृत	८	गु	६	०६	९	११	श्ले	४६	१७	२५	१६	शु	१२	१६	११	३९	कौ	६	०६	९	११	२४	४५	४२	१०	२२	१	सिंहे २५।१६	६।१३।५३।४९	६०।१४
काण	९	शु	१	०३	७	११	मघा	४३	०१	२३	५८	शु	५	१३	८	५०	ग	१	०३	७	११	२०	४५	४१	११	२३	२	सिंहे	६।१४।५४।०३	६०।१६
क्षयः	१०	शु	५६	०२	२९	१०	०	०	०	०	०	ब्र	५८	१३	३०	०३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
ए.व्र.	११	श	५१	०९	२७	१४	पूफा	३९	५०	२२	४२	ऐ	५१	१८	२७	१७	व	२३	३३	१६	११	१७	४६	४१	१२	२४	३	कन्या २८।२४	६।१५।५४।१९	६०।१८
ए.व्र.	१२	र	४६	३१	२५	२३	उफा	३६	५४	२१	३२	वै	४४	३६	२४	३७	कौ	१८	४६	१४	१७	१३	४७	४०	१३	२५	४	कन्या	६।१६।५४।३७	६०।२०
प्र.व्र.	१३	सो	४२	२४	२३	४५	हस्त	३४	२५	२०	३४	वि	३८	१९	२२	०७	ग	१४	२२	१२	३२	१०	४८	३९	१४	२६	५	कन्या	६।१७।५४।५७	६०।२२
रुप १४	१४	मं	३९	०४	२२	२६	चित्रा	३२	३९	१९	५२	प्री	३२	३६	१९	५१	वि	१०	३६	११	०३	०६	४८	३९	१५	२७	६	तुला. ८।१०	६।१८।५५।१९	६०।२४
दीपाव.	३०	बु	३६	४५	२१	३१	स्वा	३१	५३	१९	३४	आ	२७	४१	१७	५३	च	७	४४	९	५५	०३	४९	३८	१६	२८	७	तुला.	६।१९।५५।४३	६०।२६

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर-नवंबर २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

धनि. भौमः ८।३५ [E विशा. रविः १९।३३

वृश्चिके बुधः १८।२७ [G (व) चित्रा. शुक्रः १४।०९

भ. ७।२५ उ. १८।३८ या., करवा ४ चन्द्रोदयः २०।०६, D

अनु. बुधः ३०।३३ [D दशरथ ललिता व्र., अनु.-१ गुरुः २४।२३

[B पुष्ये-१ राहुः २८।५१, उपा.-३ केतुः २८।५१

भ. १३।०९ उ. २४।१० या.,स्कन्द षष्ठी, G

होई (अहोरी) ८, शुक्रोदयः पूर्वस्याम् १०।४७, B

नवंबर ११ ता. ३०

भ. १८।१० उ. २९।१० या. [F भौमः २९।१४

[A धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र., कुंभे F

रमा ११ व्र.स्मार्त [C विशा. सौरः ८।३१

रमा ११ व्र.वैष्ण., गोवत्स द्वादशी

भ. २३।४५ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., धनतेरस, A

भ. ११।०३ या., दीपदानं, रुप (नरक) १४, प्रभात स्नानं, E

देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुवेर पू., वलीपूजा, C

शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०५।५६

प.२९ का.कृ. ४ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	९	७	७	६	८	३	९
१०	२४	०२	०३	०८	१०	०६	०६
२७	५५	०१	२३	०५	३४	५२	५२
३१	२७	३५	२२	२७	१५	२८	२८
५९	३३	७८	१२	३७	४	३	३
५६	११	५६	४९	२८	३९	११	११
स्वा	घ	वि	अनु	स्वा	मू	पु	उषा
२	१	४	१	१व	४	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टू	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।०७।००।२१	१ गु	२५	५।२६	७।०२	८।५८	११।१३	१।३३	३।५०	६।०६	८।२५	१०।४३	१२।४८	२।३१	४।००
०६।०८।००।२१	२ शु	२६	५।२२	६।५८	८।५४	११।०९	१।२९	३।४६	६।०२	८।२१	१०।३९	१२।४४	२।२७	३।५६
०६।०९।००।२२	३ श	२७	५।१८	६।५४	८।५०	११।०५	१।२५	३।४२	५।५८	८।१७	१०।३६	१२।४०	२।२३	३।५२
०६।१०।००।२६	४ र	२८	५।१४	६।५०	८।४६	११।०१	१।२१	३।३८	५।५४	८।१३	१०।३२	१२।३६	२।१९	३।४८
०६।११।००।३२	५ चं	२९	५।१०	६।४६	८।४२	१०।५७	१।१७	३।३४	५।५०	८।०९	१०।२८	१२।३२	२।१५	३।४४
०६।१२।००।४०	६ मं	३०	५।०६	६।४२	८।३८	१०।५३	१।१३	३।३०	५।४६	८।०५	१०।२४	१२।२८	२।१२	३।४०
०६।१३।००।५०	७ बु	३१	५।०२	६।३८	८।३५	१०।४९	१।०९	३।२६	५।४२	८।०१	१०।२०	१२।२४	२।०८	३।३६
०६।१४।०१।०२	८ गु	१	४।५८	६।३४	८।३१	१०।४५	१।०५	३।२२	५।३८	७।५७	१०।१६	१२।२०	२।०४	३।३२
०६।१५।०१।१६	९ शु	२	४।५४	६।३०	८।२७	१०।४१	१।०१	३।१८	५।३४	७।५३	१०।१२	१२।१६	२।००	३।२८
०६।१६।०१।३३	११ श	३	४।५०	६।२७	८।२३	१०।३७	१२।५८	३।१४	५।३०	७।४९	१०।०८	१२।१२	१।५६	३।२४
०६।१७।०१।५१	१२ र	४	४।४६	६।२३	८।१९	१०।३४	१२।५४	३।१०	५।२६	७।४५	१०।०४	१२।०९	१।५२	३।२०
०६।१८।०२।११	१३ चं	५	४।४२	६।१९	८।१५	१०।३०	१२।५०	३।०७	५।२२	७।४१	१०।००	१२।०५	१।४८	३।१६
०६।१९।०२।३३	१४ मं	६	४।३८	६।१५	८।११	१०।२६	१२।४६	३।०३	५।१८	७।३८	९।५६	१२।०१	१।४४	३।१२
०६।२०।०२।५८	३० बु	७	४।३५	६।११	८।०७	१०।२२	१२।४२	२।५९	५।१४	७।३४	९।५२	११।५७	१।४०	३।०९

मास फलम्

इस माह में पाच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो और पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो। चन्द्रजीवौ यदापंच धान्यादीनांसमर्घता ॥ कृ. पंचमी को आर्द्रा होने से घास का संग्रह लाभ दे और अल्पवृष्टि से चौपायों को दुःख हो। बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दुःख-स्थानत्याग और कम धान्य हो। अमावस्या को स्वाति होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। पूर्णिमा शुक्रवार और कृतिका युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। धनिष्ठा पर मंगल होने से इन्द्र की भांति समृद्धि हो, धान्य सस्ता हो और गुड शक्कर भी सस्ते हों। प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २४।०५।५७

प.३० का.कृ.१२ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	९	७	७	६	८	३	९
१७	२८	१०	०४	०४	११	०६	०६
२७	५२	३९	५३	०४	०८	३०	३०
४२	३५	५२	४९	११	१४	१३	१३
६०	३४	६५	१३	२८	५	३	३
०९	४५	४३	०४	३१	०८	१२	११
स्वा	ध	अनु	अनु	चि	मू	पु	उषा
४	२	३	१	४व	४	१	३

८ नवंबर से २३ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिनासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	ग.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	गु	३५	४४	२१	०७	विशा	३२	२१	१९	४६	सौ	२३	४६	१६	२०	किं	६	०३	९	१५	२६ ५९	६ ५०	५ ३७	१७	२३	८	वृश्चि. १३।४०	६।२०।५६।०९	६०।२८
राक्षस	२	शु	३६	१५	२१	२०	अनु	३४	१६	२०	३३	शो	२०	५९	१५	१४	वा	५	४६	९	०९	५६	५०	३७	१८	३०	९	वृश्चि.	६।२१।५६।३७	६०।३०
मुसल	३	श	३८	२१	२२	१२	ज्ये	३७	४४	२१	५७	अ	१९	२५	१४	३७	तै	७	०४	९	४१	५३	५१	३६	१९	१	१०	धनु. २१।५७	६।२२।५७।०७	६०।३२
सिद्धि	४	र	४२	०५	२३	४२	मूल	४२	४६	२३	५८	सु	११	०७	१४	३१	व	९	५९	१०	५२	४९	५२	३६	२०	२	११	धनु.	६।२३।५७।३८	६०।३४
उत्पात	५	सो	४७	१६	२५	४७	पूषा	४९	१०	२६	३३	धृ	१९	५८	१४	५२	व	१४	३०	१२	४१	४६	५३	३५	२१	३	१२	धनु.	६।२४।५८।१२	६०।३५
मानस	६	मं	५३	३१	२८	१८	उषा	५६	३४	२९	३१	शू	२१	४४	१५	३५	कौ	२०	१७	१५	००	४३	५४	३५	२२	४	१३	मक. ९।१६	६।२५।५८।४७	६०।३७
मुद्गर	७	बु	...	...	...	...	श्रव	...	...	...	...	गं	२४	०६	१६	३३	ग	२६	५२	१७	३९	४०	५४	३४	२३	५	१४	मक.	६।२६।५९।२४	६०।३९
ध्वजा	७	गु	०	१४	७	०१	श्रव	४	२३	८	४०	वृ	२६	३६	१७	३४	व	०	१४	७	०१	३७	५५	३४	२४	६	१५	कुंभे २२।१३	६।२८।००।०३	६०।४१
धाता	८	शु	६	४७	९	३९	धनि	११	५८	११	४३	ध्रु	२८	४३	१८	२५	ब	६	४७	९	३९	३४	५६	३३	२५	७	१६	कुंभे	६।२९।००।४४	६०।४२
आनन्द	९	श	१२	२४	११	५४	शत	१८	३८	१४	२४	व्या	२९	५९	१८	५६	कौ	१२	२४	११	५४	३१	५७	३३	२६	८	१७	कुंभे	७।००।०१।२६	६०।४४
चर	१०	र	१६	३२	१३	३४	पूभा	२३	५२	१६	३०	ह	३०	०४	१८	५९	ग	१६	३२	१३	३४	२८	५७	३३	२७	९	१८	मीने १०।०२	७।०१।०२।१०	६०।४६
ए.व्र.	११	सो	१८	५१	१४	३१	उभा	२७	१९	१७	५४	व	२८	४३	१८	२७	वि	१८	५१	१४	३१	२५	५८	३२	२८	१०	१९	मीने	७।०२।०२।५६	६०।४७
प्र.व्र.	१२	मं	१९	१५	१४	४१	रेव	२८	५४	१८	३३	सि	२५	५३	१७	२०	वा	१९	१५	१४	४१	२२	५९	३२	२९	११	२०	मेषे १८।३३	७।०३।०३।४३	६०।४९
मृत्यु	१३	बु	१७	४७	१४	०७	अश्वि	२८	४३	१८	२९	व्य	२१	३७	१५	३९	तै	१७	४७	१४	०७	२०	७ ००	३२	३०	१२	२१	मेषे	७।०४।०४।३२	६०।५१
पद्म	१४	गु	१४	४२	१२	५३	भर	२६	५९	१७	४८	व	१६	०५	१३	२६	व	१४	४२	१२	५३	१७	०१	३१	१	१३	२२	वृषे २३।३३	७।०५।०५।२३	६०।५२
पूर्णिमा	१५	शु	१०	१८	११	०८	कृति	२४	०२	१६	३८	प	९	३०	१०	४९	व	१०	१८	११	०८	१४	०१	३१	२	१४	२३	वृषे	७।०६।०६।१५	६०।५४

केतकी अहर्गण २७७३ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
गोवर्धन पू.. अन्नकूटं देशाचारे, गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः, E
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भ्रातृ २,यम २,यमुना स्नानं,कलम दवात पू.
रविलावर्त ३, ज्येष्ठा. बुधः १४।४४ [E गोक्रीडा, मार्गपाली ह.
भ. १०।५२ उ. २३।४२ या., दूर्वागणपति व्र.
सौभाग्य ५, गुरोरस्तः पश्चिमायाम् १३।२१, N
वन्दि(रवि) षष्ठी [B चतुर्मास व्रत समाप्तिः, P
कल्पादि, नेहरूजयन्ती (बालदिवस) [I ३०।२२), मार्गीशुक्र: २९।२७
भ. ७।०१ उ.२०।२९ या.,पंचकप्रारम्भः २२।१३ [P भीष्मपंचक प्र. D
गोपाष्टमी, आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः १८।१५ (सौर. I
युगादि, कूष्माण्ड(अक्षय) ९, शत.भौमः ७।५७, वक्री बुधः १६।५६
भ.२६।०८ उ. [D अनु.रविः २५।३४,बुधास्तः पश्चिमायाम् २०।५८
भ १४।३१ या., प्रबोधिनी ११ ह., देवोत्थापनं, तुलसी विवाह, B
पंचक समाप्तिः १८।३३,प्रदोषः,मन्वादि, हरिवासरः १२।२७ से K
वैकुण्ठ १४,संटकव्रत समाप्तिः [K १४।४१ तक,अनु.सौरः १३।२५
भ. १२।५३ उ २४।०४ या., पूर्णिमा व्रतं, कार्तिक व्रतोद्यापनं, A
मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं,गोपद्मव्रत समाप्ति, नानक जयंती,भीष्म C

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

[N पाण्डव ५, अनु.-२ गुरुः ८।३४ [A त्रिपुरोत्सव, पुष्कर यात्रा, प्रशस्तापूर्णिमा, भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः १४।३५, (व) अनु बुधः २३।०५ [C पंचक समाप्ति, कार्तिक स्नान पूर्तिः

अयनांशाः २४।०५।५८ ॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥ अयनांशाः २४।०५।५९

पं.३१ का.शु. ४ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	१०	७	७	६	८	३	९
२४	०२	१७	०६	०१	११	०६	०६
२९	५९	०९	२५	३०	४५	०७	०७
२४	५०	२०	४९	४७	२६	५६	५६
६०	३६	३८	१३	१२	५	३	३
२२	०२	३१	१५	२२	३४	१२	११
वि	ध	ज्ये	अनु	चि	मू	पु	उषा
२	३	१	१	३व	४	१	३

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. नवं.	मेष दिवा	वृष सायं	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक प्रातः	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०६।२१।०३।२४	१ गु	८	४।३१	६।०७	८।०३	१०।१८	१२।३८	२।५५	५।११	७।३०	९।४८	११।५२	१।३६	३।०५
०६।२२।०३।५२	२ शु	९	४।२७	६।०३	७।५९	१०।१४	१२।३४	२।५१	५।०७	७।२६	९।४४	११।४९	१।३२	३।०१
०६।२३।०४।२२	३ श	१०	४।२३	५।५९	७।५५	१०।१०	१२।३०	२।४७	५।०३	७।२२	९।४०	११।४५	१।२८	२।५७
०६।२४।०४।५४	४ र	११	४।१९	५।५५	७।५१	१०।०६	१२।२६	२।४३	४।५९	७।१८	९।३६	११।४१	१।२४	२।५३
०६।२५।०५।२८	५ चं	१२	४।१५	५।५१	७।४७	१०।०२	१२।२२	२।३९	४।५५	७।१४	९।३२	११।३७	१।२०	२।४९
०६।२६।०६।०४	६ मं	१३	४।११	५।४७	७।४३	९।५८	१२।१८	२।३५	४।५१	७।१०	९।२८	११।३३	१।१६	२।४५
०६।२७।०६।४१	७ बु	१४	४।०७	५।४३	७।३९	९।५४	१२।१४	२।३१	४।४७	७।०६	९।२५	११।२९	१।१२	२।४१
०६।२८।०७।२०	७ गु	१५	४।०३	५।३९	७।३५	९।५०	१२।१०	२।२७	४।४३	७।०२	९।२१	११।२५	१।०८	२।३७
०६।२९।०८।०१	८ शु	१६	३।५९	५।३५	७।३१	९।४६	१२।०६	२।२३	४।३९	६।५८	९।१७	११।२१	१।०४	२।३३
०७।००।०८।४४	९ श	१७	३।५५	५।३१	७।२७	९।४२	१२।०२	२।१९	४।३५	६।५४	९।१३	११।१७	१।०१	२।२९
०७।०१।०९।२८	१० र	१८	३।५१	५।२७	७।२४	९।३८	११।५८	२।१५	४।३१	६।५०	९।०९	११।१३	१२।५७	२।२५
०७।०२।१०।१४	११ चं	१९	३।४७	५।२३	७।२०	९।३४	११।५४	२।११	४।२७	६।४६	९।०५	११।०९	१२।५३	२।२१
०७।०३।११।०१	१२ मं	२०	३।४३	५।१९	७।१६	९।३०	११।५०	२।०७	४।२३	६।४२	९।०१	११।०५	१२।४९	२।१७
०७।०४।११।५१	१३ बु	२१	३।३९	५।१६	७।१२	९।२६	११।४७	२।०३	४।१९	६।३८	८।५७	११।०१	१२।४५	२।१३
०७।०५।१२।४१	१४ गु	२२	३।३५	५।१२	७।०८	९।२३	११।४३	१।५९	४।१५	६।३४	८।५३	१०।५८	१२।४१	२।०९
०७।०६।१३।३४	१५ शु	२३	३।३१	५।०८	७।०४	९।१९	११।३९	१।५६	४।११	६।३०.	८।४९	१०।५४	१२।३७	२।०५

सक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०१८
का. शु. ८ भृगा वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।१५ वारात ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति. दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ११।५१ से १८।१५ तक । (दान- दीप) ।

पं.३२ का.शु.१० र. इष्टघटी ०।००

सू.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	१०	७	७	६	८	३	९
०१	०७	१९	०७	००	१२	०५	०५
३२	१५	१७	५८	५६	२५	४५	४५
३२	२४	१०	५३	४९	३०	४०	४०
६०	३७	१४	१३	४	५	३	३
३३	०६	४४	२२	५९	५७	१२	११
वि	श	ज्ये	अनु	चि	मू	पु	उषा
४	१	१व	२	३	४	१	३

२४ नवंबर से ७ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	श	४	५४	९	००	रोहि	२०	१२	१५	०७	शि	२	०८	७	५३	कौ	४	५४	९	००	२६	७	५	३	१५	२४	मिथु. २६।१६	७।०७।०७।०९	६०।५५
क्षयः	२	श	५८	५६	३०	३७	०	०	०	०	०	सि	५४	१६	२८	४५	०	०	०	०	०	१२	०२	३१	०	०	०	० ०	०	०
सौम्य	३	र	५२	३८	२८	०६	मृग	१५	५१	१३	२३	सा	४६	०८	२५	३०	व	२५	४७	१७	२२	१०	०३	३१	४	१६	२५	मिथु.	७।०८।०८।०४	६०।५६
च.व्र.	४	सो	४६	१९	२५	३५	आर्द्रा	११	१८	११	३५	शु	३७	५७	२२	१४	व	१९	२७	१४	५०	०७	०४	३१	५	१७	२६	कर्क २८।१४	७।०९।०९।००	६०।५८
सुस्थिर	५	मं	४०	१२	२३	०९	पुन	६	४९	९	४८	शु	२९	५४	१९	०२	कौ	१३	१२	१२	२१	०५	०४	३०	६	१८	२७	कर्क	७।१०।०९।५८	६०।५९
मातङ्ग	६	बु	३४	२७	२०	५२	पुष्य	२/५८	३६/५०	८/३०	०८/३७	ब्र	२२	०८	१५	५६	ग	७	१६	१०	००	०३	०५	३०	७	१९	२८	सिंहे ३०।३७	७।११।१०।५७	६१।०१
मुसल	७	गु	२९	१२	१८	४७	मघा	५५	३२	२९	१९	ऐ	१४	४३	१२	५९	वि	१	४४	७	४८	०१	०६	३०	८	२०	२९	सिंहे	७।१२।११।५८	६१।०२
सिद्धि	८	शु	२४	२९	१६	५५	पूफा	५२	५०	२८	१५	वै	७	४४	१०	१३	कौ	२४	२९	१६	५५	२५/५८	०७	३०	९	२१	३०	सिंहे	७।१३।१३।००	६१।०३
उत्पात	९	श	२०	२५	१५	१८	उफा	५०	४६	२७	२६	वि	१/५५	१४/१९	९/२९	३७/५५	ग	२०	२५	१५	१८	५७	०८	३०	१०	२२	१	कन्या १०।०१	७।१४।१४।०३	६१।०४
मानस	१०	र	१७	०२	१३	५७	हस्त	४९	२६	२६	५५	आ	४९	५७	२७	०७	वि	१७	०२	१३	५७	५५	०८	३०	११	२३	२	कन्या	७।१५।१५।०७	६१।०६
ए.व्र.	११	सो	१४	२६	१२	५६	चित्रा	४८	५६	२६	४४	सौ	४५	१५	२५	१५	बा	१४	२६	१२	५६	५३	०९	३०	१२	२४	३	तुला. १४।४७	७।१६।१६।१३	६१।०७
प्र.व्र.	१२	मं	१२	४५	१२	१६	स्वा	४९	२२	२६	५५	शो	४१	१८	२३	४१	तै	१२	४५	१२	१६	५१	१०	३०	१३	२५	४	तुला.	७।१७।१७।२०	६१।०८
धाता	१३	बु	१२	०५	१२	०१	विशा	५०	५१	२७	३१	अ	३८	१०	२२	२६	व	१२	०५	१२	०१	४९	११	३०	१४	२६	५	वृश्चि. २१।१९	७।१८।१८।२८	६१।०९
आनन्द	१४	गु	१२	३१	१२	१२	अनु	५३	२७	२८	३४	सु	३५	५४	२१	३३	श	१२	३१	१२	१२	४८	११	३०	१५	२७	६	वृश्चि.	७।१९।१९।३७	६१।१०
अमाव.	३०	शु	१४	०८	१२	५१	ज्ये	५७	१३	३०	०५	धृ	३४	३५	२१	०२	ना	१४	०८	१२	५१	४६	१२	३१	१६	२८	७	धनु. ३०।०५	७।२०।२०।४७	६१।११

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर-दिसंबर २०१८

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A मार्गी बुधः १३।४९
भ. १७।२२ उ. २८।०६ या., सौभाग्य सुंदरी व्र.
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४५, पूषा.-१ शनिः २८।३५
अनु.-३ गुरुः ८।०६
भ. २०।५२ उ.
भ. ७।४८ या., कालभैरवाष्टमी
[B पूर्वस्याम् ७।३०
भ. २६।३५ उ., दिसंबर १२ ता. ३१
भ. १३।५७ या., ज्येष्ठा. रविः २९।५१, बुधोदयः B
उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र., ज्येष्ठा. सौरः १६।३०
प्रदोषः, (व) विशा. बुधः ३०।११, स्वा. शुक्रः १८।०२
भ. १२।०१ उ. २४।०२ या., मासिकशिवरात्री व्र.
गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः
देवपितृकार्येऽमा., गुरोरुदयः पूर्वस्याम् ११।१२, A

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०६।००

पं.३३ मा.कृ. ३ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	१०	७	७	६	८	३	९
०८	११	१४	०९	०२	१३	०५	०५
३६	३७	०४	३२	१८	०८	२३	२३
५६	५१	१७	३५	५५	०५	२४	२४
६०	३७	७८	१३	२०	६	३	३
४३	५९	४०	२५	१०	१६	१२	११
अनु	श	अनु	अनु	चि	मू	पु	उषा
२	२	४व	२	३	४	१	३

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. नवं.	मेष दिवा	वृष सायं	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक प्रातः	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०७।०७।१४।२८	१ श	२४	३।२७	५।०४	७।००	९।१५	११।३५	१।५२	४।०७	६।२७	८।४५	१०।५०	१२।३३	२।०१
०७।०८।१५।२३	३ र	२५	३।२४	५।००	६।५६	९।११	११।३१	१।४८	४।०३	६।२३	८।४१	१०।४६	१२।२९	१।५८
०७।०९।१६।२०	४ चं	२६	३।२०	४।५६	६।५२	९।०७	११।२७	१।४४	४।००	६।१९	८।३७	१०।४२	१२।२५	१।५४
०७।१०।१७।१८	५ मं	२७	३।१६	४।५२	६।४८	९।०३	११।२३	१।४०	३।५६	६।१५	८।३३	१०।३८	१२।२१	१।५०
०७।११।१८।१७	६ बु	२८	३।१२	४।४८	६।४४	८।५९	११।१९	१।३६	३।५२	६।११	८।२९	१०।३४	१२।१७	१।४६
०७।१२।१९।१८	७ गु	२९	३।०८	४।४४	६।४०	८।५५	११।१५	१।३२	३।४८	६।०७	८।२५	१०।३०	१२।१३	१।४२
०७।१३।२०।२०	८ शु	३०	३।०४	४।४०	६।३६	८।५१	११।११	१।२८	३।४४	६।०३	८।२१	१०।२६	१२।०९	१।३८
०७।१४।२१।२४	९ श	१	३।००	४।३६	६।३२	८।४७	११।०७	१।२४	३।४०	५।५९	८।१७	१०।२२	१२।०५	१।३४
०७।१५।२२।२८	१० र	२	२।५६	४।३२	६।२८	८।४३	११।०३	१।२०	३।३६	५।५५	८।१४	१०।१८	१२।०१	१।३०
०७।१६।२३।३४	११ चं	३	२।५२	४।२८	६।२४	८।३९	१०।५९	१।१६	३।३२	५।५१	८।१०	१०।१४	११।५७	१।२६
०७।१७।२४।४१	१२ मं	४	२।४८	४।२४	६।२०	८।३५	१०।५५	१।१२	३।२८	५।४७	८।०६	१०।१०	११।५३	१।२२
०७।१८।२५।४९	१३ बु	५	२।४४	४।२०	६।१६	८।३१	१०।५१	१।०८	३।२४	५।४३	८।०२	१०।०६	११।५०	१।१८
०७।१९।२६।५८	१४ गु	६	२।४०	४।१६	६।१३	८।२७	१०।४७	१।०४	३।२०	५।३९	७।५८	१०।०२	११।४६	१।१४
०७।२०।२८।०९	३० शु	७	२।३६	४।१२	६।०९	८।२३	१०।४३	१।००	३।१६	५।३५	७।५४	९।५८	११।४२	१।१०

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें। अमावस्या ज्येष्ठा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। पूर्णिमा मृगशिरा युक्त होने से महर्घता हो। पूर्णिमा शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्वाषाढ़ा में स्थित शनैश्चर अङ्ग, वङ्ग, कोशल, गिरिव्रज, मगध, पुण्ड्र, मिथिला और ताम्रलिप्ती देश में निवास करने वाले मनुष्यों को पीड़ित करता है। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों।

अयनांशाः २४।०६।०१

पं.३४ मा.कृ.१० र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	१०	७	७	६	८	३	९
१५	१६	०५	११	०५	१३	०५	०५
४२	०५	१२	०६	१८	५२	०१	०१
२७	५२	०९	२८	०५	४७	०८	०८
६०	३८	४९	१३	३२	६	३	३
५२	४१	२७	२४	१६	३२	११	११
अनु	श	अनु	अनु	चि	पूषा	पु	उषा
४	३	१व	३	४	१	१	३

८ दिसंबर से २२ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	केतकी अहर्गणः २८०३ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर २०१८
																															यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
गद	१	श	१६	५९	१४	०१	मूल	...	...	...	...	शू	३४	१२	२०	५४	व	१६	५९	१४	०१	२५/४५	७/१३	५/३१	१७	२९	८	धनु.	७।२१।२१।५८	६१।१२	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पूभा. भौमः ७।४१, अनु. बुधः २१।५०
सिद्धि	२	र	२१	०६	१५	४०	मूल	२	१०	८	०५	गं	३४	४५	२१	०८	कौ	२१	०६	१५	४०	४४	१३	३१	१८	१	९	धनु.	७।२२।२३।१०	६१।१३	रंभास्त्येयं, रविलास्वर ४
उत्पात	३	सो	२६	२२	१७	४७	पूषा	८	१६	१०	३३	वृ	३६	०८	२१	४१	ग	२६	२२	१७	४७	४३	१४	३१	१९	२	१०	मक. १७।१३	७।२३।२४।२३	६१।१४	भ. ३१।०० उ. [C सायन उत्तरायण प्रारम्भ २७।५४
पद्म	४	मं	३२	३५	२०	१७	उषा	१५	२१	१३	२३	ध्रु	३८	१०	२२	३१	वि	३२	३५	२०	१७	४१	१५	३१	२०	३	११	मक.	७।२४।२५।३७	६१।१५	भ. २०।१७ या.
छत्र	५	बु	३९	२२	२३	००	श्रव	२३	०४	१६	२९	व्या	४०	३७	२३	३०	व	५	५५	९	३८	४०	१५	३२	२१	४	१२	कुंभे ३०।०४	७।२५।२६।५२	६१।१६	पंचक प्रारम्भः ३०।०४, नागपंचमी, अनु.-४ गुरुः ७।२०
श्रीवत्स	६	गु	४६	११	२५	४५	धनि	३०	५६	१९	३९	ह	४३	०५	२४	३०	कौं	१२	४७	१२	२३	४०	१६	३२	२२	५	१३	कुंभे	७।२६।२८।०७	६१।१६	स्कंदषष्ठी [B २२।०३, विशा. शुक्रः ११।३६, अयन करिदिन
सौम्य	७	शु	५२	२२	२८	१४	शत	३८	२२	२२	३८	व	४५	०५	२५	१९	ग	१९	२२	१५	०२	३९	१७	३२	२३	६	१४	कुंभे	७।२७।२९।२४	६१।१७	भ. २८।१४ उ.
काल	८	श	५७	१८	३०	१२	पूभा	४४	४४	२५	११	सि	४६	१२	२५	४६	वि	२५	०१	१७	१८	३८	१७	३३	२४	७	१५	मीने १८।३६	७।२८।३०।४१	६१।१८	भ. १७।१८ या.
सुस्थिर	९	र	...	...	...	...	उभा	४९	३१	२७	०६	व्य	४६	०५	२५	४४	वा	२९	०७	१८	५७	३७	१८	३३	२५	८	१६	मीने	७।२९।३१।५९	६१।१९	कल्पादि, धनुषि मूले रविः ८।४९ (सौरः १८।१७)
मातङ्ग	९	सो	०	२७	७	२९	रेव	५२	२२	२८	१६	व	४४	२६	२५	०५	कौ	०	२७	७	२९	३७	१९	३३	२६	९	१७	मेषे २८।१६	८।००।३३।१७	६१।१९	पंचक समाप्तिः २८।१६, शनेरस्तः पश्चिमायाम् १८।१६
अमृत	१०	मं	१	३६	७	५८	अश्वि	५३	११	२८	३६	प	४१	१०	२३	४७	ग	१	३६	७	५८	३६	१९	३४	२७	१०	१८	मेषे	८।०१।३४।३६	६१।२०	भ. १९।५२ उ.
ए.व्र.	११	बु	०	३८	७	३५	भर	५२	०३	२८	०९	शि	३६	१९	२१	५१	वि	०	३८	७	३५	३६	२०	३४	२८	११	१९	मेषे	८।०२।३५।५६	६१।२०	भ. ७।३५ या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती
क्षयः	१२	बु	५७	४२	३०	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा, भा. पोषारंभः, ज्येष्ठा. बुधः B
प्र.व्र.	१३	गु	५३	०१	२८	३३	कृति	४९	११	२७	०१	सि	२९	५९	१९	२०	कौ	२५	३२	१७	३३	३६	२०	३५	२९	१२	२०	वृषे ९।५५	८।०३।३७।१६	६१।२१	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र.
मित्र	१४	शु	४६	५५	२६	०७	रोहि	४४	५४	२५	१८	सा	२२	२६	१६	१९	ग	२०	०७	१५	२४	३६	२१	३५	३०	१३	२१	वृषे	८।०४।३८।३७	६१।२१	भ. २६।०७ उ., पिशाच मोचन श्राद्धं, सायन मकरे भानुः, C
पूर्णिमा	१५	श	३९	४८	२३	१७	मृग	३९	३५	२३	११	शु	१३	५४	१२	५५	वि	१३	२८	१२	४४	३६	२१	३६	१	१४	२२	मिथु. १२।१७	८।०५।३९।५८	६१।२२	भ. १२।४४ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २४।०६।०२

पं.३५ मा.शु. २ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	१०	७	७	६	८	३	९
२२	२०	०३	१२	०९	१४	०४	०४
४८	३८	२६	४०	३३	३९	३८	३८
५५	२५	४५	०३	१४	१६	५२	५२
६०	३९	२५	१३	४१	६	३	३
५९	१५	५८	१९	३४	४६	११	११
ज्ये	पूभा	अनु	अनु	स्वा	पूषा	पु	उषा
२	१	१	३	१	१	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।२१।२९।२०	१ श	८	२।३२	४।०८	६।०५	८।१९	१०।३९	१२।५६	३।१२	५।३१	७।५०	९।५४	११।३८	१।०६
०७।२२।३०।३२	२ र	९	२।२८	४।०५	६।०१	८।१५	१०।३६	१२।५२	३।०८	५।२७	७।४६	९।५०	११।३४	१।०२
०७।२३।३१।४५	३ चं	१०	२।२४	४।०१	५।५७	८।१२	१०।३२	१२।४८	३।०४	५।२३	७।४२	९।४७	११।३०	१२।५८
०७।२४।३३।००	४ मं	११	२।२०	३।५७	५।५३	८।०८	१०।२८	१२।४५	३।००	५।१९	७।३८	९।४३	११।२६	१२।५४
०७।२५।३४।१५	५ बु	१२	२।१६	३।५३	५।४९	८।०४	१०।२४	१२।४१	२।५६	५।१६	७।३४	९।३९	११।२२	१२।५०
०७।२६।३५।३०	६ गु	१३	२।१३	३।४९	५।४५	८।००	१०।२०	१२।३७	२।५२	५।१२	७।३०	९।३५	११।१८	१२।४७
०७।२७।३६।४७	७ शु	१४	२।०९	३।४५	५।४१	७।५६	१०।१६	१२।३३	२।४९	५।०८	७।२६	९।३१	११।१४	१२।४३
०७।२८।३८।०४	८ श	१५	२।०५	३।४१	५।३७	७।५२	१०।१२	१२।२९	२।४५	५।०४	७।२२	९।२७	११।१०	१२।३९
०७।२९।३९।२२	९ र	१६	२।०१	३।३७	५।३३	७।४८	१०।०८	१२।२५	२।४१	५।००	७।१८	९।२३	११।०६	१२।३५
०८।००।४०।४१	९ चं	१७	१।५७	३।३३	५।२९	७।४४	१०।०४	१२।२१	२।३७	४।५६	७।१४	९।१९	११।०२	१२।३१
०८।०१।४२।००	१० मं	१८	१।५३	३।२९	५।२५	७।४०	१०।००	१२।१७	२।३३	४।५२	७।१०	९।१५	१०।५८	१२।२७
०८।०२।४३।२०	११ बु	१९	१।४९	३।२५	५।२१	७।३६	९।५६	१२।१३	२।२९	४।४८	७।०६	९।११	१०।५४	१२।२३
०८।०३।४४।४१	१३ गु	२०	१।४५	३।२१	५।१७	७।३२	९।५२	१२।०९	२।२५	४।४४	७।०३	९।०७	१०।५०	१२।१९
०८।०४।४६।०२	१४ शु	२१	१।४१	३।१७	५।१३	७।२८	९।४८	१२।०५	२।२१	४।४०	६।५९	९।०३	१०।४६	१२।१५
०८।०५।४७।२३	१५ श	२२	१।३७	३।१३	५।०९	७।२४	९।४४	१२।०१	२।१७	४।३६	६।५५	८।५९	१०।४२	१२।११

संक्रांति फलम्

ता. १६ दिसंबर २०१८
मार्ग. शु. ९ रवौ धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. ८।४९ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ८।४९ से १५।१३ तक। (दान- वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०६।०२

पं.३६ मा.शु. ९ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	१०	७	७	६	८	३	९
२९	२५	०८	१४	१४	१५	०४	०४
५६	१४	४३	१२	४६	२७	१६	१६
०८	३२	४५	५२	२८	०६	३६	३६
६१	३९	६४	१३	४८	६	३	३
०५	४१	३३	१०	३८	५५	११	११
ज्ये	पूभा	अनु	अनु	स्वा	पूषा	पु	उषा
४	२	२	४	३	१	१	३

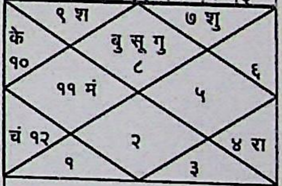

२३ दिसंबर से ५ जनवरी तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्वाङ्क्ष	१	र	३२	०३	२०	११	आर्द्रा	३३	३८	२०	४९	शु	४/५६	४३/४०	९/२९	५५/२६	वा	५	५८	९	४५	३५/३६	७/२२	५/३६	२	१५	२३	मिथु.	८।०६।४५।२०	६१।२२
धूम्र	२	सो	२४	०२	१६	५९	पुन	२७	२६	१८	२१	ऐ	४५	३०	२५	३४	ग	२४	०२	१६	५९	३६	२२	३७	३	१६	२४	कर्क १२।५८	८।०७।४२।४२	६१।२२
च.व्र.	३	मं	१६	०७	१३	४९	पुष्य	२१	२०	१५	५५	वै	३६	०२	२१	४८	वि	१६	०७	१३	४९	३६	२३	३७	४	१७	२५	कर्क	८।०८।४४।०५	६१।२३
राक्षस	४	बु	८	३५	१०	४९	श्ले	१५	४१	१३	४०	वि	२६	५९	१८	११	बा	८	३५	१०	४९	३७	२३	३८	५	१८	२६	सिंहे १३।४०	८।०९।४५।२७	६१।२३
मुसल	५	गु	१	४६	८	०६	मघा	१०	४५	११	४१	प्री	१८	३४	१४	४९	तै	१	४६	८	०६	३७	२४	३८	६	१९	२७	सिंहे	८।१०।४६।५०	६१।२३
क्षयः	६	गु	५५	५२	२९	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिद्धि	७	शु	५१	०३	२७	४९	पूफा	६	४५	१०	०६	आ	१०	५७	११	४७	वि	२३	१८	१६	४३	३८	२४	३९	७	२०	२८	कन्या १५।४६	८।११।४८।१४	६१।२३
उन्मात	८	श	४७	३०	२६	२४	उफा	३	५३	८	५८	सौ	४/५८	५५/३४	९/३०	२६/४०	बा	१९	०६	१५	०३	३९	२४	४०	८	२१	२९	कन्या	८।१२।४९।३७	६१।२४
मानस	९	र	४५	१९	२५	३२	हस्त	२	१७	८	१९	अ	५३	५७	२८	५९	तै	१६	१४	१३	५४	३९	२५	४०	९	२२	३०	तुला. २०।१२	८।१३।५१।०१	६१।२४
मुद्गर	१०	सो	४४	३०	२५	१३	चित्रा	२	००	८	१३	सु	५०	२४	२७	३४	व	१४	४४	१३	१९	४०	२५	४१	१०	२३	३१	तुला.	८।१४।५२।२४	६१।२४
ए.व्र.	११	मं	४५	०२	२५	२६	स्वा	३	०४	८	३९	धृ	४७	५४	२६	३५	ब	१४	३६	१३	१५	४१	२५	४२	११	२४	१	वृश्चि. २७।१८	८।१५।५३।४८	६१।२४
धाता	१२	बु	४६	५३	२६	१०	विशा	५	२५	९	३५	शू	४६	२३	२५	५९	कौ	१५	४७	१३	४४	४२	२५	४२	१२	२५	२	वृश्चि.	८।१६।५५।१२	६१।२४
प्र.व्र.	१३	गु	४९	५२	२७	२३	अनु	८	५९	११	०१	गं	४५	४६	२५	४४	ग	१८	१४	१४	४३	४३	२६	४३	१३	२६	३	वृश्चि.	८।१७।५६।३५	६१।२४
चर	१४	गु	५३	५७	२९	०१	ज्ये	१३	३८	१२	५३	वृ	४५	५६	२५	४८	वि	२१	४७	१६	०९	४५	२६	४४	१४	२७	४	धनु. १२।५३	८।१८।५७।५९	६१।२४
अमाव.	३०	श	५८	५५	३१	००	मूल	१९	१४	१५	०८	ध्रु	४६	४९	२६	१०	च	२६	१९	१७	५८	४६	२६	४५	१५	२८	५	धनु.	८।१९।५९।२३	६१।२३

शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसं.२०१८-जन.१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

मीने भौमः ११।१८

भ. २७।२३ उ.

भ. १३।४९ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४०, B

पूषा.-२ शनिः १६।३०

भ. २९।४४ उ., ज्येष्ठा.-१ गुरुः १५।०२

[A धनुषि मूले बुधः ९।४५, वृश्चिके शुक्रः २६।५३

भ. १६।४३ या., उभा. भौमः १०।५९

पूषा. रविः ११।०१ (सौरः १९।१७)

[B वडादिन

भ. १३।१९ उ. २५।१३ या.

सफला ११ व्र., जनवरी १ ता. ३१ सन २०१९ ई., A

सुरुप द्वादशी १२, पुन.-४ राहुः २६।३१, उषा.-२ केतुः २६।३१

भ. २७।२३ उ., प्रदोषः

भ. १६।०९ या., मासिकशिवरात्री व्र.

देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, अनु. शुक्रः १०।४७

अयनांशाः २४।०६।०३

प.३७ पा.क्र. १ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	१०	७	७	६	८	३	९
०७	२९	१७	१५	२०	१६	०३	०३
०३	५३	१०	४४	४३	१५	५४	५४
५४	२७	३४	२७	५४	५५	२०	२०
६१	४०	८०	१२	५४	७	३	३
०८	०२	१८	५७	०२	०२	११	११
मू	पूभा	ज्ये	अनु	वि	पूषा	पु	उषा
३	३	१	४	१	२	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. दिन	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन सायं	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु प्रातः	मकर दिवा	कुंभ. दिवा	मीन दिवा
०८।०६।४८।४५	१ र	२३	१।३३	३।०९	५।०५	७।२०	९।४०	११।५७	२।१३	४।३२	६।५१	८।५५	१०।३९	१२।०७
०८।०७।५०।०७	२ चं	२४	१।२९	३।०५	५।०२	७।१६	९।३६	११।५३	२।०९	४।२८	६।४७	८।५१	१०।३५	१२।०३
०८।०८।५१।३०	३ मं	२५	१।२५	३।०१	४।५८	७।१२	९।३२	११।४९	२।०५	४।२४	६।४३	८।४७	१०।३१	११।५९
०८।०९।५२।५२	४ बु	२६	१।२१	२।५७	४।५४	७।०८	९।२९	११।४५	२।०१	४।२०	६।३९	८।४३	१०।२७	११।५५
०८।१०।५४।१६	५ गु	२७	१।१७	२।५४	४।५०	७।०४	९।२५	११।४१	१।५७	४।१६	६।३५	८।३९	१०।२३	११।५१
०८।११।५५।३९	७ शु	२८	१।१३	२।५०	४।४६	७।०१	९।२१	११।३७	१।५३	४।१२	६।३१	८।३६	१०।१९	११।४७
०८।१२।५७।०२	८ श	२९	१।०९	२।४६	४।४२	६।५७	९।१७	११।३४	१।४९	४।०८	६।२७	८।३२	१०।१५	११।४३
०८।१३।५८।२६	९ र	३०	१।०६	२।४२	४।३८	६।५३	९।१३	११।३०	१।४५	४।०५	६।२३	८।२८	१०।११	११।३९
०८।१४।५९।५०	१० चं	३१	१।०२	२।३८	४।३४	६।४९	९।०९	११।२६	१।४१	४।०१	६।१९	८।२४	१०।०७	११।३६
०८।१६।०१।१४	११ मं	१	१२।५८	२।३४	४।३०	६।४५	९।०५	११।२२	१।३८	३।५७	६।१५	८।२०	१०।०३	११।३२
०८।१७।०२।३८	१२ बु	२	१२।५४	२।३०	४।२६	६।४१	९।०१	११।१८	१।३४	३।५३	६।११	८।१६	९।५९	११।२८
०८।१८।०४।०१	१३ गु	३	१२।५०	२।२६	४।२२	६।३७	८।५७	११।१४	१।३०	३।४९	६।०७	८।१२	९।५५	११।२४
०८।१९।०५।२५	१४ शु	४	१२।४६	२।२२	४।१८	६।३३	८।५३	११।१०	१।२६	३।४५	६।०३	८।०८	९।५१	११।२०
०८।२०।०६।४९	३० श	५	१२।४२	२।१८	४।१४	६।२९	८।४९	११।०६	१।२२	३।४१	५।५९	८।०४	९।४७	११।१६

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०१९

पौष शु. ८ चंद्रे मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १९।२८ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बेठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १९।२८ से भौमे ११।२८ तक। (दान-काष्ट - अन्न)।

अयनांशाः २४।०६।०४

पं.३८ पो.कृ. ९ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	११	७	७	६	८	३	९
१४	०४	२६	१७	२७	१७	०३	०३
११	३४	५६	१४	१५	०५	३२	३२
५९	२९	२३	१८	०९	१९	०४	०४
६१	४०	८७	१२	५८	७	३	३
१०	१७	१२	४०	१०	०५	११	११
पूषा	उभा	ज्ये	ज्ये	वि	पूषा	पु	उषा
१	१	४	१	३	२	१	३

६ जनवरी से २१ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिना सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | केतकी अहर्गणः २८३२ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी २०१९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
शुभ	१	र	...	...	...	...	पूषा	२५	३८	१७	४१	व्या	४८	१५	२६	४४	किं	३१	४१	२०	०७	२५/४०	७/२६	५/४५	१६	२९	६	मक. २४।२३	८।२१।००।४६	६१।२३	[C ८।३६ (सौरः १४।५५)
मृत्यु	१	सो	४	३८	९	१८	उषा	३२	४३	२०	३२	ह	५०	१२	२७	३१	ब	४	३८	९	१८	४९	२६	४६	१७	३०	७	मक.	८।२२।०२।०९	६१।२३	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), बुधास्तः पूर्वस्याम् ८।३१
लुम्बक	२	मं	११	००	११	५१	श्रव	४०	१८	२३	३४	व	५२	३०	२८	२६	कौ	११	००	११	५१	५१	२६	४७	१८	१	८	मक.	८।२३।०३।३२	६१।२३	जमादिलावल ५
मित्र	३	बु	१७	४५	१४	३२	धनि	४८	०९	२६	४२	सि	५४	५८	२९	२६	ग	१७	४५	१४	३२	५२	२७	४८	१९	२	९	कुंभे १३।०८	८।२४।०४।५५	६१।२२	भ. २७।५५ उ., पंचक प्रारम्भः १३।०८, पूषा. बुधः ३०।४०
वज्र	४	गु	२४	३४	१७	१६	शत	५५	५२	२९	४७	व्य	५७	१७	३०	२१	वि	२४	३४	१७	१६	५४	२७	४८	२०	३	१०	कुंभे	८।२५।०६।१७	६१।२२	भ. १७।१६ या.
ध्वाङ्क्ष	५	शु	३१	०१	१९	५१	पूभा	...	...	...	...	व	५९	०९	३१	०६	वा	३१	०१	१९	५१	५६	२७	४९	२१	४	११	मीने २५।५८	८।२६।०७।३९	६१।२२	उषा. रविः १२।५८ (सौरः २०।०६)
काल	६	श	३६	३३	२२	०४	पूभा	३	००	८	३९	प	...	...	...	...	कौ	३	५५	९	०१	५८	२७	५०	२२	५	१२	मीने	८।२७।०९।०१	६१।२१	ज्येष्ठा.-२ गुरुः १७।५६
सुस्थिर	७	र	४०	४०	२३	४२	उभा	९	०२	११	०४	प	०	११	७	३१	ग	८	४९	१०	५८	२६/००	२७	५१	२३	६	१३	मीने	८।२८।१०।२२	६१।२१	भ. २३।४२ उ. [E शुक्रः २६।५३
मातङ्ग	८	सो	४२	५९	२४	३८	रेव	१३	३२	१२	५१	शि	०/५८	११/२६	७/३४	३७/३९	वि	१२	०४	१२	१६	०२	२७	५१	२४	७	१४	मेषे १२।५१	८।२९।११।४३	६१।२०	भ. १२।१६ या., पंचक समाप्तिः १२।५१, शांकभरी यात्रा, B
अमृत	९	मं	४३	१७	२४	४५	अश्वि	१६	१०	१३	५४	सा	५५	१७	२९	३३	वा	१३	२४	१२	४८	०४	२७	५२	२५	८	१५	मेषे	९।००।१३।०४	६१।२०	[B मकरे रविः १९।२८ (सौरः २६।२०), निरयन उत्तरायनारंभः
काण	१०	बु	४१	३०	२४	०२	भर	१६	४७	१४	०९	शु	५०	३१	२७	३९	तै	१२	३९	१२	३०	०७	२६	५३	२६	९	१६	वृषे २०।०५	९।०१।१४।२३	६१।१९	रेव. भौमः २९।३८, सक्रान्ति करिदिन
ए.व्र.	११	गु	३७	४३	२२	३१	कृति	१५	२५	१३	३६	शु	४४	१२	२५	०७	व	९	५०	११	२२	०९	२६	५४	२७	१०	१७	वृषे	९।०२।१५।४३	६१।१९	भ. ११।२२ उ. २२।३१ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि, ज्येष्ठा. E
मित्र	१२	शु	३२	११	२०	१९	रोहि	१२	१४	१२	२०	ब्र	३६	३१	२२	०३	व	५	०९	९	३०	१२	२६	५५	२८	११	१८	मिथु. २३।२७	९।०३।१७।०१	६१।१८	उषा. बुधः १९।१५ [A सायन कुंभे भानुः १४।२८, मकरे बुधः D
प्र.व्र.	१३	श	२५	१२	१७	३१	मृग	७	२९	१०	२६	ऐ	२७	४०	१८	३०	तै	२५	१२	१७	३१	१४	२६	५६	२९	१२	१९	मिथु.	९।०४।१८।१९	६१।१७	प्रदोषः [D २०।५९, शनेरुदयः पूर्वस्याम् ९।३९
ध्वाङ्क्ष	१४	र	१७	०७	१४	१७	आर्द्रा	१/५४	३३/४३	८/२९	०२/१९	वै	१७	५६	१४	३६	व	१७	०७	१४	१७	१७	२६	५६	३०	१३	२०	कर्के २४।०१	९।०५।१९।३६	६१।१६	भ. १४।१७ उ. २४।३३ या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, A
पूर्णिमा	१५	सो	८	१९	१०	४५	पुष्य	४७	३१	२६	२६	वि	७/५७	३८/४३	१०/३०	२९/२५	व	८	१९	१०	४५	१९	२५	५७	१	१४	२१	कर्के	९।०६।२०।५३	६१।१६	पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नानारंभः, भा. माघारंभः, अभि.प्र.रविः C

अयनांशाः २४।०६।०५

पं.३९ पौ.शु. १ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	११	८	७	७	८	३	९
२१	०९	०७	१८	०४	१७	०३	०३
२०	१७	१८	४१	१२	५५	०९	०९
१०	०३	०७	५०	२७	१०	४८	४८
६१	४०	९०	१२	६१	७	३	३
१०	२८	३८	१८	२३	०४	११	११
पूषा	उभा	मू	ज्ये	अनु	पूषा	पुन	उषा
३	२	३	१	१	२	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जन.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायं	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर प्रातः	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०८।२१।०८।१२	१ र	६	१२।३८	२।१४	४।१०	६।२५	८।४५	११।०२	१।१८	३।३७	५।५५	८।००	९।४३	११।१२
०८।२२।०९।३६	१ चं	७	१२।३४	२।१०	४।०६	६।२१	८।४१	१०।५८	१।१४	३।३३	५।५२	७।५६	९।३९	११।०८
०८।२३।१०।५९	२ मं	८	१२।३०	२।०६	४।०२	६।१७	८।३७	१०।५४	१।१०	३।२९	५।४८	७।५२	९।३५	११।०४
०८।२४।१२।२१	३ बु	९	१२।२६	२।०२	३।५८	६।१३	८।३३	१०।५०	१।०६	३।२५	५।४४	७।४८	९।३२	११।००
०८।२५।१३।४४	४ गु	१०	१२।२२	१।५८	३।५५	६।०९	८।२९	१०।४६	१।०२	३।२१	५।४०	७।४४	९।२८	१०।५६
०८।२६।१५।०६	५ शु	११	१२।१८	१।५४	३।५१	६।०५	८।२५	१०।४२	१२।५८	३।१७	५।३६	७।४०	९।२४	१०।५२
०८।२७।१६।२८	६ श	१२	१२।१४	१।५०	३।४७	६।०१	८।२१	१०।३८	१२।५४	३।१३	५।३२	७।३६	९।२०	१०।४८
०८।२८।१७।४९	७ र	१३	१२।१०	१।४६	३।४३	५।५७	८।१८	१०।३४	१२।५०	३।०९	५।२८	७।३२	९।१६	१०।४४
०८।२९।१९।१०	८ चं	१४	१२।०६	१।४३	३।३९	५।५४	८।१४	१०।३०	१२।४६	३।०५	५।२४	७।२९	९।१२	१०।४०
०९।००।२०।३०	९ मं	१५	१२।०२	१।३९	३।३५	५।५०	८।१०	१०।२६	१२।४२	३।०१	५।२०	७।२५	९।०८	१०।३६
०९।०१।२१।५०	१० बु	१६	११।५८	१।३५	३।३१	५।४६	८।०६	१०।२३	१२।३८	२।५८	५।१६	७।२१	९।०४	१०।३२
०९।०२।२३।०९	११ गु	१७	११।५५	१।३१	३।२७	५।४२	८।०२	१०।१९	१२।३४	२।५४	५।१२	७।१७	९।००	१०।२९
०९।०३।२४।२८	१२ शु	१८	११।५१	१।२७	३।२३	५।३८	७।५८	१०।१५	१२।३०	२।५०	५।०८	७।१३	८।५६	१०।२५
०९।०४।२५।४६	१३ श	१९	११।४७	१।२३	३।१९	५।३४	७।५४	१०।११	१२।२७	२।४६	५।०४	७।०९	८।५२	१०।२१
०९।०५।२७।०३	१४ र	२०	११।४३	१।१९	३।१५	५।३०	७।५०	१०।०७	१२।२३	२।४२	५।००	७।०५	८।४८	१०।१७
०९।०६।२८।१९	१५ चं	२१	११।३९	१।१५	३।११	५।२६	७।४६	१०।०३	१२।१९	२।३८	४।५६	७।०१	८।४४	१०।१३

अयनांशाः २४।०६।०६

पं.४० पौ.शु. ७ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	११	८	७	७	८	३	९
२८	१४	१८	२०	११	१८	०२	०२
२८	००	००	०६	२९	४४	४७	४७
१४	४१	४९	४३	५८	३२	३३	३२
६१	४०	९३	११	६३	७	३	३
०८	३५	२७	५२	५३	००	११	११
उषा	उभा	पूषा	ज्ये	अनु	पूषा	पुन	उषा
१	४	२	२	३	२	४	२

अयनांशाः २४।०६।०७

पं.४१ पौ.शु.१४ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	११	८	७	७	८	३	९
०५	१८	२९	२१	१९	१९	०२	०२
३५	४४	०५	२८	०३	३३	२५	२५
५७	५७	०८	२०	१५	१६	१८	१८
६१	४०	९७	११	६५	६	३	३
०४	३८	०४	२२	५०	५४	११	११
उषा	रे	उषा	ज्ये	ज्ये	पूषा	पुन	उषा
३	१	१	२	१	२	४	२

२२ जनवरी से ४ फरवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	सो	५९	११	३१	०६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
आनन्द	२	मं	५०	०८	२७	२८	श्ले	४०	१७	२३	३२	आ	४६	३२	२६	०२	तै	२४	३८	१७	१७	३६/३२	७/२५	५/५८	२	१५	२२	सिंहे २३।३२	९।०७।२२।०८	६१।१५
चर	३	बु	४१	३४	२४	०२	मघा	३३	२६	२०	४७	सौ	३६	२२	२१	५८	व	१५	४६	१३	४४	२५	२५	५९	३	१६	२३	सिंहे	९।०८।२३।२३	६१।१४
च.व्र.	४	गु	३३	५०	२०	५७	पूफा	२७	२४	१८	२२	शो	२६	५३	१८	१०	ब	७	३५	१०	२७	२८	२५	६/००	४	१७	२४	कन्या २३।५०	९।०९।२४।३७	६१।१३
शुभ	५	शु	२७	२०	१८	२०	उफा	२२	३१	१६	२५	अ	१८	२१	१४	४५	कौ	०	२५	७	३४	३१	२४	०१	५	१८	२५	कन्या	९।१०।२५।५१	६१।१२
मृत्यु	६	श	२२	१९	१६	२०	हस्त	१९	०६	१५	०३	सु	१०	५९	११	४८	व	२२	१९	१६	२०	३४	२४	०१	६	१९	२६	तुला. २६।३७	९।११।२७।०३	६१।११
पद्म	७	र	१९	०४	१५	०१	चित्रा	१७	२५	१४	२१	धृ	५	००	९	२४	व	१९	०४	१५	०१	३७	२४	०२	७	२०	२७	तुला.	९।१२।२८।१४	६१।१०
छत्र	८	सो	१७	४२	१४	२८	स्वा	१७	३३	१४	२४	शू	०/५७	२९/२६	७/३०	३५/२१	कौ	१७	४२	१४	२८	४०	२३	०३	८	२१	२८	तुला.	९।१३।२९।२४	६१।०९
श्रीवत्स	९	मं	१८	१३	१४	४०	विशा	१९	३१	१५	११	वृ	५५	४७	२९	४२	ग	१८	१३	१४	४०	४३	२३	०४	९	२२	२९	वृश्चि. ८।५६	९।१४।३०।३४	६१।०८
सौम्य	१०	बु	२०	३१	१५	३४	अनु	२३	११	१६	३९	ध्रु	५५	२३	२९	३१	वि	२०	३१	१५	३४	४६	२२	०५	१०	२३	३०	वृश्चि.	९।१५।३१।४२	६१।०७
ए.व्र.	११	गु	२४	१८	१७	०५	ज्ये	२८	१६	१८	४०	व्या	५५	५८	२९	४५	वा	२४	१८	१७	०५	४९	२२	०५	११	२४	३१	धनु. १८।४०	९।१६।३२।४९	६१।०६
सुस्थिर	१२	शु	२९	१७	१९	०४	मूल	३४	२९	२१	०९	ह	५७	२०	३०	१७	तै	२९	१७	१९	०४	५२	२१	०६	१२	२५	१	धनु.	९।१७।३३।५५	६१।०५
प्र.व्र.	१३	श	३५	०५	२१	२३	पूषा	४१	२७	२३	५६	व	५९	१३	३१	०२	ग	२	०७	८	१२	५६	२१	०७	१३	२६	२	मक. ३०।३९	९।१८।३५।००	६१।०४
अमृत	१४	र	४१	२६	२३	५४	उषा	४८	५४	२६	५४	सि	...	...	...	...	वि	८	१४	१०	३८	५९	२०	०८	१४	२७	३	मक.	९।१९।३६।०४	६१।०२
अमाव.	३०	सो	४८	०२	२६	३२	श्रव	५६	३५	२९	५७	सि	१	२७	७	५४	च	१४	४३	१३	१३	२७/०३	२०	०९	१५	२८	४	मक.	९।२०।३७।०६	६१।०१

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी-फरवरी २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A हरगणपति व्र., नेताजी जयन्ती, पूषा.-३ शनिः २९।००
मघा. रे. ९ ।।।।।ऽ।।।। रात्रौ लग्न ७, ८, ९
भ. १३।४४ उ. २४।०२ या., सौभाग्य सुन्दरी व्र., संकट A
तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २१।४१, गौरी चतुर्थी, श्रव. रविः C
हस्ते रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न गोधूलि(४), ७, ८, ९, D
भ. १६।२० उ. २७।३५ या., गणराज्यदिवस, श्रव. बुधः २२।२२
स्वामी विवेकानन्द जयंती [C १५।१३ (सौरः २१।१७)
[B ७, धनुषि मूले शुक्रः २७।१८
भ. २७।०२ उ.,अनुरा.रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, B
भ. १५।३४ या., ज्येष्ठा.-३ गुरुः ११।२९
षट्तिला ११ व्र. [D अभि.नि. रविः १२।१२ (सौरः १८।११)
तिल द्वादशी, फरवरी २ ता. २८
भ. २१।२३ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
भ. १०।३८ या., धनि. बुधः १५।४३
देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., मौनी ३०, युगादि

अयनांशाः २४।०६।०८

पं.४२ मा.कृ. ७ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	११	९	७	७	८	३	९
१२	२३	१०	२२	२६	२०	०२	०२
४३	२९	३८	४६	४८	२१	०३	०३
०८	२९	००	०९	५२	००	०२	०२
६०	४०	१०१	१०	६७	६	३	३
५८	३९	३७	४६	२१	४३	११	११
श्र	रे	श्र	ज्ये	ज्ये	पूषा	पुन	उषा
१	३	१	२	४	३	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।०७।२९।३५	२ मं	२२	११।३५	१।११	३।०७	५।२२	७।४२	९।५९	१२।१५	२।३४	४।५२	६।५७	८।४०	१०।०९
०९।०८।३०।५०	३ बु	२३	११।३१	१।०७	३।०३	५।१८	७।३८	९।५५	१२।११	२।३०	४।४८	६।५३	८।३६	१०।०५
०९।०९।३२।०४	४ गु	२४	११।२७	१।०३	२।५९	५।१४	७।३४	९।५१	१२।०७	२।२६	४।४५	६।४९	८।३२	१०।०१
०९।१०।३३।१७	५ शु	२५	११।२३	१२।५९	२।५५	५।१०	७।३०	९।४७	१२।०३	२।२२	४।४१	६।४५	८।२८	९।५७
०९।११।३४।२९	६ श	२६	११।१९	१२।५५	२।५१	५।०६	७।२६	९।४३	११।५९	२।१८	४।३७	६।४१	८।२४	९।५३
०९।१२।३५।४१	७ र	२७	११।१५	१२।५१	२।४८	५।०२	७।२२	९।३९	११।५५	२।१४	४।३३	६।३७	८।२१	९।४९
०९।१३।३६।५१	८ चं	२८	११।११	१२।४७	२।४४	४।५८	७।१८	९।३५	११।५१	२।१०	४।२९	६।३३	८।१७	९।४५
०९।१४।३८।००	९ मं	२९	११।०७	१२।४३	२।४०	४।५४	७।१४	९।३१	११।४७	२।०६	४।२५	६।२९	८।१३	९।४१
०९।१५।३९।०८	१० बु	३०	११।०३	१२।३९	२।३६	४।५०	७।११	९।२७	११।४३	२।०२	४।२१	६।२५	८।०९	९।३७
०९।१६।४०।१६	११ गु	३१	१०।५९	१२।३६	२।३२	४।४७	७।०७	९।२३	११।३९	१।५८	४।१७	६।२२	८।०५	९।३३
०९।१७।४१।२१	१२ शु	१	१०।५५	१२।३२	२।२८	४।४३	७।०३	९।१९	११।३५	१।५४	४।१३	६।१८	८।०१	९।२९
०९।१८।४२।२६	१३ श	२	१०।५१	१२।२८	२।२४	४।३९	६।५९	९।१६	११।३१	१।५०	४।०९	६।१४	७।५७	९।२५
०९।१९।४३।३०	१४ र	३	१०।४८	१२।२४	२।२०	४।३५	६।५५	९।१२	११।२७	१।४७	४।०५	६।१०	७।५३	९।२२
०९।२०।४४।३२	३० चं	४	१०।४४	१२।२०	२।१६	४।३१	६।५१	९।०८	११।२३	१।४३	४।०१	६।०६	७।४९	९।१८

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो। अमावस्या श्रवण योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। माघ शुक्ला प्रतिपदा को मंगलवार होने से ईतिभय हो। शु. चतुर्थी शनिवारी होने से दुर्भिक्ष, चौराग्निभय और धान्यनाश हो। शुक्ला सप्तमी को भरणी होने से धान्योत्पत्ति उत्तम हो। पूर्णिमा आश्लेषा युक्त होने से महर्घता हो। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।०६।०९

पं.४३ मा.कृ.१४ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	११	९	७	८	८	३	९
१९	२८	२२	२३	०४	२१	०१	०१
४९	१४	४२	५९	४४	०७	४०	४०
३४	००	५९	३६	०७	१९	४८	४८
६०	४०	१०६	१०	६८	६	३	३
५१	३८	०१	०६	३३	२९	११	११
श्र	रे	श्र	ज्ये	मू	पूषा	पुन	उषा
३	४	४	३	२	३	४	२

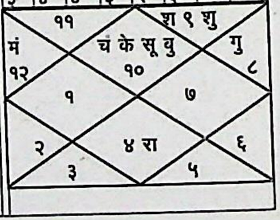

५ फरवरी से १९ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः २८६२ शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे, फरवरी २०१९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं।
उत्पात	१	मं	५४	४३	२९	१२	धनि	...	...	...	...	व्य	३	४८	८	५०	किं	२१	२३	१५	५२	२७ ०६	७ १९	६ ०९	१६	२९	५	कुंभे १९।३०	९।२१।३८।०७	६१।००	पंचक प्रारम्भः १९।३०, श्रीवल्लभ जयंती,मेषे अश्वि.भौमः २१।५६
मित्र	२	बु	...	...	...	...	धनि	४	१९	९	०२	व	६	१०	९	४६	बा	२८	०२	१८	३१	१०	१८	१०	१७	३०	६	कुंभे	९।२२।३९।०७	६०।५८	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), धनि. रविः १८।२० (सौरः २३।२४)
वज्र	२	गु	१	१५	७	४८	शत	११	५२	१२	०३	प	८	२३	१०	३९	कौ	१	१५	७	४८	१३	१८	११	१८	१	७	कुंभे	९।२३।४०।०५	६०।५७	जमादिलास्सर ६, कुंभे बुधः ९।३१
ध्वाङ्क्ष	३	शु	७	२४	१०	१५	पूभा	१९	०१	१४	५४	शि	१०	१९	११	२५	ग	७	२४	१०	१५	१७	१७	१२	१९	२	८	मीने ८।१२	९।२४।४१।०२	६०।५६	भ. २३।२२ उ., उभा. रे.१० ||||||||| रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, C
धूम्र	४	श	१२	५१	१२	२५	उभा	२५	२८	१७	२८	सि	११	४४	११	५८	वि	१२	५१	१२	२५	२०	१६	१२	२०	३	९	मीने	९।२५।४१।५८	६०।५४	भ. १२।२५ या. [C वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी
वसंत	५	र	१७	१७	१४	११	रेव	३०	५२	१९	३६	सा	१२	२४	१२	१३	बा	१७	१७	१४	११	२४	१६	१३	२१	४	१०	मेषे १९।३६	९।२६।४२।५२	६०।५३	रेवत्यां रे. ६ SS|||S|S|| रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४), पंचक A
राक्षस	६	सो	२०	२२	१५	२४	अश्वि	३४	५५	२१	१३	शु	१२	०३	१२	०४	तै	२०	२२	१५	२४	२८	१५	१४	२२	५	११	मेषे	९।२७।४३।४५	६०।५१	[A समाप्तिः १९।३६, वसन्त पञ्चमी, शत. बुधः २६।१८, E
मुसल	७	मं	२१	४७	१५	५७	भर	३७	२१	२२	११	शु	१०	२९	११	२६	व	२१	४७	१५	५७	३१	१४	१५	२३	६	१२	वृषे २८।१८	९।२८।४४।३७	६०।५०	भ. १५।५७ उ. २७।५८ या., मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७
सिद्धि	८	बु	२१	२६	१५	४८	कृति	३८	०२	२२	२६	ब्र	७	३४	१०	१५	ब	२१	२६	१५	४८	३५	१३	१५	२४	७	१३	वृषे	९।२९।४५।२६	६०।४८	भीष्माष्टमी, कुंभे रविः ८।२२ (सौरः १२।५८), बुधोदयः D
उत्पात	९	गु	१९	१३	१४	५४	रोहि	३६	५४	२१	५८	ऐ	३ ५७	१२ २३	८ ३०	३० १०	कौ	१९	१३	१४	५४	३९	१३	१६	२५	८	१४	वृषे	१०।००।४६।१५	६०।४७	[E पूषा. शुक्रः १८।४२
मानस	१०	शु	१५	१२	१३	१७	मृग	३४	०२	२०	४९	वि	५०	१२	२७	१७	ग	१५	१२	१३	१७	४३	१२	१७	२६	९	१५	मिथु. ९।२८	१०।०१।४७।०१	६०।४५	भ. २४।१३ उ. [D पश्चिमायाम् २१।१७
ए.व्र.	११	श	९	३१	११	००	आर्द्रा	२९	३५	१९	०१	प्री	४१	४८	२३	५४	वि	९	३१	११	००	४७	११	१८	२७	१०	१६	मिथु.	१०।०२।४७।४७	६०।४४	भ. ११।०० या., जया ११ व्र., भीष्मद्वादशी
प्र.व्र.	१२	र	२	२५	८	०८	पुन	२३	४९	१६	४२	आ	३२	२३	२०	०८	बा	२	२५	८	०८	५०	१०	१८	२८	११	१७	कर्के ११।१९	१०।०३।४८।३०	६०।४२	प्रदोषः, कल्पादि
क्षयः	१३	र	५४	०७	२८	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B शत. रविः २२।४९ (सौरः २६।५८)
धाता	१४	सो	४५	०६	२५	१२	पुष्य	१७	०४	१३	५९	सौ	२२	१२	१६	०२	ग	१९	४२	१५	०२	५४	०९	१९	२९	१२	१८	कर्के	१०।०४।४९।१२	६०।४०	भ. २५।१२ उ., सायन मीने भानुः २८।३०, पूभा. बुधः १४।५३
पूर्णिमा	१५	मं*	३५	४१	२१	२५	श्ले	९	४२	११	०१	शो	११	३२	११	४५	वि	१०	२६	११	१९	५८	०८	२०	३०	१३	१९	सिंहे ११।०१	१०।०५।४९।५२	६०।३८	भ. ११।१९ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्त्तिः, B

अयनांशाः २४।०६।१०

पं.४४ मा.शु. ५ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	०	१०	७	८	८	३	९
२६	०२	०५	२५	१२	२१	०१	०१
५५	५८	१४	०८	४६	५१	१८	१८
०४	१४	०४	०८	५२	५२	३२	३२
६०	४०	१०८	९	६९	६	३	३
४२	३४	१८	२०	२९	११	१०	१०
ध	अ	ध	ज्ये	मू	पूषा	पुन	उषा
२	१	४	३	४	३	४	२

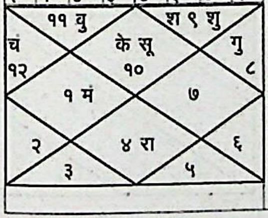

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
०९।२१।४५।३३	१ मं	५	१०।४०	१२।१६	२।१२	४।२७	६।४७	९।०४	११।२०	१।३९	३।५७	६।०२	७।४५	९।१४
०९।२२।४६।३३	२ बु	६	१०।३६	१२।१२	२।०८	४।२३	६।४३	९।००	११।१६	१।३५	३।५३	५।५८	७।४१	९।१०
०९।२३।४७।३१	२ गु	७	१०।३२	१२।०८	२।०४	४।१९	६।३९	८।५६	११।१२	१।३१	३।४९	५।५४	७।३७	९।०६
०९।२४।४८।२८	३ शु	८	१०।२८	१२।०४	२।००	४।१५	६।३५	८।५२	११।०८	१।२७	३।४५	५।५०	७।३३	९।०२
०९।२५।४९।२४	४ श	९	१०।२४	१२।००	१।५६	४।११	६।३१	८।४८	११।०४	१।२३	३।४१	५।४६	७।२९	८।५८
०९।२६।५०।१८	५ र	१०	१०।२०	११।५६	१।५२	४।०७	६।२७	८।४४	११।००	१।१९	३।३८	५।४२	७।२५	८।५४
०९।२७।५१।११	६ चं	११	१०।१६	११।५२	१।४८	४।०३	६।२३	८।४०	१०।५६	१।१५	३।३४	५।३८	७।२१	८।५०
०९।२८।५२।०२	७ मं	१२	१०।१२	११।४८	१।४४	३।५९	६।१९	८।३६	१०।५२	१।११	३।३०	५।३४	७।१८	८।४६
०९।२९।५२।५२	८ बु	१३	१०।०८	११।४४	१।४१	३।५५	६।१५	८।३२	१०।४८	१।०७	३।२६	५।३०	७।१४	८।४२
१०।००।५३।४०	९ गु	१४	१०।०४	११।४०	१।३७	३।५१	६।११	८।२८	१०।४४	१।०३	३।२२	५।२६	७।१०	८।३८
१०।०१।५४।२७	१० शु	१५	१०।००	११।३६	१।३३	३।४७	६।०७	८।२४	१०।४०	१२।५९	३।१८	५।२२	७।०६	८।३४
१०।०२।५५।११	११ श	१६	९।५६	११।३२	१।२९	३।४३	६।०४	८।२०	१०।३६	१२।५५	३।१४	५।१८	७।०२	८।३०
१०।०३।५५।५५	१२ र	१७	९।५२	११।२९	१।२५	३।४०	६।००	८।१६	१०।३२	१२।५१	३।१०	५।१५	६।५८	८।२६
१०।०४।५६।३७	१४ चं	१८	९।४८	११।२५	१।२१	३।३६	५।५६	८।१२	१०।२८	१२।४७	३।०६	५।११	६।५४	८।२२
१०।०५।५७।१७	१५ मं	१९	९।४४	११।२१	१।१७	३।३२	५।५२	८।०९	१०।२४	१२।४४	३।०२	५।०७	६।५०	८।१८

संक्रांति फलम्

ता. १३ फरवरी २०१९
माघ शु. ८ बुधे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ८।२२ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः भौमे (स्टै.) २५।५८ से बुधे ८।२२ तक। (दान- गोड़ - अन्न)।

अयनांशाः २४।०६।११

पं.४५ मा.शु.१२ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	०	१०	७	८	८	३	९
०३	०७	१७	२६	२०	२२	००	००
५९	४२	४४	११	५५	३४	५६	५६
२७	०१	०४	०८	२७	१४	१८	१८
६०	४०	१०३	८	७०	५	३	३
३२	२९	१७	३१	१२	५१	११	११
ध	अ	श	ज्ये	पूषा	पूषा	पुन	उषा
४	३	४	३	३	३	४	२

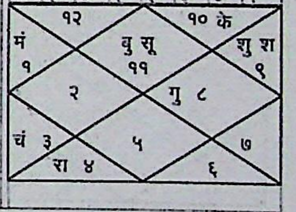

२० फरवरी से ६ मार्च तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
चर	१	बु	२६	१८	१७	३९	मघा	२/५४	१०/५१	७/२९	५९/३४	अ	०/५०	४४/०७	७/२७	२५/१०	वा	०	५८	७	३१	२८/०२	७/०८	६/२०	१	१४	२०	सिंहे	१०।०६।५०।३०	६०।३७
मातङ्ग	२	गु	१७	२४	१४	०४	उफा	४८	१८	२६	२६	ध्रु	४०	०६	२३	०९	ग	१७	२४	१४	०४	०६	०७	२१	२	१५	२१	कन्या १०।२२	१०।०७।५१।०७	६०।३५
च.व्र.	३	शु	९	२६	१०	५२	हस्त	४२	५७	२४	१७	शू	३१	०१	१९	३०	वि	९	२६	१०	५२	१०	०६	२२	३	१६	२२	कन्या	१०।०८।५१।४२	६०।३३
काण	४	श	२	४९	८	१२	चित्रा	३९	१२	२२	४६	गं	२३	०९	१६	२१	बा	२	४९	८	१२	१४	०५	२२	४	१७	२३	तुला. ११।२६	१०।०९।५२।१५	६०।३१
क्षयः	५	श	५७	५४	३०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
लुम्बक	६	र	५५	०३	२९	०५	स्वा	३७	२१	२२	००	वृ	१६	४९	१३	४७	ग	२६	१४	१७	३३	१८	०४	२३	५	१८	२४	तुला.	१०।१०।५२।४६	६०।२९
मित्र	७	सो	५४	२२	२८	४८	विशा	३७	३७	२२	०६	ध्रु	१२	०७	११	५४	विं	२४	२७	१६	५०	२२	०३	२४	६	१९	२५	वृश्चि. १६।००	१०।११।५३।१६	६०।२८
वज्र	८	मं	५५	५१	२९	२३	अनु	४०	००	२३	०२	व्या	९	०९	१०	४२	वा	२४	५२	१६	५९	२६	०२	२४	७	२०	२६	वृश्चि.	१०।१२।५३।४३	६०।२६
ध्वाङ्क्ष	९	बु	५९	१८	३०	४४	ज्ये	४४	२०	२४	४५	ह	७	५०	१०	०९	तै	२७	२३	१७	५८	३०	०१	२५	८	२१	२७	धनु. २४।४५	१०।१३।५४।०९	६०।२४
धूम्र	१०	गु	...	...	...	...	मूल	५०	१७	२७	०७	व	७	५८	१०	११	व	३१	४०	१९	४०	३४	००	२६	९	२२	२८	धनु.	१०।१४।५४।३३	६०।२२
प्रवर्धमा	१०	शु	४	२१	८	४३	पूषा	५७	२२	२९	५६	सि	९	१४	१०	४१	वि	४	२१	८	४३	३८	५९	२६	१०	२३	१	धनु.	१०।१५।५४।५५	६०।२०
ए.व्र.	११	श	१०	२८	११	०९	उषा	...	...	...	...	व्य	११	१७	११	२९	वा	१०	२८	११	०९	४२	५८	२७	११	२४	२	मंक. १२।४१	१०।१६।५५।१५	६०।१८
प्र.व्र.	१२	र	१७	०८	१३	४८	उषा	५	०९	९	००	व	१३	४७	१२	२८	तै	१७	०८	१३	४८	४६	५७	२८	१२	२५	३	मक.	१०।१७।५५।३३	६०।१६
शिवरा.	१३	सो	२३	५६	१६	३०	श्रव	१३	०३	१२	०९	प	१६	२२	१३	२९	व	२३	५६	१६	३०	५१	५६	२८	१३	२६	४	कुंभे २५।४२	१०।१८।५५।४९	६०।१४
उत्पात	१४	मं	३०	३०	१९	०७	धनि	२०	४७	१५	१४	शि	१८	४८	१४	२६	श	३०	३०	१९	०७	५५	५५	२९	१४	२७	५	कुंभे	१०।१९।५६।०२	६०।१२
अमाव.	३०	बु	३६	३६	२१	३२	शत	२८	०६	१८	०८	सि	२०	५५	१५	१६	च	३	३८	८	२१	५९	५४	२९	१५	२८	६	कुंभे	१०।२०।५६।१४	६०।१०

वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी-मार्च २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

भा. फाल्गुनारंभः, ज्येष्ठा.-४ गुरुः १८।०२

भ. २४।२५ उ., उफा. रे. ८ IIIISSIIII रात्रौ लग्न C

भ. १०।५२ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३०

[C गोधूलि(५), उषा. शुक्रः २८।३७

भ. २९।०५ उ., मीने बुधः ३०।११, मकरे शुक्रः २४।३०

भ. १६।५० या., भर. भौमः १५।३९, पूषा.-४ शनिः ९।१०

[A राहुः २४।०५, धनुषि उषा.-१ केतुः २४।०५

रामदास ९

भ. १९।४० उ., उभा. बुधः १०।४६

भ. ८।४३ या., मार्च ३ ता. ३१

विजया ११ व्र.

प्रदोषः [B पंचक प्रारम्भः २५।४२, पूभा. रविः २९।०५

भ. १६।३० उ. २९।५० या., महाशिवरात्री व्रतम्, B

पूभा. सौरः ८।३०, श्रव. शुक्रः ११।०५

देवपितृकार्येऽमा., वक्री बुधः ९।१४, मिथुने पुन.-३ A

अयनांशाः २४।०६।१२

पं.४६ फा.कृ. ६ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	०	१०	७	८	८	३	९
११	१२	२८	२७	२९	२३	००	००
०२	२५	४५	०८	०८	१४	३४	३४
३६	०८	४६	०४	३४	०४	०३	०३
६०	४०	७७	७	७०	५	३	३
२०	२३	०२	३५	४५	२७	१०	१०
श	अ	पूभा	ज्ये	उषा	पूषा	पुन	उषा
२	४	३	४	१	३	४	२

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।०६।५७।५५	१ बु	२०	९।४१	११।१७	९।१३	३।२८	५।४८	८।०५	१०।२०	१२।४०	२।५८	५।०३	६।४६	८।१५
१०।०७।५८।३१	२ गु	२१	९।३७	११।१३	९।०९	३।२४	५।४४	८।०१	१०।१७	१२।३६	२।५४	४।५९	६।४२	८।११
१०।०८।५९।०६	३ शु	२२	९।३३	११।०९	९।०५	३।२०	५।४०	७।५७	१०।१३	१२।३२	२।५०	४।५५	६।३८	८।०७
१०।०९।५९।३९	४ श	२३	९।२९	११।०५	९।०१	३।१६	५।३६	७।५३	१०।०९	१२।२८	२।४६	४।५१	६।३४	८।०३
१०।११।००।१०	६ र	२४	९।२५	११।०१	१२।५७	३।१२	५।३२	७।४९	१०।०५	१२।२४	२।४२	४।४७	६।३०	७।५९
१०।१२।००।३९	७ चं	२५	९।२१	१०।५७	१२।५३	३।०८	५।२८	७।४५	१०।०१	१२।२०	२।३८	४।४३	६।२६	७।५५
१०।१३।०१।०७	८ मं	२६	९।१७	१०।५३	१२।४९	३।०४	५।२४	७।४१	९।५७	१२।१६	२।३४	४।३९	६।२२	७।५१
१०।१४।०१।३२	९ बु	२७	९।१३	१०।४९	१२।४५	३।००	५।२०	७।३७	९।५३	१२।१२	२।३१	४।३५	६।१८	७।४७
१०।१५।०१।५६	१० गु	२८	९।०९	१०।४५	१२।४१	२।५६	५।१६	७।३३	९।४९	१२।०८	२।२७	४।३१	६।१४	७।४३
१०।१६।०२।१८	१० शु	१	९।०५	१०।४१	१२।३७	२।५२	५।१२	७।२९	९।४५	१२।०४	२।२३	४।२७	६।११	७।३९
१०।१७।०२।३७	११ श	२	९।०१	१०।३७	१२।३४	२।४८	५।०८	७।२५	९।४१	१२।००	२।१९	४।२३	६।०७	७।३५
१०।१८।०२।५५	१२ र	३	८।५७	१०।३३	१२।३०	२।४४	५।०४	७।२१	९।३७	११।५६	२।१५	४।१९	६।०३	७।३१
१०।१९।०३।११	१३ चं	४	८।५३	१०।२९	१२।२६	२।४०	५।००	७।१७	९।३३	११।५२	२।११	४।१५	५।५९	७।२७
१०।२०।०३।२५	१४ मं	५	८।४९	१०।२६	१२।२२	२।३६	४।५७	७।१३	९।२९	११।४८	२।०७	४।११	५।५५	७।२३
१०।२१।०३।३६	३० बु	६	८।४५	१०।२२	१२।१८	२।३३	४।५३	७।०९	९।२५	११।४४	२।०३	४।०८	५।५१	७।१९

मास फलम्

इस माह मे पांच वुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो और पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। मार्गशीर्ष से फाल्गुन तक शुक्लपक्ष में तिथियां क्षय होने से लोगों का स्वास्थ्य विगड़े, राजविग्रह हो और छत्रभंग भी हो। कृष्णा षष्ठी को स्वाति होने से दुर्भिक्ष हो। वुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दुःख-स्थानत्याग और कम धान्य हो। अमावस्या शतभिषा योग सुभिक्ष और सुखद है। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।०६।१३

पं.४७ फा.कृ.१२ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	०	११	७	९	८	३	९
१८	१७	०५	२७	०७	२३	००	००
०४	०७	०७	५८	२५	५१	११	११
२२	२९	४१	१८	१२	००	४९	४९
६०	४०	१९	६	७१	५	३	३
०८	१६	५२	३६	११	०१	११	११
श	भ	उभा	ज्ये	उषा	पूषा	पुन	उषा
४	२	१	४	४	४	४	२

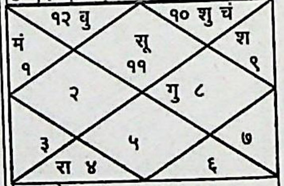

१० के

७ मार्च से २१ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीस्प स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	गु	४२	०४	२३	४२	पूभा	३४	५१	२०	४९	सा	२२	३७	१५	५६	किं	९	२६	१०	३९	२९/०३	६/५३	६/३०	१६	२९	७	मीने १४।११	१०।२१।५६।२४	६०।०८
फुलरि.	२	शु	४६	४६	२५	३४	उभा	४०	५४	२३	१३	शु	२३	४६	१६	२२	वा	१४	३२	१२	४१	०७	५२	३१	१७	३०	८	मीने	१०।२२।५६।३२	६०।०६
धाता	३	श	५०	३५	२७	०५	रेव	४६	०७	२५	१७	शु	२४	१८	१६	३४	तै	१८	४९	१४	२२	११	५१	३१	१८	१	९	मेषे २५।१७	१०।२३।५६।३८	६०।०४
आनन्द	४	र	५३	२१	२८	१०	अश्वि	५०	२०	२६	५८	ब्र	२४	०६	१६	२८	व	२२	०८	१५	४१	१५	५०	३२	१९	२	१०	मेषे	१०।२४।५६।४१	६०।०२
चर	५	सो	५४	५७	२८	४८	भर	५३	२७	२८	११	ऐ	२३	०२	१६	०१	व	२४	२०	१६	३३	२०	४९	३२	२०	३	११	मेषे	१०।२५।५६।४३	५९।५९
गद	६	मं	५५	१५	२८	५४	कृति	५५	१७	२८	५४	वै	२१	०२	१५	१२	कौ	२५	१८	१६	५५	२४	४७	३३	२१	४	१२	वृषे १०।२५	१०।२६।५६।४२	५९।५७
शुभ	७	बु	५४	०९	२८	२६	रोहि	५५	४७	२९	०५	वि	१७	५९	१३	५८	ग	२४	५५	१६	४४	२८	४६	३३	२२	५	१३	वृषे	१०।२७।५६।३९	५९।५५
होलाष्ट.	८	गु	५१	३६	२७	२४	मृग	५४	५१	२८	४१	प्री	१३	५०	१२	१७	वि	२३	०५	१५	५९	३२	४५	३४	२३	६	१४	मिथु. १६।५८	१०।२८।५६।३४	५९।५३
पद्म	९	शु	४७	३४	२५	४६	आर्द्रा	५२	२८	२७	४३	आ	८	३१	१०	०९	वा	११	४८	१४	३९	३६	४४	३५	२४	७	१५	मिथु.	१०।२९।५६।२७	५९।५१
छत्र	१०	श	४२	०९	२३	३५	पुन	४८	४३	२६	१२	सौ	२/५४	०३/२३	७/२८	३२/२९	तै	१५	०३	१२	४४	४०	४३	३५	२५	८	१६	कर्के २०।३८	११।००।५६।१८	५९।४८
ए.व्र.	११	र	३५	२७	२०	५३	पुष्य	४३	४३	२४	११	अ	४५	५०	२५	०२	व	८	५९	१०	१७	४५	४२	३६	२६	९	१७	कर्के	११।०१।५६।०७	५९।४६
प्र.व्र.	१२	सो	२७	४३	१७	४६	श्ले	३७	४४	२१	४६	सु	३६	२७	२१	१५	व	१	४४	७	२२	४९	४१	३६	२७	१०	१८	सिंहे २१।४६	११।०२।५५।५३	५९।४४
काल	१३	मं	१९	१४	१४	२१	मघा	३१	०४	१९	०५	धृ	२६	२९	१७	१५	तै	१९	१४	१४	२१	५३	४०	३७	२८	११	१९	सिंहे	११।०३।५५।३७	५९।४२
होली	१४	बु	१०	२३	१०	४८	पूफा	२४	०७	१६	१७	शू	१६	१६	१३	०९	व	१०	२३	१०	४८	५७	३८	३७	२९	१२	२०	कन्या २१।३६	११।०४।५५।१९	५९।४०
छारेंड़ी	१५	गु	१	३५	७	१५	उफा	१७	२१	१३	३४	गं	६/५६	१९/२५	९/२९	०५/१९	व	१	३५	७	१५	३०/०१	३७	३८	३०	१३	२१	कन्या	११।०५।५४।५८	५९।३७

केतकी अहर्गणः २८९२ वसंतर्त्तू रविरुत्तरे, मार्च २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती, बुधास्तः D
रेवत्यां रे. ८ SIIIISIIII रात्रौ लग्न ११, चंद्रदर्शनम् (मु.४५), A
रेवत्यां रे. ८ SIIIISIIII रात्रौ लग्न ६, पंचक समाप्तिः G
भ. १५।४१ उ. २८।१० या. [D पश्चिमायाम् ३०।०४
याज्ञवल्क्य जयंती, (व) पूभा. बुधः १४।१८ [G २५।१७, रज्जव ७
[E थापणा भद्रा के पहिले, कृत्ति. भौमः १३।०२
भ. २८।२६ उ. [C कुंभे शुक्रः २८।४८
भ. १५।५९ या., होलाष्टक, मीने रविः २९।११
मीने सौरः ८।०९, (व) कुंभे बुधः ९।२१
धनि. शुक्रः १५।१८ [F भानुः २७।२१
भ. १०।१७ उ. २०।५३ या., आमलकी ११ व्र.,विड़कुला-ढाल E
प्रदोषः,मेला श्रीश्यामजी(खाटु),उभा. रविः१३।३०(सौरः १६।२२)
[B दहनं भद्रोत्तरम्, पूर्णिमा व्रतं, करिदिन, सायन मेषे F
भ.१०।४८ उ. २१।०० या., जेलपोणी भद्रा के पहिले,होलिका B
मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, छारेंडी देशाचारे, करिदिन, वसन्त १, C

अयनांशाः २४।०६।१३

पं.४८ फा.शु. ४ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	०	११	७	९	८	२	८
२५	२१	०४	२८	१५	२४	२९	२९
०४	४८	१४	४१	४४	२४	४९	४९
३९	५७	२७	२०	३४	४२	३४	३४
५९	४०	४०	५	७१	४	३	३
५५	०८	०६	३२	३१	३२	११	११
पूभा	भ	उभा	ज्ये	श्र	पूषा	पुन	उषा
२	३	१व	४	२	४	३	१

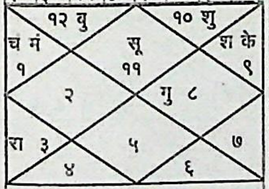

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१०।२२।०३।४६	१ गु	७	८।४१	१०।१८	१२।१४	२।२९	४।४९	७।०६	९।२१	११।४०	१।५९	४।०४	५।४७	७।१५
१०।२३।०३।५४	२ शु	८	८।३८	१०।१४	१२।१०	२।२५	४।४५	७।०२	९।१७	११।३७	१।५५	४।००	५।४३	७।११
१०।२४।०३।५९	३ श	९	८।३४	१०।१०	१२।०६	२।२१	४।४१	६।५८	९।१३	११।३३	१।५१	३।५६	५।३९	७।०८
१०।२५।०४।०२	४ र	१०	८।३०	१०।०६	१२।०२	२।१७	४।३७	६।५४	९।१०	११।२९	१।४७	३।५२	५।३५	७।०४
१०।२६।०४।०४	५ चं	११	८।२६	१०।०२	११।५८	२।१३	४।३३	६।५०	९।०६	११।२५	१।४३	३।४८	५।३१	७।००
१०।२७।०४।०३	६ मं	१२	८।२२	९।५८	११।५४	२।०९	४।२९	६।४६	९।०२	११।२१	१।३९	३।४४	५।२७	६।५६
१०।२८।०४।००	७ बु	१३	८।१८	९।५४	११।५०	२।०५	४।२५	६।४२	८।५८	११।१७	१।३५	३।४०	५।२३	६।५२
१०।२९।०३।५५	८ गु	१४	८।१४	९।५०	११।४६	२।०१	४।२१	६।३८	८।५४	११।१३	१।३१	३।३६	५।१९	६।४८
११।००।०३।४७	९ शु	१५	८।१०	९।४६	११।४२	१।५७	४।१७	६।३४	८।५०	११।०९	१।२८	३।३२	५।१५	६।४४
११।०१।०३।३८	१० श	१६	८।०६	९।४२	११।३८	१।५३	४।१३	६।३०	८।४६	११।०५	१।२४	३।२८	५।११	६।४०
११।०२।०३।२६	११ र	१७	८।०२	९।३८	११।३४	१।४९	४।०९	६।२६	८।४२	११।०१	१।२०	३।२४	५।०७	६।३६
११।०३।०३।१२	१२ चं	१८	७।५८	९।३४	११।३०	१।४५	४।०५	६।२२	८।३८	१०।५७	१।१६	३।२०	५।०४	६।३२
११।०४।०२।५६	१३ मं	१९	७।५४	९।३०	११।२७	१।४१	४।०१	६।१८	८।३४	१०।५३	१।१२	३।१६	५।००	६।२८
११।०५।०२।३७	१४ बु	२०	७।५०	९।२६	११।२३	१।३७	३।५७	६।१४	८।३०	१०।४९	१।०८	३।१२	४।५६	६।२४
११।०६।०२।१७	१५ गु	२१	७।४६	९।२२	११।१९	१।३३	३।५४	६।१०	८।२६	१०।४५	१।०४	३।०८	४।५२	६।२०

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०१९
फा. शु. ८ गुरौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।११ वारात् २ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २९।११ से भृगौ ११।३५ तक। (दान- भूमि माला)।

अयनांशाः २४।०६।१४

पं.४९ फा.शु.११ र. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	०	१०	७	९	८	२	८
०२	२६	२८	२९	२४	२४	२९	२९
०३	२९	१०	१६	०६	५४	२७	२७
२१	२७	३१	३६	०६	५१	२०	२०
५९	३९	५६	४	७१	३	३	३
४१	५९	३०	२२	४८	५९	१०	१०
पूभा	भ	पूभा	ज्ये	ध	पूषा	पुन	उषा
४	४	३व	४	१	४	३	१

२२ मार्च से ५ अप्रेल तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०७५, शाकः १९४०, दिमा सू. सू. तारीख — स्टै. प्रातः दैनिक — वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च-अप्रेल २०१९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
क्षयः	१	गु	५३	१४	२७	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A पूर्वस्याम् १६।१८
अमृत	२	शु	४५	५३	२४	५८	हस्त	११	१४	११	०६	धृ	४७	३४	२५	३८	तै	१९	२६	१४	२३	३०/०५	६/३६	६/३८	१	१४	२२	तुला.२२।०१	११।०६।५४।३६	५९।३५	भा. चैत्रारंभः, वृषे भौमः १३।०७
काण	३	श	३९	५७	२२	३४	चित्रा	६	१३	९	०४	व्या	३९	५३	२२	३२	व	१२	४४	११	४१	१०	३५	३९	२	१५	२३	तुला.	११।०७।५४।११	५९।३३	भ. ११।४१ उ. २२।३४ या., कल्पादि, बुधोदयः A
च.व्र.	४	र	३५	४७	२०	५३	स्वा	२	४६	७	४०	ह	३३	३७	२०	०१	व	७	३८	९	३७	१४	३४	३९	३	१६	२४	वृश्चि. २५।०७	११।०८।५३।४३	५९।३१	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१८
मित्र	५	सो	३३	४२	२०	०२	विशा	१	१२	७	०२	व	२९	०१	१८	०९	कौ	४	३०	८	२१	१८	३३	४०	४	१७	२५	वृश्चि.	११।०९।५३।१४	५९।२८	
वज्र	६	मं	३३	४९	२०	०३	अनु	१	४५	७	१४	सि	२६	०९	१६	५९	ग	३	३०	७	५६	२२	३२	४१	५	१८	२६	वृश्चि.	११।१०।५२।४२	५९।२६	भ. २०।०३ उ.
ध्वाङ्क्ष	७	बु	३६	०७	२०	५७	ज्ये	४	२७	८	१७	व्य	२४	५९	१६	३०	वि	४	४३	८	२४	२६	३१	४१	६	१९	२७	धनु. ८।१७	११।११।५२।०८	५९।२४	भ. ८।२४ या., शत. शुक्रः १७।५९
शीतला	८	गु	४०	१८	२२	३७	मूल	९	०९	१०	०९	व	२५	२०	१६	३८	बा	८	००	९	४२	३०	२९	४२	७	२०	२८	धनु.	११।१२।५१।३२	५९।२१	शीतला पूजनं, मार्गी बुधः २९।०८
प्रवर्धमा	९	शु	४५	५८	२४	५१	पूषा	१५	३०	१२	४०	प	२६	५४	१७	१४	तै	१३	००	११	४०	३४	२८	४२	८	२१	२९	मक. १९।२३	११।१३।५०।५३	५९।१९	
राक्षस	१०	श	५२	२८	२७	२७	उषा	२२	५६	१५	३७	शि	२९	१४	१८	०९	व	१९	१०	१४	०७	३९	२७	४३	९	२२	३०	मक.	११।१४।५०।१२	५९।१७	भ. १४।०७ उ. २७।२७ या., धनुषि मूले-१ गुरुः ८।०१
ए.व्र.	११	र	५९	१४	३०	०८	श्रव	३०	५१	१८	४७	सि	३१	५५	१९	१२	व	२५	५३	१६	४७	४३	२६	४३	१०	२३	३१	मक.	११।१५।४९।२९	५९।१५	पापमोचनी ११ व्र., रेव. रविः २४।१९ (सौरः २६।५३)
शुभ	१२	सो	...	...	...	...	धनि	३८	४१	२१	५४	सा	३४	३२	२०	१४	कौ	३२	३२	१९	२६	४७	२५	४४	११	२४	१	कुंभे ८।२१	११।१६।४८।४४	५९।१२	पंचक प्रारम्भः ८।२१, अप्रेल ४ ता. ३०
प्र.व्र.	१२	मं	५	४३	८	४१	शत	४६	००	२४	४८	शु	३६	४५	२१	०६	तै	५	४३	८	४१	५१	२४	४४	१२	२५	२	कुंभे	११।१७।४७।५६	५९।१०	प्रदोषः, वारुणी योग ८।४१ से २४।४८ तक
पद्म	१३	बु	११	२७	१०	५८	पूभा	५२	२९	२७	२२	शु	३८	२१	२१	४३	व	११	२७	१०	५८	५५	२३	४५	१३	२६	३	मीने २०।४६	११।१८।४७।०६	५९।०७	भ. १०।५८ उ. २३।५७ या., मासिकशिवरात्री व्र.
छत्र	१४	गु	१६	१५	१२	५२	उभा	५८	००	२९	३३	ब्र	३९	११	२२	०२	श	१६	१५	१२	५२	५९	२२	४५	१४	२७	४	मीने	११।१९।४६।१३	५९।०५	मन्वादि
अमाव.	३०	शु	२०	०१	१४	२१	रेव	...	...	...	...	ऐ	३९	१४	२२	०२	ना	२०	०१	१४	२१	३९/०३	२०	४६	१५	२८	५	मीने	११।२०।४५।१८	५९।०३	देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः २९२१, चक्र ७

अयनांशाः २४।०६।१५

पं.५० चै.कृ. ४ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	१०	७	१०	८	२	८
०९	०१	२२	२९	०२	२५	२९	२९
००	०८	५५	४३	२९	२१	०५	०५
२६	५५	२९	३६	२१	०७	०६	०६
५९	३९	२४	३	७२	३	३	३
२७	५०	०३	१०	०१	२५	११	११
उभा	कृ	पूभा	ज्ये	ध	पूषा	पुन	उषा
२	२	१व	४	३	४	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मार्च	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायं	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन प्रातः
११।०७।०१।५४	२ शु	२२	७।४२	९।१९	११।१५	१।३०	३।५०	६।०६	८।२२	१०।४१	१।००	३।०५	४।४८	६।१६
११।०८।०१।२९	३ श	२३	७।३८	९।१५	११।११	१।२६	३।४६	६।०२	८।१८	१०।३७	१२।५६	३।०१	४।४४	६।१२
११।०९।०१।०१	४ र	२४	७।३४	९।११	११।०७	१।२२	३।४२	५।५९	८।१४	१०।३४	१२।५२	२।५७	४।४०	६।०८
११।१०।००।३१	५ चं	२५	७।३१	९।०७	११।०३	१।१८	३।३८	५।५५	८।१०	१०।३०	१२।४८	२।५३	४।३६	६।०५
११।१०।५९।५९	६ मं	२६	७।२७	९।०३	१०।५९	१।१४	३।३४	५।५१	८।०६	१०।२६	१२।४४	२।४९	४।३२	६।०१
११।११।५९।२५	७ बु	२७	७।२३	८।५९	१०।५५	१।१०	३।३०	५।४७	८।०३	१०।२२	१२।४०	२।४५	४।२८	५।५७
११।१२।५८।४९	८ गु	२८	७।१९	८।५५	१०।५१	१।०६	३।२६	५।४३	७।५९	१०।१८	१२।३६	२।४१	४।२४	५।५३
११।१३।५८।१०	९ शु	२९	७।१५	८।५१	१०।४७	१।०२	३।२२	५।३९	७।५५	१०।१४	१२।३२	२।३७	४।२०	५।४९
११।१४।५७।२८	१० श	३०	७।११	८।४७	१०।४३	१२।५८	३।१८	५।३५	७।५१	१०।१०	१२।२८	२।३३	४।१६	५।४५
११।१५।५६।४५	११ र	३१	७।०७	८।४३	१०।३९	१२।५४	३।१४	५।३१	७।४७	१०।०६	१२।२४	२।२९	४।१२	५।४१
११।१६।५५।५९	१२ चं	१	७।०३	८।३९	१०।३५	१२।५०	३।१०	५।२७	७।४३	१०।०२	१२।२१	२।२५	४।०८	५।३७
११।१७।५५।११	१२ मं	२	६।५९	८।३५	१०।३१	१२।४६	३।०६	५।२३	७।३९	९।५८	१२।१७	२।२१	४।०४	५।३३
११।१८।५४।२१	१३ बु	३	६।५५	८।३१	१०।२७	१२।४२	३।०२	५।१९	७।३५	९।५४	१२।१३	२।१७	४।०१	५।२९
११।१९।५३।२८	१४ गु	४	६।५१	८।२७	१०।२४	१२।३८	२।५८	५।१५	७।३१	९।५०	१२।०९	२।१३	३।५७	५।२५
११।२०।५२।३३	३० शु	५	६।४७	८।२३	१०।२०	१२।३४	२।५४	५।११	७।२७	९।४६	१२।०५	२।०९	३।५३	५।२१

मास फलम्

शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघो से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहे। अमावस्या रेवती योग सुभिक्ष और सुखद है। कुम्भ राशि में बुध का उदय होने से मार्ग में हवा बहुत चले। शतभिषा में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता-कलवारों) को पीड़ित करता है। धन का बृहस्पति होने से मार्गशीर्ष संवत्सर होता है इसमें हेममाली मेघ वर्षता है।

अयनांशाः २४।०६।१६

पं.५१ चै.कृ.११ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	१०	८	१०	८	२	८
१५	०५	२२	००	१०	२५	२८	२८
५५	४७	१४	०१	५४	४३	४२	४२
५२	२०	११	५७	०२	१६	५१	५१
५९	३९	१६	१	७२	२	३	३
१३	४१	४७	५४	१२	४९	११	११
उभा	कृ	पूभा	मू	श	पूषा	पुन	उषा
४	३	१	१	२	४	३	१

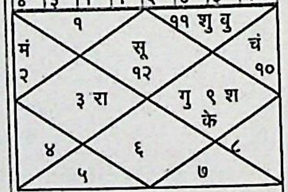

श्री गणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२०, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२० भोग्यकलिः ४२६८८० अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०७६ शाकः १९४१ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिः १, मंत्री रविः २, सस्येशो भौमः ३, धान्येशश्चंद्रः ४, मेघेशः शनिः ५, रसेशो गुरुः ६, नीरसेशो भौमः ७, फलेशः शनिः ८, धनेशो भौमः ९, दुर्गेशः शनिः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्र विंशतिकायां ६ परिधारि नामाख्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ०।२३।१९।४१ भोग्य मासादि ११।६।४०।१९ इंन्द्राग्नि दैवतं युगम् । वर्षनाम वैशाख । चतुर्मेघनाम द्रोणः । रोहिणी निवासो तटे । समय निवासो रजकगृहे । समय विश्वा ८ । समय वाहन महिष । स्तंभ ३ जल तृण वायु । सोमवत्यमा. २ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी १ । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३७५ । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १७ । तिथि वृद्धिः ११ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ९३ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८१ । खपति विश्वा ११७ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् ७ । तृणम् १३ । शीतम् ७ । तेजः १७ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् ११५ । (क्षुधा १३ । तृष्णा १३ । निद्रा ७ । आलस्य ७ । उद्यम ९ । शान्ति ११ । क्रोध १७ । दण्ड ५ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुण्य ७ । उग्रत्व ९ । रसोत्पत्तिः ९ । फलोत्पत्तिः १५ । व्याधि १५ । व्याधिनाश १३ । आचार १३ । अनाचार १९ । मृत्यु १७ । जन्म ९ । चौर १५ । उपशमन ३ । अग्निभय ९ । अग्निशमः १९ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिः पश्चिमायाम् । ग्रहणं १ चन्द्रमसः ।, १ सूर्यस्य । उद्रिजः ९ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ११ । स्वदेजः ५ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रवल है । **॥ संवत् २०७६ शाकः १९४१ ॥** वर्षारम्भे चैत्रशुक्लप्रतिपदायाम् शनिवासरे वारप्रवृत्ति (सूर्योदय) काले अहर्गणाः (ता. ६ अप्रेल २०१९), केतकी चक्रः ७, अहर्गणः २९२२, सौरपक्ष चक्रः ४५, अहर्गणः १५४४, ब्रह्मपक्ष अहर्गणः ३०५३७७.

(१) आषाढ शुक्ला १५ मंगलवार, संवत् २०७६, ता. १६ जुलाई २०१९, खण्डग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास .६२

		स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ	घ.	४९	५३	५६	७
स्थानिक	प.	३३	१२	५१	१८
रेल्वे	घं.	२५	२७	२८	२
टाईम	मि.	३७	०५	३२	५५

यह खण्डग्रास चंद्रग्रहण आषाढ शुक्ला १५ मंगलवार, संवत् २०७६, ता. १६ जुलाई २०१९, को होगा । इस ग्रहण का सूतक स्टैं १६।३७ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

(१) मितिः पौष कृष्णा ३० गुरुवासरे, संवत् २०७६ ता. २६ दिसंबर २०१९, खण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घटी-प.	२।१६	५।२०	८।५१	६।३५
रेल्वेटाईम घं.-मि.	८।१७.	९।३१	१०।५६	२।३८

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन रात्री स्टैं. २०।१७ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -

पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द, वाया- सिंघाना,
जि.झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६, फो.०१५९३-२७११८४
मुम्बई. फोन. ०२२ २६१६६७८३

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
छिहत्तर संवत् फल कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां उत्तम संवत होय ॥
उग्रग्रहों ने वर्ष में लिये आठ अधिकार ।
फलाधिप-राजा शनि हुए रवि हैं मंत्री विचार ॥
दुर्गाधिप शनिदेव हैं मेघेशोऽपि संभाल ।
रसाधिप तो गुरुदेव हैं समझो उत्तम साल ॥
सस्य-धन-नीरसपति मंगल हुए सहाय ।
धान्याधिप शशिदेव हैं जन सुख होसी भाय ॥
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट में जाय ।
चतुर्मेघ तो द्रोण हैं वर्षा बहुत दिखाय ॥
सदा विराजत चित्त में गुरु चरणों की धूल ।
हाथजोड़ विनति करूँ हो कोई जो मेरी भूल ॥
गुरु ध्यानधर फल कहा संवत् छिहत्तर साल ।
गुरु ईश्वरदत्त से गुरु नहीं कथन ग्यारसीलाल ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	खर्च	लाभ	खर्च
मेष	१४	१४	८	५
वृष	८	८	२	१४
मिथुन	११	५	८	५१
कर्क	५	५	२	८
सिंह	८	१४	५	५
कन्या	११	५	८	११
तुला	८	८	२	१४
वृश्चिक	१४	१४	८	५
धनु	२	८	५	११
मकर	५	२	१४	११
कुंभ	५	२	१४	११
मीन	२	८	५	११

वर्ष लग्नम् ३।२३

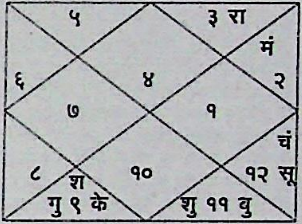

वर्षेश लग्नम् ३।२२

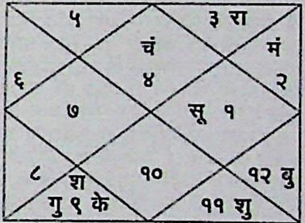

लाभ - खर्च देखनें की विधि और फल - जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

॥ अथ संवत् २०७६ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७६ शाकः १९४१ परिधारि नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - भूपाहवो महारोगोमध्यसस्यार्घवृष्टयः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७६ शाकः १९४१ परिधारि नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - भूपाहवो महारोगोमध्यसस्यार्घवृष्टयः

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७६ शाकः १९४१ परिधारि नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - भूपाहवो महारोगोमध्यसस्यार्घवृष्टयः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७६ शाकः १९४१ परिधारि नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - भूपाहवो महारोगोमध्यसस्यार्घवृष्टयः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ॥ । दुःस्विनोजन्तवः सर्ववत्सरेपरिधाविने ॥ अथास्मिन् वर्षे राजाशनिस्तत्फलम् - शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ॥ । दुःस्विनोजन्तवः सर्ववत्सरेपरिधाविने ॥ अथास्मिन् वर्षे राजाशनिस्तत्फलम् - शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः ।

॥ अथ वर्ष फलम् ॥

॥ संवत् २०७६, शाकः १९४१ (सन २०१९-२०) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन२०१९	**चैत्र शुक्लपक्षः**
१५ अप्रे.	**१० चंद्रे मघा.** रे. ७ ISIIIIISSI दिवा लग्न १, २
	(मेषे सोग्रांगः सू, वृषे सोग्रांगः मं) (भद्रा १७।५२ से)
१६ अप्रे.	**१२ भौमे उफा.** रे. ६ SIIISSIISI रात्रौ लग्न ११ (कुंभे चं ७ पूज्यः)
१७ अप्रे.	**१३ बुधे उफा.** रे. ६ SIIISSIISI दिवा लग्न १, २, ४, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(७)
	(मेषे चं ६ ०७।१८ उपरांत; सोग्रांगः सू, वृषे सोग्रांगः मं, अ.गोघुल्यां मं ८)
१७ अप्रे.	**१३ बुधे हस्ते** रे. ७ IIISSISIII रात्रौ लग्न ९, ११, १२
	(धनुषि रा ७ दोषः, मीने रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः)
१८ अप्रे.	**१४ गुरौ हस्ते** रे. ७ IIISSISIII दिवा लग्न २, ४, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(७)
	(वृषे सोग्रांगः मं, अ.गोघुल्यां मं ८) (भद्रा १९।२९ से)
१९ अप्रे.	**१५ शुक्रे स्वातौ** रे. ६ SIIISISSII रात्रौलग्न ९,११,१२ (धनु.रा ७ दोषः,मीने रा ४ दो.)
सन२०१९	**वैशाख कृष्णपक्षः**
२० अप्रे.	**१ शनौ स्वातौ** रे. ६ SIIISISSII दिवा लग्न १, ४ (मेषे चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू)
सन२०१९	**वैशाख शुक्लपक्षः**
६ मई	**२ चंद्रे रोहि.** रे. ९ IIIIIISIII दिवा लग्न ६, रात्रौ लग्न ११, १२, १
	(कन्या. शु ७ पूज्यः, मीने रा ४ दोषः, मेषे सोग्रांगः सू)
७ मई	**३ भौमे रोहि.** रे. ८ IIIIISSIII दिवा लग्न ४, ५
१३ मई	**९ चंद्रे मघा.** रे. ८ IIIIIIISSI दिवा लग्न २ (वृषे गु ७ पूज्यः)
१४ मई	**१० भौमे उफा.** रे. ६ ISIIISISSI दि.ल. ४, रात्रौलग्न अ.गोघूलि (भद्रा २३।४८ से)
सन२०१९	**ज्येष्ठ कृष्णपक्षः**
१९ मई	**१ रवौ अनुरा.** रे. ७ IIIISISSII दिवा लग्न २, ४, ५, ७
	(वृषे चं गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू, तुला. शु ७ पूज्यः)
२३ मई	**५ गुरौ उषा.** रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न २, ७, रात्रौ लग्न गोघूलि(८)
	(वृषे गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू, तुला. शु ७ पूज्यः, गोघुल्यां मं ८) (महापात स्पर्शः २३।३४)
२४ मई	**६ शुक्रे उषा.** रे. ६ IIIISSISSI दिवा लग्न २ (वृषे गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू)
२८ मई	**९ भौमे उभा.** रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(८), ११
	(अ.गोघुल्यां मं ८, कुंभे शु ३ दोषः) (भद्रा २६।३३ से)
३० मई	**११ गुरौ रेवत्यां** रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न २, ४, ५, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(८)
	(वृषे गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू, अ.गोघुल्यां मं ८)
सन२०१९	**ज्येष्ठ शुक्लपक्षः**
८ जून	**६ शनौ मघा.** रे. ८ ISIIIISIII रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(८), ११, १, २
	(अ.गोघुल्यां मं ८, कुंभे चं ७ पूज्यः, वृषे गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू)
९ जून	**७ रवौ मघा.** रे. ८ ISIIISIIII दिवा लग्न ४
११ जून	**९ भौमे उफा.** रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न ४ (व्यतिपात ८।४१ से)
१२ जून	**१० बुधे हस्ते** रे. ७ ISIIISSIII दिवा लग्न ४, ५ (व्यतिपात ६। ० यावत्)
१६ जून	**१४ रवौ अनुरा.** रे. १० IIIIIIIIII दिवा लग्न ४
सन२०१९	**आषाढ़ कृष्णपक्षः**
२५ जून	**८ भौमे उभा.** रे. ८ IIIIIIISIS दिवालग्न ४,५,६,८, रात्रौलग्न अ.गोघूलि, ११, १
	(कर्के सोग्रांगः मं, कन्या. चं ७ पूज्यः, वृश्चिके शु ७ पूज्यः, अ.गोघुल्यां मं ८; सोग्रांगः श के)

सन२०१९	**आषाढ़ शुक्लपक्षः**
७ जुला	**५ रवौ उफा.** रे. १० IIIIIIIIII रात्रौ लग्न ११, १, २
	(कुंभे चं ७ पूज्यः, मेषे चं ६ २५।४५ उपरांत; शु ३ दोषः, वृषे गु ७ पूज्यः)
८ जुला	**६ चंद्रे उफा.** रे. १० IIIIIIIIII दिवा लग्न ४, ५, ८ (कर्के सोग्रांगः मं)
१० जुला	**९ बुधे स्वातौ** रे. ९ SIIIIIIIII दिवा लग्न ८, रात्रौ लग्न गोघूलि(९), ११, १२, १
	(गोघुल्यां मं ८; सोग्रांगः श के, मीने रा ४ दोषः, मेषे शु ३ दोषः; चं ७ पूज्यः)
११ जुला	**१० गुरौ स्वातौ** रे. ८ SIIIISIIII दिवा लग्न ४, ५, ६ (कर्के सोग्रांगः मं)
	अग्रे चतुर्मासारम्भस्तेनाऽभावः
सन२०१९	**मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः**
१९ नवं.	**७ भौमे मघा.** रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न ४, ६, ७
	(कन्या. शु ३ दोषः, तुला. सोग्रांगः मं)
२० नवं.	**८ बुधे मघा.** रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न ८, ९, ११, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(२)
	(वृश्चिके सोग्रांगः सू, धनुषि रा ७ दोषः, कुंभे चं ७ पूज्यः) (वैधृति १९।१६ से)
२३ नवं.	**१२ शनौ हस्ते** रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न ८, ९, ११
	(वृश्चिके सोग्रांगः सू, धनुषि रा ७ दोषः)
सन२०१९	**मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः**
१ दिसं	**५ रवौ उषा.** रे. ८ ISIIIIISII दिवा लग्न ८ (वृश्चिके सोग्रांगः सू)
१० दिसं	**१३ भौमे रोहि.** रे. ७ IIIISSISII रात्रौ लग्न ८ (वृश्चिके चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू)
	अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः
सन२०२०	**माघ कृष्णपक्षः**
१५ जन.	**५ बुधे उफा.** रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न १२, रात्रौ लग्न गोघूलि(४)
	(मीने चं ६ ११।२९ यावत् तदुपरांत ७ पूज्यः; रा ४ दोषः)
१७ जन.	**७ शुक्रे स्वातौ** रे. ७ SIISIIISII रात्रौ लग्न ८, ९
	(वृश्चिके सोग्रांगः मं, धनुषि शु ३ दोषः; रा ७ दोषः)
१८ जन.	**९ शनौ स्वातौ** रे. ६ SIISIISSII दिवा लग्न १२, १, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(४)
	(मीने रा ४ दोषः, मेषे चं ७ पूज्यः)
१९ जन.	**१० रवौ अनुरा.** रे. ७ ISIIIISSII रात्रौ लग्न ९
	(धनुषि शु ३ दोषः; रा ७ दोषः) (भद्रा २६।५० यावत्)
२० जन.	**११ चंद्रे अनुरा.** रे. ७ ISIIIISSII दिवा लग्न १२, १, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(४)
	(मीने रा ४ दोषः) (महापात स्पर्शः २२।३६)
सन२०२०	**माघ शुक्लपक्षः**
३० जन.	**५ गुरौ उभा.** रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न १०, १ (मकरे सोग्रांगः सू श)
३० जन.	**५ गुरौ रेवत्यां** रे. ९ IIIIISIIII दिवालग्न ३, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(४), ८, ९, १०
	(मिथुने के ७ दोषः; गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः रा, वृश्चिके सोग्रांगः मं, धनुषि शु ३ दोषः; रा ७ दोषः, मकरे सोग्रांगः सू श)
३१ जन.	**६ शुक्रे रेवत्यां** रे. १० IIIIIIIIII दिवा लग्न १०, १, ३
	(मकरे सोग्रांगः सू श, मिथुने के ७ दोषः; गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः रा)
३ फर.	**९ चंद्रे रोहि.** रे. ७ IIIIISISSI रात्रौ लग्न ८, १०
	(वृश्चिके चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं, मकरे शु ३ दोषः; सोग्रांगः सू श)

।। संवत् २०७६, शाकः १९४१ (सन २०१९-२०) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ।।

४ फर.	१० भौमे रोहि. रे. ७ IIIIISISSI दिवा लग्न १०, १२, १, ३, रात्रौ लग्न गोधूलि(४)
	(मकरे शु ३ दोषः; सोग्रांगः सू श,मीने रा ४ दोषः, मिथुने के ७ दोषः; गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः रा)
९ फर.	१५ रवौ मघा. रे. ७ IIIISSISII रात्रौ लग्न ८, ९, १०
	(धनुषि रा ७ दोषः, मकरे शु ३ दोषः; सोग्रांगः सू श)
सन२०२०	**फाल्गुन कृष्णपक्षः**
१० फर.	१ चंद्रे मघा. रे. ६ IIIISSSSII दिवा लग्न १, २
१२ फर.	४ बुधे हस्ते रे. ६ IIISSSISII रात्रौ लग्न गोधूलि(४), ८, ९, १०
	(धनुषि रा ७ दोषः, मकरे शु ३ दोषः; सोग्रांगः सू श)
१४ फर.	६ शुक्रे स्वातौ रे. ७ ISISIIIISI दिवा लग्न १ (मेषे चं ७ पूज्यः) (भद्रा १८।२१ से)
१५ फर.	७ शनौ अनुरा. रे. ७ SIIIISISII रात्रौ लग्न १० (मकरे शु ३ दोषः; सोग्रांगः श)
१६ फर.	८ रवौ अनुरा. रे. ७ SIIIISISII दिवा लग्न १, २, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(५), ९
	(वृषे चं ७ पूज्यः, धनुषि रा ७ दोषः)
सन२०२०	**फाल्गुन शुक्लपक्षः**
२५ फर.	२ भौमे उभा. रे. ९ ISIIIIIIII रात्रौ लग्न ८, ९, १०
	(धनुषि रा ७ दोषः, मकरे शु ३ दोषः; सोग्रांगः श)
२६ फर.	३ बुधे उभा. रे. ९ ISIIIIIIII दिवा लग्न १, २
२६ फर.	३ बुधे रेवत्यां रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न ८, ९, १०
	(धनुषि रा ७ दोषः, मकरे शु ३ दोषः; सोग्रांगः श)
२७ फर.	४ गुरौ रेवत्यां रे. ८ IIIIISIIIS दिवा लग्न १, २ (भद्रा १७।२७ से)
	अग्रे होलाष्टकः
सन२०२०	**चैत्र कृष्णपक्षः**
१० मार्च	१ भौमे हस्ते रे. ८ ISIIISIIII रात्रौ लग्न ७, ९, १०
	(तुला. शु ७ पूज्यः, धनुषि रा ७ दोषः, मकरे सोग्रांगः श)
११ मार्च	२ बुधे हस्ते रे. ८ ISIIISIIII दिवा लग्न २
	अग्रे मीनेऽर्कः

।। कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ।।

सन२०१९	**चैत्र शुक्लपक्षः**
१९ अप्रे.	१५ शुक्रे चित्रा. रे. ७ ISIIISISII दिवा लग्न २, ४, ६
	(वृषे चं ६ ०८।२५ उपरांत; सोग्रांगः मं, कन्या. बु शु ७ पूज्यः)
सन२०१९	**वैशाख कृष्णपक्षः**
२६ अप्रे.	७ शुक्रे श्रवणे रे. ७ SSIIIIISII रात्रौ लग्न ९, ११, १२, १
	(धनुषि रा ७ दोषः; सोग्रांगः श के, मीने रा ४ दोषः, मेषे सोग्रांगः सू)
२७ अप्रे.	८ शनौ श्रवणे रे. ७ SSIIIIISII दिवालग्न १, २,४,६, रात्रौ लग्न अ.गोधूलि(७), ९
	(मेषे सोग्रांगः सू, वृषे गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं, कर्के चं ७ पूज्यः, कन्या. बु शु ७ पूज्यः,
	अ.गोधुल्यां मं ८, धनुषि रा ७ दोषः; सोग्रांगः श के)
२७ अप्रे.	८ शनौ धनि. रे. ७ SIIIISISII रात्रौ ल. ११,१२,१ (मीने रा ४ दोषः,मेषे सोग्रांगः सू)
२८ अप्रे.	९ रवौ धनि. रे. ७ SIIIISISII दिवालग्न १, २, ४, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(७), ९
	(मेषे सोग्रांगः सू, वृषे गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं, कर्के चं ७ पूज्यः, अ.गोधुल्यां मं ८, धनुषि रा ७
	दोषः; सोग्रांगः श के) (महापात स्पर्शः २५।३५)

सन२०१९	**वैशाख शुक्लपक्षः**
१६ मई	१२ गुरौ चित्रा. रे. ९ SIIIIIIIII दि.ल.२ (वृषे गु ७ पूज्यः;सोग्रांगः सू)
सन२०१९	**ज्येष्ठ कृष्णपक्षः**
२४ मई	६ शुक्रे श्रवणे रे. ८ IIIIISIISI दिवालग्न ७, रात्रौ लग्न गोधूलि, ११, १२, १, २
	(तुला. शु ७ पूज्यः, गोधुल्यां मं ८, कुंभे शु ३ दोषः, मीने रा ४ दोषः,
	वृषे गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू) (महापात मोक्षः १२।२०)
३० मई	११ गुरौ अश्वि. रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न ११, १२, २
	(कुंभे शु ३ दोषः, मीने रा ४ दोषः, वृषे गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू)
३१ मई	१२ शुक्रे अश्वि. रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न २, ४, ५, ७
	(वृषे गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू, तुला. चं शु ७ पूज्यः)
सन२०१९	**ज्येष्ठ शुक्लपक्षः**
१२ जून	१० बुधे चित्रा. रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न ५, ७, रात्रौ लग्न गोधूलि, ११, १२, १
	(गोधुल्यां मं ८, मीने शु ३ दोषः; रा ४ दोषः, मेषे चं ७ पूज्यः) (भद्रा २९।३३ से)
सन२०१९	**आषाढ़ कृष्णपक्षः**
२१ जून	४ शुक्रे धनि. रे. ६ SSIIISISII रात्रौ लग्न ११, १२, १, २
	(मीने शु ३ दोषः; रा ४ दोषः, वृषे गु ७ पूज्यः) (वैधृति १९।४७ यावत्)
२२ जून	५ शनौ धनि. रे. ६ SSIIISISII दिवा लग्न ४, ५, ७, रात्रौ लग्न गोधूलि(९)
	(कर्के चं ७ ०७।३१ यावत्, सिंहे चं ७ पूज्यः, गोधुल्यां मं ७; सोग्रांगः श के)
२७ जून	९ गुरौ अश्वि. रे. ७ SIIIISISII दिवाल. ४,५,६ (कर्के सोग्रांगः मं) (भद्रा १८।१९ से)
सन२०१९	**आषाढ़ शुक्लपक्षः**
१० जुला	९ बुधे चित्रा. रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न ४, ५, ६ (कर्के सोग्रांगः मं)
	अग्रे चतुर्मासारम्भस्तेनाऽभावः
सन२०१९	**मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः**
२३ नवं.	१२ शनौ चित्रा. रे. ७ SIIIISISII दिवा लग्न १२, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(२), ५, ६
	(मीने रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः)
सन२०१९	**मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः**
१ दिसं	५ रवौ श्रवणे रे.१० IIIIIIIIII दिवालग्न ११, १२, रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, ६, ७, ८
	(मीने रा ४ दोषः, तुला. शु ३ दोषः; सोग्रांगः मं, वृश्चिके सोग्रांगः सू) (महापात मोक्षः ११।५५)
२ दिसं	६ चंद्रे श्रवणे रे. ९ IIIIISIIII दिवालग्न ८, ९ (वृश्चिके सोग्रांगः सू,धनुषि रा ७ दोषः)
२ दिसं	६ चंद्रे धनि. रे. ८ IIIIISISII दिवालग्न ११, १२, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि, ७, ८
	(मीने रा ४ दोषः, तुला. शु ३ दोषः; सोग्रांगः मं, वृश्चिके सोग्रांगः सू)
३ दिसं	७ भौमे धनि. रे. ९ IIIIIIISII दिवालग्न ८, ९, (वृश्चिके सोग्रांगः सू,धनुषि रा ७ दोषः)
	अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः
सन२०२०	**माघ कृष्णपक्षः**
१७ जन.	७ शुक्रे चित्रा. रे. ७ SIIIISISII दिवा लग्न १२, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४)
	(मीने रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः)
सन२०२०	**माघ शुक्लपक्षः**
३१ जन.	६ शुक्रे अश्वि. रे. ६ SSIIISISII रात्रौ लग्न ७, ९, १०
	(तुला. चं ७ पूज्यः, धनुषि शु ३ दोषः; रा ७ दोषः, मकरे सोग्रांगः सू श)
१ फर.	७ शनौ अश्वि. रे. ६ SSIIISISII दिवा लग्न १०, १२, ३, रात्रौ लग्न अ.गोधूलि(४)
	(मकरे सोग्रांगः सू श,मीने रा ४ दोषः,मिथुने के ७ दोषः; गु ७ पूज्यः; सोग्रांगः रा) (भद्रा १८।१३ से)
	अग्रे मीनेऽर्कः *(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)*

॥ संवत् २०७६, शाकः १९४१, सन २०१९-२० मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

॥ उपनयन ॥

सन२०१९	ज्येष्ठ मासः
२३ मई	कृ. ०५ गुरौ उषा. अभिजिति
७ जून	शु. ०४ शुक्रे पुष्ये अभिजिति, ६
सन२०१९	आषाढ़ मासः
५ जुला	शु. ०३ शुक्रे श्लेषा. लग्न ३, अभिजिति, ६, ७
१६ जुला	चन्द्र ग्रहणार्क्षः उषा.
२६ दिसं	सूर्य ग्रहणार्क्षः मूले
सन२०२०	माघ मासः
३० जन.	शु. ०५ गुरौ उभा. अभिजिति
सन२०२०	फाल्गुन मासः
२८ फर.	शु. ०५ शुक्रे अश्वि. अभिजिति (महापात स्पर्शः १५।१५ मोक्षः २०।३९)
सन२०२०	चैत्र मासः
१३ मार्च	कृ. ०४ शुक्रे स्वातौ लग्न १, अभिजिति

॥ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१९	चैत्र मासः
१९ अप्रे.	शु. १५ शुक्रे चित्रा. अभिजिति
सन२०१९	वैशाख मासः
१६ मई	शु. १२ गुरौ चित्रा. अभिजिति, ५
सन२०१९	ज्येष्ठ मासः
१२ जून	शु. १० बुधे हस्ते लग्न ५ (व्यतिपात ६।०० तक)
१२ जून	शु. १० बुधे चित्रा. लग्न ५, ६
१६ जुला	चन्द्र ग्रहणार्क्षः उषा.
सन२०१९	श्रावण मासः
१७ जुला	कृ. ०१ बुधे उषा. लग्न ६
सन२०१९	मार्गशीर्ष मासः
१४ नवं.	कृ. ०२ गुरौ रोहि. अभिजिति, ११
२६ दिसं	सूर्य ग्रहणार्क्षः मूले
सन२०२०	चैत्र मासः
११ मार्च	कृ. ०२ बुधे हस्ते लग्न ५

॥ वृषचक्र-रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१९	वैशाख मासः
२ मई	कृ. १३ गुरौ उभा. अभिजिति
११ मई	शु. ०७ शनौ पुष्ये लग्न ३, अभिजिति
सन२०१९	ज्येष्ठ मासः
३० मई	कृ. ११ गुरौ रेवत्यां अभिजिति
सन२०१९	कार्तिक मासः
१८ अक्टु	कृ. ०४ शुक्रे रोहि. अभिजिति
सन२०१९	मार्गशीर्ष मासः
२३ नवं.	कृ. १२ शनौ हस्ते अभिजिति
सन२०२०	माघ मासः
२७ जन.	शु. ०३ चंद्रे शते अभिजिति
३० जन.	शु. ०५ गुरौ उभा. अभिजिति

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१९	वैशाख मासः
२ मई	कृ. १३ गुरौ उभा. अभिजिति
१६ मई	शु. १२ गुरौ चित्रा. अभिजिति, ५
सन२०१९	ज्येष्ठ मासः
३० मई	कृ. ११ गुरौ रेवत्यां अभिजिति
१२ जून	शु. १० बुधे चित्रा. लग्न ५
१६ जुला	चन्द्र ग्रहणार्क्षः उषा.
२६ दिसं	सूर्य ग्रहणार्क्षः मूले
सन२०२०	माघ मासः
२० जन.	कृ. ११ चंद्रे अनुरा. अभिजिति
३१ जन.	शु. ०६ शुक्रे रेवत्यां अभिजिति

॥ कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१९	ज्येष्ठ मासः
२३ मई	कृ. ०५ गुरौ उषा. अभिजिति, ५
सन२०२०	माघ मासः
१७ जन.	कृ. ०७ शुक्रे चित्रा. अभिजिति
३० जन.	शु. ०५ गुरौ उभा. अभिजिति

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१९	वैशाख मासः
११ मई	शु. ०७ शनौ पुष्ये लग्न ३, अभिजिति
१६ जुला	चन्द्र ग्रहणार्क्षः उषा.
सन२०१९	मार्गशीर्ष मासः
२ दिसं	शु. ०६ चंद्रे धनि. अभिजिति
२६ दिसं	सूर्य ग्रहणार्क्षः मूले

॥ कुंभचक्ररहिताः जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१९	वैशाख मासः
२० अप्रे.	कृ. ०१ शनौ स्वातौ अभिजिति
सन२०१९	ज्येष्ठ मासः
७ जून	शु. ०४ शुक्रे पुष्ये अभिजिति, ६
सन२०१९	मार्गशीर्ष मासः
१८ नवं.	कृ. ०६ चंद्रे पुष्ये अभिजिति, ११ (भद्रा १७।१३ से)
सन२०२०	माघ मासः
२७ जन.	शु. ०३ चंद्रे शते अभिजिति
सन२०२०	फाल्गुन मासः
१४ फर.	कृ. ०६ शुक्रे स्वातौ अभिजिति

॥ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः ॥

सन२०१९	चैत्र मासः
१९ अप्रे.	शु. १५ शुक्रे चित्रा. अभिजिति
सन२०१९	वैशाख मासः
११ मई	शु. ०७ शनौ पुष्ये लग्न ३, अभिजिति
१६ मई	शु. १२ गुरौ चित्रा. अभिजिति
सन२०१९	ज्येष्ठ मासः
२३ मई	कृ. ०५ गुरौ उषा. अभिजिति
७ जून	शु. ०४ शुक्रे पुष्ये अभिजिति, ६
१२ जून	शु. १० बुधे चित्रा. लग्न ६

॥ संवत् २०७६, शाक: १९४१, सन २०१९-२० मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ता: शुद्धा: ॥

सन२०१९	**आषाढ़ मास:**
२२ जून	कृ. ०५ शनौ धनि. अभिजिति, ६
२३ जून	कृ. ०६ रवौ शते अभिजिति, ६
८ जुला	शु. ०६ चंद्रे उफा. लग्न ३, अभिजिति, ६
११ जुला	शु. १० गुरौ स्वातौ अभिजिति, ६
१३ जुला	शु. १२ शनौ अनुरा. लग्न ६, अभिजिति
१६ जुला	चन्द्र ग्रहणार्क्ष: उषा.
२६ दिसं	सूर्य ग्रहणार्क्ष: मूले
सन२०२०	**माघ मास:**
२७ जन.	शु. ०३ चंद्रे शते अभिजिति
३० जन.	शु. ०५ गुरौ उभा. अभिजिति
३१ जन.	शु. ०६ शुक्रे रेवत्यां अभिजिति
१ फर.	शु. ०७ शनौ अश्वि. अभिजिति
सन२०२०	**फाल्गुन मास:**
१४ फर.	कृ. ०६ शुक्रे स्वातौ अभिजिति
२८ फर.	शु. ०५ शुक्रे अश्वि. अभिजिति (महापात स्पर्श: १५।१५ मोक्ष: २०।३९)
सन२०२०	**चैत्र मास:**
१३ मार्च	कृ. ०४ शुक्रे स्वातौ अभिजिति

॥ अथ चौल (मुण्डन) मुहूर्त्ता: ॥

सन२०१९	**वैशाख मास:**
१६ मई	शु. १२ गुरौ चित्रा. लग्न ३, ४, अभिजिति
सन२०१९	**ज्येष्ठ मास:**
१२ जून	शु. १० बुधे हस्ते लग्न ३, ४ (व्यतिपात ६।०० तक)
१२ जून	शु. १० बुधे चित्रा. लग्न ६
सन२०१९	**आषाढ़ मास:**
११ जुला	शु. १० गुरौ स्वातौ लग्न ४, अभिजिति, ६, ७
१६ जुला	चन्द्र ग्रहणार्क्ष: उषा.
२६ दिसं	सूर्य ग्रहणार्क्ष: मूले
सन२०२०	**माघ मास:**
२७ जन.	शु. ०३ चंद्रे शते लग्न १२, अभिजिति

सन२०२०	**फाल्गुन मास:**
२८ फर.	शु. ०५ शुक्रे अश्वि. लग्न १२, अभिजिति (महापात स्पर्श: १५।१५ मोक्ष: २०।३९)
सन२०२०	**चैत्र मास:**
११ मार्च	कृ. ०२ बुधे हस्ते लग्न १२
१३ मार्च	कृ. ०४ शुक्रे स्वातौ अभिजिति

॥ द्विरागमन मुहूर्त्ता: ॥

सन२०१९	**चैत्र मास:**
१७ अप्रे.	शु. १३ बुधे उफा. लग्न २, ३, ६ (मिथुने शु १० शुभ)
१९ अप्रे.	शु. १५ शुक्रे चित्रा. लग्न ६
सन२०१९	**वैशाख मास:**
२ मई	कृ. १३ गुरौ उभा. लग्न २, ३, अभिजिति (मिथुने गु ६ शुभ; शु १० शुभ)
६ मई	शु. ०२ चंद्रे रोहि. लग्न ६, ७ (कन्या. गु ३ शुभ)
१६ जुला	चन्द्र ग्रहणार्क्ष: उषा.
सन२०१९	**मार्गशीर्ष मास:**
२२ नवं.	कृ. १० शुक्रे उफा. अभिजिति, १२ (भद्रा ९।०३ तक) (मीने गु १० शुभ; शु १० शुभ)
६ दिसं	शु. १० शुक्रे उभा. अभिजिति, १२ (व्यतिपात १६।२८ से) (मीने गु १० शुभ; शु १० शुभ)
२६ दिसं	सूर्य ग्रहणार्क्ष: मूले
सन२०२०	**फाल्गुन मास:**
२१ फर.	कृ. १३ शुक्रे श्रवणे अभिजिति, २, ३ (मिथुने शु १० शुभ)
२६ फर.	शु. ०३ बुधे उभा. लग्न १२, २, ३ (मीने गु १० शुभ; शु १ शुभ, मिथुने शु १० शुभ)
२८ फर.	शु. ०५ शुक्रे अश्वि. लग्न १२, २, अभिजिति, ३ (महापात स्पर्श: १५।१५ मोक्ष: २०।३९) (मीने गु १० शुभ; शु १ शुभ, मिथुने शु १० शुभ)

सन२०२०	**चैत्र मास:**
११ मार्च	कृ. ०२ बुधे हस्ते लग्न १२, २, ३ (मीने गु १० शुभ)
१३ मार्च	कृ. ०४ शुक्रे स्वातौ लग्न २, अभिजिति, ३

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभि:)

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीन-लग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेष: । - पीयूषधारा

अर्थ- लग्न शुद्धि के समय तिथि, नक्षत्र और विष्कुंभादि योग द्वारा उत्पन्न हुए मृत्यु-क्रकचादि कुयोग स्वयं नष्ट हो जाते हैं (जैसे सूर्योदय होने पर अंधेरा नष्ट हो जाता है) ।

विशेष- किसी एक विद्वान् के द्वारा बताये हुए शुद्धलग्न मुहूर्त्त को दूसरा विद्वान् (बालबुद्धि वाला) यजमान को यह कह कर भ्रमित (गुमराह) कर देता है कि उस दिन मृत्यु-क्रकचादि कुयोग होने से यह मुहूर्त्त अच्छा नहीं है। नोट- ऐसे बालमति के विद्वानों से करबद्ध प्रार्थना है कि ज्योतिष-शास्त्र का उपहास (मजाक) न करें । कहा भी है- "नानाशास्त्र विचक्षणश्च पुरुषांनिन्दन्ति मूर्खा: सदा इति" ।

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽ
नुग्रहीत शिष्य:

पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), ५८, राम कुटीर, ३ रा माला,
हनुमान रोड, विलेपार्ले (पूर्व)
मुम्बई ४०००५७. दू. ०२२- २६१६६७८३.

|| सन् २०१९-२०, संवत् २०७६ || + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च
१	....	+१४।५६	+२१।५९	+२३।०८	+१८।०८	+ ८।२७	- ३।००	-१४।१६	-२१।४३	-२३।०३	-१७।१८	- ७।२९
२	....	+१५।१४	+२२।०८	+२३।०४	+१७।५३	+ ८।०५	- ३।२३	-१४।३६	-२१।५३	-२२।५९	-१७।०१	- ७।०६
३	....	+१५।३२	+२२।१५	+२३।००	+१७।३७	+ ७।४३	- ३।४७	-१४।५५	-२२।०२	-२२।५३	-१६।४४	- ६।४३
४	....	+१५।५०	+२२।२३	+२२।५५	+१७।२२	+ ७।२१	- ४।१०	-१५।१३	-२२।१०	-२२।४८	-१६।२६	- ६।२०
५	....	+१६।०७	+२२।३०	+२२।५०	+१७।०६	+ ६।५९	- ४।३३	-१५।३२	-२२।१८	-२२।४१	-१६।०८	- ५।५६
६	+ ६।१७	+१६।२४	+२२।३६	+२२।४४	+१६।४९	+ ६।३७	- ४।५६	-१५।५०	-२२।२६	-२२।३५	-१५।५०	- ५।३३
७	+ ६।३९	+१६।४१	+२२।४२	+२२।३८	+१६।३३	+ ६।१५	- ५।१९	-१६।०८	-२२।३३	-२२।२८	-१५।३२	- ५।१०
८	+ ७।०२	+१६।५८	+२२।४८	+२२।३१	+१६।१६	+ ५।५२	- ५।४२	-१६।२६	-२२।४०	-२२।२०	-१५।१३	- ४।४६
९	+ ७।२४	+१७।१४	+२२।५३	+२२।२५	+१५।५९	+ ५।३०	- ६।०५	-१६।४३	-२२।४६	-२२।१२	-१४।५४	- ४।२३
१०	+ ७।४७	+१७।३०	+२२।५८	+२२।१७	+१५।४२	+ ५।०७	- ६।२८	-१७।००	-२२।५२	-२२।०४	-१४।३५	- ३।५९
११	+ ८।०९	+१७।४६	+२३।०३	+२२।१०	+१५।२४	+ ४।४४	- ६।५०	-१७।१७	-२२।५७	-२१।५५	-१४।१५	- ३।३६
१२	+ ८।३१	+१८।०१	+२३।०७	+२२।०२	+१५।०६	+ ४।२१	- ७।१३	-१७।३४	-२३।०२	-२१।४५	-१३।५६	- ३।१२
१३	+ ८।५३	+१८।१६	+२३।११	+२१।५३	+१४।४८	+ ३।५९	- ७।३५	-१७।५०	-२३।०७	-२१।३६	-१३।३६	- २।४९
१४	+ ९।१४	+१८।३१	+२३।१४	+२१।४५	+१४।३०	+ ३।३६	- ७।५८	-१८।०६	-२३।११	-२१।२६	-१३।१६	- २।२५
१५	+ ९।३६	+१८।४५	+२३।१७	+२१।३६	+१४।१२	+ ३।१३	- ८।२०	-१८।२१	-२३।१४	-२१।१५	-१२।५५	- २।०१
१६	+ ९।५७	+१९।००	+२३।२०	+२१।२६	+१३।५३	+ २।४९	- ८।४२	-१८।३७	-२३।१७	-२१।०४	-१२।३५	- १।३८
१७	+१०।१९	+१९।१३	+२३।२२	+२१।१६	+१३।३४	+ २।२६	- ९।०४	-१८।५२	-२३।२०	-२०।५३	-१२।१४	- १।१४
१८	+१०।४०	+१९।२७	+२३।२४	+२१।०६	+१३।१५	+ २।०३	- ९।२६	-१९।०६	-२३।२२	-२०।४१	-११।५३	- ०।५०
१९	+११।०१	+१९।४०	+२३।२५	+२०।५६	+१२।५५	+ १।४०	- ९।४८	-१९।२१	-२३।२४	-२०।२९	-११।३२	- ०।२६
२०	+११।२२	+१९।५३	+२३।२६	+२०।४५	+१२।३६	+ १।१७	-१०।१०	-१९।३५	-२३।२५	-२०।१६	-११।१०	- ०।०३
२१	+११।४२	+२०।०५	+२३।२६	+२०।३३	+१२।१६	+ ०।५३	-१०।३१	-१९।४८	-२३।२६	-२०।०३	-१०।४९	+ ०।२१
२२	+१२।०२	+२०।१८	+२३।२६	+२०।२२	+११।५६	+ ०।३०	-१०।५३	-२०।०१	-२३।२६	-१९।५०	-१०।२७	+ ०।४५
२३	+१२।२३	+२०।२९	+२३।२६	+२०।१०	+११।३६	+ ०।०७	-११।१४	-२०।१४	-२३।२६	-१९।३७	-१०।०५	+ १।०८
२४	+१२।४३	+२०।४१	+२३।२५	+१९।५८	+११।१६	- ०।१७	-११।३५	-२०।२७	-२३।२५	-१९।२२	- ९।४३	+ १।३२
२५	+१३।०२	+२०।५२	+२३।२४	+१९।४५	+१०।५५	- ०।४०	-११।५६	-२०।३९	-२३।२४	-१९।०८	- ९।२१	....
२६	+१३।२२	+२१।०३	+२३।२२	+१९।३२	+१०।३४	- १।०३	-१२।१६	-२०।५१	-२३।२३	-१८।५३	- ८।५९	....
२७	+१३।४१	+२१।१३	+२३।२०	+१९।१९	+१०।१४	- १।२७	-१२।३७	-२१।०२	-२३।२१	-१८।३८	- ८।३७	....
२८	+१४।००	+२१।२३	+२३।१८	+१९।०५	+ ९।५३	- १।५०	-१२।५७	-२१।१३	-२३।१८	-१८।२३	- ८।१४	....
२९	+१४।१९	+२१।३३	+२३।१५	+१८।५१	+ ९।३१	- २।१३	-१३।१७	-२१।२४	-२३।१५	-१८।०७	- ७।५१	....
३०	+१४।३८	+२१।४२	+२३।१२	+१८।३७	+ ९।१०	- २।३७	-१३।३७	-२१।३४	-२३।१२	-१७।५१	....	....
३१	....	+२१।५१	....	+१८।२३	+ ८।४९	....	-१३।५७	....	-२३।०८	-१७।३५	....	....

उत्तर (धन) — दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में)
संवत् २०७६, (सन २०१९-२०)

महापात स्पर्शः			महापात मोक्षः	
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
व्यती.	१६ अप्रे.	११।५२	१६ अप्रे.	१६।३९
वैधृति	२८ अप्रे.	२५।३५	२९ अप्रे.	८।२३
व्यती.	११ मई	२०।३५	११ मई	२७।४८
वैधृति	२३ मई	२३।३४	२४ मई	१२।२१
वैधृति	१४ जुला.	१५।५२	१५ जुला.	९।१६
व्यती.	२७ जुला.	२८।३१	२८ जुला.	१३।१६
वैधृति	८ अग.	२०।०९	८ अग.	२६।३३
व्यती.	२२ अग.	११।४३	२२ अग.	१७।४०
वैधृति	३ सितं.	६।२९	३ सितं.	१०।५६
व्यती.	१६ सितं.	१४।५३	१६ सितं.	२०।०६
वैधृति	२८ सितं.	२३।१९	२८ सितं.	२७।२४
व्यती.	११ अक्टू.	१७।५९	११ अक्टू.	२३।२४
वैधृति	२४ अक्टू.	१५।४१	२४ अक्टू.	२०।३१
व्यती.	५ नवं.	२१।०३	५ नवं.	२७।४७
वैधृति	१८ नवं.	२५।१९	१९ नवं.	८।५७
व्यती.	३० नवं.	२३।१३	१ दिसं.	११।५४
वैधृति	८ जन.	२३।४३	९ जन.	१४।२७
व्यती.	२० जन.	२२।३६	२० जन.	३१।०७
वैधृति	३ फर.	११।००	३ फर.	१७।५१
व्यती.	१४ फर.	३०।५३	१५ फर.	११।५१
वैधृति	२८ फर.	१५।१४	२८ फर.	२०।३९
व्यती.	११ मार्च	२१।०४	११ मार्च	२५।०४
वैधृति	२४ मार्च	१८।२१	२४ मार्च	२३।२३

नारदसंहिता- (होरास्कन्ध) हिन्दी टीका सहित। इसमें शाखोपनयन, ग्रहचार, शब्दलक्षण, सम्वतसरफल, तिथि, वार, नक्षत्र, योग, मुहुर्त, उपग्रह, सूर्यसंक्रांति, ग्रहगोचर, चन्द्रताराबलाध्याय लग्नविचार, गर्भाधानादि षोडस- संस्कार, प्रतिष्ठा, यात्रा, गृहप्रवेश सद्योवृष्टि, कूर्मलक्षण, उत्पातशान्ति इत्यादि अनेक विषय हैं।

संवत् २०७६ शाकः १९४१ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
चै.शु. ०९ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.शु. ११ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	चै.कृ. ३० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	चै.कृ. ०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. ०६ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.कृ. ०८ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	चै.कृ. ०२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	बै.कृ. ०२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.कृ. ०५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	चै.कृ. ०६ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	बै.कृ. ०६ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.कृ. १४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.
बै.कृ. ३० से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.शु.०१ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.शु.१३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.शु. ०२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.शु.०४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.कृ.०७ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. ०८ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.०८ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.०३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	बै.कृ. ०४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.०५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.०६ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.
आ.कृ.०७ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.कृ.०८ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु.०३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.शु.१५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	भा.कृ.०२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.०६ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.०८ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.०८ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.०९ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	आ.कृ.०२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	श्रा.कृ.०२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.०५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.
श्रा.कृ.०५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ.०६ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ.०९ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.शु.०५ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.शु.०८ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.०३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु.०७ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.शु.०८ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.कृ.०८ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.०८ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ.०८ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ.०३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.
आ.कृ.०३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.०४ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.०८ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	आ.कृ.११ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.कृ.१४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु.०९ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	का.कृ.०३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.कृ. ०४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.०८ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.०८ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	का.कृ.०९ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.०९ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.
का.कृ.१० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. १२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. ०६ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.१० से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.कृ. १३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.शु. ०१ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.०९ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.शु. १० से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.कृ. ०५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.शु.०८ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.शु. ०८ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.कृ. ०९ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.
पौ.कृ. १० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ. १२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	पौ.कृ. १३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	पौ.कृ. ०८ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. ११ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	पौ.कृ. १४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	पौ.शु. ०१ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. ०२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	पौ.शु. १० से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.कृ. ०४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	फा.कृ.०५ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	पौ.शु. ०८ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.
मा.शु. ०८ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.०९ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.कृ.१३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ. ३० से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.०२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.कृ.१२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. ३० से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.कृ.३० से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.०२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. ०९ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	फा.शु.०९ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	चै.कृ. ०६ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.

लघुपाराशरी– पं. रामेश्वरजी भट्ट कृत सान्वय हिन्दी टीका सहित। **भृगुसूत्र**– हिन्दी टीका सहित । महामुनि भृगुजी प्रणीत। जन्मपत्र का फल कहने में अद्वितीय। **शीघ्रबोध**– हिन्दी टीका सहित। इसमें विवाहादि प्रकरण है । **लग्नजातक**– पं. ज्वालाप्रसादजी मिश्र कृत, हिन्दी टीका सहित । **अर्घप्रकाश**– हिन्दी टीका सहित। इसमें वस्तुओं की तेजी–मंदी देखने का विचार भलीभांति लिखा है। **लग्नचन्द्रिका**– हिन्द टीका सहित। इसमें सुगम रीति से जन्म की तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण का फल, सम्वत्सर–उत्तरायण–दक्षिणायन का फल, ऋतु और मासफल, सम्पूर्ण ग्रहों का फल, भावाध्याय, एकग्रह, द्विग्रह आदि योग राजयोग, अरिष्टाध्याय, चन्द्रनिर्णय और विंशोत्तरी आदि दशा इत्यादि जन्मपत्र का फल विचार भली प्रकार से लिखा है ।

संवत् २०७६, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०१९

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	शुक्रवार १३ सितंबर प्रातः ७।३६ बजे के बाद (भाद्र. शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम) ”	शनिवार १४ सितंवर दिन १०।०२ बजे के बाद
द्वितीया (दूज) ”	सोमवार १६ सितंबरं मध्यान्ह २।३३ बजे के पहले
तृतीया (तीज) ”	मंगलवार १७ सितंवर
चतुर्थी (चोथ) ”	बुधवार १८ सितंवर
पंचमी (पांच) ”	गुरुवार १९ सितंबर
षष्ठी (छठ) ”	शुक्रवार २० सितंबर

सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	शनिवार २१ सितंवर
अष्टमी (आठं) ”	रविवार २२ सितंवर
नवमी (नौमी) ”	सोमवार २३ सितंबर
दशमी (दस) ”	मंगलवार २४ सितंबर
एकादशी ”	बुधवार २५ सितंबर मध्यान्ह २।१२ बजे के पहले
द्वादशी (बारस) ”	गुरुवार २६ सितंबर दिन ११।०६ बजे के पहले
त्रयोदशी (तेरस) ”	गुरुवार २६ सितंबर दिन ११।०६ बजे के बाद
चतुर्दशी (चौदस) ”	शुक्रवार २७ सितंबर प्रातः ७।३६ बजे के बाद
अमावस्या (मावस) ”	शनिवार २८ सितंबर

६ अप्रेल से १९ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	श	२२	४३	१५	२५	रेव	२	३३	७	२१	वै	३८	३०	२१	४३	व	२२	४३	१५	२५	३१/०७	६/११	६/४६	१६	२९	६	मेषे ७।२१	११।२१।४४।२१	५९।०१
सिंधारा	२	र	२४	२४	१६	०४	अश्वि	६	०३	८	४४	वि	३६	५७	२१	०५	कौ	२४	२४	१६	०४	११	१८	४७	१७	१	७	मेषे	११।२२।४३।२२	५८।५८
गणगोर	३	सो	२५	०५	१६	१९	भर	८	३५	९	४३	प्री	३४	३८	२०	०९	ग	२५	०५	१६	१९	१५	१७	४७	१८	२	८	वृषे १५।५५	११।२३।४२।२०	५८।५६
गद	४	मं	२४	४७	१६	११	कृति	१०	१०	१०	२०	आ	३१	३५	१८	५४	वि	२४	४७	१६	११	१९	१६	४८	१९	३	९	वृषे	११।२४।४१।१६	५८।५४
शुभ	५	बु	२३	३२	१५	४०	रोहि	१०	४८	१०	३४	सौ	२७	४६	१७	२२	वा	२३	३२	१५	४०	२३	१५	४८	२०	४	१०	मिथु. २२।३३	११।२५।४०।१०	५८।५२
मृत्यु	६	गु	२१	१८	१४	४५	मृग	१०	३०	१०	२६	शो	२३	१२	१५	३१	तै	२१	१८	१४	४५	२७	१४	४९	२१	५	११	मिथु.	११।२६।३९।०२	५८।४९
पद्म	७	शु	१८	०५	१३	२७	आर्द्रा	९	१४	९	५४	अ	१७	५०	१३	२१	व	१८	०५	१३	२७	३१	१३	४९	२२	६	१२	कर्के २७।१५	११।२७।३७।५१	५८।४७
रामनव	८	श	१३	५३	११	४५	पुन	६	५९	८	५९	सु	११	४०	१०	५२	ब	१३	५३	११	४५	३५	१२	५०	२३	७	१३	कर्के	११।२८।३६।३८	५८।४५
श्रीवत्स	९	र	८	४२	९	३९	पुष्य	३/५९	४५/३८	७/३०	४१/०१	घृ	४/५६	४३/५९	२८	०४/५८	कौ	८	४२	९	३९	३९	११	५१	२४	८	१४	सिंहे ३०।०१	११।२९।३५।२२	५८।४२
ए.व्र.	१०	सो	२	३६	७	१२	मघा	५४	४२	२८	०३	गं	४८	४०	२५	३८	ग	२	३६	७	१२	४३	१०	५१	२५	९	१५	सिंहे	०।००।३४।०५	५८।४०
क्षयः	११	सो	५५	४४	२८	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	मं	४८	२२	२५	३०	पूफा	४९	१७	२५	५२	वृ	३९	५३	२२	०६	व	२२	०७	१५	००	४७	०९	५२	२६	१०	१६	सिंहे	०।०१।३२।४५	५८।३८
प्र.व्र.	१३	बु	४०	४९	२२	२८	उफा	४३	४१	२३	३६	ध्रु	३०	५५	१८	३०	कौ	१४	३७	११	५९	५१	०८	५२	२७	११	१७	कन्या ७।१८	०।०२।३१।२३	५८।३६
राक्षस	१४	गु	३३	२६	१९	२९	हस्त	३८	१७	२१	२५	व्या	२२	००	१४	५५	ग	७	०६	८	५७	५५	०७	५३	२८	१२	१८	कन्या	०।०३।२९।५८	५८।३३
पूर्णिमा	१५	शु	२६	३६	१६	४४	चित्रा	३३	२९	१९	२९	ह	१३	३०	११	३०	ब	२६	३६	१६	४४	५९	०६	५३	२९	१३	१९	तुला. ८।२५	०।०४।२८।३२	५८।३१

केतकी अहर्गणः २९२२ वसंतर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक समाप्तिः ७।२१, नवरात्रारम्भः, C
श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, सावान ८, पूभा. शुक्रः १९।३६
भ. २८।१८ उ., मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः,अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, A
भ. १६।११ या. [C घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १, E
कल्पादि, डोलोत्सवः [E कल्पादि, रोहि. भौमः १५।२०
स्कन्द षष्ठी व्र., मीने बुधः २७।५९, वक्री गुरुः ९।५४
भ. १३।२७ उ. २४।३९ या., अशोककलिका प्राशनं
भवान्युत्पत्तिः, श्रीरामनवमी [D जैनमहावीर जयंती, शिवपूजन विशेषः
उदया नवमी, मेषे अश्वि. रविः १३।३८ (सौरः १६।१५)
भ. १७।५२ उ. २८।२७ या., कामदा ११ व्र.स्मार्त, उभा. बुधः F
[F ८।१८, मीने शुक्रः २६।१६ [G लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
उफा. रे. ६ SIIISSIISI रात्रौ लग्न ११,कामदा ११ व्र.वैष्ण., G
हस्ते रे. ७ IIISSISIII रात्रौ लग्न ११,प्रदोषः,हरि दमनोत्सवः, D
भ. १९।२९ उ. ३०।०५ या., उभा. शुक्रः २०।२४
स्वातौ रे. ६ SIIISISSII रात्रौ लग्न ११, श्री हनुमज्जयंती, B

[B मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाख स्नानारंभः, चित्रान्नदानं भक्षणञ्च [A गणगौरी पूजा, मनोरथ तृतीया व्र., सौभाग्य शयन व्र., शिवशक्ति पू.

अयनांशाः २४।०६।१७

पं.५२ चै.शु. २ र. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	१०	८	१०	८	२	८
२२	१०	२५	००	१९	२६	२८	२८
४९	२४	४५	११	१९	०१	२०	२०
३७	४१	५२	१७	५२	०२	३७	३७
५८	३९	४५	०	७२	२	३	३
५८	३२	४७	३६	२१	१०	११	११
रे	रो	पूभा	मू	श	पूषा	पुन	उषा
२	१	२	१	४	४	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अप्रे.	मेष प्रातः	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायं	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
११।२१।५१।३६	१ श	६	६।४३	८।१९	१०।१६	१२।३०	२।५०	५।०७	७।२३	९।४२	१२।०१	२।०५	३।४९	५।१७
११।२२।५०।३६	२ र	७	६।३९	८।१६	१०।१२	१२।२६	२।४७	५।०३	७।१९	९।३८	११।५७	२।०१	३।४५	५।१३
११।२३।४९।३४	३ चं	८	६।३५	८।१२	१०।०८	१२।२३	२।४३	४।५९	७।१५	९।३४	११।५३	१।५८	३।४१	५।०९
११।२४।४८।३०	४ मं	९	६।३१	८।०८	१०।०४	१२।१९	२।३९	४।५६	७।११	९।३०	११।४९	१।५४	३।३७	५।०५
११।२५।४७।२३	५ बु	१०	६।२८	८।०४	१०।००	१२।१५	२।३५	४।५२	७।०७	९।२७	११।४५	१।५०	३।३३	५।०१
११।२६।४६।१४	६ गु	११	६।२४	८।००	९।५६	१२।११	२।३१	४।४८	७।०३	९।२३	११।४१	१।४६	३।२९	४।५८
११।२७।४५।०३	७ शु	१२	६।२०	७।५६	९।५२	१२।०७	२।२७	४।४४	७।००	९।१९	११।३७	१।४२	३।२५	४।५४
११।२८।४३।५०	८ श	१३	६।१६	७।५२	९।४८	१२।०३	२।२३	४।४०	६।५६	९।१५	११।३३	१।३८	३।२१	४।५०
११।२९।४२।३४	९ र	१४	६।१२	७।४८	९।४४	११।५९	२।१९	४।३६	६।५२	९।११	११।२९	१।३४	३।१७	४।४६
००।००।४१।१६	१० चं	१५	६।०८	७।४४	९।४०	११।५५	२।१५	४।३२	६।४८	९।०७	११।२५	१।३०	३।१३	४।४२
००।०१।३९।५६	१२ मं	१६	६।०४	७।४०	९।३६	११।५१	२।११	४।२८	६।४४	९।०३	११।२१	१।२६	३।०९	४।३८
००।०२।३८।३४	१३ बु	१७	६।००	७।३६	९।३२	११।४७	२।०७	४।२४	६।४०	८।५९	११।१८	१।२२	३।०५	४।३४
००।०३।३७।०९	१४ गु	१८	५।५६	७।३२	९।२८	११।४३	२।०३	४।२०	६।३६	८।५५	११।१४	१।१८	३।०१	४।३०
००।०४।३५।४२	१५ शु	१९	५।५२	७।२८	९।२४	११।३९	१।५९	४।१६	६।३२	८।५१	११।१०	१।१४	२।५७	४।२६

संक्रांति फलम्

ता. १४ अप्रेल २०१९
चैत्र शु. ९ रवौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १३।३८ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ७।३८ से १९।३८ तक। (दान- मेष)।

अयनांशाः २४।०६।१८

पं. १ चै.शु.१० सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	११	८	१०	८	२	८
००	१५	०३	००	२८	२६	२७	२७
४०	४०	१३	१०	५९	१५	५५	५५
२८	२०	५८	४६	१३	४६	१२	१२
५८	३९	६७	०	७२	१	३	३
४२	२१	४५	५४	३०	२५	११	११
अ	रो	पूभा	मू	पूभा	पूषा	पुन	उषा
१	२	४	१व	३	४	३	१

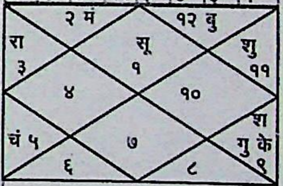

२० अप्रेल से ४ मई तक, श्री वैशास्र कृष्णपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	श	२०	४६	१४	२३	स्वा	२९	४३	१७	५८	व	५[illegible]/५८	४४/५७	२६/२९	३२/३९	कौ	२०	४६	१४	२३	३३/०३	६/०५	६/५४	३०	१४	२०	तुला.	०।०५।२७।०३	५८।२९
उत्पात	२	र	१६	१८	१२	३५	विशा	२७	२२	१७	०१	व्य	५३	३१	२७	२८	ग	१६	१८	१२	३५	०६	०४	५४	१	१५	२१	वृश्चि. ११।११	०।०६।२५।३२	५८।२७
च.व्र.	३	सो	१३	३१	११	२७	अनु	२६	४४	१६	४५	व	४९	३३	२५	५२	वि	१३	३१	११	२७	१०	०३	५५	२	१६	२२	वृश्चि.	०।०७।२३।५९	५८।२५
मुद्गर	४	मं	१२	३९	११	०६	ज्ये	२८	०२	१७	१५	प	४७	११	२४	५४	बा	१२	३९	११	०६	१४	०२	५५	३	१७	२३	धनु. १७।१५	०।०८।२२।२३	५८।२२
ध्वजा	५	बु	१३	४९	११	३३	मूल	३१	१९	१८	३२	शि	४६	२२	२४	३४	तै	१३	४९	११	३३	१८	०१	५६	४	१८	२४	धनु.	०।०९।२०।४६	५८।२०
धाता	६	गु	१६	५५	१२	४६	पूषा	३६	२४	२०	३४	सि	४६	५८	२४	४७	व	१६	५५	१२	४६	२१	००	५७	५	१९	२५	मक. २७।१०	०।१०।१९।०६	५८।१८
आनन्द	७	शु	२१	४१	१४	३९	उषा	४२	५८	२३	१०	सा	४८	४१	२५	२८	ब	२१	४१	१४	३९	२५	५/[illegible]	५७	६	२०	२६	मक.	०।११।१७।२४	५८।१६
सुस्थिर	८	श	२७	३७	१७	०१	श्रव	५०	२९	२६	१०	शु	५१	०६	२६	२५	कौ	२७	३७	१७	०१	२८	५८	५८	७	२१	२७	मक.	०।१२।१५।४०	५८।१४
मातङ्ग	९	र	३४	०५	१९	३५	धनि	५८	१७	२९	१६	शु	५३	४६	२७	२८	तै	०	५०	६	१८	३२	५७	५८	८	२२	२८	कुंभे १५।४३	०।१३।१३।५४	५८।१२
अमृत	१०	सो	४०	२६	२२	०७	शत	...	...	...	...	ब्र	५६	१०	२८	२५	व	७	२०	८	५३	३६	५७	५९	९	२३	२९	कुंभे	०।१४।१२।०६	५८।१०
ए.व्र.	११	मं	४६	०३	२४	२१	शत	५	४६	८	१४	ऐ	५७	५७	२९	०६	व	१३	२२	११	१७	३९	५६	५९	१०	२४	३०	मीने २८।१५	०।१५।१०।१५	५८।०८
पद्म	१२	बु	५०	३३	२६	०८	पूभा	१२	२२	१०	५२	वै	५८	५१	२९	२७	कौ	१८	२९	१३	१८	४३	५५	७/००	११	२५	१	मीने	०।१६।०८।२३	५८।०६
प्र.व्र.	१३	गु	५३	४२	२७	२३	उभा	१७	४८	१३	०१	वि	५८	४१	२९	२३	ग	२२	१९	१४	५०	४६	५४	०१	१२	२६	२	मीने	०।१७।०६।२९	५८।०४
श्रीवत्स	१४	शु	५५	३०	२८	०५	रेव	२१	५४	१४	३९	प्री	५७	३०	२८	५३	वि	२४	४७	१५	४८	५०	५३	०१	१३	२७	३	मेषे १४।३९	०।१८।०४।३२	५८।०२
अमाव.	३०	श	५६	००	२८	१६	अश्वि	२४	४२	१५	४५	आ	५५	१८	२८	००	च	२५	५५	१६	१४	५३	५२	०२	१४	२८	४	मेषे	०।१९।०२।३४	५८।००

वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल-मई २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सायन वृषे भानुः १४।१७
भ. २३।५६ उ., भा. वैशास्रारंभः
भ. ११।२७ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०२, (व) वृश्चिके B
अनुसूया जयंती [B ज्येष्ठा.-४ गुरुः ११।३०
[A व्र.,मेषे अश्वि. बुधः १८।०६, बुधास्तः पूर्वस्याम् १५।१५
भ. १२।४६ उ. २५।३८ या., रेव. बुधः १३।२१
बूढो वास्योड़ो, मृगे भौमः २३।०६
भर. रविः २९।२८
पंचक प्रारम्भः १५।४३, भर. सौरः ८।२८, अगस्त्यास्तः ७।१९
भ. ८।५३ उ. २२।०७ या., रेव. शुक्रः २०।३३
वरुथिनि ११ व्र., वक्री शनिः १६।००
मई ५ ता. ३१
भ. २७।२३ उ., प्रदोषः
भ. १५।४८ या., पंचक समाप्तिः १४।३९, मासिकशिवरात्री A
देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०६।१९

पं. २ वै.कृ. ३ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	शं.	रा.	के.
०	१	११	८	११	८	२	८
०७	२०	११	००	०७	२६	२७	२७
३०	१५	५६	००	२७	२३	३२	३२
४४	२३	००	३०	०५	३६	५७	५७
५८	३९	८३	२	७२	०	३	३
२९	१३	२३	१२	३७	४४	११	११
अ	रो	उभा	मू	उभा	पूषा	पुन	उषा
३	४	३	१व	२	४	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।०५।३४।१३	१ श	२०	५।४८	७।२४	९।२०	११।३५	१।५५	४।१२	६।२८	८।४७	११।०६	१।१०	२।५४	४।२२
००।०६।३२।४२	२ र	२१	५।४४	७।२०	९।१७	११।३१	१।५१	४।०८	६।२४	८।४३	११।०२	१।०६	२।५०	४।१८
००।०७।३१।०८	३ चं	२२	५।४०	७।१६	९।१३	११।२७	१।४७	४।०४	६।२०	८।३९	१०।५८	१।०२	२।४६	४।१४
००।०८।२९।३२	४ मं	२३	५।३६	७।१२	९।०९	११।२३	१।४४	४।००	६।१६	८।३५	१०।५४	१२।५८	२।४२	४।१०
००।०९।२७।५५	५ बु	२४	५।३२	७।०९	९।०५	११।२०	१।४०	३।५६	६।१२	८।३१	१०।५०	१२।५५	२।३८	४।०६
००।१०।२६।१५	६ गु	२५	५।२८	७।०५	९।०१	११।१६	१।३६	३।५२	६।०८	८।२७	१०।४६	१२।५१	२।३४	४।०२
००।११।२४।३२	७ शु	२६	५।२४	७।०१	८।५७	११।१२	१।३२	३।४९	६।०४	८।२३	१०।४२	१२।४७	२।३०	३।५८
००।१२।२२।४८	८ श	२७	५।२१	६।५७	८।५३	११।०८	१।२८	३।४५	६।००	८।२०	१०।३८	१२।४३	२।२६	३।५५
००।१३।२१।०२	९ र	२८	५।१७	६।५३	८।४९	११।०४	१।२४	३।४१	५।५६	८।१६	१०।३४	१२।३९	२।२२	३।५१
००।१४।१९।१३	१० चं	२९	५।१३	६।४९	८।४५	११।००	१।२०	३।३७	५।५३	८।१२	१०।३०	१२।३५	२।१८	३।४७
००।१५।१७।२३	११ मं	३०	५।०९	६।४५	८।४१	१०।५६	१।१६	३।३३	५।४९	८।०८	१०।२६	१२।३१	२।१४	३।४३
००।१६।१५।३०	१२ बु	१	५।०५	६।४१	८।३७	१०।५२	१।१२	३।२९	५।४५	८।०४	१०।२२	१२।२७	२।१०	३।३९
००।१७।१३।३५	१३ गु	२	५।०१	६।३७	८।३३	१०।४८	१।०८	३।२५	५।४१	८।००	१०।१८	१२।२३	२।०६	३।३५
००।१८।११।३९	१४ शु	३	४।५७	६।३३	८।२९	१०।४४	१।०४	३।२१	५।३७	७।५६	१०।१४	१२।१९	२।०२	३।३१
००।१९।०९।४०	३० श	४	४।५३	६।२९	८।२५	१०।४०	१।००	३।१७	५।३३	७।५२	१०।११	१२।१५	१।५८	३।२७

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। कृ. चतुर्दशी को शुक्रवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो पिता-पुत्रों में पराङ्मुखता हो। अमावस्या अश्विनी योग सुभिक्ष और सुखद है। वैशास्री अमावस को अश्विनी होने से महर्ध-समर्ध मध्यम हो। शुक्ला ३ को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला पंचमी को गुरुवार होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर बहुत कष्ट हो। पूर्णिमा विशास्रा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।०६।२०

पं. ३ वै.कृ.१० सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	११	७	११	८	२	८
१४	२४	२२	२९	१५	२६	२७	२७
१९	४९	२३	४१	५५	२६	१०	१०
२९	२५	३६	१९	४३	३९	४२	४२
५८	३९	९७	३	७२	०	३	३
१६	०४	४७	२८	४३	०२	१०	१०
भ	मृ	रे	ज्ये	उभा	पूषा	पुन	उषा
१	१	२	४व	४	४	३	१

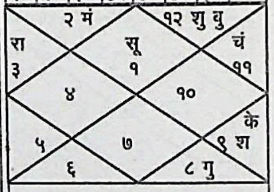

५ मई से १८ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	र	५५	२०	२८	००	भर	२६	१७	१६	२३	सौ	५२	११	२६	४४	किं	२५	४८	१६	११	३२/६६	५/५२	७/०२	१५	२९	५	वृषे २२।२८	०।२०।००।३३	५७।५८
सुस्थिर	२	सो	५३	४०	२७	१९	कृति	२६	५०	१६	३५	शो	४८	१७	२५	१०	बा	२४	३८	१५	४२	३३/००	५१	०३	१६	३०	६	वृषे	०।२०।५८।३१	५७।५६
अक्षया	३	मं	५१	११	२६	१९	रोहि	२६	२९	१६	२६	अ	४३	४२	२३	१९	तै	२२	३२	१४	५१	०३	५०	०३	१७	१	७	मिथु. २८।१५	०।२१।५६।२७	५७।५४
अमृत	४	बु	४७	५९	२५	०१	मृग	२५	२४	१५	५९	सु	३८	३३	२१	१५	व	१९	४१	१३	४२	०६	५०	०४	१८	२	८	मिथु.	०।२२।५४।२१	५७।५२
काण	५	गु	४४	१०	२३	२९	आर्द्रा	२३	४०	१५	१७	धृ	३२	५३	१८	५८	व	१६	१०	१२	१७	०९	४९	०५	१९	३	९	मिथु.	०।२३।५२।१२	५७।५०
लुन्चक	६	शु	३९	५०	२१	४४	पुन	२१	२३	१४	२१	शू	२६	४७	१६	३१	कौ	१२	०५	१०	३८	१२	४८	०५	२०	४	१०	कर्के ८।३६	०।२४।५०।०२	५७।४८
मित्र	७	श	३५	००	१९	४७	पुष्य	१८	३६	१३	१४	गं	२०	१६	१३	५४	ग	७	२९	८	४७	१६	४८	०६	२१	५	११	कर्के	०।२५।४७।५१	५७।४६
वज्र	८	र	२९	४२	१७	४०	श्ले	१५	२१	११	५५	वृ	१३	२३	११	०८	वि	२	२५	६	४५	१९	४७	०६	२२	६	१२	सिंहे ११।५५	०।२६।४५।३७	५७।४५
ध्वाङ्क्ष	९	सो	२४	०२	१५	२३	मघा	११	४२	१०	२७	ध्रु	६/५८	४०/४२	२६/२६	४४/४५	कौ	२४	०२	१५	२३	२२	४६	०७	२३	७	१३	सिंहे	०।२७।४३।२१	५७।४३
धूम्र	१०	मं	१८	०८	१३	०१	पूफा	७	४६	८	५२	ह	५१	०७	२६	१३	ग	१८	०८	१३	०१	२४	४६	०७	२४	८	१४	कन्या १४।२८	०।२८।४१।०४	५७।४१
ए.व्र.	११	बु	१२	०८	१०	३६	उफा	३/५९	४४/४७	७/२९	१५/४०	व	४३	३६	२३	१२	वि	१२	०८	१०	३६	२७	४५	०८	२५	९	१५	कन्या	०।२९।३८।४५	५७।३९
प्र.व्र.	१२	गु	६	१७	८	१६	चित्रा	५६	१५	२८	१५	सि	३६	२०	२०	१७	वा	६	१७	८	१६	३०	४५	०९	२६	१०	१६	तुला. १६।५६	१।००।३६।२४	५७।३८
गद	१३	शु	०	५३	६	०५	स्वा	५३	२५	२७	०६	व्य	२९	३३	१७	३३	तै	०	५३	६	०५	३३	४४	०९	२७	११	१७	तुला.	१।०१।३४।०२	५७।३६
क्षयः	१४	शु	५६	१०	२८	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	श	५२	३०	२६	४४	विशा	५१	३५	२६	२२	व	२३	३०	१५	०७	वि	२४	१२	१५	२४	३६	४४	१०	२८	१२	१८	वृश्चि. २०।३०	१।०२।३१।३८	५७।३४

केतकी अहर्गणः २९५१ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[B शिवाजी जयंती, मिथुने भौमः २९।००
रोहि. रे. ९ ॥।॥।S॥। रात्रौ लग्न ११, १,चंद्रदर्शनम् (मु.४५), B
युगादि, कल्पादि, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया, C
भ. १३।४२ उ. २५।०१ या., पुन.-२ राहुः २१।४७, पूषा.-४ D
श्री आद्यशंकराचार्य जयंती [D केतुः २१।४७
श्री रामानुज जयंती, भर. बुधः २१।४९, मेषे अश्वि. शुक्रः २०।११
भ. १९।४७ उ., गंगोत्पत्ति, कृत्ति. रविः २३।३९ (सौरः २७।२७)
भ. ६।४५ या. [C रमजान ९, टैगोर जयन्ती
सीता ९
भ. २३।४८ उ., उफा. रे. ६ ।S॥।S।SS। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि
भ. १०।३६ या., मोहिनी ११ व्र.,वृषे रविः १०।३२ (सौरः १४।३६)
प्रदोषः
भ. २८।१२ उ.,नृसिंह १४,आर्द्रा. भौमः १२।१०, कृत्ति. बुधः ९।५५
[A पूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदानं, वृषे बुधः २३।१३
भ. १५।२४ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाखस्नान A

अयनांशाः २४।०६।२१

पं. ४ वै.शु. २ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	०	७	११	८	२	८
२१	२९	०४	२९	२४	२६	२६	२६
०६	२२	२८	१३	२५	२४	४८	४८
४६	२७	०२	४१	०२	५५	२८	२८
५८	३८	११०	४	७२	०	३	३
०४	५६	४८	३७	४९	३८	१०	१०
भ	मृ	अ	ज्ये	रे	पूषा	पुन	उषा
३	२	२	४व	३	४व	३	१

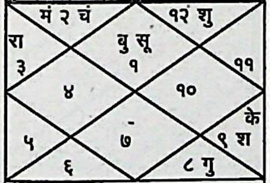

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।२०।०७।३९	१ र	५	४।४९	६।२५	८।२१	१०।३६	१२।५६	३।१३	५।२९	७।४८	१०।०७	१२।११	१।५४	३।२३
००।२१।०५।३७	२ चं	६	४।४५	६।२१	८।१७	१०।३२	१२।५२	३।०९	५।२५	७।४४	१०।०३	१२।०७	१।५१	३।१९
००।२२।०३।३२	३ मं	७	४।४१	६।१७	८।१४	१०।२८	१२।४८	३।०५	५।२१	७।४०	९।५९	१२।०३	१।४७	३।१५
००।२३।०१।२६	४ बु	८	४।३७	६।१३	८।१०	१०।२४	१२।४४	३।०१	५।१७	७।३६	९।५५	११।५९	१।४३	३।११
००।२३।५९।१७	५ गु	९	४।३३	६।०९	८।०६	१०।२०	१२।४०	२।५७	५।१३	७।३२	९।५१	११।५५	१।३९	३।०७
००।२४।५७।०७	६ शु	१०	४।२९	६।०५	८।०२	१०।१६	१२।३७	२।५३	५।०९	७।२८	९।४७	११।५१	१।३५	३।०३
००।२५।५४।५५	७ श	११	४।२५	६।०२	७।५८	१०।१३	१२।३३	२।४९	५।०५	७।२४	९।४३	११।४८	१।३१	२।५९
००।२६।५२।४१	८ र	१२	४।२१	५।५८	७।५४	१०।०९	१२।२९	२।४६	५।०१	७।२०	९।३९	११।४४	१।२७	२।५५
००।२७।५०।२५	९ चं	१३	४।१७	५।५४	७।५०	१०।०५	१२।२५	२।४२	४।५७	७।१७	९।३५	११।४०	१।२३	२।५१
००।२८।४८।०७	१० मं	१४	४।१४	५।५०	७।४६	१०।०१	१२।२१	२।३८	४।५३	७।१३	९।३१	११।३६	१।१९	२।४८
००।२९।४५।४८	११ बु	१५	४।१०	५।४६	७।४२	९।५७	१२।१७	२।३४	४।५०	७।०९	९।२७	११।३२	१।१५	२।४४
०१।००।४३।२७	१२ गु	१६	४।०६	५।४२	७।३८	९।५३	१२।१३	२।३०	४।४६	७।०५	९।२३	११।२८	१।११	२।४०
०१।०१।४१।०४	१३ शु	१७	४।०२	५।३८	७।३४	९।४९	१२।०९	२।२६	४।४२	७।०१	९।१९	११।२४	१।०७	२।३६
०१।०२।३८।४०	१५ श	१८	३।५८	५।३४	७।३०	९।४५	१२।०५	२।२२	४।३८	६।५७	९।१५	११।२०	१।०३	२।३२

संक्रांति फलम्

ता. १५ मई २०१९
वैशा. शु. ११ बुधे वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।३२ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदो लेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः भौमे (स्टै.) २८।०८ से बुधे १०।३२ तक । (दान- गौ) ।

अयनांशाः २४।०६।२२

पं. ५ वै.शु. ९ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	७	०	८	२	८
२७	०३	१७	२८	०२	२६	२६	२६
५२	५४	५९	३८	५४	१८	२६	२६
४२	३२	०९	२२	५८	२८	१३	१३
५७	३८	१२३	५	७२	१	३	३
५३	४८	२३	३७	५४	१८	११	११
कृ	मृ	भ	ज्ये	अ	पूषा	पुन	पूषा
१	४	२	४व	१	४व	२	४

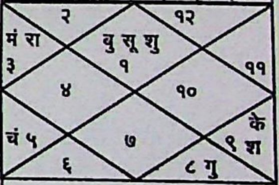

१९ मई से ३ जून तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति गुर्जराः, मई-जून २०१९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मृत्यु	१	र	५०	०६	२५	४६	अनु	५१	०१	२६	०७	प	१८	२२	१३	०४	वा	२१	०८	१४	१०	३३/३८	५/४३	७/१०	२९	१३	१९	वृश्चि.	१।०३।२९।१२	५७।३३	[A मरुस्थले, भाऊका ३०
पद्म	२	सो	४९	१४	२५	२४	ज्ये	५१	५६	२६	२९	शि	१४	२१	११	२७	तै	१९	२९	१३	३०	४१	४३	११	३०	१४	२०	धनु. २६।२९	१।०४।२६।४५	५७।३१	नारद जयंती, वीणादानं
छत्र	३	मं	४९	५९	२५	४२	मूल	५४	२८	२७	२९	सि	११	३६	१०	२०	व	१९	२५	१३	२८	४३	४२	११	३१	१५	२१	धनु.	१।०५।२४।१६	५७।२९	भ. १३।२८ उ. २५।४२ या., सायन मिथुने भानुः १३।२३, C
च.व्र.	४	बु	५२	२५	२६	४०	पूषा	५८	३८	२९	०९	सा	१०	०९	९	४५	ब	२०	५९	१४	०५	४६	४२	१२	१	१६	२२	धनु.	१।०६।२१।४५	५७।२८	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।३५, भा. ज्येष्ठारंभः
सौम्य	५	गु	५६	२५	२८	१५	उषा	...	...	...	...	शु	१०	०१	९	४२	कौ	२४	१४	१५	२३	४८	४१	१३	२	१७	२३	मक. ११।३९	१।०७।१९।१३	५७।२६	रोहि. बुधः १३।००
काल	६	शु	...	...	...	...	उषा	४	१८	७	२४	शु	११	०२	१०	०६	ग	२८	५५	१७	१५	५१	४१	१३	३	१८	२४	मक.	१।०८।१६।३९	५७।२५	[C भर. शुक्रः १९।२२
सुस्थिर	६	श	१	४२	६	२१	श्रव	११	०९	१०	०८	ब्र	१२	५९	१०	५२	व	१	४२	६	२१	५३	४०	१४	४	१९	२५	कुंभे २३।३७	१।०९।१४।०४	५७।२३	भ. ६।२१ उ. १९।३२ या., पंचक प्रारम्भः २३।३७, रोहि. D
मातङ्ग	७	र	७	४६	८	४७	धनि	१८	४१	१३	०८	ऐ	१५	२७	११	५१	व	७	४६	८	४७	५५	४०	१४	५	२०	२६	कुंभे	१।१०।११।२८	५७।२२	[D रविः १९।५४ (सौरः २४।५३)
अमृत	८	सो	१४	००	११	१६	शत	२६	१६	१६	१०	वै	१७	५९	१२	५१	कौ	१४	००	११	१६	५७	४०	१५	६	२१	२७	कुंभे	१।११।०८।५०	५७।२१	[B ता. ३०, मिथुने बुधः २३।१३, कृत्ति. शुक्रः १८।१२
काण	९	मं	१९	४४	१३	३३	पूभा	३३	१५	१८	५८	वि	२०	०६	१३	४२	ग	१९	४४	१३	३३	५९	४०	१५	७	२२	२८	मीने १२।१८	१।१२।०६।११	५७।१९	भ. २६।३३ उ.
लुम्बक	१०	बु	२४	२४	१५	२५	उभा	३९	०८	२१	१८	प्री	२१	२५	१४	१३	वि	२४	२४	१५	२५	३४/०१	३९	१६	८	२३	२९	मीने	१।१३।०३।३०	५७।१८	भ. १५।२५ या., मृगे बुधः १६।५३
ए.व्र.	११	गु	२७	३५	१६	४१	रेव	४३	३२	२३	०४	आ	२१	३७	१४	१८	बा	२७	३५	१६	४१	०३	३९	१६	९	२४	३०	मेषे २३।०४	१।१४।००।४८	५७।१७	पंचक समाप्तिः २३।०४,अपरा ११ व्र.,बुधोदयः पश्चिमायाम् २५।००
प्र.व्र.	१२	शु	२९	१०	१७	१९	अश्वि	४६	१९	२४	११	सौ	२०	३३	१३	५२	तै	२९	१०	१७	१९	०५	३९	१७	१०	२५	३१	मेषे	१।१४।५८।०५	५७।१५	प्रदोषः, (व) ज्येष्ठा.-३ गुरुः ६।४०
ध्वाङ्क्ष	१३	श	२९	०६	१७	१७	भर	४७	३३	२४	४०	शो	१८	११	१२	५५	व	२९	०६	१७	१७	०७	३९	१७	११	२६	१	मेषे	१।१५।५५।२०	५७।१४	भ. १७।१७ उ. २९।०२ या., मासिकशिवरात्री व्र., जून ६ B
धूम्र	१४	र	२७	३१	१६	३९	कृति	४७	२२	२४	३५	अ	१४	३७	११	२९	श	२७	३१	१६	३९	०९	३८	१८	१२	२७	२	वृषे ६।४२	१।१६।५२।३४	५७।१३	वट सावित्री व्र. (मरु.)
अमाव.	३०	सो	२४	३९	१५	३०	रोहि	४५	५८	२४	०१	सु	९	५७	९	३७	ना	२४	३९	१५	३०	१०	३८	१८	१३	२८	३	वृषे	१।१७।४९।४७	५७।१२	शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा.,वटपूजनम् A

अयनांशाः २४।०६।२३

पं. ६ ज्ये.कृ. २ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	१	७	०	८	२	८
०४	०८	०२	२७	११	२६	२६	२६
३७	२५	४५	५६	२५	०७	०३	०३
२६	४४	१४	२५	२७	२८	५८	५८
५७	३८	१३१	६	७२	१	३	३
४४	४०	०३	२८	५८	५६	११	११
कृ	आ	कृ	ज्ये	अ	पूषा	पुन	पूषा
३	१	२	४व	४	४व	२	४

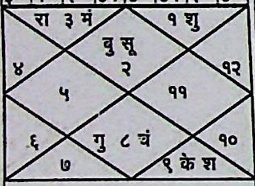

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मई	मेष रात्रौ	वृष प्रातः	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक सायं	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०१।०३।३६।१४	१ र	१९	३।५४	५।३०	७।२६	९।४१	१२।०१	२।१८	४।३४	६।५३	९।११	११।१६	१२।५९	२।२८
०१।०४।३३।४६	२ चं	२०	३।५०	५।२६	७।२२	९।३७	११।५७	२।१४	४।३०	६।४९	९।०७	११।१२	१२।५५	२।२४
०१।०५।३१।१७	३ मं	२१	३।४६	५।२२	७।१८	९।३३	११।५३	२।१०	४।२६	६।४५	९।०४	११।०८	१२।५१	२।२०
०१।०६।२८।४६	४ बु	२२	३।४२	५।१८	७।१४	९।२९	११।४९	२।०६	४।२२	६।४१	९।००	११।०४	१२।४७	२।१६
०१।०७।२६।१४	५ गु	२३	३।३८	५।१४	७।१०	९।२५	११।४५	२।०२	४।१८	६।३७	८।५६	११।००	१२।४४	२।१२
०१।०८।२३।४०	६ शु	२४	३।३४	५।१०	७।०७	९।२१	११।४१	१।५८	४।१४	६।३३	८।५२	१०।५६	१२।४०	२।०८
०१।०९।२१।०५	६ श	२५	३।३०	५।०६	७।०३	९।१७	११।३७	१।५४	४।१०	६।२९	८।४८	१०।५२	१२।३६	२।०४
०१।१०।१८।२८	७ र	२६	३।२६	५।०२	६।५९	९।१३	११।३३	१।५०	४।०६	६।२५	८।४४	१०।४८	१२।३२	२।००
०१।११।१५।५०	८ चं	२७	३।२२	४।५८	६।५५	९।०९	११।३०	१।४६	४।०२	६।२१	८।४०	१०।४४	१२।२८	१।५६
०१।१२।१३।१०	९ मं	२८	३।१८	४।५५	६।५१	९।०६	११।२६	१।४२	३।५८	६।१७	८।३६	१०।४१	१२।२४	१।५२
०१।१३।१०।२९	१० बु	२९	३।१४	४।५१	६।४७	९।०२	११।२२	१।३९	३।५४	६।१३	८।३२	१०।३७	१२।२०	१।४८
०१।१४।०७।४७	११ गु	३०	३।१०	४।४७	६।४३	८।५८	११।१८	१।३५	३।५०	६।१०	८।२८	१०।३३	१२।१६	१।४४
०१।१५।०५।०४	१२ शु	३१	३।०७	४।४३	६।३९	८।५४	११।१४	१।३१	३।४६	६।०६	८।२४	१०।२९	१२।१२	१।४१
०१।१६।०२।१९	१३ श	१	३।०३	४।३९	६।३५	८।५०	११।१०	१।२७	३।४२	६।०२	८।२०	१०।२५	१२।०८	१।३७
०१।१६।५९।३३	१४ र	२	२।५९	४।३५	६।३१	८।४६	११।०६	१।२३	३।३९	५।५८	८।१६	१०।२१	१२।०४	१।३३
०१।१७।५६।४६	३० चं	३	२।५५	४।३१	६।२७	८।४२	११।०२	१।१९	३।३५	५।५४	८।१२	१०।१७	१२।००	१।२९

अयनांशाः २४।०६।२४

पं. ७ ज्ये.कृ. ८ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	१	७	०	८	२	८
११	१२	१८	२७	१९	२५	२५	२५
२१	५६	०४	०९	५६	५२	४१	४१
०३	०७	३९	०९	२७	१०	४३	४३
५७	३८	१२८	७	७३	२	३	३
३५	३४	५८	०६	०२	३१	११	११
रो	आ	रो	ज्ये	भ	पूषा	पुन	पूषा
१	२	३	४व	२	४व	२	४

अयनांशाः २४।०६।२५

पं. ८ ज्ये.कृ.३० सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	२	७	०	८	२	८
१८	१७	०२	२६	२८	२५	२५	२५
०३	२५	२९	१८	२७	३२	१९	१९
४५	४४	०७	०४	५७	५५	२८	२८
५७	३८	११४	७	७३	३	३	३
२८	२८	४५	३०	०७	०३	११	११
रो	आ	मृ	ज्ये	कृ	पूषा	पुन	पूषा
३	४	३	३व	१	४व	२	४

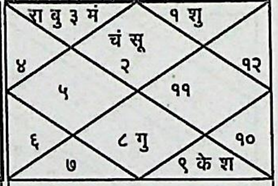

४ जून से १७ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिना सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः २९८१ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, जून २०१९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टैं.टा.में है ।
राक्षस	१	मं	२०	४४	१३	५६	मृग	४३	३८	२३	०५	धृ	४ ५८	३५ ०९	७ २८	२४ ५४	ब	२०	४४	१३	५६	३४ १२	५ ३८	७ १९	१४	२९	४	मिथु. ११।३६	११८।४६।५९	५७।११	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भाऊका-करिदिन, करिदिनं, A
मुसल	२	बु	१६	०१	१२	०२	आर्द्रा	४०	३५	२१	५२	गं	५१	२१	२६	१०	कौ	१६	०१	१२	०२	१३	३८	१९	१५	१	५	मिथु.	११९।४४।१०	५७।१०	रंभा व्रतं, सव्वाल १०, आर्द्रा. बुधः १०।५०
सिद्धि	३	गु	१०	४४	९	५५	पुन	३७	०३	२०	२७	वृ	४४	१२	२३	११	ग	१०	४४	९	५५	१५	३८	२०	१६	२	६	कर्क १४।४९	१२०।४१।२०	५७।०९	भ. २०।४८ उ., प्रताप जयंती
उत्पात	४	शु	५	०४	७	३९	पुष्य	३३	१५	१८	५६	ध्रु	३६	५१	२०	२२	वि	५	०४	७	३९	१६	३८	२०	१७	३	७	कर्क	१२१।३८।२९	५७।०८	भ. ७।३९ या., पुन. भौमः ५।५७
क्षयः	५	शु	५९	१२	२९	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा., वृषे शुक्रः ११।५१
मानस	६	श	५३	१८	२६	५७	श्ले	२२	२०	१७	२२	व्या	२९	२४	१७	२३	कौ	२६	१५	१६	०७	१७	३८	२१	१८	४	८	सिंहे १७।२२	१२२।३५।३६	५७।०७	मघा. रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।। रात्रौ लग्न ११, १, २, मृगे रविः B
मुद्गर	७	र	४७	२९	२४	३७	मघा	२५	२६	१५	४८	ह	२१	५९	१४	२५	ग	२०	२२	१३	४६	१८	३८	२१	१९	५	९	सिंहे	१२३।३२।४३	५७।०६	भ. २४।३७ उ.
ध्वजा	८	सो	४१	५३	२२	२३	पूफा	२१	४३	१४	१९	व	१४	४२	११	३०	वि	१४	३९	११	२९	१९	३८	२१	२०	६	१०	कन्या ११।५८	१२४।२९।४९	५७।०५	भ. ११।२९ या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती
धाता	९	मं	३६	३९	२०	१७	उफा	१८	१८	१२	५७	सि	७	३९	८	४१	वा	९	१३	९	१९	२०	३८	२२	२१	७	११	कन्या	१२५।२६।५३	५७।०४	[B १७।४८ (सौरः २४।१७)
गंगा	१०	बु	३१	५५	१८	२४	हस्त	१५	२१	११	४६	व्य	० ५४	५७ ४३	६ २७	०० ३१	तै	४	१२	७	१९	२१	३८	२२	२२	८	१२	तुला. २३।१६	१२६।२३।५७	५७।०३	भ. २९।३३ उ., गंगा दशहरा व्र., रोहि. शुक्रः १६।४०
ए.व्र.	११	गु	२७	५०	१६	४६	चित्रा	१३	००	१०	५०	प	४९	०५	२५	१६	वि	२७	५०	१६	४६	२२	३८	२२	२३	९	१३	तुला.	१२७।२१।००	५७।०२	भ. १६।४६ या., निर्जला ११ व्र., पुन. बुधः १०।०५
प्र.व्र.	१२	शु	२४	३५	१५	२८	स्वा	११	२५	१०	१२	शि	४४	०९	२३	१७	वा	२४	३५	१५	२८	२३	३८	२३	२४	१०	१४	वृश्चि. २७।५८	१२८।१८।०३	५७।०२	प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः
शुभ	१३	श	२२	१७	१४	३३	विशा	१०	४६	९	५६	सि	४०	०१	२१	३८	तै	२२	१७	१४	३३	२३	३८	२३	२५	११	१५	वृश्चि.	१२९।१५।०४	५७।०१	मिथुने रविः १७।१३ (सौरः २४।३३)
मृत्यु	१४	र	२१	०४	१४	०४	अनु	११	१०	१०	०६	सा	३६	४९	२०	२१	व	२१	०४	१४	०४	२४	३८	२३	२६	१२	१६	वृश्चि.	२।००।१२।०५	५७।००	भ. १४।०४ उ. २६।०० या., गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, C
पूर्णिमा	१५	सो	२१	०३	१४	०३	ज्ये	१२	४३	१०	४३	शु	३४	३४	१९	२८	व	२१	०३	१४	०३	२४	३८	२४	२७	१३	१७	धनु. १०।४३	२।०१।०९।०५	५६।५९	मन्वादि, कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः [C अब्द साध्य व्र.

अयनांशाः २४।०६।२६

पं. ९ ज्ये.शु. ८ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	२	७	१	८	२	८
२४	२१	१५	२५	०६	२५	२४	२४
४५	५४	००	२४	५९	१०	५७	५७
४०	४१	०२	५७	५७	०९	१३	१३
५७	३८	९७	७	७३	३	३	३
२२	२२	०६	३९	११	३०	११	११
मृ	पुन	आ	ज्ये	कृ	पूषा	पुन	पूषा
१	१	३	३व	४	४व	२	४

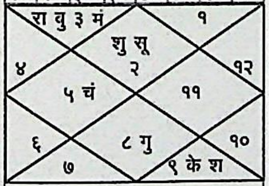

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।१८।५३।५८	१ मं	४	२।५१	४।२७	६।२३	८।३८	१०।५८	१।१५	३।३१	५।५०	८।०८	१०।१३	११।५६	१।२५
०१।१९।५१।०८	२ बु	५	२।४७	४।२३	६।१९	८।३४	१०।५४	१।११	३।२७	५।४६	८।०४	१०।०९	११।५२	१।२१
०१।२०।४८।१८	३ गु	६	२।४३	४।१९	६।१५	८।३०	१०।५०	१।०७	३।२३	५।४२	८।००	१०।०५	११।४८	१।१७
०१।२१।४५।२६	४ शु	७	२।३९	४।१५	६।११	८।२६	१०।४६	१।०३	३।१९	५।३८	७।५७	१०।०१	११।४४	१।१३
०१।२२।४२।३४	६ श	८	२।३५	४।११	६।०७	८।२२	१०।४२	१२।५९	३।१५	५।३४	७।५३	९।५७	११।४०	१।०९
०१।२३।३९।४०	७ र	९	२।३१	४।०७	६।०३	८।१८	१०।३८	१२।५५	३।११	५।३०	७।४९	९।५३	११।३६	१।०५
०१।२४।३६।४५	८ चं	१०	२।२७	४।०३	६।००	८।१४	१०।३४	१२।५१	३।०७	५।२६	७।४५	९।४९	११।३३	१।०१
०१।२५।३३।५०	९ मं	११	२।२३	३।५९	५।५६	८।१०	१०।३०	१२।४७	३।०३	५।२२	७।४१	९।४५	११।२९	१२।५७
०१।२६।३०।५४	१० बु	१२	२।१९	३।५५	५।५२	८।०६	१०।२६	१२।४३	२।५९	५।१८	७।३७	९।४१	११।२५	१२।५३
०१।२७।२७।५७	११ गु	१३	२।१५	३।५१	५।४८	८।०२	१०।२३	१२।३९	२।५५	५।१४	७।३३	९।३७	११।२१	१२।४९
०१।२८।२४।५९	१२ शु	१४	२।११	३।४८	५।४४	७।५९	१०।१९	१२।३५	२।५१	५।१०	७।२९	९।३४	११।१७	१२।४५
०१।२९।२२।००	१३ श	१५	२।०७	३।४४	५।४०	७।५५	१०।१५	१२।३१	२।४७	५।०६	७।२५	९।३०	११।१३	१२।४१
०२।००।१९।०१	१४ र	१६	२।०३	३।४०	५।३६	७।५१	१०।११	१२।२८	२।४३	५।०२	७।२१	९।२६	११।०९	१२।३७
०२।०१।१६।०१	१५ चं	१७	२।००	३।३६	५।३२	७।४७	१०।०७	१२।२४	२।३९	४।५९	७।१७	९।२२	११।०५	१२।३३

संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २०१९

ज्य. शु. १३ शनौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।१३ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुरूदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुरूदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १७।१३ से २३।३७ तक । (दान- वस्त्रान्न) ।

अयनांशाः २४।०६।२६

पं.१० ज्ये.शु.१५ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	२	७	१	८	२	८
०१	२६	२५	२४	१५	२४	२४	२४
२६	२३	२३	३१	३२	४४	३४	३४
५७	०२	०४	३५	३०	२४	५८	५८
५७	३८	७७	७	७३	३	३	३
१७	१७	४२	३२	१६	५३	११	११
मृ	पुन	पुन	ज्ये	रो	पूषा	पुन	पूषा
३	२	२	३व	२	४व	२	४

१८ जून से २ जुलाई तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून-जुलाई २०१९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
छत्र	१	मं	२२	१७	१४	३३	मूल	१५	३०	११	५०	शु	३३	१८	१८	५८	कौ	२२	१७	१४	३३	३४ २५	५ ३८	७ २४	२८	१४	१८	धनु.	२।०२।०६।०५	५६।५९	[B सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन नाग वर्षाश्रेष्ठः
श्रीवत्स	२	बु	२४	४९	१५	३४	पूषा	१९	३३	१३	२७	ब्र	३३	०४	१८	५२	ग	२४	४९	१५	३४	२५	३८	२४	२९	१५	१९	मक. १९।५६	२।०३।०३।०४	५६।५८	भ. २८।१६ उ.
च.ब्र.	३	गु	२८	३६	१७	०५	उषा	२४	४८	१५	३४	ऐ	३३	४७	१९	०९	वि	२८	३६	१७	०५	२५	३९	२५	३०	१६	२०	मक.	२।०४।००।०२	५६।५८	भ. १७।०५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०१, कर्के बुधः २४।१३
धूम्र	४	शु	३३	३१	१९	०३	श्रव	३१	१०	१८	०७	वै	३५	२१	१९	४७	व	०	५५	६	०१	२५	३९	२५	३१	१७	२१	मक.	२।०४।५६।५९	५६।५७	सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ २१।२२
प्रवर्धमा	५	श	३९	१५	२१	२१	धनि	३८	२०	२०	५९	वि	३७	३४	२०	४१	कौ	६	१७	८	१०	२५	३९	२५	१	१८	२२	कुंभे ७।३१	२।०५।५३।५७	५६।५७	पंचक प्रारम्भः ७।३१, भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. रविः १६।५० A
राक्षस	६	र	४५	२३	२३	४८	शत	४५	५४	२४	०१	प्री	४०	०६	२१	४२	ग	१२	१८	१०	३४	२५	३९	२५	२	१९	२३	कुंभे	२।०६।५०।५३	५६।५६	भ. २३।४८ उ., पुष्ये बुधः २९।१५, मृगे शुक्रः १४।४३
मुसल	७	सो	५१	१९	२६	११	पूभा	५३	१७	२६	५८	आ	४२	३०	२२	३९	वि	१८	२५	१३	०१	२५	३९	२५	३	२०	२४	मीने २०।१५	२।०७।४७।५०	५६।५६	भ. १३।०१ या.
सिद्धि	८	मं	५६	२८	२८	१५	उभा	५९	५२	२९	३७	सौ	४४	२२	२३	२५	वा	२४	०३	१५	१७	२४	४०	२५	४	२१	२५	मीने	२।०८।४४।४६	५६।५६	उभा. रे. ८ ॥॥॥ऽ।ऽ रात्रौ लग्न ११, १
उत्पात	९	बु	...	...	...	...	रेव	...	...	...	...	शो	४५	१८	२३	४७	तै	२८	३५	१७	०६	२४	४०	२६	५	२२	२६	मीने	२।०९।४१।४१	५६।५५	(व) ज्येष्ठा.-२ गुरुः २४।४२
मित्र	९	गु	०	१७	५	४७	रेव	५	०९	७	४४	अ	४४	५७	२३	३९	ग	०	१७	५	४७	२४	४०	२६	६	२३	२७	मेषे ७।४४	२।१०।३८।३७	५६।५५	भ. १८।१९ उ., पंचक समाप्तिः ७।४४, पुष्ये भौमः २७।२२
वज्र	१०	शु	२	२५	६	३९	अश्वि	८	४७	९	११	सु	४३	११	२२	५७	वि	२	२५	६	३९	२३	४१	२६	७	२४	२८	मेषे	२।११।३५।३२	५६।५५	भ. ६।३९ या., मिथुने शुक्रः २५।३५
ए.ब्र.	११	श	२	४३	६	४६	भर	१०	३७	९	५६	धृ	३९	५८	२१	४०	वा	२	४३	६	४६	२२	४१	२६	८	२५	२९	वृषे १६।००	२।१२।३२।२६	५६।५५	योगिनी ११ व्र.
प्र.ब्र.	१२	र	१	१२	६	१०	कृति	१०	४०	९	५७	शू	३५	२०	१९	४९	तै	१	१२	६	१०	२२	४१	२६	९	२६	३०	वृषे	२।१३।२९।२१	५६।५४	भ. २८।५३ उ., प्रदोषः
क्षयः	१३	र	५८	००	२८	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A (सौरः २५।०४), कर्के भौमः २१।४४, अयन करिदिन, B
प्रवर्धमा	१४	सो	५३	२१	२७	०२	रोहि	९	०५	९	२०	गं	२९	२७	१७	२८	वि	२५	५०	१६	०२	२१	४२	२६	१०	२७	१	मिथु. २०।४८	२।१४।२६।१५	५६।५४	भ. १६।०२ या., मासिकशिवरात्री व्र., जुलाई ७ ता. ३१
अमाव.	३०	मं	४७	३२	२४	४३	मृग	६	०७	८	०९	वृ	२२	३१	१४	४२	च	२०	३४	१३	५५	२०	४२	२६	११	२८	२	मिथु.	२।१५।२३।१०	५६।५४	देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०६।२७

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.११ आ.कृ. ७ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	३	७	१	८	२	८
०८	००	०३	२३	२४	२४	२४	२४
०७	५०	२१	३९	०५	१६	१२	१२
४८	५१	००	४९	३८	१८	४१	४१
५७	३८	५५	७	७३	४	३	३
१४	१३	०१	१०	२१	१०	११	११
आ	पुन	पु	ज्ये	मृ	पूषा	पुन	पूषा
१	४	१	३व	१	४व	२	४

ब्रह्म र. स्प प्रातः	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन प्रातः	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायं	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०२।०२।१३।००	१ मं	१८	११५६	३।३२	५।२८	७।४३	१०।०३	१२।२०	२।३५	४।५५	७।१३	९।१८	११।०१	१२।३०
०२।०३।०९।५९	२ बु	१९	१।५२	३।२८	५।२४	७।३९	९।५९	१२।१६	२।३२	४।५१	७।०९	९।१४	१०।५७	१२।२६
०२।०४।०६।५७	३ गु	२०	१।४८	३।२४	५।२०	७।३५	९।५५	१२।१२	२।२८	४।४७	७।०५	९।१०	१०।५३	१२।२२
०२।०५।०३।५५	४ शु	२१	१।४४	३।२०	५।१६	७।३१	९।५१	१२।०८	२।२४	४।४३	७।०१	९।०६	१०।४९	१२।१८
०२।०६।००।५२	५ श	२२	१।४०	३।१६	५।१२	७।२७	९।४७	१२।०४	२।२०	४।३९	६।५७	९।०२	१०।४५	१२।१४
०२।०६।५७।४८	६ र	२३	१।३६	३।१२	५।०८	७।२३	९।४३	१२।००	२।१६	४।३५	६।५३	८।५८	१०।४१	१२।१०
०२।०७।५४।४४	७ चं	२४	१।३२	३।०८	५।०४	७।१९	९।३९	११।५६	२।१२	४।३१	६।५०	८।५४	१०।३७	१२।०६
०२।०८।५१।४०	८ मं	२५	१।२८	३।०४	५।००	७।१५	९।३५	११।५२	२।०८	४।२७	६।४६	८।५०	१०।३३	१२।०२
०२।०९।४८।३६	९ बु	२६	१।२४	३।००	४।५६	७।११	९।३१	११।४८	२।०४	४।२३	६।४२	८।४६	१०।२९	११।५८
०२।१०।४५।३१	९ गु	२७	१।२०	२।५६	४।५२	७।०७	९।२७	११।४४	२।००	४।१९	६।३८	८।४२	१०।२६	११।५४
०२।११।४२।२६	१० शु	२८	१।१६	२।५२	४।४९	७।०३	९।२३	११।४०	१।५६	४।१५	६।३४	८।३८	१०।२२	११।५०
०२।१२।३९।२०	११ श	२९	१।१२	२।४८	४।४५	६।५९	९।१९	११।३६	१।५२	४।११	६।३०	८।३४	१०।१८	११।४६
०२।१३।३६।१५	१२ र	३०	१।०८	२।४४	४।४१	६।५५	९।१५	११।३२	१।४८	४।०७	६।२६	८।३०	१०।१४	११।४२
०२।१४।३३।०९	१४ चं	१	१।०४	२।४०	४।३७	६।५१	९।१२	११।२८	१।४४	४।०३	६।२२	८।२६	१०।१०	११।३८
०२।१५।३०।०३	३० मं	२	१।००	२।३७	४।३३	६।४८	९।०८	११।२४	१।४०	३।५९	६।१८	८।२३	१०।०६	११।३४

मास फलम्

चन्द्रग्रहण, ता. १६ जुला. २०१९, मंगलवार, संवत् २०७६

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो ॥ मंगलेम्रियतेराजा ॥ आषाढेकार्तिके मासेफाल्गुनेपिचदैवतः । जायते पंचभौमाश्च पंचमासास्तदाशुभाः आषाढ़ में पांच मंगलवार होने से शुभ हैं। कृष्णा द्वितीया को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो। कृष्णा नौमी को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो। कृष्णा नौमी को गुरुवार होने से सुभिक्ष हो। कृष्णा चतुर्दशी में रोहिणी होने से राजयुद्ध तथा प्रजा में शोक हो। कृष्णा चतुर्दशी को सोमवार होने से धान्य और तृणादि (घास) में कमी हो। मंगलवार की संक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

अयनांशाः २४।०६।२८

पं.१२ आ.कृ.१४ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	३	७	२	८	२	८
१४	०५	०८	२२	०२	२३	२३	२३
४८	१८	२९	५१	३९	४६	५०	५०
२३	१४	०८	२२	२५	३१	२६	२६
५७	३८	२८	६	७३	४	३	३
१३	१०	३७	३३	२७	२१	११	११
आ	पु	पु	ज्ये	मृ	पूषा	पुन	पूषा
३	१	२	२व	३	४व	२	४

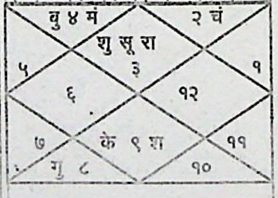

३ जुलाई से १६ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिना सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुसल	१	बु	४०	५१	२२	०३	आर्द्रा	२/५७	०/१३	६/२८	३२/३६	ध्रु	१४	४४	११	३६	किं	१४	१७	११	२५	३४/१९	५/४२	७/२६	१२	२९	३	कर्क २३।०६	२।१६।२०।०४	५६।५४
शुभ	२	गु	३३	३६	११	०९	पुष्य	५१	५३	२६	२८	व्या	६/५७	२३/४१	८/२८	१६/४७	बा	७	१६	८	३७	१८	४३	२६	१३	३०	४	कर्क	२।१७।१६।५८	५६।५४
मृत्यु	३	शु	२६	०७	१६	१०	श्ले	४६	२५	२४	१७	व	४८	५३	२५	१६	ग	२६	०७	१६	१०	१७	४३	२६	१४	१	५	सिंहे २४।१७	२।१८।१३।५२	५६।५४
पद्म	४	श	१८	३८	१३	११	मघा	४१	०५	२२	१०	सि	४०	१२	२१	४९	वि	१८	३८	१३	११	१६	४४	२६	१५	२	६	सिंहे	२।१९।१०।४७	५६।५४
छत्र	५	र	११	३०	१०	२०	पूफा	३६	१०	२०	१२	व्य	३१	५३	१८	२९	बा	११	३०	१०	२०	१४	४४	२६	१६	३	७	कन्या २५।४५	२।२०।०७।४१	५६।५४
श्रीवत्स	६	सो	४	५३	७	४२	उफा	३१	५६	१८	३१	व	२४	०५	१५	२३	तै	४	५३	७	४२	१३	४४	२६	१७	४	८	कन्या	२।२१।०४।३५	५६।५५
क्षयः	७	सो	५९	०७	२९	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सौम्य	८	मं	५४	१६	२७	२७	हस्त	२८	३५	१७	११	प	१७	००	१२	३३	वि	२६	३२	१६	२२	११	४५	२५	१८	५	९	तुला. २८।४०	२।२२।०१।३०	५६।५५
काल	९	बु	५०	३३	२५	५९	चित्रा	२६	१७	१६	१६	शि	१०	४६	१०	०४	वा	२२	१५	१४	३९	१०	४५	२५	१९	६	१०	तुला.	२।२२।५८।२४	५६।५५
सुस्थिर	१०	गु	४८	०२	२४	५८	स्वा	२५	०९	१५	५०	सि	५	२८	७	५७	तै	१९	०७	१३	२५	०८	४६	२५	२०	७	११	तुला.	२।२३।५५।१९	५६।५५
ए.ब्र.	११	शु	४६	४६	२४	२९	विशा	२५	१५	१५	५२	सा	१/५७	०८/५१	६/२८	१४/५५	व	१७	१४	१२	४०	०७	४६	२५	२१	८	१२	वृश्चि. ९।४९	२।२४।५२।१५	५६।५६
अमृत	१२	श	४६	४५	२४	२९	अनु	२६	३५	१६	२५	शु	५५	३१	२७	५९	ब	१६	३५	१२	२५	०५	४७	२५	२२	९	१३	वृश्चि.	२।२५।४९।१०	५६।५६
प्र.ब्र.	१३	र	४७	५४	२४	५७	ज्ये	२९	०५	१७	२५	ब्र	५४	०७	२७	२६	कौ	१७	१०	१२	३९	०३	४७	२४	२३	१०	१४	धनु. १७।२५	२।२६।४६।०६	५६।५६
लुम्बक	१४	सो	५०	०९	२५	५१	मूल	३२	४२	१८	५३	ऐ	५३	३४	२७	१३	ग	१८	५३	१३	२१	०१	४८	२४	२४	११	१५	धनु.	२।२७।४३।०२	५६।५७
पूर्णिमा	१५	मं	५३	२६	२७	१०	पूषा	३७	१९	२०	४४	वै	५३	४७	२७	१९	वि	२१	४०	१४	२८	३३/[illegible]	४८	२४	२५	१२	१६	मक. २७।१५	२।२८।३९।५९	५६।५७

केतकी अहर्गणः ३०१० वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे, जुलाई २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[A पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वायुपरीक्षा, गोपद्मव्रतारंभ, गुरु पूर्णिमा, B चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री जगदीश रथ यात्रा, आर्द्रा. शुक्रः १२।१८ भ. २६।४० उ., जिल्काद ११ [G स्त्री.चं.चं.वाहन मेष अल्पवृष्टिः भ. १३।११ या., पुन. रविः १६।२७ (सौरः २६।३०), सं.स्त्री. G उफा.रे.१० ।।।।।।।।।। रात्रौलग्न ११, २, स्कंधषष्ठी, (व)पूषा.-३ शनिः ६।४४ भ. २९।२३ उ., हस्ते रे. ७ ।।।।।SSS।। रात्रौ लग्न ११, २, F [D पश्चिमायाम् ९।५६, पुन.-१ राहुः १९।२२, पूषा.-३ केतुः १९।२२ भ.१६।२२ या. [F भौमास्तः पश्चिमायाम् १५।३५, वक्रीबुधः १९।५६ स्वातौ रे. ९ S।।।।।।।।। रात्रौ लग्न ११, भड़ली ९, बुधास्तः D मन्वादि, आशा दशमी [B आषाढी योगः, कर्के रविः २८।१०, E भ. १२।४० उ. २४।२९ या., देवशयनी ११ व्र., चातुर्मास C श्रावणे वर्जयेच्छाकम् [C व्रतारंभः, गोपद्मव्रतोद्यापनं प्रदोषः, जया पार्वती व्रतं [E निरयन दक्षिणायनारंभः भ. २५।५१ उ., पुन. शुक्रः ९।१७ भ. १४।२८ या., खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्, मन्वादि, व्यासपूजा, A

अयनांशाः २४।०६।२९

पं.१३ आ.शु. ६ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	३	७	२	८	२	८
२१	०९	१०	२२	११	२३	२३	२३
२८	४५	२०	०७	१३	१५	२८	२८
५२	१६	१२	५०	५७	४६	११	११
५७	३८	१	५	७३	४	३	३
१३	०७	५२	४४	३४	२६	११	११
पुन	पु	पु	ज्ये	आ	पूषा	पुन	पूषा
१	२	३व	२व	२	३व	२	४

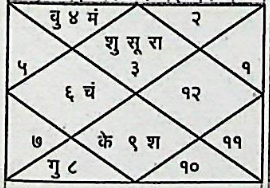

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जुला	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क प्रातः	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर सायं	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०२।१६।२६।५७	१ बु	३	१२।५६	२।३३	४।२९	६।४४	९।०४	११।२१	१।३६	३।५५	६।१४	८।१९	१०।०२	११।३०
०२।१७।२३।५२	२ गु	४	१२।५२	२।२९	४।२५	६।४०	९।००	११।१७	१।३२	३।५२	६।१०	८।१५	९।५८	११।२६
०२।१८।२०।४६	३ शु	५	१२।४९	२।२५	४।२१	६।३६	८।५६	११।१३	१।२८	३।४८	६।०६	८।११	९।५४	११।२३
०२।१९।१७।४०	४ श	६	१२।४५	२।२१	४।१७	६।३२	८।५२	११।०९	१।२५	३।४४	६।०२	८।०७	९।५०	११।१९
०२।२०।१४।३४	५ र	७	१२।४१	२।१७	४।१३	६।२८	८।४८	११।०५	१।२१	३।४०	५।५८	८।०३	९।४६	११।१५
०२।२१।११।२८	६ चं	८	१२।३७	२।१३	४।०९	६।२४	८।४४	११।०१	१।१७	३।३६	५।५४	७।५९	९।४२	११।११
०२।२२।०८।२३	८ मं	९	१२।३३	२।०९	४।०५	६।२०	८।४०	१०।५७	१।१३	३।३२	५।५०	७।५५	९।३८	११।०७
०२।२३।०५।१८	९ बु	१०	१२।२९	२।०५	४।०१	६।१६	८।३६	१०।५३	१।०९	३।२८	५।४६	७।५१	९।३४	११।०३
०२।२४।०२।१२	१० गु	११	१२।२५	२।०१	३।५७	६।१२	८।३२	१०।४९	१।०५	३।२४	५।४२	७।४७	९।३०	१०।५९
०२।२४।५९।०८	११ शु	१२	१२।२१	१।५७	३।५३	६।०८	८।२८	१०।४५	१।०१	३।२०	५।३९	७।४३	९।२६	१०।५५
०२।२५।५६।०३	१२ श	१३	१२।१७	१।५३	३।४९	६।०४	८।२४	१०।४१	१२।५७	३।१६	५।३५	७।३९	९।२२	१०।५१
०२।२६।५२।५९	१३ र	१४	१२।१३	१।४९	३।४५	६।००	८।२०	१०।३७	१२।५३	३।१२	५।३१	७।३५	९।१८	१०।४७
०२।२७।४९।५५	१४ चं	१५	१२।०९	१।४५	३।४१	५।५६	८।१६	१०।३३	१२।४९	३।०८	५।२७	७।३१	९।१५	१०।४३
०२।२८।४६।५२	१५ मं	१६	१२।०५	१।४१	३।३८	५।५२	८।१२	१०।२९	१२।४५	३।०४	५।२३	७।२७	९।११	१०।३९

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०१९

आषा. शु. १५ भौमे कर्कऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।१० वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभोऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १६।१० से २८।१० तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २४।०६।३०

पं.१४ आ.शु.१४ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	३	७	२	८	२	८
२८	१४	०८	२१	१९	२२	२३	२३
०९	१२	३२	३०	४९	४४	०५	०५
२६	०१	४५	३५	१७	५०	५४	५४
५७	३८	३१	४	७३	४	३	३
१४	०६	५९	४४	४१	२४	११	११
पुन	पु	पु	ज्ये	आ	पूषा	पुन	पूषा
३	४	२व	२व	४	३व	१	३

१७ जुलाई से १ अगस्त तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
वज्र	१	बु	५७	३७	२८	५१	उषा	४२	५१	२२	५७	वि	५४	४३	२७	४२	बा	२५	२४	१५	५८	३३/५७	५/४९	७/२३	२६	१३	१७	मक.	२।२९।३६।५६	५६।५८
बृहत्तल्पा	२	गु	...	...	...	...	श्रव	४९	११	२५	२९	प्री	५६	१७	२८	२०	तै	३०	०१	१७	५०	५५	४९	२३	२७	१४	१८	मक.	३।००।३३।५४	५६।५८
धाता	२	शु	२	३५	६	५२	धनि	५६	११	२८	१८	आ	५८	२२	२९	१०	ग	२	३५	६	५२	५३	५०	२३	२८	१५	१९	कुंभे १४।५२	३।०१।३०।५२	५६।५९
च.व्र.	३	श	८	१५	९	०८	शत	...	...	...	...	सौ	...	...	...	...	वि	८	१५	९	०८	५०	५०	२२	२९	१६	२०	कुंभे	३।०२।२७।५१	५६।५९
राक्षस	४	र	१४	१८	११	३४	शत	३	३६	७	१७	सौ	०	४५	६	०९	बा	१४	१८	११	३४	४८	५१	२२	३०	१७	२१	मीने २७।३३	३।०३।२४।५०	५७।००
मुसल	५	सो	२०	२२	१४	००	पूभा	११	०८	१०	१८	शो	३	१६	७	१०	तै	२०	२२	१४	००	४६	५१	२१	३१	१८	२२	मीने	३।०४।२१।५०	५७।०१
सिद्धि	६	मं	२५	५९	१६	१५	उभा	१८	१७	१३	११	अ	५	३०	८	०४	व	२५	५९	१६	१५	४३	५२	२१	१	१९	२३	मीने	३।०५।१८।५१	५७।०१
उत्पात	७	बु	३०	३७	१८	०७	रेव	२४	३२	१५	४१	सु	७	०७	८	४३	व	३०	३७	१८	०७	४१	५२	२१	२	२०	२४	मेषे १५।४१	३।०६।१५।५२	५७।०२
मानस	८	गु	३३	४७	१९	२३	अश्वि	२९	२५	१७	३९	धृ	७	४३	८	५८	वा	२	२३	६	५०	३८	५३	२०	३	२१	२५	मेषे	३।०७।१२।५५	५७।०३
मुद्गर	९	शु	३५	११	१९	५८	भर	३२	३७	१८	५६	शू	७	०३	८	४३	तै	४	४२	७	४६	३५	५३	२०	४	२२	२६	वृषे २५।०८	३।०८।०९।५८	५७।०४
ध्वजा	१०	श	३४	४०	१९	४६	कृति	३३	५५	१९	२८	गं	४	५४	७	५२	व	५	१०	७	५८	३३	५४	१९	५	२३	२७	वृषे	३।०९।०७।०१	५७।०५
ए.व्र.	११	र	३२	१३	१८	४८	रोहि	३३	१९	१९	१४	वृ	१/५६	५३/०१	६/२८	२४/११	व	३	४०	७	२३	३०	५४	१८	६	२४	२८	वृषे	३।१०।०४।०६	५७।०६
प्र.व्र.	१२	सो	२७	५८	१७	०६	मृग	३०	५६	१८	१७	व्या	४९	२४	२५	४०	कौ	०	१७	६	०२	२७	५५	१८	७	२५	२९	मिथु. ६।५१	३।११।०१।१२	५७।०७
चर	१३	मं	२२	०७	१४	४६	आर्द्रा	२६	५८	१६	४३	ह	४१	३३	२२	३३	व	२२	०७	१४	४६	२४	५६	१७	८	२६	३०	मिथु.	३।११।५८।१८	५७।०८
गद	१४	बु	१४	५८	११	५५	पुन	२१	४३	१४	३७	व	३२	४२	१९	०१	श	१४	५८	११	५५	२१	५६	१७	९	२७	३१	कर्के ९।११	३।१२।५५।२६	५७।०९
अमाव.	३०	गु	६	५१	८	४१	पुष्य	१५	३२	१२	०९	सि	२३	१०	१५	१२	ना	६	५१	८	४१	१८	५७	१६	१०	२८	१	कर्के	३।१३।५२।३४	५७।१०

वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे आपाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई-अगस्त २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
ग्रहण-करिदिन, नक्त व्रतारंभः, कर्के सौरः १५।३२
बृहत्तल्पा, श्लेषा. भौमः २७।०४
भ. १९।५८ उ., पंचक प्रारम्भः १४।५२
भ. ९।०८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५४, A
शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ११।२१
नागपञ्चमी (मरु.), (व) पुन. बुधः २९।०७
भ. १६।१५ उ. २९।१५ या., भा. श्रावणारंभः, सायन सिंहे E
पंचक समाप्तिः १५।४१ [E भानुः ८।२१, कर्के शुक्रः १२।३५
पुष्ये शुक्रः २९।३६
[A पुष्ये रविः १६।०१ (सौरः २७।४८), B
भ. ७।५८ उ. १९।४६ या.
कामिका ११ व्र. [B सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन स्वर वर्षाश्रेष्ठः
प्रदोषः, (व) मिथुने बुधः २२।०३ [D पूर्वस्याम् ६।५२
भ. १४।४६ उ. २५।२४ या., मासिकशिवरात्री व्र., बुधोदयः D
पितृकार्येऽमा. [C तिलकपुण्यतिथि, मार्गी बुधः १७।४७
देवकार्येऽमा., हरियाली ३०, अगस्त ८ ता. ३१, C

शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०६।३१

पं.१५ श्रा.कृ. ५ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	३	७	२	८	२	८
०४	१८	०४	२१	२८	२२	२२	२२
५०	३८	००	००	२५	१४	४३	४३
१५	३६	२३	४४	३१	२८	३८	३८
५७	३८	४१	३	७३	४	३	३
१८	०४	४०	३७	४९	१५	११	११
पु	श्ले	पु	ज्ये	पुन	पूषा	पुन	पूषा
१	१	१व	२व	३	३व	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।२९।४३।४९	१ बु	१७	१२।०१	१।३७	३।३४	५।४८	८।०८	१०।२५	१२।४१	३।००	५।१९	७।२३	९।०७	१०।३५
०३।००।४०।४७	२ गु	१८	११।५७	१।३३	३।३०	५।४४	८।०५	१०।२१	१२।३७	२।५६	५।१५	७।१९	९।०३	१०।३१
०३।०१।३७।४५	२ शु	१९	११।५३	१।३०	३।२६	५।४०	८।०१	१०।१७	१२।३३	२।५२	५।११	७।१५	८।५९	१०।२७
०३।०२।३४।४४	३ श	२०	११।४९	१।२६	३।२२	५।३७	७।५७	१०।१३	१२।२९	२।४८	५।०७	७।१२	८।५५	१०।२३
०३।०३।३१।४३	४ र	२१	११।४५	१।२२	३।१८	५।३३	७।५३	१०।१०	१२।२५	२।४४	५।०३	७।०८	८।५१	१०।१९
०३।०४।२८।४३	५ चं	२२	११।४१	१।१८	३।१४	५।२९	७।४९	१०।०६	१२।२१	२।४१	४।५९	७।०४	८।४७	१०।१५
०३।०५।२५।४४	६ मं	२३	११।३८	१।१४	३।१०	५।२५	७।४५	१०।०२	१२।१७	२।३७	४।५५	७।००	८।४३	१०।१२
०३।०६।२२।४५	७ बु	२४	११।३४	१।१०	३।०६	५।२१	७।४१	९।५८	१२।१४	२।३३	४।५१	६।५६	८।३९	१०।०८
०३।०७।१९।४७	८ गु	२५	११।३०	१।०६	३।०२	५।१७	७।३७	९।५४	१२।१०	२।२९	४।४७	६।५२	८।३५	१०।०४
०३।०८।१६।५०	९ शु	२६	११।२६	१।०२	२।५८	५।१३	७।३३	९।५०	१२।०६	२।२५	४।४३	६।४८	८।३१	१०।००
०३।०९।१३।५४	१० श	२७	११।२२	१२।५८	२।५४	५।०९	७।२९	९।४६	१२।०२	२।२१	४।३९	६।४४	८।२७	९।५६
०३।१०।१०।५९	११ र	२८	११।१८	१२।५४	२।५०	५।०५	७।२५	९।४२	११।५८	२।१७	४।३५	६।४०	८।२३	९।५२
०३।११।०८।०४	१२ चं	२९	११।१४	१२।५०	२।४६	५।०१	७।२१	९।३८	११।५४	२।१३	४।३१	६।३६	८।१९	९।४८
०३।१२।०५।११	१३ मं	३०	११।१०	१२।४६	२।४२	४।५७	७।१७	९।३४	११।५०	२।०९	४।२८	६।३२	८।१५	९।४४
०३।१३।०२।१९	१४ बु	३१	११।०६	१२।४२	२।३८	४।५३	७।१३	९।३०	११।४६	२।०५	४।२४	६।२८	८।११	९।४०
०३।१३।५९।२७	३० गु	१	११।०२	१२।३८	२।३४	४।४९	७।०९	९।२६	११।४२	२।०१	४।२०	६।२४	८।०७	९।३६

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो। बुधेरसक्षयोभूम्यां ॥ परञ्च- श्रावण में पांच बुधवार शुभद हैं। अपरञ्च- चन्द्रजीवौयदापंचधान्यादीनांसमर्घता ॥ इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो लेकिन श्रावण में पांच बृहस्पतिवार होने से दुर्भिक्ष हो तथा छत्रभंग हो। मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो।

अयनांशाः २४।०६।३२

पं.१६ श्रा.कृ.१२ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	३	७	३	८	२	८
११	२३	००	२०	०७	२१	२२	२२
३१	०५	१०	३९	०२	४५	२१	२१
३१	०५	११	०२	३९	२५	२३	२३
५७	३८	१५	२	७३	४	३	३
२२	०४	०९	२४	५७	००	११	११
पु	श्ले	पुन	ज्ये	पु	पूषा	पुन	पूषा
३	२	४व	२व	२	३व	१	३

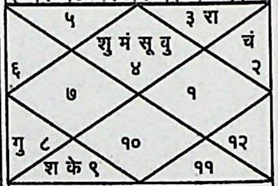

२ अगस्त से १५ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	गु	५८	०८	२९	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिंधारा	२	शु	४९	०९	२५	३७	श्ले	८	४७	९	२८	व्य	१३	११	११	१४	बा	२३	३९	१५	२५	३३/५५	५/५७	७/१५	११	२९	२	सिंहे ९।२८	३।१४।४९।४४	५७।११
तीज	३	श	४०	२२	२२	०६	मघा	१/५५	५४/१८	६/२८	४३/०५	व	३/५३	०८/१९	७/२७	१३/१७	तै	१४	४३	११	५१	१२	५८	१५	१२	१	३	सिंहे	३।१५।४६।५५	५७।१२
मित्र	४	र	३२	०८	१८	४९	उफा	४९	२०	२५	४२	शि	४४	०१	२३	३५	व	६	०८	८	२५	०९	५८	१४	१३	२	४	कन्या ९।२७	३।१६।४४।०६	५७।१३
वज्र	५	सो	२४	४८	१५	५४	हस्त	४४	२५	२३	४५	सि	३५	३४	२०	१२	बा	२४	४८	१५	५४	०६	५९	१३	१४	३	५	कन्या	३।१७।४१।१९	५७।१४
ध्वाङ्क्ष	६	मं	१८	४२	१३	२८	चित्रा	४०	५०	२२	१९	सा	२८	१०	१७	१५	तै	१८	४२	१३	२८	०३	५९	१२	१५	४	६	तुला. १०।५८	३।१८।३८।३३	५७।१५
धूम्र	७	बु	१४	०६	११	३८	स्वा	३८	४९	२१	३१	शु	२२	०१	१४	४८	व	१४	०६	११	३८	००	६/००	१२	१६	५	७	तुला.	३।१९।३५।४९	५७।१७
प्रवर्धमा	८	गु	११	०८	१०	२८	विशा	३८	२८	२१	२४	शु	१७	१३	१२	५४	व	११	०८	१०	२८	२२/२६	००	११	१७	६	८	वृश्चि. १५।२२	३।२०।३३।०५	५७।१८
राक्षस	९	शु	९	५४	९	५८	अनु	३९	४७	२१	५६	ब्र	१३	४६	११	३१	कौ	९	५४	९	५८	५३	०१	१०	१८	७	९	वृश्चि.	३।२१।३०।२३	५७।१९
मुसल	१०	श	१०	१८	१०	०८	ज्ये	४२	३८	२३	०५	ऐ	११	३८	१०	४१	ग	१०	१८	१०	०८	५०	०१	०९	१९	८	१०	धनु. २३।०५	३।२२।२७।४२	५७।२१
ए.ब्र.	११	र	१२	११	१०	५४	मूल	४६	५०	२४	४६	वै	१०	४०	१०	१८	वि	१२	११	१०	५४	४६	०२	०८	२०	९	११	धनु.	३।२३।२५।०३	५७।२२
प्र.ब्र.	१२	सो	१५	१९	१२	१०	पूषा	५२	०७	२६	५३	वि	१०	४१	१०	१९	बा	१५	१९	१२	१०	४३	०२	०८	२१	१०	१२	धनु.	३।२४।२२।२५	५७।२३
मानस	१३	मं	१९	२९	१३	५०	उषा	५८	१३	२९	२०	प्री	११	२८	१०	३८	तै	१९	२९	१३	५०	३९	०३	०७	२२	११	१३	मक. ९।२८	३।२५।१९।४८	५७।२५
मुद्गर	१४	बु	२४	२३	१५	४९	श्रव	...	...	...	...	आ	१२	५२	११	१२	व	२४	२३	१५	४९	३६	०३	०६	२३	१२	१४	मक.	३।२६।१७।१३	५७।२६
पूर्णिमा	१५	गु	२९	४९	१८	००	श्रव	४	५४	८	०२	सौ	१४	४२	११	५७	व	२९	४९	१८	००	३२	०४	०५	२४	१३	१५	कुंभे २१।२६	३।२७।१४।३९	५७।२८

केतकी अहर्गणः ३०४० वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे, अगस्त २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A पंचकप्रारम्भः २१।२६,हयग्रीवजयंती,नारियल १५,यजुर्वेदि, B
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे
तीज,स्वर्णगौरीव्र.,मधुश्रवाव्र.(गुर्जरे),सुकृततृतीया व्र.,जिल्हेज C
भ. ८।२५ उ. १८।४९ या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र.
कल्की जयंती, नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., वर्णषष्ठी, रोटक D
शीतला [B तैत्तरीय, हिरण्यकेशीय, आपस्तंभ, बौधायन,काण्व E
भ. ११।३८ उ. २२।५८ या., तुलसी जयंती, दुर्गाष्टमी
सिंहे मघा. भौमः २७।३४ [E मध्यन्दिन (कात्या.), अथर्ववेदि H
पुष्ये बुधः ११।१७ [H उपाकर्म, भारतीयस्वतंत्रतादिवस
भ. २२।२७ उ. [D व्रतारंभः,सोमेश्वरपूजनं, श्लेषा. शुक्रः २५।१२
भ.१०।५४ या.,पवित्रा ११ व्र. [F सं.स्री.स्री.चं.सू.वाहन मण्डूक अल्पवृष्टिः
प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, मार्गी गुरुः ६।४५
[C १२, श्लेषा.रविः १४।५७ (सौरः २८।१५),कर्के बुधः १२।३९, F
भ.१५।४९ उ. २८।५३ या.,सूणमाण्डणा (भद्रा के पूर्व),ऋग्वेदि उपाकर्म
रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है),श्रावणी (मरु), पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २४।०६।३३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.१७ श्रा.शु. ५ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	३	७	३	८	२	८
१८	२७	००	२०	१५	२१	२१	२१
१३	३१	३४	२६	४०	१८	५९	५९
२३	३४	१५	०५	४३	२५	०७	०७
५७	३८	२९	१	७४	३	३	३
२८	०४	०३	०७	०५	३९	११	११
श्ले	श्ले	पुन	ज्ये	पु	पूषा	पुन	पूषा
१	४	४	२व	४	३व	१	३

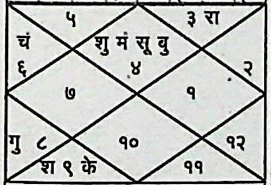

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।१४।५६।३७	२ शु	२	१०।५८	१२।३४	२।३१	४।४५	७।०५	९।२२	११।३८	१।५७	४।१६	६।२०	८।०४	९।३२
०३।१५।५३।४८	३ श	३	१०।५४	१२।३०	२।२७	४।४१	७।०१	९।१८	११।३४	१।५३	४।१२	६।१६	८।००	९।२८
०३।१६।५०।५९	४ र	४	१०।५०	१२।२६	२।२३	४।३७	६।५७	९।१४	११।३०	१।४९	४।०८	६।१२	७।५६	९।२४
०३।१७।४८।१२	५ चं	५	१०।४६	१२।२२	२।१९	४।३३	६।५४	९।१०	११।२६	१।४५	४।०४	६।०८	७।५२	९।२०
०३।१८।४५।२७	६ मं	६	१०।४२	१२।१९	२।१५	४।३०	६।५०	९।०६	११।२२	१।४१	४।००	६।०५	७।४८	९।१६
०३।१९।४२।४२	७ बु	७	१०।३८	१२।१५	२।११	४।२६	६।४६	९।०२	११।१८	१।३७	३।५६	६।०१	७।४४	९।१२
०३।२०।३९।५९	८ गु	८	१०।३४	१२।११	२।०७	४।२२	६।४२	८।५९	११।१४	१।३३	३।५२	५।५७	७।४०	९।०८
०३।२१।३७।१७	९ शु	९	१०।३१	१२।०७	२।०३	४।१८	६।३८	८।५५	११।१०	१।३०	३।४८	५।५३	७।३६	९।०४
०३।२२।३४।३६	१० श	१०	१०।२७	१२।०३	१।५९	४।१४	६।३४	८।५१	११।०६	१।२६	३।४४	५।४९	७।३२	९।०१
०३।२३।३१।५७	११ र	११	१०।२३	११।५९	१।५५	४।१०	६।३०	८।४७	११।०३	१।२२	३।४०	५।४५	७।२८	८।५७
०३।२४।२९।१९	१२ चं	१२	१०।१९	११।५५	१।५१	४।०६	६।२६	८।४३	१०।५९	१।१८	३।३६	५।४१	७।२४	८।५३
०३।२५।२६।४२	१३ मं	१३	१०।१५	११।५१	१।४७	४।०२	६।२२	८।३९	१०।५५	१।१४	३।३२	५।३७	७।२०	८।४९
०३।२६।२४।०७	१४ बु	१४	१०।११	११।४७	१।४३	३।५८	६।१८	८।३५	१०।५१	१।१०	३।२८	५।३३	७।१६	८।४५
०३।२७।२१।३४	१५ गु	१५	१०।०७	११।४३	१।३९	३।५४	६।१४	८।३१	१०।४७	१।०६	३।२४	५।२९	७।१२	८।४१

अयनांशाः २४।०६।३४

पं.१८ श्रा.शु.१२ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	७	३	८	२	८
२४	०१	०६	२०	२४	२०	२१	२१
५६	५८	०७	२२	१९	५४	३६	३६
०२	०८	२०	१०	४०	०६	५०	५०
५७	३८	७१	०	७४	३	३	३
३६	०६	१०	११	१२	१३	११	११
श्ले	म	पु	ज्ये	श्ले	पूषा	पुन	पूषा
३	१	१	२	३	३व	१	३

९ के

१६ अगस्त से ३० अगस्त तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | **वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २०१९**

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
धाता	१	शु	३५	३८	२०	२०	धनि	१२	०१	१०	५३	शो	१६	५०	१२	४८	वा	२	४१	७	०९	३२/३९	६/०४	७/०४	२५	१४	१६	कुंभे	३।२८।१२।०७	५७।२९	सिंहे मघा. शुक्रः २०।०७
आनन्द	२	श	४१	४०	२२	४५	शत	१९	२३	१३	५०	अ	१९	०९	१३	४५	तै	८	३८	९	३२	२५	०५	०३	२६	१५	१७	कुंभे	३।२९।०९।३७	५७।३१	सिंहे मघा. रविः १२।४० (सौरः २७।०७), सं.स्त्री.पु.चं.सू. C
चर	३	र	४७	४२	२५	१०	पूभा	२६	४९	१६	४९	सु	२१	३३	१४	४३	व	१४	४१	११	५८	२२	०५	०२	२७	१६	१८	मीने १०।०५	४।००।०७।०७	५७।३२	भ. ११।५८ उ. २५।१० या., कज्जली(बूढी ३)
च.व्र.	४	सो	५३	२६	२७	२८	उभा	३४	०५	१९	४४	धृ	२३	४८	१५	३७	ब	२०	३७	१४	२१	१८	०६	०१	२८	१७	१९	मीने	४।०१।०४।४०	५७।३४	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३१, श्लेषा. बुधः १२।२३
शुभ	५	मं	५८	३१	२९	३१	रेव	४०	४९	२२	२६	शू	२५	४१	१६	२३	कौ	२६	०४	१६	३२	१४	०६	००	२९	१८	२०	मेषे २२।२६	४।०२।०२।१४	५७।३६	पंचक समाप्तिः २२।२६ [C वाहन मूषक वर्षाश्रेष्ठः
मृत्यु	६	बु	...	...	...	...	अश्वि	४६	३९	२४	४७	गं	२६	५६	१६	५३	ग	३०	४१	१८	२३	११	०७	६/५	३०	१९	२१	मेषे	४।०२।५९।५०	५७।३७	बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, चंद्रषष्ठी (मरु.)
पद्म	६	गु	२	३१	७	०८	भर	५१	११	२६	३६	वृ	२७	१३	१७	०१	व	२	३१	७	०८	०७	०७	५८	३१	२०	२२	मेषे	४।०३।५७।२७	५७।३९	भ. ७।०८ उ. १९।४४ या., शीतला व्र.
जन्माष्ट.	७	शु	५	०८	८	११	कृति	५४	०७	२७	४७	ध्रु	२६	१९	१६	४०	व	५	०८	८	११	०३	०८	५७	१	२१	२३	वृषे ८।५७	४।०४।५५।०६	५७।४१	मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. स्मा., भा. भाद्रपदारंभः, सायन B
जन्माष्ट.	८	श	६	०२	८	३३	रोहि	५५	१५	२८	१४	व्या	२४	०१	१५	४५	कौ	६	०२	८	३३	३१/५९	०८	५६	२	२२	२४	वृषे	४।०५।५२।४७	५७।४३	जन्माष्टमी व्र. वैष्ण., बुधास्तः पूर्वस्याम् ९।१६
गोगा	९	र	५	०४	८	११	मृग	५४	२९	२७	५६	ह	२०	१२	१४	१४	ग	५	०४	८	११	५६	०९	५५	३	२३	२५	मिथु. १६।११	४।०६।५०।३०	५७।४४	भ. १९।४२ उ., गोगानवमी [B कन्यायां भानुः १५।३४
ए.व्र.	१०	सो	२	११	७	०२	आर्द्रा	५१	५२	२६	५४	व	१४	५२	१२	०६	वि	२	११	७	०२	५२	०९	५४	४	२४	२६	मिथु.	४।०७।४८।१४	५७।४६	भ. ७।०२ या., अजा ११ व्र.स्मार्त, सिंहे मघा. बुधः १४।२३
क्षयः	११	सो	५७	२९	२९	०९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०
ए.व्र.	१२	मं	५१	०५	२६	३६	पुन	४७	३३	२५	११	सि	८/५९	०१/५४	९/३०	२२/०७	कौ	२४	२८	१५	५७	४८	१०	५३	५	२५	२७	कर्के १९।४०	४।०८।४६।०१	५७।४८	अजा ११ व्र.वैष्ण., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, पूफा. शुक्रः १४।२७
प्र.व्र.	१३	बु	४३	१७	२३	२९	पुष्य	४१	४९	२२	५४	व	५०	३६	२६	२५	ग	१७	२०	१३	०६	४४	१०	५२	६	२६	२८	कर्के	४।०९।४३।४९	५७।५०	भ.२३।२९ उ.,प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., अगस्त्योदयः १२।३४
अमृत	१४	गु	३४	२७	१९	५७	श्ले	३५	०१	२०	११	प	४०	२९	२२	२२	वि	८	५८	९	४६	४०	११	५१	७	२७	२९	सिंहे २०।११	४।१०।४१।३९	५७।५२	भ. ९।४६ या., पूफा. भौमः २७।१७
अमाव.	३०	शु	२४	५५	१६	०९	मघा	२७	३२	१७	१२	शि	२९	५०	१८	०७	ना	२४	५५	१६	०९	३६	११	५०	८	२८	३०	सिंहे	४।११।३९।३०	५७।५४	कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति A

अयनांशाः २४।०६।३५

पं.१९ भा.कृ. ४ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	३	७	४	८	२	८
०१	०६	१६	२०	०२	२०	२१	२१
३९	२४	१२	२७	५९	३३	१४	१४
३६	५३	४४	२०	२६	०२	३५	३५
५७	३८	१०४	१	७४	२	३	३
४४	०८	२०	२९	१९	४३	११	११
म	म	पु	ज्ये	म	पूषा	पुन	पूषा
१	२	४	२	१	३व	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायं	मीन रात्रौ
०३।२८।१९।०१	१ शु	१६	१०।०३	११।३९	१।३५	३।५०	६।१०	८।२७	१०।४३	१।०२	३।२१	५।२५	७।०८	८।३७
०३।२९।१६।३१	२ श	१७	९।५९	११।३५	१।३१	३।४६	६।०६	८।२३	१०।३९	१२।५८	३।१७	५।२१	७।०४	८।३३
०४।००।१४।०२	३ र	१८	९।५५	११।३१	१।२७	३।४२	६।०२	८।१९	१०।३५	१२।५४	३।१३	५।१७	७।००	८।२९
०४।०१।११।३५	४ चं	१९	९।५१	११।२७	१।२३	३।३८	५।५८	८।१५	१०।३१	१२।५०	३।०९	५।१३	६।५७	८।२५
०४।०२।०९।०९	५ मं	२०	९।४७	११।२३	१।२०	३।३४	५।५४	८।११	१०।२७	१२।४६	३।०५	५।०९	६।५३	८।२१
०४।०३।०६।४५	६ बु	२१	९।४३	११।१९	१।१६	३।३०	५।५०	८।०७	१०।२३	१२।४२	३।०१	५।०५	६।४९	८।१७
०४।०४।०४।२२	६ गु	२२	९।३९	११।१५	१।१२	३।२६	५।४६	८।०३	१०।१९	१२।३८	२।५७	५।०१	६।४५	८।१३
०४।०५।०२।०२	७ शु	२३	९।३५	११।११	१।०८	३।२२	५।४३	७।५९	१०।१५	१२।३४	२।५३	४।५७	६।४१	८।०९
०४।०५।५९।४३	८ श	२४	९।३१	११।०८	१।०४	३।१९	५।३९	७।५५	१०।११	१२।३०	२।४९	४।५४	६।३७	८।०५
०४।०६।५७।२५	९ र	२५	९।२७	११।०४	१।००	३।१५	५।३५	७।५१	१०।०७	१२।२६	२।४५	४।५०	६।३३	८।०१
०४।०७।५५।१०	१० चं	२६	९।२३	११।००	१२।५६	३।११	५।३१	७।४८	१०।०३	१२।२२	२।४१	४।४६	६।२९	७।५७
०४।०८।५२।५६	१२ मं	२७	९।२०	१०।५६	१२।५२	३।०७	५।२७	७।४४	९।५९	१२।१९	२।३७	४।४२	६।२५	७।५३
०४।०९।५०।४५	१३ बु	२८	९।१६	१०।५२	१२।४८	३।०३	५।२३	७।४०	९।५५	१२।१५	२।३३	४।३८	६।२१	७।५०
०४।१०।४८।३५	१४ गु	२९	९।१२	१०।४८	१२।४४	२।५९	५।१९	७।३६	९।५२	१२।११	२।२९	४।३४	६।१७	७।४६
०४।११।४६।२७	३० शु	३०	९।०८	१०।४४	१२।४०	२।५५	५।१५	७।३२	९।४८	१२।०७	२।२५	४।३०	६।१३	७।४२

संक्रांति फलम्

ता. १७ अगस्त २०१९
भा. कृ. २ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १२।४० वारात् ५ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ६।१६ से १२।४० तक। (दान- छत्र)।

अयनांशाः २४।०६।३६

पं.२० भा.कृ.१० सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	३	७	४	८	२	८
०८	१०	२९	२०	११	२०	२०	२०
२४	५१	१९	४१	३९	१५	५२	५२
१५	५४	१४	३१	५५	४५	१९	१९
५७	३८	११८	२	७४	२	३	३
५४	१०	५७	४५	२४	०८	११	११
म	म	श्ले	ज्ये	म	पूषा	पुन	पूषा
३	४	४	२	४	३व	१	३

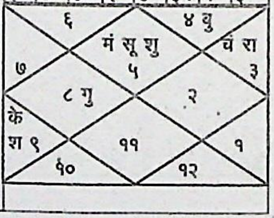

३१ अगस्त से १४ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
लुम्बक	१	श	१५	११	१२	१६	पूफा	१९	५१	१४	०८	सि	१९	०२	१३	४८	व	१५	११	१२	१६	३१ ३३	६ १२	६ ४९	९	२९	३१	कन्या १९।२३	४।१२।३७।२४	५७।५६
मित्र	२	र	५	४०	८	२८	उफा	१२	२६	११	११	सा	८	२७	९	३५	कौ	५	४०	८	२८	२९	१२	४८	१०	१	१	कन्या	४।१३।३५।२०	५७।५८
क्षयः	३	र	५६	५३	२८	५७	०	०	०	०	०	शु	५८	३०	२९	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
गणेश	४	सो	४९	१२	२५	५४	हस्त	५	४८	८	३२	शु	४९	३०	२६	०१	व	२२	५२	१५	२१	२५	१३	४७	११	२	२	तुला. ११।२३	४।१४।३३।१७	५८।००
ऋषि	५	मं	४३	०३	२३	२६	चित्रा	५६	३३ ३४	२६	२२ ५१	ब्र	४१	४५	२२	५५	व	१५	५४	१२	३५	२१	१३	४५	१२	३	३	तुला.	४।१५।३१।१७	५८।०२
धाता	६	बु	३८	४४	२१	४३	विशा	५४	३७	२८	०४	ऐ	३५	२८	२०	२५	कौ	१०	३८	१०	२९	१७	१४	४४	१३	४	४	वृश्चि. २२।१२	४।१६।२९।१९	५८।०४
आनन्द	७	गु	३६	२५	२०	४८	अनु	५४	४१	२८	०६	वै	३०	५०	१८	३४	ग	७	१८	९	०९	१३	१४	४३	१४	५	५	वृश्चि.	४।१७।२७।२२	५८।०६
चर	८	शु	३६	१०	२०	४३	ज्ये	५६	४४	२८	५६	वि	२७	४९	१७	२२	वि	६	०२	८	३९	०९	१५	४२	१५	६	६	धनु. २८।५६	४।१८।२५।२८	५८।०८
गद	९	श	३७	५०	२१	२३	मूल	...	...	...	...	प्री	२६	१९	१६	४७	बा	६	४६	८	५७	०५	१५	४१	१६	७	७	धनु.	४।१९।२३।३६	५८।१०
सिद्धि	१०	र	४१	०९	२२	४३	मूल	०	३३	६	२९	आ	२६	१०	१६	४३	तै	९	१८	९	५९	०१	१६	४०	१७	८	८	धनु.	४।२०।२१।४५	५८।१२
ए.व्र.	११	सो	४५	४६	२४	३४	पूषा	५	५२	८	३७	सौ	२७	०३	१७	०५	व	१३	१९	११	३५	३० ५७	१६	३९	१८	९	९	मक. १५।१३	४।२१।१९।५७	५८।१४
पद्म	१२	मं	५१	१४	२६	४६	उषा	१२	१६	११	११	शो	२८	४१	१७	४५	व	१८	२४	१३	३८	५३	१६	३८	१९	१०	१०	मक.	४।२२।१८।११	५८।१६
प्र.व्र.	१३	बु	५७	११	२९	०९	श्रव	१९	२०	१४	०१	अ	३०	४६	१८	३५	कौ	२४	०९	१५	५७	४९	१७	३६	२०	११	११	कुंभे २७।२९	४।२३।१६।२७	५८।१८
श्रीवत्स	१४	गु	...	...	...	...	धनि	२६	४२	१६	५८	सु	३३	०५	१९	३१	ग	३०	१३	१८	२३	४५	१७	३५	२१	१२	१२	कुंभे	४।२४।१४।४६	५८।२०
सौम्य	१४	शु	३	१६	७	३६	शत	३४	०८	१९	५७	धृ	३५	२४	२०	२७	व	३	१६	७	३६	४१	१८	३४	२२	१३	१३	कुंभे	४।२५।१३।०६	५८।२३
पूर्णिमा	१५	श	९	१९	१०	०२	पूभा	४१	२५	२२	५२	शू	३७	३५	२१	२०	व	९	१९	१०	०२	३७	१८	३३	२३	१४	१४	मीने १६।०९	४।२६।११।२९	५८।२५

केतकी अहर्गणः ३०६९ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अगस्त-सितंबर २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), पूफा.रविः ८।४० (सौरः २३।५१),सं.स्त्री. D
मन्वादि,वराहजयंती, हरितालिकाव्र., हस्तिगौरी व्र.,सितंबर ९ C
[C ता.३०, मोहोर्रम १ सन १४४१ हि. [B संवत्सरी सामवेदि I
भ.१५।२१ उ.२५।५४ या.,गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः),जैन B
ऋषिपंचमी,(व)पूषा.-२ शनिः २४।३८ [I उपाकर्म,पूफा.बुधः ७।५५
सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे)
भ.२०।४८ उ.,मुक्ताभरणव्र., उमामहेश्वरपू., दूबड़ीसातम,गौरी F
भ. ८।३९ या.,दधीची जयंती,श्रीराधा ८,गौरी पूजन २८।५६ यावत्
अदुःख नवमी व्र.,श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय),गौरी विसर्जन, J
दशावतार व्र.,श्री रामदेवजी का मेला [F आवाहन २८।०६ यावत्
भ. ११।३५ उ. २४।३४ या., जलझूलनी ११ व्र., उफा. बुधः E
वामन जयंती, दुग्धव्रतं, हरिवासरः २०।०७ से २६।४६ तक, K
पंचक प्रारम्भः २७।२९, प्रदोषः, गोत्रिरात्र व्र., आर्द्रा.-४ राहुः M
अनन्त १४,कदलीव्रतं पूजनं,रंगारोपणं [D स्त्री.सू.सू.वाहन अश्व अल्पवृष्टिः
भ.७।३६ उ.२०।५० या.,पूर्णिमाव्रतं,प्रौष्टपदी,महालय A
पूर्णिमापुण्यं,महेश्वरपूजनं,शुक्रोदयःपश्चिमायाम् ११।५४ G

शुक्रोदयः पश्चिमायाम

[J उफा.शुक्रः ८।२१ [E ८।३०,कन्यायां शुक्रः२४।४६ [K कन्यायांबुधः २८।२९ [M १७।०५,पूषा.-२ केतुः१७।०५ [A श्राद्धारंभः,उफा.रविः २६।३४,सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहनवातकवर्षाश्रेष्ठः [G कु.संध्यापूजा,इंदुला१५,उफा.सौरः १८।०२

अयनांशाः २४।०६।३७

पं.२१ भा.शु. ४ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	४	७	४	८	२	८
१५	१५	१३	२१	२०	२०	२०	२०
१०	१९	११	०४	२१	०२	३०	३०
०८	१५	४१	२५	००	३६	०३	०४
५८	३८	११६	३	७४	१.	३	३
०५	१४	५८	५९	२९	३१	१२	१२
पूफा	पूफा	म	ज्ये	पूफा	पूषा	पुन	पूषा
१	१	४	२	३	३व	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायं	मीन रात्रौ
०४।१२।४४।२१	१ श	३१	९।०४	१०।४०	१२।३६	२।५१	५।११	७।२८	९।४४	१२।०३	२।२१	४।२६	६।०९	७।३८
०४।१३।४२।१७	२ र	१	९।००	१०।३६	१२।३२	२।४७	५।०७	७।२४	९।४०	११।५९	२।१७	४।२२	६।०५	७।३४
०४।१४।४०।१४	४ चं	२	८।५६	१०।३२	१२।२८	२।४३	५।०३	७।२०	९।३६	११।५५	२।१३	४।१८	६।०१	७।३०
०४।१५।३८।१४	५ मं	३	८।५२	१०।२८	१२।२४	२।३९	४।५९	७।१६	९।३२	११।५१	२।१०	४।१४	५।५७	७।२६
०४।१६।३६।१६	६ बु	४	८।४८	१०।२४	१२।२०	२।३५	४।५५	७।१२	९।२८	११।४७	२।०६	४।१०	५।५३	७।२२
०४।१७।३४।२०	७ गु	५	८।४४	१०।२०	१२।१६	२।३१	४।५१	७।०८	९।२४	११।४३	२।०२	४।०६	५।४९	७।१८
०४।१८।३२।२६	८ शु	६	८।४०	१०।१६	१२।१२	२।२७	४।४७	७।०४	९।२०	११।३९	१।५८	४।०२	५।४६	७।१४
०४।१९।३०।३४	९ श	७	८।३६	१०।१२	१२।०९	२।२३	४।४३	७।००	९।१६	११।३५	१।५४	३।५८	५।४२	७।१०
०४।२०।२८।४४	१० र	८	८।३२	१०।०८	१२।०५	२।१९	४।३९	६।५६	९।१२	११।३१	१।५०	३।५४	५।३८	७।०६
०४।२१।२६।५६	११ चं	९	८।२८	१०।०४	१२।०१	२।१५	४।३५	६।५२	९।०८	११।२७	१।४६	३।५०	५।३४	७।०२
०४।२२।२५।१०	१२ मं	१०	८।२४	१०।००	११।५७	२।११	४।३२	६।४८	९।०४	११।२३	१।४२	३।४६	५।३०	६।५८
०४।२३।२३।२६	१३ बु	११	८।२०	९।५७	११।५३	२।०८	४।२८	६।४४	९।००	११।१९	१।३८	३।४३	५।२६	६।५४
०४।२४।२१।४५	१४ गु	१२	८।१६	९।५३	११।४९	२।०४	४।२४	६।४१	८।५६	११।१५	१।३४	३।३९	५।२२	६।५०
०४।२५।२०।०५	१४ शु	१३	८।१२	९।४९	११।४५	२।००	४।२०	६।३७	८।५२	११।१२	१।३०	३।३५	५।१८	६।४६
०४।२६।१८।२८	१५ श	१४	८।०९	९।४५	११।४१	१।५६	४।१६	६।३३	८।४८	११।०८	१।२६	३।३१	५।१४	६।४३

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो, ॥ (प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे) पांच शनिवार होने से महँगाई हो। कृष्णाष्टमी रोहिणीयुक्त होने से शुभदा है। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें। अमावस्या मघा योग समर्घतां कारक है। अमावस को मघा होने से मध्यम वर्षा हो। मास की शुक्ला तृतीया का क्षय होने से मूंग घी महंगे हों। शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २४।०६।३८

पं.२२ भा.शु.११ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	४	७	४	८	२	८
२१	१९	२६	२१	२९	१९	२०	२०
५७	४७	२९	३५	०२	५३	०७	०७
२१	०२	४७	४४	३३	५६	४७	४७
५८	३८	१०९	५	७४	०	३	३
१७	१८	४४	०८	३२	५२	११	११
पूफा	पूफा	पूफा	ज्ये	उफा	पूषा	पुन	पूषा
३	२	४	२	१	२व	१	३

१५ सितंबर से २८ सितंबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सुस्थिर	१	र	१५	०९	१२	२२	उभा	४८	२५	२५	४१	गं	३९	३३	२२	०८	कौ	१५	०९	१२	२२	३०/३२	६/११	६/३२	२४	१५	१५	मीने	४।२७।०९।५३	५८।२७
मातङ्ग	२	सो	२०	३६	१४	३३	रेव	५४	५९	२८	१९	वृ	४१	१२	२२	४८	ग	२०	३६	१४	३३	२८	१९	३१	२५	१६	१६	मेषे २८।१९	४।२८।०८।२०	५८।२९
च.व्र.	३	मं	२५	३०	१६	३२	अश्वि	...	...	...	...	ध्रु	४२	२३	२३	१७	वि	२५	३०	१६	३२	२४	२०	२९	२६	१७	१७	मेषे	४।२९।०६।४९	५८।३१
मृत्यु	४	बु	२९	४०	१८	१२	अश्वि	०	५४	६	४२	व्या	४२	५५	२३	३०	बा	२९	४०	१८	१२	२०	२०	२८	२७	१८	१८	मेषे	५।००।०५।२१	५८।३४
पद्म	५	गु	३२	४८	१९	२८	भर	५	५८	८	४४	ह	४२	३९	२३	२४	कौ	१	२२	६	५३	१६	२१	२७	२८	१९	१९	वृषे १५।१०	५।०१।०३।५४	५८।३६
छत्र	६	शु	३४	४०	२०	१३	कृति	९	५५	१०	१९	व	४१	२१	२२	५३	ग	३	५३	७	५४	१२	२१	२६	२९	२०	२०	वृषे	५।०२।०२।३०	५८।३८
श्रीवत्स	७	श	३५	०३	२०	२३	रोहि	१२	२९	११	२१	सि	३८	५२	२१	५४	वि	५	०२	८	२२	०८	२१	२५	३०	२१	२१	मिथु. २३।३८	५।०३।०१।०८	५८।४०
सौम्य	८	र	३३	४४	१९	५२	मृग	१३	२९	११	४६	व्य	३५	०३	२०	२३	बा	४	३५	८	१२	०४	२२	२३	३१	२२	२२	मिथु.	५।०३।५९।४९	५८।४३
काल	९	सो	३०	४१	१८	३९	आर्द्रा	१२	४७	११	२९	व	२९	५०	१८	१८	तै	२	२५	७	२०	००	२२	२२	१	२३	२३	कर्के २८।४९	५।०४।५८।३२	५८।४५
सुस्थिर	१०	मं	२५	५४	१६	४५	पुन	१०	२०	१०	३१	प	२३	१४	१५	४०	वि	२५	५४	१६	४५	२९/६६	२३	२१	२	२४	२४	कर्के	५।०५।५७।१७	५८।४७
ए.व्र.	११	बु	१९	३१	१४	१२	पुष्य	६	१५	८	५३	शि	१५	१७	१२	३०	बा	१९	३१	१४	१२	५२	२३	२०	३	२५	२५	कर्के	५।०६।५६।०४	५८।५०
प्र.व्र.	१२	गु	११	४६	११	०६	श्ले	०/५४	४४/०७	६/२८	४२/०३	सि	६/५६	१२/१६	८/२८	५३/५४	तै	११	४६	११	०६	४७	२४	१९	४	२६	२६	सिंहे ६।४२	५।०७।५४।५३	५८।५२
सिद्धि	१३	शु	२	५८	७	३६	पूफा	४६	४५	२५	०६	शु	४५	४२	२४	४१	व	२	५८	७	३६	४३	२४	१८	५	२७	२७	कन्या ३०।२१	५।०८।५३।४५	५८।५४
क्षयः	१४	शु	५३	३४	२७	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमाव.	३०	श	४३	५७	२४	००	उफा	३९	०९	२२	०४	शु	३४	५५	२०	२३	च	१८	४५	१३	५५	३९	२५	१६	६	२८	२८	कन्या	५।०९।५२।४०	५८।५६

शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[B पू.,कन्यायां रविः १२।४० (सौरः २८।०८), हस्ते E

भ. २७।३५ उ., पंचक समाप्तिः २८।१९, हस्ते बुधः २१।५३

भ.१६।३२ या.,अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३६,विश्वकर्मा B

भरणी श्राद्ध, मार्गी शनिः २६।०३

चंद्रषष्ठी, उफा. भौमः २४।४७ [E शुक्रः २५।५८

भ. २०।१३ उ. [D तुलायां भानुः १३।२२

भ. ८।२२ या., श्रीमहालक्ष्मी व्र.

अशोकाष्टमी [A श्राद्धं, हस्ते रविः १८।०५, सं.स्त्री.स्त्री.सू.सू. F

भ. २९।४७ उ., सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, भा. अश्विनारंभः,सायन D

भ. १६।४५ या., कन्यायां भौमः २९।४०, चित्रा. बुधः २७।२०

इंदिरा ११ व्र., सन्यासिनां श्राद्धं, ज्येष्ठा.-३ गुरुः १७।५७

प्रदोषः, युगादि [F वाहन स्वर अल्पवृष्टिः

भ. ७।३६ उ. १७।४४ या.,मासिकशिवरात्री व्र.,शस्त्रादि हतानां A

[C से २४।०० तक, हस्ते सौरः ९।२४, चित्रा. शुक्रः १९।२६

देवपितृकार्येऽमा.,सर्वपितृ श्राद्धम्, गजच्छाया(बोधायन) २२।०४ C

अयनांशाः २४।०६।३९

प.२३ आ.कृ. २ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	५	७	५	८	२	८
२८	२४	०८	२२	०७	१९	१९	१९
४६	१५	५४	१५	४४	४९	४५	४५
०२	२०	०१	००	२६	५७	३१	३१
५८	३८	१०१	६	७४	०	३	३
३०	२२	४८	१४	३५	११	११	११
उफा	पूफा	उफा	ज्ये	उफा	पूषा	आ	पूषा
१	४	४	२	४	२व	४	२

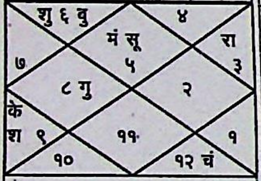

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. सितं	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायं
०४।२७।१६।५३	१ र	१५	८।०५	९।४१	११।३७	१।५२	४।१२	६।२९	८।४४	११।०४	१।२२	३।२७	५।१०	६।३९
०४।२८।१५।२०	२ चं	१६	८।०१	९।३७	११।३३	१।४८	४।०८	६।२५	८।४१	११।००	१।१८	३।२३	५।०६	६।३५
०४।२९।१३।५०	३ मं	१७	७।५७	९।३३	११।२९	१।४४	४।०४	६।२१	८।३७	१०।५६	१।१४	३।१९	५।०२	६।३१
०५।००।१२।२१	४ बु	१८	७।५३	९।२९	११।२५	१।४०	४।००	६।१७	८।३३	१०।५२	१।१०	३।१५	४।५८	६।२७
०५।०१।१०।५५	५ गु	१९	७।४९	९।२५	११।२१	१।३६	३।५६	६।१३	८।२९	१०।४८	१।०६	३।११	४।५४	६।२३
०५।०२।०९।३१	६ शु	२०	७।४५	९।२१	११।१७	१।३२	३।५२	६।०९	८।२५	१०।४४	१।०२	३।०७	४।५०	६।१९
०५।०३।०८।१०	७ श	२१	७।४१	९।१७	११।१३	१।२८	३।४८	६।०५	८।२१	१०।४०	१२।५९	३।०३	४।४६	६।१५
०५।०४।०६।५१	८ र	२२	७।३७	९।१३	११।०९	१।२४	३।४४	६।०१	८।१७	१०।३६	१२।५५	२।५९	४।४२	६।११
०५।०५।०५।३३	९ चं	२३	७।३३	९।०९	११।०५	१।२०	३।४०	५।५७	८।१३	१०।३२	१२।५१	२।५५	४।३८	६।०७
०५।०६।०४।१९	१० मं	२४	७।२९	९।०५	११।०१	१।१६	३।३६	५।५३	८।०९	१०।२८	१२।४७	२।५१	४।३५	६।०३
०५।०७।०३।०६	११ बु	२५	७।२५	९।०१	१०।५८	१।१२	३।३२	५।४९	८।०५	१०।२४	१२।४३	२।४७	४।३१	५।५९
०५।०८।०१।५६	१२ गु	२६	७।२१	८।५७	१०।५४	१।०८	३।२८	५।४५	८।०१	१०।२०	१२।३९	२।४३	४।२७	५।५५
०५।०९।००।४८	१३ शु	२७	७।१७	८।५३	१०।५०	१।०४	३।२४	५।४१	७।५७	१०।१६	१२।३५	२।३९	४।२३	५।५१
०५।०९।५९।४३	३० श	२८	७।१३	८।४९	१०।४६	१।००	३।२१	५।३७	७।५३	१०।१२	१२।३१	२।३५	४।१९	५।४७

संक्रांति फलम्

ता. १७ सितंबर २०१९
आश्वि. कृ. ३ भौमे कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १२।४० वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १२।४० से १९।०४ तक। (दान- गृह वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०६।४०

पं.२४ आ.कृ. ९ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	४	५	७	५	८	२	८
०५	२८	२०	२३	१६	१९	१९	१९
३६	४४	२४	०१	२६	५०	२३	२३
१५	१३	०१	४३	३२	४५	१६	१६
५८	३८	९४	७	७४	०	३	३
४४	२८	२६	१५	३६	३१	११	११
उफा	उफा	ह	ज्ये	ह	पूषा	आ	पूषा
३	१	४	२	२	२	४	२

२९ सितंबर से १३ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमा सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	र	३४	३८	२०	१६	हस्त	३१	४६	१९	०८	ब्र	२४	१८	१६	०८	किं	९	१३	१०	०६	२९/३५	६/२५	६/१५	७	२९	२९	तुला. २९।४६	५।१०।५१।३६	५८।५९
मुद्गर	२	सो	२६	०५	१६	५२	चित्रा	२५	०९	१६	२९	ऐ	१४	१५	१२	०८	वा	०	१३	६	३१	३१	२६	१४	८	३०	३०	तुला.	५।११।५०।३५	५९।०१
ध्वजा	३	मं	१८	४६	१३	५७	स्वा	११	४६	१४	२१	वै	५/५७	०९/१८	८/२३	३०/३२	ग	१८	४६	१३	५७	२७	२६	१३	९	१	१	तुला.	५।१२।४९।३६	५९।०४
धाता	४	बु	१३	०५	११	४१	विशा	१६	०१	१२	५१	प्री	५१	००	२६	५१	वि	१३	०५	११	४१	२३	२७	१२	१०	२	२	वृश्चि. ७।०९	५।१३।४८।४०	५९।०६
आनन्द	५	गु	९	२३	१०	१२	अनु	१४	१४	१२	०९	आ	४६	२१	२५	००	वा	९	२३	१०	१२	१९	२७	११	११	३	३	वृश्चि.	५।१४।४७।४५	५९।०८
चर	६	शु	७	४९	९	३५	ज्ये	१४	३४	१२	१७	सौ	४३	२७	२३	५०	तै	७	४९	९	३५	१५	२८	१०	१२	४	४	धनु. १२।१७	५।१५।४६।५४	५९।११
गद	७	श	८	२६	९	५१	मूल	१७	००	१३	१६	शो	४२	०९	२३	२०	व	८	२६	९	५१	१०	२८	०८	१३	५	५	धनु.	५।१६।४६।०४	५९।१३
दुर्गा	८	र	११	०३	१०	५४	पूषा	२१	२१	१५	०१	अ	४२	१८	२३	२४	व	११	०३	१०	५४	०६	२९	०७	१४	६	६	मक. २१।३४	५।१७।४५।१७	५९।१५
मृत्यु	९	सो	१५	२१	१२	३८	उषा	२७	१५	१७	२३	सु	४३	३२	२३	५४	कौ	१५	२१	१२	३८	०२	२९	०६	१५	७	७	मक.	५।१८।४४।३२	५९।१८
विजया	१०	मं	२०	५३	१४	५१	श्रव	३४	१३	२०	११	धृ	४५	३१	२४	४२	ग	२०	५३	१४	५१	२८/५८	३०	०५	१६	८	८	मक.	५।१९।४३।५०	५९।२०
ए.व्र.	११	बु	२७	०४	१७	२०	धनि	४१	४३	२३	१२	शू	४७	५२	२५	३९	वि	२७	०४	१७	२०	५४	३०	०४	१७	९	९	कुंभे ९।४०	५।२०।४३।०९	५९।२२
वज्र	१२	गु	३३	२७	१९	५४	शत	४९	१८	२६	१४	गं	५०	१३	२६	३६	व	०	१६	६	३७	५०	३१	०३	१८	१०	१०	कुंभे	५।२१।४२।३२	५९।२४
प्र.व्र.	१३	शु	३९	३६	२२	२२	पूभा	५६	३४	२९	०९	वृ	५२	२०	२७	२८	कौ	६	३४	९	०९	४६	३१	०२	१९	११	११	मीने २२।२६	५।२२।४१।५६	५९।२७
धूम्र	१४	श	४५	१४	२४	३८	उभा	...	...	...	...	ध्रु	५४	०२	२८	०९	ग	१२	२८	११	३१	४२	३२	०१	२०	१२	१२	मीने	५।२३।४१।२३	५९।२९
पूर्णिमा	१५	र	५०	१२	२६	३७	उभा	३	१६	७	५१	व्या	५५	१४	२८	३८	वि	१७	४८	१३	४०	३८	३३	००	२१	१३	१३	मीने	५।२४।४०।५२	५९।३१

केतकी अहर्गणः ३०९८ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर-अक्टूबर २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती, मातामह श्रा., तुलायां C
चंद्रदर्शनम् (मु.१५) [C बुधः १२।४६, बुधोदयः पश्चिमायाम् २४।१५
भ. २४।४३ उ., अक्टूबर १० ता.३१, सफर २ [G शनिः २५।३२
भ. ११।४१ या., उपांग ललिता व्र., गांधी जयन्ती, पूषा.-३ G
स्वा. बुधः २६।५५, तुलायां शुक्रः २८।०८ [B आश्वयुजी कर्म F
[A व्र., बंगीय लक्ष्मी पूजा, नवान्न भक्षण, कार्तिक स्नान प्रा., B
भ. ९।५१ उ. २२।१७ या., सरस्वती आवाहनं मूलभे, भद्रकाली अवतार
महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे [D वाहन मण्डूक वर्षाश्रेष्ठः
मन्वादि, बोद्धावतार, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे
भ. २८।०४ उ., विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, सरस्वती E
भ.१७।२० या., पंचकप्रारम्भः ९।४०, पापांकुशा ११ व्र., स्वा.शुक्रः १२।५०
कार्त्तिके द्विदलं त्यजेत्, हस्ते भौमः १८।५२ [E विसर्जनं श्रवणे
प्रदोषः, चित्रा. रविः ७।०५ (सौरः २१।५४), सं.स्त्री.पु.सू.सू. D
भ. २४।३८ उ. [F (आश्वलायन शाखा), विशा. बुधः २६।४२
भ. १३।४० या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शरद पूर्णिमा, कोजागरी A

अयनांशाः २४।०६।४०

पं.२५ आ.शु. २ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	६	७	५	८	२	८
१२	०३	०१	२३	२५	१९	१९	१९
२८	१३	०५	५५	०८	५६	०१	०१
०५	४५	२५	२५	४७	२४	००	००
५८	३८	८८	८	७४	१	३	३
५८	३४	०५	१२	३७	१२	११	११
ह	उफा	चि	ज्ये	चि	पूषा	आ	पूषा
१	२	३	३	१	२	४	२

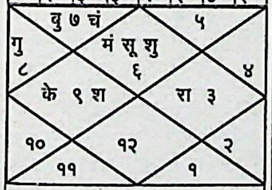

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. सितं	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायं
०५।१०।५८।४०	१ र	२९	७।०९	८।४६	१०।४२	१२।५७	३।१७	५।३३	७।४९	१०।०८	१२।२७	२।३२	४।१५	५।४३
०५।११।५७।३९	२ चं	३०	७।०५	८।४२	१०।३८	१२।५३	३।१३	५।३०	७।४५	१०।०४	१२।२३	२।२८	४।११	५।३९
०५।१२।५६।४०	३ मं	१	७।०१	८।३८	१०।३४	१२।४९	३।०९	५।२६	७।४१	१०।०१	१२।१९	२।२४	४।०७	५।३५
०५।१३।५५।४४	४ बु	२	६।५८	८।३४	१०।३०	१२।४५	३।०५	५।२२	७।३७	९।५७	१२।१५	२।२०	४।०३	५।३२
०५।१४।५४।५०	५ गु	३	६।५४	८।३०	१०।२६	१२।४१	३।०१	५।१८	७।३४	९।५३	१२।११	२।१६	३।५९	५।२८
०५।१५।५३।५८	६ शु	४	६।५०	८।२६	१०।२२	१२।३७	२।५७	५।१४	७।३०	९।४९	१२।०७	२।१२	३।५५	५।२४
०५।१६।५३।०९	७ श	५	६।४६	८।२२	१०।१८	१२।३३	२।५३	५।१०	७।२६	९।४५	१२।०३	२।०८	३।५१	५।२०
०५।१७।५२।२२	८ र	६	६।४२	८।१८	१०।१४	१२।२९	२।४९	५।०६	७।२२	९।४१	११।५९	२।०४	३।४७	५।१६
०५।१८।५१।३८	९ चं	७	६।३८	८।१४	१०।१०	१२।२५	२।४५	५।०२	७।१८	९।३७	११।५५	२।००	३।४३	५।१२
०५।१९।५०।५६	१० मं	८	६।३४	८।१०	१०।०६	१२।२१	२।४१	४।५८	७।१४	९।३३	११।५१	१।५६	३।३९	५।०८
०५।२०।५०।१६	११ बु	९	६।३०	८।०६	१०।०२	१२।१७	२।३७	४।५४	७।१०	९।२९	११।४८	१।५२	३।३५	५।०४
०५।२१।४९।३८	१२ गु	१०	६।२६	८।०२	९।५८	१२।१३	२।३३	४।५०	७।०६	९।२५	११।४४	१।४८	३।३१	५।००
०५।२२।४९।०३	१३ शु	११	६।२२	७।५८	९।५४	१२।०९	२।२९	४।४६	७।०२	९।२१	११।४०	१।४४	३।२७	४।५६
०५।२३।४८।३०	१४ श	१२	६।१८	७।५४	९।५०	१२।०५	२।२५	४।४२	६।५८	९।१७	११।३६	१।४०	३।२४	४।५२
०५।२४।४७।५९	१५ र	१३	६।१४	७।५०	९।४७	१२।०१	२।२१	४।३८	६।५४	९।१३	११।३२	१।३६	३।२०	४।४८

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं। एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः ॥ कृष्णा एकादशी को बुधवार होने से गाय भैंस महँगी हों। शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो पिता-पुत्रों में पराङ्मुखता हो, मध्यम वृष्टि हो और खंड मंडल में अकाल हो। अमावस्या को उत्तराफाल्गुनी होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। शुक्ला तीज को मंगलवार होने से पृथ्वी पर प्रबल अग्निकाण्ड और अन्नादि की महँगाई हो। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

अयनांशाः २४।०६।४१

पं.२६ आ.शु. ९ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	६	७	६	८	२	८
१९	०७	११	२४	०३	२०	१८	१८
२१	४४	०३	५५	५१	०६	३८	३८
३५	०१	४९	३०	०६	५०	४४	४४
५९	३८	८१	९	७४	१	३	३
१३	४०	५०	०५	३७	५२	११	११
ह	उफा	स्वा	ज्ये	चि	पूषा	आ	पूषा
३	४	२	३	४	३	४	२

१४ अक्टूबर से २८ अक्टूबर तक,श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिना सू. सू. तारीख																												स्टै.	प्रातः	दैनिक	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर २०१९
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मातङ्ग	१	सो	५४	२६	२८	२०	रेव	९	२१	१०	१८	ह	५५	५१	२८	५४	वा	२२	२४	१५	३१	३८ ३४	६ ३३	५ ५९	२२	१४	१४	मेषे १०।१८	५।२५।४०।२३	५९।३४	पंचक समाप्तिः १०।१८
अमृत	२	मं	५७	५४	२९	४४	अश्वि	१४	४३	१२	२७	व	५५	५२	२८	५५	तै	२६	१६	१७	०४	३०	३४	५८	२३	१५	१५	मेषे	५।२६।३९।५७	५९।३६	[B आकाश दीपारंभः,तुलायां रविः २४।३८,ज्येष्ठा.-४ गुरुः २६।५०
काण	३	बु	...	...	...	...	भर	१९	१९	१४	१८	सि	५५	१६	२८	४१	व	२९	२०	१८	१८	२६	३४	५७	२४	१६	१६	वृषे २०।४३	५।२७।३९।३३	५९।३८	भ. १८।१८ उ., भौमोदयः पूर्वस्याम् १८।३७
च.व्र.	३	गु	०	३२	६	४८	कृति	२३	०५	१५	४९	व्य	५३	५७	२८	१०	वि	०	३२	६	४८	२२	३५	५६	२५	१७	१७	वृषे	५।२८।३९।१२	५९।४१	भ. ६।४८ या.,करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२७,दशरथ ललिता व्र., B
मित्र	४	शु	२	१३	७	२९	रोहि	२५	५४	१६	५७	व	५१	४९	२७	१९	वा	२	१३	७	२९	१८	३५	५५	२६	१८	१८	मिथु. २९।२२	५।२९।३८।५२	५९।४३	तुलायां सौरः १५।०५ [E भानुः २२।४९, वृश्चिके बुधः १६।१७
वज्र	५	श	२	५२	७	४५	नृग	२७	३८	१७	३९	प	४८	४६	२६	०६	तै	२	५२	७	४५	१४	३६	५४	२७	१९	१९	मिथु.	६।००।३८।३५	५९।४५	स्कन्द षष्ठी, विशा. शुक्रः ३०।१३
ध्वाङ्क्ष	६	र	२	१७	७	३२	आर्द्रा	२८	०९	१७	५२	शि	४४	४१	२४	२९	व	२	१७	७	३२	१०	३७	५३	२८	२०	२०	मिथु.	६।०१।३८।२०	५९।४७	भ. ७।३२ उ. १९।१३ या. [D स्वा. सौरः ७।३६
धूम्र	७	सो	०	२५	६	४७	पुन	२७	१९	१७	३३	सि	३९	३०	२२	२५	व	०	२५	६	४७	०६	३७	५२	२९	२१	२१	कर्के ११।४१	६।०२।३८।०८	५९।५०	होई (अहोरी) ८ [G अल्पवृष्टिः [H कुबेर पू.
क्षयः	८	सो	५७	०८	२९	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A देशाचारे,गोक्रीडा, मार्गपाली बंधन, गुर्जराणां नूतन C
प्रवर्धमा	९	मं	५२	२६	२७	३६	पुष्य	२५	०५	१६	४०	सा	३३	११	१९	५४	तै	२४	५७	१६	३७	०२	३८	५१	३०	२२	२२	कर्के	६।०३।३७।५७	५९।५२	[C वर्षारंभः, वृश्चिके शुक्रः ७।१७ [F गोत्रिरात्र व्र., दीपदानं
राक्षस	१०	बु	४६	२६	२५	१३	श्ले	२१	२९	१५	१४	शु	२५	४६	१६	५७	व	१९	३४	१४	२८	३७ ५८	३९	५०	१	२३	२३	सिंहे १५।१४	६।०४।३७।४९	५९।५४	भ. १४।२८ उ. २५।१३ या., भा. कार्तिकारंभः, सायन वृश्चिके E
ए.व्र.	११	गु	३९	१७	२२	२२	मघा	१६	४१	१३	१९	शु	१७	२१	१३	३६	व	१२	५८	११	५०	५५	३९	४९	२	२४	२४	सिंहे	६।०५।३७।४३	५९।५६	रमा ११ व्र.,स्वा. रविः १७।३५, सं.स्त्री.स्त्री.सू.सू.वाहन मूषक G
सिद्धि	१२	शु	३१	१८	१९	११	पूफा	१०	५४	११	०१	ब्र	५८	०९ २६	९ ३०	५६ ०२	कौ	५	२२	८	४९	५१	४०	४८	३	२५	२५	कन्या १६।२४	६।०६।३७।४०	५९।५९	गोवत्स द्वादशी, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं, D
प्र.व्र.	१३	श	२२	५२	१५	४९	उफा	४ ५७	२९ ५३	२६	२८ ५०	वै	४८	२९	२६	०४	व	२२	५२	१५	४९	४७	४०	४७	४	२६	२६	कन्या	६।०७।३७।३८	६०।०१	भ. १५।४९ उ. २६।०७ या., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., F
दीपाव.	१४	र	१४	२१	१२	२५	चित्रा	५१	२९	२७	१७	वि	३८	३९	२२	०९	श	१४	२१	१२	२५	४३	४१	४६	५	२७	२७	तुला. १६।३२	६।०८।३७।३९	६०।०३	पितृकार्येऽमा.,रुप (नरक) १४,प्रभात स्नानं, महालक्ष्मी पूजा, H
अन्नकू.	३०	सो	६	१२	९	१०	स्वा	४५	४७	२५	०१	प्री	२९	१८	१८	२५	ना	६	१२	९	१०	३९	४२	४६	६	२८	२८	तुला.	६।०९।३७।४२	६०।०५	देवकार्येऽमा., सोमवती अमा., वलीपूजा, गोवर्धनपू., अन्नकूटं A

अयनांशाः २४।०६।४२

प.२७ का.कृ. १ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	६	७	६	८	२	८
२६	१२	२०	२६	१२	२०	१८	१८
१६	१५	११	०१	३३	२१	१६	१६
४६	०४	५६	२९	२८	५७	२८	२८
५९	३८	७२	९	७४	२	३	३
२७	४७	३७	५२	३७	३२	११	११
चि	ह	वि	ज्ये	स्वा	पूषा	आ	पूषा
१	१	१	३	२	३	४	२

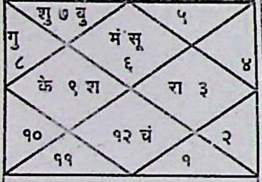

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टु	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।२५।४७।३१	१ चं	१४	६।१०	७।४६	९।४३	११।५७	२।१७	४।३४	६।५०	९।०९	११।२८	१।३२	३।१६	४।४४
०५।२६।४७।०५	२ मं	१५	६।०६	७।४२	९।३९	११।५३	२।१४	४।३०	६।४६	९।०५	११।२४	१।२८	३।१२	४।४०
०५।२७।४६।४२	३ बु	१६	६।०२	७।३९	९।३५	११।४९	२।१०	४।२६	६।४२	९।०१	११।२०	१।२४	३।०८	४।३६
०५।२८।४६।२०	३ गु	१७	५।५८	७।३५	९।३१	११।४६	२।०६	४।२२	६।३८	८।५७	११।१६	१।२१	३।०४	४।३२
०५।२९।४६।०१	४ शु	१८	५।५४	७।३१	९।२७	११।४२	२।०२	४।१९	६।३४	८।५३	११।१२	१।१७	३।००	४।२८
०६।००।४५।४४	५ श	१९	५।५०	७।२७	९।२३	११।३८	१।५८	४।१५	६।३०	८।५०	११।०८	१।१३	२।५६	४।२४
०६।०१।४५।३०	६ र	२०	५।४७	७।२३	९।१९	११।३४	१।५४	४।११	६।२६	८।४६	११।०४	१।०९	२।५२	४।२१
०६।०२।४५।१७	७ चं	२१	५।४३	७।१९	९।१५	११।३०	१।५०	४।०७	६।२३	८।४२	११।००	१।०५	२।४८	४।१७
०६।०३।४५।०७	९ मं	२२	५।३९	७।१५	९।११	११।२६	१।४६	४।०३	६।१९	८।३८	१०।५६	१।०१	२।४४	४।१३
०६।०४।४५।००	१० बु	२३	५।३५	७।११	९।०७	११।२२	१।४२	३।५९	६।१५	८।३४	१०।५२	१२।५७	२।४०	४।०९
०६।०५।४४।५४	११ गु	२४	५।३१	७।०७	९।०३	११।१८	१।३८	३।५५	६।११	८।३०	१०।४८	१२।५३	२।३६	४।०५
०६।०६।४४।५१	१२ शु	२५	५।२७	७।०३	८।५९	११।१४	१।३४	३।५१	६।०७	८।२६	१०।४४	१२।४९	२।३२	४।०१
०६।०७।४४।४९	१३ श	२६	५।२३	६।५९	८।५५	११।१०	१।३०	३।४७	६।०३	८।२२	१०।४०	१२।४५	२।२८	३।५७
०६।०८।४४।५०	१४ र	२७	५।१९	६।५५	८।५१	११।०६	१।२६	३।४३	५।५९	८।१८	१०।३७	१२।४१	२।२४	३।५३
०६।०९।४४।५४	३० चं	२८	५।१५	६।५१	८।४७	११।०२	१।२२	३।३९	५।५५	८।१४	१०।३३	१२।३७	२।२०	३।४९

अयनांशाः २४।०६।४३

प.२८ का.कृ. ७ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	६	७	६	८	२	८
०३	१६	२७	२७	२१	२०	१७	१७
१३	४६	५४	१२	१५	४१	५४	५४
३८	५७	२०	४७	५०	३७	१२	१२
५९	३८	५५	१०	७४	३	३	३
४१	५५	०५	३५	३८	१०	११	११
चि	ह	वि	ज्ये	वि	पूषा	आ	पूषा
३	३	३	४	१	३	४	२

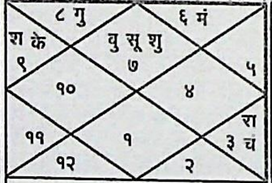

अयनांशाः २४।०६।४४

प.२९ का.कृ.३० सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	७	७	६	८	२	८
१०	२१	०२	२८	२९	२१	१७	१७
१२	१९	५०	२८	५८	०५	३१	३१
०९	४३	३६	५३	१२	३६	५६	५६
५९	३९	२१	११	७४	३	३	३
५५	०२	१३	१४	३७	४६	११	११
स्वा	ह	वि	ज्ये	वि	पूषा	आ	पूषा
२	४	४	४	३	३	४	२

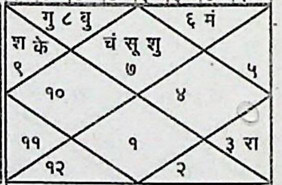

२९ अक्टूबर से १२ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	सो	५८	५५	३०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
श्रीवत्स	२	मं	५२	५१	२७	५१	विशा	४१	१४	२३	१२	आ	२०	४६	१५	०१	वा	२५	४१	१६	५९	२७/२६	६/४२	५/४५	७	२९	२९	वृश्चि. १७।३६	६।१०।३७।४७	६०।०७
सौम्य	३	बु	४८	२३	२६	०४	अनु	३८	१२	२२	००	सौ	१३	२२	१२	०४	तै	२०	२२	१४	५२	३२	४३	४४	८	१	३०	वृश्चि.	६।११।३७।५४	६०।०९
काल	४	गु	४५	४८	२५	०३	ज्ये	३६	५९	२१	३१	शो	७	२३	९	४१	व	१६	५०	१३	२८	२८	४४	४३	९	२	३१	धनु. २१।३१	६।१२।३८।०३	६०।११
सुस्थिर	५	शु	४५	१८	२४	५२	मूल	३७	४६	२१	५१	अ	२	५६	७	५५	व	१५	१७	१२	५१	२५	४५	४२	१०	३	१	धनु.	६।१३।३८।१४	६०।१३
मातङ्ग	६	श	४६	५२	२५	३०	पूषा	४०	३३	२२	५९	सु	०/५८	०६/५३	६/३०	४६/५८	कौ	१५	४८	१३	०४	२१	४५	४२	११	४	२	मक. २९।२३	६।१४।३८।२८	६०।१६
अमृत	७	र	५०	१९	२६	५३	उषा	४५	११	२४	५१	शू	५९	०३	३०	२३	ग	१८	२१	१४	०६	१७	४६	४१	१२	५	३	मक.	६।१५।३८।४३	६०।१७
सिद्धि	८	सो	५५	२०	२८	५४	श्रव	५१	२०	२७	१९	गं	...	...	...	...	वि	२२	३९	१५	५०	१४	४७	४०	१३	६	४	मक.	६।१६।३९।०१	६०।२०
उत्पात	९	मं	...	...	...	...	धनि	५८	२९	३०	११	गं	०	१६	६	५४	वा	२८	१३	१८	०५	१०	४७	४०	१४	७	५	कुंभे १६।४३	६।१७।३९।२०	६०।२१
मानस	९	बु	१	१९	७	२०	शत	...	...	...	...	वृ	२	१७	७	४३	कौ	१	१९	७	२०	०७	४८	३९	१५	८	६	कुंभे	६।१८।३९।४२	६०।२४
वज्र	१०	गु	७	४७	९	५५	शत	६	०२	९	१४	ध्रु	४	३४	८	३८	ग	७	४७	९	५५	०३	४९	३८	१६	९	७	मीने २९।२९	६।१९।४०।०५	६०।२५
ए.व्र.	११	शु	१४	०३	१२	२७	पूभा	१३	२७	१२	१२	व्या	६	४४	९	३१	वि	१४	०३	१२	२७	००	५०	३८	१७	१०	८	मीने	६।२०।४०।३१	६०।२७
प्र.व्र.	१२	श	१९	४१	१४	४३	उभा	२०	१५	१४	५६	ह	८	२८	१०	१३	वा	१९	४१	१४	४३	२६/५७	५०	३७	१८	११	९	मीने	६।२१।४०।५८	६०।२९
प्रवर्धमा	१३	र	२४	२१	१६	३५	रेव	२६	०८	१७	१८	व	९	२९	१०	३९	तै	२४	२१	१६	३५	५३	५१	३६	१९	१२	१०	मेषे १७।१८	६।२२।४१।२७	६०।३१
राक्षस	१४	सो	२७	५६	१८	०२	अश्वि	३१	००	१९	१६	सि	९	४३	१०	४५	व	२७	५६	१८	०२	५०	५२	३६	२०	१३	११	मेषे	६।२३।४१।५९	६०।३३
पूर्णिमा	१५	मं	३०	२७	१९	०३	भर	३४	४९	२०	४८	व्य	९	०७	१०	३२	व	३०	२७	१९	०३	४७	५३	३५	२१	१४	१२	वृषे २७।०७	६।२४।४२।३२	६०।३५

केतकी अहर्गणः ३१२८ हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर-नवंबर २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A पुष्कर यात्रा, नानक जयंती, भीष्म पंचक समाप्ति, कार्तिक E
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), भ्रातृ २, यम २, यमुना स्नानं, कलम D
रविलावल ३, अनु. शुक्रः २३।३८ [G पश्चिमायाम् २४।१४
भ. १३।२८ उ. २५।०३ या., दूर्वागणपति व्र., चित्रा. भौमः F
सौभाग्य ५, पाण्डव ५, नवंबर ११ ता. ३०, बुधास्तः G
(व) विशा. बुधः ११।४६ [D दवात पू., अनु. बुधः २०।१८
भ. २६।५३ उ., कल्पादि [F ८।३८, वक्री बुधः २८।३९
भ. १५।५० या., गोपाष्टमी, धनुषि मूले-१ गुरुः २८।३८
पंचक प्रारम्भः १६।४३, युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९
विशा. रविः २५।४२ [B चतुर्मास व्रत समाप्तिः, भीष्म पंचक प्रा.
भ. २३।१३ उ., विशा. सौरः १४।४४, (व) तुलायां बुधः १५।२३
भ. १२।२७ या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी विवाह, B
प्रदोषः, मन्वादि [C तुलायां भौमः १३।४४, ज्येष्ठा. शुक्रः १७।०५
पंचक समाप्तिः १७।१८, वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत समाप्तिः, C
भ. १८।०२ उ. ३०।३६ या., कार्तिक व्रतोद्यापनं [E स्नान पूर्तिः
मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, गोपद्मव्रत समाप्ति, त्रिपुरोत्सव, A

अयनांशाः २४।०६।४५

पं.३० का.शु.८ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	७	७	७	८	२	८
१७	२५	०२	२९	०८	२१	१७	१७
१२	५३	३८	४९	४०	३३	०९	०९
१७	२४	५५	१५	३२	३८	४०	४०
६०	३९	३६	११	७४	४	३	३
०९	११	१८	४९	३७	१९	१२	१२
स्वा	चि	वि	ज्ये	अनु	पूषा	आ	पूषा
४	१	४व	४	२	३	४	२

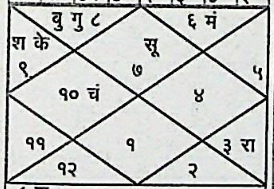

८ शु

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अक्टु	मेष सायं	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला प्रातः	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०६।१०।४४।५९	२ मं	२९	५।११	६।४७	८।४३	१०।५८	१।१८	३।३५	५।५१	८।१०	१०।२९	१२।३३	२।१६	३।४५
०६।११।४५।०६	३ बु	३०	५।०७	६।४३	८।४०	१०।५४	१।१४	३।३१	५।४७	८।०६	१०।२५	१२।२९	२।१३	३।४१
०६।१२।४५।१६	४ गु	३१	५।०३	६।३९	८।३६	१०।५०	१।१०	३।२७	५।४३	८।०२	१०।२१	१२।२५	२।०९	३।३७
०६।१३।४५।२७	५ शु	१	४।५९	६।३५	८।३२	१०।४६	१।०६	३।२३	५।३९	७।५८	१०।१७	१२।२१	२।०५	३।३३
०६।१४।४५।४१	६ श	२	४।५५	६।३१	८।२८	१०।४२	१।०३	३।१९	५।३५	७।५४	१०।१३	१२।१७	२।०१	३।२९
०६।१५।४५।५७	७ र	३	४।५१	६।२८	८।२४	१०।३८	१२।५९	३।१५	५।३१	७।५०	१०।०९	१२।१४	१।५७	३।२५
०६।१६।४६।१५	८ चं	४	४।४७	६।२४	८।२०	१०।३५	१२।५५	३।११	५।२७	७।४६	१०।०५	१२।१०	१।५३	३।२१
०६।१७।४६।३४	९ मं	५	४।४३	६।२०	८।१६	१०।३१	१२।५१	३।०८	५।२३	७।४२	१०।०१	१२।०६	१।४९	३।१७
०६।१८।४६।५६	९ बु	६	४।३९	६।१६	८।१२	१०।२७	१२।४७	३।०४	५।१९	७।३९	९।५७	१२।०२	१।४५	३।१३
०६।१९।४७।२०	१० गु	७	४।३६	६।१२	८।०८	१०।२३	१२।४३	३।००	५।१५	७।३५	९।५३	११।५८	१।४१	३।१०
०६।२०।४७।४६	११ शु	८	४।३२	६।०८	८।०४	१०।१९	१२।३९	२।५६	५।१२	७।३१	९।४९	११।५४	१।३७	३।०६
०६।२१।४८।१३	१२ श	९	४।२८	६।०४	८।००	१०।१५	१२।३५	२।५२	५।०८	७।२७	९।४५	११।५०	१।३३	३।०२
०६।२२।४८।४३	१३ र	१०	४।२४	६।००	७।५६	१०।११	१२।३१	२।४८	५।०४	७।२३	९।४१	११।४६	१।२९	२।५८
०६।२३।४९।१४	१४ चं	११	४।२०	५।५६	७।५२	१०।०७	१२।२७	२।४४	५।००	७।१९	९।३७	११।४२	१।२५	२।५४
०६।२४।४९।४८	१५ मं	१२	४।१६	५।५२	७।४८	१०।०३	१२।२३	२।४०	४।५६	७।१५	९।३३	११।३८	१।२१	२।५०

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०१९
का. कृ. ३ गुरौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २४।३८ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १८।३८ से भृगौ ६।३८ तक। (दान- तिल गोरस)।

अयनांशाः २४।०६।४६

पं.३१ का.शु.१४ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	६	८	७	८	२	८
२४	००	२५	०१	१७	२२	१६	१६
१३	२८	३४	१३	२२	०५	४७	४७
५६	०२	४९	२३	४८	२६	२४	२४
६०	३९	८०	१२	७४	४	३	३
२१	१९	२४	१९	३६	५०	१२	१२
वि	चि	वि	मू	ज्ये	पूषा	आ	पूषा
२	३	२व	१	१	३	४	२

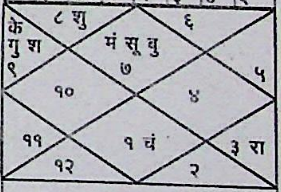

१३ नवंबर से २६ नवंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	बु	३१	५६	१९	४०	कृति	३७	३९	२१	५७	व	७	४३	९	५९	वा	१	१८	७	२४	३६/४४	६/५३	५/३५	२२	१५	१३	वृषे	६।२५।४३।०७	६०।३७
उत्पात	२	गु	३२	२८	१९	५३	रोहि	३९	३४	२२	४४	प	५	३४	९	०८	तै	२	१९	७	५०	४१	५४	३४	२३	१६	१४	वृषे	६।२६।४३।४३	६०।३९
च.व्र.	३	शु	३२	०५	१९	४५	मृग	४०	३७	२३	१०	शि	२/५६	४१/०८	७/३०	५९/३४	व	२	२३	७	५२	३८	५५	३४	२४	१७	१५	मिथु. १०।५९	६।२७।४४।२२	६०।४०
मुद्गर	४	श	३०	५१	१९	१६	आर्द्रा	४०	४७	२३	१५	सा	५४	५२	२८	५३	ब	१	३४	७	३३	३५	५६	३३	२५	१८	१६	मिथु.	६।२८।४५।०२	६०।४२
ध्वजा	५	र	२८	४२	१८	२५	पुन	४०	०६	२२	५९	शु	४९	५४	२६	५४	तै	२८	४२	१८	२५	३२	५६	३३	२६	१९	१७	कर्के १७।०५	६।२९।४५।४४	६०।४४
धाता	६	सो	२५	३९	१७	१३	पुष्य	३८	३२	२२	२२	शु	४४	१२	२४	३८	च	२५	३९	१७	१३	२९	५७	३३	२७	२०	१८	कर्के	७।००।४६।२७	६०।४५
आनन्द	७	मं	२१	४४	१५	३९	श्ले	३६	०४	२१	२४	ब्र	३७	४९	२२	०५	ब	२१	४४	१५	३९	२६	५८	३२	२८	२१	१९	सिंहे २१।२४	७।०१।४७।१३	६०।४७
चर	८	बु	१६	५४	१३	४४	मघा	३२	४६	२०	०५	ऐ	३०	४३	१९	१६	कौ	१६	५४	१३	४४	२३	५९	३२	२९	२२	२०	सिंहे	७।०२।४८।००	६०।४९
गद	९	गु	११	१९	११	३१	पूफा	२८	४४	१८	२९	वै	२३	०१	१६	१२	ग	११	१९	११	३१	२०	७/००	३२	३०	२३	२१	कन्या २४।०३	७।०३।४८।४८	६०।५०
ए.व्र.	१०	शु	५	०६	९	०३	उफा	२४	०८	१६	४०	वि	१४	५१	१२	५७	वि	५	०६	९	०३	१८	००	३१	१	२४	२२	कन्या	७।०४।४९।३८	६०।५२
क्षयः	११	शु	५८	२९	३०	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	श	५१	४४	२७	४३	हस्त	१९	१३	१४	४२	प्री	६/५७	२४/५३	९/३०	३५/१०	कौ	२५	०५	१७	०३	१५	०१	३१	२	२५	२३	तुला. २५।४३	७।०५।५०।३०	६०।५३
प्र.व्र.	१३	र	४५	०९	२५	०६	चित्रा	१४	१७	१२	४५	सौ	४९	३१	२६	५०	ग	१८	२३	१४	२३	१३	०२	३१	३	२६	२४	तुला.	७।०६।५१।२३	६०।५५
छत्र	१४	सो	३९	०६	२२	४१	स्वा	९	४१	१०	५५	शो	४१	३६	२३	४१	वि	१२	०१	११	५१	१०	०३	३१	४	२७	२५	वृश्चि. २७।४३	७।०७।५२।१८	६०।५६
अमाव.	३०	मं	३३	५४	२०	३७	विशा	५	४५	९	२२	अ	३४	२३	२०	४९	च	६	२१	९	३६	०८	०४	३१	५	२८	२६	वृश्चि.	७।०८।५३।१४	६०।५८

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर २०१९

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
आर्द्रा.-३ राहुः १४।४०, पूषा.-१ केतुः १४।४०
नेहरुजयन्ती (वालदिवस) [C धनुषि मूले शुक्रः १०।४०
भ. ७।५२ उ. १९।४५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः १९।५८, B
आकाशदीप समाप्तिः,वृश्चिके रविः २४।२४,वुधोदयः F
वृश्चिके सौरः १२।३५ [B सौभाग्य सुंदरीव्र.,(व) स्वा.वुधः १९।३२
भ. १७।१३ उ. २८।२९ या. [F पूर्वस्याम् १९।०८
मघा. रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न ४, ७, कालभैरवाष्टमी
मघा. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, अनु.रविः ७।४३ D
भ. २२।१९ उ., मार्गी वुधः १२।४४, मूले-२ गुरुः ८।३९, C
भ. ९।०३ या., उत्पत्ति ११ व्र.स्मार्त, वैतरणी व्र., भा. A
[A मार्गशीर्षारंभः,सायन धनुषि भानुः २०।२५
उत्पत्ति ११ व्र.वैष्ण. [D (सौरः १९।३७), स्वा. भौमः १७।३४
भ. २५।०६ उ., प्रदोषः [E शनिः १०।५१
भ. ११।५१ या., मासिकशिवरात्री व्र., महाव्रतारंभः, पूषा.-४ E
देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., विशा. वुधः १८।१५

अयनांशाः २४।०६।४७

पं.३२ मा.कृ. ६ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	६	८	७	८	२	८
०१	०५	१८	०२	२६	२२	१६	१६
१७	०३	०२	४०	०४	४०	२५	२५
००	४०	५९	४६	५४	४२	०८	०८
६०	३९	२६	१२	७४	५	३	३
३३	२७	३५	४३	३४	१८	११	११
वि	चि	स्वा	मू	ज्ये	पूषा	आ	पूषा
४	४	४व	१	३	३	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।२५।५०।२३	१ बु	१३	४।१२	५।४८	७।४४	९।५९	१२।१९	२।३६	४।५२	७।११	९।२९	११।३४	१।१७	२।४६
०६।२६।५१।००	२ गु	१४	४।०८	५।४४	७।४०	९।५५	१२।१५	२।३२	४।४८	७।०७	९।२६	११।३०	१।१३	२।४२
०६।२७।५१।३९	३ शु	१५	४।०४	५।४०	७।३६	९।५१	१२।११	२।२८	४।४४	७।०३	९।२२	११।२६	१।०९	२।३८
०६।२८।५२।१९	४ श	१६	४।००	५।३६	७।३२	९।४७	१२।०७	२।२४	४।४०	६।५९	९।१८	११।२२	१।०५	२।३४
०६।२९।५३।०१	५ र	१७	३।५६	५।३२	७।२८	९।४३	१२।०३	२।२०	४।३६	६।५५	९।१४	११।१८	१।०२	२।३०
०७।००।५३।४५	६ चं	१८	३।५२	५।२८	७।२५	९।३९	११।५९	२।१६	४।३२	६।५१	९।१०	११।१४	१२।५८	२।२६
०७।०१।५४।३१	७ मं	१९	३।४८	५।२४	७।२१	९।३५	११।५५	२।१२	४।२८	६।४७	९।०६	११।१०	१२।५४	२।२२
०७।०२।५५।१८	८ बु	२०	३।४४	५।२०	७।१७	९।३१	११।५२	२।०८	४।२४	६।४३	९।०२	११।०६	१२।५०	२।१८
०७।०३।५६।०७	९ गु	२१	३।४०	५।१७	७।१३	९।२७	११।४८	२।०४	४।२०	६।३९	८।५८	११।०२	१२।४६	२।१४
०७।०४।५६।५७	१० शु	२२	३।३६	५।१३	७।०९	९।२४	११।४४	२।००	४।१६	६।३५	८।५४	१०।५९	१२।४२	२।१०
०७।०५।५७।४९	१२ श	२३	३।३२	५।०९	७।०५	९।२०	११।४०	१।५७	४।१२	६।३१	८।५०	१०।५५	१२।३८	२।०६
०७।०६।५८।४२	१३ र	२४	३।२८	५।०५	७।०१	९।१६	११।३६	१।५३	४।०८	६।२८	८।४६	१०।५१	१२।३४	२।०२
०७।०७।५९।३७	१४ चं	२५	३।२५	५।०१	६।५७	९।१२	११।३२	१।४९	४।०४	६।२४	८।४२	१०।४७	१२।३०	१।५९
०७।०९।००।३४	३० मं	२६	३।२१	४।५७	६।५३	९।०८	११।२८	१।४५	४।०१	६।२०	८।३८	१०।४३	१२।२६	१।५५

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०१९
मार्ग. कृ. ४ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २४।२४ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १८।०० से २४।२४ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २४।०६।४८

पं.३३ मा.कृ.१४ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	६	८	८	८	२	८
०८	०९	१८	०४	०४	२३	१६	१६
२१	४०	५१	१०	४६	१९	०२	०२
२१	१७	५५	५५	४३	०६	५२	५२
६०	३९	४४	१३	७४	५	३	३
४३	३६	२१	०४	३१	४३	११	११
अनु	स्वा	स्वा	मू	मू	पूषा	आ	पूषा
२	१	४	२	२	३	३	१

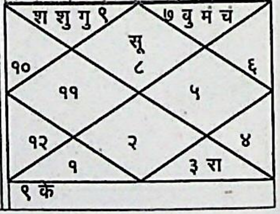

२७ नवंबर से १२ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिना सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | केतकी अहर्गणः ३१५७ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर-दिसंबर २०१९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सौम्य	१	बु	२९	५४	११	०२	अनु	२	५०	८	१२	सु	२८	०८	१८	११	किं	१	४३	७	४६	३६/०५	०७/०४	५/३०	६	२९	२७	वृश्चि.	७।०९।५४।११	६०।५९	[A द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा
काल	२	गु	२७	२१	१८	०१	ज्ये	१	१४	७	३४	धृ	२३	००	१६	१७	कौ	२७	२१	१८	०१	०३	०५	३०	७	३०	२८	धनु. ७।३४	७।१०।५५।१०	६१।००	चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
सुस्थिर	३	शु	२६	३०	१७	४२	मूल	१	१०	७	३४	शू	१९	१२	१४	४७	ग	२६	३०	१७	४२	०१	०६	३०	८	१	२९	धनु.	७।११।५६।१०	६१।०२	भ. २९।४८ उ., रंभास्थेयं, रविलास्सर ४
मातङ्ग	४	श	२७	२५	१८	०५	पूषा	२	४९	८	१४	गं	१६	४६	१३	४९	वि	२७	२५	१८	०५	२५/५९	०७	३०	९	२	३०	मक. १४।३१	७।१२।५७।१२	६१।०३	भ. १८।०५ या.
मुसल	५	र	३०	०७	१९	१०	उषा	६	११	९	३६	वृ	१५	४१	१३	२४	वा	३०	०७	१९	१०	५७	०७	३०	१०	३	१	मक.	७।१३।५८।१५	६१।०४	नागपंचमी, दिसंबर १२ ता. ३१, पूषा. शुक्रः २८।३२
सिद्धि	६	सो	३४	२७	२०	५५	श्रव	११	१२	११	३७	ध्रु	१५	५३	१३	२९	कौ	२	०५	७	५८	५५	०८	३०	११	४	२	कुंभे २४।५०	७।१४।५९।११	६१।०५	पंचक प्रारम्भः २४।५०, स्कंदषष्ठी
उत्पात	७	मं	४०	०३	२३	१०	धनि	१७	३३	१४	१०	व्या	१७	०७	१४	००	ग	७	०६	९	५९	५३	०९	३०	१२	५	३	कुंभे	७।१६।००।२४	६१।०६	भ. २३।१० उ., ज्येष्ठा. रविः १२।०० (सौरः २२।४२)
मानस	८	बु	४६	२१	२५	४२	शत	२४	४७	१७	०४	ह	१९	०३	१४	४७	वि	१३	०८	१२	२५	५१	१०	३०	१३	६	४	कुंभे	७।१७।०१।३१	६१।०८	भ. १२।२५ या. [B विशा. भौमः २१।२४
मुद्गर	९	गु	५२	४६	२८	१७	पूभा	३२	१७	२०	०५	व	२१	१४	१५	४०	वा	१९	३४	१५	००	५०	१०	३०	१४	७	५	मीने १३।२०	७।१८।०२।३८	६१।०९	कल्पादि, वृश्चिके बुधः ११।००
ध्वजा	१०	शु	५८	३६	३०	३८	उभा	३९	२६	२२	५८	सि	२३	१२	१६	२८	तै	२५	४६	१७	२९	४८	११	३०	१५	८	६	मीने	७।१९।०३।४७	६१।१०	मूले-३ गुरुः १२।३२
धाता	११	श	…	…	…	…	रेव	४५	४३	२५	२९	व्य	२४	३६	१७	०२	व	३१	०८	१९	३९	४७	१२	३१	१६	९	७	मेषे २५।२९	७।२०।०४।५७	६१।११	भ. १९।३९ उ., पंचक समाप्तिः २५।२९, अनु. बुधः २०।५३
ए.व्र.	११	र	३	२१	८	३३	अश्वि	५०	४६	२७	३१	व	२५	०५	१७	१४	वि	३	२१	८	३३	४५	१३	३१	१७	१०	८	मेषे	७।२१।०६।०८	६१।१२	भ. ८।३३ या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती
प्र.व्र.	१२	सो	६	४८	९	५६	भर	५४	२५	२८	५९	प	२४	२९	१७	०१	बा	६	४८	९	५६	४४	१३	३१	१८	११	९	मेषे	७।२२।०७।२०	६१।१३	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र.
गद	१३	मं	८	४६	१०	४४	कृति	५६	४१	२९	५४	शि	२२	४७	१६	२१	तै	८	४६	१०	४४	४३	१४	३१	१९	१२	१०	वृषे ११।१६	७।२३।०८।३२	६१।१४	रोहि. रे. ७ ।।।।SSISII रात्रौ लग्न ८, पिशाच मोचन श्राद्धं, B
शुभ	१४	बु	९	११	१०	५८	रोहि	५७	३९	३०	१८	सि	२०	०१	१५	१५	व	९	११	१०	५८	४२	१५	३१	२०	१३	११	वृषे	७।२४।०९।४६	६१।१५	भ. १०।५८ उ. २२।५३ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतं, A
पूर्णिमा	१५	गु	८	३४	१०	४१	मृग	५७	२९	३०	१५	सा	१६	१५	१३	४५	व	८	३४	१०	४१	४१	१५	३२	२१	१४	१२	मिथु. १८।२०	७।२५।११।०१	६१।१५	पूर्णिमा पुण्यं, उषा. शुक्रः २२।५६

अयनांशाः २४।०६।४९

पं.३४ मा.शु. ६ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	६	८	८	८	२	८
१५	१४	२५	०५	१३	२४	१५	१५
२६	१७	५३	४३	२८	००	४०	४०
५१	५५	४१	२१	०३	१४	३६	३६
६०	३९	७५	१३	७४	६	३	३
५२	४५	३१	२२	२६	०५	११	११
अनु	स्वा	वि	मू	पूषा	पूषा	आ	पूषा
४	३	२	२	१	४	३	१

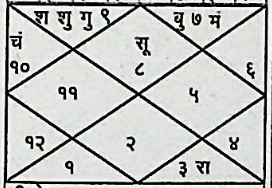

९ के

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. नवं.	मेष दिवा	वृष सायं	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक प्रातः	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०७।१०।०१।३१	१ बु	२७	३।१७	४।५३	६।४९	९।०४	११।२४	१।४१	३।५७	६।१६	८।३४	१०।३९	१२।२२	१।५१
०७।११।०२।३०	२ गु	२८	३।१३	४।४९	६।४५	९।००	११।२०	१।३७	३।५३	६।१२	८।३०	१०।३५	१२।१८	१।४७
०७।१२।०३।३१	३ शु	२९	३।०९	४।४५	६।४१	८।५६	११।१६	१।३३	३।४९	६।०८	८।२६	१०।३१	१२।१४	१।४३
०७।१३।०४।३३	४ श	३०	३।०५	४।४१	६।३७	८।५२	११।१२	१।२९	३।४५	६।०४	८।२२	१०।२७	१२।१०	१।३९
०७।१४।०५।३६	५ र	१	३।०१	४।३७	६।३३	८।४८	११।०८	१।२५	३।४१	६।००	८।१८	१०।२३	१२।०६	१।३५
०७।१५।०६।४०	६ चं	२	२।५७	४।३३	६।२९	८।४४	११।०४	१।२१	३।३७	५।५६	८।१५	१०।१९	१२।०२	१।३१
०७।१६।०७।४६	७ मं	३	२।५३	४।२९	६।२५	८।४०	११।००	१।१७	३।३३	५।५२	८।११	१०।१५	११।५८	१।२७
०७।१७।०८।५२	८ बु	४	२।४९	४।२५	६।२१	८।३६	१०।५६	१।१३	३।२९	५।४८	८।०७	१०।११	११।५४	१।२३
०७।१८।१०।००	९ गु	५	२।४५	४।२१	६।१७	८।३२	१०।५२	१।०९	३।२५	५।४४	८।०३	१०।०७	११।५१	१।१९
०७।१९।११।०९	१० शु	६	२।४१	४।१७	६।१४	८।२८	१०।४८	१।०५	३।२१	५।४०	७।५९	१०।०३	११।४७	१।१५
०७।२०।१२।१९	११ श	७	२।३७	४।१३	६।१०	८।२४	१०।४४	१।०१	३।१७	५।३६	७।५५	९।५९	११।४३	१।११
०७।२१।१३।३०	११ र	८	२।३३	४।०९	६।०६	८।२०	१०।४१	१२।५७	३।१३	५।३२	७।५१	९।५५	११।३९	१।०७
०७।२२।१४।४२	१२ चं	९	२।२९	४।०६	६।०२	८।१६	१०।३७	१२।५३	३।०९	५।२८	७।४७	९।५१	११।३५	१।०३
०७।२३।१५।५५	१३ मं	१०	२।२५	४।०२	५।५८	८।१३	१०।३३	१२।४९	३।०५	५।२४	७।४३	९।४८	११।३१	१२।५९
०७।२४।१७।०९	१४ बु	११	२।२१	३।५८	५।५४	८।०९	१०।२९	१२।४६	३।०१	५।२०	७।३९	९।४४	११।२७	१२।५५
०७।२५।१८।२४	१५ गु	१२	२।१७	३।५४	५।५०	८।०५	१०।२५	१२।४२	२।५७	५।१७	७।३५	९।४०	११।२३	१२।५१

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो और पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो ॥ बुधेरसक्षयोभूम्यां ॥ चन्द्रजीवौ यदापंच धान्यादीनांसमर्घता ॥ कृष्णा चतुर्दशी में स्वाति होने से वर्षा का अभाव हो। मगलवारी अमावस होने से राज्यभ्रंश, राजयुद्ध-क्लेशो की वृद्धि-उपघात-अल्पवृष्टि और द्रव्यों की हानि हो। अमावस्या विशाखा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शु. एकादशी को शनिवार होने से अनावृष्टि और प्रजा उपद्रव हों। शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २४।०६।५०

पं.३५ मा.शु.१२ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	७	८	८	८	२	८
२२	१८	०५	०७	२२	२४	१५	१५
३३	५६	२२	१७	०८	४३	१८	१८
१७	३४	०१	३४	४१	४७	१९	१९
६०	३९	८६	१३	७४	६	३	३
५९	५३	३९	३५	१८	२४	११	११
ज्ये	स्वा	अनु	मू	पूषा	पूषा	आ	पूषा
२	४	१	३	३	४	३	१

९ के

१३ दिसंबर से २६ दिसंबर तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर २०१९

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
पद्म	१	शु	६	४०	९	५६	आर्द्रा	५६	२१	२९	४९	शु	११	३६	११	५४	कौ	६	४०	९	५६	२५ ४०	७ १६	५ ३२	२२	१५	१३	मिथु.	७।२६।१२।१६	६१।१६	[B मूले वुधः १५।१६
छत्र	२	श	३	४८	८	४८	पुन	५४	२५	२९	०३	शु	६	१३	९	४६	ग	३	४८	८	४८	३९	१७	३२	२३	१६	१४	कर्क २३।१६	७।२७।१३।३२	६१।१७	भ. २०।०६ उ.,
च.व्र.	३	र	०	०७	७	२०	पुष्य	५१	५१	२८	०२	व्र	०	११	७	२२	वि	०	०७	७	२०	३८	१७	३३	२४	१७	१५	कर्के	७।२८।१४।४९	६१।१८	भ. ७।२० या., गुरोरस्तः पश्चिमायाम् १४।०२ C
क्षयः	४	र	५५	५२	२९	३८	०	०	०	०	०	ऐ	५३	४२	२८	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	[C चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४५, मकरे शुक्रः १५।३९
सौम्य	५	सो	५१	०५	२७	४४	श्ले	४८	४७	२६	४९	वै	४६	४८	२६	०१	कौ	२३	३१	१६	४२	३८	१८	३३	२५	१८	१६	सिंहे २६।४९	७।२९।१६।०७	६१।१८	धनुषि मूले रविः १४।५८ (सौरः २४।२९), ज्येष्ठा. वुधः २२।२०
काल	६	मं	४५	५७	२५	४१	मघा	४५	२२	२५	२७	वि	३९	३५	२३	०८	ग	१८	३२	१४	४३	३७	१८	३३	२६	१९	१७	सिंहे	८।००।१७।२५	६१।१९	भ. २५।४१ उ.
सुस्थिर	७	वु	४०	३५	२३	३३	पूफा	४१	४४	२४	००	प्री	३२	११	२०	११	वि	१३	१७	१२	३८	३७	१९	३४	२७	२०	१८	कन्या २९।३८	८।०१।१८।४४	६१।२०	भ. १२।३८ या.
मातङ्ग	८	गु	३५	१०	२१	२४	उफा	३८	०१	२२	३२	आ	२४	४३	१७	१३	वा	७	५३	१०	२९	३६	२०	३४	२८	२१	१९	कन्या	८।०२।२०।०४	६१।२०	वुधास्तः पूर्वस्याम् २९।१२
अमृत	९	शु	२९	४९	१९	१६	हस्त	३४	२३	२१	०६	सौ	१७	१७	१४	१५	तै	२	२८	८	१९	३६	२०	३५	२९	२२	२०	कन्या	८।०३।२१।२४	६१।२१	भ. ३०।१४ उ., मूले-४ गुरुः २८।०२
काण	१०	श	२४	४१	१७	१३	चित्रा	३१	००	१९	४५	शो	१०	००	११	२१	वि	२४	४१	१७	१३	३६	२१	३५	३०	२३	२१	तुला. ८।२४	८।०४।२२।४५	६१।२१	भ. १७।१३ या. [A मकरे भानुः सायन उत्तरायण प्रारम्भ ९।४४
ए.व्र.	११	र	१९	५७	१५	२०	स्वा	२८	००	१८	३३	अ	३ ५६	५९ २४	२६	३३ ३५	वा	१९	५७	१५	२०	३६	२१	३६	१	२४	२२	तुला.	८।०५।२४।०६	६१।२२	सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२, भा. पोपारंभः, सायन A
प्र.व्र.	१२	सो	१५	४६	१३	४०	विशा	२५	३६	१७	३६	धृ	५०	२०	२७	३०	तै	१५	४६	१३	४०	३६	२२	३६	२	२५	२३	वृश्चि. ११।४९	८।०६।२५।२७	६१।२२	प्रदोषः, श्रव. शुक्रः १८।१३, अयन करिदिन
वज्र	१३	मं	१२	२१	१२	१९	अनु	२३	५७	१६	५७	शू	४४	५७	२५	२१	व	१२	२१	१२	१९	३६	२२	३७	३	२६	२४	वृश्चि.	८।०७।२६।४९	६१।२२	भ. १२।१९ उ. २३।४६ या., मासिकशिवरात्री व्र.
ध्वाङ्क्ष	१४	वु	९	५१	११	१९	ज्ये	२३	१५	१६	४१	गं	४०	२२	२३	३१	श	९	५१	११	१९	३६	२३	३७	४	२७	२५	धनु. १६।४१	८।०८।२८।१२	६१।२३	पितृकार्येऽमा., कुहूः, वडादिन, वृश्चिके भौमः २०।५७, धनुषि B
अमाव.	३०	गु	८	२६	१०	४५	मूल	२३	३८	१६	५०	वृ	३६	४२	२२	०४	ना	८	२६	१०	४५	३७	२३	३८	५	२८	२६	धनु.	८।०९।२९।३४	६१।२३	सूर्यग्रहणम्, देवकार्येऽमा., उषा.-१ शनिः १७।२५

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०६।५१ ॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.३६ पौ.कृ. ५ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	वु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	७	८	९	८	२	८
२९	२३	१५	०८	००	२५	१४	१४
४०	३६	४३	५३	४८	२९	५६	५६
२८	१३	१०	०६	१८	२०	०३	०३
६१	४०	९०	१३	७४	६	३	३
०५	०२	४७	४४	०८	३९	११	११
ज्ये	वि	अनु	मू	उषा	पूषा	आ	पूषा
४	२	४	३	२	४	३	१

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।२६।११।३९	१ शु	१३	२।१४	३।५०	५।४६	८।०१	१०।२१	१२।३८	२।५३	५।१३	७।३१	९।३६	११।१९	१२।४८
०७।२७।२०।५६	२ श	१४	२।१०	३।४६	५।४२	७।५७	१०।१७	१२।३४	२।५०	५।०९	७।२७	९।३२	११।१५	१२।४४
०७।२८।२२।१३	३ र	१५	२।०६	३।४२	५।३८	७।५३	१०।१३	१२।३०	२।४६	५।०५	७।२३	९।२८	११।११	१२।४०
०७।२९।२३।३१	५ चं	१६	२।०२	३।३८	५।३४	७।४९	१०।०९	१२।२६	२।४२	५।०१	७।१९	९।२४	११।०७	१२।३६
०८।००।२४।४९	६ मं	१७	१।५८	३।३४	५।३०	७।४५	१०।०५	१२।२२	२।३८	४।५७	७।१५	९।२०	११।०३	१२।३२
०८।०१।२६।०८	७ वु	१८	१।५४	३।३०	५।२६	७।४१	१०।०१	१२।१८	२।३४	४।५३	७।११	९।१६	१०।५९	१२।२८
०८।०२।२७।२८	८ गु	१९	१।५०	३।२६	५।२२	७।३७	९।५७	१२।१४	२।३०	४।४९	७।०७	९।१२	१०।५५	१२।२४
०८।०३।२८।४८	९ शु	२०	१।४६	३।२२	५।१८	७।३३	९।५३	१२।१०	२।२६	४।४५	७।०४	९।०८	१०।५१	१२।२०
०८।०४।३०।०९	१० श	२१	१।४२	३।१८	५।१४	७।२९	९।४९	१२।०६	२।२२	४।४१	७।००	९।०४	१०।४७	१२।१६
०८।०५।३१।३१	११ र	२२	१।३८	३।१४	५।१०	७।२५	९।४५	१२।०२	२।१८	४।३७	६।५६	९।००	१०।४३	१२।१२
०८।०६।३२।५२	१२ चं	२३	१।३४	३।१०	५।०७	७।२१	९।४१	११।५८	२।१४	४।३३	६।५२	८।५६	१०।४०	१२।०८
०८।०७।३४।१४	१३ मं	२४	१।३०	३।०६	५।०३	७।१७	९।३७	११।५४	२।१०	४।२९	६।४८	८।५२	१०।३६	१२।०४
०८।०८।३५।३७	१४ वु	२५	१।२६	३।०२	४।५९	७।१३	९।३३	११।५०	२।०६	४।२५	६।४४	८।४८	१०।३२	१२।००
०८।०९।३७।००	३० गु	२६	१।२२	२।५८	४।५५	७।०९	९।३०	११।४६	२।०२	४।२१	६।४०	८।४४	१०।२८	११।५६

संक्रांति फलम्

ता. १६ दिसंबर २०१९
पौष कृ. ५ चंद्रे धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. १४।५८ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १४।५८ से २१।२२ तक । (दान- वस्त्र) ।

अयनांशाः २४।०६।५२

पं.३७ पौ.कृ.१२ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	वु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	६	७	८	९	८	२	८
०६	२८	२६	१०	०९	२६	१४	१४
४८	१६	२४	२९	२६	१६	३३	३३
१३	५४	२०	३०	३४	३०	४७	४७
६१	४०	९२	१३	७३	६	३	३
०८	११	२८	४९	५४	५१	११	११
मू	वि	ज्ये	मू	उषा	पूषा	आ	पूषा
३	३	३	४	४	४	३	१

२७ दिसंबर से १० जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिना सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	शु	८	१७	१०	४२	पूषा	२५	१५	१७	३०	ध्रु	३४	०२	२१	००	व	८	१७	१०	४२	२५/३७	७/२३	५/३८	६	२९	२७	मक. २३।४४	८।१०।३०।५७	६१।२३
राक्षस	२	श	९	२८	११	११	उषा	२८	१२	१८	४१	व्या	३२	२६	२०	२२	कौ	९	२८	११	११	३८	२४	३९	७	१	२८	मक.	८।११।३२।२१	६१।२३
गद	३	र	१२	०४	१२	१४	श्रव	३२	३१	२०	२५	ह	३१	५४	२०	१०	ग	१२	०४	१२	१४	३८	२४	४०	८	२	२९	मक.	८।१२।३३।४४	६१।२४
शुभ	४	सो	१६	०४	१३	५०	धनि	३८	०८	२२	४०	व	३२	२४	२०	२२	वि	१६	०४	१३	५०	३९	२५	४०	९	३	३०	कुंभे ९।२९	८।१३।३५।०७	६१।२४
मृत्यु	५	मं	२१	१८	१५	५६	शत	४४	४९	२५	२१	सि	३३	४६	२०	५५	बा	२१	१८	१५	५६	४०	२५	४१	१०	४	३१	कुंभे	८।१४।३६।३१	६१।२४
पद्म	६	बु	२७	२५	१८	२३	पूभा	५२	१२	२८	१८	व्य	३५	४४	२१	४३	तै	२७	२५	१८	२३	४१	२५	४२	११	५	१	मीने २१।३३	८।१५।३७।५५	६१।२४
छत्र	७	गु	३३	५५	२१	००	उभा	५९	४१	३१	१८	व	३७	५४	२२	३५	ग	०	४०	७	४१	४२	२५	४२	१२	६	२	मीने	८।१६।३९।१८	६१।२४
श्रीवत्स	८	शु	४०	०७	२३	२९	रेव	...	...	...	...	प	३९	५०	२३	२२	वि	७	०५	१०	१६	४३	२६	४३	१३	७	३	मीने	८।१७।४०।४२	६१।२४
धाता	९	श	४५	२६	२५	३६	रेव	६	३९	१०	०६	शि	४१	०७	२३	५२	बा	१२	५५	१२	३६	४४	२६	४४	१४	८	४	मेषे १०।०६	८।१८।४२।०६	६१।२४
आनन्द	१०	र	४९	२०	२७	१०	अश्वि	१२	३५	१२	२८	सि	४१	२१	२३	५९	तै	१७	३४	१४	२८	४६	२६	४४	१५	९	५	मेषे	८।१९।४३।२९	६१।२३
ए.व्र.	११	सो	५१	३३	२८	०३	भर	१७	०२	१४	१५	सा	४०	२०	२३	३४	व	२०	३९	१५	४२	४७	२६	४५	१६	१०	६	वृषे २०।३६	८।२०।४४।५३	६१।२३
गद	१२	मं	५१	५९	२८	१४	कृति	१९	४९	१५	२२	शु	३७	५८	२२	३८	ब	२१	५८	१६	१४	४९	२६	४६	१७	११	७	वृषे	८।२१।४६।१६	६१।२३
प्र.व्र.	१३	बु	५०	३९	२७	४२	रोहि	२०	५२	१५	४७	शु	३४	१५	२१	०८	कौ	२१	३२	१६	०३	५०	२६	४७	१८	१२	८	मिथु. २७।४५	८।२२।४७।३९	६१।२३
मृत्यु	१४	गु	४७	४६	२६	३३	मृग	२०	१७	१५	३४	ब्र	२९	१४	१९	०८	ग	१९	२४	१५	१२	५२	२७	४७	१९	१३	९	मिथु.	८।२३।४९।०२	६१।२३
पूर्णिमा	१५	शु	४३	३०	२४	५१	आर्द्रा	१८	१६	१४	४५	ऐ	२३	०६	१६	४१	वि	१५	४६	१३	४५	५४	२७	४८	२०	१४	१०	मिथु.	८।२४।५०।२५	६१।२२

केनकी अहर्गणः ३१८७ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, दिसं.२०१९-जन.२०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

चंद्रदर्शनम् (मु.४५), ग्रहण-करिदिन

जमादिलावल ५

भ.२४।५८ उ., पूषा. रविः १७।१० (सौरः २५।३०), शनेरस्तः B

भ. १३।५० या., पंचक प्रारम्भः ९।२९, अनु. भौमः २०।१०

[B पश्चिमायाम् १३।४८

जनवरी १ ता. ३१ सन २०२० ई.

भ. २१।०० उ., पूषा. बुधः २७।५८

भ. १०।१६ या., शांकभरी यात्रा, धनि. शुक्रः १४।५२

पंचक समाप्तिः १०।०६, पूषा.-१ गुरुः १५।४१

भ. १५।४२ उ. २८।०३ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि

[A शाकंभरी जयंती, माघ स्नानारंभः,

प्रदोषः, कुंभे शुक्रः २५।५२

भ. २६।३३ उ., गुरोरुदयः पूर्वस्याम् २८।२३

भ. १३।४५ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०६।५३

पं.३८ पौ.शु. ४ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	८	८	९	८	२	८
१३	०२	०७	१२	१८	२७	१४	१४
५६	५८	१५	०६	०३	०४	११	११
१७	३४	५४	१७	०४	५३	३२	३२
६१	४०	९४	१३	७३	६	३	३
१०	१९	००	५०	३७	५९	११	११
पूषा	वि	मू	मू	श्र	उषा	आ	पूषा
१	४	३	४	३	१	३	१

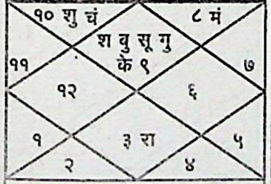

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०८।१०।३८।२३	१ शु	२७	१।१८	२।५५	४।५१	७।०६	९।२६	११।४२	१।५८	४।१७	६।३६	८।४१	१०।२४	११।५२
०८।११।३९।४६	२ श	२८	१।१४	२।५१	४।४७	७।०२	९।२२	११।३८	१।५४	४।१३	६।३२	८।३७	१०।२०	११।४८
०८।१२।४१।१०	३ र	२९	१।१०	२।४७	४।४३	६।५८	९।१८	११।३५	१।५०	४।०९	६।२८	८।३३	१०।१६	११।४४
०८।१३।४२।३३	४ चं	३०	१।०६	२।४३	४।३९	६।५४	९।१४	११।३१	१।४६	४।०६	६।२४	८।२९	१०।१२	११।४०
०८।१४।४३।५७	५ मं	३१	१।०३	२।३९	४।३५	६।५०	९।१०	११।२७	१।४२	४।०२	६।२०	८।२५	१०।०८	११।३७
०८।१५।४५।२१	६ बु	१	१२।५९	२।३५	४।३१	६।४६	९।०६	११।२३	१।३९	३।५८	६।१६	८।२१	१०।०४	११।३३
०८।१६।४६।४४	७ गु	२	१२।५५	२।३१	४।२७	६।४२	९।०२	११।१९	१।३५	३।५४	६।१२	८।१७	१०।००	११।२९
०८।१७।४८।०८	८ शु	३	१२।५१	२।२७	४।२३	६।३८	८।५८	११।१५	१।३१	३।५०	६।०८	८।१३	९।५६	११।२५
०८।१८।४९।३२	९ श	४	१२।४७	२।२३	४।१९	६।३४	८।५४	११।११	१।२७	३।४६	६।०४	८।०९	९।५२	११।२१
०८।१९।५०।५६	१० र	५	१२।४३	२।१९	४।१५	६।३०	८।५०	११।०७	१।२३	३।४२	६।००	८।०५	९।४८	११।१७
०८।२०।५२।१९	११ चं	६	१२।३९	२।१५	४।११	६।२६	८।४६	११।०३	१।१९	३।३८	५।५७	८।०१	९।४४	११।१३
०८।२१।५३।४३	१२ मं	७	१२।३५	२।११	४।०७	६।२२	८।४२	१०।५९	१।१५	३।३४	५।५३	७।५७	९।४०	११।०९
०८।२२।५५।०६	१३ बु	८	१२।३१	२।०७	४।०३	६।१८	८।३८	१०।५५	१।११	३।३०	५।४९	७।५३	९।३६	११।०५
०८।२३।५६।२९	१४ गु	९	१२।२७	२।०३	३।५९	६।१४	८।३४	१०।५१	१।०७	३।२६	५।४५	७।४९	९।३३	११।०१
०८।२४।५७।५१	१५ शु	१०	१२।२३	१।५९	३।५६	६।१०	८।३०	१०।४७	१।०३	३।२२	५।४१	७।४५	९।२९	१०।५७

मास फलम्

सूर्यग्रहण, ता. २६ दिस. २०१९, गुरुवार, संवत् २०७६

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो। प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या मूल योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शु. नौमी को शनिवार होने से अन्नादि भावों में समर्घता हो। पूर्णिमा आर्द्रा युक्त होने से महर्घता हो। पूर्णिमा को पुष्य का अभाव होने से महघंता हो। धन राशि में गुरु के अस्त होने से राजाओं का भय हो, चोरो की लूट-खोस रहे। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।०६।५४

पं.३९ पौ.शु ११ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	८	८	९	८	२	८
२१	०७	१८	१३	२६	२७	१३	१३
०४	४१	२०	४२	३७	५४	४९	४९
२९	१४	३६	५२	२३	२४	१६	१६
६१	४०	९६	१३	७३	७	३	३
१०	२८	२७	४७	१६	०५	११	११
पूषा	अनु	पूषा	पूषा	ध	उषा	आ	पूषा
३	२	२	१	१	१	३	१

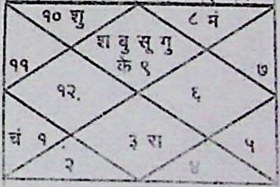

११ जनवरी से २४ जनवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमासू. सू. तारीख

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	स्टै. चंद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति
छत्र	१	श	३८	०९	२२	४२	पुन	१५	०४	१३	२८	वै	१६	०१	१३	५१	वा	१०	५६	११	४९	२५/५६	७/२७	५/४९	२१	१५	११	कर्क ७।५०	८।२५।५१।४७	६१।२२
श्रीवत्स	२	र	३२	००	२०	१५	पुष्य	१०	५६	११	४९	वि	८/५९	११/५२	१०/३१	४३/२३	तै	५	०९	९	३०	५८	२७	५०	२२	१६	१२	कर्क	८।२६।५३।०८	६१।२१
च.व्र.	३	सो	२५	२३	१७	३६	श्ले	६	१४	९	५६	आ	५१	१८	२७	५८	वि	२५	२३	१७	३६	२६/००	२७	५०	२३	१७	१३	सिंहे ९।५६	८।२७।५४।३०	६१।२१
काल	४	मं	१८	३६	१४	५३	मघा	१/५६	१४/४७	७/२९	५६/३७	सौ	४२	४२	२४	३१	वा	१८	३६	१४	५३	०२	२७	५१	२४	१८	१४	सिंहे	८।२८।५५।५१	६१।२०
प्रवर्धमा	५	बु	११	५७	१२	१३	उफा	५१	३९	२८	०६	शो	३४	१९	२१	१०	तै	११	५७	१२	१३	०४	२७	५२	२५	१९	१५	कन्या ११।२९	८।२९।५७।११	६१।२०
राक्षस	६	गु	५	४२	९	४३	हस्त	४७	३५	२६	२८	अ	२६	२१	१७	५९	व	५	४२	९	४३	०६	२६	५३	२६	२०	१६	कन्या	९।००।५८।३१	६१।१९
मुसल	७	शु	०	०४	७	२८	चित्रा	४४	१७	२५	०९	सु	१८	५५	१५	००	व	०	०४	७	२८	०९	२६	५४	२७	२१	१७	तुला. १३।४६	९।०१।५९।५०	६१।१९
क्षयः	८	शु	५५	१४	२९	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिद्धि	९	श	५१	२२	२७	५९	स्वा	४१	५३	२४	११	धृ	१२	१२	१२	१९	तै	२३	११	१६	४३	११	२६	५५	२८	२२	१८	तुला.	९।०३।०१।०९	६१।१८
उत्पात	१०	र	४८	३०	२६	५०	विशा	४०	२८	२३	३७	शू	६	१५	९	५६	व	१९	४७	१५	२१	१३	२६	५५	२९	२३	१९	वृश्चि. १७।४३	९।०४।०२।२७	६१।१७
ए.व्र.	११	सो	४६	४०	२६	०६	अनु	४०	०३	२३	२७	गं	१/५६	०६/४६	७/३०	५२/४८	व	१७	२६	१४	२४	१६	२६	५६	३०	२४	२०	वृश्चि.	९।०५।०३।४५	६१।१७
मुद्गर	१२	मं	४५	५१	२५	४६	ज्ये	४०	४०	२३	४१	ध्रु	५३	१४	२८	४३	कौ	१६	०९	१३	५३	१९	२६	५७	१	२५	२१	धनु. २३।४१	९।०६।०५।०१	६१।१६
प्र.व्र.	१३	बु	४६	०५	२५	५१	मूल	४२	१६	२४	२०	व्या	५०	३१	२७	३८	ग	१५	५१	१३	४६	२१	२५	५८	२	२६	२२	धनु.	९।०७।०६।१७	६१।१५
घाता	१४	गु	४७	२०	२६	२१	पूषा	४४	५०	२५	२१	ह	४८	३२	२६	५०	वि	१६	३५	१४	०३	२४	२५	५९	३	२७	२३	धनु.	९।०८।०७।३३	६१।१४
अमाव.	३०	शु	४९	३३	२७	१४	उषा	४८	२२	२६	४५	व	४७	२०	२६	२१	च	१८	१९	१४	४४	२७	२५	५९	४	२८	२४	मक. ७।४०	९।०९।०८।४७	६१।१३

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोपकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
उषा. रविः १९।०७ (सौरः २६।१८), उषा. बुधः १०।३२
भ. ३०।५६ उ. [B आर्द्रा.-२ राहुः १२।१८, मूले-४ केतुः १२।१८
भ.१७।३६ या.,तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २०।४४,सौभाग्य सुन्दरी A
मकरे रविः २५।३८, निरयन उत्तरायनारंभः, शत. शुक्रः १३।२६
उफा.रे. ९ ||||||S|| रात्रौ लग्न गोधूलि, मकरे सौरः ८।३३, B
भ. ९।४३ उ. २०।३३ या., सक्रान्ति करिदिन [D शनिः २४।४२
स्वातौ रे. ७ S||S|||S|| रात्रौ लग्न ८, स्वामी विवेकानन्द जयंती
[A व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी, मकरे बुधः १०।५९
स्वातौ रे. ६ S||S||SS|| रात्रौ लग्न अ.गोधूलि,पूषा.-२ गुरुः ३०।१८
भ.१५।२१ उ. २६।५० या.,ज्येष्ठा. भौमः १४।०४, श्रव. बुधः ९।४५
अनुरा.रे. ७ |S||||SS|| रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, पट्तिला ११ C
तिल द्वादशी, भा. माघारंभः, अभि.प्र.रविः१४।४५ (सौरः २१।०७)
भ. २५।५१ उ., प्रदोषः [C व्र., सायन कुंभे भानुः २०।१९
भ.१४।०३ या.,मासिकशिवरात्री व्र.,नेताजी जयन्ती,मकरे उषा.-२ D
देवपितृकार्येऽमा.,मौनी ३०, युगादि, श्रव.रविः २१।२३ (सौरः २७।२९)

अयनांशाः २४।०६।५५

पं.४० मा.कृ. ३ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	८	८	१०	८	२	८
२८	१२	२९	१५	०५	२८	१३	१३
१२	२४	४५	१९	०८	४४	२७	२७
३३	५२	१७	०१	५९	०३	००	००
६१	४०	९९	१३	७२	७	३	३
०८	३६	४२	४०	५०	०६	११	११
उषा	अनु	उषा	पूषा	ध	उषा	आ	पूषा
१	३	१	१	४	१	३	१

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जन	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायँ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर प्रातः	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०८।२५।५९।१४	१ श	११	१२।१९	१।५५	३।५२	६।०६	८।२६	१०।४३	१२।५९	३।१८	५।३७	७।४१	९।२५	१०।५३
०८।२७।००।३५	२ र	१२	१२।१५	१।५१	३।४८	६।०२	८।२२	१०।३९	१२।५५	३।१४	५।३३	७।३७	९।२१	१०।४९
०८।२८।०१।५७	३ चं	१३	१२।११	१।४७	३।४४	५।५८	८।१९	१०।३५	१२।५१	३।१०	५।२९	७।३३	९।१७	१०।४५
०८।२९।०३।१८	४ मं	१४	१२।०७	१।४४	३।४०	५।५५	८।१५	१०।३१	१२।४७	३।०६	५।२५	७।३०	९।१३	१०।४१
०९।००।०४।३८	५ बु	१५	१२।०३	१।४०	३।३६	५।५१	८।११	१०।२८	१२।४३	३।०२	५।२१	७।२६	९।०९	१०।३७
०९।०१।०५।५८	६ गु	१६	११।५९	१।३६	३।३२	५।४७	८।०७	१०।२४	१२।३९	२।५९	५।१७	७।२२	९।०५	१०।३३
०९।०२।०७।१७	७ शु	१७	११।५६	१।३२	३।२८	५।४३	८।०३	१०।२०	१२।३५	२।५५	५।१३	७।१८	९।०१	१०।३०
०९।०३।०८।३६	९ श	१८	११।५२	१।२८	३।२४	५।३९	७।५९	१०।१६	१२।३२	२।५१	५।०९	७।१४	८।५७	१०।२६
०९।०४।०९।५४	१० र	१९	११।४८	१।२४	३।२०	५।३५	७।५५	१०।१२	१२।२८	२।४७	५।०५	७।१०	८।५३	१०।२२
०९।०५।११।१२	११ चं	२०	११।४४	१।२०	३।१६	५।३१	७।५१	१०।०८	१२।२४	२।४३	५।०१	७।०६	८।४९	१०।१८
०९।०६।१२।२८	१२ मं	२१	११।४०	१।१६	३।१२	५।२७	७।४७	१०।०४	१२।२०	२।३९	४।५७	७।०२	८।४५	१०।१४
०९।०७।१३।४४	१३ बु	२२	११।३६	१।१२	३।०८	५।२३	७।४३	१०।००	१२।१६	२।३५	४।५३	६।५८	८।४१	१०।१०
०९।०८।१४।५९	१४ गु	२३	११।३२	१।०८	३।०४	५।१९	७।३९	९।५६	१२।१२	२।३१	४।४९	६।५४	८।३७	१०।०६
०९।०९।१६।१४	३० शु	२४	११।२८	१।०४	३।००	५।१५	७।३५	९।५२	१२।०८	२।२७	४।४६	६।५०	८।३३	१०।०२

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०२०
माघ कृ. ४ भौमे मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २५।३८ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वार्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २५।३८ से बुधे १७।३८ तक। (दान-काष्ट - अन्न)।

अयनांशाः २४।०६।५६

पं.४१ मा.कृ.११ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	९	८	१०	८	२	८
०५	१७	११	१६	१३	२९	१३	१३
२०	०९	३२	५४	३७	३३	०४	०४
१८	२८	१९	०९	२२	४३	४५	४५
६१	४०	१०२	१३	७२	७	३	३
०४	४४	३१	२९	२०	०५	११	११
उषा	ज्ये	श्र	पूषा	श	उषा	आ	मू
३	१	१	२	३	१	२	४

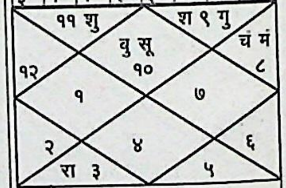

९ के

२५ जनवरी से ९ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिशा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः ३२१६ शिशिरर्त्तूं रविरुत्तरे,जनवरी-फरवरी २०२०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सुस्थिर	१	श	५२	४८	२८	३२	श्रव	५२	५२	२८	३३	सि	४६	५५	२६	१०	किं	२१	०३	१५	४९	२६/३०	७/२४	६/०६	५	२९	२५	मक.	९।१०।१०।००	६१।१३	श्री वल्लभ जयंती, अभि.नि. रविः १८।२१ (सौरः २४।२४), D
मातङ्ग	२	र	५७	०३	३०	१३	धनि	५८	१९	३०	४४	व्य	४७	१५	२६	१८	बा	२४	४८	१७	१९	३३	२४	०१	६	३०	२६	कुंभे १७।३६	९।११।११।१३	६१।१२	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः १७।३६, गणराज्यदिवस, C
अमृत	३	सो	...	...	...	...	शत	...	...	...	...	व	४८	१९	२६	४३	तै	२९	३४	१९	१३	३६	२४	०२	७	१	२७	कुंभे	९।१२।१२।२४	६१।११	जमादिलासर ६, बुधोदयः पश्चिमायाम् २०।१५
मृत्यु	३	मं	२	१७	८	१८	शत	४	४३	९	१६	प	५०	०१	२७	२४	ग	२	१७	८	१८	३९	२३	०३	८	२	२८	मीने २९।२३	९।१३।१३।३५	६१।१०	भ. २१।२८ उ., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी
पद्म	४	बु	.८	१७	१०	४२	पूभा	११	५१	१२	०७	शि	५२	०९	२८	१४	वि	८	१७	१०	४२	४२	२३	०४	९	३	२९	मीने	९।१४।१४।४४	६१।०८	भ. १०।४२ या. [B माघ स्नान पूर्तिः [D पूभा. शुक्रः १४।४१
वसंत	५	गु	१४	४७	१३	१७	उभा	१९	२४	१५	०८	सि	५४	२४	२९	०८	बा	१४	४७	१३	१७	४५	२२	०४	१०	४	३०	नीने	९।१५।१५।५३	६१।०८	रेवत्यां रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४), ८; १०, A
श्रीवत्स	६	शु	२१	१५	१५	५२	रेव	२६	५४	१८	०८	सा	५६	२४	२९	५६	तै	२१	१५	१५	५२	४८	२२	०५	११	५	३१	मेषे १८।०८	९।१६।१७।००	६१।०६	पंचक समाप्तिः १८।०८ [C धनि. बुधः २८।२२
सौम्य	७	श	२७	०९	१८	१३	अश्वि	३३	४९	२०	५३	शु	५७	४४	३०	२७	व	२७	०९	१८	१३	५२	२१	०६	१२	६	१	मेषे	९।१७।१८।०७	६१।०५	भ.१८।१३ उ. ३१।१४ या., मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७,अचला ७, E
काल	८	र	३१	५३	२०	०६	भर	३९	३५	२३	११	शु	५८	०३	३०	३४	व	३१	५३	२०	०६	५५	२१	०७	१३	७	२	वृषे २९।४०	९।१८।१९।१२	६१।०४	भीष्माष्टमी, मीने शुक्रः २३।५६, शनेरुदयः पूर्वस्याम् १४।१४
सुस्थिर	९	सो	३५	०१	२१	२१	कृति	४३	४६	२४	५१	ब्र	५७	०१	३०	०९	बा	३	४१	८	४९	५८	२०	०८	१४	८	३	वृषे	९।१९।२०।१६	६१।०३	रोहि. रे. ७ IIIIISISSI रात्रौ लग्न ८, शत.बुधः २९।०९,पूषा. F
मातङ्ग	१०	मं	३६	१३	२१	४९	रोहि	४६	०५	२५	४६	ऐ	५४	२९	२९	०७	तै	५	५२	९	४१	२७/०३	२०	०८	१५	९	४	वृषे	९।२०।२१।१८	६१।०१	रोहि. रे. ७ IIIIISISSI रात्रौ लग्न गोधूलि [F -३ गुरुः ८।१७
ए.ब्र.	११	बु	३५	२४	२१	२९	मृग	४६	२७	२५	५४	वै	५०	२४	२७	२९	व	६	०५	९	४५	०५	१९	०९	१६	१०	५	मिथु. १३।५६	९।२१।२२।२०	६१।००	भ. ९।४५ उ. २१।२९ या., जया ११ ब्र., उभा. शुक्रः १९।३३
काण	१२	गु	३२	३६	२०	२१	आर्द्रा	४४	५४	२५	१६	वि	४४	४६	२५	१३	व	४	१५	९	०१	०९	१८	१०	१७	११	६	मिथु.	९।२२।२३।२०	६०।५९	भीष्मद्वादशी, धनि. रविः २४।३० (सौरः २९।३६)
प्र.ब्र.	१३	शु	२७	५८	१८	२९	पुन	४१	३६	२३	५६	प्री	३७	४४	२२	२३	कौ	०	३१	७	३०	१२	१८	११	१८	१२	७	कर्के १८।२०	९।२३।२४।१९	६०।५७	प्रदोषः, कल्पादि, धनुषि मूले भौमः २७।२७ [E फरवरी २ ता.२९
मित्र	१४	श	२१	४८	१६	०१	पुष्य	३६	५२	२२	०२	आ	२९	२९	१९	०५	व	२१	४८	१६	०१	१६	१७	१२	१९	१३	८	कर्के	९।२४।२५।१६	६०।५६	भ. १६।०१ उ. २६।३५ या. [A वसन्त पञ्चमी, कुंभे बुधः २६।३४
पूर्णिमा	१५	र	१४	२६	१३	०३	श्ले	३१	०२	१९	४१	सौ	२०	१९	१५	२४	व	१४	२६	१३	०३	१९	१७	१२	२०	१४	९	सिंहे १९।४१	९।२५।२६।१२	६०।५५	मघा. रे. ७ IIIISSISII रात्रौ लग्न ८, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, B

अयनांशाः २४।०६।५६

पं.४२ मा.शु. ३ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	९	८	१०	९	२	८
१२	२१	२३	१८	२२	००	१२	१२
२७	५५	३३	२७	०१	२३	४२	४२
३०	००	००	४९	५५	०२	३०	३०
६०	४०	१०२	१३	७१	७	३	३
५८	५२	४०	१४	४४	००	११	११
श्र	ज्ये	ध	पूषा	पूभा	उषा	आ	मू
१	२	१	२	१	२	२	४

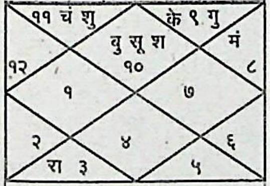

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जन.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायं	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर प्रातः	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०९।१०।१७।२७	१ श	२५	११।२४	१।००	२।५६	५।११	७।३१	९।४८	१२।०४	२।२३	४।४२	६।४६	८।२९	९।५८
०९।११।१८।४०	२ र	२६	११।२०	१२।५६	२।५२	५।०७	७।२७	९।४४	१२।००	२।१९	४।३८	६।४२	८।२५	९।५४
०९।१२।१९।५१	३ चं	२७	११।१६	१२।५२	२।४९	५।०३	७।२३	९।४०	११।५६	२।१५	४।३४	६।३८	८।२२	९।५०
०९।१३।२१।०२	३ मं	२८	११।१२	१२।४८	२।४५	४।५९	७।१९	९।३६	११।५२	२।११	४।३०	६।३४	८।१८	९।४६
०९।१४।२२।११	४ बु	२९	११।०८	१२।४४	२।४१	४।५५	७।१५	९।३२	११।४८	२।०७	४।२६	६।३०	८।१४	९।४२
०९।१५।२३।२०	५ गु	३०	११।०४	१२।४०	२।३७	४।५१	७।१२	९।२८	११।४४	२।०३	४।२२	६।२६	८।१०	९।३८
०९।१६।२४।२७	६ शु	३१	११।००	१२।३७	२।३३	४।४८	७।०८	९।२४	११।४०	१।५९	४।१८	६।२३	८।०६	९।३४
०९।१७।२५।३३	७ श	१	१०।५६	१२।३३	२।२९	४।४४	७।०४	९।२१	११।३६	१।५५	४।१४	६।१९	८।०२	९।३०
०९।१८।२६।३८	८ र	२	१०।५२	१२।२९	२।२५	४।४०	७।००	९।१७	११।३२	१।५२	४।१०	६।१५	७।५८	९।२६
०९।१९।२७।४२	९ चं	३	१०।४९	१२।२५	२।२१	४।३६	६।५६	९।१३	११।२८	१।४८	४।०६	६।११	७।५४	९।२३
०९।२०।२८।४५	१० मं	४	१०।४५	१२।२१	२।१७	४।३२	६।५२	९।०९	११।२५	१।४४	४।०२	६।०७	७।५०	९।१९
०९।२१।२९।४६	११ बु	५	१०।४१	१२।१७	२।१३	४।२८	६।४८	९।०५	११।२१	१।४०	३।५८	६।०३	७।४६	९।१५
०९।२२।३०।४६	१२ गु	६	१०।३७	१२।१३	२।०९	४।२४	६।४४	९।०१	११।१७	१।३६	३।५४	५।५९	७।४२	९।११
०९।२३।३१।४५	१३ शु	७	१०।३३	१२।०९	२।०५	४।२०	६।४०	८।५७	११।१३	१।३२	३।५०	५।५५	७।३८	९।०७
०९।२४।३२।४२	१४ श	८	१०।२९	१२।०५	२।०१	४।१६	६।३६	८।५३	११।०९	१।२८	३।४६	५।५१	७।३४	९।०३
०९।२५।३३।३८	१५ र	९	१०।२५	१२।०१	१।५७	४।१२	६।३२	८।४९	११।०५	१।२४	३।४२	५।४७	७।३०	८।५९

मास फलम्

इस माह मे पांच शनिवार और पांच रविवार होने से महँगाई हो, नेष्ट हो। एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः। कृ. प्रतिपदा को शनिवार होने से सब धान्योत्पत्ति उत्तम हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चोरो के उपद्रव भी नित्य रहें। अमावस्या उत्तराषाढा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शु. प्रतिपदा को शनिवार होने से सब धान्योत्पत्ति उत्तम हो। शुक्लाष्टमी को कृत्तिका न होने से फागुण में रोली लगे और श्रावण में सूखा रहे। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

अयनांशाः २४।०६।५७

पं.४३ मा.शु. ९ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	७	१०	८	११	९	२	८
१९	२६	०५	१९	००	०१	१२	१२
३३	४१	१४	५९	२१	११	२०	२०
५७	२६	२०	३०	५७	३५	१५	१५
६०	४१	९४	१२	७१	६	३	३
५१	००	१२	५५	०१	५१	११	११
श्र	ज्ये	ध	पूषा	पूभा	उषा	आ	मू
३	४	४	२	४	२	२	४

१० फरवरी से २३ फरवरी तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्वाङ्क्ष	१	सो	६	१५	९	४६	मघा	२४	३२	१७	०५	शो	१०	३२	११	२९	कौ	६	१५	९	४६	२७	७	६	२१	१५	१०	सिंहे	९।२६।२७।०७	६०।५३
क्षयः	२	सो	५७	४०	३०	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२३	१६	१३	०	०	०	०	०	०
धूम्र	३	मं	४९	०९	२६	५५	पूफा	१७	४८	१४	२२	अ	०/५०	२८/२५	७/२७	३६/२५	व	२३	२४	१६	३७	२७	१५	१४	२२	१६	११	कन्या ११।४२	९।२७।२८।००	६०।५२
च.व्र.	४	बु	४१	०६	२३	४१	उफा	११	१७	११	४५	धृ	४०	४७	२३	३३	व	१५	०३	१३	१६	३०	१४	१५	२३	१७	१२	कन्या	९।२८।२८।५२	६०।५०
राक्षस	५	गु	३३	५४	२०	४७	हस्त	५	२४	९	२३	शू	३१	५१	१९	५८	कौ	७	२३	१०	११	३४	१४	१५	२४	१८	१३	तुला. २०।२१	९।२९।२९।४२	६०।४९
मुसल	६	शु	२७	५१	१८	२१	चित्रा	०/५६	३१/३३	७/२९	३५/५८	गं	२३	५१	१६	४५	ग	०	४३	७	३०	३८	१३	१६	२५	१९	१४	तुला.	१०।००।३०।३१	६०।४७
शुभ	७	श	२३	१२	१६	२९	विशा	५४	४५	२९	०६	वृ	१६	५९	१४	००	व	२३	१२	१६	२९	४२	१२	१७	२६	२०	१५	वृश्चि. २३।१६	१०।०१।३१।१८	६०।४५
मृत्यु	८	र	२०	०६	१५	१३	अनु	५४	१०	२८	५१	ध्रु	११	२०	११	४३	कौ	२०	०६	१५	१३	४६	११	१७	२७	२१	१६	वृश्चि.	१०।०२।३२।०३	६०।४४
पद्म	९	सो	१८	३५	१४	३६	ज्ये	५५	०४	२९	१२	व्या	६	५६	९	५७	ग	१८	३५	१४	३६	४९	१०	१८	२८	२२	१७	धनु. २९।१२	१०।०३।३२।४७	६०।४२
छत्र	१०	मं	१८	३२	१४	३४	मूल	५७	२०	३०	०६	ह	३	४२	८	३९	वि	१८	३२	१४	३४	५३	१०	१९	२९	२३	१८	धनु.	१०।०४।३३।३०	६०।४१
ए.व्र.	११	बु	१९	५१	१५	०५	पूषा	...	...	...	...	व	१	३५	७	४७	वा	१९	५१	१५	०५	५७	०९	२०	३०	२४	१९	धनु.	१०।०५।३४।१०	६०।३९
प्र.व्र.	१२	गु	२२	१८	१६	०३	पूषा	०	५०	७	२८	सि	०/५९	२३/५४	७/३१	१६/०५	तै	२२	१८	१६	०३	२८/०१	०८	२०	१	२५	२०	मक. १३।५२	१०।०६।३४।४९	६०।३७
शिवरा.	१३	शु	२५	४३	१७	२४	उषा	५	१६	९	१३	व	...	...	...	...	व	२५	४३	१७	२४	०५	०७	२१	२	२६	२१	मक.	१०।०७।३५।२६	६०।३५
सुस्थिर	१४	श	२९	५७	१९	०५	श्रव	१०	३२	११	१९	व	०	१०	७	१०	श	२९	५७	१९	०५	०९	०६	२२	३	२७	२२	कुंभे २४।२८	१०।०८।३६।०१	६०।३४
अमाव.	३०	र	३४	५२	२१	०२	धनि	१६	२९	१३	४१	प	०	५७	७	२८	च	२	२१	८	०२	१३	०५	२२	४	२८	२३	कुंभे	१०।०९।३६।३५	६०।३२

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A पश्चिमायाम् १७।५०
[B चन्द्रोदयः २१।४६
भ. १६।३७ उ. २६।५५ या.
हस्ते रे. ६ IIISSSISII रात्रौ लग्न गोधूलि(४), ८, चतुर्थीव्रतं B
कुंभे रविः १४।३२ (सौरः १९।११)
भ. १८।२१ उ. २९।२० या.
[C १०।२०, पूषा.-४ गुरुः ९।०७
अनुरा. रे. ७ SIIIISISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(५), रेव. D
भ. २६।३१ उ., रामदास ९, वक्री बुधः १६।५६
भ. १४।३४ या. [D शुक्रः २९।२४
विजया ११ व्र., शत. रविः २८।५८, सायन मीने भानुः C
प्रदोपः, भा. फाल्गुनारंभः, शत. सौरः ९।११, बुधास्तः A
भ. १७।२४ उ. ३०।१२ या., महाशिवरात्री व्रतम्
पंचक प्रारम्भः २४।२८, उषा.-३ शनिः २०।४८
देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०६।५८

पं.४४ फा.कृ. १ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	१०	८	११	९	२	८
२६	०१	१४	२१	०८	०१	११	११
३९	२८	५५	२८	३६	५९	५८	५८
३०	४५	०९	४४	४१	००	००	००
६०	४१	६	१२	७०	६	३	३
४२	०७	१७	३१	११	३९	११	११
ध	मू	श	पूषा	उभा	उषा	आ	मू
१	१	३	३	२	२	२	४

९ के

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
०९।२६।३४।३३	१ चं	१०	१०।२१	११।५७	१।५३	४।०८	६।२८	८।४५	११।०१	१।२०	३।३९	५।४३	७।२६	८।५५
०९।२७।३५।२६	३ मं	११	१०।१७	११।५३	१।४९	४।०४	६।२४	८।४१	१०।५७	१।१६	३।३५	५।३९	७।२२	८।५१
०९।२८।३६।१८	४ बु	१२	१०।१३	११।४९	१।४५	४।००	६।२०	८।३७	१०।५३	१।१२	३।३१	५।३५	७।१९	८।४७
०९।२९।३७।०८	५ गु	१३	१०।०९	११।४५	१।४२	३।५६	६।१६	८।३३	१०।४९	१।०८	३।२७	५।३१	७।१५	८।४३
१०।००।३७।५६	६ शु	१४	१०।०५	११।४१	१।३८	३।५२	६।१२	८।२९	१०।४५	१।०४	३।२३	५।२७	७।११	८।३९
१०।०१।३८।४३	७ श	१५	१०।०१	११।३७	१।३४	३।४८	६।०८	८।२५	१०।४१	१।००	३।१९	५।२३	७।०७	८।३५
१०।०२।३९।२९	८ र	१६	९।५७	११।३३	१।३०	३।४४	६।०५	८।२१	१०।३७	१२।५६	३।१५	५।१९	७।०३	८।३१
१०।०३।४०।१३	९ चं	१७	९।५३	११।३०	१।२६	३।४१	६।०१	८।१७	१०।३३	१२।५२	३।११	५।१६	६।५९	८।२७
१०।०४।४०।५५	१० मं	१८	९।४९	११।२६	१।२२	३।३७	५।५७	८।१४	१०।२९	१२।४८	३।०७	५।१२	६।५५	८।२३
१०।०५।४१।३५	११ बु	१९	९।४५	११।२२	१।१८	३।३३	५।५३	८।१०	१०।२५	१२।४५	३।०३	५।०८	६।५१	८।१९
१०।०६।४२।१४	१२ गु	२०	९।४२	११।१८	१।१४	३।२९	५।४९	८।०६	१०।२१	१२।४१	२।५९	५।०४	६।४७	८।१६
१०।०७।४२।५१	१३ शु	२१	९।३८	११।१४	१।१०	३।२५	५।४५	८।०२	१०।१८	१२।३७	२।५५	५।००	६।४३	८।१२
१०।०८।४३।२६	१४ श	२२	९।३४	११।१०	१।०६	३।२१	५।४१	७।५८	१०।१४	१२।३३	२।५१	४।५६	६।३९	८।०८
१०।०९।४३।५९	३० र	२३	९।३०	११।०६	१।०२	३।१७	५।३७	७।५४	१०।१०	१२।२९	२।४७	४।५२	६।३५	८।०४

संक्रांति फलम्

ता. १३ फरवरी २०२०
फा. कृ. ५ गुरौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १४।३२ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूपणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) ८।०८ से १४।३२ तक। (दान- गोड़ - अन्न)।

अयनांशाः २४।०६।५९

पं.४५ फा.कृ. ९ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	८	१०	८	११	९	२	८
०३	०६	१८	२२	१६	०२	११	११
४३	१६	५५	५५	४५	४४	३५	३५
५६	५५	१०	००	०८	५१	४५	४५
६०	४१	६	१२	६९	६	३	३
३२	१४	२२	०३	१२	२४	११	११
ध	मू	श	पूषा	रे	उषा	आ	मू
४	२	४व	३	१	२	२	४

२४ फरवरी से ९ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
अमृत	१	सो	४०	२३	२३	१३	शत	२३	०२	१६	१७	शि	२	१४	७	५८	किं	७	३५	१०	०६	२८/१७	७/०४	६/२३	५	२९	२४	कुंभे	१०।१०।३७।०७	६०।३०
फुलरि.	२	मं	४६	२६	२५	३७	पूभा	३०	०५	११	०५	सि	३	५७	८	३८	बा	१३	२३	१२	२४	२१	०३	२४	६	३०	२५	मीने १२।२२	१०।११।३७।३७	६०।२८
लुम्बक	३	बु	५२	४९	२८	१०	उभा	३७	३२	२२	०३	सा	६	००	९	२६	तै	११	३६	१४	५३	२५	०२	२४	७	१	२६	मीने	१०।१२।३८।०५	६०।२६
मित्र	४	गु	५९	१६	३०	४३	रेव	४५	०७	२५	०४	शु	८	१७	१०	२०	व	२६	०३	१७	२७	२९	०१	२५	८	२	२७	मेषे २५।०४	१०।१३।३८।३१	६०।२४
वज्र	५	शु	...	...	...	...	अश्वि	५२	३०	२८	००	शु	१०	३२	११	१३	व	३२	२५	१९	५८	३३	००	२६	९	३	२८	मेषे	१०।१४।३८।५५	६०।२२
ध्वाङ्क्ष	५	श	५	२७	९	१०	भर	५९	१३	३०	४०	ब्र	१२	३२	१२	००	वा	५	२७	९	१०	३७	६/५	२६	१०	४	२९	मेषे	१०।१५।३९।१८	६०।२१
धूम्र	६	र	१०	४७	११	१७	कृति	...	...	...	...	ऐ	१३	५४	१२	३२	तै	१०	४७	११	१७	४१	५८	२७	११	५	१	वृषे १३।१७	१०।१६।३९।३८	६०।१८
सुस्थिर	७	सो	१४	५२	१२	५४	कृति	४	५१	८	५४	वै	१४	१७	१२	४०	व	१४	५२	१२	५४	४५	५७	२७	१२	६	२	वृषे	१०।१७।३९।५७	६०।१६
होलाष्ट.	८	मं	१७	१६	१३	५०	रोहि	८	५३	१०	२९	वि	१३	२५	१२	१८	व	१७	१६	१३	५०	५०	५६	२८	१३	७	३	मिथु. २३।०१	१०।१८।४०।१३	६०।१५
अमृत	९	बु	१७	४०	१३	५९	मृग	११	०३	११	२०	प्री	११	०२	११	२०	कौ	१७	४०	१३	५९	५४	५५	२९	१४	८	४	मिथु.	१०।१९।४०।२८	६०।१२
काण	१०	गु	१५	५९	१३	१८	आर्द्रा	११	१०	११	२२	आ	७	०१	९	४३	ग	१५	५९	१३	१८	५८	५४	२९	१५	९	५	कर्के २८।५१	१०।२०।४०।४०	६०।१०
ए.व्र.	११	शु	१२	१२	११	४६	पुन	९	१४	१०	३५	सौ	१/५४	२९/०३	७/२८	२५/३०	वि	१२	१२	११	४६	२९/०३	५३	३०	१६	१०	६	कर्के	१०।२१।४०।५०	६०।०८
प्र.व्र.	१२	श	६	३०	९	२८	पुष्य	५	२४	९	०१	अ	४५	२४	२५	०२	वा	६	३०	९	२८	०६	५२	३०	१७	११	७	सिंहे ३०।४९	१०।२२।४०।५९	६०।०६
क्षयः	१३	श	५९	०७	३०	३१	श्ले	५९	५३	३०	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
मुद्गर	१४	र	५०	३१	२७	०३	मघा	५३	१०	२८	०७	सु	३५	३८	२१	०६	ग	२४	५८	१६	५०	१०	५१	३१	१८	१२	८	सिंहे	१०।२३।४१।०५	६०।०४
होली	१५	सो	४१	०८	२३	१७	पूफा	४५	४१	२५	०६	धृ	२५	०८	१६	५३	वि	१५	५६	१३	१२	१४	५०	३२	१९	१३	९	कन्या ३०।२०	१०।२४।४१।०९	६०।०२

केतकी अहर्गणः ३२४६ वसंतर्तू रविरुत्तरे, फरवरी-मार्च २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
उभा. रे. ९ ।ऽ।।।।।।।। रात्रौ लग्न ८, चंद्रदर्शनम् (मु.३०), A
रेवत्यां रे. ८ ।।ऽशु।।ऽ।।।। रात्रौ लग्न ८, रज्जव ७
भ. १७।२७ उ. ३०।४३ या., पंचक समाप्तिः २५।०४, पूषा. C
याज्ञवल्क्य जयंती, मेषे अश्वि. शुक्रः २२।१९
[B भद्रा के बाद, मन्वादि, करिदिन
मार्च ३ ता. ३१ [C भौमः १२।५२
भ.१२।५४ उ. २५।२८ या.,रोहि. रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न १०
होलाष्टक, (व) धनि. बुधः ११।५२, बुधोदयः पूर्वस्याम् २८।३८
पूभा. रविः ११।१४ (सौरः १४।४२)
भ. २४।३८ उ.
भ. ११।४६ या., आमलकी ११ व्र., विड़कुला-ढाल थापणा D
प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (खाटु), उषा.-१ गुरुः २९।३७
[D भद्रा के बाद
भ. २७।०३ उ.
भ.१३।१२ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, होलिका दहनं, जेलपोणी B

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०७।००

पं.४६ फा.शु. १ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	८	१०	८	११	९	२	८
१०	११	१४	२४	२४	०३	११	११
४७	०५	५४	१७	४६	२८	१३	१३
०७	५१	४५	४८	०७	४८	३१	३१
६०	४१	६१	११	६८	६	३	३
२१	२०	४६	३०	०१	०६	१०	१०
श	मू	श	पूषा	रे	उषा	आ	मू
२	४	३व	४	३	३	२	४

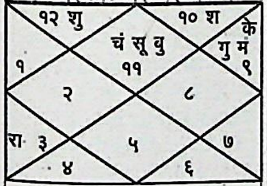

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. फर.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह सायँ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ प्रातः	मीन दिवा
१०।१०।४४।३१	१ चं	२४	९।२६	११।०२	१२।५८	३।१३	५।३३	७।५०	१०।०६	१२।२५	२।४३	४।४८	६।३१	८।००
१०।११।४५।०१	२ मं	२५	९।२२	१०।५८	१२।५४	३।०९	५।२९	७।४६	१०।०२	१२।२१	२।३९	४।४४	६।२७	७।५६
१०।१२।४५।२९	३ बु	२६	९।१८	१०।५४	१२।५०	३।०५	५।२५	७।४२	९।५८	१२।१७	२।३६	४।४०	६।२३	७।५२
१०।१३।४५।५५	४ गु	२७	९।१४	१०।५०	१२।४६	३।०१	५।२१	७।३८	९।५४	१२।१३	२।३२	४।३६	६।१९	७।४८
१०।१४।४६।१९	५ शु	२८	९।१०	१०।४६	१२।४२	२।५७	५।१७	७।३४	९।५०	१२।०९	२।२८	४।३२	६।१५	७।४४
१०।१५।४६।४१	५ श	२९	९।०६	१०।४२	१२।३८	२।५३	५।१३	७।३०	९।४६	१२।०५	२।२४	४।२८	६।१२	७।४०
१०।१६।४७।०१	६ र	१	९।०२	१०।३८	१२।३५	२।४९	५।०९	७।२६	९।४२	१२।०१	२।२०	४।२४	६।०८	७।३६
१०।१७।४७।१९	७ चं	२	८।५८	१०।३४	१२।३१	२।४५	५।०५	७।२२	९।३८	११।५७	२।१६	४।२०	६।०४	७।३२
१०।१८।४७।३६	८ मं	३	८।५४	१०।३०	१२।२७	२।४१	५।०२	७।१८	९।३४	११।५३	२।१२	४।१६	६।००	७।२८
१०।१९।४७।५०	९ बु	४	८।५०	१०।२७	१२।२३	२।३७	४।५८	७।१४	९।३०	११।४९	२।०८	४।१२	५।५६	७।२४
१०।२०।४८।०२	१० गु	५	८।४६	१०।२३	१२।१९	२।३४	४।५४	७।१०	९।२६	११।४५	२।०४	४।०९	५।५२	७।२०
१०।२१।४८।१२	११ शु	६	८।४२	१०।१९	१२।१५	२।३०	४।५०	७।०७	९।२२	११।४१	२।००	४।०५	५।४८	७।१६
१०।२२।४८।२१	१२ श	७	८।३८	१०।१५	१२।११	२।२६	४।४६	७।०३	९।१८	११।३८	१।५६	४।०१	५।४४	७।१२
१०।२३।४८।२७	१४ र	८	८।३५	१०।११	१२।०७	२।२२	४।४२	६।५९	९।१४	११।३४	१।५२	३।५७	५।४०	७।०९
१०।२४।४८।३०	१५ चं	९	८।३१	१०।०७	१२।०३	२।१८	४।३८	६।५५	९।११	११।३०	१।४८	३।५३	५।३६	७।०५

अयनांशाः २४।०७।०१

पं.४७ फा.शु. ७ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	८	१०	८	०	९	२	८
१७	१५	०७	२५	०२	०४	१०	१०
४८	५५	३९	३६	३८	१०	५१	५१
५७	३२	२९	३५	०८	२७	१७	१७
६०	४१	५०	१०	६६	५	३	३
०८	२६	२१	५४	३६	४५	११	११
श	पूषा	श	पूषा	अ	उषा	आ	मू
४	१	१व	४	१	३	२	४

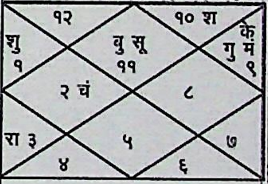

अयनांशाः २४।०७।०२

पं.४८ फा.शु.१५ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	८	१०	८	०	९	२	८
२४	२०	०४	२६	१०	०४	१०	१०
४९	४५	०३	५०	१९	४९	२९	२९
१७	५१	३१	५१	१९	२८	०२	०२
५९	४१	३	१०	६४	५	३	३
५५	३१	४७	१३	५२	२०	११	११
पूभा	पूषा	ध	उषा	अ	उषा	आ	मू
२	३	४व	१	४	३	२	४

१० मार्च से २४ मार्च तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०७६, शाकः १९४१, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छारेंडी	१	मं	३१	२६	१९	२३	उफा	३७	५६	२१	५९	शू	१४	१३	१२	३०	बा	६	१९	९	२०	२९/४९	६/४९	६/३२	२०	१४	१०	कन्या	१०।२५।४१।११	६०।००
आनन्द	२	बु	२१	५५	१५	३४	हस्त	३०	२४	१८	५७	गं	३/५२	१९/४६	८/२७	०७/५४	ग	२१	५५	१५	३४	२३	४८	३३	२१	१५	११	तुला. २९।३२	१०।२६।४१।११	५९।५८
च.व्र.	३	गु	१३	०२	११	५९	चित्रा	२३	३६	१६	१३	ध्रु	४३	०१	२३	५९	वि	१३	०२	११	५९	२७	४७	३३	२२	१६	१२	तुला.	१०।२७।४१।०९	५९।५६
गद	४	शु	५	१४	८	५१	स्वा	१७	५९	१३	५७	व्या	३४	२२	२०	३०	बा	५	१४	८	५१	३१	४५	३४	२३	१७	१३	वृश्चि. ३०।३९	१०।२८।४१।०४	५९।५४
क्षयः	५	शु	५८	५०	३०	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
शुभ	६	श	५४	१६	२८	२७	विशा	१३	५४	१२	१८	ह	२७	०२	१७	३३	ग	२६	२१	१७	१७	३५	४४	३४	२४	१८	१४	वृश्चि.	१०।२९।४०।५८	५९।५१
शीतला	७	र	५१	३४	२७	२१	अनु	११	३६	११	२२	व	२१	१२	१५	१२	वि	२२	४२	१५	४८	३९	४३	३५	२५	१९	१५	वृश्चि.	११।००।४०।४९	५९।४९
पद्म	८	सो	५०	४९	२७	०२	ज्ये	११	१२	११	११	सि	१६	५४	१३	२८	बा	२०	५८	१५	०६	४४	४२	३६	२६	२०	१६	धनु. ११।११	११।०१।४०।३८	५९।४७
छत्र	९	मं	५१	५२	२७	२६	मूल	१२	४०	११	४५	व्य	१४	०५	१२	१९	तै	२१	०८	१५	०८	४८	४१	३६	२७	२१	१७	धनु.	११।०२।४०।२५	५९।४५
श्रीवत्स	१०	बु	५४	३१	२८	२८	पूषा	१५	४९	१३	००	व	१२	३७	११	४३	व	२३	०२	१५	५३	५२	४०	३७	२८	२२	१८	मक. १९।२४	११।०३।४०।१०	५९।४२
ए.व्र.	११	गु	५८	२८	३०	०२	उषा	२०	२४	१४	४९	प	१२	२०	११	३५	ब	२६	२२	१७	१२	५६	३९	३७	२९	२३	१९	मक.	११।०४।३९।५२	५९।४०
धूम्र	१२	शु	...	...	...	...	श्रव	२६	०६	१७	०४	शि	१२	५७	११	४८	कौ	३०	५०	१८	५८	३०/००	३८	३८	३०	२४	२०	कुंभे ३०।१९	११।०५।३९।३२	५९।३८
प्र.व्र.	१२	श	३	२४	७	५८	धनि	३२	३५	१९	३८	सि	१४	१३	१२	१८	तै	३	२४	७	५८	०४	३६	३८	१	२५	२१	कुंभे	११।०६।३९।१०	५९।३६
राक्षस	१३	र	८	५७	१०	१०	शत	३९	३४	२२	२५	सा	१५	५८	१२	५८	व	८	५७	१०	१०	०९	३५	३९	२	२६	२२	कुंभे	११।०७।३८।४६	५९।३३
मुसल	१४	सो	१४	५३	१२	३१	पूभा	४६	५०	२५	१८	शु	१७	५९	१३	४६	श	१४	५३	१२	३१	१३	३४	३९	३	२७	२३	मीने १८।३५	११।०८।३८।१९	५९।३१
अमाव.	३०	मं	२१	०२	१४	५८	उभा	५४	१५	२८	१५	शु	२०	१०	१४	३७	ना	२१	०२	१४	५८	१७	३३	४०	४	२८	२४	मीने	११।०९।३७।५०	५९।२९

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
हस्ते रे. ८ ।ऽ।।।ऽ।।।। रात्रौ लग्न ७, १०, वसन्त १, छारेंडी A
भ. २५।४४ उ., भर. शुक्रः २५।५४
भ. ११।५९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३९, कल्पादि
[A देशाचारे, करिदिन, मार्गी बुधः २०।५४
[E केतुः १०।०० [D शत. बुधः २१।२३
भ. २८।२७ उ., मीने रविः ११।२० (सौरः १४।२२)
भ. १५।४८ या., शीतला पूजनं
[B योग १०।१० तक, मकरे भौमः १४।२५
उभा. रविः १९।३९ (सौरः २२।३४), उषा. भौमः १९।११, D
भ. १५।५३ उ. २८।२८ या., आर्द्रा.-१ राहुः १०।००, मूले-३ E
पापमोचनी ११ व्र.
पंचक प्रारम्भः ३०।१९, सायन मेषे भानुः ९।१०
प्रदोषः, महावारुणी योग से १९।३८, भा. चैत्रारंभः
भ. १०।१० उ. २३।२० या., मासिकशिवरात्री व्र., वारुणी B
मन्वादि [C शुक्रः २३।०९
देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः ३२७५, चक्र ७, कृत्ति. C

अयनांशाः २४।०७।०३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.४९ चै.कृ. ८ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	८	१०	८	०	९	२	८
०१	२५	०५	२८	१७	०५	१०	१०
४८	३६	४१	००	४७	२५	०६	०६
०३	४४	३१	०३	१३	२८	४७	४७
५९	४१	३४	९	६२	४	३	३
४२	३६	४०	२५	४४	५२	१०	१०
पूभा	पूषा	ध	उषा	भ	उषा	आ	मू
४	४	४	१	२	३	२	४

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मार्च	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायँ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन प्रातः
१०।२५।४८।३२	१ मं	१०	८।२७	१०।०३	११।५९	२।१४	४।३४	६।५१	९।०७	११।२६	१।४४	३।४९	५।३२	७।०१
१०।२६।४८।३२	२ बु	११	८।२३	९।५९	११।५५	२।१०	४।३०	६।४७	९।०३	११।२२	१।४०	३।४५	५।२८	६।५७
१०।२७।४८।३०	३ गु	१२	८।१९	९।५५	११।५१	२।०६	४।२६	६।४३	८।५९	११।१८	१।३६	३।४१	५।२४	६।५३
१०।२८।४८।२५	४ शु	१३	८।१५	९।५१	११।४७	२।०२	४।२२	६।३९	८।५५	११।१४	१।३२	३।३७	५।२०	६।४९
१०।२९।४८।१८	६ श	१४	८।११	९।४७	११।४३	१।५८	४।१८	६।३५	८।५१	११।१०	१।२९	३।३३	५।१६	६।४५
११।००।४८।०९	७ र	१५	८।०७	९।४३	११।३९	१।५४	४।१४	६।३१	८।४७	११।०६	१।२५	३।२९	५।१२	६।४१
११।०१।४७।५८	८ चं	१६	८।०३	९।३९	११।३५	१।५०	४।१०	६।२७	८।४३	११।०२	१।२१	३।२५	५।०८	६।३७
११।०२।४७।४४	९ मं	१७	७।५९	९।३५	११।३२	१।४६	४।०६	६।२३	८।३९	१०।५८	१।१७	३।२१	५।०५	६।३३
११।०३।४७।२९	१० बु	१८	७।५५	९।३१	११।२८	१।४२	४।०२	६।१९	८।३५	१०।५४	१।१३	३।१७	५।०१	६।२९
११।०४।४७।११	११ गु	१९	७।५१	९।२७	११।२४	१।३८	३।५८	६।१५	८।३१	१०।५०	१।०९	३।१३	४।५७	६।२५
११।०५।४६।५१	१२ शु	२०	७।४७	९।२३	११।२०	१।३४	३।५५	६।११	८।२७	१०।४६	१।०५	३।०९	४।५३	६।२१
११।०६।४६।२९	१२ श	२१	७।४३	९।२०	११।१६	१।३१	३।५१	६।०७	८।२३	१०।४२	१।०१	३।०६	४।४९	६।१७
११।०७।४६।०४	१३ र	२२	७।३९	९।१६	११।१२	१।२७	३।४७	६।०४	८।१९	१०।३८	१२।५७	३।०२	४।४५	६।१३
११।०८।४५।३७	१४ चं	२३	७।३५	९।१२	११।०८	१।२३	३।४३	६।००	८।१५	१०।३५	१२।५३	२।५८	४।४१	६।०९
११।०९।४५।०८	३० मं	२४	७।३२	९।०८	११।०४	१।१९	३।३९	५।५६	८।११	१०।३१	१२।४९	२।५४	४।३७	६।०६

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०२०
चैत्र कृ. ६ शनौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।२० वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (वैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) ११।२० से १७।४४ तक। (दान- भूमि माला)।

अयनांशाः २४।०७।०४

पं.५० चै.कृ.१४ सो. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	१०	८	०	९	२	८
०८	००	११	२९	२४	०५	०९	०९
४५	२८	०२	०३	५८	५८	४४	४४
११	०३	२०	३४	३९	०९	३३	३३
५९	४१	५८	८	६०	४	३	३
२७	३९	२६	३५	०४	२३	११	११
उभा	उषा	श	उषा	भ	उषा	आ	मू
२	२	२	१	४	३	१	३

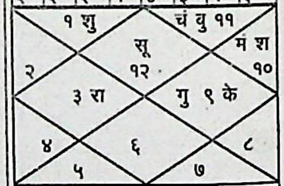

श्री गणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये व्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२१, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२१ भोग्यकलिः ४२६८७९ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०७७ शाकः १९४२ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधः १, मंत्री चंद्रः २, सस्येशो गुरुः ३, धान्येशो भौमः ४, मेघेशो रविः ५, रसेशः शनिः ६, नीरसेशो गुरुः ७, फलेशो रविः ८, धनेशो बुधः ९, दुर्गेशो रविः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्र विंशतिकायां ७ प्रमादी नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ०।२७।३३।७ भोग्य मासादि ११।२।२६।५३ इंन्द्राग्नि दैवतं युगम् । वर्षनाम आषाढ । चतुर्मेघनाम आवर्त्तः । रोहिणी निवासः संधौ । समय निवासो वैश्यगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहन सिंचाणु । स्तंभ २ जल तृण । सोमवत्यमा. ३ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी १ । भानु सप्तमी १ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी १ । समय मुहूर्तानि ३९० । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः १६ । तिथि वृद्धिः १० । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा १०५ । स्वपति विश्वा ९६ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । स्वपति विश्वा ९९ । वर्षा विश्वा ९ । धान्यम् १३ । तृणम् १३ । शीतम् ७ । तेजः १७ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् ११३ । (क्षुधा ९ । तृष्णा ९ । निद्रा ३ । आलस्य ३ । उद्यम ५ । शान्ति ७ । क्रोध १३ । दण्ड १ । मैत्री ९ । उत्सव ७ । पाप ७ । पुण्य ३ । उग्रत्व ७ । रसोत्पत्तिः ७ । फलोत्पत्तिः १३ । व्याधि १३ । व्याधिनाश ११ । आचार ११ । अनाचार १७ । मृत्यु १५ । जन्म ७ । चौर १३ । उपशमन १९ । अग्निभय ९ । अग्निशमः १९ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिरुत्तरे । ग्रहणं १ सूर्यस्य । उद्रिजः ५ । जरायुजः ३ । पिण्डजः १५ । स्वदेजः १३ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रवल है । **॥ संवत् २०७७ शाकः १९४२** ॥ वर्षारम्भे चैत्रशुक्लप्रतिपदायाम् वुधवासरे वारप्रवृत्ति (सूर्योदय) काले अहर्गणाः (ता. २५ मार्च २०२०), केतकी चक्रः ७, अहर्गणः ३२७६, सौरपक्ष चक्रः ४५, अहर्गणः १८९८, व्रह्मपक्ष अहर्गणः ३०५७३१.

संवत् २०७७ में भूमण्डल पर चंद्र ग्रहण नहीं होगा ।

(१) मितिः आषाढ कृष्णा ३० रविवासरे, संवत् २०७७ ता. २१ जून २०२०, स्वण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घटी-प.	११।२६	१५।३४	१९।५८	८।३२
रेल्वेटाईम घं.-मि.	१०।१४	११।५३	१३।३८	३।२५

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन रात्री स्टैं. २२।१४ वजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में वाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिक पञ्चाङ्ग में देखें ।

अप्रत्यक्षाणि शास्त्राणि विवादास्तेषु केवलम् ।
प्रत्यक्षम् ज्योतिषं शास्त्रं चन्द्रार्कौ यत्र साक्षिणौ

गणित सहयोगी
पं. संजय शर्मा सुपुत्र पं. ग्यारसीलाल

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -
पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली स्वुर्द, वाया- सिंघाना,
जि.झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६, फो.०१५९३-२७११८४
मुम्वई. फोन. ०२२ २६१६६७८३

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
सतत्तर संवत् फल कहो श्रीमुख से सव हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां मध्यम संवत होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये पांच अधिकार ।
धनपति-राजा बुध हुए चंन्द्र हैं मंत्री विचार ॥
दुर्गाधिप रविराज हैं मेघेशोऽपि संभाल ।
रसाधिप तो शनिदेव हैं समझो मध्यम साल ॥
सस्याधिप-नीरसपति गुरुजी करें सहाय ।
धान्याधिप कुजदेव हैं जठराँ होसी भाय ॥
समय निवासो वैश्यघर रोहिणी संधि में जाय ।
चतुर्मेघ आवर्त्त हुए वर्षा स्वल्प दिखाय ॥
सदा विराजत चित्त में गुरु चरणों की धूल ।
हाथजोड़ विनति करूँ हो कोई जो मेरी भूल ॥
गुरु ध्यानधर फल कहा संवत् सतत्तर साल ।
गुरु ईश्वरदत्त से गुरु नहीं कथन ग्यारसीलाल ॥

लाभ स्वर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	५	५	२	५
वृष	१४	११	११	११
मिथुन	२	११	२	११
कर्क	११	८	११	५
सिंह	१४	२	१४	२
कन्या	२	११	२	११
तुला	१४	११	११	११
वृश्चिक	५	५	२	५
धनु	८	११	१४	८
मकर	११	५	८	११
कुंभ	११	५	८	११
मीन	८	११	१४	८

वर्ष लग्नम् ३।२१

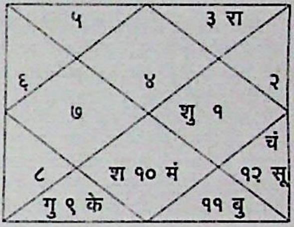

वर्षेश लग्नम् ६।१२

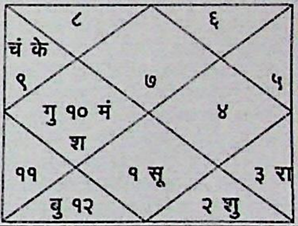

लाभ - स्वर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौस्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

॥ अथ संवत् २०७७ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७७ शाकः १९४२ प्रमादी नामास्यः संवत्सरः प्रवतर्ते तत्फलम् - प्रमाथीवत्सरेतत्रमध्यसस्यार्घवृष्टयः । प्रजाःकथंचिज्ञीवन्तिसमात्सर्याः क्षितीश्वराः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् - बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यविवाहमङ्गलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्स्थं सुभिक्षं धनधान्यसङ्कुलम् ॥ मंत्रीचंद्रस्तत्फलम् - शशिनि मन्त्रिगते वहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुस्समण्डिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुस्सराशिसुशोभिताः ॥ सस्येशोगुरुस्तत्फलम् - कणपतौसुरराजपुरोहिते सकलसौस्यकरः श्रुतिपूर्वकः । जलधरा जलदा वहुसस्यदा रसपयांसि वहुनि वसूनि वै ॥ धान्येशोभौमस्तत्फलम् - भूमिजेग्रीष्मधान्येशेग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालीक्षुघृततैलादिमहर्घाणिभवन्ति च ॥ मेघेशोरविस्तत्फलम् - जलदपेयदिवासरपेतदासरसिवैरमतेजनतारसम् । यवचणेक्षुनिवारसुशालिभिः सुस्सचयंसुलभंभुवि वर्तते ॥ रसेशः शनिस्तत्फलम् - रविसुते रसपेरससंक्षयोनजलदागददाश्वपयोधराः । अजगवांगजवाजिस्सरोष्ट्रहाजनपदेषुनरा न रसैर्युताः ॥ नीरसेशोगुरुस्तत्फलम् - हरिद्रापीतवस्तूनिपीतवस्त्रादिकंचयत् । नीरसेशोयदाजीवः सर्वेषांप्रीतिरुत्तमा ॥ फलेशोरविस्तत्फलम् - द्रुमवतीवरपुष्पवतीधराप्रमुदिताफलभोगविशेषता । वहुजलंजलदोभुविमुंचति क्वचिदपिप्रमितं फलपो रविः ॥ धनेशोवुधस्तत्फलम् - द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविधसंग्रहवस्तुफल तदा । द्वीजवरा जपयज्ञसुसंयुताः कृषिविशेष विशेषितमानसाः ॥ दुर्गेशोरविस्तत्फलम् - नयविशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराजपुररोगमाः । समधिकेन तदा नृपतोन्यतः पथिषुसंव्रजतां न भयं क्वचित् ॥ वर्षनाम आषाढ तत्फलम् - अंर्घमहर्घतांयाति धनधान्यंसमंभवेत् । आषाढे स्वल्पवृष्टिश्चतुषधान्य महर्घता ॥ चतुर्मेघनाम आवर्त्तस्तत्फलम् - आवर्त्तेछिन्न वृष्टिश्च । रोहिणी निवासः संधौ तत्फलम् - स्वंडवृष्टिश्च सन्धिषु । समय निवासो वैश्यगृहे तत्फलम् - सर्वधान्यं महर्घ स्याद्वणिग्वेश्मनि संस्थिते ॥ अपिच - वणिक्गृहे शुभंनास्ति । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

राजा और धनेश वुध है । सस्येश और नीरसेश गुरु हैं । रसेश शनि है । मेघेश और फलेश और दुर्गेश रवि हैं । मंत्री चंद्र हैं । धान्येश मंगल हैं । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ५ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ५ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल मध्यम होगा । वर्षलग्न कर्क होने से पूर्व में सुस्, उत्तर में दुःस्स तथा आसन वल और पश्चिम में दुर्भिक्ष हो ॥ वर्षेश लग्न तुला ॥ **चैत्र** - रोहिणीशकट का शुक्र के भेदन करने से पृथ्वी केश और अस्थिस्सण्डों से शवल (विचित्र वर्ण की) होकर कापालिक की तरह व्रत धारण करे अर्थात् पृथ्वी पर अत्यधिक मरी पड़े । **वैशास्र** - उत्तरा भाद्रपद में बुध होने से राजनीति में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो, राज्यवर्ग में पीड़ा हो, श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, बुध रेवती को भेदने से व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, इन्द्र की भांति समृद्धि हो, धान्य सस्ता हो और गुड शक्कर भी सस्ते हों, जौ गेहूँ में रोग हो, ईस्स, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों, वुध अश्विनी को भेदने से व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो । **ज्येष्ठ** - शतभिषा पर मंगल होने से कीड़े और मूषक अधिक हों तो भी स्सेतियां वहुत हों । वर्षा अधिक हो, आरोग्यता हो और धान्य सस्ता हो । आरोग्यता हो, वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुस्री रहें और ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो । **आषाढ** - पुनर्वसु में वुध होने से बालकों को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःस्सो से प्रजा पीडित हो, आर्द्रा में बुध होने से वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुस्री रहें और ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःस्सो से प्रजा पीडित हो । **श्रावण** - मिथुन राशि में बुध का उदय होने से वर्षा का अभाव हो । श्रावण में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, मनुष्यों में रोग हो और अन्न लक्ष्मी वहुत हो, धान्य की महर्घता हो, रस (मधुर आदि) और धान्यों का नाश हो, वालकों को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो, लोग सुस्री रहें, तीन महीने जल वर्षे और चौथे मास नहीं वर्षे । वृहस्पति और शुक्र परस्पर सप्तम राशि में स्थित होने से रोग और अनेक प्रकार के भय से प्रजागण पीड़ित हो तथा अवृष्टि हो । सब लोगों में मांगलिक उत्सव हों । **भाद्रपद** - आर्द्रा में शुक्र होने से अल्प वृष्टि हो, कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो, तुप धान्य उत्पन्न हों, शुक्र पुनर्वसु नक्षत्र में होने से अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । पूर्वाफाल्गुनी में बुध होने से क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, उड़द मूंग कम उत्पन्न हो । **प्र.आश्विन** - आश्विन की पूर्णिमा को अश्विनी का अभाव होने से महर्धता हो । शुक्र पुष्य नक्षत्र में होने से अधिक वृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो, बहुत धान्य और सुस्र हो, शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो, धान्य निरोग रहे, शुक्र आश्लेषा नक्षत्र में होने से लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो । **द्वि.आश्विन** - रेवती नक्षत्र पर मंगल होने से सुभिक्ष हो, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से शवर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो, व्यापारी वस्तु महँगी हों, कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जावस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो, चित्रा में बुध होने से वर्षा कम हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, भूकंप तथा युद्धादि हों, शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो, लोग सुस्री रहें, मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो । **कार्तिक** - पूर्णिमा को कृतिका का अभाव होने से महर्धता हो । स्वाति में बुध होने से मन्द वर्षा हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, कुआँ वनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो । स्वाती नक्षत्र में शुक्र होने से अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । **मार्गशीर्ष** - पूर्णिमा को मृगशिरा का अभाव होने से महर्धता हो । विशास्रा में शुक्र होने से तुष धान्य की महँगाई हो, ज्येष्ठा में बुध होने से ईस्स, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो अनावृष्टि हो । मूल में बुध होने से पशु पक्षी और वालकों में पीडा हो । ज्येष्ठा नक्षत्र में शुक्र होने से क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो । **पौष** - उत्तराषाढ़ा को वुध के भेदने से वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो । मूल नक्षत्र में शुक्र होने से प्रधान वैद्य पीड़ित हों अनावृष्टि हो, पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो, कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, प्रचण्ड पवन चले, वर्षा कम हो, स्त्रियाँ पीड़ित हों, गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में वर्फ (ओले) गिरने का भय हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों, उड़द तिल अधिक हो, भरणी पर मंगल होने से ब्राह्मणों को पीड़ा हो तथा उनका शीघ्र पतन हो, राजा के अधिकारी, प्रधान ब्राह्मण, वैद्य और पुरोहित पीडित हो, रोगों की उत्पत्ति हो । **माघ** - हवा वहुत चले और हिम (ठंढ) से वृक्ष जल जायँ, प्रजा में सुस्रों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, कर्णपीड़ा हो, श्रवण में वुध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में वर्फ (ओले) गिरने का भय हो, पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो, कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, धान्य महंगा हो, देश भंग हो और तपस्वियों के आश्रमों में पीड़ा हो, पास्रण्डियों में भय उत्पन्न हो, प्रजा में सुस्रों की वृद्धि और सुभिक्ष हो । शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिको (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है । **फाल्गुन** - पूर्वभाद्रपदा में स्थित शुक्र जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाव देश में स्थित जनों को पीड़ित और वृष्टि करता है, वृक्षों में रोग, चौपायों में पीड़ा, कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, फल-मूल पीड़ित हो । **चैत्र** - रेवती में बुध होने से श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । अश्विनी में शुक्र होने से ब्राह्मण जाति में विरोध हो, जौ, तिल, उड़द कम हों । अश्विनी में स्थित शुक्र अश्वपालकों को पीड़ित करता है ॥ आगे गो प्रजा भाग्य प्रबल है ॥

॥ संवत् २०७७, शाकः १९४२ (सन २०२०-२१) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन२०२० — **वैशाख शुक्लपक्षः**

२६ अप्रे. ३ रवौ मृगे रे. ७ IIISIISSII रात्रौ लग्न १० (भद्रा २५।५९ से)
१ मई ८ शुक्रे मघा. रे. ७ IIIISSIISI रात्रौ लग्न १० (मकरे चं ७; २५।०७ यावत्)
५ मई १३ भौमे हस्ते रे. ७ SSIIISIIII दिवा लग्न ३ (मिथुने के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)
६ मई १४ बुधे स्वातौ रे. ८ IIIIISISII दिवालग्न ६ (व्यतिपात २०।३५ से भद्रा १९।४६ से)

सन२०२० — **ज्येष्ठ कृष्णपक्षः**

१८ मई ११ चंद्रे उभा. रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न ३, ६
(मिथुने के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, कन्या. चं ७ पूज्यः)
१८ मई ११ चंद्रे रेवत्यां रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८), १०, १
१९ मई १२ भौमे रेवत्यां रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न ३, ६
(मिथुने के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, कन्या. चं ७ पूज्यः)

अग्रे शुक्रास्तत्वादभावः (३० मई २०२०, स्टै. २३।१५)
शुक्रोदयः (९ जून २०२०, स्टै. ६।१९)

सन२०२० — **आषाढ़ कृष्णपक्षः**

१३ जून ८ शनौ उभा. रे. ७ SIIIISISII रात्रौ लग्न १
१५ जून १० चंद्रे रेवत्यां रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न ३, ६
(मिथुने के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा, कन्या. चं ७ पूज्यः) (भद्रा १६।३६ से)
२१ जून सूर्य ग्रहणार्क्षः मृग.

सन२०२० — **आषाढ़ शुक्लपक्षः**

२७ जून ७ शनौ उफा. रे. ७ ISIIIISSII रात्रौ लग्न १२
(शु ३ दोषः; रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं) (व्यतिपात २३। ७ यावत् भद्रा २६।५७ से)
३० जून १० भौमे स्वातौ रे. ९ IIIIIIISII दिवालग्न ५, ८, रात्रौ लग्न गोधूलि, १०, १२, १
(वृश्चिके शु ७ पूज्यः, मकरे सोग्रांगः श,मीने शु ३ दोषः; रा ४ दोषः; सोग्रांगः मं,मेषे चं ७ पूज्यः)

अग्रे चतुर्मासारम्भस्तेनाऽभावः

सन२०२० — **कार्तिक शुक्लपक्षः**

२५ नवं. ११ बुधे उभा. रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न ८, ९, १०, १
(वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के, मेषे बु शु ७ पूज्यः) (भद्रा १५।५८ से)
२९ नवं. १४ रवौ रोहि. रे. ८ IIIISIISII रात्रौ लग्न ८
(वृश्चिके रा ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू के)
३० नवं. १५ चंद्रे रोहि. रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न ८, १०, १२, १, रात्रौ लग्न ५, ७
(वृश्चिके रा ७ दोषः; चं ७ पूज्यः;सोग्रांगः सू के,मीने सोग्रांगःमं,मेषे शु ७ पूज्यः,सिंहे शु ३ दोषः)

सन२०२० — **मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः**

१ दिसं १ भौमे रोहि. रे. ७ IIIISSISII दिवा लग्न ८ (रा ७ दोषः;चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू के)
९ दिसं ९ बुधे हस्ते रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न १२, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(२), ५
(मीने चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं, अ.गोधुल्यां सोग्रांगः रा, सिंहे शु ३ दोषः) (भद्रा २६। ९ से)

११ दिसं ११ शुक्रे स्वातौ रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न ९, १०, १२, १, रात्रौ लग्न ५
(मीने सोग्रांगः मं, मेषे चं ७ पूज्यः)

अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः तदुपरांत गुरोरस्तत्वादभावः (१७ जन. २०२१), तदग्रे शुक्रास्तत्वादभावः (११ फर. २०२१), गुरोरुदयः (१४ फर. २०२१, स्टै. २६।२६), अग्रे मीनेऽर्कः

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन२०२० — **वैशाख कृष्णपक्षः**

१६ अप्रे. ९ गुरौ धनि. रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न १२ (मीने शु ३ दोषः; रा ४ दोषः)

सन२०२० — **वैशाख शुक्लपक्षः**

५ मई १३ भौमे चित्रा. रे. ८ SIIIIISIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(७), ८, १०, १२, १
(वृश्चिके शु ७ पूज्यः, मीने शु ३ दोषः; रा ४ दोषः, मेषे चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू)
६ मई १४ बुधे चित्रा. रे. ८ SIIIISIIII दिवा लग्न ३ (मिथुने के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)

सन२०२० — **आषाढ़ शुक्लपक्षः**

२९ जून ९ चंद्रे चित्रा. रे. ८ IIIIISSIII दिवालग्न ५,७,८, रात्रौ लग्न गोधूलि, १०, १२, १
(वृश्चिके शु ७ पूज्यः, गो. सोग्रांगः के,मीने शु ३ दोषः; रा ४ दोषः; सोग्रांगः मं,मेषे चं ७ पूज्यः)

अग्रे चतुर्मासारम्भस्तेनाऽभावः

सन२०२० — **कार्तिक शुक्लपक्षः**

२७ नवं. १२ शुक्रे अश्वि. रे. ६ SSIIISSIII दिवा लग्न ९, १०, १२, रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(२)
(मीने सोग्रांगः मं, अ.गोधुल्यां सोग्रांगः रा) (व्यतिपात ८।२९ यावत्)
अग्रेऽभावः

॥ द्विरागमन मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२० — **वैशाख मासः**

२० अप्रे. कृ. १३ चंद्रे उभा. लग्न २, ३, अभिजिति, ६, ७ (वृषे शु १ शुभ)
२७ अप्रे. शु. ०४ चंद्रे मृगे लग्न ६, ७
३० अप्रे. शु. ०७ गुरौ पुष्ये लग्न २, ३, अभिजिति (वृषे शु १ शुभ)

सन२०२० — **ज्येष्ठ मासः**

८ मई कृ. ०१ शुक्रे अनुरा. लग्न ३, अभिजिति, ६, ७

सन२०२० — **कार्तिक मासः**

१६ नवं. शु. ०१ चंद्रे अनुरा. अभिजिति
२५ नवं. शु. ११ बुधे उभा. लग्न १२ (भद्रा १५।५८ से) (मीने गु ११ शुभ)
२७ नवं. शु. १२ शुक्रे अश्वि. अभिजिति, १२, २ (व्यतिपात ८।२९ तक) (मीने गु ११ शुभ)
३० नवं. शु. १५ चंद्रे रोहि. लग्न २

सन२०२० — **मार्गशीर्ष मासः**

९ दिसं कृ. ०९ बुधे हस्ते लग्न २
१० दिसं कृ. १० गुरौ चित्रा. लग्न १२, २ (भद्रा १२।५३ तक) (मीने गु ११ शुभ)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

॥ संवत् २०७७, शाकः १९४२, सन २०२०-२१ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

॥ उपनयन ॥

सन२०२०	**चैत्र मासः**
२६ मार्च	शु. ०२ गुरौ अश्वि. अभिजिति (वैधृति १६।२१ से)
३ अप्रे.	शु. १० शुक्रे पुष्ये अभिजिति
सन२०२०	**वैशाख मासः**
९ अप्रे.	कृ. ०२ गुरौ स्वातौ अभिजिति
३ मई	शु. १० रवौ पूफा. लग्न १, अभिजिति
४ मई	शु. ११ चंद्रे उफा. अभिजिति, ५ (भद्रा ६।१६ तक)
सन२०२०	**ज्येष्ठ मासः**
८ मई	कृ. ०१ शुक्रे अनुरा. लग्न ५
२५ मई	शु. ०३ चंद्रे आर्द्रा. अभिजिति, ५, ६
२७ मई	शु. ०५ बुधे पुष्ये लग्न ६
२१ जून	सूर्य ग्रहणार्क्षः मृगे
सन२०२०	**आषाढ़ मासः**
२५ जून	शु. ०४ गुरौ श्लेषा. लग्न ६
२ जुला	शु. १२ गुरौ अनुरा. अभिजिति, ६

॥ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२०	**ज्येष्ठ मासः**
८ मई	कृ. ०१ शुक्रे अनुरा. अभिजिति, ५
२१ जून	सूर्य ग्रहणार्क्षः मृगे
सन२०२०	**श्रावण मासः**
२९ जुला	शु. १० बुधे अनुरा. लग्न ६ (महापात स्पर्शः १४।५१ मोक्षः २१।११)
सन२०२०	**कार्तिक मासः**
३० नवं.	शु. १५ चंद्रे रोहि. अभिजिति, २

॥ वृषचक्र-रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२०	**वैशाख मासः**
१८ अप्रे.	कृ. ११ शनौ शते अभिजिति
२० अप्रे.	कृ. १३ चंद्रे उभा. अभिजिति
३० अप्रे.	शु. ०७ गुरौ पुष्ये अभिजिति
सन२०२०	**ज्येष्ठ मासः**
२७ मई	शु. ०५ बुधे पुष्ये लग्न ६

(उपनयन — शेष)

सन२०२०	**आषाढ़ मासः**
१२ जून	कृ. ०७ शुक्रे शते लग्न ५, अभिजिति, ६ (भद्रा ९।५५ तक)
सन२०२०	**भाद्रपद मासः**
२१ अग.	शु. ०३ शुक्रे उफा. लग्न ५, अभिजिति, ९
सन२०२०	**कार्तिक मासः**
१२ नवं.	कृ. १२ गुरौ हस्ते अभिजिति
१३ नवं.	कृ. १३ शुक्रे चित्रा. अभिजिति
१६ नवं.	शु. ०१ चंद्रे अनुरा. अभिजिति
सन२०२०	**मार्गशीर्ष मासः**
९ दिसं	कृ. ०९ बुधे हस्ते लग्न २
१० दिसं	कृ. १० गुरौ चित्रा. लग्न २ (भद्रा १२।५३ तक)
११ दिसं	कृ. ११ शुक्रे स्वातौ अभिजिति, २

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२०	**वैशाख मासः**
२० अप्रे.	कृ. १३ चंद्रे उभा. अभिजिति
४ मई	शु. ११ चंद्रे उफा. अभिजिति, ५ (भद्रा ६।१६ तक)
सन२०२०	**ज्येष्ठ मासः**
१८ मई	कृ. ११ चंद्रे उभा. अभिजिति, ६
२१ जून	सूर्य ग्रहणार्क्षः मृगे

॥ कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२०	**वैशाख मासः**
२७ अप्रे.	शु. ०४ चंद्रे मृगे लग्न ५
सन२०२०	**ज्येष्ठ मासः**
८ मई	कृ. ०१ शुक्रे अनुरा. अभिजिति, ५

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२०	**वैशाख मासः**
१८ अप्रे.	कृ. ११ शनौ शते अभिजिति
३० अप्रे.	शु. ०७ गुरौ पुष्ये अभिजिति (भद्रा १४।४३ से)
२१ जून	सूर्य ग्रहणार्क्षः मृगे

(जीर्णगृहप्रवेश — शेष)

सन२०२०	**कार्तिक मासः**
२१ नवं.	शु. ०७ शनौ धनि. अभिजिति (महापात मोक्षः ११।४९)
सन२०२०	**मार्गशीर्ष मासः**
११ दिसं	कृ. ११ शुक्रे स्वातौ अभिजिति, २

॥ कुंभचक्ररहिताः जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२०	**ज्येष्ठ मासः**
२७ मई	शु. ०५ बुधे पुष्ये लग्न ६
सन२०२०	**श्रावण मासः**
९ जुला	कृ. ०४ गुरौ शते अभिजिति, ६, ९
सन२०२०	**मार्गशीर्ष मासः**
१९ दिसं	शु. ०५ शनौ धनि. अभिजिति

॥ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२०	**वैशाख मासः**
३० अप्रे.	शु. ०७ गुरौ पुष्ये अभिजिति
४ मई	शु. ११ चंद्रे उफा. अभिजिति (भद्रा ६।१६ तक)
सन२०२०	**ज्येष्ठ मासः**
२७ मई	शु. ०५ बुधे पुष्ये लग्न ६
सन२०२०	**आषाढ़ मासः**
१२ जून	कृ. ०७ शुक्रे शते अभिजिति, ६ (भद्रा ९।५५ तक)
२ जुला	शु. १२ गुरौ अनुरा. अभिजिति, ६
सन२०२०	**श्रावण मासः**
९ जुला	कृ. ०४ गुरौ शते अभिजिति, ६, ९
१२ जुला	कृ. ०७ रवौ रेवत्यां लग्न ६, अभिजिति

॥ अथ चौल (मुण्डन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२०	**आषाढ़ मासः**
३ जुला	शु. १३ शुक्रे ज्येष्ठा. लग्न ४, अभिजिति, ६ (महापात स्पर्शः १८।१९)
सन२०२०	**श्रावण मासः**
९ जुला	कृ. ०४ गुरौ शते अभिजिति, ६, ९

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

II सन् २०२०-२१, संवत् २०७७ II + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल
१	....	+ ४।३९	+१५।१०	+२२।०६	+२३।०५	+१७।५६	+ ८।१०	- ३।१८	-१४।३१	-२१।५०	-२३।००	-१७।०५	- ७।३४	+ ४।३४
२	....	+ ५।०२	+१५।२८	+२२।१३	+२३।०१	+१७।४१	+ ७।४९	- ३।४१	-१४।५०	-२२।००	-२२।५५	-१६।४८	- ७।११	+ ४।५७
३	....	+ ५।२५	+१५।४६	+२२।२१	+२२।५६	+१७।२५	+ ७।२७	- ४।०४	-१५।०९	-२२।०८	-२२।४९	-१६।३०	- ६।४८	+ ५।२०
४	....	+ ५।४८	+१६।०३	+२२।२८	+२२।५१	+१७।१०	+ ७।०५	- ४।२७	-१५।२७	-२२।१६	-२२।४३	-१६।१३	- ६।२५	+ ५।४३
५	....	+ ६।११	+१६।२०	+२२।३५	+२२।४५	+१६।५३	+ ६।४२	- ४।५०	-१५।४६	-२२।२४	-२२।३६	-१५।५४	- ६।०२	+ ६।०६
६	....	+ ६।३४	+१६।३७	+२२।४१	+२२।३९	+१६।३७	+ ६।२०	- ५।१३	-१६।०४	-२२।३१	-२२।२९	-१५।३६	- ५।३९	+ ६।२८
७	....	+ ६।५६	+१६।५४	+२२।४७	+२२।३३	+१६।२०	+ ५।५८	- ५।३६	-१६।२१	-२२।३८	-२२।२२	-१५।१७	- ५।१५	+ ६।५१
८	....	+ ७।१९	+१७।१०	+२२।५२	+२२।२६	+१६।०३	+ ५।३५	- ५।५९	-१६।३९	-२२।४५	-२२।१४	-१४।५९	- ४।५२	+ ७।१३
९	....	+ ७।४१	+१७।२६	+२२।५७	+२२।१९	+१५।४६	+ ५।१२	- ६।२२	-१६।५६	-२२।५०	-२२।०६	-१४।३९	- ४।२९	+ ७।३६
१०	....	+ ८।०३	+१७।४२	+२३।०२	+२२।१२	+१५।२९	+ ४।५०	- ६।४५	-१७।१३	-२२।५६	-२१।५७	-१४।२०	- ४।०५	+ ७।५८
११	....	+ ८।२५	+१७।५७	+२३।०६	+२२।०४	+१५।११	+ ४।२७	- ७।०७	-१७।३०	-२३।०१	-२१।४८	-१४।००	- ३।४२	+ ८।२०
१२	....	+ ८।४७	+१८।१३	+२३।१०	+२१।५६	+१४।५३	+ ४।०४	- ७।३०	-१७।४६	-२३।०६	-२१।३८	-१३।४१	- ३।१८	+ ८।४२
१३	....	+ ९।०९	+१८।२७	+२३।१४	+२१।४७	+१४।३५	+ ३।४१	- ७।५२	-१८।०२	-२३।१०	-२१।२८	-१३।२०	- २।५४	....
१४	....	+ ९।३१	+१८।४२	+२३।१७	+२१।३८	+१४।१६	+ ३।१८	- ८।१५	-१८।१८	-२३।१३	-२१।१८	-१३।००	- २।३१	....
१५	....	+ ९।५२	+१८।५६	+२३।१९	+२१।२८	+१३।५७	+ २।५५	- ८।३७	-१८।३३	-२३।१७	-२१।०७	-१२।४०	- २।०७	....
१६	....	+१०।१४	+१९।१०	+२३।२१	+२१।१९	+१३।३९	+ २।३२	- ८।५९	-१८।४८	-२३।१९	-२०।५६	-१२।१९	- १।४३	....
१७	....	+१०।३५	+१९।२४	+२३।२३	+२१।०९	+१३।१९	+ २।०९	- ९।२१	-१९।०३	-२३।२२	-२०।४४	-११।५८	- १।२०	....
१८	....	+१०।५६	+१९।३७	+२३।२५	+२०।५८	+१३।००	+ १।४६	- ९।४३	-१९।१७	-२३।२४	-२०।३२	-११।३७	- ०।५६	....
१९	....	+११।१७	+१९।५०	+२३।२६	+२०।४७	+१२।४१	+ १।२२	-१०।०५	-१९।३१	-२३।२५	-२०।१९	-११।१६	- ०।३२	....
२०	....	+११।३७	+२०।०२	+२३।२६	+२०।३६	+१२।२१	+ ०।५९	-१०।२६	-१९।४५	-२३।२६	-२०।०७	-१०।५४	- ०।०८	....
२१	....	+११।५८	+२०।१५	+२३।२६	+२०।२५	+१२।०१	+ ०।३६	-१०।४८	-१९।५८	-२३।२६	-१९।५३	-१०।३२	+ ०।१५	....
२२	....	+१२।१८	+२०।२७	+२३।२६	+२०।१३	+११।४१	+ ०।१२	-११।०९	-२०।११	-२३।२६	-१९।४०	-१०।११	+ ०।३९	....
२३	....	+१२।३८	+२०।३८	+२३।२५	+२०।०१	+११।२१	- ०।११	-११।३०	-२०।२४	-२३।२६	-१९।२६	- ९।४९	+ १।०३	....
२४	....	+१२।५८	+२०।४९	+२३।२४	+१९।४८	+११।००	- ०।३४	-११।५१	-२०।३६	-२३।२५	-१९।१२	- ९।२७	+ १।२६	....
२५	+ १।५६	+१३।१७	+२१।००	+२३।२३	+१९।३५	+१०।३९	- ०।५८	-१२।११	-२०।४८	-२३।२३	-१८।५७	- ९।०४	+ १।५०	....
२६	+ २।१९	+१३।३७	+२१।११	+२३।२१	+१९।२२	+१०।१९	- १।२१	-१२।३२	-२०।५९	-२३।२१	-१८।४२	- ८।४२	+ २।१३	....
२७	+ २।४३	+१३।५६	+२१।२१	+२३।१९	+१९।०९	+ ९।५८	- १।४४	-१२।५२	-२१।१०	-२३।१९	-१८।२७	- ८।१९	+ २।३७	....
२८	+ ३।०६	+१४।१५	+२१।३०	+२३।१६	+१८।५५	+ ९।३७	- २।०८	-१३।१२	-२१।२१	-२३।१६	-१८।११	- ७।५७	+ ३।००	....
२९	+ ३।३०	+१४।३३	+२१।४०	+२३।१३	+१८।४१	+ ९।१५	- २।३१	-१३।३२	-२१।३१	-२३।१३	-१७।५५	....	+ ३।२४	....
३०	+ ३।५३	+१४।५२	+२१।४९	+२३।०९	+१८।२६	+ ८।५४	- २।५४	-१३।५२	-२१।४१	-२३।०९	-१७।३९	....	+ ३।४७	....
३१	+ ४।१६	....	+२१।५७	....	+१८।११	+ ८।३२	....	-१४।१२	....	-२३।०५	-१७।२२	....	+ ४।१०	....
	उत्तर (धन)										दक्षिण (ऋण)			

महापात योगाः (स्टै. समय में)
संवत् २०७७, (सन २०२०-२१)

	महापात स्पर्शः		महापात मोक्षः	
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
व्यती.	६ अप्रे.	१६।२०	६ अप्रे.	२०।२७
वैधृति	१८ अप्रे.	२३।०१	१८ अप्रे.	२८।३३
व्यती.	२ मई	९।१६	२ मई	१४।४३
वैधृति	१४ मई	६।४१	१४ मई	१३।५०
व्यती.	२७ मई	२१।४७	२८ मई	७।१७
वैधृति	८ जून	२०।४९	९ जून	१०।३७
व्यती.	२० जून	२५।१४	२१ जून	२०।०५
वैधृति	३ जुला.	१८।१९	४ जुला.	७।२०
व्यती.	१७ जुला.	९।०१	१७ जुला.	१८।२४
वैधृति	२९ जुला.	१४।५१	२९ जुला.	२१।११
व्यती.	११ अग.	२१।४८	११ अग.	२७।५६
वैधृति	२३ अग.	२८।३५	२४ अग.	९।०१
व्यती.	५ सितं.	२९।०४	६ सितं.	१०।०६
वैधृति	१८ सितं.	२१।५७	१८ सितं.	२५।४८
व्यती.	१ अक्टू.	११।३६	१ अक्टू.	१६।२५
वैधृति	१४ अक्टू.	१८।२४	१४ अक्टू.	२२।३६
व्यती.	२६ अक्टू.	१८।२४	२६ अक्टू.	२३।४३
वैधृति	९ नवं.	११।२५	९ नवं.	१७।११
व्यती.	२० नवं.	२८।५५	२१ नवं.	११।५०
वैधृति	४ दिसं.	२५।४८	५ दिसं.	११।५०
व्यती.	१६ दिसं.	३०।४५	१७ दिसं.	१८।०९
वैधृति	२८ दिसं.	१६।३९	२८ दिसं.	२९।२२
व्यती.	१० जन.	११।४६	१० जन.	१९।४८
वैधृति	२३ जन.	१५।२९	२३ जन.	२२।४८
व्यती.	४ फर.	२९।३२	५ फर.	१०।३६
वैधृति	१७ फर.	२४।४५	१७ फर.	३०।०४
व्यती.	२ मार्च	१९।२६	२ मार्च	२३।२७
वैधृति	१५ मार्च	८।४३	१५ मार्च	१३।१८
व्यती.	२८ मार्च	१४।०१	२८ मार्च	१७।५३
वैधृति	९ अप्रे.	१७।४४	९ अप्रे.	२२।२४

संवत् २०७७ शाकः १९४२ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
वै.कृ. ०६ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	ज्ये.कृ. ०७ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	चै.शु. ११ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	चै.कृ. ३० से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	वै.शु. ०१ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	चै.शु. ०३ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	चै.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	वै.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	चै.कृ. ३० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	चै.शु. ०२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	वै.शु. ०१ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	चै.शु. १० से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.
वै.शु. १० से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	ज्ये.शु. १२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	आ.कृ. ०९ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	वै.शु. १४ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	आ.कृ. ०१ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	ज्ये.शु. ०३ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	वै.शु. ०४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	ज्ये.शु. ०४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	ज्ये.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	वै.कृ. ३० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	ज्ये.कृ. ३० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	ज्ये.शु. ०२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.
आ.शु. ०२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	श्रा.शु. ०४ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.शु. १४ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	श्रा.कृ. ११ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	भा.कृ. १२ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	श्रा.कृ. ०२ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	आ.शु. ०४ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	श्रा.शु. ०४ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	आ.शु. ०४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	आ.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	श्रा.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.कृ. ३० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.
श्रा.शु. ०१ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	भा.शु. ०३ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	भा.शु. ०६ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	भा.कृ. ०२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	प्र.आ.कृ. ०३ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	प्र.आ.कृ. १४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	भा.कृ. ०४ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	प्र.आ.कृ. ०३ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	भा.शु. ०५ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	श्रा.शु. ०५ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	भा.शु. ०५ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	भा.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.
प्र.आ.कृ. १४ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	द्वि.आ.शु.०१ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	प्र.आ.शु. ०५ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	प्र.आ.शु. ०९ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	द्वि.आ.शु.१० से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	द्वि.आ.कृ.०४ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	द्वि.आ.शु.०१ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.कृ. ३० से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	द्वि.आ.कृ.०३ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	प्र.आ.शु. ०६ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	द्वि.आ.शु.०५ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	प्र.आ.शु. ०६ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.
द्वि.आ.शु.०६ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. ०८ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. ०३ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	द्वि.आ.शु.०७ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	का.शु. ०९ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	का.शु. १२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	का.कृ. ०६ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.कृ. ०५ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.शु. ०१ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.कृ. ०४ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	मा.कृ. ०३ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	का.शु. ०६ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.
मा.शु. ०६ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	पौ.शु. ०७ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	मा.शु. ०९ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. ०५ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	पौ.शु. ०६ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	मा.शु. १० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	मा.शु. १३ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	पौ.शु. १२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	पौ.कृ. ०६ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	पौ.शु. ०१ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	मा.शु. ०१ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	पौ.कृ. ०३ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.
मा.कृ. ०४ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	फा.कृ. ०६ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	मा.शु. ०८ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	पौ.शु. ११ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. १२ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. ०७ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	पौ.शु. ११ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	मा.शु. १० से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	मा.शु. १२ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	मा.कृ. ०६ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.कृ. ०६ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.शु. ०१ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.

संवत् २०७७, प्र.आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०२०

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	मंगलवार १ सितंबर दिन ९।४० वजे के बाद (भाद्र. शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम) "	बुधवार २ सितंबर दिन १०।५२ वजे के बाद
द्वितीया (दूज) "	शुक्रवार ४ सितंबर मध्यान्ह २।२२ वजे के पहले
तृतीया (तीज) "	शनिवार ५ सितंबर
चतुर्थी (चोथ) "	रविवार ६ सितंबर
पंचमी (पांच) "	सोमवार ७ सितंबर
षष्ठी (छठ) "	मंगलवार ८ सितंबर

सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	बुधवार ९ सितंबर
अष्ठमी (आठं) "	गुरुवार १० सितंबर
नवमी (नौमी) "	शुक्रवार ११ सितंबर
दशमी (दस) "	शनिवार १२ सितंबर
एकादशी "	रविवार १३ सितंबर
द्वादशी (बारस) "	सोमवार १४ सितंबर
त्रयोदशी (तेरस) "	मंगलवार १५ सितंबर
चतुर्दशी (चौदस) ".	बुधवार १६ सितंबर
अमावस्या (मावस) "	गुरुवार १७ सितंबर

२५ मार्च से ८ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक | केतकी अहर्गणः ३२७६ वसंतर्त्तू रविरुत्तरे, मार्च-अप्रेल २०२०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरा.	१	बु	२७	१४	१७	२६	रेव	...	...	...	...	ब्र	२२	२५	१५	३०	ब	२७	१४	१७	२६	३०/३१	६/३२	६/४०	५	२९	२५	मीने	११।१०।३७।१९	५९।२७	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., D
सिंधारा	२	गु	३३	२३	१९	५२	रेव	१	४३	७	१२	ऐ	२४	३६	१६	२१	बा	०	२१	६	३९	२५	३१	४१	६	१	२६	मेषे ७।१२	११।११।३६।४६	५९।२४	पंचक समाप्तिः ७।१२, श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, सावान ८
गणगोर	३	शु	३९	१४	२२	११	अश्वि	८	५८	१०	०५	वै	२६	३७	१७	०९	तै	६	२३	९	०३	२९	३०	४१	७	२	२७	मेषे	११।१२।३६।१०	५९।२२	मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, गणगौरी A
ध्वाङ्क्ष	४	श	४४	३२	२४	१७	भर	१५	४९	१२	४८	वि	२८	१६	१७	४७	व	११	५९	११	१६	३३	२९	४२	८	३	२८	वृषे १९।२७	११।१३।३५।३२	५९।२०	भ. ११।१६ उ. २४।१७ या., वृषे शुक्रः ८।४५
धूम्र	५	र	४८	५५	२६	०१	कृति	२१	५८	१५	१५	प्री	२९	१८	१८	११	ब	१६	५३	१३	१३	३८	२७	४२	९	४	२९	वृषे	११।१४।३४।५२	५९।१७	कल्पादि, डोलोत्सवः, मकरे उषा.-२ गुरुः २७।३६
प्रवर्धमा	६	सो	५२	०३	२७	१६	रोहि	२७	०३	१७	१५	आ	२९	२८	१८	१४	कौ	२०	४१	१४	४३	४२	२६	४३	१०	५	३०	मिथु. ३०।०३	११।१५।३४।०९	५९।१५	स्कन्दषष्ठी व्र. [C प्राशस्त्य योगं १९।२८ से २७।४२, अप्रेल ४ ता. ३०
राक्षस	७	मं	५३	३५	२७	५१	मृग	३०	४२	१८	४२	सौ	२८	३०	१७	४९	ग	२३	०३	१५	३८	४६	२५	४४	११	६	३१	मिथु.	११।१६।३३।२४	५९।१३	भ.२७।५१ उ., रेव. रविः ६।२८ (सौरः ९।०६), पूभा. बुधः ८।१५
मुसल	८	बु	५३	१४	२७	४२	आर्द्रा	३२	३९	१९	२८	शो	२६	१०	१६	५२	वि	२३	४०	१५	५२	५०	२४	४४	१२	७	१	मिथु.	११।१७।३२।३७	५९।१०	भ. १५।५२ या., भवान्युत्पत्तिः,अशोककलिका प्राशनं,बुधाष्टमी, C
रामनव	९	गु	५०	५५	२६	४५	पुन	३२	४१	१९	२७	अ	२२	१८	१५	१८	वा	२२	२२	१५	२०	५४	२३	४५	१३	८	२	कर्के १३।३२	११।१८।३१।४७	५९।०८	श्री रामनवमी,उषा.-४ शनिः १६।४९ [B चित्रान्नदानं भक्षणञ्च, E
उत्पात	१०	शु	४६	३६	२५	००	पुष्य	३०	४५	१८	४०	सु	१६	५२	१३	०७	तै	१९	०१	१३	५८	५८	२२	४५	१४	९	३	कर्के	११।१९।३०।५५	५९।०६	[A पूजा, मनोरथ तृतीया व्र., सौभाग्य शयन व्र.,शिवशक्ति पू.
ए.व्र.	११	श	४०	२९	२२	३२	श्लेे	२६	५७	१७	०८	धृ	९	५२	१०	१८	व	१३	४६	११	५१	३१/४३	२१	४६	१५	१०	४	सिंहे १७।०८	११।२०।३०।०१	५९।०४	भ.११।५१ उ. २२।३२ या.,कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
मुद्गर	१२	र	३२	४७	१९	२७	मघा	२१	३१	१४	५६	शू	१/५१	२७/५०	६/२७	५४/४४	व	६	४९	९	०३	०६	२०	४६	१६	११	५	सिंहे	११।२१।२९।०५	५९।०१	हरि दमनोत्सवः,श्रव.भौमः २३।४६ [D आरोग्य १, विद्या १,कल्पादि
प्र.व्र.	१३	सो	२३	५६	१५	५३	पूफा	१४	५०	१२	१५	वृ	४१	२६	२२	५३	तै	२३	५६	१५	५३	१०	१९	४७	१७	१२	६	कन्या १७।३१	११।२२।२८।०६	५८।५९	प्रदोषः,जैन महावीर जयंती,शिव पूजन विशेषः [E रोहि. शुक्रः ६।५८
धाता	१४	मं	१४	२०	१२	०२	उफा	७/५९	२०/२८	९/३०	१३/०५	ध्रु	३०	३४	१८	३१	व	१४	२०	१२	०२	१४	१७	४७	१८	१३	७	कन्या	११।२३।२७।०५	५८।५७	भ. १२।०२ उ. २२।०३ या., पूर्णिमा व्रतं, मीने बुधः १६।२२
पूर्णिमा	१५	बु	४	३१	८	०५	चित्रा	५१	५१	२७	०१	व्या	१९	३८	१४	०७	ब	४	३१	८	०५	१८	१६	४८	१९	१४	८	तुला. १६।३१	११।२४।२६।०२	५८।५४	मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा पुण्यं, वैशाख स्नानारंभः, B

अयनांशाः २४।०७।०५

पं.५१ चै.शु. ६ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	१०	९	१	९	२	८
१५	०५	१८	००	०१	०६	०९	०९
४०	१९	४०	००	४९	२७	२२	२२
४१	३९	२३	५५	३०	११	१९	१९
५९	४१	७३	७	५६	३	३	३
१३	४०	५१	३९	४३	५०	११	११
उभा	उषा	श	उषा	कृ	उषा	आ	मू
४	३	४	२	२	३	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।१०।४४।३७	१ बु	२५	७।२८	९।०४	११।००	१।१५	३।३५	५।५२	८।०८	१०।२७	१२।४५	२।५०	४।३३	६।०२
११।११।४४।०३	२ गु	२६	७।२४	९।००	१०।५६	१।११	३।३१	५।४८	८।०४	१०।२३	१२।४१	२।४६	४।२९	५।५८
११।१२।४३।२७	३ शु	२७	७।२०	८।५६	१०।५२	१।०७	३।२७	५।४४	८।००	१०।१९	१२।३७	२।४२	४।२५	५।५४
११।१३।४२।४९	४ श	२८	७।१६	८।५२	१०।४८	१।०३	३।२३	५।४०	७।५६	१०।१५	१२।३३	२।३८	४।२१	५।५०
११।१४।४२।०८	५ र	२९	७।१२	८।४८	१०।४४	१२।५९	३।१९	५।३६	७।५२	१०।११	१२।२९	२।३४	४।१७	५।४६
११।१५।४१।२५	६ चं	३०	७।०८	८।४४	१०।४०	१२।५५	३।१५	५।३२	७।४८	१०।०७	१२।२६	२।३०	४।१३	५।४२
११।१६।४०।४०	७ मं	३१	७।०४	८।४०	१०।३६	१२।५१	३।११	५।२८	७।४४	१०।०३	१२।२२	२।२६	४।०९	५।३८
११।१७।३९।५२	८ बु	१	७।००	८।३६	१०।३२	१२।४७	३।०७	५।२४	७।४०	९।५९	१२।१८	२।२२	४।०५	५।३४
११।१८।३९।०३	९ गु	२	६।५६	८।३२	१०।२८	१२।४३	३।०३	५।२०	७।३६	९।५५	१२।१४	२।१८	४।०२	५।३०
११।१९।३८।१०	१० शु	३	६।५२	८।२८	१०।२५	१२।३९	२।५९	५।१६	७।३२	९।५१	१२।१०	२।१४	३।५८	५।२६
११।२०।३७।१६	११ श	४	६।४८	८।२४	१०।२१	१२।३५	२।५५	५।१२	७।२८	९।४७	१२।०६	२।१०	३।५४	५।२२
११।२१।३६।१९	१२ र	५	६।४४	८।२०	१०।१७	१२।३१	२।५२	५।०८	७।२४	९।४३	१२।०२	२।०६	३।५०	५।१८
११।२२।३५।२०	१३ चं	६	६।४०	८।१७	१०।१३	१२।२७	२।४८	५।०४	७।२०	९।३९	११।५८	२।०२	३।४६	५।१४
११।२३।३४।१९	१४ मं	७	६।३६	८।१३	१०।०९	१२।२४	२।४४	५।००	७।१६	९।३५	११।५४	१।५९	३।४२	५।१०
११।२४।३३।१५	१५ बु	८	६।३२	८।०९	१०।०५	१२।२०	२।४०	४।५७	७।१२	९।३१	११।५०	१।५५	३।३८	५।०६

मास फलम्

प्रतिपदा को बुध होने से मध्यम वर्षा हो। चैत्र शु. अष्टमी को बुधवार होने से अल्प वर्षा हो। पूर्णिमा चित्रा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। श्रवण पर मंगल होने से रोग हो, धान्योत्पत्ति कम हो, पीछे वर्षा हो। रोहिणी में शुक्र होने से आरोग्यता हो।

अयनांशाः २४।०७।०६

प.५२ चै.शु.१३ सो. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	१०	९	१	९	२	८
२२	१०	२७	००	०८	०६	०९	०९
३४	११	५६	५१	१४	५२	००	००
३०	२३	११	२९	१९	१७	०५	०५
५८	४१	८६	६	५२	३	३	३
५९	४०	३९	३८	२७	१५	११	११
रे	श्र	पूभा	उषा	कृ	उषा	आ	मू
२	१	३	२	४	४	१	३

९ अप्रेल से २३ अप्रेल तक, श्री वैशास्व कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल २०२०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	ष.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
क्षयः	१	बु	५४	५३	२८	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A (सौरः २२।२७), बुधास्तः पूर्वस्याम् २४।१०
सुस्थिर	२	गु	४६	०२	२४	४०	स्वा	४४	५५	२४	१३	ह	९/५९	००/०३	९/२९	५१/१३	तै	२०	२१	१४	२४	३१/२२	६/१५	६/४८	२०	१५	९	तुला.	११।२५।२४।५६	५८।५२	उभा. बुधः २१।३१
मातङ्ग	३	शु	३८	१८	२१	३४	विशा	३९	०९	२१	५४	सि	५०	१२	२६	१९	व	१२	०१	११	०३	२६	१४	४९	२१	१६	१०	वृश्चि. १६।२५	११।२६।२३।४८	५८।५०	भ. ११।०३ उ. २१।३४ या.
च.व्र.	४	श	३२	०८	१९	०४	अनु	३४	५५	२०	११	व्य	४२	३९	२३	१७	व	५	०१	८	१४	३०	१३	४९	२२	१७	११	वृश्चि.	११।२७।२२।३८	५८।४८	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।३८, अनुसूया जयंती
काण	५	र	२७	४६	१७	१९	ज्ये	३२	३१	१९	१३	व	३६	३८	२०	५१	तै	२७	४६	१७	१९	३४	१२	५०	२३	१८	१२	धनु. १९।१३	११।२८।२१।२५	५८।४५	
लुम्बक	६	सो	२५	२६	१६	२१	मूल	३२	०७	१९	०२	प	३२	१४	१९	०५	व	२५	२६	१६	२१	३८	११	५०	२४	१९	१३	धनु.	११।२९।२०।१०	५८।४३	भ. १६।२१ उ. २८।११ या., मेषे अश्वि. रविः १९।४८ A
मित्र	७	मं	२५	०८	१६	१३	पूषा	३३	४३	१९	३९	शि	२९	२८	१७	५७	व	२५	०८	१६	१३	४२	१०	५१	२५	२०	१४	मक. २५।५६	०।००।१८।५३	५८।४१	
वज्र	८	बु	२६	४८	१६	५२	उषा	३७	१२	२१	०२	सि	२८	१४	१७	२६	कौ	२६	४८	१६	५२	४६	०९	५१	२६	२१	१५	मक.	०।०१।१७।३४	५८।३८	बूढो वास्योड़ो
ध्वजा	९	गु	३०	११	१८	१२	श्रव	४२	१७	२३	०३	सा	२८	१८	१७	२७	ग	३०	११	१८	१२	५०	०८	५२	२७	२२	१६	मक.	०।०२।१६।१३	५८।३६	[B बुधः २२।५०
धाता	१०	शु	३४	५५	२०	०५	धनि	४८	३६	२५	३४	शु	२९	२६	१७	५४	व	२	२५	७	०५	५४	०७	५३	२८	२३	१७	कुंभे १२।१५	०।०३।१४।४९	५८।३४	भ. ७।०५ उ. २०।०५ या., पंचक प्रारम्भः १२।१५, रेव. B
ए.व्र.	११	श	४०	३३	२२	१९	शत	५५	४३	२८	२३	शु	३१	१७	१८	३७	व	७	४०	९	१०	५८	०६	५३	२९	२४	१८	कुंभे	०।०४।१३।२३	५८।३२	वरुथिनि ११ व्र.
चर	१२	र	४६	४१	२४	४६	पूभा	...	...	...	...	ब्र	३३	३४	१९	३१	कौ	१३	३७	११	३२	३२/०२	०५	५४	३०	२५	१९	मीने २४।३७	०।०५।११।५४	५८।३०	सायन वृषे भानुः २०।०६
प्र.व्र.	१३	सो	५२	५६	२७	१५	पूभा	३	१५	७	२२	ऐ	३५	५८	२०	२७	ग	१९	५१	१४	०१	०५	०४	५४	३१	२६	२०	मीने	०।०६।१०।२४	५८।२७	भ. २७।१५ उ., प्रदोषः
सिद्धि	१४	मं	५९	०१	२९	३९	उभा	१०	४६	१०	२२	वै	३८	१७	२१	२२	वि	२६	०२	१६	२८	०९	०३	५५	१	२७	२१	मीने	०।०७।०८।५१	५८।२५	भ. १६।२८ या., मासिकशिवरात्री व्र., भा. वैशास्वारंभः
उत्पात	३०	बु	...	...	...	...	रेव	१८	०४	१३	१६	वि	४०	२३	२२	११	च	३१	५७	१८	४९	१३	०२	५५	२	२८	२२	मेषे ·१३।१६	०।०८।०७।१७	५८।२३	पंचक समाप्तिः १३।१६, पितृकार्येऽमा.
अमाव.	३०	गु	४	४६	७	५६	अश्वि	२५	००	१६	०१	प्री	४२	१०	२२	५३	ना	४	४६	७	५६	१७	०१	५६	३	२९	२३	मेषे	०।०९।०५।३९	५८।२१	देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०७।०७

प. १ वै.कृ. ७ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	११	९	१	९	२	८
००	१५	१०	०१	१४	०७	०८	०८
२५	४४	१८	४०	५२	१५	३४	३४
२५	३९	५८	१८	४६	५०	३९	३९
५८	४१	१००	५	४६	२	३	३
४३	३८	४३	२४	०३	३२	११	११
अ	श्र	उभा	उषा	रो	उषा	आ	मू
१	२	३	२	२	४	१	३

।। दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ।। स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ।।

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
११।२५।३२।०९	२ गु	९	६।२८	८।०५	१०।०१	१२।१६	२।३६	४।५३	७।०८	९।२८	११।४६	१।५१	३।३४	५।०२
११।२६।३१।०१	३ शु	१०	६।२५	८।०१	९।५७	१२।१२	२।३२	४।४९	७।०४	९।२४	११।४२	१।४७	३।३०	४।५९
११।२७।२९।५१	४ श	११	६।२१	७।५७	९।५३	१२।०८	२।२८	४।४५	७।०१	९।२०	११।३८	१।४३	३।२६	४।५५
११।२८।२८।३८	५ र	१२	६।१७	७।५३	९।४९	१२।०४	२।२४	४।४१	६।५७	९।१६	११।३४	१।३९	३।२२	४।५१
११।२९।२७।२३	६ चं	१३	६।१३	७।४९	९।४५	१२।००	२।२०	४।३७	६।५३	९।१२	११।३०	१।३५	३।१८	४।४७
००।००।२६।०५	७ मं	१४	६।०९	७।४५	९।४१	११।५६	२।१६	४।३३	६।४९	९।०८	११।२६	१।३१	३।१४	४।४३
००।०१।२४।४६	८ बु	१५	६।०५	७।४१	९।३७	११।५२	२।१२	४।२९	६।४५	९।०४	११।२२	१।२७	३।१०	४।३९
००।०२।२३।२४	९ गु	१६	६।०१	७।३७	९।३३	११।४८	२।०८	४।२५	६।४१	९।००	११।१९	१।२३	३।०६	४।३५
००।०३।२२।००	१० शु	१७	५।५७	७।३३	९।२९	११।४४	२।०४	४।२१	६।३७	८।५६	११।१५	१।१९	३।०२	४।३१
००।०४।२०।३४	११ श	१८	५।५३	७।२९	९।२५	११।४०	२।००	४।१७	६।३३	८।५२	११।११	१।१५	२।५८	४।२७
००।०५।१९।०५	१२ र	१९	५।४९	७।२५	९।२२	११।३६	१।५६	४।१३	६।२९	८।४८	११।०७	१।११	२।५५	४।२३
००।०६।१७।३४	१३ चं	२०	५।४५	७।२१	९।१८	११।३२	१।५२	४।०९	६।२५	८।४४	११।०३	१।०७	२।५१	४।१९
००।०७।१६।०१	१४ मं	२१	५।४१	७।१७	९।१४	११।२८	१।४८	४।०५	६।२१	८।४०	१०।५९	१।०३	२।४७	४।१५
००।०८।१४।२६	३० बु	२२	५।३७	७।१३	९।१०	११।२४	१।४५	४।०१	६।१७	८।३६	१०।५५	१२।५९	२।४३	४।११
००।०९।१२।४९	३० गु	२३	५।३३	७।१०	९।०६	११।२१	१।४१	३।५७	६।१३	८।३२	१०।५१	१२।५६	२।३९	४।०७

संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रेल २०२०

वैशा. कृ. ६ चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १९।४८ वारात् ३ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोल्पेनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (वैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १३।४८ से २५।४८ तक । (दान-मेष) ।

अयनांशाः २४।०७।०८

प. २ वै.कृ.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	११	९	१	९	२	८
०७	२०	२२	०२	१९	०७	०८	०८
१५	३५	३९	१४	५४	३१	१२	१२
४५	५१	१८	३३	०४	४२	२५	२५
५८	४१	११२	४	३८	१	३	३
२९	३३	१७	१३	३९	५४	११	११
अ	श्र	रे	उषा	रो	उषा	आ	मू
३	४	२	२	३	४	१	३

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२४ अप्रेल से ७ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२,																						दिमासू. सू. तारीख					स्टै.	प्रातः	दैनिक
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	शु	१०	००	१०	००	भर	३१	२६	१८	३५	आ	४३	३२	२३	२५	व	१०	००	१०	००	३२ २०	६ ००	६ ५६	४	३०	२४	वृषे २५।११	०।१०।०४।००	५८।१९
ध्वजा	२	श	१४	३७	११	५०	कृति	३७	१५	२०	५३	सौ	४४	२३	२३	४४	कौ	१४	३७	११	५०	२४	५ ५२	५७	५	१	२५	वृषे	०।११।०२।१९	५८।१७
अक्षया	३	र	१८	२८	१३	२२	रोहि	४२	१५	२२	५२	शो	४४	३४	२३	४८	ग	१८	२८	१३	२२	२८	५९	५८	६	२	२६	वृषे	०।१२।००।३६	५८।१४
आनन्द	४	सो	२१	२०	१४	३०	मृग	४६	१४	२४	२७	अ	४३	५६	२३	३२	वि	२१	२०	१४	३०	३१	५८	५८	७	३	२७	मिथु. ११।४३	०।१२।५८।५०	५८।१२
चर	५	मं	२३	०२	१५	०९	आर्द्रा	४८	५८	२५	३२	सु	४२	१९	२२	५२	वा	२३	०२	१५	०९	३५	५७	५९	८	४	२८	मिथु.	०।१३।५७।०२	५८।१०
गद	६	बु	२३	१८	१५	१५	पुन	५०	१६	२६	०२	धृ	३९	३३	२१	४५	तै	२३	१८	१५	१५	३८	५६	५९	९	५	२९	कर्क १९।५८	०।१४।५५।१३	५८।०८
शुभ	७	गु	२२	००	१४	४३	पुष्य	४९	५७	२५	५४	शू	३५	३१	२०	०८	व	२२	००	१४	४३	४२	५५	७ ००	१०	६	३०	कर्के	०।१५।५३।२१	५८।०६
मृत्यु	८	शु	१९	०३	१३	३१	श्ले	४८	०१	२५	०७	गं	३०	०९	१७	५८	व	१९	०३	१३	३१	४५	५४	००	११	७	१	सिंहे २५।०७	०।१६।५१।२७	५८।०४
पद्म	९	श	१४	२७	११	४०	मघा	४४	३०	२३	४१	वृ	२३	२९	१५	१७	कौ	१४	२७	११	४०	४९	५३	०१	१२	८	२	सिंहे	०।१७।४९।३१	५८।०२
छत्र	१०	र	८	२१	९	१३	पूफा	३९	३७	२१	४३	ध्रु	१५	३७	१२	०७	ग	८	२१	९	१३	५२	५३	०२	१३	९	३	कन्या २७।०९	०।१८।४७।३३	५८।००
ए.व्र.	११	सो	१	००	६	१६	उफा	३३	३८	१९	१९	व्या	६	४४	८	३४	वि	१	००	६	१६	५६	५२	०२	१४	१०	४	कन्या	०।१९।४५।३३	५७।५८
क्षयः	१२	सो	५२	४०	२६	५६	०	०	०	०	०	ह	५७	०५	२८	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
प्र.व्र.	१३	मं	४३	४९	२३	२३	हस्त	२६	५८	१६	३८	व	४७	०१	२४	४०	कौ	१८	१९	१३	११	५९	५१	०३	१५	११	५	तुला. २७।१५	०।२०।४३।३१	५७।५६
काल	१४	बु	३४	५०	१९	४६	चित्रा	२०	००	१३	५१	सि	३६	५२	२०	३५	ग	९	२०	९	३४	३३ ४३	५०	०३	१६	१२	६	तुला.	०।२१।४१।२८	५७।५४
पूर्णिमा	१५	गु	२६	०९	१६	१७	स्वा	१३	१३	११	०७	व्य	२६	५९	१६	३८	वि	०	२७	६	००	०५	५०	०४	१७	१३	७	वृश्चि. २७।१४	०।२२।३९।२२	५७।५२

केतकी अहर्गणः ३३०६ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल-मई २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), धनि. भौमः २८।५२, मेषे अश्वि.बुधः २६।२२
शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती, रमजान ९
भ. २५।५९ उ., मृगे रे. ६ ॥ऽशुऽ॥ऽऽ॥ रात्रौ लग्न १०, B
भ. १४।३० या., भर. रविः ११।३८ (सौरः १४।४१), D
श्री आद्यशंकराचार्य जयंती [D अगस्त्यास्तः १३।२८
श्री रामानुज जयंती
भ. १४।४३ उ. २६।१२ या., गंगोत्पत्ति [E बुधः १५।३८
मघा. रे. ७ ।।।।ऽऽ।।ऽ। रात्रौ लग्न १०, मई ५ ता. ३१, भर. E
मघा. रे. ७ ।।।।ऽऽ।।ऽ। रात्रौ लग्न गोधूलि(७), ८, सीता ९
भ.१९।४८ उ. [B युगादि,कल्पादि,अक्षय तृतीया,मृगे शुक्रः २४।५९
भ. ६।१६ या., मोहिनी ११ व्र., कुंभे भौमः २०।४१
[A पूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदानं, टैगोर जयन्ती, C
प्रदोषः [C कृत्ति. बुधः २०।२१
भ. १९।४६ उ., नृसिंह १४
भ. ६।०० या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाखस्नान A

अयनांशाः २४।०७।०९

पं. ३ वै.शु. ५ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	०	९	१	९	२	८
१४	२५	०६	०२	२३	०७	०७	०७
०४	२६	१६	४०	५७	४२	५०	५०
३२	२१	५९	२५	१३	५७	१०	१०
५८	४१	१२२	२	२९	१	३	३
१७	२५	३६	५८	०२	१३	१०	१०
भ	ध	अ	उषा	मृ	उषा	आ	मू
१	१	२	२	१	४	१	३

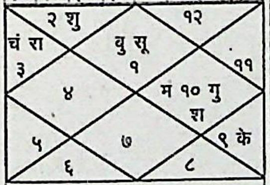

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।१०।११।०९	१ शु	२४	५।२९	७।०६	९।०२	११।१७	१।३७	३।५४	६।०९	८।२८	१०।४७	१२।५२	२।३५	४।०३
००।११।०९।२८	२ श	२५	५।२५	७।०२	८।५८	११।१३	१।३३	३।५०	६।०५	८।२५	१०।४३	१२।४८	२।३१	३।५९
००।१२।०७।४४	३ र	२६	५।२२	६।५८	८।५४	११।०९	१।२९	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३९	१२।४४	२।२७	३।५६
००।१३।०५।५८	४ चं	२७	५।१८	६।५४	८।५०	११।०५	१।२५	३।४२	५।५८	८।१७	१०।३५	१२।४०	२।२३	३।५२
००।१४।०४।१०	५ मं	२८	५।१४	६।५०	८।४६	११।०१	१।२१	३।३८	५।५४	८।१३	१०।३१	१२।३६	२।१९	३।४८
००।१५।०२।२०	६ बु	२९	५।१०	६।४६	८।४२	१०।५७	१।१७	३।३४	५।५०	८।०९	१०।२७	१२।३२	२।१५	३।४४
००।१६।००।२८	७ गु	३०	५।०६	६।४२	८।३८	१०।५३	१।१३	३।३०	५।४६	८।०५	१०।२३	१२।२८	२।११	३।४०
००।१६।५८।३४	८ शु	१	५।०२	६।३८	८।३४	१०।४९	१।०९	३।२६	५।४२	८।०१	१०।१९	१२।२४	२।०७	३।३६
००।१७।५६।३८	९ श	२	४।५८	६।३४	८।३०	१०।४५	१।०५	३।२२	५।३८	७।५७	१०।१६	१२।२०	२।०३	३।३२
००।१८।५४।४०	१० र	३	४।५४	६।३०	८।२६	१०।४१	१।०१	३।१८	५।३४	७।५३	१०।१२	१२।१६	१।५९	३।२८
००।१९।५२।३९	११ चं	४	४।५०	६।२६	८।२२	१०।३७	१२।५७	३।१४	५।३०	७।४९	१०।०८	१२।१२	१।५५	३।२४
००।२०।५०।३७	१३ मं	५	४।४६	६।२२	८।१८	१०।३३	१२।५३	३।१०	५।२६	७।४५	१०।०४	१२।०८	१।५२	३।२०
००।२१।४८।३३	१४ बु	६	४।४२	६।१८	८।१५	१०।२९	१२।४९	३।०६	५।२२	७।४१	१०।००	१२।०४	१।४८	३।१६
००।२२।४६।२७	१५ गु	७	४।३८	६।१४	८।११	१०।२५	१२।४५	३।०२	५।१८	७।३७	९।५६	१२।००	१।४४	३।१२

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। चन्द्रजीवीयदापच धान्यादीना समर्घता॥ बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दुःख-स्थानत्याग और कम धान्य हो। अमावस्या रेवती योग सुभिक्ष और सुखद है। वैशाखी अमावस को रेवती होने से सुभिक्ष हो। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हो दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या अश्विनी योग सुभिक्ष और सुखद है। अमावस को अश्विनी होने से महर्ध-समर्घ मध्यम हो। शुक्ला ३ को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला पंचमी को मंगलवार होने से युद्ध हो। शुक्ला नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर बहुत कष्ट हो। पूर्णिमा स्वाति युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हो, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।०७।१०

पं. ४ वै.शु.१३ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	०	९	१	९	२	८
२०	००	२१	०२	२६	०७	०७	०७
५१	१५	००	५७	४४	४९	२७	२७
५३	४६	३६	२९	५६	२८	५५	५५
५८	४१	१२९	१	१६	०	३	३
०५	१४	५९	४१	३८	३२	१०	१०
भ	ध	भ	उषा	मृ	उषा	आ	मू
३	३	३	२	२	४	१	३

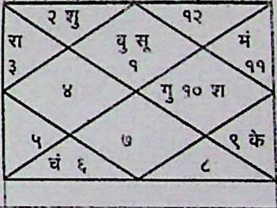

८ मई से २२ मई तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	शु	१८	१०	१३	०५	विशा	७	०३	८	३८	व	१७	४३	१२	५४	कौ	१८	१०	१३	०५	३३ ०९	५ ४९	७ ०४	१८	१४	८	वृश्चि.	०।२३।३७।१४	५७।५०
अमृत	२	श	११	१८	१०	२०	अनु	१ ५८	५५ १०	६ २९	३४ ०४	प	९	२१	९	३३	ग	११	१८	१०	२०	१२	४८	०५	१९	१५	९	धनु. २९।०४	०।२४।३५।०५	५७।४९
च.व्र.	३	र	५	५२	८	०९	मूल	५६	०७	२८	१४	शि	२ ५६	१९ २२	६ २८	४० २१	वि	५	५२	८	०९	१५	४८	०६	२०	१६	१०	धनु.	०।२५।३२।५३	५७।४७
उत्पात	४	सो	२	११	६	३९	पूषा	५५	५७	२८	१०	सा	५२	०७	२६	३८	बा	२	११	६	३९	१८	४७	०६	२१	१७	११	धनु.	०।२६।३०।४०	५७।४५
मानस	५	मं	०	२४	५	५६	उषा	५७	४३	२८	५२	शु	४९	२८	२५	३४	तै	०	२४	५	५६	२१	४६	०७	२२	१८	१२	मक. १०।१६	०।२७।२८।२५	५७।४३
मुद्गर	६	बु	०	३५	६	००	श्रव	...	...	...	...	शु	४८	१९	२५	०६	व	०	३५	६	००	२४	४६	०७	२३	१९	१३	मक.	०।२८।२६।०८	५७।४१
ध्वजा	७	गु	२	४२	६	५०	श्रव	१	२४	६	१९	ब्र	४८	३३	२५	११	व	२	४२	६	५०	२७	४५	०८	२४	२०	१४	कुंभे १९।१८	०।२९।२३।५०	५७।४०
धाता	८	शु	६	३१	८	२१	धनि	६	४२	८	२६	ऐ	४९	५३	२५	४२	कौ	६	३१	८	२१	३०	४५	०८	२५	२१	१५	कुंभे	१।००।२१।२९	५७।३८
आनन्द	९	श	११	३८	१०	२३	शत	१३	१७	११	०३	वै	५१	५८	२६	३२	ग	११	३८	१०	२३	३२	४४	०९	२६	२२	१६	कुंभे	१।०१।१९।०७	५७।३६
चर	१०	र	१७	३४	१२	४५	पूभा	२०	३६	१३	५८	वि	५४	२६	२७	३०	वि	१७	३४	१२	४५	३५	४४	१०	२७	२३	१७	मीने ७।१३	१।०२।१६।४४	५७।३५
ए.व्र.	११	सो	२३	४५	१५	१३	उभा	२८	१०	१६	५९	प्री	५६	५१	२८	२८	बा	२३	४५	१५	१३	३८	४३	१०	२८	२४	१८	मीने	१।०३।१४।१८	५७।३३
प्र.व्र.	१२	मं	२९	४५	१७	३७	रेव	३५	३०	१९	५५	आ	५९	००	२९	१९	तै	२९	४५	१७	३७	४०	४३	११	२९	२५	१९	मेषे १९।५५	१।०४।११।५१	५७।३१
मृत्यु	१३	बु	३५	१०	१९	४६	अश्वि	४२	१७	२२	३७	सौ	...	...	...	...	ग	२	३३	६	४३	४३	४२	११	३०	२६	२०	मेषे	१।०५।०९।२३	५७।३०
पद्म	१४	गु	३९	४८	२१	३७	भर	४८	१९	२५	०१	सौ	०	३९	५	५७	वि	७	३६	८	४४	४५	४२	१२	३१	२७	२१	मेषे	१।०६।०६।५३	५७।२८
अमाव.	३०	शु	४३	३६	२३	०८	कृति	५३	३०	२७	०५	शो	१	३९	६	२१	च	११	४९	१०	२५	४८	४१	१२	१	२८	२२	वृषे ७।३४	१।०७।०४।२१	५७।२७

ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति गुर्जराः, मई २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.), भा. ज्येष्ठारंभः
भ. २१।१० उ., नारद जयंती, वीणादानं, वृषे बुधः ९।०९
भ. ८।०९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२६
कृत्ति. रविः ५।४८ (सौरः ९।४०), वक्री शनिः १८।५७
[C भौमः १४।१३, बुधोदयः पश्चिमायाम् १०।२२, वक्री गुरुः २८।०७
भ. ६।०० उ. १८।२० या., रोहि. बुधः २५।४७, वक्री शुक्रः १९।२६
पंचक प्रारम्भः १९।१८, वृषे रविः १६।४१ (सौरः २०।४८), शत. C
[B १९।११, मृगे बुधः २३।२०, मृगे-४ राहुः ७।३८, मूले-२ D
भ. २३।३३ उ. [D केतुः ७।३८
भ. १२।४५ या. [E अपरा ११ व्र.
रेवत्यां रे. ९ ।।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८), १०, १, E
पंचक समाप्तिः १९।५५, प्रदोपः
भ. १९।४६ उ., मासिकशिवरात्री व्र., सायन मिथुने भानुः B
भ. ८।४४ या.
शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, A

अयनांशाः २४।०७।११

पं. ५ ज्ये.कृ. ५ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	१	९	१	९	२	८
२७	०५	०६	०३	२७	०७	०७	०७
३७	०३	०९	०५	५७	५१	०५	०५
५२	४०	०६	२७	०५	१२	४१	४१
५७	४०	१२६	०	१	०	३	३
५४	५८	४०	२३	२१	०९	११	११
कृ	ध	कृ	उषा	मृ	उषा	आ	मू
१	४	३	२	२	४व	१	३

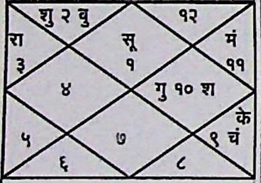

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।२३।४४।१९	१ शु	८	४।३४	६।१०	८।०७	१०।२१	१२।४१	२।५८	५।१४	७।३३	९।५२	११।५६	१।४०	३।०८
००।२४।४२।०९	२ श	९	४।३०	६।०६	८।०३	१०।१७	१२।३८	२।५४	५।१०	७।२९	९।४८	११।५२	१।३६	३।०४
००।२५।३९।५८	३ र	१०	४।२६	६।०३	७।५९	१०।१४	१२।३४	२।५०	५।०६	७।२५	९।४४	११।४९	१।३२	३।००
००।२६।३७।४४	४ चं	११	४।२२	५।५९	७।५५	१०।१०	१२।३०	२।४७	५।०२	७।२१	९।४०	११।४५	१।२८	२।५६
००।२७।३५।२९	५ मं	१२	४।१८	५।५५	७।५१	१०।०६	१२।२६	२।४३	४।५८	७।१८	९।३६	११।४१	१।२४	२।५२
००।२८।३३।१२	६ बु	१३	४।१५	५।५१	७।४७	१०।०२	१२।२२	२।३९	४।५४	७।१४	९।३२	११।३७	१।२०	२।४९
००।२९।३०।५३	७ गु	१४	४।११	५।४७	७।४३	९।५८	१२।१८	२।३५	४।५१	७।१०	९।२८	११।३३	१।१६	२।४५
०१।००।२८।३२	८ शु	१५	४।०७	५।४३	७।३९	९।५४	१२।१४	२।३१	४।४७	७।०६	९।२४	११।२९	१।१२	२।४१
०१।०१।२६।१०	९ श	१६	४।०३	५।३९	७।३५	९।५०	१२।१०	२।२७	४।४३	७।०२	९।२०	११।२५	१।०८	२।३७
०१।०२।२३।४६	१० र	१७	३।५९	५।३५	७।३१	९।४६	१२।०६	२।२३	४।३९	६।५८	९।१६	११।२१	१।०४	२।३३
०१।०३।२१।२१	११ चं	१८	३।५५	५।३१	७।२७	९।४२	१२।०२	२।१९	४।३५	६।५४	९।१२	११।१७	१।००	२।२९
०१।०४।१८।५३	१२ मं	१९	३।५१	५।२७	७।२३	९।३८	११।५८	२।१५	४।३१	६।५०	९।०९	११।१३	१२।५६	२।२५
०१।०५।१६।२५	१३ बु	२०	३।४७	५।२३	७।१९	९।३४	११।५४	२।११	४।२७	६।४६	९।०५	११।०९	१२।५२	२।२१
०१।०६।१३।५४	१४ गु	२१	३।४३	५।१९	७।१५	९।३०	११।५०	२।०७	४।२३	६।४२	९।०१	११।०५	१२।४८	२।१७
०१।०७।११।२२	३० शु	२२	३।३९	५।१५	७।११	९।२६	११।४६	२।०३	४।१९	६।३८	८।५७	११।०१	१२।४५	२।१३

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २०२०

ज्ये. कृ. ७ गुरौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।४१ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः वालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १०।१७ से १६।४१ तक। (दान- गौ)।

अयनांशाः २४।०७।१२

पं. ६ ज्ये.कृ.१२ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१०	१	९	१	९	२	८
०४	०९	२०	०३	२७	०७	०६	०६
२२	४९	११	०४	१५	४८	४३	४३
३८	३१	०९	१०	४४	०९	२६	२६
५७	४०	११०	०	१५	०	३	३
४४	३८	०५	५६	४१	४९	११	११
कृ	श	रो	उषा	मृ	उषा	आ	मू
३	१	४	२व	२व	४व	१	३

२३ मई से ५ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिशासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	श	४६	२७	२४	१६	रोहि	५७	४७	२८	४८	अ	१	५९	६	२८	किं	१५	०९	११	४४	३३ ५०	५ ४१	७ १३	२	२९	२३	वृषे	१।०८।०१।४८	५७।२५
सौम्य	२	र	४८	११	२५	००	मृग	...	...	...	...	सु	१	३५	६	१८	बा	१७	३१	१२	४१	५२	४१	१४	३	३०	२४	मिथु. १७।३०	१।०८।५९।१३	५७।२४
आनन्द	३	सो	४९	०८	२५	२०	मृग	१	०६	६	०७	धृ	० ५८	३४ २२	५ २९	५० ०१	तै	१८	५२	१३	१३	५५	४०	१४	४	१	२५	मिथु.	१।०९।५६।३७	५७।२२
चर	४	मं	४८	५१	२५	१२	आर्द्रा	३	२३	७	०१	गं	५५	२९	२७	५२	व	११	०९	१३	११	५७	४०	१५	५	२	२६	कर्के २५।२५	१।१०।५३।५९	५७।२१
गद	५	बु	४७	२३	२४	३७	पुन	४	३४	७	२९	वृ	५१	३९	२६	११	ब	१८	१७	१२	५८	५९	४०	१५	६	३	२७	कर्के	१।११।५१।२०	५७।२०
शुभ	६	गु	४४	४४	२३	३३	पुष्य	४	३५	७	२९	ध्रु	४६	५३	२४	२४	कौ	१६	१३	१२	०९	३४ ०१	३९	१६	७	४	२८	कर्के	१।१२।४८।४०	५७।१८
मृत्यु	७	शु	४०	५४	२२	०१	श्ले	३	२५	७	०१	व्या	४१	०९	२२	०७	ग	१२	५८	१०	५०	०३	३९	१६	८	५	२९	सिंहे ७।०१	१।१३।४५।५८	५७।१७
पद्म	८	श	३५	५८	२०	०२	मघा	१ ५७	०६ ४३	६ २८	०५ ४४	ह	३४	३१	१९	२७	वि	८	३५	९	०५	०५	३९	१७	९	६	३०	सिंहे	१।१४।४३।१५	५७।१६
मित्र	९	र	३०	०४	१७	४०	उफा	५३	२७	२७	०१	व	२७	०५	१६	२९	बा	३	०८	६	५४	०७	३९	१७	१०	७	३१	कन्या १०।२०	१।१५।४०।३१	५७।१५
गंगा	१०	सो	२३	२३	१५	००	हस्त	४८	३०	२५	०२	सि	१९	००	१३	१४	ग	२३	२३	१५	००	०८	३८	१८	११	८	१	कन्या	१।१६।३७।४६	५७।१३
ए.व्र.	११	मं	१६	०९	१२	०६	चित्रा	४३	०८	२२	५४	व्य	१०	२७	९	४९	वि	१६	०९	१२	०६	१०	३८	१८	१२	९	२	तुला. ११।५९	१।१७।३४।५९	५७।१२
प्र.व्र.	१२	बु	८	४१	९	०६	स्वा	३७	४१	२०	४२	व	१ ५२	४१ ५४	६ २६	१८ ५८	बा	८	४१	९	०६	११	३८	१९	१३	१०	३	तुला.	१।१८।३२।११	५७।११
प्रवर्धमा	१३	गु	१	१६	६	०९	विशा	३२	२७	१८	३७	शि	४४	२४	२३	२४	तै	१	१६	६	०९	१३	३८	१९	१४	११	४	वृश्चि. १३।०७	१।१९।२९।२३	५७।१०
क्षयः	१४	गु	५४	१४	२७	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	शु	४७	५३	२४	४७	अनु	२७	४८	१६	४५	सि	३६	२७	२०	१२	वि	२०	५६	१४	००	१४	३८	२०	१५	१२	५	वृश्चि.	१।२०।२६।३३	५७।०९

केतकी अहर्गणः ३३३५ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई-जून २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
भाऊका-करिदिन, करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा.
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), रोहि. रविः २६।०३, मिथुने बुधः २२।४६
रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, सव्वाल १०, रोहि. सौरः ७।०५
भ. १३।१९ उ. २५।१२ या.
[B धूमावती जयंती
(व) रोहि. शुक्रः १५।४६
भ. २२।०१ उ., आर्द्रा. बुधः १२।३१
भ. ९।०५ या., दुर्गाष्टमी, शुक्रास्तः पश्चिमायाम् २३।१५ B

भ. २५।३४ उ., गंगा दशहरा व्र., जून ६ ता. ३०
भ. १२।०६ या., निर्जला ११ व्र.
प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः, पूभा. भौमः १०।२१
भ. २७।१९ उ.
[A अब्द साध्य व्र., कवीर जयंती, ज्येष्ठी योगः
भ. १४।०० या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, A

शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०७।१३

पं. ७ ज्ये.शु. ४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१०	२	९	१	९	२	८
११	१४	०१	०२	२४	०७	०६	०६
०६	३२	५९	५३	३७	४०	२१	२१
१८	४३	३४	३९	४६	२७	११	११
५७	४०	८९	२	३०	१	३	३
३५	१२	०४	१५	५२	२८	११	११
रो	श	मृ	उषा	मृ	उषा	मृ	मू
१	३	३	२व	१व	४व	४	२

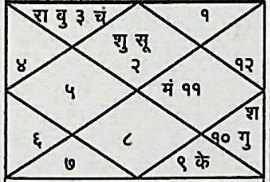

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।०८।०८।४९	१ श	२३	३।३५	५।११	७।०८	९।२२	११।४२	१।५९	४।१५	६।३४	८।५३	१०।५७	१२।४१	२।०९
०१।०९।०६।१४	२ र	२४	३।३१	५।०७	७।०४	९।१८	११।३८	१।५५	४।११	६।३०	८।४९	१०।५३	१२।३७	२।०५
०१।१०।०३।३७	३ चं	२५	३।२७	५।०३	७।००	९।१४	११।३४	१।५१	४।०७	६।२६	८।४५	१०।४९	१२।३३	२।०१
०१।११।०१।००	४ मं	२६	३।२३	४।५९	६।५६	९।१०	११।३१	१।४७	४।०३	६।२२	८।४१	१०।४५	१२।२९	१।५७
०१।११।५८।२०	५ बु	२७	३।१९	४।५६	६।५२	९।०७	११।२७	१।४३	३।५९	६।१८	८।३७	१०।४२	१२।२५	१।५३
०१।१२।५५।४०	६ गु	२८	३।१५	४।५२	६।४८	९।०३	११।२३	१।४०	३।५५	६।१४	८।३३	१०।३८	१२।२१	१।४९
०१।१३।५२।५८	७ शु	२९	३।११	४।४८	६।४४	८।५९	११।१९	१।३६	३।५१	६।११	८।२९	१०।३४	१२।१७	१।४५
०१।१४।५०।१५	८ श	३०	३।०८	४।४४	६।४०	८।५५	११।१५	१।३२	३।४७	६।०७	८।२५	१०।३०	१२।१३	१।४२
०१।१५।४७।३०	९ र	३१	३।०४	४।४०	६।३६	८।५१	११।११	१।२८	३।४४	६।०३	८।२१	१०।२६	१२।०९	१।३८
०१।१६।४४।४५	१० चं	१	३।००	४।३६	६।३२	८।४७	११।०७	१।२४	३।४०	५।५९	८।१७	१०।२२	१२।०५	१।३४
०१।१७।४१।५८	११ मं	२	२।५६	४।३२	६।२८	८।४३	११।०३	१।२०	३।३६	५।५५	८।१३	१०।१८	१२।०१	१।३०
०१।१८।३९।१०	१२ बु	३	२।५२	४।२८	६।२४	८।३९	१०।५९	१।१६	३।३२	५।५१	८।०९	१०।१४	११।५७	१।२६
०१।१९।३६।२१	१३ गु	४	२।४८	४।२४	६।२०	८।३५	१०।५५	१।१२	३।२८	५।४७	८।०५	१०।१०	११।५३	१।२२
०१।२०।३३।३१	१५ शु	५	२।४४	४।२०	६।१६	८।३१	१०।५१	१।०८	३।२४	५।४३	८।०२	१०।०६	११।४९	१।१८

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो ॥ प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे ॥ कृष्णा प्रतिपदा को शुक्रवार होने से समर्धता हो। कृष्णा द्वादशी में रेवती होने से कष्ट हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें। अमावस्या कृतिका योग सुभिक्ष और सुखद है। पूर्णिमा अनुराधा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। रोहिणी में बुध होने से कपास, तिल, सूत महँगे हों। रोहिणी को बुध के भेदने से वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के माव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।०७।१४

पं. ८ ज्ये.शु.११ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१०	२	९	१	९	२	८
१७	१९	११	०२	२०	०७	०५	०५
४९	१२	१४	३४	३३	२८	५८	५८
०१	३४	४६	०६	०२	१५	५६	५६
५७	३९	६५	३	३८	२	३	३
२८	३९	३७	३०	२६	०६	११	११
रो	श	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
३	४	२	२व	४व	४व	४	२

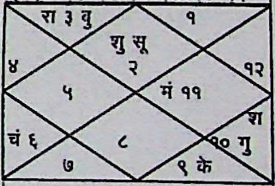

६ जून से २१ जून तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुसल	१	श	४२	३२	२२	३८	ज्ये	२४	०३	१५	१५	सा	२९	१५	१७	२०	बा	१५	०४	११	३९	३४ १६	५ ३८	७ २०	१६	१३	६	धनु. १५।१५	१।२१।२३।४१	५७।०८
सिद्धि	२	र	३८	२९	२१	०१	मूल	२१	२९	१४	१३	शु	२३	०४	१४	५१	तै	१०	२०	९	४६	१७	३८	२०	१७	१४	७	धनु.	१।२२।२०।४९	५७।०७
च.व्र.	३	सो	३५	५६	२०	००	पूषा	२०	२२	१३	४७	शु	१८	०४	१२	५१	व	७	००	८	२६	१८	३८	२१	१८	१५	८	मक. १९।४६	१।२३।१७।५६	५७।०६
मानस	४	मं	३५	०७	१९	४०	उषा	२०	५४	१३	५९	ब्र	१४	२५	११	२४	व	५	१८	७	४५	१९	३८	२१	१९	१६	९	मक.	१।२४।१५।०२	५७।०५
छत्र	५	बु	३६	०५	२०	०४	श्रव	२३	११	१४	५४	ऐ	१२	१०	१०	२९	कौ	५	२२	७	४६	२०	३८	२२	२०	१७	१०	कुंभे २७।३७	१।२५।१२।०७	५७।०४
श्रीवत्स	६	गु	३८	४७	२१	०८	धनि	२७	१२	१६	३०	वै	११	१९	१०	०९	ग	७	१३	८	३१	२१	३८	२२	२१	१८	११	कुंभे	१।२६।०९।११	५७।०३
सौम्य	७	शु	४३	०२	२२	५०	शत	३२	४५	१८	४४	वि	११	४६	१०	२०	वि	१०	४४	९	५५	२२	३८	२२	२२	१९	१२	कुंभे	१।२७।०६।१५	५७।०३
काल	८	श	४८	२६	२५	००	पूभा	३९	२८	२१	२५	प्री	१३	१५	१०	५६	बा	१५	३७	११	५३	२२	३८	२३	२३	२०	१३	मीने १४।४३	१।२८।०३।१७	५७।०२
सुस्थिर	९	र	५४	२४	२७	२३	उभा	४६	५१	२४	२२	आ	१५	२६	११	४८	तै	२१	२३	१४	११	२३	३८	२३	२४	२१	१४	मीने	१।२९।००।१९	५७।०१
मातङ्ग	१०	सो	...	...	...	...	रेव	५४	१६	२७	२०	सौ	१७	५३	१२	४७	व	२७	२५	१६	३६	२४	३८	२३	२५	२२	१५	मेषे २७।२०	१।२९।५७।२०	५७।००
अमृत	१०	मं	०	२२	५	४७	अश्वि	...	...	...	...	शो	२०	०९	१३	४२	वि	०	२२	५	४७	२४	३८	२४	२६	२३	१६	मेषे	२।००।५४।२०	५७।००
ए.व्र.	११	बु	५	४७	७	५७	अश्वि	१	१२	६	०७	अ	२१	५४	१४	२४	बा	५	४७	७	५७	२४	३८	२४	२७	२४	१७	मेषे	२।०१।५१।२०	५६।५९
प्र.व्र.	१२	गु	१०	१४	९	४४	भर	७	१४	८	३२	सु	२२	५२	१४	४७	तै	१०	१४	९	४४	२५	३८	२४	२८	२५	१८	वृषे १५।०४	२।०२।४८।१९	५६।५८
छत्र	१३	शु	१३	३१	११	०३	कृति	१२	०८	१०	३०	धृ	२२	५३	१४	४८	व	१३	३१	११	०३	२५	३९	२४	२९	२६	१९	वृषे	२।०३।४५।१७	५६।५८
श्रीवत्स	१४	श	१५	३१	११	५१	रोहि	१५	५०	११	५९	शू	२१	५६	१४	२५	श	१५	३१	११	५१	२५	३९	२५	३०	२७	२०	मिथु. २४।३२	२।०४।४२।१५	५६।५७
अमाव.	३०	र	१६	१७	१२	१०	मृग	१८	१७	१२	५८	गं	२०	०१	१३	३९	ना	१६	१७	१२	१०	२५	३९	२५	३१	२८	२१	मिथु.	२।०५।३९।१३	५६।५७

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A पश्चिमायाम् ९।१८, अयन करिदिन, सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं. B
मृगे रविः २३।५७ [B वाहन अश्व अल्पवृष्टिः
भ. ८।२६ उ. २०।०० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०४, E
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ६।१९
पंचक प्रारम्भः २७।३७
भ. २१।०८ उ. [E मृगे सौरः ६।३०
भ. ९।५५ या.
उभा. रे. ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न १
मिथुने रविः २३।२२, पुन. बुधः ५।५९
भः १६।३६ उ., पंचक समाप्तिः २७।२०, मिथुने सौरः ६।४५
भ. ५।४७ या. [D उषा.-३ शनिः १८।३०
योगिनी ११ व्र. [C प्रारम्भ २७।१०
प्रदोषः, मीने भौमः २१।३५, वक्री बुधः २०।४३
भ. ११।०३ उ. २३।३१ या., मासिकशिवरात्री व्र., (व) D
पितृकार्येऽमा., सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन C
सूर्यग्रहणम्, देवकार्येऽमा., आर्द्रा. रविः २२।५९, बुधास्तः A

शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०७।१५

प. ९ आ.कृ. ४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१०	२	९	१	९	२	८
२४	२३	१७	०२	१६	०७	०५	०५
३०	४८	३३	०६	०९	११	३६	३६
५८	१३	३०	०२	०३	५०	४१	४१
५७	३८	३७	४	३४	२	३	३
२२	५९	५५	४०	३३	४०	११	११
मृ	पूना	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
१	२	४	२व	२व	४व	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन प्रातः	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायँ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०१।२१।३०।३९	१ श	६	२।४०	४।१६	६।१२	८।२७	१०।४७	१।०४	३।२०	५।३९	७।५८	१०।०२	११।४५	१।१४
०१।२२।२७।४७	२ र	७	२।३६	४।१२	६।०८	८।२३	१०।४३	१।००	३।१६	५।३५	७।५४	९।५८	११।४१	१।१०
०१।२३।२४।५४	३ चं	८	२।३२	४।०८	६।०४	८।१९	१०।३९	१२।५६	३।१२	५।३१	७।५०	९।५४	११।३७	१।०६
०१।२४।२१।५९	४ मं	९	२।२८	४।०४	६।०१	८।१५	१०।३५	१२।५२	३।०८	५।२७	७।४६	९।५०	११।३४	१।०२
०१।२५।१९।०४	५ बु	१०	२।२४	४।००	५।५७	८।११	१०।३१	१२।४८	३।०४	५।२३	७।४२	९।४६	११।३०	१२।५८
०१।२६।१६।०८	६ गु	११	२।२०	३।५६	५।५३	८।०७	१०।२७	१२।४४	३।००	५।१९	७।३८	९।४२	११।२६	१२।५४
०१।२७।१३।११	७ शु	१२	२।१६	३।५२	५।४९	८।०३	१०।२४	१२।४०	२।५६	५।१५	७।३४	९।३८	११।२२	१२।५०
०१।२८।१०।१४	८ श	१३	२।१२	३।४९	५।४५	८।००	१०।२०	१२।३६	२।५२	५।११	७।३०	९।३५	११।१८	१२।४६
०१।२९।०७।१५	९ र	१४	२।०८	३।४५	५।४१	७।५६	१०।१६	१२।३३	२।४८	५।०७	७।२६	९।३१	११।१४	१२।४२
०२।००।०४।१६	१० चं	१५	२।०४	३।४१	५।३७	७।५२	१०।१२	१२।२९	२।४४	५।०४	७।२२	९।२७	११।१०	१२।३८
०२।०१।०१।१६	१० मं	१६	२।०१	३।३७	५।३३	७।४८	१०।०८	१२।२५	२।४०	५।००	७।१८	९।२३	११।०६	१२।३४
०२।०१।५८।१६	११ बु	१७	१।५७	३।३३	५।२९	७।४४	१०।०४	१२।२१	२।३६	४।५६	७।१४	९।१९	११।०२	१२।३१
०२।०२।५५।१५	१२ गु	१८	१।५३	३।२९	५।२५	७।४०	१०।००	१२।१७	२।३३	४।५२	७।१०	९।१५	१०।५८	१२।२७
०२।०३।५२।१३	१३ शु	१९	१।४९	३।२५	५।२१	७।३६	९।५६	१२।१३	२।२९	४।४८	७।०६	९।११	१०।५४	१२।२३
०२।०४।४९।१०	१४ श	२०	१।४५	३।२१	५।१७	७।३२	९।५२	१२।०९	२।२५	४।४४	७।०२	९।०७	१०।५०	१२।१९
०२।०५।४६।०८	३० र	२१	१।४१	३।१७	५।१३	७।२८	९।४८	१२।०५	२।२१	४।४०	६।५८	९।०३	१०।४६	१२।१५

संक्रांति फलम्

ता. १४ जून २०२०

आषा. कृ. ९ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।२२ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (वैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २३।२२ से चंद्रे ५।४६ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २४।०७।१६

प.१० आ.कृ.१० मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	१०	२	९	१	९	२	८
०१	२८	२०	०१	१२	०६	०५	०५
१२	१८	२७	३०	४२	५१	१४	१४
१७	४०	२५	१२	५८	३४	२५	२५
५७	३८	७	५	२१	३	३	३
१७	०९	१०	४२	२२	११	११	११
मृ	पूभा	पुन	उषा	रो	उषा	मृ	मू
३	३	१	२व	१व	४व	४	२

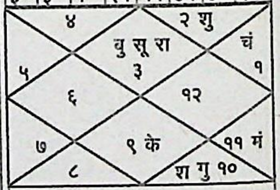

२२'जून से ५ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः ३३६५ वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे, जून-जुलाई २०२०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
काल	१	सो	१५	५१	११	५९	आर्द्रा	१९	३३	१३	२९	वृ	१७	०७	१२	३०	व	१५	५१	११	५९	३४/२५	५/३९	७/२५	१	२९	२२	मिथु.	२।०६।३६।०९	५६।५६	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), ग्रहण-करिदिन, भा.आषाढारंभः, आर्द्रा. C
सुस्थिर	२	मं	१४	१५	११	२१	पुन	१९	४३	१३	३३	ध्रु	१३	१९	१०	५९	को	१४	१५	११	२१	२५	३९	२५	२	१	२३	कर्क ७।३४	२।०७।३३।०६	५६।५६	श्री जगदीश रथ यात्रा, जिल्काद ११ [D चातक वर्षाश्रेष्ठः
मातङ्ग	३	बु	११	३७	१०	१८	पुष्य	१८	५१	१३	१२	व्या	८	४०	९	०८	ग	११	३७	१०	१८	२५	४०	२५	३	२	२४	कर्क	२।०८।३०।०२	५६।५६	भ. २१।३९ उ., उभा. भौमः ५।४३
अमृत	४	गु	८	०३	८	५३	श्ले	१७	०५	१२	३०	ह	३/५७	१६/१३	६/२८	५९/३३	वि	८	०३	८	५३	२४	४०	२६	४	३	२५	सिंहे १२।३०	२।०९।२६।५८	५६।५५	भ. ८।५३ या., मार्गी शुक्रः २८।२८
काण	५	शु	३	४१	७	०९	मघा	१४	३२	११	२९	सि	५०	३७	२५	५५	वा	३	४१	७	०९	२४	४०	२६	५	४	२६	सिंहे	२।१०।२३।५३	५६।५५	स्कंध षष्ठी [C सौरः ७।१६, (व) आर्द्रा. बुधः १२।५६
क्षयः	६	शु	५८	४२	२९	०९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A आषाढी योगः, पुन. रविः २२।३६, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन D
लुम्बक	७	श	५३	१२	२६	५७	पूफा	११	२२	१०	१३	व्य	४३	३५	२३	०७	ग	२५	५९	१६	०४	२३	४१	२६	६	५	२७	कन्या १५।५३	२।११।२०।४८	५६।५५	भ. २६।५७ उ. [B व्रतारंभः, गोपद्मव्रतोद्यापनं, हरिवासरः E
मित्र	८	र	४७	२१	२४	३७	उफा	७	४५	८	४७	व	३६	१५	२०	११	वि	२०	१७	१३	४८	२३	४१	२६	७	६	२८	कन्या	२।१२।१७।४३	५६।५५	भ. १३।४८ या. [E २६।३२ से, जुलाई ७ ता. ३१
वज्र	९	सो	४१	२०	२२	१३	हस्त	३/५९	५०/४९	७/२९	१३/३७	प	२८	४६	१७	११	वा	१४	२१	११	२५	२२	४१	२६	८	७	२९	तुला. १८।२५	२।१३।१४।३७	५६।५४	भड्डली ९, (व) धनुषि उषा.-१ गुरुः २८।४७
ध्वजा	१०	मं	३५	२०	१९	४९	स्वा	५५	५०	२८	०२	शि	२१	१३	१४	११	तै	८	१८	९	०१	२१	४२	२६	९	८	३०	तुला.	२।१४।११।३२	५६।५४	स्वातौ रे. ९ ||||||S|| रात्रौ लग्न गोधूलि(९), १०, १, F
ए.ब्र.	११	बु	२९	२९	१७	२९	विशा	५२	०६	२६	३२	सि	१३	४७	११	१३	व	२	२२	६	३९	२०	४२	२६	१०	९	१	वृश्चि. २०।५४	२।१५।०८।२६	५६।५४	भ. ६।३९ उ. १७।२९ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास B
प्र ब्र.	१२	गु	२४	००	१५	१८	अनु	४८	४७	२५	१३	सा	६/५९	३७/५०	८/२९	३१/३८	वा	२४	००	१५	१८	१९	४२	२६	११	१०	२	वृश्चि.	२।१६।०५।२०	५६।५४	प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, हरिवासरः ८।११ तक
धूम्र	१३	शु	१९	०२	१३	१९	ज्ये	४६	०६	२४	०९	शु	५३	३४	२७	०८	तै	१९	०२	१३	१९	१८	४३	२६	१२	११	३	धनु. २४।०९	२।१७।०२।१५	५६।५४	जया पार्वती व्रतं [F मन्वादि, आशा दशमी
गद	१४	श	१४	४८	११	३८	मूल	४४	१३	२३	२४	ब्र	४८	०१	२४	५५	व	१४	४८	११	३८	१७	४३	२६	१३	१२	४	धनु.	२।१७।५९।०९	५६।५४	भ. ११।३८ उ. २२।५५ या., पूर्णिमा व्रतं, वायु परीक्षा
पूर्णिमा	१५	र	११	२९	१०	१९	पूषा	४३	२१	२३	०४	ऐ	४३	१७	२३	०२	व	११	२९	१०	१९	१६	४३	२६	१४	१३	५	मक. २९।०३	२।१८।५६।०३	५६।५४	मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, A

अयनांशाः २४।०७।१७

पं.११ आ.शु. २ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	२	९	१	९	२	८
०७	०२	१९	००	११	०६	०४	०४
५३	४२	४७	४७	०३	२७	५२	५२
०८	४७	२५	४०	१०	५५	०९	०९
५७	३७	२१	६	४	३	३	३
१४	०८	४३	३३	३७	३८	११	११
आ	पूभा	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
१	४	४व	२व	१व	३व	४	२

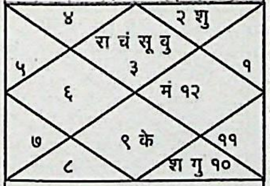

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन प्रातः	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायँ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०२।०६।४३।०४	१ चं	२२	१।३७	३।१३	५।०९	७।२४	९।४४	१२।०१	२।१७	४।३६	६।५४	८।५९	१०।४२	१२।११
०२।०७।४०।०१	२ मं	२३	१।३३	३।०९	५।०५	७।२०	९।४०	११।५७	२।१३	४।३२	६।५१	८।५५	१०।३८	१२।०७
०२।०८।३६।५७	३ बु	२४	१।२९	३।०५	५।०१	७।१६	९।३६	११।५३	२।०९	४।२८	६।४७	८।५१	१०।३४	१२।०३
०२।०९।३३।५२	४ गु	२५	१।२५	३।०१	४।५७	७।१२	९।३२	११।४९	२।०५	४।२४	६।४३	८।४७	१०।३०	११।५९
०२।१०।३०।४७	५ शु	२६	१।२१	२।५७	४।५३	७।०८	९।२८	११।४५	२।०१	४।२०	६।३९	८।४३	१०।२७	११।५५
०२।११।२७।४२	७ श	२७	१।१७	२।५३	४।५०	७।०४	९।२४	११।४१	१।५७	४।१६	६।३५	८।३९	१०।२३	११।५१
०२।१२।२४।३७	८ र	२८	१।१३	२।४९	४।४६	७।००	९।२०	११।३७	१।५३	४।१२	६।३१	८।३५	१०।१९	११।४७
०२।१३।२१।३२	९ चं	२९	१।०९	२।४५	४।४२	६।५६	९।१७	११।३३	१।४९	४।०८	६।२७	८।३१	१०।१५	११।४३
०२।१४।१८।२६	१० मं	३०	१।०५	२।४१	४।३८	६।५२	९।१३	११।२९	१।४५	४।०४	६।२३	८।२७	१०।११	११।३९
०२।१५।१५।२०	११ बु	१	१।०१	२।३८	४।३४	६।४९	९।०९	११।२५	१।४१	४।००	६।१९	८।२४	१०।०७	११।३५
०२।१६।१२।१४	१२ गु	२	१२।५७	२।३४	४।३०	६।४५	९।०५	११।२२	१।३७	३।५६	६।१५	८।२०	१०।०३	११।३१
०२।१७।०९।०८	१३ शु	३	१२।५३	२।३०	४।२६	६।४१	९।०१	११।१८	१।३३	३।५३	६।११	८।१६	९।५९	११।२७
०२।१८।०६।०२	१४ श	४	१२।५०	२।२६	४।२२	६।३७	८।५७	११।१४	१।२९	३।४९	६।०७	८।१२	९।५५	११।२४
०२।१९।०२।५७	१५ र	५	१२।४६	२।२२	४।१८	६।३३	८।५३	११।१०	१।२६	३।४५	६।०३	८।०८	९।५१	११।२०

मास फलम्

सूर्यग्रहण, ता. २१ जून २०२०, रविवार, संवत् २०७७

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं। एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः। इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। कृष्णा चतुर्दशी में रोहिणी होने से राजयुद्ध तथा प्रजा में शोक हो। अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो। अमावस्या मृगशिरा योग सुभिक्ष और सुखद है। शुक्ला पंचमी को शुक्रवार होने से भारी तूफान चले। पूर्णिमा पूर्वाषाढा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा पन्द्रह घटी से भी कम है अतः महर्घता हो। वायु और बादल के संयोग से फलों में न्यूनाधिकता हो।

अयनांशाः २४।०७।१८

पं.१२ आ.शु.१० मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	२	८	१	९	२	८
१४	०६	१६	२९	११	०६	०४	०४
३३	५९	१७	५९	१९	०१	२९	२९
४३	१४	३३	४४	३६	२५	५४	५४
५७	३५	३६	७	११	३	३	३
१३	५५	४६	१२	१३	५९	११	११
आ	उभा	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
३	२	३व	१व	१	३व	४	२

६ जुलाई से २० जुलाई तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	१	सो	९	१६	९	२६	उषा	४३	४२	२३	१३	वै	३९	३१	२१	३२	कौ	९	१६	९	२६	३४ १५	५ ४४	७ २६	१५	१४	६	मक.	२।१९।५२।५७	५६।५४
बृहत्तल्पा	२	मं	८	२२	९	०५	श्रव	४५	२५	२३	५४	वि	३६	५४	२०	३०	ग	८	२२	९	०५	१३	४४	२६	१६	१५	७	मक.	२।२०।४९।५२	५६।५४
च.व्र.	३	बु	८	५५	९	१९	धनि	४८	३६	२५	११	प्री	३५	२६	१९	५५	वि	८	५५	९	१९	१२	४५	२५	१७	१६	८	कुंभे १२।२८	२।२१।४६।४६	५६।५५
वज्र	४	गु	१०	५९	१०	०९	शत	५३	१६	२७	०४	आ	३५	१०	१९	४९	बा	१०	५९	१०	०९	१०	४५	२५	१८	१७	९	कुंभे	२।२२।४३।४१	५६।५५
ध्वाङ्क्ष	५	शु	१४	३३	११	३५	पूभा	५९	१५	२९	२८	सौ	३६	००	२०	१०	तै	१४	३३	११	३५	०९	४६	२५	१९	१८	१०	मीने २२।४९	२।२३।४०।३६	५६।५५
धूम्र	६	श	१९	२३	१३	३१	उभा	...	...	...	...	शो	३७	४५	२०	५२	व	१९	२३	१३	३१	०७	४६	२५	२०	१९	११	मीने	२।२४।३७।३१	५६।५५
सुस्थिर	७	र	२५	०६	१५	४९	उभा	६	१३	८	१६	अ	४०	०२	२१	४७	ब	२५	०६	१५	४९	०५	४७	२५	२१	२०	१२	मीने	२।२५।३४।२६	५६।५६
मातङ्ग	८	सो	३१	०६	१८	१३	रेव	१३	३८	११	१४	सु	४२	२७	२२	४६	कौ	३१	०६	१८	१३	०३	४७	२४	२२	२१	१३	मेषे ११।१४	२।२६।३१।२२	५६।५६
अमृत	९	मं	३६	४७	२०	३०	अश्वि	२०	५४	१४	०९	धृ	४४	३२	२३	३६	तै	४	०१	७	२४	०१	४८	२४	२३	२२	१४	मेषे	२।२७।२८।१८	५६।५७
काण	१०	बु	४१	३३	२२	२५	भर	२७	२५	१६	४६	शू	४५	५२	२४	०९	व	९	१७	९	३१	३३ ५९	४८	२४	२४	२३	१५	वृषे २३।२१	२।२८।२५।१५	५६।५७
ए.व्र.	११	गु	४४	५८	२३	४८	कृति	३२	४३	१८	५४	गं	४६	०९	२४	१६	व	१३	२६	११	११	५७	४९	२४	२५	२४	१६	वृषे	२।२९।२२।१२	५६।५८
मित्र	१२	शु	४६	५२	२४	३४	रोहि	३६	३३	२०	२६	वृ	४५	१३	२३	५४	कौ	१६	०६	१२	१६	५५	४९	२३	२६	२५	१७	वृषे	३।००।१९।१०	५६।५८
प्र.व्र.	१३	श	४७	०७	२४	४०	मृग	३८	४६	२१	२०	ध्रु	४३	०१	२३	०२	ग	१७	११	१२	४२	५३	५०	२३	२७	२६	१८	मिथु. ८।५८	३।०१।१६।०८	५६।५९
ध्वाङ्क्ष	१४	र	४५	४६	२४	०८	आर्द्रा	३९	२६	२१	३६	व्या	३९	३२	२१	३९	वि	१६	३७	१२	२९	५१	५०	२२	२८	२७	१९	मिथु.	३।०२।१३।०६	५६।५९
अमाव.	३०	सो	४२	५८	२३	०२	पुन	३८	३८	२१	१८	ह	३४	५१	१९	४७	च	१४	३२	११	३९	४९	५१	२२	२९	२८	२०	कर्के १५।२५	३।०३।१०।०५	५७।००

वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

नक्त व्रतारंभः, पुन. सौरः ८।४२

भ. २१।०७ उ., बृहत्तल्पा

भ. ९।१९ या., पंचक प्रारम्भः १२।२८,चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०९

[A सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन नाग अल्पवृष्टिः

नागपञ्चमी (मरु.)

भ. १३।३१ उ. २६।३८ या., बुधोदयः पूर्वस्याम् ७।०५

मार्गी बुधः २५।५७

पंचक समाप्तिः ११।१४

[C निरयन दक्षिणायनारंभः

भ. ९।३१ उ. २२।२५ या.

कामिका ११ व्र., कर्के रविः १०।१९ (सौरः २१।४५), C

रेव. भौमः ६।०६ [B सौरः १०।०९

भः २४।४० उ., प्रदोषः

भ. १२।२९ या., मासिकशिवरात्री व्र., पुष्ये रविः २२।१०, A

देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०, सोमवती अमा., पुष्ये B

अयनांशाः २४।०७।१९

पं.१३ श्रा.कृ. २ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	२	८	१	९	२	८
२१	११	१२	२९	१३	०५	०४	०४
१४	०६	२१	०८	१९	३२	०७	०७
१२	२३	५४	००	०९	४३	३८	३८
५७	३४	२३	७	२४	४	३	३
१३	२७	३९	३६	२०	१४	११	११
पुन	उभा	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
१	३	२व	१व	१	३व	४	२

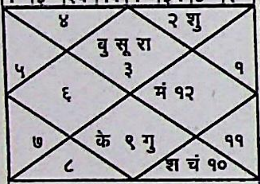

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ
०२।१९।५९।५१	१ चं	६	१२।४२	२।१८	४।१४	६।२९	८।४९	११।०६	१।२२	३।४१	५।५९	८।०४	९।४७	११।१६
०२।२०।५६।४५	२ मं	७	१२।३८	२।१४	४।१०	६।२५	८।४५	११।०२	१।१८	३।३७	५।५५	८।००	९।४३	११।१२
०२।२१।५३।४०	३ बु	८	१२।३४	२।१०	४।०६	६।२१	८।४१	१०।५८	१।१४	३।३३	५।५१	७।५६	९।३९	११।०८
०२।२२।५०।३४	४ गु	९	१२।३०	२।०६	४।०२	६।१७	८।३७	१०।५४	१।१०	३।२९	५।४७	७।५२	९।३५	११।०४
०२।२३।४७।२९	५ शु	१०	१२।२६	२।०२	३।५८	६।१३	८।३३	१०।५०	१।०६	३।२५	५।४३	७।४८	९।३१	११।००
०२।२४।४४।२४	६ श	११	१२।२२	१।५८	३।५४	६।०९	८।२९	१०।४६	१।०२	३।२१	५।४०	७।४४	९।२७	१०।५६
०२।२५।४१।२०	७ र	१२	१२।१८	१।५४	३।५०	६।०५	८।२५	१०।४२	१२।५८	३।१७	५।३६	७।४०	९।२३	१०।५२
०२।२६।३८।१५	८ चं	१३	१२।१४	१।५०	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३८	१२।५४	३।१३	५।३२	७।३६	९।१९	१०।४८
०२।२७।३५।११	९ मं	१४	१२।१०	१।४६	३।४३	५।५७	८।१७	१०।३४	१२।५०	३।०९	५।२८	७।३२	९।१६	१०।४४
०२।२८।३२।०८	१० बु	१५	१२।०६	१।४२	३।३९	५।५३	८।१३	१०।३०	१२।४६	३।०५	५।२४	७।२८	९।१२	१०।४०
०२।२९।२९।०५	११ गु	१६	१२।०२	१।३८	३।३५	५।४९	८।०९	१०।२६	१२।४२	३।०१	५।२०	७।२४	९।०८	१०।३६
०३।००।२६।०२	१२ शु	१७	११।५८	१।३४	३।३१	५।४५	८।०६	१०।२२	१२।३८	२।५७	५।१६	७।२०	९।०४	१०।३२
०३।०१।२३।०१	१३ श	१८	११।५४	१।३१	३।२७	५।४२	८।०२	१०।१८	१२।३४	२।५३	५।१२	७।१७	९।००	१०।२८
०३।०२।१९।५९	१४ र	१९	११।५०	१।२७	३।२३	५।३८	७।५८	१०।१४	१२।३०	२।४९	५।०८	७।१३	८।५६	१०।२४
०३।०३।१६।५८	३० चं	२०	११।४६	१।२३	३।१९	५।३४	७।५४	१०।११	१२।२६	२।४५	५।०४	७।०९	८।५२	१०।२०

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०२०

श्रा. कृ. ११ गुरौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।१९ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नमक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभोऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः बुधे (स्टै.) २२।१९ से गुरौ १०।१९ तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २४।०७।२०

पं.१४ श्रा.कृ. ९ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	२	८	१	९	२	८
२७	१५	११	२८	१६	०५	०३	०३
५४	०२	१६	१४	४१	०२	४५	४५
४६	२५	५४	१६	५०	३१	२२	२२
५७	३२	१२	७	३४	४	३	३
१४	४१	११	४४	३७	२४	११	११
पुन	उभा	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
३	४	२	१व	३	३व	४	२

२१ जुलाई से ३ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिनमा सू. सू. तारीख स्टं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	मं	३८	५५	२१	२५	पुष्य	३६	३५	२०	२९	व	२९	०९	१७	३१	किं	११	०४	१०	१७	३३/४६	५/५१	७/२२	३०	२९	२१	कर्क	३।०४।०७।०५	५७।०१
सिंधारा	२	बु	३३	५२	१९	२५	श्ले	३३	३०	१९	१६	सि	२२	३४	१४	५३	बा	६	२९	८	२७	४४	५२	२१	३१	३०	२२	सिंहे १९।१६	३।०५।०४।०६	५७।०१
तीज	३	गु	२८	०५	१७	०६	मघा	२९	४२	१७	४५	व्य	१५	२२	१२	०१	तै	१	०२	६	१७	४१	५२	२१	१	१	२३	सिंहे	३।०६।०१।०७	५७।०२
सिद्धि	४	शु	२१	५२	१४	३७	पूफा	२५	२७	१६	०४	व	५९	४३	२९	५८	वि	२१	५२	१४	३७	३९	५३	२०	२	२	२४	कन्या २१।३७	३।०६।५८।०९	५७।०३
उत्पात	५	श	१५	२८	१२	०४	उफा	२१	०४	१४	१९	शि	५२	०४	२६	४३	वा	१५	२८	१२	०४	३६	५३	२०	३	३	२५	कन्या	३।०७।५५।१२	५७।०४
मानस	६	र	९	०९	९	३३	हस्त	१६	४६	१२	३६	सि	४४	२५	२३	४०	तै	९	०९	९	३३	३३	५४	१९	४	४	२६	तुला. २३।४८	३।०८।५२।१५	५७।०४
मुद्गर	७	सो	३	०९	७	१०	चित्रा	१२	४८	११	०२	सा	३७	०७	२०	४५	व	३	०९	७	१०	३१	५४	१९	५	५	२७	तुला.	३।०९।४९।२०	५७।०५
क्षयः	८	सो	५७	३६	२८	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वजा	९	मं	५२	३८	२६	५८	स्वा	९	११	९	३९	शु	३०	१६	१८	०१	वा	२५	०१	१५	५५	२८	५५	१८	६	६	२८	वृश्चि. २६।४६	३।१०।४६।२५	५७।०६
धाता	१०	बु	४८	२०	२५	१५	विशा	६	२७	८	३०	शु	२३	५६	१५	३०	तै	२०	२३	१४	०५	२५	५५	१७	७	७	२९	वृश्चि.	३।११।४३।३२	५७।०७
ए.व्र.	११	गु	४४	४५	२३	५०	अनु	४	१५	७	३८	ब्र	१८	१०	१३	१२	व	१६	२६	१२	३०	२२	५६	१७	८	८	३०	वृश्चि.	३।१२।४०।३९	५७।०८
चर	१२	शु	४१	५७	२२	४३	ज्ये	२	४८	७	०३	ऐं	१३	०१	११	०९	व	१३	१४	११	१४	१९	५६	१६	९	९	३१	धनु. ७।०३	३।१३।३७।४७	५७।०९
प्र.व्र.	१३	श	३९	५९	२१	५७	मूल	२	०७	६	४८	वै	८	३१	९	२१	कौ	१०	५१	१०	१७	१६	५७	१५	१०	१०	१	धनु.	३।१४।३४।५६	५७।१०
शुभ	१४	र	३८	५५	२१	३२	पूषा	२	१७	६	५२	वि	४	४२	७	५०	ग	९	२०	९	४१	१३	५८	१५	११	११	२	मक. १२।५७	३।१५।३२।०७	५७।११
पूर्णिमा	१५	सो	३८	५१	२१	३१	उषा	३	२३	७	१९	प्री	५९	३८/२५	२६	३७/४४	वि	८	४४	९	२८	१०	५८	१४	१२	१२	३	मक.	३।१६।२९।१८	५७।१३

केतकी अहर्गणः ३३९४ वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे, जुलाई-अगस्त २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टं.टा.में है।
मृगे-३ राहुः २९।१४, मूले-१ केतुः २९।१४ [G भानुः १४।०९
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, सायन सिंहे G
भ.२७।५३ उ.,तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवाव्र.(गुर्जरे), सुकृत D
भ.१४।३७ या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र., मृगे शुक्रः ६।१४
कल्की जयंती, नागपञ्चमी,नागदष्ट व्र.,वर्णषष्ठी [F सोमेश्वरपूजनं
शीतला, पुन. बुधः १०।००, (व) पूषा.-४ गुरुः १५।१७
भ. ७।१० उ. १८।०२ या.,तुलसी जयंती,दुर्गाष्टमी,रोटक व्रतारंभः, F
[D तृतीया व्र., भा. श्रावणारंभः, जिल्हेज १२
[A व्रतंपुण्यञ्च,हयग्रीवजयंती,नारियल १५, यजुर्वेदि,तैतरीय, B
[B हिरण्यकेशीय,आपस्तंभ,बौधायन, काण्वमध्यन्दिन(कात्या.), C
भ.१२।३० उ. २३।५० या.,पवित्रा ११ व्र. [I मिथुने शुक्रः १३।१९
दधि भक्षणत्यागः,पवित्रारोपणं [E सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन मेष वर्षाश्रेष्ठः
प्रदोषः,अगस्त ८ ता. ३१,तिलकपुण्यतिथि, कर्के बुधः २७।४३, I
भ.२१।३२ उ.,सूणमाण्डणा (पूरादिन शुद्ध है),श्लेषा. रविः २१।०६, E
भ. ९।२८ या., रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं), श्रावणी (मरु), पूर्णिमा A
[C अथर्ववेदि उपाकर्म, श्लेषा. सौरः १०।२७, पुष्ये बुधः २४।५१

अयनांशाः २४।०७।२१

पं.१५ श्रा.शु. १ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	११	२	८	१	९	२	८
०४	१८	१४	२७	२१	०४	०३	०३
३५	४५	४१	२०	०८	३१	२३	२३
३५	०७	०७	२४	५८	३३	०६	०६
५७	३०	५१	७	४२	४	३	३
१७	३५	०७	३६	३०	२७	११	११
पु	रे	आ	उषा	रो	उषा	मृ	मू
१	१	३	१व	४	३व	४	२

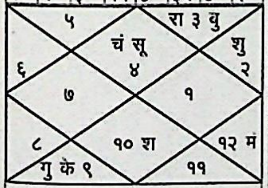

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०३।०४।१३।५८	१ मं	२१	११।४२	१।१९	३।१५	५।३०	७।५०	१०।०७	१२।२२	२।४२	५।००	७।०५	८।४८	१०।१६
०३।०५।१०।५९	२ बु	२२	११।३९	१।१५	३।११	५।२६	७।४६	१०।०३	१२।१८	२।३८	४।५६	७।०१	८।४४	१०।१३
०३।०६।०८।००	३ गु	२३	११।३५	१।११	३।०७	५।२२	७।४२	९।५९	१२।१५	२।३४	४।५२	६।५७	८।४०	१०।०९
०३।०७।०५।०२	४ शु	२४	११।३१	१।०७	३।०३	५।१८	७।३८	९।५५	१२।११	२।३०	४।४८	६।५३	८।३६	१०।०५
०३।०८।०२।०५	५ श	२५	११।२७	१।०३	२।५९	५।१४	७।३४	९।५१	१२।०७	२।२६	४।४४	६।४९	८।३२	१०।०१
०३।०८।५९।०८	६ र	२६	११।२३	१२।५९	२।५५	५।१०	७।३०	९।४७	१२।०३	२।२२	४।४०	६।४५	८।२८	९।५७
०३।०९।५६।१३	७ चं	२७	११।१९	१२।५५	२।५१	५।०६	७।२६	९।४३	११।५९	२।१८	४।३६	६।४१	८।२४	९।५३
०३।१०।५३।१८	९ मं	२८	११।१५	१२।५१	२।४७	५।०२	७।२२	९।३९	११।५५	२।१४	४।३३	६।३७	८।२०	९।४९
०३।११।५०।२५	१० बु	२९	११।११	१२।४७	२।४३	४।५८	७।१८	९।३५	११।५१	२।१०	४।२९	६।३३	८।१६	९।४५
०३।१२।४७।३२	११ गु	३०	११।०७	१२।४३	२।३९	४।५४	७।१४	९।३१	११।४७	२।०६	४।२५	६।२९	८।१२	९।४१
०३।१३।४४।४०	१२ शु	३१	११।०३	१२।३९	२।३५	४।५०	७।१०	९।२७	११।४३	२।०२	४।२१	६।२५	८।०८	९।३७
०३।१४।४१।५०	१३ श	१	१०।५९	१२।३५	२।३२	४।४६	७।०६	९।२३	११।३९	१।५८	४।१७	६।२१	८।०५	९।३३
०३।१५।३९।००	१४ र	२	१०।५५	१२।३१	२।२८	४।४२	७।०२	९।१९	११।३५	१।५४	४।१३	६।१७	८।०१	९।२९
०३।१६।३६।१२	१५ चं	३	१०।५१	१२।२७	२।२४	४।३८	६।५८	९।१५	११।३१	१।५०	४।०९	६।१३	७।५७	९।२५

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। श्रावण में पांच सोमवार शुभद हैं। कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को कृत्तिका होने से मध्यम फल हो। कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रवल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो। अमावस्या पुनर्वसु योग समर्घता कारक है। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।०७।२२

पं.१६ श्रा.शु. ९ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	११	२	८	१	९	२	८
११	२२	२२	२६	२६	०४	०३	०३
१६	११	२३	२८	२५	००	००	००
४९	५४	०६	१६	३५	३५	५०	५०
५७	२८	८४	७	४८	४	३	३
२२	०४	४९	१२	३४	२३	११	११
पु	रे	पुन	पूषा	मृ	उषा	मृ	मू
३	२	१	४व	१	३व	३	१

४ अगस्त से १९ अगस्त तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
लुम्बक	१	मं	३९	५३	२१	५६	श्रव	५	३०	८	१०	सौ	५८	०२	२९	११	बा	९	१३	९	४०	३३/०७	५/५९	७/१३	१३	१३	४	कुंभे २०।४६	३।१७।२६।३१	५७।१४
मित्र	२	बु	४२	०६	२२	४९	धनि	८	४३	९	२८	शो	५७	३७	२९	०२	तै	१०	५०	१०	१९	०४	५९	१३	१४	१४	५	कुंभे	३।१८।२३।४५	५७।१५
वज्र	३	गु	४५	३२	२४	१२	शत	१३	०६	११	१४	अ	५८	०८	२९	१५	व	१३	३९	११	२७	००	६/००	१२	१५	१५	६	कुंभे	३।१९।२१।००	५७।१६
च.व्र.	४	शु	५०	०७	२६	०३	पूभा	१८	४०	१३	२८	सु	५९	३१	२९	४९	ब	१७	४१	१३	०४	३२/५७	००	११	१६	१६	७	मीने ६।५२	३।२०।१८।१६	५७।१८
धूम्र	५	श	५५	४०	२८	१७	उभा	२५	१६	१६	०७	धृ	...	...	...	...	कौ	२२	४७	१५	०८	५४	०१	१०	१७	१७	८	मीने	३।२१।१५।३४	५७।१९
प्रवर्धमा	६	र	...	...	...	...	रेव	३२	३५	१९	०३	धृ	१	३४	६	३९	ग	२८	४०	१७	२९	५०	०१	०९	१८	१८	९	मेषे १९।०३	३।२२।१२।५२	५७।२०
राक्षस	६	सो	१	४४	६	४३	अश्वि	४०	०७	२२	०५	शू	४	०१	७	३८	व	१	४४	६	४३	४७	०२	०९	१९	१९	१०	मेषे	३।२३।१०।१३	५७।२२
जन्माष्ट.	७	मं	७	४८	९	०९	भर	४७	१८	२४	५७	गं	६	२६	८	३७	ब	७	४८	९	०९	४४	०२	०८	२०	२०	११	मेषे	३।२४।०७।३४	५७।२३
जन्माष्ट.	८	बु	१३	१३	११	२०	कृति	५३	३०	२७	२७	वृ	८	२२	९	२४	कौ	१३	१३	११	२०	४०	०३	०७	२१	२१	१२	वृषे ७।३८	३।२५।०४।५७	५७।२४
गोगा	९	गु	१७	२४	१३	०१	रोहि	५८	१६	२९	२२	ध्रु	९	२४	९	४९	ग	१७	२४	१३	०१	३७	०३	०६	२२	२२	१३	वृषे	३।२६।०२।२२	५७।२६
मानस	१०	शु	१९	५८	१४	०३	मृग	...	...	...	...	व्या	९	१०	९	४४	वि	१९	५८	१४	०३	३३	०४	०५	२३	२३	१४	मिथु. १८।०३	३।२६।५९।४८	५७।२७
ए.व्र.	११	श	२०	३८	१४	२०	मृग	१	१३	६	३४	ह	७	२९	९	०४	बा	२०	३८	१४	२०	३०	०४	०४	२४	२४	१५	मिथु.	३।२७।५७।१५	५७।२९
प्र.व्र.	१२	र	१९	२१	१३	४९	आर्द्रा	२	१७	७	००	व	४/५९	१६/३३	७/२९	४७/५४	तै	१९	२१	१३	४९	२६	०५	०३	२५	२५	१६	कर्के २४।५०	३।२८।५४।४४	५७।३१
धूम्र	१३	सो	१६	११	१२	३४	पुन	१/५८	२८/५८	६/२९	४१/४०	व्य	५३	२३	२७	२७	व	१६	११	१२	३४	२३	०५	०२	२६	२६	१७	कर्के	३।२९।५२।१४	५७।३२
आनन्द	१४	मं	११	२२	१०	३९	श्ले	५५	००	२८	०६	व	४६	०२	२४	३१	श	११	२२	१०	३९	१९	०६	०१	२७	२७	१८	सिंहे २८।०६	४।००।४९।४६	५७।३४
अमाव.	३०	बु	५	११	८	११	मघा	४९	५८	२६	०५	प	३७	४५	२१	१२	ना	५	११	८	११	१५	०६	००	२८	२८	१९	सिंहे	४।०१।४७।२०	५७।३५

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समंय स्टै.टा.में है।

पंचक प्रारम्भः २०।४६, ऋग्वेदि उपाकर्म

कज्जली(बूढी ३) [C सौरः ९।२०, सिंहे मघा. बुधः ८।१२

भ. ११।२७ उ. २४।१२ या., (व) उषा.-२ शनिः १७।४५

चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४६, बुधास्तः पूर्वस्याम् १४।५४

आर्द्रा. शुक्रः २४।४० [A सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन महिष अल्पवृष्टिः

पंचक समाप्तिः १९।०३, बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), B

भ. ६।४३ उ. १९।५७ या., शीतला व्र., श्लेषा. बुधः २०।०२

मन्वादि, जम्माष्टमी व्र. स्मा.

जम्माष्टमी व्र. वैष्ण.

भ. २५।३८ उ., गोगानवमी

भ. १४।०३ या. [B हलषष्ठी, चंद्रषष्ठी (मरु.)

अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, भारतीयस्वतंत्रतादिवस

प्रदोषः, सिंहे मघा. रविः १८।४९, मेषे अश्वि. भौमः २२।१७, A

भ. १२।३४ उ. २३।४१ या., मासिकशिवरात्री व्र., सिंहे मघा. C

कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, पितृकार्येऽमा.

देवकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०७।२३

पं.१७ भा.कृ. १ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	११	३	८	२	९	२	८
१७	२५	०३	२५	०२	०३	०२	०२
५८	१९	४३	३९	२०	३०	३८	३८
४०	४५	०९	४२	२१	२४	३४	३४
५७	२५	१११	६	५३	४	३	३
२८	०५	४३	३३	१६	१२	११	११
श्ले	रे	पु	पूषा	मृ	उषा	मृ	मू
१	३	१	४व	३	३व	३	१

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायं	मीन रात्रौ
०३।१७।३३।२४	१ मं	४	१०।४७	१२।२३	२।२०	४।३४	६।५५	९।११	११।२७	१।४६	४।०५	६।०९	७।५३	९।२१
०३।१८।३०।३८	२ बु	५	१०।४३	१२।२०	२।१६	४।३१	६।५१	९।०७	११।२३	१।४२	४।०१	६।०६	७।४९	९।१७
०३।१९।२७।५३	३ गु	६	१०।३९	१२।१६	२।१२	४।२७	६।४७	९।०३	११।१९	१।३८	३।५७	६।०२	७।४५	९।१३
०३।२०।२५।१०	४ शु	७	१०।३५	१२।१२	२।०८	४।२३	६।४३	९।००	११।१५	१।३५	३।५३	५।५८	७।४१	९।०९
०३।२१।२२।२७	५ श	८	१०।३१	१२।०८	२।०४	४।१९	६।३९	८।५६	११।११	१।३१	३।४९	५।५४	७।३७	९।०५
०३।२२।१९।४६	६ र	९	१०।२८	१२।०४	२।००	४।१५	६।३५	८।५२	११।०७	१।२७	३।४५	५।५०	७।३३	९।०२
०३।२३।१७।०७	६ चं	१०	१०।२४	१२।००	१।५६	४।११	६।३१	८।४८	११।०४	१।२३	३।४१	५।४६	७।२९	८।५८
०३।२४।१४।२८	७ मं	११	१०।२०	११।५६	१।५२	४।०७	६।२७	८।४४	११।००	१।१९	३।३७	५।४२	७।२५	८।५४
०३।२५।११।५१	८ बु	१२	१०।१६	११।५२	१।४८	४।०३	६।२३	८।४०	१०।५६	१।१५	३।३३	५।३८	७।२१	८।५०
०३।२६।०९।१६	९ गु	१३	१०।१२	११।४८	१।४४	३।५९	६।१९	८।३६	१०।५२	१।११	३।२९	५।३४	७।१७	८।४६
०३।२७।०६।४२	१० शु	१४	१०।०८	११।४४	१।४०	३।५५	६।१५	८।३२	१०।४८	१।०७	३।२५	५।३०	७।१३	८।४२
०३।२८।०४।०९	११ श	१५	१०।०४	११।४०	१।३६	३।५१	६।११	८।२८	१०।४४	१।०३	३।२२	५।२६	७।०९	८।३८
०३।२९।०१।३८	१२ र	१६	१०।००	११।३६	१।३२	३।४७	६।०७	८।२४	१०।४०	१२।५९	३।१८	५।२२	७।०५	८।३४
०३।२९।५९।०९	१३ चं	१७	९।५६	११।३२	१।२८	३।४३	६।०३	८।२०	१०।३६	१२।५५	३।१४	५।१८	७।०१	८।३०
०४।००।५६।४१	१४ मं	१८	९।५२	११।२८	१।२४	३।३९	५।५९	८।१६	१०।३२	१२।५१	३।१०	५।१४	६।५८	८।२६
०४।०१।५४।१५	३० बु	१९	९।४८	११।२४	१।२१	३।३५	५।५५	८।१२	१०।२८	१२।४७	३।०६	५।१०	६।५४	८।२२

अयनांशाः २४।०७।२३

पं.१८ भा.कृ. ७ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	११	३	८	२	९	२	८
२४	२८	१७	२४	०८	०३	०२	०२
४१	०५	३१	५६	४४	०१	१६	१६
१६	१०	१२	२०	५१	४५	१८	१८
५७	२१	१२३	५	५६	३	३	३
३५	३४	२८	४१	५८	५६	११	११
श्ले	रे	श्ले	पूषा	आ	उषा	मृ	मू
३	४	१	४व	१	२व	३	१

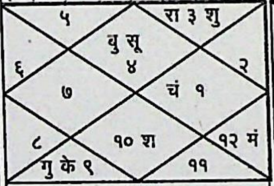

अयनांशाः २४।०७।२४

पं.१९ भा.कृ.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	४	८	२	९	२	८
०१	००	०१	२४	१५	०२	०१	०१
२४	२४	५०	१९	३२	३५	५४	५४
४८	१०	१६	३४	५१	१८	०३	०३
५७	१७	११९	४	५९	३	३	३
४४	२७	५३	३९	५५	३३	११	११
म	अ	म	पूषा	आ	उषा	मृ	मू
१	१	१	४व	३	२व	३	१

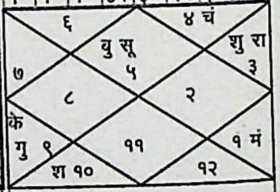

२० अगस्त से २ सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	बु	५८	०२	२९	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
गद	२	गु	५०	१६	२६	१३	पूफा	४४	१६	२३	४९	शि	२८	४९	१७	३९	वा	२४	११	१५	४७	३२/१२	६/०३	६/५९	२९	२९	२०	कन्या २९।१४	४।०२।४४।५५	५७।३७
शुभ	३	शु	४२	१७	२३	०२	उफा	३८	१९	२१	२७	सि	१९	३६	१३	५८	तै	१६	१६	१२	३८	०८	०७	५८	३०	१	२१	कन्या	४।०३।४२।३२	५७।३९
गणेश	४	श	३४	३१	१९	५६	हस्त	३२	३२	१९	०९	सा	१०	२४	१०	१७	व	८	२०	९	२८	०४	०८	५७	३१	२	२२	तुला. ३०।०४	४।०४।४०।११	५७।४०
ऋषि	५	र	२७	१७	१७	०३	चित्रा	२७	१७	१७	०३	शु	१/५३	३९/१३	६/२७	४५/२६	व	०	४८	६	२७	००	०८	५६	१	३	२३	तुला.	४।०५।३७।५२	५७।४२
छत्र	६	सो	२०	५१	१४	२९	स्वा	२२	५१	१५	१७	व्र	४५	४०	२४	२५	तै	२०	५१	१४	२९	३१/५७	०९	५५	२	४	२४	तुला.	४।०६।३५।३४	५७।४४
श्रीवत्स	७	मं	१५	२७	१२	२०	विशा	१९	२६	१३	५६	ऐ	३९	००	२१	४५	व	१५	२७	१२	२०	५३	०९	५४	३	५	२५	वृश्चि. ८।१३	४।०७।३३।१८	५७।४६
सौम्य	८	बु	११	११	१०	३८	अनु	१७	०९	१३	०१	वै	३३	१७	१९	२८	व	११	११	१०	३८	४९	१०	५३	४	६	२६	वृश्चि.	४।०८।३१।०४	५७।४८
काल	९	गु	८	०५	९	२४	ज्ये	१६	०१	१२	३५	वि	२८	२९	१७	३४	कौ	८	०५	९	२४	४५	१०	५२	५	७	२७	धनु. १२।३५	४।०९।२८।५१	५७।४९
सुस्थिर	१०	शु	६	०७	८	३७	मूल	१६	०१	१२	३५	प्री	२४	३६	१६	०१	ग	६	०७	८	३७	४१	११	५१	६	८	२८	धनु.	४।१०।२६।४१	५७।५१
ए.व्र.	११	श	५	१६	८	१७	पूषा	१७	०४	१३	०१	आ	२१	३२	१४	४८	वि	५	१६	८	१७	३७	११	५०	७	९	२९	मक. ११।११	४।११।२४।३२	५७।५३
प्र.व्र.	१२	र	५	२६	८	२२	उषा	१९	०८	१३	५१	सौ	१९	१८	१३	५५	वा	५	२६	८	२२	३३	१२	४९	८	१०	३०	मक.	४।१२।२२।२५	५७।५५
सिद्धि	१३	सो	६	३३	८	४९	श्रव	२२	०७	१५	०३	शो	१७	४८	१३	१९	तै	६	३३	८	४९	३०	१२	४८	९	११	३१	कुंभे २७।४७	४।१३।२०।२०	५७।५७
उत्पात	१४	मं	८	३७	९	४०	धनि	२६	००	१६	३७	अ	१७	०२	१३	०१	व	८	३७	९	४०	२६	१३	४७	१०	१२	१	कुंभे	४।१४।१८।१७	५७।५९
पूर्णिमा	१५	बु	११	३७	१०	५२	शत	३०	४७	१८	३२	सु	१६	५८	१३	००	व	११	३७	१०	५२	२२	१३	४६	११	१३	२	कुंभे	४।१५।१६।१७	५८।०१

केतकी अहर्गणः ३४२४ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, अगस्त-सितंबर २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A जैन संवत्सरी, सामवेदि उपाकर्म, सायन कन्यायां भानुः K
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [K २१।२२, पुन. शुक्रः १६।०२
मन्वादि, वराह जयंती, हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र., G
भ. ९।२८ उ. १९।५६ या.,गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), A
ऋषि पंचमी, ललितापष्ठी व्र.(गुर्जरे), मा.भाद्रपदारंभः,पूफा. बुधः २७।३५
सौर(सूर्य) षष्ठी,स्कन्द दर्शनं,मुक्ताभरण व्र.,उमामहेश्वर पू., H
भ.१२।२० उ. २३।२६ या.,दूर्वाष्टमी,गौरी आवाहन १३।५६ उपरान्त
दधीची जयंती, श्री राधा ८, गौरी पूजन १३।०१ उपरान्त
अदुःख नवमी व्र.,श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय),दशावतार व्र., C
भ.२०।२४ उ., श्री रामदेवजी का मेला [G मोहोर्रम १ सन १४४२ हि.
भ. ८।१७ या.,जलझूलनी ११ व्र.,वामन जयंती [H दूबड़ी सातम
प्रदोषः, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्र व्र., पूफा. रविः १४।४९ (सौरः D
पंचक प्रारम्भः २७।४७, उफा. बुधः १२।२६, कर्के शुक्रः २९।२९
भ. ९।४० उ. २२।१३ या., पूर्णिमा व्रतं, अनन्त १४, कदली B
पूर्णिमा पुण्यं,महेश्वर पूजनं, कु. संध्यापूजा, कन्यायां बुधः ११।१७

[C गौरी विसर्जन १२।३५ उपरान्त, अगस्त्योदयः १८।४३ [D ३०।०४). सं.स्त्री.पु.स.चं.वाहन मण्डूक वर्षाश्रेष्ठः [B व्रतं पूजनं, रंभारोपणं, प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, सितंबर ९ ता. ३०

अयनांशाः २४।०७।२५

पं.२० भा.शु. ७ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	४	८	२	९	२	८
०८	०२	१५	२३	२२	०२	०१	०१
०९	१२	२४	५०	३९	११	३१	३१
२५	२१	४७	३२	४२	४५	४७	४७
५७	१२	१११	३	६२	३	३	३
५४	४१	२१	२८	१८	०६	११	११
म	अ	पूफा	पूषा	पुन	उषा	मृ	मू
३	१	१	४व	१	२व	३	१

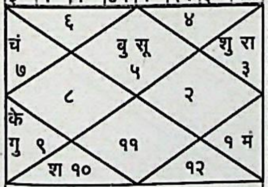

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०४।०२।५१।५१	२ गु	२०	९।४४	११।२०	१।१७	३।३१	५।५१	८।०८	१०।२४	१२।४३	३।०२	५।०६	६।५०	८।१८
०४।०३।४९।२८	३ शु	२१	९।४०	११।१६	१।१३	३।२७	५।४७	८।०४	१०।२०	१२।३९	२।५८	५।०२	६।४६	८।१४
०४।०४।४७।०७	४ श	२२	९।३६	११।१२	१।०९	३।२३	५।४४	८।००	१०।१६	१२।३५	२।५४	४।५८	६।४२	८।१०
०४।०५।४४।४७	५ र	२३	९।३२	११।०९	१।०५	३।२०	५।४०	७।५६	१०।१२	१२।३१	२।५०	४।५५	६।३८	८।०६
०४।०६।४२।२९	६ चं	२४	९।२८	११।०५	१।०१	३।१६	५।३६	७।५३	१०।०८	१२।२७	२।४६	४।५१	६।३४	८।०२
०४।०७।४०।१४	७ मं	२५	९।२४	११।०१	१२।५७	३।१२	५।३२	७।४९	१०।०४	१२।२४	२।४२	४।४७	६।३०	७।५८
०४।०८।३८।००	८ बु	२६	९।२१	१०।५७	१२।५३	३।०८	५।२८	७।४५	१०।००	१२।२०	२।३८	४।४३	६।२६	७।५४
०४।०९।३५।४७	९ गु	२७	९।१७	१०।५३	१२।४९	३।०४	५।२४	७।४१	९।५६	१२।१६	२।३४	४।३९	६।२२	७।५१
०४।१०।३३।३७	१० शु	२८	९।१३	१०।४९	१२।४५	३।००	५।२०	७।३७	९।५३	१२।१२	२।३०	४।३५	६।१८	७।४७
०४।११।३१।२८	११ श	२९	९।०९	१०।४५	१२।४१	२।५६	५।१६	७।३३	९।४९	१२।०८	२।२६	४।३१	६।१४	७।४३
०४।१२।२९।२२	१२ र	३०	९।०५	१०।४१	१२।३७	२।५२	५।१२	७।२९	९।४५	१२।०४	२।२२	४।२७	६।१०	७।३९
०४।१३।२७।१७	१३ चं	३१	९।०१	१०।३७	१२।३३	२।४८	५।०८	७।२५	९।४१	१२।००	२।१८	४।२३	६।०६	७।३५
०४।१४।२५।१५	१४ मं	१	८।५७	१०।३३	१२।२९	२।४४	५।०४	७।२१	९।३७	११।५६	२।१४	४।१९	६।०२	७।३१
०४।१५।२३।१४	१५ बु	२	८।५३	१०।२९	१२।२५	२।४०	५।००	७।१७	९।३३	११।५२	२।११	४।१५	५।५८	७।२७

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २०२०

भा. कृ. १२ रवौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।४९ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गो विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १२।२५ से १८।४९ तक। (दान- छत्र)।

अयनांशाः २४।०७।२६

पं.२१ भा.शु.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	४	८	३	९	२	८
१४	०३	२७	२३	००	०१	०१	०१
५५	२५	५६	३०	०१	५१	०९	०९
१५	१५	३५	०४	५५	३८	३१	३१
५८	७	१०२	२	६४	२	३	३
०५	१७	०९	१०	१६	३३	१२	११
पूफा	अ	उफा	पूषा	पुन	उषा	मृ	मू
१	२	१	४व	४	२व	३	१

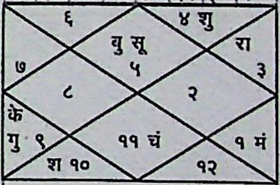

३ सितंबर से १७ सितंबर तक,श्री प्र.आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२,दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	गु	१५	३२	१२	२६	पूभा	३६	२७	२०	४८	धृ	१७	३६	१३	१६	कौ	१५	३२	१२	२६	३१/१८	६/१४	६/४५	१२	१४	३	मीने १४।१२	४।१६।१४।१८	५८।०३
ध्वजा	२	शु	२०	२१	१४	२२	उभा	४२	५६	२३	२४	शू	१८	५४	१३	४८	ग	२०	२१	१४	२२	१४	१४	४४	१३	१५	४	मीने	४।१७।१२।२१	५८।०५
च.व्र.	३	श	२५	५६	१६	३७	रेव	५०	०६	२६	१७	गं	२०	४८	१४	३४	वि	२५	५६	१६	३७	१०	१४	४२	१४	१६	५	मेषे २६।१७	४।१८।१०।२६	५८।०७
आनन्द	४	र	३२	०५	१९	०५	अश्वि	५७	४२	२९	२०	वृ	२३	०९	१५	३१	बा	३२	०५	१९	०५	०६	१५	४१	१५	१७	६	मेषे	४।१९।०८।३३	५८।०९
चर	५	सो	३८	२५	२१	३८	भर	...	...	...	...	ध्रु	२५	४२	१६	३२	कौ	५	१४	८	२१	०२	१५	४०	१६	१८	७	मेषे	४।२०।०६।४२	५८।११
मुसल	६	मं	४४	२६	२४	०२	भर	५	१८	८	२३	व्या	२८	०४	१७	२९	ग	११	३०	१०	५२	३०/५८	१६	३९	१७	१९	८	वृषे १५।०७	४।२१।०४।५४	५८।१३
सिद्धि	७	बु	४९	३४	२६	०६	कृति	१२	२२	११	१३	ह	२९	५१	१८	१३	वि	१७	०९	१३	०८	५४	१६	३८	१८	२०	९	वृषे	४।२२।०३।०७	५८।१६
उत्पात	८	गु	५३	१६	२७	३५	रोहि	१८	२१	१३	३७	व	३०	४०	१८	३३	बा	२१	३८	१४	५६	५०	१७	३७	१९	२१	१०	मिथु. २६।३६	४।२३।०१।२३	५८।१८
मानस	९	शु	५५	०६	२८	२०	मृग	२२	४५	१५	२३	सि	३०	०९	१८	२१	तै	२४	२५	१६	०३	४६	१७	३५	२०	२२	११	मिथु.	४।२३।५९।४०	५८।२०
मुद्गर	१०	श	५४	५०	२८	१४	आर्द्रा	२५	१२	१६	२३	व्य	२८	०३	१७	३१	व	२५	१४	१६	२३	४२	१८	३४	२१	२३	१२	मिथु.	४।२४।५८।००	५८।२२
ए.व्र.	११	र	५२	२५	२७	१६	पुन	२५	३४	१६	३२	व	२४	१४	१६	००	व	२३	५३	१५	५१	३८	१८	३३	२२	२४	१३	कर्के १०।३४	४।२५।५६।२२	५८।२४
घाता	१२	सो	४७	५७	२५	२९	पुष्य	२३	४९	१५	५०	प	१८	४४	१३	४८	कौ	२०	२५	१४	२९	३३	१९	३२	२३	२५	१४	कर्के	४।२६।५४।४६	५८।२६
प्र.व्र.	१३	मं	४१	४३	२३	००	श्ले	२०	११	१४	२४	शि	११	४०	१०	५९	ग	१५	०२	१२	२०	२९	१९	३१	२४	२६	१५	सिंहे १४।२४	४।२७।५३।१३	५८।२९
चर	१४	बु	३४	०३	१९	५७	मघा	१४	५९	१२	१९	सि	३/५३	५६/५०	७/२७	३८/३२	वि	८	०२	९	३२	२५	२०	३०	२५	२७	१६	सिंहे	४।२८।५१।४१	५८।३१
अमाव.	३०	गु	२५	२५	१६	३०	पूफा	८	३७	९	४७	शु	४३	४२	२३	४९	ना	२५	२५	१६	३०	२१	२०	२८	२६	२८	१७	कन्या १५।०६	४।२९।५०।१२	५८।३३

शरदृत्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A पू., कन्यायां सौरः १०।२१, चित्रा. बुधः १६।४२
भ. २७।२७ उ., पुष्ये शुक्रः ७।५४
भ.१६।३७ या.,पंचक समाप्तिः २६।१७,चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४७
(व) पूषा.-३ गुरुः २६।०४
भरणी श्राद्ध, चंद्रषष्ठी, बुधोदयः पश्चिमायाम् ११।५२
भ. २४।०२ उ., हस्ते बुधः १५।१६
भ. १३।०८ या. [B गुरुः १७।०३, सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन C
श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी, वक्री भौमः २०।२३
सौभाग्यवतीनां श्राद्धं [C चातक अल्पवृष्टिः
भ. १६।२३ उ. २८।१४ या.
इंदिरा ११ व्र., उफा. रविः ८।४३ (सौरः २४।१४), मार्गी B
सन्यासिनां श्राद्धं [D श्लेषा. शुक्रः ९।५७
भ. २३।०० उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., युगादि
भ. ९।३२ या., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं, कन्यायां रविः १८।४९, D
देवपितृकार्येऽमा.,अधिक मासारंभः,सर्वपितृ श्राद्धम्, विश्वकर्मा A

अयनांशाः २४।०७।२७

पं.२२ प्र.आ.कृ. ६ मं.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	५	८	३	९	२	८
२१	०३	०९	२३	०७	०१	००	००
४२	५८	२४	१८	३६	३५	४७	४७
२५	४५	५७	४४	५२	२५	१५	१५
५८	१	९३	०	६५	१	३	३
१७	२३	२३	५१	५४	५८	११	११
पूफा	अ	उफा	पूषा	पु	उषा	मृ	मू
३	२	४	३व	२	२व	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. सितं	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायं
०४।१६।२१।१५	१ गु	३	८।४९	१०।२५	१२।२१	२।३६	४।५६	७।१३	९।२९	११।४८	२।०७	४।११	५।५४	७।२३
०४।१७।१९।१९	२ शु	४	८।४५	१०।२१	१२।१७	२।३२	४।५२	७।०९	९।२५	११।४४	२।०३	४।०७	५।५०	७।१९
०४।१८।१७।२४	३ श	५	८।४१	१०।१७	१२।१३	२।२८	४।४८	७।०५	९।२१	११।४०	१।५९	४।०३	५।४७	७।१५
०४।१९।१५।३१	४ र	६	८।३७	१०।१३	१२।१०	२।२४	४।४४	७।०१	९।१७	११।३६	१।५५	३।५९	५।४३	७।११
०४।२०।१३।४१	५ चं	७	८।३३	१०।०९	१२।०६	२।२०	४।४०	६।५७	९।१३	११।३२	१।५१	३।५५	५।३९	७।०७
०४।२१।११।५२	६ मं	८	८।२९	१०।०५	१२।०२	२।१६	४।३७	६।५३	९।०९	११।२८	१।४७	३।५१	५।३५	७।०३
०४।२२।१०।०६	७ बु	९	८।२५	१०।०१	११।५८	२।१२	४।३३	६।४९	९।०५	११।२४	१।४३	३।४७	५।३१	६।५९
०४।२३।०८।२२	८ गु	१०	८।२१	९।५८	११।५४	२।०९	४।२९	६।४५	९।०१	११।२०	१।३९	३।४४	५।२७	६।५५
०४।२४।०६।३९	९ शु	११	८।१७	९।५४	११।५०	२।०५	४।२५	६।४२	८।५७	११।१६	१।३५	३।४०	५।२३	६।५१
०४।२५।०५।००	१० श	१२	८।१३	९।५०	११।४६	२।०१	४।२१	६।३८	८।५३	११।१३	१।३१	३।३६	५।१९	६।४७
०४।२६।०३।२२	११ र	१३	८।१०	९।४६	११।४२	१।५७	४।१७	६।३४	८।४९	११।०९	१।२७	३।३२	५।१५	६।४३
०४।२७।०१।४६	१२ चं	१४	८।०६	९।४२	११।३८	१।५३	४।१३	६।३०	८।४६	११।०५	१।२३	३।२८	५।११	६।४०
०४।२८।००।१३	१३ मं	१५	८।०२	९।३८	११।३४	१।४९	४।०९	६।२६	८।४२	११।०१	१।१९	३।२४	५।०७	६।३६
०४।२८।५८।४२	१४ बु	१६	७।५८	९।३४	११।३०	१।४५	४।०५	६।२२	८।३८	१०।५७	१।१५	३।२०	५।०३	६।३२
०४।२९।५७।१३	३० गु	१७	७।५४	९।३०	११।२६	१।४१	४।०१	६।१८	८।३४	१०।५३	१।११	३।१६	४।५९	६।२८

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २०२०

प्र.आश्वि. कृ. १४ बुधे कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।४९ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः शकुनिकरणे प्रविष्टा महर्घफलं श्वान् वाहनं शार्दूलोपवाहनं सुभिक्षकारक चित्रकवस्त्रं पाशायुधं वस्त्रपात्रं गुड़भक्षणं हरिद्रालेपनं क्षत्रीयजातिः कमलपुष्पं कोडीभूषणं कृष्णजिकंचुकी वंध्यावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १८।४९ से २५।१३ तक। (दान- गृह वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०७।२८

पं.२३ प्र.आ.कृ.१३ मं.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	०	५	८	३	९	२	८
२८	०३	१९	२३	१५	०१	००	००
३१	५०	५४	१६	२२	२३	२४	२४
०२	०५	२०	४८	३०	३१	५९	५९
५८	४	८५	०	६७	१	३	३
३०	४३	२५	३०	१८	२०	११	११
उफा	अ	ह	पूषा	पु	उषा	मृ	मू
१	२व	३	३	४	२व	३	१

१८ सितंवर से १ अक्टूबर तक, श्री प्र.आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
शुभ	१	शु	१६	१४	१२	५०	उफा	१/५४	३४/२०	६/२८	५८/०४	शु	३३	१६	१९	३९	व	१६	१४	१२	५०	३०/१७	६/२०	६/३०	२७	२९	१८	कन्या	५।००।४८।४५	५८।३५
काण	२	श	७	०१	९	०९	चित्रा	४७	२३	२५	१८	ब्र	२२	५६	१५	३१	कौ	७	०१	९	०९	१३	२१	२६	२८	१	१९	तुला. १४।४०	५।०१।४७।२०	५८।३८
क्षयः	३	श	५८	१२	२९	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
लुम्बक	४	र	५०	१०	२६	२५	स्वा	४१	०९	२२	४९	ऐ	१३	०१	११	३४	व	२४	०३	१५	५९	०९	२१	२५	२९	२	२०	तुला.	५।०२।४५।५८	५८।४०
मित्र	५	सो	४३	१९	२३	४१	विशा	३६	०१	२०	४६	वै	३/५५	५२/४५	७/२८	५५/४०	व	१६	३४	१२	५९	०५	२२	२४	३०	३	२१	वृश्चि. १५।१४	५।०३।४४।३८	५८।४२
वज्र	६	मं	३७	४९	२१	३०	अनु	३२	१५	१९	१६	प्री	४८	४६	२५	५३	कौ	१०	२२	१०	३१	०१	२२	२३	३१	४	२२	वृश्चि.	५।०४।४३।२०	५८।४४
ध्वाङ्क्ष	७	बु	३३	५४	१९	५६	ज्ये	३०	००	१८	२३	आ	४३	०४	२३	३६	ग	५	३९	८	३८	२९/५७	२३	२१	१	५	२३	धनु. १८।२३	५।०५।४२।०४	५८।४७
धूम्र	८	गु	३१	३४	१९	०१	मूल	२९	२०	१८	०७	सौ	३८	३८	२१	५०	वि	२	३१	७	२४	५३	२३	२०	२	६	२४	धनु.	५।०६।४०।५१	५८।४९
प्रवर्धमा	९	शु	३०	४६	१८	४२	पूषा	३०	११	१८	२८	शो	३५	२५	२०	३४	बा	०	५९	६	४७	४८	२४	१९	३	७	२५	मक. २४।३९	५।०७।३९।४०	५८।५१
राक्षस	१०	श	३१	२५	१८	५८	उषा	३२	२७	१९	२३	अ	३३	१९	१९	४४	तै	०	५५	६	४६	४४	२४	१८	४	८	२६	मक.	५।०८।३८।३१	५८।५४
ए.ब्र.	११	र	३३	२१	१९	४५	श्रव	३५	५६	२०	४७	सु	३२	१२	१९	१७	व	२	१४	७	१८	४०	२५	१७	५	९	२७	मक.	५।०९।३७।२५	५८।५६
शुभ	१२	सो	३६	२३	२०	५८	धनि	४०	२८	२२	३७	धृ	३१	५५	१९	११	व	४	४४	८	१९	३६	२५	१६	६	१०	२८	कुंभे ९।३९	५।१०।३६।२१	५८।५८
प्र.ब्र.	१३	मं	४०	२१	२२	३४	शत	४५	५३	२४	४७	शू	३२	२१	१९	२२	कौ	८	१५	९	४४	३२	२६	१४	७	११	२९	कुंभे	५।११।३५।१९	५९।०१
पद्म	१४	बु	४५	०३	२४	२७	पूभा	५२	०१	२७	१५	गं	३३	२३	१९	४७	ग	१२	३७	११	२९	२८	२६	१३	८	१२	३०	मीने २०।३६	५।१२।३४।२०	५९।०३
पूर्णिमा	१५	गु	५०	२४	२६	३६	उभा	५८	४४	२९	५६	वृ	३४	५३	२०	२४	वि	१७	३८	१३	३०	२४	२७	१२	९	१३	१	मीने	५।१३।३३।२२	५९।०५

केतकी अहर्गणः ३४५३ शरदृत्तू रविर्दक्षिणे, सितंबर-अक्टूबर २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
सफर २, पूषा.-४ गुरुः ७।३३
[A राहुः २६।५६, वृश्चिके ज्येष्ठा.-४ केतुः २६।५६
भ. १५।५९ उ. २६।२५ या.

सायन तुलायां भानुः १९।१०, तुलायां बुधः १६।१२, वृषे मृगे-२ A
भ. १९।५६ उ., मा. अश्विनारंभः
भ. ७।२४ या.
[B १५।३७, स्वा. बुधः २७।२९, सिंहे मघा. शुक्रः २६।४५
हस्ते रविः २४।१४, सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन अश्व वर्षाश्रेष्ठः
भ. ७।१८ उ. १९।४५ या., कमला ११ ब्र., हस्ते सौरः B
पंचक प्रारम्भः ९।३९
प्रदोषः, मार्गी शनिः २२।४३
भ. २४।२७ उ.
भ. १३।३० या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, अक्टूबर १० ता. ३१

अयनांशाः २४।०७।२९

पं.२४ प्र.आ.शु. ६ मं.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	०	५	८	३	९	२	८
०५	०२	२९	२३	२३	०१	००	००
२१	५९	२८	२४	१७	१६	०२	०२
१२	१४	२५	१९	१७	१२	४३	४३
५८	१०	७७	१	६८	०	३	३
४३	३२	०९	५०	३०	४०	११	११
उफा	अ	चि	पूषा	श्ले	उषा	मृ	मू
३	१व	२	४	२	२व	३	१

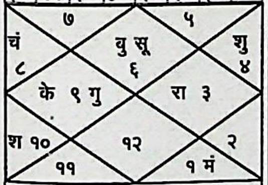

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०५।००।५५।४६	१ शु	१८	७।५०	९।२६	११।२२	१।३७	३।५७	६।१४	८।३०	१०।४९	१।०७	३।१२	४।५५	६।२४
०५।०१।५४।२२	२ श	१९	७।४६	९।२२	११।१८	१।३३	३।५३	६।१०	८।२६	१०।४५	१।०३	३।०८	४।५१	६।२०
०५।०२।५२।५९	४ र	२०	७।४२	९।१८	११।१४	१।२९	३।४९	६।०६	८।२२	१०।४१	१।००	३।०४	४।४७	६।१६
०५।०३।५१।४०	५ चं	२१	७।३८	९।१४	११।१०	१।२५	३।४५	६।०२	८।१८	१०।३७	१२।५६	३।००	४।४३	६।१२
०५।०४।५०।२२	६ मं	२२	७।३४	९।१०	११।०६	१।२१	३।४१	५।५८	८।१४	१०।३३	१२।५२	२।५६	४।३९	६।०८
०५।०५।४९।०७	७ बु	२३	७।३०	९।०६	११।०२	१।१७	३।३७	५।५४	८।१०	१०।२९	१२।४८	२।५२	४।३६	६।०४
०५।०६।४७।५३	८ गु	२४	७।२६	९।०२	१०।५९	१।१३	३।३३	५।५०	८।०६	१०।२५	१२।४४	२।४८	४।३२	६।००
०५।०७।४६।४३	९ शु	२५	७।२२	८।५८	१०।५५	१।०९	३।२९	५।४६	८।०२	१०।२१	१२।४०	२।४४	४।२८	५।५६
०५।०८।४५।३४	१० श	२६	७।१८	८।५४	१०।५१	१।०५	३।२६	५।४२	७।५८	१०।१७	१२।३६	२।४०	४।२४	५।५२
०५।०९।४४।२८	११ र	२७	७।१४	८।५१	१०।४७	१।०२	३।२२	५।३८	७।५४	१०।१३	१२।३२	२।३६	४।२०	५।४८
०५।१०।४३।२४	१२ चं	२८	७।१०	८।४७	१०।४३	१२।५८	३।१८	५।३४	७।५०	१०।०९	१२।२८	२।३३	४।१६	५।४४
०५।११।४२।२३	१३ मं	२९	७।०६	८।४३	१०।३९	१२।५४	३।१४	५।३१	७।४६	१०।०५	१२।२४	२।२९	४।१२	५।४०
०५।१२।४१।२४	१४ बु	३०	७।०२	८।३९	१०।३५	१२।५०	३।१०	५।२७	७।४२	१०।०२	१२।२०	२।२५	४।०८	५।३६
०५।१३।४०।२७	१५ गु	१	६।५९	८।३५	१०।३१	१२।४६	३।०६	५।२३	७।३८	९।५८	१२।१६	२।२१	४।०४	५।३३

मास फलम्

दो आसोज होने से पृथ्वी में सेना, चौर और रोगभय होता है। और उस वर्ष में सुभिक्ष नहीं होता है, दक्षिण दिशा में दुर्भिक्ष हो। इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। चन्द्रजीवौयदा पंच धान्यादीनांसमर्घता ॥ गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःस्व का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या पूर्वाफाल्गुनी योग समर्घता कारक है। अमावस को पूर्वाफाल्गुनी होने से मध्यम वर्षा हो। शुक्ला तृतीया का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। सुदी चौथ को रविवार होने से घी और अन्नादि भाव मंदा हो। रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।०७।३०

पं.२५ प्र.आ.शु.१३ मं.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	०	६	८	४	९	१	७
१२	०१	०७	२३	०१	०१	२९	२९
१२	३०	५५	४१	१९	१३	४०	४०
५८	२०	३६	१०	५८	३८	२७	२७
५८	१५	६४	३	६९	०	३	३
५८	१९	५५	०९	३२	०२	११	११
ह	अ	स्वा	पूषा	म	उषा	मृ	ज्ये
१	१व	१	४	१	२	२	४

२ अक्टूबर से १६ अक्टूबर तक,श्री द्वि.आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

शरदृतू रविर्दक्षिणे प्र.आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर २०२०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
श्रीवत्स	१	शु	५६	१४	२८	५७	रेव	....	....	....	....	ध्रु	३६	४७	२१	१०	वा	२३	१५	१५	४५	२९ ३०	६ २७	६ ११	१०	१४	२	मीने	५|१४|३२|२८	५९|०८	गांधी जयन्ती
धाता	२	श	....	....	....	....	रेव	५	५३	८	४९	व्या	३८	५९	२२	०३	तै	२९	१८	१८	११	१६	२८	१०	११	१५	३	मेषे ८|४९	५|१५|३१|३५	५९|१०	पंचक समाप्तिः ८|४९
आनन्द	२	र	२	२६	७	२७	अश्वि	१३	२२	११	४९	ह	४१	२१	२३	०१	ग	२	२६	७	२७	११	२८	०९	१२	१६	४	मेषे	५|१६|३०|४५	५९|१२	भ. २०|४३ उ., (व) मीने रेव. भौमः १८|०३
च.व्र.	३	सो	८	४७	१०	००	भर	२०	५७	१४	५२	व	४३	४३	२३	५८	वि	८	४७	१०	००	०७	२९	०८	१३	१७	५	वृषे २१|३७	५|१७|२९|५७	५९|१५	भ. १०|०० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०|२३
गद	४	मं	१४	५९	१२	२९	कृति	२८	२०	१७	४९	सि	४५	४८	२४	४८	वा	१४	५९	१२	२९	०३	२९	०७	१४	१८	६	वृषे	५|१८|२९|१२	५९|१७	[A मण्डूक अल्पवृष्टिः
शुभ	५	बु	२०	३८	१४	४५	रोहि	३५	०४	२०	३१	व्य	४७	१७	२५	२५	तै	२०	३८	१४	४५	२६ ५६	३०	०५	१५	१९	७	वृषे	५|१९|२८|२९	५९|१९	
मृत्यु	६	गु	२५	१२	१६	३५	मृग	४०	४१	२२	४७	व	४७	४९	२५	३८	व	२५	१२	१६	३५	५५	३०	०४	१६	२०	८	मिथु. ९|४३	५|२०|२७|४८	५९|२२	भ. १६|३५ उ. २९|१७ या.
पद्म	७	शु	२८	१५	१७	४९	आर्द्रा	४४	४५	२४	२५	प	४७	०४	२५	२०	व	२८	१५	१७	४९	५१	३१	०३	१७	२१	९	मिथु.	५|२१|२७|१०	५९|२४	पूफा. शुक्रः १२|५०
छत्र	८	श	२९	२५	१८	१७	पुन	४६	५३	२५	१७	शि	४४	४६	२४	२६	कौ	२९	२५	१८	१७	४७	३१	०२	१८	२२	१०	कर्के १९|०८	५|२२|२६|३४	५९|२६	चित्रा. रविः १३|१४ (सौरः २८|०७), सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन A
श्रीवत्स	९	र	२८	२७	१७	५५	पुष्य	४६	५६	२५	१८	सि	४०	४७	२२	५१	ग	२८	२७	१७	५५	४३	३२	०१	१९	२३	११	कर्के	५|२३|२६|००	५९|२९	भ. २९|२४ उ.
सौम्य	१०	सो	२५	२०	१६	४१	श्ले	४४	५३	२४	२९	सा	३५	०६	२०	३५	वि	२५	२०	१६	४१	३९	३२	००	२०	२४	१२	सिंहे २४|२९	५|२४|२५|२८	५९|३१	भ. १६|४१ या.
ए.व्र.	११	मं	२०	११	१४	३७	मघा	४०	५३	२२	५४	शु	२७	४८	१७	४०	वा	२०	११	१४	३७	३५	३३	५ ६	२१	२५	१३	सिंहे	५|२५|२४|५९	५९|३३	कमला ११ व्र., बुधास्तः पश्चिमायाम् २३|३२
प्र.व्र.	१२	बु	१३	१७	११	५२	पूफा	३५	१७	२०	४१	शु	१९	०७	१४	१२	तै	१३	१७	११	५२	३१	३४	५८	२२	२६	१४	कन्या २६|०२	५|२६|२४|३२	५९|३६	प्रदोषः, वक्री बुधः १२|४३
मातङ्ग	१३	गु	५	००	८	३४	उफा	२८	२९	१७	५८	व्र	९	१९	१०	१८	व	५	००	८	३४	२७	३४	५७	२३	२७	१५	कन्या	५|२७|२४|०८	५९|३८	भ. ८|३४ उ. १८|४६ या., मासिकशिवरात्री व्र.
क्षयः	१४	गु	५५	४९	२८	५४	०	०	०	०	०	ऐ	५८	४८	३०	०५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	
अमाव.	३०	शु	४६	०८	२५	०२	हस्त	२०	५६	१४	५७	वै	४७	५३	२५	४४	च	२१	००	१४	५९	२३	३५	५६	२४	२८	१६	तुला. २५|२४	५|२८|२३|४५	५९|४०	देवपितृकार्येऽमा., अधिक मास समाप्तिः

अयनांशाः २४|०७|३१

पं.२६ द्वि.आ.कृ. ४ मं.इष्टघटी ०|००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	११	६	८	४	९	१	७
१९	२९	१४	२४	०९	०१	२९	२९
०६	३२	३०	०७	२९	१५	१८	१८
२४	४८	४१	०४	३५	५७	१२	१२
५९	१८	४२	४	७०	०	३	३
१२	२१	२७	२५	२८	४४	११	११
ह	रे	स्वा	पूफा	म	उषा	मृ	ज्ये
३	४व	३	४	३	२	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टू	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५|१४|३९|३२	१ शु	२	६|५५	८|३१	१०|२७	१२|४२	३|०२	५|१९	७|३५	९|५४	१२|१२	२|१७	४|००	५|२९
०५|१५|३८|४०	२ श	३	६|५१	८|२७	१०|२३	१२|३८	२|५८	५|१५	७|३१	९|५०	१२|०८	२|१३	३|५६	५|२५
०५|१६|३७|५०	२ र	४	६|४७	८|२३	१०|१९	१२|३४	२|५४	५|११	७|२७	९|४६	१२|०४	२|०९	३|५२	५|२१
०५|१७|३७|०३	३ चं	५	६|४३	८|१९	१०|१५	१२|३०	२|५०	५|०७	७|२३	९|४२	१२|००	२|०५	३|४८	५|१७
०५|१८|३६|१८	४.मं	६	६|३९	८|१५	१०|११	१२|२६	२|४६	५|०३	७|१९	९|३८	११|५६	२|०१	३|४४	५|१३
०५|१९|३५|३५	५ बु	७	६|३५	८|११	१०|०७	१२|२२	२|४२	४|५९	७|१५	९|३४	११|५३	१|५७	३|४०	५|०९
०५|२०|३४|५४	६ गु	८	६|३१	८|०७	१०|०३	१२|१८	२|३८	४|५५	७|११	९|३०	११|४९	१|५३	३|३६	५|०५
०५|२१|३४|१६	७ शु	९	६|२७	८|०३	९|५९	१२|१४	२|३४	४|५१	७|०७	९|२६	११|४५	१|४९	३|३२	५|०१
०५|२२|३३|४१	८ श	१०	६|२३	७|५९	९|५५	१२|१०	२|३०	४|४७	७|०३	९|२२	११|४१	१|४५	३|२८	४|५७
०५|२३|३३|०७	९ र	११	६|१९	७|५५	९|५२	१२|०६	२|२६	४|४३	६|५९	९|१८	११|३७	१|४१	३|२५	४|५३
०५|२४|३२|३६	१० चं	१२	६|१५	७|५१	९|४८	१२|०२	२|२२	४|३९	६|५५	९|१४	११|३३	१|३७	३|२१	४|४९
०५|२५|३२|०७	११ मं	१३	६|११	७|४७	९|४४	११|५८	२|१८	४|३५	६|५१	९|१०	११|२९	१|३३	३|१७	४|४५
०५|२६|३१|४०	१२ बु	१४	६|०७	७|४३	९|४०	११|५४	२|१५	४|३१	६|४७	९|०६	११|२५	१|२९	३|१३	४|४१
०५|२७|३१|१६	१३ गु	१५	६|०३	७|४०	९|३६	११|५१	२|११	४|२७	६|४३	९|०२	११|२१	१|२६	३|०९	४|३७
०५|२८|३०|५४	३० शु	१६	५|५९	७|३६	९|३२	११|४७	२|०७	४|२३	६|३९	८|५८	११|१७	१|२२	३|०५	४|३३

मास फलम्

इस माह मे पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो, पांच शनिवार होने से महँगाई हो ॥ प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे ॥ शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें। अमावस्या को हस्त होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। शु. प्रतिपदा को शनिवार होने से धान्यादि भाव में मंदी हो। पूर्णिमा अश्विनी युक्त होने से शुभ फल दायिनी हैं। शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २४|०७|३२

पं.२७ द्वि.आ.कृ.११ मं.इष्टघटी ०|००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	११	६	८	४	९	१	७
२६	२७	१७	२४	१७	०१	२८	२८
०१	२०	३८	४१	४५	२३	५५	५५
३२	५५	३२	३८	२०	०९	५६	५६
५९	१९	१	५	७१	१	३	३
२६	०१	५६	३७	१७	२५	११	११
चि	रे	स्वा	पूषा	पूफा	उषा	मृ	ज्ये
१	४व	४	४	२	२	२	४

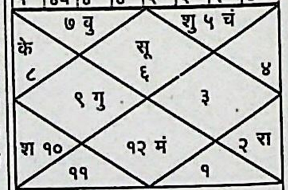

१७ अक्टूबर से ३१ अक्टूबर तक,श्री द्वि.आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	श	३६	२६	२१	१०	चित्रा	१३	१०	११	५१	वि	३६	५९	२१	२३	किं	११	१५	११	०५	२८/५९	६/३५	५/५५	२५	२९	१७	तुला.	५।२९।२३।२५	५९।४२
लुम्बक	२	र	२७	१३	१७	२९	स्वा	५/५८	३९/३२	८/३०	५९/०९	प्री	२६	२८	१७	११	बा	१	४४	७	१८	१५	३६	५४	२६	३०	१८	वृश्चि. २४।४७	६।००।२३।०८	५९।४५
मानस	३	सो	१८	५४	१४	१०	अनु	५३	१२	२७	५३	आ	१६	४२	१३	१७	ग	१८	५४	१४	१०	११	३७	५३	२७	१	१९	वृश्चि.	६।०१।२२।५२	५९।४७
मुद्गर	४	मं	११	५०	११	२१	ज्ये	४८	५९	२६	१३	सौ	७	५६	९	४७	वि	११	५०	११	२१	०७	३७	५२	२८	२	२०	धनु. २६।१३	६।०२।२२।३९	५९।४९
ध्वजा	५	बु	६	२०	९	१०	मूल	४६	२८	२५	१३	शो	०/५४	२६/२२	६/२८	४८/०३	बा	६	२०	९	१०	०३	३८	५१	२९	३	२१	धनु.	६।०३।२२।२८	५९।५१
धाता	६	गु	२	३६	७	४१	पूषा	४५	४७	२४	५७	सु	४९	४५	२६	३२	तै	२	३६	७	४१	२७/५९	३८	५०	३०	४	२२	धनु.	६।०४।२२।२०	५९।५४
दुर्गा	७	शु	०	४४	६	५७	उषा	४६	५५	२५	२५	धृ	४६	३६	२५	१८	व	०	४४	६	५७	५६	३९	४९	१	५	२३	मक. ७।००	६।०५।२२।१३	५९।५६
सुस्थिर	८	श	०	४४	६	५७	श्रव	४९	४६	२६	३४	शू	४४	५१	२४	३६	व	०	४४	६	५७	५२	४०	४८	२	६	२४	मक.	६।०६।२२।०९	५९।५८
विजया	९	र	२	२८	७	४०	धनि	५४	०८	२८	२०	गं	४४	१७	२४	२३	कौ	२	२८	७	४०	४८	४०	४७	३	७	२५	कुंभे १५।२३	६।०७।२२।०७	६०।००
अमृत	१०	सो	५	४४	८	५८	शत	५९	४४	३०	३४	वृ	४४	४५	२४	३५	ग	५	४४	८	५८	४४	४१	४७	४	८	२६	कुंभे	६।०८।२२।०७	६०।०२
ए.व्र.	११	मं	१०	१२	१०	४६	पूभा	...	...	...	...	ध्रु	४५	५८	२५	०५	वि	१०	१२	१०	४६	४०	४२	४६	५	९	२७	मीने २६।३०	६।०९।२२।०९	६०।०४
प्र.व्र.	१२	बु	१५	३४	१२	५६	पूभा	६	१२	९	११	व्या	४७	४३	२५	४७	बा	१५	३४	१२	५६	३७	४२	४५	६	१०	२८	मीने	६।१०।२२।१४	६०।०७
छत्र	१३	गु	२१	३१	१५	१९	उभा	१३	१५	१२	०१	ह	४९	४५	२६	३७	तै	२१	३१	१५	१९	३३	४३	४४	७	११	२९	मीने	६।११।२२।२०	६०।०९
श्रीवत्स	१४	शु	२७	४३	१७	४९	रेव	२०	३६	१४	५८	व	५१	५५	२७	३०	व	२७	४३	१७	४९	२९	४४	४३	८	१२	३०	मेषे १४।५८	६।१२।२२।२९	६०।११
पूर्णिमा	१५	श	३३	५९	२०	२०	अश्वि	२८	०२	१७	५७	सि	५४	०६	२८	२३	वि	०	५१	७	०५	२६	४४	४३	९	१३	३१	मेषे	६।१३।२२।४०	६०।१३

केतकी अहर्गणः ३४८२ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
नवरात्रारम्भः, घटस्था.अग्रसेन जयंती,आकाश दीपारंभः,मातामह C
चंद्रदर्शनम् (मु.४५) [C श्रा.,तुलायां रविः ६।४८ (सौरः २१।१८)
भ. २४।४१ उ., रविलावल ३ [H पु.सू.चं.वाहन महिष वर्षाश्रेष्ठः
भ. ११।२१ या., उपांग ललिता व्र., उफा. शुक्रः १७।४७
सरस्वती आवाहनं मूलभे [E शमीपूजा,पट्टाभिषेक
सरस्वती पूजनं पू.षाभे, सायन वृश्चिके भानुः २८।३८
भ. ६।५७ उ. १८।५१ या.,भद्रकाली अवतार,महाष्टमी,बलिदानं A
मन्वादि, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे, स्वा. सौरः १३।४९
पंचक प्रारम्भः १५।२३, बोद्धावतार,शस्त्रादि पूजा, विजया १०, E
भ.२१।४९ उ. [A उ.षाभे,भा.कार्तिकारंभः, स्वा.रविः २३।४४, G
भ. १०।४६ या., पापांकुशा ११ व्र., (व) चित्रा. बुधः १४।१६
प्रदोषः,कार्त्तिके द्विदलं त्यजेत् [G कन्यायां शुक्रः १२।२१,सं.स्त्री. H
[D कोजागरी व्र.,बुधोदयः पूर्वस्याम् २१।१६,उषा.-१ गुरुः १०।४२
भ. १७।४९ उ., पंचक समाप्तिः १४।५८, शरद पूर्णिमा, D
भ. ७।०५ या.,पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च,वंगीय लक्ष्मीपूजा,नवान्न भक्षण, B
[B आश्वयुजी कर्म(आश्वलायन शाखा), कार्तिक स्नान प्रा., हस्ते शुक्रः१८।४३

अयनांशाः २४।०७।३३

पं.२८ द्वि.आ.शु. ४ मं.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	११	६	८	४	९	१	७
०२	२५	१५	२५	२६	०१	२८	२८
५८	११	०४	२४	०६	३५	३३	३३
२०	३५	२५	२४	३१	१०	३९	३९
५९	१७	५४	६	७२	२	३	३
४१	१८	२९	४५	००	०६	११	११
चि	रे	स्वा	पूषा	पूफा	उषा	मृ	ज्ये
३	३व	३व	४	४	२	२	४

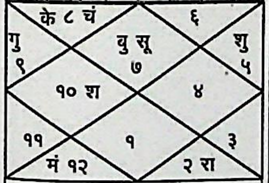

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अक्टू	मेष सायं	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला प्रातः	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०५।२९।३०।३५	१ श	१७	५।५५	७।३२	९।२८	११।४३	२।०३	४।२०	६।३५	८।५४	११।१३	१।१८	३।०१	४।२९
०६।००।३०।१७	२ र	१८	५।५१	७।२८	९।२४	११।३९	१।५९	४।१६	६।३१	८।५१	११।०९	१।१४	२।५७	४।२५
०६।०१।३०।०२	३ चं	१९	५।४८	७।२४	९।२०	११।३५	१।५५	४।१२	६।२७	८।४७	११।०५	१।१०	२।५३	४।२२
०६।०२।२९।४९	४ मं	२०	५।४४	७।२०	९।१६	११।३१	१।५१	४।०८	६।२४	८।४३	११।०१	१।०६	२।४९	४।१८
०६।०३।२९।३९	५ बु	२१	५।४०	७।१६	९।१२	११।२७	१।४७	४।०४	६।२०	८।३९	१०।५७	१।०२	२।४५	४।१४
०६।०४।२९।३०	६ गु	२२	५।३६	७।१२	९।०८	११।२३	१।४३	४।००	६।१६	८।३५	१०।५३	१२।५८	२।४१	४।१०
०६।०५।२९।२४	७ शु	२३	५।३२	७।०८	९।०४	११।१९	१।३९	३।५६	६।१२	८।३१	१०।४९	१२।५४	२।३७	४।०६
०६।०६।२९।२०	८ श	२४	५।२८	७।०४	९।००	११।१५	१।३५	३।५२	६।०८	८।२७	१०।४५	१२।५०	२।३३	४।०२
०६।०७।२९।१८	९ र	२५	५।२४	७।००	८।५६	११।११	१।३१	३।४८	६।०४	८।२३	१०।४२	१२।४६	२।२९	३।५८
०६।०८।२९।१९	१० चं	२६	५।२०	६।५६	८।५२	११।०७	१।२७	३।४४	६।००	८।१९	१०।३८	१२।४२	२।२५	३।५४
०६।०९।२९।२१	११ मं	२७	५।१६	६।५२	८।४८	११।०३	१।२३	३।४०	५।५६	८।१५	१०।३४	१२।३८	२।२१	३।५०
०६।१०।२९।२६	१२ बु	२८	५।१२	६।४८	८।४४	१०।५९	१।१९	३।३६	५।५२	८।११	१०।३०	१२।३४	२।१७	३।४६
०६।११।२९।३३	१३ गु	२९	५।०८	६।४४	८।४१	१०।५५	१।१५	३।३२	५।४८	८।०७	१०।२६	१२।३०	२।१४	३।४२
०६।१२।२९।४२	१४ शु	३०	५।०४	६।४०	८।३७	१०।५१	१।११	३।२८	५।४४	८।०३	१०।२२	१२।२६	२।१०	३।३८
०६।१३।२९।५३	१५ श	३१	५।००	६।३६	८।३३	१०।४७	१।०७	३।२४	५।४०	७।५९	१०।१८	१२।२२	२।०६	३।३४

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०२०

द्वि.आश्वि. शु. १ शनौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. ६।४८ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा पूर्वान्हे १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः किंस्तुघ्नकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं कुक्कुटवाहनं वानरोपवाहनं अपमृत्युकारक श्यामवस्त्रं वाणायुधं वंशपात्रं शर्कराभक्षणं कपूरलेपनं संकरजातिः जपापुष्पं स्वर्णभूषणं पाण्डुरवंचुकी प्रव्राजिकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः भृगौ (स्टै.) २४।४८ से शनौ १२।४८ तक । (दान- तिल गोरस) ।

अयनांशाः २४।०७।३४

पं.२९ द्वि.आ.शु.११ मं.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	११	६	८	५	९	१	७
०९	२३	०७	२६	०४	०१	२८	२८
५६	२०	०२	१४	३२	५१	११	११
४८	५०	३०	५०	३१	५४	२३	२३
५९	१३	७१	७	७२	२	३	३
५५	३२	१८	४८	३९	४६	११	११
स्वा	रे	स्वा	पूषा	उफा	उषा	मृ	ज्ये
१	३व	१व	४	३	२	२	४

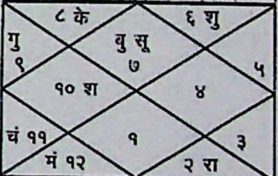

१ नवंबर से १५ नवंबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, नवंबर २०२०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
काल	१	र	४०	०९	२२	४९	भर	३५	२२	२०	५४	व्य	५६	०८	२९	१२	बा	७	०४	९	३५	३७/२२	६/४५	५/४३	१०	१४	१	वृषे २७।३७	६।१४।२२।५३	६०।१५	नवंबर ११ ता. ३०
सुस्थिर	२	सो	४६	०३	२५	११	कृति	४२	२८	२३	४५	व	५७	५६	२९	५६	तै	१३	०८	१२	०१	१८	४६	४१	११	१५	२	वृषे	६।१५।२३।०८	६०।१७	[B कुवेर पू., नेहरुजयन्ती (वालदिवस), मार्गी भौमः १९।०३
मातङ्ग	३	मं	५१	२६	२७	२१	रोहि	४९	०५	२६	२४	प	५९	१९	३०	३०	व	१८	४८	१४	१८	१५	४६	४०	१२	१६	३	वृषे	६।१६।२३।२४	६०।१९	भ. १४।१८ उ. २७।२१ या.
च.व्र.	४	बु	५६	०२	२९	१२	मृग	५४	५७	२८	४६	शि	...	...	...	...	ब	२३	५०	१६	१९	११	४७	४०	१३	१७	४	मिथु. १५।३८	६।१७।२३।४३	६०।२१	करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२३, दशरथ ललिता व्र., E
काण	५	गु	५९	३०	३०	३६	आर्द्रा	५९	४५	३०	४२	शि	०/५९	०३/५७	६/३०	४९/४७	कौ	२७	५४	१७	५८	०८	४८	३९	१४	१८	५	मिथु.	६।१८।२४।०५	६०।२३	[E मार्गी बुधः १२।४१
लुम्बक	६	शु	...	...	...	...	पुन	...	...	...	...	सा	५८	४४	३०	१८	ग	३०	४१	१९	०५	०४	४९	३८	१५	१९	६	कर्के २५।४७	६।१९।२४।२८	६०।२५	स्कन्द षष्ठी, विशा. रविः ७।५२ (सौरः २०।५६)
छत्र	६	श	१	२८	७	२५	पुन	३	०६	८	०४	शु	५६	१०	२९	१७	व	१	२८	७	२५	०१	४९	३८	१६	२०	७	कर्के	६।२०।२४।५२	६०।२७	भ. ७।२५ उ. १९।३४ या. [C वृश्चिके रविः ३०।३३
श्रीवत्स	७	र	१	४४	७	३२	पुष्य	४	४९	८	४६	शु	५२	०८	२७	४१	व	१	४४	७	३२	२६/५८	५०	३७	१७	२१	८	कर्के	६।२१।२५।१९	६०।२९	होई (अहोरी) ८
सौम्य	८	सो	०	०८	६	५४	श्ले	४	४१	८	४३	ब्र	४६	३७	२५	३०	कौ	०	०८	६	५४	५४	५१	३७	१८	२२	९	सिंहे ८।४३	६।२२।२५।४८	६०।३१	[D गोत्रिरात्र व्र., दीपदानं
क्षयः	९	सो	५६	४०	२९	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[illegible]	०	०	०	[A गोक्रीडा, मार्गपाली वंधन, आकाशदीप समाप्तिः, C
काल	१०	मं	५१	२४	२७	२५	मघा	२/५९	४३/०२	७/३०	५७/२९	ऐ	३९	३७	२२	४३	व	२४	१४	१६	३३	५१	५२	३६	१९	२३	१०	सिंहे	६।२३।२६।१९	६०।३३	भ. १६।३३ उ. २७।२५ या.
ए.व्र.	११	बु	४४	३६	२४	४३	उफा	५३	५१	२८	२५	वै	३१	२२	१९	२५	ब	१८	०९	१४	०८	४८	५२	३५	२०	२४	११	कन्या १२।०१	६।२४।२६।५१	६०।३४	रमा ११ व्र., स्वा. बुधः २३।१५, चित्रा. शुक्रः १६।३०
राक्षस	१२	गु	३६	३६	२१	३१	हस्त	४७	३२	२५	५४	वि	२२	०३	१५	४२	कौ	१०	४३	११	१०	४५	५३	३५	२१	२५	१२	कन्या	६।२५।२७।२६	६०।३६	गोवत्स द्वादशी, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं
प्र.व्र.	१३	शु	२७	४७	१८	०१	चित्रा	४०	२९	२३	०५	प्री	११	५७	११	४१	ग	२	१४	७	४८	४१	५४	३४	२२	२६	१३	तुला. १२।३१	६।२६।२८।०२	६०।३८	भ. १८।०१ उ. २८।११ या., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., D
दीपाव.	१४	श	१८	३३	१४	२०	स्वा	३३	०७	२०	१०	आ	१/५०	२६/५०	७/२७	२९/१५	श	१८	३३	१४	२०	३८	५५	३४	२३	२७	१४	तुलां.	६।२७।२८।४०	६०।४०	पितृकार्येऽमा.,रुप (नरक) १४, प्रभात स्नानं, महालक्ष्मी पूजा, B
अन्नकू.	३०	र	९	२१	१०	४०	विशा	२५	५५	१७	१७	शो	४०	२७	२३	०६	ना	९	२१	१०	४०	३५	५५	३४	२४	२८	१५	वृश्चि. १२।००	६।२८।२९।२०	६०।४१	देवकार्येऽमा., बलीपूजा, गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, A

अयनांशाः २४।०७।३५

पं.३० का.कृ. ३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	११	६	८	५	९	१	७
१६	२२	०१	२७	१३	०२	२७	२७
५६	००	४०	१२	०२	१३	४९	४९
५२	४६	०६	२०	४७	०७	०८	०८
६०	८	२	८	७३	३	३	३
०८	२८	४९	४७	१३	२४	१२	१२
स्वा	रे	चि	उषा	ह	उषा	मृ	ज्ये
४	२व	३व	१	१	२	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।१४।३०।०६	१ र	१	४।५६	६।३२	८।२९	१०।४३	१।०४	३।२०	५।३६	७।५५	१०।१४	१२।१८	२।०२	३।३०
०६।१५।३०।२१	२ चं	२	४।५२	६।२९	८।२५	१०।४०	१।००	३।१६	५।३२	७।५१	१०।१०	१२।१५	१।५८	३।२६
०६।१६।३०।३९	३ मं	३	४।४८	६।२५	८।२१	१०।३६	१२।५६	३।१२	५।२८	७।४७	१०।०६	१२।११	१।५४	३।२२
०६।१७।३०।५८	४ बु	४	४।४४	६।२१	८।१७	१०।३२	१२।५२	३।०९	५।२४	७।४४	१०।०२	१२।०७	१।५०	३।१८
०६।१८।३१।१९	५ गु	५	४।४०	६।१७	८।१३	१०।२८	१२।४८	३।०५	५।२०	७।४०	९।५८	१२।०३	१।४६	३।१४
०६।१९।३१।४२	६ शु	६	४।३७	६।१३	८।०९	१०।२४	१२।४४	३।०१	५।१६	७।३६	९।५४	११।५९	१।४२	३।११
०६।२०।३२।०८	६ श	७	४।३३	६।०९	८।०५	१०।२०	१२।४०	२।५७	५।१३	७।३२	९।५०	११।५५	१।३८	३।०७
०६।२१।३२।३५	७ र	८	४।२९	६।०५	८।०१	१०।१६	१२।३६	२।५३	५।०९	७।२८	९।४६	११।५१	१।३४	३।०३
०६।२२।३३।०४	८ चं	९	४।२५	६।०१	७।५७	१०।१२	१२।३२	२।४९	५।०५	७।२४	९।४२	११।४७	१।३०	२।५९
०६।२३।३३।३५	१० मं	१०	४।२१	५।५७	७।५३	१०।०८	१२।२८	२।४५	५।०१	७।२०	९।३८	११।४३	१।२६	२।५५
०६।२४।३४।०८	११ बु	११	४।१७	५।५३	७।४९	१०।०४	१२।२४	२।४१	४।५७	७।१६	९।३४	११।३९	१।२२	२।५१
०६।२५।३४।४२	१२ गु	१२	४।१३	५।४९	७।४५	१०।००	१२।२०	२।३७	४।५३	७।१२	९।३१	११।३५	१।१८	२।४७
०६।२६।३५।१९	१३ शु	१३	४।०९	५।४५	७।४१	९।५६	१२।१६	२।३३	४।४९	७।०८	९।२७	११।३१	१।१४	२।४३
०६।२७।३५।५७	१४ श	१४	४।०५	५।४१	७।३७	९।५२	१२।१२	२।२९	४।४५	७।०४	९।२३	११।२७	१।१०	२।३९
०६।२८।३६।३७	३० र	१५	४।०१	५।३७	७।३३	९।४८	१२।०८	२।२५	४।४१	७।००	९।१९	११।२३	१।०६	२।३५

संक्रांति फलम्

ता. १५ नवंबर २०२०

का. कृ. ३० रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ३०।३३ वारात् २ नक्षत्रात् ४ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २४।०९ से ३०।३३ तक । (दान- दीप) ।

अयनांशाः २४।०७।३६

पं.३१ का.कृ.१० मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	११	६	८	५	९	१	७
२३	२१	०४	२८	२१	०२	२७	२७
५८	१८	५४	१६	३६	३८	२६	२६
२८	१८	४४	२४	४४	३८	५२	५२
६०	२	६०	९	७३	३	३	३
२१	५०	२४	३९	४२	५९	११	११
वि	रे	चि	उषा	ह	उषा	मृ	ज्ये
२	२व	४	१	४	२	२	४

१६ नवंबर से ३० नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	सो	०	३७	७	११	अनु	१९	१८	१४	३९	अ	३०	३८	१९	११	व	०	३७	७	११	२६	६	५	२५	२९	१६	वृश्चि.	६।२९।३०।०१	६०।४३
क्षयः	२	सो	५२	४६	२८	०३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३२	५६	३३	०	०	०	०	०	०
मुद्गर	३	मं	४६	०५	२५	२३	ज्ये	१३	३९	१२	२५	सु	२१	४१	१५	३८	ते	१९	१३	१४	३८	२९	५७	३३	२६	१	१७	धनु. १२।२५	७।००।३०।४४	६०।४५
ध्वजा	४	बु	४०	५७	२३	२१	मूल	९	२२	१०	४३	धृ	१३	५४	१२	३१	व	१३	१८	१२	१७	२७	५८	३२	२७	२	१८	धनु.	७।०१।३१।२९	६०।४७
धाता	५	गु	३७	३८	२२	०२	पूषा	६	४४	९	४०	शू	७	२७	९	५७	व	९	०३	१०	३६	२४	५९	३२	२८	३	१९	मक. १५।३१	७।०२।३२।१६	६०।४८
काल	६	शु	३६	१७	२१	३०	उषा	५	५६	९	२२	गं	२/५९	३०/०९	७/३०	५९/३२	कौ	६	४१	९	४०	२१	५९	३२	२९	४	२०	मक.	७।०३।३३।०४	६०।५०
सुस्थिर	७	श	३६	५६	२१	४६	श्रव	७	०६	९	५१	ध्रु	५७	१८	२९	५५	ग	६	२०	९	३२	१८	७/००	३२	३०	५	२१	कुंभे २२।२२	७।०४।३३।५४	६०।५१
मातङ्ग	८	र	३९	३०	२२	४९	धनि	१०	११	११	०५	व्या	५६	५२	२९	४६	वि	७	५८	१०	१२	१६	०१	३१	१	६	२२	कुंभे	७।०५।३४।४५	६०।५३
अमृत	९	सो	४३	४४	२४	३१	शत	१४	५८	१३	०१	ह	५७	३६	३०	०४	वा	११	२५	११	३६	१३	०२	३१	२	७	२३	कुंभे	७।०६।३५।३८	६०।५४
काण	१०	मं	४९	१२	२६	४३	पूभा	२१	०८	१५	३०	व	५९	११	३०	४३	ते	१६	१९	१३	३४	११	०३	३१	३	८	२४	मीने ८।५०	७।०७।३६।३२	६०।५६
ए.व्र.	११	बु	५५	२८	२९	१४	उभा	२८	१४	१८	२१	सि	...	...	...	...	व	२२	१६	१५	५८	०८	०३	३१	४	९	२५	मीने	७।०८।३७।२८	६०।५७
मित्र	१२	गु	...	...	...	...	रेव	३५	४७	२१	२३	सि	१	१५	७	३४	व	२८	४२	१८	३३	०६	०४	३०	५	१०	२६	मेषे २१।२३	७।०९।३८।२५	६०।५९
प्र.व्र.	१२	शु	१	५७	७	५२	अश्वि	४३	२०	२४	२५	व्य	३	३०	८	२९	वा	१	५७	७	५२	०४	०५	३०	६	११	२७	मेषे	७।१०।३९।२३	६१।००
ध्वाङ्क्ष	१३	श	८	२०	१०	२६	भर	५०	३३	२७	१९	व	५	४०	९	२२	तै	८	२०	१०	२६	०२	०६	३०	७	१२	२८	मेषे	७।११।४०।२३	६१।०१
धूम्र	१४	र	१४	१८	१२	४९	कृति	५७	१५	३०	०१	प	७	३०	१०	०६	व	१४	१८	१२	४९	२५/५२	०६	३०	८	१३	२९	वृषे १०।०१	७।१२।४१।२५	६१।०३
पूर्णिमा	१५	सो	१९	३८	१४	५८	रोहि	...	...	...	...	शि	८	५३	१०	४०	व	१९	३८	१४	५८	५७	०७	३०	९	१४	३०	वृषे	७।१३।४२।२७	६१।०४

केतकी अहर्गणः ३५१२ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर २०२०

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), भ्रातृ २,यम २,यमुना स्नानं,कलम दवात B
[B पू.,गुर्जराणां नूतनवर्षारंभः, वृश्चिके सौरः १८।४८,तुलायां F
रविलासर ४ [G त्रिपुरोत्सव,पुष्करयात्रा [E उषा.-३ शनिः२०।५१
भ. १२।१७ उ. २३।२१ या., दूर्वागणपति व्र. [F शुक्रः २६।२७
सौभाग्य ५, पाण्डव ५, अनु. रविः १३।५३ (सौरः २५।५०), E
मकरे उषा.-२ गुरुः ११।१६ [D चतुर्मासव्रत समाप्तिः,भीष्म पंचक प्रा.
भ. २१।४६ उ., पंचक प्रारम्भः २२।२२, कल्पादि,सायन धनुषि H
भ.१०।१२ या., गोपाष्टमी, भा. मार्गशीर्षारंभः, स्वा. शुक्रः ११।५४
युगादि,कुष्माण्ड (अक्षय) ९ [H भानुः २६।१४,विशा. बुधः १८।४५
मृगे-१ राहुः २४।३५, ज्येष्ठा.-३ केतुः २४।३५
भ.१५।५८ उ. २९।१४ या., प्रबोधिनी ११ व्र.,देवोत्थापनं,तुलसी विवाह, D
पंचक समाप्तिः २१।२३,मन्वादि,हरिवासरः १४।३७ से २१।२३ तक
प्रदोषः [A गोपद्मव्रत समाप्ति,नानकजयंती,भीष्मपंचक समाप्ति, C
वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत समाप्तिः, वृश्चिके बुधः ७।१४
भ. १२।४९ उ. २५।५६ या., पूर्णिमा व्रतं, कार्तिक व्रतोद्यापनं, G
रोहि. रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ लग्न ७, मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, A
[C कार्तिक स्नान पूर्तिः, महाकार्तिकी, अनु. बुधः १०।३४, बुधास्तः पूर्वस्याम् ७।२१

अयनांशाः २४।०७।३७

पं.३२ का.शु. ३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	११	६	८	६	९	१	७
०१	२१	१३	२९	००	०३	२७	२७
०१	१५	२७	२६	१३	०८	०४	०४
२९	२३	०७	२४	५१	१०	३६	३६
६०	२	८४	१०	७४	४	३	३
३२	४५	५७	२७	०६	३२	११	११
वि	रे	स्वा	उषा	चि	उषा	मृ	ज्ये
४	२	३	१	३	२	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।२९।३७।१९	१ चं	१६	३।५७	५।३३	७।३०	९।४४	१२।०४	२।२१	४।३७	६।५६	९।१५	११।१९	१।०३	२।३१
०७।००।३८।०२	३ मं	१७	३।५३	५।२९	७।२६	९।४०	१२।००	२।१७	४।३३	६।५२	९।११	११।१५	१२।५९	२।२७
०७।०१।३८।४७	४ बु	१८	३।४९	५।२५	७।२२	९।३६	११।५६	२।१३	४।२९	६।४८	९।०७	११।११	१२।५५	२।२३
०७।०२।३९।३४	५ गु	१९	३।४५	५।२१	७।१८	९।३२	११।५३	२।०९	४।२५	६।४४	९।०३	११।०७	१२।५१	२।१९
०७।०३।४०।२२	६ शु	२०	३।४१	५।१८	७।१४	९।२९	११।४९	२।०५	४।२१	६।४०	८।५९	११।०४	१२।४७	२।१५
०७।०४।४१।१२	७ श	२१	३।३७	५।१४	७।१०	९।२५	११।४५	२।०१	४।१७	६।३६	८।५५	११।००	१२।४३	२।११
०७।०५।४२।०४	८ र	२२	३।३३	५।१०	७।०६	९।२१	११।४१	१।५८	४।१३	६।३३	८।५१	१०।५६	१२।३९	२।०७
०७।०६।४२।५७	९ चं	२३	३।२९	५।०६	७।०२	९।१७	११।३७	१।५४	४।०९	६।२९	८।४७	१०।५२	१२।३५	२।०३
०७।०७।४३।५२	१० मं	२४	३।२६	५।०२	६।५८	९।१३	११।३३	१।५०	४।०५	६।२५	८।४३	१०।४८	१२।३१	२।००
०७।०८।४४।४८	११ बु	२५	३।२२	४।५८	६।५४	९।०९	११।२९	१।४६	४।०२	६।२१	८।३९	१०।४४	१२।२७	१।५६
०७।०९।४५।४५	१२ गु	२६	३।१८	४।५४	६।५०	९।०५	११।२५	१।४२	३।५८	६।१७	८।३५	१०।४०	१२।२३	१।५२
०७।१०।४६।४४	१२ शु	२७	३।१४	४।५०	६।४६	९।०१	११।२१	१।३८	३।५४	६।१३	८।३१	१०।३६	१२।१९	१।४८
०७।११।४७।४४	१३ श	२८	३।१०	४।४६	६।४२	८।५७	११।१७	१।३४	३।५०	६।०९	८।२७	१०।३२	१२।१५	१।४४
०७।१२।४८।४५	१४ र	२९	३।०६	४।४२	६।३८	८।५३	११।१३	१।३०	३।४६	६।०५	८।२३	१०।२८	१२।११	१।४०
०७।१३।४९।४८	१५ चं	३०	३।०२	४।३८	६।३४	८।४९	११।०९	१।२६	३।४२	६।०१	८।२०	१०।२४	१२।०७	१।३६

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं, पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो ॥ एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः ॥ कृ. पंचमी को आर्द्रा होने से घास का संग्रह लाभ दे और अल्पवृष्टि से चौपायों को दुःख हो। अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो। अमावस्या विशाखा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। अमावस्या रविवारी होने से राजाओ में युद्ध हो। शुक्र सप्तमी शनिवार होने से धान्य और सफेद वस्तु के भावों में तेजी हो। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों।

अयनांशाः २४।०७।३८

पं.३३ का.शु.१० मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	११	६	९	६	९	१	७
०८	२१	२३	००	०८	०३	२६	२६
०५	५०	४८	४१	५३	४१	४२	४२
४७	३५	३५	४५	३७	२४	१९	१९
६०	७	९२	११	७४	५	३	३
४३	५७	०९	१०	२६	०२	११	११
अनु	रे	वि	उषा	स्वा	उषा	मृ	ज्ये
२	२	२	२	१	३	२	४

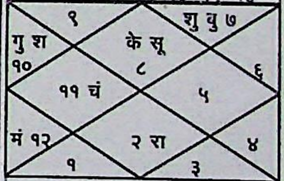

१ दिसंबर से १४ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर २०२०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मातङ्ग	१	मं	२४	१३	१६	४९	रोहि	३	१६	८	२६	सि	९	४४	११	०१	कौ	२४	१३	१६	४९	२५/५६	७/०८	५/३०	१०	१५	१	मिथु. २१।३२	७।१४।४३।३१	६१।०५	दिसंबर १२ ता. ३१
अमृत	२	बु	२७	५७	१८	२०	मृग	८	३१	१०	३३	सा	९	५७	११	०७	ग	२७	५७	१८	२०	५४	०९	३०	११	१६	२	मिथु.	७।१५।४४।३६	६१।०६	भ. ३०।५६ उ., ज्येष्ठा. रविः १८।०९ (सौरः २८।५५), विशा. B
च.व्र.	३	गु	३०	४२	१९	२६	आर्द्रा	१२	५१	१२	१८	शु	९	२७	१०	५६	वि	३०	४२	१९	२६	५२	०९	३०	१२	१७	३	मिथु.	७।१६।४५।४२	६१।०७	भ. १९।२६ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।०२, सौभाग्य सुंदरी व्र.
लुम्बक	४	शु	३२	१९	२०	०६	पुन	१६	०९	१३	३८	शु	८	०८	१०	२५	व	१	३९	७	५०	५०	१०	३०	१३	१८	४	कर्के ७।२०	७।१७।४६।४९	६१।०८	[B शुक्रः २९।३४
मित्र	५	श	३२	३८	२०	१४	पुष्य	१८	१४	१४	२९	ब्र	५	५१	९	३१	कौ	२	३८	८	१४	४९	११	३०	१४	१९	५	कर्के	७।१८।४७।५८	६१।१०	[A महाव्रतारंभः
चज्र	६	र	३१	३६	१९	५०	श्ले	१९	०१	१४	४८	ऐ	२/५८	३३/१३	८/३०	१३/२८	ग	२	१८	८	०७	४७	१२	३१	१५	२०	६	सिंहे १४।४८	७।१९।४९।०७	६१।११	भ. १९।५० उ.
ध्वाङ्क्ष	७	सो	२९	१०	१८	५२	मघा	१८	२६	१४	३५	वि	५२	४२	२८	१७	वि	०	३२	७	२५	४६	१२	३१	१६	२१	७	सिंहे	७।२०।५०।१८	६१।१२	भ. ७।२५ या., कालभैरवाष्टमी, उपा.-३ गुरुः १८।५५
धूम्र	८	मं	२५	२०	१७	२१	पूफा	१६	३०	१३	४९	प्री	४६	०९	२५	४१	कौ	२५	२०	१७	२१	४४	१३	३१	१७	२२	८	कन्या ११।३३	७।२१।५१।२९	६१।१३	ज्येष्ठा. बुधः २३।०६
प्रवर्धमा	९	बु	२०	१५	१५	२०	उफा	१३	१८	१२	३३	आ	३८	३८	२२	४१	ग	२०	१५	१५	२०	४३	१४	३१	१८	२३	९	कन्या	७।२२।५२।४२	६१।१३	भ. २६।०९ उ., हस्ते रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(२)
राक्षस	१०	गु	१४	०५	१२	५३	हस्त	८	५९	१०	५०	सौ	३०	१९	११	२२	वि	१४	०५	१२	५३	४२	१४	३१	१९	२४	१०	तुला. २१।५१	७।२३।५३।५५	६१।१४	भ. १२।५३ या., वृश्चिके शुक्रः ३०।०१
ए.व्र.	११	शु	७	०५	१०	०५	चित्रा	३	४९	८	४७	शो	२१	२१	१५	४७	वा	७	०५	१०	०५	४१	१५	३२	२०	२५	११	तुला.	७।२४।५५।१०	६१।१५	स्वातौ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न ५, उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र.
क्षयः	१२	शु	५९	३०	३१	०३	स्वा	५८	०४	३०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	
प्र.व्र.	१३	श	५१	३८	२७	५५	विशा	५२	०१	२८	०४	अ	११	५८	१२	०३	ग	२५	३४	१७	३०	४०	१६	३२	२१	२६	१२	वृश्चि. २२।४१	७।२५।५६।२५	६१।१६	भ. २७।५५ उ., प्रदोषः
मृत्यु	१४	र	४३	४९	२४	४८	अनु	४६	०२	२५	४१	सु	३/५३	३६/०२	८/२८	१५/१९	वि	१७	४०	१४	२१	३९	१६	३२	२२	२७	१३	वृश्चि.	७।२६।५७।४१	६१।१७	भ. १४।२१ या., मासिकशिवरात्री व्र., अनु. शुक्रः २२।०३
अमाव.	३०	सो	३६	२५	२१	५१	ज्ये	४०	२८	२३	२८	शू	४४	००	२४	५३	च	१०	०२	११	१८	३८	१७	३२	२३	२८	१४	धनु. २३।२८	७।२७।५८।५८	६१।१८	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., गौरीतपोव्र., A

अयनांशाः २४।०७।३९

पं.३४ मा.कृ. १ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	११	७	९	६	९	१	७
१५	२३	०४	०२	१७	०४	२६	२६
११	००	४०	०१	३५	१८	२०	२०
१४	२८	१९	५५	३०	००	०३	०३
६०	१२	९३	११	७४	५	३	३
५२	३४	५१	४८	४२	२९	११	११
अनु	रे	अनु	उषा	स्वा	उषा	मृ	ज्ये
४	२	१	२	४	३	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।१४।५०।५२	१ मं	१	२।५८	४।३४	६।३०	८।४५	११।०५	१।२२	३।३८	५।५७	८।१६	१०।२०	१२।०३	१।३२
०७।१५।५१।५७	२ बु	२	२।५४	४।३०	६।२६	८।४१	११।०१	१।१८	३।३४	५।५३	८।१२	१०।१६	११।५९	१।२८
०७।१६।५३।०४	३ गु	३	२।५०	४।२६	६।२२	८।३७	१०।५७	१।१४	३।३०	५।४९	८।०८	१०।१२	११।५५	१।२४
०७।१७।५४।११	४ शु	४	२।४६	४।२२	६।१९	८।३३	१०।५३	१।१०	३।२६	५।४५	८।०४	१०।०८	११।५२	१।२०
०७।१८।५५।२०	५ श	५	२।४२	४।१८	६।१५	८।२९	१०।४९	१।०६	३।२२	५।४१	८।००	१०।०४	११।४८	१।१६
०७।१९।५६।३०	६ र	६	२।३८	४।१४	६।११	८।२५	१०।४५	१।०२	३।१८	५।३७	७।५६	१०।००	११।४४	१।१२
०७।२०।५७।४०	७ चं	७	२।३४	४।१०	६।०७	८।२१	१०।४२	१२।५८	३।१४	५।३३	७।५२	९।५६	११।४०	१।०८
०७।२१।५८।५२	८ मं	८	२।३०	४।०७	६।०३	८।१८	१०।३८	१२।५४	३।१०	५।२९	७।४८	९।५३	११।३६	१।०४
०७।२३।००।०५	९ बु	९	२।२६	४।०३	५।५९	८।१४	१०।३४	१२।५०	३।०६	५।२५	७।४४	९।४९	११।३२	१।००
०७।२४।०१।१९	१० गु	१०	२।२२	३।५९	५।५५	८।१०	१०।३०	१२।४७	३।०२	५।२१	७।४०	९।४५	११।२८	१२।५६
०७।२५।०२।३३	११ शु	११	२।१८	३।५५	५।५१	८।०६	१०।२६	१२।४३	२।५८	५।१८	७।३६	९।४१	११।२४	१२।५२
०७।२६।०३।४९	१३ श	१२	२।१५	३।५१	५।४७	८।०२	१०।२२	१२।३९	२।५४	५।१४	७।३२	९।३७	११।२०	१२।४९
०७।२७।०५।०५	१४ र	१३	२।११	३।४७	५।४३	७।५८	१०।१८	१२।३५	२।५१	५।१०	७।२८	९।३३	११।१६	१२।४५
०७।२८।०६।२२	३० चं	१४	२।०७	३।४३	५।३९	७।५४	१०।१४	१२।३१	२।४७	५।०६	७।२४	९।२९	११।१२	१२।४१

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २०२०

मार्ग. शु. १ भौमे धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. २१।०८ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः वालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (वैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २१।०८ से २७।३२ तक। (दान- वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०७।४०

पं.३५ मा.कृ. ८ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	११	७	९	६	९	१	७
२२	२४	१५	०३	२६	०४	२५	२५
१७	४०	३७	२६	१९	५७	५७	५७
३८	४७	५३	१८	०४	३७	४७	४७
६०	५६	९३	१२	७४	५	३	३
५९	३४	५७	२२	५४	५३	११	११
ज्ये	रे	अनु	उषा	वि	उषा	मृ	ज्ये
२	३	४	३	२	३	१	३

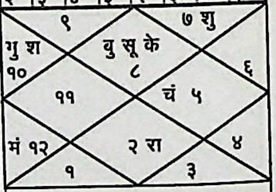

१५ दिसंबर से ३० दिसंबर तक,श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिगासू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः ३५४१ हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर २०२०

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं।
छत्र	१	मं	२९	४६	११	१२	मूल	३५	४०	२१	३४	गं	३५	३६	२१	३२	किं	२	५८	८	२९	३५/३८	७/१८	५/३३	२४	२९	१५	धनु.	७।२९।००।१५	६१।१८	धनुषि मूले रविः २१।०८ (सौरः ३०।४२)
श्रीवत्स	२	बु	२४	१३	१६	५९	पूषा	३२	०१	२०	०७	वृ	२८	०८	१८	३३	कौ	२४	१३	१६	५९	३७	१८	३३	२५	३०	१६	मक. २५।५०	८।००।०१।३३	६१।१९	चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
सौम्य	३	गु	२०	०७	१५	२२	उषा	२९	४८	१९	१४	ध्रु	२१	४९	१६	०३	ग	२०	०७	१५	२२	३७	१९	३४	२६	१	१७	मक.	८।०१।०२।५२	६१।१९	भ. २६।४८ उ., रंभास्येयं, जमादिलावल ५, धनुषि मूले C
धूम्र	४	शु	१७	४३	१४	२५	श्रव	२९	१९	११	०३	व्या	१६	५२	१४	०४	वि	१७	४३	१४	२५	३६	१९	३४	२७	२	१८	कुंभे ३१।१४	८।०२।०४।१२	६१।२०	भ. १४।२५ या., पंचक प्रारम्भः ३१।१४
प्रवर्धमा	५	श	१७	१५	१४	१४	धनि	३०	४२	१९	३७	ह	१३	२५	१२	४२	वा	१७	१५	१४	१४	३६	२०	३४	२८	३	१९	कुंभे	८।०३।०५।३२	६१।२१	नागपंचमी [C बुधः ११।१४
राक्षस	६	र	१८	४५	१४	५१	शत	३४	०१	२०	५७	व	११	२९	११	५६	तै	१८	४५	१४	५१	३६	२१	३५	२९	४	२०	कुंभे	८।०४।०६।५२	६१।२१	स्कंदषष्ठी [B उत्तरायण प्रारम्भ १५।३३
मुसल	७	सो	२२	११	१६	१३	पूभा	३९	०६	२२	५९	सि	११	०१	११	४५	व	२२	११	१६	१३	३६	२१	३५	३०	५	२१	मीने १६।२५	८।०५।०८।१३	६१।२२	भ. १६।१३ उ. २९।०९ या., सायन मकरे भानुः, सायन B
सिद्धि	८	मं	२७	१२	१८	१४	उभा	४५	३५	२५	३६	व्य	११	४८	१२	०५	व	२७	१२	१८	१४	३६	२२	३६	१	६	२२	मीने	८।०६।०९।३५	६१।२२	भा. पोषारंभः, अयन करिदिन [D उषा.-४ गुरुः ९।२६
उत्पात	९	बु	३३	२०	२०	४२	रेव	५२	५९	२८	३४	व	१३	३१	१२	४६	बा	०	०९	७	२६	३६	२२	३६	२	७	२३	मेषे २८।३४	८।०७।१०।५७	६१।२२	पंचक समाप्तिः २८।३४, कल्पादि, मेषे अश्वि. भौमः २९।४०, D
मानस	१०	गु	३९	५९	२३	२२	अश्वि	...	...	...	...	प	१५	४५	१३	४०	तै	६	३८	१०	०२	३६	२३	३७	३	८	२४	मेषे	८।०८।१२।१९	६१।२३	ज्येष्ठा. शुक्रः १३।४९, उषा.-४ शनिः १६।२८
ए.व्र.	११	शु	४६	३२	२६	००	अश्वि	०	४०	७	३९	शि	१८	०३	१४	३६	व	१३	१९	१२	४२	३७	२३	३८	४	९	२५	मेषे	८।०९।१३।४१	६१।२३	भ. १२।४२ उ. २६।०० या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती, E
ध्वाङ्क्ष	१२	श	५२	२८	२८	२२	भर	८	०६	१०	३८	सि	२०	०३	१५	२४	व	१९	३५	१५	१३	३७	२३	३८	५	१०	२६	वृषे १७।२०	८।१०।१५।०४	६१।२३	[A द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा, पूषा. सौरः ७।४२
प्र.व्र.	१३	र	५७	२५	३०	२२	कृति	१४	४९	१३	१९	सा	२१	२६	१५	५८	कौ	२५	०४	१७	२५	३८	२४	३९	६	११	२७	वृषे	८।११।१६।२७	६१।२३	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र. [E बडादिन, पूषा. बुधः २०।४५
प्रवर्धमा	१४	सो	...	...	...	...	रोहि	२०	३३	१५	३७	शु	२२	०२	१६	१३	ग	२९	२८	१९	११	३८	२४	३९	७	१२	२८	मिथु. २८।३७	८।१२।१७।५१	६१।२३	पिशाच मोचन श्राद्धं, पूषा. रविः २३।१९
राक्षस	१४	मं	१	१३	७	५४	मृग	२५	११	१७	२९	शु	२१	४५	१६	०६	व	१	१३	७	५४	३९	२४	४०	८	१३	२९	मिथु.	८।१३।१९।१४	६१।२४	भ. ७।५४ उ. २०।२९ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतं, A
पूर्णिमा	१५	बु	३	५०	८	५७	आर्द्रा	२८	३८	१८	५२	ब्र	२०	३३	१५	३८	व	३	५०	८	५७	४०	२५	४१	९	१४	३०	मिथु.	८।१४।२०।३८	६१।२४	पूर्णिमा पुण्यं

अयनांशाः २४।०७।४१

पं.३६ मा.शु. १ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	११	७	९	७	९	१	७
२९	२६	२६	०४	०५	०५	२५	२५
२४	४७	३५	५४	०३	३९	३५	३५
४९	१२	५६	२२	५२	५३	३१	३१
६१	१९	९४	१२	७५	६	३	३
०४	५७	१५	५१	०३	१४	११	११
ज्ये	रे	ज्ये	उषा	अनु	उषा	मृ	ज्ये
४	४	३	३	१	३	१	३

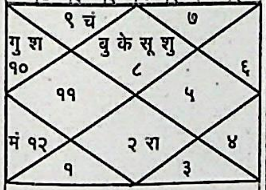

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. दिसं	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन सायं	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु प्रातः	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०७।२९।०७।३९	१ मं	१५	२।०३	३।३९	५।३५	७।५०	१०।१०	१२।२७	२।४३	५।०२	७।२०	९।२५	११।०८	१२।३७
०८।००।०८।५८	२ बु	१६	१।५९	३।३५	५।३१	७।४६	१०।०६	१२।२३	२।३९	४।५८	७।१६	९।२१	११।०४	१२।३३
०८।०१।१०।१७	३ गु	१७	१।५५	३।३१	५।२७	७।४२	१०।०२	१२।१९	२।३५	४।५४	७।१२	९।१७	११।००	१२।२९
०८।०२।११।३६	४ शु	१८	१।५१	३।२७	५।२३	७।३८	९।५८	१२।१५	२।३१	४।५०	७।०९	९।१३	१०।५६	१२।२५
०८।०३।१२।५६	५ श	१९	१।४७	३।२३	५।१९	७।३४	९।५४	१२।११	२।२७	४।४६	७।०५	९।०९	१०।५२	१२।२१
०८।०४।१४।१७	६ र	२०	१।४३	३।१९	५।१५	७।३०	९।५०	१२।०७	२।२३	४।४२	७।०१	९।०५	१०।४८	१२।१७
०८।०५।१५।३८	७ चं	२१	१।३९	३।१५	५।११	७।२६	९।४६	१२।०३	२।१९	४।३८	६।५७	९।०१	१०।४४	१२।१३
०८।०६।१७।००	८ मं	२२	१।३५	३।११	५।०८	७।२२	९।४२	११।५९	२।१५	४।३४	६।५३	८।५७	१०।४१	१२।०९
०८।०७।१८।२२	९ बु	२३	१।३१	३।०७	५।०४	७।१८	९।३८	११।५५	२।११	४।३०	६।४९	८।५३	१०।३७	१२।०५
०८।०८।१९।४४	१० गु	२४	१।२७	३।०३	५।००	७।१४	९।३४	११।५१	२।०७	४।२६	६।४५	८।४९	१०।३३	१२।०१
०८।०९।२१।०७	११ शु	२५	१।२३	२।५९	४।५६	७।१०	९।३१	११।४७	२।०३	४।२२	६।४१	८।४५	१०।२९	११।५७
०८।१०।२२।३०	१२ श	२६	१।१९	२।५६	४।५२	७।०७	९।२७	११।४३	१।५९	४।१८	६।३७	८।४२	१०।२५	११।५३
०८।११।२३।५३	१३ र	२७	१।१५	२।५२	४।४८	७।०३	९।२३	११।३९	१।५५	४।१४	६।३३	८।३८	१०।२१	११।४९
०८।१२।२५।१७	१४ चं	२८	१।११	२।४८	४।४४	६।५९	९।१९	११।३६	१।५१	४।११	६।२९	८।३४	१०।१७	११।४५
०८।१३।२६।४०	१४ मं	२९	१।०७	२।४४	४।४०	६।५५	९।१५	११।३२	१।४७	४।०७	६।२५	८।३०	१०।१३	११।४१
०८।१४।२८।०४	१५ बु	३०	१।०४	२।४०	४।३६	६।५१	९।११	११।२८	१।४३	४।०३	६।२१	८।२६	१०।०९	११।३८

अयनांशाः २४।०७।४२

पं.३७ मा.शु. ८ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	११	८	९	७	९	१	७
०६	२९	०७	०६	१३	०६	२५	२५
३२	१५	३८	२५	४९	२४	१३	१३
३२	४२	५८	३६	३२	२५	१५	१५
६१	२२	९५	१३	७५	६	३	३
०८	४८	३२	१५	०९	३१	११	११
मू	रे	मू	उषा	अनु	उषा	मृ	ज्ये
२	४	३	३	४	३	१	३

अयनांशाः २४।०७।४३

पं.३८ मा.शु.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	०	८	९	७	९	१	७
१३	०२	१८	०७	२२	०७	२४	२४
४०	०२	५३	५९	३५	१०	५०	५०
३६	४०	२६	२७	४४	५०	५९	५९
६१	२५	९७	१३	७५	६	३	३
१०	११	२७	३५	१२	४६	११	११
पूषा	अ	पूषा	उषा	ज्ये	उषा	मृ	ज्ये
१	१	२	४	२	४	१	३

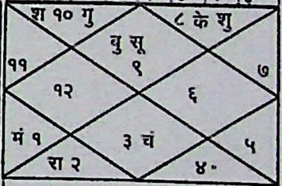

३१ दिसंबर से १३ जनवरी तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	गु	५	१३	९	३०	पुन	३०	५६	११	४७	ऐ	१८	२६	१४	४७	कौ	५	१३	९	३०	२५/४१	७/२५	५/४१	१०	१५	३१	कर्के १३।३६	८।१५।२२।०२	६१।२४
उत्पात	२	शु	५	२६	९	३६	पुष्य	३२	०७	२०	१६	वै	१५	२४	१३	३५	ग	५	२६	९	३६	४२	२५	४२	११	१६	१	कर्के	८।१६।२३।२५	६१।२४
च.व्र.	३	श	४	३३	९	१५	श्ले	३२	१५	२०	११	वि	११	३२	१२	०२	वि	४	३३	९	१५	४३	२६	४३	१२	१७	२	सिंहे २०।११	८।१७।२४।४९	६१।२४
मुद्गर	४	र	२	३६	८	२८	मघा	३१	२५	२०	००	प्री	६	५१	१०	१०	बा	२	३६	८	२८	४४	२६	४३	१३	१८	३	सिंहे	८।१८।२६।१३	६१।२४
क्षयः	५	र	५९	४५	३१	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वजा	६	सो	५६	०६	२९	५२	पूफा	२९	४५	१९	२०	आ	१/५५	३६/२७	८/२९	३१/३७	ग	२८	०२	१८	३९	४५	२६	४४	१४	१९	४	कन्या २५।०७	८।१९।२७।३६	६१।२३
धाता	७	मं	५१	४३	२८	०७	उफा	२७	२०	१८	२२	शो	४८	५२	२६	५९	वि	२३	५८	१७	०२	४७	२६	४५	१५	२०	५	कन्या	८।२०।२९।००	६१।२३
आनन्द	८	बु	४६	४७	२६	०९	हस्त	२४	१८	१७	०९	अ	४१	४८	२४	१०	बा	१९	१९	१५	१०	४८	२६	४६	१६	२१	६	तुला.२८।२८	८।२१।३०।२३	६१।२३
चर	९	गु	४१	२२	२३	५९	चित्रा	२०	४६	१५	४५	सु	३४	२३	२१	१२	तै	१४	०७	१३	०५	५०	२६	४६	१७	२२	७	तुला.	८।२२।३१।४६	६१।२३
गद	१०	शु	३५	३६	२१	४१	स्वा	१६	५१	१४	११	धृ	२६	४०	१८	०७	व	८	३१	१०	५१	५२	२७	४७	१८	२३	८	वृश्चि. ३०।५६	८।२३।३३।०९	६१।२३
ए.व्र.	११	श	२९	४०	१९	१८	विशा	१२	४१	१२	३१	शू	१८	४६	१४	५७	व	२	३९	८	३०	५३	२७	४८	१९	२४	९	वृश्चि.	८।२४।३४।३२	६१।२२
प्र.व्र.	१२	र	२३	४१	१६	५५	अनु	८	२६	१०	४९	गं	१०	५०	११	४६	तै	२३	४१	१६	५५	५५	२७	४९	२०	२५	१०	वृश्चि.	८।२५।३५।५४	६१।२२
पद्म	१३	सो	१७	५३	१४	३६	ज्ये	४	१८	९	१०	वृ	३/५९	५९/२५	८/२९	३/३६	व	१७	५३	१४	३६	५७	२७	४९	२१	२६	११	धनु. ९।१०	८।२६।३७।१६	६१।२२
छत्र	१४	मं	१२	२९	१२	२६	मूल	०/५७	३०/२०	७/३०	३९/२३	व्या	४८	१९	२६	४६	श	१२	२९	१२	२६	५९	२७	५०	२२	२७	१२	धनु.	८।२७।३८।३७	६१।२१
अमाव.	३०	बु	७	४७	१०	३३	उषा	५५	०५	२९	२९	ह	४१	५६	२४	१३	ना	७	४७	१०	३३	२६/०१	२७	५१	२३	२८	१३	मक. १२।०७	८।२८।३९।५८	६१।२१

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसं.२०२०-जन.२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

[B सौरः ८।३१

भ. २१।२९ उ., जनवरी १ ता. ३१ सन २०२१ ई.

भ. ९।१५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५४, उषा. बुधः २५।५०

धनुषि मूले शुक्रः २९।११

[A १२।५०, शनेरस्तः पश्चिमायाम् ८।१२

भ. २९।५२ उ., मकरे बुधः २६।३६

भ. १७।०२ या.

श्रव.-१ गुरुः २६।०९

भ. १०।५१ उ. २१।४१ या.

सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२, बुधोदयः पश्चिमायाम् A

प्रदोषः, उषा. रविः २५।१६, श्रव. बुधः २९।१७

भ. १४।३६ उ. २५।२९ या., मासिकशिवरात्री व्र., उषा. B

पितृकार्येऽमा., कुहूः

देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०७।४४

पं.३९ पो.कृ. ७ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	०	९	९	८	९	१	७
२०	०५	००	०९	०१	०७	२४	२४
४८	०५	११	३५	२२	५९	२८	२८
४७	०४	५१	१८	१६	००	४४	४४
६१	२७	९८	१३	७५	६	३	३
१०	१०	३२	५२	१४	५७	१२	११
पूषा	अ	उषा	उषा	मू	उषा	मृ	ज्ये
३	२	२	४	१	४	१	३

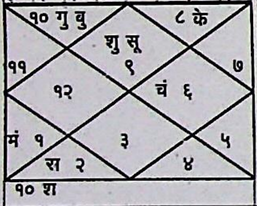

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. दिसं	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन सायं	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु प्रातः	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०८।१५।२९।२८	१ गु	३१	१।००	२।३६	४।३२	६।४७	९।०७	११।२४	१।४०	३।५९	६।१७	८।२२	१०।०५	११।३४
०८।१६।३०।५२	२ शु	१	१२।५६	२।३२	४।२८	६।४३	९।०३	११।२०	१।३६	३।५५	६।१३	८।१८	१०।०१	११।३०
०८।१७।३२।१५	३ श	२	१२।५२	२।२८	४।२४	६।३९	८।५९	११।१६	१।३२	३।५१	६।०९	८।१४	९।५७	११।२६
०८।१८।३३।३९	४ र	३	१२।४८	२।२४	४।२०	६।३५	८।५५	११।१२	१।२८	३।४७	६।०५	८।१०	९।५३	११।२२
०८।१९।३५।०३	६ चं	४	१२।४४	२।२०	४।१६	६।३१	८।५१	११।०८	१।२४	३।४३	६।०१	८।०६	९।४९	११।१८
०८।२०।३६।२६	७ मं	५	१२।४०	२।१६	४।१२	६।२७	८।४७	११।०४	१।२०	३।३९	५।५८	८।०२	९।४५	११।१४
०८।२१।३७।५०	८ बु	६	१२।३६	२।१२	४।०८	६।२३	८।४३	११।००	१।१६	३।३५	५।५४	७।५८	९।४१	११।१०
०८।२२।३९।१३	९ गु	७	१२।३२	२।०८	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५६	१।१२	३।३१	५।५०	७।५४	९।३७	११।०६
०८।२३।४०।३६	१० शु	८	१२।२८	२।०४	४।००	६।१५	८।३५	१०।५२	१।०८	३।२७	५।४६	७।५०	९।३४	११।०२
०८।२४।४१।५९	११ श	९	१२।२४	२।००	३।५७	६।११	८।३१	१०।४८	१।०४	३।२३	५।४२	७।४६	९।३०	१०।५८
०८।२५।४३।२१	१२ र	१०	१२।२०	१।५६	३।५३	६।०७	८।२७	१०।४४	१।००	३।१९	५।३८	७।४२	९।२६	१०।५४
०८।२६।४४।४३	१३ चं	११	१२।१६	१।५२	३।४९	६।०३	८।२४	१०।४०	१२।५६	३।१५	५।३४	७।३८	९।२२	१०।५०
०८।२७।४६।०४	१४ मं	१२	१२।१२	१।४८	३।४५	५।५९	८।२०	१०।३६	१२।५२	३।११	५।३०	७।३४	९।१८	१०।४६
०८।२८।४७।२६	३० बु	१३	१२।०८	१।४५	३।४१	५।५६	८।१६	१०।३२	१२।४८	३।०७	५।२६	७।३१	९।१४	१०।४२

मास फलम्

इस माह मे पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो ॥ चन्द्रजीवौयदापंच धान्यादीनांसमर्घता ॥ बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दुःस्व-स्थानत्याग और कम धान्य हो। अमावस्या उत्तराषाढा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शुक्ला ४ रविवार होने से ३ मास तक वीमारी वढे। पूर्णिमा पुष्य युक्त होने से महर्घता हो। उत्तराषाढा में बुध होने से अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे वालकों में पीड़ा हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।०७।४५

पं.४० पो.कृ.१४ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	०	९	९	८	९	१	७
२७	०८	११	११	१०	०८	२४	२४
५६	२०	४५	१२	०८	४७	०६	०६
५२	१८	४२	५६	५४	५९	२८	२८
६१	२८	९६	१४	७५	७	३	३
०८	४८	१०	०३	१४	०४	११	११
उषा	अ	श्र	श्र	मू	उषा	मृ	ज्ये
१	३	१	१	४	४	१	३

१४ जनवरी से २८ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्वजा	१	गु	४	०५	९	०४	श्रव	५४	०३	२९	०४	व	३६	२९	२२	०२	ब	४	०५	९	०४	२६ ०३	७ २७	५ ५२	२४	२९	१४	मक.	८।२९।४१।११	६१।२०
धाता	२	शु	१	४०	८	०७	धनि	५४	३०	२९	१४	सि	३२	१०	२०	१८	कौ	१	४०	८	०७	०६	२६	५३	२५	१	१५	कुंभे १७।०४	९।००।४२।३९	६१।१९
आनन्द	३	श	०	४८	७	४६	शत	५६	३८	३०	०५	व्य	२९	०९	१९	०६	ग	०	४८	७	४६	०८	२६	५४	२६	२	१६	कुंभे	९।०१।४३।५८	६१।१९
चर	४	र	१	४२	८	०७	पूभा	...	...	...	...	व	२७	३१	१८	२६	वि	१	४२	८	०७	१०	२६	५४	२७	३	१७	मीने २५।११	९।०२।४५।१७	६१।१८
मुसल	५	सो	४	२३	९	११	पूभा	०	३१	७	३८	प	२७	१५	१८	२०	बा	४	२३	९	११	१३	२६	५५	२८	४	१८	मीने	९।०३।४६।३६	६१।१८
सिद्धि	६	मं	८	४८	१०	५७	उभा	६	०१	९	५०	शि	२८	११	१८	४२	तै	८	४८	१०	५७	१५	२६	५६	२९	५	१९	मीने	९।०४।४७।५३	६१।१७
उत्पात	७	बु	१४	३५	१३	१६	रेव	१२	५१	१२	३४	सि	३०	०१	१९	२६	व	१४	३५	१३	१६	१८	२६	५७	३०	६	२०	मेषे १२।३४	९।०५।४९।१०	६१।१६
मानस	८	गु	२१	१०	१५	५३	अश्वि	२०	२७	१५	३६	सा	३२	२१	२०	२२	ब	२१	१०	१५	५३	२१	२५	५८	१	७	२१	मेषे	९।०६।५०।२६	६१।१५
मुद्गर	९	शु	२७	५१	१८	३३	भर	२८	१०	१८	४१	शु	३४	४०	२१	१७	कौ	२७	५१	१८	३३	२३	२५	५८	२	८	२२	वृषे २५।२६	९।०७।५१।४२	६१।१४
ध्वजा	१०	श	३३	५९	२१	००	कृति	३५	२२	२१	३३	शु	३६	३१	२२	०१	तै	१	०२	७	५०	२६	२५	५९	३	९	२३	वृषे	९।०८।५२।५६	६१।१४
ए.व्र.	११	र	३९	००	२३	००	रोहि	४१	२९	२४	००	ब्र	३७	३३	२२	२६	व	६	३९	१०	०४	२९	२४	६ ००	४	१०	२४	वृषे	९।०९।५४।१०	६१।१३
आनन्द	१२	सो	४२	३३	२४	२५	मृग	४६	१३	२५	५३	ऐ	३७	३०	२२	२४	व	१०	५८	११	४७	३२	२४	०१	५	११	२५	मिथु. १३।०१	९।१०।५५।२२	६१।१२
प्र.व्र.	१३	मं	४४	२८	२५	११	आर्द्रा	४९	२३	२७	०९	वै	३६	१२	२१	५२	कौ	१३	४३	१२	५३	३५	२४	०२	६	१२	२६	मिथु.	९।११।५६।३४	६१।११
गद	१४	बु	४४	४५	२५	१७	पुन	५०	५९	२७	४७	वि	३३	३९	२०	५१	ग	१४	५०	१३	१९	३८	२३	०३	७	१३	२७	कर्के २१।४१	९।१२।५७।४५	६१।१०
पूर्णिमा	१५	गु	४३	३१	२४	४७	पुष्य	५१	०७	२७	४९	प्री	२९	५४	१९	२१	वि	१४	१९	१३	०७	४१	२३	०३	८	१४	२८	कर्के	९।१३।५८।५५	६१।०९

केतकी अहर्गणः ३५७१ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), मकरे रविः ७।४७ (सौरः १४।४५), A
पंचक प्रारम्भः १७।०४, जमादिलास्सर ६, सक्रान्ति करिदिन
भ. १९।५१ उ. [A निरयन उत्तरायनारंभः, पूषा. शुक्रः २०।२४
भ. ८।०७ या., गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २३।३६
[D रविः २०।५४ (सौरः २७।२०), G
सायन कुंभे भानुः २६।०८, धनि. बुधः २१।४२
भ. १३।१६ उ. २६।३३ या., पंचक समाप्तिः १२।३४, अभि.प्र. D
शांकभरी यात्रा, मा. माघारंभः [C ९।४२, अभि.नि. रविः E
भर.भौमः ९।३५, श्रव.-१ शनिः १०।३९ [E २४।३० (सौरः ३०।३६)
नेताजी जयन्ती, श्रव. रविः २७।३२ [G श्रव.-२ गुरुः ३१।१६
भ.१०।०४ उ. २३।०० या.,पुत्रदा ११ व्र.,मन्वादि, श्रव. सौरः C
कुंभे बुधः १४।३७, उषा. शुक्रः ११।३७ [F केतुः २२।१२
प्रदोषः, गणराज्यदिवस, रोहि.-४ राहुः २२।१२, ज्येष्ठा.-२ F
भ. २५।१७ उ., मकरे शुक्रः २७।२६ [B स्नानारंभः
भ. १३।०७ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शाकंभरी जयंती, माघ B

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०७।४६

पं.४१ पौ.शु. ६ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	०	९	९	८	९	१	७
०५	११	२२	१२	१८	०९	२३	२३
०४	४६	३०	५१	५५	३७	४४	४४
३८	१२	२२	४३	३०	३९	१३	१३
६१	३०	८३	१४	७५	७	३	३
०४	१०	३१	११	१३	०८	११	११
उषा	अ	श्र	श्र	पूषा	उषा	मृ	ज्ये
३	४	४	१	२	४	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०८।२९।४८।४६	१ गु	१४	१२।०४	१।४१	३।३७	५।५२	८।१२	१०।२९	१२।४४	३।०३	५।२२	७।२७	९।१०	१०।३८
०९।००।५०।०६	२ शु	१५	१२।००	१।३७	३।३३	५।४८	८।०८	१०।२५	१२।४०	३।००	५।१८	७।२३	९।०६	१०।३४
०९।०१।५१।२६	३ श	१६	११।५७	१।३३	३।२९	५।४४	८।०४	१०।२१	१२।३६	२।५६	५।१४	७।१९	९।०२	१०।३१
०९।०२।५२।४५	४ र	१७	११।५३	१।२९	३।२५	५।४०	८।००	१०।१७	१२।३३	२।५२	५।१०	७।१५	८।५८	१०।२७
०९।०३।५४।०३	५ चं	१८	११।४९	१।२५	३।२१	५।३६	७।५६	१०।१३	१२।२९	२।४८	५।०६	७।११	८।५४	१०।२३
०९।०४।५५।२०	६ मं	१९	११।४५	१।२१	३।१७	५।३२	७।५२	१०।०९	१२।२५	२।४४	५।०२	७।०७	८।५०	१०।१९
०९।०५।५६।३७	७ बु	२०	११।४१	१।१७	३।१३	५।२८	७।४८	१०।०५	१२।२१	२।४०	४।५८	७।०३	८।४६	१०।१५
०९।०६।५७।५३	८ गु	२१	११।३७	१।१३	३।०९	५।२४	७।४४	१०।०१	१२।१७	२।३६	४।५४	६।५९	८।४२	१०।११
०९।०७।५९।०९	९ शु	२२	११।३३	१।०९	३।०५	५।२०	७।४०	९।५७	१२।१३	२।३२	४।५१	६।५५	८।३८	१०।०७
०९।०९।००।२३	१० श	२३	११।२९	१।०५	३।०१	५।१६	७।३६	९।५३	१२।०९	२।२८	४।४७	६।५१	८।३४	१०।०३
०९।१०।०१।३७	११ र	२४	११।२५	१।०१	२।५७	५।१२	७।३२	९।४९	१२।०५	२।२४	४।४३	६।४७	८।३०	९।५९
०९।११।०२।५०	१२ चं	२५	११।२१	१२।५७	२।५३	५।०८	७।२८	९।४५	१२।०१	२।२०	४।३९	६।४३	८।२६	९।५५
०९।१२।०४।०१	१३ मं	२६	११।१७	१२।५३	२।५०	५।०४	७।२४	९।४१	११।५७	२।१६	४।३५	६।३९	८।२३	९।५१
०९।१३।०५।१२	१४ बु	२७	११।१३	१२।४९	२।४६	५।००	७।२०	९।३७	११।५३	२।१२	४।३१	६।३५	८।१९	९।४७
०९।१४।०६।२२	१५ गु	२८	११।०९	१२।४५	२।४२	४।५६	७।१६	९।३३	११।४९	२।०८	४।२७	६।३१	८।१५	९।४३

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०२१

पौष शु. १ गुरौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ७।४७ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ७।४७ से २३।४७ तक। (दान- काष्ट - अन्न)।

अयनांशाः २४।०७।४७

पं.४२ पौ.शु.१३ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	०	१०	९	८	९	१	७
१२	१५	००	१४	२७	१०	२३	२३
११	२०	३५	३१	४१	२७	२१	२१
५१	५६	५१	१२	५९	३६	५८	५८
६०	३१	४२	१४	७५	७	३	३
५९	१९	५१	१५	१२	०८	११	११
श्र	भ	ध	श्र	उषा	श्र	मृ	ज्ये
१	१	३	२	१	१	१	३

२९ जनवरी से ११ फरवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	१	शु	४०	५७	२३	४५	श्ले	४९	५८	२७	२२	आ	२५	०५	१७	२५	वा	१२	२३	१२	२०	२६/४४	७/२२	६/०४	९	१५	२९	सिंहे २७।२२	९।१५।००।०४	६१।०८
पद्म	२	श	३७	१७	२२	१७	मघा	४७	४९	२६	३०	सौ	१९	२१	१५	०६	तै	९	१५	११	०४	४८	२२	०५	१०	१६	३०	सिंहे	९।१६।०१।११	६१।०७
च.व्र.	३	र	३२	५०	२०	२९	पूफा	४४	५५	२५	२०	शो	१२	५४	१२	३१	व	५	१०	९	२५	५१	२१	०६	११	१७	३१	कन्या ३१।००	९।१७।०२।१८	६१।०५
श्रीवत्स	४	सो	२७	५१	१८	२९	उफा	४१	३४	२३	५९	अ	५/५८	५८/५३	९/३०	४४/५०	व	०	२४	७	३०	५४	२१	०७	१२	१८	१	कन्या	९।१८।०३।२३	६१।०४
सौम्य	५	मं	२२	३६	१६	२३	हस्त	३८	०१	२२	३३	धृ	५१	२२	२७	५३	तै	२२	३६	१६	२३	५८	२०	०७	१३	१९	२	कन्या	९।१९।०४।२८	६१।०३
काल	६	बु	१७	१७	१४	१५	चित्रा	३४	२७	२१	०७	शू	४४	०४	२४	५७	व	१७	१७	१४	१५	२७/०१	२०	०८	१४	२०	३	तुला. ९।४९	९।२०।०५।३१	६१।०२
सुस्थिर	७	गु	१२	०५	१२	०९	स्वा	३१	०१	१९	४४	गं	३६	५२	२२	०४	व	१२	०५	१२	०९	०४	१९	०९	१५	२१	४	तुला.	९।२१।०६।३२	६१।००
मातङ्ग	८	शु	७	०४	१०	०८	विशा	२७	५०	१८	२७	वृ	२९	५३	१९	१६	कौ	७	०४	१०	०८	०८	१९	१०	१६	२२	५	वृश्चि. १२।४५	९।२२।०७।३३	६०।५९
अमृत	९	श	२	२१	८	१४	अनु	२४	५६	१७	१६	ध्रु	२३	०८	१६	३३	ग	२	२१	८	१४	११	१८	११	१७	२३	६	वृश्चि.	९।२३।०८।३२	६०।५८
क्षयः	१०	श	५७	५५	३०	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	११	र	५३	५२	२८	५०	ज्ये	२२	२१	१६	१४	व्या	१६	३९	१३	५७	व	२५	५१	१७	३८	१५	१७	११	१८	२४	७	धनु. १६।१४	९।२४।०९।३०	६०।५६
ए.व्र.	१२	सो	५०	१४	२७	२२	मूल	२०	०९	१५	२०	ह	१०	२७	११	२८	कौ	२२	००	१६	०५	१९	१७	१२	१९	२५	८	धनु.	९।२५।१०।२६	६०।५५
प्र.व्र.	१३	मं	४७	१०	२६	०८	पूषा	१८	२६	१४	३८	व	४/५९	३९/१६	९/३०	०७/५९	ग	१८	३९	१४	४३	२२	१६	१३	२०	२६	९	मक. २०।३०	९।२६।११।२१	६०।५४
वज्र	१४	बु	४४	५०	२५	११	उषा	१७	२०	१४	११	व्य	५४	३४	२९	०५	वि	१५	५५	१३	३७	२६	१५	१४	२१	२७	१०	मक.	९।२७।१२।१५	६०।५२
अमाव.	३०	गु	४३	२६	२४	३७	श्रव	१७	०४	१४	०४	व	५०	३५	२७	२८	च	१४	०२	१२	५१	३०	१५	१४	२२	२८	११	कुंभे २६।०९	९।२८।१३।०७	६०।५१

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी-फरवरी २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A सौभाग्य सुन्दरी व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी, D
[D वक्री बुधः ९।३९
भ. ९।२५ उ. २०।२९ या., तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २०।५०, A
फरवरी २ ता. २८
[C गुरुः ८।२२, श्रव. शुक्रः २६।५६
भ. १४।१५ उ. २५।११ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् १५।४०
स्वामी विवेकानन्द जयंती, (व) मकरे बुधः २५।१३, श्रव.-३ C
धनि. रविः ३०।३९ [E (व) श्रव. बुधः २२।३७
भ. १९।२० उ. ३०।२८ या., धनि. सौरः ११।४९
[B पंचक प्रारम्भः २६।०९, युगादि
षट्तिला ११ व्र.स्मार्त
षट्तिला ११ व्र.वैष्ण., तिल द्वादशी
भ. २६।०८ उ., प्रदोषः
भ. १३।३७ या., मासिकशिवरात्री व्र., E
देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ११।३८ B

शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०७।४८

पं.४३ मा.कृ. ५ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	०	१०	९	९	९	१	७
१९	१९	०१	१६	०६	११	२२	२२
१८	०३	५६	१०	२८	१७	५९	५९
२१	०२	३३	५४	१५	२६	४३	४३
६०	३२	३३	१४	७५	७	३	३
५१	१५	२१	१४	१०	०५	११	११
श्र	भ	ध	श्र	उषा	श्र	रो	ज्ये
३	२	३व	२	३	१	४	२

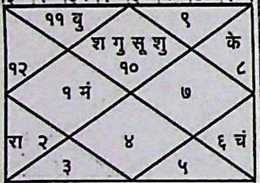

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जन.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायँ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर प्रातः	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०९।१५।०७।३१	१ शु	२९	११।०५	१२।४१	२।३८	४।५२	७।१३	९।२९	११।४५	२।०४	४।२३	६।२७	८।११	९।३९
०९।१६।०८।३८	२ श	३०	११।०१	१२।३८	२।३४	४।४९	७।०९	९।२५	११।४१	२।००	४।१९	६।२४	८।०७	९।३५
०९।१७।०९।४५	३ र	३१	१०।५७	१२।३४	२।३०	४।४५	७।०५	९।२२	११।३७	१।५६	४।१५	६।२०	८।०३	९।३१
०९।१८।१०।५०	४ चं	१	१०।५३	१२।३०	२।२६	४।४१	७।०१	९।१८	११।३३	१।५३	४।११	६।१६	७।५९	९।२७
०९।१९।११।५४	५ मं	२	१०।५०	१२।२६	२।२२	४।३७	६।५७	९।१४	११।२९	१।४९	४।०७	६।१२	७।५५	९।२३
०९।२०।१२।५७	६ बु	३	१०।४६	१२।२२	२।१८	४।३३	६।५३	९।१०	११।२६	१।४५	४।०३	६।०८	७।५१	९।२०
०९।२१।१३।५९	७ गु	४	१०।४२	१२।१८	२।१४	४।२९	६।४९	९।०६	११।२२	१।४१	३।५९	६।०४	७।४७	९।१६
०९।२२।१४।५९	८ शु	५	१०।३८	१२।१४	२।१०	४।२५	६।४५	९।०२	११।१८	१।३७	३।५५	६।००	७।४३	९।१२
०९।२३।१५।५९	९ श	६	१०।३४	१२।१०	२।०६	४।२१	६।४१	८।५८	११।१४	१।३३	३।५१	५।५६	७।३९	९।०८
०९।२४।१६।५६	११ र	७	१०।३०	१२।०६	२।०२	४।१७	६।३७	८।५४	११।१०	१।२९	३।४७	५।५२	७।३५	९।०४
०९।२५।१७।५३	१२ चं	८	१०।२६	१२।०२	१।५८	४।१३	६।३३	८।५०	११।०६	१।२५	३।४४	५।४८	७।३१	९।००
०९।२६।१८।४८	१३ मं	९	१०।२२	११।५८	१।५४	४।०९	६।२९	८।४६	११।०२	१।२१	३।४०	५।४४	७।२७	८।५६
०९।२७।१९।४१	१४ बु	१०	१०।१८	११।५४	१।५०	४।०५	६।२५	८।४२	१०।५८	१।१७	३।३६	५।४०	७।२३	८।५२
०९।२८।२०।३३	३० गु	११	१०।१४	११।५०	१।४६	४।०१	६।२१	८।३८	१०।५४	१।१३	३।३२	५।३६	७।१९	८।४८

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो, पाँच शनिवार होने से महँगाई हो ॥ प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे ॥ कृष्णा दशमी का क्षय होने से घी की विशेष महँगाई हों। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हो दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या श्रवण योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शुक्ला प्रतिपदा को गुरुवार शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो। शुक्लाष्टमी को कृत्तिका न होने से फागुण में रोली लगे और श्रावण में सूखा रहे। पूर्णिमा मघा युक्त होने से समर्घता हो। प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २४।०७।४९

पं.४४ मा.कृ.१३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	०	९	९	९	९	१	७
२६	२२	२५	१७	१५	१२	२२	२२
२३	५१	१७	५०	१४	०६	३७	३७
५५	१४	०१	२४	१५	४६	२८	२८
६०	३३	७२	१४	७५	६	३	३
४३	०२	०६	१०	०७	५९	११	११
ध	भ	ध	श्र	श्र	श्र	रो	ज्ये
१	३	१व	३	२	१	४	२

१२ फरवरी से २७ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, क्रिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धाता	१	शु	४३	११	२४	३०	धनि	१७	४९	१४	२१	प	४७	३२	२६	१५	किं	१३	१०	१२	३०	२७ ३३	७ १४	६ १५	२३	२९	१२	कुंभे	९।२९।१३।५८	६०।४९
आनन्द	२	श	४४	१८	२४	५६	शत	१९	४८	१५	०८	शि	४५	३३	२५	२६	बा	१३	३५	१२	३९	३७	१३	१६	२४	३०	१३	कुंभे	१०।००।१४।४७	६०।४७
चर	३	र	४६	५४	२५	५८	पूभा	२३	११	१६	२९	सि	४४	४२	२५	०५	तै	१५	२४	१३	२२	४१	१२	१७	२५	१	१४	मीने १०।०५	१०।०१।१५।३४	६०।४६
गद	४	सो	५०	५९	२७	३५	उभा	२८	०१	१८	२४	सा	४५	००	२५	११	व	१८	४७	१४	४२	४५	११	१७	२६	२	१५	मीने	१०।०२।१६।२०	६०।४४
वसंत	५	मं	५६	२५	२९	४५	रेव	३४	१३	२०	५२	शु	४६	१८	२५	४२	व	२३	३४	१६	३६	४९	११	१८	२७	३	१६	मेषे २०।५२	१०।०३।१७।०५	६०।४३
मृत्यु	६	बु	...	...	...	...	अश्वि	४१	२८	२३	४५	शु	४८	२५	२६	३२	कौ	२९	३२	१८	५९	५२	१०	१९	२८	४	१७	मेषे	१०।०४।१७।४७	६०।४१
पद्म	६	गु	२	५१	८	१७	भर	४९	१७	२६	५२	ब्र	५०	५४	२७	३०	तै	२	५१	८	१७	५६	०९	१९	२९	५	१८	मेषे	१०।०५।१८।२८	६०।३९
छत्र	७	शु	९	३८	१०	५९	कृति	५७	००	२९	५६	ऐ	५३	१९	२८	२७	व	९	३८	१०	५९	२८ ००	०८	२०	३०	६	१९	वृषे ९।३९	१०।०६।१९।०८	६०।३८
श्रीवत्स	८	श	१६	०६	१३	३३	रोहि	...	...	...	...	वै	५५	१०	२९	११	व	१६	०६	१३	३३	०४	०७	२१	१	७	२०	वृषे	१०।०७।१९।४५	६०।३६
धाता	९	र	२१	३४	१५	४४	रोहि	४	००	८	४२	वि	५६	००	२९	३०	कौ	२१	३४	१५	४४	०८	०६	२१	२	८	२१	मिथु. २१।५४	१०।०८।२०।२१	६०।३४
आनन्द	१०	सो	२५	३१	१७	१८	मृग	९	३७	१०	५६	प्री	५५	३२	२९	१८	ग	२५	३१	१७	१८	१२	०५	२२	३	९	२२	मिथु.	१०।०९।२०।५५	६०।३२
ए.ब्र.	११	मं	२७	३३	१८	०६	आर्द्रा	१३	३०	१२	२८	आ	५३	३२	२८	२९	वि	२७	३३	१८	०६	१६	०४	२३	४	१०	२३	मिथु.	१०।१०।२१।२७	६०।३०
प्र.ब्र.	१२	बु	२७	३५	१८	०६	पुन	१५	२७	१३	१४	सौ	५०	०१	२७	०४	वा	२७	३५	१८	०६	२०	०३	२३	५	११	२४	कर्के ७।०७	१०।११।२१।५८	६०।२९
शुभ	१३	गु	२५	४१	१७	१९	पुष्य	१५	३०	१३	१५	शो	४५	०१	२५	०३	तै	२५	४१	१७	१९	२४	०२	२४	६	१२	२५	कर्के	१०।१२।२२।२६	६०।२७
मृत्यु	१४	शु	२२	०२	१५	५०	श्ले	१३	४९	१२	३३	अ	३८	४३	२२	३१	व	२२	०२	१५	५०	२८	०१	२५	७	१३	२६	सिंहे १२।३३	१०।१३।२२।५३	६०।२५
पूर्णिमा	१५	श	१६	५९	१३	४८	मघा	१०	४०	११	१७	सु	३१	२२	१९	३३	ब	१६	५९	१३	४८	३२	०१	२५	८	१४	२७	सिंहे	१०।१४।२३।१८	६०।२३

केतकी अहर्गणः ३६०० शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे, फरवरी २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
श्री वल्लभ जयंती, कुंभे रविः २०।४१ (सौरः २५।२३)
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [D बुधोदयः पूर्वस्याम् १६।४७, शनेरुदयः E
रज्जव ७, गुरोरुदयः पूर्वस्याम् २६।२६. D
भ.१४।४२ उ. २७।३५ या., वरद (कुंद) ४, A
पंचक समाप्तिः २०।५२, वसन्त पञ्चमी
[A तिल चतुर्थी, कृत्ति. भौमः २७।५७, धनि. शुक्रः १८।२५
सायन मीने भानुः १६।०९, श्रव.-४ गुरुः ११।५२
भ. १०।५९ उ. २४।१८ या., मन्वादि, भीष्माष्टमी, पुत्र ७, रथ B
भा. फाल्गुनारंभः, कुंभे शुक्रः २६।१६
वृषे भौमः २५।३४, नार्गी बुधः १९।२९
भ. २९।४८ उ. [B ७, अचला ७, शत. रविः ११।०७ C
भ. १८।०६ या., जया ११ व्र.
प्रदोषः, भीष्मद्वादशी [C (सौरः १५।२४), श्रव.-२ शनिः २२।५३
कल्पादि [E पूर्वस्याम् २४।४१
भ. १५।५० उ. २६।५३ या., शत. शुक्रः १०।१०
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०७।५०

पं.४५ मा.शु. ५ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	०	९	९	९	९	१	७
०३	२६	१८	१९	२३	१२	२२	२२
२८	४४	२०	२९	५९	५५	१५	१५
२४	३१	२७	१३	५५	१२	१३	१३
६०	३३	३३	१४	७५	६	३	३
३३	४१	५३	०२	०४	४९	११	११
ध	कृ	श्र	श्र	ध	श्र	रो	ज्ये
४	१	३व	३	१	१	४	२

१० शु

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
०९।२९।२१।२४	१ शु	१२	१०।१०	११।४६	१।४३	३।५७	६।१७	८।३४	१०।५०	१।०९	३।२८	५।३२	७।१६	८।४४
१०।००।२२।१३	२ श	१३	१०।०६	११।४२	१।३९	३।५३	६।१३	८।३०	१०।४६	१।०५	३।२४	५।२८	७।१२	८।४०
१०।०१।२३।००	३ र	१४	१०।०२	११।३८	१।३५	३।४९	६।१०	८।२६	१०।४२	१।०१	३।२०	५।२४	७।०८	८।३६
१०।०२।२३।४६	४ चं	१५	९।५८	११।३४	१।३१	३।४५	६।०६	८।२२	१०।३८	१२।५७	३।१६	५।२०	७।०४	८।३२
१०।०३।२४।३०	५ मं	१६	९।५४	११।३१	१।२७	३।४२	६।०२	८।१८	१०।३४	१२।५३	३।१२	५।१७	७।००	८।२८
१०।०४।२५।१३	६ बु	१७	९।५०	११।२७	१।२३	३।३८	५।५८	८।१५	१०।३०	१२।४९	३।०८	५।१३	६।५६	८।२४
१०।०५।२५।५३	६ गु	१८	९।४६	११।२३	१।१९	३।३४	५।५४	८।११	१०।२६	१२।४६	३।०४	५।०९	६।५२	८।२०
१०।०६।२६।३३	७ शु	१९	९।४३	११।१९	१।१५	३।३०	५।५०	८।०७	१०।२२	१२।४२	३।००	५।०५	६।४८	८।१७
१०।०७।२७।१०	८ श	२०	९।३९	११।१५	१।११	३।२६	५।४६	८।०३	१०।१९	१२।३८	२।५६	५।०१	६।४४	८।१३
१०।०८।२७।४६	९ र	२१	९।३५	११।११	१।०७	३।२२	५।४२	७।५९	१०।१५	१२।३४	२।५२	४।५७	६।४०	८।०९
१०।०९।२८।१९	१० चं	२२	९।३१	११।०७	१।०३	३।१८	५।३८	७।५५	१०।११	१२।३०	२।४८	४।५३	६।३६	८।०५
१०।१०।२८।५२	११ मं	२३	९।२७	११।०३	१२।५९	३।१४	५।३४	७।५१	१०।०७	१२।२६	२।४४	४।४९	६।३२	८।०१
१०।११।२९।२२	१२ बु	२४	९।२३	१०।५९	१२।५५	३।१०	५।३०	७।४७	१०।०३	१२।२२	२।४०	४।४५	६।२८	७।५७
१०।१२।२९।५०	१३ गु	२५	९।१९	१०।५५	१२।५१	३।०६	५।२६	७।४३	९।५९	१२।१८	२।३७	४।४१	६।२४	७।५३
१०।१३।३०।१७	१४ शु	२६	९।१५	१०।५१	१२।४७	३।०२	५।२२	७।३९	९।५५	१२।१४	२।३३	४।३७	६।२०	७।४९
१०।१४।३०।४१	१५ श	२७	९।११	१०।४७	१२।४३	२।५८	५।१८	७।३५	९।५१	१२।१०	२।२९	४।३३	६।१६	७।४५

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २०२१

माघ शु. १ भृगौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २०।४१ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं देवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १४।१७ से २०।४१ तक। (दान- गोड़ - अन्न)।

अयनांशाः २४।०७।५१

पं.४६ मा.शु.११ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१	९	९	१०	९	१	७
१०	००	१७	२१	०२	१३	२१	२१
३१	४२	००	०६	४५	४२	५२	५२
३९	००	५३	५४	११	२१	५८	५८
६०	३४	१६	१३	७५	६	३	३
२१	१४	१०	४९	००	३६	१०	१०
श	कृ	श्र	श्र	ध	श्र	रो	ज्ये
२	२	३	४	३	२	४	२

१० श

२८ फरवरी से १३ मार्च तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमासू. सू. तारीख																												स्टै.	प्रातः	दैनिक	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी-मार्च २०२१
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
छत्र	१	र	१०	५२	११	२०	पूफा	६	२६	९	३४	धृ	२३	१५	१६	१७	कौ	१०	५२	११	२०	३८/३६	७/००	६/२६	९	१५	२८	कन्या १५।०५	१०।१५।२३।४१	६०।२१	[B बुधः ११।३५
श्रीवत्स	२	सो	४	०६	८	३७	उफा	१	३२	७	३५	शू	१४	४१	१२	५१	ग	४	०६	८	३७	४०	६	२७	१०	१६	१	कन्या	१०।१६।२४।०१	६०।१९	भ. १९।१२ उ. २९।४७ या., मार्च ३ ता. ३१
क्षयः	३	सो	५७	०२	२९	४७	हस्त	५६	१८	२९	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५९	०	०	०	०	० ०	०	०	
च.व्र.	४	मं	५०	०६	२७	००	चित्रा	५१	१३	२७	२७	गं	५/५७	५८/२०	९/२१	२९/५४	ब	२३	३३	१६	२३	४४	५७	२७	११	१७	२	तुला. १६।२७	१०।१७।२४।२०	६०।१७	अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४९
धूम्र	५	बु	४३	३४	२४	२२	स्वा	४६	३२	२५	३३	ध्रु	४९	०७	२६	३५	कौ	१६	४७	१३	३९	४९	५६	२८	१२	१८	३	तुला.	१०।१८।२४।३७	६०।१५	[C गुरुः २४।३३
प्रवर्धमा	६	गु	३७	४०	२२	००	विशा	४२	२९	२३	५५	व्या	४१	२५	२३	२९	ग	१०	३३	११	०९	५३	५५	२९	१३	१९	४	वृश्चि. १८।१८	१०।१९।२४।५२	६०।१३	भ. २२।०० उ., पूभा. रविः १७।२३ (सौरः २०।५५), धनि.-१ C
राक्षस	७	शु	३२	३३	१९	५५	अनु	३९	१३	२२	३६	ह	३४	२१	२०	३९	वि	५	०१	८	५५	५७	५४	२९	१४	२०	५	वृश्चि.	१०।२०।२५।०५	६०।११	भ. ८।५५ या., धनि. बुधः ७।०७
मुसल	८	श	२८	१६	१८	१२	ज्ये	३६	४७	२१	३६	व	२७	५८	१८	०५	वा	०	१९	७	०१	२९/०१	५३	३०	१५	२१	६	धनु. २१।३६	१०।२१।२५।१६	६०।०९	
सिद्धि	९	र	२४	५०	१६	४८	मूल	३५	१२	२०	५७	सि	२२	१६	१५	४७	ग	२४	५०	१६	४८	०५	५२	३०	१६	२२	७	धनु.	१०।२२।२५।२५	६०।०७	भ. २८।१५ उ., रामदास ९
उत्पात	१०	सो	२२	१६	१५	४६	पूषा	३४	२७	२०	३८	व्य	१७	१६	१३	४५	वि	२२	१६	१५	४६	०९	५१	३१	१७	२३	८	मक. २६।३६	१०।२३।२५।३२	६०।०५	भ. १५।४६ या., पूभा. शुक्रः २६।१७
ए.व्र.	११	मं	२०	३२	१५	०३	उषा	३४	३२	२०	३९	व	१२	५६	१२	००	बा	२०	३२	१५	०३	१३	५०	३१	१८	२४	९	मक.	१०।२४।२५।३७	६०।०३	विजया ११ व्र.
प्र.व्र.	१२	बु	१९	४०	१४	४१	श्रव	३५	२९	२१	००	प	९	१५	१०	३१	तै	१९	४०	१४	४१	१८	४९	३२	१९	२५	१०	मक.	१०।२५।२५।३९	६०।००	प्रदोषः
शिवरा.	१३	गु	१९	४२	१४	४१	धनि	३७	१८	२१	४३	शि	६	१८	९	१९	व	१९	४२	१४	४१	२२	४८	३३	२०	२६	११	कुंभे ९।१९	१०।२६।२५।४०	५९।५८	भ. १४।४१ उ. २६।५० या., महाशिवरात्री व्रतम्, A
सौम्य	१४	शु	२०	४३	१५	०४	शत	४०	०६	२२	४९	सि	४	०५	८	२५	श	२०	४३	१५	०४	२६	४७	३३	२१	२७	१२	कुंभे	१०।२७।२५।३८	५९।५६	[A पंचक प्रारम्भः ९।१९, रोहि. भौमः ८।५१, कुंभे B
अमाव.	३०	श	२२	४६	१५	५२	पूभा	४३	५५	२४	२०	सा	२	३९	७	४९	ना	२२	४६	१५	५२	३०	४६	३४	२२	२८	१३	मीने १७।५५	१०।२८।२५।३४	५९।५४	देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०७।५२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.४७ फा.कृ. ४ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१	९	९	१०	९	१	७
१७	०४	२०	२२	११	१४	२१	२१
३३	४२	४२	४२	२९	२७	३०	३०
३१	५९	३५	५९	५९	५०	४४	४४
६०	३४	४९	१३	७४	६	३	३
०९	४०	०१	३४	५६	२१	११	११
श	कृ	श्र	श्र	श	श्र	रो	ज्ये
४	३	४	४	२	२	४	२

१० श

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।१५।३१।०४	१ र	२८	९।०७	१०।४३	१२।३९	२।५४	५।१४	७।३१	९।४७	१२।०६	२।२५	४।२९	६।१३	७।४१
१०।१६।३१।२५	२ चं	१	९।०३	१०।३९	१२।३६	२।५०	५।१०	७।२७	९।४३	१२।०२	२।२१	४।२५	६।०९	७।३७
१०।१७।३१।४४	४ मं	२	८।५९	१०।३५	१२।३२	२।४६	५।०६	७।२३	९।३९	११।५८	२।१७	४।२१	६।०५	७।३३
१०।१८।३२।००	५ बु	३	८।५५	१०।३१	१२।२८	२।४२	५।०३	७।१९	९।३५	११।५४	२।१३	४।१७	६।०१	७।२९
१०।१९।३२।१५	६ गु	४	८।५१	१०।२८	१२।२४	२।३९	४।५९	७।१५	९।३१	११।५०	२।०९	४।१४	५।५७	७।२५
१०।२०।३२।२८	७ शु	५	८।४७	१०।२४	१२।२०	२।३५	४।५५	७।११	९।२७	११।४६	२।०५	४।१०	५।५३	७।२१
१०।२१।३२।३९	८ श	६	८।४३	१०।२०	१२।१६	२।३१	४।५१	७।०८	९।२३	११।४३	२।०१	४।०६	५।४९	७।१७
१०।२२।३२।४७	९ र	७	८।३९	१०।१६	१२।१२	२।२७	४।४७	७।०४	९।१९	११।३९	१।५७	४।०२	५।४५	७।१३
१०।२३।३२।५४	१० चं	८	८।३६	१०।१२	१२।०८	२।२३	४।४३	७।००	९।१६	११।३५	१।५३	३।५८	५।४१	७।१०
१०।२४।३२।५८	११ मं	९	८।३२	१०।०८	१२।०४	२।१९	४।३९	६।५६	९।१२	११।३१	१।४९	३।५४	५।३७	७।०६
१०।२५।३३।०१	१२ बु	१०	८।२८	१०।०४	१२।००	२।१५	४।३५	६।५२	९।०८	११।२७	१।४५	३।५०	५।३३	७।०२
१०।२६।३३।०१	१३ गु	११	८।२४	१०।००	११।५६	२।११	४।३१	६।४८	९।०४	११।२३	१।४१	३।४६	५।२९	६।५८
१०।२७।३२।५९	१४ शु	१२	८।२०	९।५६	११।५२	२।०७	४।२७	६।४४	९।००	११।१९	१।३७	३।४२	५।२५	६।५४
१०।२८।३२।५५	३० श	१३	८।१६	९।५२	११।४८	२।०३	४।२३	६।४०	८।५६	११।१५	१।३३	३।३८	५।२१	६।५०

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं ॥ एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः ॥ शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो पिता-पुत्रों में पराङ्मुखता हो। अमावस्या पूर्वाभाद्रपद योग सुभिक्ष और सुखद है। शुक्ला ८ को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा उत्तराफाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो। धनिष्ठा का बृहस्पति होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य हो और पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। धनिष्ठा में बुध होने से गायें पीड़ित हों। धनिष्ठा को बुध के भेदने से वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों।

अयनांशाः २४।०७।५३

पं.४८ फा.कृ.११ मं. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१	९	९	१०	९	१	७
२४	०८	२७	२४	२०	१५	२१	२१
३३	४६	२८	१७	१४	११	०८	०८
५४	५१	००	०२	१४	१७	३०	३०
५९	३५	६७	१३	७४	६	३	३
५६	०३	५१	१५	५०	०१	११	११
पूभा	कृ	ध	ध	पूभा	श्र	रो	ज्ये
२	४	२	१	१	२	४	२

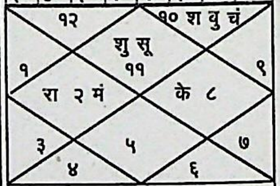

१० गु

१४ मार्च से २८ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमा सू. सू. तारीख स्टे. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	केतकी अहर्गणः ३६३० वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च २०२१
																															यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टे.टा.में है।
सुस्थिर	१	र	२५	५५	१७	०७	उभा	४८	५०	२६	१६	शु	२	०४	७	३४	व	२५	५५	१७	०७	३९ ३४	६ ४५	६ ३४	२३	२९	१४	मीने	१०।२९।२५।२८	५९।५२	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), मीने रविः १७।२९ (सौरः २०।३५)
फुलरि.	२	सो	३०	१३	१८	४९	रेव	५४	४९	२८	३९	शु	२	२१	७	४०	कौ	३०	१३	१८	४९	३८	४४	३५	२४	१	१५	मेषे २८।३९	११।००।२५।२०	५९।५०	पंचक समाप्तिः २८।३९, फुलरिया २, श्री रामकृष्ण B
अमृत	३	मं	३५	३६	२०	५७	अश्वि	...	...	...	...	ब्र	३	२९	८	०६	तै	२	४९	७	५०	४३	४२	३५	२५	२	१६	मेषे	११।०१।२५।१०	५९।४७	शत. बुधः १८।२०, मीने शुक्रः २६।४०
मृत्यु	४	बु	४१	५१	२३	२६	अश्वि	१	५०	७	२५	ऐ	५	२३	८	५०	व	८	४०	१०	०९	४७	४१	३६	२६	३	१७	मेषे	११।०२।२४।५७	५९।४५	भ. १०।०९ उ. २३।२६ या., उभा. रविः २५।४८ (सौरः २८।४७)
पद्म	५	गु	४८	३७	२६	०७	भर	९	३१	१०	२९	वै	७	५०	९	४८	व	१५	१३	१२	४५	५१	४०	३७	२७	४	१८	वृषे १७।१६	११।०३।२४।४२	५९।४३	याज्ञवल्क्य जयंती [B परमहंस जयंती, सावान ८
छत्र	६	शु	५५	१९	२८	४७	कृति	१७	२९	१३	३९	वि	१०	३०	१०	५१	कौ	२२	०२	१५	२८	५५	३९	३७	२८	५	१९	वृषे	११।०४।२४।२५	५९।४१	उभा. शुक्रः १८।५१
श्रीवत्स	७	श	...	...	...	...	रोहि	२५	०८	१६	४१	प्री	१३	००	११	५०	ग	२८	२८	१८	०१	५९	३८	३८	२९	६	२०	मिथु. ३०।०५	११।०५।२४।०६	५९।३८	सायन मेषे भानुः १४।५९, धनि.-२ गुरुः ७।२५
सौम्य	७	र	१	२३	७	१०	मृग	३१	५२	१९	२१	आ	१४	५०	१२	३३	व	१	२३	७	१०	३० ०३	३७	३८	३०	७	२१	मिथु.	११।०६।२३।४४	५९।३६	भ. ७।१० उ. २०।१० या.
होलाष्ट.	८	सो	६	०३	९	०१	आर्द्रा	३७	०४	२१	२५	सौ	१५	३७	१२	५०	व	६	०३	९	०१	०८	३६	३९	१	८	२२	मिथु.	११।०७।२३।२१	५९।३४	होलाष्टक, भा. चैत्रारंभः
सुस्थिर	९	मं	८	५४	१०	०८	पुन	४०	२२	२२	४३	शो	१४	५६	१२	३३	कौ	८	५४	१०	०८	१२	३५	३९	२	९	२३	कर्के १६।२८	११।०८।२२।५५	५९।३२	[C भद्रा के बाद, पूभा. बुधः २३।३१
मातङ्ग	१०	बु	९	३८	१०	२५	पुष्य	४१	३२	२३	१०	अ	१२	३७	११	३६	ग	९	३८	१०	२५	१६	३३	४०	३	१०	२४	कर्के	११।०९।२२।२६	५९।२९	भ. २२।१३ उ., श्रव.-३ शनिः २५।४१
ए.ब्र.	११	गु	८	०९	९	४८	श्ले	४०	३५	२२	४६	सु	८	३५	९	५८	वि	८	०९	९	४८	२०	३२	४०	४	११	२५	सिंहे २२।४६	११।१०।२१।५६	५९।२७	भ. ९।४८ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल थापणा C
प्र.ब्र.	१२	शु	४	३६	८	२१	मघा	३७	४३	२१	३६	धृ	२	५३	७	४०	वा	४	३६	८	२१	२४	३१	४१	५	१२	२६	सिंहे	११।११।२१।२३	५९।२५	प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (खाटु), बुधास्तः पूर्वस्याम् २३।५७
क्षयः	१३	शु	५९	१०	३०	११	०	०	०	०	०	शू	५५	४०	२८	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	[A के बाद, होलिका दहनं, मन्वादि, करिदिन
लुम्बक	१४	श	५२	१९	२७	२६	पूफा	३३	१५	१९	४८	गं	४७	१८	२५	२५	ग	२५	५५	१६	५२	२८	३०	४१	६	१३	२७	कन्या २५।१६	११।१२।२०।४८	५९।२३	भ. २७।२६ उ.
होली	१५	र	४४	२९	२४	१६	उफा	२७	३७	१७	३१	वृ	३८	०४	२१	४२	वि	१८	३२	१३	५३	३२	२९	४२	७	१४	२८	कन्या	११।१३।२०।१०	५९।२०	भ. १३।५३ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, जेलपोणी भद्रा A

अयनांशाः २४।०७।५४

पं.४९ फा.शु. ३ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	१०	९	१०	९	१	७
०१	१२	०६	२५	२८	१५	२०	२०
३२	५३	०१	४८	५७	५२	४६	४६
४४	०८	१६	३५	४९	२१	१५	१५
५९	३५	७९	१२	७४	५	३	३
४२	२१	५५	५१	४४	३९	११	११
पूभा	रो	ध	ध	पूभा	श्र	रो	ज्ये
४	१	४	१	३	२	४	२

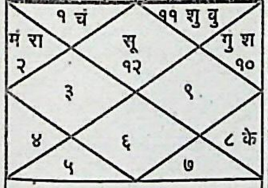

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मार्च	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायं	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन प्रातः
१०।२९।३२।४९	१ र	१४	८।१२	९।४८	११।४४	१।५९	४।१९	६।३६	८।५२	११।११	१।३०	३।३४	५।१७	६।४६
११।००।३२।४०	२ चं	१५	८।०८	९।४४	११।४०	१।५५	४।१५	६।३२	८।४८	११।०७	१।२६	३।३०	५।१३	६।४२
११।०१।३२।३०	३ मं	१६	८।०४	९।४०	११।३६	१।५१	४।११	६।२८	८।४४	११।०३	१।२२	३।२६	५।०९	६।३८
११।०२।३२।१७	४ बु	१७	८।००	९।३६	११।३३	१।४७	४।०७	६।२४	८।४०	१०।५९	१।१८	३।२२	५।०६	६।३४
११।०३।३२।०२	५ गु	१८	७।५६	९।३२	११।२९	१।४३	४।०३	६।२०	८।३६	१०।५५	१।१४	३।१८	५।०२	६।३०
११।०४।३१।४५	६ शु	१९	७।५२	९।२८	११।२५	१।३९	३।५९	६।१६	८।३२	१०।५१	१।१०	३।१४	४।५८	६।२६
११।०५।३१।२५	७ श	२०	७।४८	९।२४	११।२१	१।३५	३।५६	६।१२	८।२८	१०।४७	१।०६	३।१०	४।५४	६।२२
११।०६।३१।०३	७ र	२१	७।४४	९।२१	११।१७	१।३२	३।५२	६।०८	८।२४	१०।४३	१।०२	३।०७	४।५०	६।१८
११।०७।३०।३९	८ चं	२२	७।४०	९।१७	११।१३	१।२८	३।४८	६।०५	८।२०	१०।३९	१२।५८	३।०३	४।४६	६।१४
११।०८।३०।१३	९ मं	२३	७।३६	९।१३	११।०९	१।२४	३।४४	६।०१	८।१६	१०।३६	१२।५४	२।५९	४।४२	६।१०
११।०९।२९।४४	१० बु	२४	७।३३	९।०९	११।०५	१।२०	३।४०	५।५७	८।१२	१०।३२	१२।५०	२।५५	४।३८	६।०७
११।१०।२९।१४	११ गु	२५	७।२९	९।०५	११।०१	१।१६	३।३६	५।५३	८।०९	१०।२८	१२।४६	२।५१	४।३४	६।०३
११।११।२८।४१	१२ शु	२६	७।२५	९।०१	१०।५७	१।१२	३।३२	५।४९	८।०५	१०।२४	१२।४२	२।४७	४।३०	५।५९
११।१२।२८।०५	१४ श	२७	७।२१	८।५७	१०।५३	१।०८	३।२८	५।४५	८।०१	१०।२०	१२।३८	२।४३	४।२६	५।५५
११।१३।२७।२७	१५ र	२८	७।१७	८।५३	१०।४९	१।०४	३।२४	५।४१	७।५७	१०।१६	१२।३४	२।३९	४।२२	५।५१

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०२१

फा. शु. १ रवौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टे.) टा. १७।२९ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः वालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टे.) १७।२९ से २३।५३ तक। (दान- भूमि माला)।

अयनांशाः २४।०७।५५

पं.५० फा.शु. ९ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	१०	९	११	९	१	७
०८	१७	१५	२७	०७	१६	२०	२०
२९	०१	५१	१७	४०	३०	२४	२४
५६	२५	५३	०९	४०	३९	०१	०१
५९	३५	९०	१२	७४	५	३	३
२८	३७	१७	२३	३८	१४	११	११
उभा	रो	श	ध	उभा	श्र	रो	ज्ये
२	३	३	२	२	२	४	२

२९ मार्च से १२ अप्रेल तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०७७, शाकः १९४२, दिमासू. सू. तारीस्त स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छारेंड़ी	१	सो	३६	०३	२०	५३	हस्त	२१	१५	१४	५८	ध्रु	२८	१८	१७	४७	वा	१०	१९	१०	३५	३०/३७	६/२८	६/४३	८	१५	२९	तुला. २५।३८	११।१४।१९।३१	५९।१८
ध्वाङ्क्ष	२	मं	२७	२८	१७	२६	चित्रा	१४	३७	१२	१७	व्या	१८	२३	१३	४८	तै	१	४६	७	०९	४१	२७	४३	९	१६	३०	तुला.	११।१५।१८।४९	५९।१६
च.व्र.	३	बु	१९	१०	१४	०५	स्वा	८	१०	९	४१	ह	५६	३७/४७	९/३०	५२/०८	वि	१९	१०	१४	०५	४५	२५	४३	१०	१७	३१	वृश्चि. २५।५३	११।१६।१८।०४	५९।१३
प्रवर्धमा	४	गु	११	२९	११	००	विशा	२/५७	१६/१२	७/२९	१९/१७	सि	५०	४२	२६	४१	बा	११	२९	११	००	४९	२४	४४	११	१८	१	वृश्चि.	११।१७।१७।१८	५९।११
चर	५	शु	४	४४	८	१७	ज्ये	५३	१६	२७	४२	व्य	४३	००	२३	३५	तै	४	४४	८	१७	५३	२३	४४	१२	१९	२	धनु. २७।४२	११।१८।१६।२९	५९।०९
क्षयः	६	शु	५९	०२	३०	००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
शीतला	७	श	५४	४०	२८	१४	मूल	५०	३६	२६	३६	व	३६	१८	२०	५३	वि	२६	४२	१७	०३	५७	२२	४५	१३	२०	३	धनु.	११।१९।१५।३७	५९।०६
शुभ	८	र	५१	३८	२७	००	पूषा	४९	१४	२६	०३	प	३०	४१	१८	३७	वा	२३	००	१५	३३	३१/०१	२१	४६	१४	२१	४	धनु.	११।२०।१४।४४	५९।०४
मृत्यु	९	सो	४९	५५	२६	१८	उषा	४९	१२	२६	०१	शि	२६	०७	१६	४७	तै	२०	३७	१४	३५	०५	२०	४६	१५	२२	५	मक. ७।५९	११।२१।१३।४८	५९।०२
लुम्बक	१०	मं	४९	३३	२६	०८	श्रव	५०	२८	२६	३०	सि	२२	३८	१५	२२	व	१९	३६	१४	०९	०९	१९	४७	१६	२३	६	मक.	११।२२।१२।५०	५९।००
ए.व्र.	११	बु	५०	२७	२६	२८	धनि	५२	५८	२७	२९	सा	२०	१०	१४	२२	व	१९	५३	१४	१५	१३	१८	४७	१७	२४	७	कुंभे १४।५६	११।२३।११।४९	५८।५७
वज्र	१२	गु	५२	२९	२७	१६	शत	५६	३५	२८	५४	शु	१८	३९	१३	४४	कौ	२१	२१	१४	४९	१७	१७	४८	१८	२५	८	कुंभे	११।२४।१०।४७	५८।५५
प्र.व्र.	१३	शु	५५	३५	२८	३०	पूभा	...	...	...	...	शु	१८	००	१३	२८	ग	२३	५७	१५	५०	२१	१६	४८	१९	२६	९	मीने २४।१५	११।२५।०९।४२	५८।५३
काल	१४	श	५९	३८	३०	०६	पूभा	१	१५	६	४५	ब्र	१८	०८	१३	३०	वि	२७	३२	१७	१५	२५	१५	४९	२०	२७	१०	मीने	११।२६।०८।३४	५८।५०
सुस्थिर	३०	र	...	...	...	...	उभा	६	४७	८	५६	ऐ	१८	५७	१३	४८	च	३२	०१	१९	०२	२९	१३	४९	२१	२८	११	मीने	११।२७।०७।२५	५८।४८
अमाव.	३०	सो	४	३५	८	०२	रेव	१३	०८	११	२८	वै	२०	२४	१४	२२	ना	४	३५	८	०२	३३	१२	५०	२२	२९	१२	मेषे ११।२८	११।२८।०६।१३	५८।४६

वसंतर्त्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च-अप्रेल २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, करिदिन
भ. २७।४४ उ., रेव. शुक्रः १२।०१, रोहि.-३ राहुः १९।४९, C
भ. १४।०५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४७, कल्पादि, रेव. B
अप्रेल ४ ता. ३० [C ज्येष्ठा.-१ केतुः १९।४९
भ. ३०।०० उ., मृगे भौमः २०।२८, उभा. बुधः २४।०४
[B रविः १२।३७ (सौरः १५।१८), मीने बुधः २६।०४
भ. १७।०३ या., शीतला पूजनं
[A चक्र ७, पंचक समाप्तिः ११।२८, कल्पादि
कुंभे धनि.-३ गुरुः २३।१०
भ. १४।०९ उ. २६।०८ या.
पंचक प्रारम्भः १४।५६, पापमोचनी ११ व्र.
वारुणी योग २७।१६ से २८।५४ तक
भ. २८।३० उ., प्रदोषः, रेव. बुधः २९।०१, मेषे अश्वि. D
भ. १७।१५ या., मासिकशिवरात्री व्र.
पितृकार्येऽमा., मन्वादि [D शुक्रः २९।५०
देवकार्येऽमा., सोमवती अमा., केतकी अहर्गणः ३६५९, A

अयनांशाः २४।०७।५६

पं.५१ चै.कृ. २ मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	१०	९	११	९	१	७
१५	२१	२६	२८	१६	१७	२०	२०
२५	११	५५	४२	२२	०५	०१	०१
२९	२१	२२	१५	४२	५२	४६	४६
५९	३५	१००	११	७४	४	३	३
१४	५०	४९	५१	३०	४६	११	११
उभा	रो	पूभा	ध	उभा	श्र	रो	ज्ये
४	४	३	२	४	३	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।१४।२६।४७	१ चं	२९	७।१३	८।४९	१०।४५	१।००	३।२०	५।३७	७।५३	१०।१२	१२।३०	२।३५	४।१८	५।४७
११।१५।२६।०५	२ मं	३०	७।०९	८।४५	१०।४१	१२।५६	३।१६	५।३३	७।४९	१०।०८	१२।२७	२।३१	४।१४	५।४३
११।१६।२५।२१	३ बु	३१	७।०५	८।४१	१०।३७	१२।५२	३।१२	५।२९	७।४५	१०।०४	१२।२३	२।२७	४।१०	५।३९
११।१७।२४।३४	४ गु	१	७।०१	८।३७	१०।३३	१२।४८	३।०८	५।२५	७।४१	१०।००	१२।१९	२।२३	४।०६	५।३५
११।१८।२३।४४	५ शु	२	६।५७	८।३३	१०।२९	१२।४४	३।०४	५।२१	७।३७	९।५६	१२।१५	२।१९	४।०३	५।३१
११।१९।२२।५३	७ श	३	६।५३	८।२९	१०।२६	१२।४०	३।००	५।१७	७।३३	९।५२	१२।११	२।१५	३।५९	५।२७
११।२०।२१।५९	८ र	४	६।४९	८।२५	१०।२२	१२।३६	२।५६	५।१३	७।२९	९।४८	१२।०७	२।११	३।५५	५।२३
११।२१।२१।०३	९ चं	५	६।४५	८।२१	१०।१८	१२।३२	२।५३	५।०९	७।२५	९।४४	१२।०३	२।०७	३।५१	५।१९
११।२२।२०।०४	१० मं	६	६।४१	८।१८	१०।१४	१२।२९	२।४९	५।०५	७।२१	९।४०	११।५९	२।०४	३।४७	५।१५
११।२३।१९।०४	११ बु	७	६।३७	८।१४	१०।१०	१२।२५	२।४५	५।०१	७।१७	९।३६	११।५५	२।००	३।४३	५।११
११।२४।१८।०१	१२ गु	८	६।३३	८।१०	१०।०६	१२।२१	२।४१	४।५८	७।१३	९।३३	११।५१	१।५६	३।३९	५।०७
११।२५।१६।५५	१३ शु	९	६।२९	८।०६	१०।०२	१२।१७	२।३७	४।५४	७।०९	९।२९	११।४७	१।५२	३।३५	५।०३
११।२६।१५।४८	१४ श	१०	६।२६	८।०२	९।५८	१२।१३	२।३३	४।५०	७।०६	९।२५	११।४३	१।४८	३।३१	५।००
११।२७।१४।३८	३० र	११	६।२२	७।५८	९।५४	१२।०९	२।२९	४।४६	७।०२	९।२१	११।३९	१।४४	३।२७	४।५६
११।२८।१३।२६	३० चं	१२	६।१८	७।५४	९।५०	१२।०५	२।२५	४।४२	६।५८	९।१७	११।३५	१।४०	३।२३	४।५२

मास फलम्

अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो। अमावस्या उत्तराभाद्रपद योग सुभिक्ष और सुखद है। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो। अमावस्या रेवती योग सुभिक्ष और सुखद है। रेवती में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो। रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है। मृगशिरा पर मंगल होने से पृथ्वी जल से पूरित हो जाय और कपास की खेती नष्ट हो जायँ। उत्तरा भाद्रपद में बुध होने से राजनीति में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो। उत्तराभाद्रपद नक्षत्र को बुध के भेदने से प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्ञा और शुक्र) की हानि हो।

अयनांशाः २४।०७।५७

पं.५२ चै.कृ.१० मं. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१	११	१०	११	९	१	७
२२	२५	०९	००	२५	१७	१९	१९
१९	२२	१२	०३	०३	३७	३९	३९
२२	४१	३६	२३	५२	४१	३२	३२
५८	३६	१११	११	७४	४	३	३
५९	००	१२	१३	२३	१४	१०	१०
रे	मृ	उभा	ध	रे	श्र	रो	ज्ये
२	१	२	३	३	३	३	१

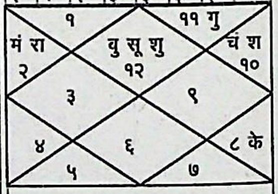

श्री गणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२२, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२२ भोग्यकलिः ४२६८७८ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०७८ शाकः १९४३ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भौमः १, मंत्री भौमः २, सस्येशः शुक्रः ३, धान्येशो बुधः ४, मेघेशश्चंद्रः ५, रसेशो रविः ६, नीरसेशः शुक्रः ७, फलेशश्चंद्रः ८, धनेशो गुरुः ९, दुर्गेशश्चंद्रः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्र विंशतिकायां ८ आनन्द नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि १।१।४६।३४ भोग्य मासादि १०।२८।१३।२६ इंन्द्राग्नि दैवतं युगम् । वर्षनाम श्रावण । चतुर्मेघनाम संवर्तः । रोहिणी निवासो तटे । समय निवासो रजकगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहन वृषभ । स्तंभ १ वायु । सोमवत्यमा. ० । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी २ । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३१५ । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १२ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९६ । स्वपति विश्वा १०८ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । स्वपति विश्वा ८७ । वर्षा विश्वा १५ । धान्यम् १३ । तृणम् १३ । शीतम् ७ । तेजः १७ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् ११९ । (क्षुधा ५ । तृष्णा ५ । निद्रा १७ । आलस्य ३ । उद्यम ५ । शान्ति ७ । क्रोध १३ । दण्ड १ । मैत्री ९ । उत्सव ७ । पाप ७ । पुण्य ३ । उग्रत्व ५ । रसोत्पत्तिः ५ । फलोत्पत्तिः ११ । व्याधि ११ । व्याधिनाश ९ । आचार ९ । अनाचार १५ । मृत्यु १३ । जन्म ५ । चौर ११ । उपशमन १७ । अग्निभय ७ । अग्निशमः १७ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिरुत्तरे । ग्रहणाऽभावः । उद्विजः १५ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ५ । स्वदेजः ७ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रवल है । ॥ **संवत् २०७८ शाकः १९४३** ॥ वर्षारम्भे चैत्रशुक्लप्रतिपदायाम् मंगलवासरे वारप्रवृत्ति (सूर्योदय) काले अहर्गणाः (ता. १३ अप्रेल २०२१), केतकी चक्रः ७, अहर्गणः ३६६०, सौरपक्ष चक्रः ४५, अहर्गणः २२८२, ब्रह्मपक्ष अहर्गणः ३०६११५.

(१) नोट - वैशास्व शुक्ला १५ बुधवार, संवत् २०७८, ता. २६ मई २०२१, रामगढ में स्वग्रास चंद्रग्रहण का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिस्वाई देगा ।

(२) नोट - कार्तिक शुक्ला १५ शुक्रवार, संवत् २०७८, ता. १९ नवंबर २०२१, रामगढ में स्वग्रास चंद्रग्रहण का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिस्वाई देगा ।

(१) मितिः ज्येष्ठ कृष्णा ३० गुरुवासरे, संवत् २०७८ ता. १० जून २०२१, ग्रस्तास्तं स्वल्प-ग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

रामगढ में यह सूर्यग्रहण दिस्वाई नहीं देगा लेकिन भारत के अन्य भागों में दस्वाई देगा । जहाँ ग्रहण दिस्वाई नहीं दें वहाँ तत्सम्बधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है ।

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिक पञ्चाङ्ग में देखें ।

गणित सहयोगी
पं. संजय शर्मा सुपुत्र पं. ग्यारसीलाल

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -
पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली स्वुर्द, वाया- सिंघाना,
जि.झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६, फो.०१५९३-२७११८४
मुम्बई. फोन. ०२२ २६१६६७८३

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
अठहत्तर संवत् फल कहो श्रीमुस्व से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देस्वतां मध्यम संवत होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये सात अधिकार ।
राजा-मंत्री कुज बने जनता करे विचार ॥
दुर्गाधिप शशिदेव हैं मेघेशोऽपि संभाल ।
रसाधिप तो रविराज हैं समझो मध्यम साल ॥
सस्याधिप-नीरसपति भृगुजी करें सहाय ।
धान्याधिप बुधदेव हैं जन सुस्व होसी भाय ॥
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट में जाय ।
चतुर्मेघ संवर्त्त हैं वर्षा बहुत दिस्वाय ॥
सदा विराजत चित्त में गुरु चरणों की धूल ।
हाथजोड़ विनति करुँ हो कोई जो मेरी भूल ॥
गुरु ध्यानधर फल कहा संवत् अठत्तर साल ।
गुरु ईश्वरदत्त से गुरु नहीं कथन ग्यारसीलाल ॥

लाभ स्वर्च कोष्ठक

राशि	अष्टोत्तरी मतेन लाभ	अष्टोत्तरी मतेन स्वर्च	विंशोत्तरी मतेन लाभ	विंशोत्तरी मतेन स्वर्च
मेष	८	१४	२	१४
वृष	२	८	११	५
मिथुन	५	५	२	५
कर्क	१४	२	११	१४
सिंह	२	१४	१४	११
कन्या	५	५	२	५
तुला	२	८	११	५
वृश्चिक	८	१४	२	१४
धनु	११	५	१४	२
मकर	१४	१४	८	५
कुंभ	१४	१४	८	५
मीन	११	५	१४	२

वर्ष लग्नम् १।०२

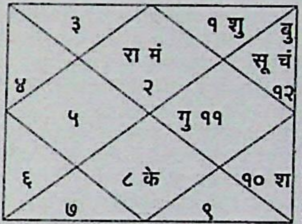

वर्षेश लग्नम् ९।०६

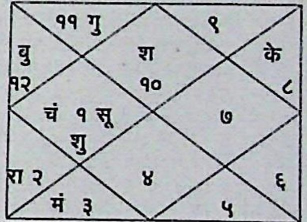

लाभ - स्वर्च देस्वनें की विधि और फल

जिस राशि का देस्वना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौस्व्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

॥ अथ संवत् २०७८ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७८ शाकः १९४३ आनन्द नामास्यः संवत्सरः प्रवतर्ते तत्फलम् - आनन्दाब्देऽस्लिालोकाःसर्वदानन्दचेतसः ॥ राजानःसुस्निःसर्वेबहुसस्यार्घवृष्टिभिः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजाभौमस्तत्फलम् - भौमे नृपे वह्निभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिवविग्रहं च । दुःस्वं प्रजाव्याधिवियोगपीडा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः ॥ मंत्रीभौमस्तत्फलम् - अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्युगदादिजवेदना । जनपदेषु जयंसुस्ससंचयंनवहुगोषुपयो द्वीजकर्म च ॥ सस्येशःशुक्रस्तत्फलम् - शुक्रोयदाधान्यपतिर्धरायांमेघोजलंवर्षतिशोभनम् प्रियम् । गोधूमशालीक्षुधनं प्रियंगुवृक्षेषु पुष्पाणि सुस्सप्रदानि ॥ धान्येशोवुधस्तत्फलम् - बुधधान्याधिपेमेघाजलंमुञ्चिंतिवैभृशम् । सैन्धवेलाटदेशेचमाधवोल्पंचवर्षति ॥ मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् - शशिनितोयदपेयदिगोमहिष्यजस्सरादिषुदग्धिरसंतदा । फलवतीधनधान्यवताधराविविधभोगवताननुभामिनी ॥ रसेशोरविस्तत्फलम् - रसपतौतरणीधरणोतदाविरसभागरताल्पपयोधरा । वसनतैलघृतप्रियमानवाः सुस्वेरसंनभुनक्ति महीपतिः ॥ नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् - कर्परागरगन्धानांहेममौक्तिकवाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतनीरसेशोभृगुर्यदि ॥ फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् - यदिविधुः फलपोद्रुमराशयःफलयुतावलिभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुस्रावरभोगसमन्वितानृपतयोनयनाटनतत्पराः ॥ धनेशोगुरुस्तत्फलम् - सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपराः सुस्सभाजनाः । फलितपुष्पितभूमिरुहाः सदा विविधद्रव्ययुता भुवि मानवाः ॥ दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् - गढपतिर्मृगलांछनको यदा नृपसुराज्यविलासितपौरजाः । बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा नरवर्णितविग्रहाः ॥ वर्षनाम श्रावण तत्फलम् - मनोल्हादंप्रकुंर्वतिजनाः सौस्यसमायुताः । श्रावणेवृष्टिरत्युग्रागोमहिष्यादिकं सुस्सम् ॥ चतुर्मेघनाम संवर्त्तस्तत्फलम् - संवर्त्तेजलपूरिता । रोहिणी निवासो तटे तत्फलम् - तटे वृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजकगृहे तत्फलम् - वापीकूपतड़ागानि नदीनदवनानि च । जलपूर्णानि दृश्यन्ते वासो रजकवेश्मनि ॥ अपिच - रजके वृष्टिः रुत्तमा । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

राजा और मंत्री मंगल हैं । धान्येश बुध हैं । धनेश गुरु हैं । सस्येश और नीरसेश शुक्र हैं । रसेश रवि हैं । मेघेश और फलेश और दुर्गेश चंद्र हैं । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ७ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ३ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए है अतः वर्षफल उत्तम होगा । प्रजा में सुस्स शान्ति होगी , धन-धान्य ,व्यवसाय , राजकीयकोश की वृद्धि होगी । आधुनिक अस्त्र-शस्त्र ,स्वचालित यंत्रो के विकास में वृद्धि होगी, स्मग्लरों का हास होगा । वर्षलग्न वृष होने से पश्चिम में काल, पूर्व में राजविग्रह, उत्तर में आधी उपज और दक्षिण में काल पड़े ॥ वर्षेश लग्न मकर ॥ **चैत्र** - अश्विनी में बुध होने से जौ गेहूँ में रोग हो, ईस्स, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । तुष धान्य महँगे हो और तिलों का अभाव हो, किरात तथा यवन पीड़ित हो, हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालों का नाश हो, तीव्र रोग हो, धान्य महँगे हों और वैर बढै । **वैशाख** - गाय वैल आदि चौपायों को वड़ी भारी पीड़ा हो, टीडी आदि से धान्य महँगा हो, विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो, सरसों उड़द कम हों और सव धान्य उत्पन्न हों, अतिवृष्टि हो, नदियों में बहुत बाढ़ आवे, कपास, तिल, सूत महँगे हों, वायु से वर्षा हो । **ज्येष्ठ** - अल्प वृष्टि हो, कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो, चौर भय हो, आपसी विरोध से क्षति हो, और राजा कमजोर हों, अन्न का अभाव हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो, कपास, तिल, सूत महँगे हों सब स्वस्थ रहें और राजाओं को विजय श्री मिलें । सब धान्य की उत्पत्ति हो, सब धान्यों के भाव तेज हों । घी तेल तुला और भाण्ड (वर्तन) के भाव मंदे हो, सुभिक्ष हो । मनुष्य निर्भय हों और गौ ब्राह्मण तथा देवताओं का पूजन हो । **आषाढ** - अमावस्या पुनर्वसु योग समर्घता कारक है । शुक्ला पंचमी को गुरुवार होने से आंधी - तूफान चले । पूर्णिमा को पूर्वाषाढा अभाव होने से महर्धता हो । पूर्णिमा पन्द्रह घटी से भी कम है अतःमहर्घता हो । वायु और वादल के संयोग से फलों में न्यूनाधिकता हो । विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । आश्लेषा पर मंगल होने से वहुत वर्षा से धान्य नाश हो, दुर्भिक्ष हो और साँपों का भय अधिक हो, वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुस्री रहें और ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो । वृहस्पति और शुक्र परस्पर सप्तम राशि में स्थित होने से रोग और अनेक प्रकार के भय से प्रजागण पीड़ित हो तथा अवृष्टि हो । मघा में शुक्र होने से प्रजा में कष्ट हो, कपास सूत मंदा हो । **श्रावण** - पूर्णिमा को श्रवण का अभाव होने से महर्घता हो । लोगों में मांगलिक उत्सव हों, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःस्रो से प्रजा पीडित हो, शवर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो, महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःस्रो से प्रजा पीडित हो, कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जावस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो, कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों अनावृष्टि हो । **भाद्रपद** - उत्तराफाल्गुनी में बुध होने से उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो, रोगों की वृद्धि हो, कुआँ बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो, वर्षा के अवरोध से चौपायों में पीड़ा हो, घोड़ों का मूल्य बढे, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नो से परिपूर्ण हो । क्षेम और सुभिक्ष हो । स्वाती नक्षत्र में शुक्र होने से अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । **आश्विन** - हस्त पर मंगल होने से अल्पवृष्टि हो, तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ और नमक महंगे हो, तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों, व्यापारी वस्तु महँगी हों, क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो अनावृष्टि हो, चित्रा पर मंगल होने से तीव्र रोग से पीड़ा हो । चावल तथा गेहूँ महँगे हों, वहुत धान्य और सुस्र हो, शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो, क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो । **कार्तिक** - चित्रा मे बुध होने से वर्षा कम हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, मूल नक्षत्र में शुक्र होने से प्रधान वैद्य पीड़ित हों अनावृष्टि हो, व्यापारी वस्तु महँगी हों, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों, विशास्रा में बुध होने से सुभिक्ष हो, कहीं कहीं व्याधि भय और दुर्भिक्ष भी हो, गौओं को पीड़ा हो, **मार्गशीर्ष** - अनुराधा में बुध होने से सुभिक्ष हो, पक्षियों में पीड़ा हो, मनुष्य सुस्री हों, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, रोगों की उत्पत्ति हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो । **पौष** - प्रजा में सुस्र का उदय हो, कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे बालकों में पीड़ा हो, सुभिक्ष क्षेम आरोग्य हो और पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में वर्फ (ओले) गिरने का भय हो, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र मे शुक्र होने से जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों । **माघ** - व्यापारियों को कम लाभ हो, प्रचण्ड पवन चले, वर्षा कम हो, स्त्रियाँ पीड़ित हों, अन्न की उत्पति हो, छोटे वालकों में पीड़ा हो, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो, पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो, कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो । शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । **फाल्गुन** - मगधेश्वर की विजय और धनाधिकारी की वृद्धि हो, गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में वर्फ (ओले) गिरने का भय हो, जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो, शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो, गर्भवती स्त्रियों में पीड़ा हो, राजाओं को युद्ध वृद्धि हो और चौपायों का नाश हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, कर्णपीड़ा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । **चैत्र** - धनिष्ठा पर मंगल होने से इन्द्र की भांति समृद्धि हो, धान्य सस्ता हो और गुड शक्कर भी सस्ते हों । रेवती में बुध होने से श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों ॥ आगे गो प्रजा भाग्य प्रबल है ॥

॥ संवत् २०७८, शाकः १९४३ (सन २०२१-२२) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

शुक्रोदयः (२० अप्रे. २०२१, स्टै. २५।५७)

सन२०२१ — **चैत्र शुक्लपक्षः**

२४ अप्रे. **१२ शनौ उफा.** रे. ८ SIIIIIIISI दिवा लग्न १ (मेषे सोग्रांगः सू)

२५ अप्रे. **१३ रवौ हस्ते** रे. ८ IIIIISSIII दिवा लग्न ३, ५, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(७)
(मिथुने सोग्रांगः मं, सिंहे गु ७ पूज्यः)

२६ अप्रे. **१४ चंद्रे स्वातौ** रे. ७ IIIISISSII रात्रौ लग्न १०, १२, १
(मकरे सोग्रांगः श, मेषे चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू)

२७ अप्रे. **१५ भौमे स्वातौ** रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न १, ३, ५
(मेषे चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू, मिथुने सोग्रांगः मं, सिंहे गु ७ पूज्यः)

सन२०२१ — **वैशाख कृष्णपक्षः**

३० अप्रे. **४ शुक्रे मूले** रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न गोघूलि(७), १०, १२, १
(मकरे सोग्रांगः श, मेषे सोग्रांगः सू)

१ मई **५ शनौ मूले** रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न १, २, ३
(मेषे सोग्रांगः सू, वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, मिथुने चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं)

३ मई **७ चंद्रे उषा.** रे. ९ ISIIIIIIII दिवा लग्न १, २
(मेषे सोग्रांगः सू, वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)

७ मई **११ शुक्रे उभा.** रे. ७ SSIIIIISII रात्रौ लग्न ८, १०, १ (वैधृति १९।२५ यावत्)
(वृश्चिके रा ७ दोषः; बु शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः के, मकरे सोग्रांगः श, मेषे सोग्रांगः सू)

८ मई **१२ शनौ उभा.** रे. ७ SSIIIIISII दिवा लग्न २, ३, ५
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, मिथुने सोग्रांगः मं, सिंहे गु ७ पूज्यः)

सन२०२१ — **वैशाख शुक्लपक्षः**

१५ मई **३ शनौ मृगे** रे. ९ IIIISIIIII दिवा लग्न २ (वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा)

२१ मई **९ शुक्रे उफा.** रे. ६ SSIIISISII दिवालग्न ७, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(८), १०, १२
(अ.गोघुल्यां मं ८; सोग्रांगः के, मकरे सोग्रांगः श, मीने शु ३ दोषः; चं ७ पूज्यः)

२२ मई **१० शनौ उफा.** रे. ७ SSIIIIISII दिवा लग्न २, ३, ५
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा, मिथुने सोग्रांगः मं, सिंहे गु ७ पूज्यः)

२२ मई **१० शनौ हस्ते** रे. ९ IIIIIISIII दिवा लग्न ७, रात्रौ लग्न गोघूलि(८)
(गोघुल्यां मं ८; सोग्रांगः के) (भद्रा २०। ५ से)

२४ मई **१३ चंद्रे स्वातौ** रे. ७ ISISIISIII दिवालग्न ५, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि, १०, १२, १
(सिंहे गु ७ पूज्यः, अ.गोघुल्यां मं ८; सोग्रांगः के, मकरे सोग्रांगः श, मीने शु ३ दोषः,
मेषे चं ७ पूज्यः) (व्यतिपात ११। ८ यावत्)

सन२०२१ — **ज्येष्ठ कृष्णपक्षः**

३० मई **५ रवौ उषा.** रे. ६ IIISSIISSI दिवा लग्न २, ३
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा, मिथुने सोग्रांगः मं)

४ जून **१० शुक्रे रेवत्यां** रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न २
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा) (भद्रा २८।१२ यावत्)

५ जून **११ शनौ रेवत्यां** रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न २, ३, ५, ६, रात्रौ लग्न अ.गोघूलि, ९
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा, सिंहे गु ७ पूज्यः, कन्या. चं ७ पूज्यः,
अ.गोघुल्यां सोग्रांगः के, धनुषि शु ७ पूज्यः)

सन२०२१ — **ज्येष्ठ शुक्लपक्षः**

१९ जून **९ शनौ हस्ते** रे. ९ ISIIIIIIII दिवा लग्न ३, ५, ८, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(९)
(मिथुने सोग्रांगः सू,सिंहे गु ७ पूज्यः, वृश्चि.रा ७ दोषः; बु ७ पूज्यः; सोग्रांगः के,अ.गोघुल्यां मं ८)

सन२०२१ — **आषाढ़ कृष्णपक्षः**

३० जून **६ बुधे उभा.** रे. ७ SIIIISISII रात्रौ लग्न १, २, ३
(वृषे शु ३ दोषः; के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, मिथुने सोग्रांगः सू)

१ जुला **७ गुरौ उभा.** रे. ७ SIIIISISII दिवा लग्न ३, ५, ६, ८, रात्रौ लग्न अ.गोघूलि, १
(मिथुने सोग्रांगः सू, सिंहे गु ७ पूज्यः, कन्या. चं ७ पूज्यः, वृश्चिके रा ७ दोषः; बु ७ पूज्यः;
सोग्रांगः के, अ.गोघुल्यां मं ८)

१ जुला **७ गुरौ रेवत्यां** रे. ७ SIIIIIISIS रात्रौ लग्न २, ३
(वृषे शु ३ दोषः; के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, मिथुने सोग्रांगः सू)

२ जुला **८ शुक्रे रेवत्यां** रे. ६ SIIIIISSIS दिवालग्न ३, ५, ६, ८, रात्रौलग्न अ.गोघू., १, २
(मिथुने सोग्रांगः सू, सिंहे गु ७ पूज्यः, कन्या. चं ७ पूज्यः, वृश्चिके रा ७ दोषः; बु ७ पूज्यः;
सोग्रांगः के, अ.गोघुल्यां मं ८, वृषे शु ३ दोषः; के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)

सन२०२१ — **आषाढ़ शुक्लपक्षः**

१५ जुला **५ गुरौ उफा.** रे. ८ SIIIISIIII रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(९), १२, २
(अ.गोघुल्यां मं ८, मीने चं ७ पूज्यः, वृषे शु ३ दोषः; के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)

१५ जुला **५ गुरौ हस्ते** रे. ७ IIIIISSSII रात्रौ लग्न ३ (मिथुने सोग्रांगः सू)

सन२०२१ — **कार्तिक शुक्लपक्षः**

१९ नवं. **१५ शुक्रे रोहि.** रे. ८ IIIISIISII रात्रौ लग्न ७ (तुला. शु ३ दोषः; सोग्रांगः मं)

सन२०२१ — **मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः**

२० नवं. **१ शनौ रोहि.** रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न ८, १२, रात्रौ लग्न ३, ५, ६, ७
(वृश्चिके रा ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू के, मिथुने शु ७ पूज्यः, सिंहे गु ७ पूज्यः,
तुला. शु ३ दोषः; सोग्रांगः मं)

२१ नवं. **२ रवौ मृगे** रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न ८, १२, रात्रौ लग्न ५, ६, ७
(वृश्चिके रा ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू के,सिंहे गु ७ पूज्यः,तुला. शु ३ दोषः; सोग्रांगः मं)

२८ नवं. **९ रवौ उफा.** रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न ६, ७, ८
(तुला. शु ३ दोषः; सोग्रांगः मं, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के)

२९ नवं. **१० चंद्रे उफा.** रे. ८ IIIIIIISIS दिवा लग्न ८, ९, १२
(वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के, मीने चं ७ पूज्यः) (भद्रा १६।५९ से)

२९ नवं. **१० चंद्रे हस्ते** रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न ७, ८
(तुला. शु ३ दोषः; सोग्रांगः मं, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के) (भद्रा २८।१५ यावत्)

३० नवं. **११ भौमे हस्ते** रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न ८, ९, १२, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(२)
(वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के, मीने चं ७ पूज्यः, अ.गोघुल्यां सोग्रांगः रा)

१ दिसं **१२ बुधे स्वातौ** रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न ५ (सिंहे गु ७ पूज्यः)

॥ संवत् २०७८, शाकः १९४३ (सन २०२१-२२) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

सन२०२१

६ दिसं **३ चंद्रे उषा.** रे. ९ IIIIISIIII रात्री लग्न ६, ७, ८
(तुला. शु ३ दोषः, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू मं के)

७ दिसं **४ भौमे उषा.** रे.१० IIIIIIIIII दिवा लग्न ८, ९
(वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू मं के) (भद्रा १३। ७ से)

११ दिसं **८ शनौ उभा.** रे.१० IIIIIIIIII रात्रौ लग्न ६, ८
(कन्या. चं ७ पूज्यः, वृश्चिके शु ३ दोषः; रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू मं के) (व्यतिपात २९।५८ से)

१२ दिसं **९ रवौ रेवत्यां** रे. ६ ISIIIISSIS रात्रौ लग्न ८
(वृश्चिके शु ३ दोषः; रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू मं के) (व्यतिपात २९।४२ यावत्)

१३ दिसं **१० चंद्रे रेवत्यां** रे. ७ ISIIIIISIS दिवालग्न ९, १०, १, रात्रौ लग्न गोधूलि, ३, ६
(मकरे सोग्रांगः श, गोधुल्यां मं ७; सोग्रांगः रा, मिथुने बु ७ पूज्यः, कन्या. चं ७ २६।०५ यावत्)

अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः

माघ कृष्णपक्षः

सन२०२२

२२ जन. **४ शनौ उफा.** रे. ७ IIIIISSSII दि.ल.१, २, रात्री लग्न गोधूलि(४), ७, ८, ९, १०
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, तुला. शु ३ दोषः, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, धनुषि सोग्रांगः मं, मकरे सोग्रांगः सू श)

२३ जन. **५ रवौ उफा.** रे. ७ IIIIISSSII दिवा लग्न १० (मकरे सोग्रांगः सू श)

२३ जन. **५ रवौ हस्ते** रे.१० IIIIIIIIII दिवा लग्न २, रात्री लग्न गोधूलि(४), ७, ८, ९, १०
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, तुला. शु ३ दोषः, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, धनुषि सोग्रांगः मं, मकरे सोग्रांगः सू श)

माघ शुक्लपक्षः

सन२०२२

५ फर. **५ शनौ उभा.** रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न १, २ (वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)

५ फर. **५ शनौ रेवत्यां** रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४), ६, ८, ९, १०
(कन्या. चं ७ पूज्यः, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, धनुषि सोग्रांगः मं, मकरे सोग्रांगः सू श)

६ फर. **६ रवौ रेवत्यां** रे.१० IIIIIIIIII दिवा लग्न १, २ (वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)

९ फर. **८ बुधे रोहि.** रे. ८ IIIIISIISI रात्री लग्न ७, ८, १०
(तुला. शु ३ दोषः, वृश्चिके रा ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः के, मकरे सोग्रांगः सू श)

१० फर. **९ गुरौ रोहि.** रे. ८ IIIIIISISI दि.लग्न १, रात्री लग्न गोधूलि

फाल्गुन कृष्णपक्षः

सन२०२२

१८ फर. **२ शुक्रे उफा.** रे.१० IIIIIIIIII रात्रौ लग्न ६, ७, ८, ९, १०
(तुला. शु ३ दोषः, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, धनुषि सोग्रांगः मं, मकरे सोग्रांगः श)

अग्रे गुरोरस्तत्वादभावः (२२ फर. २०२२, स्टै. १९।२०)

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

चैत्र शुक्लपक्षः

सन२०२१

२५ अप्रे. **१३ रवौ चित्रा.** रे. ७ ISIIISISII रात्रौलग्न १०,१२ (मक.सोग्रांगः श, मीने चं ७ पूज्यः)

२६ अप्रे. **१४ चंद्रे चित्रा.** रे. ७ ISIIISISII दिवा लग्न २, ३
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, मिथुने सोग्रांगः मं) (भद्रा १२।४२ से)

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः

सन२०२१

३१ मई **६ चंद्रे धनि.** रे. ८ IIIIIISISI दिवा लग्न ७, रात्री लग्न गोधूलि(८)
(गोधुल्यां मं ८; सोग्रांगः के) (वैधृति २८। ९ से भद्रा २५। ७ से)

५ जून **११ शनौ अश्वि.** रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न १२, २ (वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा)

६ जून **११ रवौ अश्वि.** रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न २, ३, ५, ६, रात्री लग्न ९, १२
(वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा, सिंहे गु ७ पूज्यः, धनुषि शु ७ पूज्यः)

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः

सन२०२१

१९ जून **९ शनौ चित्रा.** रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न १२, २
(मीने चं ७ पूज्यः, वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)

२० जून **१० रवौ चित्रा.** रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न ३, ५, ६, ८
(मिथुने सोग्रांगः सू, सिंहे गु ७ पूज्यः, वृश्चिके रा ७ दोषः; बु ७ पूज्यः; सोग्रांगः के)

आषाढ़ कृष्णपक्षः

सन२०२१

२८ जून **४ चंद्रे धनि.** रे. ८ IIIIIISSII दिवा लग्न ३, ६, ८, रात्री लग्न गोधूलि(९)
(मिथु.सोग्रांगः सू,कन्या.चं ६ १३।०० उप., वृश्चि.रा ७ दोषः; बु ७ पूज्यः; सोग्रांगः के, गो.मं ८)

३ जुला **९ शनौ अश्वि.** रे. ८ IIIIISISII दिवालग्न ५, ६, रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, १२, २, ३
(सिंहे गु ७ पूज्यः, अ.गोधुल्यां मं ८, वृषे शु ३ दोषः; के ७ दोषः; सोग्रांगः रा,मिथुने सोग्रांगः सू)

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

सन२०२१

३० नवं. **११ भौमे चित्रा.** रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न ५, ७, ८
(सिंहे गु ७ पूज्यः, तुला. शु ३ दोषः; सोग्रांगः मं, वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के)

१ दिसं **१२ बुधे चित्रा.** रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न ८, ९, १२
(वृश्चिके रा ७ दोषः; सोग्रांगः सू के)

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

सन२०२१

१३ दिसं **१० चंद्रे अश्वि.** रे. ९ SIIIIIIIII रात्रौ लग्न ६ (कन्या. चं ७ २६।०५ यावत्)

अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः

माघ शुक्लपक्षः

सन२०२२

६ फर. **६ रवौ अश्वि.** रे.१० IIIIIIIIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४), ६, ७, ९, १०
(तुला. शु ३ दोषः; चं ७ पूज्यः, धनुषि सोग्रांगः मं, मकरे सोग्रांगः सू श)

७ फर. **७ चंद्रे अश्वि.** रे. ९ IIIIISIIII दिवा लग्न २ (वृषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)

अग्रे गुरोरस्तत्वादभावः (२२ फर. २०२२, स्टै. १९।२०)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), ५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड, विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०००५७. दू. ०२२- २६१६६७८३,

॥ संवत् २०७८, शाकः १९४३, सन २०२१-२२ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

॥ उपनयन ॥

सन२०२१	वैशाख मासः
२१ मई	शु. ०९ शुक्रे पूफा. अभिजिति
सन२०२१	ज्येष्ठ मासः
३० मई	कृ. ०५ रवौ उषा. लग्न २, अभिजिति, ६
१३ जून	शु. ०३ रवौ पुनर्वसौ लग्न ६
२० जून	शु. १० रवौ चित्रा. अभिजिति, ६
२१ जून	शु. ११ चंद्रे स्वातौ लग्न ६ (भद्रा १३।३३ तक)
सन२०२१	आषाढ़ मासः
११ जुला	शु. ०१ रवौ पुष्ये अभिजिति, ६
सन२०२२	माघ मासः
१० फर.	शु. ०९ गुरौ रोहि. अभिजिति
१३ फर.	शु. १२ रवौ पुनर्वसौ अभिजिति
सन२०२२	फाल्गुन मासः
१८ फर.	कृ. ०२ शुक्रे पूफा. अभिजिति

॥ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२१	चैत्र मासः
२४ अप्रे.	शु. १२ शनौ उफा. अभिजिति, ५
सन२०२१	वैशाख मासः
२४ मई	शु. १३ चंद्रे स्वातौ अभिजिति, ५, ६ (व्यतिपात ११।०८ तक)
सन२०२१	श्रावण मासः
२६ जुला	कृ. ०३ चंद्रे शते अभिजिति (भद्रा १५।२६ से)
सन२०२१	भाद्रपद मासः
२३ अग.	कृ. ०१ चंद्रे शते लग्न ५, अभिजिति
सन२०२१	आश्विन मासः
१८ अक्तु	शु. १३ चंद्रे उभा. अभिजिति
सन२०२१	कार्तिक मासः
१५ नवं.	शु. १२ चंद्रे उभा. अभिजिति
सन२०२१	मार्गशीर्ष मासः
१० दिसं	शु. ०७ शुक्रे शते अभिजिति
१३ दिसं	शु. १० चंद्रे रेवत्यां अभिजिति
सन२०२२	माघ मासः
१० फर.	शु. ०९ गुरौ रोहि. अभिजिति
१४ फर.	शु. १३ चंद्रे पुष्ये अभिजिति

॥ वृषचक्र-रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२१	वैशाख मासः
८ मई	कृ. १२ शनौ उभा. अभिजिति
१५ मई	शु. ०३ शनौ मृगे लग्न २
सन२०२१	ज्येष्ठ मासः
४ जून	कृ. १० शुक्रे उभा. लग्न २, अभिजिति, ६ (भद्रा १५।१४ से)
सन२०२१	श्रावण मासः
१३ अग.	शु. ०५ शुक्रे चित्रा. अभिजिति
१४ अग.	शु. ०६ शनौ स्वातौ अभिजिति
सन२०२१	भाद्रपद मासः
१ सितं	कृ. १० बुधे मृगे लग्न ५
४ सितं	कृ. १२ शनौ पुष्ये अभिजिति
सन२०२१	कार्तिक मासः
२८ अक्तु	कृ. ०७ गुरौ पुष्ये अभिजिति
सन२०२१	मार्गशीर्ष मासः
२९ नवं.	कृ. १० चंद्रे उफा. अभिजिति (भद्रा १६।५९ से)
२ दिसं	कृ. १३ गुरौ स्वातौ अभिजिति
सन२०२२	माघ मासः
५ फर.	शु. ०५ शनौ उभा. अभिजिति

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२१	वैशाख मासः
८ मई	कृ. १२ शनौ उभा. अभिजिति
२२ मई	शु. १० शनौ उफा. लग्न २, अभिजिति, ५
सन२०२१	ज्येष्ठ मासः
४ जून	कृ. १० शुक्रे उभा. लग्न २, अभिजिति, ६ (भद्रा १५।१४ से)
५ जून	कृ. ११ शनौ रेवत्यां लग्न २, अभिजिति, ६
सन२०२२	माघ मासः
१० फर.	शु. ०९ गुरौ रोहि. अभिजिति

॥ कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२१	वैशाख मासः
१५ मई	शु. ०३ शनौ मृगे लग्न २
सन२०२२	माघ मासः
२२ जन.	कृ. ०४ शनौ उफा. अभिजिति
५ फर.	शु. ०५ शनौ उभा. अभिजिति

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२१	वैशाख मासः
५ मई	कृ. ०९ बुधे शते लग्न ५ (महापात मोक्षः १०।१३)
२४ मई	शु. १३ चंद्रे स्वातौ अभिजिति, ५, ६
सन२०२१	ज्येष्ठ मासः
२१ जून	शु. ११ चंद्रे स्वातौ लग्न ६ (भद्रा १३।३३ तक)
सन२०२१	श्रावण मासः
१४ अग.	शु. ०६ शनौ स्वातौ अभिजिति
सन२०२१	मार्गशीर्ष मासः
२ दिसं	कृ. १३ गुरौ स्वातौ अभिजिति
१० दिसं	शु. ०७ शुक्रे शते अभिजिति
सन२०२२	माघ मासः
१४ फर.	शु. १३ चंद्रे पुष्ये अभिजिति

॥ कुंभचक्ररहिताः जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२१	श्रावण मासः
२६ जुला	कृ. ०३ चंद्रे शते अभिजिति,८ (भद्रा१५।२६ से)
सन२०२१	कार्तिक मासः
२८ अक्तु	कृ. ०७ गुरौ पुष्ये अभिजिति
सन२०२१	मार्गशीर्ष मासः
२५ नवं.	कृ. ०६ गुरौ पुष्ये अभिजिति

॥ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२१	चैत्र मासः
२४ अप्रे.	शु. १२ शनौ उफा. अभिजिति
२५ अप्रे.	शु. १३ रवौ हस्ते अभिजिति

॥ संवत् २०७८, शाकः १९४३, सन २०२१-२२ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

सन२०२१	वैशाख मासः
२ मई	कृ. ०६ रवौ उषा. अभिजिति (भद्रा १४।५२ से २६।११ तक)
१५ मई	शु. ०३ शनौ मृगे लग्न २
२२ मई	शु. १० शनौ उफा. लग्न २, अभिजिति
२२ मई	शु. १० शनौ हस्ते लग्न ६
२३ मई	शु. ११ रवौ चित्रा. अभिजिति, ६ (व्यतिपात १४।५२ से)
२४ मई	शु. १३ चंद्रे स्वातौ अभिजिति, ६ (व्यतिपात ११।०८ तक)
२६ मई	शु. १५ बुधे अनुरा. लग्न ६ (भद्रा ६।३८ तक)
सन२०२१	**ज्येष्ठ मासः**
३० मई	कृ. ०५ रवौ उषा. लग्न २, अभिजिति, ६
१३ जून लग्न ६	शु. ०३ रवौ पुनर्वसौ
२० जून	शु. १० रवौ चित्रा. अभिजिति, ६
२१ जून	शु. ११ चंद्रे स्वातौ लग्न ६ (भद्रा १३।३३ तक)
सन२०२१	**आषाढ मासः**
२६ जून	कृ. ०२ शनौ उषा. अभिजिति, ६ (वैधृति १९।१९ से)
१ जुला	कृ. ०७ गुरौ उभा. अभिजिति, ६
११ जुला	शु. ०१ रवौ पुष्ये अभिजिति, ६
१५ जुला	शु. ०५ गुरौ उफा. लग्न ६, अभिजिति
सन२०२२	**माघ मासः**
२२ जन.	कृ. ०४ शनौ उफा. अभिजिति
२३ जन.	कृ. ०५ रवौ हस्ते अभिजिति
५ फर.	शु. ०५ शनौ उभा. अभिजिति
६ फर.	शु. ०६ रवौ रेवत्यां अभिजिति
७ फर.	शु. ०७ चंद्रे अश्वि. अभिजिति
१० फर.	शु. ०९ गुरौ रोहि. अभिजिति
१३ फर.	शु. १२ रवौ पुनर्वसौ अभिजिति
१४ फर.	शु. १३ चंद्रे पुष्ये अभिजिति

॥ अथ चौल (मुण्डन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२१	वैशाख मासः
२४ मई	शु. १३ चंद्रे स्वातौ अभिजिति, ६ (व्यतिपात ११।०८ तक)

सन२०२२	माघ मासः
२ फर.	शु. ०१ बुधे धनि. लग्न १२
७ फर.	शु. ०७ चंद्रे अश्वि. लग्न १२, अभिजिति
१४ फर.	शु. १३ चंद्रे पुनर्वसौ लग्न १२

॥ द्विरागमन मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२१	वैशाख मासः
२८ अप्रे.	कृ. ०२ बुधे अनुरा. लग्न ६, ७ (कन्या. गु ६ शुभ)
२९ अप्रे.	कृ. ०३ गुरौ अनुरा. लग्न २, ३ (भद्रा ११।५१ से) (वृषे गु १० शुभ)
३ मई	कृ. ०७ चंद्रे उषा. लग्न २ (वृषे गु १० शुभ)
५ मई	कृ. ०९ बुधे शते लग्न ६, ७ (महापात मोक्षः १०।१३) (कन्या. गु ६ शुभ)
सन२०२१	**मार्गशीर्ष मासः**
२४ नवं.	कृ. ०५ बुधे पुनर्वसौ लग्न १२ (मीने शु १० शुभ)
२९ नवं.	कृ. १० चंद्रे उफा. अभिजिति, १२ (भद्रा १६।५९ से) (मीने शु १० शुभ)
२ दिसं	कृ. १३ गुरौ स्वातौ अभिजिति, १२ (मीने शु १० शुभ)
१० दिसं	शु. ०७ शुक्रे शते अभिजिति, १२, २ (वृषे गु १० शुभ)
१३ दिसं	शु. १० चंद्रे रेवत्यां अभिजिति, १२, २ (वृषे गु १० शुभ)
सन२०२२	**माघ मासः**
१४ फर.	शु. १३ चंद्रे पुनर्वसौ लग्न १२ (मीने शु १० शुभ)
१४ फर.	शु. १३ चंद्रे पुष्ये अभिजिति, २, ३ (वृषे गु १० शुभ)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीन-लग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः । - पीयूषधारा

सर्वसंग्रह- उज्जयिनि निवासी सांदीपनिकुलावतंस श्रीदीनानाथाचार्यजी कृत, स्व.ज्योतिर्विभूषण पं. बच्चू झा कृत हिन्दी टीका सहित। प्राचीन ग्रन्थों के सब विषय नवीन-प्राचीन श्लोकों द्वारा पांच अध्यायों में। प्रथम मिश्राध्याय में-गणित, सिद्धान्त, जन्म और वर्षपत्र, सामुद्रिक, अंगस्फुरणादि शकुन। द्वितीय देहस्वराध्याय में-स्वरज्ञान, स्वरद्वारा प्रश्नोत्तर कथन, स्वर बदलने का उपाय, छायासाधन, स्वर से मृत्युकाल का ज्ञान और दीर्घायु होने का उपाय। तृतीय कालस्वराध्याय में-पञ्चस्वर (बाल, मार, युवा आदि) के द्वारा समस्त फलादेश। चतुर्थ रमलाध्याय में-सब प्रश्नों के उत्तर रमलद्वारा। पंचम मुहुर्ताध्याय में-समस्त मुहूर्तों का विस्तृत वर्णन है।

सामुद्रिकशास्त्र- राधाकृष्णाजी मिश्र कृत,बडा सान्वय हिन्दी टीका सहित। इसमें स्त्री पुरुषादि के प्रत्येक अंग-उपांगादिक का वर्णन और हस्तरेखा, ललाटरेखादि का अपूर्व ज्ञान लिखा है।

स्त्रीजातक- हिन्दी टीका सहित। इसमें स्त्रियों के अंग-प्रत्यंगादिकों व तिल मशकादिकों तथा जन्म कालीन ग्रहादिकों के अनुसार स्त्रियों का भूत, भविष्य, वर्तमान शुभाशुभ फल ठीक मिलता है।

सूर्यसिद्धान्त- संस्कृत गूढार्थदीपिका टीका और हिन्दी टीका सहित। काल विभाग, ग्रहगति के कारणादि, पूर्व-पश्चिमादि रेखा निर्णय, स्पष्ट चन्द्रसूर्यादि छायाज्ञान, चन्द्रलम्बन, सूर्यग्रहण परिलेख, ग्रहदर्शन, नक्षत्रस्थान, उदयास्तकाल निर्णय, चन्द्रोदया-पाताधिकार, अध्यात्मविद्या, गोलयंत्रादि तथा कालनिर्णयादि विषय।

संकेतनिधि- अमृतसर निवासी श्री. पं. रामदयालुजी कृत मूल और पं. रामदत्तजी कृत संस्कृत टीका तथा ढाढोली निवासी प. रामदयालजी कृत हिन्दी टीका सहित। इसमें संस्कृत काव्यरचना बहुत सुंदर और जन्मपत्र देखने के चमत्कारी योग बडे विलक्षण व अनुभव सिद्ध हैं।

समरसार- संस्कृत टीका तथा हिन्दी टीका सहित। सरलता के लिये टीका में उदाहरण व चक्र भी दिये गये हैं। इसमें राजयुद्ध, मल्लयुद्ध, पण्डितों का शास्त्रार्थ तथा मुकदमा आदि में किरा की और कैसे जीत होगी ? इत्यादि जानने के लिये 'कटपय' क्रम से बहुत उत्तम-उत्तम युक्तियां है, तथा इससे जन्मपत्री आदि के बिना ही सच्चा फल तत्काल ज्ञात होता है।

सर्वतोभद्रचक्र- दैवज्ञ भूषण पं. मीठालालजी व्यास कृत, हिन्दी टीका सहित

|| सन् २०२१-२२, संवत् २०७८ || + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल
१	....	+१५।०६	+२२।०४	+२३।०६	+१८।००	+ ८।१६	- ३।१२	-१४।२६	-२१।४८	-२३।०१	-१७।०९	- ७।४०	+ ४।२८
२	....	+१५।२४	+२२।१२	+२३।०२	+१७।४५	+ ७।५४	- ३।३५	-१४।४५	-२१।५७	-२२।५६	-१६।५२	- ७।१७	....
३	....	+१५।४१	+२२।१९	+२२।५७	+१७।२९	+ ७।३२	- ३।५९	-१५।०४	-२२।०६	-२२।५०	-१६।३५	- ६।५४	....
४	....	+१५।५९	+२२।२६	+२२।५२	+१७।१३	+ ७।१०	- ४।२२	-१५।२३	-२२।१४	-२२।४४	-१६।१७	- ६।३१	....
५	....	+१६।१६	+२२।३३	+२२।४७	+१६।५७	+ ६।४८	- ४।४५	-१५।४१	-२२।२२	-२२।३८	-१५।५९	- ६।०८	....
६	....	+१६।३३	+२२।३९	+२२।४१	+१६।४१	+ ६।२५	- ५।०८	-१५।५९	-२२।३०	-२२।३१	-१५।४१	- ५।४४	....
७	....	+१६।५०	+२२।४५	+२२।३५	+१६।२४	+ ६।०३	- ५।३१	-१६।१७	-२२।३६	-२२।२४	-१५।२२	- ५।२१	....
८	....	+१७।०६	+२२।५१	+२२।२८	+१६।०७	+ ५।४१	- ५।५४	-१६।३५	-२२।४३	-२२।१६	-१५।०३	- ४।५८	....
९	....	+१७।२२	+२२।५६	+२२।२१	+१५।५०	+ ५।१८	- ६।१७	-१६।५२	-२२।४९	-२२।०८	-१४।४४	- ४।३४	....
१०	....	+१७।३८	+२३।०१	+२२।१४	+१५।३३	+ ४।५५	- ६।३९	-१७।०९	-२२।५५	-२१।५९	-१४।२५	- ४।११	....
११	....	+१७।५४	+२३।०५	+२२।०६	+१५।१५	+ ४।३२	- ७।०२	-१७।२६	-२३।००	-२१।५०	-१४।०५	- ३।४७	....
१२	....	+१८।०९	+२३।०९	+२१।५८	+१४।५७	+ ४।१०	- ७।२५	-१७।४२	-२३।०५	-२१।४०	-१३।४५	- ३।२४	....
१३	+ ९।०४	+१८।२४	+२३।१३	+२१।४९	+१४।३९	+ ३।४७	- ७।४७	-१७।५८	-२३।०९	-२१।३१	-१३।२५	- ३।००	....
१४	+ ९।२६	+१८।३८	+२३।१६	+२१।४०	+१४।२१	+ ३।२४	- ८।०९	-१८।१४	-२३।१३	-२१।२०	-१३।०५	- २।३६	....
१५	+ ९।४७	+१८।५३	+२३।१९	+२१।३१	+१४।०२	+ ३।०१	- ८।३२	-१८।२९	-२३।१६	-२१।०९	-१२।४५	- २।१३	....
१६	+१०।०८	+१९।०७	+२३।२१	+२१।२१	+१३।४३	+ २।३८	- ८।५४	-१८।४४	-२३।१९	-२०।५८	-१२।२४	- १।४९	....
१७	+१०।३०	+१९।२०	+२३।२३	+२१।११	+१३।२४	+ २।१४	- ९।१६	-१८।५९	-२३।२१	-२०।४७	-१२।०३	- १।२५	....
१८	+१०।५१	+१९।३४	+२३।२४	+२१।०१	+१३।०५	+ १।५१	- ९।३८	-१९।१४	-२३।२३	-२०।३५	-११।४२	- १।०२	....
१९	+११।१२	+१९।४७	+२३।२५	+२०।५०	+१२।४५	+ १।२८	- ९।५९	-१९।२८	-२३।२५	-२०।२२	-११।२१	- ०।३८	....
२०	+११।३२	+१९।५९	+२३।२६	+२०।३९	+१२।२६	+ १।०५	-१०।२१	-१९।४२	-२३।२६	-२०।१०	-१०।५९	- ०।१४	....
२१	+११।५३	+२०।१२	+२३।२६	+२०।२७	+१२।०६	+ ०।४१	-१०।४२	-१९।५५	-२३।२६	-१९।५७	-१०।३८	+ ०।१०	....
२२	+१२।१३	+२०।२४	+२३।२६	+२०।१६	+११।४६	+ ०।१८	-११।०४	-२०।०८	-२३।२६	-१९।४३	-१०।१६	+ ०।३३	....
२३	+१२।३३	+२०।३५	+२३।२६	+२०।०४	+११।२५	- ०।०५	-११।२५	-२०।२१	-२३।२६	-१९।२९	- ९।५४	+ ०।५७	....
२४	+१२।५३	+२०।४७	+२३।२५	+१९।५१	+११।०५	- ०।२९	-११।४६	-२०।३३	-२३।२५	-१९।१५	- ९।३२	+ १।२१	....
२५	+१३।१२	+२०।५८	+२३।२३	+१९।३८	+१०।४४	- ०।५२	-१२।०६	-२०।४५	-२३।२४	-१९।०१	- ९।१०	+ १।४४	....
२६	+१३।३२	+२१।०८	+२३।२१	+१९।२५	+१०।२४	- १।१५	-१२।२७	-२०।५७	-२३।२२	-१८।४६	- ८।४७	+ २।०८	....
२७	+१३।५१	+२१।१८	+२३।१९	+१९।१२	+१०।०३	- १।३९	-१२।४७	-२१।०८	-२३।१९	-१८।३०	- ८।२५	+ २।३१	....
२८	+१४।१०	+२१।२८	+२३।१६	+१८।५८	+ ९।४२	- २।०२	-१३।०८	-२१।१८	-२३।१७	-१८।१५	- ८।०२	+ २।५५	....
२९	+१४।२९	+२१।३८	+२३।१३	+१८।४४	+ ९।२०	- २।२५	-१३।२८	-२१।२९	-२३।१३	-१७।५९	....	+ ३।१८	....
३०	+१४।४७	+२१।४७	+२३।१०	+१८।३०	+ ८।५९	- २।४९	-१३।४७	-२१।३९	-२३।१०	-१७।४३	....	+ ३।४२	....
३१	....	+२१।५५	....	+१८।१५	+ ८।३७	....	-१४।०७	....	-२३।०६	-१७।२६	....	+ ४।०५	....

उत्तर (धन) — दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में)
संवत् २०७८, (सन २०२१-२२)

	महापात स्पर्शः		महापात मोक्षः	
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
व्यती.	२३ अप्रे.	१०।०६	२३ अप्रे.	१४।४६
वैधृति	४ मई	२८।५२	५ मई	१०।१४
व्यती.	१८ मई	२७।४४	१९ मई	१०।३२
वैधृति	३० मई	२४।२७	३१ मई	७।४१
व्यती.	१३ जून	२७।५९	१४ जून	१४।४८
वैधृति	२३ जून	१७।५७	२३ जून	२६।५९
व्यती.	६ जुला.	२८।४०	७ जुला.	१४।१४
वैधृति	२० जुला.	७।२८	२० जुला.	१३।४१
व्यती.	१ अग.	२४।४५	२ अग.	७।०४
वैधृति	१४ अग.	२६।५७	१५ अग.	७।३३
व्यती.	२७ अग.	१३।१७	२७ अग.	१८।०५
वैधृति	९ सितं.	१८।५३	९ सितं.	२२।४८
व्यती.	२१ सितं.	२५।५२	२१ सितं.	३०।०८
वैधृति	५ अक्टू.	१३।३८	५ अक्टू.	१७।३७
व्यती.	१७ अक्टू.	१४।२१	१७ अक्टू.	१८।४७
वैधृति	३१ अक्टू.	८।४४	३१ अक्टू.	१३।४०
व्यती.	११ नवं.	२७।४९	१२ नवं.	८।५९
वैधृति	२५ नवं.	२५।५५	२६ नवं.	९।०७
व्यती.	७ दिसं.	२८।१६	८ दिसं.	११।१९
वैधृति	१८ दिसं.	८।२८	१८ दिसं.	१८।२२
व्यती.	३१ दिसं.	१९।३२	३१ दिसं.	२६।५२
वैधृति	१३ जन.	१४।३१	१३ जन.	२२।१२
व्यती.	२६ जन.	२५।३५	२६ जन.	३०।४७
वैधृति	७ फर.	३०।०१	८ फर.	११।१८
व्यती.	२१ फर.	१७।१२	२१ फर.	२१।२७
वैधृति	५ मार्च	१९।४४	५ मार्च	२३।५६
व्यती.	१९ मार्च	८।०७	१९ मार्च	१२।०४
वैधृति	३१ मार्च	११।१९	३१ मार्च	१५।१८

संवत् २०७८ शाकः १९४३ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
चै.शु. ०१ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.शु. ०३ से शु द. उ. सू द. दि २० प्र.	चै.कृ. ०८ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.१० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.शु. १२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	फा.शु.१४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.०८ से वु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.शु. ०९ से वु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	फा.शु.१० से मं द. उ. वु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.१२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.शु. १२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.कृ. ०७ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.
बै.कृ. ०७ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.कृ.०९ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.शु.०४ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.कृ. १० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.कृ.११ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	बै.शु. १४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.शु. १५ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.०१ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	वै.शु. ०८ से वु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.शु. ११ से मं द. उ. वु द. दि.५६ प्र.	वै.शु. १० से मं द. उ. वु द. दि.५६ प्र.	वै.शु. १३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.
ज्ये.शु.१३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु. १५ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.कृ. १० से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.शु. ०६ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु. ०८ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.कृ. १३ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ. ०१ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ. ०१ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ. ०१ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.शु.०९ से वु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.शु. ०९ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	ज्ये.शु.११ से मं द. उ. वु द. दि.५६ प्र.
आ.शु.१२ से मं द. उ. वु द. दि.५६ प्र.	श्रा.शु.१४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ. ०२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.कृ.१२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.कृ. १३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.शु. १० से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.कृ.१४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.कृ. १४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.कृ. ०१ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.०१ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ. ०१ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	श्रा.शु.१० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.
भा.शु. १० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.शु.१२ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.०१ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	आ.कृ.०४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.कृ.०५ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.कृ.३० से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.शु.१२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.शु.१२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.कृ.१४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.०२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	का.कृ.०१ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.०२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.
का.कृ.०२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. ०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	का.शु.१३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.०३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.कृ. ०४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.कृ. ०७ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.०२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.शु. ०३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.शु. १२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.कृ.३० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.कृ. १४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.कृ. ०१ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.
पौ.कृ. ०१ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ. ०२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	पौ.कृ. ०४ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.शु. १५ से वु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. ०२ से वु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	पौ.कृ. ०५ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	पौ.कृ. ०८ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.कृ. ०९ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	पौ.शु. ०२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.शु. १२ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.शु. ११ से शु द. उ. सू द. दि २० प्र.	पौ.कृ. ३० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.
मा.कृ. ३० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.०२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.कृ.०४ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ. ०६ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.कृ.०८ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.कृ.०३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. ०६ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.कृ.०७ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.कृ.०८ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. ०३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	फा.शु.०२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	फा.शु.११ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.

प्रश्नवैष्णव- हिन्दी टीका सहित इसमें इत्थशालादि योग और बारहों भवन के अपूर्व प्रश्नविषय है ।

पद्मकोश- हिन्दी टीका सहित। केतु, मुथेश व नवग्रहों से दृष्टियुक्त मुंथाफल सहित। इसमें वर्षफल का भावाध्याय अच्छा है ।

लोमसंहिता- भावफलाध्याय । केवल संस्कृत में।

लीलावती- भास्कराचार्यजी कृत मूल और पं. रामस्वरूपजी कृत हिन्दी टीका सहित । व्यक्त गणित में अपूर्व ग्रन्थ।

वर्षप्रबोध- अर्थात् नूतन संवतसर शुभाशुभ प्रबोध। हिन्दी टीका सहित ।

रमलनवरत्न- हिन्दी टीका सहित तथा रमलदानियाल सहित। इसनें सोलह शकल पाशा फेंकने आदि का प्रकार है ।

विश्वकर्मविद्याप्रकाश - (शिल्पशास्त्र)- हिन्दी टीका सहित। देवालय व मकान आदि बांधने की तथा लाग्रिक ग्रहादि विचार से घर बनाने की विधि।

संवत् २०७८, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०२१

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	सोमवार २० सितंबर (भाद्रपद शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम) "	मंगलवार २१ सितंबर
द्वितीया (दूज) "	बुधवार २२ सितंबर
तृतीया (तीज) "	गुरुवार २३ सितंबर प्रातः ६।५४ बजे के बाद
चतुर्थी (चोथ) "	शुक्रवार २४ सितंबर प्रातः ८।२८ बजे के बाद
पंचमी (पांच) "	शनिवार २५ सितंबर दिन १०।३३ बजे के बाद
षष्ठी (छठ) "	सोमवार २७ सितंबर
सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	मंगलवार २८ सितंबर
अष्ठमी (आठं) "	बुधवार २९ सितंबर
नवमी (नौमी) "	गुरुवार ३० सितंबर
दशमी (दस) "	शुक्रवार १ अक्टूबर
एकादशी "	शनिवार २ अक्टूबर
द्वादशी (बारस) "	रविवार ३ अक्टूबर
त्रयोदशी (तेरस) "	सोमवार ४ अक्टूबर
चतुर्दशी (चौदस) "	मंगलवार ५ अक्टूबर
अमावस्या (मावस) "	बुधवार ६ अक्टूबर

१३ अप्रेल से २७ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	मं	१०	१३	१०	१७	अश्वि	२०	१०	१४	१५	वि	२२	२३	१५	०९	व	१०	१३	१०	१७	३१ ३७	६ ११	६ ५०	२३	३०	१३	मेषे	११।२९।०४।५८	५८।४४
सिंधारा	२	बु	१६	२६	१२	४५	भर	२७	४५	१७	१६	प्री	२४	४९	१६	०६	कौ	१६	२६	१२	४५	४१	१०	५१	२४	१	१४	वृषे २४।०३	०।००।०३।४२	५८।४१
गणगोर	३	गु	२३	०३	१५	२२	कृति	३५	३९	२०	२५	आ	२७	३०	१७	०९	ग	२३	०३	१५	२२	४५	०९	५१	२५	२	१५	वृषे	०।०१।०२।२३	५८।३९
मित्र	४	शु	२९	४१	१८	०१	रोहि	४३	३०	२३	३२	सौ	३०	१२	१८	१३	वि	२९	४१	१८	०१	४९	०८	५२	२६	३	१६	वृषे	०।०२।०१।०२	५८।३७
वज्र	५	श	३५	५४	२०	२९	मृग	५०	५०	२६	२७	शो	३२	३४	१९	०९	व	२	५५	७	१७	५३	०७	५२	२७	४	१७	मिथु. १३।०२	०।०२।५९।३९	५८।३५
ध्वाङ्क्ष	६	र	४१	०७	२२	३३	आर्द्रा	५७	०८	२८	५७	अ	३४	१३	१९	४७	कौ	८	४१	९	३५	५७	०६	५३	२८	५	१८	मिथु.	०।०३।५८।१४	५८।३२
धूम्र	७	सो	४४	५२	२४	०२	पुन	...	...	...	...	सु	३४	४७	२०	००	ग	१३	१४	११	२३	३२ ०१	०५	५४	२९	६	१९	कर्के २४।२६	०।०४।५६।४६	५८।३०
सुस्थिर	८	मं	४६	४२	२४	४५	पुन	१	५५	६	५०	धृ	३३	५६	१९	३९	वि	१६	०४	१२	३०	०४	०४	५४	३०	७	२०	कर्के	०।०५।५५।१६	५८।२८
रामनव	९	बु	४६	२५	२४	३७	पुष्य	४	४६	७	५८	शू	३१	२८	१८	३९	वा	१६	५२	१२	४८	०८	०३	५५	१	८	२१	कर्के	०।०६।५३।४४	५८।२६
अमृत	१०	गु	४३	५७	२३	३७	श्ले	५	३०	८	१४	गं	२७	१६	१६	५७	तै	१५	२९	१२	१४	१२	०२	५५	२	९	२२	सिंहे ८।१४	०।०७।५२।१०	५८।२४
ए.व्र.	११	शु	३९	२८	२१	४९	मघा	४	०७	७	४०	वृ	२१	२४	१४	३५	व	११	५८	१०	४९	१६	०१	५६	३	१०	२३	सिंहे	०।०८।५०।३३	५८।२१
प्र.व्र.	१२	श	३३	११	१९	१७	पूफा	० ५५	४८ ४८	६ २८	३० ३०	ध्रु	१४	०१	११	३७	व	६	३२	८	३७	१९	०१	५६	४	११	२४	कन्या ११।५३	०।०९।४८।५५	५८।१९
मानस	१३	र	२५	२९	१६	११	हस्त	४९	३६	२५	५०	व्या	५ ५५	४० ४०	२८ २८	०८ १६	तै	२५	२९	१६	११	२३	००	५७	५	१२	२५	कन्या	०।१०।४७।१४	५८।१७
मुद्गर	१४	सो	१६	४८	१२	४२	चित्रा	४२	३७	२३	०१	व	४५	२६	२४	०९	व	१६	४८	१२	४२	२७	५ ५३	५७	६	१३	२६	तुला. १२।२८	०।११।४५।३१	५८।१५
पूर्णिमा	१५	मं	७	३४	९	००	स्वा	३५	१७	२०	०५	सि	३४	५६	१९	५६	व	७	३४	९	००	३०	५८	५८	७	१४	२७	तुला.	०।१२।४३।४६	५८।१३

केतकी अहर्गणः ३६६० वसंतर्त्तू रविरुत्तरे, अप्रेल २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), नवरात्रारम्भः,घटस्था., ध्वजारो.,आरोग्य १, B
श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, रमजान ९ [B विद्या १,मेषे अश्वि. F
भ.२८।४२ उ., मन्वादि,मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, A
भ. १८।०१ या., मेषे अश्वि. बुधः २०।३२ [F रविः २५।५७ K
कल्पादि, डोलोत्सवः [K (सौरः २८।४०), मिथुने भौमः २२।४०
स्कन्द षष्ठी व्र. [A गणगौरी पूजा,मनोरथ तृतीया व्र.,सौभाग्य E
भ.२४।०२ उ.,सायन वृषे भानुः २५।५४ [E शयनव्र.,शिवशक्ति पू.
भ.१२।३० या.,भवान्युत्पत्तिः, शुक्रोदयः पश्चिमायाम् २५।५७ J
श्रीरामनवमी,भा.वैशाखारंभः
भर.बुधः२७।५४

शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

भ.१०।४९ उ. २१।४९ या.,कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, आर्द्रा. भौमः २३।१६
हस्ते रे. ८ IIIIISSIII रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, जैन महावीर जयंती, D
भ.१२।४२ उ.२२।५२ या.,स्वातौ रे.७ IIIISISSII रात्रौ लग्न १०, H
मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा पुण्यं,वैशाख स्नानारंभः,भर. C

[J अशोककलिका प्राशनं,भर.शुक्रः२४।२३ [D शिव पूजन विशेषः, धनि.-४ गुरुः ७।२७ [H १२, १, पूर्णिमा व्रतं, चित्रान्नदानं भक्षणञ्च [C रविः १७।४७ (सौरः २०।५४), अगस्त्यास्तः १९।३७

अयनांशाः २४।०७।५८

पं. १ चै.शु. २ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	११	१०	०	९	१	७
००	००	२४	०१	०४	१८	१९	१९
१०	११	४०	३०	५८	०९	१४	१४
२१	१९	४०	३४	२२	२७	०७	०७
५८	३६	१२१	१०	७४	३	३	३
४३	१०	५०	२७	१४	३६	११	११
अ	मृ	रे	ध	अ	श्र	रो	ज्ये
१	३	३	३	२	३	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अप्रे.	मेष प्रातः	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायं	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
११।२९।१२।११	१ मं	१३	६।१४	७।५०	९।४६	१२।०१	२।२१	४।३८	६।५४	९।१३	११।३१	१।३६	३।१९	४।४८
००।००।१०।५४	२ बु	१४	६।१०	७।४६	९।४२	११।५७	२।१७	४।३४	६।५०	९।०९	११।२७	१।३२	३।१५	४।४४
००।०१।०९।३५	३ गु	१५	६।०६	७।४२	९।३८	११।५३	२।१३	४।३०	६।४६	९।०५	११।२३	१।२८	३।११	४।४०
००।०२।०८।१४	४ शु	१६	६।०२	७।३८	९।३४	११।४९	२।०९	४।२६	६।४२	९।०१	११।२०	१।२४	३।०७	४।३६
००।०३।०६।५०	५ श	१७	५।५८	७।३४	९।३०	११।४५	२।०५	४।२२	६।३८	८।५७	११।१६	१।२०	३।०३	४।३२
००।०४।०५।२५	६ र	१८	५।५४	७।३०	९।२६	११।४१	२।०१	४।१८	६।३४	८।५३	११।१२	१।१६	२।५९	४।२८
००।०५।०३।५७	७ चं	१९	५।५०	७।२६	९।२३	११।३७	१।५७	४।१४	६।३०	८।४९	११।०८	१।१२	२।५६	४।२४
००।०६।०२।२७	८ मं	२०	५।४६	७।२२	९।१९	११।३३	१।५३	४।१०	६।२६	८।४५	११।०४	१।०८	२।५२	४।२०
००।०७।००।५४	९ बु	२१	५।४२	७।१८	९।१५	११।२९	१।४९	४।०६	६।२२	८।४१	११।००	१।०४	२।४८	४।१६
००।०७।५९।२०	१० गु	२२	५।३८	७।१४	९।११	११।२५	१।४६	४।०२	६।१८	८।३७	१०।५६	१।००	२।४४	४।१२
००।०८।५७।४३	११ शु	२३	५।३४	७।११	९।०७	११।२२	१।४२	३।५८	६।१४	८।३३	१०।५२	१२।५७	२।४०	४।०८
००।०९।५६।०४	१२ श	२४	५।३०	७।०७	९।०३	११।१८	१।३८	३।५५	६।१०	८।२९	१०।४८	१२।५३	२।३६	४।०४
००।१०।५४।२३	१३ र	२५	५।२६	७।०३	८।५९	११।१४	१।३४	३।५१	६।०६	८।२६	१०।४४	१२।४९	२।३२	४।००
००।११।५२।४०	१४ चं	२६	५।२३	६।५९	८।५५	११।१०	१।३०	३।४७	६।०२	८।२२	१०।४०	१२।४५	२।२८	३।५६
००।१२।५०।५४	१५ मं	२७	५।१९	६।५५	८।५१	११।०६	१।२६	३।४३	५।५९	८।१८	१०।३६	१२।४१	२।२४	३।५३

संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रेल २०२१

चैत्र शु. १ भौमे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २५।५७ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित् कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १९।५७ से बुधे ७।५७ तक। (दान- मेष)।

अयनांशाः २४।०७।५९

पं. २ चै.शु. ९ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	१०	०	९	१	७
०७	०४	०९	०२	१३	१८	१८	१८
००	२४	१५	४१	३७	३२	५१	५१
४५	५४	११	२७	३३	५७	५२	५२
५८	३६	१२७	९	७४	३	३	३
३०	१८	५८	४१	०६	०१	११	११
अ	मृ	अ	ध	भ	श्र	रो	ज्ये
३	४	३	३	१	३	३	१

२८ अप्रेल से ११ मई तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल-मई २०२१

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
क्षयः	१	मं	५८	१०	२९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।५५, अनुसूया जयंती, वृषे B
धाता	२	बु	४९	०५	२५	३५	विशा	२८	०३	१७	१०	व्य	२४	३१	१५	४५	तै	२३	३६	१५	२३	३२/३४	५/५७	६/५९	८	१५	२८	वृश्चि. ११।५३	०।१३।४१।५९	५८।११	बुधोदयः पश्चिमायाम् २२।१२ [B बुधः २८।१४
आनन्द	३	गु	४०	४०	२२	१२	अनु	२१	२०	१४	२८	व	१४	३०	११	४४	व	१४	४७	११	५१	३७	५६	५९	९	१६	२९	वृश्चि.	०।१४।४०।१०	५८।०९	भ. ११।५१ उ. २२।१२ या., कृत्ति. बुधः १२।१०
च.व्र.	४	शु	३३	१४	१९	१३	ज्ये	१५	३०	१२	०७	प	५/५६	११/४७	२८	००/३८	ब	६	४९	८	३९	४१	५५	७/००	१०	१७	३०	धनु. १२।०७	०।१५।३८।१८	५८।०७	मूले रे. ९ ।।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न गोधूलि(७), १०, १२, १, A
गद	५	श	२७	०५	१६	४४	मूल	१०	५२	१०	१५	सि	४९	३४	२५	४४	तै	२७	०५	१६	४४	४४	५४	००	११	१८	१	धनु.	०।१६।३६।२५	५८।०५	मई ५ ता. ३१, कृत्ति. शुक्रः १९।३९
शुन	६	र	२२	२६	१४	५२	पूषा	७	४१	८	५८	सा	४३	३७	२३	२१	च	२२	२६	१४	५२	४८	५४	०१	१२	१९	२	मक. १४।४५	०।१७।३४।३०	५८।०३	भ.१४।५२ उ. २६।११ या.,उषा.रे. ७ ।ऽ।।।ऽ।।।ऽ रात्रौलग्न १२,१
काण	७	सो	१९	२८	१३	४०	उषा	६	०७	८	२०	शु	३९	०४	२१	३१	ब	१९	२८	१३	४०	५१	५३	०१	१३	२०	३	मक.	०।१८।३२।३२	५८।०१	वूढो वास्योड़ो
लुम्बक	८	मं	१८	१३	१३	०९	श्रव	६	१६	८	२२	शु	३५	५४	२०	१४	कौ	१८	१३	१३	०९	५५	५२	०२	१४	२१	४	कुंभे २०।३९	०।१९।३०।३३	५७।५९	पंचक प्रारम्भः २०।३९, वृषे शुक्रः १२।३५
मित्र	९	बु	१८	४३	१३	२०	धनि	८	०७	९	०६	ब्र	३४	०५	१९	२९	ग	१८	४३	१३	२०	५८	५१	०३	१५	२२	५	कुंभे	०।२०।२८।३२	५७।५७	भ. २५।४१ उ.
वज्र	१०	गु	२०	४९	१४	१०	शत	११	३४	१०	२८	ऐ	३३	३०	१९	१५	वि	२०	४९	१४	१०	३३/०१	५१	०३	१६	२३	६	कुंभे	०।२१।२६।२८	५७।५५	भ. १४।१० या., रोहि. बुधः १६।०१
ए.व्र.	११	शु	२४	२०	१५	३४	पूभा	१६	२५	१२	२४	वै	३३	५७	१९	२५	वा	२४	२०	१५	३४	०५	५०	०४	१७	२४	७	मीने ५।५२	०।२२।२४।२३	५७।५३	उभा. रे. ७ ऽऽ।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न १०, १, वरुथिनि ११ व्र., C
प्र.व्र.	१२	श	२८	५८	१७	२४	उभा	२२	२४	१४	४७	वि	३५	१५	१९	५५	तै	२८	५८	१७	२४	०८	४९	०४	१८	२५	८	मीने	०।२३।२२।१६	५७।५१	प्रदोषः [C टैगोर जयन्ती
प्रवर्धमा	१३	र	३४	२६	१९	३५	रेव	२९	१२	१७	२९	प्री	३७	१०	२०	४०	ग	१	३८	६	२८	११	४९	०५	१९	२६	९	मेषे १७।२९	०।२४।२०।०७	५७।४९	भ. १९।३५ उ., पंचक समाप्तिः १७।२९, मासिकशिवरात्री व्र.
राक्षस	१४	सो	४०	२८	२१	५९	अश्वि	३६	३३	२०	२५	आ	३९	२९	२१	३५	वि	७	२५	८	४६	१४	४८	०५	२०	२७	१०	मेषे	०।२५।१७।५६	५७।४७	भ. ८।४६ या.
अमाव.	३०	मं	४६	४७	२४	३०	भर	४४	१३	२३	२८	सौ	४२	०३	२२	३६	च	१३	३६	११	१४	१७	४७	०६	२१	२८	११	मेषे	०।२६।१५।४३	५७।४५	देवपितृकार्येऽमा., कृत्ति. रविः ११।५८ (सौरः १५।५२)

अयनांशाः २४।०८।००

पं. ३ वै.कृ. २ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	१०	०	९	१	७
१३	०८	२४	०३	२२	१८	१८	१८
४९	३९	०५	४६	१५	५२	२९	२९
३६	१९	२५	४१	४८	१०	३८	३८
५८	३६	१२३	८	७३	२	३	३
१७	२४	०६	४९	५८	२३	१०	१०
भ	आ	भ	ध	भ	श्र	रो	ज्ये
१	१	४	४	३	३	३	१

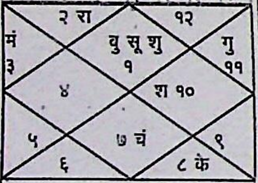

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।१३।४९।०७	२ बु	२८	५।१५	६।५१	८।४७	११।०२	१।२२	३।३९	५।५५	८।१४	१०।३२	१२।३७	२।२०	३।४९
००।१४।४७।१७	३ गु	२९	५।११	६।४७	८।४३	१०।५८	१।१८	३।३५	५।५१	८।१०	१०।२८	१२।३३	२।१६	३।४५
००।१५।४५।२६	४ शु	३०	५।०७	६।४३	८।३९	१०।५४	१।१४	३।३१	५।४७	८।०६	१०।२४	१२।२९	२।१२	३।४१
००।१६।४३।३२	५ श	१	५।०३	६।३९	८।३५	१०।५०	१।१०	३।२७	५।४३	८।०२	१०।२०	१२।२५	२।०८	३।३७
००।१७।४१।३७	६ र	२	४।५९	६।३५	८।३१	१०।४६	१।०६	३।२३	५।३९	७।५८	१०।१७	१२।२१	२।०४	३।३३
००।१८।३९।३९	७ चं	३	४।५५	६।३१	८।२७	१०।४२	१।०२	३।१९	५।३५	७।५४	१०।१३	१२।१७	२।००	३।२९
००।१९।३७।३९	८ मं	४	४।५१	६।२७	८।२३	१०।३८	१२।५८	३।१५	५।३१	७।५०	१०।०९	१२।१३	१।५६	३।२५
००।२०।३५।३८	९ बु	५	४।४७	६।२३	८।१९	१०।३४	१२।५४	३।११	५।२७	७।४६	१०।०५	१२।०९	१।५३	३।२१
००।२१।३३।३४	१० गु	६	४।४३	६।१९	८।१६	१०।३०	१२।५०	३।०७	५।२३	७।४२	१०।०१	१२।०५	१।४९	३।१७
००।२२।३१।२९	११ शु	७	४।३९	६।१५	८।१२	१०।२६	१२।४६	३।०३	५।१९	७।३८	९।५७	१२।०१	१।४५	३।१३
००।२३।२९।२१	१२ श	८	४।३५	६।११	८।०८	१०।२२	१२।४३	२।५९	५।१५	७।३४	९।५३	११।५७	१।४१	३।०९
००।२४।२७।१२	१३ र	९	४।३१	६।०७	८।०४	१०।१९	१२।३९	२।५५	५।११	७।३०	९।४९	११।५३	१।३७	३।०५
००।२५।२५।०१	१४ चं	१०	४।२७	६।०४	८।००	१०।१५	१२।३५	२।५१	५।०७	७।२६	९।४५	११।५०	१।३३	३।०१
००।२६।२२।४८	३० मं	११	४।२३	६।००	७।५६	१०।११	१२।३१	२।४८	५।०३	७।२२	९।४१	११।४६	१।२९	२।५७

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २०२१
वैशा. शु. ३ भृगौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।५० वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (वैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १६।२६ से २२।५० तक । (दान- गौ) ।

अयनांशाः २४।०८।०१

पं. ४ वै.कृ. ९ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	१	१०	१	९	१	७
२०	१२	०७	०४	००	१९	१८	१८
३६	५४	३४	४५	५३	०६	०७	०७
५९	२७	१७	४५	१२	५५	२३	२३
५८	३६	१०३	७	७३	१	३	३
०५	३०	२२	५४	५१	४४	११	११
भ	आ	कृ	ध	कृ	श्र	रो	ज्ये
३	२	४	४	२	३	३	१

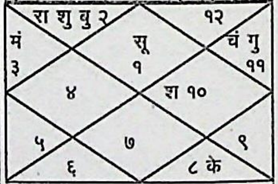

१२ मई से २६ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	बु	५३	१३	२७	०४	कृति	५१	५९	२६	३४	शो	४४	४२	२३	३९	किं	२०	००	१३	४७	३३/३०	५/४७	७/०७	२२	२९	१२	वृषे ६।१५	०।२७।१३।२९	५७।४४
उत्पात	२	गु	५९	३१	२९	३४	रोहि	५९	३९	२९	३७	अ	४७	१७	२४	४१	वा	२६	२४	१६	१९	२३	४६	०७	२३	३०	१३	वृषे	०।२८।११।१२	५७।४२
अक्षया	३	शु	...	...	...	...	मृग	...	...	...	...	सु	४९	३६	२५	३६	तै	३२	३२	१८	४६	२६	४५	०८	२४	१	१४	मिथु. ११।०६	०।२९।०८।५४	५७।४०
वज्र	३	श	५	२५	७	५५	मृग	६	५७	८	३२	धृ	५१	२६	२६	१९	ग	५	२५	७	५५	२९	४५	०८	२५	२	१५	मिथु.	१।००।०६।३४	५७।३८
ध्वाङ्क्ष	४	र	१०	३५	९	५८	आर्द्रा	१३	३०	११	०८	शू	५२	३१	२६	४५	वि	१०	३५	९	५८	३२	४४	०९	२६	३	१६	मिथु.	१।०१।०४।१३	५७।३७
धूम्र	५	सो	१४	३७	११	३५	पुन	१८	५८	१३	१९	गं	५२	३२	२६	४४	वा	१४	३७	११	३५	३४	४४	०९	२७	४	१७	कर्के ६।४९	१।०२।०१।५०	५७।३५
प्रवर्धमा	६	मं	१७	१०	१२	३५	पुष्य	२२	५८	१४	५४	वृ	५१	१६	२६	१४	तै	१७	१०	१२	३५	३७	४३	१०	२८	५	१८	कर्के	१।०२।५९।२५	५७।३३
राक्षस	७	बु	१७	५८	१२	५४	श्ले	२५	१५	१५	४९	ध्रु	४८	३२	२५	०७	व	१७	५८	१२	५४	४०	४३	११	२९	६	१९	सिंहे १५।४९	१।०३।५६।५८	५७।३२
मुसल	८	गु	१६	५१	१२	२७	मघा	२५	३९	१५	५८	व्या	४४	१७	२३	२५	व	१६	५१	१२	२७	४२	४२	११	३०	७	२०	सिंहे	१।०४।५४।३०	५७।३०
सिद्धि	९	शु	१३	४९	११	१४	पूफा	२४	११	१५	२२	ह	३८	३१	२१	०६	कौ	१३	४९	११	१४	४५	४२	१२	३१	८	२१	कन्या २१।०७	१।०५।५२।००	५७।२९
उत्पात	१०	श	९	००	९	१८	उफा	२०	५७	१४	०४	व	३१	२०	१८	१३	ग	९	००	९	१८	४७	४१	१२	१	९	२२	कन्या	१।०६।४९।२९	५७।२७
ए.व्र.	११	र	२	३६	६	४४	हस्त	१६	१२	१२	१०	सि	२२	५८	१४	५२	वि	२	३६	६	४४	५०	४१	१३	२	१०	२३	तुला. २३।०१	१।०७।४६।५६	५७।२६
क्षयः	१२	र	५४	५४	२७	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्र.व्र.	१३	सो	४६	१७	२४	११	चित्रा	१०	१५	९	४७	व्य	१३	३८	११	०८	कौ	२०	४२	१३	५७	५२	४१	१३	३	११	२४	तुला.	१।०८।४४।२२	५७।२४
ध्वजा	१४	मं	३७	०७	२०	३१	स्वा	३/५६	२८/१४	७/२८	०४/१०	व	३/५३	३९/१६	७/२६	०८/५९	ग	११	४५	१०	२२	५४	४०	१४	४	१२	२५	वृश्चि. २२।५४	१।०९।४१।४६	५७।२३
पूर्णिमा	१५	बु	२७	४५	१६	४६	अनु	४९	००	२५	१६	शि	४२	५२	२२	४९	वि	२	२६	६	३८	५६	४०	१५	५	१३	२६	वृश्चि.	१।१०।३९।०९	५७।२१

केतकी अहर्गणः ३६८९ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
रोहि. शुक्रः १५।३७
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), शिवाजी जयंती
युगादि, कल्पादि, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया, B
भ.२१।०० उ. [B सव्वाल १०, वृषे रविः २२।५० (सौरः २७।०१)
भ. ९।५८ या., पुन. भौमः २१।०२, मृगे बुधः ९।५७
श्री आद्यशंकराचार्य जयंती
श्री रामानुज जयंती [C मिथुने बुधः २४।४९
भ. १२।५४ उ. २४।४६ या., गंगोत्पत्ति
सायन मिथुने भानुः २४।५९ [D शनिः २५।३६
उफा. रे. ६ SSIIISISII रात्रौ लग्न १०, सीता ९
भ. २०।०५ उ., भा. ज्येष्ठारंभः, शत.-१ गुरुः ५।५३
भ. ६।४४ या., मोहिनी ११ व्र., मृगे शुक्रः १२।१६, वक्री D
[A वैशाखस्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदानं
स्वातौ रे. ७ ISISIISIII रात्रौ लग्न १०, १, प्रदोषः
भ.२०।३१ उ., नृसिंह १४,रोहि. रविः ८।१२ (सौरः १३।१८), C
भ. ६।३८ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २४।०८।०२

पं. ५ वै.शु. १ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	१	१०	१	९	१	७
२७	१७	१८	०५	०९	१९	१७	१७
२३	१०	२२	३८	२९	१७	४५	४५
०१	१४	११	०३	४४	००	०८	०८
५७	३६	७७	६	७३	१	३	३
५४	३५	३९	५४	४४	०४	११	११
कृ	आ	रो	ध	कृ	श्र	रो	ज्ये
१	४	३	४	४	३	३	१

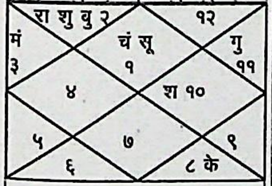

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।२७।२०।३३	१ बु	१२	४।१९	५।५६	७।५२	१०।०७	१२।२७	२।४४	४।५९	७।१९	९।३७	११।४२	१।२५	२।५३
००।२८।१८।१६	२ गु	१३	४।१६	५।५२	७।४८	१०।०३	१२।२३	२।४०	४।५५	७।१५	९।३३	११।३८	१।२१	२।५०
००।२९।१५।५८	३ शु	१४	४।१२	५।४८	७।४४	९।५९	१२।१९	२।३६	४।५२	७।११	९।२९	११।३४	१।१७	२।४६
०१।००।१३।३८	३ श	१५	४।०८	५।४४	७।४०	९।५५	१२।१५	२।३२	४।४८	७।०७	९।२५	११।३०	१।१३	२।४२
०१।०१।११।१६	४ र	१६	४।०४	५।४०	७।३६	९।५१	१२।११	२।२८	४।४४	७।०३	९।२१	११।२६	१।०९	२।३८
०१।०२।०८।५२	५ चं	१७	४।००	५।३६	७।३२	९।४७	१२।०७	२।२४	४।४०	६।५९	९।१७	११।२२	१।०५	२।३४
०१।०३।०६।२७	६ मं	१८	३।५६	५।३२	७।२८	९।४३	१२।०३	२।२०	४।३६	६।५५	९।१३	११।१८	१।०१	२।३०
०१।०४।०४।००	७ बु	१९	३।५२	५।२८	७।२४	९।३९	११।५९	२।१६	४।३२	६।५१	९।१०	११।१४	१२।५७	२।२६
०१।०५।०१।३२	८ गु	२०	३।४८	५।२४	७।२०	९।३५	११।५५	२।१२	४।२८	६।४७	९।०६	११।१०	१२।५३	२।२२
०१।०५।५९।०२	९ शु	२१	३।४४	५।२०	७।१६	९।३१	११।५१	२।०८	४।२४	६।४३	९।०२	११।०६	१२।४९	२।१८
०१।०६।५६।३०	१० श	२२	३।४०	५।१६	७।१२	९।२७	११।४७	२।०४	४।२०	६।३९	८।५८	११।०२	१२।४६	२।१४
०१।०७।५३।५७	११ र	२३	३।३६	५।१२	७।०९	९।२३	११।४३	२।००	४।१६	६।३५	८।५४	१०।५८	१२।४२	२।१०
०१।०८।५१।२३	१३ चं	२४	३।३२	५।०८	७।०५	९।१९	११।३९	१।५६	४।१२	६।३१	८।५०	१०।५४	१२।३८	२।०६
०१।०९।४८।४७	१४ मं	२५	३।२८	५।०४	७।०१	९।१५	११।३६	१।५२	४।०८	६।२७	८।४६	१०।५०	१२।३४	२।०२
०१।१०।४६।०९	१५ बु	२६	३।२४	५।००	६।५७	९।१२	११।३२	१।४८	४।०४	६।२३	८।४२	१०।४६	१२।३०	१।५८

अयनांशाः २४।०८।०३

पं. ६ वै.शु. ७ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	१	१०	१	९	१	७
०४	२१	२६	०६	१८	१९	१७	१७
०७	२६	०१	२३	०५	२२	२२	२२
५०	३६	१७	०२	२९	२१	५४	५४
५७	३६	४८	५	७३	०	३	३
४४	४०	३९	४८	३७	२२	११	११
कृ	पुन	मृ	ध	रो	श्र	रो	ज्ये
३	१	१	४	३	३	३	१

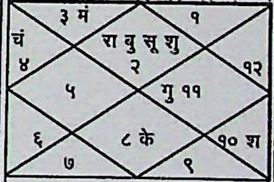

अयनांशाः २४।०८।०४

पं. ७ वै.शु.१५ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	२	२	१०	१	९	१	७
१०	२५	००	०७	२६	१९	१७	१७
५१	४३	०४	००	४०	२२	००	००
३२	३२	०८	१२	२७	५५	३८	३८
५७	३६	१५	४	७३	०	३	३
३५	४५	३२	३८	३०	१८	११	११
रो	पुन	मृ	श	मृ	श्र	रो	ज्ये
१	२	३	१	२	३व	३	१

२७ मई से १० जून तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३,																						दिमा सू. सू. तारीख						स्टै.	प्रातः	दैनिक	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति गुर्जराः, मई-जून २०२१
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
काल	१	गु	१८	३७	१३	०६	ज्ये	४२	०८	२२	३१	सि	३२	४५	१८	४६	कौ	१८	३७	१३	०६	३३/५८	५/४०	७/१५	६	१४	२७	धनु. २२।३१	१।११।३६।३०	५७।२०	[B राहुः १७।३१, अनु.-४ केतुः १७।३१
सुस्थिर	२	शु	१०	०५	९	४१	मूल	३६	०३	२०	०४	सा	२३	१४	१४	५७	ग	१०	०५	९	४१	३४/००	३५	१६	७	१५	२८	धनु.	१।१२।३३।५०	५७।१९	भ. २०।०७ उ., नारद जयंती, वीणादानं, मिथुने शुक्रः २२।४९
च.व्र.	३	श	२	२९	६	३९	पूषा	३१	०६	१८	०५	शु	१४	३४	११	२९	वि	२	२९	६	३९	०२	३९	१६	८	१६	२९	मक. २३।४१	१।१३।३१।०९	५७।१७	भ. ६।३९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।४१
क्षयः	४	श	५६	१२	२८	०८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A भाऊका ३०
अमृत	५	र	५१	३२	२६	१६	उषा	२७	३८	१६	४२	शु	७	०३	८	२८	कौ	२३	३९	१५	०६	०४	३९	१७	९	१७	३०	मक.	१।१४।२८।२६	५७।१६	वक्री बुधः १२।१३
सिद्धि	६	सो	४८	४२	२५	०७	श्रव	२५	५४	१६	००	ब्र	०/५६	५४/५५	६/२८	००/०९	ग	११	५२	१३	३६	०६	३९	१७	१०	१८	३१	कुंभे २७।५७	१।१५।२५।४२	५७।१५	भ. २५।०७ उ., पंचक प्रारम्भः २७।५७
उत्पात	७	मं	४७	५०	२४	४६	धनि	२६	०६	१६	०५	वै	५३	१३	२६	५६	वि	१८	०१	१२	५१	०८	३८	१८	११	१९	१	कुंभे	१।१६।२२।५७	५७।१४	भ. १२।५१ या., जून ६ ता. ३०, कर्के भौमः २८।५९, रोहि.-२ B
मानस	८	बु	४८	५८	२५	१३	शत	२८	१५	१६	५६	वि	५१	४५	२६	२०	बा	१८	१०	१२	५४	०९	३८	१८	१२	२०	२	कुंभे	१।१७।२०।११	५७।१३	(व) वृषे बुधः २८।०४, बुधास्तः पश्चिमायाम् १४।२८
मुद्गर	९	गु	५१	५५	२६	२४	पूभा	३२	१६	१८	३३	प्री	५१	४२	२६	१९	तै	२०	१३	१३	४३	११	३८	१९	१३	२१	३	मीने १२।०५	१।१८।१७।२३	५७।११	आर्द्रा. शुक्रः ९।३३
ध्वजा	१०	शु	५६	२४	२८	१२	उभा	३७	५२	२०	४७	आ	५२	४९	२६	४६	व	२३	५९	१५	१४	१३	३८	१९	१४	२२	४	मीने	१।१९।१४।३५	५७।१०	भ. १५।१४ उ. २८।१२ या.
धाता	११	श	...	...	...	...	रेव	४४	४०	२३	३०	सौ	५४	५०	२७	३४	व	२९	०६	१७	१६	१४	३८	१९	१५	२३	५	मेषे २३।३०	१।२०।११।४५	५७।०९	रेवत्यां रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८), ९, C
ए.व्र.	११	र	२	००	६	२६	अश्वि	५२	११	२६	३०	शो	५७	२१	२८	३४	बा	२	००	६	२६	१५	३८	२०	१६	२४	६	मेषे	१।२१।०८।५४	५७।०८	अपरा ११ व्र. [C पंचक समाप्तिः २३।३०
प्र.व्र.	१२	सो	८	१३	८	५५	भर	६०	००	२९	३८	अ	...	...	...	...	तै	८	१३	८	५५	१७	३८	२०	१७	२५	७	मेषे	१।२२।०६।०२	५७।०७	प्रदोषः, पुष्ये भौमः १५।१३
गद	१३	मं	१४	४०	११	२९	कृति	...	...	...	...	अ	०	०५	५	४०	व	१४	४०	११	२९	१८	३८	२१	१८	२६	८	वृषे १२।२४	१।२३।०३।१०	५७।०६	भ. ११।२९ उ. २४।४५ या., मासिकशिवरात्री व्र., मृगे रविः D
सिद्धि	१४	बु	२०	५६	१४	००	कृति	७	४४	८	४३	सु	२	४५	६	४४	श	२०	५६	१४	००	१९	३८	२१	१९	२७	९	वृषे	१।२४।००।१६	५७।०५	वट सावित्री व्र. (मरु.) [D ६।०६ (सौरः १२।४२)
अमाव.	३०	गु	२६	४८	१६	२१	रोहि	१५	०८	११	४१	धृ	५	१०	७	४२	ना	२६	४८	१६	२१	२०	३८	२२	२०	२८	१०	मिथु. २५।०५	१।२४।५७।२१	५७।०४	शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, A

अयनांशाः २४।०८।०५

पं. ८ ज्ये.कृ. ८ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	२	१०	२	९	१	७
१७	००	००	०७	०५	१९	१६	१६
३४	०१	१४	२९	१४	१८	३८	३८
१८	०१	४३	००	३९	४२	२४	२४
५७	३६	१५	३	७३	०	३	३
२८	५०	४५	२४	२३	५९	११	११
रो	पुन	मृ	श	मृ	श्र	रो	अनु
३	४	३व	१	४	३व	२	४

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।११।४३।३०	१ गु	२७	३।२०	४।५७	६।५३	९।०८	११।२८	१।४४	४।००	६।१९	८।३८	१०।४३	१२।२६	१।५४
०१।१२।४०।५०	२ शु	२८	३।१६	४।५३	६।४९	९।०४	११।२४	१।४१	३।५६	६।१५	८।३४	१०।३९	१२।२२	१।५०
०१।१३।३८।०९	३ श	२९	३।१२	४।४९	६।४५	९।००	११।२०	१।३७	३।५२	६।१२	८।३०	१०।३५	१२।१८	१।४६
०१।१४।३५।२६	५ र	३०	३।०९	४।४५	६।४१	८।५६	११।१६	१।३३	३।४८	६।०८	८।२६	१०।३१	१२।१४	१।४३
०१।१५।३२।४२	६ चं	३१	३।०५	४।४१	६।३७	८।५२	११।१२	१।२९	३।४५	६।०४	८।२२	१०।२७	१२।१०	१।३९
०१।१६।२९।५६	७ मं	१	३।०१	४।३७	६।३३	८।४८	११।०८	१।२५	३।४१	६।००	८।१८	१०।२३	१२।०६	१।३५
०१।१७।२७।१०	८ बु	२	२।५७	४।३३	६।२९	८।४४	११।०४	१।२१	३।३७	५।५६	८।१४	१०।१९	१२।०२	१।३१
०१।१८।२४।२२	९ गु	३	२।५३	४।२९	६।२५	८।४०	११।००	१।१७	३।३३	५।५२	८।१०	१०।१५	११।५८	१।२७
०१।१९।२१।३३	१० शु	४	२।४९	४।२५	६।२१	८।३६	१०।५६	१।१३	३।२९	५।४८	८।०६	१०।११	११।५४	१।२३
०१।२०।१८।४३	११ श	५	२।४५	४।२१	६।१७	८।३२	१०।५२	१।०९	३।२५	५।४४	८।०३	१०।०७	११।५०	१।१९
०१।२१।१५।५२	११ र	६	२।४१	४।१७	६।१३	८।२८	१०।४८	१।०५	३।२१	५।४०	७।५९	१०।०३	११।४६	१।१५
०१।२२।१३।००	१२ चं	७	२।३७	४।१३	६।०९	८।२४	१०।४४	१।०१	३।१७	५।३६	७।५५	९।५९	११।४२	१।११
०१।२३।१०।०७	१३ मं	८	२।३३	४।०९	६।०५	८।२०	१०।४०	१२।५७	३।१३	५।३२	७।५१	९।५५	११।३८	१।०७
०१।२४।०७।१३	१४ बु	९	२।२९	४।०५	६।०२	८।१६	१०।३६	१२।५३	३।०९	५।२८	७।४७	९।५१	११।३५	१।०३
०१।२५।०४।१८	३० गु	१०	२।२५	४।०१	५।५८	८।१२	१०।३२	१२।४९	३।०५	५।२४	७।४३	९।४७	११।३१	१२।५९

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। चन्द्रजीवोयदापंच धान्यादीनांसमर्घता ॥ कृष्णा प्रतिपदा को बृहस्पतिवार होने से समर्धता हो। कृष्णा एकादशी में रेवती होने से खण्ड वृष्टि हो। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या रोहिणी योग सुभिक्ष और सुखद है। सुदी दोयज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे। पूर्णिमा ज्येष्ठा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।०८।०६

पं. ९ ज्ये.कृ.१४ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	१	१०	२	९	१	७
२४	०४	२७	०७	१३	१९	१६	१६
१६	१९	२१	४९	४८	०९	१६	१६
१६	०३	१४	०१	०२	५२	०८	०८
५७	३६	३२	२	७३	१	३	३
२२	५४	५७	०७	१६	३८	११	११
मृ	पु	मृ	श	आ	श्र	रो	अनु
१	१	२व	१	३	३व	२	४

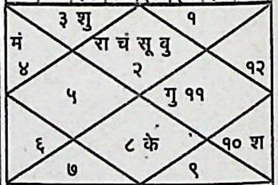

११ जून से २४ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	शु	३२	०६	१८	२८	मृग	२१	५९	१४	२५	शू	७	११	८	३०	व	३२	०६	१८	२८	३४/३१	५/३८	७/२२	२१	२९	११	मिथु.	१।२५।५४।२६	५७।०४
मुद्गर	२	श	३६	३६	२०	१६	आर्द्रा	२८	०८	१६	५३	गं	८	३९	९	०५	वा	४	२७	७	२५	२२	३८	२२	२२	१	१२	मिथु.	१।२६।५१।२९	५७।०३
ध्वजा	३	र	४०	०८	२१	४१	पुन	३३	२१	१८	५८	वृ	९	२७	९	२४	तै	८	३०	९	०२	२२	३८	२३	२३	२	१३	कर्क १२।२९	१।२७।४८।३२	५७।०२
धाता	४	सो	४२	३०	२२	३८	पुष्य	३७	२७	२०	३७	ध्रु	९	२४	९	२३	व	११	२८	१०	१३	२३	३८	२३	२४	३	१४	कर्क	१।२८।४५।३४	५७।०१
आनन्द	५	मं	४३	३०	२३	०२	श्ले	४०	१६	२१	४४	व्या	८	२२	८	५९	व	१३	१०	१०	५४	२४	३८	२३	२५	४	१५	सिंहे २१।४४	१।२९।४२।३५	५७।००
चर	६	बु	४३	०४	२२	५२	मघा	४१	३९	२२	१८	ह	६	१५	८	०८	कौ	१३	२८	११	०१	२४	३८	२४	२६	५	१६	सिंहे	२।००।३९।३५	५७।००
गद	७	गु	४१	०८	२२	०५	पूफा	४१	३४	२२	१६	व	२/५८	५७/२७	६/२९	४९/०१	ग	१२	१७	१०	३३	२४	३८	२४	२७	६	१७	कन्या २८।१०	२।०१।३६।३५	५६।५९
शुभ	८	शु	३७	४२	२०	४३	उफा	४०	००	२१	३८	व्य	५२	४७	२६	४५	वि	९	३६	९	२९	२५	३८	२४	२८	७	१८	कन्या	२।०२।३३।३४	५६।५९
मृत्यु	९	श	३२	५४	१८	४८	हस्त	३७	०५	२०	२८	व	४६	००	२४	०२	वा	५	२७	७	४९	२५	३८	२४	२९	८	१९	कन्या	२।०३।३०।३३	५६।५८
गंगा	१०	र	२६	५१	१६	२३	चित्रा	३२	५५	१८	४९	प	३८	१४	२०	५६	तै	०	०१	५	३९	२५	३९	२५	३०	९	२०	तुला. ७।४२	२।०४।२७।३१	५६।५७
ए.व्र.	११	सो	१९	४६	१३	३३	स्वा	२७	४५	१६	४५	शि	२९	३९	१७	३०	वि	१९	४६	१३	३३	२५	३९	२५	३१	१०	२१	तुला.	२।०५।२४।२८	५६।५७
प्र.व्र.	१२	मं	११	५४	१०	२५	विशा	२१	४९	१४	२३	सि	२०	२६	१३	४९	वा	११	५४	१०	२५	२५	३९	२५	१	११	२२	वृश्चि. ९।००	२।०६।२१।२५	५६।५७
सौम्य	१३	बु	३	३०	७	०३	अनु	१५	२६	११	५०	सा	१०	४९	९	५९	तै	३	३०	७	०३	२५	३९	२५	२	१२	२३	वृश्चि.	२।०७।१८।२२	५६।५६
क्षयः	१४	बु	५४	५६	२७	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	गु	४६	२९	२४	१५	ज्ये	८	५५	९	१४	शु	१/५१	०६/३२	६/२६	०६/१७	वि	२०	४०	१३	५६	२५	४०	२५	३	१३	२४	धनु. ९।१४	२।०८।१५।१८	५६।५६

केतकी अहर्गणः ३७१९ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, जून २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), भाऊका-करिदिन, करिदिनं, श्री D
जिल्काद ११ [D गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा.
रंभा व्रतं, प्रताप जयंती [C व्र., कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः
भ.१०।१३ उ. २२।३८ या.,मिथुने रविः २९।३१, पुन. शुक्रः ७।३२
मिथुने सौरः १२।५८
(व) रोहि. बुधः २०।२१ [G अनावृष्टिः
भ. २२।०५ उ. [E ७।५५, सं.स्त्री.नपु.चं.सू.वाहन जम्बूक G
भ. ९।२९ या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती [F अयन करिदिन
[B १३।२९, बुधोदयः पूर्वस्याम् २०।३८, कर्के शुक्रः १२।३३, F
भ. २७।०१ उ., स्वातौ रे. ८ ॥।ऽ॥ऽ॥। रात्रौ लग्न १२, H
भ. १३।३३ या., निर्जला ११ व्र., आर्द्रा. रविः २९।०८, सायन A
प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः, भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. सौरः B
भ. २७।३८ उ., मार्गी बुधः २१।५६ [H गंगा दशहरा व्र.
[A कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ ८।५८, वक्री गुरुः E
भ.१३।५६ या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं,अब्द साध्य C

अयनांशाः २४।०८।०७

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.१० ज्ये.शु. ६ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	१	१०	२	९	१	७
००	०८	२३	०७	२२	१८	१५	१५
५७	३७	३६	५९	२०	५६	५३	५३
३६	३९	०७	५३	३२	३३	५३	५३
५७	३६	२६	०	७३	२	३	३
१८	५९	१७	४७	०८	१५	११	११
मृ	पु	मृ	श	पुन	श्र	रो	अनु
३	२	१व	१	१	३व	२	४

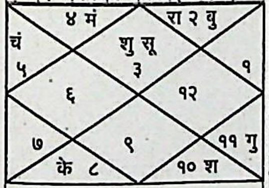

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन प्रातः	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायं	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०१।२६।०१।२३	१ शु	११	२।२१	३।५७	५।५४	८।०८	१०।२९	१२।४५	३।०१	५।२०	७।३९	९।४३	११।२७	१२।५५
०१।२६।५८।२६	२ श	१२	२।१७	३।५३	५।५०	८।०४	१०।२५	१२।४१	२।५७	५।१६	७।३५	९।३९	११।२३	१२।५१
०१।२७।५५।२८	३ र	१३	२।१३	३।५०	५।४६	८।०१	१०।२१	१२।३७	२।५३	५।१२	७।३१	९।३६	११।१९	१२।४७
०१।२८।५२।३०	४ चं	१४	२।०९	३।४६	५।४२	७।५७	१०।१७	१२।३४	२।४९	५।०८	७।२७	९।३२	११।१५	१२।४३
०१।२९।४९।३१	५ मं	१५	२।०५	३।४२	५।३८	७।५३	१०।१३	१२।३०	२।४५	५।०५	७।२३	९।२८	११।११	१२।३९
०२।००।४६।३२	६ बु	१६	२।०२	३।३८	५।३४	७।४९	१०।०९	१२।२६	२।४१	५।०१	७।१९	९।२४	११।०७	१२।३५
०२।०१।४३।३१	७ गु	१७	१।५८	३।३४	५।३०	७।४५	१०।०५	१२।२२	२।३८	४।५७	७।१५	९।२०	११।०३	१२।३२
०२।०२।४०।३०	८ शु	१८	१।५४	३।३०	५।२६	७।४१	१०।०१	१२।१८	२।३४	४।५३	७।११	९।१६	१०।५९	१२।२८
०२।०३।३७।२९	९ श	१९	१।५०	३।२६	५।२२	७।३७	९।५७	१२।१४	२।३०	४।४९	७।०७	९।१२	१०।५५	१२।२४
०२।०४।३४।२६	१० र	२०	१।४६	३।२२	५।१८	७।३३	९।५३	१२।१०	२।२६	४।४५	७।०३	९।०८	१०।५१	१२।२०
०२।०५।३१।२४	११ चं	२१	१।४२	३।१८	५।१४	७।२९	९।४९	१२।०६	२।२२	४।४१	६।५९	९।०४	१०।४७	१२।१६
०२।०६।२८।२१	१२ मं	२२	१।३८	३।१४	५।१०	७।२५	९।४५	१२।०२	२।१८	४।३७	६।५५	९।००	१०।४३	१२।१२
०२।०७।२५।१७	१३ बु	२३	१।३४	३।१०	५।०६	७।२१	९।४१	११।५८	२।१४	४।३३	६।५२	८।५६	१०।३९	१२।०८
०२।०८।२२।१३	१५ गु	२४	१।३०	३।०६	५।०२	७।१७	९।३७	११।५४	२।१०	४।२९	६।४८	८।५२	१०।३५	१२।०४

संक्रांति फलम्

ता. १४ जून २०२१

ज्ये. शु. ४ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।३१ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २९।३१ से भौमे ११।५५ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २४।०८।०८

पं.११ ज्ये.शु.१३ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	१	१०	३	९	१	७
०७	१२	२१	०८	००	१८	१५	१५
३८	५६	४६	०१	५२	३९	३१	३१
२८	५१	५०	२३	०१	०६	३७	३७
५७	३७	१	०	७२	२	३	३
१४	०५	३३	३४	५९	४९	११	११
आ	पु	रो	श	पुन	श्र	रो	अनु
१	३	४	१व	४	३व	२	४

२५ जून से १० जुलाई तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३,																		दिमा सू. सू. तारीख									स्टै.	प्रातः	दैनिक	वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून-जुलाई २०२१
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सुस्थिर	१	शु	३८	३४	२१	०६	मूल	२/५७	३९/३२	६/२८	४४/२१	ब्र	४२	२७	२२	३९	बा	१२	२६	१०	३८	३४/२४	५/४०	७/२६	४	१४	२५	धनु.	२।०९।१२।१४	५६।५५	पुष्ये शुक्रः ६।२०
राक्षस	२	श	३१	३२	१८	१७	उषा	५२	२७	२६	३९	ऐ	३४	०६	११	११	तै	४	५५	७	३८	२४	४०	२६	५	१५	२६	मक. ९।५९	२।१०।०९।०९	५६।५५	भ. २९।०३ उ.
च.व्र.	३	र	२५	४६	१५	५९	श्रव	४९	१५	२५	२३	वै	२६	५०	१६	२५	वि	२५	४६	१५	५९	२३	४०	२६	६	१६	२७	मक.	२।११।०६।०४	५६।५५	भ. १५।५९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१०
शुभ	४	सो	२१	३६	१४	११	धनि	४७	४८	२४	४८	वि	२०	५३	१४	०२	बा	२१	३६	१४	११	२३	४१	२६	७	१७	२८	कुंभे १३।००	२।१२।०२।५९	५६।५५	पंचक प्रारम्भः १३।००
मृत्यु	५	मं	१९	१८	१३	२४	शत	४८	१७	२५	००	प्री	१६	२७	१२	१६	तै	१९	१८	१३	२४	२२	४१	२६	८	१८	२९	कुंभे	२।१२।५९।५४	५६।५४	श्लेषा. भौमः ६।००, मृगे बुधः ११।५१ [C लग्न १, ३
पद्म	६	बु	१९	०४	१३	११	पूना	५०	४८	२६	०१	आ	१३	३९	११	०९	व	१९	०४	१३	११	२१	४१	२६	९	१९	३०	मीने ११।४१	२।१३।५६।४८	५६।५४	भ. १३।१९ उ. २५।३५ या., उभा. रे. ७ SIIISISII रात्रौ C
छत्र	७	गु	२०	५३	१४	०३	उभा	५५	१५	२७	४८	सौ	१२	२९	१०	४१	ब	२०	५३	१४	०३	२०	४२	२६	१०	२०	१	मीने	२।१४।५३।४३	५६।५४	उभा. रे. ७ SIIISISII रात्रौ लग्न १,रेवत्यां रे. ७ SIIIIISIS B
श्रीवत्स	८	शु	२४	३३	१५	३१	रेव	...	...	...	...	शो	१२	४८	१०	४९	कौ	२४	३३	१५	३१	२०	४२	२६	११	२१	२	मीने	२।१५।५०।३७	५६।५४	रेवत्यां रे. ६ SIIIISSIS रात्रौ लग्न १
धाता	९	श	२९	४२	१७	३६	रेव	१	१९	६	१४	अ	१४	१९	११	२६	ग	२९	४२	१७	३६	१८	४३	२६	१२	२२	३	मेषे ६।१४	२।१६।४७।३१	५६।५४	पंचक समाप्तिः ६।१४ [B रात्रौ लग्न ३, जुलाई ७ ता. ३१
आनन्द	१०	र	३५	४९	२०	०३	अश्वि	८	३३	९	०८	सु	१६	४२	१२	२४	व	२	४१	६	४७	१७	४३	२६	१३	२३	४	मेषे	२।१७।४४।२५	५६।५४	भ. ६।४७ उ. २०।०३ या.
ए.व्र.	११	सो	४२	१५	२२	३८	भर	१६	२१	१२	१६	धृ	१९	२६	१३	३०	ब	९	०२	९	२०	१६	४३	२६	१४	२४	५	वृषे ११।०३	२।१८।४१।२०	५६।५४	योगिनी ११ व्र., पुन. रविः २८।४५, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन A
गद	१२	मं	४८	३०	२५	०८	कृति	२४	०९	१५	२३	शू	२२	०९	१४	३५	कौ	१५	२६	११	५४	१५	४४	२६	१५	२५	६	वृषे	२।१९।३८।१४	५६।५४	पुन. सौरः १४।५५, श्लेषा. शुक्रः ६।०९ [A मूषक वर्षाश्रेष्ठः
प्र.व्र.	१३	बु	५४	०७	२७	२३	रोहि	३१	२८	१८	१९	गं	२४	३१	१५	३३	ग	२१	२४	१४	१८	१४	४४	२६	१६	२६	७	वृषे	२।२०।३५।०८	५६।५४	भ. २७।२३ उ., प्रदोषः, मिथुने बुधः १२।१२
मृत्यु	१४	गु	५८	५१	२९	१७	मृग	३८	००	२०	५७	वृ	२६	१७	१६	१५	वि	२६	३५	१६	२३	१२	४५	२६	१७	२७	८	मिथु. ७।४१	२।२१।३२।०३	५६।५५	भ. १६।२३ या., मासिकशिवरात्री व्र.
पद्म	३०	शु	...	...	...	...	आर्द्रा	४३	३४	२३	११	ध्रु	२७	१७	१६	४०	च	३०	४९	१८	०५	११	४५	२५	१८	२८	९	मिथु.	२।२२।२८।५७	५६।५५	पितृकार्येऽमा.
अमाव.	३०	श	२	३०	६	४६	पुन	४८	०५	२४	५९	व्या	२७	२७	१६	४४	ना	२	३०	६	४६	०९	४६	२५	१९	२९	१०	कर्के १८।३५	२।२३।२५।५२	५६।५५	देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०८।०९

प.१२ आ.कृ. ६ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	१	१०	३	९	१	७
१४	१७	२३	०७	०९	१८	१५	१५
१९	१६	४३	५३	२२	१७	०९	०९
०४	४१	४५	२४	२२	५३	२१	२१
५७	३७	३६	१	७२	३	३	३
१३	१०	५७	५४	४८	१९	११	११
आ	श्ले	मृ	श	पु	श्र	रो	अनु
३	१	१	१व	२	३व	२	४

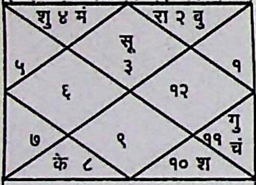

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।०९।११।०९	१ शु	२५	१।२६	३।०२	४।५८	७।१३	९।३३	११।५०	२।०६	४।२५	६।४४	८।४८	१०।३१	१२।००
०२।१०।१६।०४	२ श	२६	१।२२	२।५८	४।५५	७।०९	९।२९	११।४६	२।०२	४।२१	६।४०	८।४४	१०।२८	११।५६
०२।११।१२।५९	३ र	२७	१।१८	२।५४	४।५१	७।०५	९।२५	११।४२	१।५८	४।१७	६।३६	८।४०	१०।२४	११।५२
०२।१२।०९।५४	४ चं	२८	१।१४	२।५०	४।४७	७।०१	९।२१	११।३८	१।५४	४।१३	६।३२	८।३६	१०।२०	११।४८
०२।१३।०६।४८	५ मं	२९	१।१०	२।४६	४।४३	६।५७	९।१८	११।३४	१।५०	४।०९	६।२८	८।३२	१०।१६	११।४४
०२।१४।०३।४३	६ बु	३०	१।०६	२।४३	४।३९	६।५४	९।१४	११।३०	१।४६	४।०५	६।२४	८।२८	१०।१२	११।४०
०२।१५।००।३७	७ गु	१	१।०२	२।३९	४।३५	६।५०	९।१०	११।२६	१।४२	४।०१	६।२०	८।२५	१०।०८	११।३६
०२।१५।५७।३१	८ शु	२	१२।५८	२।३५	४।३१	६।४६	९।०६	११।२३	१।३८	३।५८	६।१६	८।२१	१०।०४	११।३२
०२।१६।५४।२५	९ श	३	१२।५४	२।३१	४।२७	६।४२	९।०२	११।१९	१।३४	३।५४	६।१२	८।१७	१०।००	११।२८
०२।१७।५१।१९	१० र	४	१२।५१	२।२७	४।२३	६।३८	८।५८	११।१५	१।३०	३।५०	६।०८	८।१३	९।५६	११।२५
०२।१८।४८।१३	११ चं	५	१२।४७	२।२३	४।१९	६।३४	८।५४	११।११	१।२७	३।४६	६।०४	८।०९	९।५२	११।२१
०२।१९।४५।०८	१२ मं	६	१२।४३	२।१९	४।१५	६।३०	८।५०	११।०७	१।२३	३।४२	६।००	८।०५	९।४८	११।१७
०२।२०।४२।०२	१३ बु	७	१२।३९	२।१५	४।११	६।२६	८।४६	११।०३	१।१९	३।३८	५।५६	८।०१	९।४४	११।१३
०२।२१।३८।५६	१४ गु	८	१२।३५	२।११	४।०७	६।२२	८।४२	१०।५९	१।१५	३।३४	५।५२	७।५७	९।४०	११।०९
०२।२२।३५।५१	३० शु	९	१२।३१	२।०७	४।०३	६।१८	८।३८	१०।५५	१।११	३।३०	५।४८	७।५३	९।३६	११।०५
०२।२३।३२।४६	३० श	१०	१२।२७	२।०३	३।५९	६।१४	८।३४	१०।५१	१।०७	३।२६	५।४५	७।४९	९।३२	११।०१

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो ॥ प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे । इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो । कृष्णा द्वितीया शनिवार होने से दुर्भिक्ष हो । कृष्णा तीज को श्रवण होने से समर्घता कारक है । कृष्णा नौमी को शनिवार होने से दुर्भिक्ष हो । कृष्णा त्रयोदशी में रोहिणी होने से उत्तम पवन चले । शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें । अमावस्या आर्द्रा योग सुभिक्ष और सुखद है । शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैस हाथी घोड़ा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

अयनांशाः २४।०८।१०

प.१३ आ.कृ.१३ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	१	१०	३	९	१	७
२०	२१	२९	०७	१७	१७	१४	१४
५९	३७	४१	३६	५१	५३	४७	४७
३३	११	२८	०७	२३	२२	०६	०६
५७	३७	६८	३	७२	३	३	३
१३	१६	५२	१२	३६	४४	११	११
पुन	श्ले	मृ	श	श्ले	श्र	रो	अनु
१	२	२	१व	१	३व	२	४

११ जुलाई से २४ जुलाई तक, 'श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक																														
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	र	५	०४	७	४८	पुष्य	५१	२८	२६	२१	ह	२६	४४	१६	२७	व	५	०४	७	४८	३४/०७	५/४६	७/२५	२०	३०	११	कर्क	२।२४।२२।४७	५६।५५
सौम्य	२	सो	६	२९	८	२२	श्ले	५३	४४	२७	१६	व	२५	०६	१५	४९	कौ	६	२९	८	२२	०६	४६	२५	२१	१	१२	सिंहे २७।१६	२।२५।१९।४३	५६।५६
काल	३	मं	६	४५	८	२९	मघा	५४	५३	२७	४४	सि	२२	३४	१४	४९	ग	६	४५	८	२९	०४	४७	२४	२२	२	१३	सिंहे	२।२६।१६।३८	५६।५६
सुस्थिर	४	बु	५	५३	८	०९	पूफा	५४	५७	२७	४६	व्य	१९	०९	१३	२७	वि	५	५३	८	०९	०२	४७	२४	२३	३	१४	सिंहे	२।२७।१३।३४	५६।५६
मातङ्ग	५	गु	३	५७	७	२३	उफा	५४	००	२७	२४	व	१४	५२	११	४५	वा	३	५७	७	२३	००	४८	२४	२४	४	१५	कन्या ९।४३	२।२८।१०।३१	५६।५७
अमृत	६	शु	०	५८	६	१२	हस्त	५२	०७	२६	३९	प	९	४६	९	४३	तै	०	५८	६	१२	३३	४८	२४	२५	५	१६	कन्या	२।२९।०७।२८	५६।५७
क्षयः	७	शु	५७	०५	२८	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०
काण	८	श	५२	१८	२६	४४	चित्रा	४९	२०	२५	३३	शि	३/५७	५५/३३	७/२८	३३/३६	वि	२४	४७	१५	४४	५६	४९	२३	२६	६	१७	तुला. १४।०९	३।००।०४।२५	५६।५८
लुम्बक	९	र	४६	४४	२४	३१	स्वा	४५	४७	२४	०८	सा	५०	१३	२५	५४	वा	१९	३७	१३	४०	५४	४९	२३	२७	७	१८	तुला.	३।०१।०१।२३	५६।५८
मित्र	१०	सो	४०	३१	२२	०२	विशा	४१	३३	२२	२७	शु	४२	२८	२२	४९	तै	१३	४२	११	१९	५१	५०	२३	२८	८	१९	वृश्चि. १६।५४	३।०१।५८।२२	५६।५९
ए.ब्र.	११	मं	३३	४५	१९	२१	अनु	३६	४८	२०	३४	शु	३४	१७	१९	३३	व	७	११	८	४३	४९	५०	२२	२९	९	२०	वृश्चि.	३।०२।५५।२१	५७।००
प्र.ब्र.	१२	बु	२६	३८	१६	३०	ज्ये	३१	४२	१८	३२	ब्र	२५	५०	१६	११	व	०	१४	५	५६	४७	५१	२२	३०	१०	२१	धनु. १८।३२	३।०३।५२।२०	५७।००
धूम्र	१३	गु	१९	२५	१३	३८	मूल	२६	३०	१६	२७	ऐ	१७	१६	१२	४६	तै	१९	२५	१३	३८	४४	५२	२१	३१	११	२२	धनु.	३।०४।४९।२१	५७।०१
प्रवर्धमा	१४	शु	१२	२१	१०	४८	पूषा	२१	३०	१४	२८	वै	८	४९	९	२४	व	१२	२१	१०	४८	४२	५२	२१	१	१२	२३	मक. २०।००	३।०५।४६।२२	५७।०२
पूर्णिमा	१५	श	५	४७	८	११	उषा	१७	०४	१२	४२	वि	०/५३	४६/२५	६/२७	११/१४	व	५	४७	८	११	३९	५३	२०	२	१३	२४	मक.	३।०६।४३।२४	५७।०३

केतकी अहर्गणः ३७४९ वर्यत्तूं रविर्दक्षिणे, जुलाई २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री जगदीश रथ यात्रा
जिल्हेज १२, आर्द्रा. बुधः १५।०५ [F धनि.-४ गुरुः १०।००
भ. २०।२२ उ. [E भौमः १६।४६, पुन. बुधः १२।००, (व) F
भ. ८।०९ या. [G रात्रौ लग्न ३, स्कंध षष्ठी
उफा. रे. ८ SIIIISIIII रात्रौलग्न १२, हस्ते रे. ७ IIIIISSSII G
भ. २८।३९ उ., कर्के रविः १६।२८ (सौरः २७।५७), निरयन H
[A व्रतारंभः, गोपद्मव्रतोद्यापनं, पुष्ये सौरः १६।१४,सिंहे मघा. E
भ. १५।४४ या., सिंहे मघा. शुक्रः ७।११ [H दक्षिणायनारंभः
भड़ली ९ [C वाहन अश्व अनावृष्टिः [B (व) श्रव.-२ शनिः २७।०६
मन्वादि, आशा दशमी, पुष्ये रविः २८।१९, सं.स्त्री.नपु.चं.सू. C
भ. ८।४३ उ. १९।२१ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास A
प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम् [D आषाढी योगः, भा. श्रावणारंभः
जया पार्वती व्रतं, सायन सिंहे भानुः १९।५७, बुधास्तः पूर्वस्याम् १९।१२
भ. १०।४८ उ. २१।२८ या., पूर्णिमा व्रतं, वायु परीक्षा, D
मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, B

अयनांशाः २४।०८।११

पं.१४ आ.शु. ४ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	२	१०	३	९	१	७
२७	२५	०९	०७	२६	१७	१४	१४
४०	५८	०६	०९	१८	२६	२४	२४
०६	२४	११	५७	५३	०९	५०	५०
५७	३७	९५	४	७२	४	३	३
१४	२३	३७	२६	२२	०४	११	११
पुन	श्ले	आ	श	श्ले	श्र	रो	अनु
३	३	१	१व	३	३व	२	४

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।२४।२९।४१	१ र	११	१२।२३	१।५९	३।५५	६।१०	८।३०	१०।४७	१।०३	३।२२	५।४१	७।४५	९।२८	१०।५७
०२।२५।२६।३६	२ चं	१२	१२।१९	१।५५	३।५१	६।०६	८।२६	१०।४३	१२।५९	३।१८	५।३७	७।४१	९।२४	१०।५३
०२।२६।२३।३२	३ मं	१३	१२।१५	१।५१	३।४७	६।०२	८।२२	१०।३९	१२।५५	३।१४	५।३३	७।३७	९।२०	१०।४९
०२।२७।२०।२८	४ बु	१४	१२।११	१।४७	३।४४	५।५८	८।१८	१०।३५	१२।५१	३।१०	५।२९	७।३३	९।१७	१०।४५
०२।२८।१७।२४	५ गु	१५	१२।०७	१।४३	३।४०	५।५४	८।१४	१०।३१	१२।४७	३।०६	५।२५	७।२९	९।१३	१०।४१
०२।२९।१४।२१	६ शु	१६	१२।०३	१।३९	३।३६	५।५०	८।१०	१०।२७	१२।४३	३।०२	५।२१	७।२५	९।०९	१०।३७
०३।००।११।१८	८ श	१७	११।५९	१।३५	३।३२	५।४६	८।०७	१०।२३	१२।३९	२।५८	५।१७	७।२१	९।०५	१०।३३
०३।०१।०८।१६	९ र	१८	११।५५	१।३२	३।२८	५।४३	८।०३	१०।१९	१२।३५	२।५४	५।१३	७।१८	९।०१	१०।२९
०३।०२।०५।१५	१० चं	१९	११।५१	१।२८	३।२४	५।३९	७।५९	१०।१६	१२।३१	२।५०	५।०९	७।१४	८।५७	१०।२५
०३।०३।०२।१४	११ मं	२०	११।४७	१।२४	३।२०	५।३५	७।५५	१०।१२	१२।२७	२।४७	५।०५	७।१०	८।५३	१०।२१
०३।०३।५९।१३	१२ बु	२१	११।४३	१।२०	३।१६	५।३१	७।५१	१०।०८	१२।२३	२।४३	५।०१	७।०६	८।४९	१०।१७
०३।०४।५६।१४	१३ गु	२२	११।४०	१।१६	३।१२	५।२७	७।४७	१०।०४	१२।१९	२।३९	४।५७	७।०२	८।४५	१०।१४
०३।०५।५३।१५	१४ शु	२३	११।३६	१।१२	३।०८	५।२३	७।४३	१०।००	१२।१६	२।३५	४।५३	६।५८	८।४१	१०।१०
०३।०६।५०।१७	१५ श	२४	११।३२	१।०८	३।०४	५।१९	७।३९	९।५६	१२।१२	२।३१	४।४९	६।५४	८।३७	१०।०६

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०२१

आषा. शु. ६ भृगौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।२८ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं. नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः बिल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः गुरौ (स्टै.) २८।२८ से भृगौ १६।२८ तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २४।०८।१२

पं.१५ आ.शु.१२ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	२	१०	४	९	१	७
०४	००	२१	०६	०४	१६	१४	१४
२०	२०	२५	३५	४४	५६	०२	०२
५४	२५	३०	३४	४१	५३	३३	३३
५७	३७	११७	५	७२	४	३	३
१७	३०	३४	३२	०७	१९	११	११
पु	म	पुन	ध	म	श्र	रो	अनु
१	१	१	४व	२	३व	२	४

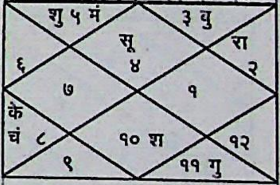

२५ जुलाई से ८ अगस्त तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमासू. सू. तारीख

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	स्टै. चंद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आपाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई-अगस्त २०२१ यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
वृहत्तल्पा	१	र	०	०३	५	५४	श्रव	१३	३४	११	१९	आ	४६	५९	२४	४१	कौ	०	०३	५	५४	३३	५	७	३	१४	२५	कुंभे २२।४८	३।०७।४०।२६	५७।०३	पंचक प्रारम्भः २२।४८, नक्त व्रतारंभः, वृहत्तल्पा, कर्के D
क्षयः	२	र	५५	३३	२८	०६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३७	५३	२०	०	०	०	०.	०	०	[D बुधः ११।५४
शुभ	३	सो	५२	३६	२६	५६	धनि	११	२१	१०	२६	सौ	४१	४७	२२	३७	व	२३	५१	१५	२६	३४	५४	१९	४	१५	२६	कुंभे	३।०८।३७।३०	५७।०४	भ. १५।२६ उ. २६।५६ या., पुष्ये बुधः २६।०८
च.व्र.	४	मं	५१	२६	२६	२९	शत	१०	४५	१०	१२	शो	३८	०१	२१	०६	व	२१	४६	१४	३७	३१	५४	१९	५	१६	२७	मीने २८।३१	३।०९।३४।३४	५७।०५	अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५९
पद्म	५	बु	५२	१४	२६	४९	पूभा	१२	००	१०	४३	अ	३५	४६	२०	१३	कौ	२१	३४	१४	३२	२८	५५	१८	६	१७	२८	मीने	३।१०।३१।३९	५७।०६	नागपञ्चमी (मरु.), पूफा. शुक्रः ९।४३
छत्र	६	गु	५४	५८	२७	५४	उभा	१५	१०	११	५९	सु	३५	०४	११	५७	ग	२३	२१	१५	१६	२६	५५	१७	७	१८	२९	मीने	३।११।२८।४५	५७।०७	भ. २७।५४ उ. [B उफा. शुक्रः १३।५९
श्रीवत्स	७	शु	५९	२५	२९	४२	रेव	२०	१०	१४	००	धृ	३५	४६	२०	१४	वि	२६	५९	१६	४३	२३	५६	१७	८	१९	३०	मेषे १४।००	३।१२।२५।५२	५७।०८	भ. १६।४३ या., पंचक समाप्तिः १४।००
सौम्य	८	श	...	...	...	...	अश्वि	२६	४१	१६	३७	शू	३७	३५	२०	५८	बा	३२	०८	१८	४८	२०	५६	१६	९	२०	३१	मेषे	३।१३।२३।००	५७।०९	[A सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन चातक वर्षाश्रेष्ठः
काल	८	र	५	०६	७	५९	भर	३४	१०	१९	३७	गं	४०	०६	२१	५९	कौ	५	०६	७	५९	१७	५७	१६	१०	२१	१	वृषे २६।२४	३।१४।२०।०९	५७।१०	अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि
सुस्थिर	९	सो	११	२८	१०	३३	कृति	४१	५९	२२	४५	वृ	४२	५०	२३	०६	ग	११	२८	१०	३३	१४	५७	१५	११	२२	२	वृषे	३।१५।१७।१९	५७।११	भ. २३।५० उ., श्लेषा. रविः २७।१५, श्लेषा. बुधः १०।०२, A
मातङ्ग	१०	मं	१७	४७	१३	०५	रोहि	४९	२९	२५	४६	ध्रु	४५	१८	२४	०५	वि	१७	४७	१३	०५	११	५८	१४	१२	२३	३	वृषे	३।१६।१४।३०	५७।१२	भ. १३।०५ या., श्लेषा. सौरः १६।४०, रोहि.-१ राहुः १५।०६, C
ए.व्र.	११	बु	२३	२८	१५	२२	मृग	५६	०७	२८	२५	व्या	४७	०६	२४	४९	बा	२३	२८	१५	२२	०८	५८	१३	१३	२४	४	मिथु. १५।०९	३।१७।११।४३	५७।१४	कामिका ११ व्र. [C अनु.-३ केतुः १५।०६
प्र.व्र.	१२	गु	२८	०१	१७	१२	आर्द्रा	...	...	...	...	ह	४७	५८	२५	१०	तै	२८	०१	१७	१२	०४	५९	१३	१४	२५	५	मिथु.	३।१८।०८।५६	५७।१५	प्रदोषः, भौमास्तः पश्चिमायाम् २५।५१
पद्म	१३	शु	३१	१४	१८	२९	आर्द्रा	१	३१	६	३६	व	४७	४४	२५	०५	व	३१	१४	१८	२९	०१	६ ००	१२	१५	२६	६	कर्के २५।५२	३।१९।०६।११	५७।१६	भ. १८।२९ उ., मासिकशिवरात्री व्र.
छत्र	१४	श	३२	५८	१९	११	पुन	५	३३	८	१३	सि	४६	२२	२४	३३	वि	२	१६	६	५५	३२ ५८	००	११	१६	२७	७	कर्के	३।२०।०३।२७	५७।१७	भ. ६।५५ या.
अमाव.	३०	र	३३	१९	१९	२०	पुष्य	८	११	९	१७	व्य	४३	५४	२३	३४	च	३	१८	७	२०	५५	०१	१०	१७	२८	८	कर्के	३।२१।००।४४	५७।१९	देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०, सिंहे मघा. बुधः २५।०५, B

अयनांशाः २४।०८।१३

प.१६ श्रा.कृ. ५ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	१०	४	९	१	७
११	०४	०५	०५	१३	१६	१३	१३
०२	४३	४६	५३	०८	२६	४०	४०
०७	१६	३०	५६	३७	१५	१८	१८
५७	३७	१२७	६	७१	४	३	३
२२	३७	०२	२८	५०	२६	११	११
पु	म	पु	ध	म	श्र	रो	अनु
३	२	१	४व	४	२व	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जुलाई	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क प्रातः	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर सायं	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०३।०७।४७।१९	१ र	२५	११।२८	९।०४	३।००	५।१५	७।३५	९।५२	१२।०८	२।२७	४।४५	६।५०	८।३३	१०।०२
०३।०८।४४।२३	३ चं	२६	११।२४	९।००	२।५६	५।११	७।३१	९।४८	१२।०४	२।२३	४।४१	६।४६	८।२९	९।५८
०३।०९।४१।२७	४ मं	२७	११।२०	१२।५६	२।५२	५।०७	७।२७	९।४४	१२।००	२।१९	४।३७	६।४२	८।२५	९।५४
०३।१०।३८।३२	५ बु	२८	११।१६	१२।५२	२।४८	५।०३	७।२३	९।४०	११।५६	२।१५	४।३४	६।३८	८।२१	९।५०
०३।११।३५।३८	६ गु	२९	११।१२	१२।४८	२।४४	४।५९	७।१९	९।३६	११।५२	२।११	४।३०	६।३४	८।१७	९।४६
०३।१२।३२।४५	७ शु	३०	११।०८	१२।४४	२।४०	४।५५	७।१५	९।३२	११।४८	२।०७	४।२६	६।३०	८।१३	९।४२
०३।१३।२९।५३	८ श	३१	११।०४	१२।४०	२।३६	४।५१	७।११	९।२८	११।४४	२।०३	४।२२	६।२६	८।०९	९।३८
०३।१४।२७।०२	८ र	१	११।००	१२।३६	२।३३	४।४७	७।०७	९।२४	११।४०	१।५९	४।१८	६।२२	८।०६	९।३४
०३।१५।२४।१३	९ चं	२	१०।५६	१२।३२	२।२९	४।४३	७।०३	९।२०	११।३६	१।५५	४।१४	६।१८	८।०२	९।३०
०३।१६।२१।२४	१० मं	३	१०।५२	१२।२८	२।२५	४।३९	६।५९	९।१६	११।३२	१।५१	४।१०	६।१४	७।५८	९।२६
०३।१७।१८।३६	११ बु	४	१०।४८	१२।२४	२।२१	४।३५	६।५६	९।१२	११।२८	१।४७	४।०६	६।१०	७।५४	९।२२
०३।१८।१५।५०	१२ गु	५	१०।४४	१२।२१	२।१७	४।३२	६।५२	९।०८	११।२४	१।४३	४।०२	६।०७	७।५०	९।१८
०३।१९।१३।०५	१३ शु	६	१०।४०	१२।१७	२।१३	४।२८	६।४८	९।०५	११।२०	१।३९	३।५८	६।०३	७।४६	९।१४
०३।२०।१०।२१	१४ श	७	१०।३६	१२।१३	२।०९	४।२४	६।४४	९।०१	११।१६	१।३६	३।५४	५।५९	७।४२	९।१०
०३।२१।०७।३८	३० र	८	१०।३२	१२।०९	२।०५	४।२०	६।४०	८।५७	११।१२	१।३२	३।५०	५।५५	७।३८	९।०६

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं । एकमासेरवेर्वारा: पंचनस्युः शुभावहा: । पंचार्कवासरेरोगा: । श्रावण में पांच रविवार होने से रोगोत्पत्ति हो । कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों । कृष्णा एकादशी को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष हो । अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो । अमावस्या पुष्य योग समर्घता कारक है । अमावस को पुष्य होने से मध्यम वर्षा हो । अमावस्या को रविवार और पुष्य होने से अरिष्टकारी योग बनता है । अमावस को पुष्य होने से मध्यम वर्षा हो । सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो ।

अयनांशाः २४।०८।१४

पं.१७ श्रा.कृ.११ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	१०	४	९	१	७
१७	०९	२०	०५	२१	१५	१३	१३
४३	०७	२६	०६	३०	५५	१८	१८
५६	०१	३७	२४	३०	०३	०२	०२
५७	३७	१२२	७	७१	४	३	३
२८	४५	०८	११	३१	२८	११	११
श्ले	म	श्ले	ध	पूफा	श्र	रो	अनु
१	३	२	४व	३	२व	१	३

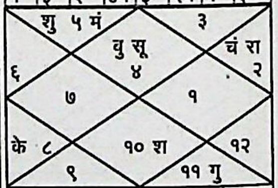

९ अगस्त से २२ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सौम्य	१	सो	३२	२१	१८	५८	श्ले	९	२९	९	४९	व	४०	२६	२२	१२	किं	२	५८	७	१२	३२/५१	६/०१	७/१०	१८	२९	९	सिंहे ९।४९	३।२१।५८।०३	५७।२०
सिंधारा	२	मं	३०	१६	१८	०८	मघा	९	३७	९	५२	प	३६	०५	२०	२८	बा	१	२५	६	३६	४८	०२	०९	१९	३०	१०	सिंहे	३।२२।५५।२२	५७।२१
तीज	३	बु	२७	१७	१६	५७	पूफा	८	४६	९	३२	शि	३१	०१	१८	२६	ग	२७	१७	१६	५७	४४	०२	०८	२०	१	११	कन्या १५।२४	३।२३।५२।४४	५७।२३
मातङ्ग	४	गु	२३	३३	१५	२८	उफा	७	०७	८	५४	सि	२५	२१	१६	११	वि	२३	३३	१५	२८	४१	०३	०७	२१	२	१२	कन्या	३।२४।५०।०६	५७।२४
अमृत	५	शु	१९	१६	१३	४६	हस्त	४	५३	८	००	सा	१९	१४	१३	४५	बा	१९	१६	१३	४६	३८	०३	०६	२२	३	१३	तुला. १९।२९	३।२५।४७।३०	५७।२६
काण	६	श	१४	३४	११	५३	चित्रा	२/५९	१२/११	६/२१	५६/४४	शु	१२	४७	११	११	तै	१४	३४	११	५३	३४	०४	०५	२३	४	१४	तुला.	३।२६।४४।५६	५७।२७
उत्पात	७	र	९	३३	९	५४	विशा	५५	५४	२८	२६	शु	६/५९	०४/१०	८/२९	३०/४४	व	९	३३	९	५४	३१	०४	०४	२४	५	१५	वृश्चि. २२।४६	३।२७।४२।२३	५७।२९
मानस	८	सो	४	१७	७	४७	अनु	५२	२४	२७	०२	ऐ	५२	०४	२६	५५	ब	४	१७	७	४७	२७	०५	०४	२५	६	१६	वृश्चि.	३।२८।३९।५१	५७।३०
क्षयः	९	सो	५८	५०	२९	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मुद्गर	१०	मं	५३	१३	२७	२३	ज्ये	४८	४५	२५	३५	वै	४४	५२	२४	०२	तै	२६	०२	१६	३०	२३	०५	०३	२६	७	१७	धनु. २५।३५	३।२९।३७।२१	५७।३२
ए.व्र.	११	बु	४७	३५	२५	०८	मूल	४५	०४	२४	०७	वि	३७	३५	२१	०८	व	२०	२३	१४	१५	२०	०६	०२	२७	८	१८	धनु.	४।००।३४।५३	५७।३३
धाता	१२	गु	४२	०४	२२	५६	पूषा	४१	२९	२२	४२	प्री	३०	२३	१८	१६	व	१४	४७	१२	०१	१६	०६	०१	२८	९	१९	मक. २८।२१	४।०१।३२।२६	५७।३५
प्र.व्र.	१३	शु	३६	५२	२०	५१	उषा	३८	१३	२१	२४	आ	२३	२४	१५	२८	कौ	९	२४	९	५२	१२	०७	००	२९	१०	२०	मक.	४।०२।३०।०१	५७।३७
सुस्थिर	१४	श	३२	१५	१९	०१	श्रव	३५	३३	२०	२०	सौ	१६	५१	१२	५२	ग	४	२८	७	५४	०९	०७	६/५१	३०	११	२१	मक.	४।०३।२७।३८	५७।३८
पूर्णिमा	१५	र	२८	३१	१७	३२	धनि	३३	४६	१९	३८	शो	१०	५७	१०	३०	वि	०	१५	६	१४	०५	०८	५८	३१	१२	२२	कुंभे ७।५६	४।०४।२५।१६	५७।४०

केतकी अहर्गणः ३७७८ वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे, अगस्त २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं [G स्वतंत्रतादिवस, पूफा.बुधः ३०।०२
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, पूफा.भौमः २२।३५
भ.२८।१४ उ., तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), सुकृत D
भ. १५।२८ या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र.
कल्की जयंती, नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., वर्णषष्ठी
शीतला [D तृतीया व्र., मोहोर्रम १ सन १४४३ हि., कन्यायां शुक्रः ९।२२
भ. ९।५४ उ. २०।५१ या., तुलसी जयंती, दुर्गाष्टमी, भारतीय G
सिंहे मघा. रविः २४।५८, सं.स्त्री.नपु.चं.सू.वाहन स्वर अनावृष्टिः
[A (मरु), पंचक प्रारम्भः ७।५६, हयग्रीवजयंती, नारियल १५, B
सिंहे मघा. सौरः १५।३२, बुधोदयः पश्चिमायाम् २४।३३
भ.१४।१५ उ. २५।०८ या., पवित्रा ११ व्र.,(व) धनि.-३ गुरुः ६।२६
दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, हस्ते शुक्रः २०।१७
प्रदोषः [B यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय, आपस्तंभ, बौधायन, C
भ.१९।०१ उ., सूणमाण्डणा (पूरा दिन शुद्ध है), ऋग्वेदि उपाकर्म
भ. ६।१४ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं), श्रावणी A
[C काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), अथर्ववेदि उपाकर्म, सायन कन्यायां भानुः २७।१०

अयनांशाः २४।०८।१५

पं.१८ श्रा.शु. ३ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	४	१०	४	९	१	७
२४	१३	०४	०४	२९	१५	१२	१२
२६	३१	१३	१४	५०	२४	५५	५५
३१	४५	०९	३२	०९	०२	४६	४६
५७	३७	११२	७	७१	४	३	३
३५	५४	२३	४०	११	२२	११	११
श्ले	पूफा	म-	ध	उफा	श्र	रो	अनु
३	१	२	४व	१	२व	१	३

५ बु

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।२२।०४।५६	१ चं	९	१०।२९	१२।०५	२।०१	४।१६	६।३६	८।५३	११।०९	१।२८	३।४६	५।५१	७।३४	९।०३
०३।२३।०२।१६	२ मं	१०	१०।२५	१२।०१	१।५७	४।१२	६।३२	८।४९	११।०५	१।२४	३।४२	५।४७	७।३०	८।५९
०३।२३।५९।३८	३ बु	११	१०।२१	११।५७	१।५३	४।०८	६।२८	८।४५	११।०१	१।२०	३।३८	५।४३	७।२६	८।५५
०३।२४।५७।०१	४ गु	१२	१०।१७	११।५३	१।४९	४।०४	६।२४	८।४१	१०।५७	१।१६	३।३४	५।३९	७।२२	८।५१
०३।२५।५४।२५	५ शु	१३	१०।१३	११।४९	१।४५	४।००	६।२०	८।३७	१०।५३	१।१२	३।३०	५।३५	७।१८	८।४७
०३।२६।५१।५०	६ श	१४	१०।०९	११।४५	१।४१	३।५६	६।१६	८।३३	१०।४९	१।०८	३।२६	५।३१	७।१४	८।४३
०३।२७।४९।१७	७ र	१५	१०।०५	११।४१	१।३७	३।५२	६।१२	८।२९	१०।४५	१।०४	३।२३	५।२७	७।१०	८।३९
०३।२८।४६।४६	८ चं	१६	१०।०१	११।३७	१।३३	३।४८	६।०८	८।२५	१०।४१	१।००	३।१९	५।२३	७।०६	८।३५
०३।२९।४४।१६	१० मं	१७	९।५७	११।३३	१।२९	३।४४	६।०४	८।२१	१०।३७	१२।५६	३।१५	५।१९	७।०२	८।३१
०४।००।४१।४८	११ बु	१८	९।५३	११।२९	१।२५	३।४०	६।००	८।१७	१०।३३	१२।५२	३।११	५।१५	६।५९	८।२७
०४।०१।३९।२१	१२ गु	१९	९।४९	११।२५	१।२२	३।३६	५।५६	८।१३	१०।२९	१२।४८	३।०७	५।११	६।५५	८।२३
०४।०२।३६।५७	१३ शु	२०	९।४५	११।२१	१।१८	३।३२	५।५२	८।०९	१०।२५	१२।४४	३।०३	५।०७	६।५१	८।१९
०४।०३।३४।३३	१४ श	२१	९।४१	११।१७	१।१४	३।२८	५।४९	८।०५	१०।२१	१२।४०	२।५९	५।०३	६।४७	८।१५
०४।०४।३२।१२	१५ र	२२	९।३७	११।१३	१।१०	३।२४	५।४५	८।०१	१०।१७	१२।३६	२।५५	४।५९	६।४३	८।११

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २०२१
श्रा. शु. ८ चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २४।५८ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः बकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १८।३४ से २४।५८ तक । (दान- छत्र) ।

अयनांशाः २४।०८।१६

पं.१९ श्रा.शु.११ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	४	१०	५	९	१	७
०१	१७	१६	०३	०८	१४	१२	१२
१०	५७	४८	२०	०७	५४	३३	३३
०१	३३	३८	०७	२३	००	३०	३०
५७	३८	१०९	७	७०	४	३	३
४४	०४	५८	५२	५०	१०	११	११
म	पूफा	पूफा	ध	उफा	श्र	रो	अनु
१	२	२	४व	४	२व	१	३

२३ अगस्त से ७ सितंबर तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

शरदृत्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त-सितंबर २०२१

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
अमृत	१	सो	२५	५७	१६	३१	शत	३३	१०	१९	२४	अ	५	५५	८	३०	कौ	२५	५७	१६	३१	३२ ०१	६ ०८	६ ५७	१	१३	२३	कुंभे	४।०५।२२।५६	५७।४२	भा. भाद्रपदारंभः
काण	२	मं	२४	५१	१६	०५	पूभा	३४	०१	१९	४५	सु	१ ५२	५९ १३	६ २९	५६ ५२	ग	२४	५१	१६	०५	३१ ५७	०९	५६	२	१४	२४	मीने १३।३६	४।०६।२०।३८	५७।४३	भ. २८।०६ उ., कज्जली(बूढी ३), उफा. वुधः ६।३६
च.व्र.	३	बु	२५	२२	१६	१८	उभा	३६	३०	२०	४५	शू	५७	५६	२९	२०	वि	२५	२२	१६	१८	५४	०९	५५	३	१५	२५	मीने	४।०७।१८।२१	५७।४५	भ. १६।१८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५९
मित्र	४	गु	२७	३८	१७	१३	रेव	४०	३९	२२	२५	गं	५७	५४	२९	१९	बा	२७	३८	१७	१३	५०	१०	५४	४	१६	२६	मेषे २२।२५	४।०८।१६।०७	५७।४७	पंचक समाप्तिः २२।२५, कन्यायां वुधः १०।४०
वज्र	५	शु	३१	३२	१८	४७	अश्वि	४६	२३	२४	४३	वृ	५९	०४	२९	४८	तै	३१	३२	१८	४७	४६	१०	५३	५	१७	२७	मेषे	४।०९।१३।५४	५७।४९	वृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), चंद्रषष्ठी (मरु.), D
ध्वाङ्क्ष	६	श	३६	५१	२०	५५	भर	५३	२१	२७	३१	ध्रु	...	...	...	...	ग	४	०१	७	४७	४२	११	५१	६	१८	२८	मेषे	४।१०।११।४३	५७।५१	भ.२०।५५ उ., हलषष्ठी [B भौमः २७।१४, तुलायां शुक्रः २२।२२
धूम्र	७	र	४३	०३	२३	२४	कृति	...	...	...	...	ध्रु	१	०८	६	३८	वि	९	५१	१०	०८	३८	११	५०	७	१९	२९	वृषे १०।१६	४।११।०९।३४	५७।५३	भ. १०।०८ या., शीतला व्र. [D अगस्त्योदयः २४।५२
जन्माष्ट.	८	सो	४९	३१	२६	००	कृति	१	०१	६	३६	व्या	३	४५	७	४२	बा	१६	१८	१२	४३	३४	१२	४९	८	२०	३०	वृषे	४।१२।०७।२६	५७।५५	मन्वादि, जन्माष्टमी व्र., दशाफल व्र., पूफा. रविः २०।५८, A
गोगा	९	मं	५५	३३	२८	२५	रोहि	८	४६	९	४३	ह	६	२३	८	४५	तै	२२	३७	१५	१५	३०	१२	४८	९	२१	३१	मिथु. २३।११	४।१३।०५।२१	५७।५७	गोगानवमी, पूफा. सौरः १२।१६, उफा. भौमः २२।२१
अमृत	१०	बु	...	...	...	...	मृग	१५	५४	१२	३४	व	८	३१	९	३७	व	२८	१०	१७	२९	२७	१३	४७	१०	२२	१	मिथु.	४।१४।०३।१८	५७।५९	भ. १७।२९ उ., सितंबर ९ ता. ३० [A चित्रा. शुक्रः २८।५८, C
काण	१०	गु	०	२६	६	२४	आर्द्रा	२१	४८	१४	५६	सि	९	४४	१०	०६	वि	०	२६	६	२४	२३	१३	४६	११	२३	२	मिथु.	४।१५।०१।१६	५८।०१	भ. ६।२४ या., हस्ते वुधः १०।३२
ए.व्र.	११	शु	३	५०	७	४५	पुन	२६	०८	१६	४१	व्य	९	४४	१०	०७	बा	३	५०	७	४५	१९	१३	४५	१२	२४	३	कर्के १०।१८	४।१५।५९।१७	५८।०३	अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा
प्र.व्र.	१२	श	५	२७	८	२५	पुष्य	२८	४३	१७	४३	व	८	२१	९	३४	तै	५	२७	८	२५	१५	१४	४४	१३	२५	४	कर्के	४।१६।५७।१९	५८।०५	प्रदोषः [C सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहन मण्डूक वर्षाश्रेष्ठः
वज्र	१३	र	५	१७	८	२१	श्ले	२९	३५	१८	०५	प	५	३४	८	२८	व	५	१७	८	२१	११	१४	४३	१४	२६	५	सिंहे १८।०५	४।१७।५५।२४	५८।०७	भ. ८।२१ उ. २०।०४ या., मासिकशिवरात्री व्र., कन्यायां B
ध्वाङ्क्ष	१४	सो	३	२७	७	३७	मघा	२८	५५	१७	४९	शि	१ ५६	२८ १३	६ २८	५० ४४	श	३	२७	७	३७	०७	१५	४२	१५	२७	६	सिंहे	४।१८।५३।३०	५८।०९	कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, पितृकार्येऽमा.
अमाव.	३०	मं	०	१२	६	२०	पूफा	२६	५७	१७	०२	सा	५०	०३	२६	१६	ना	०	१२	६	२०	०३	१५	४०	१६	२८	७	कन्या २२।४७	४।१९।५१।३९	५८।११	देवकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०

अयनांशाः २४।०८।१७

प.२० भा.कृ. ३ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	४	१०	५	९	१	७
०७	२२	२८	०२	१६	१४	१२	१२
५४	२४	११	२५	२१	२५	११	११
३५	२७	२२	०८	५९	४१	१४	१४
५७	३८	९१	७	७०	३	३	३
५३	१४	४२	४७	२६	५२	११	११
म	पूफा	उफा	घ	ह	श्र	रो	अनु
३	३	१	३व	२	२व	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायं	मीन रात्रौ
०४।०५।२९।५२	१ चं	२३	९।३३	११।१०	१।०६	३।२१	५।४१	७।५७	१०।१३	१२।३२	२।५१	४।५६	६।३९	८।०७
०४।०६।२७।३४	२ मं	२४	९।२९	११।०६	१।०२	३।१७	५।३७	७।५४	१०।०९	१२।२८	२।४७	४।५२	६।३५	८।०३
०४।०७।२५।१७	३ बु	२५	९।२५	११।०२	१२।५८	३।१३	५।३३	७।५०	१०।०५	१२।२५	२।४३	४।४८	६।३१	७।५९
०४।०८।२३।०३	४ गु	२६	९।२२	१०।५८	१२।५४	३।०९	५।२९	७।४६	१०।०१	१२।२१	२।३९	४।४४	६।२७	७।५५
०४।०९।२०।५०	५ शु	२७	९।१८	१०।५४	१२।५०	३।०५	५।२५	७।४२	९।५८	१२।१७	२।३५	४।४०	६।२३	७।५२
०४।१०।१८।३९	६ श	२८	९।१४	१०।५०	१२।४६	३।०१	५।२१	७।३८	९।५४	१२।१३	२।३१	४।३६	६।१९	७।४८
०४।११।१६।३०	७ र	२९	९।१०	१०।४६	१२।४२	२।५७	५।१७	७।३४	९।५०	१२।०९	२।२७	४।३२	६।१५	७।४४
०४।१२।१४।२३	८ चं	३०	९।०६	१०।४२	१२।३८	२।५३	५।१३	७।३०	९।४६	१२।०५	२।२३	४।२८	६।११	७।४०
०४।१३।१२।१८	९ मं	३१	९।०२	१०।३८	१२।३४	२।४९	५।०९	७।२६	९।४२	१२।०१	२।१९	४।२४	६।०७	७।३६
०४।१४।१०।१५	१० बु	१	८।५८	१०।३४	१२।३०	२।४५	५।०५	७।२२	९।३८	११।५७	२।१५	४।२०	६।०३	७।३२
०४।१५।०८।१४	१० गु	२	८।५४	१०।३०	१२।२६	२।४१	५।०१	७।१८	९।३४	११।५३	२।१२	४।१६	५।५९	७।२८
०४।१६।०६।१४	११ शु	३	८।५०	१०।२६	१२।२२	२।३७	४।५७	७।१४	९।३०	११।४९	२।०८	४।१२	५।५५	७।२४
०४।१७।०४।१७	१२ श	४	८।४६	१०।२२	१२।१८	२।३३	४।५३	७।१०	९।२६	११।४५	२।०४	४।०८	५।५१	७।२०
०४।१८।०२।२२	१३ र	५	८।४२	१०।१८	१२।१४	२।२९	४।४९	७।०६	९।२२	११।४१	२।००	४।०४	५।४८	७।१६
०४।१९।००।२९	१४ चं	६	८।३८	१०।१४	१२।११	२।२५	४।४५	७।०२	९।१८	११।३७	१।५६	४।००	५।४४	७।१२
०४।१९।५८।३८	३० मं	७	८।३४	१०।१०	१२।०७	२।२१	४।४१	६।५८	९।१४	११।३३	१।५२	३।५६	५।४०	७।०८

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। शुक्लपक्ष तेरह दिन का होने से प्रजा में बीमारी महर्घता आदिक उपद्रव हों। मगलवारी अमावस होने से राज्यभ्रंश, राजयुद्ध-क्लेशो की वृद्धि-उपघात-अल्पवृष्टि और द्रव्यों की हानि हो। अमावस्या पूर्वाफाल्गुनी योग समर्घता कारक है। अमावस को पूर्वाफाल्गुनी होने से मध्यम वर्षा हो। अमावस्या को मंगलवार और पूर्वाफाल्गुनी होने से अरिष्टकारी योग बनता है। भादवा की अमावस को मंगलवार होने से धान्य महँगे हों। शु. चतुर्थी को शुक्रवार और चित्रा होने से दुर्भिक्ष हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।०८।१८

प.२१ भा.कृ.१० बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	५	१०	५	९	१	७
१४	२६	०८	०१	२४	१३	११	११
४०	५२	२३	३१	३३	५९	४८	४८
२२	३३	३८	३३	४०	४७	५९	५९
५८	३८	८१	७	६९	३	३	३
०५	२४	५३	२६	५९	२८	११	११
पूफा	उफा	उफा	घ	चि	श्र	रो	अनु
१	१	४	३व	१	२व	१	३

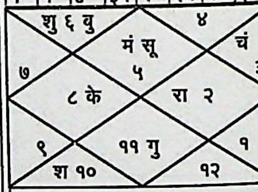

८ सितंवर से २० सितंवर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिना सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
क्षयः	१	मं	५५	५१	२८	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्रवर्धमा	२	बु	५०	४१	२६	३२	उफा	२४	०२	१५	५३	शु	४३	११	२३	३२	बा	२३	२०	१५	३६	३०/५९	६/१६	६/३९	१७	२९	८	कन्या	४।२०।४९।५०	५८।१३
राक्षस	३	गु	४५	०१	२४	१७	हस्त	२०	२९	१४	२८	शु	३५	५३	२०	३८	तै	१७	५३	१३	२५	५५	१६	३८	१८	१	९	तुला. २५।४२	४।२१।४८।०३	५८।१५
गणेश	४	शु	३९	०९	२१	५६	चित्रा	१६	३५	१२	५५	ब्र	२८	२३	१७	३८	व	१२	०६	११	०७	५१	१७	३७	१९	२	१०	तुला.	४।२२।४६।१८	५८।१७
ऋषि	५	श	३३	१८	१९	३६	स्वा	१२	३८	११	२०	ऐ	२०	५२	१४	३८	ब	६	१३	८	४६	४७	१७	३६	२०	३	११	वृश्चि. २८।११	४।२३।४४।३५	५८।१९
उत्पात	६	र	२७	३७	१७	२०	विशा	८	४७	९	४८	वै	१३	२६	११	४०	कौ	०	२६	६	२८	४३	१८	३५	२१	४	१२	वृश्चि.	४।२४।४२।५४	५८।२१
मानस	७	सो	२२	१३	१५	११	अनु	५	११	८	२२	वि	६/५९	१३/१७	८/३०	४७/०१	व	२२	१३	१५	११	३९	१८	३३	२२	५	१३	वृश्चि.	४।२५।४१।१६	५८।२४
मुद्गर	८	मं	१७	०८	१३	१०	ज्ये	१/५८	५३/५७	१/२९	१४/५३	आ	५२	३६	२७	२१	व	१७	०८	१३	१०	३४	१८	३२	२३	६	१४	धनु. ७।०४	४।२६।३९।३९	५८।२६
श्रीवत्स	९	बु	१२	२६	११	१७	पूषा	५६	२६	२८	५३	सौ	४६	१५	२४	४९	कौ	१२	२६	११	१७	३०	१९	३१	२४	७	१५	धनु.	४।२७।३८।०५	५८।२८
सौम्य	१०	गु	८	०९	९	३५	उषा	५४	२४	२८	०५	शो	४०	१८	२२	२७	ग	८	०९	९	३५	२६	१९	३०	२५	८	१६	मक. १०।४०	४।२८।३६।३३	५८।३०
ए.व्र.	११	शु	४	२४	८	०६	श्रव	५३	००	२७	३२	अ	३४	४९	२०	१५	वि	४	२४	८	०६	२२	२०	२९	२६	९	१७	मक.	४।२९।३५।०३	५८।३२
प्र.व्र.	१२	श	१	१८	६	५१	धनि	५२	२२	२७	१७	सु	२९	५६	१८	१९	वा	१	१८	६	५१	१८	२०	२८	२७	१०	१८	कुंभे १५।२२	५।००।३३।३६	५८।३५
क्षयः	१३	श	५९	०३	२९	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
राक्षस	१४	र	५७	४५	२९	२७	शत	५२	४१	२७	२५	धृ	२५	४५	१६	३९	ग	२८	१५	१७	३९	१४	२१	२६	२८	११	१९	कुंभे	५।०१।३२।११	५८।३७
पूर्णिमा	१५	सो	५७	३७	२९	२४	पूभा	५४	०७	२८	००	शू	२२	२५	१५	१९	वि	२७	३१	१७	२२	१०	२१	२५	२९	१२	२०	मीने २१।४९	५।०२।३०।४८	५८।३९

[D उफा. सौरः ६।२७, (व) मकरे धनि.-२ गुरुः १५।३४, (व) श्रव.-१ शनिः ८।५० [B २७।३२ तक, हरिवासरः ११।५४ से १९।४३ तक, विश्वकर्मा पू., कन्यायां सौरः १६।३४

केतकी अहर्गणः ३८०८ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंबर २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A पूजन ८।२२ उपरान्त,उफा.रविः १४।५२,चित्रा.बुधः १३।०२, L
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [L सं.स्त्री.नपु.सू.सू.वाहन महिष अनावृष्टिः
मन्वादि,वराह जयंती,हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र.,सामवेदि G
भ.११।०७ उ.२१।५६ या.,गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः),जैन संवत्सरी
ऋषि पंचमी, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे), स्वा. शुक्रः १६।३७
सौर(सूर्य) षष्ठी,स्कन्द दर्शनं,दूबड़ी सातम,गौरी आवाहन ९।४८ उपरान्त
भ.१५।११ उ. २६।०९ या.,मुक्ताभरणव्र., उमामहेश्वर पू.,गौरी A
दधीची जयंती, श्री राधा ८, गौरी विसर्जन ७।०४ से २९।५३ D
अदुःख नवमी व्र., श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय), दशावतार व्र.
भ.२०।४८ उ.,श्री रामदेवजी का मेला,विष्णुश्रृंखला २८।०५ से, K
भ. ८।०६ या.,जलझूलनी ११ व्र., वामन जयंती, विष्णुश्रृंखला B
पंचक प्रारम्भः १५।२२,प्रदोषः,दुग्धव्रतं,गोत्रिरात्रव्र. [G उपाकर्म, सफर २
[C महेश्वरपूजनं,कु.संध्यापूजा, इंदुला १५ [K कन्यायां रविः २४।५८
भ. २९।२७ उ., अनन्त १४, कदली व्रतं पूजनं, रंभारोपणं
भ.१७।२२ या.,पूर्णिमाव्रतंपुण्यञ्च,प्रौष्ठपदी,महालय श्राद्धारंभः, C

अयनांशाः २४।०८।१९

पं.२२ भा.शु. २ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	५	१०	६	९	१	७
२१	०१	१७	००	०२	१३	११	११
२७	२१	२६	४१	४२	३६	२६	२६
२९	५६	११	२१	०३	५८	४३	४३
५८	३८	७१	६	६९	२	३	३
१७	३५	१३	४८	२८	५९	११	११
पूफा	उफा	ह	ध	चि	श्र	रो	अनु
३	२	३	३व	३	२व	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।२०।५६।४९	२ बु	८	८।३०	१०।०६	१२।०३	२।१७	४।३८	६।५४	९।१०	११।२९	१।४८	३।५२	५।३६	७।०४
०४।२१।५५।०२	३ गु	९	८।२६	१०।०२	११।५९	२।१४	४।३४	६।५०	९।०६	११।२५	१।४४	३।४८	५।३२	७।००
०४।२२।५३।१७	४ शु	१०	८।२२	९।५९	११।५५	२।१०	४।३०	६।४६	९।०२	११।२१	१।४०	३।४५	५।२८	६।५६
०४।२३।५१।३४	५ श	११	८।१८	९।५५	११।५१	२।०६	४।२६	६।४३	८।५८	११।१७	१।३६	३।४१	५।२४	६।५२
०४।२४।४९।५४	६ र	१२	८।१४	९।५१	११।४७	२।०२	४।२२	६।३९	८।५४	११।१४	१।३२	३।३७	५।२०	६।४८
०४।२५।४८।१६	७ चं	१३	८।११	९।४७	११।४३	१।५८	४।१८	६।३५	८।५०	११।१०	१।२८	३।३३	५।१६	६।४४
०४।२६।४६।३९	८ मं	१४	८।०७	९।४३	११।३९	१।५४	४।१४	६।३१	८।४७	११।०६	१।२४	३।२९	५।१२	६।४१
०४।२७।४५।०६	९ बु	१५	८।०३	९।३९	११।३५	१।५०	४।१०	६।२७	८।४३	११।०२	१।२०	३।२५	५।०८	६।३७
०४।२८।४३।३४	१० गु	१६	७।५९	९।३५	११।३१	१।४६	४।०६	६।२३	८।३९	१०।५८	१।१६	३।२१	५।०४	६।३३
०४।२९।४२।०४	११ शु	१७	७।५५	९।३१	११।२७	१।४२	४।०२	६।१९	८।३५	१०।५४	१।१२	३।१७	५।००	६।२९
०५।००।४०।३७	१२ श	१८	७।५१	९।२७	११।२३	१।३८	३।५८	६।१५	८।३१	१०।५०	१।०८	३।१३	४।५६	६।२५
०५।०१।३९।१२	१४ र	१९	७।४७	९।२३	११।१९	१।३४	३।५४	६।११	८।२७	१०।४६	१।०५	३।०९	४।५२	६।२१
०५।०२।३७।४९	१५ चं	२०	७।४३	९।१९	११।१५	१।३०	३।५०	६।०७	८।२३	१०।४२	१।०१	३।०५	४।४८	६।१७

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २०२१

भा. शु. १० गुरौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २४।५८ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोल्लेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २४।५८ से भृगौ ७।२२ तक। (दान- गृह वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०८।२०

पं.२३ भा.शु. ९ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	५	९	६	९	१	७
२८	०५	२५	२९	१०	१३	११	११
१६	५२	०१	५६	४६	१७	०४	०४
०३	३९	५८	१७	३७	४६	२६	२६
५८	३८	५५	५	६८	२	३	३
२९	४७	२४	५६	५२	२५	११	११
उफा	उफा	चि	ध	स्वा	श्र	रो	अनु
१	३	१	२व	२	१व	१	३

२१ सितंबर से ६ अक्टूबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	मं	५८	४७	२९	५२	उभा	५६	४८	२९	०५	गं	२०	०२	१४	२२	बा	२८	०१	१७	३४	३० ०६	६ २२	६ २४	३०	१३	२१	मीने	५।०३।२९।२७	५८।४२
उत्पात	२	बु	...	...	...	...	रेव	...	...	...	...	वृ	१८	४१	१३	५१	तै	२९	५१	१८	१९	०२	२२	२३	३१	१४	२२	मीने	५।०४।२८।०८	५८।४४
मित्र	२	गु	१	१८	६	५४	रेव	०	४८	६	४२	ध्रु	१८	२५	१३	४५	ग	१	१८	६	५४	२९ ५८	२३	२२	१	१५	२३	मेषे ६।४२	५।०५।२६।५२	५८।४६
च.व्र.	३	शु	५	१३	८	२८	अश्वि	६	०८	८	५०	व्या	१९	१०	१४	०३	वि	५	१३	८	२८	५४	२३	२१	२	१६	२४	मेषे	५।०६।२५।३८	५८।४८
ध्वाङ्क्ष	४	श	१०	२३	१०	३३	भर	१२	४१	११	२८	ह	२०	५०	१४	४३	बा	१०	२३	१०	३३	४९	२४	१९	३	१७	२५	वृषे १८।११	५।०७।२४।२७	५८।५१
धूम्र	५	र	१६	३१	१३	००	कृति	२०	०७	१४	२७	व	२३	११	१५	४०	तै	१६	३१	१३	००	४५	२४	१८	४	१८	२६	वृषे	५।०८।२३।१७	५८।५३
प्रवर्धमा	६	सो	२३	०७	१५	३९	रोहि	२७	५९	१७	३६	सि	२५	४९	१६	४४	व	२३	०७	१५	३९	४१	२५	१७	५	१९	२७	वृषे	५।०९।२२।१०	५८।५५
राक्षस	७	मं	२९	३३	१८	१४	मृग	३५	३८	२०	४०	व्य	२८	१९	१७	४५	ब	२९	३३	१८	१४	३७	२५	१६	६	२०	२८	मिथु. ७।१०	५।१०।२१।०६	५८।५८
मुसल	८	बु	३५	०९	२०	२९	आर्द्रा	४२	२५	२३	२३	व	३०	११	१८	३०	बा	?	२९	७	२५	३३	२६	१५	७	२१	२९	मिथु.	५।११।२०।०३	५९।००
सिद्धि	९	गु	३९	११	२२	१०	पुन	४७	४५	२५	३२	प	३०	५९	१८	५०	तै	७	२६	९	२४	२९	२६	१४	८	२२	३०	कर्के ११।०४	५।१२।१९।०३	५९।०२
उत्पात	१०	शु	४१	३७	२३	०५	पुष्य	५१	१६	२६	५७	शि	३०	२३	१८	३६	व	१०	४२	१०	४३	२५	२७	१२	९	२३	१	कर्के	५।१३।१८।०६	५९।०५
ए.व्र.	११	श	४१	५२	२३	१२	श्ले	५२	४७	२७	३४	सि	२८	१३	१७	४४	व	११	५८	११	१४	२१	२७	११	१०	२४	२	सिंहे २७।३४	५।१४।१७।१०	५९।०७
मुद्गर	१२	र	४०	०६	२२	३०	मघा	५२	२२	२७	२४	सा	२४	२७	१६	१४	कौ	११	१२	१०	५६	१७	२८	१०	११	२५	३	सिंहे	५।१५।१६।१७	५९।०९
प्र.व्र.	१३	सो	३६	३१	२१	०४	पूफा	५०	१२	२६	३३	शु	१९	१०	१४	०८	ग	८	३०	९	५२	१२	२८	०९	१२	२६	४	सिंहे	५।१६।१५।२६	५९।१२
घाता	१४	मं	३१	२४	१९	०२	उफा	४६	३६	२५	०७	शु	१२	३५	११	३०	वि	४	०८	८	०८	०८	२९	०८	१३	२७	५	कन्या ८।१४	५।१७।१४।३८	५९।१४
अमाव.	३०	बु	२५	०९	१६	३३	हस्त	४१	५७	२३	१६	ब्र	५६ ४	५५ ३३	२६	२८ ०६	ना	२५	०९	१६	३३	०४	२९	०७	१४	२८	६	कन्या	५।१८।१३।५२	५९।१६

शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः,सितंवर-अक्टूवर २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
हस्ते भौमः १५।०६, तुलायां वुधः १९।२३
सायन तुलायां भानुः २४।५८ [F विशा. शुक्रः ८।१३
भ. १९।३७ उ., पंचक समाप्तिः ६।४२, भा. अश्विनारंभः, F
भ. ८।२८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३१, भरणी श्राद्ध
[A सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहन अश्व वर्षाश्रेष्ठः
चंद्रषष्ठी, हस्ते रविः ३०।२३, वुधास्तः पश्चिमायाम् १०।०४, A
भ. १५।३९ उ. २८।५८ या., हस्ते सौरः २१।४९,वक्री वुधः १७।४७
श्रीमहालक्ष्मी व्र. [B २५।०७ से, कृत्ति.-४ राहुः १२।४७, E
अशोकाष्टमी [D शुक्रः २९।३१ [E अनु.-२ केतुः १२।४७
सौभाग्यवतीनां श्राद्धं [C शुक्रः २९।३१
भ. १०।४३ उ. २३।०५ या., अक्टूवर १० ता. ३१, वृश्चिके C
इंदिरा ११ व्र., गांधी जयन्ती, (व) कन्यायां वुधः ६।५२
सन्यासिनां श्राद्धं, गजच्छाया योगः २२।३० से २७।२४ तक
भ. २१।०४ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., युगादि, अनु. D
भ. ८।०८ या., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं, गजच्छाया (वोधायन) B
देवपितृकार्येऽमा.,सर्वपितृ श्राद्धम्,गजच्छाया (वोधायन) १६।३३ तक

अयनांशाः २४।०८।२१

पं.२४ आ.कृ. २ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	६	९	६	९	१	७
०५	१०	००	२९	१८	१३	१०	१०
०६	२४	१४	१७	४६	०२	४२	४२
०९	४७	५०	५२	३९	३८	११	११
५८	३९	२७	४	६८	१	३	३
४३	००	२२	५२	०९	४८	११	११
उफा	ह	चि	घ	स्वा	श्र	रो	अनु
३	१	३	२व	४	१व	१	३

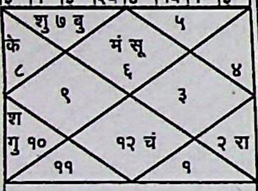

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०५।०३।३६।२९	१ मं	२१	७।३९	९।१५	११।११	१।२६	३।४६	६।०३	८।१९	१०।३८	१२।५७	३।०१	४।४४	६।१३
०५।०४।३५।१०	२ बु	२२	७।३५	९।११	११।०७	१।२२	३।४२	५।५९	८।१५	१०।३४	१२।५३	२।५७	४।४०	६।०९
०५।०५।३३।५५	२ गु	२३	७।३१	९।०७	११।०४	१।१८	३।३८	५।५५	८।११	१०।३०	१२।४९	२।५३	४।३७	६।०५
०५।०६।३२।४१	३ शु	२४	७।२७	९।०३	११।००	१।१४	३।३४	५।५१	८।०७	१०।२६	१२।४५	२।४९	४।३३	६।०१
०५।०७।३१।३०	४ श	२५	७।२३	८।५९	१०।५६	१।१०	३।३०	५।४७	८।०३	१०।२२	१२।४१	२।४५	४।२९	५।५७
०५।०८।३०।२०	५ र	२६	७।१९	८।५५	१०।५२	१।०६	३।२७	५।४३	७।५९	१०।१८	१२।३७	२।४१	४।२५	५।५३
०५।०९।२९।१४	६ चं	२७	७।१५	८।५२	१०।४८	१।०३	३।२३	५।३९	७।५५	१०।१४	१२।३३	२।३८	४।२१	५।४९
०५।१०।२८।०९	७ मं	२८	७।११	८।४८	१०।४४	१२।५९	३।१९	५।३५	७।५१	१०।१०	१२।२९	२।३४	४।१७	५।४५
०५।११।२७।०७	८ बु	२९	७।०७	८।४४	१०।४०	१२।५५	३।१५	५।३२	७।४७	१०।०७	१२।२५	२।३०	४।१३	५।४१
०५।१२।२६।०८	९ गु	३०	७।०३	८।४०	१०।३६	१२।५१	३।११	५।२८	७।४३	१०।०३	१२।२१	२।२६	४।०९	५।३७
०५।१३।२५।१०	१० शु	१	७।००	८।३६	१०।३२	१२।४७	३।०७	५।२४	७।३९	९।५९	१२।१७	२।२२	४।०५	५।३४
०५।१४।२४।१५	११ श	२	६।५६	८।३२	१०।२८	१२।४३	३।०३	५।२०	७।३६	९।५५	१२।१३	२।१८	४।०१	५।३०
०५।१५।२३।२२	१२ र	३	६।५२	८।२८	१०।२४	१२।३९	२।५९	५।१६	७।३२	९।५१	१२।०९	२।१४	३।५७	५।२६
०५।१६।२२।३२	१३ चं	४	६।४८	८।२४	१०।२०	१२।३५	२।५५	५।१२	७।२८	९।४७	१२।०५	२।१०	३।५३	५।२२
०५।१७।२१।४४	१४ मं	५	६।४४	८।२०	१०।१६	१२।३१	२।५१	५।०८	७।२४	९।४३	१२।०१	२।०६	३।४९	५।१८
०५।१८।२०।५८	३० बु	६	६।४०	८।१६	१०।१२	१२।२७	२।४७	५।०४	७।२०	९।३९	११।५७	२।०२	३।४५	५।१४

अयनांशाः २४।०८।२२

पं.२५ आ.कृ. ८ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	६	९	६	९	१	७
११	१४	०१	२८	२६	१२	१०	१०
५७	५८	१८	४७	४१	५१	१९	१९
५२	२४	५३	२४	१३	५७	५५	५५
५८	३९	१८	३	६७	१	३	३
५७	१३	२५	३९	१७	०९	११	११
ह	ह	चि	ध	वि	श्र	रो	अनु
१	२	३व	२व	३	१व	१	३

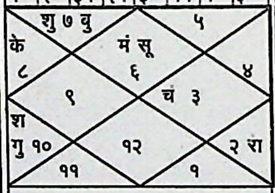

अयनांशाः २४।०८।२३

पं.२६ आ.कृ.३० बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	५	९	७	९	१	७
१८	१९	२६	२८	०४	१२	०९	०९
५१	३३	३५	२५	२९	४५	५७	५७
१४	३४	३९	४५	०३	५८	३९	३९
५९	३९	६५	२	६६	०	३	३
११	२६	२३	२०	१२	२७	११	११
ह	ह	चि	ध	अनु	श्र	कृ	अनु
३	३	१व	२व	१	१व	४	२

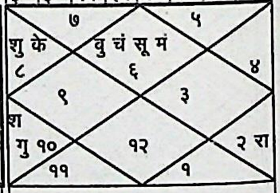

७ अक्टूबर से २० अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	गु	१८	०६	१३	४४	चित्रा	३६	३८	२१	०९	वै	४७	४३	२५	३५	व	१८	०६	१३	४४	२९/००	६/३०	६/०६	१५	२९	७	तुला. १०।१४	५।१९।१३।०८	५९।११
गद	२	शु	१०	४०	१०	४६	स्वा	३१	०४	१८	५६	वि	३८	४२	२१	५९	कौ	१०	४०	१०	४६	२६/५६	३०	०५	१६	३०	८	तुला.	५।२०।१२।२७	५९।२१
शुभ	३	श	३	११	७	४७	विशा	२५	३५	१६	४५	प्री	२९	४८	१८	२६	ग	३	११	७	४७	५२	३१	०४	१७	१	९	वृश्चि. ११।१७	५।२१।११।४८	५९।२३
क्षयः	४	श	५६	०१	२८	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मृत्यु	५	र	४९	१७	२६	१४	अनु	२०	२७	१४	४२	आ	२१	१२	१५	००	व	२२	३३	१५	३३	४८	३१	०२	१८	२	१०	वृश्चि.	५।२२।११।११	५९।२६
पद्म	६	सो	४३	१७	२३	५१	ज्ये	१५	५६	१२	५४	सौ	१३	०६	११	४६	कौ	१६	११	१३	००	४४	३२	०१	१९	३	११	धनु. १२।५४	५।२३।१०।३७	५९।२८
छत्र	७	मं	३८	०७	२१	४७	मूल	१२	११	११	२५	शो	५/५८	३८/५४	८/३०	४८/०६	ग	१०	३४	१०	४६	४०	३२	००	२०	४	१२	धनु.	५।२४।१०।०५	५९।३०
दुर्गा	८	बु	३३	५२	२०	०६	पूषा	९	१८	१०	१६	सु	५२	५४	२७	४३	वि	५	५१	८	५३	३६	३३	५/५९	२१	५	१३	मक. १६।०३	५।२५।०९।३५	५९।३३
ध्वाङ्क्ष	९	गु	३०	४०	१८	४९	उषा	७	२४	९	३१	धृ	४७	४४	२५	३९	वा	२	०७	७	२४	३२	३३	५८	२२	६	१४	मक.	५।२६।०९।०८	५९।३५
विजया	१०	शु	२८	२९	१७	५८	श्रव	६	३२	९	११	शू	४३	२५	२३	५६	ग	२८	२९	१७	५८	२८	३४	५७	२३	७	१५	कुंभे २१।१०	५।२७।०८।४२	५९।३७
ए.व्र.	११	श	२७	२७	१७	३३	धनि	६	४४	९	१६	गं	४०	००	२२	३५	वि	२७	२७	१७	३३	२४	३५	५६	२४	८	१६	कुंभे	५।२८।०८।१९	५९।३९
प्र.व्र.	१२	र	२७	३३	१७	३७	शत	८	०२	९	४८	वृ	३७	२७	२१	३४	वा	२७	३३	१७	३७	२०	३५	५५	२५	९	१७	मीने २८।२९	५।२९।०७।५९	५९।४२
मुसल	१३	सो	२८	४८	१८	०७	पूभा	१०	२७	१०	४७	ध्रु	३५	४७	२०	५५	तै	२८	४८	१८	०७	१६	३६	५४	२६	१०	१८	मीने	६।००।०७।४१	५९।४४
सिद्धि	१४	मं	३१	१०	१९	०४	उभा	१३	५८	१२	१२	व्या	३५	००	२०	३६	व	३१	१०	१९	०४	१२	३६	५३	२७	११	१९	मीने	६।०१।०७।२५	५९।४६
पूर्णिमा	१५	बु	३४	३९	२०	२९	रेव	१८	३३	१४	०२	ह	३५	०२	२०	३८	वि	२	४६	७	४४	०८	३७	५२	२८	१२	२०	मेषे १४।०२	६।०२।०७।११	५९।४९

केतकी अहर्गणः ३८३७ शरदृत्तू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है। D [D
नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती , मातामह श्रा.
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), (व) हस्ते बुधः २७।२४ [H पूर्वस्याम् १२।०६
भ. १८।२० उ. २८।५५ या., रविलावल ३ [F चातक अनावृष्टिः
[B शमीपूजा,पट्टाभिषेक, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे, बुधोदयः H
उपांग ललिता व्र.,चित्रा.रविः १९।२३, सं.स्त्री.नपु.सू.सू.वाहन F
चित्रा. सौरः १०।१९, चित्रा. भौमः २४।०३, मार्गी शनिः २०।४१
भ. २१।४७ उ., सरस्वती आवाहनं मूलभे, भद्रकाली अवतार
भ. ८।५३ या., महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे
मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे
भ.२९।४२ उ.,पंचक प्रारम्भः २१।१०, बोद्धावतार, विजया १०, B
श. १७।३३ या., पापांकुशा ११ व्र.
प्रदोषः, कार्त्तिके द्विदलं त्यजेत्, आकाश दीपारंभः, तुलायां रविः C
मार्गी गुरुः २२।०२ [C १२।५७ (सौरः २७।३१),ज्येष्ठा. शुक्रः ११।४१
भ. १९।०४ उ., कोजागरी व्र., मार्गी बुधः ११।१०
भ. ७।४४ या.,पंचक समाप्तिः १४।०२,पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शरद A
[A पूर्णिमा, वंगीय लक्ष्मी पूजा, नवान्न भक्षण, आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन शाखा), कार्तिक स्नान प्रा.

अयनांशाः २४।०८।२४

पं.२७ आ.शु. ८ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	५	९	७	९	१	७
२५	२४	१८	२८	१२	१२	०९	०९
४६	१०	४५	१३	०८	४४	३५	३५
१८	२०	१३	३६	२९	५१	२३	२३
५९	३९	५३	०	६४	०	३	३
२६	४०	०९	५७	५०	१५	११	११
चि	चि	ह	ध	अनु	श्र	कृ	अनु
१	१	३व	२व	३	१	४	२

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टू	सायें	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।१९।२०।१५	१ गु	७	६।३६	८।१२	१०।०८	१२।२३	२।४३	५।००	७।१६	९।३५	११।५४	१।५८	३।४१	५।१०
०५।२०।१९।३४	२ शु	८	६।३२	८।०८	१०।०४	१२।१९	२।३९	४।५६	७।१२	९।३१	११।५०	१।५४	३।३७	५।०६
०५।२१।१८।५५	३ श	९	६।२८	८।०४	१०।००	१२।१५	२।३५	४।५२	७।०८	९।२७	११।४६	१।५०	३।३३	५।०२
०५।२२।१८।१८	५ र	१०	६।२४	८।००	९।५६	१२।११	२।३१	४।४८	७।०४	९।२३	११।४२	१।४६	३।२९	४।५८
०५।२३।१७।४४	६ चं	११	६।२०	७।५६	९।५३	१२।०७	२।२७	४।४४	७।००	९।१९	११।३८	१।४२	३।२६	४।५४
०५।२४।१७।१२	७ मं	१२	६।१६	७।५२	९।४९	१२।०३	२।२३	४।४०	६।५६	९।१५	११।३४	१।३८	३।२२	४।५०
०५।२५।१६।४३	८ बु	१३	६।१२	७।४८	९।४५	११।५९	२।१९	४।३६	६।५२	९।११	११।३०	१।३४	३।१८	४।४६
०५।२६।१६।१६	९ गु	१४	६।०८	७।४४	९।४१	११।५५	२।१६	४।३२	६।४८	९।०७	११।२६	१।३०	३।१४	४।४२
०५।२७।१५।५१	१० शु	१५	६।०४	७।४१	९।३७	११।५२	२।१२	४।२८	६।४४	९।०३	११।२२	१।२७	३।१०	४।३८
०५।२८।१५।२८	११ श	१६	६।००	७।३७	९।३३	११।४८	२।०८	४।२५	६।४०	८।५९	११।१८	१।२३	३।०६	४।३४
०५।२९।१५।०८	१२ र	१७	५।५६	७।३३	९।२९	११।४४	२।०४	४।२१	६।३६	८।५६	११।१४	१।१९	३।०२	४।३०
०६।००।१४।५०	१३ चं	१८	५।५२	७।२९	९।२५	११।४०	२।००	४।१७	६।३२	८।५२	११।१०	१।१५	२।५८	४।२६
०६।०१।१४।३४	१४ मं	१९	५।४९	७।२५	९।२१	११।३६	१।५६	४।१३	६।२८	८।४८	११।०६	१।११	२।५४	४।२३
०६।०२।१४।२१	१५ बु	२०	५।४५	७।२१	९।१७	११।३२	१।५२	४।०९	६।२५	८।४४	११।०२	१।०७	२।५०	४।१९

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०२१

आश्वि. शु. १२ रवौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १२।५७ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम घोरा शूद्रान् सुस्वदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्वदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) ६।५७ से १८।५७ तक। (दान- तिल गोरस)।

अयनांशाः २४।०८।२५

पं.२८ आ.शु.१५ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	५	५	९	७	९	१	७
०२	२८	१६	२८	१९	१२	०९	०९
४३	४८	०१	११	३७	४८	१३	१३
०२	४७	३१	१५	२१	४२	०७	०७
५९	३९	१९	०	६३	०	३	३
४०	५५	५२	२८	०६	५७	११	११
चि	चि	ह	घ	ज्ये	श्र	कृ	अनु
३	२	२	२	५	१	४	२

२१ अक्टूबर से ४ नवंबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमासू. सू. तारीख — स्टै. — प्रातः — दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मानस	१	गु	३९	०९	२२	१७	अश्वि	२४	०८	१६	१७	व	३५	५१	२०	५८	वा	६	४६	९	२०	२८/०४	६/३८	५/५१	२९	१३	२१	मेषे	६।०३।०६।५९	५९।५१
मुद्गर	२	शु	४४	३७	२४	२९	भर	३०	३८	१८	५३	सि	३७	२१	२१	३५	तै	११	४५	११	२०	००	३८	५०	३०	१४	२२	वृषे २५।३५	६।०४।०६।५०	५९।५३
ध्वजा	३	श	५०	४८	२६	५८	कृति	३७	५३	२१	४८	व्य	३९	२७	२२	२६	व	१७	३६	१३	४१	२७/५७	३९	४९	१	१५	२३	वृषे	६।०५।०६।४३	५९।५५
च.व्र.	४	र	५७	२७	२९	३८	रोहि	४५	३८	२४	५५	व	४१	५६	२३	२६	ब	२४	०४	१६	१७	५३	४०	४९	२	१६	२४	वृषे	६।०६।०६।३८	५९।५७
आनन्द	५	सो	...	...	...	...	मृग	५३	३०	२८	०४	प	४४	३०	२४	२८	कौ	३०	४९	१९	००	४९	४०	४८	३	१७	२५	मिथु. १४।३०	६।०७।०६।३६	६०।००
चर	५	मं	४	०७	८	१९	आर्द्रा	...	...	...	...	शि	४६	४८	२५	२४	तै	४	०७	८	१९	४५	४१	४७	४	१८	२६	मिथु.	६।०८।०६।३५	६०।०२
मुसल	६	बु	१०	१५	१०	४८	आर्द्रा	०	५४	७	०३	सि	४८	२५	२६	०४	व	१०	१५	१०	४८	४१	४१	४६	५	१९	२७	कर्क २७।०३	६।०९।०६।३७	६०।०४
सिद्धि	७	गु	१५	१७	१२	४९	पुन	७	२१	९	३९	सा	४८	५७	२६	१७	व	१५	१७	१२	४९	३८	४२	४५	६	२०	२८	कर्के	६।१०।०६।४१	६०।०६
उत्पात	८	शु	१८	४१	१४	११	पुष्य	१२	१७	११	३८	शु	४८	०४	२५	५७	कौ	१८	४१	१४	११	३४	४३	४४	७	२१	२९	कर्के	६।११।०६।४७	६०।०८
मानस	९	श	२०	०५	१४	४६	श्ले	१५	२०	१२	५१	शु	४५	३५	२४	५७	ग	२०	०५	१४	४६	३०	४३	४४	८	२२	३०	सिंहे १२।५१	६।१२।०६।५५	६०।१०
मुद्गर	१०	र	१९	२२	१४	२९	मघा	१६	१९	१३	१६	ब्र	४१	२६	२३	१८	वि	१९	२२	१४	२९	२६	४४	४३	९	२३	३१	सिंहे	६।१३।०७।०५	६०।१२
ए.व्र.	११	सो	१६	३४	१३	२२	पूफा	१५	१६	१२	५१	ऐ	३५	४१	२१	०१	बा	१६	३४	१३	२२	२३	४५	४२	१०	२४	१	कन्या १८।३८	६।१४।०७।१८	६०।१४
प्र.व्र.	१२	मं	११	५२	११	३०	उफा	१२	२१	११	४२	वै	२८	२९	१८	०९	तै	११	५२	११	३०	१९	४६	४१	११	२५	२	कन्या	६।१५।०७।३२	६०।१६
आनन्द	१३	बु	५	३७	९	०१	हस्त	७	५२	९	५५	वि	२०	०५	१४	४८	व	५	३७	९	०१	१६	४६	४१	१२	२६	३	तुला. २०।५१	६।१६।०७।४८	६०।१९
क्षयः	१४	बु	५८	११	३०	०३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दीपाव.	३०	गु	४९	५२	२६	४४	चित्रा	३/५५	५२/४६	७/२९	४०/०५	प्री	१०	४८	११	०६	च	२४	०५	१६	२५	१२	४७	४०	१३	२७	४	तुला.	६।१७।०८।०७	६०।२०

शरदृत्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर-नवंबर २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
तुलायां भौमः २५।२७
[C गोत्रिरात्र व्र., तुलायां बुधः १०।१६
भ. १३।४१ उ. २६।५८ या., भा. कार्तिकारंभः, स्वा. रविः A
करवा ४ चन्द्रोदयः २०।१८, दशरथ ललिता व्र., स्वा. E
[A २९।५३, सायन वृश्चिके भानुः १०।२६, सं.स्त्री.पु.सू.सू. D
स्कन्द षष्ठी [D वाहन स्वर वर्षाश्रेष्ठः
भ. १०।४८ उ. २३।५२ या.
होई (अहोरी) ८, चित्रा. बुधः १८।१७
[E सौरः २०।०१
भ. २६।४४ उ., धनुषि मूले शुक्रः ८।५८
भ. १४।२९ या., स्वा. भौमः २४।४३
रमा ११ व्र., गोवत्स द्वादशी, नवंबर ११ ता. ३०
प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं, C
भ. ९।०१ उ. १९।३५ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं
[B पूजा, कुबेर पू., बलीपूजा
देवपितृकार्येऽमा., रुप (नरक) १४, प्रभात स्नानं, महालक्ष्मी B

अयनांशाः २४।०८।२६

पं.२९ का.कृ. ६ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	५	९	७	९	१	७
०९	०३	२१	२८	२६	१२	०८	०८
४१	२८	२७	१८	५२	५७	५०	५०
२६	५६	४७	४६	४८	२८	५१	५१
५९	४०	७४	१	६०	१	३	३
५४	१०	१६	५२	५४	३९	११	११
स्वा	चि	ह	घ	ज्ये	श्र	कृ	अनु
१	४	४	२	४	१	४	२

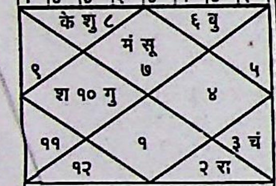

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टु	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।०३।१४।१०	१ गु	२१	५।४१	७।१७	९।१३	११।२८	१।४८	४।०५	६।२१	८।४०	१०।५८	१।०३	२।४६	४।१५
०६।०४।१४।०१	२ शु	२२	५।३७	७।१३	९।०९	११।२४	१।४४	४।०१	६।१७	८।३६	१०।५४	१२।५९	२।४२	४।११
०६।०५।१३।५४	३ श	२३	५।३३	७।०९	९।०५	११।२०	१।४०	३।५७	६।१३	८।३२	१०।५०	१२।५५	२।३८	४।०७
०६।०६।१३।५०	४ र	२४	५।२९	७।०५	९।०१	११।१६	१।३६	३।५३	६।०९	८।२८	१०।४६	१२।५१	२।३४	४।०३
०६।०७।१३।४७	५ चं	२५	५।२५	७।०१	८।५७	११।१२	१।३२	३।४९	६।०५	८।२४	१०।४३	१२।४७	२।३०	३।५९
०६।०८।१३।४७	५ मं	२६	५।२१	६।५७	८।५३	११।०८	१।२८	३।४५	६।०१	८।२०	१०।३९	१२।४३	२।२६	३।५५
०६।०९।१३।४९	६ बु	२७	५।१७	६।५३	८।४९	११।०४	१।२४	३।४१	५।५७	८।१६	१०।३५	१२।३९	२।२२	३।५१
०६।१०।१३।५३	७ गु	२८	५।१३	६।४९	८।४५	११।००	१।२०	३।३७	५।५३	८।१२	१०।३१	१२।३५	२।१८	३।४७
०६।११।१४।००	८ शु	२९	५।०९	६।४५	८।४२	१०।५६	१।१६	३।३३	५।४९	८।०८	१०।२७	१२।३१	२।१५	३।४३
०६।१२।१४।०८	९ श	३०	५।०५	६।४१	८।३८	१०।५२	१।१२	३।२९	५।४५	८।०४	१०।२३	१२।२७	२।११	३।३९
०६।१३।१४।१९	१० र	३१	५।०१	६।३७	८।३४	१०।४८	१।०८	३।२५	५।४१	८।००	१०।१९	१२।२३	२।०७	३।३५
०६।१४।१४।३१	११ चं	१	४।५७	६।३३	८।३०	१०।४४	१।०५	३।२१	५।३७	७।५६	१०।१५	१२।१९	२।०३	३।३१
०६।१५।१४।४६	१२ मं	२	४।५३	६।३०	८।२६	१०।४१	१।०१	३।१७	५।३३	७।५२	१०।११	१२।१६	१।५९	३।२७
०६।१६।१५।०३	१३ बु	३	४।४९	६।२६	८।२२	१०।३७	१२।५७	३।१४	५।२९	७।४८	१०।०७	१२।१२	१।५५	३।२३
०६।१७।१५।२१	३० गु	४	४।४५	६।२२	८।१८	१०।३३	१२।५३	३।१०	५।२५	७।४५	१०।०३	१२।०८	१।५१	३।१९

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो, पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो ॥ चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनांसमर्घता ॥ प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे । कृ. पंचमी को आर्द्रा होने से घास का संग्रह लाभ दे और अल्पवृष्टि से चौपायों को दुःख हो । कृष्णा दशमी रविवार होने से रोगोत्पत्ति हो । गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो । आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो । अमावस्या को चित्रा होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो । पूर्णिमा शुक्रवार और कृतिका युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों ।

अयनांशाः २४।०८।२७

पं.३० का.कृ.१३ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	६	९	८	९	१	७
१६	०८	०१	२८	०३	१३	०८	०८
४१	१०	१८	३६	५१	११	२८	२८
२७	५१	२०	०१	०१	०६	३६	३६
६०	४०	९३	३	५८	२	३	३
०८	२५	०८	१६	०४	२०	१२	११
स्वा	स्वा	चि	ध	मू	श्र	कृ	अनु
४	१	३	२	२	१	४	२

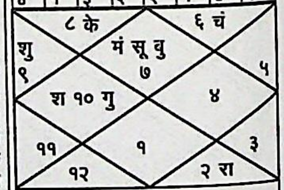

५ नवंबर से १९ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टैं. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	शु	४१	०९	२३	१५	विशा	४८	५६	२६	२२	आ	०/५०	५४/४५	७/२७	०९/०६	किं	१५	३२	१३	००	२७/०९	६/४८	५/३६	१४	२८	५	वृश्चि. २१।०३	६।१८।०८।२७	६०।२२
अमृत	२	श	३२	२४	१९	४६	अनु	४२	०६	२३	३९	शो	४०	३६	२३	०३	वा	६	४५	९	३१	०५	४८	३९	१५	२९	६	वृश्चि.	६।१९।०८।५०	६०।२४
काण	३	र	२३	५९	१६	२५	ज्ये	३५	४१	२१	०६	अ	३०	४६	१९	०७	ग	२३	५९	१६	२५	०२	४९	३८	१६	१	७	धनु. २१।०६	६।२०।०९।१४	६०।२६
लुम्बक	४	सो	१६	१४	१३	२०	मूल	३०	००	१८	५०	सु	२१	३१	१५	२६	वि	१६	१४	१३	२०	२६/५८	५०	३७	१७	२	८	धनु.	६।२१।०९।४१	६०।२८
मित्र	५	मं	९	२८	१०	३८	पूषा	२५	२२	१६	५९	धृ	१३	०५	१२	०५	वा	९	२८	१०	३८	५५	५१	३७	१८	३	९	मक. २२।३६	६।२२।१०।०९	६०।३०
वज्र	६	बु	३	५५	८	२६	उषा	२२	०१	१५	४०	शू	५	४०	९	०७	तै	३	५५	८	२६	५२	५१	३६	१९	४	१०	मक.	६।२३।१०।३९	६०।३२
क्षयः	७	बु	५९	५२	३०	४८	०	०	०	०	०	गं	५९	२६	३०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
ध्वजा	८	गु	५७	२०	२९	४८	श्रव	२०	०८	१४	५५	वृ	५४	२५	२८	३८	वि	२८	२४	१८	१४	४९	५२	३६	२०	५	११	कुंभे २६।४७	६।२४।११।११	६०।३४
धाता	९	शु	५६	२८	२९	२८	धनि	१९	४९	१४	४९	ध्रु	५०	४२	२७	१०	वा	२६	४०	१७	३३	४५	५३	३५	२१	६	१२	कुंभे	६।२५।११।४५	६०।३६
आनन्द	१०	श	५७	१०	२९	४६	शत	२१	०६	१५	२०	व्या	४८	१२	२६	१०	तै	२६	३६	१७	३२	४२	५४	३५	२२	७	१३	कुंभे	६।२६।१२।२१	६०।३८
ए.व्र.	११	र	५९	२२	३०	३९	पूभा	२३	५३	१६	२८	ह	४६	५२	२५	३९	व	२८	०४	१८	०८	३९	५५	३४	२३	८	१४	मीने १०।०८	६।२७।१२।५८	६०।३९
ए.व्र.	१२	सो	...	...	...	...	उभा	२८	०१	१८	०८	व	४६	३३	२५	३२	व	३०	५८	१९	१८	३६	५५	३४	२४	९	१५	मीने	६।२८।१३।३८	६०।४१
प्र.व्र.	१२	मं	२	५०	८	०४	रेव	३३	१९	२०	१५	सि	४७	०५	२५	४६	वा	२	५०	८	०४	३३	५६	३३	२५	१०	१६	मेषे २०।१५	६।२९।१४।१९	६०।४३
मृत्यु	१३	बु	७	२४	९	५४	अश्वि	३९	३०	२२	४५	व्य	४८	१७	२६	१६	तै	७	२४	९	५४	३०	५७	३३	२६	११	१७	मेषे	७।००।१५।०२	६०।४४
पद्म	१४	गु	१२	४७	१२	०५	भर	४६	२२	२५	३०	व	४९	५९	२६	५७	व	१२	४७	१२	०५	२७	५८	३३	२७	१२	१८	मेषे	७।०१।१५।४६	६०।४६
पूर्णिमा	१५	शु	१८	४८	१४	३०	कृति	५३	४३	२८	२७	प	५२	०३	२७	४८	व	१८	४८	१४	३०	२४	५८	३२	२८	१३	१९	वृषे ८।१४	७।०२।१६।३२	६०।४८

केतकी अहर्गणः ३८६६ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, नवंबर २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टैं.टा.में है।
गोवर्धन पू.,अन्नकूटं देशाचारे,गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः,गोक्रीडा D
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भ्रातृ २,यम २,यमुना स्नानं,कलम दवात C
भ. २६।५० उ., रविक्रासार ४ [C पू., विशा. रविः १४।०१ I
भ. १३।२० या., दूर्वागणपति व्र१. [I (सौरः २७।०९), स्वा. E
सौभाग्य ५, पाण्डव ५ [E बुधः १६।३९, श्रव.-२ शनिः २१।३६
भ.३०।४८ उ.,कल्पादि,बुधास्तः पूर्वस्याम् २८।२८ [D मार्गपालीवं.
[A तुलसी विवाह चतुर्मास व्रत समाप्तिः, भीष्म पंचक प्रा., G
भ. १८।१४ या., पंचक प्रारम्भः २६।४७, गोपाष्टमी
युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९ [L प्रशस्तापूर्णिमा
पूषा.शुक्रः १२।१७ [G नेहरूजयन्ती (बालदिवस),विशा.बुधः २३।११
भ.१८।०८ उ. ३०।३९ या.,प्रबोधिनी ११ व्र.स्मार्त, देवोत्थापनं, A
प्रबोधिनी ११ व्र.वैष्ण., मन्वादि [F त्रिपुरोत्सव, पुष्कर यात्रा, L
पंचक समाप्तिः २०।१५,प्रदोषः, आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके H
वैकुण्ठ १४,रोटक व्रतसमाप्तिः [H रविः १२।४२ (सौरः २५।००)
भ. १२।०५ उ. २५।१६ या., पूर्णिमा व्रतं, कार्तिक व्रतोद्यापनं, F
मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, गोपद्मव्रत समाप्ति,नानक जयंती, भीष्म B
[B पंचक समाप्ति, कार्तिक स्नान पूर्तिः, पद्मकयोगः, अनु. रविः २०।०२

अयनांशाः २४।०८।२८

पं.३१ का.शु. ६ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	६	९	८	९	१	७
२३	१२	१२	२९	१०	१३	०८	०८
४२	५४	२६	०२	२६	२९	०६	०६
५९	३४	०७	४४	५८	२६	१९	१९
६०	४०	९६	४	५४	२	३	३
२०	४१	५९	३४	२३	५९	११	११
वि	स्वा	स्वा	ध	मू	श्र	कृ	अनु
२	२	२	२	४	२	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।१८।१५।४२	१ शु	५	४।४१	६।१८	८।१४	१०।२९	१२।४९	३।०६	५।२१	७।४१	९।५९	१२।०४	१।४७	३।१५
०६।१९।१६।०५	२ श	६	४।३८	६।१४	८।१०	१०।२५	१२।४५	३।०२	५।१८	७।३७	९।५५	१२।००	१।४३	३।१२
०६।२०।१६।३०	३ र	७	४।३४	६।१०	८।०६	१०।२१	१२।४१	२।५८	५।१४	७।३३	९।५१	११।५६	१।३९	३।०८
०६।२१।१६।५६	४ चं	८	४।३०	६।०६	८।०२	१०।१७	१२।३७	२।५४	५।१०	७।२९	९।४७	११।५२	१।३५	३।०४
०६।२२।१७।२५	५ मं	९	४।२६	६।०२	७।५८	१०।१३	१२।३३	२।५०	५।०६	७।२५	९।४३	११।४८	१।३१	३।००
०६।२३।१७।५५	६ बु	१०	४।२२	५।५८	७।५४	१०।०९	१२।२९	२।४६	५।०२	७।२१	९।३९	११।४४	१।२७	२।५६
०६।२४।१८।२८	८ गु	११	४।१८	५।५४	७।५०	१०।०५	१२।२५	२।४२	४।५८	७।१७	९।३५	११।४०	१।२३	२।५२
०६।२५।१९।०२	९ शु	१२	४।१४	५।५०	७।४६	१०।०१	१२।२१	२।३८	४।५४	७।१३	९।३२	११।३६	१।१९	२।४८
०६।२६।१९।३८	१० श	१३	४।१०	५।४६	७।४२	९।५७	१२।१७	२।३४	४।५०	७।०९	९।२८	११।३२	१।१५	२।४४
०६।२७।२०।१६	११ र	१४	४।०६	५।४२	७।३८	९।५३	१२।१३	२।३०	४।४६	७।०५	९।२४	११।२८	१।११	२।४०
०६।२८।२०।५५	१२ चं	१५	४।०२	५।३८	७।३४	९।४९	१२।०९	२।२६	४।४२	७।०१	९।२०	११।२४	१।०७	२।३६
०६।२९।२१।३७	१२ मं	१६	३।५८	५।३४	७।३१	९।४५	१२।०५	२।२२	४।३८	६।५७	९।१६	११।२०	१।०४	२।३२
०७।००।२२।२०	१३ बु	१७	३।५४	५।३०	७।२७	९।४१	१२।०१	२।१८	४।३४	६।५३	९।१२	११।१६	१।००	२।२८
०७।०१।२३।०४	१४ गु	१८	३।५०	५।२६	७।२३	९।३७	११।५७	२।१४	४।३०	६।४९	९।०८	११।१२	१२।५६	२।२४
०७।०२।२३।५१	१५ शु	१९	३।४६	५।२२	७।१९	९।३३	११।५४	२।१०	४।२६	६।४५	९।०४	११।०८	१२।५२	२।२०

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०२१

का. शु. १२ भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १२।४२ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः चंद्रे (स्टै.) ३०।१८ से भौमे १२।४२ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २४।०८।२९

पं.३२ का.शु.१३ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	६	९	८	९	१	७
००	१७	२३	२९	१६	१३	०७	०७
४५	४०	४४	३८	३३	५२	४४	४४
५८	०७	४५	२७	५२	१५	०३	०३
६०	४०	९६	५	४९	३	३	३
३२	५७	३२	४८	३२	३७	११	११
वि	स्वा	वि	ध	पूषा	श्र	कृ	अनु
४	४	२	२	१	२	४	२

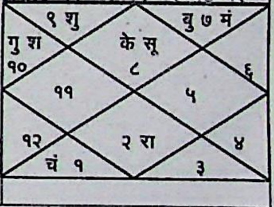

२० नवंबर से ४ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
श्रीवत्स	१	श	२५	१२	१७	०४	रोहि	...	...	...	...	शि	५४	२१	२८	४४	कौ	२५	१२	१७	०४	२६/३३	६/५९	५/३३	२९	१४	२०	वृषे	७।०३।१७।२०	६०।४९
धाता	२	र	३१	५१	१९	४४	रोहि	१	१९	७	३१	सि	५६	४४	२९	४२	ग	३१	५१	१९	४४	११	७/००	३२	३०	१५	२१	मिथु. २१।०५	७।०४।१८।०९	६०।५१
आनन्द	३	सो	३८	२६	२२	२३	मृग	९	०२	१०	३७	सा	५९	००	३०	३७	व	५	०९	९	०४	१६	०१	३१	१	१६	२२	मिथु.	७।०५।१९।००	६०।५२
च.ब्र.	४	मं	४४	३७	२४	५२	आर्द्रा	१६	३२	१३	३८	शु	...	...	...	...	व	११	३४	११	३९	१४	०२	३१	२	१७	२३	मिथु.	७।०६।१९।५२	६०।५४
गद	५	बु	५०	०१	२७	०३	पुन	२३	२६	१६	२५	शु	०	५१	७	२३	कौ	१७	२६	१४	०१	११	०२	३१	३	१८	२४	कर्के ९।४५	७।०७।२०।४६	६०।५५
शुभ	६	गु	५४	११	२८	४४	पुष्य	२९	२१	१८	४७	शु	२	०३	७	५२	ग	२२	१७	१५	५८	०९	०३	३१	४	१९	२५	कर्के	७।०८।२१।४२	६०।५७
मृत्यु	७	शु	५६	४६	२९	४६	श्ले	३३	५१	२०	३६	ब्र	२	१६	७	५८	वि	२५	४०	१७	२०	०७	०४	३१	५	२०	२६	सिंहे २०।३६	७।०९।२२।३८	६०।५८
पद्म	८	श	५७	२६	३०	०३	मघा	३६	३७	२१	४३	ऐ	१/५८	१३/४७	७/३०	३४/३५	बा	२७	११	१८	००	०४	०५	३०	६	२१	२७	सिंहे	७।१०।२३।३७	६१।००
छत्र	९	र	५६	०७	२९	३२	पूफा	३७	२९	२२	०५	वि	५४	४४	२८	५९	तै	२७	००	१७	५४	०२	०५	३०	७	२२	२८	कन्या २८।०३	७।११।२४।३६	६१।०१
श्रीवत्स	१०	सो	५२	५१	२८	१५	उफा	३६	२५	२१	४०	प्री	४९	०९	२६	४६	व	२४	४२	१६	५९	००	०६	३०	८	२३	२९	कन्या	७।१२।२५।३७	६१।०२
ए.ब्र.	११	मं	४७	४६	२६	१३	हस्त	३३	३१	२०	३२	आ	४२	०८	२३	५८	ब	२०	३१	१५	१९	२५/५८	०७	३०	९	२४	३०	कन्या	७।१३।२६।३९	६१।०४
काल	१२	बु	४१	०८	२३	३५	चित्रा	२९	०१	१८	४४	सौ	३३	४९	२०	३९	कौ	१४	३७	१२	५९	५६	०८	३०	१०	२५	१	तुला. ७।४२	७।१४।२७।४३	६१।०५
प्र.ब्र.	१३	गु	३३	१७	२०	२७	स्वा	२३	१२	१६	२५	शो	२४	२८	१६	५६	ग	७	११	१०	०४	५४	०९	३०	११	२६	२	तुला.	७।१५।२८।४७	६१।०६
मातङ्ग	१४	शु	२४	३१	१६	५८	विशा	१६	२६	१३	४४	अ	१४	२०	१२	५३	श	२४	३१	१६	५८	५२	०९	३०	१२	२७	३	वृश्चि. ८।२६	७।१६।२९।५३	६१।०७
अमाव.	३०	श	१५	१६	१३	१६	अनु	९	०६	१०	४९	सु	३/५२	४३/५८	२८	३९/३१	ना	१५	१६	१३	१६	५१	१०	३०	१३	२८	४	वृश्चि.	७।१७।३१।००	६१।०८

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर-दिसंबर २०२१

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
रोहि. रे. ७ IIIISSISII रात्रौ लग्न ३, ५, ६, अनु.सौरः ८।०२, B
मृगे रे.१० IIIIIIIIII रात्रौ लग्न ५, ६ [B विशा. भौमः १६।५४, D
भ. ९।०४ उ.२२।२३ या.,सौभाग्य सुंदरी व्र.,भा.मार्गशीर्षारंभः, A
अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३७ [C अनु. बुधः ३०।४७
[A सायन धनुषि भानुः ८।०३, भौमोदयः पूर्वस्याम् ३०।३६, C
भ.२८।४४ उ. [D वृश्चिके बुधः २८।३४,कुंभे धनि.-३ गुरुः २०।३६
भ. १७।२० या. [E व्र., वैतरणी व्र., उषा. शुक्रः ३०।५३
कालभैरवाष्टमी [F ज्येष्ठा. बुधः १७।३७
उफा. रे. ९ IIIIIISII रात्रौ लग्न ६
भ. १६।५९ उ. २८।१५ या.
हस्ते रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(२), उत्पत्ति ११ E
स्वातौ रे. ९ IIIISIIII रात्रौ लग्न ५, दिसंबर १२ ता. ३१, F
भ. २०।२७ उ. ३०।४४ या., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., G
महाव्रतारंभः, ज्येष्ठा. सौरः ११।०८ [G ज्येष्ठा. रविः २४।१८
देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., वृश्चिके भौमः २९।२९

अयनांशाः २४।०८।३०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.३३ मा.कृ. ५ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	७	१०	८	९	१	७
०७	२२	०४	००	२२	१४	०७	०७
५०	२७	५६	२२	०२	१९	२१	२१
१४	३१	१६	४१	२९	२०	४७	४७
६०	४१	९५	६	४३	४	३	३
४२	१३	०७	५९	०८	१२	११	११
अनु	वि	अनु	ध	पूषा	श्र	कृ	अनु
२	१	१	३	३	२	४	२

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. नवं.	मेष दिवा	वृष सायँ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक प्रातः	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०७।०३।२४।३९	१ श	२०	३।४२	५।१९	७।१५	९।३०	११।५०	२।०६	४।२२	६।४१	९।००	११।०५	१२।४८	२।१६
०७।०४।२५।२८	२ र	२१	३।३८	५।१५	७।११	९।२६	११।४६	२।०३	४।१८	६।३७	८।५६	११।०१	१२।४४	२।१२
०७।०५।२६।१९	३ चं	२२	३।३४	५।११	७।०७	९।२२	११।४२	१।५९	४।१४	६।३४	८।५२	१०।५७	१२।४०	२।०८
०७।०६।२७।१२	४ मं	२३	३।३०	५।०७	७।०३	९।१८	११।३८	१।५५	४।१०	६।३०	८।४८	१०।५३	१२।३६	२।०४
०७।०७।२८।०६	५ बु	२४	३।२७	५।०३	६।५९	९।१४	११।३४	१।५१	४।०७	६।२६	८।४४	१०।४९	१२।३२	२।०१
०७।०८।२९।०२	६ गु	२५	३।२३	४।५९	६।५५	९।१०	११।३०	१।४७	४।०३	६।२२	८।४०	१०।४५	१२।२८	१।५७
०७।०९।२९।५९	७ शु	२६	३।१९	४।५५	६।५१	९।०६	११।२६	१।४३	३।५९	६।१८	८।३६	१०।४१	१२।२४	१।५३
०७।१०।३०।५७	८ श	२७	३।१५	४।५१	६।४७	९।०२	११।२२	१।३९	३।५५	६।१४	८।३२	१०।३७	१२।२०	१।४९
०७।११।३१।५७	९ र	२८	३।११	४।४७	६।४३	८।५८	११।१८	१।३५	३।५१	६।१०	८।२८	१०।३३	१२।१६	१।४५
०७।१२।३२।५८	१० चं	२९	३।०७	४।४३	६।३९	८।५४	११।१४	१।३१	३।४७	६।०६	८।२४	१०।२९	१२।१२	१।४१
०७।१३।३४।००	११ मं	३०	३।०३	४।३९	६।३५	८।५०	११।१०	१।२७	३।४३	६।०२	८।२१	१०।२५	१२।०८	१।३७
०७।१४।३५।०४	१२ बु	१	२।५९	४।३५	६।३१	८।४६	११।०६	१।२३	३।३९	५।५८	८।१७	१०।२१	१२।०४	१।३३
०७।१५।३६।०९	१३ गु	२	२।५५	४।३१	६।२७	८।४२	११।०२	१।१९	३।३५	५।५४	८।१३	१०।१७	१२।००	१।२९
०७।१६।३७।१५	१४ शु	३	२।५१	४।२७	६।२३	८।३८	१०।५८	१।१५	३।३१	५।५०	८।०९	१०।१३	११।५६	१।२५
०७।१७।३८।२२	३० श	४	२।४७	४।२३	६।२०	८।३४	१०।५४	१।११	३।२७	५।४६	८।०५	१०।०९	११।५३	१।२१

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः। इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं। शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो पिता-पुत्रों में पराङ्मुखता हो। अमावस्या अनुराधा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शुक्ला चतुर्दशी की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा मृगशिरा युक्त होने से महर्घता हो। विशाखा पर मंगल होने से कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो। तुला राशि में मंगल का उदय होने से धान्य बहुत हों (कोई का मत है कि कन्या मिथुन में सुभिक्ष हो,)। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हो, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।०८।३१

पं.३४ मा.कृ.१२ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	६	७	१०	८	९	१	७
१४	२७	१५	०१	२६	१४	०६	०६
५५	१६	५८	१४	४०	५०	५९	५९
३८	४८	५०	५०	२२	२२	३१	३१
६०	४१	९४	८	३४	४	३	३
५१	२९	१४	०३	३९	४४	११	११
अनु	वि	अनु	ध	उषा	श्र	कृ	अनु
४	३	४	३	१	२	४	२

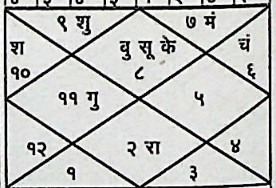

५ दिसंबर से १९ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीस स्टै. प्रातः दैनिक — केतकी अहर्गणः ३८९६ हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर २०२१

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
काण	१	र	५	५४	९	३३	ज्ये	१	३७	७	५०	शू	४२	२२	२४	०८	ब	५	५४	९	३३	२५	७	५	१४	२९	५	धनु. ७।५०	७।१८।३२।०८	६१।०९	चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
क्षयः	२	र	५६	५४	२९	५६	मूल	५४	२७	२८	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	४९	११	३०	०	०	०	० ०	०	०	[A (वत्तीसी) पूर्णिमा, पूषा. बुधः १६।०९
उत्पात	३	सो	४८	३५	२६	३७	पूषा	४७	५६	२६	२२	गं	३२	१६	२०	०६	तै	२२	३६	१६	१४	४७	१२	३०	१५	१	६	धनु.	७।१९।३३।१८	६१।१०	उषा.रे. ८ ॥ऽशु॥ऽ॥॥ रात्रौ लग्न ६, रंभास्येयं, जमादिलावल ५
मानस	४	मं	४१	२२	२३	४५	उषा	४२	३२	२४	१३	वृ	२२	५८	१६	२३	व	१४	४७	१३	०७	४६	१२	३१	१६	२	७	मक. ७।४७	७।२०।३४।२८	६१।११	भ. १३।०७ उ. २३।४५ या., मकरे शुक्रः २०।४८, कृत्ति.-३ C
छत्र	५	बु	३५	३८	२१	२८	श्रव	३८	३७	२२	४०	ध्रु	१४	४६	१३	०८	व	८	१७	१०	३२	४५	१३	३१	१७	३	८	मक.	७।२१।३५।३९	६१।१२	नागपंचमी [C राहुः १०।२५, अनु.-१ केतुः १०।२५
श्रीवत्स	६	गु	३१	४३	१९	५५	धनि	३६	२८	२१	४९	व्या	७	५६	१०	२४	कौ	३	२५	८	३६	४३	१४	३१	१८	४	९	कुंभे १०।०९	७।२२।३६।५२	६१।१३	पंचक प्रारम्भः १०।०९, स्कंदषष्ठी, अनु. भौमः २४।३८, धनुषि B
सौम्य	७	शु	२९	४७	१९	०९	शत	३६	१७	२१	४५	ह	२/५८	३७/५६	८/३०	५७/४१	ग	०	२८	७	२५	४२	१४	३१	१९	५	१०	कुंभे	७।२३।३८।०५	६१।१४	भ. १९।०९ उ. ३१।०५ या. [B मूले बुधः २९।२७
काल	८	श	२९	५३	१९	१२	पूभा	३८	०५	२२	२९	सि	५६	४८	२९	५८	ब	२९	५३	१९	१२	४१	१५	३१	२०	६	११	मीने १६।१४	७।२४।३९।१९	६१।१५	उभा. रे.१० ॥॥॥॥॥ रात्रौ लग्न ६
सुस्थिर	९	र	३१	५९	२०	०३	उभा	४१	४६	२३	५८	व्य	५६	०५	२९	४२	वा	०	४२	७	३२	४०	१६	३२	२१	७	१२	मीने	७।२५।४०।३४	६१।१६	कल्पादि
मातङ्ग	१०	सो	३५	४८	२१	३५	रेव	४७	०३	२६	०५	व	५६	३५	२९	५४	तै	३	४१	८	४५	३९	१६	३२	२२	८	१३	मेषे २६।०५	७।२६।४१।५०	६१।१७	रेवत्यां रे. ७ ।ऽ॥॥ऽ।ऽ रात्रौ लग्न ३, ६, पंचक समाप्तिः २६।०५
ए.व्र.	११	मं	४०	५८	२३	४०	अश्वि	५३	३२	२८	४२	प	५७	५९	३०	२८	व	८	१४	१०	३४	३९	१७	३२	२३	९	१४	मेषे	७।२७।४३।०६	६१।१७	भ. १०।३४ उ. २३।४० या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती, D
काण	१२	बु	४७	०४	२६	०७	भर	...	...	...	...	शि	५९	५७	३१	१६	ब	१३	५६	१२	५२	३८	१८	३३	२४	१०	१५	मेषे	७।२८।४४।२४	६१।१८	धनुषि मूले रविः २७।१७ [D धनि.-४ गुरुः ३०।१५
प्र.व्र.	१३	गु	५३	३८	२८	४५	भर	०	४७	७	३७	सि	...	...	...	...	कौ	२०	१८	१५	२५	३७	१८	३३	२५	११	१६	वृषे १४।२३	७।२९।४५।४२	६१।१९	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र., धनुषि मूले सौरः १२।५४
छत्र	१४	शु	...	...	...	...	कृति	८	२७	१०	४१	सि	२	१२	८	१२	ग	२६	५८	१८	०६	३७	१९	३३	२६	१२	१७	वृषे	८।००।४७।००	६१।१९	पिशाच मोचन श्राद्धं
श्रीवत्स	१४	श	०	१९	७	२७	रोहि	१६	०९	१३	४७	सा	४	३३	९	०९	व	०	१९	७	२७	३६	१९	३४	२७	१३	१८	मिथु. २७।१९	८।०१।४८।२०	६१।२०	भ. ७।२७ उ. २०।४७ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतं, द्वात्रिंशी A
पूर्णिमा	१५	र	६	५३	१०	०५	मृग	२३	४१	१६	४८	शु	६	४८	१०	०३	व	६	५३	१०	०५	३६	२०	३४	२८	१४	१९	मिथु.	८।०२।४९।३९	६१।२०	पूर्णिमा पुण्यं, वक्री शुक्रः २६।२७

अयनांशाः २४।०८।३२

पं.३५ मा.शु. ५ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	१०	९	९	१	७
२२	०२	२६	०२	००	१५	०६	०६
०२	०७	५८	१४	१०	२५	३७	३७
००	५८	१६	१८	५६	०२	१५	१५
६०	४१	९४	९	२३	५	३	३
५९	४५	२१	०३	२५	१४	११	११
ज्ये	वि	ज्ये	ध	उषा	श्र	कृ	अनु
२	४	४	३	२	२	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. दिसं	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन सायँ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु प्रातः	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०७।१८।३९।३१	१ र	५	२।४३	४।१९	६।१६	८।३०	१०।५०	१।०७	३।२३	५।४२	८।०१	१०।०५	११।४९	१।१७
०७।१९।४०।४०	३ चं	६	२।३९	४।१५	६।१२	८।२६	१०।४६	१।०३	३।१९	५।३८	७।५७	१०।०१	११।४५	१।१३
०७।२०।४१।५१	४ मं	७	२।३५	४।११	६।०८	८।२२	१०।४३	१२।५९	३।१५	५।३४	७।५३	९।५७	११।४१	१।०९
०७।२१।४३।०२	५ बु	८	२।३१	४।०८	६।०४	८।१९	१०।३९	१२।५५	३।११	५।३०	७।४९	९।५४	११।३७	१।०५
०७।२२।४४।१५	६ गु	९	२।२७	४।०४	६।००	८।१५	१०।३५	१२।५२	३।०७	५।२६	७।४५	९।५०	११।३३	१।०१
०७।२३।४५।२८	७ शु	१०	२।२३	४।००	५।५६	८।११	१०।३१	१२।४८	३।०३	५।२३	७।४१	९।४६	११।२९	१२।५७
०७।२४।४६।४३	८ श	११	२।१९	३।५६	५।५२	८।०७	१०।२७	१२।४४	२।५९	५।१९	७।३७	९।४२	११।२५	१२।५३
०७।२५।४७।५८	९ र	१२	२।१६	३।५२	५।४८	८।०३	१०।२३	१२।४०	२।५६	५।१५	७।३३	९।३८	११।२१	१२।५०
०७।२६।४९।१४	१० चं	१३	२।१२	३।४८	५।४४	७।५९	१०।१९	१२।३६	२।५२	५।११	७।२९	९।३४	११।१७	१२।४६
०७।२७।५०।३०	११ मं	१४	२।०८	३।४४	५।४०	७।५५	१०।१५	१२।३२	२।४८	५।०७	७।२५	९।३०	११।१३	१२।४२
०७।२८।५१।४८	१२ बु	१५	२।०४	३।४०	५।३६	७।५१	१०।११	१२।२८	२।४४	५।०३	७।२१	९।२६	११।०९	१२।३८
०७।२९।५३।०६	१३ गु	१६	२।००	३।३६	५।३२	७।४७	१०।०७	१२।२४	२।४०	४।५९	७।१७	९।२२	११।०५	१२।३४
०८।००।५४।२५	१४ शु	१७	१।५६	३।३२	५।२८	७।४३	१०।०३	१२।२०	२।३६	४।५५	७।१३	९।१८	११।०१	१२।३०
०८।०१।५५।४४	१४ श	१८	१।५२	३।२८	५।२४	७।३९	९।५९	१२।१६	२।३२	४।५१	७।१०	९।१४	१०।५७	१२।२६
०८।०२।५७।०४	१५ र	१९	१।४८	३।२४	५।२०	७।३५	९।५५	१२।१२	२।२८	४।४७	७।०६	९।१०	१०।५३	१२।२२

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २०२१

मार्ग. शु. १२ बुधे धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. २७।१७ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २७।१७ से गुरौ ९।४१ तक। (दान- वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०८।३३

पं.३६ मा.शु.१२ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	८	१०	९	९	१	७
२९	०७	०८	०३	०२	१६	०६	०६
०९	०१	००	२०	१३	०२	१४	१४
०९	०२	२९	२६	३५	५८	५९	५९
६१	४२	९४	९	९	५	३	३
०४	०१	५३	५७	०२	४०	११	११
ज्ये	अनु	मू	ध	उषा	श्र	कृ	अनु
४	२	३	४	२	२	३	१

२० दिसंबर से २ जनवरी तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	सो	१३	०५	१२	३५	आर्द्रा	३०	५१	१९	४१	शु	८	४६	१०	५१	कौ	१३	०५	१२	३५	२५ ३६	७ २०	५ ३५	२९	१५	२०	मिथु.	८।०३।५१।००	६१।२१
सुस्थिर	२	मं	१८	४९	१४	५२	पुन	३७	२९	२२	२१	ब्र	१०	२२	११	३०	ग	१८	४९	१४	५२	३६	२१	३५	३०	१६	२१	कर्के १५।४२	८।०४।५२।२१	६१।२१
च.ब्र.	३	बु	२३	४७	१६	५२	पुष्य	४३	२३	२४	४२	ऐ	११	२९	११	५७	वि	२३	४७	१६	५२	३६	२१	३६	१	१७	२२	कर्के	८।०५।५३।४२	६१।२२
अमृत	४	गु	२७	४९	१८	३०	श्ले	४८	१७	२६	४१	वै	११	५४	१२	०७	बा	२७	४९	१८	३०	३६	२२	३६	२	१८	२३	सिंहे २६।४१	८।०६।५५।०४	६१।२२
काण	५	शु	३०	४०	१९	३९	मघा	५२	००	२८	१०	वि	११	२८	११	५८	तै	३०	४०	१९	३९	३६	२२	३७	३	१९	२४	सिंहे	८।०७।५६।२६	६१।२३
लुम्बक	६	श	३२	०८	२०	१४	पूफा	५४	१९	२९	०७	प्री	१०	०१	११	२३	ग	१	३५	८	०१	३६	२३	३७	४	२०	२५	सिंहे	८।०८।५७।४९	६१।२३
मित्र	७	र	३२	०३	२०	१२	उफा	५५	०६	२९	२६	आ	७	२६	१०	२२	वि	२	१७	८	१८	३७	२३	३८	५	२१	२६	कन्या ११।१५	८।०९।५९।११	६१।२३
वज्र	८	सो	३०	१८	१९	३१	हस्त	५४	१७	२९	०६	सौ	३ ५८	३६ २९	८ ३०	५० ४७	बा	१	२३	७	५७	३७	२४	३९	६	२२	२७	कन्या	८।११।००।३४	६१।२३
ध्वाङ्क्ष	९	मं	२६	५७	१८	११	चित्रा	५१	५३	२८	०९	अ	५२	०६	२८	१५	ग	२६	५७	१८	११	३८	२४	३९	७	२३	२८	तुला. १६।४२	८।१२।०१।५८	६१।२३
धूम्र	१०	बु	२२	०१	१६	१३	स्वा	४८	००	२६	३६	सु	४४	३१	२५	१३	वि	२२	०१	१६	१३	३९	२४	४०	८	२४	२९	तुला.	८।१३।०३।२१	६१।२४
ए.ब्र.	११	गु	१५	४२	१३	४२	विशा	४२	५०	२४	३३	धृ	३५	५१	२१	४५	बा	१५	४२	१३	४२	४०	२५	४१	९	२५	३०	वृश्चि. १९।०६	८।१४।०४।४५	६१।२४
प्र.ब्र.	१२	शु	८	११	१०	४२	अनु	३६	३७	२२	०४	शू	२६	२०	१७	५७	तै	८	११	१०	४२	४०	२५	४१	१०	२६	३१	वृश्चि.	८।१५।०६।०८	६१।२४
क्षयः	१३	शु	५९	४७	३१	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मूसल	१४	श	५०	५१	२७	४६	ज्ये	२९	४३	१९	१८	गं	१६	१०	१३	५३	वि	२५	२२	१७	३४	४१	२५	४२	११	२७	१	धनु. १९।१८	८।१६।०७।३२	६१।२४
अमाव.	३०	र	४१	४६	२४	०८	मूल	२२	२९	१६	२५	वृ	५ ५६	३८ ०७	९ २९	४१ २८	च	१६	१८	१३	५७	४३	२६	४३	१२	२८	२	धनु.	८।१७।०८।५६	६१।२४

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसं.२०२१- जन.२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

भ. २७।५५ उ., सायन मकरे भानुः, सायन उत्तरायण प्रारम्भ B
भ. १६।५२ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।२३, भा. पोषारंभः, A
[A बुधोदयः पश्चिमायाम् २७।५०, अयन करिदिन

भ. २०।१४ उ., बडादिन
भ. ८।१८ या., उषा. बुधः २९।०६
[B २१।२२, श्रव.-३ शनिः १४।५१
भ. २९।१६ उ., पूषा. रविः २९।२९, ज्येष्ठा. भौमः २४।११
भ. १६।१३ या., पूषा. सौरः १३।५५, मकरे बुधः १०।११
सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२, (व) धनुषि शुक्रः १८।३०
भ. ३१।२० उ., प्रदोषः
[C ३१ सन २०२२ ई.
भ. १७।३४ या., मासिकशिवरात्री व्र., जनवरी १ ता. C
देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, शत.-१ गुरुः १४।१९

अयनांशाः २४।०८।३४

पं.३७ पौ.कृ. ३ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	८	१०	९	९	१	७
०६	११	१९	०४	०२	१६	०५	०५
१६	५५	०३	३२	२६	४३	५२	५२
५२	५९	३०	३७	४०	५०	४२	४२
६१	४२	९४	१०	८	६	३	३
०८	१७	०१	४६	०३	०३	११	११
मू	अनु	पूषा	ध	उषा	श्र	कृ	अनु
२	३	२	४	२व	३	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०८।०३।५८।२५	१ चं	२०	१।४४	३।२०	५।१६	७।३१	९।५१	१२।०८	२।२४	४।४३	७।०२	९।०६	१०।४९	१२।१८
०८।०४।५९।४६	२ मं	२१	१।४०	३।१६	५।१२	७।२७	९।४७	१२।०४	२।२०	४।३९	६।५८	९।०२	१०।४५	१२।१४
०८।०६।०१।०७	३ बु	२२	१।३६	३।१२	५।०९	७।२३	९।४३	१२।००	२।१६	४।३५	६।५४	८।५८	१०।४२	१२।१०
०८।०७।०२।२९	४ गु	२३	१।३२	३।०८	५।०५	७।१९	९।३९	११।५६	२।१२	४।३१	६।५०	८।५४	१०।३८	१२।०६
०८।०८।०३।५२	५ शु	२४	१।२८	३।०४	५।०१	७।१५	९।३६	११।५२	२।०८	४।२७	६।४६	८।५०	१०।३४	१२।०२
०८।०९।०५।१४	६ श	२५	१।२४	३।००	४।५७	७।११	९।३२	११।४८	२।०४	४।२३	६।४२	८।४६	१०।३०	११।५८
०८।१०।०६।३७	७ र	२६	१।२०	२।५७	४।५३	७।०८	९।२८	११।४४	२।००	४।१९	६।३८	८।४३	१०।२६	११।५४
०८।११।०८।००	८ चं	२७	१।१६	२।५३	४।४९	७।०४	९।२४	११।४१	१।५६	४।१५	६।३४	८।३९	१०।२२	११।५०
०८।१२।०९।२४	९ मं	२८	१।१२	२।४९	४।४५	७।००	९।२०	११।३७	१।५२	४।१२	६।३०	८।३५	१०।१८	११।४६
०८।१३।१०।४७	१० बु	२९	१।०८	२।४५	४।४१	६।५६	९।१६	११।३३	१।४८	४।०८	६।२६	८।३१	१०।१४	११।४२
०८।१४।१२।११	११ गु	३०	१।०५	२।४१	४।३७	६।५२	९।१२	११।२९	१।४५	४।०४	६।२२	८।२७	१०।१०	११।३९
०८।१५।१३।३५	१२ शु	३१	१।०१	२।३७	४।३३	६।४८	९।०८	११।२५	१।४१	४।००	६।१८	८।२३	१०।०६	११।३५
०८।१६।१४।५९	१४ श	१	१२।५७	२।३३	४।२९	६।४४	९।०४	११।२१	१।३७	३।५६	६।१४	८।१९	१०।०२	११।३१
०८।१७।१६।२३	३० र	२	१२।५३	२।२९	४।२५	६।४०	९।००	११।१७	१।३३	३।५२	६।१०	८।१५	९।५८	११।२७

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदु:ख की पीड़ा हो। अमावस्या को मूल और रविवार होंने से धान्य भावों में महर्घता हो। शुक्ला एकादशी को कृत्तिका होने से लाल वस्तुओं तथा धान्य के भावों में तेजी हो। पूर्णिमा पुनर्वसु युक्त होने से महर्घता हो। मूल पर मंगल होने से क्षत्रियों में पीडा हो, तुष धान्य महँगा हो। शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २४।०८।३५

पं.३८ पौ.कृ.१० बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	८	१०	९	९	१	७
१३	१६	२९	०५	००	१७	०५	०५
२४	५२	४९	५०	३७	२७	३०	३०
५५	४८	४३	१२	४३	१३	२७	२७
६१	४२	८८	११	२५	६	३	३
१०	३३	४२	३०	०८	२३	११	११
पूषा	ज्ये	उषा	ध	उषा	श्र	कृ	अनु
१	१	१	४	२व	३	३	१

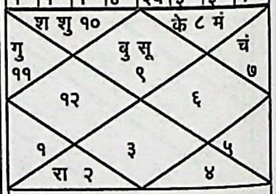

३ जनवरी से १७ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	सो	३२	५९	२०	३७	पूषा	१५	२३	१३	३५	व्या	४४	५६	२५	२४	किं	७	१८	१०	२१	२५/४४	७/२६	५/४३	१३	२९	३	मक. १८।५४	८।१८।१०।२०	६१।२४
पद्म	२	मं	२४	५४	१७	२३	उषा	८	५१	१०	५८	ह	३५	२५	२१	३६	कौ	२४	५४	१७	२३	४५	२६	४४	१४	३०	४	मक.	८।१९।११।४३	६१।२३
छत्र	३	बु	१८	०१	१४	३८	श्रव	३/५९	२२/२३	८/३१	४७/११	व	२६	५६	१८	१३	ग	१८	०१	१४	३८	४६	२६	४५	१५	१	५	कुंभे १९।५४	८।२०।१३।०७	६१।२३
वज्र	४	गु	१२	४४	१२	३२	शत	५७	१३	३०	१९	सि	१९	४७	१५	२१	वि	१२	४४	१२	३२	४८	२६	४५	१६	२	६	कुंभे	८।२१।१४।३०	६१।२३
ध्वाङ्क्ष	५	शु	९	२३	११	१२	पूभा	५७	०८	३०	१८	व्य	१४	१३	१३	०८	बा	९	२३	११	१२	४९	२६	४६	१७	३	७	मीने २४।१३	८।२२।१५।५३	६१।२३
धूम्र	६	श	८	१३	१०	४४	उभा	५९	१४	३१	०८	व	१०	२२	११	३५	तै	८	१३	१०	४४	५१	२७	४७	१८	४	८	मीने	८।२३।१७।१६	६१।२३
प्रवर्धमा	७	र	९	१९	११	१०	रेव	...	...	...	...	प	८	१५	१०	४५	व	९	१९	११	१०	५३	२७	४८	१९	५	९	मीने	८।२४।१८।३९	६१।२२
मातङ्ग	८	सो	१२	२९	१२	२६	रेव	३	२३	८	४८	शि	७	४३	१०	३२	व	१२	२९	१२	२६	५५	२७	४९	२०	६	१०	मेषे ८।४८	८।२५।२०।०१	६१।२२
अमृत	९	मं	१७	२५	१४	२५	अश्वि	९	१७	११	०९	सि	८	३३	१०	५२	कौ	१७	२५	१४	२५	५७	२७	४९	२१	७	११	मेषे	८।२६।२१।२३	६१।२२
काण	१०	बु	२३	३७	१६	५४	भर	१६	२५	१४	०१	सा	१०	२१	११	३५	ग	२३	३७	१६	५४	५९	२७	५०	२२	८	१२	वृषे २०।४६	८।२७।२२।४५	६१।२१
ए.ब्र.	११	गु	३०	२७	१९	३७	कृति	२४	१३	१७	०८	शु	१२	४३	१२	३२	वि	३०	२७	१९	३७	२६/०१	२७	५१	२३	९	१३	वृषे	८।२८।२४।०६	६१।२१
मित्र	१२	शु	३७	२०	२२	२३	रोहि	३२	०८	२०	१८	शु	१५	१४	१३	३२	व	३	५४	९	००	०३	२७	५२	२४	१०	१४	वृषे	८।२९।२५।२७	६१।२०
प्र.ब्र.	१३	श	४३	५०	२४	५९	मृग	३९	४२	२३	१९	ब्र	१७	३६	१४	२९	कौ	१०	४०	११	४२	०५	२६	५३	२५	११	१५	मिथु. ९।५०	९।००।२६।४७	६१।२०
ध्वाङ्क्ष	१४	र	४९	४०	२७	१८	आर्द्रा	४६	४०	२६	०६	ऐ	१९	३१	१५	१५	ग	१६	५१	१४	११	०७	२६	५३	२६	१२	१६	मिथु.	९।०१।२८।०७	६१।१९
पूर्णिमा	१५	सो	५४	४०	२९	१८	पुन	५२	४८	२८	३४	वै	२०	५०	१५	४६	वि	२२	१७	१६	२१	१०	२६	५४	२७	१३	१७	कर्क २१।५९	९।०२।२९।२६	६१।१८

केतकी अहर्गणः ३९२५ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, जनवरी २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

[C वक्री बुधः ३०।५१

चंद्रदर्शनम् (मु.३०)

भ. २५।३० उ., शुक्रास्तः पश्चिमायाम् २७।०८ A

भ. १२।३२ या.

[D १७।५९, (व) पूषा. शुक्रः २२।१८

[A पंचक प्रारम्भः १९।५४, जमादिलास्नर ६, श्रव. बुधः D

भ. ११।१० उ. २३।४२ या.

पंचक समाप्तिः ८।४८, शांकभरी यात्रा, उषा. रविः ३१।२६

उषा. सौरः १४।४३, शुक्रोदयः पूर्वस्याम् १४।२५

भ. ३०।१४ उ. [B माघ स्नानारंभः

भ. १९।३७ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि

मकरे रविः १३।५६ (सौरः २०।५८), निरयन उत्तरायनारंभः, C

प्रदोषः, सक्रान्ति करिदिन

भ. २७।१८ उ., धनुषि मूले भौमः १६।०१

भ. १६।२१ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शाकंभरी जयंती, B

शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०८।३६

पं.३९ पौ.शु. ३ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के
८	७	९	१०	८	९	१	७
२०	२१	०९	०७	२७	१८	०५	०५
३३	५१	२८	१२	०२	१३	०८	०८
०६	२९	४६	२७	३५	०३	१२	१२
६१	४२	७१	१२	३६	६	३	३
१०	४९	०३	०९	२९	४०	१२	१२
पूषा	ज्ये	उषा	श	उषा	श्र	कृ	अनु
३	२	४	१	१व	३	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०८।१८।१७।४६	१ चं	३	१२।४९	२।२५	४।२१	६।३६	८।५६	११।१३	१।२९	३।४८	६।०६	८।११	९।५४	११।२३
०८।१९।१९।१०	२ मं	४	१२।४५	२।२१	४।१७	६।३२	८।५२	११।०९	१।२५	३।४४	६।०२	८।०७	९।५०	११।१९
०८।२०।२०।३४	३ बु	५	१२।४१	२।१७	४।१३	६।२८	८।४८	११।०५	१।२१	३।४०	५।५९	८।०३	९।४६	११।१५
०८।२१।२१।५७	४ गु	६	१२।३७	२।१३	४।०९	६।२४	८।४४	११।०१	१।१७	३।३६	५।५५	७।५९	९।४२	११।११
०८।२२।२३।२०	५ शु	७	१२।३३	२।०९	४।०५	६।२०	८।४०	१०।५७	१।१३	३।३२	५।५१	७।५५	९।३८	११।०७
०८।२३।२४।४३	६ श	८	१२।२९	२।०५	४।०१	६।१६	८।३६	१०।५३	१।०९	३।२८	५।४७	७।५१	९।३५	११।०३
०८।२४।२६।०६	७ र	९	१२।२५	२।०१	३।५८	६।१२	८।३२	१०।४९	१।०५	३।२४	५।४३	७।४७	९।३१	१०।५९
०८।२५।२७।२८	८ चं	१०	१२।२१	१।५७	३।५४	६।०८	८।२८	१०।४५	१।०१	३।२०	५।३९	७।४३	९।२७	१०।५५
०८।२६।२८।५०	९ मं	११	१२।१७	१।५३	३।५०	६।०४	८।२५	१०।४१	१२।५७	३।१६	५।३५	७।३९	९।२३	१०।५१
०८।२७।३०।१२	१० बु	१२	१२।१३	१।४९	३।४६	६।०१	८।२१	१०।३७	१२।५३	३।१२	५।३१	७।३५	९।१९	१०।४७
०८।२८।३१।३३	११ गु	१३	१२।०९	१।४६	३।४२	५।५७	८।१७	१०।३३	१२।४९	३।०८	५।२७	७।३२	९।१५	१०।४३
०८।२९।३२।५४	१२ शु	१४	१२।०५	१।४२	३।३८	५।५३	८।१३	१०।३०	१२।४५	३।०५	५।२३	७।२८	९।११	१०।३९
०९।००।३४।१४	१३ श	१५	१२।०१	१।३८	३।३४	५।४९	८।०९	१०।२६	१२।४१	३।०१	५।१९	७।२४	९।०७	१०।३५
०९।०१।३५।३४	१४ र	१६	११।५८	१।३४	३।३०	५।४५	८।०५	१०।२२	१२।३७	२।५७	५।१५	७।२०	९।०३	१०।३१
०९।०२।३६।५३	१५ चं	१७	११।५४	१।३०	३।२६	५।४१	८।०१	१०।१८	१२।३४	२।५३	५।११	७।१६	८।५९	१०।२८

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०२२

पौष शु. १२ भृगौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १३।५६ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १३।५६ से २९।५६ तक । (दान- काष्ट - अन्न) ।

अयनांशाः २४।०८।३७

पं.४० पौ.शु.१० बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	९	१०	८	९	१	७
२७	२६	१५	०८	२२	१९	०४	०४
४१	५२	४३	३९	४०	००	४५	४५
११	००	३६	०६	१३	२१	५५	५५
६१	४३	२१	१२	३६	६	३	३
०८	०५	५२	४१	२३	५३	११	११
उषा	ज्ये	श्र	श	पूषा	श्र	कृ	अनु
१	४	२	१	३व	३	३	१

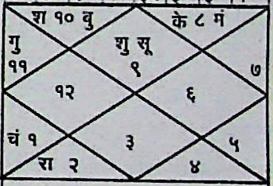

१८ जनवरी से १ फरवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	मं	५८	४१	३०	५५	पुष्य	५८	०४	३०	४०	वि	२१	३०	१६	०२	वा	२६	४७	१८	०९	२६/१२	७/२६	५/५५	२८	१४	१८	कर्के	९।०३।३०।४४	६१।१८
राक्षस	२	बु	...	...	...	...	श्ले	...	...	...	...	प्री	२१	२६	१६	००	तै	३०	२०	१९	३४	१५	२६	५६	२९	१५	१९	कर्के	९।०४।३२।०२	६१।१७
अमृत	२	गु	१	४५	८	०८	श्ले	२	२४	८	२३	आ	२०	३८	१५	४१	ग	१	४५	८	०८	१७	२६	५७	३०	१६	२०	सिंहे ८।२३	९।०५।३३।१९	६१।१६
च.व्र.	३	शु	३	४६	८	५६	मघा	५	४५	९	४३	सौ	१९	०३	१५	०२	वि	३	४६	८	५६	२०	२५	५७	१	१७	२१	सिंहे	९।०६।३४।३५	६१।१५
लुम्बक	४	श	४	४६	९	१९	पूफा	८	०६	१०	३९	शो	१६	३९	१४	०५	बा	४	४६	९	१९	२३	२५	५८	२	१८	२२	कन्या १६।५०	९।०७।३५।५१	६१।१५
मित्र	५	र	४	४१	९	१७	उफा	९	२४	११	१०	अ	१३	२६	१२	४७	तै	४	४१	९	१७	२६	२५	५९	३	१९	२३	कन्या	९।०८।३७।०५	६१।१४
वज्र	६	सो	३	३०	८	४८	हस्त	९	३८	११	१६	सु	९	२१	११	०९	व	३	३०	८	४८	२८	२५	६/००	४	२०	२४	तुला. २३।०९	९।०९।३८।१९	६१।१३
ध्वाङ्क्ष	७	मं	१	१०	७	५२	चित्रा	८	४६	१०	५५	धृ	४	२३	९	१०	व	१	१०	७	५२	३१	२४	०१	५	२१	२५	तुला.	९।१०।३९।३२	६१।१२
क्षयः	८	मं	५७	४१	३०	२८	०	०	०	०	०	शू	५८	३०	३०	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
धूम्र	९	बु	५३	०३	२८	३७	स्वा	६	४६	१०	०६	गं	५१	४४	२८	०५	तै	२५	३१	१७	३६	३४	२४	०२	६	२२	२६	वृश्चि. २७।१२	९।११।४०।४४	६१।११
प्रवर्धमा	१०	गु	४७	२१	२६	२०	विशा	३/५९	३८/२७	८/३१	५९/४०	वृ	४४	०३	२५	०१	व	२०	२०	१५	३१	३७	२३	०२	७	२३	२७	वृश्चि.	९।१२।४१।५५	६१।१०
ए.व्र.	११	शु	४०	४१	२३	३९	ज्ये	५४	२३	२९	०८	ध्रु	३५	३८	२१	३८	व	१४	०८	१३	०२	४०	२३	०३	८	२४	२८	धनु. २९।०८	९।१३।४३।०५	६१।०९
गद	१२	श	३३	१८	२०	४२	मूल	४८	३८	२६	५०	व्या	२६	३५	१८	०१	कौ	७	०४	१०	१२	४४	२३	०४	९	२५	२९	धनु.	९।१४।४४।१४	६१।०८
प्र.व्र.	१३	र	२५	२६	१७	३२	पूषा	४२	३२	२४	२३	ह	१७	०८	१४	१३	व	२५	२६	१७	३२	४७	२२	०५	१०	२६	३०	मक. २९।४६	९।१५।४५।२२	६१।०७
मृत्यु	१४	सो	१७	३१	१४	२२	उषा	३६	३०	२१	५८	व	७/५८	३४/५५	१०/३०	३३/३८	श	१७	३१	१४	२२	५०	२२	०६	११	२७	३१	मक.	९।१६।४६।२९	६१।०६
अमाव.	३०	मं	९	५३	११	१८	श्रव	३०	५६	१९	४४	व्य	४९	२१	२७	०५	ना	९	५३	११	१८	५३	२१	०६	१२	२८	१	कुंभे ३०।४४	९।१७।४७।३५	६१।०४

शिशिरर्तू रविरुत्तरे पोपकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी-फरवरी २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
बुधास्तः पश्चिमायाम् १७।१५, शत.-२ गुरुः १४।२०
[B श्रव.-४ शनिः २०।५९, शनेरस्तः पश्चिमायाम् २७।३४
भ. २०।३५ उ., अभि.प्र.रविः२७।०४, सायन कुंभे भानुः ७।५७, B
भ. ८।५६ या., तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २१।०९, सौभाग्य सुन्दरी A
उफा. रे. ७ ।।।।।SSS।। रात्रौ लग्न गोधूलि(४), ९, १०, (व) D
हस्ते रे.१० ।।।।।।।।।। रात्रौ लग्न गोधूलि(४), ९, १०, G
भ. ८।४८ उ. २०।२४ या., श्रव. रविः ९।४१ (सौरः १५।५४), E
स्वामी विवेकानन्द जयंती, अभि.नि. सौरः १२।४९
[A व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी, भा. माघारंभः, C
गणराज्यदिवस [C अभि.प्र. सौरः ९।३३ [D उषा. बुधः २५।५०
भ. १५।३१ उ. २६।२० या. [E अभि.नि. रविः ३०।४०
षट्तिला ११ व्र., बुधोदयः पूर्वस्याम् २१।३१
तिल द्वादशी [G नेताजी जयन्ती
भ. १७।३२ उ. २७।५७ या., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., F
पितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि [F मार्गी शुक्रः ८।३४
पंचक प्रारम्भः ३०।४४, देवकार्येऽमा., फरवरी २ ता. २८

अयनांशाः २४।०८।३८

पं.४१ मा.कृ. २ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	१०	८	९	१	७
०४	०१	१४	१०	१८	१९	०४	०४
४८	५४	१५	०९	५४	४८	२३	२३
५८	१९	३१	२०	४७	५९	४१	४१
६१	४३	५७	१३	२४	७	३	३
०४	२०	४९	१०	५३	०२	११	११
उषा	मू	श्र	श	पूषा	श्र	कृ	अनु
३	१	२व	२	२व	३	३	१

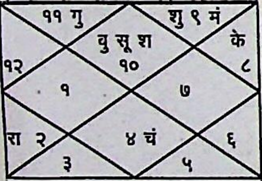

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।०३।३८।११	१ मं	१८	११।५०	१।२६	३।२२	५।३७	७।५७	१०।१४	१२।३०	२।४९	५।०७	७।१२	८।५५	१०।२४
०९।०४।३९।२९	२ बु	१९	११।४६	१।२२	३।१८	५।३३	७।५३	१०।१०	१२।२६	२।४५	५।०३	७।०८	८।५१	१०।२०
०९।०५।४०।४६	२ गु	२०	११।४२	१।१८	३।१४	५।२९	७।४९	१०।०६	१२।२२	२।४१	४।५९	७।०४	८।४७	१०।१६
०९।०६।४२।०३	३ शु	२१	११।३८	१।१४	३।१०	५।२५	७।४५	१०।०२	१२।१८	२।३७	४।५५	७।००	८।४३	१०।१२
०९।०७।४३।१८	४ श	२२	११।३४	१।१०	३।०६	५।२१	७।४१	९।५८	१२।१४	२।३३	४।५२	६।५६	८।३९	१०।०८
०९।०८।४४।३३	५ र	२३	११।३०	१।०६	३।०२	५।१७	७।३७	९।५४	१२।१०	२।२९	४।४८	६।५२	८।३५	१०।०४
०९।०९।४५।४७	६ चं	२४	११।२६	१।०२	२।५८	५।१३	७।३३	९।५०	१२।०६	२।२५	४।४४	६।४८	८।३१	१०।००
०९।१०।४७।००	७ मं	२५	११।२२	१२।५८	२।५४	५।०९	७।२९	९।४६	१२।०२	२।२१	४।४०	६।४४	८।२७	९।५६
०९।११।४८।१२	९ बु	२६	११।१८	१२।५४	२।५१	५।०५	७।२५	९।४२	११।५८	२।१७	४।३६	६।४०	८।२४	९।५२
०९।१२।४९।२३	१० गु	२७	११।१४	१२।५०	२।४७	५।०१	७।२१	९।३८	११।५४	२।१३	४।३२	६।३६	८।२०	९।४८
०९।१३।५०।३३	११ शु	२८	११।१०	१२।४६	२।४३	४।५७	७।१८	९।३४	११।५०	२।०९	४।२८	६।३२	८।१६	९।४४
०९।१४।५१।४२	१२ श	२९	११।०६	१२।४२	२।३९	४।५४	७।१४	९।३०	११।४६	२।०५	४।२४	६।२८	८।१२	९।४०
०९।१५।५२।५०	१३ र	३०	११।०२	१२।३९	२।३५	४।५०	७।१०	९।२६	११।४२	२।०१	४।२०	६।२५	८।०८	९।३६
०९।१६।५३।५६	१४ चं	३१	१०।५८	१२।३५	२।३१	४।४६	७।०६	९।२३	११।३८	१।५७	४।१६	६।२१	८।०४	९।३२
०९।१७।५५।०२	३० मं	१	१०।५४	१२।३१	२।२७	४।४२	७।०२	९।१९	११।३४	१।५४	४।१२	६।१७	८।००	९।२८

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २०२२

माघ शु. ११ शनौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २६।५० वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २०।२६ से २६।५० तक। (दान- गोड़ - अन्न)।

अयनांशाः २४।०८।३९

पं.४२ मा.कृ. ९ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	१०	८	९	१	७
११	०६	०५	११	१६	२०	०४	०४
५६	५८	५२	४२	५०	३८	०१	०१
१३	२४	२६	४२	४६	३४	२५	२५
६०	४३	६९	१३	७	७	३	३
५९	३५	२१	३४	४३	०८	११	११
श्र	मू	उषा	श	पूषा	श्र	कृ	अनु
१	३	३व	२	२व	४	३	१

२ फरवरी से १६ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख्य स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मित्र	१	बु	३	०३	८	३४	धनि	२६	१९	१७	५२	व	४१	२५	२३	५५	व	३	०३	८	३४	२६	७	६	१३	२९	२	कुंभे	९।१८।४८।४०	६१।०३
क्षयः	२	बु	५७	२२	३०	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५७	२१	०७	०	०	०	०	०	०
वज्र	३	गु	५३	१९	२८	४०	शत	२३	०३	१६	३३	प	३४	४१	२१	१२	तै	२५	०९	१७	२३	२७ ००	२०	०८	१४	१	३	कुंभे	९।१९।४९।४३	६१।०२
ध्वाङ्क्ष	४	शु	५१	१२	२७	४८	पूभा	२१	३१	१५	५६	शि	२९	२३	१९	०५	व	२२	०१	१६	०८	०४	१९	०९	१५	२	४	मीने १०।०१	९।२०।५०।४५	६१।०१
वसंत	५	श	५१	१२	२७	४८	उभा	२१	५९	१६	०६	सि	२५	४३	१७	३६	व	२०	५७	१५	४२	०७	१९	१०	१६	३	५	मीने	९।२१।५१।४६	६१।००
प्रवर्धमा	६	र	५३	२१	२८	३८	रेव	२४	३२	१७	०७	सा	२३	४४	१६	४८	कौ	२२	०१	१६	०७	११	१८	१०	१७	४	६	मेषे १७।०७	९।२२।५२।४५	६०।५८
राक्षस	७	सो	५७	२७	३०	१६	अश्वि	२९	०५	१८	५५	शु	२३	२०	१६	३७	ग	२५	११	१७	२२	१४	१८	११	१८	५	७	मेषे	९।२३।५३।४४	६०।५७
मुसल	८	मं	...	...	...	...	भर	३५	१९	२१	२४	शु	२४	१६	१६	५९	वि	३०	०९	१९	२०	१८	१७	१२	१९	६	८	वृषे २८।०६	९।२४।५४।४०	६०।५५
सिद्धि	८	बु	३	०९	८	३२	कृति	४२	४२	२४	२१	ब्र	२६	१३	१७	४५	व	३	०९	८	३२	२१	१६	१३	२०	७	९	वृषे	९।२५।५५।३६	६०।५४
उत्पात	९	गु	९	४६	११	१०	रोहि	५०	३७	२७	३०	ऐ	२८	४२	१८	४४	कौ	९	४६	११	१०	२५	१५	१३	२१	८	१०	वृषे	९।२६।५६।३०	६०।५३
मानस	१०	शु	१६	३९	१३	५४	मृग	५८	२३	३०	३६	वै	३१	१३	१९	४४	ग	१६	३९	१३	५४	२९	१५	१४	२२	९	११	मिथु. १७।०४	९।२७।५७।२२	६०।५१
ए.ब्र.	११	श	२३	१०	१६	३०	आर्द्रा	...	...	...	...	वि	३३	२४	२०	३६	वि	२३	१०	१६	३०	३२	१४	१५	२३	१०	१२	मिथु.	९।२८।५८।१३	६०।४९
ध्वाङ्क्ष	१२	र	२८	४६	१८	४४	आर्द्रा	५	३१	९	२६	प्री	३४	५२	२१	१०	बा	२८	४६	१८	४४	३६	१३	१६	२४	११	१३	कर्के २९।१७	९।२९।५९।०३	६०।४८
प्र.ब्र.	१३	सो	३३	१३	२०	३०	पुन	११	३५	११	५१	आ	३५	२६	२१	२३	कौ	१	१०	७	४१	४०	१२	१६	२५	१२	१४	कर्के	१०।००।५९।५१	६०।४६
प्रवर्धमा	१४	मं	३६	२१	२१	४४	पुष्य	१६	२६	१३	४६	सौ	३५	०१	२१	१२	ग	४	५८	९	११	४४	१२	१७	२६	१३	१५	कर्के	१०।०२।००।३७	६०।४५
पूर्णिमा	१५	बु	३८	१२	२२	२८	श्ले	२०	०३	१५	१२	शो	३३	३८	२०	३८	वि	७	२७	१०	१०	४८	११	१८	२७	१४	१६	सिंहे १५।१२	१०।०३।०१।२२	६०।४३

केतकी अहर्गणः ३९५५ शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे, फरवरी २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्री वल्लभ जयंती, शत.-३ गुरुः ९।४५
[A ९, १०, वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, मार्गी बुधः २३।०१
रज्ञव ७, पूषा. भौमः २४।५०
भ.१६।०८ उ. २७।४८ या., उभा. रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न A
रेवत्यां रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि, ६, ९, १०, C
पंचक समाप्तिः १७।०७, धनि. रविः १२।४८ (सौरः १८।०१)
भ. ३०।१६ उ., मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७
भ. १९।२० या., भीष्माष्टमी, कृत्ति.-२ राहुः ८।०२, विशा.-४ D
रोहि. रे. ९ IIIIIIIISI रात्रौ लग्न १० [D केतुः ८।०२
रोहि. रे. ८ IIIIISISI रात्रौ लग्न गोधूलि(४)
भ. २७।१४ उ. [C वसन्त पञ्चमी
भ. १६।३० या., जया ११ ब्र., कुंभे रविः २६।५०
भीष्मद्वादशी, कुंभे सौरः ७।३६
प्रदोषः, कल्पादि
भ. २१।४४ उ. [B शत.-४ गुरुः १३।३९
भ. १०।१० या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः, B

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०८।४०

पं.४३ मा.शु. १ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	१०	८	९	१	७
१९	१२	००	१३	१६	२१	०३	०३
०२	०४	२७	१८	४९	२८	३९	३९
४४	१२	२४	३६	२५	४२	११	११
६०	४३	१२	१३	९	७	३	३
५२	४९	५९	५३	२७	११	११	११
श्र	मू	उषा	श	पूषा	श्र	कृ	अनु
३	४	२व	२	२	४	३	१

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. फर.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह सायं	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ प्रातः	मीन दिवा
०९।१८।५६।०७	१ बु	२	१०।५१	१२।२७	२।२३	४।३८	६।५८	९।१५	११।३०	१।५०	४।०८	६।१३	७।५६	९।२४
०९।१९।५७।१०	३ गु	३	१०।४७	१२।२३	२।१९	४।३४	६।५४	९।११	११।२७	१।४६	४।०४	६।०९	७।५२	९।२१
०९।२०।५८।१२	४ शु	४	१०।४३	१२।१९	२।१५	४।३०	६।५०	९।०७	११।२३	१।४२	४।००	६।०५	७।४८	९।१७
०९।२१।५९।१३	५ श	५	१०।३९	१२।१५	२।११	४।२६	६।४६	९।०३	११।१९	१।३८	३।५६	६।०१	७।४४	९।१३
०९।२३।००।१२	६ र	६	१०।३५	१२।११	२।०७	४।२२	६।४२	८।५९	११।१५	१।३४	३।५२	५।५७	७।४०	९।०९
०९।२४।०१।१०	७ चं	७	१०।३१	१२।०७	२।०३	४।१८	६।३८	८।५५	११।११	१।३०	३।४८	५।५३	७।३६	९।०५
०९।२५।०२।०७	८ मं	८	१०।२७	१२।०३	१।५९	४।१४	६।३४	८।५१	११।०७	१।२६	३।४५	५।४९	७।३२	९।०१
०९।२६।०३।०२	८ बु	९	१०।२३	११।५९	१।५५	४।१०	६।३०	८।४७	११।०३	१।२२	३।४१	५।४५	७।२८	८।५७
०९।२७।०३।५६	९ गु	१०	१०।१९	११।५५	१।५१	४।०६	६।२६	८।४३	१०।५९	१।१८	३।३७	५।४१	७।२४	८।५३
०९।२८।०४।४९	१० शु	११	१०।१५	११।५१	१।४७	४।०२	६।२२	८।३९	१०।५५	१।१४	३।३३	५।३७	७।२०	८।४९
०९।२९।०५।३९	११ श	१२	१०।११	११।४७	१।४४	३।५८	६।१८	८।३५	१०।५१	१।१०	३।२९	५।३३	७।१७	८।४५
१०।००।०६।२९	१२ र	१३	१०।०७	११।४३	१।४०	३।५४	६।१४	८।३१	१०।४७	१।०६	३।२५	५।२९	७।१३	८।४१
१०।०१।०७।१७	१३ चं	१४	१०।०३	११।३९	१।३६	३।५०	६।११	८।२७	१०।४३	१।०२	३।२१	५।२५	७।०९	८।३७
१०।०२।०८।०३	१४ मं	१५	९।५९	११।३५	१।३२	३।४७	६।०७	८।२३	१०।३९	१२।५८	३।१७	५।२१	७।०५	८।३३
१०।०३।०८।४७	१५ बु	१६	९।५५	११।३२	१।२८	३।४३	६।०३	८।१९	१०।३५	१२।५४	३।१३	५।१८	७।०१	८।२९

अयनांशाः २४।०८।४१

पं.४४ मा.शु. ८ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	१०	८	९	१	७
२६	१७	०१	१४	१८	२२	०३	०३
०८	११	२९	५६	४०	१९	१६	१६
२१	३९	१४	३६	४०	००	५५	५५
६०	४४	३३	१४	२३	७	३	३
४३	०३	३७	०८	५२	११	११	११
ध	पूषा	उषा	श	पूषा	श्र	कृ	वि
१	२	२	३	२	४	२	४

अयनांशाः २४।०८।४२

पं.४५ मा.शु.१५ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	८	९	१०	८	९	१	७
०३	२२	०६	१६	२२	२३	०२	०२
१२	२०	५३	३६	०३	०९	५४	५४
५२	४०	४४	०८	०२	०३	४१	४१
६०	४४	६०	१४	३५	७	३	३
३३	१६	१७	१९	०४	०६	११	११
ध	पूषा	उषा	श	पूषा	श्र	कृ	वि
३	३	४	३	३	४	२	४

१७ फरवरी से २ मार्च तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुसल	१	गु	३८	५३	२२	४३	मघा	२२	२८	१६	०९	अ	३१	२१	११	४२	बा	८	४२	१०	३९	२७ ५१	७ १०	६ १९	२८	१५	१७	सिंहे	१०।०४।०२।०५	६०।४१
सिद्धि	२	शु	३८	२९	२२	३३	पूफा	२३	५१	१६	४१	सु	२८	१४	१८	२७	तै	८	४९	१०	४१	५५	०९	१९	२९	१६	१८	कन्या २२।४६	१०।०५।०२।४६	६०।४०
उत्पात	३	श	३७	१०	२२	००	उफा	२४	१८	१६	५१	धृ	२४	२२	१६	५३	व	७	५७	१०	१९	५९	०८	२०	३०	१७	१९	कन्या	१०।०६।०३।२६	६०।३८
च.व्र.	४	र	३५	०४	२१	०९	हस्त	२३	५७	१६	४२	शू	१९	५३	१५	०४	व	६	१४	९	३७	२८ ०३	०७	२१	१	१८	२०	तुला. २८।३१	१०।०७।०४।०४	६०।३६
मुद्गर	५	सो	३२	१७	२०	०१	चित्रा	२२	५६	१६	१७	गं	१४	५०	१३	०३	कौ	३	४७	८	३७	०७	०६	२१	२	१९	२१	तुला.	१०।०८।०४।४०	६०।३४
ध्वजा	६	मं	२८	५३	१८	३९	स्वा	२१	१६	१५	३६	वृ	९	१८	१०	४९	ग	०	४१	७	२२	११	०६	२२	३	२०	२२	तुला.	१०।०९।०५।१५	६०।३३
धाता	७	बु	२४	५०	१७	००	विशा	१९	०१	१४	४१	ध्रु	३ ५६	१५ ४१	८ २९	३३ ४५	व	२४	५०	१७	००	१५	०५	२३	४	२१	२३	वृश्चि. ८।५६	१०।१०।०५।४८	६०।३१
आनन्द	८	गु	२०	११	१५	०८	अनु	१६	०९	१३	३१	ह	४९	४१	२६	५६	कौ	२०	११	१५	०८	१९	०४	२३	५	२२	२४	वृश्चि.	१०।११।०६।१८	६०।२९
चर	९	शु	१४	५८	१३	०२	ज्ये	१२	४३	१२	०८	व	४२	१५	२३	५७	ग	१४	५८	१३	०२	२३	०३	२४	६	२३	२५	धनु. १२।०८	१०।१२।०६।४७	६०।२७
गद	१०	श	९	१४	१०	४३	मूल	८	४७	१०	३३	सि	३४	२६	२०	४८	वि	९	१४	१०	४३	२७	०२	२५	७	२४	२६	धनु.	१०।१३।०७।१५	६०।२५
ए.व्र.	११	र	३	०८	८	१६	पूषा	४	२९	८	४९	व्य	२६	२५	१७	३५	वा	३	०८	८	१६	३१	०१	२५	८	२५	२७	मक. १४।२२	१०।१४।०७।४०	६०।२३
क्षयः	१२	र	५६	५२	२९	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
प्र.व्र.	१३	सो	५०	४६	२७	१८	उषा	० ५५	०३ ४४	७ २९	०१ १८	व	१८	२४	१४	२१	ग	२३	४८	१६	३१	३५	००	२६	९	२६	२८	मक.	१०।१५।०८।०३	६०।२२
शिवरा.	१४	मं	४५	०८	२५	०२	धनि	५१	५८	२७	४६	प	१०	३४	११	१२	वि	१७	५३	१४	०८	३९	६ ५९	२७	१०	२७	१	कुंभे १६।३०	१०।१६।०८।२५	६०।१९
अमाव.	३०	बु	४०	२०	२३	०६	शत	४९	०४	२६	३५	शि	३ ५६	१५ ३९	८ २९	१६ ३७	च	१२	३८	१२	०१	४३	५८	२७	११	२८	२	कुंभे	१०।१७।०८।४४	६०।१८

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी-मार्च २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
धनि.-१ शनिः २०।१२
उफा. रे.१० ||||||||| रात्रौ लग्न ६, ९, १०, सायन मीने B
भ. १०।१९ उ. २२।०० या., शत. रविः १७।१६ (सौरः २१।३६)
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५९, भा. फाल्गुनारंभः
उषा. भौमः २७।२७
भ. १८।३९ उ. २९।५२ या., गुरोरस्तः पश्चिमायाम् १९।२०
उषा. शुक्रः ९।४५
[B भानुः २१।५७, श्रव. वुधः ३०।१८
भ. २३।५४ उ., रामदास ९
भ. १०।४३ या., मकरे भौमः १५।१६
विजया ११ व्र., मकरे शुक्रः १९।३८
[A मार्च ३ ता. ३१, धनि. वुधः १९।५३
भ. २७।१८ उ., प्रदोषः, शनेरुदयः पूर्वस्याम् १३।१०
भ. १४।०८ या., पंचक प्रारम्भः १६।३०, महाशिवरात्री व्रतम्, A
देवपितृकार्येऽमा., पूभा.-१ गुरुः १०।११

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०८।४३

पं.४६ फा.कृ. ७ वु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	वु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	८	९	१०	८	९	१	७
१०	२७	१४	१८	२६	२३	०२	०२
१६	३१	४४	१६	३५	५८	३२	३२
१०	१२	१७	४७	०९	२७	२६	२६
६०	४४	७४	१४	४३	६	३	३
२२	२९	५५	२६	३०	५९	१०	१०
श	उषा	श्र	श	पूषा	घ	कृ	वि
२	१	२	४	४	१	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।०४।०९।३०	१ गु	१७	९।५१	११।२८	१।२४	३।३९	५।५९	८।१६	१०।३१	१२।५१	३।०९	५।१४	६।५७	८।२५
१०।०५।१०।१२	२ शु	१८	९।४७	११।२४	१।२०	३।३५	५।५५	८।१२	१०।२७	१२।४७	३।०५	५।१०	६।५३	८।२१
१०।०६।१०।५१	३ श	१९	९।४४	११।२०	१।१६	३।३१	५।५१	८।०८	१०।२३	१२।४३	३।०१	५।०६	६।४९	८।१८
१०।०७।११।२९	४ र	२०	९।४०	११।१६	१।१२	३।२७	५।४७	८।०४	१०।२०	१२।३९	२।५७	५।०२	६।४५	८।१४
१०।०८।१२।०५	५ चं	२१	९।३६	११।१२	१।०८	३।२३	५।४३	८।००	१०।१६	१२।३५	२।५३	४।५८	६।४१	८।१०
१०।०९।१२।४०	६ मं	२२	९।३२	११।०८	१।०४	३।१९	५।३९	७।५६	१०।१२	१२।३१	२।४९	४।५४	६।३७	८।०६
१०।१०।१३।१२	७ वु	२३	९।२८	११।०४	१।००	३।१५	५।३५	७।५२	१०।०८	१२।२७	२।४५	४।५०	६।३३	८।०२
१०।११।१३।४३	८ गु	२४	९।२४	११।००	१२।५६	३।११	५।३१	७।४८	१०।०४	१२।२३	२।४१	४।४६	६।२९	७।५८
१०।१२।१४।१२	९ शु	२५	९।२०	१०।५६	१२।५२	३।०७	५।२७	७।४४	१०।००	१२।१९	२।३८	४।४२	६।२५	७।५४
१०।१३।१४।३९	१० श	२६	९।१६	१०।५२	१२।४८	३।०३	५।२३	७।४०	९।५६	१२।१५	२।३४	४।३८	६।२१	७।५०
१०।१४।१५।०४	११ र	२७	९।१२	१०।४८	१२।४४	२।५९	५।१९	७।३६	९।५२	१२।११	२।३०	४।३४	६।१७	७।४६
१०।१५।१५।२७	१३ चं	२८	९।०८	१०।४४	१२।४१	२।५५	५।१५	७।३२	९।४८	१२।०७	२।२६	४।३०	६।१४	७।४२
१०।१६।१५।४८	१४ मं	१	९।०४	१०।४०	१२।३७	२।५१	५।११	७।२८	९।४४	१२।०३	२।२२	४।२६	६।१०	७।३८
१०।१७।१६।०८	३० वु	२	९।००	१०।३६	१२।३३	२।४७	५।०७	७।२४	९।४०	११।५९	२।१८	४।२२	६।०६	७।३४

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो, पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो ॥ चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनांसमर्घता ॥ कृष्णा षष्ठी को स्वाति होने से दुर्भिक्ष हो । बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दुःख-स्थानत्याग और कम धान्य हो । अमावस्या शतभिषा योग सुभिक्ष और सुखद है । शुक्ला सप्तमी को कृत्तिका होने से सुभिक्ष हो । फाल्गुन शुक्ला सप्तमी आर्द्रा होने से अवर्षण हो । पूर्णिमा उत्तराफाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो । सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हो, प्रजा में सद्भाव अधिक हो ।

अयनांशाः २४।०८।४४

पं.४७ फा.कृ.३० वु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	वु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	९	१०	९	९	१	७
१७	०२	२३	१९	०१	२४	०२	०२
१८	४३	५८	५८	५९	४६	१०	१०
०५	०६	२२	०३	३६	५१	१२	१२
६०	४४	८४	१४	४९	६	३	३
०९	४०	१८	३०	४८	४९	११	११
श	उषा	ध	श	उषा	ध	कृ	वि
४	२	१	४	२	१	२	४

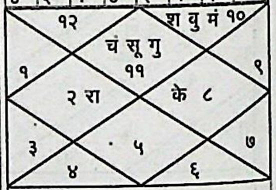

१० शु

३ मार्च से १८ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः ३९८४ वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च २०२२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मुद्गर	१	गु	३६	४४	२१	३८	पूभा	४७	२४	२५	५४	सा	५१	०७	२७	२४	किं	८	२३	१०	१८	२८/४८	६/५७	६/२८	१२	२९	३	मीने २०।०१	१०।१८।०९।०२	६०।१५	[B ७।५७ (सौरः ११।००), पूभा. बुधः २२।००
फुलरि.	२	शु	३४	३८	२०	४७	उभा	४७	१४	२५	४९	शु	४६	५१	२५	४०	वा	५	३०	९	०८	५२	५६	२८	१३	३०	४	मीने	१०।१९।०९।१७	६०।१३	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस C
धाता	३	श	३४	१५	२०	३७	रेव	४८	४९	२६	२६	शु	४३	५७	२४	२९	तै	४	१४	८	३६	५६	५५	२९	१४	१	५	मेषे २६।२६	१०।२०।०९।३१	६०।११	पंचक समाप्तिः २६।२६, सावान ८
आनन्द	४	र	३५	४५	२१	१२	अश्वि	५२	१३	२७	४७	ब्र	४२	३०	२३	५४	व	४	४७	८	४८	२१/००	५४	३०	१५	२	६	मेषे	१०।२१।०९।४२	६०।०९	भ. ८।४८ उ. २१।१२ या., कुंभे बुधः ११।३४
चर	५	सो	३९	०५	२२	३१	भर	५७	२०	२९	४८	ऐ	४२	२८	२३	५२	व	७	१३	९	४६	०४	५३	३०	१६	३	७	मेषे	१०।२२।०९।५२	६०।०७	याज्ञवल्क्य जयंती
नद	६	मं	४४	०२	२४	२८	कृति	...	...	...	...	वै	४३	३८	२४	१९	कौ	११	२४	११	२५	०८	५१	३१	१७	४	८	वृषे १२।२५	१०।२३।०९।५९	६०।०५	[C जयंती, पूभा. रविः २३।३३ (सौरः २७।०७)
सिद्धि	७	बु	५०	०९	२६	५४	कृति	३	५६	८	२५	वि	४५	४१	२५	०७	ग	१७	००	१३	३८	१२	५०	३१	१८	५	९	वृषे	१०।२४।१०।०४	६०।०३	भ. २६।५४ उ., बुधास्तः पूर्वस्याम् १६।४२
होलाष्ट.	८	गु	५६	४९	२९	३३	रोहि	११	२८	११	२४	प्री	४८	११	२६	०६	वि	२३	२९	१६	१३	१७	४९	३२	१९	६	१०	मिथु. २४।५८	१०।२५।१०।०७	६०।०१	भ. १६।१३ या., होलाष्टक, शत. बुधः २०।३५
मानस	९	शु	...	...	...	...	मृग	१९	१८	१४	३१	आ	५०	३९	२७	०४	बा	३०	१०	१८	५२	२१	४८	३२	२०	७	११	मिथु.	१०।२६।१०।०८	५९।५९	श्रव. भौमः २४।५९, श्रव. शुक्रः ९।५५
मुद्गर	९	श	३	२३	८	०९	आर्द्रा	२६	४६	१७	३०	सौ	५२	३६	२७	४९	कौ	३	२३	८	०९	२५	४७	३३	२१	८	१२	मिथु.	१०।२७।१०।०७	५९।५७	[D भद्रा के बाद, मीने रविः २३।३८ (सौरः २६।४७)
ध्वजा	१०	र	९	०५	१०	२४	पुन	३३	१६	२०	०४	शो	५३	३८	२८	१३	ग	९	०५	१०	२४	२९	४६	३४	२२	९	१३	कर्के १३।२८	१०।२८।१०।०४	५९।५५	भ. २३।२१ उ.
ए.व्र.	११	सो	१३	२८	१२	०८	पुष्य	३८	२४	२२	०७	अ	५३	३२	२८	१०	वि	१३	२८	१२	०८	३३	४५	३४	२३	१०	१४	कर्के	१०।२९।०९।५८	५९।५२	भ. १२।०८ या., आमलकी ११ व्र., विड़कुला-ढाल थापणा D
प्र.व्र.	१२	मं	१६	१७	१३	१४	श्ले	४१	५९	२३	३१	सु	५२	११	२७	३६	वा	१६	१७	१३	१४	३७	४४	३५	२४	११	१५	सिंहे २३।३१	११।००।०९।५१	५९।५०	प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (स्वादु), पूभा.-२ गुरुः २९।२३
चर	१३	बु	१७	२७	१३	४१	मघा	४४	००	२४	१८	धृ	४९	३५	२६	३३	तै	१७	२७	१३	४१	४२	४३	३५	२५	१२	१६	सिंहे	११।०१।०९।४१	५९।४८	[A दहनं भद्रोत्तरम्, पूर्णिमा व्रतं, करिदिन
होली	१४	गु	१७	०३	१३	३१	पूफा	४४	३४	२४	३१	शू	४५	५१	२५	०२	व	१७	०३	१३	३१	४६	४२	३६	२६	१३	१७	कन्या ३०।३०	११।०२।०९।२९	५९।४६	भ.१३।३१ उ. २५।१३ या.,जेलपोणी भद्रा के पहिले, होलिका A
छारेंड़ी	१५	शु	१५	१८	१२	४८	उफा	४३	५६	२४	१५	गं	४१	०९	२३	०८	ब	१५	१८	१२	४८	५०	४०	३६	२७	१४	१८	कन्या	११।०३।०९।१५	५९।४४	मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, छारेंडी देशाचारे, करिदिन, उभा.रविः B

अयनांशाः २४।०८।४५

पं.४८ फा.शु. ७ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	१०	१०	९	९	१	७
२४	०७	०४	२१	०८	२५	०१	०१
१८	५६	१३	३९	०३	३३	४७	४७
३२	१७	२४	३३	०९	५१	५७	५७
५९	४४	९२	१४	५४	६	३	३
५६	५०	४१	३०	३२	३५	११	११
पूभा	उषा	ध	पूभा	उषा	ध	कृ	वि
२	४	४	१	४	१	२	४

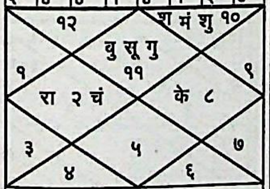

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१०।१८।१६।२५	१ गु	३	८।५६	१०।३२	१२।२९	२।४३	५।०४	७।२०	९।३६	११।५५	२।१४	४।१८	६।०२	७।३०
१०।१९।१६।४०	२ शु	४	८।५२	१०।२९	१२।२५	२।४०	५।००	७।१६	९।३२	११।५१	२।१०	४।१५	५।५८	७।२६
१०।२०।१६।५३	३ श	५	८।४८	१०।२५	१२।२१	२।३६	४।५६	७।१३	९।२८	११।४७	२।०६	४।११	५।५४	७।२२
१०।२१।१७।०५	४ र	६	८।४४	१०।२१	१२।१७	२।३२	४।५२	७।०९	९।२४	११।४४	२।०२	४।०७	५।५०	७।१८
१०।२२।१७।१४	५ चं	७	८।४०	१०।१७	१२।१३	२।२८	४।४८	७।०५	९।२०	११।४०	१।५८	४।०३	५।४६	७।१४
१०।२३।१७।२१	६ मं	८	८।३७	१०।१३	१२।०९	२।२४	४।४४	७।०१	९।१७	११।३६	१।५४	३।५९	५।४२	७।११
१०।२४।१७।२६	७ बु	९	८।३३	१०।०९	१२।०५	२।२०	४।४०	६।५७	९।१३	११।३२	१।५०	३।५५	५।३८	७।०७
१०।२५।१७।२९	८ गु	१०	८।२९	१०।०५	१२।०१	२।१६	४।३६	६।५३	९।०९	११।२८	१।४६	३।५१	५।३४	७।०३
१०।२६।१७।३०	९ शु	११	८।२५	१०।०१	११।५७	२।१२	४।३२	६।४९	९।०५	११।२४	१।४२	३।४७	५।३०	६।५९
१०।२७।१७।२८	९ श	१२	८।२१	९।५७	११।५३	२।०८	४।२८	६।४५	९।०१	११।२०	१।३८	३।४३	५।२६	६।५५
१०।२८।१७।२५	१० र	१३	८।१७	९।५३	११।४९	२।०४	४।२४	६।४१	८।५७	११।१६	१।३५	३।३९	५।२२	६।५१
१०।२९।१७।१९	११ चं	१४	८।१३	९।४९	११।४५	२।००	४।२०	६।३७	८।५३	११।१२	१।३१	३।३५	५।१८	६।४७
११।००।१७।११	१२ मं	१५	८।०९	९।४५	११।४१	१।५६	४।१६	६।३३	८।४९	११।०८	१।२७	३।३१	५।१४	६।४३
११।०१।१७।०१	१३ बु	१६	८।०५	९।४१	११।३७	१।५२	४।१२	६।२९	८।४५	११।०४	१।२३	३।२७	५।१०	६।३९
११।०२।१६।४९	१४ गु	१७	८।०१	९।३७	११।३४	१।४८	४।०८	६।२५	८।४१	११।००	१।१९	३।२३	५।०७	६।३५
११।०३।१६।३५	१५ शु	१८	७।५७	९।३३	११।३०	१।४४	४।०४	६।२१	८।३७	१०।५६	१।१५	३।१९	५।०३	६।३१

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०२२

फा. शु. ११ चंद्रे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।३८ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २३।३८ से ३०।०२ तक। (दान- भूमि माला)।

अयनांशाः २४।०८।४६

पं.४९ फा.शु.१३ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	१०	१०	९	९	१	७
०१	१३	१५	२३	१४	२६	०१	०१
१७	१०	२८	२०	३६	१९	२५	२५
२५	३६	४४	४८	०४	०५	४३	४३
५९	४४	१०९	१४	५८	६	३	३
४३	५९	३९	२५	०५	१८	११	११
पूभा	श्र	श	पूभा	श्र	ध	कृ	वि
४	१	३	२	२	१	२	४

१९ मार्च से १ अप्रेल तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०७८, शाकः १९४३,																					दिमा सू. सू. तारीख						स्टै.	प्रातः	दैनिक
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मृत्यु	१	श	१२	२६	११	३८	हस्त	४२	१९	२३	३५	वृ	३५	३९	२०	५५	कौ	१२	२६	११	३८	२९/५४	६/३९	६/३७	२८	१५	१९	कन्या	११।०४।०८।५८	५९।४१
पद्म	२	र	८	४३	१०	०७	चित्रा	३९	५९	२२	३८	ध्रु	२९	३३	१८	२७	ग	८	४३	१०	०७	५८	३८	३७	२९	१६	२०	तुला. ११।०८	११।०५।०८।४०	५९।३९
च.व्र.	३	सो	४	२१	८	२२	स्वा	३७	१०	२१	२९	व्या	२३	०१	१५	४९	वि	४	२१	८	२२	३०	३७	३८	३०	१७	२१	तुला.	११।०६।०८।१९	५९।३७
क्षयः	४	सो	५९	३३	३०	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०२	०	०	०	०	०	०	०	०
श्रीवत्स	५	मं	५४	३१	२८	२४	विशा	३४	०२	२०	१३	ह	१६	१२	१३	०५	कौ	२७	०५	१७	२६	०७	३६	३९	१	१८	२२	वृश्चि. १४।३२	११।०७।०७।५५	५९।३५
सौम्य	६	बु	४९	२२	२६	१९	अनु	३०	४३	१८	५२	व	९	१३	१०	१६	ग	२१	५९	१५	२२	११	३५	३९	२	१९	२३	वृश्चि.	११।०८।०७।३०	५९।३२
काल	७	गु	४४	०८	२४	१३	ज्ये	२७	११	१७	२९	सि	२/५४	०६/५८	७/२८	३५/३३	वि	१६	४७	१३	१६	१५	३४	४०	३	२०	२४	धनु. १७।२९	११।०९।०७।०२	५९।३०
शीतला	८	शु	३८	५६	२२	०७	मूल	२३	५५	१६	०७	व	४७	५४	२५	४२	बा	११	३३	११	१०	१९	३३	४०	४	२१	२५	धनु.	११।१०।०६।३२	५९।२८
मातङ्ग	९	श	३३	४९	२०	०३	पूषा	२०	३६	१४	४६	प	४०	५५	२२	५४	तै	६	२३	९	०५	२३	३१	४१	५	२२	२६	मक. २०।२६	११।११।०६।००	५९।२५
अमृत	१०	र	२८	५६	१८	०५	उषा	१७	२८	१३	२९	शि	३४	०८	२०	०९	व	१	२२	७	०३	२७	३०	४१	६	२३	२७	मक.	११।१२।०५।२६	५९।२३
ए.व्र.	११	सो	२४	२५	१६	१५	श्रव	१४	३९	१२	२१	सि	२७	३८	१७	३२	बा	२४	२५	१६	१५	३१	२९	४२	७	२४	२८	कुंभे २३।५१	११।१३।०४।४९	५९।२१
प्र.व्र.	१२	मं	२०	२६	१४	३८	धनि	१२	२१	११	२५	सा	२१	३७	१५	०७	तै	२०	२६	१४	३८	३६	२८	४२	८	२५	२९	कुंभे	११।१४।०४।१०	५९।१८
मानस	१३	बु	१७	१२	१३	२०	शत	१०	४६	१०	४५	शु	१६	१२	१२	५६	व	१७	१२	१३	२०	४०	२७	४३	९	२६	३०	मीने २८।३०	११।१५।०३।२८	५९।१६
मुद्गर	१४	गु	१४	५६	१२	२४	पूभा	१०	०७	१०	२९	शु	११	३३	११	०३	श	१४	५६	१२	२४	४४	२६	४३	१०	२७	३१	मीने	११।१६।०२।४४	५९।१४
अमाव.	३०	शु	१३	४९	११	५६	उभा	१०	३५	१०	३९	ब्र	७	४९	९	३२	ना	१३	४९	११	५६	४८	२५	४४	११	२८	१	मीने	११।१७।०१।५८	५९।१२

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च-अप्रेल २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

वसन्त १, धनि.-२ शनिः १५।०५

भ. २१।१६ उ., कल्पादि, सायन मेषे भानुः २०।४७

भ. ८।२२ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५५

[A अप्रेल ४ ता. ३०, रेव. बुधः २४।२८

भा. चैत्रारंभः [B कुंभे शुक्रः ११।३९

भ. २६।१९ उ.

भ. १३।१६ या., गुरोरुदयः पूर्वस्याम् २१।४१, D

शीतला पूजनं, उभा. बुधः २९।३८

[D मीने बुधः ११।०६, धनि. शुक्रः २५।२३

भ. ७।०३ उ. १८।०५ या.

पंचक प्रारम्भः २३।५१, पापमोचनी ११ व्र. [C गुरुः २९।००

प्रदोषः, वारुणी योग से १४।३८, धनि. भौमः १८।४७, पूभा.-३ C

भ.१३।२० उ.२४।४८ या.,मासिकशिवरात्रीव्र.,वारुणीयोग १०।४५ तक

पितृकार्येऽमा., मन्वादि, रेव. रविः १८।४६ (सौरः २१।३१), B

देवकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः ४०१३, चक्र ७, कल्पादि, A

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०८।४७

प.५० चै.कृ. ६ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	१०	१०	९	९	१	७
०८	१८	२७	२५	२१	२७	०१	०१
१४	२५	४७	०१	३१	०२	०३	०३
४१	५४	५६	२२	१३	१०	२९	२९
५९	४५	११०	१४	६०	५	३	३
२८	०७	४९	१७	४८	५८	११	११
उभा	श्र	पूभा	पूभा	श्र	ध	कृ	वि
२	३	३	२	४	२	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।०४।१६।१८	१ श	१९	७।५३	९।२९	११।२६	१।४०	४।०१	६।१७	८।३३	१०।५२	१।११	३।१५	४।५९	६।२७
११।०५।१५।५९	२ र	२०	७।४९	९।२५	११।२२	१।३७	३।५७	६।१३	८।२९	१०।४८	१।०७	३।११	४।५५	६।२३
११।०६।१५।३८	३ चं	२१	७।४५	९।२२	११।१८	१।३३	३।५३	६।०९	८।२५	१०।४४	१।०३	३।०८	४।५१	६।१९
११।०७।१५।१४	५ मं	२२	७।४१	९।१८	११।१४	१।२९	३।४९	६।०६	८।२१	१०।४१	१२।५९	३।०४	४।४७	६।१५
११।०८।१४।४९	६ बु	२३	७।३७	९।१४	११।१०	१।२५	३।४५	६।०२	८।१७	१०।३७	१२।५५	३।००	४।४३	६।११
११।०९।१४।२१	७ गु	२४	७।३४	९।१०	११।०६	१।२१	३।४१	५।५८	८।१३	१०।३३	१२।५१	२।५६	४।३९	६।०७
११।१०।१३।५०	८ शु	२५	७।३०	९।०६	११।०२	१।१७	३।३७	५।५४	८।१०	१०।२९	१२।४७	२।५२	४।३५	६।०४
११।११।१३।१८	९ श	२६	७।२६	९।०२	१०।५८	१।१३	३।३३	५।५०	८।०६	१०।२५	१२।४३	२।४८	४।३१	६।००
११।१२।१२।४३	१० र	२७	७।२२	८।५८	१०।५४	१।०९	३।२९	५।४६	८।०२	१०।२१	१२।३९	२।४४	४।२७	५।५६
११।१३।१२।०६	११ चं	२८	७।१८	८।५४	१०।५०	१।०५	३।२५	५।४२	७।५८	१०।१७	१२।३५	२।४०	४।२३	५।५२
११।१४।११।२७	१२ मं	२९	७।१४	८।५०	१०।४६	१।०१	३।२१	५।३८	७।५४	१०।१३	१२।३१	२।३६	४।१९	५।४८
११।१५।१०।४५	१३ बु	३०	७।१०	८।४६	१०।४२	१२।५७	३।१७	५।३४	७।५०	१०।०९	१२।२८	२।३२	४।१५	५।४४
११।१६।१०।०१	१४ गु	३१	७।०६	८।४२	१०।३८	१२।५३	३।१३	५।३०	७।४६	१०।०५	१२।२४	२।२८	४।११	५।४०
११।१७।०९।१५	३० शु	१	७।०२	८।३८	१०।३४	१२।४९	३।०९	५।२६	७।४२	१०।०१	१२।२०	२।२४	४।०७	५।३६

मास फलम्

शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें । अमावस्या उत्तरा-भाद्रपद योग सुभिक्ष और सुखद है । धनिष्ठा में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो। धनिष्ठा नक्षत्र में शुक्र होने से पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो । उत्तरा भाद्रपद में बुध होने से राजनीति में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो । उत्तराभाद्रपद नक्षत्र को बुध के भेदने से प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस, मेधा, अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो ।

अयनांशाः २४।०८।४८

प.५१ चै.कृ.१३ बु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	११	१०	९	९	१	७
१५	२३	११	२६	२८	२७	००	००
१०	४२	०९	४०	४३	४२	४१	४१
१८	००	२८	५१	२३	४७	१४	१४
५९	४५	११९	१४	६२	५	३	३
१४	१३	०९	०६	५४	३५	११	११
उभा	ध	उभा	पूभा	ध	ध	कृ	वि
४	१	३	३	२	२	२	४

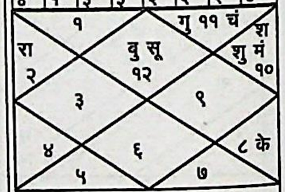

श्री गणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२३, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२३ भोग्यकलिः ४२६८७७ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०७९ शाकः १९४४ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिः १, मंत्री गुरुः २, सस्येशः शनिः ३, धान्येशः शुक्रः ४, मेघेशो बुधः ५, रसेशश्चंद्रः ६, नीरसेशः शनिः ७, फलेशो भौमः ८, धनेशः शनिः ९, दुर्गेशो बुधः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्र विंशतिकायां ९ राक्षस नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि १।६।०।० भोग्य मासादि १०।२४।०।० इंन्द्राग्नि दैवतं युगम् । वर्षनाम भाद्रपद । चतुर्मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ५ । समयं वाहन महिष । स्तंभ ३ जल तृणं अन्न । सोमवत्यमा. २ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ३ । भानु सप्तमी ३ । बुधाष्टमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३६० । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १६ । तिथि वृद्धिः १० । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९३ । स्वपति विश्वा ९३ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८१ । स्वपति विश्वा ११७ । वर्षा विश्वा ७ । धान्यम् ५ । तृणम् ५ । शीतम् १३ । तेजः १७ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् १०१ । (क्षुधा १ । तृष्णा १ । निद्रा १३ । आलस्य १७ । उद्यम ५ । शान्ति ७ । क्रोध १३ । दण्ड १ । मैत्री ९ । उत्सव ७ । पाप ७ । पुण्य ३ । उग्रत्व ३ । रसोत्पत्तिः ३ । फलोत्पत्तिः ९ । व्याधि ९ । व्याधिनाश ७ । आचार ७ । अनाचार १३ । मृत्यु ११ । जन्म ३ । चौर ९ । उपशमन १५ । अग्निभय ५ । अग्निशमः १५ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिरुत्तरे । ग्रहणं १ चन्द्रमसः ।, १ सूर्यस्य । उद्रिजः ११ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ९ । स्वदेजः १५ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौ प्रजा भाग्य प्रवल है ॥ **संवत् २०७९ शाकः १९४४** ॥ वर्षारम्भे चैत्रशुक्लप्रतिपदायाम् शनिवासरे वारप्रवृत्ति (सूर्योदय) काले अहर्गणाः (ता. २ अप्रेल २०२२), केतकी चक्रः ७, अहर्गणः ४०१४, सौरपक्ष चक्रः ४५, अहर्गणः २६३६, ब्रह्मपक्ष अहर्गणः ३०६४६९.

(१) कार्त्तिक शुक्ला १५ मंगलवार, संवत् २०७९, ता. ८ नवंबर २०२२, स्वग्रासं ग्रस्तोदयं **चन्द्रग्रहणम्**, चंद्रोदय १७।३८ बजे, परमग्रास १.३१

	स्पर्श	सम्मी.	मध्य	उन्मी.	मोक्ष	पर्व.
रामगढ घ.	१९	२२	२४	२५	२८	९
स्थानिक प.	३७	२९	११	५३	४५	०८
रेल्वे घं.	१४	१५	१६	१७	१८	३
टाईम मि.	४१	५०	३०	११	२०	३९

यह ग्रस्तोदय स्वग्रास चंद्रग्रहण कार्त्तिक शुक्ला १५ मंगलवार, संवत् २०७९, ता. ८ नवंबर २०२२, को होगा । इस ग्रहण का सूतक स्टैं ५।४१ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

(१) मितिः कार्त्तिक कृष्णा ३० भौमवासरे, संवत् २०७९ ता. २५ अक्टूबर २०२२, ग्रस्तास्तं स्वण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घटी-प.	२४।१८	२६।५९	(२९।२२)	३।३१
रेल्वेटाईम घं.-मि.	१६।२३	१७।२८	(१८।२५)	१।२५

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन उत्तररात्री स्टैं. ४।२३ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -
पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली स्वुर्द, वाया- सिंघाना, जि.झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६, फो.०१५९३-२७११८४ मुम्बई. फोन. ०२२ २६१६६७८३

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
ऊन्नासी संवत् फल कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां उत्तम संवत होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये पांच अधिकार ।
धनाधिप-राजा शनि हुए गुरु हैं मंत्री विचार ॥
दुर्गाधिप बुधदेव हैं मेघेशोऽपि संभाल ।
रसाधिप तो शशिदेव हैं समझो उत्तम साल ॥
सस्याधिप-नीरसपति रविसुत करें सहाय ।
धान्याधिप भृगुदेव हैं जन सुख होसी भाय ॥
समय निवासो मालीघर रोहिणी जलधि समाय ।
चतुर्मेघ पुष्कर बने वर्षा स्वल्प दिखाय ॥
सदा विराजत चित्त में गुरु चरणों की धूल ।
हाथजोड़ विनति करूँ हो कोई जो मेरी भूल ॥
गुरु ध्यानधर फल कहा संवत् ऊन्नासी साल ।
गुरु ईश्वरदत्त से गुरु नहीं कथन ग्यारसीलाल ॥

लाभ स्वर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	१४	१४	८	५
वृष	८	८	२	१४
मिथुन	११	५	८	११
कर्क	५	५	२	८
सिंह	८	१४	५	५
कन्या	११	५	८	११
तुला	८	८	२	१४
वृश्चिक	१४	१४	८	५
धनु	२	८	५	११
मकर	५	२	१४	११
कुंभ	५	२	१४	११
मीन	२	८	५	११

वर्ष लग्नम् २।१९

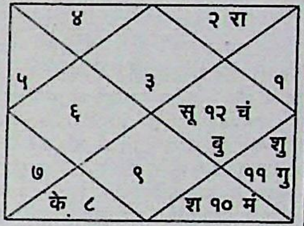

वर्षेश लग्नम् १।०५

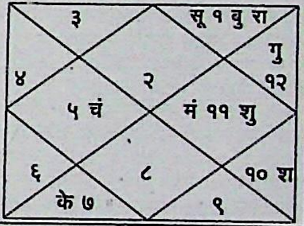

लाभ - स्वर्च देखनें की विधि और फल - जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

गणित सहयोगी - पं. संजय शर्मा सुपुत्र पं. ग्यारसीलाल

॥ अथ संवत् २०७९ वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०७९ शाकः १९४४ राक्षस नामास्यः संवत्सरः प्रवतर्ते तत्फलम् - स्वस्वकार्येरताः सर्वेमध्यसस्यार्घवृष्टयः । राक्षसाब्देऽखिलालोकाराक्षसाइवनिष्क्रियाः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजाशनिस्तत्फलम् - शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ॥ मंत्रीगुरुस्तत्फलम् - विविधधान्ययुतास्खलुमेदिनीप्रचरतोयघनामुदिता भवेत् । नृपतयो जलपालनतत्परः सुरगुरौ ननुमंत्रिसमागते ॥ सस्येशः शनिस्तत्फलम् - रविसुतेयदिधान्यपतौजनानृपतिभिः परिपीडितविग्रहाः । गदभयंतुषधान्यहरंसदादुरितवादविवादयुतानराः ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् - भृगौपश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यंसमर्घतांयातिस्वल्पंक्षीरंगवामपि ॥ मेघेशोबुधस्तत्फलम् - अमृतरश्मिसुतेयदिवारिपेबहुजलंतुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरायजनोत्सुकचेतसोविविधसौस्ययुताधरणीतदा ॥ रसेशश्चंद्रस्तत्फलम् - यदिविधौरसपेभुविमानवोनवनवांयुवती बुभुजे प्रियाम् । जलधराबहुवारिधिधायकारसवतीधनधान्यवतीमही ॥ नीरसेशः शनिस्तत्फलम् - अयः पिण्डादिलोहानांकृष्णवस्त्रादिवस्तुनाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतमन्देनीरसनायके ॥ फलेशोभौमस्तत्फलम् - फलपतिर्यदिभूतनयोभवेन्नबहुपुष्पफलान्वितपादपाः । गदभयान्वितदेशजनास्तदाननृपतयोबहुविग्रहकारकाः ॥ धनेशः शनिस्तत्फलम् - द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अगनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः ॥ दुर्गेशोबुधस्तत्फलम् - विषयसाम्यसुस्वं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः । राशिसुते यदि कोटकपालके पथिपु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित् ॥ वर्षनाम भाद्रपद तत्फलम् - अंर्घमहर्घतांयात धनधान्यं समं भवेत् । मघवावर्षतिस्वच्छं संपदोभोद्रवर्षके ॥ चतुर्मेघनाम पुष्करस्तत्फलम् - पुष्करेमंदवृष्टिश्च । रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम् - समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो मालाकारगृहे तत्फलम् - सर्ववस्तुसमर्घ स्यान्मालाकारगृहेऽब्दके ॥ अपिच - मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

राजा और सस्येश और नीरसेश और धनेश शनि हैं । रसेश चंद्र है । फलेश मंगल हैं । मेघेश और दुर्गेश वुध हैं । मंत्री गुरु हैं । धान्येश शुक्र हैं । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ५ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ५ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल मध्यम होगा । वर्षलग्न मिथुन होने से युद्ध बहुत हो पूर्व में स्वेती विगड़े, उत्तर दक्षिण में वर्षा और धान्य वहुत हो । पश्चिम में कम वर्षा तथा छत्रभंग हो, मध्यप्रदेश में आधी उत्पत्ति और पशुओं में रोग हो ॥ वर्षेश लग्न वृष ॥ **चैत्र** - गाय बैल आदि चौपायों को वड़ी भारी पीड़ा हो, टीडी आदि से धान्य महँगा हो, हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालों का नाश हो, तीव्र रोग हो, धान्य महँगे हों और वैर बढे तथा प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्ञा और शुक्र) की हानि हो, कीड़े और मूषक अधिक हों तो भी स्वेतियां वहुत हों । **वैशारव** - पूर्वाभाद्रपद में शुक्र होने से प्रजा में सुस्वों की वृद्धि और सुभिक्ष हो तथा जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्चाव देश में स्थित जन पीड़ित और वृष्टि हो । विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो तथा प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्ञा और शुक्र) की हानि हो, लक्ष्मी की प्राप्ति सौस्य धन तथा अन्न हो, तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हो, कपास, तिल, सूत महँगे हों, विप्रगण पीड़ित हों । **ज्येष्ठ** - ब्राह्मण जाति में विरोध हो, जौ, तिल, उड़द कम हों तथा अश्वपालक पीड़ित हो, तुप धान्य महँगे हो और तिलों का अभाव हो, किरात तथा यवन पीड़ित हो, रेवती नक्षत्र पर मंगल होने से सुभिक्ष हो, मनुष्यों में रोग हो और अन्न लक्ष्मी वहुत हो । **आषाढ** - आपाढ शुक्ल प्रतिपदा में पुनर्वसु नक्षत्र का ४८ घटी भोग है अतः चौमासे में ८० प्रतिशत वर्षा हो, सरसों उड़द कम हों और सब धान्य उत्पन्न हों तथा अतिवृष्टि हो, नदियों में बहुत बाढ़ आवे, कपास, तिल, सूत महँगे हों, पृथ्वी केश और अस्थिस्वण्डों से शवल (विचित्र वर्ण की) होकर कापालिक की तरह व्रत धारण करे अर्थात् पृथ्वी पर अत्यधिक मरी पड़े, तुष धान्य मँहगे हों, वायु से वर्षा हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुस्वी रहें, ग्रहपात हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, धान्य की महर्घता हो तथा रस (मधुर आदि) और धान्यों का नाश हो । मकर का शनि होने से चांदी तांवा सोना हाथी घोड़े बैल सूत कपास इन सबका मूल्य धान्य मात्र हो अर्थात् अधिक तेज हो । राजा क्रोधित रहें मार्गों में भय रहे सब रोगों का नाश हो । **श्रावण** - श्रावण की पूर्णिमा को श्रवण का अभाव होने से महर्घता हो, राजाओ में भय हो तथा शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःस्वो से प्रजा पीडित हो, कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों तथा शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःस्वो से प्रजा पीडित हो । राजाओं की युद्ध वृद्धि हो और चौपायों का नाश हो, कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो, लवण, घी, तैलादि और सब धान्य महँगे हों, कपास भी महँगी हो । **भाद्रपद** - उत्तराफाल्गुनी में बुध होने से उड़द मूंग कम उत्पन्न हों तथा प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्ञा और शुक्र) की हानि हो, लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो, वृक्षों में रोग, चौपायों में पीड़ा, कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो । **आश्विन** - पूर्वाफाल्गुनी में शुक्र होने से प्रजा में कष्ट हो तथा शवर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो, उड़द मूंग कम उत्पन्न हो तथा प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्ञा और शुक्र) की हानि हो, कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जावस्थ जन पीड़ित हों, मृगशिरा पर मंगल होने से पृथ्वी जल से पूरित हो जाय और कपास की स्वेती नष्ट हो जायँ । **कार्तिक** - हस्त नक्षत्र में बुध का विचरण होने से सुभिक्ष हो धान्य निरोग रहे तथा गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो तथा गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । **मार्गशीर्ष** - अनुराधा में शुक्र होने से अल्प वृष्टि तथा चौपायों में पीड़ा हो तथा क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो अनावृष्टि हो । ईस्व, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो तथा गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो तथा क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो । **पौष** - पौष की पूर्णिमा को पुष्य का अभाव होने से महर्घता हो । पूर्वाषाढा में वुध होने से धान्य मन्दा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों, चौपायों का नाश हो, कर्णपीड़ा हो । **माघ** - धन राशि में बुध का उदय होने से प्रजा में सुस्व का उदय हो । माघ में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, पारवण्डियों में भय उत्पन्न हो, पृथ्वी मनोहर रहे और विवाहादि मंगलों से लोग सुस्वी रहें, शीतभय चौपायों में मन मचलान गायों की हानि हो । अन्न की उत्पत्ति हो । **फाल्गुन** - पूर्वाभाद्रपद में शुक्र होने से प्रजा में सुस्वों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाव देश में स्थित जन पीड़ित हो, गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो, फल-मूल पीड़ित हो, व्यापारियों को कम लाभ हो, पृथ्वी जल से पूरित हो जाय और कपास की स्वेती नष्ट हो जायँ । पथिकों (यात्रियों) को पीड़ा हो, शूद्रों में रोगोत्पत्ति हो तथा व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । **चैत्र** - पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो, जौ, तिल, उड़द कम हों, अश्विनी में स्थित शुक्र अश्वपालकों को पीड़ित करता है, वैद्य, कवि, शौण्डिक (मद्य वेचनेवाले), स्वरीद-विक्री करने वाले और नीतिशास्त्र जानने वाले पीडित हों । उत्तरा भाद्रपद में बुध होने से राजनीति में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो ॥ आगे गो प्रजा भाग्य प्रबल है ॥

॥ संवत् २०७९, शाकः १९४४ (सन २०२२-२३) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

सन२०२२	**वैशाख कृष्णपक्षः**
२० अप्रे.	**४ बुधे मूले** रे. ७ IIIIISSSII रात्रौ लग्न १२
२१ अप्रे.	**५ गुरौ मूले** रे. ७ IIIIISSSII दिवा लग्न १, ३, रात्रौ लग्न गोधूलि(७)
	(मेषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा, मिथुने चं ७ पूज्यः, गोधुल्यां सोग्रांगः के)
२३ अप्रे.	**७ शनौ उषा.** रे. ७ SIIIISISII दिवा लग्न १, ३ (मेषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा)
सन२०२२	**वैशाख शुक्लपक्षः**
२ मई	**२ चंद्रे रोहि.** रे. ९ SIIIIIIII रात्रौ लग्न १०, ११, १
	(मकरे शु ३ दोषः; रा ४ दोषः, कुंभे सोग्रांगः मं श, मेषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा)
३ मई	**३ भौमे रोहि.** रे. ८ SIIIIISIII दिवा लग्न १, ३, ४, ६
	(मेषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा, कन्या. गु शु ७ पूज्यः)
१० मई	**९ भौमे मघा.** रे. ८ IIIISIIISI दिवा लग्न ३, ४, ६ (कन्या. गु शु ७ पूज्यः)
१५ मई	**१४ रवौ स्वातौ** रे. ८ ISIIIISIII दिवालग्न ४ (व्यतिपात ९।४२ या.भद्रा १२।४३ से)
सन२०२२	**ज्येष्ठ कृष्णपक्षः**
१८ मई	**३ बुधे मूले** रे. ९ IIIIIIIIS रात्रौ लग्न १०, ११, १
	(मकरे शु ३ दोषः; रा ४ दोषः,कुंभे सोग्रांगः श,मेषे के ७ दोषः;सोग्रांगःरा) (भद्रा २३।३९ यावत्)
१९ मई	**४ गुरौ उषा.** रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न १ (मेषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)
२० मई	**५ शुक्रे उषा.** रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न २, ४, रात्रौ लग्न गोधूलि(८), ९
	(वृषे सोग्रांगः सू, कर्के चं ७ पूज्यः)
२६ मई	**११ गुरौ रेवत्यां** रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि, ९,१० (मकरे रा ४ दोषः)
सन२०२२	**ज्येष्ठ शुक्लपक्षः**
३१ मई	**१ भौमे मृगे** रे.१० IIIIIIIIII रात्रौ लग्न १०, ११, १, २
	(मकरे चं ६ २३।२४ उपरांत; रा ४ दोषः, कुंभे शु ३ दोषः; सोग्रांगः श, मेषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, वृषे सोग्रांगः सू)
१ जून	**२ बुधे मृगे** रे.१० IIIIIIIIII दिवा लग्न २, ४ (वृषे सोग्रांगः सू)
५ जून	**६ रवौ मघा.** रे. ६ IIIISSSSII रात्रौ लग्न ११, १, २
	(कुंभे चं ६ २४।२३ यावत् तदुपरांत ७ पूज्यः; शु ३ दोषः; सोग्रांगः श, मेषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, वृषे सोग्रांगः सू)
६ जून	**६ चंद्रे मघा.** रे. ८ IIIISIISII दि.ल.२, ४, ७, रात्रौ लग्न अ.गोधूलि, ९, १०, ११
	(वृषे सोग्रांगः सू, तुला. रा ७ दोषः; शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः के, मकरे रा ४ दोषः, कुंभे शु ३ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः श)
८ जून	**८ बुधे उफा.** रे.१० IIIIIIIIII दिवा लग्न ४, ७, रात्रौ लग्न गोधूलि(८)
	(तुला. रा ७ दोषः; शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः के) (व्यतिपात २७।२३ से)
१२ जून	**१३ रवौ अनुरा.** रे. ८ IIISSIIIII रात्रौ लग्न ११, १, २
	(कुंभे शु ३ दोषः; सोग्रांगः श, मेषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, वृषे चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू)
सन२०२२	**आषाढ़ शुक्लपक्षः**
४ जुला	**५ चंद्रे मघा.** रे. ६ SIIISSISII दिवा लग्न ३ (मिथुने सोग्रांगः सू)
८ जुला	**९ शुक्रे स्वातौ** रे. ९ IIIISIIIII दिवा लग्न ६, रात्रौ लग्न गोधूलि,१०, ११, १, ३
	(कन्या. गु ७ पूज्यः, मकरे रा ४ दोषः, कुंभे सोग्रांगः श, मेषे के ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं रा, मिथुने सोग्रांगः सू)
९ जुला	**१० शनौ स्वातौ** रे. ८ IIIISSIIII दिवा लग्न ३ (मिथुने सोग्रांगः सू)
	अग्रे चतुर्मासारम्भस्तेनाऽभावः
	शुक्रास्तः (२८ सितं २०२२, स्टै. २३।५०)
	शुक्रोदयः (२६ नवं. २०२२, स्टै. १२।०८)
सन२०२२	**मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः**
८ दिसं	**१५ गुरौ मृगे** रे. ६ ISIISSISII दिवा लग्न १२, १, रात्रौ लग्न ३, ६, ७
	(मेषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, मिथुने बु शु ७ पूज्यः, कन्या. गु ७ पूज्यः, तुला. शु ३ दोषः; रा ७ दोषः; सोग्रांगः के)
सन२०२२	**पोष कृष्णपक्षः**
९ दिसं	**१ शुक्रे मृगे** रे. ६ ISIISSISII दिवा लग्न ९, १२ (धनुषि चं ७ पूज्यः)
१४ दिसं	**६ बुधे मघा.** रे. ६ SSIISISIII दिवा लग्न ९ (भद्रा २३।४५ से)
	अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः
सन२०२३	**माघ शुक्लपक्षः**
२६ जन.	**५ गुरौ रेवत्यां** रे.१० IIIIIIIIII रात्रौ लग्न ९, १०
	(धनुषि शु ३ दोषः, मकरे रा ४ दोषः; सोग्रांगः सू)
२७ जन.	**६ शुक्रे रेवत्यां** रे.१० IIIIIIIIII दिवा लग्न १०, ११, १, २, ३
	(मकरे रा ४ दोषः; सोग्रांगः सू, कुंभे सोग्रांगः श, मेषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, वृषे सोग्रांगः मं, मिथुने बु ७ पूज्यः)
३१ जन.	**१० भौमे मृगे** रे. ८ IIIIISIISI रात्रौ लग्न ७ (रा ७ दोषः;सोग्रांगःके, भद्रा २४।५८ से)
सन२०२३	**फाल्गुन कृष्णपक्षः**
६ फर.	**१ चंद्रे मघा.** रे. ७ SIIISIISII रात्रौ लग्न ७, ९, १०
	(तुला. रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, धनुषि शु ३ दोषः, मकरे रा ४ दोषः; सोग्रांगः सू)
७ फर.	**२ भौमे मघा.** रे. ६ SIIISISSII दिवा लग्न ११ (कुंभे चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः श)
८ फर.	**३ बुधे उफा.** रे. ९ IIIISIIIII रात्रौ लग्न १०
	(मकरे रा ४ दोषः; सोग्रांगः सू) (भद्रा ३०।२४ यावत्)
९ फर.	**४ गुरौ उफा.** रे. ९ IIIISIIIII दिवा लग्न ११, २, ३, रात्रौ लग्न गोधूलि(४)
	(कुंभे सोग्रांगः श, वृषे सोग्रांगः मं)
९ फर.	**४ गुरौ हस्ते** रे. ६ IIISSSISII रात्रौ लग्न ७, ९, १०
	(तुला. रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, धनुषि शु ३ दोषः, मकरे रा ४ दोषः; सोग्रांगः सू)
१० फर.	**४ शुक्रे हस्ते** रे. ६ IIISSSISII दिवा लग्न ११, २, ३, रात्रौ लग्न गोधूलि(४), ७
	(कुंभे सोग्रांगः श, वृषे सोग्रांगः मं, तुला. रा ७ दोषः; सोग्रांगः के)
१५ फर.	**९ बुधे मूले** रे. ७ ISIIISISII रात्रौ लग्न १० (मकरे शु ३ दोषः; रा ४ दोषः)

॥ संवत् २०७९, शाकः १९४४ (सन २०२२-२३) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

१६ फर.	**११ गुरौ मूले** रे. ७ ISIIISISII दिवाल. ११, १, २, ३, रात्रौ लग्न अ.गोघूलि, ६ (कुंभे सोग्रांगः सू श, मेषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा, वृषे सोग्रांगः मं, मिथुने चं ७ पूज्यः, कन्या. गु शु ७ पूज्यः)
१७ फर.	**१२ शुक्रे उषा.** रे. ८ SIIIISIIII रात्रौ लग्न ६ (कन्या. गु शु ७ पूज्यः)
सन२०२३	**फाल्गुन शुक्लपक्षः**
२२ फर.	**३ बुधे रेवत्यां** रे. ९ IIIIIIIIIS रात्रौ लग्न १० (मकरे शु ३ दोषः; रा ४ दोषः)
	अग्रे होलाष्टकः
सन२०२३	**चैत्र कृष्णपक्षः**
८ मार्च	**१ बुधें हस्ते** रे. ८ ISIIISIIII रात्रौ लग्न १०, ११ (मकरे शु ३ दोषः; रा ४ दोषः, कुंभे सोग्रांगः सू श)
	अग्रे मीनेऽर्कः

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन२०२२	**वैशाख कृष्णपक्षः**
२३ अप्रे.	**७ शनौ श्रवणे** रे. ७ SSIIIIISII रात्रौ लग्न ८, ९, १२ (धनुषि शु ३ दोषः)
२४ अप्रे.	**९ रवौ श्रवणे** रे. ७ SSIIIIISII दिवा लग्न १, ३ (मेषे के ७ दोषः; सोग्रांगः सू रा)
सन२०२२	**ज्येष्ठ कृष्णपक्षः**
२० मई	**५ शुक्रे श्रवणे** रे. ९ IIIIIIIISI रात्रौ लग्न ११, १ (कुंभे सोग्रांगः श, मेषे के ७ दोषः; सोग्रांगः रा)
२१ मई	**६ शनौ श्रवणे** रे. ९ IIIIIIIISI दिवा लग्न २, ४ (वृषे सोग्रांगः सू, कर्के चं ७ पूज्यः) (भद्रा १४।५९ से महापात स्पर्शः २२।३३)
२६ मई	**११ गुरौ अश्वि.** रे. ७ SIIIISISII रात्रौ लग्न ११, २ (कुंभे शु ३ दोषः; सोग्रांगः श, वृषे सोग्रांगः सू)
२७ मई	**१२ शुक्रे अश्वि.** रे. ७ SIIIISISII दिवा लग्न २, ४ (वृषे सोग्रांगः सू)
सन२०२२	**ज्येष्ठ शुक्लपक्षः**
९ जून	**९ गुरौ चित्रा.** रे. ७ IIIISSISII रात्रौ लग्न २ (वृषे सोग्रांगः सू)
१० जून	**१० शुक्रे चित्रा.** रे. ८ IIIISIISII दिवा लग्न ४, ७ (तुला. चं १ १६।०३ उपरांत; रा ७ दोषः; शु ७ पूज्यः; सोग्रांगः के) (भद्रा १८।३९ से)
सन२०२२	**आषाढ़ शुक्लपक्षः**
८ जुला	**९ शुक्रे चित्रा.** रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न ३ (मिथुने सोग्रांगः सू)
	अग्रे चतुर्मासांरम्भस्तेनाऽभावः
सन२०२२	**मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः**
४ दिसं	**१२ रवौ अश्वि.** रे. ९ IIIIISIIII दिवालग्न ९, १०, १२,रात्रौ लग्न अ.गोघूलि, ६, ७ (मकरे रा ४ दोषः; सोग्रांगः श, अ.गोघुल्यां मं १; सोग्रांगः मं, कन्या. शु ३ दोषः; गु ७ पूज्यः, तुला. रा ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः के)
	अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः

सन२०२३	**माघ कृष्णपक्षः**
१५ जन.	**८ रवौ चित्रा.** रे. ८ SIIIIIISII दिवा लग्न १०, १२, १, ३, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(४) (मकरे रा ४ दोषः; सोग्रांगः सू श, मेषे के ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः रा, मिथुने बु ७ पूज्यः)
सन२०२३	**माघ शुक्लपक्षः**
२२ जन.	**१ रवौ श्रवणे** रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न ७ (तुला. रा ७ दोषः; सोग्रांगः के)
२७ जन.	**६ शुक्रे अश्वि.** रे. ७ ISIIISISII रात्रौ लग्न ७, ९, १० (तुला. रा ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः के, धनुषि शु ३ दोषः, मकरे रा ४ दोषः; सोग्रांगः सू)
	अग्रे मीनेऽर्कः

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

गणितकर्ता- श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्म्मणोऽ नुग्रहीत शिष्यः

पं. ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री), ५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड, विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०००५७. दू. २६१६६७८३,

कन्या के विवाह में गुरुबल

कन्याविवाहकालं ग्रहशुद्धिं च वसन्तमालिकाछन्दसाह -

गुरुशुद्धिवशेन कन्यकानां समवर्षेषु षडशब्दकोपरिष्टात् ।
रविशुद्धिवशाच्छुभो वराणामुभयोश्चन्द्रविशुद्धितो विवाहः ॥१२॥

नारद, कश्यप, श्रीपतिनिबन्ध, पराशरादि सहित -
अत एवाह व्यासः - 'अष्टवर्षा भवेद्गौरी नववर्षा च रोहिणी ।
दशवर्षा भवेत्कन्या द्वादशे वृषली स्मृता ॥' इति ।

यदा तु कन्या कालातिक्रान्ता भवति तदा गुरुवलमनावश्यकमित्याह व्यासः -
'दशवर्षव्यतिक्रान्ता कन्या शुद्धिविवर्जिता । तस्यास्तारेन्दुलग्नानां शुद्धौ पाणिग्रहो मतः॥' इति ।

प्राचीन आचार्यों के मत से १२ वर्ष से ऊपर की कन्याओं के विवाह में समय (अवस्था) के अतिक्रमण से गुरु शुद्धि आदिक विचार आवश्यक नहीं है ।

– पीयूषधारा

॥ संवत् २०७९, शाकः १९४४, सन २०२२-२३ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

॥ उपनयन ॥

सन२०२२ — **चैत्र मासः**
११ अप्रे. शु. १० चंद्रे श्लेषा. अभिजिति

सन२०२२ — **वैशाख मासः**
५ मई शु. ०४ गुरौ आर्द्रा. अभिजिति
१३ मई शु. १२ शुक्रे हस्ते अभिजिति

सन२०२२ — **ज्येष्ठ मासः**
२० मई कृ. ०५ शुक्रे उषा. अभिजिति
१० जून शु. १० शुक्रे चित्रा. अभिजिति (भद्रा १८।३९ से)

सन२०२२ — **आषाढ़ मासः**
१६ जून कृ. ०२ गुरौ पूषा. अभिजिति
३० जून शु. ०१ गुरौ पुनर्वसौ अभिजिति
१ जुला शु. ०२ शुक्रे पुष्ये अभिजिति
२५ अक्टु सूर्य ग्रहणार्क्षः स्वातौ
८ नवं. चन्द्र ग्रहणार्क्षः भर.

सन२०२३ — **माघ मासः**
२ फर. शु. १२ गुरौ आर्द्रा. अभिजिति (वैधृति १२।०७ तक)

सन२०२३ — **फाल्गुन मासः**
१० फर. कृ. ०४ शुक्रे हस्ते अभिजिति

सन२०२३ — **चैत्र मासः**
९ मार्च कृ. ०२ गुरौ हस्ते अभिजिति

॥ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२२ — **वैशाख मासः**
१३ मई शु. १२ शुक्रे हस्ते अभिजिति

सन२०२२ — **ज्येष्ठ मासः**
१० जून शु. १० शुक्रे चित्रा. अभिजिति (भद्रा १८।३९ से)
११ जून शु. ११ शनौ स्वातौ अभिजिति (भद्रा ५।४३ तक)

सन२०२२ — **भाद्रपद मासः**
१३ अग. कृ. ०२ शनौ शते अभिजिति
२५ अक्टु सूर्य ग्रहणार्क्षः स्वातौ
८ नवं. चन्द्र ग्रहणार्क्षः भर.

सन२०२३ — **फाल्गुन मासः**
१० फर. कृ. ०४ शुक्रे हस्ते अभिजिति

सन२०२३ — **चैत्र मासः**
९ मार्च कृ. ०२ गुरौ हस्ते अभिजिति

॥ वृषचक्र-रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२२ — **ज्येष्ठ मासः**
२६ मई कृ. ११ गुरौ रेवत्यां अभिजिति
४ जून शु. ०५ शनौ पुष्ये अभिजिति (महापात स्पर्शः १८।१६)

सन२०२२ — **श्रावण मासः**
२५ जुला कृ. १२ चंद्रे मृगे अभिजिति
४ अग. शु. ०७ गुरौ चित्रा. अभिजिति

सन२०२२ — **भाद्रपद मासः**
१ सितं शु. ०५ गुरौ स्वातौ अभिजिति, ९

सन२०२३ — **माघ मासः**
२७ जन. शु. ०६ शुक्रे रेवत्यां अभिजिति

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२२ — **ज्येष्ठ मासः**
२६ मई कृ. ११ गुरौ रेवत्यां अभिजिति
१० जून शु. १० शुक्रे चित्रा. अभिजिति (भद्रा १८।३९ से)
२५ अक्टु सूर्य ग्रहणार्क्षः स्वातौ
८ नवं. चन्द्र ग्रहणार्क्षः भर.

सन२०२३ — **माघ मासः**
२७ जन. शु. ०६ शुक्रे रेवत्यां अभिजिति

॥ कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२२ — **वैशाख मासः**
२३ अप्रे. कृ. ०७ शनौ उषा. अभिजिति

सन२०२२ — **ज्येष्ठ मासः**
२० मई कृ. ०५ शुक्रे उषा. अभिजिति

सन२०२३ — **फाल्गुन मासः**
११ फर. कृ. ०५ शनौ चित्रा. अभिजिति

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२२ — **वैशाख मासः**
७ मई शु. ०६ शनौ पुष्ये अभिजिति

सन२०२२ — **ज्येष्ठ मासः**
११ जून शु. ११ शनौ स्वातौ अभिजिति (भद्रा ५।४३ तक)
२५ अक्टु सूर्य ग्रहणार्क्षः स्वातौ
८ नवं. चन्द्र ग्रहणार्क्षः भर.

॥ कुंभचक्ररहिताः जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२२ — **ज्येष्ठ मासः**
४ जून शु. ०५ शनौ पुष्ये अभिजिति (महापात स्पर्शः १८।१६)

॥ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२२ — **वैशाख मासः**
६ मई शु. ०५ शुक्रे पुनर्वसौ अभिजिति
७ मई शु. ०६ शनौ पुष्ये अभिजिति
८ मई शु. ०७ रवौ पुष्ये अभिजिति
१३ मई शु. १२ शुक्रे हस्ते अभिजिति

सन२०२२ — **ज्येष्ठ मासः**
२० मई कृ. ०५ शुक्रे उषा. अभिजिति
४ जून शु. ०५ शनौ पुष्ये अभिजिति (महापात स्पर्शः १८।१६)
१० जून शु. १० शुक्रे चित्रा. अभिजिति (भद्रा १८।३९ से)
११ जून शु. ११ शनौ स्वातौ अभिजिति (भद्रा ५।४३ तक)

सन२०२२ — **आषाढ़ मासः**
१९ जून कृ. ०६ रवौ शते अभिजिति
३० जून शु. ०१ गुरौ पुनर्वसौ अभिजिति
१ जुला शु. ०२ शुक्रे पुष्ये अभिजिति
६ जुला शु. ०७ बुधे हस्ते लग्न ९
८ जुला शु. ०९ शुक्रे स्वातौ लग्न ९

सन२०२२ — **श्रावण मासः**
१५ जुला कृ. ०२ शुक्रे श्रवणे अभिजिति
२५ अक्टु सूर्य ग्रहणार्क्षः स्वातौ

॥ संवत् २०७९, शाकः १९४४, सन २०२२-२३ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

सन२०२३	माघ मासः
२७ जन.	शु. ०६ शुक्रे रेवत्यां अभिजिति
३ फर.	शु. १३ शुक्रे पुनर्वसौ अभिजिति
सन२०२३	फाल्गुन मासः
१० फर.	कृ. ०४ शुक्रे हस्ते अभिजिति
११ फर.	कृ. ०५ शनौ चित्रा. अभिजिति
सन२०२३	चैत्र मासः
९ मार्च	कृ. ०२ गुरौ हस्ते अभिजिति
१३ मार्च	कृ. ०६ चंद्रे अनुरा. अभिजिति, ३

॥ अथ चौल (मुण्डन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२२	वैशाख मासः
४ मई	शु. ०३ बुधे मृगे लग्न २
६ मई	शु. ०५ शुक्रे पुनर्वसौ लग्न ३
सन२०२२	ज्येष्ठ मासः
१८ मई	कृ. ०३ बुधे ज्येष्ठा. लग्न २, ३
१ जून	शु. ०२ बुधे मृगे लग्न २, ३
१० जून	शु. १० शुक्रे चित्रा. लग्न ३,अभि.(भद्रा १८।३९ से)
सन२०२२	आषाढ़ मासः
३० जून	शु. ०१ गुरौ पुनर्वसौ अभिजिति
६ जुला	शु. ०७ बुधे हस्ते लग्न ९
८ जुला	शु. ०९ शुक्रे स्वातौ लग्न ९
११ जुला	शु. १२ चंद्रे ज्येष्ठा. अभिजिति, ९
सन२०२२	श्रावण मासः
१५ जुला	कृ. ०२ शुक्रे श्रवणे लग्न ४, अभिजिति, ७
सन२०२३	माघ मासः
२७ जन.	शु. ०६ शुक्रे रेवत्यां अभिजिति
३ फर.	शु. १३ शुक्रे पुनर्वसौ अभिजिति
सन२०२३	फाल्गुन मासः
१० फर.	कृ. ०४ शुक्रे हस्ते अभिजिति, २
सन२०२३	चैत्र मासः
९ मार्च	कृ. ०२ गुरौ हस्ते लग्न २, अभिजिति, ३

॥ द्विरागमन मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२२	वैशाख मासः
२१ अप्रे.	कृ. ०५ गुरौ मूले लग्न २, ३ (वृषे गु ११ शुभ; शु १० शुभ, मिथुने गु १० शुभ)
२८ अप्रे.	कृ. १३ गुरौ उभा. लग्न ६ (वैधृति १६।२३ तक)
२८ अप्रे.	कृ. १३ गुरौ रेवत्यां लग्न ७ (तुला. गु ६ शुभ)
४ मई	शु. ०३ बुधे मृगे लग्न २ (वृषे गु ११ शुभ)
६ मई	शु. ०५ शुक्रे पुनर्वसौ लग्न ३ (मिथुने गु १० शुभ; शु १० शुभ)
१२ मई	शु. ११ गुरौ उफा. लग्न २ (भद्रा ७।१८ से) (वृषे गु ११ शुभ)
१३ मई	शु. १२ शुक्रे हस्ते लग्न ७ (तुला. गु ६ शुभ)
सन२०२२	मार्गशीर्ष मासः
२८ नवं.	शु. ०५ चंद्रे श्रवणे अभिजिति
८ दिसं	शु. १५ गुरौ मृगे लग्न १२, २ (मीने शु १० शुभ, वृषे गु ११ शुभ)
सन२०२२	पोष मासः
९ दिसं	कृ. ०१ शुक्रे मृगे अभिजिति, १२ (मीने शु १० शुभ)
सन२०२३	फाल्गुन मासः
१६ फर.	कृ. ११ गुरौ मूले लग्न १२, अभिजिति, २, ३ (मीने शु १ शुभ, वृषे गु ११ शुभ, मिथुने गु १० शुभ; शु १० शुभ)
सन२०२३	चैत्र मासः
८ मार्च	कृ. ०१ बुधे उफा. लग्न १२, २, ३ (मीने शु १ शुभ, वृषे गु ११ शुभ, मिथुने गु १० शुभ; शु १० शुभ)
९ मार्च	कृ. ०२ गुरौ हस्ते लग्न १२, २, अभिजिति, ३ (मीने शु १ शुभ, वृषे गु ११ शुभ, मिथुने गु १० शुभ; शु १० शुभ)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीन-लग्नवलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः । - पीयूषधारा

वाराही (बृहत्) संहिता- वराह मिहिराचार्यजी प्रणीत। स्व. पं. बलदेव-प्रसादजी मिश्र कृत, हिन्दी टीका सहित। इस ज्योतिष के प्रधान ग्रन्थ में नवग्रह, अगस्त और सप्तऋषियों की चाल का फल, सूर्य-चन्द्र ग्रहण वा धूमकेतु के फल, ग्रहयुद्ध, ग्रहसमागम, ग्रहवर्षफल, वृष्टि सम्बन्धी अनेक विचार, दिग्दाह, भूमिकम्प, उल्कापरिवेष, इन्द्रधनुष्य, गंधर्वनगर, खञ्जनदर्शन-उत्पात, मयुरचित्रक पुष्पस्नान, भट्टलक्षण, मकान बनाने की विधि और प्रतिष्ठापन आदि १०८ विषय हैं।

विश्वकर्मप्रकाश-(शिल्पशास्त्र)- पं. मिहिरचन्द्रजी कृत, हिन्दी टीका सहित। इसमें वास्तुपुरुषोत्पत्तिपूजन, भूमिलक्षण, गृह में प्रवेशशकुन, खनन, स्वप्नविधि, भूमिफल, गृहारंभ समयशुद्धि, ध्वजादि आयफल, देवादिकों के स्थानों के निर्णय, ध्रुवादि गृहभेद, स्तम्भप्रमाणादि, शंकुशिलान्यास, प्रासाद निर्णय विषय हैं।

शम्भुहोराप्रकाश- पं. पुंजराजाचार्यजी कृत, हिन्दी टीका सहित। इसमें ग्रहों के योगों से विशेष चमत्कारिक फल तथा जातक के सदृश ग्रहषड्फलादि गणित, अंशायु, पिण्डायु, निसर्गायु आदि गणित, अष्टकवर्गदशागणित आदि ऐसे अपूर्व विषय हैं कि, जिनसे आयु का निर्णय यथार्थ रूप से होता है।

सर्वार्थचिन्तामणि- पं. महीधरजी शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित। जन्मपत्र और भावफल लिखने में विशेष लाभदायक है।

मुहूर्तचिन्तामणि- पं. महिधरजी शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित। इस ग्रन्थ में संपूर्ण शास्त्रार्थ और सब प्रकार के सूक्ष्म गणित लिखे गये हैं।

मुहूर्तप्रकाश- हिन्दी टीका सहित। स्व. पं. चतुर्थीलालजी कृत, इस ग्रन्थ में अनेक ग्रन्थों के आधार से संज्ञा १, त्याज्य २, नाना मुहूर्त ३, गोचर ४, संस्कार ५, विवाह ६, यात्रा ७, वास्तु ८ और मिश्रित ९ ये नव प्रकरण अपूर्व लिखे हैं।

मुहूर्तसंग्रहदर्पण- हिन्दी टीका सहित।

भविष्यफलभास्कर- हिन्दी टीका सहित। केरलदेशीय महामहोपाध्याय सदाशिवशास्त्रीजी की सहायता से पं. लक्ष्मीनारायणजी ज्योतिषी द्वारा निर्मित्त। इसमें प्रत्येक वर्ष का तेजी-मंदी आदि सभी भविष्यफल अनुभवसिद्ध लिखा है।

भावकुतूहल- पं. जीवनाथजी विरचित मूल और पं. महीधरजी शर्मा कृत, हिन्दी टीका सहित। इसमें संज्ञाध्याय, अरिभंग पुत्रभावविचार, राजयोग, सामुद्रिक, स्त्रीजातिकाध्याय, स्त्रियों का राजयोग, प्रत्येक ग्रहों का फल, ग्रह के गर्वितादि भावादि हैं।

|| सन् २०२२-२३, संवत् २०७९ || + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च
१	. . . .	+१५।०१	+२२।०२	+२३।०७	+१८।०४	+ ८।२१	- ३।०६	-१४।२२	-२१।४६	-२३।०२	-१७।१३	- ७।४५
२	+ ४।५१	+१५।१९	+२२।१०	+२३।०३	+१७।४८	+ ७।५९	- ३।३०	-१४।४१	-२१।५५	-२२।५७	-१६।५६	- ७।२२
३	+ ५।१४	+१५।३७	+२२।१७	+२२।५८	+१७।३३	+ ७।३७	- ३।५३	-१५।००	-२२।०४	-२२।५२	-१६।३९	- ६।५९
४	+ ५।३७	+१५।५५	+२२।२५	+२२।५३	+१७।१७	+ ७।१५	- ४।१६	-१५।१८	-२२।१२	-२२।४६	-१६।२१	- ६।३६
५	+ ६।००	+१६।१२	+२२।३१	+२२।४८	+१७।०१	+ ६।५३	- ४।३९	-१५।३७	-२२।२०	-२२।४०	-१६।०३	- ६।१३
६	+ ६।२३	+१६।२९	+२२।३८	+२२।४२	+१६।४५	+ ६।३१	- ५।०२	-१५।५५	-२२।२८	-२२।३३	-१५।४५	- ५।५०
७	+ ६।४५	+१६।४६	+२२।४४	+२२।३६	+१६।२८	+ ६।०८	- ५।२५	-१६।१३	-२२।३५	-२२।२६	-१५।२६	- ५।२७
८	+ ७।०८	+१७।०२	+२२।५०	+२२।३०	+१६।११	+ ५।४६	- ५।४८	-१६।३०	-२२।४१	-२२।१८	-१५।०८	- ५।०३
९	+ ७।३०	+१७।१८	+२२।५५	+२२।२३	+१५।५४	+ ५।२३	- ६।११	-१६।४८	-२२।४८	-२२।१०	-१४।४९	- ४।४०
१०	+ ७।५३	+१७।३४	+२३।००	+२२।१५	+१५।३७	+ ५।०१	- ६।३४	-१७।०५	-२२।५३	-२२।०१	-१४।२९	- ४।१७
११	+ ८।१५	+१७।५०	+२३।०४	+२२।०८	+१५।१९	+ ४।३८	- ६।५७	-१७।२२	-२२।५९	-२१।५२	-१४।१०	- ३।५३
१२	+ ८।३७	+१८।०५	+२३।०८	+२२।००	+१५।०२	+ ४।१५	- ७।१९	-१७।३८	-२३।०३	-२१।४३	-१३।५०	- ३।२९
१३	+ ८।५९	+१८।२०	+२३।१२	+२१।५१	+१४।४३	+ ३।५२	- ७।४२	-१७।५४	-२३।०८	-२१।३३	-१३।३०	- ३।०६
१४	+ ९।२०	+१८।३५	+२३।१५	+२१।४२	+१४।२५	+ ३।२९	- ८।०४	-१८।१०	-२३।१२	-२१।२३	-१३।१०	- २।४२
१५	+ ९।४२	+१८।४९	+२३।१८	+२१।३३	+१४।०७	+ ३।०६	- ८।२६	-१८।२६	-२३।१५	-२१।१२	-१२।५०	- २।१८
१६	+१०।०३	+१९।०३	+२३।२०	+२१।२३	+१३।४८	+ २।४३	- ८।४८	-१८।४१	-२३।१८	-२१।०१	-१२।२९	- १।५५
१७	+१०।२५	+१९।१७	+२३।२२	+२१।१४	+१३।२९	+ २।२०	- ९।१०	-१८।५६	-२३।२१	-२०।५०	-१२।०८	- १।३१
१८	+१०।४६	+१९।३१	+२३।२४	+२१।०३	+१३।१०	+ १।५७	- ९।३२	-१९।१०	-२३।२३	-२०।३८	-११।४७	- १।०७
१९	+११।०७	+१९।४४	+२३।२५	+२०।५३	+१२।५०	+ १।३४	- ९।५४	-१९।२४	-२३।२४	-२०।२५	-११।२६	- ०।४४
२०	+११।२७	+१९।५६	+२३।२६	+२०।४२	+१२।३०	+ १।१०	-१०।१६	-१९।३८	-२३।२५	-२०।१३	-११।०४	- ०।२०
२१	+११।४८	+२०।०९	+२३।२६	+२०।३०	+१२।११	+ ०।४७	-१०।३७	-१९।५२	-२३।२६	-२०।००	-१०।४३	+ ०।०४
२२	+१२।०८	+२०।२१	+२३।२६	+२०।१९	+११।५१	+ ०।२४	-१०।५९	-२०।०५	-२३।२६	-१९।४६	-१०।२१	. . . .
२३	+१२।२८	+२०।३३	+२३।२६	+२०।०७	+११।३०	+ ०।००	-११।२०	-२०।१८	-२३।२६	-१९।३३	- ९।५९	. . . .
२४	+१२।४८	+२०।४४	+२३।२५	+१९।५४	+११।१०	- ०।२३	-११।४१	-२०।३०	-२३।२५	-१९।१९	- ९।३७	. . . .
२५	+१३।०८	+२०।५५	+२३।२३	+१९।४१	+१०।४९	- ०।४६	-१२।०१	-२०।४२	-२३।२४	-१९।०४	- ९।१५	. . . .
२६	+१३।२७	+२१।०६	+२३।२२	+१९।२८	+१०।२९	- १।१०	-१२।२२	-२०।५४	-२३।२२	-१८।४९	- ८।५३	. . . .
२७	+१३।४७	+२१।१६	+२३।२०	+१९।१५	+१०।०८	- १।३३	-१२।४३	-२१।०५	-२३।२०	-१८।३४	- ८।३०	. . . .
२८	+१४।०६	+२१।२६	+२३।१७	+१९।०१	+ ९।४७	- १।५७	-१३।०३	-२१।१६	-२३।१७	-१८।१९	- ८।०८	. . . .
२९	+१४।२४	+२१।३५	+२३।१४	+१८।४७	+ ९।२५	- २।२०	-१३।२३	-२१।२६	-२३।१४	-१८।०३	. . . .	. . . .
३०	+१४।४३	+२१।४४	+२३।११	+१८।३३	+ ९।०४	- २।४३	-१३।४३	-२१।३६	-२३।११	-१७।४७	. . . .	. . . .
३१	. . . .	+२१।५३	. . . .	+१८।१९	+ ८।४३	. . . .	-१४।०२	. . . .	-२३।०७	-१७।३०	. . . .	. . . .

उत्तर (धन) दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में)
संवत् २०७९, (सन २०२२-२३)

	महापात स्पर्शः		महापात मोक्षः	
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
व्यती.	१३ अप्रे.	२६।००	१४ अप्रे.	६।२१
वैधृति	२५ अप्रे.	२६।५४	२६ अप्रे.	७।१८
व्यती.	९ मई	२०।१७	९ मई	२५।५५
वैधृति	२१ मई	२२।३३	२१ मई	२७।५८
व्यती.	४ जून	१८।१६	४ जून	२६।१५
वैधृति	१७ जून	१०।५३	१७ जून	१७।५४
व्यती.	२६ जून	१९।०५	२६ जून	२८।०२
वैधृति	१० जुला.	१८।३२	१० जुला.	२४।४२
व्यती.	२२ जुला.	२५।५३	२३ जुला.	८।२१
वैधृति	५ अग.	२१।३२	५ अग.	२६।२१
व्यती.	१७ अग.	१९।५५	१७ अग.	२४।३५
वैधृति	३१ अग.	१३।५०	३१ अग.	१८।०२
व्यती.	१२ सितं.	१४।१९	१२ सितं.	१८।१०
वैधृति	२५ सितं.	२८।४२	२६ सितं.	८।४५
व्यती.	८ अक्टू.	९।४०	८ अक्टू.	१३।२८
वैधृति	२१ अक्टू.	२१।१०	२१ अक्टू.	२५।४३
व्यती.	२ नवं.	२७।२६	३ नवं.	७।४६
वैधृति	१६ नवं.	१३।५६	१६ नवं.	१९।४९
व्यती.	२८ नवं.	२५।०७	२८ नवं.	३०।३९
वैधृति	१२ दिसं.	१४।५६	१२ दिसं.	२२।५५
व्यती.	२१ दिसं.	२६।०३	२२ दिसं.	८।४०
वैधृति	३ जन.	१२।१८	३ जन.	१९।५७
व्यती.	१७ जन.	१४।३४	१७ जन.	२०।०२
वैधृति	२९ जन.	१२।२३	२९ जन.	१७।४४
व्यती.	१२ फर.	१०।४१	१२ फर.	१५।१४
वैधृति	२३ फर.	३०।३१	२४ फर.	१०।३०
व्यती.	९ मार्च	२३।२३	९ मार्च	२७।३३
वैधृति	२१ मार्च	२७।४४	. . . .	. . . .

संवत् २०७९ शाकः १९४४ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
चै.शु. १३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.शु. १३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	चै.शु. ०४ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	चै.कृ. ०७ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. १० से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	चै.कृ. ११ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	चै.कृ. ०५ से बु द. उ. शं द. दि.३६ प्र.	बै.कृ. ०५ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	चै.कृ. ०८ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	चै.कृ. ०९ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	बै.कृ. १० से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	चै.शु. ०२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.
बै.शु. ०३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	ज्ये.शु.०४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ. ०१ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	बै.शु. ०५ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.शु.०७ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	ज्ये.कृ.११ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	बै.कृ. १२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.१२ से श द. ऊ. गु द. दि.५८ प्र.	ज्ये.कृ.०६ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	बै.कृ. ०७ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.०८ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	ज्ये.कृ.०९ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.
आ.कृ.११ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.कृ.११ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु.०६ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	श्रा.कृ.०३ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	भां.कृ.०६ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.०९ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.१२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.१२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.१३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	आ.कृ.०६ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	श्रा.कृ.०६ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.०८ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.
श्रा.कृ.०९ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ. १० से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	भा.कृ. १३ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	श्रा.शु.०८ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	भा.शु. ११ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	आ.कृ.०७ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	श्रा.शु.१० से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.शु. ११ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	भा.कृ. १२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	श्रा.कृ.१२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ. १२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	भा.कृ. ०६ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.
आ.कृ.०७ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.०७ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	आ.कृ.१२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	आ.कृ.३० से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.०२ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	आ.शु.१२ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	का.कृ.०७ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	मा.कृ. ०८ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	आ.शु.११ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	आ.कृ.१२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	का.कृ.१२ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	आ.कृ.१२ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.
का.कृ.१३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. १३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	मा.कृ. ०९ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	का.कृ.१३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.शु. ०१ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	मा.शु. ०४ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	का.शु.१३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.शु. १४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	पौ.कृ. ०८ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	का.शु.११ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.शु. १२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	मा.कृ. ११ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.
पौ.कृ. १३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.कृ. १३ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	पौ.शु. ०१ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	पौ.कृ. ११ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.कृ. १३ से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	पौ.शु. ०२ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	पौ.शु. ०५ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. ०५ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	पौ.शु. १४ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	मा.कृ. ०७ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	फा.कृ.०७ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.	पौ.शु. ११ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.
मा.शु. १२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.१२ से रा द. उ. शु द. दि.७० प्र.	फा.शु.०१ से गु द. उ. रा द. दि.४२ प्र.	मा.शु. ०३ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.शु.०६ से श द. उ. गु द. दि.५८ प्र.	फा.कृ.३० से बु द. उ. श द. दि.३६ प्र.	मा.शु. ०३ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.०४ से मं द. उ. बु द. दि.५६ प्र.	फा.शु.०६ से चं द. उ. मं द. दि.२८ प्र.	मा.शु. १३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	फा.शु.१३ से सू द. उ. चं द. दि.५० प्र.	चै.कृ. ०७ से शु द. उ. सू द. दि.२० प्र.

वसंतराजशाकुन- संस्कृत टीका तथा हिन्दी टीका सहित। शकुनशास्त्र का सर्वोत्कृष्ट ग्रन्थ। पशु-पक्षी आदि के नाना शकुनों द्वारा विना किसी उपदेश के व गणित किये बिना ही इसके पढ़ लेने मात्र से साधारण मनुष्य भी भूत-भविष्य, वर्तमान का अद्भुत वृत्तान्त जान लेता है।

रमलगुलजार- भाषा। यवनाचार्य ने अपने रचे समस्त रमलग्रन्थों का सार ग्रहण कर इसे बनाया और यह महाराज विक्रमादित्य के समय में यूनान से भारत में आया तथा अकबर बादशाह के समय बीरबल द्वारा हिन्दी में अनुवादित हुआ। इसमें १०४१ प्रश्न हैं।

हनुमानज्योतिष- (प्रश्न ग्रन्थ) हिन्दी टीका व चक्रों सहित प्रश्न कहने में अपूर्व है।

स्वप्नाध्याय- हिन्दी टीका सहित। स्वप्न का फल कहने में अपूर्व है।

परीक्षाचक्रावली - हिन्दी टीका सहित। पचास चक्र उत्तरयुक्त और चौसठ ग्रहदर्शनचक्र सोदाहरण।

संवत् २०७९, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०२२

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	शनिवार १० सितंबर (भाद्रपद शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम) "	रविवार ११ सितंबर मध्यान्ह १।१६ बजे के पहले
द्वितीया (दूज) "	रविवार ११ सितंबर मध्यान्ह १।१६ बजे के बाद
तृतीया (तीज) "	सोमवार १२ सितंबर मध्यान्ह ११।३७ बजे के बाद
चतुर्थी (चोथ) "	मंगलवार १३ सितंबर दिन १०।३८ बजे के बाद
पंचमी (पांच) "	बुधवार १४ सितंबर दिन १०।२५ बजे के बाद
षष्ठी (छठ) "	गुरुवार १५ सितंबर दिन १०।५९ बजे के बाद
सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	शनिवार १७ सितंबर मध्यान्ह २।१० बजे के पहले
अष्ठमी (आठं) "	रविवार १८ सितंबर
नवमी (नौमी) "	सोमवार १९ सितंबर
दशमी (दस) "	मंगलवार २० सितंबर
एकादशी "	बुधवार २१ सितंबर
द्वादशी (बारस) "	गुरुवार २२ सितंबर
त्रयोदशी (तेरस) "	शुक्रवार २३ सितंबर
चतुर्दशी (चौदस) "	शनिवार २४ सितंबर
अमावस्या (मावस) "	रविवार २५ सितंबर

२ अप्रेल से १६ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमा सू. सू. तारीस्व स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	श	१४	०३	१२	०१	रेव	१२	२१	११	२०	ऐ	५	०७	८	२६	व	१४	०३	१२	०१	३०/५२	६/२४	६/४४	१२	२९	२	मेषे ११।२०	११।१८।०१।१०	५९।०९
सिंधारा	२	र	१५	४३	१२	३९	अश्वि	१५	३०	१२	३५	वै	३	३२	७	४७	कौ	१५	४३	१२	३९	५६	२२	४५	१३	१	३	मेषे	११।१९।००।१९	५९।०७
गणगोर	३	सो	१८	५०	१३	५३	भर	२०	०५	१४	२३	वि	३	०५	७	३५	ग	१८	५०	१३	५३	३१/००	२१	४५	१४	२	४	वृषे २०।५६	११।१९।५९।२६	५९।०५
गद	४	मं	२३	२१	१५	४१	कृति	२६	००	१६	४४	प्री	३	४३	७	४९	वि	२३	२१	१५	४१	०४	२०	४६	१५	३	५	वृषे	११।२०।५८।३१	५९।०२
शुभ	५	बु	२९	०१	१७	५६	रोहि	३२	५९	१९	३१	आ	५	१९	८	२७	बा	२९	०१	१७	५६	०८	१९	४६	१६	४	६	वृषे	११।२१।५७।३४	५९।००
मृत्यु	६	गु	३५	२३	२०	२७	मृग	४०	३९	२२	३४	सौ	७	३५	९	२०	कौ	२	११	७	१०	१२	१८	४७	१७	५	७	मिथु. ९।०१	११।२२।५६।३४	५८।५८
पद्म	७	शु	४१	५४	२३	०३	आर्द्रा	४८	२२	२५	३८	शो	१०	०९	१०	२१	ग	८	४२	९	४६	१६	१७	४७	१८	६	८	मिथु.	११।२३।५५।३१	५८।५६
छत्र	८	श	४७	५१	२५	२४	पुन	५५	३१	२८	२८	अ	१२	३३	११	१७	वि	१५	०१	१२	१६	२०	१६	४८	१९	७	९	कर्के २१।४८	११।२४।५४।२७	५८।५३
रामनव	९	र	५२	३८	२७	१८	पुष्य	...	...	...	...	सु	१४	१९	११	५८	बा	२०	२६	१४	२५	२४	१५	४९	२०	८	१०	कर्के	११।२५।५३।२०	५८।५१
धाता	१०	सो	५५	४८	२८	३३	पुष्य	१	३१	६	५०	धृ	१५	०२	१२	१५	तै	२४	२८	१६	०१	२८	१४	४९	२१	९	११	कर्के	११।२६।५२।११	५८।४९
ए.व्र.	११	मं	५७	०९	२९	०४	श्ले	५	५४	८	३४	शू	१४	२७	११	५९	व	२६	४५	१६	५५	३२	१३	५०	२२	१०	१२	सिंहे ८।३४	११।२७।५१।००	५८।४६
ए.व्र.	१२	बु.	५६	३७	२८	५१	मघा	८	२९	९	३५	गं	१२	२६	११	१०	व	२७	०८	१७	०३	३६	१२	५०	२३	११	१३	सिंहे	११।२८।४९।४६	५८।४४
प्र.व्र.	१३	गु	५४	२१	२७	५५	पूफा	९	१६	९	५३	वृ	८	५८	९	४६	कौ	२५	४३	१६	२८	४०	११	५१	२४	१२	१४	कन्या १५।५१	११।२९।४८।३०	५८।४२
शुभ	१४	शु	५०	३४	२६	२३	उफा	८	२३	९	३१	ध्रु	४/५८	०९/०७	७/२१	४९/२५	ग	२२	३९	१५	१३	४४	१०	५१	२५	१३	१५	कन्या	०।००।४७।१२	५८।४०
पूर्णिमा	१५	श	४५	३५	२४	२३	हस्त	६	०६	८	३५	ह	५१	१२	२६	३७	वि	१८	१४	१३	२६	४८	०९	५२	२६	१४	१६	तुला. १९।५६	०।०१।४५।५२	५८।३७

केतकी अहर्गणः ४०१४ वसंतर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचकसमाप्तिः ११।२०,नवरात्रारम्भः,घटस्था., C
मत्स्योत्पत्तिः, श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, रमजान ९
भ.२६।४३ उ.,मन्वादि, अरुन्धतीव्रतं पूजनञ्च, गणगौरी पूजा, B
भ. १५।४१ या. [A वैशाख स्नानारंभः, चित्रान्नदानं भक्षणञ्च, E
कल्पादि, डोलोत्सवः, शत. शुक्रः १७।५६ [G भर. बुधः २४।०३
स्कन्द षष्ठी व्र.,कुंभे भौमः १४।४७ [E अश्वमेधयज्ञफलं, शत. D
भ.२३।०३ उ.,मेषे अश्वि.बुधः ११।३१ [F मीने पूभा.-४ गुरुः १५।२१
भ.१२।१६ या.,भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं [D भौमः १०।३०
श्री रामनवमी [B मनोरथ तृतीया व्र.,सौभाग्य शयनव्र.,शिवशक्ति पू.
मेषे कृत्ति.-१ राहुः २९।३८, तुलायां विशा.-३ केतुः २९।३८
भ.१६।५५ उ. २९।०४ या.,कामदा ११ व्र.स्मार्त, लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
कामदा ११ व्र.वैष्ण.,हरि दमनोत्सवः,बुधोदयः पश्चिमायाम् ८।५३, F
प्रदोषः,जैन महावीर जयंती,मेषे अश्वि. रविः ८।०६ (सौरः १०।५२), G
भ.२६।२३ उ., शिव पूजन विशेषः [C ध्वजारो.,आरोग्य १,विद्या १
भ. १३।२६ या., मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २४।०८।४९

पं.५२ चै.शु. ५ बु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	९	११	१०	१०	९	१	७
२२	२८	२५	२८	०६	२८	००	००
०४	५८	२३	१८	०८	२०	१८	१८
१४	४२	००	५०	४४	३३	५९	५९
५९	४५	१२४	१३	६४	५	३	३
००	१७	४४	५०	३१	०८	१०	१०
रे	ध	रे	पूभा	ध	ध	कृ	वि
२	२	३	३	४	२	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
११।१८।०८।२६	१ श	२	६।५८	८।३४	१०।३१	१२।४५	३।०५	५।२२	७।३८	९।५७	१२।१६	२।२०	४।०४	५।३२
११।१९।०७।३५	२ र	३	६।५४	८।३०	१०।२७	१२।४१	३।०१	५।१८	७।३४	९।५३	१२।१२	२।१६	४।००	५।२८
११।२०।०६।४२	३ चं	४	६।५०	८।२६	१०।२३	१२।३७	२।५७	५।१४	७।३०	९।४९	१२।०८	२।१२	३।५६	५।२४
११।२१।०५।४६	४ मं	५	६।४६	८।२२	१०।१९	१२।३३	२।५४	५।१०	७।२६	९।४५	१२।०४	२।०८	३।५२	५।२०
११।२२।०४।४८	५ बु	६	६।४२	८।१९	१०।१५	१२।३०	२।५०	५।०६	७।२२	९।४१	१२।००	२।०५	३।४८	५।१६
११।२३।०३।४८	६ गु	७	६।३८	८।१५	१०।११	१२।२६	२।४६	५।०३	७।१८	९।३७	११।५६	२।०१	३।४४	५।१२
११।२४।०२।४६	७ शु	८	६।३४	८।११	१०।०७	१२।२२	२।४२	४।५९	७।१४	९।३४	११।५२	१।५७	३।४०	५।०८
११।२५।०१।४१	८ श	९	६।३०	८।०७	१०।०३	१२।१८	२।३८	४।५५	७।१०	९।३०	११।४८	१।५३	३।३६	५।०४
११।२६।००।३४	९ र	१०	६।२७	८।०३	९।५९	१२।१४	२।३४	४।५१	७।०७	९।२६	११।४४	१।४९	३।३२	५।०१
११।२६।५९।२५	१० चं	११	६।२३	७।५९	९।५५	१२।१०	२।३०	४।४७	७।०३	९।२२	११।४०	१।४५	३।२८	४।५७
११।२७।५८।१३	११ मं	१२	६।१९	७।५५	९।५१	१२।०६	२।२६	४।४३	६।५९	९।१८	११।३६	१।४१	३।२४	४।५३
११।२८।५६।५९	१२ बु	१३	६।१५	७।५१	९।४७	१२।०२	२।२२	४।३९	६।५५	९।१४	११।३२	१।३७	३।२०	४।४९
११।२९।५५।४३	१३ गु	१४	६।११	७।४७	९।४३	११।५८	२।१८	४।३५	६।५१	९।१०	११।२८	१।३३	३।१६	४।४५
००।००।५४।२५	१४ शु	१५	६।०७	७।४३	९।३९	११।५४	२।१४	४।३१	६।४७	९।०६	११।२५	१।२९	३।१२	४।४१
००।०१।५३।०४	१५ श	१६	६।०३	७।३९	९।३५	११।५०	२।१०	४।२७	६।४३	९।०२	११।२१	१।२५	३।०८	४।३७

संक्रांति फलम्

ता. १४ अप्रेल २०२२

चैत्र शु. १३ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ८।०६ वारात् ४ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरितवंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः बुधे (स्टै.) २६।०६ से गुरौ १४।०६ तक। (दान- मेष)।

अयनांशाः २४।०८।५१

पं. १ चै.शु.१४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	०	११	१०	९	०	६
००	०५	१३	००	१५	२९	२९	२९
५४	४६	५०	२१	५६	०४	५०	५०
०२	२६	०५	५१	१७	२४	२४	२४
५८	४५	११५	१३	६६	४	३	३
४२	१९	४२	२६	०९	३१	११	११
अ	ध	भ	पूभा	श	ध	कृ	वि
१	४	१	४	३	२	१	३

१७ अप्रेल से ३० अप्रेल तक, श्री वैशाख्य कृष्णपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णोति गुर्जराः, अप्रेल २०२२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
पद्म	१	र	३९	४१	२२	००	चित्रा	२/५८	४१/२५	७/२९	१२/३६	व	४३	३४	२३	३३	वा	१२	४५	११	१४	३१/५२	६/०८	६/५३	२७	१५	१७	तुला.	०।०२।४४।२९	५८।३५	[A वृषे भानुः ७।४१
मित्र	२	सो	३३	१२	१९	२३	विशा	५३	४३	२७	३६	सि	३५	२८	२०	१८	तै	६	३१	८	४३	५६	०७	५३	२८	१६	१८	वृश्चि. २२।०५	०।०३।४३।०४	५८।३३	भ. ३०।०२ उ., पूभा. शुक्रः २२।१५
च.व्र.	३	मं	२६	२५	१६	३९	अनु	४८	४९	२५	३७	व्य	२७	०८	१६	५७	वि	२६	२५	१६	३९	३२/००	०६	५३	२९	१७	१९	वृश्चि.	०।०४।४१।३७	५८।३१	भ. १६।३९ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५७
ध्वाङ्क्ष	४	बु	१९	३५	१३	५५	ज्ये	४३	५९	२३	४०	व	१८	४६	१३	३५	वा	१९	३५	१३	५५	०४	०५	५४	३०	१८	२०	धनु. २३।४०	०।०५।४०।०८	५८।२८	मूले रे. ७ IIIIISSSII रात्रौ लग्न १२, अनुसूया जयंती, सायन A
धूम्र	५	गु	१२	५७	११	१४	मूल	३९	२६	२१	५०	प	१०	३४	१०	१७	तै	१२	५७	११	१४	०७	०४	५५	१	१९	२१	धनु.	०।०६।३८।३६	५८।२६	मूले रे. ६ IIIIISSSIS रात्रौ लग्न गोधूलि(७), भा. वैशाखारंभः
प्रवर्धमा	६	शु	६	४४	८	४४	पूषा	३५	२४	२०	१२	शि	२/५५	४२/१५	७/२८	०७/०९	व	६	४४	८	४४	११	०३	५५	२	२०	२२	मक. २५।५०	०।०७।३७।०३	५८।२४	भ. ८।४४ उ. १९।३४ या., वूढो वास्योड़ो, कृत्ति. बुधः १४।११
राक्षस	७	श	१	०४	६	२७	उषा	३२	००	१८	५०	सा	४८	२६	२५	२४	ब	१	०४	६	२७	१५	०२	५६	३	२१	२३	मक.	०।०८।३५।२७	५८।२२	[B अगस्त्यास्तः २५।४६
क्षयः	८	श	५६	०६	२८	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[C धनि.-३ शनिः २५।३७
गद	९	र	५२	०३	२६	५०	श्रव	२९	२६	१७	४७	शु	४२	१८	२२	५६	तै	२३	५९	१५	३६	१९	०१	५६	४	२२	२४	कुंभे २९।२४	०।०९।३३।४९	५८।२०	पंचक प्रारम्भः २९।२४, वृषे बुधः २२।२०
शुभ	१०	सो	४८	५७	२५	३५	धनि	२७	४७	१७	०७	शु	३६	५७	२०	४७	व	२०	२४	१४	०९	२२	००	५७	५	२३	२५	कुंभे	०।१०।३२।०९	५८।१८	भ. १४।०९ उ. २५।३५ या.
ए.व्र.	११	मं	४६	५७	२४	४६	शत	२७	०९	१६	५१	ब्र	३२	२६	१८	५७	ब	१७	५१	१३	०७	२६	५/५६	५७	६	२४	२६	कुंभे	०।११।३०।२६	५८।१६	वरुथिनि ११ व्र.
पद्म	१२	बु	४६	०३	२४	२३	पूभा	२७	३७	१७	०१	ऐ	२८	४९	१७	३०	कौ	१६	२२	१२	३१	२९	५८	५८	७	२५	२७	मीने १०।५६	०।१२।२८।४२	५८।१३	भर. रविः २३।५६ (सौरः २७।०६), मीने शुक्रः २०।२४, B
प्र.व्र.	१३	गु	४६	१९	२४	२९	उभा	२९	१२	१७	३८	वै	२६	०५	१६	२३	ग	१६	०३	१२	२३	३३	५७	५८	८	२६	२८	मीने	०।१३।२६।५५	५८।११	भ. २४।२९ उ., प्रदोषः, उभा.-१ गुरुः २१।१०, कुंभे C
श्रीवत्स	१४	शु	४७	४१	२५	०१	रेव	३१	५५	१८	४२	वि	२४	१७	१५	३९	वि	१६	५३	१२	४१	३७	५६	५९	९	२७	२९	मेषे १८।४२	०।१४।२५।०७	५८।०९	भ. १२।४१ या., पंचक समाप्तिः १८।४२, मासिकशिवरात्री व्र.
अमाव.	३०	श	५०	१३	२६	०१	अश्वि	३५	४३	२०	१३	प्री	२३	२२	१५	१६	च	१८	५०	१३	२७	४०	५५	७/००	१०	२८	३०	मेषे	०।१५।२३।१६	५८।०७	देवपितृकार्येऽमा., उभा. शुक्रः १९।०३

अयनांशाः २४।०८।५२ || दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

पं. २ वै.कृ. ६ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	०	११	१०	९	०	६
०७	११	२६	०१	२३	२९	२९	२९
४४	०३	०९	५४	४२	३४	२८	२८
१५	४१	३१	४३	२२	२७	०९	०९
५८	४५	८९	१३	६७	३	३	३
२९	१९	५५	०१	०८	५९	१०	१०
अ	श	भ	पूभा	पूभा	घ	कृ	वि
३	२	४	४	२	२	१	३

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।०२।५१।४१	१ र	१७	५।५९	७।३५	९।३१	११।४६	२।०६	४।२३	६।३९	८।५८	११।१७	१।२१	३।०४	४।३३
००।०३।५०।१६	२ चं	१८	५।५५	७।३१	९।२७	११।४२	२।०२	४।१९	६।३५	८।५४	११।१३	१।१७	३।००	४।२९
००।०४।४८।४८	३ मं	१९	५।५१	७।२७	९।२४	११।३८	१।५८	४।१५	६।३१	८।५०	११।०९	१।१३	२।५७	४।२५
००।०५।४७।१९	४ बु	२०	५।४७	७।२३	९।२०	११।३४	१।५४	४।११	६।२७	८।४६	११।०५	१।०९	२।५३	४।२१
००।०६।४५।४७	५ गु	२१	५।४३	७।१९	९।१६	११।३०	१।५१	४।०७	६।२३	८।४२	११।०१	१।०५	२।४९	४।१७
००।०७।४४।१३	६ शु	२२	५।३९	७।१५	९।१२	११।२७	१।४७	४।०३	६।१९	८।३८	१०।५७	१।०१	२।४५	४।१३
००।०८।४२।३७	७ श	२३	५।३५	७।१२	९।०८	११।२३	१।४३	३।५९	६।१५	८।३४	१०।५३	१२।५८	२।४१	४।०९
००।०९।४०।५८	९ र	२४	५।३१	७।०८	९।०४	११।१९	१।३९	३।५६	६।११	८।३०	१०।४९	१२।५४	२।३७	४।०५
००।१०।३९।१८	१० चं	२५	५।२७	७।०४	९।००	११।१५	१।३५	३।५२	६।०७	८।२७	१०।४५	१२।५०	२।३३	४।०१
००।११।३७।३५	११ मं	२६	५।२४	७।००	८।५६	११।११	१।३१	३।४८	६।०३	८।२३	१०।४१	१२।४६	२।२९	३।५७
००।१२।३५।५१	१२ बु	२७	५।२०	६।५६	८।५२	११।०७	१।२७	३।४४	६।००	८।१९	१०।३७	१२।४२	२।२५	३।५४
००।१३।३४।०४	१३ गु	२८	५।१६	६।५२	८।४८	११।०३	१।२३	३।४०	५।५६	८।१५	१०।३३	१२।३८	२।२१	३।५०
००।१४।३२।१५	१४ शु	२९	५।१२	६।४८	८।४४	१०।५९	१।१९	३।३६	५।५२	८।११	१०।२९	१२।३४	२।१७	३।४६
००।१५।३०।२४	३० श	३०	५।०८	६।४४	८।४०	१०।५५	१।१५	३।३२	५।४८	८।०७	१०।२५	१२।३०	२।१३	३।४२

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं तथा वर्षा के गर्भ को बिगाड़ते हैं ॥ एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः ॥ इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो । कृ. चतुर्दशी को शुक्रवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो । अमावस्या अश्विनी योग सुभिक्ष और सुखद है । अमावस को अश्विनी होने से महर्ध-समर्ध मध्यम हो । शुक्ला ३ को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो तथा मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष हो । शुक्ला पंचमी को शुक्रवार होने से कलह हो । शुक्ला नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर बहुत कष्ट हो । पूर्णिमा विशाखा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो । शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव, तेज हो और रोगों की अधिकता हो ।

अयनांशाः २४।०८।५३

पं. ३ वै.कृ.१४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	१	११	११	१०	०	६
१४	१६	०५	०३	०१	००	२९	२९
३२	२०	०२	२४	३४	००	०५	०५
५७	४४	५२	३८	४९	३८	५५	५५
५८	४५	५७	१२	६७	३	३	३
१६	१६	१२	३४	५७	२४	१०	१०
भ	श	कृ	उभा	पूभा	ध	कृ	वि
१	३	३	१	४	३	१	३

१२ शु

१ मई से १६ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४,

																						दिमा सू. सू. तारीख						स्टै.	प्रातः	दैनिक	केतकी अहर्गणः ४०४३ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई २०२२
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
काल	१	र	५३	४९	२७	२६	भर	४०	३५	२२	०९	आ	२३	१८	१५	१४	किं	२१	५४	१४	४०	३२/४४	५/५५	७/००	११	२९	१	वृषे २८।४१	०।१६।२१।२३	५८।०५	मई ५ ता. ३१ [C शिवाजी जयंती
सुस्थिर	२	सो	५८	२५	२९	१६	कृति	४६	२७	२४	२९	सौ	२४	०३	१५	३१	वा	२६	००	१६	१८	४७	५४	०१	१२	३०	२	वृषे	०।१७।१९।२८	५८।०३	रोहि. रे. ९ ऽ।।।।।।।।। रात्रौ लग्न ११, चंद्रदर्शनम् (मु.३०), C
अक्षया	३	मं	...	...	...	...	रोहि	५३	१२	२७	१०	शो	२५	३२	१६	०६	तै	३१	०५	१८	१९	५१	५३	०१	१३	१	३	वृषे	०।१८।१७।३१	५८।०१	युगादि, कल्पादि, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया, A
अमृत	३	बु	३	५७	७	२७	मृग	...	...	...	...	अ	२७	३८	१६	५५	ग	३	५७	७	२७	५४	५२	०२	१४	२	४	मिथु. १६।३७	०।१९।१५।३२	५७।५९	भ. २०।३९ उ. [A सव्याल १०, पूभा. भौमः २६।१२
मृत्यु	४	गु	१०	०६	९	५४	मृग	०	३८	६	०७	सु	३०	०८	१७	५५	वि	१०	०६	९	५४	५७	५२	०२	१५	३	५	मिथु.	०।२०।१३।३२	५७।५७	भ. ९।५४ या.
पद्म	५	शु	१६	३१	१२	२७	आर्द्रा	८	२२	९	१२	धृ	३२	४४	१८	५७	वा	१६	३१	१२	२७	३३/०९	५१	०३	१६	४	६	कर्क २९।२८	०।२१।११।२९	५७।५५	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती, रोहि. बुधः १०।३०
छत्र	६	श	२२	४०	१४	५४	पुन	१५	५५	१२	१२	शू	३५	०२	११	५१	तै	२२	४०	१४	५४	०४	५०	०४	१७	५	७	कर्के	०।२२।०९।२४	५७।५३	श्री रामानुज जयंती, टैगोर जयन्ती
श्रीवत्स	७	र	२७	५८	१७	०१	पुष्य	२२	४४	१४	५५	गं	३६	३८	२०	२९	व	२७	५८	१७	०१	०७	४९	०४	१८	६	८	कर्के	०।२३।०७।१७	५७।५१	भ. १७।०१ उ., गंगोत्पत्ति
सौम्य	८	सो	३१	५६	१८	३५	श्ले	२८	१६	१७	०७	वृ	३७	०८	२०	४०	वि	०	१०	५	५३	१०	४९	०५	१९	७	९	सिंहे १७।०७	०।२४।०५।०९	५७।५०	भ. ५।५३ या. [E सौरः ९।१३, उभा.-२ गुरुः १३।१५
काल	९	मं	३४	०८	१९	२७	मघा	३२	०८	१८	३९	ध्रु	३६	१६	२०	१९	वा	३	१६	७	०७	१३	४८	०५	२०	८	१०	सिंहे	०।२५।०२।५८	५७।४८	सीता ९, वक्री बुधः २७।३७
सुस्थिर	१०	बु	३४	२३	१९	३३	पूफा	३४	०७	१९	२६	व्या	३३	५३	१९	२१	तै	४	३१	७	३६	१६	४७	०६	२१	९	११	कन्या २५।३१	०।२६।००।४६	५७।४६	कृत्ति. रविः १८।०७ (सौरः २२।०५)
ए.व्र.	११	गु	३२	४०	१८	५१	उफा	३४	१०	१९	२७	ह	२९	५६	१७	४५	व	३	४७	७	१८	१९	४७	०६	२२	१०	१२	कन्या	०।२६।५८।३२	५७।४४	भ. ७।१८ उ. १८।५१ या., मोहिनी ११ व्र., रेव. शुक्रः १०।४४
प्र.व्र.	१२	शु	२९	०७	१७	२५	हस्त	३२	२४	१८	४४	व	२४	३१	१५	३५	व	१	०७	६	१३	२२	४६	०७	२३	११	१३	कन्या	०।२७।५६।१६	५७।४२	प्रदोषः [D बुधास्तः पश्चिमायाम् ७।१३
काण	१३	श	२३	५६	१५	२०	चित्रा	२९	०२	१७	२२	सि	१७	४५	१२	५१	तै	२३	५६	१५	२०	२५	४६	०८	२४	१२	१४	तुला. ६।०७	०।२८।५३।५९	५७।४१	नृसिंह १४, वृषे रविः २८।५९, (व) कृत्ति. बुधः २५।४४, D
लुम्बक	१४	र	१७	२५	१२	४३	स्वा	२४	२२	१५	३०	व्य	९	५२	९	४२	व	१७	२५	१२	४३	२८	४५	०८	२५	१३	१५	तुला.	०।२९।५१।३९	५७।३९	भ. १२।४३ उ. २३।१५ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतं, वृषे E
पूर्णिमा	१५	सो	९	५४	९	४२	विशा	१८	४४	१३	१४	व	९/५१	०६/४४	६/२६	११/२६	व	९	५४	९	४२	३१	४४	०९	२६	१४	१६	वृश्चि. ७।५०	१।००।४९।१८	५७।३७	पूर्णिमा पुण्यं, वैशाखस्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदानं

अयनांशाः २४।०८।५४

पं. ४ वै.शु. ५ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	१	११	११	१०	०	६
२१	२१	०९	०४	०९	००	२८	२८
२०	३७	५५	५१	३२	२२	४३	४३
११	१९	५८	०७	३५	४१	४०	४०
५८	४५	२०	१२	६८	२	३	३
०४	१०	४७	०२	३८	४८	१०	१०
भ	पूभा	कृ	उभा	उभा	ध	कृ	वि
३	१	४	१	२	३	१	३

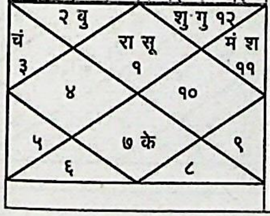

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।१६।२८।३१	१ र	१	५।०४	६।४०	८।३६	१०।५१	१।११	३।२८	५।४४	८।०३	१०।२१	१२।२६	२।०९	३।३८
००।१७।२६।३५	२ चं	२	५।००	६।३६	८।३२	१०।४७	१।०७	३।२४	५।४०	७।५९	१०।१८	१२।२२	२।०५	३।३४
००।१८।२४।३८	३ मं	३	४।५६	६।३२	८।२८	१०।४३	१।०३	३।२०	५।३६	७।५५	१०।१४	१२।१८	२।०१	३।३०
००।१९।२२।३९	३ बु	४	४।५२	६।२८	८।२४	१०।३९	१२।५९	३।१६	५।३२	७।५१	१०।१०	१२।१४	१।५७	३।२६
००।२०।२०।३८	४ गु	५	४।४८	६।२४	८।२०	१०।३५	१२।५५	३।१२	५।२८	७।४७	१०।०६	१२।१०	१।५४	३।२२
००।२१।१८।३५	५ शु	६	४।४४	६।२०	८।१७	१०।३१	१२।५१	३।०८	५।२४	७।४३	१०।०२	१२।०६	१।५०	३।१८
००।२२।१६।३०	६ श	७	४।४०	६।१६	८।१३	१०।२७	१२।४७	३।०४	५।२०	७।३९	९।५८	१२।०२	१।४६	३।१४
००।२३।१४।२३	७ र	८	४।३६	६।१२	८।०९	१०।२३	१२।४४	३।००	५।१६	७।३५	९।५४	११।५८	१।४२	३।१०
००।२४।१२।१४	८ चं	९	४।३२	६।०८	८।०५	१०।२०	१२।४०	२।५६	५।१२	७।३१	९।५०	११।५४	१।३८	३।०६
००।२५।१०।०३	९ मं	१०	४।२८	६।०५	८।०१	१०।१६	१२।३६	२।५२	५।०८	७।२७	९।४६	११।५१	१।३४	३।०२
००।२६।०७।५१	१० बु	११	४।२४	६।०१	७।५७	१०।१२	१२।३२	२।४९	५।०४	७।२४	९।४२	११।४७	१।३०	२।५८
००।२७।०५।३७	११ गु	१२	४।२०	५।५७	७।५३	१०।०८	१२।२८	२।४५	५।००	७।२०	९।३८	११।४३	१।२६	२।५४
००।२८।०३।२०	१२ शु	१३	४।१७	५।५३	७।४९	१०।०४	१२।२४	२।४१	४।५७	७।१६	९।३४	११।३९	१।२२	२।५१
००।२९।०१।०२	१३ श	१४	४।१३	५।४९	७।४५	१०।००	१२।२०	२।३७	४।५३	७।१२	९।३०	११।३५	१।१८	२।४७
००।२९।५८।४३	१४ र	१५	४।०९	५।४५	७।४१	९।५६	१२।१६	२।३३	४।४९	७।०८	९।२६	११।३१	१।१४	२।४३
०१।००।५६।२१	१५ चं	१६	४।०५	५।४१	७।३७	९।५२	१२।१२	२।२९	४।४५	७।०४	९।२२	११।२७	१।१०	२।३९

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २०२२

वैशा. शु. १३ शनौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।५९ वारात् ३ नक्षत्रात् ५ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २२।३५ से २८।५९ तक । (दान- गौ) ।

अयनांशाः २४।०८।५५

पं. ५ वै.शु.१२ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१०	१	११	११	१०	०	६
२८	२६	१०	०६	१७	००	२८	२८
०६	५३	३०	१३	३४	४०	२१	२१
०५	०६	३७	४१	५१	२३	२५	२५
५७	४५	१४	११	६९	२	३	३
५३	०२	४९	२७	१३	१०	११	११
कृ	पूभा	रो	उभा	रे	ध	कृ	वि
१	३	१व	१	१	३	१	३

१७ मई से ३० मई तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति गुर्जराः, मई २०२२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
वज्र	१	मं	१	४४	६	२५	अनु	१२	३०	१०	४४	शि	४२	०४	२२	३४	कौ	१	४४	६	२५	३३	५	७	२७	१५	१७	वृश्चि.	१।०१।४६।५५	५७।३६	नारद जयंती, वीणादानं, मीने भौमः ९।२६
क्षयः	२	मं	५३	१३	२७	०१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३४	४४	०९	०	०	०	०	०	०	[A मरुस्थले, सोमवती अमा., भाऊका ३०
ध्वाङ्क्ष	३	बु	४४	४९	२३	३९	ज्ये	६/५९	०३/४२	८/२९	०८/३६	सि	३२	२४	१८	४१	व	१९	००	१३	१९	३६	४३	१०	२८	१६	१८	धनु. ८।०८	१।०२।४४।३१	५७।३४	भ. १३।१९ उ. २३।३९ या., मूले रे. ९ IIIIIIIIS रात्रौ लग्न ११
च.व्र.	४	गु	३६	४८	२०	२६	पूषा	५३	५३	२७	१६	सा	२२	५९	१४	५५	ब	१०	४४	१०	००	३९	४३	११	२९	१७	१९	धनु.	१।०३।४२।०५	५७।३२	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २३।०३
आनन्द	५	शु	२९	३०	१७	३०	उषा	४८	५४	२५	१६	शु	१४	०७	११	२१	कौ	३	०२	६	५५	४२	४२	११	३०	१८	२०	मक. ८।४४	१।०४।३९।३७	५७।३१	उषा. रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न गोधूलि(८), ९
सुस्थिर	६	श	२३	१२	१४	५९	श्रव	४५	०२	२३	४३	शु	६/५८	०२/५४	८/२९	०७/१६	व	२३	१२	१४	५९	४४	४२	१२	३१	१९	२१	मक.	१।०५।३७।०७	५७।२९	भ. १४।५९ उ. २५।५४ या., सायन मिथुने भानुः ६।४६, C
मातङ्ग	७	र	१८	११	१२	५८	धनि	४२	३१	२२	४२	ऐ	५२	५६	२६	५२	ब	१८	११	१२	५८	४७	४२	१२	१	२०	२२	कुंभे ११।०८	१।०६।३४।३७	५७।२८	पंचक प्रारम्भः ११।०८, भा. ज्येष्ठारंभः
अमृत	८	सो	१४	३६	११	३२	शत	४१	२८	२२	१७	वै.	४८	११	२४	५८	कौ	१४	३६	११	३२	४९	४१	१३	२	२१	२३	कुंभे	१।०७।३२।०४	५७।२६	मेषे अश्वि. शुक्रः २२।४२
काण	९	मं	१२	३४	१०	४२	पूभा	४१	५९	२२	२८	वि	४४	४२	२३	३४	ग	१२	३४	१०	४२	५१	४१	१३	३	२२	२४	मीने १६।२२	१।०८।२९।३०	५७।२५	भ. २२।३२ उ. [C उभा. भौमः २०।२२
लुम्बक	१०	बु	१२	०६	१०	३१	उभा	४४	००	२३	१६	प्री	४२	२६	२२	३९	वि	१२	०६	१०	३१	५४	४०	१४	४	२३	२५	मीने	१।०९।२६।५५	५७।२३	भ. १०।३१ या., रोहि. रविः १४।२१ (सौरः १९।३०)
ए.व्र.	११	गु	१३	०६	१०	५५	रेव	४७	२३	२४	३७	आ	४१	१७	२२	११	बा	१३	०६	१०	५५	५६	४०	१४	५	२४	२६	मेषे २४।३७	१।१०।२४।१८	५७।२२	रेवत्यां रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८), ९, पंचक B
प्र.व्र.	१२	शु	१५	२७	११	५०	अश्वि	५१	५८	२६	२७	सौ	४१	०६	२२	०६	तै	१५	२७	११	५०	५८	४०	१५	६	२५	२७	मेषे	१।११।२१।४०	५७।२०	प्रदोषः [B समाप्तिः २४।३७, अपरा ११ व्र.
ध्वाङ्क्ष	१३	श	१८	५५	१३	१४	भर	५७	३१	२८	४०	शो	४१	४३	२२	२०	व	१८	५५	१३	१४	३४/००	३९	१५	७	२६	२८	मेषे	१।१२।१९।००	५७।१९	भ. १३।१४ उ. २६।०३ या., मासिकशिवरात्री व्र.
धूम्र	१४	र	२३	१८	१४	५८	कृति	...	...	...	...	अ	४२	५९	२२	५१	श	२३	१८	१४	५८	०२	३९	१६	८	२७	२९	वृषे ११।१६	१।१३।१६।१९	५७।१८	वट सावित्री व्र. (मरु.)
अमाव.	३०	सो	२८	२४	१७	०१	कृति	३	५१	७	११	सु	४४	४६	२३	३३	ना	२८	२४	१७	०१	०४	३९	१६	९	२८	३०	वृषे	१।१४।१३।३७	५७।१६	शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् A

अयनांशाः २४।०८।५६

पं. ६ ज्ये.कृ. ५ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	१	११	११	१०	०	६
०४	०२	०७	०७	२५	००	२७	२७
५०	०७	३५	३१	४१	५३	५९	५९
४६	४५	१८	५०	००	३१	११	११
५७	४४	३३	१०	६९	१	३	३
४३	५०	५४	४७	४४	३०	११	११
कृ	पूभा	कृ	उभा	रे	ध	कृ	वि
३	४	४व	२	३	३	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।०१।५३।५८	१ मं	१७	४।०१	५।३७	७।३३	९।४८	१२।०८	२।२५	४।४१	७।००	९।१८	११।२३	१।०६	२।३५
०१।०२।५१।३४	३ बु	१८	३।५७	५।३३	७।२९	९।४४	१२।०४	२।२१	४।३७	६।५६	९।१४	११।१९	१।०२	२।३१
०१।०३।४९।०७	४ गु	१९	३।५३	५।२९	७।२५	९।४०	१२।००	२।१७	४।३३	६।५२	९।११	११।१५	१२।५८	२।२७
०१।०४।४६।३९	५ शु	२०	३।४९	५।२५	७।२१	९।३६	११।५६	२।१३	४।२९	६।४८	९।०७	११।११	१२।५४	२।२३
०१।०५।४४।१०	६ श	२१	३।४५	५।२१	७।१७	९।३२	११।५२	२।०९	४।२५	६।४४	९।०३	११।०७	१२।५०	२।१९
०१।०६।४१।३८	७ र	२२	३।४१	५।१७	७।१४	९।२८	११।४८	२।०५	४।२१	६।४०	८।५९	११।०३	१२।४७	२।१५
०१।०७।३९।०६	८ चं	२३	३।३७	५।१३	७।१०	९।२४	११।४४	२।०१	४।१७	६।३६	८।५५	१०।५९	१२।४३	२।११
०१।०८।३६।३२	९ मं	२४	३।३३	५।०९	७।०६	९।२०	११।४०	१।५७	४।१३	६।३२	८।५१	१०।५५	१२।३९	२।०७
०१।०९।३३।५६	१० बु	२५	३।२९	५।०५	७।०२	९।१६	११।३७	१।५३	४।०९	६।२८	८।४७	१०।५१	१२।३५	२।०३
०१।१०।३१।१९	११ गु	२६	३।२५	५।०२	६।५८	९।१३	११।३३	१।४९	४।०५	६।२४	८।४३	१०।४७	१२।३१	१।५९
०१।११।२८।४०	१२ शु	२७	३।२१	४।५८	६।५४	९।०९	११।२९	१।४६	४।०१	६।२०	८।३९	१०।४४	१२।२७	१।५५
०१।१२।२६।००	१३ श	२८	३।१७	४।५४	६।५०	९।०५	११।२५	१।४२	३।५७	६।१७	८।३५	१०।४०	१२।२३	१।५१
०१।१३।२३।१९	१४ र	२९	३।१३	४।५०	६।४६	९।०१	११।२१	१।३८	३।५३	६।१३	८।३१	१०।३६	१२।१९	१।४७
०१।१४।२०।३७	३० चं	३०	३।१०	४।४६	६।४२	८।५७	११।१७	१।३४	३।५०	६।०९	८।२७	१०।३२	१२।१५	१।४४

मास फलम्

इस माह मे पांच मंगलवार होने से किसी वड़े व्यक्ति का अभाव हो। ज्येष्ठ कृष्णा प्रतिपदा को मंगलवार होने से उदंगल करे। कृष्णा एकादशी में रेवती होने से खण्ड वृष्टि हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रवल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा में सुख हो तथा कृतिका योग से सुभिक्ष और सुखद हो। सुदी तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे। पूर्णिमा ज्येष्ठा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा मंगलवार और ज्येष्ठा युक्त होने से व्याधि की वृद्धि हो। उत्तराभाद्रपद पर मंगल होने से दुर्भिक्ष हो वर्षा तथा अन्न का अभाव हो। अश्विनी में शुक्र होने से ब्रांह्मण जाति में विरोध हो।

अयनांशाः २४।०८।५७

पं. ७ ज्ये.कृ.१२ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	१	११	०	१०	०	६
११	०७	०३	०८	०३	०१	२७	२७
३४	२०	४५	४५	५०	०१	३६	३६
२२	५६	५६	०५	३२	५८	५५	५५
५७	४४	२६	१०	७०	०	३	३
३५	३६	३१	०२	११	४९	११	११
रो	उभा	कृ	उभा	अ	ध	कृ	वि
१	२	३व	२	२	३	१	३

३१ मई से १४ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः ४०७३ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई-जून २०२२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मातङ्ग	१	मं	३४	०४	१९	१६	रोहि	१०	४६	९	५७	धृ	४६	५८	२४	२६	किं	१	१०	६	०७	३४/०६	५/३९	७/१७	१०	२९	३१	मिथु. २३।२४	१।१५।१०।५३	५७।१५	मृगे रे.१० ।।।।।।।।।। रात्रौ लग्न २, चंद्रदर्शनम् (मु.३०), A
अमृत	२	बु	४०	०८	२१	४२	मृग	१८	०८	१२	५४	शू	४९	२६	२५	२५	वा	७	०५	८	२८	०७	३९	१७	११	१	१	मिथु.	१।१६।०८।०९	५७।१४	जून ६ ता.३०, जिल्काद ११ [A माऊका-करिदिन, करिदिनं, E
काण	३	गु	४६	२२	२४	११	आर्द्रा	२५	४५	१५	५६	गं	५२	००	२६	२६	तै	१३	१५	१०	५६	०९	३८	१८	१२	२	२	मिथु.	१।१७।०५।२३	५७।१३	रंभा व्रतं, प्रताप जयंती [E श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा.
लुम्बक	४	शु	५२	२८	२६	३८	पुन	३३	२०	१८	५८	वृ	५४	२७	२७	२५	व	१९	२८	१३	२५	११	३८	१८	१३	३	३	कर्के १२।१३	१।१८।०२।३५	५७।१२	भ. १३।२५ उ. २६।३८ या., बुधोदयः पूर्वस्याम् २१।२५, F
मित्र	५	श	५८	०२	२८	५१	पुष्य	४०	३१	२१	५०	ध्रु	५६	२९	२८	१४	व	२५	२१	१५	४६	१२	३८	१९	१४	४	४	कर्के	१।१८।५९।४७	५७।११	मार्गी बुधः ९।५३, भर. शुक्रः ७।४७
वज्र	६	र	...	...	...	...	श्ले	४६	५२	२४	२३	व्या	५७	४६	२८	४४	कौ	३०	२९	१७	५०	१४	३८	१९	१५	५	५	सिंहे २४।२३	१।१९।५६।५८	५७।०९	मघा. रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।। रात्रौ लग्न २, वक्री शनिः १३।२०
ध्वाङ्क्ष	६	सो	२	३७	६	४१	मघा	५१	५८	२६	२५	ह	५८	००	२८	५०	तै	२	३७	६	४१	१५	३८	२०	१६	६	६	सिंहे	१।२०।५४।०७	५७।०८	मघा. रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८), ९
धूम्र	७	मं	५	४८	७	५७	पूफा	५५	२८	२७	४९	व	५६	५६	२८	२४	व	५	४८	७	५७	१६	३८	२०	१७	७	७	सिंहे	१।२१।५१।१६	५७।०७	भ. ७।५७ उ. २०।२० या. [C साध्य व्र.,कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः
प्रवर्धमा	८	बु	७	१६	८	३२	उफा	५७	०८	२८	२९	सि	५४	२३	२७	२३	व	७	१६	८	३२	१७	३८	२१	१८	८	८	कन्या १०।०३	१।२२।४८।२३	५७।०६	उफा. रे.१० ।।।।।।।।।। रात्रौ लग्न गोधूलि(८),दुर्गाष्टमी, धूमावती B
राक्षस	९	गु	६	५०	८	२२	हस्त	५६	५४	२८	२३	व्य	५०	१८	२५	४५	कौ	६	५०	८	२२	१९	३८	२१	१९	९	९	कन्या	१।२३।४५।२९	५७।०६	[B जयंती,मृगे रविः १२।१५ (सौरः १८।५५),रेव. भौमः २०।१४
गंगा	१०	शु	४	२८	७	२५	चित्रा	५४	४८	२७	३३	व	४४	४१	२३	३०	ग	४	२८	७	२५	२०	३८	२१	२०	१०	१०	तुला. १६।०३	१।२४।४२।३५	५७।०५	भ. १८।३९ उ., गंगा दशहरा व्र.
ए.व्र.	११	श	०	१४	५	४३	स्वा	५०	५९	२६	०१	प	३७	३८	२०	४१	वि	०	१४	५	४३	२१	३८	२२	२१	११	११	तुला.	१।२५।३९।४०	५७।०४	भ. ५।४३ या., निर्जला ११ व्र. [D व्रतारंभः
क्षयः	१२	श	५४	२०	२७	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[F उभा.-३ गुरुः २४।१५
प्र.व्र.	१३	र	४६	५९	२४	२५	विशा	४५	४४	२३	५५	शि	२९	२०	१७	२१	कौ	२०	४९	१३	५७	२१	३८	२२	२२	१२	१२	वृश्चि. १८।३०	१।२६।३६।४३	५७।०३	अनुरा. रे. ८ ।।।ऽऽ।।।।। रात्रौ लग्न २, प्रदोषः, वट सावित्री D
मानस	१४	सो	३८	३३	२१	०३	अनु	३९	२१	२१	२२	सि	२०	०१	१३	३८	ग	१२	५३	१०	४७	२२	३८	२३	२३	१३	१३	वृश्चि.	१।२७।३३।४६	५७।०२	भ. २१।०३ उ., भर.-४ राहुः २७।२१, विशा.-२ केतुः २७।२१
पूर्णिमा	१५	मं	२९	२२	१७	२२	ज्ये	३२	१४	१८	३२	सा	५९/९	३६/५१	२९/९	३७/२६	वि	४	०१	७	१४	२३	३८	२३	२४	१४	१४	धनु. १८।३२	१।२८।३०।४८	५७।०१	भ. ७।१४ या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द C

अयनांशाः २४।०८।५८

पं. ८ ज्ये.शु. ४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	१	११	०	१०	०	६
१८	१२	०१	०९	१२	०१	२७	२७
१७	३२	५१	५२	०३	०५	१४	१४
०२	१४	००	५२	०४	३८	४०	४०
५७	४४	०	९	७०	०	३	३
२७	१८	४७	१२	३५	०८	११	११
रो	उभा	कृ	उभा	अ	ध	कृ	वि
३	३	२व	२	४	३	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मई	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।१५।१७।५३	१ मं	३१	३।०६	४।४२	६।३८	८।५३	११।१३	१।३०	३।४६	६।०५	८।२३	१०।२८	१२।११	१।४०
०१।१६।१५।०८	२ बु	१	३।०२	४।३८	६।३४	८।४९	११।०९	१।२६	३।४२	६।०१	८।१९	१०।२४	१२।०७	१।३६
०१।१७।१२।२२	३ गु	२	२।५८	४।३४	६।३०	८।४५	११।०५	१।२२	३।३८	५।५७	८।१५	१०।२०	१२।०३	१।३२
०१।१८।०९।३४	४ शु	३	२।५४	४।३०	६।२६	८।४१	११।०१	१।१८	३।३४	५।५३	८।११	१०।१६	११।५९	१।२८
०१।१९।०६।४६	५ श	४	२।५०	४।२६	६।२२	८।३७	१०।५७	१।१४	३।३०	५।४९	८।०७	१०।१२	११।५५	१।२४
०१।२०।०३।५६	६ र	५	२।४६	४।२२	६।१८	८।३३	१०।५३	१।१०	३।२६	५।४५	८।०४	१०।०८	११।५१	१।२०
०१।२१।०१।०५	६ चं	६	२।४२	४।१८	६।१४	८।२९	१०।४९	१।०६	३।२२	५।४१	८।००	१०।०४	११।४७	१।१६
०१।२१।५८।१४	७ मं	७	२।३८	४।१४	६।१०	८।२५	१०।४५	१।०२	३।१८	५।३७	७।५६	१०।००	११।४३	१।१२
०१।२२।५५।२१	८ बु	८	२।३४	४।१०	६।०६	८।२१	१०।४१	१२।५८	३।१४	५।३३	७।५२	९।५६	११।३९	१।०८
०१।२३।५२।२७	९ गु	९	२।३०	४।०६	६।०३	८।१७	१०।३७	१२।५४	३।१०	५।२९	७।४८	९।५२	११।३६	१।०४
०१।२४।४९।३२	१० शु	१०	२।२६	४।०२	५।५९	८।१३	१०।३३	१२।५०	३।०६	५।२५	७।४४	९।४८	११।३२	१।००
०१।२५।४६।३७	११ श	११	२।२२	३।५८	५।५५	८।०९	१०।३०	१२।४६	३।०२	५।२१	७।४०	९।४४	११।२८	१२।५६
०१।२६।४३।४०	१३ र	१२	२।१८	३।५४	५।५१	८।०६	१०।२६	१२।४२	२।५८	५।१७	७।३६	९।४०	११।२४	१२।५२
०१।२७।४०।४३	१४ चं	१३	२।१४	३।५१	५।४७	८।०२	१०।२२	१२।३८	२।५४	५।१३	७।३२	९।३७	११।२०	१२।४८
०१।२८।३७।४५	१५ मं	१४	२।१०	३।४७	५।४३	७।५८	१०।१८	१२।३५	२।५०	५।०९	७।२८	९।३३	११।१६	१२।४४

अयनांशाः २४।०८।५९

पं. ९ ज्ये.शु.१० शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	११	१	११	०	१०	०	६.
२४	१७	०३	१०	२०	०१	२६	२६
५८	४१	१९	५४	१८	०४	५२	५२
५६	१४	५५	३७	१७	२९	२५	२५
५७	४३	३०	८	७०	०	३	३
२२	५६	५६	१८	५७	३३	११	११
मृ	रे	कृ	उभा	भ	ध	कृ	वि
१	१	२	३	३	३व	१	३

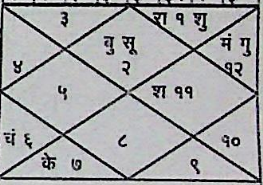

१५ जून से २९ जून तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून २०२२
																															यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
ध्वजा	१	बु	१९	५१	१३	३४	मूल	२४	४८	१५	३३	शु	४८	५८	२५	१३	कौ	१९	५१	१३	३४	३४/३३	५/३८	७/२३	२५	१५	१५	धनु.	१।२९।२७।५०	५७।०१	मिथुने रविः ११।४० (सौरः १९।११), कृत्ति. शुक्रः १४।३४
धाता	२	गु	१०	२४	९	४८	पूषा	१७	२९	१२	३७	ब्र	३८	४२	२१	०७	ग	१०	२४	९	४८	२४	३८	२४	२६	१६	१६	मक. १७।५५	२।००।२४।५०	५७।००	भ. १९।५८ उ.
च.ब्र.	३	शु	१	२८	६	१३	उषा	१०	४४	९	५६	ऐ	२९	०३	१७	१५	वि	१	२८	६	१३	२४	३८	२४	२७	१७	१७	मक.	२।०१।२१।५०	५६।५९	भ. ६।१३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।४०
क्षयः	४	शु	५३	२७	२७	०१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A अयन करिदिन, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन मेष वर्षाश्रेष्ठः
सुस्थिर	५	श	४६	४४	२४	२०	श्रव	५	००	७	३८	वै	२०	२२	१३	४७	कौ	१९	५४	१३	३६	२५	३८	२४	२८	१८	१८	कुंभे १८।४१	२।०२।१८।५०	५६।५९	पंचक प्रारम्भः १८।४१, रोहि. बुधः १६।५९, वृषे शुक्रः ९।५७
मातङ्ग	६	र	४१	३९	२२	१८	धनि	०/५८	३९/००	५/२८	५४/५१	वि	१२	५४	१०	४८	ग	१३	५९	११	१४	२५	३८	२४	२९	१९	१९	कुंभे	२।०३।१५।४८	५६।५८	भ. २२।१८ उ.
मुसल	७	सो	३८	२५	२१	०१	पूभा	५७	१४	२८	३२	प्री	६	५२	८	२३	वि	९	४८	९	३४	२५	३९	२५	३०	२०	२०	मीने २२।३३	२।०४।१२।४७	५६।५८	भ. ९।३४ या.
सिद्धि	८	मं	३७	०९	२०	३०	उभा	५८	२५	२९	०१	आ	२/५९	२३/३०	६/२९	३६/३७	बा	७	३२	८	४०	२५	३९	२५	३१	२१	२१	मीने	२।०५।०९।४४	५६।५७	सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ १४।४४
उत्पात	९	बु	३७	४८	२०	४६	रेव	...	...	...	...	शो	५८	०५	२८	५३	तै	७	१४	८	३३	२५	३९	२५	१	२२	२२	मीने	२।०६।०६।४१	५६।५७	भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. रविः ११।१७ (सौरः १९।४२), A
मित्र	१०	गु	४०	१२	२१	४४	रेव	१	२५	६	१३	अ	५७	५७	२८	५०	व	८	४७	९	१०	२५	३९	२५	२	२३	२३	मेषे ६।१३	२।०७।०३।३८	५६।५६	भ. ९।१० उ. २१।४४ या., पंचक समाप्तिः ६।१३
ए.ब्र.	११	शु	४४	०१	२३	१६	अश्वि	६	०१	८	०४	सु	५८	५२	२९	१२	ब	११	५६	१०	२६	२५	४०	२५	३	२४	२४	मेषे	२।०८।००।३४	५६।५६	योगिनी ११ व्र.
ध्वाङ्क्ष	१२	श	४८	५६	२५	१४	भर	११	५३	१०	२५	धृ	...	...	...	...	कौ	१६	२२	१२	१३	२४	४०	२६	४	२५	२५	वृषे १७।०४	२।०८।५७।३०	५६।५६	
प्र.ब्र.	१३	र	५४	३२	२७	२९	कृति	१८	३८	१३	०७	धृ	०	३२	५	५३	ग	२१	४०	१४	२०	२४	४०	२६	५	२६	२६	वृषे	२।०९।५४।२६	५६।५५	भ. २७।२९ उ., प्रदोषः, रोहि. शुक्रः १९।२६
प्रवर्धमा	१४	सो	...	...	...	...	रोहि	२५	५४	१६	०२	शू	२	४३	६	४५	वि	२७	३०	१६	४०	२३	४०	२६	६	२७	२७	मिथु. २९।३२	२।१०।५१।२१	५६।५५	भ. १६।४० या., मासिकशिवरात्री व्र., मेषे अश्वि. भौमः ६।०२
राक्षस	१४	मं	०	३१	५	५३	मृग	३३	२५	१९	०३	गं	५	०८	७	४४	श	०	३१	५	५३	२३	४१	२६	७	२८	२८	मिथु.	२।११।४८।१६	५६।५५	पितृकार्येऽमा., मृगे बुधः १२।०८
अमाव.	३०	बु	६	३९	८	२०	आर्द्रा	४०	५८	२२	०४	वृ	७	४०	८	४५	ना	६	३९	८	२०	२२	४१	२६	८	२९	२९	मिथु.	२।१२।४५।१०	५६।५५	देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०९।००

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.१० आ.कृ. ३ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	१	११	०	१०	०	६
०१	२२	०८	११	२८	००	२६	२६
४०	४७	२८	४९	३५	५८	३०	३०
१२	३१	३५	४८	५४	३५	१०	१०
५७	४३	६०	७	७१	१	३	३
१७	३०	४९	१९	१६	१३	११	११
मृ	रे	कृ	उभा	कृ	ध	भ	वि
३	२	४	३	१	३व	४	२

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०१।२९।३४।४६	१ बु	१५	२।०६	३।४३	५।३९	७।५४	१०।१४	१२।३१	२।४६	५।०६	७।२४	९।२९	११।१२	१२।४०
०२।००।३१।४७	२ गु	१६	२।०३	३।३९	५।३५	७।५०	१०।१०	१२।२७	२।४२	५।०२	७।२०	९।२५	११।०८	१२।३६
०२।०१।२८।४७	३ शु	१७	१।५९	३।३५	५।३१	७।४६	१०।०६	१२।२३	२।३९	४।५८	७।१६	९।२१	११।०४	१२।३३
०२।०२।२५।४६	५ श	१८	१।५५	३।३१	५।२७	७।४२	१०।०२	१२।१९	२।३५	४।५४	७।१२	९।१७	११।००	१२।२९
०२।०३।२२।४४	६ र	१९	१।५१	३।२७	५।२३	७।३८	९।५८	१२।१५	२।३१	४।५०	७।०८	९।१३	१०।५६	१२।२५
०२।०४।१९।४२	७ चं	२०	१।४७	३।२३	५।१९	७।३४	९।५४	१२।११	२।२७	४।४६	७।०४	९।०९	१०।५२	१२।२१
०२।०५।१६।४०	८ मं	२१	१।४३	३।१९	५।१५	७।३०	९।५०	१२।०७	२।२३	४।४२	७।००	९।०५	१०।४८	१२।१७
०२।०६।१३।३७	९ बु	२२	१।३९	३।१५	५।११	७।२६	९।४६	१२।०३	२।१९	४।३८	६।५७	९।०१	१०।४४	१२।१३
०२।०७।१०।३३	१० गु	२३	१।३५	३।११	५।०७	७।२२	९।४२	११।५९	२।१५	४।३४	६।५३	८।५७	१०।४०	१२।०९
०२।०८।०७।२९	११ शु	२४	१।३१	३।०७	५।०३	७।१८	९।३८	११।५५	२।११	४।३०	६।४९	८।५३	१०।३६	१२।०५
०२।०९।०४।२५	१२ श	२५	१।२७	३।०३	४।५९	७।१४	९।३४	११।५१	२।०७	४।२६	६।४५	८।४९	१०।३२	१२।०१
०२।१०।०१।२१	१३ र	२६	१।२३	२।५९	४।५६	७।१०	९।३०	११।४७	२।०३	४।२२	६।४१	८।४५	१०।२९	११।५७
०२।१०।५८।१६	१४ चं	२७	१।१९	२।५५	४।५२	७।०६	९।२६	११।४३	१।५९	४।१८	६।३७	८।४१	१०।२५	११।५३
०२।११।५५।१०	१४ मं	२८	१।१५	२।५१	४।४८	७।०२	९।२२	११।३९	१।५५	४।१४	६।३३	८।३७	१०।२१	११।४९
०२।१२।५२।०५	३० बु	२९	१।११	२।४७	४।४४	६।५८	९।१९	११।३५	१।५१	४।१०	६।२९	८।३३	१०।१७	११।४५

संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २०२२

आषा. कृ. १ बुधे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।४० वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभोऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ११।४० से १८।०४ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २४।०९।०१

पं.११ आ.कृ.११ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	१	११	१	१०	०	६
०८	२७	१६	१२	०६	००	२६	२६
२१	५०	५१	३७	५५	४८	०७	०७
०३	३५	५४	४९	४३	०४	५३	५३
५७	४३	८५	६	७१	१	३	३
१४	००	४४	१४	३४	५२	११	११
आ	रे	रो	उभा	कृ	ध	भ	वि
१	४	३	३	४	३व	४	२

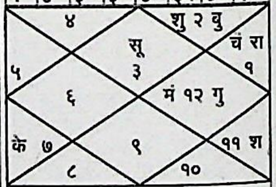

३० जून से १३ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७९, शाक: १९४४, क्रिमा.सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सिद्धि	१	गु	१२	४२	१०	४६	पुन	४८	२२	२५	०२	ध्रु	१०	०८	९	४४	व	१२	४२	१०	४६	३४/२१	५/४१	७/२६	९	३०	३०	कर्क १८।१८	२।१३।४२।०५	५६।५४
उत्पात	२	शु	१८	३२	१३	०६	पुष्य	५५	२५	२७	५२	व्या	१२	२५	१०	४०	कौ	१८	३२	१३	०६	२१	४२	२६	१०	१	१	कर्क	२।१४।३८।५९	५६।५४
मानस	३	श	२३	५३	१५	१५	श्ले	...	...	...	...	ह	१४	२३	११	२७	ग	२३	५३	१५	१५	२०	४२	२६	११	२	२	कर्क	२।१५।३५।५४	५६।५४
वज्र	४	र	२८	३१	१७	०७	श्ले	१	५३	६	२८	व	१५	४९	१२	०२	वि	२८	३१	१७	०७	१९	४२	२६	१२	३	३	सिंहे ६।२८	२।१६।३२।४८	५६।५४
ध्वाङ्क्ष	५	सो	३२	०९	१८	३४	मघा	७	३०	८	४३	सि	१६	३१	१२	१९	व	०	२८	५	५४	१८	४३	२६	१३	४	४	सिंहे	२।१७।२९।४२	५६।५४
धूम्र	६	मं	३४	२८	१९	३०	पूफा	११	५८	१०	३०	व्य	१६	१६	१२	१४	कौ	३	२९	७	०७	१६	४३	२६	१४	५	५	कन्या १६।५२	२।१८।२६।३६	५६।५४
प्रवर्धमा	७	बु	३५	१६	१९	५०	उफा	१५	००	११	४४	व	१४	५२	११	४०	ग	५	०४	७	४५	१५	४४	२६	१५	६	६	कन्या	२।१९।२३।३०	५६।५४
राक्षस	८	गु	३४	२२	१९	२९	हस्त	१६	२६	१२	१९	प	१२	०९	१०	३६	वि	५	०१	७	४४	१४	४४	२६	१६	७	७	तुला. २४।२०	२।२०।२०।२५	५६।५४
मुसल	९	शु	३१	४१	१८	२५	चित्रा	१६	०८	१२	१२	शि	८	०३	८	५८	वा	३	१४	७	०२	१२	४५	२६	१७	८	८	तुला.	२।२१।१७।१९	५६।५५
सिद्धि	१०	श	२७	१५	१६	३९	स्वा	१४	०४	११	२३	सि	२/५६	३०/३५	६/२७	४५/५९	ग	२७	१५	१६	३९	११	४५	२५	१८	९	९	वृश्चि. २८।२०	२।२२।१४।१४	५६।५५
ए.ब्र.	११	र	२१	११	१४	१४	विशा	१०	२१	९	५४	शु	४७	२३	२४	४२	वि	२१	११	१४	१४	०९	४५	२५	१९	१०	१०	वृश्चि.	२।२३।११।०९	५६।५५
प्र.ब्र.	१२	सो	१३	४३	११	१५	अनु	५/५८	०८/४५	७/२९	४९/१६	शु	३८	०५	२१	००	वा	१३	४३	११	१५	०८	४६	२५	२०	११	११	धनु. २९।१६	२।२४।०८।०४	५६।५५
छत्र	१३	मं	५	०५	७	४८	मूल	५१	३०	२६	२३	ब्र	२७	५९	१६	५८	तै	५	०५	७	४८	०६	४६	२५	२१	१२	१२	धनु.	२।२५।०४।५९	५६।५६
क्षयः	१४	मं	५५	४२	२८	०३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	बु	४५	५८	२४	१०	पूषा	४३	५२	२३	२०	ऐ	१७	२३	१२	४४	वि	२०	५१	१४	०७	०४	४७	२५	२२	१३	१३	मक. २८।३४	२।२६।०१।५५	५६।५६

केतकी अहर्गणः ४१०३ वर्षर्त्तु रविर्दक्षिणे, जून-जुलाई २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं।
चंद्रदर्शनम् (मु.४५) [F उभा.-४ गुरुः १४।४१
श्री जगदीश रथ यात्रा, जुलाई ७ ता. ३१, जिल्हेज १२, F
भ. २८।१४ उ., मिथुने बुधः ९।१९
भ. १७।०७ या. [C गोपद्मव्रतोद्यापनं, हरिवासरः १४।१४ से E
[B पूर्वस्याम् १६।१८, सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वाहन मूषक अल्पवृष्टिः
स्कंध षष्ठी, आर्द्रा. बुधः २२।०० [E १५।२६ तक
भ. १९।५० उ., पुन. रविः १०।५४ (सौरः २१।०७), बुधास्तः B
भ. ७।४४ या., मृगे शुक्रः २२।३८
स्वातौ रे. ९ ।।।।ऽ।।।।। रात्रौ लग्न गोधूलि(९), ११, ३, भड़ली ९
भ. २७।३१ उ., मन्वादि, आशा दशमी [D मिथुने शुक्रः ११।३९
भ. १४।१४ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, C
प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, जया पार्वती व्रतं
भ.२८।०३ उ., पुन. बुधः ८।३४, (व) मकरे धनि.-२ शनिः १८।०५
[A गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, आषाढी योगः, D
भ. १४।०७ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वायु परीक्षा, A

अयनांशाः २४।०९।०२

पं.१२ आ.शु. २ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	१	११	१	१०	०	६
१५	०२	२७	१३	१५	००	२५	२५
०१	४९	५६	१८	१७	३३	४५	४५
३७	५४	४२	०६	३५	१०	३८	३८
५७	४२	१०६	५	७१	२	३	३
१३	२६	४७	०६	५१	२८	११	११
आ	अ	मृ	उभा	रो	ध	भ	वि
३	१	२	३	२	३व	४	२

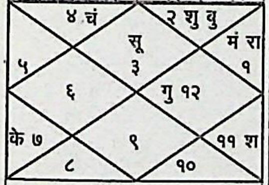

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।१३।४९।००	१ गु	३०	१।०७	२।४४	४।४०	६।५५	९।१५	११।३१	१।४७	४।०६	६।२५	८।३०	१०।१३	११।४१
०२।१४।४५।५४	२ शु	१	१।०३	२।४०	४।३६	६।५१	९।११	११।२८	१।४३	४।०२	६।२१	८।२६	१०।०९	११।३७
०२।१५।४२।४८	३ श	२	१२।५९	२।३६	४।३२	६।४७	९।०७	११।२४	१।३९	३।५९	६।१७	८।२२	१०।०५	११।३३
०२।१६।३९।४२	४ र	३	१२।५५	२।३२	४।२८	६।४३	९।०३	११।२०	१।३५	३।५५	६।१३	८।१८	१०।०१	११।२९
०२।१७।३६।३६	५ चं	४	१२।५२	२।२८	४।२४	६।३९	८।५९	११।१६	१।३२	३।५१	६।०९	८।१४	९।५७	११।२६
०२।१८।३३।३०	६ मं	५	१२।४८	२।२४	४।२०	६।३५	८।५५	११।१२	१।२८	३।४७	६।०५	८।१०	९।५३	११।२२
०२।१९।३०।२४	७ बु	६	१२।४४	२।२०	४।१६	६।३१	८।५१	११।०८	१।२४	३।४३	६।०१	८।०६	९।४९	११।१८
०२।२०।२७।१९	८ गु	७	१२।४०	२।१६	४।१२	६।२७	८।४७	११।०४	१।२०	३।३९	५।५७	८।०२	९।४५	११।१४
०२।२१।२४।१३	९ शु	८	१२।३६	२।१२	४।०८	६।२३	८।४३	११।००	१।१६	३।३५	५।५३	७।५८	९।४१	११।१०
०२।२२।२१।०८	१० श	९	१२।३२	२।०८	४।०४	६।१९	८।३९	१०।५६	१।१२	३।३१	५।४९	७।५४	९।३७	११।०६
०२।२३।१८।०२	११ र	१०	१२।२८	२।०४	४।००	६।१५	८।३५	१०।५२	१।०८	३।२७	५।४६	७।५०	९।३३	११।०२
०२।२४।१४।५७	१२ चं	११	१२।२४	२।००	३।५६	६।११	८।३१	१०।४८	१।०४	३।२३	५।४२	७।४६	९।२९	१०।५८
०२।२५।११।५२	१३ मं	१२	१२।२०	१।५६	३।५२	६।०७	८।२७	१०।४४	१।००	३।१९	५।३८	७।४२	९।२५	१०।५४
०२।२६।०८।४८	१५ बु	१३	१२।१६	१।५२	३।४८	६।०३	८।२३	१०।४०	१२।५६	३।१५	५।३४	७।३८	९।२१	१०।५०

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो ॥ बुधेरसक्षयोभूम्यां ॥ प्रत्येक मास की कृ. प्रतिपदा को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो तथा अन्न की महँगाई हो। कृष्णा द्वितीया को गुरुवार होने से सुभिक्ष हो। कृष्णा नोमी को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो। कृष्णा चतुर्दशी में रोहिणी होने से राजयुद्ध तथा प्रजा में शोक हो तथा सोमवार होने से धान्य और तृणादि (घास) में कमी हो। अमावस्या आर्द्रा योग सुभिक्ष और सुखद है। शुक्ला पंचमी को सोमवार होने से सुवृष्टि हो। शुक्ला एकादशी को रविवार होने से सुभिक्ष हों। पूर्णिमा पूर्वाषाढा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।०९।०३

पं.१३ आ.शु. ९ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	२	११	१	१०	०	६
२१	०७	११	१३	२३	००	२५	२५
४२	४४	१९	५०	४१	१४	२३	२३
०६	५७	४४	०६	२१	११	२३	२३
५७	४१	१२४	३	७२	३	३	३
१३	४६	०१	५३	०७	०१	१२	११
पुन	अ	आ	उभा	मृ	ध	भ	वि
१	३	२	४	१	३व	४	२

१४ जुलाई से २८ जुलाई तक, श्री श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमासू. सू. तारीस्त																												स्टै.	प्रातः	दैनिक
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
सौम्य	१	गु	३६	१९	२०	१९	उषा	३६	१९	२०	१९	वै	६ ५६	४० ४१	२८	२७ १६	बा	११	०५	१०	१३	३४ ०२	५ ४७	७ २४	२३	१४	१४	मक.	२।२६।५८।५१	५६।५६
वृहत्तल्पा	२	शु	२७	१४	१६	४२	श्रव	२९	२०	१७	३२	प्री	४६	१९	२४	२०	तै	१	४०	६	२८	००	४८	२४	२४	१५	१५	कुंभे २८।१७	२।२७।५५।४७	५६।५७
च.व्र.	३	श	१९	११	१३	२९	धनि	२३	२४	१५	१०	आ	३७	२७	२०	४७	वि	१९	११	१३	२९	३३ ५८	४८	२४	२५	१६	१६	कुंभे	२।२८।५२।४४	५६।५७
राक्षस	४	र	१२	३५	१०	५१	शत	१८	५८	१३	२४	सौ	२९	५४	१७	४६	बा	१२	३५	१०	५१	५६	४९	२३	२६	१७	१७	कुंभे	२।२९।४९।४१	५६।५८
मुसल	५	सो	७	४६	८	५६	पूभा	१६	२३	१२	२२	शो	२३	५५	१५	२३	तै	७	४६	८	५६	५४	४९	२३	२७	१८	१८	मीने ६।३३	३।००।४६।३९	५६।५८
सिद्धि	६	मं	५	०१	७	५०	उभा	१५	५१	१२	१०	अ	१९	३७	१३	४१	व	५	०१	७	५०	५२	५०	२३	२८	१९	१९	मीने	३।०१।४३।३७	५६।५९
उत्पात	७	बु	४	२७	७	३७	रेव	१७	२८	१२	४९	सु	१७	०३	१२	४०	ब	४	२७	७	३७	५०	५०	२२	२९	२०	२०	मेषे १२।४९	३।०२।४०।३६	५७।००
मानस	८	गु	५	५६	८	१३	अश्वि	२१	०४	१४	१७	धृ	१६	०६	१२	१७	कौ	५	५६	८	१३	४७	५१	२२	३०	२१	२१	मेषे	३।०३।३७।३५	५७।००
मुद्गर	९	शु	९	१८	९	३५	भर	२६	२३	१६	२५	शू	१६	३३	१२	२९	ग	९	१८	९	३५	४५	५१	२१	३१	२२	२२	वृषे २३।०२	३।०४।३४।३६	५७।०१
ध्वजा	१०	श	१४	०५	११	३०	कृति	३२	५९	१९	०४	गं	१८	०५	१३	०६	वि	१४	०५	११	३०	४२	५२	२१	१	२३	२३	वृषे	३।०५।३१।३६	५७।०२
ए.व्र.	११	र	१९	५१	१३	४९	रोहि	४०	२२	२२	०१	वृ	२०	१८	१४	००	बा	१९	५१	१३	४९	४०	५२	२०	२	२४	२४	वृषे	३।०६।२८।३८	५७।०२
प्र.व्र.	१२	सो	२६	०३	१६	१८	मृग	४८	०३	२५	०६	ध्रु	२२	५२	१५	०२	तै	२६	०३	१६	१८	३७	५३	२०	३	२५	२५	मिथु. ११।३३	३।०७।२५।४०	५७।०३
चर	१३	मं	३२	१८	१८	४९	आर्द्रा	५५	३८	२८	०९	व्या	२५	२९	१६	०५	व	३२	१८	१८	४९	३५	५४	१९	४	२६	२६	मिथु.	३।०८।२२।४४	५७।०४
गद	१४	बु	३८	१५	२१	१२	पुन	...	...	...	...	ह	२७	५३	१७	०३	वि	५	१९	८	०२	३२	५४	१९	५	२७	२७	कर्के २४।२०	३।०९।१९।४८	५७।०५
अमाव.	३०	गु	४३	४२	२३	२३	पुन	२	५०	७	०३	व	२९	५५	१७	५३	च	११	०२	१०	१९	२९	५५	१८	६	२८	२८	कर्के	३।१०।१६।५३	५७।०६

वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।

नक्त व्रतारंभः
भ. २७।०२ उ., पंचक प्रारम्भः २८।१७, वृहत्तल्पा
भ. १३।२९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५८, कर्के रविः A
कर्के सौरः १०।१०
नागपञ्चमी (मरु.), पुष्ये बुधः १३।१९, आर्द्रा. शुक्रः २४।१८
भ. ७।५० उ. १९।३७ या.
पंचक समाप्तिः १२।४९, पुष्ये रविः १०।२८ (सौरः २२।२६), B
[B सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन जम्बूक वर्षाश्रेष्ठः
भ. २२।२८ उ., सायन सिंहे भानुः २५।४३
भ. ११।३० या., भा. श्रावणारंभः
कामिका ११ व्र., श्लेषा. बुधः २४।५५
प्रदोषः [A २२।३७, निरयन दक्षिणायनारंभः, भर. भौमः C
भ. १८।४९ उ., मासिकशिवरात्री व्र.
भ. ८।०२ या. [C ८।०७, कर्के बुधः २३।५३
देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०

अयनांशाः २४।०९।०४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.१४ श्रा.कृ. २ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	०	२	११	२	९	०	६
२८	१२	२६	१४	०२	२९	२५	२५
२२	३५	१३	१३	०६	५१	०१	०१
४०	०४	२०	२०	५८	३५	०६	०६
५७	४१	१२९	२	७२	३	३	३
१५	००	३२	३५	२३	३०	११	११
पुन	अ	पुन	उभा	मृ	घ	भ	वि
३	४	२	४	३	२व	४	२

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुल	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ
०२।२७।०५।४४	१ गु	१४	१२।१२	१।४८	३।४५	५।५९	८।१९	१०।३६	१२।५२	३।११	५।३०	७।३४	९।१८	१०।४६
०२।२८।०२।४०	२ शु	१५	१२।०८	१।४४	३।४१	५।५५	८।१५	१०।३२	१२।४८	३।०७	५।२६	७।३०	९।१४	१०।४२
०२।२८।५९।३७	३ श	१६	१२।०४	१।४०	३।३७	५।५१	८।१२	१०।२८	१२।४४	३।०३	५।२२	७।२६	९।१०	१०।३८
०२।२९।५६।३४	४ र	१७	१२।००	१।३६	३।३३	५।४८	८।०८	१०।२४	१२।४०	२।५९	५।१८	७।२२	९।०६	१०।३४
०३।००।५३।३२	५ चं	१८	११।५६	१।३३	३।२९	५।४४	८।०४	१०।२०	१२।३६	२।५५	५।१४	७।१९	९।०२	१०।३०
०३।०१।५०।३०	६ मं	१९	११।५२	१।२९	३।२५	५।४०	८।००	१०।१७	१२।३२	२।५१	५।१०	७।१५	८।५८	१०।२६
०३।०२।४७।२९	७ बु	२०	११।४८	१।२५	३।२१	५।३६	७।५६	१०।१३	१२।२८	२।४८	५।०६	७।११	८।५४	१०।२२
०३।०३।४४।२९	८ गु	२१	११।४४	१।२१	३।१७	५।३२	७।५२	१०।०९	१२।२४	२।४४	५।०२	७।०७	८।५०	१०।१८
०३।०४।४१।२९	९ शु	२२	११।४१	१।१७	३।१३	५।२८	७।४८	१०।०५	१२।२१	२।४०	४।५८	७।०३	८।४६	१०।१५
०३।०५।३८।३०	१० श	२३	११।३७	१।१३	३।०९	५।२४	७।४४	१०।०१	१२।१७	२।३६	४।५४	६।५९	८।४२	१०।११
०३।०६।३५।३१	११ र	२४	११।३३	१।०९	३।०५	५।२०	७।४०	९।५७	१२।१३	२।३२	४।५०	६।५५	८।३८	१०।०७
०३।०७।३२।३४	१२ चं	२५	११।२९	१।०५	३।०१	५।१६	७।३६	९।५३	१२।०९	२।२८	४।४६	६।५१	८।३४	१०।०३
०३।०८।२९।३७	१३ मं	२६	११।२५	१।०१	२।५७	५।१२	७।३२	९।४९	१२।०५	२।२४	४।४२	६।४७	८।३०	९।५९
०३।०९।२६।४१	१४ बु	२७	११।२१	१२।५७	२।५३	५।०८	७।२८	९।४५	१२।०१	२।२०	४।३८	६।४३	८।२६	९।५५
०३।१०।२३।४६	३० गु	२८	११।१७	१२।५३	२।४९	५।०४	७।२४	९।४१	११।५७	२।१६	४।३५	६।३९	८।२२	९।५१

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०२२

श्रा. कृ. ३ शनौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।३७ वारात् ४ नक्षत्रात् ६ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १०।३७ से २२।३७ तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २४।०९।०५

पं.१५ श्रा.कृ. ९ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	०	३	११	२	९	०	६
०५	१७	११	१४	१०	२९	२४	२४
०३	१९	०२	२७	३४	२५	३८	३८
३०	३६	३७	२२	२२	५२	५०	५०
५७	४०	१२२	१	७२	३	३	३
१८	०९	११	१४	३८	५४	११	११
पु	भ	पु	उभा	आ	घ	भ	वि
१	२	३	४	२	२व	४	२

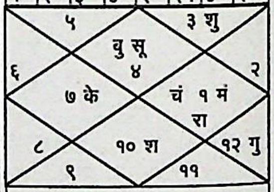

२९ जुलाई से १२ अगस्त तक, श्री श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	शु	४८	३२	२५	२०	पुष्य	९	३२	९	४४	सि	३१	३०	१८	३१	किं	१६	११	१२	२४	३३/३६	५/५५	७/१८	७	२९	२९	कर्के	३।११।१३।५८	५७।०७
सिंधारा	२	श	५२	३९	२६	५९	श्ले	१५	३६	१२	१०	व्य	३२	३३	१८	५७	वा	२०	४१	१४	१२	२३	५६	१७	८	३०	३०	सिंहे १२।१०	३।१२।११।०५	५७।०८
तीज	३	र	५५	५६	२८	१९	मघा	२०	५५	१४	१८	व	३२	५९	११	०८	तै	२४	२३	१५	४२	२०	५६	१६	९	१	३१	सिंहे	३।१३।०८।१३	५७।०९
ध्वजा	४	सो	५८	१५	२९	१५	पूफा	२५	२२	१६	०६	प	३२	४२	१९	०२	व	२७	१२	१६	५०	१७	५७	१६	१०	२	१	कन्या २२।२९	३।१४।०५।२२	५७।१०
धाता	५	मं	५९	२६	२९	४४	उफा	२८	४९	१७	२९	शि	३१	३६	१८	३६	व	२८	५९	१७	३३	१४	५७	१५	११	३	२	कन्या	३।१५।०२।३१	५७।११
आनन्द	६	बु	५९	२२	२९	४३	हस्त	३१	०६	१८	२०	सि	२९	३३	१७	४७	कौ	२९	३३	१७	४७	११	५८	१४	१२	४	३	कन्या	३।१५।५९।४२	५७।१२
चर	७	गु	५७	५५	२९	०८	चित्रा	३२	०४	१८	४८	सा	२६	२६	१६	३३	ग	२८	४८	१७	३०	०८	५८	१४	१३	५	४	तुला. ६।४०	३।१६।५६।५४	५७।१३
गद	८	शु	५४	५८	२७	५८	स्वा	३१	३७	१८	३८	शु	२२	११	१४	५१	वि	२६	३७	१६	३८	०५	५९	१३	१४	६	५	तुला.	३।१७।५४।०८	५७।१४
शुभ	९	श	५०	३३	२६	१३	विशा	२९	४१	१७	५२	शु	१६	४३	१२	४१	वा	२२	५६	१५	१०	०२	५९	१२	१५	७	६	वृश्चि. १२।०७	३।१८।५१।२२	५७।१६
मृत्यु	१०	र	४४	४३	२३	५३	अनु	२६	१८	१६	३१	ब्र	१०	०४	१०	०१	तै	१७	४७	१३	०७	३२/५२	६/०४	११	१६	८	७	वृश्चि.	३।१९।४८।३८	५७।१७
ए.व्र.	११	सो	३७	३७	२१	०३	ज्ये	२१	३५	१४	३८	ऐ	३/५३	१६/३४	६/२७	५५/२५	व	११	१८	१०	३२	५५	००	११	१७	९	८	धनु. १४।३८	३।२०।४५।५५	५७।१८
प्र.व्र.	१२	मं	२९	३०	१७	४९	मूल	१५	४५	१२	१९	वि	४३	५७	२३	३६	व	३	३९	७	२९	५२	०१	१०	१८	१०	९	धनु.	३।२१।४३।१३	५७।१९
श्रीवत्स	१३	बु	२०	४२	१४	१८	पूषा	९	०९	९	४१	प्री	३३	५५	१९	३५	तै	२०	४२	१४	१८	४९	०२	०९	१९	११	१०	मक. १५।००	३।२२।४०।३२	५७।२१
नारियल	१४	गु	११	३७	१०	४१	उषा	५/५५	०९/१५	६/२८	५४/३८	आ	२३	४३	१५	३१	व	११	३७	१०	४१	४५	०२	०८	२०	१२	११	मक.	३।२३।३७।५३	५७।२२
पूर्णिमा	१५	शु	२	४१	७	०७	धनि	४८	५३	२५	३६	सौ	१३	४५	११	३३	व	२	४१	७	०७	४२	०३	०७	२१	१३	१२	कुंभे १४।५०	३।२४।३५।१५	५७।२४

केतकी अहर्गणः ४१३२ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, जुलाई-अगस्त २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
बुधोदयः पश्चिमायाम् २८।५५,वक्री गुरुः १२।५४, पुन.शुक्रः २४।३१
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे [F मोहोर्रम १ J
तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), सुकृत तृतीया व्र., F
भ.१६।५० उ.२९।१५ या.,वरद चतुर्थी,दूर्वागणपतिव्र.,रोटकव्रतारंभः, D
नागपञ्चमी,नागदष्टव्र. [D सोमेश्वरपूजनं,अगस्त ८ ता.३१, तिलकपुण्यतिथि
कल्की जयंती, वर्णषष्ठी,ऋग्वेदि उपाकर्म,श्लेषा. रविः ९।२४ C
भ.२९।०८ उ., शीतला, तुलसी जयंती [A सूणमाण्डणा (भद्रा B
भ.१६।३८ या.,दुर्गाष्टमी, कृत्ति.भौमः १३।०३ [B के पूर्व), यजुर्वेदि, G
कर्के शुक्रः २९।४४ [J सन १४४४ हि. , सिंहे मघा. बुधः २६।५९
[C (सौरः २२।५३), सं.स्त्री.स्त्री.चं.सू.वाहन चातक अल्पवृष्टिः
भ. १०।३२ उ. २१।०३ या., पवित्रा ११ व्र., पूफा. बुधः २६।१८
प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, पुष्ये शुक्रः २३।१७
वृषे भौमः २०।३७ [E पंचक प्रारम्भः १४।५०, आपस्तंभ उपाकर्म
भ.१०।४१ उ.२०।५३ या.,हयग्रीव जयंती,नारियल १५, पूर्णिमा व्रतं, A
पूर्णिमा पुण्यं, रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है), श्रावणी (मरु), E
[G तैतरीय, हिरण्यकेशीय, बोधायन, काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), अथर्ववेदि उपाकर्म

अयनांशाः २४।०९।०६

पं.१६ श्रा.शु. १ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	०	३	११	२	९	०	६
११	२१	२४	१४	१९	२८	२४	२४
४४	५७	४५	३१	०३	५७	१६	१६
४७	४८	०६	५३	३३	३७	३५	३५
५७	३९	१११	०	७२	४	३	३
२२	१०	०३	०९	५३	१२	११	११
पु	भ	श्ले	उभा	आ	ध	भ	वि
३	३	३	४व	४	२व	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जुल	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क प्रातः	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर सायं	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०३।११।२०।५२	१ शु	२९	११।१३	१२।४९	२।४५	५।००	७।२०	९।३७	११।५३	२।१२	४।३१	६।३५	८।१८	९।४७
०३।१२।१७।५९	२ श	३०	११।०९	१२।४५	२।४१	४।५६	७।१६	९।३३	११।४९	२।०८	४।२७	६।३१	८।१४	९।४३
०३।१३।१५।०६	३ र	३१	११।०५	१२।४१	२।३७	४।५२	७।१२	९।२९	११।४५	२।०४	४।२३	६।२७	८।१०	९।३९
०३।१४।१२।१५	४ चं	१	११।०१	१२।३७	२।३४	४।४८	७।०८	९।२५	११।४१	२।००	४।१९	६।२३	८।०७	९।३५
०३।१५।०९।२५	५ मं	२	१०।५७	१२।३३	२।३०	४।४४	७।०४	९।२१	११।३७	१।५६	४।१५	६।१९	८।०३	९।३१
०३।१६।०६।३६	६ बु	३	१०।५३	१२।२९	२।२६	४।४०	७।०१	९।१७	११।३३	१।५२	४।११	६।१५	७।५९	९।२७
०३।१७।०३।४८	७ गु	४	१०।४९	१२।२५	२।२२	४।३७	६।५७	९।१३	११।२९	१।४८	४।०७	६।११	७।५५	९।२३
०३।१८।०१।०१	८ शु	५	१०।४५	१२।२२	२।१८	४।३३	६।५३	९।०९	११।२५	१।४४	४।०३	६।०८	७।५१	९।१९
०३।१८।५८।१६	९ श	६	१०।४१	१२।१८	२।१४	४।२९	६।४९	९।०६	११।२१	१।४०	३।५९	६।०४	७।४७	९।१५
०३।१९।५५।३२	१० र	७	१०।३७	१२।१४	२।१०	४।२५	६।४५	९।०२	११।१७	१।३७	३।५५	६।००	७।४३	९।११
०३।२०।५२।४९	११ चं	८	१०।३३	१२।१०	२।०६	४।२१	६।४१	८।५८	११।१३	१।३३	३।५१	५।५६	७।३९	९।०७
०३।२१।५०।०७	१२ मं	९	१०।३०	१२।०६	२।०२	४।१७	६।३७	८।५४	११।१०	१।२९	३।४७	५।५२	७।३५	९।०४
०३।२२।४७।२६	१३ बु	१०	१०।२६	१२।०२	१।५८	४।१३	६।३३	८।५०	११।०६	१।२५	३।४३	५।४८	७।३१	९।००
०३।२३।४४।४७	१४ गु	११	१०।२२	११।५८	१।५४	४।०९	६।२९	८।४६	११।०२	१।२१	३।३९	५।४४	७।२७	८।५६
०३।२४।४२।१०	१५ शु	१२	१०।१८	११।५४	१।५०	४।०५	६।२५	८।४२	१०।५८	१।१७	३।३५	५।४०	७।२३	८।५२

अयनांशाः २४।०९।०७

पं.१७ श्रा.शु. ८ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	०	४	११	२	९	०	६
१८	२६	०७	१४	२७	२८	२३	२३
२६	२८	०७	२६	३४	२७	५४	५४
४०	४७	२८	४६	३१	३३	१९	१९
५७	३८	९९	१	७३	४	३	३
२८	०४	१९	३१	०८	२४	११	११
श्ले	भ	म	उभा	पुन	ध	भ	वि
१	४	३	४व	३	२व	४	२

अयनांशाः २४।०९।०८

पं.१८ श्रा.शु.१५ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	४	११	३	९	०	६
२५	००	१८	१४	०६	२७	२३	२३
०९	५१	०७	१२	०७	५६	३२	३२
२०	३६	००	०२	१६	२४	०३	०३
५७	३६	८७	२	७३	४	३	३
३६	४९	२४	५३	२४	३०	११	११
श्ले	कृ	पूफा	उभा	पु	ध	भ	वि
३	२	२	४व	१	२व	४	२

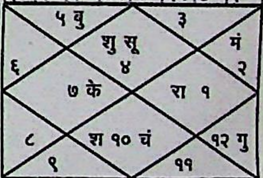

१३ अगस्त से २७ अगस्त तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २०२२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
क्षयः	१	शु	५४	२४	२७	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A (सौरः २१।४५), सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन अश्व वर्षाश्रेष्ठः
आनन्द	२	श	४७	१०	२४	५५	शत	४३	३३	२३	२८	शो	४/५५	२३/५९	७/२८	४८/२७	तै	२०	३७	१४	१८	३२/३८	६/०३	७/०६	२२	१४	१३	कुंभे	३।२५।३२।३९	५७।२५	[B राहुः २४।५९, विशा.-१ केतुः २४।५९
चर	३	र	४१	२३	२२	३७	पूभा	३९	४०	२१	५६	सु	४८	५१	२५	३६	व	१४	०४	११	४१	३५	०४	०६	२३	१५	१४	मीने १६।१५	३।२६।३०।०४	५७।२७	भ. ११।४१ उ. २२।३७ या., कज्जली(वूढी ३)
च.व्र.	४	सो	३७	२७	२१	०३	उभा	३७	३५	२१	०६	धृ	४३	१३	२३	२१	व	९	१०	९	४४	३१	०४	०५	२४	१६	१५	मीने	३।२७।२७।३१	५७।२८	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३६, भारतीयस्वतंत्रतादिवस, भर.-३ B
शुभ	५	मं	३५	३४	२०	१८	रेव	३७	३२	२१	०६	शू	३९	१६	२१	४७	कौ	६	१४	८	३४	२८	०५	०४	२५	१७	१६	मेषे २१।०६	३।२८।२४।५९	५७।३०	पंचक समाप्तिः २१।०६, वृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), E
मृत्यु	६	बु	३५	४९	२०	२५	अश्वि	३९	३६	२१	५५	गं	३६	५९	२०	५३	ग	५	२५	८	१५	२४	०५	०३	२६	१८	१७	मेषे	३।२९।२२।२९	५७।३१	भ. २०।२५ उ., हलषष्ठी, सिंहे मघा. रविः ७।०७ A
जन्माष्ट.	७	गु	३८	०७	२१	२०	भर	४३	३८	२३	३३	वृ	३६	१९	२०	३७	वि	६	४२	८	४६	२१	०६	०२	२७	१९	१८	वृषे ३०।०४	४।००।२०।००	५७।३३	भ. ८।४६ या., जम्माष्टमी व्र. स्मा., शीतला व्र., उफा. E
जन्माष्ट.	८	शु	४२	११	२२	५९	कृति	४९	२२	२५	५१	ध्रु	३७	०२	२०	५५	वा	९	५६	१०	०५	१७	०६	०१	२८	२०	१९	वृषे	४।०१।१७।३३	५७।३४	मन्वादि, जम्माष्टमी व्र. वैष्ण. [E वुधः १०।३१
गोगा	९	श	४७	३५	२५	०९	रोहि	५६	१८	२८	३८	व्या	३८	४८	२१	३८	तै	१४	४५	१२	०१	१३	०७	००	२९	२१	२०	वृषे	४।०२।१५।०७	५७।३६	गोगानवमी, कन्यायां वुधः २६।१७, श्लेषा. शुक्रः २०।३७
सौम्य	१०	र	५३	४४	२७	३७	मृग	...	...	...	...	ह	४१	१२	२२	३६	व	२०	३५	१४	२१	१०	०७	६/५	३०	२२	२१	मिथु. १८।०८	४।०३।१२।४३	५७।३८	भ. १४।२१ उ. २७।३७ या. [E चंद्रषष्ठी (मरु.)
ए.व्र.	११	सो	...	...	...	...	मृग	३	५२	७	४०	व	४३	४७	२३	३८	व	२६	५४	१६	५३	०६	०८	५८	३१	२३	२२	मिथु.	४।०४।१०।२१	५७।४०	[C कन्यायां भानुः ८।५७
ए.व्र.	११	मं	०	०२	६	०९	आर्द्रा	११	३१	१०	४४	सि	४६	११	२४	३७	वा	०	०२	६	०९	०२	०८	५७	१	२४	२३	मिथु.	४।०५।०८।०१	५७।४१	अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, भा. भाद्रपदारंभः, सायन C
प्र.व्र.	१२	बु	६	००	८	३२	पुन	१८	४५	१३	३९	व्य	४८	०६	२५	२३	तै	६	००	८	३२	३१/५८	०९	५६	२	२५	२४	कर्के ६।५७	४।०६।०५।४२	५७।४३	प्रदोषः [D रोहि. भौमः १९।१२
शुभ	१३	गु	११	१६	१०	३९	पुष्य	२५	१६	१६	१६	व	४९	२३	२५	५४	व	११	१६	१०	३९	५५	०९	५५	३	२६	२५	कर्के	४।०७।०३।२५	५७।४५	भ.१०।३९ उ. २३।३४ या., मासिकशिवरात्री व्र., (व) उभा.-३ F
मृत्यु	१४	शु	१५	३६	१२	२४	श्ले	३०	५३	१८	३१	प	४९	५५	२६	०७	श	१५	३६	१२	२४	५१	१०	५४	४	२७	२६	सिंहे १८।३१	४।०८।०१।१०	५७।४७	कुशाग्रहणी, पिठोरी ३० [F गुरुः ८।०३
अमाव.	३०	श	१८	५९	१३	४६	मघा	३५	३३	२०	२३	शि	४९	४१	२६	०३	ना	१८	५९	१३	४६	४७	१०	५३	५	२८	२७	सिंहे	४।०८।५८।५६	५७।४८	देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०, D

अयनांशाः २४।०९।०९

प.१९ भा.कृ. ८ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	१	४	११	३	९	०	६
०१	०५	२७	१३	१४	२७	२३	२३
५२	०५	४२	४७	४१	२४	०९	०९
५७	०८	५४	५८	५०	५६	४७	४७
५७	३५	७५	४	७३	४	३	३
४५	२३	२०	१०	३९	२८	११	११
म	कृ	उफा	उभा	पु	घ	भ	वि
१	३	१	४व	४	२व	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट मे ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अग.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायँ	मीन रात्रौ
०३।२५।३९।३४	२ श	१३	१०।१४	११।५०	१।४६	४।०१	६।२१	८।३८	१०।५४	१।१३	३।३१	५।३६	७।१९	८।४८
०३।२६।३६।५९	३ र	१४	१०।१०	११।४६	१।४२	३।५७	६।१७	८।३४	१०।५०	१।०९	३।२८	५।३२	७।१५	८।४४
०३।२७।३४।२६	४ चं	१५	१०।०६	११।४२	१।३८	३।५३	६।१३	८।३०	१०।४६	१।०५	३।२४	५।२८	७।११	८।४०
०३।२८।३१।५४	५ मं	१६	१०।०२	११।३८	१।३४	३।४९	६।०९	८।२६	१०।४२	१।०१	३।२०	५।२४	७।०७	८।३६
०३।२९।२९।२४	६ बु	१७	९।५८	११।३४	१।३०	३।४५	६।०५	८।२२	१०।३८	१२।५७	३।१६	५।२०	७।०३	८।३२
०४।००।२६।५५	७ गु	१८	९।५४	११।३०	१।२७	३।४१	६।०१	८।१८	१०।३४	१२।५३	३।१२	५।१६	७।००	८।२८
०४।०१।२४।२८	८ शु	१९	९।५०	११।२६	१।२३	३।३७	५।५७	८।१४	१०।३०	१२।४९	३।०८	५।१२	६।५६	८।२४
०४।०२।२२।०३	९ श	२०	९।४६	११।२२	१।१९	३।३३	५।५३	८।१०	१०।२६	१२।४५	३।०४	५।०८	६।५२	८।२०
०४।०३।१९।३९	१० र	२१	९।४२	११।१८	१।१५	३।२९	५।५०	८।०६	१०।२२	१२।४१	३।००	५।०४	६।४८	८।१६
०४।०४।१७।१७	११ चं	२२	९।३८	११।१४	१।११	३।२६	५।४६	८।०२	१०।१८	१२।३७	२।५६	५।००	६।४४	८।१२
०४।०५।१४।५७	११ मं	२३	९।३४	११।११	१।०७	३।२२	५।४२	७।५८	१०।१४	१२।३३	२।५२	४।५७	६।४०	८।०८
०४।०६।१२।३८	१२ बु	२४	९।३०	११।०७	१।०३	३।१८	५।३८	७।५५	१०।१०	१२।३०	२।४८	४।५३	६।३६	८।०४
०४।०७।१०।२१	१३ गु	२५	९।२६	११।०३	१२।५९	३।१४	५।३४	७।५१	१०।०६	१२।२६	२।४४	४।४९	६।३२	८।००
०४।०८।०८।०६	१४ शु	२६	९।२३	१०।५९	१२।५५	३।१०	५।३०	७।४७	१०।०२	१२।२२	२।४०	४।४५	६।२८	७।५६
०४।०९।०५।५३	३० श	२७	९।१९	१०।५५	१२।५१	३।०६	५।२६	७।४३	९।५९	१२।१८	२।३६	४।४१	६।२४	७।५३

संक्रांति फलम्

ता. १७ अगस्त २०२२

भा. कृ. ६ वुधे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ७।०७ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (वैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम। पुण्यकालः भौमे (स्टै.) २४।४३ से वुधे ७।०७ तक। (दान-छत्र)।

अयनांशाः २४।०९।१०

प.२० भा.कृ.१४ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	१	५	११	३	९	०	६
०८	०९	०५	१३	२३	२६	२२	२२
३७	०८	५०	१५	१८	५३	४७	४७
३८	०४	०८	१४	११	५७	३१	३१
५७	३३	६१	५	७३	४	३	३
५५	४५	११	२१	५४	२०	११	११
म	कृ	उफा	उभा	श्ले	ध	भ	वि
३	४	३	३व	२	२व	३	१

२८ अगस्त से १० सितंबर तक, श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
छत्र	१	र	२१	२३	१४	४४	पूफा	३९	१७	२१	५३	सि	४८	४३	२५	४०	व	२१	२३	१४	४४	३५/४३	६/११	६/५२	६	२९	२८	कन्या२८।१२	४।०९।५६।४५	५७।५०
श्रीवत्स	२	सो	२२	५०	१५	१९	उफा	४२	०६	२३	०१	सा	४७	०२	२५	००	कौ	२२	५०	१५	१९	३९	११	५१	७	१	२९	कन्या	४।१०।५४।३५	५७।५२
सौम्य	३	मं	२३	२२	१५	३२	हस्त	४४	०१	२३	४८	शु	४४	३५	२४	०२	ग	२३	२२	१५	३२	३५	११	५०	८	२	३०	कन्या	४।११।५२।२८	५७।५४
गणेश	४	बु	२२	५८	१५	२३	चित्रा	४५	००	२४	१२	शु	४१	२४	२२	४५	वि	२२	५८	१५	२३	३१	१२	४८	९	३	३१	तुला. १२।०३	४।१२।५०।२२	५७।५६
ऋषि	५	गु	२१	३५	१४	५१	स्वा	४५	००	२४	१२	ब्र	३७	२५	२१	१०	बा	२१	३५	१४	५१	२८	१२	४७	१०	४	१	तुला.	४।१३।४८।१८	५७।५८
मातङ्ग	६	शु	१९	१२	१३	५४	विशा	४३	५९	२३	४९	ऐ	३२	३८	११	१६	तै	१९	१२	१३	५४	२४	१३	४६	११	५	२	वृश्चि. १७।५७	४।१४।४६।१६	५८।००
अमृत	७	श	१५	४४	१२	३१	अनु	४१	५५	२२	५९	वै	२६	५८	१७	००	व	१५	४४	१२	३१	२०	१३	४५	१२	६	३	वृश्चि.	४।१५।४४।१६	५८।०२
काण	८	र	११	१३	१०	४३	ज्ये	३८	४७	२१	४५	वि	२०	२६	१४	२४	व	११	१३	१०	४३	१६	१४	४४	१३	७	४	धनु. २१।४५	४।१६।४२।१८	५८।०४
लुम्बक	९	सो	५	४१	८	३१	मूल	३४	४२	२०	०७	प्री	१३	०५	११	२८	कौ	५	४१	८	३१	१२	१४	४३	१४	८	५	धनु.	४।१७।४०।२२	५८।०६
क्षयः	१०	सो	५९	१७	२९	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	११	मं	५२	०९	२७	०६	पूषा	२९	४८	१८	१०	आ	५६	३१/२५	२६	३९/४५	व	२५	४६	१६	३३	०८	१५	४२	१५	९	६	मक. २३।३९	४।१८।३८।२८	५८।०८
ए.व्र.	१२	बु	४४	३६	२४	०६	उषा	२४	२२	१६	००	शो	४७	२८	२५	१४	व	१८	२४	९३	३७	०४	१५	४१	१६	१०	७	मक.	४।१९।३६।३६	५८।१०
प्र.व्र.	१३	गु	३६	५९	२१	०३	श्रव	१८	४३	१३	४५	अ	३८	२७	२१	३९	कौ	१०	८६	१०	३४	००	१६	४०	१७	११	८	कुंभे २४।३८	४।२०।३४।४७	५८।१२
धाता	१४	शु	२९	३९	१८	०८	धनि	१३	१४	११	३४	सु	२९	४२	१८	०९	ग	३	१५	७	३४	३०/५६	१६	३८	१८	१२	९	कुंभे	४।२१।३२।५९	५८।१४
पूर्णिमा	१५	श	२३	०१	१५	२९	शत	८	१८	९	३६	धृ	२१	३१	१४	५३	व	२३	०१	१५	२९	५२	१७	३७	१९	१३	१०	मीने २६।२२	४।२२।३१।१३	५८।१७

[D पूफा. सौरः १८।२९, सिंहे मघा. शुक्रः १६।३३ [B मेला, दशावतार व्र., गौरी विसर्जन २०।०७ यावत् [K रंभारोपणं, बुधास्तः पश्चिमायाम् १०।५६ [C कु. संध्यापूजा, इंदुला १५, वक्री बुधः १९।१८

केतकी अहर्गणः ४१६२ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अगस्त-सितंबर २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चंद्रदर्शनम् (मु.३०),अगस्त्योदयः ७।०१ [A सामवेदि उपाकर्म, I
सफर २,(व) धनि.-१ शनिः ११।५८ [I पूफा.रविः २७।०७,हस्ते L
भ.२७।३० उ.,मन्वादि, वराहजयंती,हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र., A
भ. १५।२३ या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), जैन संवत्सरी, D
ऋषि पंचमी, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे), सितंबर ९ ता. ३०
सौर(सूर्य) षष्ठी,स्कन्द दर्शनं,दूबड़ी सातम [L बुधः १६।०२, रां. J
भ.१२।३१ उ. २३।४० या.,मुक्ताभरण व्र.,उमामहेश्वर पू., गौरी E
दधीची जयंती, श्री राधा ८, गौरी पूजन २१।४५ यावत्
अदुःख नवमी व्र.,श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय),श्री रामदेवजी का B
[J स्री.स्री.सू.सू.वाहन मेष अल्पवृष्टिः [E आवाहन २२।५९ यावत्
भ. १६।३३ उ. २७।०६ या., जलझूलनी ११ व्र.स्मार्त
जलझूलनी ११ व्र.वैष्ण.,वामनजयंती, दुग्धव्रतं, हरिवासरः २३।१५ M
पंचक प्रारम्भः २४।३८, प्रदोषः, गोत्रिरात्र व्र. [M से २४।०६ तक
भ. १८।०८ उ. २८।४६ या., अनन्त १४, कदली व्रतं पूजनं, K
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, प्रौष्ठपदी,महालय श्राद्धारंभः, महेश्वर पूजनं, C

अयनांशाः २४।०९।११

पं.२१ भा.शु. ६ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	१	५	११	४	९	०	६
१५	१२	१२	१२	०१	२६	२२	२२
२३	५८	००	३४	५६	२४	२५	२५
३३	५३	००	४१	१६	१५	१६	१६
५८	३१	३९	६	७४	४	३	३
०६	५३	३५	२०	०९	०५	१२	११
पूफा	रो	ह	उभा	म	ध	भ	वि
१	१	१	३व	१	१व	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ
०४।१०।०३।४२	१ र	२८	९।१५	१०।५१	१२।४७	३।०२	५।२२	७।३९	९।५५	१२।१४	२।३२	४।३७	६।२०	७।४९
०४।११।०१।३२	२ चं	२९	९।११	१०।४७	१२।४३	२।५८	५।१८	७।३५	९।५१	१२।१०	२।२८	४।३३	६।१६	७।४५
०४।११।५९।२५	३ मं	३०	९।०७	१०।४३	१२।३९	२।५४	५।१४	७।३१	९।४७	१२।०६	२।२४	४।२९	६।१२	७।४१
०४।१२।५७।१९	४ बु	३१	९।०३	१०।३९	१२।३५	२।५०	५।१०	७।२७	९।४३	१२।०२	२।२०	४।२५	६।०८	७।३७
०४।१३।५५।१५	५ गु	१	८।५९	१०।३५	१२।३१	२।४६	५।०६	७।२३	९।३९	११।५८	२।१७	४।२१	६।०४	७।३३
०४।१४।५३।१४	६ शु	२	८।५५	१०।३१	१२।२७	२।४२	५।०२	७।१९	९।३५	११।५४	२।१३	४।१७	६।००	७।२९
०४।१५।५१।१४	७ श	३	८।५१	१०।२७	१२।२३	२।३८	४।५८	७।१५	९।३१	११।५०	२।०९	४।१३	५।५६	७।२५
०४।१६।४९।१६	८ र	४	८।४७	१०।२३	१२।१९	२।३४	४।५४	७।११	९।२७	११।४६	२।०५	४।०९	५।५२	७।२१
०४।१७।४७।२०	९ चं	५	८।४३	१०।१९	१२।१६	२।३०	४।५०	७।०७	९।२३	११।४२	२।०१	४।०५	५।४९	७।१७
०४।१८।४५।२७	११ मं	६	८।३९	१०।१५	१२।१२	२।२६	४।४६	७।०३	९।१९	११।३८	१।५७	४।०१	५।४५	७।१३
०४।१९।४३।३५	१२ बु	७	८।३५	१०।११	१२।०८	२।२२	४।४२	६।५९	९।१५	११।३४	१।५३	३।५७	५।४१	७।०९
०४।२०।४१।४५	१३ गु	८	८।३१	१०।०७	१२।०४	२।१८	४।३९	६।५५	९।११	११।३०	१।४९	३।५३	५।३७	७।०५
०४।२१।३९।५८	१४ शु	९	८।२७	१०।०४	१२।००	२।१५	४।३५	६।५१	९।०७	११।२६	१।४५	३।४९	५।३३	७।०१
०४।२२।३८।१३	१५ श	१०	८।२३	१०।००	११।५६	२।११	४।३१	६।४८	९।०३	११।२२	१।४१	३।४६	५।२९	६।५७

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो। अमावस्या को शनिवार और मघा होने से अरिष्टकारी योग वनता है। अमावस शनिवारी होने से तेल महंगा हो। सुदि २ सोमवार होने से धान्योत्पत्ति उत्तम और चौपायों की वृद्धि हो। सुदी छठ को अनुराधा नहीं होने से दुर्भिक्ष हों। शुक्ला दशमी का क्षय होने से घी की विशेष महँगाई हों। पूर्णिमा शतभिषा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है तथा शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।०९।१३

पं.२२ भा.शु.१४ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	१	५	११	४	९	०	६
२२	१६	१४	११	१०	२५	२२	२२
१०	३५	५८	४७	३५	५६	०२	०२
४९	४६	२५	३८	५८	३५	५९	५९
५८	२९	३	७	७४	३	३	३
१८	४४	३१	१०	२२	४५	११	११
पूफा	रो	ह	उभा	म	ध	भ	वि
३	२	२	३व	४	१व	३	१

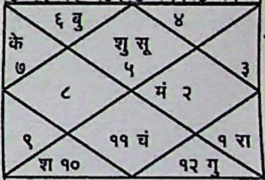

११ सितंवर से २५ सितंबर तक, श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमासू. सू. तारीख																												स्टै.	प्रातः	दैनिक	शरदृत्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः, सितंवर २०२२
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
चर	१	र	१७	२७	१३	१६	पूभा	४	२१	८	०१	शू	१४	१२	११	५८	कौ	१७	२७	१३	१६	३०/४८	६/१७	६/३६	२०	१४	११	मीने	४।२३।२९।३०	५८।१९	पूफा. शुक्रः ११।१२ [A चन्द्रोदयः २०।३७, उफा. रविः E
गद	२	सो	१३	१९	११	३७	उभा	१	४४	६	५९	गं	८	०१	९	३०	ग	१३	१९	११	३७	४४	१७	३५	२१	१५	१२	मीने	४।२४।२७।४९	५८।२१	भ. २३।०२ उ. [E २१।०१, सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन स्वर वर्षाश्रेष्ठः
च.व्र.	३	मं	१०	५१	१०	३८	रेव	०	४५	६	३६	वृ	३/५९	१२/५१	७/३०	३५/१४	वि	१०	५१	१०	३८	३९	१८	३४	२२	१६	१३	मेषे ६।३६	४।२५।२६।१०	५८।२३	भ. १०।३८ या., पंचक समाप्तिः ६।३६, अंगारकी चतुर्थीव्रतं A
मृत्यु	४	बु	१०	१८	१०	२५	अश्वि	१	३४	६	५६	व्या	५८	०१	२९	३१	बा	१०	१८	१०	२५	३५	१८	३३	२३	१७	१४	मेषे	४।२६।२४।३३	५८।२५	भरणी श्राद्ध, उफा. सौरः १२।३९
पद्म	५	गु	११	४०	१०	५९	भर	४	१७	८	०२	ह	५७	३७	२९	२२	तै	११	४०	१०	५९	३१	१९	३१	२४	१८	१५	वृषे १४।२५	४।२७।२२।५८	५८।२७	चंद्रषष्ठी [C ७।०७ (सौरः २२।४६)
छत्र	६	शु	१४	५२	१२	१६	कृति	८	४८	९	५०	व	५८	३०	२९	४३	व	१४	५२	१२	१६	२७	१९	३०	२५	१९	१६	वृषे	४।२८।२१।२५	५८।३०	भ. १२।१६ उ. २५।०९ या.
श्रीवत्स	७	श	१९	३६	१४	१०	रोहि	१४	५०	१२	१६	सि	...	...	...	...	व	१९	३६	१४	१०	२३	२०	२९	२६	२०	१७	मिथु. २५।३९	४।२९।१९।५५	५८।३२	श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी, विश्वकर्मा पू., कन्यायां रविः C
सौम्य	८	र	२५	२४	१६	३०	मृग	२१	५५	१५	०६	सि	०	१७	६	२७	कौ	२५	२४	१६	३०	१९	२०	२८	२७	२१	१८	मिथु.	५।००।१८।२७	५८।३४	[B तुलायां भानुः ६।४६, मृगे भौमः २७।१२, (व) उभा.-२ F
काल	९	सो	३१	४२	१९	०१	आर्द्रा	२९	२९	१८	०८	व्य	२	३८	७	२४	ग	३१	४२	१९	०१	१५	२१	२७	२८	२२	१९	मिथु.	५।०१।१७।०१	५८।३६	सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, (व) उफा. वुधः १९।१६
सुस्थिर	१०	मं	३७	४८	२१	२८	पुन	३६	५४	२१	०७	व	५	०२	८	२२	व	४	४७	८	१६	११	२१	२६	२९	२३	२०	कर्के १४।२३	५।०२।१५।३७	५८।३९	भ. ८।१६ उ. २१।२८ या. [F गुरुः ७।५३
ए.व्र.	११	बु	४३	१०	२३	३८	पुष्य	४३	३७	२३	४८	प	७	०५	९	११	व	१०	३६	१०	३६	०७	२२	२४	३०	२४	२१	कर्के	५।०३।१४।१६	५८।४१	इंदिरा ११ व्र., उफा. शुक्रः २८।४५
अमृत	१२	गु	४७	२५	२५	२०	श्ले	४९	१५	२६	०४	शि	८	२४	९	४४	कौ	१५	२५	१२	३२	०३	२२	२३	३१	२५	२२	सिंहे २६।०४	५।०४।१२।५७	५८।४३	सन्यासिनां श्राद्धं
प्र.व्र.	१३	शु	५०	२२	२६	३२	मघा	५३	३८	२७	५०	सि	८	४८	९	५४	ग	१९	०३	१४	००	२९/५९	२३	२२	१	२६	२३	सिंहे	५।०५।११।४०	५८।४६	भ. २६।३२ उ., प्रदोषः, युगादि, भा. अश्विनारंभः, सायन B
लुम्बक	१४	श	५२	००	२७	११	पूफा	५६	४४	२९	०५	सा	८	१२	९	४०	वि	२१	२१	१४	५५	५४	२३	२१	२	२७	२४	सिंहे	५।०६।१०।२६	५८।४८	भ. १४।५५ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं, D
अमाव.	३०	र	५२	२५	२७	२१	उफा	५८	३९	२९	५१	शु	६	३४	९	०१	च	२२	२०	१५	२०	५०	२३	२०	३	२८	२५	कन्या ११।१९	५।०७।०९।१३	५८।५०	देवपितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम् [D कन्यायां शुक्रः २०।५९

अयनांशाः २४।०९।१४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.२३ आ.कृ. ६ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	१	५	११	४	९	०	६
२८	१९	१३	१०	१९	२५	२१	२१
५९	५६	०१	५५	१७	३१	४०	४०
३३	३७	०५	३८	१२	३७	४३	४३
५८	२७	४३	७	७४	३	३	३
३१	१४	५५	४४	३५	१८	११	११
उफा	रो	ह	उभा	पूफा	ध	भ	वि
१	३	१व	३व	२	१व	३	१

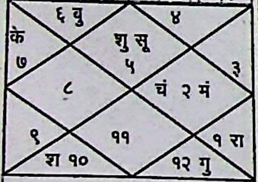

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. सितं	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायँ
०४।२३।३६।२९	१ र	११	८।१९	९।५६	११।५२	२।०७	४।२७	६।४४	८।५९	११।१९	१।३७	३।४२	५।२५	६।५३
०४।२४।३४।४८	२ चं	१२	८।१५	९।५२	११।४८	२।०३	४।२३	६।४०	८।५५	११।१५	१।३३	३।३८	५।२१	६।४९
०४।२५।३३।१०	३ मं	१३	८।१२	९।४८	११।४४	१।५९	४।१९	६।३६	८।५२	११।११	१।२९	३।३४	५।१७	६।४५
०४।२६।३१।३३	४ बु	१४	८।०८	९।४४	११।४०	१।५५	४।१५	६।३२	८।४८	११।०७	१।२५	३।३०	५।१३	६।४२
०४।२७।२९।५८	५ गु	१५	८।०४	९।४०	११।३६	१।५१	४।११	६।२८	८।४४	११।०३	१।२१	३।२६	५।०९	६।३८
०४।२८।२८।२६	६ शु	१६	८।००	९।३६	११।३२	१।४७	४।०७	६।२४	८।४०	१०।५९	१।१७	३।२२	५।०५	६।३४
०४।२९।२६।५६	७ श	१७	७।५६	९।३२	११।२८	१।४३	४।०३	६।२०	८।३६	१०।५५	१।१३	३।१८	५।०१	६।३०
०५।००।२५।२८	८ र	१८	७।५२	९।२८	११।२४	१।३९	३।५९	६।१६	८।३२	१०।५१	१।०९	३।१४	४।५७	६।२६
०५।०१।२४।०३	९ चं	१९	७।४८	९।२४	११।२०	१।३५	३।५५	६।१२	८।२८	१०।४७	१।०६	३।१०	४।५३	६।२२
०५।०२।२२।३९	१० मं	२०	७।४४	९।२०	११।१६	१।३१	३।५१	६।०८	८।२४	१०।४३	१।०२	३।०६	४।४९	६।१८
०५।०३।२१।१८	११ बु	२१	७।४०	९।१६	११।१२	१।२७	३।४७	६।०४	८।२०	१०।३९	१२।५८	३।०२	४।४५	६।१४
०५।०४।१९।५९	१२ गु	२२	७।३६	९।१२	११।०८	१।२३	३।४३	६।००	८।१६	१०।३५	१२।५४	२।५८	४।४१	६।१०
०५।०५।१८।४३	१३ शु	२३	७।३२	९।०८	११।०५	१।१९	३।३९	५।५६	८।१२	१०।३१	१२।५०	२।५४	४।३८	६।०६
०५।०६।१७।२८	१४ श	२४	७।२८	९।०४	११।०१	१।१५	३।३५	५।५२	८।०८	१०।२७	१२।४६	२।५०	४।३४	६।०२
०५।०७।१६।१७	३० र	२५	७।२४	९।००	१०।५७	१।११	३।३२	५।४८	८।०४	१०।२३	१२।४२	२।४६	४।३०	५।५८

संक्रांति फलम्

ता. १७ सितंवर २०२२

आश्वि. कृ. ७ शनौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. ७।०७ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी वालावस्था (वैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टैं.) ७।०७ से १३।३१ तक । (दान- गृह वस्त्र) ।

अयनांशाः २४।०९।१५

पं.२४ आ.कृ.१३ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	१	५	११	४	९	०	६
०५	२२	०६	१०	२७	२५	२१	२१
४९	५८	१९	००	५९	१०	१८	१८
४९	५२	३०	३०	४७	००	२८	२८
५८	२४	६४	८	७४	२	३	३
४४	२१	२७	०१	४५	४७	११	११
उफा	रो	उफा	उभा	उफा	ध	भ	वि
३	४	३व	३व	१	१व	३	१

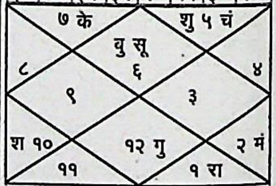

२६ सितंबर से ९ अक्टूबर तक, श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमासू. सू. तारीख

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	स्टै. चंद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति
नवरा.	१	सो	५१	४३	२७	०५	हस्त	५९	३०	३०	१२	शु	४	००	८	००	किं	२२	११	१५	१६	२९/४६	६/२४	६/१८	४	२९	२६	कन्या	५।०८।०८।०४	५८।५२
ध्वाङ्क्ष	२	मं	५०	०३	२६	२६	चित्रा	५९	२६	३०	११	व्र	०/५६	३४/३६	६/२८	३८/४१	वा	२०	५९	१४	४८	४२	२४	१७	५	३०	२७	तुला. १८।१४	५।०९।०६।५६	५८।५५
धूम्र	३	बु	४७	३३	२५	२६	स्वा	५८	३३	२९	५०	वै	५१	३६	२७	०३	तै	१८	५४	१३	५८	३८	२५	१६	६	१	२८	तुला.	५।१०।०५।५१	५८।५७
प्रवर्धमा	४	गु	४४	२०	२४	१०	विशा	५६	५८	२९	१२	वि	४६	११	२४	५४	व	१६	०१	१२	५०	३४	२५	१५	७	२	२९	वृश्चि. २३।२३	५।११।०४।४८	५८।५९
राक्षस	५	शु	४०	२७	२२	३७	अनु	५४	४४	२८	१९	प्री	४०	१५	२२	३२	व	१२	२८	११	२५	३०	२६	१४	८	३	३०	वृश्चि.	५।१२।०३।४७	५९।०२
मुसल	६	श	३५	५८	२०	५०	ज्ये	५१	५६	२७	१३	आ	३३	४९	१९	५८	कौ	८	१६	९	४५	२६	२६	१३	९	४	१	धनु. २७।१३	५।१३।०२।४९	५९।०४
सिद्धि	७	र	३०	५७	१८	५०	मूल	४८	३७	२५	५४	सौ	२६	५८	१७	१४	ग	३	३१	७	५१	२२	२७	१२	१०	५	२	धनु.	५।१४।०१।५३	५९।०६
दुर्गा	८	सो	२५	३०	१६	४०	पूषा	४४	५४	२४	२५	शो	१९	४४	१४	२१	ब	२५	३०	१६	४०	१८	२७	१०	११	६	३	मक. ३०।०२	५।१५।००।५९	५९।०९
विजया	९	मं	१९	४३	१४	२१	उषा	४०	५४	२२	५०	अ	१२	१४	११	२१	कौ	१९	४३	१४	२१	१३	२८	०९	१२	७	४	मक.	५।१६।००।०८	५९।११
छत्र	१०	बु	१३	४७	११	५९	श्रव	३६	५०	२१	१२	सु	४/५६	३४/५६	८/२९	५८/४५	ग	१३	४७	११	५९	०९	२८	०८	१३	८	५	मक.	५।१६।५९।१९	५९।१३
ए.व्र.	११	गु	७	५४	९	३८	धनि	३२	५४	१९	३८	शू	४९	२७	२६	१६	वि	७	५४	९	३८	०५	२९	०७	१४	९	६	कुंभे ८।२५	५।१७।५८।३२	५९।१६
प्र.व्र.	१२	शु	२	१७	७	२४	शत	२९	२१	१८	१४	गं	४२	२२	२३	२६	वा	२	१७	७	२४	०१	२९	०६	१५	१०	७	कुंभे	५।१८।५७।४८	५९।१८
क्षयः	१३	शु	५७	१५	२९	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
काल	१४	श	५२	५९	२७	४२	पूभा	२६	२९	१७	०६	वृ	३५	५२	२०	५१	ग	२४	५९	१६	३०	२८/५७	३०	०५	१६	११	८	मीने ११।२१	५।१९।५७।०६	५९।२०
पूर्णिमा	१५	र	४९	४८	२६	२६	उभा	२४	३३	१६	२०	ध्रु	३०	१०	१८	३४	वि	२१	१४	१५	००	५३	३१	०४	१७	१२	९	मीने	५।२०।५६।२६	५९।२३

केतकी अहर्गणः ४११९१ शरदृतू रविर्दक्षिणे,सितंवर-अक्टूबर २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती, मातामह श्रा.
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), हस्ते रविः १२।३२ B
रविलावल ३, शुक्रास्तः पूर्वस्याम् २३।५०
भ.१२।५० उ. २४।१० या.,बुधोदयः पूर्वस्याम् १२।२५
उपांग ललिताव्र. [B (सौरः २८।०२), सं.सी.सी. F
अक्टूबर १० ता. ३१, (व) सिंहे बुधः २९।३६ [E शमीपूजा
भ.१८।५० उ. २९।४६ या., सरस्वती आवाहनं मूलभे,भद्रकाली C
महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे [F सू.सू.वाहन जम्बूक अल्पवृष्टिः
मन्वादि, बोद्धावतार, शस्त्रादि पूजा,बलिदानं उ.षाभे,विजया १०, E
भ. २२।४९ उ., पट्टाभिषेक, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे
भ. ९।३८ या., पंचक प्रारम्भः ८।२५, पापांकुशा ११ व्र.
प्रदोषः, कार्तिके द्विदलं त्यजेत् [C अवतार, गांधी जयन्ती, G
[G कन्यायां बुधः २१।४२,मार्गी बुधः २९।११, हस्ते शुक्रः २१।२३
भ. २७।४२ उ. [A व्र., वंगीय लक्ष्मी पूजा, नवान्न भक्षण, D
भ. १५।०० या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शरद पूर्णिमा, कोजागरी A
[D आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन शाखा), कार्तिक स्नान प्रा.

शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०९।१६

पं.२५ आ.शु. ५ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	१	५	११	५	९	०	६
१२	२५	००	०९	०६	२४	२०	२०
४१	३९	२९	०४	४३	५२	५६	५६
४२	३५	१०	१९	३२	१५	१२	१२
५८	२१	१९	८	७४	२	३	३
५९	००	४६	००	५४	११	११	११
ह	मृ	उफा	उभा	उफा	ध	भ	वि
१	१	२व	२व	४	१व	३	१

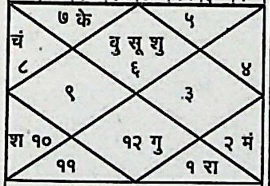

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. सितं	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायं
०५।०८।१५।०७	१ चं	२६	७।२०	८।५६	१०।५३	१।०७	३।२८	५।४४	८।००	१०।१९	१२।३८	२।४२	४।२६	५।५४
०५।०९।१४।००	२ मं	२७	७।१६	८।५३	१०।४९	१।०४	३।२४	५।४०	७।५६	१०।१५	१२।३४	२।३९	४।२२	५।५०
०५।१०।१२।५५	३ बु	२८	७।१२	८।४९	१०।४५	१।००	३।२०	५।३७	७।५२	१०।११	१२।३०	२।३५	४।१८	५।४६
०५।११।११।५२	४ गु	२९	७।०८	८।४५	१०।४१	१२।५६	३।१६	५।३३	७।४८	१०।०८	१२।२६	२।३१	४।१४	५।४२
०५।१२।१०।५२	५ शु	३०	७।०४	८।४१	१०।३७	१२।५२	३।१२	५।२९	७।४४	१०।०४	१२।२२	२।२७	४।१०	५।३८
०५।१३।०९।५३	६ श	१	७।०१	८।३७	१०।३३	१२।४८	३।०८	५।२५	७।४१	१०।००	१२।१८	२।२३	४।०६	५।३५
०५।१४।०८।५८	७ र	२	६।५७	८।३३	१०।२९	१२।४४	३।०४	५।२१	७।३७	९।५६	१२।१४	२।१९	४।०२	५।३१
०५।१५।०८।०४	८ चं	३	६।५३	८।२९	१०।२५	१२।४०	३।००	५।१७	७।३३	९।५२	१२।१०	२।१५	३।५८	५।२७
०५।१६।०७।१३	९ मं	४	६।४९	८।२५	१०।२१	१२।३६	२।५६	५।१३	७।२९	९।४८	१२।०६	२।११	३।५४	५।२३
०५।१७।०६।२५	१० बु	५	६।४५	८।२१	१०।१७	१२।३२	२।५२	५।०९	७।२५	९।४४	१२।०२	२।०७	३।५०	५।१९
०५।१८।०५।३८	११ गु	६	६।४१	८।१७	१०।१३	१२।२८	२।४८	५।०५	७।२१	९।४०	११।५८	२।०३	३।४६	५।१५
०५।१९।०४।५४	१२ शु	७	६।३७	८।१३	१०।०९	१२।२४	२।४४	५।०१	७।१७	९।३६	११।५५	१।५९	३।४२	५।११
०५।२०।०४।१३	१४ श	८	६।३३	८।०९	१०।०५	१२।२०	२।४०	४।५७	७।१३	९।३२	११।५१	१।५५	३।३८	५।०७
०५।२१।०३।३३	१५ र	९	६।२९	८।०५	१०।०१	१२।१६	२।३६	४।५३	७।०९	९।२८	११।४७	१।५१	३।३४	५।०३

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं ॥ एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः ॥ कृष्णा एकादशी को बुधवार होने से गाय भैंस महँगी हों। अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो तथा उत्तराफाल्गुनी होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। सुदी नौमी को मंगलवार होने से कपासादि का भाव मंदा हो। पूर्णिमा उत्तराभाद्रपद युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। पूर्णिमा को अश्विनी का अभाव होने से महर्घता हो। शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २४।०९।१७

पं.२६ आ.शु.१२ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	१	५	११	५	९	०	६
१९	२७	०१	०८	१५	२४	२०	२०
३५	५५	४३	०९	२८	३८	३३	३३
१५	१५	३७	०७	१६	४८	५६	५६
५९	१७	४९	७	७५	१	३	३
१३	०७	१४	३९	०२	३२	१२	१२
ह	मृ	उफा	उभा	ह	ध	भ	वि
३	२	२	२व	२	१व	३	१

१० अक्टूबर से २५ अक्टूबर तक,श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमासू. सू. तारीख																												स्टै.	प्रातः	दैनिक
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	सो	४७	५५	२५	४१	रेव	२३	४८	१६	०२	व्या	२५	२६	१६	४१	वा	१८	४०	१३	५९	३६/४९	६/३१	६/०३	१८	१३	१०	मेषे १६।०२	५।२१।५५।४९	५९।२५
अमृत	२	मं	४७	२९	२५	३१	अश्वि	२४	२५	१६	१७	ह	२१	४८	१५	१५	तै	१७	२९	१३	३१	४५	३२	०२	१९	१४	११	मेषे	५।२२।५५।१४	५९।२७
काण	३	बु	४८	३८	२५	५९	भर	२६	३२	१७	०९	व	१९	२४	१४	१८	व	१७	५०	१३	४०	४१	३२	०१	२०	१५	१२	वृषे २३।२७	५।२३।५४।४१	५९।३०
च.व्र.	४	गु	५१	२३	२७	०६	कृति	३०	११	१८	३७	सि	१८	१२	१३	५०	ब	१९	४७	१४	२८	३७	३३	००	२१	१६	१३	वृषे	५।२४।५४।११	५९।३२
मित्र	५	शु	५५	३५	२८	४७	रोहि	३५	२०	२०	४१	व्य	१८	१३	१३	५०	कौ	२३	१८	१५	५२	३३	३३	५/५८	२२	१७	१४	वृषे	५।२५।५३।४३	५९।३४
चव्र	६	श	...	...	...	...	मृग	४१	४३	२३	१५	व	६९	१५	१४	१६	ग	२८	१०	१७	५०	२९	३४	५७	२३	१८	१५	मिथु. ९।५५	५।२६।५३।१७	५९।३७
ध्वाङ्क्ष	६	र	१	००	६	५९	आर्द्रा	४८	५७	२६	०९	प	२१	०६	१५	०१	व	१	००	६	५९	२५	३४	५६	२४	१९	१६	मिथु.	५।२७।५२।५४	५९।३९
धूम्र	७	सो	७	१०	९	२७	पुन	५६	२७	२९	१०	शि	२३	२१	१५	५६	ब	७	१०	९	२७	२१	३५	५५	२५	२०	१७	कर्के २२।२५	५।२८।५२।३३	५९।४१
प्रवर्धमा	८	मं	१३	२७	११	५८	पुष्य	...	...	...	...	सि	२५	३५	१६	५०	कौ	१३	२७	११	५८	१७	३६	५४	२६	२१	१८	कर्के	५।२९।५२।१४	५९।४३
मातङ्ग	९	बु	१९	११	१४	१७	पुष्य	३	३५	८	०२	सा	२७	१८	१७	३१	ग	१९	११	१४	१७	१३	३६	५३	२७	२२	१९	कर्के	६।००।५१।५७	५९।४६
अमृत	१०	गु	२३	५१	१६	०९	श्लेे	९	४९	१०	३२	शु	२८	०९	१७	५३	वि	२३	५१	१६	०९	०९	३७	५२	२८	२३	२०	सिंहे १०।३२	६।०१।५१।४३	५९।४८
ए.व्र.	११	शु	२७	०१	१७	२६	मघा	१४	४१	१२	३०	शु	२७	५२	१७	४६	बा	२७	०१	१७	२६	०५	३७	५२	२९	२४	२१	सिंहे	६।०२।५१।३१	५९।५०
प्र.व्र.	१२	श	२८	३५	१८	०४	पूफा	१८	००	१३	५०	ब्र	२६	१९	१७	१०	तै	२८	३५	१८	०४	०१	३८	५१	३०	२५	२२	कन्या २०।०४	६।०३।५१।२१	५९।५२
मित्र	१३	र	२८	३०	१८	०३	उफा	१९	४४	१४	३२	ऐ	२३	३१	१६	०३	व	२८	३०	१८	०३	२७/५७	३९	५०	१	२६	२३	कन्या	६।०४।५१।१३	५९।५५
दीपाव.	१४	सो	२६	५४	१७	२५	हस्त	१९	५७	१४	३८	वै	१९	३०	१४	२७	श	२६	५४	१७	२५	५४	३९	४९	२	२७	२४	तुला. २६।२९	६।०५।५१।०८	५९।५७
अमाव.	३०	मं	२३	५९	१६	१६	चित्रा	१८	५२	१४	१३	वि	१४	२६	१२	२६	ना	२३	५९	१६	१६	५०	४०	४८	३	२८	२५	तुला.	६।०६।५१।०५	५९।५९

शरदृत्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः, अक्टूबर २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
पंचक समाप्तिः १६।०२, चित्रा. रविः २५।३२, सं.स्त्री.पु.सू.चं.वाहन D
चित्रा. सौरः १६।३२ [B रविः १२।०२ (सौरः २६।१४), सं.स्त्री.G
भ. १३।४० उ. २५।५९ या. [G स्त्री.सू.सू.वाहन स्वर अल्पवृष्टिः
करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२०,दशरथ ललिता व्र.,चित्रा. शुक्रः १३।२२
हस्ते बुधः ८।५५ [A कार्तिकारंभः, सायन वृश्चिके भानुः C
स्कन्द षष्ठी,मिथुने भौमः १७।३० [C १६।१४, बुधास्तः पूर्वस्याम् H
भ. ६।५९ उ. २०।११ या. [F राहुः २२।४०, स्वा.-४ केतुः २२।४०
होई (अहोरी) ८,आकाश दीपारंभः, तुलायां रविः १९।०६, भर.-२ F
तुलायां सौरः ९।४३, तुलायां शुक्रः २१।१० [D मूषक वर्षाश्रेष्ठः
भ.२७।१७ उ.,(व) उभा.-१ गुरुः १७।०० [E चित्रा. बुधः १५।०९
भ. १६।०९ या. [H १५।४२, स्वा. शुक्रः २८।५३, मार्गी J
रमा ११ व्र., गोवत्स द्वादशी [J शनिः २०।२२
प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं,गोत्रिरात्र व्र., E
भ.१८।०३ उ. २९।४८ या.,मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं, भा. A
रुप (नरक) १४, प्रभात स्नानं, महालक्ष्मी पूजा,कुवेर पू.,स्वा. B
ग्रस्तास्तं सूर्यग्रहणम्, देवपितृकार्येऽमा., बलीपूजा

अयनांशाः २४।०९।१८

पं.२७ का.कृ. ५ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	१	५	११	५	९	०	६
२६	२९	०९	०७	२४	२४	२०	२०
३०	४१	५१	१७	१३	२९	११	११
२९	५६	१२	०३	४७	५९	४०	४०
५९	१२	८९	७	७५	०	३	३
२७	३८	४१	०५	०८	५२	११	११
चि	मृ	उफा	उभा	चि	घ	भ	वि
१	२	४	२व	१	१व	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टु	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।२२।०२।५६	१ चं	१०	६।२५	८।०१	९।५७	१२।१२	२।३२	४।४९	७।०५	९।२४	११।४३	१।४७	३।३०	४।५९
०५।२३।०२।२२	२ मं	११	६।२१	७।५७	९।५४	१२।०८	२।२८	४।४५	७।०१	९।२०	११।३९	१।४३	३।२७	४।५५
०५।२४।०१।४९	३ बु	१२	६।१७	७।५३	९।५०	१२।०४	२।२४	४।४१	६।५७	९।१६	११।३५	१।३९	३।२३	४।५१
०५।२५।०१।१९	४ गु	१३	६।१३	७।४९	९।४६	१२।००	२।२१	४।३७	६।५३	९।१२	११।३१	१।३५	३।१९	४।४७
०५।२६।००।५१	५ शु	१४	६।०९	७।४५	९।४२	११।५७	२।१७	४।३३	६।४९	९।०८	११।२७	१।३१	३।१५	४।४३
०५।२७।००।२६	६ श	१५	६।०५	७।४२	९।३८	११।५३	२।१३	४।२९	६।४५	९।०४	११।२३	१।२८	३।११	४।३९
०५।२८।००।०३	६ र	१६	६।०१	७।३८	९।३४	११।४९	२।०९	४।२६	६।४१	९।००	११।१९	१।२४	३।०७	४।३५
०५।२८।५९।४२	७ चं	१७	५।५७	७।३४	९।३०	११।४५	२।०५	४।२२	६।३७	८।५७	११।१५	१।२०	३।०३	४।३१
०५।२९।५९।२३	८ मं	१८	५।५३	७।३०	९।२६	११।४१	२।०१	४।१८	६।३३	८।५३	११।११	१।१६	२।५९	४।२७
०६।००।५९।०७	९ बु	१९	५।५०	७।२६	९।२२	११।३७	१।५७	४।१४	६।३०	८।४९	११।०७	१।१२	२।५५	४।२४
०६।०१।५८।५३	१० गु	२०	५।४६	७।२२	९।१८	११।३३	१।५३	४।१०	६।२६	८।४५	११।०३	१।०८	२।५१	४।२०
०६।०२।५८।४१	११ शु	२१	५।४२	७।१८	९।१४	११।२९	१।४९	४।०६	६।२२	८।४१	१०।५९	१।०४	२।४७	४।१६
०६।०३।५८।३२	१२ श	२२	५।३८	७।१४	९।१०	११।२५	१।४५	४।०२	६।१८	८।३७	१०।५५	१।००	२।४३	४।१२
०६।०४।५८।२४	१३ र	२३	५।३४	७।१०	९।०६	११।२१	१।४१	३।५८	६।१४	८।३३	१०।५१	१२।५६	२।३९	४।०८
०६।०५।५८।१९	१४ चं	२४	५।३०	७।०६	९।०२	११।१७	१।३७	३।५४	६।१०	८।२९	१०।४७	१२।५२	२।३५	४।०४
०६।०६।५८।१६	३० मं	२५	५।२६	७।०२	८।५८	११।१३	१।३३	३।५०	६।०६	८।२५	१०।४४	१२।४८	२।३१	४।००

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०२२

का. कृ. ७ चंद्रे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १९।०६ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (वैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.). १३।०६ से २५।०६ तक । (दान- तिल गोरस) ।

अयनांशाः २४।०९।१९

पं.२८ का.कृ.११ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	५	११	६	९	०	६
०३	००	२१	०६	०२	२४	१९	१९
२७	५५	०३	२९	५९	२६	४९	४९
२४	२१	१३	५८	५५	०१	२४	२४
५९	७	१००	६	७५	०	३	३
४२	३१	५१	१३	१२	१०	११	११
चि	मृ	ह	उभा	चि	ध	भ	स्वा
४	३	४	१व	३	१व	२	४

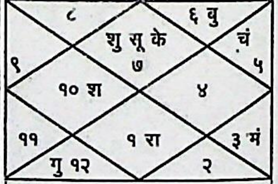

२६ अक्टूबर से ८ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
धूम्र	१	बु	१९	५९	१४	४०	स्वा	१६	४१	१३	२१	प्री	८	२७	१०	०४	व	१९	५९	१४	४०	२७/४६	६/४१	५/४३	४	२९	२६	वृश्चि. ३०।२८	६।०७।५१।०४	६०।०१
प्रवर्धमा	२	गु	१५	०९	१२	४५	विशा	१३	३९	१२	०९	आ	१/५४	३५/३२	७/२८	२३/३७	कौ	१५	०९	१२	४५	४२	४१	४६	५	३०	२७	वृश्चि.	६।०८।५१।०५	६०।०३
राक्षस	३	शु	९	४२	१०	३५	अनु	१०	००	१०	४२	शो	४६	५६	२५	२८	ग	९	४२	१०	३५	३८	४२	४५	६	१	२८	वृश्चि.	६।०९।५१।०८	६०।०५
मुसल	४	श	३	५१	८	१५	ज्ये	५	५८	९	०६	अ	३९	०८	२२	२२	वि	३	५१	८	१५	३५	४३	४५	७	२	२९	धनु. ९।०६	६।१०।५१।१४	६०।०८
क्षयः	५	श	५७	५३	२९	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिद्धि	६	र	५१	५४	२७	२९	मूल	१/५७	४७/४०	७/२९	२६/३७	सु	३१	१८	१९	१४	कौ	२४	५२	१६	४०	३१	४३	४४	८	३	३०	धनु.	६।११।५१।२१	६०।१०
मृत्यु	७	सो	४६	०९	२५	१२	उषा	५३	४४	२८	१४	धृ	२३	३५	१६	१०	ग	१८	५९	१४	१९	२७	४४	४३	९	४	३१	मक. ११।२३	६।१२।५१।३१	६०।१२
लुम्बक	८	मं	४०	४५	२३	०३	श्रव	५०	१३	२६	५०	शू	१६	०७	१३	११	वि	१३	२२	१२	०६	२४	४५	४२	१०	५	१	मक.	६।१३।५१।४३	६०।१४
मित्र	९	बु	३५	५४	२१	०७	धनि	४७	१३	२५	३९	गं	९	००	१०	२२	वा	८	१५	१०	०३	२०	४५	४१	११	६	२	कुंभे १४।१२	६।१४।५१।५७	६०।१६
वज्र	१०	गु	३१	४१	१९	२७	शत	४४	५४	२४	४४	वृ	२/५६	२२/२१	७/२९	४३/४९	तै	३	४१	८	१५	१६	४६	४१	१२	७	३	कुंभे	६।१५।५२।१३	६०।१८
ए.व्र.	११	शु	२८	१७	१८	०५	पूभा	४३	२३	२४	०८	व्या	५०	५८	२७	१०	वि	२८	१७	१८	०५	१३	४७	४०	१३	८	४	मीने १८।१५	६।१६।५२।३०	६०।२०
प्र.व्र.	१२	श	२५	४४	१७	०५	उभा	४२	४६	२३	५४	ह	४६	१८	२५	१९	बा	२५	४४	१७	०५	०९	४८	३९	१४	९	५	मीने	६।१७।५२।५०	६०।२२
प्रवर्धमा	१३	र	२४	१२	१६	२९	रेव	४३	०७	२४	०३	व	४२	२६	२३	४७	तै	२४	१२	१६	२९	०६	४८	३९	१५	१०	६	मेषे २४।०३	६।१८।५३।१२	६०।२४
राक्षस	१४	सो	२३	४४	१६	१८	अश्वि	४४	३३	२४	३८	सि	३९	२४	२२	३५	व	२३	४४	१६	१८	०३	४९	३८	१६	११	७	मेषे	६।१९।५३।३६	६०।२६
पूर्णिमा	१५	मं	२४	२३	१६	३५	भर	४७	०४	२५	३९	व्य	३७	१६	२१	४४	व	२४	२३	१६	३५	२६/५९	५०	३७	१७	१२	८	मेषे	६।२०।५४।०२	६०।२८

केतकी अहर्गणः ४२२१ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर-नवंबर २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः, गोक्रीडा, B
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भ्रातृ २, यम २, यमुना स्नानं, कलम H
भ. २१।२६ उ., दूर्वागणपति व्र., रविलास्र ४ [H दवात पू.
भ. ८।१५ या., सौभाग्य ५, पाण्डव ५ [B ग्रहण-करिदिन, F
[D पुष्कर यात्रा, विशा. सौरः ९।२१, विशा. बुधः १५।००
स्वा. बुधः १२।५० [F मार्गपाली वं., तुलायां बुधः १३।४८
भ. २५।१२ उ., कल्पादि, वक्री भौमः ९।२६
भ. १२।०६ या., गोपाष्टमी, नवंबर ११ ता. ३० [G रविः २०।१०
पंचक प्रारम्भः १४।१२, युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९
भ. ३०।४३ उ., विशा. शुक्रः २०।०७ [A गोपद्मव्रत समाप्ति, E
भ. १८।०५ या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी विवाह, C
प्रदोषः, मन्वादि [C चतुर्मास व्रत समाप्तिः, भीष्म पंचक प्रा.
पंचक समाप्तिः २४।०३, वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत समाप्तिः, विशा. G
भ. १६।१८ उ. २८।२३ या., कार्तिक व्रतोद्यापनं, त्रिपुरोत्सव, D
ग्रस्तोदयं सग्रासं चन्द्रग्रहणम्, मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A
[E नानक जयंती, भीष्म पंचक समाप्ति, कार्तिक स्नान पूर्तिः

अयनांशाः २४।०९।२०

पं.२९ का.शु. ३ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	६	११	६	९	०	६
१०	०१	०२	०५	११	२४	१९	१९
२५	३१	५२	४९	४६	२७	२७	२७
५९	१०	३९	३४	३१	०४	०८	०८
५९	१	१०१	५	७५	०	३	३
५६	४९	०२	०९	१६	३३	११	११
स्वा	मृ	चि	उभा	स्वा	ध	भ	स्वा
२	३	३	१व	२	१	२	४

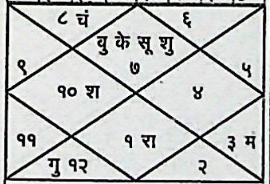

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अक्टु	मेष सायँ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला प्रातः	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०६।०७।५८।१६	१ बु	२६	५।२२	६।५८	८।५४	११।०९	९।२९	३।४६	६।०२	८।२१	१०।४०	१२।४४	२।२७	३।५६
०६।०८।५८।१७	२ गु	२७	५।१८	६।५४	८।५०	११।०५	९।२५	३।४२	५।५८	८।१७	१०।३६	१२।४०	२।२३	३।५२
०६।०९।५८।२१	३ शु	२८	५।१४	६।५०	८।४६	११।०१	९।२१	३।३८	५।५४	८।१३	१०।३२	१२।३६	२।१९	३।४८
०६।१०।५८।२७	४ श	२९	५।१०	६।४६	८।४३	१०।५७	९।१७	३।३४	५।५०	८।०९	१०।२८	१२।३२	२।१६	३।४४
०६।११।५८।३४	६ र	३०	५।०६	६।४२	८।३९	१०।५३	९।१३	३।३०	५।४६	८।०५	१०।२४	१२।२८	२।१२	३।४०
०६।१२।५८।४४	७ चं	३१	५।०२	६।३८	८।३५	१०।४९	९।१०	३।२६	५।४२	८।०१	१०।२०	१२।२४	२।०८	३।३६
०६।१३।५८।५६	८ मं	१	४।५८	६।३४	८।३१	१०।४६	९।०६	३।२२	५।३८	७।५७	१०।१६	१२।२०	२।०४	३।३२
०६।१४।५९।११	९ बु	२	४।५४	६।३१	८।२७	१०।४२	९।०२	३।१८	५।३४	७।५३	१०।१२	१२।१७	२।००	३।२८
०६।१५।५९।२७	१० गु	३	४।५०	६।२७	८।२३	१०।३८	१२।५८	३।१५	५।३०	७।४९	१०।०८	१२।१३	१।५६	३।२४
०६।१६।५९।४५	११ शु	४	४।४६	६।२३	८।१९	१०।३४	१२।५४	३।११	५।२६	७।४६	१०।०४	१२।०९	१।५२	३।२०
०६।१८।००।०५	१२ श	५	४।४२	६।१९	८।१५	१०।३०	१२।५०	३।०७	५।२२	७।४२	१०।००	१२।०५	१।४८	३।१६
०६।१९।००।२८	१३ र	६	४।३९	६।१५	८।११	१०।२६	१२।४६	३।०३	५।१९	७।३८	९।५६	१२।०१	१।४४	३।१३
०६।२०।००।५२	१४ चं	७	४।३५	६।११	८।०७	१०।२२	१२।४२	२।५९	५।१५	७।३४	९।५२	११।५७	१।४०	३।०९
०६।२१।०१।१८	१५ मं	८	४।३१	६।०७	८।०३	१०।१८	१२।३८	२।५५	५।११	७।३०	९।४८	११।५३	१।३६	३।०५

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। कृष्णा त्रयोदशी को रविवार होने से जौ गेहूँ महँगे हों। मंगलवारी अमावस होने से राज्यभ्रंश, राजयुद्ध-क्लेशो की वृद्धि-उपघात-अल्पवृष्टि और द्रव्यों की हानि हो। अमावस्या को चित्रा होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। पूर्णिमा भरणी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। चित्रा में शुक्र होने से रोगों की वृद्धि हो तथा कुआँ बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।०९।२१

पं.३० का.शु.११ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	६	११	६	९	०	६
१७	०१	१४	०५	२०	२४	१९	१९
२६	२५	३२	१७	३३	३३	०४	०४
०९	४०	४३	१२	२७	०७	५२	५२
६०	४	९८	३	७५	१	३	३
०९	१८	२८	५४	१८	१६	११	११
स्वा	मृ	स्वा	उभा	वि	ध	भ	स्वा
४	३व	३	१व	१	१	२	४

९ नवंबर से २३ नवंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर २०२२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सिद्धि	१	बु	२६	११	१७	१९	कृति	५०	४४	२७	०८	व	३६	०२	२१	१५	कौ	२६	११	१७	१९	२६/२६	६/५५	५/३७	१८	१३	९	वृषे ७।५९	६।२१।५४।३०	६०।३०	ग्रहण-करिदिन
उत्पात	२	गु	२९	१४	१८	३३	रोहि	५५	३३	२९	०५	प	३५	४२	२१	०८	ग	२९	१४	१८	३३	५३	५१	३६	१९	१४	१०	वृषे	६।२२।५५।००	६०।३२	[B वृश्चिके शुक्रः १९।२५
मानस	३	शु	३३	२७	२०	१५	मृग	...	...	...	...	शि	३६	१५	२१	२२	व	१	१०	७	२०	४९	५२	३६	२०	१५	११	मिथु. १८।१३	६।२३।५५।३१	६०।३३	भ. ७।२० उ. २०।१५ या., सौभाग्य सुंदरी व्र., B
च.व्र.	४	श	३८	४२	२२	२२	मृग	१	२६	७	२७	सि	३७	३६	२१	५५	ब	५	५६	९	१५	४६	५३	३५	२१	१६	१२	मिथु.	६।२४।५६।०५	६०।३५	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३२
ध्वाङ्क्ष	५	र	४४	४६	२४	४८	आर्द्रा	८	१५	१०	१२	सा	३९	३२	२२	४२	कौ	११	३९	११	३३	४३	५४	३५	२२	१७	१३	कर्के ३०।२५	६।२५।५६।४०	६०।३७	वृश्चिके बुधः २०।५८
धूम्र	६	सो	५१	१०	२७	२२	पुन	१५	३९	१३	१०	शु	४१	४५	२३	३६	ग	१७	५६	१४	०५	४०	५४	३४	२३	१८	१४	कर्के	६।२६।५७।१७	६०।३९	भ. २७।२२ उ., नेहरुजयन्ती (बालदिवस), (व) वृषे भौमः C
प्रवर्धमा	७	मं	५७	२२	२९	५२	पुष्य	२३	०८	१६	१०	शु	४३	५२	२४	२८	वि	२४	१८	१६	३८	३७	५५	३४	२४	१९	१५	कर्के	६।२७।५७।५६	६०।४१	भ. १६।३८ या., अनु. बुधः २३।४२
राक्षस	८	बु	...	...	...	...	श्ले	३०	०८	१८	५९	ब्र	४५	२६	२५	०६	बा	३०	०९	१९	००	३४	५६	३३	२५	२०	१६	सिंहे १८।५९	६।२८।५८।३७	६०।४२	कालभैरवाष्टमी, आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः १८।५२
मुसल	८	गु	२	४१	८	०१	मघा	३६	०४	२१	२२	ऐ	४६	०६	२५	२३	कौ	२	४१	८	०१	३१	५७	३३	२६	२१	१७	सिंहे	६।२९।५९।१९	६०।४४	वृश्चिके सौरः ७।१३
सिद्धि	९	शु	६	४०	९	३७	पूफा	४०	२९	२३	०९	वै	४५	३०	२५	१०	ग	६	४०	९	३७	२८	५७	३३	२७	२२	१८	कन्या २९।२९	७।०१।००।०३	६०।४६	भ. २२।११ उ. [C १२।०९, अनु. शुक्रः ११।१०
उत्पात	१०	श	८	५६	१०	३३	उफा	४३	०९	२४	१४	वि	४३	३०	२४	२२	वि	८	५६	१०	३३	२५	५८	३२	२८	२३	१९	कन्या	७।०२।००।४९	६०।४७	भ. १०।३३ या., अनु. रविः २६।११
ए.व्र.	११	र	९	१८	१०	४२	हस्त	४३	५७	२४	३४	प्री	४०	००	२२	५९	बा	९	१८	१०	४२	२२	५९	३२	२९	२४	२०	कन्या	७।०३।०१।३६	६०।४९	उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र., अनु. सौरः १४।१५
प्र.व्र.	१२	सो	७	४७	१०	०७	चित्रा	४२	५८	२४	११	आ	३५	०४	२१	०२	तै	७	४७	१०	०७	२०	७/००	३२	३०	२५	२१	तुला. १२।२७	७।०४।०२।२५	६०।५०	प्रदोषः
ध्वजा	१३	मं	४	२९	८	४८	स्वा	४०	२२	२३	०९	सौ	२८	४९	१८	३२	व	४	२९	८	४८	१७	०१	३१	१	२६	२२	तुला.	७।०५।०३।१५	६०।५२	भ. ८।४८ उ. १९।५५ या., मासिकशिवरात्री व्र., A
क्षयः	१४	मं	५९	४२	३०	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः १३।५१
अमाव.	३०	बु	५३	३५	२८	२७	विशा	३६	२५	२१	३५	शो	२१	२५	१५	३५	च	२६	४६	१७	४४	१४	०१	३१	२	२७	२३	वृश्चि. १६।०२	७।०६।०४।०७	६०।५३	देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः

अयनांशाः २४।०९।२२

पं.३१ मा.कृ. ३ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	२	६	११	६	९	०	६
२४	००	२५	०४	२९	२४	१८	१८
२७	३६	५३	५३	२०	४४	४२	४२
५१	५३	२०	५२	३८	०९	३६	३६
६०	१०	९५	२	७५	१	३	३
२२	२९	४०	३१	२०	५९	१२	११
वि	मृ	वि	उभा	वि	घ	भ	स्वा
२	३व	२	१व	३	१	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।२२।०१।४६	१ बु	९	४।२७	६।०३	७।५९	१०।१४	१२।३४	२।५१	५।०७.	७।२६	९।४४	११।४९	१।३२	३।०१
०६।२३।०२।१६	२ गु	१०	४।२३	५।५९	७।५५	१०।१०	१२।३०	२।४७	५।०३	७।२२	९।४०	११।४५	१।२८	२।५७
०६।२४।०२।४८	३ शु	११	४।१९	५।५५	७।५१	१०।०६	१२।२६	२।४३	४।५९	७।१८	९।३६	११।४१	१।२४	२।५३
०६।२५।०३।२२	४ श	१२	४।१५	५।५१	७।४७	१०।०२	१२।२२	२।३९	४।५५	७।१४	९।३३	११।३७	१।२०	२।४९
०६।२६।०३।५७	५ र	१३	४।११	५।४७	७।४३	९।५८	१२।१८	२।३५	४।५१	७।१०	९।२९	११।३३	१।१६	२।४५
०६।२७।०४।३५	६ चं	१४	४।०७	५।४३	७।३९	९।५४	१२।१४	२।३१	४।४७	७।०६	९।२५	११।२९	१।१२	२।४१
०६।२८।०५।१४	७ मं	१५	४।०३	५।३९	७।३५	९।५०	१२।१०	२।२७	४।४३	७।०२	९।२१	११।२५	१।०८	२।३७
०६।२९।०५।५४	८ बु	१६	३।५९	५।३५	७।३२	९।४६	१२।०६	२।२३	४।३९	६।५८	९।१७	११।२१	१।०५	२।३३
०७।००।०६।३७	८ गु	१७	३।५५	५।३१	७।२८	९।४२	१२।०२	२।१९	४।३५	६।५४	९।१३	११।१७	१।०१	२।२९
०७।०१।०७।२१	९ शु	१८	३।५१	५।२७	७।२४	९।३८	११।५९	२।१५	४।३१	६।५०	९।०९	११।१३	१२।५७	२।२५
०७।०२।०८।०७	१० श	१९	३।४७	५।२३	७।२०	९।३५	११।५५	२।११	४।२७	६।४६	९।०५	११।०९	१२।५३	२।२१
०७।०३।०८।५५	११ र	२०	३।४३	५।२०	७।१६	९।३१	११।५१	२।०७	४।२३	६।४२	९।०१	११।०६	१२।४९	२।१७
०७।०४।०९।४४	१२ चं	२१	३।३९	५।१६	७।१२	९।२७	११।४७	२।०४	४।१९	६।३८	८।५७	११।०२	१२।४५	२।१३
०७।०५।१०।३५	१३ मं	२२	३।३५	५।१२	७।०८	९।२३	११।४३	२।००	४।१५	६।३५	८।५३	१०।५८	१२।४१	२।०९
०७।०६।११।२७	३० बु	२३	३।३१	५।०८	७।०४	९।१९	११।३९	१।५६	४।११	६।३१	८।४९	१०।५४	१२।३७	२।०५

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०२२

मार्ग. कृ. ८ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।५२ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १२।२८ से १८।५२ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २४।०९।२३

पं.३२ मा.कृ. ९ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	१	७	११	७	९	०	६
०१	२९	०६	०४	०८	२५	१८	१८
३०	०५	५६	४०	०८	००	२०	२०
५८	५५	३२	१९	००	०४	२०	२०
६०	१६	९३	१	७५	२	३	३
३३	१०	४४	०५	२१	४०	१२	११
वि	मृ	अनु	उभा	अनु	घ	भ	स्वा
४	२व	२	१व	२	१	२	४

२४ नवंबर से ८ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
आनन्द	१	गु	४६	३४	२५	४०	अनु	३१	२६	१९	३७	अ	१३	०६	१२	१६	किं	२०	१०	१५	०६	२६/४३	७/०२	५/३१	३	२८	२४	वृश्चि.	७।०७।०५।०१	६०।५५
चर	२	शु	३८	५७	२२	३८	ज्ये	२५	४७	१७	२२	सु	४/५४	०७/४८	८/२८	४२/५८	बा	१२	४८	१२	१०	०९	०३	३१	४	२९	२५	धनु. १७।२२	७।०८।०५।५६	६०।५६
गद	३	श	३१	०९	१९	३१	मूल	१९	४९	१४	५९	शू	४५	२२	२५	१३	तै	५	०२	९	०५	०७	०४	३१	५	१	२६	धनु.	७।०९।०६।५२	६०।५८
शुभ	४	र	२३	२९	१६	२८	पूषा	१३	५६	१२	३९	गं	३६	०८	२१	३२	वि	२३	२९	१६	२८	०५	०५	३०	६	२	२७	मक. १८।०५	७।१०।०७।५०	६०।५९
काण	५	सो	१६	१९	१३	३७	उषा	८	२८	१०	२९	वृ	२७	२२	१८	०२	बा	१६	१९	१३	३७	०३	०५	३०	७	३	२८	मक.	७।११।०८।४९	६१।०१
लुम्बक	६	मं	९	५६	११	०४	श्रव	३	४५	८	३६	ध्रु	१९	१७	१४	४९	तै	९	५६	११	०४	००	०६	३०	८	४	२९	कुंभे १९।४९	७।१२।०९।५०	६१।०२
मित्र	७	बु	४	३६	८	५७	धनि	०/५७	०३/३४	७/३०	०८/०८	व्या	१२	०४	११	५६	व	४	३६	८	५७	२५/५८	०७	३०	९	५	३०	कुंभे	७।१३।१०।५२	६१।०३
मुद्गर	८	गु	०	२८	७	१९	पूभा	५६	२०	२९	३९	ह	५	५०	९	२८	ब	०	२८	७	१९	५६	०८	३०	१०	६	१	मीने २३।४४	७।१४।११।५५	६१।०४
क्षयः	९	गु	५७	४२	३०	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ध्वजा	१०	शु	५६	१४	२९	३८	उभा	५६	२४	२९	४२	व	०/५६	३९/३२	७/२९	२४/४५	तै	२६	४७	१७	५१	५५	०८	३०	११	७	२	मीने	७।१५।१२।५९	६१।०६
ए.व्र.	११	श	५६	०४	२९	३५	रेव	५७	४३	३०	१४	व्य	५३	२४	२८	३१	व	२५	५९	१७	३३	५३	०९	३०	१२	८	३	मेषे ३०।१४	७।१६।१४।०५	६१।०७
ए.व्र.	१२	र	५७	०५	३०	००	अश्वि	...	...	...	...	व	५१	११	२७	३८	ब	२६	२५	१७	४४	५१	१०	३०	१३	९	४	मेषे	७।१७।१५।११	६१।०८
प्र.व्र.	१३	सो	५९	११	३०	५१	अश्वि	०	१०	७	१५	प	४९	४८	२७	०६	कौ	२८	००	१८	२३	४९	११	३०	१४	१०	५	मेषे	७।१८।१६।१९	६१।०९
मुसल	१४	मं	...	...	...	...	भर	३	४०	८	३९	शि	४९	०८	२६	५०	ग	३०	३५	१९	२५	४८	११	३०	१५	११	६	वृषे १५।०४	७।१९।१७।२८	६१।१०
सिद्धि	१४	बु	२	१२	८	०५	कृति	८	०४	१०	२६	सि	४९	०९	२६	५२	व	२	१२	८	०५	४६	१२	३१	१६	१२	७	वृषे	७।२०।१८।३८	६१।११
पूर्णिमा	१५	गु	६	०८	९	४०	रोहि	१३	१८	१२	३२	सा	४९	४७	२७	०७	व	६	०८	९	४०	४५	१३	३१	१७	१३	८	मिथु. २५।४२	७।२१।१९।४९	६१।१२

केतकी अहर्गणः ४२५० हेमन्तर्त्तु रविर्दक्षिणे, नवंबर-दिसंबर २०२२

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
ज्येष्ठा. बुधः १३।०६, मार्गी गुरुः १६।२९, ज्येष्ठा. शुक्रः २६।०७
चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
भ. २९।५९ उ., शुक्रोदयः पश्चिमायाम् १२।०८ D
भ. १६।२८ या. [D रंमास्येयं, जमादिलावल ५
नागपंचमी, स्कंदषष्ठी
पंचक प्रारम्भः १९।४९ [B धनुषि मूले शुक्रः १७।००
भ. ८।५७ उ. २०।०४ या.
कल्पादि, दिसंबर १२ ता. ३१
[C ११ व्र.स्मार्त, गीता जयंती, ज्येष्ठा. सौरः १७।२०
ज्येष्ठा. रविः ३०।२८, धनुषि मूले बुधः २९।०५
भ. १७।३३ उ. २९।३५ या., पंचक समाप्तिः ३०।१४, मोक्षदा C
मोक्षदा ११ व्र.वैष्ण., (व) रोहि. भौमः २७।५०
प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र., बुधोदयः पश्चिमायाम् २०।३५, B
पिशाच मोचन श्राद्धं [A द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा
भ. ८।०५ उ. २०।५० या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतं, A
मृगे रे. ६ ।S।।SS।S।। रात्रौ लग्न ३, ६, पूर्णिमा पुण्यं

शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०९।२४

पं.३३ मा.शु. २ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	१	७	११	७	·९	०	६
०८	२६	१७	०४	१६	२५	१७	१७
३५	५८	४९	३६	५५	२०	५८	५८
२२	३६	२६	५२	३०	३९	०४	०४
६०	२०	९२	०	७५	३	३	३
४३	३४	४६	२२	२२	१९	१२	११
अनु	मृ	ज्ये	उभा	ज्ये	ध	भ	स्वा
२	२व	१	१	१	१	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०७।०७।१२।२१	१ गु	२४	३।२८	५।०४	७।००	९।१५	११।३५	१।५२	४।०८	६।२७	८।४५	१०।५०	१२।३३	२।०२
०७।०८।१३।१६	२ शु	२५	३।२४	५।००	६।५६	९।११	११।३१	१।४८	४।०४	६।२३	८।४१	१०।४६	१२।२९	१।५८
०७।०९।१४।१२	३ श	२६	३।२०	४।५६	६।५२	९।०७	११।२७	१।४४	४।००	६।१९	८।३७	१०।४२	१२।२५	१।५४
०७।१०।१५।११	४ र	२७	३।१६	४।५२	६।४८	९।०३	११।२३	१।४०	३।५६	६।१५	८।३३	१०।३८	१२।२१	१।५०
०७।११।१६।१०	५ चं	२८	३।१२	४।४८	६।४४	८।५९	११।१९	१।३६	३।५२	६।११	८।२९	१०।३४	१२।१७	१।४६
०७।१२।१७।११	६ मं	२९	३।०८	४।४४	६।४०	८।५५	११।१५	१।३२	३।४८	६।०७	८।२५	१०।३०	१२।१३	१।४२
०७।१३।१८।१३	७ बु	३०	३।०४	४।४०	६।३६	८।५१	११।११	१।२८	३।४४	६।०३	८।२२	१०।२६	१२।०९	१।३८
०७।१४।१९।१६	८ गु	१	३।००	४।३६	६।३२	८।४७	११।०७	१।२४	३।४०	५।५९	८।१८	१०।२२	१२।०५	१।३४
०७।१५।२०।२१	१० शु	२	२।५६	४।३२	६।२८	८।४३	११।०३	१।२०	३।३६	५।५५	८।१४	१०।१८	१२।०१	१।३०
०७।१६।२१।२७	११ श	३	२।५२	४।२८	६।२४	८।३९	१०।५९	१।१६	३।३२	५।५१	८।१०	१०।१४	११।५७	१।२६
०७।१७।२२।३४	१२ र	४	२।४८	४।२४	६।२१	८।३५	१०।५५	१।१२	३।२८	५।४७	८।०६	१०।१०	११।५४	१।२२
०७।१८।२३।४२	१३ चं	५	२।४४	४।२०	६।१७	८।३१	१०।५१	१।०८	३।२४	५।४३	८।०२	१०।०६	११।५०	१।१८
०७।१९।२४।५१	१४ मं	६	२।४०	४।१६	६।१३	८।२७	१०।४८	१।०४	३।२०	५।३९	७।५८	१०।०२	११।४६	१।१४
०७।२०।२६।०१	१४ बु	७	२।३६	४।१२	६।०९	८।२४	१०।४४	१।००	३।१६	५।३५	७।५४	९।५८	११।४२	१।१०
०७।२१।२७।१२	१५ गु	८	२।३२	४।०९	६।०५	८।२०	१०।४०	१२।५६	३।१२	५।३१	७।५०	९।५५	११।३८	१।०६

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओ का अभाव हो तथा पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो ॥ बुधेरसक्षयोभूम्यां दुर्भिक्षंतुशनैश्चरे ॥ प्रत्येक मास की कृ. प्रतिपदा को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो तथा अन्न की महँगाई हो। कृ. एकादशी को रविवार होने से कपासादि सूत के भावों में मंदी हो। अमावस्या विशाखा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शु. एकादशी को शनिवार होने से अनावृष्टि और प्रजा उपद्रव हों। शुक्ला चतुर्दशी की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा गुरुवार और रोहिणी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।०९।२५

पं.३४ मा.शु.१० शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	१	७	११	७	९	०	६
१५	२४	२८	०४	२५	२५	१७	१७
४०	२६	३६	४३	४३	४५	३५	३५
५३	०५	१३	३७	०४	४१	४८	४८
६०	२२	९१	१	७५	३	३	३
५२	५८	४२	४७	२२	५५	११	११
अनु	मृ	ज्ये	उभा	ज्ये	ध	भ	स्वा
४	१व	४	१	३	१	२	४

९ दिसंबर से २३ दिसंबर तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिना सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः, दिसंबर २०२२

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मानस	१	शु	१०	५३	११	३४	मृग	१९	१८	१४	५७	शु	५०	५८	२७	३७	कौ	१०	५३	११	३४	३५/४४	७/१३	५/३१	१८	१४	९	मिथु.	७।२२।२१।०१	६१।१३	[B अयन करिदिन
मुद्गर	२	श	१६	२०	१३	४६	आर्द्रा	२५	५८	१७	३७	शु	५२	३९	२८	१८	ग	१६	२०	१३	४६	४३	१४	३१	१९	१५	१०	मिथु.	७।२३।२२।१४	६१।१४	भ. २६।५८ उ.
च.ब्र.	३	र	२२	२४	१६	१२	पुन	३३	११	२०	३१	ब्र	५४	४१	२९	०७	वि	२२	२४	१६	१२	४१	१५	३१	२०	१६	११	कर्क १३।४७	७।२४।२३।२८	६१।१५	भ. १६।१२ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।१२, पूषा. C
धाता	४	सो	२८	५०	१८	४८	पुष्य	४०	४१	२३	३२	ऐ	५६	५३	३०	०१	बा	२८	५०	१८	४८	४०	१६	३२	२१	१७	१२	कर्क	७।२५।२४।४३	६१।१६	[C बुधः २८।०७
आनन्द	५	मं	३५	१५	२१	२२	श्ले	४८	०६	२६	३१	वै	५८	५५	३०	५०	कौ	२	०३	८	०५	४०	१६	३२	२२	१८	१३	सिंहे २६।३१	७।२६।२५।५९	६१।१६	[A भानुः, सायन उत्तरायण प्रारम्भ २७।१०
चर	६	बु	४१	१०	२३	४५	मघा	५४	५७	२९	१५	वि	...	...	...	...	ग	८	१७	१०	३६	३९	१७	३२	२३	१९	१४	सिंहे	७।२७।२७।१५	६१।१७	भ. २३।४५ उ., धनि.-२ शनिः १६।३६
गद	७	गु	४६	०४	२५	४३	पूफा	...	...	...	...	वि	०	२४	७	२७	वि	१३	४५	१२	४८	३८	१७	३३	२४	२०	१५	सिंहे	७।२८।२८।३२	६१।१८	भ. १२।४८ या.
सिद्धि	८	शु	४९	२८	२७	०५	पूफा	०	४२	७	३५	प्री	१	०३	७	४३	बा	१७	५८	१४	२९	३७	१८	३३	२५	२१	१६	कन्या १४।०४	७।२९।२९।५०	६१।१८	धनुषि मूले रविः ९।२६ (सौरः १९।०७), पूषा. शुक्रः ७।५४
उत्पात	९	श	५१	०१	२७	४३	उफा	४	५७	९	१७	आ	०/५८	३०/३२	७/३०	३५/४३	तै	२०	२९	१५	३०	३७	१९	३३	२६	२२	१७	कन्या	८।००।३१।०८	६१।१९	
मानस	१०	र	५०	३२	२७	३२	हस्त	७	२३	१०	१६	शो	५४	५८	२९	१८	व	२१	०२	१५	४४	३६	१९	३४	२७	२३	१८	तुला.२२।२८	८।०१।३२।२७	६१।२०	भ. १५।४४ उ. २७।३२ या.
ए.ब्र.	११	सो	४८	००	२६	३२	चित्रा	७	५०	१०	२८	अ	४९	४९	२७	१५	व	१९	३१	१५	०८	३६	२०	३४	२८	२४	१९	तुला.	८।०२।३३।४७	६१।२०	सफला ११ ब्र., भर.-१ राहुः २०।१८, स्वा.-३ केतुः २०।१८
ध्वजा	१२	मं	४३	३१	२४	४५	स्वा	६	१७	९	५१	सु	४३	०६	२४	३५	कौ	१५	५९	१३	४४	३६	२०	३५	२९	२५	२०	वृश्चि. २६।५५	८।०३।३५।०८	६१।२१	सुरुप द्वादशी १२
प्र.ब्र.	१३	बु	३७	२०	२२	१७	विशा	२/५७	५४/५६	८/३०	३०/३१	धृ	३५	०१	२१	२१	ग	१०	३७	११	३५	३६	२१	३५	३०	२६	२१	वृश्चि.	८।०४।३६।२८	६१।२१	भ. २२।१७ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री ब्र., सायन मकरे A
काल	१४	गु	२९	४५	१९	१५	ज्ये	५१	४२	२८	०२	शू	२५	४७	१७	४०	वि	३	४०	८	४९	३६	२१	३६	१	२७	२२	धनु. २८।०२	८।०५।३७।५०	६१।२२	भ. ८।४९ या., भा. पोषारंभः, उषा. बुधः २२।०७, B
अमाव.	३०	शु	२१	०९	१५	५०	मूल	४४	३९	२५	१४	गं	१५	४३	१३	३९	ना	२१	०९	१५	५०	३६	२२	३६	२	२८	२३	धनु.	८।०६।३९।११	६१।२२	देवपितृकार्येऽमा., कुहूः

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

अयनांशाः २४।०९।२६

पं.३५ पौ.कृ. १ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	१	८	११	८	९	०	६
२२	२१	०९	०५	०४	२६	१७	१७
४७	४३	०९	००	३०	१४	१३	१३
२१	५८	४१	२३	३८	५३	३२	३२
६०	२२	८८	३	७५	४	३	३
५९	५६	०८	१२	२२	२९	११	११
ज्ये	रो	मू	उभा	मू	घ	भ	स्वा
२	४व	३	१	२	१	२	४

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०७।२२।२८।२५	१ शु	९	२।२८	४।०५	६।०१	८।१६	१०।३६	१२।५३	३।०८	५।२७	७।४६	९।५१	११।३४	१।०२
०७।२३।२९।३८	२ श	१०	२।२४	४।०१	५।५७	८।१२	१०।३२	१२।४९	३।०४	५।२४	७।४२	९।४७	११।३०	१२।५८
०७।२४।३०।५२	३ र	११	२।२०	३।५७	५।५३	८।०८	१०।२८	१२।४५	३।००	५।२०	७।३८	९।४३	११।२६	१२।५४
०७।२५।३२।०७	४ चं	१२	२।१७	३।५३	५।४९	८।०४	१०।२४	१२।४१	२।५७	५।१६	७।३४	९।३९	११।२२	१२।५१
०७।२६।३३।२३	५ मं	१३	२।१३	३।४९	५।४५	८।००	१०।२०	१२।३७	२।५३	५।१२	७।३०	९।३५	११।१८	१२।४७
०७।२७।३४।३९	६ बु	१४	२।०९	३।४५	५।४१	७।५६	१०।१६	१२।३३	२।४९	५।०८	७।२६	९।३१	११।१४	१२।४३
०७।२८।३५।५७	७ गु	१५	२।०५	३।४१	५।३७	७।५२	१०।१२	१२।२९	२।४५	५।०४	७।२२	९।२७	११।१०	१२।३९
०७।२९।३७।१५	८ शु	१६	२।०१	३।३७	५।३३	७।४८	१०।०८	१२।२५	२।४१	५।००	७।१८	९।२३	११।०६	१२।३५
०८।००।३८।३३	९ श	१७	१।५७	३।३३	५।२९	७।४४	१०।०४	१२।२१	२।३७	४।५६	७।१४	९।१९	११।०२	१२।३१
०८।०१।३९।५२	१० र	१८	१।५३	३।२९	५।२५	७।४०	१०।००	१२।१७	२।३३	४।५२	७।११	९।१५	१०।५८	१२।२७
०८।०२।४१।१२	११ चं	१९	१।४९	३।२५	५।२१	७।३६	९।५६	१२।१३	२।२९	४।४८	७।०७	९।११	१०।५४	१२।२३
०८।०३।४२।३३	१२ मं	२०	१।४५	३।२१	५।१७	७।३२	९।५२	१२।०९	२।२५	४।४४	७।०३	९।०७	१०।५०	१२।१९
०८।०४।४३।५४	१३ बु	२१	१।४१	३।१७	५।१३	७।२८	९।४८	१२।०५	२।२१	४।४०	६।५९	९।०३	१०।४६	१२।१५
०८।०५।४५।१५	१४ गु	२२	१।३७	३।१३	५।१०	७।२४	९।४४	१२।०१	२।१७	४।३६	६।५५	८।५९	१०।४३	१२।११
०८।०६।४६।३७	३० शु	२३	१।३३	३।०९	५।०६	७।२०	९।४०	११।५७	२।१३	४।३२	६।५१	८।५५	१०।३९	१२।०७

अयनांशाः २४।०९।२७

पं.३६ पौ.कृ. ८ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	१	८	११	८	९	०	६
२९	१९	१९	०५	१३	२६	१६	१६
५४	०९	०१	२६	१८	४७	५१	५१
३३	३३	५८	५२	०७	५५	१५	१५
६१	२०	७८	४	७५	५	३	३
०५	३०	०१	३३	२१	०१	११	११
ज्ये	रो	पूषा	उभा	मू	ध	भ	स्वा
४	३व	२	१	४	२	२	४

अयनांशाः २४।०९।२८

पं.३७ पौ.कृ.३० शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	१	८	११	८	९	०	६
०७	१६	२७	०६	२२	२७	१६	१६
०२	५८	०१	०२	०५	२४	२८	२८
१९	०८	४८	३४	२५	२९	५९	५९
६१	१६	५१	५	७५	५	३	३
०८	१२	०२	४९	१८	२९	११	११
मू	रो	उषा	उभा	पूषा	ध	भ	स्वा
३	३व	१	१	३	२	१	३

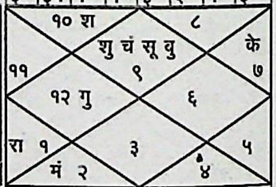

२४ दिसंबर से ६ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मातङ्ग	१	श	११	५९	१२	१०	पूषा	३७	१५	२२	१६	वृ	५/५४	०७/२५	९/२९	२५/०८	ब	११	५९	१२	१०	२५/३६	७/२२	५/३७	३	२९	२४	मक. २७।३२	८।०७।४०।३३	६१।२२
अमृत	२	र	२	४३	८	२८	उषा	२९	५८	१९	२२	व्या	४३	५५	२४	५७	कौ	२	४३	८	२८	३६	२३	३७	४	३०	२५	मक.	८।०८।४१।५६	६१।२३
क्षयः	३	र	५३	४९	२८	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
सिद्धि	४	सो	४५	४२	२५	४०	श्रव	२३	१६	१६	४२	ह	३४	०१	२०	५९	व	१९	३७	१५	१४	३७	२३	३८	५	१	२६	कुंभे २७।३०	८।०९।४३।१८	६१।२३
उत्पात	५	मं	३८	४६	२२	५४	धनि	१७	३६	१४	२६	व	२५	००	१७	२४	ब	१२	०३	१२	१३	३७	२४	३८	६	२	२७	कुंभे	८।१०।४४।४१	६१।२३
मानस	६	बु	३३	२३	२०	४५	शत	१३	२०	१२	४४	सि	१७	११	१४	१६	कौ	५	५१	९	४४	३८	२४	३९	७	३	२८	मीने २९।५३	८।११।४६।०५	६१।२३
मुद्गर	७	गु	२९	४३	११	१८	पूभा	१०	४३	११	४२	व्य	१०	४३	११	४१	ग	१	१९	७	५६	३९	२४	४०	८	४	२९	मीने	८।१२।४७।२८	६१।२३
ध्वजा	८	शु	२७	५४	१८	३४	उभा	९	५४	११	२२	व	५	४०	९	४१	व	२७	५४	१८	३४	३९	२५	४०	९	५	३०	मीने	८।१३।४८।५२	६१।२४
धाता	९	श	२७	५४	१८	३४	रेव	१०	५०	११	४५	प	२/५९	०५/४९	८/३१	१५/२१	कौ	२७	५४	१८	३४	४०	२५	४१	१०	६	३१	मेषे ११।४५	८।१४।५०।१५	६१।२४
आनन्द	१०	र	२९	३२	१९	१४	अश्वि	१३	२६	१२	४७	सि	५८	४१	३०	५४	ग	२९	३२	१९	१४	४१	२५	४२	११	७	१	मेषे	८।१५।५१।३९	६१।२४
ए.ब्र.	११	सो	३२	३३	२०	२७	भर	१७	२५	१४	२३	सा	५८	३१	३०	५०	व	०	५२	७	४६	४२	२५	४२	१२	८	२	वृषे २०।५२	८।१६।५३।०३	६१।२४
गद	१२	मं	३६	३९	२२	०५	कृति	२२	३०	१६	२६	शु	५९	०४	३१	०३	ब	४	२९	९	१३	४३	२६	४३	१३	९	३	वृषे	८।१७।५४।२६	६१।२४
प्र.ब्र.	१३	बु	४१	३५	२४	०४	रोहि	२८	२६	१८	४८	शु	...	...	...	...	कौ	९	०२	११	०३	४५	२६	४४	१४	१०	४	वृषे	८।१८।५५।५०	६१।२४
मृत्यु	१४	गु	४७	०६	२६	१७	मृग	३४	५७	२१	२५	शु	०	१०	७	३०	ग	१४	१७	१३	०९	४६	२६	४५	१५	११	५	मिथु. ८।०५	८।१९।५७।१४	६१।२३
पूर्णिमा	१५	शु	५३	०१	२८	३९	आर्द्रा	४१	५३	२४	११	ब्र	१	३९	८	०६	वि	२०	००	१५	२६	४८	२६	४५	१६	१२	६	मिथु.	८।२०।५८।३७	६१।२३

केतकी अहर्गणः ४२८० शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे, दिसं.२०२२-जन.२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[A स्नानारंभः, श्रव. शुक्रः १४।१२
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), बडादिन
[D जमादिलाखर ६, उषा. शुक्रः २२।५५
भ. १५।१४ उ. २५।४० या., पंचक प्रारम्भः २७।३०, D
मकरे बुधः २६।३७
[B (सौरः २०।०८), वक्री बुधः २९।०३,उभा.-२ गुरुः ७।४२, E
भ. १९।१८ उ. ३०।५० या., पूषा. रविः ११।३८ B
शांकभरी यात्रा [E मकरे शुक्रः १४।४२
पंचक समाप्तिः ११।४५, (व) धनुषि बुधः ७।२८
जनवरी १ ता. ३१ सन २०२३ ई.
भ. ७।४६ उ. २०।२७ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि, बुधास्तः C
[C पश्चिमायाम् १७।०७
प्रदोषः, (व) पूषा. बुधः १७।५१
भ. २६।१७ उ.
भ. १५।२६ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शाकंभरी जयंती, माघ A

अयनांशाः २४।०९।२९

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.३८ पौ.शु. ८ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	१	९	११	९	९	०	६
१४	१५	००	०६	००	२८	१६	१६
१०	२०	१२	४६	५२	०४	०६	०६
२४	२९	४८	५५	२२	१०	४४	४४
६१	१०	१२	७	७५	५	३	३
१०	४९	४५	००	१५	५४	११	११
पूषा	रो	उषा	उभा	उषा	ध	भ	स्वा
१	२व	२व	२	२	२	१	३

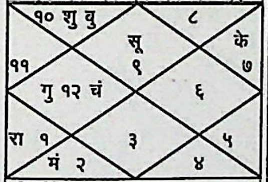

१० श

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायें	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०८।०७।४७।५९	१ श	२४	१।२९	३।०५	५।०२	७।१६	९।३७	११।५३	२।०९	४।२८	६।४७	८।५१	१०।३५	१२।०३
०८।०८।४९।२२	२ र	२५	१।२५	३।०१	४।५८	७।१३	९।३३	११।४९	२।०५	४।२४	६।४३	८।४७	१०।३१	११।५९
०८।०९।५०।४५	४ चं	२६	१।२१	२।५८	४।५४	७।०९	९।२९	११।४५	२।०१	४।२०	६।३९	८।४४	१०।२७	११।५५
०८।१०।५२।०८	५ मं	२७	१।१७	२।५४	४।५०	७।०५	९।२५	११।४२	१।५७	४।१७	६।३५	८।४०	१०।२३	११।५१
०८।११।५३।३१	६ बु	२८	१।१३	२।५०	४।४६	७।०१	९।२१	११।३८	१।५३	४।१३	६।३१	८।३६	१०।१९	११।४७
०८।१२।५४।५४	७ गु	२९	१।०९	२।४६	४।४२	६।५७	९।१७	११।३४	१।४९	४।०९	६।२७	८।३२	१०।१५	११।४३
०८।१३।५६।१८	८ शु	३०	१।०६	२।४२	४।३८	६।५३	९।१३	११।३०	१।४६	४।०५	६।२३	८।२८	१०।११	११।४०
०८।१४।५७।४२	९ श	३१	१।०२	२।३८	४।३४	६।४९	९।०९	११।२६	१।४२	४।०१	६।१९	८।२४	१०।०७	११।३६
०८।१५।५९।०६	१० र	१	१२।५८	२।३४	४।३०	६।४५	९।०५	११।२२	१।३८	३।५७	६।१५	८।२०	१०।०३	११।३२
०८।१७।००।३०	११ चं	२	१२।५४	२।३०	४।२६	६।४१	९।०१	११।१८	१।३४	३।५३	६।११	८।१६	९।५९	११।२८
०८।१८।०१।५३	१२ मं	३	१२।५०	२।२६	४।२२	६।३७	८।५७	११।१४	१।३०	३।४९	६।०७	८।१२	९।५५	११।२४
०८।१९।०३।१७	१३ बु	४	१२।४६	२।२२	४।१८	६।३३	८।५३	११।१०	१।२६	३।४५	६।०४	८।०८	९।५१	११।२०
०८।२०।०४।४१	१४ गु	५	१२।४२	२।१८	४।१४	६।२९	८।४९	११।०६	१।२२	३।४१	६।००	८।०४	९।४७	११।१६
०८।२१।०६।०४	१५ शु	६	१२।३८	२।१४	४।१०	६।२५	८।४५	११।०२	१।१८	३।३७	५।५६	८।००	९।४३	११।१२

संक्रांति फलम्

ता. १६ दिसंबर २०२२

पौष कृ. ८ भृगौ धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. ९।२६ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) ९।२६ से १५।५० तक। (दान- वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०९।३०

पं.३९ पौ.शु.१५ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	१	८	११	९	९	०	६
२१	१४	२४	०७	०९	२८	१५	१५
१८	२२	४५	३९	३८	४६	४४	४४
३५	०१	१२	१०	४९	५५	२८	२८
६१	५	८०	८	७५	६	३	३
१०	०४	२८	०६	०९	१६	११	११
पूषा	रो	पूषा	उभा	उषा	ध	भ	स्वा
३	२व	४व	२	४	२	१	३

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

७ जनवरी से २१ जनवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक — शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी २०२३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
छत्र	१	श	५९	११	३१	०७	पुन	४९	०५	२७	०४	ऐ	३	२५	८	४९	वा	२६	०४	१७	५२	२५/४९	७/२६	५/४६	१७	१३	७	कर्क २०।२१	८।२२।००।००	६१।२३	[B रविः ९।१३ (सौरः १५।४५), उभा.-३ गुरुः १८।२६
श्रीवत्स	२	र	...	...	...	...	पुष्य	५६	२७	३०	०१	वै	५	२३	९	३६	तै	३२	२१	२०	२३	५१	२६	४७	१८	१४	८	कर्क	८।२३।०१।२३	६१।२३	[A सुन्दरी व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी
सौम्य	२	सो	५	३१	९	३९	श्ले	...	...	...	...	वि	७	२६	१०	२५	ग	५	३१	९	३९	५२	२७	४८	१९	१५	९	कर्क	८।२४।०२।४६	६१।२३	भ. २२।५५ उ.
च.व्र.	३	मं	११	४८	१२	१०	श्ले	३	४८	८	५८	प्री	९	२६	११	१३	वि	११	४८	१२	१०	५४	२७	४८	२०	१६	१०	सिंहे ८।५८	८।२५।०४।०८	६१।२२	भ. १२।१० या., तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २०।५१, सौभाग्य A
चर	४	बु	१७	४५	१४	३३	मघा	१०	५२	११	४८	आ	११	१४	११	५६	वा	१७	४५	१४	३३	५६	२७	४९	२१	१७	११	सिंहे	८।२६।०५।३०	६१।२२	उषा. रविः १३।३५ (सौरः २०।५६)
गद	५	गु	२३	०१	१६	३९	पूफा	१७	२०	१४	२३	सौ	१२	३१	१२	२७	तै	२३	०१	१६	३९	५८	२७	५०	२२	१८	१२	कन्या २०।५८	८।२७।०६।५२	६१।२१	बुधोदयः पूर्वस्याम् १४।१४
शुभ	६	शु	२७	१३	१८	२०	उफा	२२	४९	१६	३४	शो	१३	०४	१२	४०	व	२७	१३	१८	२०	३६/०७	२७	५१	२३	१९	१३	कन्या	८।२८।०८।१४	६१।२१	भ. १८।२० उ. ३०।५७ या., मार्गी भौमः १५।१२
मृत्यु	७	श	२९	५५	१९	२५	हस्त	२६	५४	१८	१२	अ	१२	३४	१२	२८	ब	२९	५५	१९	२५	०२	२७	५२	२४	२०	१४	तुला. ३०।४६	८।२९।०९।३४	६१।२०	स्वामी विवेकानन्द जयंती,मकरे रविः २०।०६ (सौरः २७।१०), C
पद्म	८	र	३०	५१	१९	४७	चित्रा	२९	१८	१९	१०	सु	१०	४७	११	४५	वा	०	३८	७	४२	०५	२७	५२	२५	२१	१५	तुला.	९।००।१०।५५	६१।२०	[C निरयन उत्तरायनारंभः
छत्र	९	सो	२९	४७	१९	२१	स्वा	२९	४६	१९	२१	धृ	७	३०	१०	२६	तै	०	३५	७	४०	०७	२६	५३	२६	२२	१६	तुला.	९।०१।१२।१४	६१।१९	भ. ३०।५० उ., धनि. शुक्रः २९।५९, सक्रान्ति करिदिन
श्रीवत्स	१०	मं	२६	४०	१८	०६	विशा	२८	१३	१८	४४	शू	२/५६	३७/३८	२९/२६	२९/५३	वि	२६	४०	१८	०६	०९	२६	५४	२७	२३	१७	वृश्चि. १२।५७	९।०२।१३।३४	६१।१९	भ. १८।०६ या., कुंभे धनि.-३ शनिः १३।४०
ए.व्र.	११	बु	२१	३४	१६	०४	अनु	२४	४६	१७	२०	वृ	४८	१०	२६	४२	वा	२१	३४	१६	०४	१२	२६	५५	२८	२४	१८	वृश्चि.	९।०३।१४।५२	६१।१८	षट्तिला ११ व्र., मार्गी बुधः ३०।४७
प्र.व्र.	१२	गु	१४	४५	१३	२०	ज्ये	१९	३५	१५	१६	ध्रु	३८	५४	२३	००	तै	१४	४५	१३	२०	१४	२६	५६	२९	२५	१९	धनु. १५।१६	९।०४।१६।१०	६१।१७	प्रदोषः, तिल द्वादशी
सुस्थिर	१३	शु	६	३०	१०	०२	मूल	१३	०३	१२	३९	व्या	२८	३९	१८	५३	व	६	३०	१०	०२	१७	२६	५६	३०	२६	२०	धनु.	९।०५।१७।२७	६१।१६	भ. १०।०२ उ. २०।१३ या., मासिकशिवरात्री व्र., सायन D
क्षयः	१४	शु	५७	१५	३०	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[D कुंभे भानुः १३।४५
अमाव.	३०	श	४७	२९	२६	२५	पूषा	५/५७	३४/३८	९/३०	३९/२९	ह	१७	४३	१४	३१	च	२२	२४	१६	२३	१९	२५	५७	१	२७	२१	मक. १४।५२	९।०६।१८।४४	६१।१६	देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि, भा. माघारंभः, अभि.प्र. B

अयनांशाः २४।०९।३१

पं.४० मा.कृ. ६ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	१	८	११	९	९	०	६
२८	१४	१६	०८	१८	२९	१५	१५
२६	०३	११	३८	२४	३१	२२	२२
३९	३२	०५	५५	३२	४४	१२	१२
६१	०	४६	९	७५	६	३	३
०८	३२	२०	०६	०२	३४	११	११
उषा	रो	पूषा	उभा	श्र	ध	भ	स्वा
१	२	१व	२	३	२	१	३

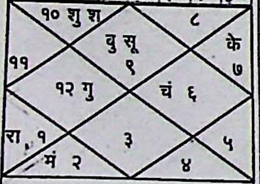

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जन.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायँ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर प्रातः	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०८।२२।०७।२७	१ श	७	१२।३४	२।१०	४।०६	६।२१	८।४१	१०।५८	१।१४	३।३३	५।५२	७।५६	९।३९	११।०८
०८।२३।०८।५०	२ र	८	१२।३०	२।०६	४।०३	६।१७	८।३७	१०।५४	१।१०	३।२९	५।४८	७।५२	९।३६	११।०४
०८।२४।१०।१३	२ चं	९	१२।२६	२।०२	३।५९	६।१३	८।३३	१०।५०	१।०६	३।२५	५।४४	७।४८	९।३२	११।००
०८।२५।११।३६	३ मं	१०	१२।२२	१।५८	३।५५	६।०९	८।२९	१०।४६	१।०२	३।२१	५।४०	७।४४	९।२८	१०।५६
०८।२६।१२।५८	४ बु	११	१२।१८	१।५४	३।५१	६।०५	८।२६	१०।४२	१२।५८	३।१७	५।३६	७।४०	९।२४	१०।५२
०८।२७।१४।२०	५ गु	१२	१२।१४	१।५१	३।४७	६।०२	८।२२	१०।३८	१२।५४	३।१३	५।३२	७।३७	९।२०	१०।४८
०८।२८।१५।४१	६ शु	१३	१२।१०	१।४७	३।४३	५।५८	८।१८	१०।३५	१२।५०	३।०९	५।२८	७।३३	९।१६	१०।४४
०८।२९।१७।०२	७ श	१४	१२।०६	१।४३	३।३९	५।५४	८।१४	१०।३१	१२।४६	३।०६	५।२४	७।२९	९।१२	१०।४०
०९।००।१८।२२	८ र	१५	१२।०२	१।३९	३।३५	५।५०	८।१०	१०।२७	१२।४२	३।०२	५।२०	७।२५	९।०८	१०।३६
०९।०१।१९।४२	९ चं	१६	११।५९	१।३५	३।३१	५।४६	८।०६	१०।२३	१२।३९	२।५८	५।१६	७।२१	९।०४	१०।३२
०९।०२।२१।०१	१० मं	१७	११।५५	१।३१	३।२७	५।४२	८।०२	१०।१९	१२।३५	२।५४	५।१२	७।१७	९।००	१०।२९
०९।०३।२२।२०	११ बु	१८	११।५१	१।२७	३।२३	५।३८	७।५८	१०।१५	१२।३१	२।५०	५।०८	७।१३	८।५६	१०।२५
०९।०४।२३।३८	१२ गु	१९	११।४७	१।२३	३।१९	५।३४	७।५४	१०।११	१२।२७	२।४६	५।०४	७।०९	८।५२	१०।२१
०९।०५।२४।५५	१३ शु	२०	११।४३	१।१९	३।१५	५।३०	७।५०	१०।०७	१२।२३	२।४२	५।००	७।०५	८।४८	१०।१७
०९।०६।२६।१२	३० श	२१	११।३९	१।१५	३।११	५।२६	७।४६	१०।०३	१२।१९	२।३८	४।५६	७।०१	८।४४	१०।१३

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०२३

माघ कृ. ७ शनौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २०।०६ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २०।०६ से रवौ १२।०६ तक । (दान- काष्ट - अन्न) ।

अयनांशाः २४।०९।३२

पं.४१ मा.कृ.१३ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१	८	११	९	१०	०	६
०५	१४	१४	०९	२७	००	१४	१४
३४	२२	०४	४५	०९	१८	५९	५९
२२	५३	०५	२१	१९	३१	५८	५८
६१	५	१५	१०	७४	६	३	३
०४	३९	३२	००	५३	४९	११	११
उषा	रो	पूषा	उभा	ध	ध	भ	स्वा
३	२	१	२	२	३	१	३

२२ जनवरी से ५ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः ४३०९ शिशिरर्तू रविरुत्तरे,जनवरी-फरवरी २०२३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	च.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मुसल	१	र	३७	४०	२२	२९	श्रव	४९	४७	२७	२०	व	६/५९	३३/३९	१०/२९	०२/३७	किं	१२	३३	१२	२६	२६/२२	७/२५	५/५८	२	२८	२२	मक.	९।०७।२०।००	६१।१५	श्री वल्लभ जयंती, कुंभे शुक्रः १४।०९
शुभ	२	सो	२८	२१	१८	४५	धनि	४२	३१	२४	२५	व्य	४४	५७	२५	२४	बा	२	५६	८	३५	२५	२५	५९	३	२९	२३	कुंभे १३।५०	९।०८।२१।१५	६१।१४	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः १३।५०, नेताजी जयन्ती
मृत्यु	३	मं	१९	५९	१५	२४	शत	३६	२१	२१	५७	व	३५	२१	२१	३३	ग	१९	५९	१५	२४	२८	२५	६/०४	४	१	२४	कुंभे	९।०९।२२।२९	६१।१३	भ. २५।५५ उ., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, रज्जव ७, श्रव. B
पद्म	४	बु	१३	००	१२	३६	पूभा	३१	४०	२०	०४	प	२६	५९	१८	१२	वि	१३	००	१२	३६	३१	२४	०१	५	२	२५	मीने १४।२९	९।१०।२३।४२	६१।१२	भ. १२।३६ या., अभि.नि. रविः १२।४९ (सौरः १९।०१)
वसंत	५	गु	७	४७	१०	३१	उभा	२८	५०	१८	५६	शि	२०	०३	१५	२५	बा	७	४७	१०	३१	३४	२४	०१	६	३	२६	मीने	९।११।२४।५४	६१।११	वसन्त पञ्चमी, गणराज्यदिवस
श्रीवत्स	६	शु	४	३४	९	१३	रेव	२८	०१	१८	३६	सि	१४	४६	१३	१८	तै	४	३४	९	१३	३७	२४	०२	७	४	२७	मेषे १८।३६	९।१२।२६।०५	६१।१०	पंचक समाप्तिः १८।३६, शत. शुक्रः २२।३१
सौम्य	७	श	३	२६	८	४६	अश्वि	२९	१४	१९	०५	सा	११	०८	११	५०	व	३	२६	८	४६	४०	२३	०३	८	५	२८	मेषे	९।१३।२७।१६	६१।०९	भ. ८।४६ उ. २०।५१ या., मन्वादि, भीष्माष्टमी, पुत्र ७, C
काल	८	र	४	२३	९	०८	भर	३२	२२	२०	२०	शु	९	०४	११	००	व	४	२३	९	०८	४३	२३	०४	९	६	२९	वृषे २६।४५	९।१४।२८।२५	६१।०८	{C रथ ७, अचला ७
सुस्थिर	९	सो	७	०९	१०	१४	कृति	३७	०८	२२	१४	शु	८	२३	१०	४४	कौ	७	०९	१०	१४	४६	२२	०५	१०	७	३०	वृषे	९।१५।२९।३३	६१।०७	{B रविः १५।५१ (सौरः २२।०७)
मातङ्ग	१०	मं	११	२६	११	५६	रोहि	४३	१०	२४	३८	ब्र	८	५०	१०	५४	ग	११	२६	११	५६	४९	२२	०५	११	८	३१	वृषे	९।१६।३०।४०	६१।०६	भ. २४।५८ उ.
ए.ब्र.	११	बु	१६	४९	१४	०५	मृग	५०	०१	२७	२२	ऐ	१०	०८	११	२४	वि	१६	४९	१४	०५	५३	२१	०६	१२	९	१	मिथु. १३।५८	९।१७।३१।४७	६१।०५	भ. १४।०५ या., जया ११ व्र., भीष्मद्वादशी, फरवरी २ ता. A
काण	१२	गु	२२	५०	१६	२९	आर्द्रा	५७	२०	३०	१७	वै	११	५६	१२	०७	वा	२२	५०	१६	२९	५६	२१	०७	१३	१०	२	मिथु.	९।१८।३२।५१	६१।०४	[A २८, शनैरस्तः पश्चिमायाम् २६।०१
प्र.ब्र.	१३	शु	२९	१०	१९	००	पुन	...	...	...	...	वि	१४	०१	१२	५७	तै	२९	१०	१९	००	५९	२०	०८	१४	११	३	कर्के २६।३०	९।१९।३३।५५	६१।०३	प्रदोषः, कल्पादि
छत्र	१४	श	३५	३१	२१	३२	पुन	४	४७	९	१४	प्री	१६	०९	१३	४७	ग	२	२१	८	१६	२७/०३	२०	०९	१५	१२	४	कर्के	९।२०।३४।५८	६१।०१	भ. २१।३२ उ., उषा. बुधः १५।०३
पूर्णिमा	१५	र	४१	४१	२३	५९	पुष्य	१२	०८	१२	१०	आ	१८	१०	१४	३५	वि	८	३८	१०	४६	०६	१९	०९	१६	१३	५	कर्के	९।२१।३५।५९	६१।००	भ. १०।४६ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः

अयनांशाः २४।०९।३३

पं.४२ मा.शु. ६ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१	८	११	१०	१०	०	६
१२	१५	१७	१०	०५	०१	१४	१४
४१	१६	५६	५७	५२	०६	३७	३७
३३	१७	०३	५०	५४	५३	४२	४२
६०	१०	५२	१०	७४	७	३	३
५८	०९	०९	४८	४१	०१	११	११
श्र	रो	पूषा	उभा	ध	ध	भ	स्वा
१	२	२	३	४	३	१	३

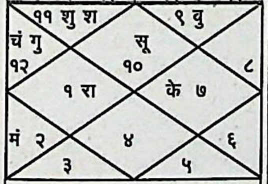

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ग्रह र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जन.	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा
०९।०७।२७।२७	१ र	२२	११।३५	१।११	३।०७	५।२२	७।४२	९।५९	१२।१५	२।३४	४।५३	६।५७	८।४०	१०।०९
०९।०८।२८।४२	२ चं	२३	११।३१	१।०७	३।०३	५।१८	७।३८	९।५५	१२।११	२।३०	४।४९	६।५३	८।३६	१०।०५
०९।०९।२९।५६	३ मं	२४	११।२७	१।०३	२।५९	५।१४	७।३४	९।५१	१२।०७	२।२६	४।४५	६।४९	८।३२	१०।०१
०९।१०।३१।१०	४ बु	२५	११।२३	१२।५९	२।५६	५।१०	७।३०	९।४७	१२।०३	२।२२	४।४१	६।४५	८।२८	९।५७
०९।११।३२।२२	५ गु	२६	११।१९	१२।५५	२।५२	५।०६	७।२६	९।४३	११।५९	२।१८	४।३७	६।४१	८।२५	९।५३
०९।१२।३३।३३	६ शु	२७	११।१५	१२।५१	२।४८	५।०२	७।२२	९।३९	११।५५	२।१४	४।३३	६।३७	८।२१	९।४९
०९।१३।३४।४३	७ श	२८	११।११	१२।४७	२।४४	४।५८	७।१९	९।३५	११।५१	२।१०	४।२९	६।३३	८।१७	९।४५
०९।१४।३५।५३	८ र	२९	११।०७	१२।४३	२।४०	४।५५	७।१५	९।३१	११।४७	२।०६	४।२५	६।२९	८।१३	९।४१
०९।१५।३७।०१	९ चं	३०	११।०३	१२।४०	२।३६	४।५१	७।११	९।२८	११।४३	२।०२	४।२१	६।२६	८।०९	९।३७
०९।१६।३८।०८	१० मं	३१	१०।५९	१२।३६	२।३२	४।४७	७।०७	९।२४	११।३९	१।५९	४।१७	६।२२	८।०५	९।३३
०९।१७।३९।१४	११ बु	१	१०।५५	१२।३२	२।२८	४।४३	७।०३	९।२०	११।३५	१।५५	४।१३	६।१८	८।०१	९।२९
०९।१८।४०।१९	१२ गु	२	१०।५२	१२।२८	२।२४	४।३९	६।५९	९।१६	११।३२	१।५१	४।०९	६।१४	७।५७	९।२५
०९।१९।४१।२२	१३ शु	३	१०।४८	१२।२४	२।२०	४।३५	६।५५	९।१२	११।२८	१।४७	४।०५	६।१०	७।५३	९।२२
०९।२०।४२।२५	१४ श	४	१०।४४	१२।२०	२।१६	४।३१	६।५१	९।०८	११।२४	१।४३	४।०१	६।०६	७।४९	९।१८
०९।२१।४३।२६	१५ र	५	१०।४०	१२।१६	२।१२	४।२७	६।४७	९।०४	११।२०	१।३९	३।५७	६।०२	७।४५	९।१४

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं तथा पांच शनिवार होने से महंगाई हो । एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः ॥ कृ. प्रतिपदा को शनिवार होने से सब धान्योत्पत्ति उत्तम हो । अमावस्या पूर्वाषाढा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो। शुक्ला प्रतिपदा को रविवार होने से उपद्रव हो। शुक्लाष्टमी को कृत्तिका न होने से फागुण में रोली लगे और श्रावण में सूखा रहे । पूर्णिमा पुष्य युक्त होने से महर्घता हो । पूर्णिमा को मघा का अभाव होने से महर्घता हो । शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो ।

अयनांशाः २४।०९।३४

पं.४३ मा.शु.१३ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१	८	११	१०	१०	०	६
१९	१६	२५	१२	१४	०१	१४	१४
४८	३९	०५	१५	३५	५६	१५	१५
००	२५	१७	४१	०२	२५	२७	२७
६०	१४	७१	११	७४	७	३	३
५१	०३	१२	३१	२७	०९	११	११
श्र	रो	पूषा	उभा	श	ध	भ	स्वा
३	२	४	३	३	३	१	३

६ फरवरी से २० फरवरी तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिमासू. सू. तारीख

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	स्टै. चंद्रः	प्रातः सौर र. स्प.	दैनिक गति
सौम्य	१	सो	४७	३२	२६	१९	श्ले	१९	१४	१५	००	सौं	२०	०१	१५	१९	वा	१४	४०	१३	१०	२७/१०	७/१८	६/१०	१७	१४	६	सिंहे १५।००	९।२२।३६।५९	६०।५८
काल	२	मं	५२	५८	२८	२९	मघा	२५	५९	१७	४१	शो	२१	३४	१५	५५	तै	२०	१९	१५	२५	१३	१८	११	१८	१५	७	सिंहे	९।२३।३७।५७	६०।५७
सुस्थिर	३	बु	५७	४७	३०	२४	पूफा	३२	१५	२०	११	अ	२२	४५	१६	२३	व	२५	२८	१७	२८	१७	१७	१२	१९	१६	८	कन्या २६।४६	९।२४।३८।५४	६०।५६
च.व्र.	४	गु	...	...	...	...	उफा	३७	५०	२२	२४	सु	२३	२७	१६	३९	ब	२९	५६	१९	१५	२०	१६	१२	२०	१७	९	कन्या	९।२५।३९।५०	६०।५४
अमृत	४	शु	१	५०	८	००	हस्त	४२	३०	२४	१६	धृ	२३	२७	१६	३८	बा	१	५०	८	००	२४	१६	१३	२१	१८	१०	कन्या	९।२६।४०।४४	६०।५३
काण	५	श	४	४९	९	१०	चित्रा	४५	५९	२५	३८	शू	२२	३५	१६	१७	तै	४	४९	९	१०	२८	१५	१४	२२	१९	११	तुला. १३।०१	९।२७।४१।३७	६०।५२
लुम्बक	६	र	६	२६	९	४८	स्वा	४८	०१	२६	२७	गं	२०	३८	१५	२९	व	६	२६	९	४८	३१	१४	१५	२३	२०	१२	तुला.	९।२८।४२।२९	६०।५०
मित्र	७	सो	६	३०	९	४९	विशा	४८	२४	२६	३५	वृ	१७	२७	१४	१२	व	६	३०	९	४९	३५	१३	१५	२४	२१	१३	वृश्चि. २०।३७	९।२९।४३।१९	६०।४८
वज्र	८	मं	४	४८	९	०८	अनु	४७	०२	२६	०२	ध्रु	१२	५३	१२	२२	कौ	४	४८	९	०८	३९	१३	१६	२५	२२	१४	वृश्चि.	१०।००।४४।०७	६०।४७
ध्वाङ्क्ष	९	बु	१	१८	७	४३	ज्ये	४३	५५	२४	४६	व्या	६	५४	९	५७	ग	१	१८	७	४३	४३	१२	१७	२६	२३	१५	धनु. २४।४६	१०।०१।४४।५४	६०।४५
क्षयः	१०	बु	५६	०२	२९	३७	०	०	०	०	०	ह	५९	२९	३०	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०
ए.व्र.	११	गु	४९	१३	२६	५२	मूल	३९	१३	२२	५२	व	५०	५३	२७	३२	व	२२	४९	१६	१९	४७	११	१८	२७	२४	१६	धनु.	१०।०२।४५।३९	६०।४४
ए.व्र.	१२	शु	४१	११	२३	३९	पूषा	३३	१३	२०	२७	सि	४१	१५	२३	४०	कौ	१५	२२	१३	१९	५१	१०	१८	२८	२५	१७	मक. २५।४७	१०।०३।४६।२२	६०।४२
शिवरा.	१३	श	३२	१७	२०	०४	उषा	२६	१७	१७	४०	व्य	३०	५५	१९	३१	ग	६	४९	९	५३	५४	०९	१९	२९	२६	१८	मक.	१०।०४।४७।०४	६०।४०
गद	१४	र	२२	५७	१६	१९	श्रव	१८	५३	१४	४२	व	२०	१४	१५	१४	श	२२	५७	१६	१९	५८	०८	२०	३०	२७	१९	कुंभे २५।१२	१०।०५।४७।४४	६०।३९
अमाव.	३०	सो	१३	४२	१२	३६	धनि	११	३१	११	४४	प	९/५९	३६/३०	१०/३०	५६/५५	ना	१३	४२	१२	३६	२६/०५	०८	२०	१	२८	२०	कुंभे	१०।०६।४८।२३	६०।३७

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी २०२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
धनि. रविः १८।५७ (सौरः २४।१४), मकरे बुधः ३१।०७
पूभा. शुक्रः १६।०८ [D विजया ११ व्र.स्मार्त
भ. १७।२८ उ. ३०।२४ या., उभा.-४ गुरुः १८।४८
उफा. रे. ९ IIIISIIIII रात्रौ लग्न गोधूलि(४), चतुर्थीव्रतं C
हस्ते रे. ६ IIISSSISII रात्रौ लग्न गोधूलि(४)
[A पूर्वस्याम् २०।२१, अश्वि.-४ राहुः १७।५५, स्वा.-२ केतुः १७।५५
भ. ९।४८ उ. २१।५४ या. [C चन्द्रोदयः २१।२८
कुंभे रविः ९।०० (सौरः १३।४८) [E (सौरः २७।४९)
श्रव. बुधः १५।३८, धनि.-४ शनिः २१।३७
भ. १८।४५ उ. २९।३७ या., रामदास ९, मीने शुक्रः १८।१३
[B सायन मीने भानुः २७।४५, उभा. शुक्रः ११।०७
मूले रे. ७ ISIIISISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(५), ६, D
उषा. रे. ८ SIIIISIIII रात्रौ लग्न ६, विजया ११ व्र.वैष्ण.
भ. २०।०४ उ. ३०।१२ या., प्रदोषः, महाशिवरात्री व्रतम्, B
पंचक प्रारम्भः २५।१२, पितृकार्येऽमा., शत. रविः २३।२६ E
देवकार्येऽमा., सोमवती अमा., भा. फाल्गुनारंभः, बुधास्तः A

अयनांशाः २४।०९।३५

पं.४४ फा.कृ. ४ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१	९	११	१०	१०	०	६
२६	१८	०३	१३	२३	०२	१३	१३
५३	२८	५७	३८	१५	४६	५३	५३
३०	०३	४१	१८	२७	४३	१२	१२
६०	१७	८१	१२	७४	७	३	३
४२	२२	२८	०८	१२	१३	१०	१०
ध	रो	उषा	उभा	पूभा	ध	भ	स्वा
२	३	३	४	१	३	१	३

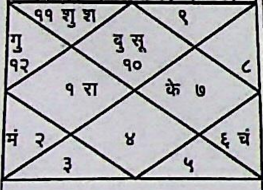

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. फर.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह सायँ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ प्रातः	मीन दिवा
०९।२२।४४।२६	१ चं	६	१०।३६	१२।१२	२।०८	४।२३	६।४३	९।००	११।१६	१।३५	३।५३	५।५८	७।४१	९।१०
०९।२३।४५।२४	२ मं	७	१०।३२	१२।०८	२।०४	४।१९	६।३९	८।५६	११।१२	१।३१	३।४९	५।५४	७।३७	९।०६
०९।२४।४६।२१	३ बु	८	१०।२८	१२।०४	२।००	४।१५	६।३५	८।५२	११।०८	१।२७	३।४६	५।५०	७।३३	९।०२
०९।२५।४७।१७	४ गु	९	१०।२४	१२।००	१।५६	४।११	६।३१	८।४८	११।०४	१।२३	३।४२	५।४६	७।२९	८।५८
०९।२६।४८।११	४ शु	१०	१०।२०	११।५६	१।५२	४।०७	६।२७	८।४४	११।००	१।१९	३।३८	५।४२	७।२५	८।५४
०९।२७।४९।०४	५ श	११	१०।१६	११।५२	१।४९	४।०३	६।२३	८।४०	१०।५६	१।१५	३।३४	५।३८	७।२२	८।५०
०९।२८।४९।५५	६ र	१२	१०।१२	११।४८	१।४५	३।५९	६।१९	८।३६	१०।५२	१।११	३।३०	५।३४	७।१८	८।४६
०९।२९।५०।४५	७ चं	१३	१०।०८	११।४४	१।४१	३।५५	६।१५	८।३२	१०।४८	१।०७	३।२६	५।३०	७।१४	८।४२
१०।००।५१।३३	८ मं	१४	१०।०४	११।४०	१।३७	३।५१	६।१२	८।२८	१०।४४	१।०३	३।२२	५।२६	७।१०	८।३८
१०।०१।५२।२०	९ बु	१५	१०।००	११।३७	१।३३	३।४८	६।०८	८।२४	१०।४०	१२।५९	३।१८	५।२३	७।०६	८।३४
१०।०२।५३।०५	११ गु	१६	९।५६	११।३३	१।२९	३।४४	६।०४	८।२१	१०।३६	१२।५५	३।१४	५।१९	७।०२	८।३०
१०।०३।५३।४८	१२ शु	१७	९।५२	११।२९	१।२५	३।४०	६।००	८।१७	१०।३२	१२।५२	३।१०	५।१५	६।५८	८।२६
१०।०४।५४।३०	१३ श	१८	९।४८	११।२५	१।२१	३।३६	५।५६	८।१३	१०।२८	१२।४८	३।०६	५।११	६।५४	८।२२
१०।०५।५५।१०	१४ र	१९	९।४५	११।२१	१।१७	३।३२	५।५२	८।०९	१०।२५	१२।४४	३।०२	५।०७	६।५०	८।१८
१०।०६।५५।४८	३० चं	२०	९।४१	११।१७	१।१३	३।२८	५।४८	८।०५	१०।२१	१२।४०	२।५८	५।०३	६।४६	८।१५

संक्रांति फलम्

ता. १३ फरवरी २०२३

फा. कृ. ७ चंद्रे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ९।०० वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्पदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुस्पदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी वालावस्था (वैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः रवौ (स्टै.) २६।३६ से चंद्रे ९।०० तक। (दान- गोड़ - अन्न)।

अयनांशाः २४।०९।३७

पं.४५ फा.कृ.१२ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१	९	११	११	१०	०	६
०३	२०	१३	१५	०१	०३	१३	१३
५७	३८	४९	०५	५३	३७	३०	३०
५४	१६	३६	०२	५५	२३	५७	५७
६०	२०	८८	१२	७३	७	३	३
३२	१०	२५	४१	५४	१५	१०	१०
ध	रो	श्र	उभा	पूभा	ध	भ	स्वा
४	४	२	४	४	४	१	३

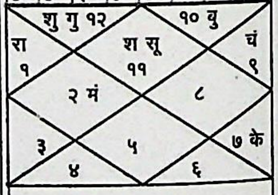

२१ फरवरी से ७ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, दिगा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः ४३३९ वसंतर्त्तू रविरुत्तरे, फरवरी-मार्च २०२३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प.	उ.	अ.	भा.	मृ.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
फुलरि.	१	मं	५	००	९	०६	शत	४	३९	८	५८	सि	४९	५३	२७	०४	व	५	००	९	०६	२८	७	६	२	२९	२१	मीने २५।०९	१०।०७।४९।००	६०।३५	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
क्षयः	२	मं	५७	१३	३०	००	पूभा	५८	४६	३०	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०६	०७	२१	०	०	०	० ०	०	०	[A दहनं भद्रापुच्छे (२४।५२), करिदिन
लुम्वक	३	बु	५०	५५	२७	२८	उभा	५४	१९	२८	४९	सा	४१	३२	२३	४२	तै	२३	५३	१६	३९	१०	०६	२२	३	१	२२	मीने	१०।०८।४९।३४	६०।३३	सावान ८
मित्र	४	गु	४६	२०	२५	३७	रेव	५१	३७	२७	४४	शु	३४	३४	२०	५४	व	१८	२४	१४	२६	१४	०५	२२	४	२	२३	मेषे २७।४४	१०।०९।५०।०८	६०।३१	भ. १४।२६ उ. २५।३७ या., पंचक समाप्तिः २७।४४, धनि. B
वज्र	५	शु	४३	४६	२४	३४	अश्वि	५०	५४	२७	२५	शु	२९	०९	१८	४४	व	१४	४९	१२	५९	१८	०४	२३	५	३	२४	मेषे	१०।१०।५०।३९	६०।३०	याज्ञवल्क्य जयंती, मृगे भौमः २१।१२, रेव.-१ गुरुः १५।३४
ध्वाङ्क्ष	६	श	४३	१८	२४	२२	भर	५२	१४	२७	५७	ब्र	२५	२४	१७	१२	कौ	१३	१७	१२	२२	२२	०३	२४	६	४	२५	मेषे	१०।११।५१।०९	६०।२८	[C भद्रा के बाद, शत. बुधः १६।५०
धूम्र	७	र	४४	५३	२४	५९	कृति	५५	३३	२९	१५	ऐ	२३	१६	१६	२१	ग	१३	५१	१२	३५	२६	०२	२४	७	५	२६	वृषे १०।१२	१०।१२।५१।३६	६०।२६	भ. २४।५९ उ.
होलाष्ट.	८	सो	४८	२१	२६	२१	रोहि	...	...	...	...	वै	२२	३९	१६	०४	वि	१६	२६	१३	३५	३०	०१	२५	८	६	२७	वृषे	१०।१३।५२।०२	६०।२४	भ. १३।३५ या., होलाष्टक, कुंभे बुधः १७।२६
मातङ्ग	९	मं	५३	१७	२८	१९	रोहि	०	३८	७	१५	वि	२३	१६	१६	१८	बा	२०	४१	१५	१६	३४	००	२६	९	७	२८	मिथु. २०।२८	१०।१४।५२।२६	६०।२२	[B बुधः १३।३८
अमृत	१०	बु	५९	१४	३०	४१	मृग	७	०२	९	४८	प्री	२४	५०	१६	५५	तै	२६	१२	१७	२८	३८	५६	२६	१०	८	१	मिथु.	१०।१५।५२।४८	६०।२०	मार्च ३ ता. ३१, रेव. शुक्रः ७।५०
काण	११	गु	...	...	...	...	आर्द्रा	१४	१७	१२	४१	आ	२६	५८	१७	४५	व	३२	२७	१९	५७	४२	५८	२७	११	९	२	मिथु.	१०।१६।५३।०८	६०।१८	भ. १९।५७ उ.
ए.व्र.	११	शु	५	४३	९	१४	पुन	२१	५३	१५	४२	सौ	२९	१८	१८	४०	वि	५	४३	९	१४	४७	५७	२८	१२	१०	३	कर्के ८।५७	१०।१७।५३।२६	६०।१६	भ. ९।१४ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल थापणा C
प्र.व्र.	१२	श	१२	०८	११	४७	पुष्य	२९	२२	१८	४१	शो	३१	३१	१९	३२	बा	१२	०८	११	४७	५१	५६	२८	१३	११	४	कर्के	१०।१८।५३।४२	६०।१४	प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (खाटु), पूभा. रविः २९।४२
वज्र	१३	र	१८	०९	१४	१०	श्ले	३६	२५	२१	२९	अ	३३	२२	२०	१६	तै	१८	०९	१४	१०	५५	५५	२९	१४	१२	५	सिंहे २१।२९	१०।१९।५३।५६	६०।१२	पूभा. सौरः ९।२०
होली	१४	सो	२३	३४	१६	१९	मघा	४२	५१	२४	०२	सु	३४	४५	२०	४८	व	२३	३४	१६	१९	५९	५४	२९	१५	१३	६	सिंहे	१०।२०।५४।०८	६०।१०	भ. १६।१९ उ. २९।१७ या.,जेलपोणी भद्रा के पहिले, होलिका A
छारेंडी	१५	मं	२८	१४	१८	११	पूफा	४८	३३	२६	१८	धृ	३५	३५	२१	०७	व	२८	१४	१८	११	२९/०३	५३	३०	१६	१४	७	सिंहे	१०।२१।५४।१८	६०।०८	मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, छारेंडी देशाचारे, करिदिन

अयनांशाः २४।०९।३८

पं.४६ फा.शु. ५ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१	९	११	११	१०	०	६
११	२३	२४	१६	१०	०४	१३	१३
०१	०६	२८	३५	३०	२८	०८	०८
०३	४३	२७	२०	११	०२	४३	४३
६०	२२	९५	१३	७३	७	३	३
२०	३१	१३	०९	३३	१२	१०	१०
श	रो	ध	उभा	उभा	ध	अ	स्वा
२	४	१	४	३	४	४	२

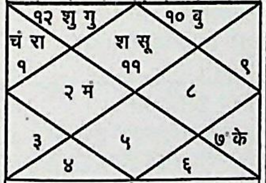

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।०७।५६।२५	१ मं	२१	९।३७	११।१३	१।०९	३।२४	५।४४	८।०१	१०।१७	१२।३६	२।५४	४।५९	६।४२	८।११
१०।०८।५७।००	३ बु	२२	९।३३	११।०९	१।०५	३।२०	५।४०	७।५७	१०।१३	१२।३२	२।५०	४।५५	६।३८	८।०७
१०।०९।५७।३३	४ गु	२३	९।२९	११।०५	१।०१	३।१६	५।३६	७।५३	१०।०९	१२।२८	२।४६	४।५१	६।३४	८।०३
१०।१०।५८।०४	५ शु	२४	९।२५	११।०१	१२।५७	३।१२	५।३२	७।४९	१०।०५	१२।२४	२।४३	४।४७	६।३०	७।५९
१०।११।५८।३३	६ श	२५	९।२१	१०।५७	१२।५३	३।०८	५।२८	७।४५	१०।०१	१२।२०	२।३९	४।४३	६।२६	७।५५
१०।१२।५९।०१	७ र	२६	९।१७	१०।५३	१२।४९	३।०४	५।२४	७।४१	९।५७	१२।१६	२।३५	४।३९	६।२२	७।५१
१०।१३।५९।२६	८ चं	२७	९।१३	१०।४९	१२।४५	३।००	५।२०	७।३७	९।५३	१२।१२	२।३१	४।३५	६।१८	७।४७
१०।१४।५९।५०	९ मं	२८	९।०९	१०।४५	१२।४२	२।५६	५।१६	७।३३	९।४९	१२।०८	२।२७	४।३१	६।१५	७।४३
१०।१६।००।१२	१० बु	१	९।०५	१०।४१	१२।३८	२।५२	५।१२	७।२९	९।४५	१२।०४	२।२३	४।२७	६।११	७।३९
१०।१७।००।३२	११ गु	२	९।०१	१०।३७	१२।३४	२।४८	५।०९	७।२५	९।४१	१२।००	२।१९	४।२३	६।०७	७।३५
१०।१८।००।४९	११ शु	३	८।५७	१०।३३	१२।३०	२।४५	५।०५	७।२१	९।३७	११।५६	२।१५	४।१९	६।०३	७।३१
१०।१९।०१।०५	१२ श	४	८।५३	१०।३०	१२।२६	२।४१	५।०१	७।१७	९।३३	११।५२	२।११	४।१६	५।५९	७।२७
१०।२०।०१।१९	१३ र	५	८।४९	१०।२६	१२।२२	२।३७	४।५७	७।१४	९।२९	११।४८	२।०७	४।१२	५।५५	७।२३
१०।२१।०१।३१	१४ चं	६	८।४५	१०।२२	१२।१८	२।३३	४।५३	७।१०	९।२५	११।४५	२।०३	४।०८	५।५१	७।१९
१०।२२।०१।४०	१५ मं	७	८।४१	१०।१८	१२।१४	२।२९	४।४९	७।०६	९।२१	११।४१	१।५९	४।०४	५।४७	७।१५

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो ॥ जायते पंचभौमाश्च पंचमासास्तदाशुभाः ॥ इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। कृष्णा षष्ठी को स्वाति होने से दुर्भिक्ष हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुखी हो। अमावस्या धनिष्ठा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। शुक्ला सप्तमी को कृत्तिका होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला ११ को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा पूर्वाफाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हो, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।०९।३९

पं.४७ फा.शु.११ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१	१०	११	११	१०	०	६
१८	२५	०५	१८	१९	०५	१२	१२
०२	५०	५७	०८	०३	१८	४६	४६
४९	३१	३४	३८	५७	१६	२९	२९
६०	२४	१०२	१३	७३	७	३	३
०८	३०	५३	३३	११	०७	११	११
श	मृ	ध	रे	रे	ध	अ	स्वा
४	१	४	१	१	४	४	२

८ मार्च से २१ मार्च तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०७९, शाकः १९४४, द्विमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च २०२३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
प्रवर्धमा	१	बु	३२	०७	१९	४२	उफा	५३	३०	२८	१६	शू	३५	४८	२१	११	बा	०	१८	६	५९	२९/०७	६/५२	६/३१	१७	१५	८	कन्या ८|४९	१०|२२|५४|२६	६०|०६	हस्ते रे. ८ ।ऽ।।।ऽ।।।। रात्रौ लग्न ११, वसन्त १
राक्षस	२	गु	३५	०९	२०	५४	हस्त	५७	३६	२९	५३	गं	३५	२४	२१	००	तै	३	४६	८	२१	११	५१	३१	१८	१६	९	कन्या	१०|२३|५४|३१	६०|०४	हस्ते रे. ८ ।ऽ।।।ऽ।।।। रात्रौ लग्न गोधूलि(५)
मुसल	३	शु	३७	१४	२१	४३	चित्रा	...	...	...	...	वृ	३४	१७	२०	३२	व	६	२१	९	२२	१६	५०	३२	१९	१७	१०	तुला. १८|३४	१०|२४|५४|३५	६०|०२	भ. ९|२२ उ. २१|४३ या., कल्पादि, पूभा. बुधः २८|०६
च.व्र.	४	श	३८	२०	२२	०८	चित्रा	०	५०	७	०८	ध्रु	३२	२३	१९	४६	ब	७	५६	९	५९	२०	४८	३२	२०	१८	११	तुला.	१०|२५|५४|३७	५९|५९	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२|११, रेव.-२ गुरुः ९|४४, मेषे अश्वि. B
लुम्बक	५	र	३८	१६	२२	०६	स्वा	२	५९	७	५९	व्या	२९	३७	१८	३८	कौ	८	२८	१०	१०	२४	४७	३३	२१	१९	१२	वृश्चि. २६|१९	१०|२६|५४|३६	५९|५७	मिथुने भौमः २५|०० [B शुक्रः ३०|३९
मित्र	६	सो	३६	५६	२१	३३	विशा	३	५९	८	२२	ह	२५	५३	१७	०७	ग	७	४७	९	५३	२८	४६	३३	२२	२०	१३	वृश्चि.	१०|२७|५४|३३	५९|५५	भ. २१|३३ उ., शनेरुदयः पूर्वस्याम् २३|३८
वज्र	७	मं	३४	१८	२०	२९	अनु	३	४३	८	१४	व	२१	०६	१५	१२	वि	५	४९	९	०५	३२	४५	३४	२३	२१	१४	वृश्चि.	१०|२८|५४|२८	५९|५३	भ. ९|०५ या., मीने रविः २९|४७, शत.-१ शनिः २२|३४
शीतला	८	बु	३०	२०	१८	५२	ज्ये	२/५९	०९/१४	७/३०	३६/२६	सि	१५	१६	१२	५१	वा	२	३०	७	४४	३६	४४	३५	२४	२२	१५	धनु. ७|३६	१०|२९|५४|२१	५९|५१	शीतला पूजनं, मीने सौरः ९|००
धाता	९	गु	२५	०५	१६	४५	पूषा	५५	१२	२८	४८	व्य	८	२५	१०	०५	ग	२५	०५	१६	४५	४१	४३	३५	२५	२३	१६	धनु.	११|००|५४|१२	५९|४९	भ. २७|३१ उ., मीने बुधः १०|२०
आनन्द	१०	शु	१८	४४	१४	११	उषा	५०	११	२६	४६	व	०/५१	३७/४९	६/३१	५६/२९	वि	१८	४४	१४	११	४५	४२	३६	२६	२४	१७	मक. १०|१९	११|०१|५४|०१	५९|४६	भ. १४|११ या., उभा. बुधः २७|१२
ए.व्र.	११	श	११	३०	११	१७	श्रव	४४	२९	२४	२८	शि	४२	५१	२३	४९	वा	११	३०	११	१७	४९	४१	३६	२७	२५	१८	मक.	११|०२|५३|४७	५९|४४	पापमोचनी ११ व्र., उभा. रविः १४|०७ (सौरः १७|१२)
प्र.व्र.	१२	र	३	४४	८	०९	धनि	३८	२७	२२	०२	सि	३३	२६	२०	०२	तै	३	४४	८	०९	५३	४०	३७	२८	२६	१९	कुंभे ११|१६	११|०३|५३|३१	५९|४२	भ. २८|५७ उ., पंचक प्रारम्भः ११|१६, प्रदोषः, वारुणी योग A
क्षयः	१३	र	५५	४४	२८	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A २२|०२ से २८|५७ तक
अमृत	१४	सो	४७	५८	२५	४९	शत	३२	२८	१९	३८	सा	२४	०२	१६	१५	वि	२१	४९	१५	२२	५७	३८	३७	२९	२७	२०	कुंभे	११|०४|५३|१३	५९|४०	भ. १५|२२ या., मासिकशिवरात्री व्र., सायन मेषे भानुः २६|३५
अमाव.	३०	मं	४०	४५	२२	५५	पूभा	२६	५८	१७	२५	शु	१४	५९	१२	३७	च	१४	१७	१२	२०	३०/०१	३७	३८	३०	२८	२१	मीने ११|५६	११|०५|५२|५३	५९|३७	देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः ४३६७, चक्र ७, मन्वादि

अयनांशाः २४|०९|४० ॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥ संक्रांति फलम् अयनांशाः २४|०९|४१

पं.४८ चै.कृ. ३ शु. इष्टघटी ०|००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१	१०	११	११	१०	०	६
२५	२८	१८	१९	२७	०६	१२	१२
०३	४७	२१	४४	३४	०७	२४	२४
०६	१४	४२	२७	५८	४३	१४	१४
५९	२६	११०	१३	७२	६	३	३
५५	११	४९	५२	४६	५९	११	११
पूभा	मृ	श	रे	रे	ध	अ	स्वा
२	२	४	१	४	४	४	२

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
१०|२३|०१|४८	१ बु	८	८|३८	१०|१४	१२|१०	२|२५	४|४५	७|०२	९|१८	११|३७	१|५५	४|००	५|४३	७|१२
१०|२४|०१|५४	२ गु	९	८|३४	१०|१०	१२|०६	२|२१	४|४१	६|५८	९|१४	११|३३	१|५१	३|५६	५|३९	७|०८
१०|२५|०१|५७	३ शु	१०	८|३०	१०|०६	१२|०२	२|१७	४|३७	६|५४	९|१०	११|२९	१|४७	३|५२	५|३५	७|०४
१०|२६|०१|५८	४ श	११	८|२६	१०|०२	११|५८	२|१३	४|३३	६|५०	९|०६	११|२५	१|४३	३|४८	५|३१	७|००
१०|२७|०१|५८	५ र	१२	८|२२	९|५८	११|५४	२|०९	४|२९	६|४६	९|०२	११|२१	१|३९	३|४४	५|२७	६|५६
१०|२८|०१|५५	६ चं	१३	८|१८	९|५४	११|५०	२|०५	४|२५	६|४२	८|५८	११|१७	१|३६	३|४०	५|२३	६|५२
१०|२९|०१|५०	७ मं	१४	८|१४	९|५०	११|४६	२|०१	४|२१	६|३८	८|५४	११|१३	१|३२	३|३६	५|१९	६|४८
११|००|०१|४२	८ बु	१५	८|१०	९|४६	११|४२	१|५७	४|१७	६|३४	८|५०	११|०९	१|२८	३|३२	५|१५	६|४४
११|०१|०१|३३	९ गु	१६	८|०६	९|४२	११|३८	१|५३	४|१३	६|३०	८|४६	११|०५	१|२४	३|२८	५|११	६|४०
११|०२|०१|२१	१० शु	१७	८|०२	९|३८	११|३५	१|४९	४|०९	६|२६	८|४२	११|०१	१|२०	३|२४	५|०८	६|३६
११|०३|०१|०७	११ श	१८	७|५८	९|३४	११|३१	१|४५	४|०५	६|२२	८|३८	१०|५७	१|१६	३|२०	५|०४	६|३२
११|०४|००|५१	१२ र	१९	७|५४	९|३०	११|२७	१|४१	४|०२	६|१८	८|३४	१०|५३	१|१२	३|१६	५|००	६|२८
११|०५|००|३३	१४ चं	२०	७|५०	९|२६	११|२३	१|३८	३|५८	६|१४	८|३०	१०|४९	१|०८	३|१२	४|५६	६|२४
११|०६|००|१२	३० मं	२१	७|४६	९|२३	११|१९	१|३४	३|५४	६|११	८|२६	१०|४५	१|०४	३|०९	४|५२	६|२०

ता. १४ मार्च २०२३

चैत्र कृ. ७ भौमे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९|४७ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (वैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २९|४७ से बुधे १२|११ तक। (दान-भूमि माला)।

पं.४९ चै.कृ.१० शु. इष्टघटी ०|००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	११	११	०	१०	०	६
०२	०१	०१	२१	०६	०६	१२	१२
०१	५४	३९	२२	०२	५५	०१	०१
५०	५१	१७	१५	५६	५९	५९	५९
५९	२७	११७	१४	७२	६	३	३
४१	३६	४५	०६	१८	४६	१०	१०
पूभा	मृ	पूभा	रे	अ	श	अ	स्वा
४	३	४	२	२	१	४	२

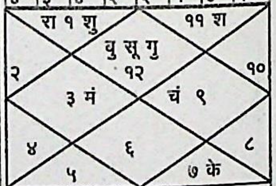

श्री गणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः ॥ अंचित्याव्यक्तरुपाय निर्गुणाय गुणात्मने ॥ समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ॥ पञ्चाङ्ग रत्नं प्रसरन्मयूखं श्री केतकी दृग्गणितेन युक्तम् ॥ लोकोपकाराय कृत प्रयत्न प्रचक्रतु मोह विनाशदक्षम् ॥ २ ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२४, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२४ भोग्यकलिः ४२६८७६ अथास्मिन् - शुभ संवत्सरे श्रीमन्नृपतिविक्रमादित्यराज्यात् संवत् २०८० शाकः १९४५ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधः १, मंत्री शुक्रः २, सस्येशो रविः ३, धान्येशः शनिः ४, मेघेशो गुरुः ५, रसेशो भौमः ६, नीरसेशो रविः ७, फलेशो गुरुः ८, धनेशो रविः ९, दुर्गेशो गुरुः १०, एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य मानेन प्रभवादी षष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्र विंशतिकायां १० नल नामाख्यः संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि १।१०।१३।२६ भोग्य.मासादि १०।१९।४६।३४ इन्द्राग्नि दैवतं युगम् । वर्षनाम भाद्रपद । चतुर्मेघनाम द्रोणः । रोहिणी निवासो तटे । समय निवासो रजकगृहे । समय विश्वा १० । समय वाहन सिंचाणु । स्तंभ १ तृण । सोमवत्यमा. ३ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ० । भानु सप्तमी १ । बुधाष्टमी ३ । रविदशमी १ । समय मुहूर्तानि ३६० । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १२ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा १०५ । खपति विश्वा ९६ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । खपति विश्वा ९९ । वर्षा विश्वा १३ । धान्यम् ५ । तृणम् ५ । शीतम् १३ । तेजः १७ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । ऐक्यम् १०७ । (क्षुधा १५ । तृष्णा १ । निद्रा १३ । आलस्य १७ । उद्यम ५ । शान्ति ७ । क्रोध १३ । दण्ड १ । मैत्री ९ । उत्सव ७ । पाप ७ । पुण्य ३ । उग्रत्व १९ । रसोत्पत्तिः ३ । फलोत्पत्तिः ९ । व्याधि ९ । व्याधिनाश ७ । आचार ७ । अनाचार १३ । मृत्यु ११ । जन्म ३ । चौर ९ । उपशमन १५ । अग्निभय ५ । अग्निशमः १५ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । शनि दृष्टिरुत्तरे । ग्रहणं १ चन्द्रमसः । उद्रिजः ७ । जरायुजः ३ । पिण्डजः १३ । स्वदेजः ९ । इस वर्ष का फल उत्तम है । आगे गौं प्रजा भाग्य प्रवल है । ॥ संवत् २०८० शाकः १९४५ ॥ वर्षारम्भे चैत्रशुक्लप्रतिपदायाम् बुधवासरे वारप्रवृत्ति (सूर्योदय) काले अहर्गणाः (ता. २२ मार्च २०२३), केतकी चक्रः ७, अहर्गणः ४३६८, सौरपक्ष चक्रः ४५, अहर्गणः २९९०, ब्रह्मपक्ष अहर्गणः ३०६८२३.

(१) आश्विन शुक्ला १५ शनिवार, संवत् २०८०, ता. २८ अक्टूवर २०२३, खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्, परमग्रास .११

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
रामगढ घ.	४६	४७	४९	३
स्थानिक प.	२२	५४	२७	०५
रेल्वे घं.	२५	२५	२६	१
टाईम मि.	१४	५१	२८	१४

यह खण्डग्रास चंद्रग्रहण आश्विन शुक्ला १५ शनिवार, संवत् २०८०, ता. २८ अक्टूवर २०२३, को होगा । इस ग्रहण का सूतक स्टैं १६।१४ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

संवत् २०८० मध्ये सूर्यग्रहणाऽभावः

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिक पञ्चाङ्ग में देखें ।

गणित सहयोगी
पं. संजय शर्मा सुपुत्र पं. ग्यारसीलाल

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -
पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द, वाया- सिंघाना,
जि.झुन्झुनू (राज.) पिन.३३३५१६, फो.०१५९३-२७११८४
मुम्बई. फोन. ०२२ २६१६६७८३

॥ अथ भैरव भवानि संवाद ॥

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
अस्सी संवत् फल कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां मध्यम संवत होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये पांच अधिकार ।
राजा शशिसुत हैं प्रभु भृगु तो मंत्री विचार ॥
मेघ-फल और दुर्ग के मालिक गुरू सुजान ।
रसाधिप तो कुजदेव हैं मध्यम होसी हान ॥
सस्याधिप-नीरसपति रवि धनेश कहाय ।
धान्याधिप शनिदेव हैं जन-धन होसी भाय ॥
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट में जाय ।
चतुर्मेघ तो द्रोण हैं वर्षा बहुत दिखाय ॥
सदा विराजत चित्त में गुरु चरणों की धूल ।
हाथजोड़ विनति करुँ हो कोई जो मेरी भूल ॥
गुरु ध्यानधर फल कहा संवत् अस्सी साल ।
गुरु ईश्वरदत्त से गुरु नहीं कथन ग्यारसीलाल ॥
ईक्यावन से अस्सी किया संवत् गणना भाय ।
आगे गणना जो करे यहाँ नाम दिया दर्शाय ॥
हाथ जोड़ विनती करुँ सुणिये सृष्टीकार ।
मनीरामपंचाग का युग-युग नाम अपार ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	अष्टोत्तरी मतेन लाभ	अष्टोत्तरी मतेन खर्च	विंशोत्तरी मतेन लाभ	विंशोत्तरी मतेन खर्च
मेष	५	५	२	५
वृष	१४	११	११	११
मिथुन	२	११	२	११
कर्क	११	८	११	५
सिंह	१४	२	१४	२
कन्या	२	११	२	११
तुला	१४	११	११	११
वृश्चिक	५	५	२	५
धनु	८	११	१४	८
मकर	११	५	८	११
कुंभ	११	५	८	११
मीन	८	११	१४	८

वर्ष लग्नम् ७।०३

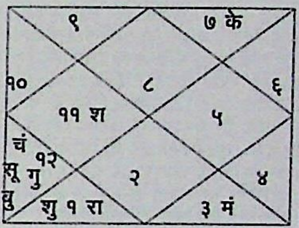

वर्षेश लग्नम् ३।२९

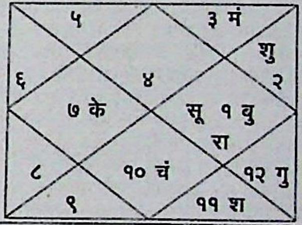

लाभ - खर्च देखनें की विधि और फल

जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

॥ अथ संवत् २०८० वर्ष फलम् ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ वर्ष फलम् ॥ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति विक्रमादित्य राज्यात् संवत् २०८० शाकः १९४५ नल नामास्यः संवत्सरः प्रवतर्ते तत्फलम् - नलाब्देमध्यसस्यार्घवृष्टिभिः प्रवराधारा । नृपसंक्षोभसंजाता भूरितस्करभीतयः ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् - बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यविवाहमङ्गलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्स्थं सुभिक्षं धनधान्यसङ्कुलम् ॥ मंत्रीशुक्रस्तत्फलम् - भृगुसुतेननुमंत्रिपदंगतेशलभमूषकमूषकरौहिषः । भवन्ति धान्यसमर्घतयामलंजनपदेषुजलं सरितोधिकम् ॥ सस्येशोरविस्तत्फलम् - सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्व धान्यं समर्घ बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूतहाश्व ॥ धान्येशः शनिस्तत्फलम् - दुर्भिक्षंजायते तत्र कलहंदेशविग्रहं । सोराष्ट्रदेशो नष्टश्च यत्र धान्याधिपः शनिः ॥ मेघेशोगुरुस्तत्फलम् - गुरुरपिप्रियवृष्टिकरः सदास्विलविलासवतीधरणीतदा । श्रुतिविचारपरानरपालकारससमृद्धियुतास्विलमानवाः ॥ रसेशोभौमस्तत्फलम् - यदिधरातनयो रसपोभवेन्नरसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमोजनतापदोनजलदोवहुवृष्टिकरोभुवि ॥ नीरसेशोरविस्तत्फलम् - नीरसाधिपतौसूर्येताम्रचन्दनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ॥ फलेशोगुरुस्तत्फलम् - सुरगुरुः फलनायकतांगतोगतभयावनराशिमहाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सवमन्दिराः श्रुतिविचारपराद्विजपूर्वकाः ॥ धनेशोरविस्तत्फलम् - द्रविणपे यदिवासरपेतदावणिजतोवहुद्रव्यमसागमः । गजतुरंगममेषस्सरोष्ट्रतोधनचयंलभतेक्रयविक्रयात् ॥ दुर्गेशोगुरुस्तत्फलम् - सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवरा नरपाः करपालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुस्वं सुस्मेति द्विजशस्त्रवताम विशाम् ॥ वर्षनाम भाद्रपद तत्फलम् - अंर्घमहर्घतांयात धनधान्यं समं भवेत् । मघवावर्षतिस्वच्छं संपदोमोद्रवर्षके ॥ चतुर्मेघनाम द्रोणस्तत्फलम् - द्रोणेवर्षतिसर्वदा । रोहिणी निवासो तटे तत्फलम् - तटे वृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजकगृहे तत्फलम् - वापीकूपतड़ागानि नदीनदवनानि च । जलपूर्णानि दृश्यन्ते वासो रजकवेश्मनि ॥ अपिच - रजके वृष्टिः रुत्तमा । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

॥ अथ गुरुचार शनिचारात् वर्षफलविचार ॥

राजा बुध हैं । मेघेश और फलेश और दुर्गेश गुरु हैं । मंत्री शुक्र हैं । धान्येश शनि हैं । सस्येश और नीरसेश और धनेश रवि हैं । रसेश मंगल हैं । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ५ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ५ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल मध्यम होगा । वर्षलग्न वृश्चिक होने से पश्चिम में नौ मास दुर्भिक्ष, उत्तर में आधी उत्पत्ति और धातुओं की समर्घता हो । पूर्व में राजाओं में विग्रह, मनुष्यों में ३ मास दुःख पीछे सुख और मध्यदेश में धन्यनाश हो । दक्षिण में भावी वर्ष में देशभंग हो और पांच मास पीछे धातुविक्रय में लाभ हो ॥ वर्षेश लग्न कर्क ॥ **चैत्र** - ईख, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों तथा व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । कृत्तिका पर शुक्र होने से सरसों उड़द कम हों और सब धान्य उत्पन्न हो तथा अतिवृष्टि हो, नदियों में बहुत बाढ़ आवे । **बैशाख** - भरणी पर बुध होने से हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालों का नाश हो, तीव्र रोग हो, धान्य महँगे हों और वैर बढै तथा प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो, पुनर्वसु पर मंगल होने से तिलों का नाश तथा भैंसों का विनाश हो, सुभिक्ष हो । मृगशिरा में शुक्र होने से धान्य की महर्घता हो, रस (मधुर आदि) और धान्यों का नाश हो । **ज्येष्ठ** - जौ गेहूँ में रोग हो, ईख, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों तथा व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो, गाय बैल आदि चौपायों को बड़ी भारी पीड़ा हो, टीडी आदि से धान्य महँगा हो, आपसी विरोध से क्षति हो, और राजा कमजोर हों, अन्न का अभाव हो तथा अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । **आषाढ** - आश्लेषा पर मंगल होने से बहुत वर्षा से धान्य नाश हो, दुर्भिक्ष हो और साँपों का भय अधिक हो, कपास, तिल, सूत महँगे हों तथा वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो, । आश्लेषा में शुक्र होने से वर्षा नही हो तथा लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो, सुभिक्ष हो तथा धान्य सम्पदा अच्छी हो, वायु से वर्षा हो, वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, मनुष्य सुखी रहें और ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो तथा शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःखो से प्रजा पीडित हो । **प्र.श्रावण** - जिस वर्ष में दो सावन हों तो दुर्भिक्ष होकर पृथ्वी पर प्रजा का क्षय हो । प्रजा में कष्ट हो तथा हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो, कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, तेल का मूल्य बढ जाय । **द्वि.श्रावण** - पूर्वाफाल्गुनी में बुध होने से क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो तथा क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो, लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो, वर्षा के अवरोध से चौपायों में पीड़ा हो, घोड़ों का मूल्य बढे, मनुष्यों में गरीबी बढे और धान्य नहीं हो, उड़द मूंग कम उत्पन्न हों तथा प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो, क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो तथा क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । **भाद्रपद** - भाद्रपद की पूर्णिमा को पूर्वाभाद्रपद का अभाव होने से महर्धता हो । हस्त पर मंगल होने से अल्पवृष्टि हो, तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ और नमक महंगे हो, तीव्र रोग से पीड़ा हो, चावल तथा गेहूँ महँगे हों, उड़द मूंग कम उत्पन्न हों । **आश्विन** - गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, । स्वाती पर मंगल होने से अनावृष्टि हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो तथा गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, मगधेश्वर की विजय और धनाधिकारी की वृद्धि हो, शवर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो । **कार्तिक** - विशाखा में बुध होने से सुभिक्ष हो, कहीं कहीं व्याधि भय और दुर्भिक्ष भी हो तथा गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, प्रजा में कष्ट हो तथा कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जावस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । अन्न का भाव मंदा हो, दुर्भिक्ष रहे-पीछे अतुल सुभिक्ष हो, कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो, मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो । शतभिषा नक्षत्र में शनैश्चर होने से वैद्य, कवि, शौण्डिक (मद्य वेचनेवाले), खरीद-विक्री करने वाले और नीतिशास्त्र जानने वाले पीडित हों । **मार्गशीर्ष** - स्वाति में शुक्र होने से क्षेम और सुभिक्ष हो, अतिवृष्टि हो, दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो, धान्य मन्दा हो और ग्रीष्म में व्याधि तथा वर्षा हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, तुष धान्य की महँगाई हो तथा सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । **पौष** - क्षत्रियों में पीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो । कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो अनावृष्टि हो, ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो, पशु पक्षी और बालकों में पीडा हो । बुध मूल को भेदने से व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । **माघ** - जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो । शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो, गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में वर्फ (ओले) गिरने का भय हो तथा वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो । शीतभय चौपायों में मन मचलान गायों की हानि हो, गायें पीड़ित हों तथा वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो, कर्णपीड़ा हो । **फाल्गुन** - पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो तथा क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो, पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो, इन्द्र की भांति समृद्धि हों, धान्य सस्ता हो और गुड शक्कर भी सस्ते हों, राजनीति में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो तथा प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । मीन राशि में बुध का उदय होने से अति वृष्टि से दुर्भिक्ष हो, प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो तथा शौण्डिक (मद्यविक्रेता - कलवार) पीड़ित हो, श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो तथा व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, कीड़े और मूषक अधिक हों तो भी खेतियां बहुत हों । ईख, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों तथा व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । **चैत्र** - अमावस्या उत्तराभाद्रपद योग सुभिक्ष और सुखद है । उत्तराभाद्रपद में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो । उत्तरभाद्रपद में स्थित शुक्र फल-मूलों को पीड़ित करता है । मेष राशि में बुध का अस्त होने से सुभिक्ष हो । पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में शनैश्चर होने से वैद्य, कवि, शौण्डिक (मद्य वेचनेवाले), खरीद-विक्री करने वाले और नीतिशास्त्र जानने वाले पीडित हों ॥ आगे गो प्रजा भाग्य प्रवल है ॥

॥ संवत् २०८०, शाकः १९४५ (सन २०२३-२४) मध्ये विवाह मुहूर्त्तानि रेखा सहितानि च ॥

	गुरोरस्तः (३१ मार्च २०२३, स्टे. २१।३३, गुरोरुदयः (२९ अप्रे. २०२३, स्टे. २९।०७)
सन२०२३	**वैशाख शुक्लपक्षः**
२ मई	१२ भौमे हस्ते रे. ७ SSIIISIIII रात्रौ लग्न ८, ११ (कुंभे सोग्रांगः श)
३ मई	१३ बुधे हस्ते रे. ८ SSIIIIIIII दिवा लग्न २, ३, ४, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(७) (मिथुने सोग्रांगः मं, अ.गोधुल्यां सोग्रांगः के)
सन२०२३	**ज्येष्ठ कृष्णपक्षः**
१० मई	५ बुधे उषा. रे. ७ ISIISIIIIS दिवालग्न ६, रात्रौ लग्न गोघूलि, ८, ९, ११, १ (गोधुल्यां सोग्रांगःके,धनुषि चं १ २१।४९ यावत्;शु ७ पूज्यः,कुंभे सोग्रांगःश,मेषे शु ३ दोषः;के ७ दोषः)
सन२०२३	**ज्येष्ठ शुक्लपक्षः**
२० मई	१ शनौ रोहि. रे. ९ SIIIIIIIII रात्रौ ल.११,१ (कुंभेसोग्रांगःश,मेषेशु३ दोषः;के ७ दोषः)
२१ मई	२ रवौ मृगे रे. १० IIIIIIIIII दि.ल. ४, ६, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(८), ९, ११, १ (कर्के सोग्रांगः मं, धनुषि चं ६ २१।४४ यावत् तदुपरांत ७ पूज्यः; शु ७ पूज्यः, कुंभे सोग्रांगः श, मेषे शु ३ दोषः; के ७ दोषः)
२६ मई	७ शुक्रे मघा. रे. ६ SIIIISSSII रात्रौ लग्न ११, १, २ (कुंभे चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः श, मेषे शु ३ दोषः; के ७ दोषः, वृषे सोग्रांगः सू)
२८ मई	८ रवौ उफा. रे. ८ IIIIISSIII रात्रौलग्न १, २ (मेषे शु ३ दोषः;के ७ दोषः,वृषे सोग्रांगः सू)
२९ मई	९ चंद्रे उफा. रे. ८ IIIIISSIII दिवालग्न २, ३, ४, रात्रौ लग्न गोघूलि(८), ९, ११ (वृषे सोग्रांगः सू, कर्के सोग्रांगः मं, धनुषि शु ७ पूज्यः, कुंभे सोग्रांगः श)
२९ मई	९ चंद्रे हस्ते रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न २ (वृषे सोग्रांगः सू)
३० मई	१० भौमे हस्ते रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न २, ३, ४, रात्रौ लग्न गोघूलि(८) (वृषे सोग्रांगः सू, कर्के सोग्रांगः मं) (भद्रा २५।३४ से)
सन२०२३	**आषाढ़ कृष्णपक्षः**
५ जून	१ चंद्रे मूले रे. ८ ISIIISIIII दिवा लग्न ६, रात्रौ लग्न गोघूलि(८)
६ जून	३ भौमे उषा. रे. ८ IIIIIIISIS रात्रौ लग्न १, २ (मेषे के ७ दोषः, वृषे शु ३ दोषः; सोग्रांगः सू) (भद्रा २४।५२ यावत्)
७ जून	४ बुधे उषा. रे. ७ IIIIIIISSS दिवा लग्न २, ३, ४, ६, रात्रौ लग्न गोघूलि(८) (वृषे शु ३ दोषः; सोग्रांगः सू, कर्के चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं)
११ जून	८ रवौ उभा. रे. ७ SIIIISISII दिवा लग्न ६, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि, ९, १, २ (कन्या. चं ७ पूज्यः, मेषे के ७ दोषः, वृषे शु ३ दोषः; सोग्रांगः सू)
१२ जून	९ चंद्रे रेवत्यां रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न ६, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(८), ९ (कन्या. चं ७ पूज्यः) (भद्रा २१।५७ से)
सन२०२३	**आषाढ़ शुक्लपक्षः**
२३ जून	५ शुक्रे मघा. रे. ८ IIIIIISSII दि.ल. ३, ४, ६, ८, रात्रौ लग्न अ.गोघूलि, १, २ (मिथु.सोग्रां.सू,कर्के सोग्रां.मं,वृश्चि.बु ७ पूज्यः,अ.गोधुल्यां मं ८,मेषे के ७ दोषः,वृषे शु ३ दोषः)
२५ जून	७ रवौ उफा. रे. ७ ISIIIISSII दिवा लग्न ६, ८, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(९) (अ.गोधुल्यां मं ८) (भद्रा २४।२६ से)
२७ जून	९ भौमे हस्ते रे. ८ IIIIISISII दिवा लग्न ४ (सोग्रांगः मं) अग्रे चतुर्मासारम्भस्तेनाऽभावः
सन२०२३	**कार्तिक शुक्लपक्षः**
२७ नवं.	१५ चंद्रे रोहि. रे. ६ SIIISSISII रात्रौ लग्न ६, ७, ८ (कन्या. रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, तुला. गु ७ पूज्यः, वृश्चिके चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः सू मं)
सन२०२३	**मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः**
२८ नवं.	१ भौमे मृगे रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न ३, ४, ६, ७, ८ (मिथुने बु ७ पूज्यः, कर्के शु ३ दोषः, कन्या. रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, तुला. गु ७ पूज्यः, वृश्चिके सोग्रांगः सू मं)
६ दिसं	९ बुधे हस्ते रे. ६ SIIIISISIS रात्रौ लग्न ८ (वृश्चिके सोग्रांगः सू मं)
सन२०२३	**मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः**
१५ दिसं	३ शुक्रे उषा. रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(२), ३, ४, ६, ७, ८ (अ.गोधुल्यां मं ७, मिथुने बु ७ पूज्यः, कर्के चं ७ पूज्यः, कन्या. रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, तुला. गु ७ पूज्यः, वृश्चिके सोग्रांगः सू मं) अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः
सन२०२४	**पौष शुक्लपक्षः**
१६ जन.	६ भौमे उभा. रे. ८ IIIIISSIII रात्रौ लग्न ८
२० जन.	१० शनौ रोहि. रे. ७ SIIIISIISI रात्रौ लग्न ८ (वृश्चिके चं ७ पूज्यः) (भद्रा ३१।२४ से)
२२ जन.	१२ चंद्रे मृगे रे. ७ SIIIIIIISS दि.ल.१०,११,१, रात्रौ लग्न अ. गोघूलि, ६, ७, ८ (मकरे सोग्रांगः सू,कुंभे सोग्रांगःश,कन्या.रा ७ दोषः; सोग्रांगः के,तुला. शु ३ दोषः; गु ७ पूज्यः)
सन२०२४	**माघ कृष्णपक्षः**
३० जन.	४ भौमे हस्ते रे. ९ IIIIIIISII रात्रौ लग्न ७, ८, ९, १० (तुला. शु ३ दोषः; गु ७ पूज्यः, धनुषि रा ४ दोषः; सोग्रांगः मं, मकरे सोग्रांगः सू)
३१ जन.	५ बुधे हस्ते रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न १०, ११, २, रात्रौ लग्न गोघूलि(४), ७ (मकरे सोग्रांगः सू, कुंभे सोग्रांगः श, तुला. शु ३ दोषः; गु ७ पूज्यः)
४ फर.	९ रवौ अनुरा. रे. ७ IIISISISII दि.ल.१०,११,१,२,रात्रौ लग्न अ.गोघूलि, ६, ७, ९ (मकरे सोग्रांगः सू, कुंभे सोग्रांगः श, वृषे चं ७ पूज्यः, कन्या. रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, तुला. शु ३ दोषः; गु ७ पूज्यः, धनुषि रा ४ दोषः; सोग्रांगः मं) (भद्रा २९।४५ से)
६ फर.	११ भौमे मूले रे. ७ IIIIISSSII दिवा लग्न २, ३, रात्रौ लग्न ६, ७, ८ (मिथुने चं शु ७ पूज्यः, कन्या. रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, तुला. शु ३ दोषः; गु ७ पूज्यः)
सन२०२४	**माघ शुक्लपक्षः**
१२ फर.	३ चंद्रे उभा. रे. ९ IIIIISIIII रात्रौ लग्न अ.गोघूलि(४), ६, ८, ९ (भद्रा २८।११ से) (अ.गोधुल्यां मं ७,कन्या.रा ७ दोषः; चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः के,वृश्चि. शु ३ दोषः,धनु. रा ४ दोषः)
१८ फर.	९ रवौ मृगे रे. ७ ISIIISISII दिवा लग्न ३, रात्रौ लग्न अ.गोघूलि, ६, ७, ८, ९ (कन्या. रा ७ दोषः; सोग्रांगः के, तुला. गु ७ पूज्यः, वृश्चिके शु ३ दोषः, धनुषि रा ४ दोषः; चं ७ पूज्यः)
सन२०२४	**फाल्गुन कृष्णपक्षः**
४ मार्च	८ चंद्रे मूले रे. ७ SIIIISISII रात्रौ लग्न ७, ८, १०, ११ (तुला. गु ७ पूज्यः, वृश्चिके शु ३ दोषः, मकरे सोग्रांगः मं, कुंभे सोग्रांगः सू श)
६ मार्च	११ बुधे उषा. रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न अ. गोघूलि(५), ७, ८, ९, ११ (तुला. गु ७ पूज्यः, वृश्चिके शु ३ दोषः, धनुषि रा ४ दोषः, कुंभे सोग्रांगः सू श) अग्रे मीनेऽर्कः

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन२०२३	**ज्येष्ठ कृष्णपक्षः**
१२ मई	७ शुक्रे श्रवणे रे. ८ SIIIISIIII दिवा लग्न २, ३, ४ (कर्के चं ७ पूज्यः; सोग्रांगः मं)
सन२०२३	**आषाढ़ कृष्णपक्षः**
८ जून	५ गुरौ श्रवणे रे. ६ IIIISISSSI दिवा लग्न ६ (महापात मोक्षः ९। ७) अग्रे चतुर्मासारम्भस्तेनाऽभावः
सन२०२३	**कार्तिक शुक्लपक्षः**
२५ नवं.	१३ शनौ अश्वि. रे. ६ SSIISSIIII दिवा लग्न ९, १० (धनुषि रा ४ दोषः)
सन२०२३	**मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः**
१५ दिसं	३ शुक्रे श्रवणे रे. ८ IIIIISISII रात्रौ लग्न ८ (वृश्चिके सोग्रांगः सू मं) अग्रे धनुष्यर्कस्त्वादभावः
सन२०२४	**फाल्गुन कृष्णपक्षः**
७ मार्च	१२ गुरौ श्रवणे रे. ९ IIIIIIISII दिवा लग्न ३, रात्रौ लग्न ७, ८ (तुला. गु ७ पूज्यः)

॥ संवत् २०८०, शाकः १९४५, सन २०२३-२४ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः शुद्धाः ॥

॥ उपनयन ॥

सन२०२३	ज्येष्ठ मासः			
७ मई	कृ. ०२ रवौ	अनुरा.	अभिजिति, ५	
१० मई	कृ. ०५ बुधे	पूषा.	लग्न ३	
२१ मई	शु. ०२ रवौ	मृगे	अभिजिति	
२२ मई	शु. ०३ चंद्रे	आर्द्रा.	अभिजिति	
२९ मई	शु. ०९ चंद्रे	उफा.	अभिजिति	
सन२०२३	आषाढ़ मासः			
५ जून	कृ. ०१ चंद्रे	मूले	अभिजिति	
८ जून	कृ. ०५ गुरौ	श्रवणे	अभिजिति	
१९ जून	शु. ०१ चंद्रे	आर्द्रा.	अभिजिति	
सन२०२४	पोष मासः			
२२ जन.	शु. १२ चंद्रे	मृगे	अभिजिति	
सन२०२४	माघ मासः			
१८ फर.	शु. ०९ रवौ	मृगे	अभिजिति	
१९ फर.	शु. १० चंद्रे	आर्द्रा.	अभिजिति	
सन२०२४	चैत्र मासः			
२७ मार्च	कृ. ०२ बुधे	चित्रा.	लग्न ३	

॥ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२३	द्वि.श्रावण मासः		
२८ अग.	शु. १२ चंद्रे	उषा.	अभिजिति
सन२०२३	आश्विन मासः		
२६ अक्तु	शु. १२ गुरौ	उभा.	अभिजिति, ९, ११
सन२०२४	पोष मासः		
२५ जन.	शु. १५ गुरौ	पुष्ये	अभिजिति(भद्रा १०।३५ तक)
सन२०२४	माघ मासः		
२२ फर.	शु. १३ गुरौ	पुष्ये	अभिजिति

॥ वृषचक्र-रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२३	आषाढ़ मासः		
१२ जून	कृ. ०९ चंद्रे	उभा.	अभिजिति
सन२०२३	भाद्रपद मासः		
११ सितं	कृ. १२ चंद्रे	पुष्ये	अभिजिति
सन२०२३	कार्तिक मासः		
४ नवं.	कृ. ०७ शनौ	पुष्ये	अभिजिति(भद्रा ११।५८ तक)
१० नवं.	कृ. १२ शुक्रे	हस्ते	अभिजिति

सन२०२३	मार्गशीर्ष मासः		
२ दिसं	कृ. ०५ शनौ	पुष्ये	अभिजिति
१५ दिसं	शु. ०३ शुक्रे	उषा.	अभिजिति

॥ नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२३	ज्येष्ठ मासः		
२९ मई	शु. ०९ चंद्रे	उफा.	अभिजिति
सन२०२४	पोष मासः		
२२ जन.	शु. १२ चंद्रे	मृगे	अभिजिति
सन२०२४	फाल्गुन मासः		
७ मार्च	कृ. १२ गुरौ	उषा.	अभिजिति

॥ कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताऽभावः ॥

॥ जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२४	माघ मासः		
२२ फर.	शु. १३ गुरौ	पुष्ये	अभिजिति

कुंभचक्ररहिताः जीर्णगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०२३	कार्तिक मासः		
४ नवं.	कृ. ०७ शनौ	पुष्ये	अभिजिति (भद्रा ११।५८ तक)
सन२०२३	मार्गशीर्ष मासः		
२ दिसं	कृ. ०५ शनौ	पुष्ये	अभिजिति

॥ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२३	ज्येष्ठ मासः		
७ मई	कृ. ०२ रवौ	अनुरा.	लग्न ३, अभिजिति
२१ मई	शु. ०२ रवौ	मृगे	अभिजिति
२९ मई	शु. ०९ चंद्रे	उफा.	अभिजिति
सन२०२३	आषाढ़ मासः		
८ जून	कृ. ०५ गुरौ	श्रवणे	अभिजिति
१ जुला	शु. १३ शनौ	अनुरा.	लग्न ३, अभिजिति
सन२०२३	प्र.श्रावण मासः		
९ जुला	कृ. ०७ रवौ	उभा.	अभिजिति (भद्रा ८।५० तक)

सन२०२४	पोष मासः		
२२ जन.	शु. १२ चंद्रे	मृगे	अभिजिति
२५ जन.	शु. १५ गुरौ	पुष्ये	अभिजिति (भद्रा १०।३५ तक)
सन२०२४	माघ मासः		
१८ फर.	शु. ०९ रवौ	मृगे	अभिजिति
२२ फर.	शु. १३ गुरौ	पुष्ये	अभिजिति

॥ अथ चौल (मुण्डन) मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२३	ज्येष्ठ मासः		
८ मई	कृ. ०३ चंद्रे	ज्येष्ठा.	लग्न २ (भद्रा ७।२३ से)
२२ मई	शु. ०३ चंद्रे	मृगे	लग्न २, ३
२४ मई	शु. ०५ बुधे	पुनर्वसौ	लग्न २, ३
सन२०२३	आषाढ़ मासः		
८ जून	कृ. ०५ गुरौ	श्रवणे	अभिजिति
सन२०२३	प्र.श्रावण मासः		
५ जुला	कृ. ०२ बुधे	श्रवणे	लग्न ७
सन२०२४	माघ मासः		
३१ जन.	कृ. ०५ बुधे	हस्ते	लग्न १२
१४ फर.	शु. ०५ बुधे	अश्वि.	लग्न २
१९ फर.	शु. १० चंद्रे	मृगे	लग्न १२
२१ फर.	शु. १२ बुधे	पुनर्वसौ	लग्न २

॥ द्विरागमन मुहूर्त्ताः ॥

सन२०२३	कार्तिक मासः		
२७ नवं.	शु. १५ चंद्रे	रोहि.	लग्न २
सन२०२३	मार्गशीर्ष मासः		
१ दिसं	कृ. ०४ शुक्रे	पुष्ये	लग्न २
७ दिसं	कृ. १० गुरौ	हस्ते	अभिजिति, १२
१५ दिसं	शु. ०३ शुक्रे	उषा.	अभिजिति, १२, २
सन२०२४	माघ मासः		
१४ फर.	शु. ०५ बुधे	अश्वि.	लग्न २
१९ फर.	शु. १० चंद्रे	मृगे	लग्न १२
२१ फर.	शु. १२ बुधे	पुनर्वसौ	लग्न २, ३ (मिथुने गु ११ शुभ)
२१ फर.	शु. १२ बुधे	पुष्ये	लग्न ३ (मिथुने गु ११ शुभ)
२२ फर.	शु. १३ गुरौ	पुष्ये	लग्न १२, २, अभिजिति
सन२०२४	फाल्गुन मासः		
८ मार्च	कृ. १३ शुक्रे	श्रवणे	लग्न १२

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

॥ सन् २०२३-२४, संवत् २०८० ॥ + (उत्तर) रविक्रान्ति-रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे (अंश-कलादौ) - (दक्षिण)

ता.	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल
१	. . . .	+ ४।२२	+१४।५७	+२२।००	+२३।०८	+१८।०७	+ ८।२६	- ३।०१	-१४।१७	-२१।४४	-२३।०३	-१७।१७	- ७।२८	+ ४।४०
२	. . . .	+ ४।४६	+१५।१५	+२२।०८	+२३।०४	+१७।५२	+ ८।०४	- ३।२४	-१४।३६	-२१।५३	-२२।५८	-१७।००	- ७।०५	+ ५।०३
३	. . . .	+ ५।०९	+१५।३३	+२२।१५	+२२।५९	+१७।३७	+ ७।४३	- ३।४७	-१४।५५	-२२।०२	-२२।५३	-१६।४३	- ६।४२	+ ५।२६
४	. . . .	+ ५।३२	+१५।५०	+२२।२३	+२२।५५	+१७।२१	+ ७।२१	- ४।११	-१५।१४	-२२।१०	-२२।४७	-१६।२५	- ६।१९	+ ५।४९
५	. . . .	+ ५।५५	+१६।०८	+२२।३०	+२२।४९	+१७।०५	+ ६।५८	- ४।३४	-१५।३२	-२२।१८	-२२।४१	-१६।०८	- ५।५६	+ ६।१२
६	. . . .	+ ६।१७	+१६।२५	+२२।३६	+२२।४४	+१६।४९	+ ६।३६	- ४।५७	-१५।५१	-२२।२६	-२२।३४	-१५।४९	- ५।३२	+ ६।३५
७	. . . .	+ ६।४०	+१६।४२	+२२।४३	+२२।३८	+१६।३२	+ ६।१४	- ५।२०	-१६।०८	-२२।३३	-२२।२७	-१५।३१	- ५।०९	+ ६।५७
८	. . . .	+ ७।०३	+१६।५८	+२२।४८	+२२।३१	+१६।१६	+ ५।५१	- ५।४३	-१६।२६	-२२।४०	-२२।२०	-१५।१२	- ४।४६	+ ७।२०
९	. . . .	+ ७।२५	+१७।१५	+२२।५४	+२२।२४	+१५।५८	+ ५।२९	- ६।०६	-१६।४४	-२२।४६	-२२।१२	-१४।५३	- ४।२२	. . . .
१०	. . . .	+ ७।४७	+१७।३१	+२२।५९	+२२।१७	+१५।४१	+ ५।०६	- ६।२८	-१७।०१	-२२।५२	-२२।०३	-१४।३४	- ३।५९	. . . .
११	. . . .	+ ८।०९	+१७।४६	+२३।०३	+२२।१०	+१५।२४	+ ४।४३	- ६।५१	-१७।१८	-२२।५७	-२१।५४	-१४।१५	- ३।३५	. . . .
१२	. . . .	+ ८।३२	+१८।०२	+२३।०७	+२२।०२	+१५।०६	+ ४।२१	- ७।१४	-१७।३४	-२३।०२	-२१।४५	-१३।५५	- ३।१२	. . . .
१३	. . . .	+ ८।५३	+१८।१७	+२३।११	+२१।५३	+१४।४८	+ ३।५८	- ७।३६	-१७।५०	-२३।०७	-२१।३५	-१३।३५	- २।४८	. . . .
१४	. . . .	+ ९।१५	+१८।३१	+२३।१४	+२१।४४	+१४।३०	+ ३।३५	- ७।५९	-१८।०६	-२३।११	-२१।२५	-१३।१५	- २।२४	. . . .
१५	. . . .	+ ९।३७	+१८।४६	+२३।१७	+२१।३५	+१४।११	+ ३।१२	- ८।२१	-१८।२२	-२३।१४	-२१।१५	-१२।५४	- २।००	. . . .
१६	. . . .	+ ९।५८	+१९।००	+२३।२०	+२१।२६	+१३।५२	+ २।४९	- ८।४३	-१८।३७	-२३।१७	-२१।०४	-१२।३४	- १।३७	. . . .
१७	. . . .	+१०।१९	+१९।१४	+२३।२२	+२१।१६	+१३।३३	+ २।२६	- ९।०५	-१८।५२	-२३।२०	-२०।५२	-१२।१३	- १।१३	. . . .
१८	. . . .	+१०।४१	+१९।२७	+२३।२४	+२१।०६	+१३।१४	+ २।०२	- ९।२७	-१९।०७	-२३।२२	-२०।४१	-११।५२	- ०।४९	. . . .
१९	. . . .	+११।०१	+१९।४१	+२३।२५	+२०।५५	+१२।५५	+ १।३९	- ९।४९	-१९।२१	-२३।२४	-२०।२८	-११।३१	- ०।२६	. . . .
२०	. . . .	+११।२२	+१९।५३	+२३।२६	+२०।४४	+१२।३५	+ १।१६	-१०।११	-१९।३५	-२३।२५	-२०।१६	-११।१०	- ०।०२	. . . .
२१	. . . .	+११।४३	+२०।०६	+२३।२६	+२०।३३	+१२।१५	+ ०।५३	-१०।३२	-१९।४९	-२३।२६	-२०।०३	-१०।४८	+ ०।२२	. . . .
२२	+ ०।२८	+१२।०३	+२०।१८	+२३।२६	+२०।२१	+११।५५	+ ०।२९	-१०।५३	-२०।०२	-२३।२६	-१९।५०	-१०।२६	+ ०।४६	. . . .
२३	+ ०।५१	+१२।२३	+२०।३०	+२३।२६	+२०।०९	+११।३५	+ ०।०६	-११।१५	-२०।१५	-२३।२६	-१९।३६	-१०।०५	+ १।०९	. . . .
२४	+ १।१५	+१२।४३	+२०।४१	+२३।२५	+१९।५७	+११।१५	- ०।१७	-११।३६	-२०।२७	-२३।२५	-१९।२२	- ९।४३	+ १।३३	. . . .
२५	+ १।३९	+१३।०३	+२०।५२	+२३।२४	+१९।४५	+१०।५४	- ०।४१	-११।५६	-२०।३९	-२३।२४	-१९।०८	- ९।२०	+ १।५६	. . . .
२६	+ २।०२	+१३।२३	+२१।०३	+२३।२२	+१९।३२	+१०।३४	- १।०४	-१२।१७	-२०।५१	-२३।२३	-१८।५३	- ८।५८	+ २।२०	. . . .
२७	+ २।२६	+१३।४२	+२१।१३	+२३।२०	+१९।१८	+१०।१३	- १।२८	-१२।३८	-२१।०२	-२३।२१	-१८।३८	- ८।३६	+ २।४३	. . . .
२८	+ २।४९	+१४।०१	+२१।२३	+२३।१८	+१९।०५	+ ९।५२	- १।५१	-१२।५८	-२१।१३	-२३।१८	-१८।२२	- ८।१३	+ ३।०७	. . . .
२९	+ ३।१३	+१४।२०	+२१।३३	+२३।१५	+१८।५१	+ ९।३१	- २।१४	-१३।१८	-२१।२४	-२३।१५	-१८।०७	- ७।५१	+ ३।३०	. . . .
३०	+ ३।३६	+१४।३८	+२१।४२	+२३।१२	+१८।३७	+ ९।०९	- २।३८	-१३।३८	-२१।३४	-२३।१२	-१७।५१	. . . .	+ ३।५४	. . . .
३१	+ ३।५९	. . . .	+२१।५१	. . . .	+१८।२२	+ ८।४८	. . . .	-१३।५८	. . . .	-२३।०८	-१७।३४	. . . .	+ ४।१७	. . . .

उत्तर (धन) दक्षिण (ऋण)

महापात योगाः (स्टै. समय में)
संवत् २०८० (सन २०२३-२४)

	महापात स्पर्शः		महापात मोक्षः	
योगाः	तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
वैधृति	. . .	. . .	२२ मार्च	७।१७
व्यती.	४ अप्रे.	१२।५६	४ अप्रे.	१७।१२
वैधृति	१६ अप्रे.	२४।५८	१६ अप्रे.	२८।४६
व्यती.	२९ अप्रे.	२८।३३	३० अप्रे.	९।३२
वैधृति	१२ मई	२१।३७	१२ मई	२६।१६
व्यती.	२५ मई	२४।१३	२६ मई	६।३५
वैधृति	७ जून	२७।०५	८ जून	९।०७
व्यती.	२१ जून	१२।३६	२१ जून	२०।१५
वैधृति	३० जून	२२।१०	३० जून	२८।३१
व्यती.	१२ जुला.	२९।२७	१३ जुला.	११।५६
वैधृति	२७ जुला.	८।३२	२७ जुला.	१३।४४
व्यती.	७ अग.	२९।३१	८ अग.	१०।११
वैधृति	२१ अग.	२७।३१	२२ अग.	८।०२
व्यती.	२ सितं.	२७।१९	३ सितं.	६।५८
वैधृति	१६ सितं.	१६।३७	१६ सितं.	२०।५०
व्यती.	२८ सितं.	२७।२९	२९ सितं.	६।५३
वैधृति	११ अक्टू.	२९।३१	१२ अक्टू.	९।५४
व्यती.	२४ अक्टू.	२६।१६	२४ अक्टू.	३०।०६
वैधृति	६ नवं.	१९।४७	६ नवं.	२४।५३
व्यती.	१९ नवं.	२३।२२	१९ नवं.	२८।१५
वैधृति	२ दिसं.	१६।४८	२ दिसं.	२३।११
व्यती.	१६ दिसं.	८।२९	१६ दिसं.	१४।५३
वैधृति	२४ दिसं.	११।२६	२४ दिसं.	१८।३०
व्यती.	७ जन.	१८।५५	७ जन.	२४।५७
वैधृति	१९ जन.	२३।१७	१९ जन.	२८।४४
व्यती.	२ फर.	२०।३८	२ फर.	२५।३४
वैधृति	१४ फर.	२०।३५	१४ फर.	२४।३५
व्यती.	२८ फर.	१०।२२	२८ फर.	१४।४६
वैधृति	११ मार्च	१९।३७	११ मार्च	२३।००
व्यती.	२४ मार्च	२१।४६	२४ मार्च	२६।०१
वैधृति	६ अप्रे.	२०।३७	६ अप्रे.	२४।०४

संवत् २०८० शाकः १९४५ की मास दशा देखने की सारणी

मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
बै.कृ. ०९ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	ज्ये.कृ. ११ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	चै.शु. १४ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	चै.शु. ०३ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	बै.शु. ०५ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	चै.शु. ०७ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	चै.शु. ०१ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	बै.शु. ०१ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	चै.शु. ०४ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	चै.शु. ०५ से चं द. उ. मं द. दि. ' २८ प्र.	बै.शु. ०५ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	चै.शु. १३ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.
बै.शु. १४ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	ज्ये.शु. १५ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	आ.कृ. १२ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	ज्ये.कृ. ०१ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	आ.कृ. ०४ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	ज्ये.शु. ०७ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	बै.शु. ०७ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	ज्ये.शु. ०७ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	ज्ये.शु. ०२ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	बै.शु. ०३ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	ज्ये.शु. ०४ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	ज्ये.शु. ०६ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.
आ.शु. ०६ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	प्र.श्रा.शु. ०७ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	प्र.श्रा.कृ. ०२ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	प्र.श्रा.कृ. १४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	द्वि.श्रा.शु. ०१ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	प्र.श्रा.कृ. ०६ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	आ.शु. ०७ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	प्र.श्रा.शु. ०७ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	आ.शु. ०८ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	आ.शु. ०१ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	प्र.श्रा.शु. ०२ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. ०४ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.
प्र.श्रा.शु. ०४ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	द्वि.श्रा.शु. ०६ से मं द. उ. बु द. दि ५६ प्र.	द्वि.श्रा.शु. ०९ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	द्वि.श्रा.कृ. ०४ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	भा.कृ. ०७ से सू द. उ. चं द. दि ५० प्र.	भा.शु. ०२ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	द्वि.श्रा.कृ. ०७ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	भा.कृ. ०७ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	द्वि.श्रा.शु. ०८ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	प्र.श्रा.शु. ०७ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	द्वि.श्रा.शु. ०८ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	द्वि.श्रा.शु. ०२ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.
भा.शु. ०२ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. ०४ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	भा.शु. ०७ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	भा.शु. १० से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.शु. १३ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	आ.कृ. ०८ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	आ.शु. ०३ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.शु. ०३ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	आ.कृ. ०७ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	भा.शु. ०७ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	आ.शु. ०८ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	भा.शु. ०८ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.
आ.शु. ०९ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. ११ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	का.शु. ०५ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	आ.शु. ०९ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	का.शु. १२ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	का.शु. १५ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	का.कृ. ०९ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.कृ. ०९ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	मा.शु. ०४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	का.कृ. ०७ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	मा.कृ. ०७ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	का.शु. ०९ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.
मा.शु. ०९ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	पौ.शु. ११ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	मा.शु. १३ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. ०७ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	पौ.शु. १० से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	मा.शु. १४ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	पौ.कृ. ०१ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	मा.कृ. ०१ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	पौ.कृ. ०९ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	पौ.शु. ०३ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	मा.शु. ०४ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.	पौ.कृ. ०७ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.
मा.कृ. ०७ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	फा.कृ. ०८ से रा द. उ. शु द. दि. ७० प्र.	मा.शु. १२ से गु द. उ. रा द. दि. ४२ प्र.	पौ.शु. १४ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र	फा.कृ. ०१ से श द. उ. गु द. दि. ५८ प्र.	मा.शु. ११ से बु द. उ. श द. दि. ३६ प्र.	पौ.शु. १४ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	मा.शु. १४ से मं द. उ. बु द. दि. ५६ प्र.	फा.कृ. ०१ से चं द. उ. मं द. दि. २८ प्र.	मा.कृ. ०८ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.कृ. ०८ से सू द. उ. चं द. दि. ५० प्र.	फा.शु. ०५ से शु द. उ. सू द. दि. २० प्र.

संवत् २०८०, आश्विन कृष्णपक्ष में श्राद्धतिथि निर्णय, सन २०२३

पूर्णिमा (पूनम) का श्राद्ध	शुक्रवार २९ सितंबर (भाद्रपद शुक्लपक्ष)
प्रतिपदा (एकम) "	शनिवार ३० सितंबर मध्यान्ह १२।२६ बजे के पहले
द्वितीया (दूज) "	शनिवार ३० सितंबर मध्यान्ह १२।२६ बजे के बाद
तृतीया (तीज) "	रविवार १ अक्टूबर दिन ९।४७ बजे के बाद
चतुर्थी (चोथ) "	सोमवार २ अक्टूबर प्रातः ७।४१ बजे के बाद
पंचमी (पांच) "	मंगलवार ३ अक्टूबर
षष्ठी (छट) "	बुधवार ४ अक्टूबर
सप्तमी (सातं) का श्राद्ध	गुरुवार ५ अक्टूबर
अष्टमी (आठं) "	शुक्रवार ६ अक्टूबर प्रातः ६।३२ बजे के बाद
नवमी (नौमी) "	शनिवार ७ अक्टूबर प्रातः ८।०७ बजे के बाद
दशमी (दस) "	रविवार ८ अक्टूबर दिन १०।१३ बजे के बाद
एकादशी "	मंगलवार १० अक्टूबर
द्वादशी (बारस) "	बुधवार ११ अक्टूबर
त्रयोदशी (तेरस) "	गुरुवार १२ अक्टूबर
चतुर्दशी (चौदस) "	शुक्रवार १३ अक्टूबर
अमावस्या (मावस) "	शनिवार १४ अक्टूबर

२२ मार्च से ६ अप्रेल तक, श्री चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	बु	३४	३२	२०	२५	उभा	२२	२०	१५	३२	शु	६ ५९	३४ ०२	९ ३०	४४ १३	किं	७	३१	९	३७	३० ०६	६ ३६	६ ३८	१	२९	२२	मीने	११।०६।५२।३०	५९।३५
सिंधारा	२	गु	२९	३५	१८	२५	रेव	१८	५४	१४	०९	ऐ	५२	४१	२७	३९	बा	१	५४	७	२१	१०	३५	३९	२	३०	२३	मेषे १४।०९	११।०७।५२।०५	५९।३३
गणगोर	३	शु	२६	१३	१७	०३	अश्वि	१७	००	१३	२२	वै	४७	४३	२५	३९	ग	२६	१३	१७	०३	१४	३४	३९	३	१	२४	मेषे	११।०८।५१।३८	५९।३१
ध्वाङ्क्ष	४	श	२४	४०	१६	२५	भर	१६	५१	१३	१७	वि	४४	१२	२४	१४	वि	२४	४०	१६	२५	१८	३३	४०	४	२	२५	वृषे ११।२३	११।०९।५१।०९	५९।२८
धूम्र	५	र	२५	०३	१६	३३	कृति	१८	३४	१३	५७	प्री	४२	१२	२३	२४	बा	२५	०३	१६	३३	२२	३२	४१	५	३	२६	वृषे	११।१०।५०।३७	५९।२६
प्रवर्धमा	६	सो	२७	१८	१७	२६	रोहि	२२	०७	१५	२१	आ	४१	३९	२३	१०	तै	२७	१८	१७	२६	२६	३१	४१	६	४	२७	मिथु. २८।१९	११।११।५०।०३	५९।२४
राक्षस	७	मं	३१	१५	१८	५९	मृग	२७	२९	१७	२६	सौ	४२	२०	२३	२५	व	३१	१५	१८	५९	३०	२९	४२	७	५	२८	मिथु.	११।१२।४९।२७	५९।२२
मुसल	८	बु	३६	३५	२१	०६	आर्द्रा	३३	५३	२०	०२	शो	४४	००	२४	०४	वि	३	४९	८	००	३५	२८	४२	८	६	२९	मिथु.	११।१३।४८।४८	५९।१९
रामनव	९	गु	४२	४१	२३	३२	पुन	४१	१४	२२	५७	अ	४६	१४	२४	५७	बा	९	३५	१०	१७	३९	२७	४३	९	७	३०	कर्के १६।१२	११।१४।४८।०८	५९।१७
उत्पात	१०	शु	४९	०२	२६	०३	पुष्य	४८	४७	२५	५७	सु	४८	३६	२५	५२	तै	१५	५४	१२	४८	४३	२६	४३	१०	८	३१	कर्के	११।१५।४७।२४	५९।१५
ए.ब्र.	११	श	५५	००	२८	२५	श्ले	५६	०१	२८	४९	धृ	५०	४२	२६	४२	व	२२	०७	१५	१६	४७	२५	४४	११	९	१	सिंहे २८।४९	११।१६।४६।३९	५९।१२
मुद्गर	१२	र	...	...	...	...	मघा	...	...	...	...	शू	५२	१५	२७	१८	व	२७	४४	१७	३०	५१	२४	४४	१२	१०	२	सिंहे	११।१७।४५।५१	५९।१०
प्र.ब्र.	१२	सो	०	१५	६	२९	मघा	२	३३	७	२४	गं	५३	०२	२७	३६	बा	०	१५	६	२९	५५	२३	४५	१३	११	३	सिंहे	११।१८।४५।०१	५९।०८
धूम्र	१३	मं	४	२६	८	०८	पूफा	८	०३	९	३५	वृ	५२	५७	२७	३२	तै	४	२६	८	०८	५९	२२	४५	१४	१२	४	कन्या १६।०३	११।१९।४४।०९	५९।०५
प्रवर्धमा	१४	बु	७	२७	९	१९	उफा	१२	२७	११	१९	ध्रु	५२	०१	२७	०९	व	७	२७	९	१९	३१ ०३	२०	४६	१५	१३	५	कन्या	११।२०।४३।१४	५९।०३
पूर्णिमा	१५	गु	९	२०	१०	०३	हस्त	१५	४५	१२	३७	व्या	५०	१२	२६	२४	व	९	२०	१०	०३	०७	१९	४६	१६	१४	६	तुला. २५।०६	११।२१।४२।१७	५९।०१

केतकी अहर्गणः ४३६८ वसंतर्तू रविरुत्तरे, मार्च-अप्रेल २०२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १, कल्पादि, मा.चैत्रारंभः चंद्रदर्शनम्(मु.३०), पंचकसमाप्तिः १४।०९, श्रृंगार(सिंघारा) देशाचारे, E भ.२८।३९ उ., गणगौरी मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धतीव्रतं पूजनञ्च, A भ. १६।२५ या., रेव.-३ गुरुः १३।३० [E भर. शुक्रः ८।०३ कल्पादि, डोल्लोत्सवः [A पूजा, मनोरथ तृतीयाव्र., सौभाग्य शयनव्र., B स्कन्द षष्ठी व्र., आर्द्रा भौमः ७।४१ [B शिवशक्तिपू., रमजान ९, D भ. १८।५९ उ., बुधोदयः पश्चिमायाम् १५।२० [D रेव.बुधः १९।०३ भ. ८।०० या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं, बुधाष्टमी, C श्रीरामनवमी [G (सौरः२७।४३), मेषे अश्वि.बुधः१३।३४ रेव.रविः २४।५५, गुरोरस्तः पश्चिमा. २१।३३ G भ.१५।१६ उ.२८।२५ या., कामदा ११ व्र., K हरि दमनोत्सवः [C प्राशस्त्य योगं २०।०२ से २१।०६ तक प्रदोषः, कृति. शुक्रः १२।३९ [K लक्ष्मीकान्त दोल्लोत्सवः, अप्रेल ४ ता. ३० जैन महावीर जयंती, शिवपूजन विशेषः भ. ९।१९ उ. २१।४५ या., पूर्णिमा व्रतं [H वृषे शुक्रः ८।२४ मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा पुण्यं, वैशाख स्नानारंभः, H

गुरोरस्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।०९।४२

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

पं.५० चै.शु. ३ शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	११	११	०	१०	०	६
०८	०५	१५	२३	१४	०७	११	११
५८	११	३६	०१	२७	४२	३९	३९
५५	४३	५९	३३	२९	४३	४६	४६
५९	२८	१२०	१४	७१	६	३	३
२७	४८	५९	१७	४७	३२	११	११
उभा	मृ	उभा	रे	भ	श	अ	स्वा
२	४	४	२	१	१	४	२

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।०६।५९।४९	१ बु	२२	७।४२	९।१९	११।१५	१।३०	३।५०	६।०७	८।२२	१०।४२	१।००	३।०५	४।४८	६।१६
११।०७।५९।२४	२ गु	२३	७।३८	९।१५	११।११	१।२६	३।४६	६।०३	८।१८	१०।३८	१२।५६	३।०१	४।४४	६।१२
११।०८।५८।५७	३ शु	२४	७।३५	९।११	११।०७	१।२२	३।४२	५।५९	८।१५	१०।३४	१२।५२	२।५७	४।४०	६।०८
११।०९।५८।२७	४ श	२५	७।३१	९।०७	११।०३	१।१८	३।३८	५।५५	८।११	१०।३०	१२।४८	२।५३	४।३६	६।०५
११।१०।५७।५५	५ र	२६	७।२७	९।०३	१०।५९	१।१४	३।३४	५।५१	८।०७	१०।२६	१२।४४	२।४९	४।३२	६।०१
११।११।५७।२१	६ चं	२७	७।२३	८।५९	१०।५५	१।१०	३।३०	५।४७	८।०३	१०।२२	१२।४०	२।४५	४।२८	५।५७
११।१२।५६।४४	७ मं	२८	७।१९	८।५५	१०।५१	१।०६	३।२६	५।४३	७।५९	१०।१८	१२।३६	२।४१	४।२४	५।५३
११।१३।५६।०६	८ बु	२९	७।१५	८।५१	१०।४७	१।०२	३।२२	५।३९	७।५५	१०।१४	१२।३३	२।३७	४।२०	५।४९
११।१४।५५।२५	९ गु	३०	७।११	८।४७	१०।४३	१२।५८	३।१८	५।३५	७।५१	१०।१०	१२।२९	२।३३	४।१६	५।४५
११।१५।५४।४१	१० शु	३१	७।०७	८।४३	१०।३९	१२।५४	३।१४	५।३१	७।४७	१०।०६	१२।२५	२।२९	४।१२	५।४१
११।१६।५३।५५	११ श	१	७।०३	८।३९	१०।३५	१२।५०	३।१०	५।२७	७।४३	१०।०२	१२।२१	२।२५	४।०८	५।३७
११।१७।५३।०७	१२ र	२	६।५९	८।३५	१०।३२	१२।४६	३।०६	५।२३	७।३९	९।५८	१२।१७	२।२१	४।०५	५।३३
११।१८।५२।१७	१२ चं	३	६।५५	८।३१	१०।२८	१२।४२	३।०२	५।१९	७।३५	९।५४	१२।१३	२।१७	४।०१	५।२९
११।१९।५१।२४	१३ मं	४	६।५१	८।२७	१०।२४	१२।३८	२।५९	५।१५	७।३१	९।५०	१२।०९	२।१३	३।५७	५।२५
११।२०।५०।३०	१४ बु	५	६।४७	८।२३	१०।२०	१२।३५	२।५५	५।११	७।२७	९।४६	१२।०५	२।०९	३।५३	५।२१
११।२१।४९।३२	१५ गु	६	६।४३	८।२०	१०।१६	१२।३१	२।५१	५।०७	७।२३	९।४२	१२।०१	२।०६	३।४९	५।१७

मास फलम्

प्रतिपदा को बुध होने से मध्यम वर्षा हो तथा शु. अष्टमी को बुधवार होने से अल्प वर्षा हो। पूर्णिमा हस्त युक्त होने से समर्घता हो। भरणी पर शुक्र होने से तुष धान्य महंगे हो और तिलों का अभाव हो तथा किरात तथा यवनों को पीड़ित करता है। बुध रेवती को भेदने से श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो तथा व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीड़ित हों। आर्द्रा पर मंगल होने से वृष्टि हो। मीन राशि में बुध का उदय होने से अति वृष्टि से दुर्भिक्ष हो। अश्विनी में बुध होने से जौ गेहूँ में रोग हो। मीन राशि में गुरु के अस्त होने से सुभिक्ष हो, कुशल हो, धान्य की समर्घता हो और वर्षा कम हो तो भी धान्य अधिक हो।

अयनांशाः २४।०९।४३

पं.५१ चै.शु.१० शु. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	११	११	०	१०	०	६
१५	०८	२९	२४	२२	०८	११	११
५४	३६	२६	४१	४८	२७	१७	१७
२१	२७	४५	५७	११	३१	३१	३१
५९	२९	१११	१४	७१	६	३	३
१३	४९	४१	२४	११	१३	११	११
स्वा	आ	रे	रे	भ	श	अ	स्वा
४	१	४	३	३	१	४	२

७ अप्रेल से २० अप्रेल तक, श्री वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति गुर्जराः, अप्रेल २०२३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मुसल	१	शु	१०	०६	१०	२०	चित्रा	१७	५८	१३	२९	ह	४७	३१	२५	१९	कौ	१०	०६	१०	२०	३१/११	६/१८	६/४७	१७	१५	७	तुला.	११।२२।४१।१८	५८।५८	
सिद्धि	२	श	९	४७	१०	१२	स्वा	१९	०८	१३	५७	व	४४	०२	२३	५४	ग	९	४७	१०	१२	१५	१७	४७	१८	१६	८	तुला.	११।२३।४०।१६	५८।५६	भ. २१।५८ उ., भर. वुधः २१।०२, रेव.-४ गुरुः १०।३४
च.व्र.	३	र	८	२७	९	३९	विशा	१९	२०	१४	००	सि	३९	४७	२२	११	वि	८	२७	९	३९	२०	१६	४८	१९	१७	९	वृश्चि. ८।०१	११।२४।३९।१२	५८।५४	भ. ९।३९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०९
मानस	४	सो	६	०९	८	४३	अनु	१८	३५	१३	४१	व्य	३४	४६	२०	०९	वा	६	०९	८	४३	२४	१५	४८	२०	१८	१०	वृश्चि.	११।२५।३८।०६	५८।५२	अनुसूया जयंती
मुद्गर	५	मं	२	५६	७	२४	ज्ये	१६	५७	१३	०१	व	२९	०४	१७	५२	तै	२	५६	७	२४	२८	१४	४९	२१	१९	११	धनु. १३।०१	११।२६।३६।५८	५८।४९	भ. २९।४६ उ.
क्षयः	६	मं	५८	५०	२९	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A शत.-२ शनिः २६।२५
ध्वजा	७	बु	५४	०२	२७	५०	मूल	१४	३०	१२	०१	प	२२	४३	१५	१८	वि	२६	३२	१६	५०	३१	१३	४९	२२	२०	१२	धनु.	११।२७।३५।४७	५८।४७	भ. १६।५० या.
धाता	८	गु	४८	३६	२५	३८	पूषा	११	२२	१०	४४	शि	१५	४८	१२	३१	वा	२१	२४	१४	४६	३५	१२	५०	२३	२१	१३	मक. १६।२३	११।२८।३४।३४	५८।४५	बूढो वास्योड़ो
काल	९	शु	४२	४३	२३	१६	उषा	७	३९	९	१४	सि	८	२७	९	३४	तै	१५	४४	१२	२९	३९	११	५१	२४	२२	१४	मक.	११।२९।३३।१९	५८।४२	मेषे अश्वि. रविः १४।१५ (सौरः १७।०५), रोहि. शुक्रः २१।२४
सुस्थिर	१०	श	३६	३३	२०	४७	श्रव	३/५९	३२/०९	७/२९	३४/४०	सा	०/५२	४६/५१	६/२७	२८/१८	व	९	४१	१०	०२	४३	१०	५१	२५	२३	१५	कुंभे १८।४२	०।००।३२।०१	५८।४०	भ. १०।०२ उ. २०।४७ या., पंचक प्रारम्भः १८।४२, A
ए.व्र.	११	र	३०	१८	१८	१६	शत	५४	५१	२८	०५	शु	४४	५८	२४	०८	व	३	२६	७	३१	४७	०९	५२	२६	२४	१६	कुंभे	०।०१।३०।४१	५८।३८	वरुथिनि ११ व्र.
प्र.व्र.	१२	सो	२४	१२	१५	४८	पूभा	५०	४८	२६	२७	ब्र	३७	१७	२१	०३	तै	२४	१२	१५	४८	५१	०८	५२	२७	२५	१७	मीने २०।५१	०।०२।२९।१९	५८।३६	प्रदोषः
सिद्धि	१३	मं	१८	३०	१३	३१	उभा	४७	१६	२५	०१	ऐ	२९	५८	१८	०६	व	१८	३०	१३	३१	५५	०७	५३	२८	२६	१८	मीने	०।०३।२७।५५	५८।३३	भ. १३।३१ उ. २४।२७ या., मासिकशिवरात्री व्र.
उत्पात	१४	बु	१३	२६	११	२८	रेव	४४	३२	२३	५४	वै	२३	१४	१५	२३	श	१३	२६	११	२८	५९	०६	५३	२९	२७	१९	मेषे २३।५४	०।०४।२६।२९	५८।३१	पंचक समाप्तिः २३।५४, पितृकार्येऽमा.
अमाव.	३०	गु	९	१६	९	४७	अश्वि	४२	४९	२३	१२	वि	१७	१६	१२	५९	ना	९	१६	९	४७	३२/०३	०५	५४	३०	२८	२०	मेषे	०।०५।२५।००	५८।२९	देवकार्येऽमा., सायन वृषे भानुः १३।२८

अयनांशाः २४।०९।४४ ॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.५२ वै.कृ. १ शु. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	२	०	११	१	१०	०	६
२२	१२	११	२६	०१	०९	१०	१०
४८	०७	१०	२२	०४	१०	५५	५५
०७	५५	२९	५७	२९	०३	१७	१७
५८	३०	८२	१४	७०	५	३	३
५८	४२	१६	२८	३०	५२	११	११
रे	आ	अ	रे	कृ	श	अ	स्वा
२	२	४	३	२	१	४	२

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. अप्रे.	मेष प्रातः	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायँ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
११।२२।४८।३३	१ शु	७	६।३९	८।१६	१०।१२	१२।२७	२।४७	५।०४	७।१९	९।३८	११।५७	२।०२	३।४५	५।१३
११।२३।४७।३१	२ श	८	६।३५	८।१२	१०।०८	१२।२३	२।४३	५।००	७।१५	९।३५	११।५३	१।५८	३।४१	५।०९
११।२४।४६।२७	३ र	९	६।३१	८।०८	१०।०४	१२।१९	२।३९	४।५६	७।११	९।३१	११।४९	१।५४	३।३७	५।०५
११।२५।४५।२०	४ चं	१०	६।२८	८।०४	१०।००	१२।१५	२।३५	४।५२	७।०८	९।२७	११।४५	१।५०	३।३३	५।०२
११।२६।४४।११	५ मं	११	६।२४	८।००	९।५६	१२।११	२।३१	४।४८	७।०४	९।२३	११।४१	१।४६	३।२९	४।५८
११।२७।४३।००	७ बु	१२	६।२०	७।५६	९।५२	१२।०७	२।२७	४।४४	७।००	९।१९	११।३७	१।४२	३।२५	४।५४
११।२८।४१।४७	८ गु	१३	६।१६	७।५२	९।४८	१२।०३	२।२३	४।४०	६।५६	९।१५	११।३३	१।३८	३।२१	४।५०
११।२९।४०।३२	९ शु	१४	६।१२	७।४८	९।४४	११।५९	२।१९	४।३६	६।५२	९।११	११।२९	१।३४	३।१७	४।४६
००।००।३९।१४	१० श	१५	६।०८	७।४४	९।४०	११।५५	२।१५	४।३२	६।४८	९।०७	११।२६	१।३०	३।१३	४।४२
००।०१।३७।५४	११ र	१६	६।०४	७।४०	९।३६	११।५१	२।११	४।२८	६।४४	९।०३	११।२२	१।२६	३।०९	४।३८
००।०२।३६।३१	१२ चं	१७	६।००	७।३६	९।३२	११।४७	२।०७	४।२४	६।४०	८।५९	११।१८	१।२२	३।०५	४।३४
००।०३।३५।०७	१३ मं	१८	५।५६	७।३२	९।२८	११।४३	२।०३	४।२०	६।३६	८।५५	११।१४	१।१८	३।०१	४।३०
००।०४।३३।४०	१४ बु	१९	५।५२	७।२८	९।२५	११।३९	१।५९	४।१६	६।३२	८।५१	११।१०	१।१४	२।५८	४।२६
००।०५।३२।११	३० गु	२०	५।४८	७।२४	९।२१	११।३५	१।५५	४।१२	६।२८	८।४७	११।०६	१।१०	२।५४	४।२२

संक्रांति फलम्

ता. १४ अप्रेल २०२३

वैशा. कृ. ९ भृगौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १४।१५ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) ८।१५ से २०।१५ तक। (दान- मेष)।

अयनांशाः २४।०९।४५

पं. १ वै.कृ.१० श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	११	१	१०	०	६
००	१६	१९	२८	१०	०९	१०	१०
३८	१६	२९	१८	२५	५५	२९	२९
५९	३८	५०	३९	२९	२६	५२	५१
५८	३१	३५	१४	६९	५	३	३
४२	३४	४३	२७	३६	२४	११	११
अ	आ	भ	रे	रो	श	अ	स्वा
१	३	२	४	१	१	४	२

२१ अप्रेल से ५ मई तक, श्री वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, द्विमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुद्गर	१	शु	६	१५	८	३४	भर	४२	२१	२३	००	प्री	१२	१४	१०	५८	व	६	१५	८	३४	३२/०६	६/०४	६/५४	१	२९	२१	वृषे २९।०२	०।०६।२३।२९	५८।२७
अक्षया	२	श	४	३६	७	५३	कृति	४३	१९	२३	२३	आ	८	१९	९	२२	कौ	४	३६	७	५३	१०	०३	५५	२	१	२२	वृषे	०।०७।२१।५६	५८।२५
धाता	३	र	४	२७	७	४९	रोहि	४५	५२	२४	२३	सौ	५	३५	८	१६	ग	४	२७	७	४९	१४	०२	५५	३	२	२३	वृषे	०।०८।२०।२०	५८।२३
आनन्द	४	सो	५	५५	८	२३	मृग	४९	५९	२६	०१	शो	४	०९	७	४१	वि	५	५५	८	२३	१८	०१	५६	४	३	२४	मिथु. १३।०७	०।०९।१८।४३	५८।२०
चर	५	मं	९	००	९	३६	आर्द्रा	५५	३४	२८	१४	अ	३	५८	७	३५	बा	९	००	९	३६	२१	००	५७	५	४	२५	मिथु.	०।१०।१७।०३	५८।१८
गद	६	बु	१३	३१	११	२४	पुन	...	...	...	...	सु	४	५४	७	५७	तै	१३	३१	११	२४	२५	५/६	५७	६	५	२६	कर्के २४।१२	०।११।१५।२१	५८।१६
सिद्धि	७	गु	१९	०८	१३	३७	पुन	२	२०	६	५४	धृ	६	४१	८	३९	व	१९	०८	१३	३७	२९	५८	५८	७	६	२७	कर्के	०।१२।१३।३७	५८।१४
उत्पात	८	शु	२५	१५	१६	०३	पुष्य	९	४३	९	५०	शू	९	००	९	३३	व	२५	१५	१६	०३	३२	५७	५८	८	७	२८	कर्के	०।१३।११।५१	५८।१२
मानस	९	श	३१	१७	१८	२७	श्ले	१७	०९	१२	४८	गं	११	२०	१०	२९	कौ	३१	१७	१८	२७	३६	५७	५९	९	८	२९	सिंहे १२।४८	०।१४।१०।०३	५८।१०
मुद्गर	१०	र	३६	३७	२०	३४	मघा	२४	०२	१५	३२	वृ	१३	१७	११	१५	तै	४	०५	७	३४	३९	५६	५९	१०	९	३०	सिंहे	०।१५।०८।१३	५८।०८
ए.व्र.	११	सो	४०	४८	२२	१४	पूफा	२९	५३	१७	५२	ध्रु	१४	२९	११	४२	व	८	५४	९	२८	४३	५५	७/००	११	१०	१	कन्या २४।२२	०।१६।०६।२१	५८।०६
धाता	१२	मं	४३	३४	२३	२०	उफा	३४	२५	१९	४०	व्या	१४	४०	११	४६	व	१२	२४	१०	५२	४६	५४	०१	१२	११	२	कन्या	०।१७।०४।२७	५८।०४
प्र.व्र.	१३	बु	४४	५१	२३	५०	हस्त	३७	३०	२०	५३	ह	१३	४२	११	२२	कौ	१४	२५	११	३९	५०	५३	०१	१३	१२	३	कन्या	०।१८।०२।३०	५८।०२
चर	१४	गु	४४	३७	२३	४३	चित्रा	३९	०७	२१	३१	व	११	३३	१०	३०	ग	१४	५५	११	५१	५३	५२	०२	१४	१३	४	तुला. ९।१७	०।१९।००।३२	५८।००
पूर्णिमा	१५	शु	४३	००	२३	०४	स्वा	३९	२१	२१	३६	सि	८	१६	९	१०	वि	१३	५९	११	२७	५६	५२	०२	१५	१४	५	तुला.	०।१९।५८।३२	५७।५८

केतकी अहर्गणः ४३९८ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, अप्रेल-मई २०२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), भा. वैशाखारंभः, वक्री बुधः २६।०३
युगादि, कल्पादि, शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती A
भ.२०।०१ उ. [A अक्षय तृतीया, सव्वाल १०,पुन.भौमः ६।२२, E
भ. ८।२३ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् २४।३०, अश्वि.-३ राहुः D
श्री आद्यशंकराचार्य जयंती, श्री रामानुज जयंती
गंगोत्पत्ति, मृगे शुक्रः ११।४१
भ. १३।३७ उ. २६।४९ या. [D १५।३५, स्वा.-१ केतुः १५।३५
भर. रविः ६।०५ (सौरः ९।१९), अगस्त्यास्तः ७।५५
सीता ९, गुरोरुदयः पूर्वस्याम् २९।०७
[E मेषे अश्वि.-१ गुरुः ६।४१
भ. ९।२८ उ.२२।१४ या., मोहिनी ११ व्र., C
मिथुने शुक्रः ९।३४
प्रदोषः [C मई ५ ता. ३१,
भ. २३।४३ उ., नृसिंह १४ [B धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदानं
भ.११।२७ या.,कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाखस्नानपूर्तिः, B

गुरोरुदयः पूर्वस्याम्

अयनांशाः २४।०९।४६

पं. २ वै.शु. २ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	११	१	१०	०	६
०७	१९	२१	२९	१८	१०	१०	१०
२९	५९	३०	५९	३०	३१	०७	०७
१५	३४	४२	३७	०१	५६	३७	३७
५८	३२	६	१४	६८	४	३	३
२९	१३	४६	२३	४०	५७	११	११
अ	आ	भ	रे	रो	श	अ	स्वा
३	४	३व	४	३	२	४	२

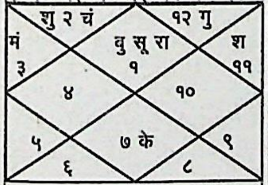

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अप्रे.	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
००।०६।३०।४०	१ शु	२१	५।४४	७।२०	९।१७	११।३१	१।५२	४।०८	६।२४	८।४३	११।०२	१।०६	२।५०	४।१८
००।०७।२९।०६	२ श	२२	५।४०	७।१६	९।१३	११।२८	१।४८	४।०४	६।२०	८।३९	१०।५८	१।०२	२।४६	४।१४
००।०८।२७।३१	३ र	२३	५।३६	७।१३	९।०९	११।२४	१।४४	४।०१	६।१६	८।३५	१०।५४	१२।५९	२।४२	४।१०
००।०९।२५।५३	४ चं	२४	५।३२	७।०९	९।०५	११।२०	१।४०	३।५७	६।१२	८।३२	१०।५०	१२।५५	२।३८	४।०६
००।१०।२४।१३	५ मं	२५	५।२८	७।०५	९।०१	११।१६	१।३६	३।५३	६।०८	८।२८	१०।४६	१२।५१	२।३४	४।०२
००।११।२२।३१	६ बु	२६	५।२५	७।०१	८।५७	११।१२	१।३२	३।४९	६।०५	८।२४	१०।४२	१२।४७	२।३०	३।५८
००।१२।२०।४७	७ गु	२७	५।२१	६।५७	८।५३	११।०८	१।२८	३।४५	६।०१	८।२०	१०।३८	१२।४३	२।२६	३।५५
००।१३।१९।००	८ शु	२८	५।१७	६।५३	८।४९	११।०४	१।२४	३।४१	५।५७	८।१६	१०।३४	१२।३९	२।२२	३।५१
००।१४।१७।१२	९ श	२९	५।१३	६।४९	८।४५	११।००	१।२०	३।३७	५।५३	८।१२	१०।३०	१२।३५	२।१८	३।४७
००।१५।१५।२१	१० र	३०	५।०९	६।४५	८।४१	१०।५६	१।१६	३।३३	५।४९	८।०८	१०।२६	१२।३१	२।१४	३।४३
००।१६।१३।२९	११ चं	१	५।०५	६।४१	८।३७	१०।५२	१।१२	३।२९	५।४५	८।०४	१०।२२	१२।२७	२।१०	३।३९
००।१७।११।३४	१२ मं	२	५।०१	६।३७	८।३३	१०।४८	१।०८	३।२५	५।४१	८।००	१०।१९	१२।२३	२।०६	३।३५
००।१८।०९।३७	१३ बु	३	४।५७	६।३३	८।२९	१०।४४	१।०४	३।२१	५।३७	७।५६	१०।१५	१२।१९	२।०२	३।३१
००।१९।०७।३९	१४ गु	४	४।५३	६।२९	८।२५	१०।४०	१।००	३।१७	५।३३	७।५२	१०।११	१२।१५	१।५८	३।२७
००।२०।०५।३८	१५ शु	५	४।४९	६।२५	८।२२	१०।३६	१२।५६	३।१३	५।२९	७।४८	१०।०७	१२।११	१।५५	३।२३

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो ॥ प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे ॥ गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस को अश्विनी होने से महर्घ-समर्घ मध्यम हो। शुक्ला ३ को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला पंचमी को मंगलवार होने से युद्ध तथा शु. चतुर्दशी को गुरुवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। पूर्णिमा स्वाति युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हों, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २४।०९।४७

पं. ३ वै.शु. ९ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	०	१	१०	०	६
१४	२३	१९	०१	२६	११	०९	०९
१८	४६	०१	३९	२७	०५	४५	४५
००	४८	२२	५६	३२	०७	२२	२२
५८	३२	३६	१४	६७	४	३	३
१६	४७	०२	१४	३५	२७	१०	१०
भ	पुन	भ	अ	मृ	श	अ	स्वा
१	२	२व	१	१	२	३	१

६ मई से १९ मई तक, श्री ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति गुर्जराः, मई २०२३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
शुभ	१	श	४०	०७	२१	५४	विशा	३८	२१	२१	११	व्य	३/५८	५५/३५	७/२९	२५/१७	वा	११	४२	१०	३२	३३/००	५/५१	७/०३	१६	१५	६	वृश्चि. १५।२०	०।२०।५६।२९	५७।५६	अश्वि.-२ गुरुः ७।१७
मृत्यु	२	र	३६	११	२०	१९	अनु	३६	१८	२०	२१	प	५२	२९	२६	५०	तै	८	१६	९	०९	०३	५०	०३	१७	१६	७	वृश्चि.	०।२१।५४।२५	५७।५४	नारद जयंती, वीणादानं, टैगोर जयन्ती
च.व्र.	३	सो	३१	२५	१८	२३	ज्ये	३३	२५	१९	११	शि	४५	४६	२४	०८	व	३	५४	७	२३	०६	५०	०४	१८	१७	८	धनु. १९।११	०।२२।५२।१९	५७।५२	भ. ७।२३ उ. १८।२३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१०, (व) B
छत्र	४	मं	२६	०१	१६	१३	मूल	२९	५५	१७	४७	सि	३८	३५	२१	१५	वा	२६	०१	१६	१३	०९	४९	०५	१९	१८	९	धनु.	०।२३।५०।११	५७।५०	[B अश्वि. बुधः १७।१४, आर्द्रा. शुक्रः ९।४६
श्रीवत्स	५	बु	२०	१४	१३	५४	पूषा	२६	०३	१६	१३	सा	३१	०८	१८	१५	तै	२०	१४	१३	५४	१३	४८	०५	२०	१९	१०	मक. २१।४९	०।२४।४८।०१	५७।४८	उषा. रे. ७ ।ऽ।।ऽ।।।।ऽ रात्रौ लग्न गोधूलि(७), ८, ९, ११, C
सौम्य	६	गु	१४	१८	११	३१	उषा	२२	०३	१४	३७	शु	२३	३४	१५	१३	व	१४	१८	११	३१	१६	४८	०६	२१	२०	११	मक.	०।२५।४५।४९	५७।४६	भ. ११।३१ उ. २२।१९ या., कृत्ति. रविः २४।१६ (सौरः २८।१७)
धूम्र	७	शु	८	२३	९	०८	श्रव	१८	०६	१३	०१	शु	१६	०४	१२	१३	ब	८	२३	९	०८	१९	४७	०६	२२	२१	१२	कुंभे २४।१६	०।२६।४३।३५	५७।४५	पंचक प्रारम्भः २४।१६
प्रवर्धमा	८	श	२	४१	६	५१	धनि	१४	२४	११	३२	ब्र	८	४७	९	१७	कौ	२	४१	६	५१	२२	४६	०७	२३	२२	१३	कुंभे	०।२७।४१।२०	५७।४३	[C कर्के भौमः ११।५७
क्षयः	९	श	५७	१९	२८	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.)
राक्षस	१०	र	५२	३०	२६	४६	शत	११	०६	१०	१२	ऐ	१/५५	४८/१३	६/२७	२९/५१	व	२४	५१	१५	४२	२५	४६	०८	२४	२३	१४	मीने २७।२०	०।२८।३९।०३	५७।४१	भ. १५।४२ उ. २६।४६ या., बुधोदयः पूर्वस्याम् २८।४१
ए.व्र.	११	सो	४८	१६	२५	०४	पूभा	८	१९	९	०५	वि	४९	०९	२५	२५	ब	२०	१९	१३	५३	२७	४५	०८	२५	२४	१५	मीने	०।२९।३६।४४	५७।३९	अपरा ११ व्र., वृषे रविः ११।०९ (सौरः १५।२६), D
सिद्धि	१२	मं	४४	४५	२३	३८	उभा	६	११	८	१३	प्री	४३	३९	२३	१२	कौ	१६	२६	१२	१९	३०	४५	०९	२६	२५	१६	मीने	१।००।३४।२३	५७।३८	पुष्ये भौमः १०।१२ [D मार्गी बुधः २४।०९
प्र.व्र.	१३	बु	४२	०१	२२	३२	रेव	४	४६	७	३८	आ	३८	४८	२१	१५	ग	१३	१६	११	०३	३३	४४	०९	२७	२६	१७	मेषे ७।३८	१।०१।३२।०१	५७।३६	भ. २२।३२ उ., पंचक समाप्तिः ७।३८, प्रदोषः, E
मानस	१४	गु	४०	१०	२१	४८	अश्वि	४	१०	७	२४	सौ	३४	४०	१९	३५	वि	१०	५९	१०	०७	३६	४४	१०	२८	२७	१८	मेषे	१।०२।२९।३७	५७।३४	भ. १०।०७ या. [E मासिकशिवरात्री व्र.
अमाव.	३०	शु	३९	२१	२१	२७	भर	४	३०	७	३१	शो	३१	२०	१८	१५	च	९	३९	९	३४	३८	४३	१०	२९	२८	१९	वृषे १३।३७	१।०३।२७।११	५७।३३	शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, A

अयनांशाः २४।०९।४८

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं. ४ ज्ये.कृ. १ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	२	०	०	२	१०	०	६
२१	२७	१४	०३	०४	११	०९	०९
०५	३७	३७	१९	१६	३४	२३	२३
१८	५१	२६	१०	४९	३९	०७	०८
५८	३३	३३	१४	६६	३	३	३
०४	१७	३३	०३	१७	५४	१०	१०
भ	पुन	भ	अ	मृ	श	अ	स्वा
३	३	१व	१	४	२	३	१

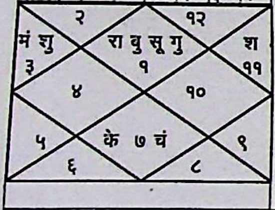

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मई	मेष रात्रौ	वृष प्रातः	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक सायँ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
००।२१।०३।३६	१ श	६	४।४५	६।२१	८।१८	१०।३२	१२।५२	३।०९	५।२५	७।४४	१०।०३	१२।०७	१।५१	३।१९
००।२२।०१।३१	२ र	७	४।४१	६।१७	८।१४	१०।२८	१२।४८	३।०५	५।२१	७।४०	९।५९	१२।०३	१।४७	३।१५
००।२२।५९।२५	३ चं	८	४।३७	६।१३	८।१०	१०।२४	१२।४५	३।०१	५।१७	७।३६	९।५५	११।५९	१।४३	३।११
००।२३।५७।१६	४ मं	९	४।३३	६।१०	८।०६	१०।२१	१२।४१	२।५७	५।१३	७।३२	९।५१	११।५६	१।३९	३।०७
००।२४।५५।०६	५ बु	१०	४।२९	६।०६	८।०२	१०।१७	१२।३७	२।५४	५।०९	७।२८	९।४७	११।५२	१।३५	३।०३
००।२५।५२।५४	६ गु	११	४।२५	६।०२	७।५८	१०।१३	१२।३३	२।५०	५।०५	७।२५	९।४३	११।४८	१।३१	२।५९
००।२६।५०।४०	७ शु	१२	४।२१	५।५८	७।५४	१०।०९	१२।२९	२।४६	५।०१	७।२१	९।३९	११।४४	१।२७	२।५५
००।२७।४८।२५	८ श	१३	४।१८	५।५४	७।५०	१०।०५	१२।२५	२।४२	४।५८	७।१७	९।३५	११।४०	१।२३	२।५२
००।२८।४६।०७	१० र	१४	४।१४	५।५०	७।४६	१०।०१	१२।२१	२।३८	४।५४	७।१३	९।३१	११।३६	१।१९	२।४८
००।२९।४३।४८	११ चं	१५	४।१०	५।४६	७।४२	९।५७	१२।१७	२।३४	४।५०	७।०९	९।२७	११।३२	१।१५	२।४४
०१।००।४१।२७	१२ मं	१६	४।०६	५।४२	७।३८	९।५३	१२।१३	२।३०	४।४६	७।०५	९।२३	११।२८	१।११	२।४०
०१।०१।३९।०४	१३ बु	१७	४।०२	५।३८	७।३४	९।४९	१२।०९	२।२६	४।४२	७।०१	९।१९	११।२४	१।०७	२।३६
०१।०२।३६।४०	१४ गु	१८	३।५८	५।३४	७।३०	९।४५	१२।०५	२।२२	४।३८	६।५७	९।१६	११।२०	१।०३	२।३२
०१।०३।३४।१४	३० शु	१९	३।५४	५।३०	७।२६	९।४१	१२।०१	२।१८	४।३४	६।५३	९।१२	११।१६	१२।५९	२।२८

संक्रांति फलम्

ता. १५ मई २०२३

ज्ये. कृ. ११ चंद्रे वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।०९ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः रवौ (स्टै.) २८।४५ से चंद्रे ११।०९ तक। (दान- गौ)।

अयनांशाः २४।०९।४९

पं. ५ ज्ये.कृ. ८ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	०	०	२	१०	०	६
२७	०१	११	०४	११	१२	०९	०९
५१	३२	५३	५६	५६	००	००	००
१५	१६	१२	५६	२०	१५	५३	५३
५७	३३	७	१३	६४	३	३	३
५३	४५	४२	५०	४५	१९	११	११
कृ	पुन	अ	अ	आ	श	अ	स्वा
१	४	४व	२	२	२	३	१

२० मई से ४ जून तक, श्री ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्वजा	१	श	३९	३८	२१	३४	कृति	५	५२	८	०३	अ	२८	५२	१७	१५	किं	९	२१	९	२७	३३/४९	५/४३	७/११	३०	२९	२०	वृषे	१।०४।२४।४४	५७।३१
धाता	२	र	४१	०८	२२	०९	रोहि	८	२३	९	०३	सु	२७	२२	१६	३९	वा	१०	१४	९	४८	४४	४२	१२	३१	३०	२१	मिथु. २१।४४	१।०५।२२।१५	५७।३०
आनन्द	३	सो	४३	५७	२३	१६	मृग	१२	०७	१०	३३	धृ	२६	५२	१६	२६	तै	१२	२३	१०	३९	४६	४२	१२	१	१	२२	मिथु.	१।०६।१९।४४	५७।२८
चर	४	मं	४८	०१	२४	५४	आर्द्रा	१७	०७	१२	३२	शू	२७	२१	१६	३८	व	१५	५०	१२	०१	४८	४१	१३	२	२	२३	मिथु.	१।०७।१७।१२	५७।२६
गद	५	बु	५३	११	२६	५७	पुन	२३	१७	१५	००	गं	२८	४५	१७	११	व	२०	२९	१३	५३	५१	४१	१३	३	३	२४	कर्के ८।२०	१।०८।१४।३९	५७।२५
शुभ	६	गु	५९	०५	२९	१८	पुष्य	३०	१९	१७	४८	वृ	३०	५०	१८	०१	कौ	२६	०४	१६	०६	५३	४०	१४	४	४	२५	कर्के	१।०९।१२।०४	५७।२४
मृत्यु	७	शु	...	...	...	...	श्ले	३७	४९	२०	४८	ध्रु	३३	१६	१८	५९	ग	३२	०९	१८	३२	५५	४०	१४	५	५	२६	सिंहे २०।४८	१।१०।०९।२७	५७।२२
पद्म	७	श	५	१२	७	४५	मघा	४५	०९	२३	४३	व्या	३५	३७	१९	५४	व	५	१२	७	४५	५७	४०	१५	६	६	२७	सिंहे	१।११।०६।४९	५७।२१
छत्र	८	र	१०	५३	१०	०१	पूफा	५१	४५	२६	२१	ह	३७	२५	२०	३८	व	१०	५३	१०	०१	५९	४०	१५	७	७	२८	सिंहे	१।१२।०४।१०	५७।१९
श्रीवत्स	९	सो	१५	३४	११	५३	उफा	५७	०५	२८	२९	व	३८	२०	२०	५९	कौ	१५	३४	११	५३	३४/०१	३९	१६	८	८	२९	कन्या ८।५७	१।१३।०१।२९	५७।१८
गंगा	१०	मं	१८	४९	१३	११	हस्त	...	...	...	...	सि	३८	००	२०	५१	ग	१८	४९	१३	११	०३	३९	१६	९	९	३०	कन्या	१।१३।५८।४८	५७।१७
ए.व्र.	११	बु	२०	१९	१३	४६	हस्त	०	४९	५	५८	व्य	३६	१८	२०	१०	वि	२०	१९	१३	४६	०५	३९	१७	१०	१०	३१	तुला. १८।२७	१।१४।५६।०४	५७।१६
प्र.व्र.	१२	गु	१९	५९	१३	३८	चित्रा	२	४६	६	४५	वं	३३	०८	१८	५४	वा	१९	५९	१३	३८	०७	३९	१७	११	११	१	तुला.	१।१५।५३।२०	५७।१४
गद	१३	शु	१७	५२	१२	४७	स्वा	२	५७	६	४९	प	२८	३४	१७	०४	तै	१७	५२	१२	४७	०९	३८	१८	१२	१२	२	वृश्चि. २४।२५	१।१६।५०।३४	५७।१३
शुभ	१४	श	१४	०५	११	१६	विशा	१/५८	२६/२८	२६/२१	१३/५९	शि	२२	४२	१४	४३	व	१४	०५	११	१६	१०	३८	१८	१३	१३	३	वृश्चि.	१।१७।४७।४७	५७।१२
पूर्णिमा	१५	र	८	५४	९	१२	ज्ये	५४	२०	२७	२२	सि	१५	४२	११	५५	ब	८	५४	९	१२	१२	३८	१९	१४	१४	४	धनु. २७।२२	१।१८।४४।५९	५७।११

केतकी अहर्गणः ४४२७ ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, मई-जून २०२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
रोहि. रे. ९ ऽ।।।।।।।।। रात्रौ लग्न ११, माऊका-करिदिन, करिदिनं, A
मृगे रे.१० ।।।।।।।।।। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि, ९, ११, चंद्रदर्शनम् B
रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, भा. ज्येष्ठारंभः, जिल्काद ११
भ.१२।०१ उ. २४।५४ या. [A श्रीगंगादशाश्वमेघस्नानप्रा., अश्वि.-३ D
[D गुरुः १८।२७, पुन.शुक्रः १९।२२ [B (मु.३०), सायन मिथुने E
रोहि. रविः २०।३० (सौरः २५।४३)
मघा. रे. ६ ऽ।।।।ऽऽऽ।। रात्रौ लग्न ११, २
भ. ७।४५ उ. २०।५५ या. [E भानुः १२।३३, भर. बुधः २९।२८
उफा. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।। रात्रौ लग्न २, दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती
उफा. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।। रात्रौ लग्न गोधूलि(८), ९, ११, हस्ते F
भ. २५।३४ उ., हस्ते रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न गोधूलि(८), C
भ.१३।४६ या., निर्जला ११ व्र. [C गंगा दशहरा व्र., कर्के शुक्रः १४।०८
प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः, जून ६ ता. ३०
पुष्ये शुक्रः २३।३४ [F रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। रात्रौ लग्न २
भ.११।१६ उ. २२।१८ या., गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द साव्य व्र.
मन्वादि, कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः, अश्वि.-४ गुरुः २४।३२

अयनांशाः २४।०९।५०

पं. ६ ज्ये.शु. १ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	०	०	२	१०	०	६
०४	०५	१२	०६	१९	१२	०८	०८
३५	२९	३०	३२	२४	२१	३८	३८
५८	४४	५०	४९	१२	४०	३८	३८
५७	३४	२२	१३	६२	२	३	३
४४	०९	३७	३१	५४	४२	११	११
कृ	पु	अ	अ	आ	श	अ	स्वा
३	१	४	२	४	२	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मई	मेष रात्रौ	वृष प्रातः	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक सायं	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०१।०४।३१।४६	१ श	२०	३।५०	५।२६	७।२२	९।३७	११।५७	२।१४	४।३०	६।४९	९।०८	११।१२	१२।५५	२।२४
०१।०५।२९।१७	२ र	२१	३।४६	५।२२	७।१८	९।३३	११।५३	२।१०	४।२६	६।४५	९।०४	११।०८	१२।५१	२।२०
०१।०६।२६।४६	३ चं	२२	३।४२	५।१८	७।१५	९।२९	११।४९	२।०६	४।२२	६।४१	९।००	११।०४	१२।४८	२।१६
०१।०७।२४।१४	४ मं	२३	३।३८	५।१४	७।११	९।२५	११।४५	२।०२	४।१८	६।३७	८।५६	११।००	१२।४४	२।१२
०१।०८।२१।४०	५ बु	२४	३।३४	५।१०	७।०७	९।२१	११।४२	१।५८	४।१४	६।३३	८।५२	१०।५६	१२।४०	२।०८
०१।०९।१९।०५	६ गु	२५	३।३०	५।०६	७।०३	९।१७	११।३८	१।५४	४।१०	६।२९	८।४८	१०।५२	१२।३६	२।०४
०१।१०।१६।२८	७ शु	२६	३।२६	५।०३	६।५९	९।१४	११।३४	१।५०	४।०६	६।२५	८।४४	१०।४९	१२।३२	२।००
०१।११।१३।५०	७ श	२७	३।२२	४।५९	६।५५	९।१०	११।३०	१।४७	४।०२	६।२१	८।४०	१०।४५	१२।२८	१।५६
०१।१२।११।११	८ र	२८	३।१८	४।५५	६।५१	९।०६	११।२६	१।४३	३।५८	६।१८	८।३६	१०।४१	१२।२४	१।५२
०१।१३।०८।३०	९ चं	२९	३।१४	४।५१	६।४७	९।०२	११।२२	१।३९	३।५४	६।१४	८।३२	१०।३७	१२।२०	१।४८
०१।१४।०५।४८	१० मं	३०	३।११	४।४७	६।४३	८।५८	११।१८	१।३५	३।५१	६।१०	८।२८	१०।३३	१२।१६	१।४४
०१।१५।०३।०४	११ बु	३१	३।०७	४।४३	६।३९	८।५४	११।१४	१।३१	३।४७	६।०६	८।२४	१०।२९	१२।१२	१।४१
०१।१६।००।२०	१२ गु	१	३।०३	४।३९	६।३५	८।५०	११।१०	१।२७	३।४३	६।०२	८।२०	१०।२५	१२।०८	१।३७
०१।१६।५७।३४	१३ शु	२	२।५९	४।३५	६।३१	८।४६	११।०६	१।२३	३।३९	५।५८	८।१६	१०।२१	१२।०४	१।३३
०१।१७।५४।४७	१४ श	३	२।५५	४।३१	६।२७	८।४२	११।०२	१।१९	३।३५	५।५४	८।१२	१०।१७	१२।००	१।२९
०१।१८।५१।५८	१५ र	४	२।५१	४।२७	६।२३	८।३८	१०।५८	१।१५	३।३१	५।५०	८।०९	१०।१३	११।५६	१।२५

अयनांशाः २४।०९।५१

पं. ७ ज्ये.शु. ७ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	०	०	२	१०	०	६
११	०९	१६	०८	२६	१२	०८	०८
१९	२९	३४	०६	३८	३८	१६	१६
३७	५९	४६	२६	०१	४१	२३	२३
५७	३४	५०	१३	६०	२	३	३
३५	३२	३३	१०	४०	०३	११	११
रो	पु	भ	अ	पुन	श	अ	स्वा
१	२	१	३	२	२	३	१

अयनांशाः २४।०९।५२

पं. ८ ज्ये.शु.१४ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	०	०	३	१०	०	६
१८	१३	२३	०९	०३	१२	०७	०७
०२	३२	४३	३७	३४	५१	५४	५४
१९	४७	५२	१७	४७	०५	०८	०८
५७	३४	७४	१२	५७	१	३	३
२८	५३	५२	४४	५६	२३	११	११
रो	पु	भ	अ	पु	श	अ	स्वा
३	४	४	३	१	२	३	१

५ जून से १८ जून तक, श्री आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
लुम्बक	१	सो	२	३७	६	४१	मूल	४९	२३	२५	२३	सा	७	५०	८	४६	कौ	२	३७	६	४१	३४	५	७	१५	१५	५	धनु.	१।१९।४२।१०	५७।१०
क्षयः	२	सो	५५	३३	२७	५१	०	०	०	०	०	शु	५९	२१	२९	२२	०	०	०	०	०	१३	३८	१९	०	०	०	० ०	०	०
मित्र	३	मं	४८	०६	२४	५२	पूषा	४३	५९	२३	१३	शु	५०	३५	२५	५२	व	२१	५१	१४	२२	१५	३८	२०	१६	१६	६	मक. २८।४०	१।२०।३९।२०	५७।०९
च.व्र.	४	बु	४०	३७	२१	५३	उषा	३८	३०	२१	०२	ब्र	४१	४६	२२	२०	व	१४	२१	११	२२	१६	३८	२०	१७	१७	७	मक.	१।२१।३६।२९	५७।०८
ध्वजा	५	गु	३३	२४	१८	५९	श्रव	३३	१९	१८	५७	ऐ	३३	१४	१८	५५	कौ	६	५७	८	२५	१७	३८	२१	१८	१८	८	मक.	१।२२।३३।३६	५७।०७
धाता	६	शु	२६	४७	१६	२०	धनि	२८	४२	१७	०६	वै	२५	०९	१५	४१	ग	०	००	५	३८	१८	३८	२१	१९	१९	९	कुंभे ६।००	१।२३।३०।४३	५७।०६
आनन्द	७	श	२०	५७	१४	०१	शत	२४	५४	१५	३५	वि	१७	४५	१२	४४	व	२०	५७	१४	०१	१९	३८	२१	२०	२०	१०	कुंभे	१।२४।२७।४९	५७।०५
चर	८	र	१६	०६	१२	०४	पूभा	२२	०५	१४	२८	प्री	११	०८	१०	०५	कौ	१६	०६	१२	०४	२०	३८	२२	२१	२१	११	मीने ८।४२	१।२५।२४।५४	५७।०४
गद	९	सो	१२	१९	१०	३३	उभा	२०	२०	१३	४६	आ	५	२३	७	४७	ग	१२	१९	१०	३३	२१	३८	२२	२२	२२	१२	मीने	१।२६।२१।५७	५७।०३
शुभ	१०	मं	९	३५	९	२८	रेव	१९	३९	१३	२९	सौ	५६	३०	२८	५४	वि	९	३५	९	२८	२२	३८	२२	२३	२३	१३	मेषे १३।२९	१।२७।१९।०१	५७।०२
ए.व्र.	११	बु	७	५७	८	४८	अश्वि	२०	०१	१३	३८	अ	५३	१८	२६	५७	वा	७	५७	८	४८	२३	३८	२३	२४	२४	१४	मेषे	१।२८।१६।०३	५७।०२
प्र.व्र.	१२	गु	७	२०	८	३४	भर	२१	२३	१४	११	सु	५०	५४	२५	५९	तै	७	२०	८	३४	२३	३८	२३	२५	२५	१५	वृषे २०।२३	१।२९।१३।०५	५७।०१
छत्र	१३	शु	७	४१	८	४२	कृति	२३	४२	१५	०७	धृ	४९	१५	२५	२०	व	७	४१	८	४२	२४	३८	२३	२६	२६	१६	वृषे	२।००।१०।०५	५७।००
श्रीवत्स	१४	श	८	५९	९	१४	रोहि	२६	५६	१६	२५	शू	४८	२१	२४	५९	श	८	५९	९	१४	२४	३८	२४	२७	२७	१७	मिथु. २९।१२	२।०१।०७।०५	५६।५९
अमाव.	३०	र	११	१५	१०	०८	मृग	३१	०६	१८	०५	गं	४८	१२	२४	५५	ना	११	१५	१०	०८	२५	३८	२४	२८	२८	१८	मिथु.	२।०२।०४।०५	५६।५९

ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति गुर्जराः, जून २०२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मूले रे. ८ ।ऽ।।।ऽ।।।। रात्रौ लग्न गोधूलि(८), कृत्ति. बुधः १२।३२
[B अ. गोधूलि, ९
भ. १४।२२ उ. २४।५२ या.
उषा. रे. ७ ।।।।।।।ऽऽऽ रात्रौ लग्न गोधूलि(८), चतुर्थीव्रतं A
मृगे रविः १८।२४ (सौरः २५।०७), श्लेषा. भौमः १४।०३
भ. १६।२० उ. २७।०८ या., पंचक प्रारम्भः ६।००
[A चन्द्रोदयः २२।५७, वृषे बुधः २१।४३
उभा. रे. ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(८), ९
भ. २१।५७ उ., रेवत्यां रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न B
भ. ९।२८ या., पंचक समाप्तिः १३।२९, रोहि. बुधः २८।०५
योगिनी ११ व्र.
प्रदोषः, मिथुने रविः १७।४९ (सौरः २५।२३)
भ. ८।४२ उ. २०।५५ या., मासिकशिवरात्री व्र.
पितृकार्येऽमा., श्लेषा. शुक्रः १५।१४
देवकार्येऽमा., वक्री शनिः ८।५७

अयनांशाः २४।०९।५४

पं. ९ आ.कृ. ७ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	३	१	०	३	१०	०	६
२४	१७	०३	११	१०	१२	०७	०७
४४	३७	३०	०५	१०	५८	३१	३१
१४	५८	४६	००	३०	४५	५३	५३
५७	३५	९५	१२	५४	०	३	३
२२	१३	०६	१५	३२	४२	११	११
मृ	श्ले	कृ.	अ	पु	श	अ	स्वा
१	१	३	४	३	२	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जून	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन प्रातः	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायँ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०१।१९।४९।०९	१ चं	५	२।४७	४।२३	६।१९	८।३४	१०।५४	१।११	३।२७	५।४६	८।०५	१०।०९	११।५२	१।२१
०१।२०।४६।१८	३ मं	६	२।४३	४।१९	६।१५	८।३०	१०।५०	१।०७	३।२३	५।४२	८।०१	१०।०५	११।४८	१।१७
०१।२१।४३।२७	४ बु	७	२।३९	४।१५	६।११	८।२६	१०।४६	१।०३	३।१९	५।३८	७।५७	१०।०१	११।४४	१।१३
०१।२२।४०।३४	५ गु	८	२।३५	४।११	६।०८	८।२२	१०।४२	१२।५९	३।१५	५।३४	७।५३	९।५७	११।४०	१।०९
०१।२३।३७।४१	६ शु	९	२।३१	४।०७	६।०४	८।१८	१०।३८	१२।५५	३।११	५।३०	७।४९	९।५३	११।३७	१।०५
०१।२४।३४।४६	७ श	१०	२।२७	४।०३	६।००	८।१४	१०।३४	१२।५१	३।०७	५।२६	७।४५	९।४९	११।३३	१।०१
०१।२५।३१।५१	८ र	११	२।२३	३।५९	५।५६	८।१०	१०।३१	१२।४७	३।०३	५।२२	७।४१	९।४५	११।२९	१२।५७
०१।२६।२८।५५	९ चं	१२	२।१९	३।५५	५।५२	८।०७	१०।२७	१२।४३	२।५९	५।१८	७।३७	९।४१	११।२५	१२।५३
०१।२७।२५।५८	१० मं	१३	२।१५	३।५२	५।४८	८।०३	१०।२३	१२।४०	२।५५	५।१४	७।३३	९।३८	११।२१	१२।४९
०१।२८।२३।००	११ बु	१४	२।११	३।४८	५।४४	७।५९	१०।१९	१२।३६	२।५१	५।११	७।२९	९।३४	११।१७	१२।४५
०१।२९।२०।०१	१२ गु	१५	२।०७	३।४४	५।४०	७।५५	१०।१५	१२।३२	२।४७	५।०७	७।२५	९।३०	११।१३	१२।४१
०२।००।१७।०२	१३ शु	१६	२।०४	३।४०	५।३६	७।५१	१०।११	१२।२८	२।४४	५।०३	७।२१	९।२६	११।०९	१२।३७
०२।०१।१४।०२	१४ श	१७	२।००	३।३६	५।३२	७।४७	१०।०७	१२।२४	२।४०	४।५९	७।१७	९।२२	११।०५	१२।३४
०२।०२।११।०१	३० र	१८	१।५६	३।३२	५।२८	७।४३	१०।०३	१२।२०	२।३६	४।५५	७।१३	९।१८	११।०१	१२।३०

संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २०२३

आषा. कृ. १२ गुरो मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।४९ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखंदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १७।४९ से २४।१३ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २४।०९।५५

पं.१० आ.कृ.१४ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	१	०	३	१०	०	६
०१	२१	१५	१२	१६	१३	०७	०७
२५	४५	२९	२९	१९	०१	०९	०९
३१	२४	३४	०४	५४	३५	३७	३७
५७	३५	११२	११	५०	०	३	३
१७	३१	२७	४१	१४	०१	११	११
मृ	श्ले	रो	अ	पु	श	अ	स्वा
३	२	२	४	४	२	३	१

१९ जून से ३ जुलाई तक, श्री आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	सो	१४	२६	११	२५	आर्द्रा	३६	१२	२०	०७	वृ	४८	४७	२५	०९	व	१४	२६	११	२५	३४/३५	५/३८	७/२४	२९	२९	१९	मिथु.	२।०३।०१।०४	५६।५८
सुस्थिर	२	मं	१८	३५	१३	०५	पुन	४२	१२	२२	३१	ध्रु	५०	०५	२५	४१	कौ	१८	३५	१३	०५	२५	३९	२५	३०	१	२०	कर्क १५।५३	२।०३।५८।०२	५६।५८
मातङ्ग	३	बु	२३	३९	१५	०६	पुष्य	४९	०१	२५	१५	व्या	५२	०२	२६	२७	ग	२३	३९	१५	०६	२५	३९	२५	३१	२	२१	कर्क	२।०४।५५।००	५६।५७
अमृत	४	गु	२९	२४	१७	२४	श्ले	५६	२५	२८	१३	ह	५४	२४	२७	२५	वि	२९	२४	१७	२४	२५	३९	२५	१	३	२२	सिंहे २८।१३	२।०५।५१।५७	५६।५७
काण	५	शु	३५	३२	१९	५२	मघा	...	...	...	...	व	५६	५८	२८	२६	व	२	२७	६	३८	२५	३९	२५	२	४	२३	सिंहे	२।०६।४८।५४	५६।५६
पद्म	६	श	४१	३४	२२	१७	मघा	३	५९	७	१५	सि	५९	१८	२९	२३	कौ	८	३५	९	०६	२५	३९	२५	३	५	२४	सिंहे	२।०७।४५।५०	५६।५६
छत्र	७	र	४६	५५	२४	२६	पूफा	११	१५	१०	१०	व्य	...	...	...	...	ग	१४	२२	११	२५	२४	४०	२६	४	६	२५	कन्या १६।५०	२।०८।४२।४६	५६।५६
श्रीवत्स	८	सो	५१	०४	२६	०५	उफा	१७	३६	१२	४२	व्य	०	५८	६	०३	वि	१९	११	१३	२०	२४	४०	२६	५	७	२६	कन्या	२।०९।३९।४२	५६।५५
सौम्य	९	मं	५३	३२	२७	०५	हस्त	२२	३३	१४	४२	व	१	३९	६	२०	बा	२२	३१	१४	४१	२४	४०	२६	६	८	२७	तुला. २७।२६	२।१०।३६।३७	५६।५५
काल	१०	बु	५४	०२	२७	१८	चित्रा	२५	४३	१५	५८	प	०/५८	५९/५६	६/२९	०४/११	तै	२४	०१	१५	१७	२३	४१	२६	७	९	२८	तुला.	२।११।३३।३२	५६।५५
ए.ब्र.	११	गु	५२	२९	२६	४०	स्वा	२६	५४	१६	२७	सि	५४	५३	२७	३८	व	२३	३०	१५	०५	२२	४१	२६	८	१०	२९	तुला.	२।१२।३०।२७	५६।५५
मातङ्ग	१२	शु	४८	५५	२५	१५	विशा	२६	०३	१६	०७	सा	४९	२४	२५	२७	ब	२०	५६	१४	०४	२२	४१	२६	९	११	३०	वृश्चि. १०।१६	२।१३।२७।२२	५६।५४
प्र.ब्र.	१३	श	४३	३२	२३	०६	अनु	२३	१८	१५	०१	शु	४२	२६	२२	४०	कौ	१६	२५	१२	१६	२१	४२	२६	१०	१२	१	वृश्चि.	२।१४।२४।१६	५६।५४
काण	१४	र	३६	३७	२०	२१	ज्ये	१८	५४	१३	१६	शु	३४	११	१९	२२	ग	१०	१४	९	४८	२०	४२	२६	११	१३	२	धनु. १३।१६	२।१५।२१।१०	५६।५४
पूर्णिमा	१५	सो	२८	३४	१७	०८	मूल	१३	१३	११	००	ब्र	२४	५८	१५	४२	वि	२	४२	६	४७	१९	४२	२६	१२	१४	३	धनु.	२।१६।१८।०४	५६।५४

केतकी अहर्गणः ४४५७ ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे, जून-जुलाई २०२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
चंद्रदर्शनम् (मु.१५), बुधास्तः पूर्वस्याम् २३।४५
श्री जगदीश रथ यात्रा, जिल्हेज १२
भ. २८।१३ उ., सायन कर्क भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ C
भ.१७।२४ या., भा.आषाढारंभः, आर्द्रा.रविः १७।२६ (सौरः २५।५४), B
[B अयन करिदिन, सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन मेष अल्पवृष्टिः
स्कंद षष्ठी, मिथुने बुधः १२।३७
भ. २४।२६ उ. [C २०।३१, मृगे बुधः ७।००, भर.-१ गुरुः १५।३९
भ. १३।२० या., अश्वि.-२ राहुः १३।०९, चित्रा.-४ केतुः १३।०९
भड़ली ९, आर्द्रा. बुधः १५।१३ [E मघा. भौमः २५।१७
मन्वादि, आशा दशमी [D आषाढी योगः, पुन. बुधः १७।५२
भ. १५।०५ उ. २६।४० या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, F
श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, हरिवासरः १६।०७ से २१।५४ तक, सिंहे E
प्रदोषः, जया पार्वती व्रतं, जुलाई ७ ता. ३१ [F गोपद्मव्रतोद्यापनं
भ. २०।२१ उ. [A गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, D
भ. ६।४७ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वायु परीक्षा, A

अयनांशाः २४।०९।५६

पं.११ आ.शु. ६ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	३	१	०	३	१०	०	६
०८	२५	२९	१३	२१	१२	०६	०६
०६	५४	२३	४९	५५	५९	४७	४७
२३	५९	१२	०१	५१	३६	२१	२१
५७	३५	१२६	११	४४	०	३	३
१४	५०	५७	०३	४४	४१	११	११
आ	श्ले	मृ	भ	श्ले	श	अ	स्वा
१	३	२	१	२	२व	३	१

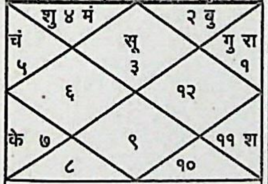

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र..स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जून	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ
०२।०३।०८।००	१ चं	१९	१।५२	३।२८	५।२४	७।३९	९।५९	१२।१६	२।३२	४।५१	७।०९	९।१४	१०।५७	१२।२६
०२।०४।०४।५८	२ मं	२०	१।४८	३।२४	५।२०	७।३५	९।५५	१२।१२	२।२८	४।४७	७।०५	९।१०	१०।५३	१२।२२
०२।०५।०१।५६	३ बु	२१	१।४४	३।२०	५।१६	७।३१	९।५१	१२।०८	२।२४	४।४३	७।०१	९।०६	१०।४९	१२।१८
०२।०५।५८।५३	४ गु	२२	१।४०	३।१६	५।१२	७।२७	९।४७	१२।०४	२।२०	४।३९	६।५८	९।०२	१०।४५	१२।१४
०२।०६।५५।५०	५ शु	२३	१।३६	३।१२	५।०८	७।२३	९।४३	१२।००	२।१६	४।३५	६।५४	८।५८	१०।४१	१२।१०
०२।०७।५२।४६	६ श	२४	१।३२	३।०८	५।०४	७।१९	९।३९	११।५६	२।१२	४।३१	६।५०	८।५४	१०।३७	१२।०६
०२।०८।४९।४२	७ र	२५	१।२८	३।०४	५।००	७।१५	९।३५	११।५२	२।०८	४।२७	६।४६	८।५०	१०।३३	१२।०२
०२।०९।४६।३७	८ चं	२६	१।२४	३।००	४।५७	७।११	९।३१	११।४८	२।०४	४।२३	६।४२	८।४६	१०।३०	११।५८
०२।१०।४३।३२	९ मं	२७	१।२०	२।५६	४।५३	७।०७	९।२७	११।४४	२।००	४।१९	६।३८	८।४२	१०।२६	११।५४
०२।११।४०।२७	१० बु	२८	१।१६	२।५२	४।४९	७।०३	९।२४	११।४०	१।५६	४।१५	६।३४	८।३८	१०।२२	११।५०
०२।१२।३७।२२	११ गु	२९	१।१२	२।४८	४।४५	७।००	९।२०	११।३६	१।५२	४।११	६।३०	८।३४	१०।१८	११।४६
०२।१३।३४।१६	१२ शु	३०	१।०८	२।४५	४।४१	६।५६	९।१६	११।३२	१।४८	४।०७	६।२६	८।३१	१०।१४	११।४२
०२।१४।३१।११	१३ श	१	१।०४	२।४१	४।३७	६।५२	९।१२	११।२९	१।४४	४।०३	६।२२	८।२७	१०।१०	११।३८
०२।१५।२८।०५	१४ र	२	१।००	२।३७	४।३३	६।४८	९।०८	११।२५	१।४०	४।००	६।१८	८।२३	१०।०६	११।३४
०२।१६।२४।५९	१५ चं	३	१२।५६	२।३३	४।२९	६।४४	९।०४	११।२१	१।३६	३।५६	६।१४	८।१९	१०।०२	११।३०

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो । कृष्णा नौमी को सोमवार होने से सुभिक्ष हो । कृष्णा चतुर्दशी में रोहिणी होने से राजयुद्ध तथा प्रजा में शोक हो । अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो । अमावस्या मृगशिरा योग सुभिक्ष और सुखद है । शुक्ला पंचमी को शुक्रवार होने से भारी तूफान चले । पूर्णिमा मूल युक्त होने से दुर्भिक्ष हो । पूर्णिमा १५ घटी से अधिक होने से चौमासे भर सुभिक्ष हो । कृत्तिका में बुध होने से विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो तथा प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो । सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें ।

अयनांशाः २४।०९।५७

पं.१२ आ.शु.१३ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	०	३	१०	०	६
१४	००	१४	१५	२६	१२	०६	०६
४६	०६	३२	०४	४८	५२	२५	२५
५७	३८	४१	१८	४०	४९	०६	०६
५७	३६	१३९	१०	३७	१	३	३
१३	०७	०८	२१	३६	२१	११	११
आ	म	आ	भ	श्ले	श	अ	चि
३	१	३	१	४	२व	२	४

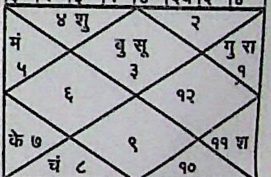

४ जुलाई से १७ जुलाई तक, श्री प्र.श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमासू. सू. तारीख																												स्टै.	प्रातः	दैनिक	वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति गुर्जराः, जुलाई २०२३
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मित्र	१	मं	१९	४९	१३	३८	पूषा	५६/५९	४१/४७	२८/२९	२३/२८	ऐ	१५	०७	११	४६	कौ	१९	४९	१३	३८	३४/५८	५/४३	७/२६	१३	१५	४	मक. १३।४२	२।१७।१४।५९	५६।५४	नक्त व्रतारंभः [C मासारंभः, कर्के सौरः १६।२२
बृहत्तल्पा	२	बु	१०	४७	१०	०२	श्रव	५२	५६	२६	५४	वै	५/५५	०३/०४	७/२७	४४/४५	ग	१०	४७	१०	०२	१७	४३	२६	१४	१६	५	मक.	२।१८।११।५३	५६।५४	भ. २०।१५ उ., बृहत्तल्पा
च.व्र.	३	गु	१	५६	६	३०	घनि	४६	३७	२४	२३	प्री	४५	३१	२३	५६	वि	१	५६	६	३०	१६	४४	२६	१५	१७	६	कुंभे १३।३६	२।१९।०८।४७	५६।५४	भ. ६।३० या., पंचक प्रारम्भः १३।३६, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः A
क्षयः	४	गु	५३	४०	२७	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A २२।२०, पुन. रविः १७।०३ (सौरः २७।२०), सिंहे मघा. B
सौम्य	५	शु	४६	२२	२४	१७	शत	४१	१३	२२	१३	आ	३६	४३	२०	२५	कौ	१९	५२	१३	४१	१४	४४	२६	१६	१८	७	कुंभे	२।२०।०५।४१	५६।५४	नागपञ्चमी (मरु.)
काल	६	श	४०	१६	२१	५१	पूभा	३७	०१	२०	३३	सौ	२८	५५	१७	१८	ग	१३	०८	११	००	१३	४४	२६	१७	१९	८	मीने १४।५५	२।२१।०२।३६	५६।५५	भ. २९।५९ उ., कर्के बुधः ११।३७
सुस्थिर	७	र	३५	३५	१९	५९	उभा	३४	१५	१९	२७	शो	२२	१५	१४	३९	वि	७	४४	८	५०	११	४५	२५	१८	२०	९	मीने	२।२१।५९।३०	५६।५५	भ. ८।५० या., पुष्ये बुधः २७।०३
मातङ्ग	८	सो	३२	२६	१८	४४	रेव	३२	५८	१८	५६	अ	१६	४९	१२	२९	वा	३	४८	७	१७	१०	४५	२५	१९	२१	१०	मेषे १८।५६	२।२२।५६।२५	५६।५५	पंचक समाप्तिः १८।५६, भर.-२ गुरुः २२।४०
अमृत	९	मं	३०	४६	१८	०४	अश्वि	३३	१०	१९	०२	सु	१२	३६	१०	४८	तै	१	२५	६	२०	०८	४६	२५	२०	२२	११	मेषे	२।२३।५३।२०	५६।५५	[B शुक्रः १७।४७, सं.स्त्री.पु.चं.चं.वाहन स्वर वर्षाश्रेष्ठः
काण	१०	बु	३०	३२	१७	५९	भर	३४	४७	१९	४१	धृ	९	३३	९	३५	व	०	२८	५	५८	०६	४६	२५	२१	२३	१२	वृषे २५।५६	२।२४।५०।१५	५६।५६	भ. ५।५८ उ. १७।५९ या., बुधोदयः पश्चिमायाम् १५।३०
ए.व्र.	११	गु	३१	३५	१८	२५	कृति	३७	३८	२०	५०	शू	७	३४	८	४८	व	०	५४	६	०८	०५	४७	२५	२२	२४	१३	वृषे	२।२५।४७।११	५६।५६	कामिका ११ व्र.
मित्र	१२	शु	३३	४५	१९	१७	रोहि	४१	३४	२२	२५	गं	६	३०	८	२३	कौ	२	३२	६	४८	०३	४७	२४	२३	२५	१४	वृषे	२।२६।४४।०७	५६।५६	[D श्लेषा. बुधः २७।२७
प्र.व्र.	१३	श	३६	५४	२०	३३	मृग	४६	२५	२४	२२	वृ	६	१५	८	१८	ग	५	१२	७	५२	०१	४८	२४	२४	२६	१५	मिथु. ११।२१	२।२७।४१।०३	५६।५७	भ. २०।३३ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
ध्वाङ्क्ष	१४	र	४०	५२	२२	०९	आर्द्रा	५२	०३	२६	३७	ध्रु	६	४२	८	२९	वि	८	४६	९	१९	३३/५९	४८	२४	२५	२७	१६	मिथु.	२।२८।३८।००	५६।५७	भ. ९।१९ या., कर्के रविः २८।४६, निरयन दक्षिणायनारंभः, D
अमाव.	३०	सो	४५	३२	२४	०१	पुन	५८	२१	२९	०९	व्या	७	४४	८	५४	च	१३	०५	११	०३	५७	४९	२३	२६	२८	१७	कर्के २२।३०	२।२९।३४।५७	५६।५८	देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०, सोमवती अमा., अधिक C

अयनांशाः २४।०९।५८

पं.१३ प्र.श्रा.कृ. ६ श.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	२	०	४	१०	०	६
२१	०४	२९	१६	००	१२	०६	०६
२७	२०	३०	१४	४५	४१	०२	०२
२६	१८	०१	२५	१६	२५	५०	५०
५७	३६	१२२	९	२८	२	३	३
१३	२४	४०	३४	१६	००	११	११
पुन	म	पुन	म	म	श	अ	चि
१	२	३	१	१	२व	२	४

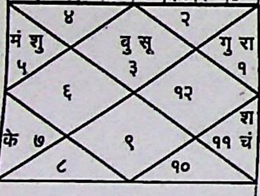

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	जुला	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ
०२।१७।२१।५३	१ मं	४	१२।५३	२।२९	४।२५	६।४०	९।००	११।१७	१।३३	३।५२	६।१०	८।१५	९।५८	११।२७
०२।१८।१८।४७	२ बु	५	१२।४९	२।२५	४।२१	६।३६	८।५६	११।१३	१।२९	३।४८	६।०६	८।११	९।५४	११।२३
०२।१९।१५।४१	३ गु	६	१२।४५	२।२१	४।१७	६।३२	८।५२	११।०९	१।२५	३।४४	६।०२	८।०७	९।५०	११।१९
०२।२०।१२।३५	५ शु	७	१२।४१	२।१७	४।१३	६।२८	८।४८	११।०५	१।२१	३।४०	५।५८	८।०३	९।४६	११।१५
०२।२१।०९!३०	६ श	८	१२।३७	२।१३	४।०९	६।२४	८।४४	११।०१	१।१७	३।३६	५।५४	७।५९	९।४२	११।११
०२।२२।०६।२४	७ र	९	१२।३३	२।०९	४।०५	६।२०	८।४०	१०।५७	१।१३	३।३२	५।५१	७।५५	९।३८	११।०७
०२।२३।०३।१९	८ चं	१०	१२।२९	२।०५	४।०१	६।१६	८।३६	१०।५३	१।०९	३।२८	५।४७	७।५१	९।३४	११।०३
०२।२४।००।१४	९ मं	११	१२।२५	२।०१	३।५७	६।१२	८।३२	१०।४९	१।०५	३।२४	५।४३	७।४७	९।३०	१०।५९
०२।२४।५७।०९	१० बु	१२	१२।२१	१।५७	३।५३	६।०८	८।२८	१०।४५	१।०१	३।२०	५।३९	७।४३	९।२६	१०।५५
०२।२५।५४।०४	११ गु	१३	१२।१७	१।५३	३।५०	६।०४	८।२४	१०।४१	१२।५७	३।१६	५।३५	७।३९	९।२२	१०।५१
०२।२६।५१।००	१२ शु	१४	१२।१३	१।४९	३।४६	६।००	८।२०	१०।३७	१२।५३	३।१२	५।३१	७।३५	९।१९	१०।४७
०२।२७।४७।५७	१३ श	१५	१२।०९	१।४५	३।४२	५।५६	८।१६	१०।३३	१२।४९	३।०८	५।२७	७।३१	९।१५	१०।४३
०२।२८।४४।५३	१४ र	१६	१२।०५	१।४१	३।३८	५।५२	८।१३	१०।२९	१२।४५	३।०४	५।२३	७।२७	९।११	१०।३९
०२।२९।४१।५०	३० चं	१७	१२।०१	१।३७	३।३४	५।४९	८।०९	१०।२५	१२।४१	३।००	५।१९	७।२३	९।०७	१०।३५

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०२३

प्र.श्रा. कृ. १४ रवौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।४६ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः चतुष्पादकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं मेषवाहनं महिषोपवाहनं पीड़ाकारक कंबलवस्त्रं अंकुशायुधं करपात्रं मधुभक्षणं अंजनलेपनं वैश्यजातिः मल्लिकापुष्पं नीलभूषणं चर्मकंचुकी अतिवंध्यावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभोऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १६।४६ से २८।४६ तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २४।०९।५९

पं.१४ प्र.श्रा.कृ.१३ श.इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	३	०	४	१०	०	६
२८	०८	१३	१७	०३	१२	०५	०५
०८	३५	११	१८	२८	२५	४०	४०
००	५६	५९	४८	३५	३८	३४	३४
५७	३६	११०	८	१६	२	३	३
१४	४१	१५	४२	११	३६	११	११
पुन	म	पु	भ	म	श	अ	चि
३	३	३	२	२	२व	२	४

१८ जुलाई से १ अगस्त तक, श्री प्र.श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मृ.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	मं	५०	४८	२६	०९	पुष्य	...	...	...	...	ह	९	१७	९	३२	किं	१८	०६	१३	०३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२७	२९	१८	कर्क	३।००।३१।५४	५६।५८
मातङ्ग	२	बु	५६	३६	२८	२८	पुष्य	५	१२	७	५४	व	११	१५	१०	२०	वा	२३	३८	१५	१७	५२	५०	२३	२८	३०	१९	कर्क	३।०१।२८।५२	५६।५९
अमृत	३	गु	...	...	...	...	श्ले	१२	३१	१०	५१	सि	१३	३५	११	१६	तै	२९	३७	१७	४१	५०	५०	२२	२९	१	२०	सिंहे १०।५१	३।०२।२५।५१	५६।५९
काण	३	शु	२	४१	६	५५	मघा	२०	०६	१३	५३	व्य	१६	०८	१२	१८	ग	२	४१	६	५५	४८	५१	२२	३०	२	२१	सिंहे	३।०३।२२।५१	५७।००
लुम्बक	४	श	८	५०	९	२३	पूफा	२७	३७	१६	५४	व	१८	३८	१३	१८	वि	८	५०	९	२३	४५	५१	२१	३१	३	२२	कन्या २३।३८	३।०४।१९।५१	५७।०१
मित्र	५	र	१४	३७	११	४३	उफा	३४	३८	१९	४३	प	२०	४८	१४	११	वा	१४	३७	११	४३	४३	५२	२१	१	४	२३	कन्या	३।०५।१६।५१	५७।०१
वज्र	६	सो	१९	३२	१३	४१	हस्त	४०	४२	२२	०९	शि	२२	१६	१४	४७	तै	१९	३२	१३	४१	४०	५२	२१	२	५	२४	कन्या	३।०६।१३।५३	५७।०२
ध्वाङ्क्ष	७	मं	२३	०६	१५	०७	चित्रा	४५	१८	२४	००	सि	२२	४१	१४	५७	व	२३	०६	१५	०७	३८	५३	२०	३	६	२५	तुला. ११।०९	३।०७।१०।५५	५७।०३
धूम्र	८	बु	२४	५४	१५	५१	स्वा	४८	०५	२५	०७	सा	२१	४३	१४	३५	ब	२४	५४	१५	५१	३५	५३	२०	४	७	२६	तुला.	३।०८।०७।५८	५७।०४
प्रवर्धमा	९	गु	२४	४१	१५	४६	विशा	४८	४९	२५	२६	शु	१९	११	१३	३४	कौ	२४	४१	१५	४६	३३	५४	१९	५	८	२७	वृश्चि. १९।२६	३।०९।०५।०२	५७।०५
राक्षस	१०	शु	२२	२०	१४	५०	अनु	४७	२६	२४	५३	शु	१४	५६	११	५३	ग	२२	२०	१४	५०	३०	५४	१८	६	९	२८	वृश्चि.	३।१०।०२।०६	५७।०६
ए.व्र.	११	श	१७	५४	१३	०५	ज्ये	४४	०४	२३	३३	ब्र	८	५९	९	३०	वि	१७	५४	१३	०५	२७	५५	१८	७	१०	२९	धनु. २३।३३	३।१०।५९।१२	५७।०७
प्र.व्र.	१२	र	११	३६	१०	३४	मूल	३८	५८	२१	३१	ऐ	१/५२	२७/३७	६/२६	३०/५८	वा	११	३६	१०	३४	२४	५६	१७	८	११	३०	धनु.	३।११।५६।१८	५७।०७
उत्पात	१३	सो	३	४५	७	२६	पूषा	३२	३१	१८	५७	वि	४२	४५	२३	०२	तै	३	४५	७	२६	२१	५६	१७	९	१२	३१	मक. २४।१४	३।१२।५३।२६	५७।०९
क्षयः	१४	सो	५४	४८	२७	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	मं	४५	१०	२४	०१	उषा	२५	११	१६	०१	प्री	३२	११	१८	४९	वि	२०	०२	१३	५७	१८	५७	१६	१०	१३	१	मक.	३।१३।५०।३४	५७।१०

केतकी अहर्गणः ४४८६ वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे, जुलाई-अगस्त २०२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।

चंद्रदर्शनम् (मु.१५)
मोहोर्रम १ सन १४४५ हि., पुष्ये रविः १६।३७ A
भ. २०।१० उ.
भ. ९।२३ या., पूफा. भौमः २३।०३
भा. श्रावणारंभः, सायन सिंहे भानुः ७।२९, वक्री शुक्रः १७।४६
सिंहे मघा. बुधः २७।१७
भ. १५।०७ उ. २७।३५ या.
[B तिलकपुण्यतिथि

भ. २६।०३ उ.
भ. १३।०५ या., कमला ११ व्र.
प्रदोषः
भ. २७।५१ उ.
[A (सौरः २८।३९), सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन मण्डूक अल्पवृष्टिः
भ. १३।५७ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, अगस्त ८ ता. ३१, B

अयनांशाः २४।१०।००

पं.१५ प्र.श्रा.शु. ४ श.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	३	०	४	१०	०	६
०४	१२	२५	१८	०४	१२	०५	०५
४८	५३	२४	१६	३८	०५	१८	१८
४९	३२	४०	५३	२५	४९	१८	१८
५७	३६	९७	७	१	३	३	३
१८	५८	०५	४५	१०	०८	११	११
पु	म	श्ले	भ	म	श	अ	चि
१	४	३	२	२	२व	२	४

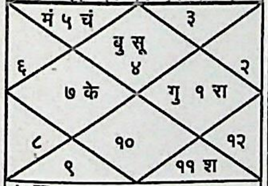

५ शु

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जुला	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क प्रातः	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर सायं	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
०३।००।३८।४८	१ मं	१८	११।५७	१।३४	३।३०	५।४५	८।०५	१०।२१	१२।३७	२।५६	५।१५	७।२०	९।०३	१०।३१
०३।०१।३५।४६	२ बु	१९	११।५३	१।३०	३।२६	५।४१	८।०१	१०।१८	१२।३३	२।५३	५।११	७।१६	८।५९	१०।२७
०३।०२।३२।४५	३ गु	२०	११।४९	१।२६	३।२२	५।३७	७।५७	१०।१४	१२।२९	२।४९	५।०७	७।१२	८।५५	१०।२३
०३।०३।२९।४४	३ शु	२१	११।४५	१।२२	३।१८	५।३३	७।५३	१०।१०	१२।२५	२।४५	५।०३	७।०८	८।५१	१०।१९
०३।०४।२६।४४	४ श	२२	११।४२	१।१८	३।१४	५।२९	७।४९	१०।०६	१२।२२	२।४१	४।५९	७।०४	८।४७	१०।१६
०३।०५।२३।४५	५ र	२३	११।३८	१।१४	३।१०	५।२५	७।४५	१०।०२	१२।१८	२।३७	४।५५	७।००	८।४३	१०।१२
०३।०६।२०।४६	६ चं	२४	११।३४	१।१०	३।०६	५।२१	७।४१	९।५८	१२।१४	२।३३	४।५१	६।५६	८।३९	१०।०८
०३।०७।१७।४८	७ मं	२५	११।३०	१।०६	३।०२	५।१७	७।३७	९।५४	१२।१०	२।२९	४।४७	६।५२	८।३५	१०।०४
०३।०८।१४।५१	८ बु	२६	११।२६	१।०२	२।५८	५।१३	७।३३	९।५०	१२।०६	२।२५	४।४३	६।४८	८।३१	१०।००
०३।०९।११।५५	९ गु	२७	११।२२	१२।५८	२।५४	५।०९	७।२९	९।४६	१२।०२	२।२१	४।४०	६।४४	८।२७	९।५६
०३।१०।०९।००	१० शु	२८	११।१८	१२।५४	२।५०	५।०५	७।२५	९।४२	११।५८	२।१७	४।३६	६।४०	८।२३	९।५२
०३।११।०६।०६	११ श	२९	११।१४	१२।५०	२।४६	५।०१	७।२१	९।३८	११।५४	२।१३	४।३२	६।३६	८।१९	९।४८
०३।१२।०३।१२	१२ र	३०	११।१०	१२।४६	२।४२	४।५७	७।१७	९।३४	११।५०	२।०९	४।२८	६।३२	८।१५	९।४४
०३।१३।००।२०	१३ चं	३१	११।०६	१२।४२	२।३९	४।५३	७।१३	९।३०	११।४६	२।०५	४।२४	६।२८	८।११	९।४०
०३।१३।५७।२८	१५ मं	१	११।०२	१२।३८	२।३५	४।४९	७।०९	९।२६	११।४२	२।०१	४।२०	६।२४	८।०८	९।३६

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो तथा दुर्भिक्ष हो ॥ पंचभौमेभयंमहत् ॥ कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों । कृष्णा एकादशी को कृत्तिका होने से मध्यम फल हो । कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो । सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो । शुक्ल में चतुर्दशी तिथि क्षय होने से कार्तिक में छत्रभंग हो । पूर्णिमा उत्तराषाढा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो । रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महंगे हों ।

अयनांशाः २४।१०।०१

पं.१६ प्र.श्रा.शु.११ श.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	४	०	४	१०	०	६
११	१७	०६	१९	०३	११	०४	०४
३०	१३	०२	०८	५६	४२	५६	५६
०५	०६	५९	०१	१४	२४	०३	०३
५७	३७	८३	६	१५	३	३	३
२२	१४	१०	४२	४४	३७	११	११
पु	पूफा	म	भ	म	श	अ	चि
३	२	२	२	२व	२व	२	४

५ शु

२ अगस्त से १६ अगस्त तक, श्री द्वि.श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमासू. सू. तारीख																												स्टै.	प्रातः	दैनिक	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र.श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, अगस्त २०२३
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
छत्र	१	बु	३५	२०	२०	०५	श्रव	१७	२७	१२	५६	आ	२१	२२	१४	३०	बा	१०	१४	१०	०३	३३/५५	५/५७	७/१५	११	१४	२	कुंभे २३।२४	३।१४।४७।४४	५७।११	पंचक प्रारम्भः २३।२४
श्रीवत्स	२	गु	२५	४६	१६	१६	धनि	९	५१	९	५४	सौ	१०	४०	१०	१४	तै	०	२९	६	०९	१२	५८	१५	१२	१५	३	कुंभे	३।१५।४४।५५	५७।१२	भ.२६।२८ उ., शुक्रास्तः पश्चिमायाम् १४।१९, A
च.व्र.	३	शु	१६	५७	१२	४५	शत	२/५६	५०/५२	७/२८	०६/४३	शो	०/५१	२९/४०	६/२६	५०/२६	वि	१६	५७	१२	४५	०९	५८	१४	१३	१६	४	मीने २३।१६	३।१६।४२।०६	५७।१३	भ. १२।४५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।२९
धूम्र	४	श	९	१४	९	४०	उभा	५२	१६	२६	५३	सु	४२	५६	२३	०९	वा	९	१४	९	४०	०६	५९	१३	१४	१७	५	मीने	३।१७।३९।१९	५७।१४	
प्रवर्धमा	५	र	२	५८	७	११	रेव	४९	१९	२५	४३	धृ	३६	०२	२०	२४	तै	२	५८	७	११	०३	५९	१२	१५	१८	६	मेषे २५।४३	३।१८।३६।३३	५७।१५	भ. २९।२१ उ., पंचक समाप्तिः २५।४३, भर.-३ गुरुः १८।०९
क्षयः	६	र	५८	२४	२९	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A श्लेषा. रविः १५।३३ (सौरः २९।०५), पूफा. बुधः B
राक्षस	७	सो	५५	३८	२८	१५	अश्वि	४८	०८	२५	१५	शू	३०	३४	१८	१३	वि	२६	४६	१६	४२	३२/५९	६/००	१२	१६	१९	७	मेषे	३।१९।३३।४९	५७।१७	भ. १६।४२ या., (व) कर्के श्लेषा. शुक्रः १६।०३
मुसल	८	मं	५४	३९	२७	५२	भर	४८	४४	२५	३०	गं	२६	३४	१६	३८	बा	२४	५४	१५	५८	५६	००	११	१७	२०	८	मेषे	३।२०।३१।०५	५७।१८	[B १९।४७, सं.स्त्री.पु.चं.सू.वाहन महिष वर्षाश्रेष्ठः
सिद्धि	९	बु	५५	२४	२८	१०	कृति	५१	०३	२६	२६	वृ	२३	५९	१५	३६	तै	२४	४८	१५	५६	५३	०१	१०	१८	२१	९	वृषे ७।४०	३।२१।२८।२३	५७।१९	
उत्पात	१०	गु	५७	४०	२९	०५	रोहि	५४	५२	२७	५८	ध्रु	२२	४०	१५	०५	व	२६	२०	१६	३३	५०	०१	०९	१९	२२	१०	वृषे	३।२२।२५।४२	५७।२१	भ. १६।३३ उ. २९।०५ या.
मानस	११	शु	...	...	...	...	मृग	५९	५५	३०	००	व्या	२२	२८	१५	०१	व	२९	१७	१७	४५	४६	०२	०८	२०	२३	११	मिथु. १६।५६	३।२३।२३।०३	५७।२२	
ए.व्र.	११	श	१	१२	६	३१	आर्द्रा	...	...	...	...	ह	२३	११	१५	१९	बा	१	१२	६	३१	४३	०२	०८	२१	२४	१२	मिथु.	३।२४।२०।२५	५७।२३	कमला ११ व्र.
प्र.व्र.	१२	र	५	४४	८	२०	आर्द्रा	५	५६	८	२५	व	२४	३४	१५	५३	तै	५	४४	८	२०	३९	०३	०७	२२	२५	१३	कर्के २८।२५	३।२५।१७।४८	५७।२५	प्रदोषः, उफा. भौमः ८।३७
धूम्र	१३	सो	१०	५९	१०	२७	पुन	१२	३८	११	०७	सि	२६	२६	१६	३८	व	१०	५९	१०	२७	३६	०३	०६	२३	२६	१४	कर्के	३।२६।१५।१३	५७।२६	भ. १०।२७ उ. २३।३५ या., मासिकशिवरात्री व्र.
प्रवर्धमा	१४	मं	१६	४१	१२	४५	पुष्य	१९	४६	१३	५८	व्य	२८	३७	१७	३१	श	१६	४१	१२	४५	३२	०४	०५	२४	२७	१५	कर्के	३।२७।१२।३९	५७।२८	भारतीयस्वतंत्रतादिवस
अमाव.	३०	बु	२२	४०	१५	०९	श्ले	२७	०९	१६	५६	व	३०	५७	१८	२७	ना	२२	४०	१५	०९	२९	०४	०४	२५	२८	१६	सिंहे १६।५६	३।२८।१०।०७	५७।२९	देवपितृकार्येऽमा., अधिक मास समाप्तिः

शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

अयनांशाः २४।१०।०२

पं.१७ द्वि.श्रा.कृ. ४ श.इष्टघटी ०।०८							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	४	०	४	१०	०	६
१८	२१	१५	१९	०१	११	०४	०४
११	३४	०१	५१	१७	१५	३३	३३
५७	३८	२३	४०	५४	५५	४६	४६
५७	३७	६८	५	३०	४	३	३
२८	३१	१९	३५	५७	००	११	११
श्ले	पूफा	पूफा	भ	म	श	अ	चि
१	३	१	२	१व	२व	२	४

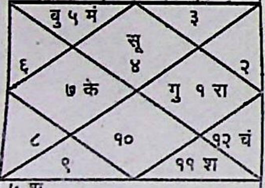

५ शु

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ
०३।१४।५४।३८	१ बु	२	१०।५८	१२।३४	२।३१	४।४५	७।०५	९।२२	११।३८	१।५७	४।१६	६।२०	८।०४	९।३२
०३।१५।५१।४८	२ गु	३	१०।५४	१२।३०	२।२७	४।४१	७।०२	९।१८	११।३४	१।५३	४।१२	६।१६	८।००	९।२८
०३।१६।४९।००	३ शु	४	१०।५०	१२।२६	२।२३	४।३८	६।५८	९।१४	११।३०	१।४९	४।०८	६।१२	७।५६	९।२४
०३।१७।४६।१३	४ श	५	१०।४६	१२।२३	२।१९	४।३४	६।५४	९।११	११।२६	१।४५	४।०४	६।०९	७।५२	९।२०
०३।१८।४३।२७	५ र	६	१०।४२	१२।१९	२।१५	४।३०	६।५०	९।०७	११।२२	१।४२	४।००	६।०५	७।४८	९।१६
०३।१९।४०।४३	७ चं	७	१०।३८	१२।१५	२।११	४।२६	६।४६	९।०३	११।१८	१।३८	३।५६	६।०१	७।४४	९।१२
०३।२०।३७।५९	८ मं	८	१०।३४	१२।११	२।०७	४।२२	६।४२	८।५९	११।१४	१।३४	३।५२	५।५७	७।४०	९।०८
०३।२१।३५।१७	९ बु	९	१०।३१	१२।०७	२।०३	४।१८	६।३८	८।५५	११।११	१।३०	३।४८	५।५३	७।३६	९।०५
०३।२२।३२।३७	१० गु	१०	१०।२७	१२।०३	१।५९	४।१४	६।३४	८।५१	११।०७	१।२६	३।४४	५।४९	७।३२	९।०१
०३।२३।२९।५७	११ शु	११	१०।२३	११।५९	१।५५	४।१०	६।३०	८।४७	११।०३	१।२२	३।४०	५।४५	७।२८	८।५७
०३।२४।२७।१९	११ श	१२	१०।१९	११।५५	१।५१	४।०६	६।२६	८।४३	१०।५९	१।१८	३।३६	५।४१	७।२४	८।५३
०३।२५।२४।४३	१२ र	१३	१०।१५	११।५१	१।४७	४।०२	६।२२	८।३९	१०।५५	१।१४	३।३२	५।३७	७।२०	८।४९
०३।२६।२२।०७	१३ चं	१४	१०।११	११।४७	१।४३	३।५८	६।१८	८।३५	१०।५१	१।१०	३।२९	५।३३	७।१६	८।४५
०३।२७।१९।३४	१४ मं	१५	१०।०७	११।४३	१।३९	३।५४	६।१४	८।३१	१०।४७	१।०६	३।२५	५।२९	७।१२	८।४१
०३।२८।१७।०२	३० बु	१६	१०।०३	११।३९	१।३५	३।५०	६।१०	८।२७	१०।४३	१।०२	३।२१	५।२५	७।०८	८।३७

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो ॥ बुधेरसक्षयोभूम्यां ॥ कृ. प्रतिपदा को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो, छत्रभंग हो। मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष हो। बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष-राज्यनाश-प्रजा को दुःख-स्थानत्याग और कम धान्य हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।१०।०३

पं.१८ द्वि.श्रा.कृ.११ श.इष्टघटी०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	४	४	०	३	१०	०	६
२४	२५	२२	२०	२७	१०	०४	०४
५४	५८	०८	२७	१२	४७	११	११
३५	०९	४९	१४	१९	०१	३०	३०
५७	३७	५०	४	३८	४	३	३
३६	४९	२३	२३	३६	१७	११	११
श्ले	पूफा	पूफा	भ	श्ले	श	अ	चि
३	४	३	३	४व	२व	२	४

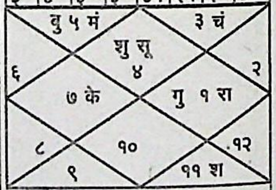

१७ अगस्त से ३१ अगस्त तक, श्री द्वि.श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
मुसल	१	गु	२८	४४	१७	३५	मघा	३४	३६	१९	५५	प	३३	२१	१९	२६	ब	२८	४४	१७	३५	३२/३५	६/०५	७/०३	२६	२९	१७	सिंहे	३।२९।०७।३६	५७।३१
सिंधारा	२	शु	३४	४३	१९	५९	पूफा	४१	५८	२२	५३	शि	३५	४१	२०	२२	बा	१	४५	६	४७	२१	०६	०२	२७	३०	१८	कन्या २९।३६	४।००।०५।०७	५७।३२
तीज	३	श	४०	२४	२२	१६	उफा	४९	०१	२५	४२	सि	३७	४७	२१	१३	तै	७	३७	९	०९	१८	०६	०१	२८	१	१९	कन्या	४।०१।०२।३९	५७।३४
मानस	४	र	४५	३०	२४	१९	हस्त	५५	२७	२८	१७	सा	३९	२६	२१	५३	व	१३	०३	११	२०	१४	०७	००	२९	२	२०	कन्या	४।०२।००।१३	५७।३६
मुद्गर	५	सो	४९	३८	२५	५८	चित्रा	...	...	...	...	शु	४०	२१	२२	१५	ब	१७	४१	१३	१२	१०	०७	६/५	३०	३	२१	तुला. १७।२६	४।०२।५७।४९	५७।३७
ध्वाङ्क्ष	६	मं	५२	२४	२७	०५	चित्रा	०	५१	६	२८	शु	४०	१६	२२	१४	कौ	२१	११	१४	३६	०७	०७	५८	३१	४	२२	तुला.	४।०३।५५।२६	५७।३९
धूम्र	७	बु	५३	२८	२७	३१	स्वा	४	५४	८	०६	ब्र	३८	५५	२१	४२	ग	२३	०८	१५	२३	०३	०८	५७	१	५	२३	वृश्चि. २६।५३	४।०४।५३।०५	५७।४१
प्रवर्धमा	८	गु	५२	३८	२७	१२	विशा	७	१६	९	०३	ऐ	३६	०५	२०	३४	वि	२३	१७	१५	२७	३१/५९	०८	५६	२	६	२४	वृश्चि.	४।०५।५०।४६	५७।४३
राक्षस	९	शु	४९	४८	२६	०४	अनु	७	४२	९	१४	वै	३१	४०	१८	४९	बा	२१	२६	१४	४४	५५	०९	५५	३	७	२५	वृश्चि.	४।०६।४८।२९	५७।४४
मुसल	१०	श	४५	००	२४	१०	ज्ये	६	१०	८	३७	वि	२५	३९	१६	२५	तै	१७	३७	१३	१२	५२	०९	५४	४	८	२६	धनू. ८।३७	४।०७।४६।१३	५७।४६
ए.व्र.	११	र	३८	२९	२१	३४	मूल	२/५७	४५/४३	७/२९	१६/१५	प्री	१८	०८	१३	२५	व	११	५६	१०	५६	४८	१०	५३	५	९	२७	धनु.	४।०८।४३।५९	५७।४८
प्र.व्र.	१२	सो	३०	३३	१८	२४	उषा	५१	२०	२६	४२	आ	९/५९	३०/३३	९/३०	५५/००	व	४	४०	८	०२	४४	१०	५२	६	१०	२८	मक. १०।३९	४।०९।४१।४७	५७।५०
लुम्बक	१३	मं	२१	३४	१४	४८	श्रव	४४	०५	२३	४९	शो	४९	०४	२५	४९	तै	२१	३४	१४	४८	४०	११	५१	७	११	२९	मक.	४।१०।३९।३७	५७।५२
नारियल	१४	बु	११	५९	१०	५९	धनि	३६	२६	२०	४६	अ	३८	१७	२१	३०	व	११	५९	१०	५९	३६	११	५०	८	१२	३०	कुंभे १०।१८	४।११।३७।२९	५७।५४
पूर्णिमा	१५	गु	२	१५	७	०६	शत	२८	५२	१७	४४	सु	२७	३६	१७	१४	ब	२	१५	७	०६	३२	१२	४९	९	१३	३१	कुंभे	४।१२।३५।२३	५७।५६

केतकी अहर्गणः ४५१६ वर्षर्तू रविर्दक्षिणे, अगस्त २०२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सिंहे मघा.रविः १३।१६ (सौरः २७।५७),सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं.वाहन अश्व L
चंद्रदर्शनम् (मु.३०),शृंगार **शुक्रोदयः पूर्वस्याम् १५।११** D
तीज, स्वर्णगौरी व्र.,मधुश्रवाव्र.(गुजरे),सुकृत तृतीया व्र.,सफर २
भ.११।२० उ.२४।१९ या.,वरद चतुर्थी,दूर्वा गणपति व्र., सामवेदि उपाकर्म
नागपञ्चमी,नागदष्टव्र.,रोटक व्रतारंभः,सोमेश्वरपूजनं [L अल्पवृष्टिः
कल्कीजयंती, वर्णषष्ठी,(व) शत.-१ शनिः २१।४६ [F कन्यायां I
भ.२७।३१ उ.,शीतला,तुलसी जयंती, मा.भाद्रपदारंभः, सायन F
भ.१५।२७ या., दुर्गाष्टमी, वक्री बुधः १५।३० [I भानुः १४।४३, K
[D (सिंधारा) देशाचारे,कन्यायां भौमः १५।१०,उफा.बुधः २२।५१,
[G अश्वि.-१ राहुः १०।५०,चित्रा.-३ केतुः१०।५०,अगस्त्योदयः १३।१०
भ. १०।५६ उ. २१।३४ या., पवित्रा ११ व्र. [A नारियल १५, C
प्रदोषः,दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, (व) पूफा. बुधः २५।११, G
ऋग्वेदि उपाकर्म [K बुधास्तः पश्चिमायाम् १९।३० [C पूर्णिमा व्रतं, E
भ.१०।५९ उ.२१।०२ या.,पंचक प्रारम्भः १०।१८,हयग्रीवजयंती, A
पूर्णिमा पुण्यं, रक्षाबंधनं (पूरा दिन शुद्ध है), श्रावणी (मरु), B

[E सूणमाण्डणा (भद्रा के पूर्व), यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय, बौधायन,काण्वमध्यन्दिन (कात्या.),अथर्ववेदि उपाकर्म [B आपस्तंभ उपाकर्म, पूफा.रविः ९।१६ (सौरः २४।४१), सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहन चातक वर्षाश्रेष्ठः

अयनांशाः २४।१०।०४

पं.१९ द्वि.श्रा.शु. ३ श.इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	०	३	१०	०	६
०१	००	२६	२०	२२	१०	०३	०३
३८	२३	४८	५४	४७	१६	४९	४९
०९	४१	३३	०८	१९	२४	१५	१५
५७	३८	२३	३	३४	४	३	३
४४	०६	४४	०६	३८	२८	११	११
म	उफा	उफा	भ	श्ले	श	अ	चि
१	२	१	३	२व	२व	२	४

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अग.	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ
०३।२९।१४।३१	१ गु	१७	९।५९	११।३५	१।३१	३।४६	६।०६	८।२३	१०।३९	१२।५८	३।१७	५।२१	७।०४	८।३३
०४।००।१२।०२	२ शु	१८	९।५५	११।३१	१।२८	३।४२	६।०२	८।१९	१०।३५	१२।५४	३।१३	५।१७	७।०१	८।२९
०४।०१।०९।३५	३ श	१९	९।५१	११।२७	१।२४	३।३८	५।५८	८।१५	१०।३१	१२।५०	३।०९	५।१३	६।५७	८।२५
०४।०२।०७।०९	४ र	२०	९।४७	११।२३	१।२०	३।३४	५।५५	८।११	१०।२७	१२।४६	३।०५	५।०९	६।५३	८।२१
०४।०३।०४।४५	५ चं	२१	९।४३	११।१९	१।१६	३।३०	५।५१	८।०७	१०।२३	१२।४२	३।०१	५।०५	६।४९	८।१७
०४।०४।०२।२२	६ मं	२२	९।३९	११।१५	१।१२	३।२७	५।४७	८।०३	१०।१९	१२।३८	२।५७	५।०२	६।४५	८।१३
०४।०५।००।०१	७ बु	२३	९।३५	११।१२	१।०८	३।२३	५।४३	८।००	१०।१५	१२।३४	२।५३	४।५८	६।४१	८।०९
०४।०५।५७।४२	८ गु	२४	९।३१	११।०८	१।०४	३।१९	५।३९	७।५६	१०।११	१२।३१	२।४९	४।५४	६।३७	८।०५
०४।०६।५५।२५	९ शु	२५	९।२७	११।०४	१।००	३।१५	५।३५	७।५२	१०।०७	१२।२७	२।४५	४।५०	६।३३	८।०१
०४।०७।५३।१०	१० श	२६	९।२४	११।००	१२।५६	३।११	५।३१	७।४८	१०।०४	१२।२३	२।४१	४।४६	६।२९	७।५७
०४।०८।५०।५६	११ र	२७	९।२०	१०।५६	१२।५२	३।०७	५।२७	७।४४	१०।००	१२।१९	२।३७	४।४२	६।२५	७।५४
०४।०९।४८।४४	१२ चं	२८	९।१६	१०।५२	१२।४८	३।०३	५।२३	७।४०	९।५६	१२।१५	२।३३	४।३८	६।२१	७।५०
०४।१०।४६।३४	१३ मं	२९	९।१२	१०।४८	१२।४४	२।५९	५।१९	७।३६	९।५२	१२।११	२।२९	४।३४	६।१७	७।४६
०४।११।४४।२६	१४ बु	३०	९।०८	१०।४४	१२।४०	२।५५	५।१५	७।३२	९।४८	१२।०७	२।२५	४।३०	६।१३	७।४२
०४।१२।४२।२०	१५ गु	३१	९।०४	१०।४०	१२।३६	२।५१	५।११	७।२८	९।४४	१२।०३	२।२१	४।२६	६।०९	७।३८

संक्रांति फलम्

ता. १७ अगस्त २०२३

द्वि.श्रा. शु. १ गुरौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १३।१६ वारात् ५ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रास्तः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) ६।५२ से १३।१६ तक। (दान- छत्र)।

अयनांशाः २४।१०।०५

पं.२० द्वि.श्रा.शु.१० श.इष्टघटी०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	०	३	१०	०	६
०८	०४	२७	२१	१९	०९	०३	०३
२२	५१	४१	११	२१	४४	२६	२६
४८	१७	४०	५५	३६	४९	५९	५९
५७	३८	१६	१	२१	४	३	३
५४	२४	१२	४६	०७	३२	११	११
म	उफा	उफा	भ	श्ले	श	अ	चि
३	३	१व	३	१व	१व	२	४

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

१ सितंबर से १५ सितंबर तक, श्री भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिनासू. सू. तारीख स्टै. प्रात; दैनिक | शरदृतू रविर्दक्षिणे द्वि.श्रावणकृष्णेति गुर्जराः, सितंबर २०२३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में हैं।
क्षयः	१	गु	५२	५१	२७	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A सं.स्त्री.स्त्री.सू.सू.वाहन नाग अल्पवृष्टिः
ध्वाङ्क्ष	२	शु	४४	११	२३	५३	पूभा	२१	५०	१४	५६	धृ	१७	२०	१३	०८	तै	१८	२३	१३	३४	३१/३८	६/१२	६/४८	१०	१४	१	मीने ९।३७	४।१३।३३।१८	५७।५८	कज्जली(वूढी ३), सितंबर ९ ता. ३०
धूम्र	३	श	३६	३९	२०	५२	उभा	१५	४७	१२	३२	शू	७/५९	५२/३०	९/३०	२२/०१	व	१०	१५	१०	१९	२५	१३	४७	११	१५	२	मीने	४।१४।३१।१६	५८।००	भ. १०।१९ उ. २०।५२ या. [C भौमः ६।२६
च.व्र.	४	र	३०	३५	१८	२७	रेव	११	०६	१०	४०	वृ	५२	२४	२७	११	ब	३	२४	७	३५	२१	१३	४५	१२	१६	३	मेपे १०।४०	४।१५।२९।१५	५८।०२	पंचक समाप्तिः १०।४०, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०७, हस्ते C
राक्षस	५	सो	२६	१६	१६	४४	अश्वि	८	०४	९	२७	ध्रु	४६	४९	२४	५७	तै	२६	१६	१६	४४	१७	१४	४४	१३	१७	४	मेपे	४।१६।२७।१७	५८।०३	वृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), चंद्रषष्ठी (मरु.), वक्री गुरुः B
मुसल	६	मं	२३	५२	१५	४७	भर	६	५३	८	५९	व्या	४२	४६	२३	२१	व	२३	५२	१५	४७	१३	१४	४३	१४	१८	५	वृपे १५।००	४।१७।२५।२०	५८।०६	भ. १५।४७ उ. २७।३६ या., हलषष्ठी, भौमास्तः D
जन्माष्ट.	७	बु	२३	२६	१५	३७	कृति	७	३८	९	१८	ह	४०	१७	२२	२१	ब	२३	२६	१५	३७	०९	१५	४२	१५	१९	६	वृपे	४।१८।२३।२६	५८।०८	जम्माष्टमी व्र. स्मा., शीतला व्र. [D पश्चिमायाम् १६।४८
जन्माष्ट.	८	गु	२४	५३	१६	१२	रोहि	१०	१६	१०	२१	व	३९	१४	२१	५७	कौ	२४	५३	१६	१२	०५	१५	४१	१६	२०	७	मिथु. २३।०९	४।१९।२१।३४	५८।१०	मन्वादि, जम्माष्टमी व्र. वैष्ण.
गोगा	९	शु	२८	०२	१७	२८	मृग	१४	३६	१२	०६	सि	३९	२६	२२	०२	ग	२८	०२	१७	२८	०१	१६	४०	१७	२१	८	मिथु.	४।२०।१९।४३	५८।१२	गोगानवमी [B २८।०६, मार्गी शुक्रः २१।०६
मुद्गर	१०	श	३२	३४	१९	१८	आर्द्रा	२०	२०	१४	२४	व्य	४०	३९	२२	३२	व	०	१०	६	२०	३०/५७	१६	३९	१८	२२	९	मिथु.	४।२१।१७।५५	५८।१४	भ. ६।२० उ. १९।१८ या.
ए.व्र.	११	र	३८	०६	२१	३१	पुन	२७	०५	१७	०६	व	४२	३४	२३	१८	ब	५	१५	८	२२	५३	१६	३७	१९	२३	१०	कर्के १०।२४	४।२२।१६।०९	५८।१६	अजा ११ व्र., जैनपर्युषण
घाता	१२	सो	४४	०९	२३	५७	पुष्य	३४	२४	२०	०३	प	४४	५१	२४	१३	कौ	११	०३	१०	४२	४९	१७	३६	२०	२४	११	कर्के	४।२३।१४।२५	५८।१८	वत्सपूजा
प्र.व्र.	१३	मं	५०	२१	२६	२६	श्ले	४१	५५	२३	०३	शि	४७	१५	२५	११	ग	१७	१४	१३	११	४५	१७	३५	२१	२५	१२	सिंहे २३।०३	४।२४।१२।४३	५८।२०	भ. २६।२६ उ., प्रदोषः, बुधोदयः पूर्वस्याम् २७।५३
चर	१४	बु	५६	२४	२८	५२	मघा	४९	२०	२६	०२	सि	४९	३२	२६	०७	वि	२३	२४	१५	३९	४०	१८	३४	२२	२६	१३	सिंहे	४।२५।११।०३	५८।२२	भ. १५।३९ या., मासिकशिवरात्री व्र., उफा. रविः २७।१०, A
गद	३०	गु	...	...	...	...	पूफा	५६	२५	२८	५२	सा	५१	३५	२६	५६	च	२९	१८	१८	०१	३६	१८	३३	२३	२७	१४	सिंहे	४।२६।०९।२६	५८।२५	कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, पितृकार्येऽमा., उफा. सौरः १८।५२
अमाव.	३०	शु	२	०५	७	०९	उफा	...	...	...	...	शु	५३	१५	२७	३७	ना	२	०५	७	०९	३२	१९	३२	२४	२८	१५	कन्या ११।३३	४।२७।०७।५१	५८।२७	देवकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०

अयनांशाः २४।१०।०६

पं.२१ भा.कृ. ३ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	०	३	१०	०	६
१५	०९	२३	२१	१७	०९	०३	०३
०८	२०	४१	२०	४४	१३	०४	०४
४०	५७	२५	०९	५१	०५	४३	४३
५८	३८	५४	०	३	४	३	३
०५	४२	३०	२४	५६	३०	१२	११
पूफा	उफा	पूफा	म	श्ले	श	अ	चि
१	४	४व	३	१व	१व	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ
०४।१३।४०।१६	२ शु	१	९।००	१०।३६	१२।३२	२।४७	५।०७	७।२४	९।४०	११।५९	२।१८	४।२२	६।०५	७।३४
०४।१४।३८।१४	३ श	२	८।५६	१०।३२	१२।२८	२।४३	५।०३	७।२०	९।३६	११।५५	२।१४	४।१८	६।०१	७।३०
०४।१५।३६।१३	४ र	३	८।५२	१०।२८	१२।२४	२।३९	४।५९	७।१६	९।३२	११।५१	२।१०	४।१४	५।५७	७।२६
०४।१६।३४।१५	५ चं	४	८।४८	१०।२४	१२।२०	२।३५	४।५५	७।१२	९।२८	११।४७	२।०६	४।१०	५।५३	७।२२
०४।१७।३२।१९	६ मं	५	८।४४	१०।२०	१२।१७	२।३१	४।५१	७।०८	९।२४	११।४३	२।०२	४।०६	५।५०	७।१८
०४।१८।३०।२५	७ बु	६	८।४०	१०।१६	१२।१३	२।२७	४।४७	७।०४	९।२०	११।३९	१।५८	४।०२	५।४६	७।१४
०४।१९।२८।३२	८ गु	७	८।३६	१०।१२	१२।०९	२।२३	४।४४	७।००	९।१६	११।३५	१।५४	३।५८	५।४२	७।१०
०४।२०।२६।४२	९ शु	८	८।३२	१०।०८	१२।०५	२।२०	४।४०	६।५६	९।१२	११।३१	१।५०	३।५४	५।३८	७।०६
०४।२१।२४।५४	१० श	९	८।२८	१०।०५	१२।०१	२।१६	४।३६	६।५२	९।०८	११।२७	१।४६	३।५१	५।३४	७।०२
०४।२२।२३।०९	११ र	१०	८।२४	१०।०१	११।५७	२।१२	४।३२	६।४९	९।०४	११।२३	१।४२	३।४७	५।३०	६।५८
०४।२३।२१।२५	१२ चं	११	८।२०	९।५७	११।५३	२।०८	४।२८	६।४५	९।००	११।२०	१।३८	३।४३	५।२६	६।५४
०४।२४।१९।४३	१३ मं	१२	८।१६	९।५३	११।४९	२।०४	४।२४	६।४१	८।५६	११।१६	१।३४	३।३९	५।२२	६।५०
०४।२५।१८।०४	१४ बु	१३	८।१३	९।४९	११।४५	२।००	४।२०	६।३७	८।५३	११।१२	१।३०	३।३५	५।१८	६।४६
०४।२६।१६।२६	३० गु	१४	८।०९	९।४५	११।४१	१।५६	४।१६	६।३३	८।४९	११।०८	१।२६	३।३१	५।१४	६।४३
०४।२७।१४।५१	३० शु	१५	८।०५	९।४१	११।३७	१।५२	४।१२	६।२९	८।४५	११।०४	१।२२	३।२७	५।१०	६।३९

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो ॥ प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे ॥ कृष्णाष्टमी रोहिणीयुक्त होने से शुभदा है। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो, कल्याण हों, दुःख का नाश हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या पूर्वाफाल्गुनी योग समर्घता कारक है तथा मध्यम वर्षा हो। शु. षष्ठी को अनुराधा होने से सुभिक्ष हों। पूर्णिमा शुक्रवार और उत्तराभाद्रपद युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य वहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों।

अयनांशाः २४।१०।०७

पं.२२ भा.कृ.१० श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	०	३	१०	०	६
२१	१३	१७	२१	१८	०८	०२	०२
५५	५२	०२	१८	०७	४२	४२	४२
५३	४७	४३	३९	१५	०१	२७	२७
५८	३९	४८	१	१२	४	३	३
१७	०१	३७	०१	१६	२०	११	११
पूफा	ह	पूफा	भ	श्ले	श	अ	चि
३	२	२व	३व	१	१व	१	३

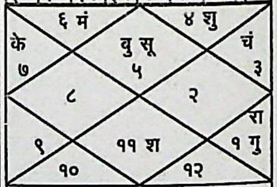

१६ सितंवर से २९ सितंवर तक; श्री भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
उत्पात	१	श	७	१९	९	१५	उफा	३	०२	७	३२	शु	५४	२८	२८	०६	व	७	१९	९	१५	३०/२८	६/१९	६/३०	२५	२९	१६	कन्या	४।२८।०६।१७	५८।२९
मानस	२	र	११	५४	११	०५	हस्त	९	०३	९	५७	ब्र	५५	०५	२८	२२	कौ	११	५४	११	०५	२४	२०	२९	२६	३०	१७	तुला. २३।०३	४।२९।०४।४७	५८।३१
मुद्गर	३	सो	१५	४०	१२	३६	चित्रा	१४	१८	१२	०३	ऐ	५४	५९	२८	२०	ग	१५	४०	१२	३६	२०	२०	२८	२७	१	१८	तुला.	५।००।०३।१८	५८।३४
गणेश	४	मं	१८	२४	१३	४२	स्वा	१८	३२	१३	४६	वै	५३	५६	२७	५५	वि	१८	२४	१३	४२	१६	२१	२७	२८	२	१९	तुला.	५।०१।०१।५२	५८।३६
ऋषि	५	बु	१९	५१	१४	१७	विशा	२१	३३	१४	५८	वि	५१	४८	२७	०४	बा	१९	५१	१४	१७	१२	२१	२६	२९	३	२०	वृश्चि. ८।४३	५।०२।००।२७	५८।३८
आनन्द	६	गु	१९	५०	१४	१८	अनु	२३	०७	१५	३६	प्री	४८	२८	२५	४५	तै	१९	५०	१४	१८	०८	२१	२५	३०	४	२१	वृश्चि.	५।०२।५९।०५	५८।४०
चर	७	शु	१८	१३	१३	३९	ज्ये	२३	०७	१५	३७	आ	४३	४९	२३	५४	व	१८	१३	१३	३९	०४	२२	२३	३१	५	२२	धनु. १५।३७	५।०३।५७।४६	५८।४३
गद	८	श	१४	५७	१२	२१	मूल	२१	३०	१४	५८	सौ	३७	५२	२१	३१	व	१४	५७	१२	२१	००	२२	२२	१	६	२३	धनु.	५।०४।५६।२८	५८।४५
शुभ	९	र	१०	०९	१०	२६	पूषा	१८	२०	१३	४३	शो	३०	४२	१८	४०	कौ	१०	०९	१०	२६	२९/५५	२३	२१	२	७	२४	मक. १९।१९	५।०५।५५।१३	५८।४७
ए.व्र.	१०	सो	३	५६	७	५८	उषा	१३	५०	११	५५	अ	२२	२७	१५	२२	ग	३	५६	७	५८	५१	२३	२०	३	८	२५	मक.	५।०६।५४।००	५८।५०
क्षयः	११	सो	५६	३७	२९	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	मं	४८	२७	२५	४७	श्रव	८	१४	९	४२	सु	१३	२१	११	४४	व	२२	३६	१५	२६	४७	२४	१९	४	९	२६	कुंभे २०।२७	५।०७।५२।५०	५८।५२
प्र.व्र.	१३	बु	३९	४९	२२	२०	धनि	१/५५	५४/१३	७/२८	१०/२९	धृ	३/५३	४०/४२	७/२७	५३/५३	कौ	१४	१०	१२	०४	४३	२४	१८	५	१०	२७	कुंभे	५।०८।५१।४२	५८।५४
मुद्गर	१४	गु	३१	०७	१८	५२	पूभा	४८	३२	२५	५०	गं	४३	४५	२३	५५	ग	५	२७	८	३६	३९	२५	१६	६	११	२८	मीने २०।२९	५।०९।५०।३६	५८।५६
पूर्णिमा	१५	शु	२२	४३	१५	३१	उभा	४२	१८	२३	२०	वृ	३४	०६	२०	०४	व	२२	४३	१५	३१	३५	२५	१५	७	१२	२९	मीने	५।१०।४९।३२	५८।५९

केतकी अहर्गणः ४५४६ शरदृतू रविर्दक्षिणे, सितंवर २०२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
मार्गीबुधः१५।०७ [C सू.वाहनमण्डूक वर्षाश्रेष्ठः [H विष्णुश्रृंखला ९।४२या.
चंद्रदर्शनम् (मु.३०),वराह जयंती,विश्वकर्मा पू.,कन्यायां रविः D
भ.२५।१३ उ.,मन्वादि,हरितालिका व्र.,हस्तिगौरी व्र.,रविलावल ३
भ. १३।४२ या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः),जैन संवत्सरी
ऋषि पंचमी, ललितापष्ठीव्र. (गुर्जरे) [D १३।१७ (सौरः २८।५९)
सौर(सूर्य) षष्ठी, स्कन्ददर्शनं, दूबड़ीसातम,गौरी आवाहन १५।३६ यावत्
भ. १३।३९ उ. २५।०५ या., मुक्ताभरण व्र.,गौरी पूजन १५।३७ E
दधीची जयंती, श्री राधा ८,गौरी विसर्जन १४।५८ यावत्, भा. A
अदुःख नवमी व्र., श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय), दशावतार व्र.
भ.१८।३३ उ. २९।०२ या.,जलझूलनी ११ व्र.स्मार्त, श्री रामदेवजी G
[E यावत्,उमामहेश्वर पू. [G का मेला,विष्णुश्रृंखला ११।५५ से
पंचक प्रारम्भः २०।२७, जलझूलनी ११ व्र.वैष्ण.,वामन जयंती, H
प्रदोषः,दुग्धव्रतं,गोत्रिरात्र व्र.,हस्ते रविः १८।४१, सं.स्त्री.पु.सू. C
भ. १८।५२ उ. २९।०९ या., अनन्त १४, कदली व्रतं पूजनं, F
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, प्रौष्ठपदी,महालय श्राद्धारंभः,महेश्वर पूजनं, B

[A अश्विनारंभः, सायन तुलायां भानुः १२।३२, चित्रा. भौमः १६।३९ [F रंभारोपणं, इंदुला १५, हस्ते सौरः १०।१५ [B कु. संध्यापूजा, उफा. बुधः २०।५८

अयनांशाः २४।१०।०८

पं.२३ भा.शु. १ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	५	४	०	३	१०	०	६
२८	१८	१३	२१	२०	०८	०२	०२
४४	२६	४९	०७	१५	१२	२०	२०
३३	४७	१९	१८	०९	२४	११	११
५८	३९	५	२	२५	४	३	३
३०	२०	४८	२५	४१	०४	११	११
उफा	ह	पूफा	भ	श्ले	श	अ	चि
१	३	१	३व	२	१व	१	३

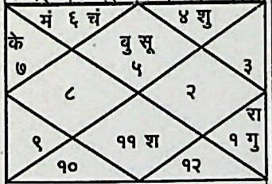

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं
०४।२८।१३।१८	१ श	१६	८।०१	९।३७	११।३३	१।४८	४।०८	६।२५	८।४१	११।००	१।१८	३।२३	५।०६	६।३५
०४।२९।११।४८	२ र	१७	७।५७	९।३३	११।२९	१।४४	४।०४	६।२१	८।३७	१०।५६	१।१४	३।१९	५।०२	६।३१
०५।००।१०।१९	३ चं	१८	७।५३	९।२९	११।२५	१।४०	४।००	६।१७	८।३३	१०।५२	१।१०	३।१५	४।५८	६।२७
०५।०१।०८।५३	४ मं	१९	७।४९	९।२५	११।२१	१।३६	३।५६	६।१३	८।२९	१०।४८	१।०७	३।११	४।५४	६।२३
०५।०२।०७।२९	५ बु	२०	७।४५	९।२१	११।१७	१।३२	३।५२	६।०९	८।२५	१०।४४	१।०३	३।०७	४।५०	६।१९
०५।०३।०६।०८	६ गु	२१	७।४१	९।१७	११।१३	१।२८	३।४८	६।०५	८।२१	१०।४०	१२।५९	३।०३	४।४६	६।१५
०५।०४।०४।४८	७ शु	२२	७।३७	९।१३	११।०९	१।२४	३।४४	६।०१	८।१७	१०।३६	१२।५५	२।५९	४।४२	६।११
०५।०५।०३।३१	८ श	२३	७।३३	९।०९	११।०६	१।२०	३।४०	५।५७	८।१३	१०।३२	१२।५१	२।५५	४।३९	६।०७
०५।०६।०२।१६	९ र	२४	७।२९	९।०५	११।०२	१।१६	३।३६	५।५३	८।०९	१०।२८	१२।४७	२।५१	४।३५	६।०३
०५।०७।०१।०४	१० चं	२५	७।२५	९।०१	१०।५८	१।१२	३।३३	५।४९	८।०५	१०।२४	१२।४३	२।४७	४।३१	५।५९
०५।०७।५९।५३	१२ मं	२६	७।२१	८।५७	१०।५४	१।०९	३।२९	५।४५	८।०१	१०।२०	१२।३९	२।४३	४।२७	५।५५
०५।०८।५८।४६	१३ बु	२७	७।१७	८।५४	१०।५०	१।०५	३।२५	५।४१	७।५७	१०।१६	१२।३५	२।४०	४।२३	५।५१
०५।०९।५७।४०	१४ गु	२८	७।१३	८।५०	१०।४६	१।०१	३।२१	५।३८	७।५३	१०।१३	१२।३१	२।३६	४।१९	५।४७
०५।१०।५६।३७	१५ शु	२९	७।०९	८।४६	१०।४२	१२।५७	३।१७	५।३४	७।४९	१०।०९	१२।२७	२।३२	४।१५	५।४३

संक्रांति फलम्

ता. १७ सितंवर २०२३

भा. शु. २ रवौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १३।१७ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं मूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १३।१७ से १९।४१ तक । (दान- गृह वस्त्र) ।

अयनांशाः २४।१०।०९

पं.२४ भा.शु. ८ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	४	०	३	१०	०	६
०५	२३	१७	२०	२३	०७	०१	०१
३४	०३	३८	४६	४७	४५	५७	५७
४६	०१	४१	१८	५२	००	५५	५५
५८	३९	६५	३	३६	३	३	३
४४	३९	४७	४६	०९	४१	११	११
उफा	ह	पूफा	भ	श्ले	श	अ	चि
३	४	२	३व	३	१व	१	३

३० सितंबर से १४ अक्टूबर तक,श्री आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमासू. सू. तारीख																												स्टै.	प्रातः	दैनिक	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति गुर्जराः,सितंबर-अक्टूबर २०२३
योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
धाता	१	श	१५	००	१२	२६	रेव	३६	५४	२१	११	ध्रु	२५	०६	१६	२८	कौ	१५	००	१२	२६	२९/३१	६/२६	६/१४	८	१३	३०	मेषे २१।११	५।११।४८।३१	५९।०१	पंचक समाप्तिः २१।११
आनन्द	२	र	८	२१	९	४७	अश्वि	३२	४१	१९	३१	व्या	१७	०२	१३	१५	ग	८	२१	९	४७	२७	२६	१३	९	१४	१	मेषे	५।१२।४७।३२	५९।०३	भ. २०।३९ उ., अक्टूबर १० ता. ३१, कन्यायां वुधः २१।२१
च.व्र.	३	सो	३	०५	७	४१	भर	२९	५८	१८	२६	ह	१०	०७	१०	२९	वि	३	०५	७	४१	२३	२७	१२	१०	१५	२	वृषे २४।१६	५।१३।४६।३६	५९।०६	भ. ७।४१ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।१६, भरणी श्राद्ध, B
क्षयः	४	सो	५९	३०	३०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A सं.स्त्री.स्त्री.सू.चं.वाहन मूषक अल्पवृष्टिः
गद	५	मं	५७	४६	२९	३४	कृति	२९	०१	१८	०४	व	४	३४	८	१७	कौ	२८	२२	१७	४८	१९	२७	११	११	१६	३	वृषे	५।१४।४५।४१	५९।०८	तुलायां भौमः १७।२८, (व) भर.-२ गुरुः ९।०६
शुभ	६	बु	५८	००	२९	४०	रोहि	२९	५७	१८	२७	सि	०/५८	३१/०२	६/२९	४०/४०	ग	२७	३७	१७	३१	१४	२८	१०	१२	१७	४	वृषे	५।१५।४४।४९	५९।१०	भ. २९।४० उ., चंद्रषष्ठी
मृत्यु	७	गु	...	...	...	...	मृग	३२	४९	१९	३६	व	५७	०१	२९	१७	वि	२८	५०	१८	००	१०	२८	०८	१३	१८	५	मिथु. ६।५६	५।१६।४४।००	५९।१३	भ. १८।०० या., वुधास्तः पूर्वस्याम् २५।५०
पद्म	७	शु	०	०९	६	३२	आर्द्रा	३७	२७	२१	२८	प	५७	२२	२९	२५	व	०	०९	६	३२	०६	२९	०७	१४	१९	६	मिथु.	५।१७।४३।१३	५९।१५	श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी
छत्र	८	श	४	०४	८	०७	पुन	४३	३३	२३	५५	शि	५८	४५	२९	५९	कौ	४	०४	८	०७	०२	२९	०६	१५	२०	७	कर्के १७।१५	५।१८।४२।२८	५९।१७	सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, हस्ते वुधः १४।३६
श्रीवत्स	९	र	९	१९	१०	१३	पुष्य	५०	३९	२६	४६	सि	...	...	...	...	ग	९	१९	१०	१३	२८/५८	३०	०५	१६	२१	८	कर्के	५।१९।४१।४५	५९।२०	भ. २३।२५ उ. [B गांधी जयन्ती, सिंहे मघा. शुक्रः ८।४९
सौम्य	१०	सो	१५	२६	१२	४१	श्ले	५८	१४	२९	४८	सि	०	४९	६	५०	वि	१५	२६	१२	४१	५४	३०	०४	१७	२२	९	सिंहे २९।४८	५।२०।४१।०५	५९।२२	भ. १२।४१ या.
ए.व्र.	११	मं	२१	५०	१५	१५	मघा	...	...	...	...	सा	३	१२	७	४८	वा	२१	५०	१५	१५	५०	३१	०३	१८	२३	१०	सिंहे	५।२१।४०।२७	५९।२४	इंदिरा ११ व्र.
चर	१२	वु	२७	५९	१७	४३	मघा	५	४३	८	४९	शु	५	३१	८	४४	तै	२७	५९	१७	४३	४६	३२	०२	१९	२४	११	सिंहे	५।२२।३९।५१	५९।२७	सन्यासिनां श्राद्धं, चित्रा. रविः ७।४२ (सौरः २२।४४), A
प्र.व्र.	१३	गु	३३	३३	१९	५७	पूफा	१२	४६	११	३८	शु	७	२७	९	३१	ग	०	५०	६	५२	४२	३२	०१	२०	२५	१२	कन्या १८।१८	५।२३।३९।१८	५९।२९	भ. १९।५७ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., युगादि
शुभ	१४	शु	३८	१७	२१	५१	उफा	१९	०४	१४	१०	व्र	८	४८	१०	०४	वि	६	००	८	५७	३८	३३	००	२१	२६	१३	कन्या	५।२४।३८।४७	५९।३१	भ. ८।५७ या., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं, स्वा. भौमः १५।२५
अमाव.	३०	श	४२	०४	२३	२३	हस्त	२४	२९	१६	२१	ऐ	९	२८	१०	२०	च	१०	१७	१०	४०	३४	३३	५/५९	२२	२७	१४	तुला. २९।१७	५।२५।३८।१८	५९।३४	देवपितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, चित्रा. वुधः २७।५८

अयनांशाः २४।१०।१०

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.२५ आ.कृ. १ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	४	०	३	१०	०	६
१२	२७	२७	२०	२८	०७	०१	०१
२६	४१	१७	१६	२६	२०	३५	३५
३५	३२	५६	०९	०९	३१	३९	३९
५८	३९	९९	५	४४	३	·३	३
५८	५९	०८	०१	१०	१४	११	११
ह	चि	उफा	भ	श्ले	श	अ	चि
१	२	१	३च	४	१व	१	३

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	सितं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ
०५।११।५५।३६	१ श	३०	७।०५	८।४२	१०।३८	१२।५३	३।१३	५।३०	७।४५	१०।०५	१२।२३	२।२८	४।११	५।३९
०५।१२।५४।३७	२ र	१	७।०२	८।३८	१०।३४	१२।४९	३।०९	५।२६	७।४२	१०।०१	१२।१९	२।२४	४।०७	५।३६
०५।१३।५३।४१	३ चं	२	६।५८	८।३४	१०।३०	१२।४५	३।०५	५।२२	७।३८	९।५७	१२।१५	२।२०	४।०३	५।३२
०५।१४।५२।४७	५ मं	३	६।५४	८।३०	१०।२६	१२।४१	३।०१	५।१८	७।३४	९।५३	१२।११	२।१६	३।५९	५।२८
०५।१५।५१।५५	६ वु	४	६।५०	८।२६	१०।२२	१२।३७	२।५७	५।१४	७।३०	९।४९	१२।०७	२।१२	३।५५	५।२४
०५।१६।५१।०६	७ गु	५	६।४६	८।२२	१०।१८	१२।३३	२।५३	५।१०	७।२६	९।४५	१२।०३	२।०८	३।५१	५।२०
०५।१७।५०।१९	७ शु	६	६।४२	८।१८	१०।१४	१२।२९	२।४९	५।०६	७।२२	९।४१	१२।००	२।०४	३।४७	५।१६
०५।१८।४९।३४	८ श	७	६।३८	८।१४	१०।१०	१२।२५	२।४५	५।०२	७।१८	९।३७	११।५६	२।००	३।४३	५।१२
०५।१९।४८।५२	९ र	८	६।३४	८।१०	१०।०६	१२।२१	२।४१	४।५८	७।१४	९।३३	११।५२	१।५६	३।३९	५।०८
०५।२०।४८।१२	१० चं	९	६।३०	८।०६	१०।०२	१२।१७	२।३७	४।५४	७।१०	९।२९	११।४८	१।५२	३।३५	५।०४
०५।२१।४७।३४	११ मं	१०	६।२६	८।०२	९।५९	१२।१३	२।३३	४।५०	७।०६	९।२५	११।४४	१।४८	३।३१	५।००
०५।२२।४६।५९	१२ वु	११	६।२२	७।५८	९।५५	१२।०९	२।२९	४।४६	७।०२	९।२१	११।४०	१।४४	३।२८	४।५६
०५।२३।४६।२६	१३ गु	१२	६।१८	७।५४	९।५१	१२।०५	२।२५	४।४२	६।५८	९।१७	११।३६	१।४०	३।२४	४।५२
०५।२४।४५।५५	१४ शु	१३	६।१४	७।५०	९।४७	१२।०१	२।२२	४।३८	६।५४	९।१३	११।३२	१।३६	३।२०	४।४८
०५।२५।४५।२७	३० श	१४	६।१०	७।४६	९।४३	११।५८	२।१८	४।३४	६।५०	९।०९	११।२८	१।३२	३।१६	४।४४

अयनांशाः २४।१०।१२

पं.२६ आ.कृ. ८ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	५	०	४	१०	०	६
१९	०२	०९	१९	०३	०६	०१	०१
२०	२२	२४	३७	५४	५९	१३	१३
०४	२३	००	३८	३९	३३	२४	२४
५९	४०	१०६	६	५०	२	३	३
१२	१९	३९	०७	१९	४०	११	११
ह	चि	उफा	भ	म	श	अ	चि
३	३	४	२व	२	१व	१	३

अयनांशाः २४।१०।१३

पं.२७ आ.कृ.३० श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	६	५	०	४	१०	०	६
२६	०७	२१	१८	१०	०६	००	००
१५	०५	४६	५१	०१	४२	५१	५१
१५	३५	४४	५८	४६	३९	०८	०८
५९	४०	१०४	७	५५	२	३	३
२७	३९	३३	०२	०४	०४	११	११
चि	स्वा	ह	भ	म	श	अ	चि
१	१	४	२व	४	१व	१	३

१५ अक्टूबर से २८ अक्टूबर तक,श्री आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
नवरा.	१	र	४४	५०	२४	३०	चित्रा	२८	५६	१८	०८	वै	९	२३	१०	१९	किं	१३	३४	११	५९	२८/३०	६/३४	५/५८	२३	२८	१५	तुला.	५।२६।३७।५२	५९।३६
छत्र	२	सो	४६	३४	२५	१२	स्वा	३२	२४	१९	३२	वि	८	३१	९	५९	बा	१५	४९	१२	५४	२६	३४	५७	२४	२९	१६	तुला.	५।२७।३७।२८	५९।३८
श्रीवत्स	३	मं	४७	११	२५	२७	विशा	३४	४७	२०	३०	प्री	६	४८	९	१८	तै	१६	५९	१३	२३	२२	३५	५६	२५	१	१७	वृश्चि. १४।१८	५।२८।३७।०६	५९।४१
सौम्य	४	बु	४६	४०	२५	१६	अनु	३६	०५	२१	०२	आ	४	१४	८	१७	व	१७	०४	१३	२५	१८	३६	५५	२६	२	१८	वृश्चि.	५।२९।३६।४७	५९।४३
काल	५	गु	४५	००	२४	३६	ज्ये	३६	१६	२१	०६	सौ	०/५६	४५/२५	६/२१	५४/१०	ब	१५	५८	१२	५९	१४	३६	५४	२७	३	१९	धनु. २१।०६	६।००।३६।३०	५९।४५
सुस्थिर	६	शु	४२	१३	२३	३०	मूल	३५	१९	२०	४४	अ	५१	०८	२७	०४	कौं	१३	४४	१२	०६	१०	३७	५३	२८	४	२०	धनु.	६।०१।३६।१५	५९।४७
मातङ्ग	७	श	३८	२१	२१	५८	पूषा	३३	१८	१९	५७	सु	४५	०१	२४	३८	ग	१०	२४	१०	४७	०६	३७	५२	२९	५	२१	मक. २५।४१	६।०२।३६।०२	५९।५०
दुर्गा	८	र	३३	३०	२०	०२	उषा	३०	१९	१८	४५	धृ	३८	०७	२१	५३	वि	६	०१	९	०२	०२	३८	५१	३०	६	२२	मक.	६।०३।३५।५२	५९।५२
सिद्धि	९	सो	२७	४९	१७	४६	श्रव	२६	२९	१७	१४	शू	३०	३२	१८	५२	वा	०	४५	६	५६	२७/५८	३९	५०	१	७	२३	कुंभे २८।२२	६।०४।३५।४३	५९।५४
विजया	१०	मं	२१	३०	१५	१५	धनि	२२	००	१५	२७	गं	२२	२६	१५	३८	ग	२१	३०	१५	१५	५५	३९	४९	२	८	२४	कुंभे	६।०५।३५।३८	५९।५६
ए.व्र.	११	बु	१४	४३	१२	३३	शत	१७	०४	१३	२९	वृ	१३	५८	१२	१५	वि	१४	४३	१२	३३	५१	४०	४८	३	९	२५	मीने २९।५७	६।०६।३५।३४	५९।५८
प्र.व्र.	१२	गु	७	४२	९	४५	पूभा	११	५५	११	२७	ध्रु	५/५६	४०/४४	८/२१	४८/२२	वा	७	४२	९	४५	४७	४०	४७	४	१०	२६	मीने	६।०७।३५।३२	६०।०१
ध्वजा	१३	शु	०	४६	७	००	उभा	६	५१	९	२६	ह	४८	२२	२६	०२	तै	०	४६	७	००	४३	४१	४६	५	११	२७	मीने	६।०८।३५।३३	६०।०३
क्षयः	१४	शु	५४	११	२८	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
पूर्णिमा	१५	श	४८	१२	२५	५९	रेव	२/५८	०९/०८	७/२१	३३/५७	व	४०	२९	२२	५३	वि	२१	०४	१५	०८	३९	४२	४६	६	१२	२८	मेषे ७।३३	६।०९।३५।३६	६०।०५

केतकी अहर्गणः ४५७५ शरदृतू रविर्दक्षिणे, अक्टूबर २०२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती, मातामहश्रा., (व) J
चंद्रदर्शनम् (मु.१५) [J धनि.-४ शनिः १३।४३
आकाश दीपारंभः, रविलास्वर ४, तुलायां रविः २५।१५, F
भ.१३।२५ उ. २५।१६ या.,तुलायां सौरः १५।५६,तुलायां बुधः २५।०२
उपांग ललिता व्र. [C विसर्जनं श्रवणे, भा. कार्तिकारंभः, E
सरस्वती आवाहनं मूलभे [E सायन वृश्चिके भानुः २२।०१
भ. २१।५८ उ., भद्रकाली अवतार, सरस्वती पूजनं पू.षाभे
भ. ९।०२ या., महाष्टमी, बलिदानं उ.षाभे, स्वा. बुधः २४।२०
पंचक प्रारम्भः २८।२२. मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, सरस्वती C
भ.२५।५५ उ.,बौद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, स्वा. D
भ. १२।३३ या., पापांकुशा ११ व्र., स्वा. सौरः ८।२६
प्रदोषः, कार्त्तिके द्विदलं त्यजेत् [F पूफा. शुक्रः १९।४९
भ.२८।२१ उ. [D रविः १८।१२, सं.स्त्री.पु.सू.सू.वाहन अश्व वर्षाश्रेष्ठः
[A पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, पंचक समाप्तिः ७।३३, वंगीय लक्ष्मी B
भ.१५।०८ या.,शरद पूर्णिमा, कोजागरीव्र., खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्, A
[B पूजा,नवान्नभक्षण, आश्वयुजीकर्म(आश्वलायन शाखा), कार्तिकस्नान प्रा.

अयनांशाः २४।१०।१४

पं.२८ आ.शु. ७ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	६	०	४	१०	०	६
०३	११	०३	१८	१६	०६	००	००
१२	५१	४६	००	३८	३०	२८	२८
०६	१२	११	३७	५६	१२	५२	५२
५९	४१	१००	७	५८	१	३	३
४१	००	१९	४२	४८	२३	११	११
चि	स्वा	चि	भ	पूफा	ध	अ	चि
३	२	४	२व	१	४व	१	३

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टू	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०५।२६।४५।०१	१ र	१५	६।०६	७।४३	९।३९	११।५४	२।१४	४।३०	६।४६	९।०५	११।२४	१।२९	३।१२	४।४०
०५।२७।४४।३७	२ चं	१६	६।०२	७।३९	९।३५	११।५०	२।१०	४।२७	६।४२	९।०२	११।२०	१।२५	३।०८	४।३६
०५।२८।४४।१६	३ मं	१७	५।५८	७।३५	९।३१	११।४६	२।०६	४।२३	६।३८	८।५८	११।१६	१।२१	३।०४	४।३२
०५।२९।४३।५७	४ बु	१८	५।५४	७।३१	९।२७	११।४२	२।०२	४।१९	६।३४	८।५४	११।१२	१।१७	३।००	४।२८
०६।००।४३।४०	५ गु	१९	५।५१	७।२७	९।२३	११।३८	१।५८	४।१५	६।३१	८।५०	११।०८	१।१३	२।५६	४।२५
०६।०१।४३।२५	६ शु	२०	५।४७	७।२३	९।१९	११।३४	१।५४	४।११	६।२७	८।४६	११।०४	१।०९	२।५२	४।२१
०६।०२।४३।१३	७ श	२१	५।४३	७।१९	९।१५	११।३०	१।५०	४।०७	६।२३	८।४२	११।००	१।०५	२।४८	४।१७
०६।०३।४३।०३	८ र	२२	५।३९	७।१५	९।११	११।२६	१।४६	४।०३	६।१९	८।३८	१०।५६	१।०१	२।४४	४।१३
०६।०४।४२।५५	९ चं	२३	५।३५	७।११	९।०७	११।२२	१।४२	३।५९	६।१५	८।३४	१०।५२	१२।५७	२।४०	४।०९
०६।०५।४२।४९	१० मं	२४	५।३१	७।०७	९।०३	११।१८	१।३८	३।५५	६।११	८।३०	१०।४९	१२।५३	२।३६	४।०५
०६।०६।४२।४६	११ बु	२५	५।२७	७।०३	८।५९	११।१४	१।३४	३।५१	६।०७	८।२६	१०।४५	१२।४९	२।३२	४।०१
०६।०७।४२।४४	१२ गु	२६	५।२३	६।५९	८।५५	११।१०	१।३०	३।४७	६।०३	८।२२	१०।४१	१२।४५	२।२८	३।५७
०६।०८।४२।४५	१३ शु	२७	५।१९	६।५५	८।५१	११।०६	१।२६	३।४३	५।५९	८।१८	१०।३७	१२।४१	२।२४	३।५३
०६।०९।४२।४८	१५ श	२८	५।१५	६।५१	८।४८	११।०२	१।२२	३।३९	५।५५	८।१४	१०।३३	१२।३७	२।२०	३।४९

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०२३

आश्वि. शु. ३ भौमे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २५।१५ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १९।१५ से बुधे ७।१५ तक। (दान- तिल गोरस)।

अयनांशाः २४।१०।१५

पं.२९ आ.शु.१५ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	६	०	४	१०	०	६
१०	१६	१५	१७	२३	०६	००	००
१०	३९	१५	०५	३९	२२	०६	०६
३७	१५	३३	२६	५०	३३	३५	३५
५९	४१	९६	८	६१	०	३	३
५५	२१	१०	०५	४६	४१	११	११
स्वा	स्वा	स्वा	भ	पूफा	ध	अ	चि
२	३	३	२व	४	४व	१	३

२९ अक्टूबर से १३ नवंबर तक, श्री कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
काल	१	र	४३	०८	२३	५८	भर	५५	०५	२८	४५	सि	३३	१९	२०	०२	बा	१५	३१	१२	५५	२७ ३६	६ ४२	५ ४५	७	१३	२९	मेषे	६।१०।३५।४१	६०।०७
सुस्थिर	२	सो	३९	१९	२२	२७	कृति	५३	१९	२८	०३	व्य	२७	०६	१७	३४	तै	११	०३	११	०९	३२	४३	४४	८	१४	३०	वृषे १०।३१	६।११।३५।४८	६०।०९
मातङ्ग	३	मं	३७	०२	२१	३२	रोहि	५३	०४	२७	५७	व	२२	०२	१५	३३	व	७	५७	९	५५	२८	४४	४३	९	१५	३१	वृषे	६।१२।३५।५७	६०।११
च.व्र.	४	बु	३६	२७	२१	१९	मृग	५४	३३	२८	३४	प	१८	१७	१४	०३	ब	६	२९	९	२०	२५	४५	४२	१०	१६	१	मिथु. १६।१०	६।१३।३६।०८	६०।१३
काण	५	गु	३७	४३	२१	५०	आर्द्रा	५७	५०	२९	५३	शि	१५	५७	१३	०८	कौ	६	५०	९	२९	२१	४५	४२	११	१७	२	मिथु.	६।१४।३६।२१	६०।१५
लुम्बक	६	शु	४०	४८	२३	०५	पुन	...	...	...	...	सि	१५	०३	१२	४७	ग	९	०१	१०	२२	१७	४६	४१	१२	१८	३	कर्के २५।२०	६।१५।३६।३७	६०।१७
छत्र	७	श	४५	३०	२४	५९	पुन	२	४६	७	५३	सा	१५	२६	१२	५७	वि	१२	५८	११	५८	१४	४७	४०	१३	१९	४	कर्के	६।१६।३६।५४	६०।२०
श्रीवत्स	८	र	५१	२३	२७	२०	पुष्य	९	१०	१०	२७	शु	१६	५३	१३	३३	बा	१८	१९	१४	०७	१०	४७	४०	१४	२०	५	कर्के	६।१७।३७।१४	६०।२१
सौम्य	९	सो	५७	५१	२९	५६	श्ले	१६	२८	१३	२३	शु	१९	००	१४	२४	तै	२४	३४	१६	३८	०७	४८	३९	१५	२१	६	सिंहे १३।२३	६।१८।३७।३५	६०।२३
काल	१०	मं	...	...	...	...	मघा	२४	०६	१६	२७	ब्र	२१	२०	१५	२१	व	३१	०३	१९	१४	०३	४९	३८	१६	२२	७	सिंहे	६।१९।३७।५८	६०।२५
सुस्थिर	१०	बु	४	११	८	३०	पूफा	३१	२४	१९	२३	ऐ	२३	२६	१६	१२	वि	४	११	८	३०	००	५०	३८	१७	२३	८	कन्या २६।०५	६।२०।३८।२४	६०।२७
ए.व्र.	११	गु	९	५३	१०	४८	उफा	३७	५३	२२	००	वै	२४	५६	१६	४९	बा	९	५३	१०	४८	२६ ५८	५०	३७	१८	२४	९	कन्या	६।२१।३८।५१	६०।२९
प्र.व्र.	१२	शु	१४	३०	१२	३९	हस्त	४३	१३	२४	०८	वि	२५	३३	१७	०४	तै	१४	३०	१२	३९	५३	५१	३६	१९	२५	१०	कन्या	६।२२।३९।२०	६०।३१
काण	१३	श	१७	४८	१३	५९	चित्रा	४७	१३	२५	४५	प्री	२५	०९	१६	५५	व	१७	४८	१३	५९	५०	५२	३६	२०	२६	११	तुला. १३।०१	६।२३।३९।५२	६०।३३
दीपाव.	१४	र	१९	४०	१४	४४	स्वा	४९	५०	२६	४९	आ	२३	३८	१६	२०	श	१९	४०	१४	४४	४७	५३	३५	२१	२७	१२	तुला.	६।२४।४०।२४	६०।३५
अमाव.	३०	सो	२०	०८	१४	५६	विशा	५१	०९	२७	२१	सौ	२१	०४	१५	१९	ना	२०	०८	१४	५६	४४	५३	३५	२२	२८	१३	वृश्चि. २१।१६	६।२५।४०।५९	६०।३७

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति गुर्जराः,अक्टूबर-नवंबर २०२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
ग्रहण-करिदिन [B ता. ३०, विशा. भौमः २७।००
विशा. बुधः ३०।०६, उफा. शुक्रः २८।१९, मीने रेव.-४ A
भ. ९।५५ उ. २१।३२ या., (व) भर.-१ गुरुः ९।५८
करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२६, दशरथ ललिता व्र., नवंबर ११ B
[A राहुः ८।२८, कन्यायां चित्रा.-२ केतुः ८।२८
भ. २३।०५ उ., स्कन्द षष्ठी, कन्यायां शुक्रः ८।१९
भ. ११।५८ या., मार्गी शनिः २२।१६
होई (अहोरी) ८ [C हस्ते शुक्रः १३।३९
विशा. रविः २६।१९, वृश्चिके बुधः १६।०७
भ. १९।१४ उ., विशा. सौरः १५।३४
भ. ८।३० या., अनु. बुधः २०।१८
रमा ११ व्र., गोवत्स द्वादशी
प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र.
भ. १३।५९ उ. २६।२६ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं
रुप (नरक) १४, प्रभात स्नानं, महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू., C
देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., वलीपूजा

अयनांशाः २४।१०।१६

पं.३० का.कृ. ७ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	६	०	५	१०	११	५
१७	२१	२६	१६	००	०६	२९	२९
१०	२९	१८	०८	५९	१९	४४	४४
४४	४५	३१	२६	४५	५२	२०	२०
६०	४१	९३	८	६४	०	३	३
०९	४२	०१	०८	११	०२	११	११
स्वा	वि	वि	भ	उफा	ध	रे	चि
४	१	२	१व	२	४	४	२

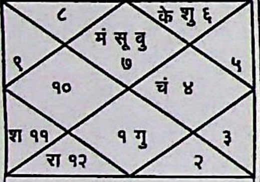

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	अक्टु	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।१०।४२।५४	१ र	२९	५।११	६।४७	८।४४	१०।५८	१।१८	३।३५	५।५१	८।१०	१०।२९	१२।३३	२।१७	३।४५
०६।११।४३।०१	२ चं	३०	५।०७	६।४३	८।४०	१०।५४	१।१४	३।३१	५।४७	८।०६	१०।२५	१२।२९	२।१३	३।४१
०६।१२।४३।१०	३ मं	३१	५।०३	६।३९	८।३६	१०।५०	१।११	३।२७	५।४३	८।०२	१०।२१	१२।२५	२।०९	३।३७
०६।१३।४३।२२	४ बु	१	४।५९	६।३५	८।३२	१०।४७	१।०७	३।२३	५।३९	७।५८	१०।१७	१२।२१	२।०५	३।३३
०६।१४।४३।३६	५ गु	२	४।५५	६।३२	८।२८	१०।४३	१।०३	३।२०	५।३५	७।५४	१०।१३	१२।१८	२।०१	३।२९
०६।१५।४३।५१	६ शु	३	४।५१	६।२८	८।२४	१०।३९	१२।५९	३।१६	५।३१	७।५१	१०।०९	१२।१४	१।५७	३।२५
०६।१६।४४।०९	७ श	४	४।४७	६।२४	८।२०	१०।३५	१२।५५	३।१२	५।२७	७।४७	१०।०५	१२।१०	१।५३	३।२१
०६।१७।४४।२९	८ र	५	४।४३	६।२०	८।१६	१०।३१	१२।५१	३।०८	५।२३	७।४३	१०।०१	१२।०६	१।४९	३।१७
०६।१८।४४।५०	९ चं	६	४।४०	६।१६	८।१२	१०।२७	१२।४७	३।०४	५।२०	७।३९	९।५७	१२।०२	१।४५	३।१४
०६।१९।४५।१४	१० मं	७	४।३६	६।१२	८।०८	१०।२३	१२।४३	३।००	५।१६	७।३५	९।५३	११।५८	१।४१	३।१०
०६।२०।४५।४०	१० बु	८	४।३२	६।०८	८।०४	१०।१९	१२।३९	२।५६	५।१२	७।३१	९।४९	११।५४	१।३७	३।०६
०६।२१।४६।०७	११ गु	९	४।२८	६।०४	८।००	१०।१५	१२।३५	२।५२	५।०८	७।२७	९।४५	११।५०	१।३३	३।०२
०६।२२।४६।३७	१२ शु	१०	४।२४	६।००	७।५६	१०।११	१२।३१	२।४८	५।०४	७।२३	९।४१	११।४६	१।२९	२।५८
०६।२३।४७।०८	१३ श	११	४।२०	५।५६	७।५२	१०।०७	१२।२७	२।४४	५।००	७।१९	९।३८	११।४२	१।२५	२।५४
०६।२४।४७।४२	१४ र	१२	४।१६	५।५२	७।४८	१०।०३	१२।२३	२।४०	४।५६	७।१५	९।३४	११।३८	१।२१	२।५०
०६।२५।४८।१७	३० चं	१३	४।१२	५।४८	७।४४	९।५९	१२।१९	२।३६	४।५२	७।११	९।३०	११।३४	१।१७	२।४६

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं तथा पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो ॥ एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः ॥ कृ. पंचमी को आर्द्रा होने से घास का संग्रह लाभ दे और अल्पवृष्टि से चौपायों को दुःख हो । सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुखी हो । अमावस्या विशाखा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है । पूर्णिमा कृतिका युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । वृश्चिक राशि में बुध का उदय होने से राजभय और सुभिक्ष हो । कार्तिक मास में बुध का उदय होने से शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो । सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें ।

अयनांशाः २४।१०।१७

पं.३१ का.कृ.१३ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	७	०	५	१०	११	५
२४	२६	०७	१५	०८	०६	२९	२९
१२	२२	०२	११	३५	२२	२२	२२
२३	४४	४१	४९	०८	१७	०४	०४
६०	४२	९०	७	६६	०	३	३
२१	०३	४७	५४	०९	४६	११	११
वि	वि	अनु	भ	उफा	ध	रे	चि
२	२	२	१व	४	४	४	२

६ के

१४ नवंबर से २७ नवंबर तक, श्री कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
वज्र	१	मं	१९	१८	१४	३७	अनु	५१	१५	२७	२४	शो	१७	२९	१३	५४	व	१९	१८	१४	३७	२६ ४१	६ ५४	५ ३४	२३	२९	१४	वृश्चि.	६।२६।४१।३६	६०।३८
ध्वाङ्क्ष	२	बु	१७	१७	१३	५०	ज्ये	५०	१८	२७	०२	अ	१२	५८	१२	०६	कौ	१७	१७	१३	५०	३७	५५	३४	२४	३०	१५	धनु. २७।०२	६।२७।४२।१४	६०।४०
धूम्र	३	गु	१४	१८	१२	३९	मूल	४८	२९	२६	१९	सु	७	३९	९	५९	ग	१४	१८	१२	३९	३४	५६	३३	२५	१	१६	धनु.	६।२८।४२।५४	६०।४२
प्रवर्धमा	४	शु	१०	२९	११	०८	पूषा	४५	५८	२५	२०	धृ	१ ५५	४१ १३	७ २९	३७ ०२	वि	१०	२९	११	०८	३२	५६	३३	२६	२	१७	धनु.	६।२९।४३।३६	६०।४४
राक्षस	५	श	६	०३	९	२२	उषा	४२	५७	२४	०८	गं	४८	२०	२६	१७	वा	६	०३	९	२२	२९	५७	३३	२७	३	१८	मक. ७।०३	७।००।४४।२०	६०।४५
गद	६	र	१	१०	७	२६	श्रव	३९	३७	२२	४९	वृ	४१	१२	२३	२७	तै	१	१०	७	२६	२६	५८	३२	२८	४	१९	मक.	७।०१।४५।०५	६०।४७
क्षयः	७	र	५६	०४	२९	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
शुभ	८	सो	५०	४५	२७	१७	धनि	३६	०५	२१	२५	ध्रु	३३	५५	२०	३३	वि	२३	२३	१६	२०	२३	५९	३२	२९	५	२०	कुंभे १०।०७	७।०२।४५।५२	६०।४८
मृत्यु	९	मं	४५	२६	२५	१०	शत	३२	३०	२०	००	व्या	२६	३५	१७	३८	वा	१८	०४	१४	१३	२०	७ ००	३२	३०	६	२१	कुंभे	७।०३।४६।४०	६०।५०
पद्म	१०	बु	४०	०९	२३	०४	पूभा	२८	५८	१८	३६	ह	१९	१६	१४	४३	तै	१२	४५	१२	०६	१८	००	३१	१	७	२२	मीने १२।५६	७।०४।४७।३०	६०।५२
ए.व्र.	११	गु	३५	०४	२१	०३	उभा	२५	३४	१७	१५	व	१२	०३	११	५०	व	७	३४	१०	०३	१५	०१	३१	२	८	२३	मीने	७।०५।४८।२२	६०।५३
श्रीवत्स	१२	शु	३०	१७	१९	०९	रेव	२२	२६	१६	०१	सि	५ ५८	०२ २१	९ ३०	०३ २२	व	२	३६	८	०४	१३	०२	३१	३	९	२४	मेषे १६।०१	७।०६।४९।१५	६०।५५
प्र.व्र.	१३	श	२५	५५	१७	२५	अश्वि	१९	४४	१४	५६	व	५२	०२	२७	५२	तै	२५	५५	१७	२५	१०	०३	३१	४	१०	२५	मेषे	७।०७।५०।१०	६०।५६
काल	१४	र	२२	१३	१५	५७	भर	१७	३७	१४	०६	प	४६	२०	२५	३६	व	२२	१३	१५	५७	०८	०४	३१	५	११	२६	वृषे १९।५७	७।०८।५१।०६	६०।५७
पूर्णिमा	१५	सो	१९	२१	१४	४९	कृति	१६	२०	१३	३६	शि	४१	२२	२३	३७	व	१९	२१	१४	४९	०५	०४	३०	६	१२	२७	वृषे	७।०९।५२।०३	६०।५९

केतकी अहर्गणः ४६०५ हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे, नवंबर २०२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
गोवधन पू.,अन्नकूटं देशाचारे, गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः,गोक्रीडा, B
चंद्रदर्शनम् (मु.५५), भ्रातृ २,यम २,यमुना स्नानं,कलम दवात पू.
भ.२३।५६ उ.,दूर्वागणपतिव्र.,आकाशदीपसमाप्तिः, जमादिलावल ५, F
भ. ११।०८ या., वृश्चिके सौरः १३।२५, ज्येष्ठा. बुधः १७।१०
सौभाग्य ५. पाण्डव ५. बुधोदयः पश्चिमायाम् १२।४६
भ.२९।२३ उ.,कल्पादि [B मार्गपालीवं.,नेहरुजयन्ती(बालदिवस)
[L रविः ८।२९ (सौरः २०।२८). अनु. भौमः २७।५०
भ. १६।२० या., पंचक प्रारम्भः १०।०७, गोपाष्टमी, अनु. L
युगादि,कुष्माण्ड(अक्षय) ९ [F वृश्चिके रविः २५।०१,वृश्चिके भौमः १०।३६
भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः १९।३८
भ.१०।०३ उ.२१।०३ या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं,तुलसीविवाह, D
पंचक समाप्तिः १६।०५,मन्वादि,हरिवासरः १०।१८ से १६।०१ तक, M
प्रदोषः, वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत समाप्तिः [M चित्रा. शुक्रः ९।३०
भ.१५।५७ उ. २७।२० या.,कार्तिक व्रतोद्यापनं,त्रिपुरोत्सव, पुष्कर E
रोहि. रं. ६ ऽ।।।ऽऽ।ऽ।। रात्रौलग्न ७, ८, मन्वादि,पूर्णिमा व्रतं A

[D चतुर्मास व्रत समाप्तिः,भीष्म पंचकप्रा.,शत.-१ शनिः २७।५४ [E यात्रा,धनुषि मूले बुधः २६।५६, (व)अश्वि.-४ गुरुः १२।५७ [A पुण्यञ्च,गोपद्मव्रत समाप्ति, नानकजयंती, भीष्मपंचक समाप्ति,कार्तिकस्नान पूर्तिः,प्रशस्तापूर्णिमा, महाकार्तिकी

अयनांशाः २४।१०।१८

पं.३२ का.शु. ५ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	७	०	५	१०	११	५
०१	०१	१७	१४	१६	०६	२८	२८
१५	१८	३०	१७	२३	२९	५९	५९
२७	१२	५२	४३	१४	४८	४८	४८
६०	४२	८८	७	६७	१	३	३
३३	२५	०१	२४	४६	२९	११	११
वि	वि	ज्ये	भ	ह	ध	रे	चि
४	४	१	१व	२	४	४	२

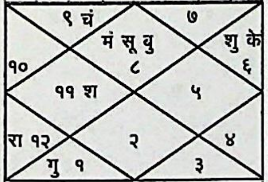

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०६।२६।४८।५३	१ मं	१४	४।०८	५।४४	७।४०	९।५५	१२।१५	२।३२	४।४८	७।०७	९।२६	११।३०	१।१३	२।४२
०६।२७।४९।३२	२ बु	१५	४।०४	५।४०	७।३७	९।५१	१२।११	२।२८	४।४४	७।०३	९।२२	११।२६	१।०९	२।३८
०६।२८।५०।१३	३ गु	१६	४।००	५।३६	७।३३	९।४७	१२।०७	२।२४	४।४०	६।५९	९।१८	११।२२	१।०६	२।३४
०६।२९।५०।५५	४ शु	१७	३।५६	५।३२	७।२९	९।४३	१२।०३	२।२०	४।३६	६।५५	९।१४	११।१८	१।०२	२।३०
०७।००।५१।३८	५ श	१८	३।५२	५।२८	७।२५	९।३९	१२।००	२।१६	४।३२	६।५१	९।१०	११।१४	१२।५८	२।२६
०७।०१।५२।२४	६ र	१९	३।४८	५।२४	७।२१	९।३६	११।५६	२।१२	४।२८	६।४७	९।०६	११।१०	१२।५४	२।२२
०७।०२।५३।११	८ चं	२०	३।४४	५।२१	७।१७	९।३२	११।५२	२।०९	४।२४	६।४३	९।०२	११।०७	१२।५०	२।१८
०७।०३।५४।००	९ मं	२१	३।४०	५।१७	७।१३	९।२८	११।४८	२।०५	४।२०	६।४०	८।५८	११।०३	१२।४६	२।१४
०७।०४।५४।५०	१० बु	२२	३।३६	५।१३	७।०९	९।२४	११।४४	२।०१	४।१६	६।३६	८।५४	१०।५९	१२।४२	२।१०
०७।०५।५५।४२	११ गु	२३	३।३२	५।०९	७।०५	९।२०	११।४०	१।५७	४।१२	६।३२	८।५०	१०।५५	१२।३८	२।०६
०७।०६।५६।३५	१२ शु	२४	३।२९	५।०५	७।०१	९।१६	११।३६	१।५३	४।०९	६।२८	८।४६	१०।५१	१२।३४	२।०३
०७।०७।५७।३०	१३ श	२५	३।२५	५।०१	६।५७	९।१२	११।३२	१।४९	४।०५	६।२४	८।४२	१०।४७	१२।३०	१।५९
०७।०८।५८।२६	१४ र	२६	३।२१	४।५७	६।५३	९।०८	११।२८	१।४५	४।०१	६।२०	८।३८	१०।४३	१२।२६	१।५५
०७।०९।५९।२४	१५ चं	२७	३।१७	४।५३	६।४९	९।०४	११।२४	१।४१	३।५७	६।१६	८।३४	१०।३९	१२।२२	१।५१

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०२३

का. शु. ३ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २५।०१ वाराद ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १८।३७ से २५।०१ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २४।१०।१९

पं.३३ का.शु.१३ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श	रा.	के.
७	७	७	०	५	१०	११	५
०८	०६	२७	१३	२४	०६	२८	२८
१९	१६	३१	२८	२१	४२	३७	३७
४८	०८	३३	११	५१	२५	३२	३२
६०	४२	८१	६	६९	२	३	३
४३	४६	५२	३६	०८	१२	११	११
अनु	अनु	ज्ये	भ	चि	श	रे	चि
२	१	४	१व	१	१	४	२

२८ नवंबर से १२ दिसंबर तक, श्री मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमासू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति गुर्जराः, नवंबर-दिसंबर २०२३

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
मातङ्ग	१	मं	१७	३५	१४	०७	रोहि	१६	०६	१३	३१	सि	३७	२०	२२	०१	कौ	१७	३५	१४	०७	२६ ०३	०७ ०५	५ ३०	७	१३	२८	मिथु. २५।४०	७।१०।५३।०२	६१।००	मृगे रे. ९ ।।।।।ऽ।।।। रात्रौ लग्न ३, ७, ८
अमृत	२	बु	१७	१०	१३	५८	मृग	१७	०९	१३	५७	सा	३४	२३	२०	५१	ग	१७	१०	१३	५८	०१	०६	३०	८	१४	२९	मिथु.	७।११।५४।०२	६१।०२	भ. २६।०६ उ., तुलायां शुक्रः २७।५७
च.व्र.	३	गु	१८	१५	१४	२५	आर्द्रा	१९	४०	१४	५८	शु	३२	३७	२०	१०	वि	१८	१५	१४	२५	२५ ५९	०७	३०	९	१५	३०	मिथु.	७।१२।५५।०४	६१।०३	भ. १४।२५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।०५, सौभाग्य सुंदरी व्र.
लुम्बक	४	शु	२०	५६	१५	३०	पुन	२३	४३	१६	३७	शु	३२	०५	१९	५७	बा	२०	५६	१५	३०	५७	०७	३०	१०	१६	१	कर्के १०।०९	७।१३।५६।०७	६१।०४	दिसंबर १२ ता. ३१
मित्र	५	श	२५	११	१७	१३	पुष्य	२९	१६	१८	५१	ब्र	३२	४३	२०	१३	तै	२५	११	१७	१३	५५	०८	३०	११	१७	२	कर्के	७।१४।५७।११	६१।०५	
वज्र	६	र	३०	४६	१९	२७	श्ले	३६	०२	२१	३४	ऐ	३४	१७	२०	५२	व	३०	४६	१९	२७	५३	०९	३०	१२	१८	३	सिंहे २१।३४	७।१५।५८।१६	६१।०६	भ. १९।२७ उ., ज्येष्ठा. रविः १२।३७ (सौरः २३।३३)
ध्वाङ्क्ष	७	सो	३७	११	२२	०२	मघा	४३	३३	२४	३५	वै	३६	२७	२१	४४	वि	३	५३	८	४३	५१	१०	३०	१३	१९	४	सिंहे	७।१६।५९।२३	६१।०८	भ. ८।४३ या.
धूम्र	८	मं	४३	४८	२४	४१	पूफा	५१	१२	२७	३९	वि	३८	४६	२२	४१	बा	१०	२९	११	२२	५०	१०	३०	१४	२०	५	सिंहे	७।१८।००।३०	६१।०९	कालभैरवाष्टमी, स्वा. शुक्रः २०।३८
प्रवर्धमा	९	बु	४९	५६	२७	१०	उफा	५८	१८	३०	३०	प्री	४०	४६	२३	२९	तै	१६	५७	१३	५८	४८	११	३०	१५	२१	६	कन्या १०।२४	७।१९।०१।३९	६१।१०	हस्ते रे. ६ ऽ।।।।ऽ।ऽ।ऽ रात्रौ लग्न ८
राक्षस	१०	गु	५४	५६	२९	१०	हस्त	...	...	...	...	आ	४१	५७	२३	५९	व	२२	३५	१६	१४	४७	१२	३१	१६	२२	७	कन्या	७।२०।०२।४९	६१।११	भ. १६।१४ उ. २९।१० या.
ए.व्र.	११	शु	५८	२३	३०	३४	हस्त	४	१५	८	५५	सौ	४२	०४	२४	०२	ब	२६	५१	१७	५७	४५	१३	३१	१७	२३	८	तुला. २१।५४	७।२१।०३।५९	६१।१२	उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र.
काण	१२	श	...	...	...	...	चित्रा	८	४३	१०	४२	शो	४०	५०	२३	३३	कौ	२९	२६	१९	००	४४	१३	३१	१८	२४	९	तुला.	७।२२।०५।११	६१।१३	ज्येष्ठा. भौमः १८।३८, पूषा. बुधः २५।५६
प्र.व्र.	१२	र	०	००	७	१४	स्वा	११	२६	११	४८	अ	३८	१२	२२	३१	तै	०	००	७	१४	४३	१४	३१	१९	२५	१०	वृश्चि. ३०।१०	७।२३।०६।२४	६१।१४	भ. ३१।११ उ., प्रदोषः
क्षयः	१३	र	५९	५२	३१	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
मित्र	१४	सो	५७	५७	३०	२६	विशा	१२	२३	१२	१२	सु	३४	११	२०	५५	वि	२९	०६	१८	५३	४२	१५	३१	२०	२६	११	वृश्चि.	७।२४।०७।३८	६१।१५	भ. १८।५३ या., मासिकशिवरात्री व्र.
अमाव.	३०	मं	५४	३१	२९	०४	अनु	११	४१	११	५६	धृ	२८	५४	१८	४९	च	२६	२३	१७	४९	४१	१५	३२	२१	२७	१२	वृश्चि.	७।२५।०८।५२	६१।१५	देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः

अयनांशाः २४।१०।२०

पं.३४ मा.कृ. ५ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	८	०	६	१०	११	५
१५	११	०६	१२	०२	०६	२८	२८
२५	१६	२८	४५	२९	५९	१५	१५
१६	३२	०८	००	१३	४८	१५	१५
६०	४३	६७	५	७०	२	३	३
५२	०७	२३	३४	१५	५३	११	११
अनु	अनु	मू	अ	चि	श	रे	चि
४	३	२	४व	३	१	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	नवं.	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा
०७।११।००।२३	१ मं	२८	३।१३	४।४९	६।४५	९।००	११।२०	१।३७	३।५३	६।१२	८।३०	१०।३५	१२।१८	१।४७
०७।१२।०१।२४	२ बु	२९	३।०९	४।४५	६।४१	८।५६	११।१६	१।३३	३।४९	६।०८	८।२७	१०।३१	१२।१४	१।४३
०७।१३।०२।२६	३ गु	३०	३।०५	४।४१	६।३७	८।५२	११।१२	१।२९	३।४५	६।०४	८।२३	१०।२७	१२।१०	१।३९
०७।१४।०३।२९	४ शु	१	३।०१	४।३७	६।३३	८।४८	११।०८	१।२५	३।४१	६।००	८।१९	१०।२३	१२।०६	१।३५
०७।१५।०४।३३	५ श	२	२।५७	४।३३	६।२९	८।४४	११।०४	१।२१	३।३७	५।५६	८।१५	१०।१९	१२।०२	१।३१
०७।१६।०५।३८	६ र	३	२।५३	४।२९	६।२६	८।४०	११।००	१।१७	३।३३	५।५२	८।११	१०।१५	११।५८	१।२७
०७।१७।०६।४५	७ चं	४	२।४९	४।२५	६।२२	८।३६	१०।५६	१।१३	३।२९	५।४८	८।०७	१०।११	११।५५	१।२३
०७।१८।०७।५३	८ मं	५	२।४५	४।२१	६।१८	८।३२	१०।५२	१।०९	३।२५	५।४४	८।०३	१०।०७	११।५१	१।१९
०७।१९।०९।०२	९ बु	६	२।४१	४।१७	६।१४	८।२८	१०।४९	१।०५	३।२१	५।४०	७।५९	१०।०३	११।४७	१।१५
०७।२०।१०।१२	१० गु	७	२।३७	४।१३	६।१०	८।२५	१०।४५	१।०१	३।१७	५।३६	७।५५	९।५९	११।४३	१।११
०७।२१।११।२३	११ शु	८	२।३३	४।१०	६।०६	८।२१	१०।४१	१२।५८	३।१३	५।३२	७।५१	९।५६	११।३९	१।०७
०७।२२।१२।३५	१२ श	९	२।२९	४।०६	६।०२	८।१७	१०।३७	१२।५४	३।०९	५।२९	७।४७	९।५२	११।३५	१।०३
०७।२३।१३।४८	१२ र	१०	२।२५	४।०२	५।५८	८।१३	१०।३३	१२।५०	३।०५	५।२५	७।४३	९।४८	११।३१	१२।५९
०७।२४।१५।०१	१४ चं	११	२।२१	३।५८	५।५४	८।०९	१०।२९	१२।४६	३।०१	५।२१	७।३९	९।४४	११।२७	१२।५५
०७।२५।१६।१६	३० मं	१२	२।१८	३।५४	५।५०	८।०५	१०।२५	१२।४२	२।५८	५।१७	७।३५	९।४०	११।२३	१२।५२

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। कृ. तीज को आर्द्रा होने से धान्य सस्ता रहे। राज्य स्वस्थ रहे और प्रजा में सुस्थ रहे। मगलवारी अमावस होने से राज्यभ्रंश, राजयुद्ध-क्लेशो की वृद्धि-उपघात-अल्पवृष्टि और द्रव्यों की हानि हो। अमावस्या अनुराधा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी है। पूर्णिमा मृगशिरा युक्त होने से महर्घता हो। वृहस्पति और शुक्र परस्पर सप्तम राशि में स्थित होने से रोग और अनेक प्रकार के भय से प्रजागण पीड़ित हो तथा अवृष्टि हो। शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २४।१०।२१

पं.३५ मा.कृ.१२ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	८	०	६	१०	११	५
२२	१६	१२	१२	१०	०७	२७	२७
३१	१९	५४	०९	४३	२१	५२	५२
४२	२१	०२	३९	५०	५६	५९	५९
६०	४३	३३	४	७१	३	३	३
५९	२७	२०	२१	१०	३२	११	११
ज्ये	अनु	मू	अ	स्वा	श	रे	चि
२	४	४	४व	२	१	४	२

१३ दिसंबर से २६ दिसंबर तक,श्री मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
ध्वाङ्क्ष	१	बु	४९	५१	२७	१२	ज्ये	९	३३	११	०५	शू	२२	३१	१६	१६	किं	२२	१८	१६	११	२५/४०	७/१६	५/३२	२२	२८	१३	धनु. ११।०५	७।२६।१०।०७	६१।१६
धूम्र	२	गु	४४	१६	२४	५९	मूल	६	१८	९	४८	गं	१५	१६	१३	२३	वा	१७	०९	१४	०८	३९	१७	३२	२३	२९	१४	धनु.	७।२७।११।२४	६१।१७
प्रवर्धमा	३	शु	३८	११	२२	३४	पूषा	२/५७	१६/४०	८/३०	४२/२५	वृ	७/५९	२७/२०	१०/३१	१६/०१	तै	११	१६	११	४८	३८	१७	३३	२४	१	१५	मक. १३।४६	७।२८।१२।४१	६१।१८
चर	४	श	३१	५२	२०	०३	श्रव	५३	१७	२८	३७	व्या	५१	०८	२७	४५	व	५	००	९	१८	३८	१८	३३	२५	२	१६	मक.	७।२९।१३।५८	६१।१८
मातङ्ग	५	र	२५	४०	१७	३४	धनि	४८	५७	२६	५३	ह	४३	०६	२४	३३	बा	२५	४०	१७	३४	३७	१८	३३	२६	३	१७	कुंभे १५।४४	८।००।१५।१६	६१।१९
अमृत	६	सो	१९	४८	१५	१४	शत	४५	०२	२५	२०	व	३५	२३	२१	२८	तै	१९	४८	१५	१४	३७	१९	३४	२७	४	१८	कुंभे	८।०१।१६।३५	६१।२०
काण	७	मं	१४	२८	१३	०७	पूभा	४१	४१	२४	००	सि	२८	०७	१८	३४	व	१४	२८	१३	०७	३६	२०	३४	२८	५	१९	मीने १८।१९	८।०२।१७।५५	६१।२०
लुम्बक	८	बु	९	४५	११	१४	उभा	३८	५९	२२	५६	व्य	२१	२१	१५	५३	व	९	४५	११	१४	३६	२०	३५	२९	६	२०	मीने	८।०३।१९।१५	६१।२१
मित्र	९	गु	५	४२	९	३८	रेव	३६	५६	२२	०७	व	१५	०८	१३	२४	कौ	५	४२	९	३८	३६	२१	३५	३०	७	२१	मेषे २२।०७	८।०४।२०।३६	६१।२१
ए.व्र.	१०	शु	२	२०	८	१७	अश्वि	३५	३३	२१	३४	प	९	२६	११	०८	ग	२	२०	८	१७	३६	२१	३६	१	८	२२	मेषे	८।०५।२१।५७	६१।२२
क्षयः	११	शु	५९	३८	३१	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ए.व्र.	१२	श	५७	३९	३०	२५	भर	३४	४९	२१	१७	शि	४/५९	१६/४१	९/३१	०४/१४	व	२८	३३	१८	४७	३६	२२	३६	२	९	२३	वृषे २७।१६	८।०६।२३।१९	६१।२२
प्र.व्र.	१३	र	५६	२५	२९	५६	कृति	३४	४९	२१	१८	सा	५५	४१	२९	३९	कौ	२६	५५	१८	०८	३६	२२	३७	३	१०	२४	वृषे	८।०७।२४।४१	६१।२२
प्रवर्धमा	१४	सो	५६	०३	२९	४८	रोहि	३५	३८	२१	३८	शु	५२	२१	२८	१९	ग	२६	०७	१७	४९	३६	२३	३७	४	११	२५	वृषे	८।०८।२६।०३	६१।२३
पूर्णिमा	१५	मं	५६	४२	३०	०४	मृग	३७	२१	२२	२०	शु	४९	४६	२७	१७	वि	२६	१३	१७	५२	३७	२३	३८	५	१२	२६	मिथु. ९।५६	८।०९।२७।२५	६१।२३

केतकी अहर्गणः ४६३४ हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे, दिसंबर २०२३

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
वक्री बुधः २५।५० [B द्वात्रिंशी (वत्तीसी) पूर्णिमा
चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [D जमादिलास्सर ६
उषा. रे. ९ ।।।।।S।।।। रात्रौ लग्न ३, ४, ७, ८, रंभास्येयं, D
भ. ९।१८ उ. २०।०३ या., धनुषि मूले रविः १५।३६ (सौरः C
पंचक प्रारम्भः १५।४४, नागपंचमी, बुधास्तः पश्चिमायाम् ९।५७
स्कंदषष्ठी
भ. १३।०७ उ. २४।०९ या.
कल्पादि [C २५।२०), (व)मूले बुधः १९।०४,विशा.शुक्रः २५।५१
पंचक समाप्तिः २२।०७
भ.१९।४३ उ. ३१।१३ या., मोक्षदा ११ व्र.स्मार्त, भा.पोषारंभः, A
[A सायन मकरे भानुः, सायन उत्तरायण प्रारम्भ ८।५८
मोक्षदा ११ व्र.वैष्ण., गीता जयंती, अयन करिदिन
प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र.
भ. २९।४८ उ.,पिशाच मोचन श्राद्धं,वडादिन, वृश्चिके शुक्रः ९।०१
भ. १७।५२ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, B

अयनांशाः २४।१०।२२

पं.३६ मा.शु. ४ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	८	०	६	१०	११	५
२९	२१	१३	११	१९	०७	२७	२७
३८	२४	३७	४३	०४	४८	३०	३०
५४	३४	५३	१६	२५	२९	४३	४३
६१	४३	३६	३	७१	४	३	३
०५	४८	३१	००	५६	०८	११	११
ज्ये	ज्ये	पूषा	अ	स्वा	श	रे	चि
४	२	१व	४व	४	१	४	२

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. दिसं	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन सायं	कर्क रात्रौ	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु प्रातः	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०७।२६।१७।३२	१ बु	१३	२।१४	३।५०	५।४६	८।०१	१०।२१	१२।३८	२।५४	५।१३	७।३१	९।३६	११।१९	१२।४८
०७।२७।१८।४८	२ गु	१४	२।१०	३।४६	५।४२	७।५७	१०।१७	१२।३४	२।५०	५।०९	७।२७	९।३२	११।१५	१२।४४
०७।२८।२०।०५	३ शु	१५	२।०६	३।४२	५।३८	७।५३	१०।१३	१२।३०	२।४६	५।०५	७।२३	९।२८	११।११	१२।४०
०७।२९।२१।२३	४ श	१६	२।०२	३।३८	५।३४	७।४९	१०।०९	१२।२६	२।४२	५।०१	७।१९	९।२४	११।०७	१२।३६
०८।००।२२।४१	५ र	१७	१।५८	३।३४	५।३०	७।४५	१०।०५	१२।२२	२।३८	४।५७	७।१६	९।२०	११।०३	१२।३२
०८।०१।२४।०१	६ चं	१८	१।५४	३।३०	५।२६	७।४१	१०।०१	१२।१८	२।३४	४।५३	७।१२	९।१६	१०।५९	१२।२८
०८।०२।२५।२०	७ मं	१९	१।५०	३।२६	५।२२	७।३७	९।५७	१२।१४	२।३०	४।४९	७।०८	९।१२	१०।५५	१२।२४
०८।०३।२६।४१	८ बु	२०	१।४६	३।२२	५।१८	७।३३	९।५३	१२।१०	२।२६	४।४५	७।०४	९।०८	१०।५१	१२।२०
०८।०४।२८।०१	९ गु	२१	१।४२	३।१८	५।१५	७।२९	९।४९	१२।०६	२।२२	४।४१	७।००	९।०४	१०।४७	१२।१६
०८।०५।२९।२३	१० शु	२२	१।३८	३।१४	५।११	७।२५	९।४५	१२।०२	२।१८	४।३७	६।५६	९।००	१०।४४	१२।१२
०८।०६।३०।४४	१२ श	२३	१।३४	३।१०	५।०७	७।२१	९।४१	११।५८	२।१४	४।३३	६।५२	८।५६	१०।४०	१२।०८
०८।०७।३२।०७	१३ र	२४	१।३०	३।०६	५।०३	७।१७	९।३८	११।५४	२।१०	४।२९	६।४८	८।५२	१०।३६	१२।०४
०८।०८।३३।२९	१४ चं	२५	१।२६	३।०२	४।५९	७।१४	९।३४	११।५०	२।०६	४।२५	६।४४	८।४८	१०।३२	१२।००
०८।०९।३४।५२	१५ मं	२६	१।२२	२।५९	४।५५	७।१०	९।३०	११।४७	२।०२	४।२१	६।४०	८।४५	१०।२८	११।५६

संक्रांति फलम्

ता. १६ दिसंबर २०२३

मार्ग. शु. ४ शनौ धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. १५।३६ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्वदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्वदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः विटीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्वैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १५।३६ से २२।०० तक । (दान- वस्त्र) ।

अयनांशाः २४।१०।२३

पं.३७ मा.शु.१२ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	७	८	०	६	१०	११	५
०६	२६	०६	११	२७	०८	२७	२७
४६	३२	०३	२६	२९	१९	०८	०८
३८	०६	२२	३६	५२	०९	२७	२७
६१	४४	८३	१	७२	४	३	३
०८	०७	४३	३४	३३	४२	११	११
मू	ज्ये	मू	अ	वि	श	रे	चि
३	३	२व	४व	३	१	४	२

२७ दिसंवर से ११ जनवरी तक, श्री पोष कृष्णपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीस्व स्टै. प्रातः दैनिक | शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे मार्गशीर्षकृष्णेति गुर्जराः,दिसं.२०२३-जन.२४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है ।
मुसल	१	वु	५८	२९	३०	४७	आर्द्रा	४०	०८	२३	२७	ब्र	४८	०४	२६	३७	वा	२७	२६	१८	२२	३५/३७	७/२३	५/३८	६	१३	२७	मिथु.	८।१०।२८।४८	६१।२३	धनुषि मूले भौमः २४।१६, बुधोदयः पूर्वस्याम् १५।४४, अनु. A
सिद्धि	२	गु	...	...	...	...	पुन	४४	०५	२५	०२	ऐ	४७	१७	२६	११	तै	२९	४९	११	११	३८	२४	३९	७	१४	२८	कर्के १८।३५	८।११।३०।१२	६१।२३	(व) वृश्चिके ज्येष्ठा. बुधः ८।१२
उत्पात	२	शु	१	२८	७	५९	पुष्य	४९	१५	२७	०६	वै	४७	२७	२६	२३	ग	१	२८	७	५९	३८	२४	४०	८	१५	२९	कर्के	८।१२।३१।३५	६१।२३	भ. २०।४८ उ., पूषा. रविः १७।४७ (सौरः २६।२०)
च.ब्र.	३	श	५	४६	९	४३	श्ले	५५	३५	२९	३९	वि	४८	३३	२६	५०	वि	५	४६	९	४३	३९	२५	४०	९	१६	३०	सिंहे २९।३९	८।१३।३२।५८	६१।२४	भ. ९।४३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४७
मुद्गर	४	र	११	१४	११	५५	मघा	...	...	...	...	प्री	५०	२५	२७	३५	वा	११	१४	११	५५	४०	२५	४१	१०	१७	३१	सिंहे	८।१४।३४।२२	६१।२४	मार्गी गुरुः १८।४६, रेव.-३ राहुः ३०।०९, चित्रा.-१ केतुः ३०।०९
ध्वाङ्क्ष	५	सो	१७	३८	१४	२८	मघा	२	४९	८	३३	आ	५२	४४	२८	३१	तै	१७	३८	१४	२८	४१	२५	४२	११	१८	१	सिंहे	८।१५।३५।४६	६१।२४	जनवरी १ ता. ३१ सन २०२४ ई.
धूम्र	६	मं	२४	२५	१७	११	पूफा	१०	३६	११	४०	सौ	५५	०७	२९	२८	व	२४	२५	१७	११	४२	२५	४२	१२	१९	२	कन्या १८।२७	८।१६।३७।०९	६१।२४	भ. १७।११ उ. ३०।३३ या., मार्गी बुधः १९।३७
प्रवर्धमा	७	बु	३१	००	१९	५०	उफा	१८	१८	१४	४५	शो	५७	०८	३०	१७	व	३१	००	१९	५०	४३	२६	४३	१३	२०	३	कन्या	८।१७।३८।३३	६१।२४	
राक्षस	८	गु	३६	४२	२२	०७	हस्त	२५	१६	१७	३२	अ	५८	१८	३०	४५	वा	४	००	९	०२	४४	२६	४४	१४	२१	४	तुला. ३०।४५	८।१८।३९।५७	६१।२४	[A शुक्रः २७।००
मुसल	९	शु	४०	५४	२३	४८	चित्रा	३०	५५	१९	४८	सु	५८	१३	३०	४३	तै	९	००	११	०२	४६	२६	४४	१५	२२	५	तुला.	८।१९।४१।२०	६१।२३	
सिद्धि	१०	श	४३	११	२४	४३	स्वा	३४	४८	२१	२१	धृ	५६	३८	३०	०५	व	१२	१७	१२	२१	४७	२६	४५	१६	२३	६	तुला.	८।२०।४२।४४	६१।२३	भ. १२।२१ उ. २४।४३ या.
ए.ब्र.	११	र	४३	२१	२४	४७	विशा	३६	३९	२२	०६	शू	५३	२४	२८	४८	व	१३	३१	१२	५१	४९	२६	४६	१७	२४	७	वृश्चि. १५।५९	८।२१।४४।०७	६१।२३	सफला ११ व्र., धनुषि मूले बुधः २२।४०, ज्येष्ठा. शुक्रः २५।२६
मानस	१२	सो	४१	२२	२३	५९	अनु	३६	२६	२२	०१	गं	४८	३२	२६	५१	कौ	१२	३७	१२	२९	५०	२६	४७	१८	२५	८	वृश्चि.	८।२२।४५।३०	६१।२३	सुरुप द्वादशी १२
प्र.ब्र.	१३	मं	३७	२७	२२	२५	ज्ये	३४	१७	२१	०९	वृ	४२	०९	२४	१८	ग	९	३८	११	१८	५२	२७	४७	१९	२६	९	धनु. २१।०९	८।२३।४६।५३	६१।२३	भ. २२।२५ उ., प्रदोपः, मासिकशिवरात्री व्र.
ध्वजा	१४	बु	३१	५३	२०	१२	मूल	३०	३०	१९	३८	ध्रु	३४	२८	२१	१४	वि	४	५१	९	२३	५४	२७	४८	२०	२७	१०	धनु.	८।२४।४८।१६	६१।२२	भ. ९।२३ या., शत.-२ शनिः २८।१८
अमाव.	३०	गु	२५	०३	१७	२८	पूषा	२५	२७	१७	३७	व्या	२५	४८	१७	४६	ना	२५	०३	१७	२८	५६	२७	४९	२१	२८	११	मक. २३।०४	८।२५।४९।३८	६१।२२	देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, उषा. रविः १९।४४ (सौरः २७।०९)

अयनांशाः २४।१०।२४

पं.३८ पौ.कृ. ३ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	७	०	७	१०	११	५
१३	०१	२८	११	०५	०८	२६	२६
५४	४१	३९	२०	५९	५३	४६	४६
४३	५३	२४	०२	११	३७	११	११
६१	४४	२४	०	७३	५	३	३
१०	२६	५५	०६	०२	१३	११	११
पूषा	मू	ज्ये	अ	अनु	श	रे	चि
१	१	४व	४व	१	१	४	२

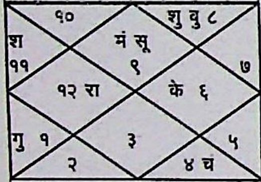

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	दिसं	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रा	रात्रौ	प्रातः	दिवा	दिवा	दिवा
०८।१०।३६।१५	१ बु	२७	१।१८	२।५५	४।५१	७।०६	९।२६	११।४३	१।५८	४।१८	६।३६	८।४१	१०।२४	११।५२
०८।११।३७।३८	२ गु	२८	१।१४	२।५१	४।४७	७।०२	९।२२	११।३९	१।५४	४।१४	६।३२	८।३७	१०।२०	११।४८
०८।१२।३९।०२	२ शु	२९	१।१०	२।४७	४।४३	६।५८	९।१८	११।३५	१।५१	४।१०	६।२८	८।३३	१०।१६	११।४४
०८।१३।४०।२५	३ श	३०	१।०७	२।४३	४।३९	६।५४	९।१४	११।३१	१।४७	४।०६	६।२४	८।२९	१०।१२	११।४१
०८।१४।४१।४९	४ र	३१	१।०३	२।३९	४।३५	६।५०	९।१०	११।२७	१।४३	४।०२	६।२०	८।२५	१०।०८	११।३७
०८।१५।४३।१३	५ चं	१	१२।५९	२।३५	४।३१	६।४६	९।०६	११।२३	१।३९	३।५८	६।१६	८।२१	१०।०४	११।३३
०८।१६।४४।३७	६ मं	२	१२।५५	२।३१	४।२७	६।४२	९।०२	११।१९	१।३५	३।५४	६।१२	८।१७	१०।००	११।२९
०८।१७।४६।००	७ बु	३	१२।५१	२।२७	४।२३	६।३८	८।५८	११।१५	१।३१	३।५०	६।०८	८।१३	९।५६	११।२५
०८।१८।४७।२४	८ गु	४	१२।४७	२।२३	४।१९	६।३४	८।५४	११।११	१।२७	३।४६	६।०५	८।०९	९।५२	११।२१
०८।१९।४८।४८	९ शु	५	१२।४३	२।१९	४।१५	६।३०	८।५०	११।०७	१।२३	३।४२	६।०१	८।०५	९।४८	११।१७
०८।२०।५०।११	१० श	६	१२।३९	२।१५	४।११	६।२६	८।४६	११।०३	१।१९	३।३८	५।५७	८।०१	९।४४	११।१३
०८।२१।५१।३५	११ र	७	१२।३५	२।११	४।०७	६।२२	८।४२	१०।५९	१।१५	३।३४	५।५३	७।५७	९।४०	११।०९
०८।२२।५२।५८	१२ चं	८	१२।३१	२।०७	४।०४	६।१८	८।३८	१०।५५	१।११	३।३०	५।४९	७।५३	९।३७	११।०५
०८।२३।५४।२१	१३ मं	९	१२।२७	२।०३	४।००	६।१४	८।३४	१०।५१	१।०७	३।२६	५।४५	७।४९	९।३३	११।०१
०८।२४।५५।४३	१४ बु	१०	१२।२३	१।५९	३।५६	६।१०	८।३१	१०।४७	१।०३	३।२२	५।४१	७।४५	९।२९	१०।५७
०८।२५।५७।०५	३० गु	११	१२।१९	१।५५	३।५२	६।०७	८।२७	१०।४३	१२।५९	३।१८	५।३७	७।४१	९।२५	१०।५३

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो, पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो ॥ बुधेरसक्षयोभूम्यां ॥ मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। अमावस्या पूर्वाषाढा योग दुर्भिक्ष और कष्टकारी हैं। मास की शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। पूर्णिमा पुनर्वसु युक्त होने से महर्घता हो। धन राशि में बुध का उदय प्रजा में सुख का उदय। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कही युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महंगे हों।

अयनांशाः २४।१०।२५

पं.३९ पौ.कृ.१० श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	७	०	७	१०	११	५
२१	०६	२९	११	१४	०९	२६	२६
०२	५३	०१	२३	३१	३१	२३	२३
५४	५१	०१	३५	३३	४९	५५	५५
६१	४४	३३	१	७३	५	३	३
१०	४४	५४	२२	२४	४०	११	११
पूषा	मू	ज्ये	अ	अनु	श	रे	चि
३	३	४	४	४	१.	३	१

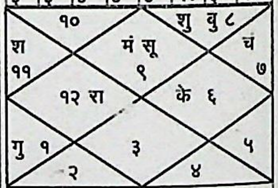

१२ जनवरी से २५ जनवरी तक, श्री पोष शुक्लपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
आनन्द	१	शु	१७	२४	१४	२४	उषा	१९	३५	१५	१७	ह	१६	२७	१४	०१	व	१७	२४	१४	२४	२५/५८	७/२७	५/५०	२२	२९	१२	मक.	८।२६।५१।००	६१।२१
सुस्थिर	२	श	९	२३	११	१२	श्रव	१३	२२	१२	४८	व	६/५७	४७/१०	१०/३०	१०/१९	कौं	९	२३	११	१२	२६/००	२७	५१	२३	३०	१३	कुंभे २३।३३	८।२७।५२।२१	६१।२१
मातङ्ग	३	र	१	२५	८	००	धनि	७	१५	१०	२०	व्य	४७	५३	२६	३६	ग	१	२५	८	००	०२	२७	५१	२४	१	१४	कुंभे	८।२८।५३।४२	६१।२१
क्षयः	४	र	५३	५३	२९	००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
अमृत	५	सो	४७	०७	२६	१७	शत	१/५६	३६/४५	८/३०	०५/०८	व	३९	१२	२३	०७	व	२०	२३	१५	३६	०४	२७	५२	२५	२	१५	मीने २४।३५	८।२९।५५।०२	६१।२०
सिद्धि	६	मं	४१	२१	२३	५९	उभा	५२	५५	२८	३६	प	३१	१७	१९	५७	कौ	१४	०५	१३	०५	०६	२६	५३	२६	३	१६	मीने	९।००।५६।२२	६१।१९
उत्पात	७	बु	३६	४४	२२	०८	रेव	५०	१४	२७	३२	शि	२४	१७	१७	०९	ग	८	५३	११	००	०९	२६	५४	२७	४	१७	मेषे २७।३२	९।०१।५७।४२	६१।१९
मानस	८	गु	३३	१८	२०	४६	अश्वि	४८	४५	२६	५६	सि	१८	१५	१४	४४	वि	४	५२	९	२३	११	२६	५५	२८	५	१८	मेषे	९।०२।५९।००	६१।१८
मुद्गर	९	शु	३१	०६	१९	५२	भर	४८	२५	२६	४८	सा	१३	०९	१२	४२	वा	२	०३	८	१५	१४	२६	५५	२९	६	१९	मेषे	९।०४।००।१८	६१।१७
ध्वजा	१०	श	३०	०२	१९	२६	कृति	४९	११	२७	०६	शु	८	५९	११	०१	तै	०	२५	७	३६	१६	२६	५६	३०	७	२०	वृषे ८।५०	९।०५।०१।३६	६१।१७
ए.ब्र.	११	र	३०	०३	१९	२७	रोहि	५१	००	२७	४९	शु	५	४०	९	४१	वि	३०	०३	१९	२७	१९	२६	५७	१	८	२१	वृषे	९।०६।०२।५३	६१।१६
आनन्द	१२	सो	३१	०७	१९	५२	मृग	५३	४६	२८	५६	ब्र	३	१०	८	४१	व	०	२७	७	३६	२१	२५	५८	२	९	२२	मिथु. १६।२०	९।०७।०४।०९	६१।१५
प्र.ब्र.	१३	मं	३३	०८	२०	४०	आर्द्रा	५७	२९	३०	२४	ऐ	१	२६	७	५९	कौ	२	००	८	१३	२४	२५	५९	३	१०	२३	मिथु.	९।०८।०५।२४	६१।१४
गद	१४	बु	३६	०७	२१	५२	पुन	...	...	...	...	वै	०	२६	७	३५	ग	४	३१	९	१३	२७	२५	६/००	४	११	२४	कर्क २५।४५	९।०९।०६।३८	६१।१३
पूर्णिमा	१५	गु	४०	०२	२३	२५	पुन	२	०६	८	१५	वि	०	०९	७	२८	वि	७	५८	१०	३५	३०	२४	००	५	१२	२५	कर्क	९।१०।०७।५२	६१।१३

केतकी अहर्गणः ४६६४ शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे, जनवरी २०२४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
[B निरयन उत्तरायनारंभः, पूषा. भौमः २१।५२
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः २३।३३
भ. १८।२८ उ. २९।०० या., रज्ञव ७, मकरे रविः २६।१५, B
[A माघ स्नानारंभः, अभि.नि. रविः १८।५८ (सौरः २५।१४)
मकरे सौरः ९।२३
उभा. रे. ८ IIIIISSIII रात्रौ लग्न ८, सक्रान्ति करिदिन
भ. २२।०८ उ., पंचक समाप्तिः २७।३२
भ. ९।२३ या., शांकभरी यात्रा, धनुषि मूले शुक्रः २२।०५
[D कुंभे भानुः १९।३३, पूषा. बुधः १६।०३
भ. ३१।२४ उ., रोहि. रे. ७ SIIIISIISI रात्रौ लग्न ८, सायन D
भ. १९।२७ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि, भा. माघारंभः, C
मृगे रे ७ SIIIIIISS रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(४), ८
प्रदोष. नेताजी जयन्ती [C अभि.प्र.रविः१५।२२ (सौरः २१।५८)
भ. २१।५२ उ., श्रव. रविः २२।०० (सौरः २८।२०)
भ. १०।३५ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शाकंभरी जयंती, A

अयनांशाः २४।१०।२६

पं.४० पौ.शु. २ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	८	०	७	१०	११	५
२८	१२	०४	११	२३	१०	२६	२६
१०	०७	३९	३७	०६	१२	०१	०१
५८	५४	१५	२३	१३	४६	४०	४०
६१	४५	६३	२	७३	६	३	३
०८	०२	२६	४७	४१	०५	११	११
उषा	मू	मू	अ	ज्ये	श	रे	चि
१	४	२	४	२	२	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जन.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायं	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर प्रातः	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०८।२६।५८।२७	१ शु	१२	१२।१५	१।५२	३।४८	६।०३	८।२३	१०।३९	१२।५५	३।१४	५।३३	७।३८	९।२१	१०।४९
०८।२७।५९।४९	२ श	१३	१२।११	१।४८	३।४४	५।५९	८।१९	१०।३६	१२।५१	३।१०	५।२९	७।३४	९।१७	१०।४५
०८।२९।०१।१०	३ र	१४	१२।०७	१।४४	३।४०	५।५५	८।१५	१०।३२	१२।४७	३।०७	५।२५	७।३०	९।१३	१०।४१
०९।००।०२।३०	५ चं	१५	१२।०३	१।४०	३।३६	५।५१	८।११	१०।२८	१२।४३	३।०३	५।२१	७।२६	९।०९	१०।३७
०९।०१।०३।५०	६ मं	१६	१२।००	१।३६	३।३२	५।४७	८।०७	१०।२४	१२।४०	२।५९	५।१७	७।२२	९।०५	१०।३३
०९।०२।०५।०९	७ बु	१७	११।५६	१।३२	३।२८	५।४३	८।०३	१०।२०	१२।३६	२।५५	५।१३	७।१८	९।०१	१०।३०
०९।०३।०६।२८	८ गु	१८	११।५२	१।२८	३।२४	५।३९	७।५९	१०।१६	१२।३२	२।५१	५।०९	७।१४	८।५७	१०।२६
०९।०४।०७।४६	९ शु	१९	११।४८	१।२४	३।२०	५।३५	७।५५	१०।१२	१२।२८	२।४७	५।०५	७।१०	८।५३	१०।२२
०९।०५।०९।०४	१० श	२०	११।४४	१।२०	३।१६	५।३१	७।५१	१०।०८	१२।२४	२।४३	५।०१	७।०६	८।४९	१०।१८
०९।०६।१०।२१	११ र	२१	११।४०	१।१६	३।१२	५।२७	७।४७	१०।०४	१२।२०	२।३९	४।५८	७।०२	८।४५	१०।१४
०९।०७।११।३७	१२ चं	२२	११।३६	१।१२	३।०८	५।२३	७।४३	१०।००	१२।१६	२।३५	४।५४	६।५८	८।४१	१०।१०
०९।०८।१२।५२	१३ मं	२३	११।३२	१।०८	३।०४	५।१९	७।३९	९।५६	१२।१२	२।३१	४।५०	६।५४	८।३७	१०।०६
०९।०९।१४।०६	१४ बु	२४	११।२८	१।०४	३।००	५।१५	७।३५	९।५२	१२।०८	२।२७	४।४६	६।५०	८।३३	१०।०२
०९।१०।१५।१९	१५ गु	२५	११।२४	१।००	२।५७	५।११	७।३१	९।४८	१२।०४	२।२३	४।४२	६।४६	८।२९	९।५८

संक्राति फलम्

ता. १४ जनवरी २०२४

पौष शु. ३ रवौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २६।१५ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २६।१५ से चंद्रे १८।१५ तक। (दान- काष्ट - अन्न)।

अयनांशाः २४।१०।२७

पं.४१ पौ.शु.१० श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	८	०	८	१०	११	५
०५	१७	१२	१२	०१	१०	२५	२५
१८	२३	५२	००	४२	५६	३९	३९
४३	५४	०३	५६	३६	२२	२५	२५
६१	४५	७७	४	७३	६	३	३
०४	१८	४९	०८	५३	२६	११	११
उषा	पूषा	मू	अ	मू	श	रे	चि
३	२	४	४	१	२	३	१

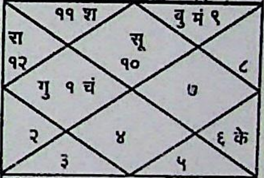

९ शु

॥ श्रीवल्लभ मनीराम पञ्चाङ्गम् ॥

२६ जनवरी से ९ फरवरी तक, श्री माघ कृष्णपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक | शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोपकृष्णेति गुर्जराः, जनवरी-फरवरी २०२४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
उत्पात	१	शु	४४	५२	२५	२१	पुष्य	७	३६	१०	२७	प्री	०	३३	७	३७	बा	१२	२१	१२	२०	२६ ३३	७ २४	६ ०१	६	१३	२६	कर्क	९।११।०९।०४	६१।१२	गणराज्यदिवस
मानस	२	श	५०	३३	२७	३७	श्ले	१३	५७	१२	५९	आ	१	४०	८	०३	तै	१७	३६	१४	२६	३६	२४	०२	७	१४	२७	सिंहे १२।५९	९।१२।१०।१६	६१।११	[A चतुर्थी, उषा. बुधः ३१।१८, पूषा. शुक्रः १७।४०
मुद्गर	३	र	५६	५६	३०	०९	मघा	२१	०४	१५	४९	सौ	३	२२	८	४४	व	२३	४०	१६	५१	३९	२३	०३	८	१५	२८	सिंहे	९।१३।११।२६	६१।१०	भ. १६।५१ उ. ३०।०९ या., सौभाग्य सुन्दरी व्र.
च.व्र.	४	सो	...	...	...	...	पूफा	२८	४४	१८	५२	शो	५	३३	९	३६	व	३०	१८	१९	३०	४२	२३	०४	९	१६	२९	कन्या २५।३९	९।१४।१२।३६	६१।०९	तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २१।२०, संकट हरगणपति व्र., गौरी A
धाता	४	मं	३	४५	८	५२	उफा	३६	३७	२२	०१	अ	८	०२	१०	३५	बा	३	४५	८	५२	४५	२२	०४	१०	१७	३०	कन्या	९।१५।१३।४४	६१।०७	हस्ते रे. ९ IIIIIISII रात्रौ लग्न ८, १०
आनन्द	५	बु	१०	३३	११	३५	हस्त	४४	१४	२५	०३	सु	१०	२८	११	३३	तै	१०	३३	११	३५	४८	२२	०५	११	१८	३१	कन्या	९।१६।१४।५२	६१।०६	हस्ते रे. ९ IIIIIISII रात्रौ लग्न गोधूलि(४)
चर	६	गु	१६	४५	१४	०३	चित्रा	५१	०१	२७	४६	घृ	१२	२९	१२	२१	व	१६	४५	१४	०३	५२	२१	०६	१२	१९	१	तुला.१४।२८	९।१७।१५।५८	६१।०५	भ. १४।०३ उ. २७।०७ या., फरवरी २ ता. २९, उषा. भौमः B
गद	७	शु	२१	४६	१६	०३	स्वा	५६	२४	२९	५४	शू	१३	३९	१२	४९	व	२१	४६	१६	०३	५५	२१	०७	१३	२०	२	तुला.	९।१८।१७।०३	६१।०४	स्वामी विवेकानन्द जयंती [C रविः २५।०७ (सौरः ३०।२७)
शुभ	८	श	२५	०४	१७	२२	विशा	५९	५६	३१	१९	गं	१३	३५	१२	४६	कौ	२५	०४	१७	२२	५८	२०	०८	१४	२१	३	वृश्चि. २५।०२	९।१९।१८।०७	६१।०३	बुधास्तः पूर्वस्याम् २६।२८, भर.-१ गुरुः २४।१८
मृत्यु	९	र	२६	१८	१७	५१	अनु	...	...	...	...	वृ	११	५९	१२	०७	ग	२६	१८	१७	५१	२७ ०२	२०	०८	१५	२२	४	वृश्चि.	९।२०।१९।१०	६१।०२	भ. २९।४५ उ., अनुरा. रे. ७ IIISISISII रात्रौ लग्न अ. गोधूलि
मानस	१०	सो	२५	१७	१७	२६	अनु	१	२२	७	५२	ध्रु	८	४०	१०	४७	वि	२५	१७	१७	२६	०५	१९	०९	१६	२३	५	वृश्चि.	९।२१।२०।११	६१।००	भ. १७।२६ या., मकरे भौमः २१।३०
ए.व्र.	११	मं	२२	०३	१६	०८	ज्ये	० ५७	३६ ४५	७ ३०	३३ २४	व्या	३ ५६	३७ ५२	८ ३०	४५ ०३	बा	२२	०३	१६	०८	०९	१८	१०	१७	२४	६	धनु. ७।३३	९।२२।२१।१२	६०।५९	मूले रे. ७ IIIIISSSII रात्रौ लग्न ८, पट्तिला ११ व्र., धनि. C
प्र.व्र.	१२	बु	१६	५०	१४	०२	पूषा	५३	१०	२८	३४	व	४८	४३	२६	४७	तै	१६	५०	१४	०२	१२	१८	११	१८	२५	७	धनु.	९।२३।२२।१०	६०।५८	प्रदोषः, तिल द्वादशी, श्रव. बुधः २७।२३
सौम्य	१३	गु	९	५७	११	१६	उषा	४७	१२	२६	१०	सि	३९	२५	२३	०३	व	९	५७	११	१६	१६	१७	१२	१९	२६	८	मक. १०।००	९।२४।२३।०८	६०।५६	भ. ११।१६ उ. २१।४२ या., मासिकशिवरात्री व्र.
अमाव.	१४	शु	१	५१	८	०१	श्रव	४०	२१	२३	२५	व्य	२९	१९	१९	००	श	१	५१	८	०१	२०	१६	१२	२०	२७	९	मक.	९।२५।२४।०४	६०।५५	देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि, उषा. शुक्रः १२।३९
क्षयः	३०	शु	५२	५७	२८	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B १२।४१, भौमोदयः पूर्वस्याम् १२।१६, मकरे बुधः १३।४३

अयनांशाः २४।१०।२९

पं.४२ मा.कृ. २ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	८	०	८	१०	११	५
१२	२२	२२	१२	१०	११	२५	२५
२५	४१	२१	३३	२०	४२	१७	१७
५५	४५	५०	४७	११	१५	१०	१०
६०	४५	८५	५	७४	६	३	३
५८	३३	२२	२५	०१	४३	११	११
श्र	पूषा	पूषा	अ	मू	श	रे	चि
१	३	३	४	४	२	३	१

९ शु

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. जन.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायं	सिंह रात्रौ	कन्या रात्रौ	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर प्रातः	कुंभ दिवा	मीन दिवा
०९।११।१६।३२	१ शु	२६	११।२०	१२।५६	२।५३	५।०७	७।२७	९।४४	१२।००	२।१९	४।३८	६।४२	८।२६	९।५४
०९।१२।१७।४३	२ श	२७	११।१६	१२।५२	२।४९	५।०३	७।२४	९।४०	११।५६	२।१५	४।३४	६।३८	८।२२	९।५०
०९।१३।१८।५४	३ र	२८	११।१२	१२।४८	२।४५	५।००	७।२०	९।३६	११।५२	२।११	४।३०	६।३४	८।१८	९।४६
०९।१४।२०।०३	४ चं	२९	११।०८	१२।४५	२।४१	४।५६	७।१६	९।३२	११।४८	२।०७	४।२६	६।३१	८।१४	९।४२
०९।१५।२१।१२	४ मं	३०	११।०४	१२।४१	२।३७	४।५२	७।१२	९।२९	११।४४	२।०३	४।२२	६।२७	८।१०	९।३८
०९।१६।२२।१९	५ बु	३१	११।००	१२।३७	२।३३	४।४८	७।०८	९।२५	११।४०	२।००	४।१८	६।२३	८।०६	९।३४
०९।१७।२३।२६	६ गु	१	१०।५६	१२।३३	२।२९	४।४४	७।०४	९।२१	११।३६	१।५६	४।१४	६।१९	८।०२	९।३०
०९।१८।२४।३१	७ शु	२	१०।५३	१२।२९	२।२५	४।४०	७।००	९।१७	११।३३	१।५२	४।१०	६।१५	७।५८	९।२६
०९।१९।२५।३५	८ श	३	१०।४९	१२।२५	२।२१	४।३६	६।५६	९।१३	११।२९	१।४८	४।०६	६।११	७।५४	९।२३
०९।२०।२६।३७	९ र	४	१०।४५	१२।२१	२।१७	४।३२	६।५२	९।०९	११।२५	१।४४	४।०२	६।०७	७।५०	९।१९
०९।२१।२७।३९	१० चं	५	१०।४१	१२।१७	२।१३	४।२८	६।४८	९।०५	११।२१	१।४०	३।५८	६।०३	७।४६	९।१५
०९।२२।२८।३९	११ मं	६	१०।३७	१२।१३	२।०९	४।२४	६।४४	९।०१	११।१७	१।३६	३।५४	५।५९	७।४२	९।११
०९।२३।२९।३८	१२ बु	७	१०।३३	१२।०९	२।०५	४।२०	६।४०	८।५७	११।१३	१।३२	३।५१	५।५५	७।३८	९।०७
०९।२४।३०।३५	१३ गु	८	१०।२९	१२।०५	२।०१	४।१६	६।३६	८।५३	११।०९	१।२८	३।४७	५।५१	७।३४	९।०३
०९।२५।३१।३१	१४ शु	९	१०।२५	१२।०१	१।५७	४।१२	६।३२	८।४९	११।०५	१।२४	३।४३	५।४७	७।३०	८।५९

संक्रांति फलम्

ता. १३ फरवरी २०२४

माघ शु. ४ भौमे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १५।०९ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ८।४५ से १५।०९ तक । (दान- गोड़ - अन्न) ।

अयनांशाः २४।१०।३०

पं.४३ मा.कृ. ८ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	८	९	०	८	१०	११	५
१९	२८	०२	१३	१८	१२	२४	२४
३२	०१	३५	१५	५८	२९	५४	५४
२३	१९	१९	२०	३६	५९	५५	५५
६०	४५	९०	६	७४	६	३	३
५१	४७	३२	३७	०६	५७	११	११
श्र	उषा	उषा	अ	पूषा	श	रे	चि
३	१	२	४	२	२	३	१

१० फरवरी से २४ फरवरी तक, श्री माघ शुक्लपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति
प्रवर्धमा	१	श	४३	४५	२४	४६	धनि	३३	०५	२०	३०	व	१८	४८	१४	४७	किं	१८	२२	१४	३७	२७ २३	७ १६	६ १३	२१	२८	१०	कुंभे ९।५८	९।२६।२४।५९	६०।५३
राक्षस	२	र	३४	४४	२१	०९	शत	२५	५२	१७	३६	प	८ ५७	१३ ५५	१० ३०	३२ २५	बा	९	१३	१०	५६	२७	१५	१४	२२	२९	११	कुंभे	९।२७।२५।५२	६०।५२
मुसल	३	सो	२६	१६	१७	४५	पूभा	१९	१०	१४	५४	सि	४८	१६	२६	३३	तै	०	२५	७	२४	३१	१४	१५	२३	१	१२	मीने ९।३३	९।२८।२६।४४	६०।५०
सिद्धि	४	मं	१८	४५	१४	४४	उभा	१३	२१	१२	३४	सा	३९	२९	२३	०१	वि	१८	४५	१४	४४	३४	१४	१५	२४	२	१३	मीने	९।२९।२७।३४	६०।४९
वसंत	५	बु	१२	२८	१२	१२	रेव	८	४४	१०	४२	शु	३१	४६	११	५५	बा	१२	२८	१२	१२	३८	१३	१६	२५	३	१४	मेषे १०।४२	१०।००।२८।२३	६०।४७
मानस	६	गु	७	३७	१०	१५	अश्वि	५	३२	९	२५	शु	२५	१७	१७	११	तै	७	३७	१०	१५	४२	१२	१७	२६	४	१५	मेषे	१०।०१।२९।१०	६०।४६
मुद्गर	७	शु	४	२२	८	५६	भर	३	५४	८	४५	ब्र	२०	०४	१५	१३	व	४	२२	८	५६	४६	११	१७	२७	५	१६	वृषे १४।४१	१०।०२।२९।५६	६०।४४
ध्वजा	८	श	२	४५	८	१६	कृति	३	५२	८	४३	ऐ	१६	०९	१३	३८	व	२	४५	८	१६	५०	१०	१८	२८	६	१७	वृषे	१०।०३।३०।४०	६०।४२
धाता	९	र	२	४३	८	१५	रोहि	५	२४	९	१९	वै	१३	२८	१२	३३	कौ	२	४३	८	१५	५३	१०	१९	२९	७	१८	मिथु. २१।५०	१०।०४।३१।२२	६०।४१
आनन्द	१०	सो	४	११	८	४९	मृग	८	२१	१०	२९	वि	११	५४	११	५४	ग	४	११	८	४९	५७	०९	२०	३०	८	१९	मिथु.	१०।०५।३२।०३	६०।३९
ए.ब्र.	११	मं	७	००	९	५६	आर्द्रा	१२	३५	१२	१०	प्री	११	२१	११	४०	वि	७	००	९	५६	२८ ०१	०८	२०	१	९	२०	मिथु.	१०।०६।३२।४१	६०।३७
प्र.ब्र.	१२	बु	१०	५६	११	२९	पुन	१७	५३	१४	१६	आ	११	३८	११	४६	बा	१०	५६	११	२९	०५	०७	२१	२	१०	२१	कर्के ७।४३	१०।०७।३३।१९	६०।३५
शुभ	१३	गु	१५	४८	१३	२५	पुष्य	२४	०२	१६	४३	सौ	१२	३७	१२	०९	तै	१५	४८	१३	२५	०९	०६	२२	३	११	२२	कर्के	१०।०८।३३।५४	६०।३४
मृत्यु	१४	शु	२१	२०	१५	३७	श्ले	३०	४९	१९	२५	शो	१४	०८	१२	४४	व	२१	२०	१५	३७	१३	०५	२२	४	१२	२३	सिंहे १९।२५	१०।०९।३४।२८	६०।३२
पूर्णिमा	१५	श	२७	२५	१८	०२	मघा	३८	०६	२२	१८	अ	१६	०३	१३	२९	व	२७	२५	१८	०२	१७	०४	२३	५	१३	२४	सिंहे	१०।१०।३४।५९	६०।३०

केतकी अहर्गणः ४६९३ शिशिरर्तू रविरुत्तरे, फरवरी २०२४

यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
पंचक प्रारम्भः ९।५८, श्री वल्लभ जयंती, शत.-३ शनिः १०।०१
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), मकरे शुक्रः २९।२०
भ. २८।११ उ., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, सावान ८
भ. १४।४४ या., कुंभे रविः १५।०९ (सौरः २०।०१), शनेरस्तः C
पंचक समाप्तिः १०।४२, वसन्त पञ्चमी
[C पश्चिमायाम् २९।३१
भ. ८।५६ उ. २०।३१ या., मन्वादि, भीष्माष्टमी, पुत्र ७, B
[B रथ ७, अचला ७, धनि. बुधः ८।४९ [D भौमः २२।१०
मृगे रै. ७ ।ऽ।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(५), ७, श्रव. D
भ. २१।१९ उ., शत. रविः २९।३५, सायन मीने भानुः E
भ. ९।५६ या., जया ११ व्र., भीष्मद्वादशी, भा.फाल्गुनारंभः, A
प्रदोषः [A शत. सौरः १०।०१, श्रव. शुक्रः ७।२०
कल्पादि [E ९।३३, कुंभे बुधः ३०।११
भ. १५।३७ उ. २८।४८ या., शत. बुधः २४।१८
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः

अयनांशाः २४।१०।३१

पं.४४ मा.शु. १ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	९	०	८	१०	११	५
२६	०३	१३	१४	२७	१३	२४	२४
३७	२२	२४	०४	३७	१९	३२	३२
५५	२५	३३	५७	३२	११	४०	४०
६०	४५	९५	७	७४	७	३	३
४२	५९	५३	४२	१०	०७	११	११
ध	उषा	श्र	भ	उषा	श	रे	चि
१	३	२	१	१	२	३	१

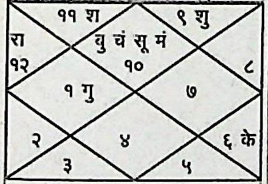

|| दैनिक लग्न प्रवेश सारणी || स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ||

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायं	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
०९।२६।३२।२६	१ श	१०	१०।२१	११।५७	१।५३	४।०८	६।२८	८।४५	११।०१	१।२०	३।३९	५।४३	७।२६	८।५५
०९।२७।३३।१९	२ र	११	१०।१७	११।५३	१।५०	४।०४	६।२४	८।४१	१०।५७	१।१६	३।३५	५।३९	७।२३	८।५१
०९।२८।३४।११	३ चं	१२	१०।१३	११।४९	१।४६	४।००	६।२०	८।३७	१०।५३	१।१२	३।३१	५।३५	७।१९	८।४७
०९।२९।३५।०१	४ मं	१३	१०।०९	११।४५	१।४२	३।५६	६।१७	८।३३	१०।४९	१।०८	३।२७	५।३१	७।१५	८।४३
१०।००।३५।४९	५ बु	१४	१०।०५	११।४१	१।३८	३।५३	६।१३	८।२९	१०।४५	१।०४	३।२३	५।२७	७।११	८।३९
१०।०१।३६।३६	६ गु	१५	१०।०१	११।३८	१।३४	३।४९	६।०९	८।२५	१०।४१	१।००	३।१९	५।२४	७।०७	८।३५
१०।०२।३७।२२	७ शु	१६	९।५७	११।३४	१।३०	३।४५	६।०५	८।२२	१०।३७	१२।५६	३।१५	५।२०	७।०३	८।३१
१०।०३।३८।०६	८ श	१७	९।५३	११।३०	१।२६	३।४१	६।०१	८।१८	१०।३३	१२।५३	३।११	५।१६	६।५९	८।२७
१०।०४।३८।४८	९ र	१८	९।४९	११।२६	१।२२	३।३७	५।५७	८।१४	१०।२९	१२।४९	३।०७	५।१२	६।५५	८।२३
१०।०५।३९।२८	१० चं	१९	९।४६	११।२२	१।१८	३।३३	५।५३	८।१०	१०।२६	१२।४५	३।०३	५।०८	६।५१	८।१९
१०।०६।४०।०७	११ मं	२०	९।४२	११।१८	१।१४	३।२९	५।४९	८।०६	१०।२२	१२।४१	२।५९	५।०४	६।४७	८।१६
१०।०७।४०।४४	१२ बु	२१	९।३८	११।१४	१।१०	३।२५	५।४५	८।०२	१०।१८	१२।३७	२।५५	५।००	६।४३	८।१२
१०।०८।४१।१९	१३ गु	२२	९।३४	११।१०	१।०६	३।२१	५।४१	७।५८	१०।१४	१२।३३	२।५१	४।५६	६।३९	८।०८
१०।०९।४१।५३	१४ शु	२३	९।३०	११।०६	१।०२	३।१७	५।३७	७।५४	१०।१०	१२।२९	२।४७	४।५२	६।३५	८।०४
१०।१०।४२।२५	१५ श	२४	९।२६	११।०२	१२।५८	३।१३	५।३३	७।५०	१०।०६	१२।२५	२।४४	४।४८	६।३१	८।००

अयनांशाः २४।१०।३२

पं.४५ मा.शु. ८ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	९	०	९	१०	११	५
०३	०८	२४	१५	०६	१४	२४	२४
४२	४४	५४	०१	१६	०९	१०	१०
२२	५५	२७	५६	४८	२७	२५	२५
६०	४६	१०२	८	७४	७	३	३
३२	१०	१६	४२	१२	१५	११	११
ध	उषा	ध	भ	उषा	श	रे	चि
४	४	१	१	३	३	३	१

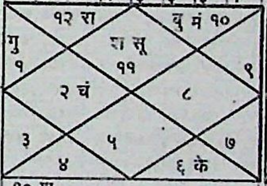

१० शु

अयनांशाः २४।१०।३३

पं.४६ मा.शु.१५ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	१०	०	९	१०	११	५
१०	१४	०७	१६	१४	१५	२३	२३
४५	०८	१०	०५	५६	००	४८	४८
३४	३८	२९	३८	१३	२३	१०	१०
६०	४६	१०८	९	७४	७	३	३
२१	२०	५७	३५	१३	१८	१०	१०
श	श्र	श	भ	श्र	श	रे	चि
२	२	१	१	२	३	३	१

२५ फरवरी से १० मार्च तक, श्री फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमासू. सू. तारीस्व स्टै. प्रातः दैनिक

वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति गुर्जराः, फरवरी-मार्च २०२४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
छत्र	१	र	३३	५१	२०	३६	पूफा	४५	४१	२५	२०	सु	१८	१७	१४	२२	वा	०	३७	७	१८	२८/३१	७/०३	६/२४	६	१४	२५	सिंहे	१०।११।३५।२९	६०।२८	[A व्रतम्, उभा. बुधः २६।२४, शत.-४ शनिः २२।०७
श्रीवत्स	२	सो	४०	२८	२३	१४	उफा	५३	२५	२८	२४	धृ	२०	४१	१५	१८	तै	७	१०	९	५४	२५	०२	२४	७	१५	२६	कन्या ८।०६	१०।१२।३५।५८	६०।२६	[B विजया ११ व्र.स्मार्त, घनि. भौमः २७।५३
सौम्य	३	मं	४७	०२	२५	५०	हस्त	...	...	...	...	शू	२३	०५	१६	१५	व	१३	४८	१२	३२	२९	०१	२५	८	१६	२७	कन्या	१०।१३।३६।२४	६०।२४	भ. १२।३२ उ. २५।५० या., भर.-२ गुरुः १९।३३
च.व्र.	४	बु	५३	०९	२८	१६	हस्त	१	०४	७	२६	गं	२५	१७	१७	०७	ब	२०	११	१५	०५	३३	००	२६	९	१७	२८	तुला.२०।५३	१०।१४।३६।४८	६०।२२	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५०
चर	५	गु	५८	२५	३०	२१	चित्रा	८	१२	१०	१६	वृ	२७	०१	१७	४७	कौ	२५	५६	१७	२२	३७	५६	२६	१०	१८	२९	तुला.	१०।१५।३७।११	६०।२१	
गद	६	शु	...	...	...	...	स्वा	१४	२५	१२	४४	ध्रु	२७	५४	१८	०८	ग	३०	३६	१९	१३	४२	५८	२७	११	१९	१	तुला.	१०।१६।३७।३१	६०।१८	मार्च ३ ता. ३१, पूभा. बुधः २८।३६, घनि. शुक्रः २५।५३
शुभ	६	श	२	२४	७	५५	विशा	१९	१७	१४	४०	व्या	२७	३९	१८	०१	व	२	२४	७	५५	४६	५७	२७	१२	२०	२	वृश्चि. ८।१५	१०।१७।३७।५०	६०।१७	भ. ७।५५ उ. २०।२७ या.
मृत्यु	७	र	४	३९	८	४८	अनु	२२	२५	१५	५४	ह	२६	०२	१७	२१	ब	४	३९	८	४८	५०	५६	२८	१३	२१	३	वृश्चि.	१०।१८।३८।०६	६०।१५	रेव.-२ राहुः २७।४६, हस्ते-४ केतुः २७।४६
पद्म	८	सो	४	५५	८	५३	ज्ये	२३	३५	१६	२१	व	२२	४८	१६	०२	कौ	४	५५	८	५३	५४	५५	२९	१४	२२	४	धनु. १६।२१	१०।१९।३८।२१	६०।१३	मूले रे. ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न ७, १०, ११, पूभा. रविः C
छत्र	९	मं	३	०४	८	०८	मूल	२२	४३	१५	५९	सि	१७	५६	१४	०५	ग	३	०४	८	०८	५८	५४	२९	१५	२३	५	धनु.	१०।२०।३८।३३	६०।११	भ. १९।२६ उ. ३०।३३ या., रामदास ९
क्षयः	१०	मं	५९	०७	३०	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[C ११।५१ (सौरः १५।३३)
ए.व्र.	११	बु	५३	२४	२८	१४	पूषा	१९	५३	१४	५०	व्य	११	२८	११	२८	ब	२६	३०	१७	२९	२९/०३	५३	३०	१६	२४	६	मक. २०।२६	१०।२१।३८।४४	६०।०८	उषा. रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ।। रात्रौ लग्न अ. गोधूलि(५), ७, ११, B
ए.व्र.	१२	गु	४६	०८	२५	१९	उषा	१५	१९	१३	००	व	३/५४	३५/२७	८/२८	१८/३९	कौ	१९	५७	१४	५१	०६	५२	३०	१७	२५	७	मक.	१०।२२।३८।५२	६०।०६	विजया ११ व्र.वैष्ण., मीने बुधः ९।१०, कुंभे शुक्रः ११।०९
शिवरा.	१३	शु	३७	४४	२१	५६	श्रव	९	२४	१०	३७	शि	४४	२९	२४	३९	ग	१२	०४	११	४०	१०	५१	३१	१८	२६	८	कुंभे २१।१६	१०।२३।३८।५८	६०।०४	भ. २१।५६ उ., पंचक प्रारम्भः २१।१६, प्रदोषः, महाशिवरात्री A
प्रवर्धमा	१४	श	२८	३६	१८	१६	घनि	२/५५	३१/०५	७/२८	४९/५२	सि	३३	५९	२०	२५	वि	३	१५	८	०८	१५	५०	३२	१९	२७	९	कुंभे	१०।२४।३९।०३	६०।०२	भ. ८।०८ या.
अमाव.	३०	र	१९	११	१४	२९	पूभा	४७	३८	२५	५२	सा	२३	१७	१६	०७	ना	१९	११	१४	२९	१९	४९	३२	२०	२८	१०	मीने २०।३७	१०।२५।३९।०५	६०।००	देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।१०।३४

पं.४७ फा.कृ. ६ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	.९	१०	०	९	१०	११	५
१७	१९	२०	१७	२३	१५	२३	२३
४७	३३	११	१५	३५	५१	२५	२५
२४	२१	१३	२०	४२	३४	५६	५६
६०	४६	११४	१०	७४	७	३	३
०९	२८	३४	२५	१३	१९	११	११
श	श्र	पूभा	भ	घ	श	रे	चि
४	३	१	२	१	३	३	१

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	फर.	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः	दिवा
१०।११।४२।५४	१ र	२५	९।२२	१०।५८	१२।५४	३।०९	५।२९	७।४६	१०।०२	१२।२१	२।४०	४।४४	६।२७	७।५६
१०।१२।४३।२२	२ चं	२६	९।१८	१०।५४	१२।५०	३।०५	५।२५	७।४२	९।५८	१२।१७	२।३६	४।४०	६।२३	७।५२
१०।१३।४३।४८	३ मं	२७	९।१४	१०।५०	१२।४६	३।०१	५।२१	७।३८	९।५४	१२।१३	२।३२	४।३६	६।१९	७।४८
१०।१४।४४।१३	४ बु	२८	९।१०	१०।४६	१२।४३	२।५७	५।१७	७।३४	९।५०	१२।०९	२।२८	४।३२	६।१६	७।४४
१०।१५।४४।३५	५ गु	२९	९।०६	१०।४२	१२।३९	२।५३	५।१३	७।३०	९।४६	१२।०५	२।२४	४।२८	६।१२	७।४०
१०।१६।४४।५५	६ शु	१	९।०२	१०।३८	१२।३५	२।४९	५।१०	७।२६	९।४२	१२।०१	२।२०	४।२४	६।०८	७।३६
१०।१७।४५।१४	६ श	२	८।५८	१०।३४	१२।३१	२।४६	५।०६	७।२२	९।३८	११।५७	२।१६	४।२०	६।०४	७।३२
१०।१८।४५।३०	७ र	३	८।५४	१०।३१	१२।२७	२।४२	५।०२	७।१९	९।३४	११।५३	२।१२	४।१७	६।००	७।२८
१०।१९।४५।४४	८ चं	४	८।५०	१०।२७	१२।२३	२।३८	४।५८	७।१५	९।३०	११।५०	२।०८	४।१३	५।५६	७।२४
१०।२०।४५।५६	९ मं	५	८।४६	१०।२३	१२।१९	२।३४	४।५४	७।११	९।२६	११।४६	२।०४	४।०९	५।५२	७।२०
१०।२१।४६।०७	११ बु	६	८।४२	१०।१९	१२।१५	२।३०	४।५०	७।०७	९।२३	११।४२	२।००	४।०५	५।४८	७।१६
१०।२२।४६।१५	१२ गु	७	८।३९	१०।१५	१२।११	२।२६	४।४६	७।०३	९।१९	११।३८	१।५६	४।०१	५।४४	७।१३
१०।२३।४६।२१	१३ शु	८	८।३५	१०।११	१२।०७	२।२२	४।४२	६।५९	९।१५	११।३४	१।५२	३।५७	५।४०	७।०९
१०।२४।४६।२५	१४ श	९	८।३१	१०।०७	१२।०३	२।१८	४।३८	६।५५	९।११	११।३०	१।४८	३।५३	५।३६	७।०५
१०।२५।४६।२७	३० र	१०	८।२७	१०।०३	११।५९	२।१४	४।३४	६।५१	९।०७	११।२६	१।४४	३।४९	५।३२	७।०१

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं, पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो ॥ एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः ॥ कृष्णा षष्ठी को स्वाति होने से दुर्भिक्ष हो। अमावस को रविवार होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःस्व की पीड़ा हो। अमावस्या पूर्वाभाद्रपद योग सुभिक्ष और सुस्पद है। मास की शुक्ला तृतीया का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। शुक्ला नवमी को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। शुक्ला १३ को शुक्रवार होने से जेठ में रोग पैदा होकर तीन मास रहे। पूर्णिमा उत्तराफाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।१०।३५

पं.४८ फा.कृ.१४ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	९	११	०	१०	१०	११	५
२४	२४	०३	१८	०२	१६	२३	२३
४७	५८	४१	३०	१५	४२	०३	०३
४४	५३	३०	२५	०९	३९	४२	४२
५९	४६	११५	११	७४	७	३	३
५५	३३	५८	०८	१२	१६	११	११
पूभा	ध	उभा	भ	ध	श	रे	ह
२	१	१	२	३	४	२	४

११ मार्च. से २५ मार्च तक, श्री फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

केतकी अहर्गणः ४७२३ वसंतर्त्तू रविरुत्तरे, मार्च २०२४

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घ.प	उ.	अ.	भा.	मू.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
गद	१	सो	९	५५	१०	४६	उभा	४०	३४	२३	०१	शु	१२	४३	११	५३	व	९	५५	१०	४६	२९ ३३	६ ४८	६ ३७	२१	२१	११	मीने	१०।२६।३९।०५	५९।५८	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), बुधोदयः पश्चिमायाम् १४।३८
फुलरि.	२	मं	१	१२	७	१५	रेव	३४	१६	२०	२९	शु	२	३७	७	४९	कौ	१	१२	७	१५	२७	४७	३३	२२	१	१२	मेषे २०।२९	१०।२७।३९।०३	५९।५६	पंचक समाप्तिः २०।२९, फुलरिया २, श्री रामकृष्ण C
क्षयः	३	मं	५३	२१	२८	०७	०	०	०	०	०	ब्र	५३	१६	२८	०५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	.०	[A बुधः २३।०२, शनेरुदयः पूर्वस्याम् २९।०४
मृत्यु	४	बु	४६	५०	२५	२९	अश्वि	२९	०८	१८	२५	ऐ	४५	००	२४	४५	व	१९	५६	१४	४४	३१	४५	३४	२३	२	१३	मेषे	१०।२८।३८।५८	५९।५४	भ. १४।४४ उ. २५।२९ या.
पद्म	५	गु	४१	५१	२३	२९	भर	२५	२७	१६	५५	वै	३७	५९	२१	५६	व	१४	०८	१२	२४	३५	४४	३४	२४	३	१४	वृषे २२।३९	१०।२९।३८।५२	५९।५१	याज्ञवल्क्य जयंती, मीने रविः ११।५७ (सौरः १५।१२)
छत्र	६	शु	३८	३९	२२	११	कृति	२३	२८	१६	०७	वि	३२	२४	१९	४१	कौ	१०	०२	१०	४४	४०	४३	३५	२५	४	१५	वृषे	११।००।३८।४३	५९।४९	कुंभे भौमः १७।५०, रेव. बुधः २८।५६
श्रीवत्स	७	श	३७	२१	२१	३८	रोहि	२३	२०	१६	०२	प्री	२८	१९	१८	०२	ग	७	४६	९	४९	४४	४२	३६	२६	५	१६	मिथु. २८।१७	११।०१।३८।३२	५९।४७	भ. २१।३८ उ., भर.-३ गुरुः २६।३६
होलाष्ट.	८	र	३७	५७	२१	५२	मृग	२५	०५	१६	४३	आ	२५	४४	१६	५८	वि	७	२७	९	४०	४८	४१	३६	२७	६	१७	मिथु.	११।०२।३८।१९	५९।४५	भ. ९।४० या., होलाष्टक, उभा. रविः २०।१६ (सौरः २३।२५)
काल	९	सो	४०	२३	२२	४९	आर्द्रा	२८	३७	१८	०७	सौ	२४	३४	१६	३०	वा	८	५९	१०	१५	५२	४०	३७	२८	७	१८	मिथु.	११।०३।३८।०४	५९।४३	[B पहिले, होलिका दहनं भद्रोत्तरम्, करिदिन, शत. भौमः ७।३०
सुस्थिर	१०	मं	४४	२२	२४	२४	पुन	३३	४२	२०	०८	शो	२४	४०	१६	३१	तै	१२	१४	११	३२	५६	३९	३७	२९	८	१९	कर्के १३।३४	११।०४।३७।४६	५९।४०	[C परमहंस जयंती, रमजान ९, शत. शुक्रः २०।२६
ए.ब्र.	११	बु	४९	३४	२६	२७	पुष्य	४०	०१	२२	३८	अ	२५	४७	१६	५७	व	१६	५१	१३	२२	३० ००	३८	३८	३०	९	२०	कर्के	११।०५।३७।२७	५९।३८	भ. १३।२२ उ. २६।२७ या., आमलकी ११ ब्र., विड़कुला-ढाल D
अमृत	१२	गु	५५	३३	२८	५०	श्ले	४७	०८	२५	२८	सु	२७	३७	१७	३९	व	२२	३०	१५	३७	०५	३६	३८	१	१०	२१	सिंहे २५।२८	११।०६।३७।०५	५९।३६	मेला श्रीश्यामजी (खाटु), भा. चैत्रारंभः
प्र.ब्र.	१३	शु	...	...	...	...	मघा	५४	४३	२८	२९	धृ	२९	५३	१८	३३	कौ	२८	४५	१८	०५	०९	३५	३९	२	११	२२	सिंहे	११।०७।३६।४०	५९।३४	प्रदोषः [D थापणा भद्रा के पहिले, सायन मेषे भानुः ८।२१
लुम्बक	१३	श	२	०१	७	२३	पूफा	...	...	...	...	शू	३२	२१	१९	३०	तै	२	०१	७	२३	१३	३४	३९	३	१२	२३	सिंहे	११।०८।३६।१४	५९।३१	पूभा. शुक्रः १५।०३
होली	१४	र	८	३१	९	५७	पूफा	२	२८	७	३२	गं	३४	४७	२०	२८	व	८	३१	९	५७	१७	३३	४०	४	१३	२४	कन्या १४।१८	११।०९।३५।४५	५९।२९	भ. ९।५७ उ. २३।१४ या., पूर्णिमा व्रतं, जेलपोणी भद्रा के B
छारेंड़ी	१५	सो	१४	५३	१२	२९	उफा	१०	०४	१०	३३	वृ	३७	०४	२१	२१	व	१४	५३	१२	२९	२१	३२	४०	५	१४	२५	कन्या	११।१०।३५।१४	५९।२६	मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, छारेंडी देशाचारे, करिदिन, मेषे अश्वि. A

अयनांशाः २४।१०।३६

पं.४९ फा.शु. ७ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	११	०	१०	१०	११	५
०१	००	१६	१९	१०	१७	२२	२२
४६	२५	४७	५०	५४	३३	४१	४१
३१	००	५१	१६	३२	१३	२७	२७
५९	४६	१०३	११	७४	७	३	३
४२	३८	२८	४५	११	०९	१०	१०
पूभा	ध	रे	भ	श	श	रे	ह
४	३	१	२	२	४	२	४

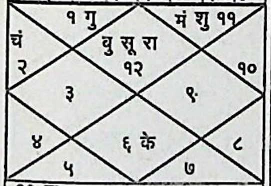

११ श

॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

ब्रह्म र. स्प. प्रातः	वार तिथि	ता. मार्च	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या सायं	तुला रात्रौ	वृश्चिक रात्रौ	धनु रात्रौ	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन प्रातः
१०।२६।४६।२७	१ चं	११	८।२३	९।५९	११।५५	२।१०	४।३०	६।४७	९।०३	११।२२	१।४०	३।४५	५।२८	६।५७
१०।२७।४६।२४	२ मं	१२	८।१९	९।५५	११।५१	२।०६	४।२६	६।४३	८।५९	११।१८	१।३७	३।४१	५।२४	६।५३
१०।२८।४६।२०	४ बु	१३	८।१५	९।५१	११।४७	२।०२	४।२२	६।३९	८।५५	११।१४	१।३३	३।३७	५।२०	६।४९
१०।२९।४६।१३	५ गु	१४	८।११	९।४७	११।४३	१।५८	४।१८	६।३५	८।५१	११।१०	१।२९	३।३३	५।१६	६।४५
११।००।४६।०४	६ शु	१५	८।०७	९।४३	११।४०	१।५४	४।१४	६।३१	८।४७	११।०६	१।२५	३।२९	५।१२	६।४१
११।०१।४५।५३	७ श	१६	८।०३	९।३९	११।३६	१।५०	४।१०	६।२७	८।४३	११।०२	१।२१	३।२५	५।०९	६।३७
११।०२।४५।४०	८ र	१७	७।५९	९।३५	११।३२	१।४६	४।०७	६।२३	८।३९	१०।५८	१।१७	३।२१	५।०५	६।३३
११।०३।४५।२४	९ चं	१८	७।५५	९।३१	११।२८	१।४२	४।०३	६।१९	८।३५	१०।५४	१।१३	३।१७	५।०१	६।२९
११।०४।४५।०६	१० मं	१९	७।५१	९।२८	११।२४	१।३९	३।५९	६।१५	८।३१	१०।५०	१।०९	३।१४	४।५७	६।२५
११।०५।४४।४६	११ बु	२०	७।४७	९।२४	११।२०	१।३५	३।५५	६।१२	८।२७	१०।४६	१।०५	३।१०	४।५३	६।२१
११।०६।४४।२४	१२ गु	२१	७।४३	९।२०	११।१६	१।३१	३।५१	६।०८	८।२३	१०।४३	१।०१	३।०६	४।४९	६।१७
११।०७।४४।००	१३ शु	२२	७।३९	९।१६	११।१२	१।२७	३।४७	६।०४	८।१९	१०।३९	१२।५७	३।०२	४।४५	६।१३
११।०८।४३।३३	१३ श	२३	७।३६	९।१२	११।०८	१।२३	३।४३	६।००	८।१६	१०।३५	१२।५३	२।५८	४।४१	६।०९
११।०९।४३।०४	१४ र	२४	७।३२	९।०८	११।०४	१।१९	३।३९	५।५६	८।१२	१०।३१	१२।४९	२।५४	४।३७	६।०६
११।१०।४२।३२	१५ चं	२५	७।२८	९।०४	११।००	१।१५	३।३५	५।५२	८।०८	१०।२७	१२।४५	२।५०	४।३३	६।०२

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०२४

फा. शु. ५ गुरौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।५७ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ११।५७ से १८।२१ तक। (दान- भूमि माला)।

अयनांशाः २४।१०।३७

पं.५० फा.शु.१३ श. इष्टघटी ०।००

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	११	०	१०	१०	११	५
०८	०५	२७	२१	१९	१८	२२	२२
४३	५१	१५	१४	३३	२२	१९	१९
४०	२९	५४	१३	४७	५४	१३	१३
५९	४६	६७	१२	७४	७	३	३
२८	३९	०५	१८	१०	००	११	११
उभा	ध	रे	भ	श	श	रे	ह
२	४	४	३	४	४	२	४

११ श

२६ मार्च से ८ अप्रेल तक, श्री चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०८०, शाकः १९४५, दिमा सू. सू. तारीख स्टै. प्रातः दैनिक

योगाः	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	प.प	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	सौर र. स्प.	गति	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति गुर्जराः, मार्च-अप्रेल २०२४
																															यहाँ लिखे भद्रा ग्रह चारादि का समय स्टै.टा.में है।
सौम्य	१	मं	२०	५५	१४	५३	हस्त	१७	२१	१३	२७	ध्रु	३९	०३	२२	०८	कौ	२०	५५	१४	५३	३०/३५	६/३१	६/४१	६	१५	२६	तुला. २६।५०	११।११।३४।४०	५९।२४	वसन्त १
काल	२	बु	२६	२४	१७	०३	चित्रा	२४	०७	१६	०९	व्या	४०	३५	२२	४४	ग	२६	२४	१७	०३	२९	३०	४१	७	१६	२७	तुला.	११।१२।३४।०५	५९।२२	भ. ३०।०२ उ.
च.व्र.	३	गु	३१	०६	१८	५५	स्वा	३०	११	१८	३३	ह	४१	३०	२३	०४	वि	३१	०६	१८	५५	३४	२९	४२	८	१७	२८	तुला.	११।१३।३३।२७	५९।२०	भ. १८।५५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३५, कल्पादि
मातङ्ग	४	शु	३४	४७	२०	२२	विशा	३५	१४	२०	३३	व	४१	३६	२३	०६	ब	३	०७	७	४२	३८	२७	४३	९	१८	२९	वृश्चि. १४।०६	११।१४।३२।४७	५९।१७	[C भर.-४ गुरुः २९।५५
अमृत	५	श	३७	०९	२१	१८	अनु	३९	०३	२२	०३	सि	४०	४०	२२	४२	कौ	६	१०	८	५४	४२	२६	४३	१०	१९	३०	वृश्चि.	११।१५।३२।०४	५९।१५	[B शुक्रः १७।०६
काण	६	र	३७	५९	२१	३७	ज्ये	४१	२३	२२	५८	व्य	३८	३४	२१	५१	ग	७	४८	९	३२	४६	२५	४४	११	२०	३१	धनु. २२।५८	११।१६।३१।१९	५९।१३	भ. २१।३७ उ., रेव. रविः ७।०४ (सौरः ९।५६), मीने B
शीतला	७	सो	३७	१०	२१	१६	मूल	४२	०५	२३	१४	व	३५	१०	२०	२८	वि	७	४८	९	३१	५०	२४	४४	१२	२१	१	धनु.	११।१७।३०।३२	५९।१०	भ. ९।३१ या., शीतला पूजनं, अप्रेल ४ ता. ३०, C
मित्र	८	मं	३४	३९	२०	१४	पूषा	४१	०८	२२	५०	प	३०	२६	१८	३४	बा	६	०८	८	५०	५४	२३	४५	१३	२२	२	मक. २८।३८	११।१८।२९।४३	५९।०८	वक्री बुधः १४।५६ [E पूभा.-१ शनिः १३।१०
वज्र	९	बु	३०	२९	१८	३३	उषा	३८	३५	२१	४८	शि	२४	२३	१६	०७	तै	२	४७	७	२९	५८	२२	४५	१४	२३	३	मक.	११।१९।२८।५१	५९।०६	भ. २९।३० उ., उभा. शुक्रः ९।४८
ध्वजा	१०	गु	२४	५१	१६	१७	श्रव	३४	३५	२०	११	सि	१७	०७	१३	१२	वि	२४	५१	१६	१७	३१/०३	२१	४६	१५	२४	४	मक.	११।२०।२७।५७	५९।०४	भ. १६।१७ या. [D पश्चिमायाम् ९।३८
ए.व्र.	११	शु	१७	५७	१३	३१	घनि	२९	२३	१८	०५	सा	५६	४६/३६	९/३०	५९/१०	बा	१७	५७	१३	३१	०६	२०	४६	१६	२५	५	कुंभे ७।११	११।२१।२७।००	५९।०१	पंचक प्रारम्भः ७।११, पापमोचनी ११ व्र., बुधास्तः D
प्र.व्र.	१२	श	१०	०५	१०	२१	शत	२३	१८	१५	३८	शु	४९	५२	२६	१५	तै	१०	०५	१०	२१	१०	१९	४७	१७	२६	६	कुंभे	११।२२।२६।०२	५८।५९	प्रदोषः, महावारुणी योग १०।२१ से १५।३८ तक, E
चर	१३	र	१	३६	६	५६	पूभा	१६	३९	१२	५७	ब्र	३९	५०	२२	१३	व	१	३६	६	५६	१५	१७	४७	१८	२७	७	मीने ७।३८	११।२३।२५।०१	५८।५७	भ. ६।५६ उ. १७।१० या., मासिकशिवरात्री व्र.
क्षयः	१४	र	५२	४६	२७	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A चक्र ७, मन्वादि
अमाव.	३०	सो	४४	०५	२३	५४	उमा	९	५०	१०	१३	ऐ	२९	४८	१८	११	च	१८	२५	१३	३९	१९	१६	४८	१९	२८	८	मीने	११।२४।२३।५८	५८।५४	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., केतकी अहर्गणः ४७५१, A

अयनांशाः २४।१०।३८ ॥ दैनिक लग्न प्रवेश सारणी ॥ स्टैंडर्ड घंटा-मिनट में ॥

पं.५१ चै.कृ. ५ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	०	०	१०	१०	११	५
१५	११	०२	२२	२८	१९	२१	२१
३९	१८	३७	४१	१२	११	५६	५६
१०	०६	३८	४६	५२	२०	५९	५९
५९	४६	१६	१२	७४	६	३	३
१३	३९	५५	४६	०८	४८	११	११
उभा	श	अ	भ	पूभा	श	रे	ह
४	२	१	३	३	४	२	४

ब्रह्म र. स्प.	वार	ता.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
प्रातः	तिथि	मार्च	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	दिवा	सायँ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	रात्रौ	प्रातः
११।११।४१।५९	१ मं	२६	७।२४	९।००	१०।५६	१।११	३।३१	५।४८	८।०४	१०।२३	१२।४१	२।४६	४।२९	५।५८
११।१२।४१।२३	२ बु	२७	७।२०	८।५६	१०।५२	१।०७	३।२७	५।४४	८।००	१०।१९	१२।३७	२।४२	४।२५	५।५४
११।१३।४०।४५	३ गु	२८	७।१६	८।५२	१०।४८	१।०३	३।२३	५।४०	७।५६	१०।१५	१२।३४	२।३८	४।२१	५।५०
११।१४।४०।०४	४ शु	२९	७।१२	८।४८	१०।४४	१२।५९	३।१९	५।३६	७।५२	१०।११	१२।३०	२।३४	४।१७	५।४६
११।१५।३९।२१	५ श	३०	७।०८	८।४४	१०।४०	१२।५५	३।१५	५।३२	७।४८	१०।०७	१२।२६	२।३०	४।१३	५।४२
११।१६।३८।३६	६ र	३१	७।०४	८।४०	१०।३६	१२।५१	३।११	५।२८	७।४४	१०।०३	१२।२२	२।२६	४।०९	५।३८
११।१७।३७।४९	७ चं	१	७।००	८।३६	१०।३३	१२।४७	३।०७	५।२४	७।४०	९।५९	१२।१८	२।२२	४।०६	५।३४
११।१८।३६।५९	८ मं	२	६।५६	८।३२	१०।२९	१२।४३	३।०३	५।२०	७।३६	९।५५	१२।१४	२।१८	४।०२	५।३०
११।१९।३६।०७	९ बु	३	६।५२	८।२८	१०।२५	१२।३९	३।००	५।१६	७।३२	९।५१	१२।१०	२।१४	३।५८	५।२६
११।२०।३५।१३	१० गु	४	६।४८	८।२४	१०।२१	१२।३६	२।५६	५।१२	७।२८	९।४७	१२।०६	२।१०	३।५४	५।२२
११।२१।३४।१६	११ शु	५	६।४४	८।२१	१०।१७	१२।३२	२।५२	५।०९	७।२४	९।४३	१२।०२	२।०७	३।५०	५।१८
११।२२।३३।१७	१२ श	६	६।४०	८।१७	१०।१३	१२।२८	२।४८	५।०५	७।२०	९।४०	११।५८	२।०३	३।४६	५।१४
११।२३।३२।१६	१३ र	७	६।३६	८।१३	१०।०९	१२।२४	२।४४	५।०१	७।१६	९।३६	११।५४	१।५९	३।४२	५।१०
११।२४।३१।१२	३० चं	८	६।३२	८।०९	१०।०५	१२।२०	२।४०	४।५७	७।१३	९।३२	११।५०	१।५५	३।३८	५।०६

मास फलम्

कृष्णाष्टमी को मंगलवार होने से अल्प वर्षा हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रवल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो। अमावस्या उत्तराभाद्रपद योग सुभिक्ष और सुखद हो। उत्तराभाद्रपद में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो तथा शुक्र फल-मूलों को पीड़ित करता है। मेष राशि में बुध का अस्त होने से सुभिक्ष हो। पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में शनैश्चर होने से वैद्य, कवि, शौण्डिक (मद्य वेचनेवाले), खरीद-बिक्री करने वाले और नीतिशास्त्र जानने वाले पीडित हों।

अयनांशाः २४।१०।३९

पं.५२ चै.कृ.१२ श. इष्टघटी ०।००							
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	१०	०	०	११	१०	११	५
२२	१६	०२	२४	०६	१९	२१	२१
३३	४४	०९	१२	५१	५८	३४	३४
००	३६	५०	२१	४२	०८	४५	४५
५८	४६	२८	१३	७४	६	३	३
५९	३७	५९	१०	०६	३२	११	११
रे	श	अ	भ	उभा	श	रे	ह
२	४	१व	४	२	४	२	४

चूडामुहुर्त

अश्वि. ह. चि. स्वा. विशा. अनु. ध. रेवती नक्षत्र तथा रवि, भौम, बुध, गुरुवार उक्तकर्म में उत्तम हैं ।

सूर्यसंक्रान्ति सूं ५।७।९।१५।२१।२४ इतरा दिन धरती सोवै छै ।

१।२।५।७।९ सूर्यपूजा ।
३।६।१०।११ सूर्यशुद्ध ।

१।३।६।१० गुरुपूजा ।
२।५।७।९।११ गुरुशुद्ध ।

४।८।१२ गुरु रवि अशुद्ध
१।२।३।५।६।७।९।१०।११ चन्द्र शुद्ध
१२ पूजा ४।८ नेष्ट चंन्द्र ।

चन्द्रमा १ राशिपर आठों दिशा में भोग करता है उसकी पृथक् पृथक् व. आवश्यकीय यात्रा में सम्मुख चन्द्र देखना

पूर्वादि.	घ.	१७
अग्नि.	घ.	१५
दक्षिण.	घ.	२१
नैर्ऋत्य.	घ.	१६
पश्चिम.	घ.	१८
वायव्य.	घ.	१९
उत्तर.	घ.	१५
ईशान.	घ.	१४

अथ गर्गबृहस्पतिअंगिरामुहूर्त

श्लोकः-उषःप्रशस्यते गर्गःशकुनं च बृहस्पतिः ।
अंगिरास्तु मनोत्साहो विप्रवाक्यं जनार्दनः ॥१॥

अर्थ - गर्गजी (५ घटी रात्रि शेष रहै वह उषाकाल) यात्रा को शुभ कहते हैं । शकुन उत्तम देखकर यात्रा करना ये बृहस्पति का मत है । जब मन को उत्साह होय तभी यात्रादि शुभ है यह अंगिरा का मत है। विप्रों की आज्ञा लेकर यात्रादि करना ये जनार्दन का मत है । परंच पूर्व की यात्रा उषाकाल में वर्जित है ।

अथ कार्याकार्यविचारप्रश्न ।

श्लोकः-दिशा प्रहरसंयुक्ता तारका वारमिश्रिता।
अष्टभिस्तुहरेद्भागं शेषं प्रश्नस्य लक्षणम् ॥१॥
पञ्चैके त्वरिता सिद्धिःषट् तुर्येचदिनत्रयम् ॥
त्रिसप्तके विलम्बश्च द्वौचाष्टौ न च सिद्धिदाः ॥२॥

अर्थ - पृच्छकरोमुख जिस दिशासामो होय सो दिशा और प्रहरनक्षत्र वार सर्वत्र एकत्र करिने ८ रो भाग दीजै बाकी उबरै जिणरो फल जानिये

१ तथा ५ उबरै तौ बेगा कार्यसिद्धि
६ । ८ उबरै तौ तीन दिन में कार्यसिद्धि
३ । ७ उबरै तौ विलम्बसो कार्यसिद्धि
२ । ८ उबरै तौ कार्य सिद्धि होय नहीं ।

॥ शिवपार्वतीसंवादे सामुद्रिके हस्तरेखाशुभाशुभफलं लिख्यते ॥

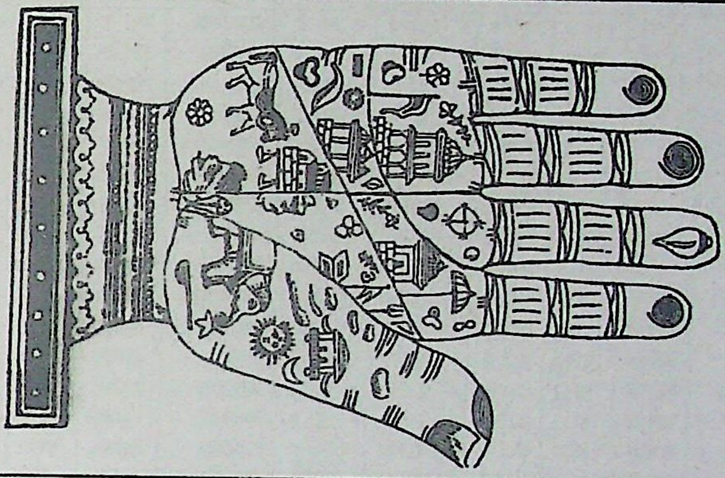

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

अथातः संप्रवक्ष्यामि हस्तरेखाविचारणम् ॥ दक्षिणे पुरुषं ज्ञेयं वामे वामाकरं शुभम् ॥१॥
शिवोक्तं तत्र सामुद्रं हस्तरेखाशुभाशुभम् ॥ येनविज्ञानमात्रेण पुरुषो न विशोचति ॥२॥
यस्य मीनतमारेखा कर्मसिद्धिश्च जायते ॥ धनाढ्यस्तु स विज्ञेयो बहुपुत्रो न संशयः ॥३॥
तुलाग्रामं तथा वज्रं करमध्ये च दृश्यते ॥ तस्य वाणिज्यसिद्धिःस्यात्पुरुषस्य न संशयः॥४॥
पद्मचापादिखड्गंच अष्टकोणादि दृश्यते ॥ स्त्रियश्चपुरुषस्यापि धनवान्ससुखी नरः ॥५॥
शङ्खचक्रध्वजाकारोमत्स्याकारश्च दृश्यते ॥ सर्वविद्याप्रदानेन बुद्धिमान् स सुखी नरः ॥६॥
त्रिशूलं करमध्ये तु तेन राजा प्रवर्तते ॥ यज्ञे धर्मे च दाने च देवद्विजप्रपूजने ॥७॥
शक्तितोमरबाणैश्च करमध्ये च दृश्यते ॥ रथचक्रध्वजाकारः स च राज्यं लभेन्नरः ॥८॥
अंकुशं कुंडलं चक्रं यस्य पाणितले भवेत् ॥ तस्य राज्यं महाश्रेष्ठं सामुद्रवचनं यथा ॥९॥
गिरिकङ्कणयोनीनांनरमुण्डघटादिकम् ॥ करे वै यस्य चिह्नानि राजमन्त्री भवेन्नरः ॥१०॥
रविचन्द्रकृतानेत्रअष्टकोणत्रिनेत्रकम् ॥ मंदिरं गजअश्वानां चिह्ने धनसुखीनरः ॥११॥
अंगुष्ठोदरमध्यस्थो यवो यस्य विराजते ॥ उत्पन्नभक्ष्यभोगीस्यात्स नरः सुखमेधते ॥१२॥
मध्यमातर्जनीमूलंयवोयस्य प्रदृश्यते ॥ धनवान्सुखयोगीस्यात्पुत्रदारगृहादिषु ॥१३॥
एवं बहुधा ॥

+ = पूर्व   देशान्तर सारिणी   − = पश्चिम

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू. रेस्वांश	उज्जै. रेखा. पल-विपल	रेल्वेअन्तर मि. से.
अयोध्या	२६।४८	६। ४	८२।१४	+ ६५।१०	− ९। ४
अजमेर	२६।२८	५।५८	७४।४०	− १०।३०	− ३१।२०
अमृतसर	३१।३७	७।२३	७४।५५	− ८। ०	− ३०।२०
अकलकोट	१७।३२	३।४७	७६।१३	+ ५। ०	− २५। ८
अहमदाबाद	२३। २	५। ६	७२।३८	− ३०।५०	− ३९।२८
अलीगढ़	२७।५४	६।२१	७८। ६	+ २३।५०	− १७।३६
अगरतल्ला	२३।५२	५।१९	९१।१६	+ १५५।३०	+ ३५। ४
अलीबाग	१८।३९	४। ३	७२।५४	− २८।१०	− ३८।२४
अनन्तपुर	१४।४०	३। ८	७७।३५	+ १८।४०	− १९।४०
अहमदनगर	१९। ५	४। ९	७४।४४	− ९।५०	− ३१। ४
अलवर	२७।३४	६।१६	७६।३८	+ ९।१०	− २३।२८
आगरा	२७।१०	६।१०	७८। २	+ २३।१०	− १७।५२
आजमगढ़	२६। ४	५।५२	८३।१२	+ ७४।५०	+ २।४८
आबू	२४।४०	५।३१	७२।४५	− २९।४०	− ३९। ०
आंकोला	२०।४३	४।३२	७७। ०	+ १२।५०	− २२। ०
इटावा	२६।४७	६। ३	७९। २	+ ३३।१०	− १३।५२
इम्फाल	२४।४४	५।३२	९३।५८	+ १८२।३०	+ ४५।५२
इन्दौर	२२।४४	५। २	७५।५०	+ १।१०	− २६।४०
इटारसी	२२।३७	५। ०	७७।४६	+ २०।३०	− १८।५६
इलाहाबाद	२५।२८	५।४३	८१।५४	+ ६१।५०	− २।२४
उज्जैन	२३। ९	५। ८	७५।४३	०। ०	− २७। ८
उदयपुर	२४।३५	५।२९	७३।४२	− २०।१०	− ३५।१२
उटकमंड	११।१७	२।२४	७६।४४	+ १०।१०	− २३। ४
एलिचपुर	२१।१८	४।४१	७७।३०	+ १७।५०	− २०। ०
ओरंगाबाद	१९।५३	४।२०	७५।१९	− ४। ०	− २८।४४
ओकारेश्वर	२१।१३	४।४०	७६। ६	+ ३।५०	− २५।३६
कटक	२०।२८	४।२९	८५।५४	+ १०१।५०	+ १३।३६
कटिहार	२५।३०	५।४३	८७।४०	+ ११९।३०	+ २०।४०
कोलकाता	२२।३४	४।५९	८८।२८	+ १२७।३०	+ २३।५२
करौली	२६।३०	५।५९	७७। ४	+ १३।३०	− २१।४४
कल्याण	१९।१४	४।११	७३। ८	− २५।५०	− ३७।२८
काशी	२५।१९	५।४१	८३। ०	+ ७२।५०	+ २। ०
कानपुर	२६।२७	५।५८	८०।२१	+ ४६।२०	− ८।३६

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू. रेस्वांश	उज्जै. रेखा. पल-विपल	रेल्वेअन्तर मि. से.
कांकरोली	२५। २	५।३६	७३।५४	− १८।१०	− ३४।२४
काश्मीर	३४। ६	८। ७	७४।५४	− ८।१०	− ३०।२४
कांची	९।५६	२। ६	७६।१२	+ ४।५०	− २५।१२
कुमारी	८। ६	१।४२	७७।३०	+ १७।५०	− २०। ०
कुम्भकोणं	१०।५८	२।२०	७९।२३	+ ३६।४०	− १२।२८
कोकनाडा	१६।५९	३।४०	८२।१३	+ ६५। ०	− १। ८
कोल्हापुर	१६।४२	३।३६	७४।१६	− १४।३०	− ३२।५६
कोचीन	९।५८	२। ७	७६।१७	+ ५।४०	− २४।५२
कोटा	२५।१०	५।३८	७५।५२	+ १।३०	− २६।३२
कोटकपुरा	३०।३७	७। ६	७४।५०	− ८।५०	− ३०।४०
स्सरीयार रोड	२०।५४	४।३५	८२।३०	+ ६७।५०	०। ०
गया	२४।४९	५।३३	८५। १	+ ९३। ०	+ १०। ४
गंगानगर	२९।५९	६।५५	७३।५०	− १८।५०	− ३४।४०
गणदेवी	२०।४९	४।३४	७३। ०	− २७।१०	− ३८। ०
गढवाल	३०।१५	७। ०	७९।३०	+ ३७।५०	− १२। ०
गिलगिट	३५।२५	८।३२	७४।२२	− १३।३०	− ३२।३२
ग्वालियर	२६।१४	५।५५	७८।१०	+ २४।३०	− १७।२०
गोरखपुर	२६।४५	६। ३	८३।२४	+ ७६।५०	+ ३।३६
गोवा	१५।२५	३।१९	७३।४७	− १९।२०	− ३४।५२
गोहाटी	२६।११	५।५४	९१।४७	+ १६०।४०	+ ३७। ८
गोलाघाट	२६।३०	५।५९	९४। ०	+ १८२।५०	+ ४६। ०
चंडीगढ़	३०।४०	७। ७	७६।५२	+ ११।३०	− २२।३२
चिडावा	२८।१३	६।२६	७५।३९	− ०।४०	− २७।२४
चूरु	२८।१७	६।२७	७४।५८	− ७।३०	− ३०। ८
चेरापूंजी	२५।१७	५।४०	९१।४७	+ १६०।४०	+ ३७। ८
छपरा	२५।४७	५।४८	८४।४७	+ ९०।४०	+ ९। ८
जलपाईगुड़ी	२६।३२	६। ०	८८।४६	+ १३०।३०	+ २५। ४
जम्बू	३२।४४	७।४३	७४।५४	− ८।१०	− ३०।२४
जगदीशपुरी	१९।४८	४।१२	८५।५०	+ १०१।१०	+ १३।२०
जबलपुर	२३।१०	५। ८	७९।५८	+ ४२।३०	− १०। ८
जलगांव	२१। १	४।३७	७५।३४	− १।३०	− २७।४४
जयपुर	२६।५६	६। ६	७५।५०	+ १।१०	− २६।४०
जालंधर	३१।१९	७।१८	७५।१८	− ४।१०	− २८।४८

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू. रेस्वांश	उज्जै. रेखा. पल-विपल	रेल्वेअन्तर मि. से.
जाजू	२७।४६	६।१९	७३। ०	− २७।१०	− ३८। ०
जामनगर	२२।२७	४।५७	७०। ७	− ५६। ०	− ४९।३२
जीन्द	२९।१९	६।४४	७६।२३	+ ६।४०	− २४।२८
जूनागढ़	२१।३१	४।४४	७०।३६	− ५१।१०	− ४७।३६
जेसलमेर	२६।५५	६। ६	७०।५४	− ४८।१०	− ४६।२४
जोधपुर	२६।१८	५।५६	७३। ४	− २६।३०	− ३७।४४
झांसी	२५।३७	५।४५	७८।३७	+ २९। ०	− १५।३२
झालरापाटन	२४।३२	५।२९	७६।१२	+ ४।५०	− २५।१२
झरिया	२३।४५	५।१७	८६।२४	+ १०६।५०	+ १५।३६
झूंझूनू	२८। ८	६।२५	७५।२४	− ३।१०	− २८।२४
ट्रावनकोर	९। ०	१।५४	७७। ०	+ १२।५०	− २२। ०
टोंक	२६।११	५।५४	७५।५०	+ १।१०	− २६।४०
तंजोर	१०।४७	२।१७	७९। ८	+ ३४।१०	− १३।२८
तेजपुर	२६।३८	६। १	९२।५२	+ १७१।३०	+ ४१।२८
त्रिवेन्द्रम	८।३०	१।४८	७६।५७	+ १२।२०	− २२।१२
त्रिपती	१३। ०	२।४६	७८।३६	+ २८।५०	− १५।३६
डिबरुगढ	२७।२९	६।१५	९४।५६	+ १९२।१०	+ ४९।४४
दरभंगा	२६।१०	५।५४	८५।५७	+ १०२।२०	+ १३।४८
दिल्ली	२८।३८	६।३३	७७।१२	+ १४।५०	− २१।१२
धावलपुर	२६।४२	६। २	७७।५४	+ २१।५०	− १८।२४
नागपुर	२१। ९	४।३९	७९। ६	+ ३३।५०	− १३।३६
नागोर	२७।११	६।१०	७३।४२	− २०।१०	− ३५।१२
नासिक	२०। ०	४।२२	७३।४७	− १९।२०	− ३४।५२
नैनीताल	२९।२५	६।४६	७९।२७	+ ३७।२०	− १२।१२
पटना	२५।३७	५।४५	८५।१३	+ ९५। ०	+ १०।५२
पठानकोट	३२।१५	७।३४	७५।४२	− ०।१०	− २७।१२
प्रयाग	२५।२४	५।४२	८१।५३	+ ६१।४०	− २।२८
पूना	१८।३०	४। १	७३।५२	− १८।३०	− ३४।३२
वड़ौदा	२२।१६	४।५५	७३।१६	− २४।३०	− ३६।५६
बम्बई	१८।५८	४। ७	७२।४८	− २९।१०	− ३८।४८
बागलकोट	१६।१२	३।२९	७५।४२	− ०।१०	− २७।१२
वीकानेर	२८। १	६।२३	७३।१८	− २४।१०	− ३६।४८
वूँदी	२५।२७	५।४३	७५।३८	− ०।५०	− २७।२८

+ = पूर्व देशान्तर सारिणी - = पश्चिम

नाम नगर	अक्षांश उत्तर	पलभा अं. व्यं.	ग्रीन्वीच पू. रेखांश	उज्जै. रेखा. पल-विपल	रेल्वेअन्तर मि. से.
बंगलोर	१२।५८	२।४६	७७।३५	+ १८।४०	— १९।४०
भिवानी	२८।४६	६।३५	७६।१८	+ ५।५०	— २४।४८
भरतपुर	२७।१५	६।११	७७।३०	+ १७।५०	— २०। ०
भागलपुर	२५।१५	५।४०	८७। ०	+ ११२।५०	+ १८। ०
भोपाल	२३।१६	५।१०	७७।३६	+ १८।५०	— १९।३६
मछलीपट्टम	१६। ९	३।२८	८१।१२	+ ५४।५०	— ५।१२
मणिपुर	२४।५०	५।३३	९३।५८	+ १८२।३०	+ ४५।५२
मथुरा	२७।२८	६।१४	७७।४२	+ १९।५०	— १९।१२
चिन्नई	१३। ६	२।४८	८०।१५	+ ४५।२०	— ९। ०
मुँगेर	२५।२३	५।४२	८७।३०	+ ११७।५०	+ २०। ०
रत्नागिरी	१७। ८	३।४२	७३।१९	— २४। ०	— ३६।४४
रतनगढ	२८। ५	६।२४	७४।३९	— १०।४०	— ३१।२४
रामगढ शे.	२८। ०	६।२३	७४।५९	— ७।२०	— ३०। ४
रामेश्वरम्	९।१७	१।५८	७९।१८	+ ३५।५०	— १२।४८
रायपुर	२१।१५	४।४०	८१।४१	+ ५९।४०	— ३।१६
लखनऊ	२६।५५	६। ६	८०।५४	+ ५१।५०	— ६।२४
लद्दाख	३४। ०	८। ६	७८।४२	+ २९।५०	— १५।१२
सदियाकुं.घाट	२७।४६	६।१९	९५।५०	+ २०१।१०	+ ५३।२०
सागर	२३।५०	५।१८	७७।१३	+ १५। ०	— २१। ८
सूरत	२१।११	४।३९	७२।५०	— २८।५०	— ३८।४०
शिमला	३१। ६	७।१४	७७।१०	+ १४।३०	— २१।२०
सिलचर	२४।५०	५।३३	९२।५१	+ १७१।२०	+ ४१।२४
शिलोंग	२५।३४	५।४४	९१।५६	+ १६२।१०	+ ३७।४४
सिल्लीगुडी	२६।४२	६। २	८८।२५	+ १२७। ०	+ २३।४०
सीकर	२७।३७	६।१७	७५। ९	— ५।४०	— २९।२४
हरद्वार	२९।५८	६।५५	७८।१३	+ २५। ०	— १७। ८
हिसार	२९।१०	६।४२	७५।४६	+ ०।३०	— २६।५६
हरिहर क्षेत्र	१४।३१	३। ६	७५।५०	+ १।१०	— २६।४०
द.हैदराबाद	१७।२०	३।४५	७८।३०	+ २७।५०	— १६। ०
सि.हैदराबाद	२५।२५	५।४२	६८।३८	— ७०।५०	— ५५।२८
होसपेट	१५।१०	३।१५	७६।२४	+ ६।५०	— २४।२४
होशियारपुर	३१।३२	७।२२	७५।५५	+ २। ०	— २६।२०

विदेशी नगरों के अक्षांशादि

नाम नगर	अक्षांश	पलभा अं. व्यं.	रेखांश	दिल्ली से घं. मि. से.
रंगून (ब्रह्मा)	१६।४५	३।३७	९६।१३	+ १।१६। ४
सिंगापुर (मलाया)	१।१७	०।१६	१०३।५१	+ १।४६।३६
ल्हासा (तिब्बत)	२९।४०	६।५०	९१। ५	+ ०।५५।३२
ढाका (बं.दे.)	२३।४३	५।१६	९०।२६	+ ०।५२।५६
टोकियो (जपान)	३५।४०	८।३७	१३९।४५	+ ४।१०।१२
पेकिंग (चीन)	३९।४५	९।५९	११६।२४	+ २।३६।४८
हवाना (क्यूबा)	२३। ८	५। ८	— ८२।२२	—१०।३८।१६
कोलंबो (लंका)	६।५६	१।२८	७९।५६	+ ०।१०।५६
विक्टोरिया(आस्ट्रे)	— ३८। ०	— ९।२३	१४५। ०	+ ४।३१।१२
जकार्ता (जावा)	— ६।१२	— १।१८	१०६।५०	+ १।५८।३२
काबुल (अफगा.)	३४।३०	८।१५	६९।१८	— ०।३१।३६
कोबिजा(चिली)	— २२।३४	— ४।५९	— ७०।२६	— ९।५०।३२
बगदाद(ईराक)	३३।२०	७।५४	४४।२७	— २।११। ०
मक्का (अरब)	२१।२५	४।४२	३९।५४	— २।२९।१२
काहिरा (मिश्र)	३०। ०	६।५६	३१।१५	— ३। ३।४८
जेनेवा(स्विटज.)	४६।१३	१२।३१	६। ७	— ४।४४।२०
न्यूयार्क (अमे.)	४०।४३	१०।२०	— ७४। ०	—१०। ४।४८
वाशिंगटन (अमे.)	३८।५५	९।४१	— ७७। ४	—१०।१७। ४
बर्लिन (पू.जर्मनी)	५२।३२	१५।३९	१३।२५	— ४।१५। ८
बुडापेस्ट(हंगरी)	४७।२९	१३। ५	१९। ३	— ३।५२।३६
लंदन (इंगलैण्ड)	५१।३०	१५। ५	— ०। ५	— ५। ९। ८
ग्रीन्वीच	५१।३०	१५। ५	०। ०	— ५। ८।४८
करांची (पाक.)	२४।५१	५।३३	६७। ४	— ०।४०।३२
पेरिस (फ्रांस)	४८।५०	१३।४३	२।२०	— ४।५९।२८
मास्को (रुस)	५।४५	१।१३	३७।३७	— २।३८।२०
रोम (इटली)	४१।५५	१०।४६	१२।२८	— ४।१८।५६
अदन (अरब)	१२।४५	२।४३	४५। ४	— २। ८।३२
अंकारा (टर्की)	३९।५७	९०। ३	३२।५४	— २।५७।१२
तेहरान (ईरान)	३५।४१	८।३७	५१।२५	— १।४३। ८
कोडन्क (सूडान)	९।५२	२। ५	३२। ७	— ३। ०।२०
मोम्बासा(कन्या)	— ४। ०	— ०।५०	३९।४०	— २।३०। ८
लीमा (पेरु)	— १२। २	— २।३३	— ७७। २	—१०।१६।५६

अथ अश्विन्यादिनक्षत्राणां चरणगतकष्टार्थे दानम् । कष्टावलीयंत्रम् ।

अश्वि.	१	१०	७	७	मोती
भरणी	५	७	१५	५	अन्न
कृत्ति.	१५	०	१५	५	घृत
रोहि.	१७	१८	२६	२०	मधु
मृग.	१५	१७	२१	८	कालो
आर्द्रा	०	२	७	२	दुग्ध
पुनर्वसु	७	१२	२०	८	पीत
पुष्य	७	११	१०	०	रातो
आश्ले.	७	०	०	०	रुपो
मघा	२१	१५	१७	७	गाय
पूर्वा	१५	५	९	९	गेहूँ
उत्तरा	७	१४	८	८	तैल
हस्त	१७	८	२०	२०	श्वेत
चित्रा	११	२१	२	१	सूत्र
स्वाती	११	२१	२	२३	घृत
विशाखा	१५	१४	१	५	गुड
अनुराधा	१०	११	१२	१५	गेहूँ
ज्येष्ठा	१	५	११	१८	रातो
मूल	१६	१५	१८	८	मीठो
पू.षा.	०	९	०	३०	अन्न
उ.षा.	७	११	१०	०	रातो
अभि.	७	८	५	१५	मूंगो
श्रवण	११	१८	१७	९	मुद्र
धनि.	१०	११	१५	७	तैल
शतभि.	१६	२	२०	९	दूध
पू.भा.	०	७	८	७	अन्न
उ.भा.	७	११	१०	०	कालो
रेवती	९	४७	०	०	हेम

परे लग्नशुद्धया कुयोगादिनाशम् -

व्याख्या- अथ परे आचार्या लग्नशुद्धया समीचीन-लग्नबलेन कुयोगानां मृत्युक्रकचादीनां नाशं भवंतीति शेषः ।

- पीयूषधारा

अर्थ- लग्न शुद्धि के समय तिथि, नक्षत्र और विष्कुंभादि योग द्वारा उत्पन्न हुए मृत्यु-क्रकचादि कुयोग स्वयं नष्ट हो जाते है (जैसे सूर्योदय होने पर अंधेरा नष्ट हो जाता है) ।

विशेष- किसी एक विद्वान् के द्वारा बताये हुए शुद्धलग्न मुहूर्त्त को दूसरा विद्वान् (बालबुद्धि वाला) यजमान को यह कह कर भ्रमित (गुमराह) कर देता है कि उस दिन मृत्यु-क्रकचादि कुयोग होने से यह मुहूर्त्त अच्छा नहीं है । नोट- ऐसे बालमति के विद्वानों से करबद्ध प्रार्थना है कि ज्योतिष-शास्त्र का उपहास (मजाक) न करें । कहा भी है- "नानाशास्त्र विचक्षणश्च पुरुषांनिन्दन्ति मूर्खाः सदा इति" ।

।।तमसो मा ज्योतिर्गमय.।।

संवत् २०७१, दिनमान एवं स्टेण्डर्ड सूर्योदयास्त जानने की सुगम विधि

भारत के किसी भी गांव या शहर का दिनमान निकालना हो उस नगर के अक्षांश पंचांग से प्राप्त करें यदि पंचांग मे न हों तो भारत के नक्शे (अटलस) से प्राप्त करें। पंचांग में दैनिक रविक्रांति की सारणी अलग पृष्ठ पर दी हुई है। उस सारणी से जिस दिन का दिनमान निकालना हो उस दिन की रविक्रांति और अक्षांश की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से चरपल लेवें और चरपलों को दुगुना (२ से गुणा) करें यदि ६० पलों से चरपल अधिक हो तो ६० का भाग देकर घटी/पल बना लें। रविक्रांति यदि + (उत्तर) हो तो मध्यम घटी ३०।०० में चरपल जोड दें और रविक्रांति – (दक्षिण) हो तो मध्यम घटी ३०।०० में घटा देने से अभीष्ट गांव या शहर का सूक्ष्मासन्न घट्यात्मक दिनमान प्राप्त आयेगा।

अभीष्ट दिन के दिनमान में पांच का भाग देने से घंटा-मिनटात्मक देशी (सूर्यघटी) सूर्यास्त बनता है। सूर्यास्त को घंटा १२।०० में घटाने से देशी सूर्योदय बनता है। इन देशी सूर्योदयास्त में जिस नगर का हो उसका रेल्वेऽन्तर मिनट संस्कार करने से मध्यम स्थानिक सूर्योदयास्त होते हैं और वेलान्तर संस्कार करने से अभीष्ट दिन के स्पष्ट स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त होते हैं। (रेल्वेऽन्तर और वेलान्तर सारणी इसी पंचांग में अलग पृष्ठ पर है ध्यान रहे कि स्थानिक देशी समय से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) समय बनाना हो तो रेल्वेऽन्तर संस्कार के चिन्ह ऋण (–) और धन (+) को विलोम व्यस्त चिन्ह करके संस्कार करें। यथा - पंचांग में + (धन) चिन्ह दिया है तो विलोम (व्यस्त) ऋण (–) संस्कार करे और ऋण (–) चिन्ह दिया हो तो धन (+) संस्कार करें। वेलान्तर समय के चिन्ह जैसे पंचांग में दिये हैं वे चिन्ह यथावत् रहेंगे। लेकिन स्टैण्डर्ड समय से स्थानिक समय बनाना हो तो उपरोक्त क्रिया से विपरीत चिन्ह होते हैं यानि कि रेल्वेऽन्तर के निशान ज्यों के त्यों करें लेकिन वेलान्तर संस्कार के निशान जैसे पंचांग में है उससे विपरीत करें। इस तरह भारत के किसी भी नगर का दिनमान एवं स्टैण्डर्ड (रेल्वे) सूर्योदयास्त ज्ञात किये जा सकते हैं।

दिनमान = ३० + (चरपल x २)
स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)
स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ – (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०७१, तारीख १ मई २०१४, गुरुवार को दरभंगा (विहा.) अक्षांशाः २६° १०′ उ., रेखांशाः ८५° ५१′ पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ मई २०१४ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१४।५९ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति दोनों को उपकरण मानकर इनकी सहायता से चरपल संस्कार सारणी से अनुपात सहित ७५।०५ पलादि प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (१५०।१० = ७५।०५ x २) तो पलादि १५०।१० हुई. पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि + २।३०।१० हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर है अतः घटी ३० में जोड दिया (३०।००।०० + २।३०।१०) तो घट्यात्मक ३२।३०।१० दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ६ घंटा ३० मिनट ०२ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ५ घंटा २९ मिनट ५८ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए -

दरभंगा (विहा.) का रेखांश ८२।३० से ज्यादा है अतः ((८५।५१ - ८२।३०) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (धन) +१३ सेकण्ड २४ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो घन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में से घटा दिया तो ५।१६।३४ सूर्योदय और ६।१६।३८ सूर्यास्त दरभंगा (विहा.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ मई २०१४ को वेलान्तर मिनट - २ सेकण्ड ४८ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ५।१३।४६ सूर्योदय और ६।१३।५० सूर्यास्त (अर्धादिक रुप से सूर्योदय ५ वजकर १४ मिनट और सूर्यास्त ६ वजकर १४ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इसी प्रकार भारत के किसी भी गांव या शहर का दिनमान एवं स्टै. सूर्योदयास्त ज्ञात कर सकते हैं।

अभिजित् मुहूर्त्त ज्ञानाय: - "अष्टमे दिवसस्यार्द्धे त्वभिजित् संज्ञकः क्षण:" उपनयनादि मुहूर्त्तों में लग्न के स्थान पर **'अभिजिति'** लिखा रहता है इसका स्टै. समय ज्ञात करने के लिए क्रिया - जिस अभीष्ट शहर का स्टै. समय निकालना हो उस नगर के दिनमान घंटा-मिनटात्मक (यदि घटी-पल में दिनमान है तो २।। ढाई का भाग देकर घंटा मिनट बना लें) को आधा करके स्टै. सूर्योदय में + (जोड) दें यह स्थानिक स्पष्ट मध्यान्ह काल हो गया इस मध्यान्ह काल के २४ मिनट पहले और २४ मिनट बाद (यानि ४८ मि.) का अभीष्ट शहर का स्पष्ट अभिजित् (स्टै.) समय होता है।

उदाहरण - दरभंगा (विहा.) में १ मई २०१४ गुरुवार को अभिजित् मुहूर्त्त का (स्टै.)समय निकालना है। उक्त तारीख को गणितागत घट्यात्मक दिनमान ३२।३०।१० है २।। (ढाई) का भाग देकर घंटा-मि. वनाया तो १३ घं. ०० मि. ०४ से. हुआ. इसका आधा ६ घं. ३० मि. ०२ से. को स्टै. सूर्योदय ५ वजकर १३ मिनट ४६ से. में जोड़ दिया यह स्टै. ११ घं. ४३ मि. ४८ से. मध्यान्ह काल आ गया इसमें २४ मिनट पहले ११।४३।४८ - ०।२४ = ११।१९।४८ और २४ मिनट बाद तक ११।४३।४८ + ०।२४ = १२।०७।४८ (यानि कि मध्यान्ह काल के २४ मि. पहले और २४ मि. वाद तक का समय) दरभंगा (विहा.) में अभिजित् मुहूर्त्त का स्टै. समय दिन के ११।१९।४८ वजे से दिन के १२ वजकर ०७ मिनट ४८ से. तक का है। इस प्रकार भारत के किसी भी गांव अथवा शहर का अभिजित् मुहूर्त्त का समय निकाल सकते है। यह ध्यान रहे कि वुधवार के दिन अभिजित् मुहूर्त्त सर्वथा त्याज्य है। यथा - "अभिजिन्न वुधे शस्तं याम्यां तु गमने तथा" ।।

घटी, पल, विपल से घंटा मिनट सैकण्ड परिणत क्रिया - २ विपल ३० प्र. विपल (ढाई विपल) की १ सेकण्ड होती है, १ पल में २४ सेकण्ड होती है, २ पल में ४८ सेकण्ड होती है, २ पल ३० विपल (ढाई पल) में १ मिनट होती है। १ घटी में २४ मिनट होती हैं। २ घटी में ४८ मिनट, २ घटी ३० पल (ढाई घटी) में १ घंटा होता है और ६० घटी के २४ घंटे होते है। सव इसी तरह से जानना चाहिए। स्पष्टता के लिए घटी पल से घंटा मिनट का नीचे लिखा चक्र देखें।

घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि.	घ. प.	घं. मि.
१	०।२४	८	३।१२	१६	६।२४	२३	९।१२	३१	१२।२४	३८	१५।१२
२	०।४८	९	३।३६	१७	६।४८	२४	९।३६	३२	१२।४८	३९	१५।३६
२।३०	१।००	१०	४।००	१७।३०	७।००	२५	१०।००	३२।३०	१३।००	४०	१६।००
३	१।१२	११	४।२४	१८	७।१२	२६	१०।२४	३३	१३।१२	४१	१६।२४
४	१।३६	१२	४।४८	१९	७।३६	२७	१०।४८	३४	१३।३६	४२	१६।४८
५	२।००	१२।३०	५।००	२०	८।००	२७।३०	११।००	३५	१४।००	४२।३०	१७।००
६	२।२४	१३	५।१२	२१	८।२४	२८	११।१२	३६	१४।२४	४३	१७।१२
७	२।४८	१४	५।३६	२२	८।४८	२९	११।३६	३७	१४।४८	४४	१७।३६
७।३०	३।००	१५	६।००	२२।३०	९।००	३०	१२।००	३७।३०	१५।००	४५	१८।००

॥ चरपल संस्कार सारणी ॥ उपकरण = क्रांत्यंशाः उत्तरअक्षांशाश्च (क्रांतिवद्धनर्णम्)

← अक्षांशाः — अक्षांशाः →

क्रांत्यंशाः ↕

	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१	१	२.	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७
२	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१३	१३	१३	१४	१५
३	४	५	५	६	६	७	७	८	९	९	१०	१०	११	१२	१२	१३	१३	१४	१५	१५	१६	१७	१७	१८	१९	२०	२०	२१	२२
४	६	६	७	८	९	९	१०	११	११	१२	१३	१४	१५	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
५	७	८	९	१०	११	१२	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३३	३४	३५	३६
६	८	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२४	२६	२७	२८	२९	३१	३२	३३	३५	३६	३८	३९	४१	४२	४४
७	१०	११	१२	१४	१५	१६	१८	१९	२०	२२	२३	२४	२६	२७	२८	३०	३१	३३	३४	३६	३७	३९	४१	४२	४४	४६	४८	४९	५१
८	११	१३	१४	१६	१७	१९	२०	२२	२३	२५	२६	२८	२९	३१	३३	३४	३६	३८	३९	४१	४३	४५	४७	४८	५०	५२	५४	५६	५९
९	१३	१४	१६	१८	१९	२१	२३	२४	२६	२८	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५५	५७	५९	६१	६४	६६
१०	१४	१६	१८	२०	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५२	५४	५६	५८	६१	६३	६६	६८	७१	७४
११	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४१	४३	४५	४७	५०	५२	५४	५७	५९	६२	६४	६७	७०	७३	७५	७८	८१
१२	१७	१९	२१	२४	२६	२८	३०	३३	३५	३७	४०	४२	४४	४७	४९	५२	५४	५७	६०	६२	६५	६८	७०	७३	७६	७९	८२	८६	८९
१३	१९	२१	२३	२६	२८	३१	३३	३५	३८	४०	४३	४६	४८	५१	५४	५६	५९	६२	६५	६८	७१	७४	७७	८०	८३	८६	९०	९३	९७
१४	२०	२३	२५	२८	३०	३३	३६	३८	४१	४४	४६	४९	५२	५५	५८	६१	६४	६७	७०	७३	७६	७९	८३	८६	९०	९३	९७	१०१	१०४
१५	२२	२४	२७	३०	३३	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	५९	६२	६५	६९	७२	७५	७८	८२	८५	८९	९३	९६	१००	१०४	१०८	११२
१६	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५७	६०	६३	६७	७०	७३	७७	८०	८४	८८	९१	९५	९९	१०३	१०७	११२	११६	१२०
१७	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४४	४७	५०	५४	५७	६०	६४	६७	७१	७५	७८	८२	८६	९०	९४	९८	१०२	१०६	११०	११५	११९	१२४	१२८
१८	२६	२९	३३	३६	४०	४३	४६	५०	५३	५७	६१	६४	६८	७२	७५	७९	८३	८७	९१	९५	९९	१०४	१०८	११३	११७	१२२	१२७	१३२	१३७
१९	२८	३१	३५	३८	४२	४६	४९	५३	५७	६०	६४	६८	७२	७६	८०	८४	८८	९२	९७	१०१	१०५	११०	११५	११९	१२४	१२९	१३४	१४०	१४५
२०	२९	३३	३७	४१	४४	४८	५२	५६	६०	६४	६८	७२	७६	८०	८५	८९	९३	९८	१०२	१०७	११२	११६	१२१	१२६	१३१	१३७	१४२	१४८	१५३
२१	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	६३	६७	७२	७६	८०	८५	८९	९४	९८	१०३	१०८	११३	११८	१२३	१२८	१३३	१३९	१४४	१५०	१५६	१६२
२२	३३	३७	४१	४५	४९	५४	५८	६२	६७	७१	७५	८०	८५	८९	९४	९९	१०४	१०९	११४	११९	१२४	१२९	१३५	१४०	१४६	१५२	१५८	१६४	१७१
२३	३४	३९	४३	४७	५२	५६	६१	६५	७०	७५	७९	८४	८९	९४	९९	१०४	१०९	११४	११९	१२५	१३०	१३६	१४२	१४८	१५४	१६०	१६६	१७३	१८०
२४	३६	४०	४५	५०	५४	५९	६४	६९	७३	७८	८३	८८	९३	९८	१०४	१०९	११४	१२०	१२५	१३१	१३७	१४३	१४९	१५५	१६२	१६८	१७५	१८२	१८९
२५	३८	४२	४७	५२	५७	६२	६७	७२	७७	८२	८७	९२	९८	१०३	१०९	११४	१२०	१२६	१३१	१३७	१४४	१५०	१५६	१६३	१६९	१७६	१८३	१९१	१९८
२६	३९	४४	४९	५४	६०	६५	७०	७५	८०	८६	९१	९७	१०२	१०८	११४	११९	१२५	१३१	१३८	१४४	१५०	१५७	१६४	१७०	१७७	१८५	१९२	२००	२०८
२७	४१	४६	५२	५७	६२	६८	७३	७८	८४	९०	९५	१०१	१०७	११३	११९	१२५	१३१	१३७	१४४	१५०	१५७	१६४	१७१	१७८	१८६	१९३	२०१	२०९	२१७
२८	४३	४८	५४	५९	६५	७१	७६	८२	८८	९४	९९	१०५	११२	११८	१२४	१३०	१३७	१४४	१५०	१५७	१६४	१७१	१७९	१८६	१९४	२०२	२१०	२१९	२२७
२९	४५	५०	५६	६२	६८	७४	७९	८५	९१	९८	१०४	११०	११६	१२३	१२९	१३६	१४३	१५०	१५७	१६४	१७१	१७९	१८७	१९५	२०३	२११	२२०	२२८	२३७
३०	४७	५२	५८	६४	७०	७७	८३	८९	९५	१०२	१०८	११५	१२१	१२८	१३५	१४२	१४९	१५६	१६४	१७१	१७९	१८७	१९५	२०३	२११	२२०	२२९	२३८	२४८

नोट : दिनमान बनाने के लिए- चरपलों को २ से गुणा करके, रविक्रांति यदि + (उत्तर) हो तो चरपलों का संस्कार + (धन) करें और रविक्रांति यदि - (दक्षिण) हो तो चरपलों का संस्कार - ऋण करें।

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वस्थितर्क्षाणि हि भानि पुंसां वामस्थितर्क्षाणि तथा वधूनाम्, संपात कोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्व शुभं तत्स्मृतितोऽधिकंयत्।

कन्या	वर	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
	नक्षत्र	अ. ४	भ. ४	कृ. १	कृ. ३	रो. ४	मृ. २	मृ. २	आ. ४	पु. ३	पु. १	पु. ४	श्ले. ४	म. ४	पू. ४	उ. १	उ. ३	ह. ४	चि. २	चि. २	स्वा. ४	वि. ३	वि १	ऽनु. ४	ज्ये. ४	मू. ४	पू. ४	उ. १	उ. ३	श्र. ४	ध. २	ध. २	श. ४	पू. ३	पू. १	उ. ४	रे. ४
मेष-	अ. ४	२८ ३	३३ ०	२७॥	१७॥ ४	२३॥ -४	२२॥ -४	२५॥	१६॥ ३	१७॥ ३	२२॥ ३	३०॥	२७	२० +५	२४ +५	१४॥ ३५	९॥ ३६	१०॥ २३६	१२॥ ६	२२	२८ -२	२२	१८॥ -६	२४॥ -६	१३ ३६	१२॥ ३५	२४॥ +५	२३ +५	२५	२६	२०	१९॥	१४॥ ३	१५॥ ३	१४॥ ३४	२३॥ +४	२६ +४
	भ. ४	३३	२८ ३	२८ ०१	१८ ०४१	२६॥ -४	१४॥ ३४	१७॥ ३	२५॥	२५॥	३०॥	२२॥ ३	२४॥ १	१९ -१५	१७ ३५	२४ ५	१९ ६	१८॥ ६	३॥ १३६	१३ १३	२८	२१ -१	१८॥ -१६	१७॥ ३६	१९॥ -१६	१९॥ -१५	१७॥ ३५	२५॥ +५	२७॥	२६	१० १३२	९॥ १३२	१९॥ -१	२३ -२	२२॥ +२४	१६॥ ३४	२५॥ +४
	कृ. १	२६॥	२८ १	२८ ३	१८ ३४	१० ०१३४	१६॥ ४	१९॥	१९॥ १	१९॥	२४॥	२६॥	२२॥ ३	१५॥ ३५	१९ १५	२० १५	१५ १६	१४ ६	१७॥ ६	२७	१४ ३	१९ ३	१६॥ ३६	१९॥ ६	२५॥ -६	२५ +५	१९॥ १२५	११॥ ३१५	१३॥ १३	१३॥ २३	२५	२४॥	२५॥	१८॥ १	१७॥ १४	१९॥ १४	१०॥ ३४
वृष.	कृ. ३	१९ ४	१९ १४	१९ ३४	२८ ३	१८॥ १३०	२६॥	१७ +४	१७ १४	१७ +४	२१	२३	१९ ३	१९ ३	२१ १	२२ १	२० १५	१८ +५	२३ +५	२२ -६	९ ३६	१४ ३६	२१॥ ३	२४॥	३०॥	२२ ६	१५ १२६	७ १३६	१२ १३५	१०॥ ३५२	२४॥ +५	२९	३०	२३ १	२० १	२२ १	१३ ३
	रो. ४	२३॥ -४	२३॥ ४	११ ३४१	२० ३१	२८ ३	३६ ०	२६॥ ०४	२३ +४	२२ +४	२६	२७	१२ ३१	१०॥ ३१	२४॥	२७	२५॥ +५	२५॥ +५	१८॥ -१५	१७॥ -१६	१५ ३६	८ ३१६	१४॥ ३१	२९॥	२३॥ १	१३॥ १६	१९॥ ६	११ ३६२	१६ ३५२	१८ ३५	१९ -१५	२४॥ -१	२४ -१	२९	२६	२७	१९ ३
	मृ. २	२३॥ -४	१४॥ ३४	१८॥ -४	२७॥	३५	२८ ३	१८॥ ३४	२३॥ ०४	२२॥ +४	२६	१९ ३	२१	१९॥	१५॥ ३	२४॥	२३ +५	२५ +५	११॥ ३५	१०॥ ३६	२४॥ -६	१७ -६	२३॥	२१॥ ३	२४॥	१४॥ ६	१०॥ ३६	१६॥ २६	२१॥ +२५	२६ +५	१२ ३५	१७॥ ३	२६॥	२८	२५	१८ ३	२७
मिथुन	मृ. २	२६॥	१७॥ ३	२१॥	१९ +४	२६॥ +४	१९॥ ३४	२८ ३	३३ ०	३१॥	१८॥ -४	११॥ ३४	१३॥ ४	२२॥	१८॥ ३	२७॥	३१॥	३४	२० ३	१३ ३५	२७ +५	१९॥ +५	१३ ६	१३ ३६	१४ ६	२३	१९ ३	२५ +२	१९॥ -२६	२४ -६	१० ३६	१२ ३५	२१ +५	२२॥ +५	२४	१७ ३	२६
	आ. ४	१८॥ ३	२६॥	२१॥ १	१९ +१४	२४ +४	२५॥ +४	३४	२८ ३	२५ ३०	१२ ०३४	२०॥ -४	१२॥ १४	२१॥ १	२७॥	२०॥ ३	२४॥ ३	२४॥ ३	२७ १	२० -१५	२७ +५	२० +१५	१३॥ १६	१९ २६	५ १३६२	१५ १३	२८	२७	२१॥ -६	२२॥ -६	१७ -१६	१९ +१५	१२ १३५	१७ ३५	१८॥ ३	२६	२६
	पुन. ३	१८॥ ३	२५॥	२१॥	१९ +४	२२ +४	२३ +४	३१॥	२४ ३	२८ ३	१४ -३४	२१ ४०	१५॥ -४	२१॥ +२	२५॥ +२	१९॥ ३	२३॥ ३	२४॥ ३	२६॥	१९॥ +५	२७ +५	२१ +५	१४॥ ६	२०॥ ६	६ ३६	१४ ३	२७	२७	२१॥ -६	२२॥ -६	१६॥ -६	१८॥ +५	१३ ३५	१६ ३५	१७॥ ३	२६॥	२६
कर्क	पुन. १	२१॥ ३	२८॥	२४॥	२१	२४	२५	१७॥ ४	१० ३४	१३ ३४	२८ ३	३४ ०	२८॥	१६॥ २४	२०॥ २४	१४॥ ३४	१६॥ ३	१७॥ ३	१९॥	१९	२६॥	२०॥	१९ +५	२५ +५	१०॥ ३५	७॥ ३६	२०॥ -६	२०॥ -६	२६	२७	२१	१२ ६	५॥ ३६	९॥ ३६	१६ ३५	२५ +५	२४॥ +५
	पु. ४	२९॥	२०॥ ३	२६॥	२३	२५	१८ ३	१०॥ ३४	१८॥ ४	२४ ४	३४	२८ ३	२९ ०	१८॥ +४	१४॥ ३४	२३॥ +४	२५॥	२५॥	११॥ ३	११ ३	२५	२०॥	१९ -५	१७ ३५	२० -५	१७॥	१२॥ २३६	२०॥ ६	२६	२७ -२	१३ ३	४ ३६	१३ ६	१७॥ ६	२६ +५	१८ ३५	२६ +५
	श्ले. ४	२५	२३ १	२१॥ ३	१८ ३	११ ३१	१९	११॥ ४	११॥ १४	१३ ४	२७॥	२८	२८ ३	१५ ०३४२	१५॥ १४२	१७॥ १४	१२॥ १	१९॥	२४॥	२४	११ ३	१६॥ ३	१४॥ ३५	१९ +५	२५ -५	२२॥ ६	१५॥ १६	७॥ ३१६	१३ १३	१३ ३	२६	१७ ६	१८ ६	११ १६	१७॥ १५	२० १५	१२ ३५
सिंह	म. ४	१९ +५	१९ १५	१५॥ ३५	१६॥ ३	९॥ ३१	१७॥	२०॥	२०॥ १	१९॥ -२	१६॥ +२४	१८॥ +४	१६ ३४२	२८ ३	३० ०१	२६॥ १	१४॥ १४	१४॥ +४	१९॥ ४	२३॥	१०॥ ३	१५॥ ३	२४॥ ३	२४॥	३२	२४ +५	१९ १५	८॥ १३५	३॥ ३१६	४॥ ३६	१७॥ ६	२३॥	२४॥	१७॥ १	१७॥ -१६	१८॥ १६	१२ ३६
	पू. ४	२५ +५	१७ ३५	१९ -१५	२० १	२३॥	१५॥ ३	१८॥ ३	२६॥	२५॥ -२	२२॥ +२४	१६॥ ३४	१६॥ १२४	३० -१	२८ ३	३४ ०	२४ ०४	२०॥ +४	५॥ १३४	९॥ १३	२४॥	१७॥ १	२३॥ -१	२२॥ ३	२४॥ -१	२० +१५	१७ ३५	२४ +५	१९ ६	१८॥ ६	५॥ १३६	९॥ १३	१८॥ १	२३॥	२३॥ -६	१६॥ ३६	२४॥ -६
	उ. १	१५॥ ३५	२५ +५	२० -१५	२१ १	२६	२४॥	२७॥	१९॥ ३	१७॥ ३	१४॥ ३४	२५॥ +४	१८॥ -१४	२६॥ -१	३४	२८ ३	१६ ३४	१५ ०३४	१२॥ १४२	१६॥ १२	२५॥	१६॥ १२	२२॥ -१२	३०॥	१६॥ १३	९॥ १३५	२५ +५	२५ +५	२० ६	२० ६	११॥ १६	१७॥ १	१०॥ १३	१५॥ ३	१५॥ ३६	२६॥ -६	२४॥ -६
कन्या	उ. ३	११ ३६	२१ ६	१६ १६	२०॥ +१५	२५॥ +५	२४ +५	३१॥	२१॥ ३	२३॥ ३	१७॥ ३	२७॥	२०॥ १	१५॥ १४	२३ +४	१७ ३४	२८ ३	२७ ३०	२४॥ +१२	१६॥ -१२४	२५॥ +४	१६॥ १२४	१८ १२	२६	१२ १३	१४ १३	२९॥	२९॥	२४ +५	२४ +५	१५॥ +१५	१६॥ -१६	९॥ ३१६	१४॥ ३६	१७ ३	२८	२६
	ह. ४	११ २३६	१८॥ ६	१६ ६	२०॥ +५	२३॥ +५	२४॥ +५	३२	१८॥ ३	२३॥ ३	१८॥ ३	२६॥	२१॥	१६ +४	२०॥ +४	१५ ३४	२६ ३	२८ ३	२८ ०	२० ०४	२६॥ +४	१८॥ +४	२०	२६	१३॥ ३	१५ ३	२७	२८॥ २१	२३ +५	२४ +५	१८ +५	१९ ६	१०॥ ३६२	१३॥ ३६	१६ ३	२६	२६
	चि. २	१२॥ ६	४॥ १३६	१८॥ ६	२३ +५	१८॥ १५	१०॥ ३५	१८ ३	२६ १	२४॥	१९॥	११॥ ३	२५॥	२०॥ +४	६॥ १३४	१३॥ १२४	२४॥ १२	२७	२८ ३	१९ ३४	१९ ०४	२५॥ +४	२७	११ ३	२५	२७	१३ १३	१	१५॥ १५	१७ +५	१५ ३५	१६ ३६	२४ -६	१६॥ १६	१९ १	१० १३२	१९

यह मेलापक (वर्ण वश्य आदि) गुण की सारिणी है, ऊपर की पंक्ति में वर के नक्षत्र हैं और तिरछी पंक्ति में बांयी तरफ कन्या के नक्षत्र लिखे हैं। ऊपरी भाग में गुण हैं और नीचे के भाग में दोषों के चिन्ह दिये हैं, जिनकी पहिचान के चिन्ह इस प्रकार समझना चाहीये - नाड़ी दोष का चिह्न (३) गण महादोष (मनुष्य, राक्षस) में (१)। भकूट महादोष (षडष्टक) में (६)। नवपंचम में (५)। द्विर्द्वादश में (४)।

मेलापक सारिणी

कन्या	वर	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
	नक्षत्र	अ. ४	भ. ४	कृ. १	कृ. ३	रा. ४	मृ. २	म. २	आ. ४	पु. ३	पु. १	पु. ४	श्ले. ४	म. ४	पू. ४	उ. १	उ. ३	ह. ४	चि. २	चि. २	स्वा. ४	वि. ३	वि. १	ऽनु. ४	ज्ये. ४	मू. ४	पू. ४	उ. १	उ. ३	श्र. ४	ध. २	ध. २	श. ४	पू. ३	पू. १	उ. ४	रे. ४
तुला	चि. २	२२	१४ १३	२८	२३ +६	१८॥ १६	१०॥ ३६	१२ ३५	२० १५	१८॥ +५	१९	११ ३	२५	२४॥	१०॥ १३	१७॥ १२	१७॥ १२४	२० +४	२० ३४	२८ ३	२७ ०	३३॥	२२॥ ४	६॥ ३४	२०॥ ४	२७	१३ १३	२१ १	२३॥ ०१	२५	२३ ३	१८ ३५	२६ +५	१८॥ १५	१२ १६	३ ५३६२	१२ ६
	स्वा. ४	२९ +२	२८	१६ ३	११ ३६	१४ ३६	२४ -६	२६ +५	२६ +५	२७ +५	२७॥	२६	१३ ३	१२॥ ३	२४	२५॥	२५॥ +४	२७॥ +४	२१ +४	२८	२८ ३	२० ३०	९ ३४०	२१॥ ४	१६॥ ४	२३	२७	१९ ३	२१॥ ३	२२॥ ३	२६	२१ +५	२२ +५२	२५ +५	१८॥ ६	१९ ६	११ ३६
	वि. ३	२१	२२ १	२० ३	१५ ३६	९ १३६	१७ -६	१८॥ +५	२० १५	२० +५	२०॥	२०॥	१७ ३	१६॥ ३	१८॥ १	१७॥ १२	१७॥ १४२	१८॥ +४	२६ +४	३३॥	१९ ३	२८ ३	१६ ३४	१६ ०४	२१॥ ४	२७	२१ १	१३ १३	१५॥ ३	१५॥ ३	२९॥	२४ +५	२६ +५	२० १५	१३॥ १६	१२॥ १६२	४ ३६
वृश्चिक	चि. १	१६॥ +६	१६॥ १६	१४॥ ३६	१९॥ ३	१३॥ १३	२१॥	११ ६	१२॥ ३६	१२॥ ६	१८ -५	१८ -५	१४॥ -५	२४॥ ३	२२॥ १	२१॥ १२	१७ १२	१८	२६	२१॥ ३	७ ३४	१५ ३४	२८ ३	२७ ०	३१॥	२१॥ +४	१५॥ ४१	७॥ १३४	११ १३	११ ३	२५	२४	२५॥	१९॥ १	१९ १५	१८ १५	९॥ ३२५
	अनु. ४	२३॥ -६	१४॥ ३६	१८॥ -६	२३॥	२७॥	२०॥ ३	१० ३६	१५ २६	१९॥ ६	२५ -५	१७ ३५	२० -५	२४॥	२०॥	२८॥	२४	२५	११ ३	६॥ ३४	२०॥ ४	१६ ४	२८	२८ ३	३१ ०	१५॥ +२४	१३॥ ३४	२१॥ +४	२५	२६	१२ ३	११ ३	२०	२४॥	२४ +५	१७ ३५	२६ +५
	ज्ये. ४	१० ३६	१७॥ १६	२३॥ -६	२८॥	२२॥ १	२२॥	१२ ६	२ ३१६२	४ ६३	९॥ ५३	१९ -५	२५ -५	३१	२३॥ १	१५॥ १३	११ १३	११ ३	२४	१९॥ ४	१४॥ ४	१९ ४	३१॥	३०	२८ ३	१४ ०३४	१६॥ १४	१६॥ १४	२० १	२०	२५	२४	१७ ३	१० १३	९॥ १३५	२० १५	२० +५
धनु	मू. ४	११॥ ३५	१९ १५	२५ +५	१९॥ ६	१२॥ १६	१२॥ ६	२१	१४ १३	१२ ३	७॥ ३६	१७॥ ६	२३ ६	२४ +५	१८ १५	१९॥ १५३	१३ ३१	१३ ३	२६	२६	२१	२६	२२॥ +४	१६॥ +२४	१६ ३४२	२८ ३	२८ ०५	२५॥ १	१३॥ १४	१४॥ ४	१९॥ ४	२८॥	२१॥ ३	१४॥ १३	१६॥ १३	२४॥ १	२६
	पू. ४	२५॥ +५	१७॥ ३५	१९॥ +१२५	१४ १६२	१८॥ ६	१०॥ ३६	१९ ३	२६	२७	२२॥ ६	१४॥ २३६	१६॥ १६	१९ -१५	१७ ३५	२५ +५	२८॥	२७	१२ १३	१२ १३	२७	२० १	१६॥ -१४	१५॥ ३४	१७॥ -१४	२७ +१	२८ ३	३४ ०	२२ ०४	२२॥ ४	५॥ १३४	१४॥ १३	२३॥ १	२८॥	२९॥	२२॥ ३	३०॥
	उ. १	२४ +५	२५॥ +५	११॥ १३५	६ १३६	१० २३६	१६॥ २६	२५ +२	२६	२७	२२॥ ६	२२॥ ६	८॥ १६३	८॥ १५३	२४ +५	२५ +५	२८॥	२८॥	२० १	२० १	१९ ३	१२ १३	८॥ १३४	२३॥ +४	१७॥ -१४	२५ -१	३५	२८ ३	१६ ३४	१५ ३४०	१३॥ १४	२२॥ १	२३॥ १	२८॥	२९॥	३०॥	२२॥ ३
मकर	उ. ३	२७	२८॥	१४॥ १३	१२ १३५	१६ २३५	२२॥ +२५	१९॥ +२६	२४॥ -६	२१॥ -६	२८	२८	१४ १३	४॥ १३६	२० ६	२१ ६	२४ +५	२४ १५	१५॥ १५	२२॥ -१	२१॥ ३	१४॥ १३	१२ ३१	२७	२१ १	१४॥ १४	२४ ४	१७ ३४	२८ ३	२७ ३०	२५॥ +१	१५॥ +१४	१६४ +१४	२१॥ +४	२९॥	३०॥	२२॥ ३
	श्र. ४	२८	२७	१४॥ ३२	१२ ३५२	१७ ३५	२६ +५	२३ -६	१९॥ -६	२१॥ -६	२८	२८ +२	१४ ३	५॥ ३६	१८॥ ६	२० ६	२३ +५	२४ +५	१७ ५	२४	२१॥ ३	१४॥ ३	१२ ३	२७	२१	१४ ४	२२॥ ४	१५ ३४	२६ ३	२८ ३	२७ -०	१७ ०४	१७॥ +४	२०॥ +४	२८॥	२९॥	२३॥ ३
	ध. २	२०	११ १३२	२६	२३॥ +५	१९ १५	११ ३५	८ ३६	१६ १६	१४॥ -६	२१	१३ ३	२७	१८॥ ६	४॥ १३६	१०॥ १६	१५॥ १५	१७ +५	१५ ३५	२९ ३	२४	२८॥	२६	१२ ३	२६	२०॥ ४	६॥ ३४१	१४॥ ४१	२५॥ १	२७	२८ ३	१७ ३४	२३ ४०	१७॥ +१४	२४॥ १	१५ १३	२२॥ +२
कुम्भ	ध. २	१९॥	१०॥ १३२	२५॥	३०	२५॥ १	१७॥ ३	११ ३५	१८ १५	१७ +५	१२ ६	४ ३६	१८ ६	२४॥	१०॥ १३	१८॥ १	१७॥ १६	१९ +६	१७ ३६	१८ ३५	२० -५	२४॥ -५	२५	११ ३	२५	२९॥	१५॥ १३	२३॥ १	१६॥ १४	१८ +४	१८ ३४	२८ ३	३३ ०	२७॥ १	१६॥ १४	६॥ १३४	१३॥ ४२
	श. ४	१४॥ ३	२०॥ १	२६॥	३१	२५ १	२६॥	२० +५	१२ १३५	१२ ३५	६॥ ३६	१३ ६	१९ ६	२५॥	१९॥ १	११॥ १३	१०॥ १३६	१०॥ २३६	२५ ६	२६ +५	२१ +५	२६ +५	२६॥	२०	१८ ३	२२॥ ३	२४॥ १	२४॥ १	१७ १४	१७॥ +४	२४ +४	३३	२८ ३	१९ ०१३	८ १३४०	१४॥ १४	१५॥ ४
	पू. ३	१७॥ ३	२४॥ +२	१९॥ -१	२४ -१	३०	३०	२३॥ +५	१७ ३५	१७ ३५	११॥ ३६	१९॥ ६	१२ १६	१८॥ १	२४॥	१६॥ ३	१५॥ ३६	१५॥ +३६	१७॥ १६	१८॥ -१५	२६ +५	२० -१५	२०॥ १	२६॥	११ १३	१५ १३	२९॥	२९॥	२२॥ +४	२२॥ +४	१८॥ -१४	२७ -१	१९ १३	२८ ३	१६ ३४	२२ ०४	१९॥ ४२
मीन	पू. १	१४॥ ४	२१॥ +४२	१६॥ -१४	१९ १	२५	२५	२४	१७॥ ३	१७॥ ३	१७ ३५	२५ ५	१७॥ १५	१६॥ -१६	२२॥ +६	१४॥ ३६	१६ ३	१६ ३	१८ +१	११ १६	१८॥ ६	१२॥ १६	१९ -१५	२५ +५	९॥ १३५	१४ १३	२८॥	२८॥	२८॥	२२॥	२४॥ १	१५॥ १४	७ १३४	१५ ३४	२८ ३	३३ ०	३०॥ +२
	उ. ४	२३॥ +४	१५॥ ३४	१८॥ -१४	२१ १	२६	१८ ३	१७ ३	२५	२६॥	२६ ५	१९ ३५	२० १५	१७॥ -१६	१५ ३६	२५॥ +६	२७	२७	९ १३२	३ १३६२	१९ ६	११॥ १६२	१८ १५२	१८ ३५	२० -१५	२३॥ -१	२१॥ ३	२९॥	२९॥	२९॥	१४॥ १३	५॥ १३४	१४॥ १४	२१ ४	३३	२८ ३	३३ ०
	रे. ४	२५ +४	२३॥ +४	१०॥ ३४	१३ ३	१७ ३	२६	२५	२४	२५	२४॥ ५	२६ ५	१३ ३५	१२ ३६	२२॥ ६	२२॥ +६	२४	२४	१९	१२ ६	१० ३६	४ ३६	१०॥ ३५	२६ +५	२१ +५	२६	२८॥	२०॥ ३	२३॥ ३	२१॥ ३	२२॥ -२	१३॥ ४२	१५॥ ४	१७॥ ४२	२९॥ +२	३३	२८ ३

वैर योनि में (२)। जहां थोड़ा दोष है वहां (-)। जहां दोष का पूरा निर्वाह है वहां (+) चिन्ह है। जहां वर के नक्षत्र से पूर्व कन्या का नक्षत्र है इसका भी महादोष माना गया है वहां (०) शून्य का चिन्ह है और जहां कोई दोष नहीं मिलता वहां केवल गुण ही लिखे हुए हैं।

अथ सम्मुखचन्द्रदिशाप्रति

मेषे च सिंहे धनु पूर्वभागे वृषेच कन्यामकरे च याम्ये ॥
मिथुने तुले कुंभसु पश्चिमायां कर्कालिमीने दिशि चोतरस्याम्॥१॥
फलम् –सम्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुखसंपदा॥
पृष्ठतः प्राणनाशाय वामे चन्द्रे धनक्षयः॥२॥
अर्थः – मेष, सिंह, धनु, पूर्व। वृष, कन्या, मकर, दक्षिण॥
मिथुन, तुला, कुंभ पश्चिम। कर्क, वृश्चिक, मीन उत्तर ॥

अथ योगिनीचक्रम्।

ईशान्य	पूर्व	अग्नि
३०।८	१।९	३।११
उत्तर २।१०	योगिनी सुखदा वामे पृष्ठे वांछितदायिनी ॥ दक्षिणे धनहंत्री च सन्मुखे मरणप्रदा ॥१॥	दक्षिण ५।१३
७।१५	६।१४	४।१२
वायव्य	पश्चिम	नैऋत्य

अथ कालराहुचक्रम्।

ईशान्य	पूर्व	अग्नि
	शनि	शुक्र
उत्तर रवि	अर्कोत्तरेवायुदिशाचसोमे- भौमेप्रतीच्यांबुधनैर्ऋतेच। याम्येगुरौवह्निदिशाचशुक्रे- मन्देचपूर्वेप्रवदंतिकालः ॥१॥	गुरु दक्षिण
सोम	मंगल	बुध
वायव्य	पश्चिम	नैऋत्य

अथ दिशाशूलचक्रम्।

	पूर्व	
	चन्द्र शनि	
उत्तर बुध मंगल	दिशाशूल ले जावो वामेराहू योगिनी पूठ ॥ सन्मुख लेवै चन्द्रमा ल्याबै लक्ष्मी लूट ॥१॥	गुरु दक्षिण
	रवि शुक्र	
	पश्चिम	

चूडामु० प्रमाण।

यावद्भास्करभुक्तिमानिदिवसेधिष्ण्यानिसंख्याततः वह्नि ३ भूत ५ गुणा ३ ब्धि ४ सप्त ७ नयनं २ पृथ्वी १ करं २ दुः १ क्रमात् ॥ सूर्यारौकविसौम्यराहुरविजाजीवः शशीकेतवः क्रूरेऽसच्चशुभेशुभंच कथितंचक्रेचचूडाह्वये ॥१॥ चूडानक्षत्र॥ हस्तादिपंचपूषाश्विधनिष्ठा-सुचकांचनम् ॥ रक्तंपरिदधेद्वस्त्रंभौमार्कगुरुमार्गवे ॥१॥

चूडामुहूर्त।

हस्त,चि.स्वा. वि.अनु.रे.अश्वि.ध. इत्ते नक्षत्र और रवि. मंगल. बुध. गुरु. शुक्र. यह वार शुभ है।

अथ गुरुशुक्रास्तवर्जितकर्म।

वापीकूपतडागयज्ञगमनं क्षौरं प्रतिष्ठाव्रतं विद्यामंदिरकर्णवेधनमहादानंगुरोःसेवनम्॥ तीर्थस्नानविवाहकाम्यहवनं मन्त्रोपदेशे शुभं दूरेणैव जिजीविषुः परिहरेदस्तेगुरौभार्गवे ॥१॥

चूडी च० प्रमाण।

चूडीधारणे विशेषः।

अस्ते गतेभृगुसुते शयने च विष्णोर्जन्माधचापझषगे दिनपे न दध्यात्॥
रिक्तेन्दुभानुदिवसे शकवर्जिते च शंखं च रक्तपटकं युवतिः कथंचित्॥

अथजलपूजामुहूर्त

जलपूजाचनारीणांमृगेमूलेपुनर्वसौ।
पुष्यश्रवणहस्तश्वबुधेजीवेचचन्द्रमाः॥१॥
मृग, मूलं, पुन. पुष्य,श्रव. हस्त, बुध. गुरु. सोम. जल वामें एता ग्रहण कीजै।

अथ सूतिकासूर्यपूजनमुहूर्त।

पुनर्वसुद्वयंचित्राविशाखाभरणीद्वयम्॥ मूलमार्द्रामघाहेयाश्रवणोदशमस्तथा॥१॥
सोमशुक्रबुधःशौरिःप्रसूतिस्नानकर्मणि॥ हेयाप्रतिपदाषष्ठीनवमीचतिथिक्षयः॥२॥
एता त्यागन करीजै।

चूडीचक्रम्।

सूर्यनक्षत्रात्	३	५	३	४	७	२	१	२	१
स्वामी	सूर्य	मंगल	शुक्र	बुध	राहु	शनि	गुरु	चन्द्र	केतु
फल	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ

प्रथमवधूप्रवेशमुकालावामुहूर्त।

हस्तद्वयेब्रह्मयुगेमघायांपुष्येधनिष्ठाश्रवणोत्तरेषु।
मूलानुराधाहयरेवतीषुस्थिरेषुलग्नेषुवधूप्रवेशः॥१॥
एते नक्षत्र शुभ , चन्द्र, गुरु, बृह० एते वार श्रेष्ठः, २।५।८।११ एतेलग्न श्रेष्ठ , चन्द्रबल देखजै। १।२।३ एतेवर्ष श्रेष्ठ । पश्चात् अशुभ।

अथ गन्धर्वविवाहतथानातरो.।

इन्द्ररुद्रादिऽश्लेषाआग्नेय्यांवरुणस्तथा॥
अश्विनीवसुदैवत्यंपट्टकालेशुभंस्मृतम्॥१॥
ज्येष्ठा, आद्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, कृत्तिका, शत. अश्विनी, धनिष्ठा, एते नक्षत्र शुभ और गुरु. शुक्र अस्तोदय दोष नहीं।

अथ दत्तपुत्रतथाखोलेलेणो।

हस्तादिपञ्चसुभिषग्वसुपुष्यभेषुसूर्यक्षमाजगुरुभार्गववासरेषु॥
रिक्ताविवर्जिततिथिष्वलिकुम्भलग्नेसिंहेवृषेभवतिदत्तपरिग्रहोयम्॥१॥
हस्त, चित्रा, स्वाती, विशाखा, अनु०, अश्वि०, ध०, पु०, रवि, मंगल, गुरु, शुक्र, सिंह, वृषलग्न शुभ और रिक्ता वृ. कुंभ अशुभ।

कूपारम्भमुहूर्त।

हस्तात्तिस्रो वासवं वारुणंच शैवं पित्र्यं त्रीणि चैवोत्तराणि॥
प्राजापत्यंचापिनक्षत्रमाहुःकूपारम्भे श्रेष्ठमाद्या मुनीन्द्राः ॥१॥
अर्थ – ह. चि. स्वा. श. ध. आ. म. उत्तरा ३, रोहिणी कूपारंभ में शुभ होय।

तृणकाष्ठादि संग्रह करणा।

वासवोत्तरदलादिपंचकेयाम्यदिग्गमनगेहगोपनम् ॥
प्रेतदाहतृणकाष्ठसंग्रहंशय्यकावितरणंवर्जयेत् ॥१॥
धनिष्ठा को उत्तरदल, शत. पूर्वाभा. उ.भा. रेवती इन नक्षत्रों में दक्षिणगमन, गृहछायणो, माचोवणनो, तृणकाष्ठादि संग्रह करणो नहीं।

संक्रान्तिवशाद्दग्धास्तिथयः ।

सूर्यराशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
तिथि	६	४	८	६	१०	८
सूर्यराशि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
तिथि	१२	१०	२	१२	४	२

होमादौ ग्रहमुखेष्वाहुतिज्ञानचक्रम् ।

ग्रहाः	सूर्य	बुध	शुक्र	शनि	चंद्र	मंगल	बृह.	राहु.	केतु
नक्षत्र संख्या	३	३	३	३	३	३	३	३	३
फलम्	धन-नाशः	बुद्धि-वर्धन	सम्पत्तिः	धन-नाशः	कृषि-लाभः	अग्नि-दाहः	अभीष्ट-सिद्धिः	हानिः	दुर्भिक्षम्

लग्नभाद् ग्रहस्थिते यामित्रम् ।

रो.	मृ.	म.	उ.फा.	हस्त	स्वा.	अनु.	मू.	उ.षा.	उ.भा.	रे.
अनु.	ज्ये.	घ.	पू.फा.	उ.भा.	अश्वि.	कृ.	म.	पुन.	उ.फा.	ह.

लग्न नक्षत्र से १४ वें नक्षत्र पर कोई पापग्रह होवे तो अशुभ, अन्यथा शुभ ।

सूर्यादिग्रहाणां संक्रान्तेरत्याज्य घटीचक्रम्

ग्रहाः	सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
घटी	३२	२	९	६	८८	९	१६०

चन्द्रसूर्यादियुत् युतिदोषः

सूर्य	मंगल	बुध	बृह	शुक्र	शनि	राहु	पाप
दरिद्र	निर्धन	शुभ	सौख्य	सापत्य	वैराग्य	कलह	मरण

लग्ने विश्वादा ग्रहाः

सू.	चं.	मं.	बु.		बृ.		शु.		श.	रा.
३	२	३	१	६	१	६	१	९	३	३
६	३	६	२	९	२	९	२	१०	६	६
११	११	११	३	१०	३	१०	३	११	११	११
			४	११	४	११	४			
			५		५		५			

लग्ने भंगदा ग्रहाः

१	४	५	६	७	८		९	१०	१२
सू.	मं.	श.	चं.	सर्व	मं.	ल	मं.	मं.	बृ.
चं.	श.	०	शु.	ग्रह	चं.	ग्ने	श.	श.	मं.
मं.	रा.	०	लग्ने		बु.	श		रा	
श.		०	श.		बृ.				
रा.					शु.				

विवाहे बाणज्ञानचक्रम् ।

बाणनाम	रोग	अग्नि	नृप	चौर	मृत्यु
सूर्यगतांशाः	८ । १७ २६	२ । ११ २० । २९	४ । १३ २२	६ । १५ २४	१ । १० १९ । २८
सशल्यतावा.	सूर्ये	भौमे	शनौ	भौमे	बुधे
त्याज्यकर्म	उपनयने	गृहाच्छादन	नृपसं.	यात्रा.	विवाहे

लत्तादोषः

दक्षिण				वाम			
सू.	मं.	बृ.	श.	चं.	बु.	शु.	रा.
१२	३	६	८	२२	७	५	९

क्रान्तिसाम्यम्

सूर्याचन्द्रमसोः परस्परं वेधे

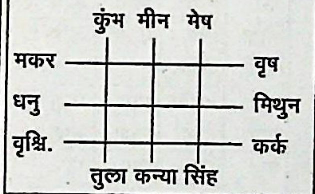

एकार्गलदोषः

व्याघात, गंड,व्यतिपात, शूल, वज्र, वैधृति, परिघ, अतिगंड, ये योग विवाह के दिन हों और सूर्यनक्षत्र विवाह नक्षत्र विषमांक पर हो तो एकार्गल दोष होवे ।

पातः

हर्षण, गंड, शूल, साध्य, व्यतिपात, वैधृति इन योगों के अंत में विवाह नक्षत्र होवे तो पात दोष होवे ।

रविभाच्चन्द्रभं यावदुपग्रह उदाहृतः

विद्युत्	५
शूल	८
सन्निपात	१४
केतु	१८
उल्का	१९
निर्घात	२२
कम्प	२३
वज्र	२४

स्त्रीणांचन्द्रबले विशेषः - स्त्रीणांविधोर्बलमुशंति विवाहगर्भसंस्कारयोरितरकर्मसुभर्तुरेव । द्वादशचन्द्रे ग्राह्यकर्म - उत्सवे चाभिषेकेच जनने व्रतबंधने पाणिग्रहेच यात्रायां चन्द्रोद्वादशमः शुभः । - गुरुदेव पाणिग्रहे स्त्रीसुरतेऽभिषेके यात्रान्नप्राशे व्रतबंधने च । व्रतोपदासादिषु गर्गपूर्वैः प्रोक्तः शुभोद्वादशगो हिमांशुः । गर्भाधाने जन्मकालेऽभिषेके मौंजिवन्धने । पाणिग्रहे प्रयाणे च चन्द्रो द्वादशगः शुभः॥ -दैवज्ञकल्पद्रुम ।

विवाहे नक्षत्र-निर्णयः- निर्णयसिंधु. - रत्नमालायां - ''मूलमैत्रमृगरोहिणीकरैः पौष्णमारुमघोत्तरान्वितैः । **हिन्दी** - रत्नमाला में कहा है कि मूल, अनुराधा, मृगशिर, रोहिणी, हस्त, रेवती स्वाती, मघा, तीनों उत्तरा (उत्तरा-फाल्गुनी, उत्तराषाढा, उत्तराभाद्रपद) इन नक्षत्रों में विवाह का विधान किया है ॥ इति ॥

धर्मसिन्धु- रोहिणीमृगमघास्तिस्त्र उत्तराहस्तस्वातोमूनुराधरेवत्यः सर्वसंमतनक्षत्राणि । **हिन्दी** - रोहिणी, मृगशिर, मघा, तीनों उत्तरा, हस्त, स्वाती, मूल, अनुराधा और रेवती विवाह में सर्वसम्मत नक्षत्र हैं ।
अथ चित्रादि-नक्षत्राणि - [1] हरदत्तमते चित्राश्रवणधनिष्ठाश्विन्य इत्यधिकानि चत्वारि ।
हिन्दी - हरदत्त के मत में चित्रा, श्रवण, धनिष्ठा और अश्विनी ये चार नक्षत्र विवाह में अधिक हैं ।

१. पारस्करगृह्यसूत्रेऽपि - 'त्रिषु त्रिषूत्तरादिषु' अत्र गदाधर भाष्यम् - उत्तरा आदिर्येषां तान्युत्तरादीनि तेषु तेषु त्रिषु । अयमर्थः - उत्तराफाल्गुन्यां हस्ते चित्रायां च, एवमुत्तराषाढायां श्रवणे धनिष्ठायां च, एवमुत्तराप्रोष्ठपदि रेवत्यामश्विन्यां च .. विवाहो भवतीत्यर्थ' इति ।

हमारे यहां से वैदिक, वेदान्त, मीमांसा - योग-सांख्य, न्याय, धर्मशास्त्र, कर्मकाण्डप्रयोगादि, माहात्म्यादि, व्रतकथा, पुराण-उपपुराण, इतिहास, ज्योतिष, वैद्यक, नीति, अलंकार, छन्द, कोश, हिन्दी तथा संस्कृत काव्य, नाटक, मंत्रशास्त्र, स्तोत्र, संगीत-राग, उपन्यास, कबीरपंथी इत्यादि विषयों के हिन्दी तथा संस्कृत ग्रन्थों के साथ मुरादाबाद निवासी स्व. वि.वा. पं. ज्वालाप्रसादजी मिश्र द्वारा संजीवनी टीका सहित 'श्रीमद् गोस्वामी तुलसीदास कृत रामायण' आदि अनेक ग्रन्थ प्रकाशित होते हैं ।

विस्तृत जानकारी के लिये हमारा 'सूचीपत्र' मुफ्त मंगाकर देखें ।

हमारे प्रकाशनों की अधिक जानकारी व खरीद के लिये हमारे निजी स्थानः

खेमराज श्रीकृष्णदास
अध्यक्षः श्रीवेंकटेश्वर प्रेस,
९१/१०९, खेमराज श्रीकृष्णदास मार्ग
७वी खेतवाडी बँक रोड कार्नर, मुंबई - ४०० ००४.
दूरभाष / फैक्स - ०२२- २३८५७४५६

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
लक्ष्मी वेंकटेश्वर प्रेस व बुक डिपो
श्रीलक्ष्मीवेंकटेश्वर प्रेस बिल्डींग,
जूना छापाखाना गली, अहिल्याबाई चौक,
कल्याण, जि. ठाणे, महाराष्ट्र - ४२१ ३०१.
दूरभाष - ०२५१ - २२०९०६१

खेमराज श्रीकृष्णदास
६६, हडपसर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, पुणे - ४११ ०१३.
दूरभाष - ०२० - २६८७१०२५

खेमराज श्रीकृष्णदास
चौक, वाराणसी (उ.प्र.) २२१ ००१
दूरभाष - ०५४२ - २४२००७८

© सर्वाधिकार : प्रकाशक द्वारा सुरक्षित

Printers & publishers :
Khemraj Shrikrishnadass, Prop. Shri Venkateshwar Press,
Khemraj Shrikrishnadass Marg, 7th Khetwadi, Mumbai - 400 004.
Web site: http://www.khe-shri.com Email : khemraj@vsnl.com

।। मास तारीख का वेलान्तर मिनट-सेकण्ड ।। रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे, ई.सन् २०१४

ता.	जनवरी मि.से.	फरवरी मि.से.	मार्च मि.से.	अप्रेल मि.से.	मई मि.से.	जून मि.से.	जुलाई मि.से.	अगस्त मि.से.	सितंबर मि.से.	अक्टूबर मि.से.	नवंबर मि.से.	दिसंबर मि.से.
१	+ ३।२१	+१३।३२	+१२।२८	+ ४।०४	- २।४८	- २।१३	+ ३।४७	+ ६।२२	+ ०।०९	-१०।१२	-१६।२५	-११।११
२	+ ३।४९	+१३।४०	+१२।१६	+ ३।४६	- २।५५	- २।०४	+ ३।५८	+ ६।१८	- ०।१०	-१०।३१	-१६।२७	-१०।४८
३	+ ४।१७	+१३।४७	+१२।०४	+ ३।२८	- ३।०२	- १।५४	+ ४।१०	+ ६।१४	- ०।३०	-१०।५०	-१६।२७	-१०।२५
४	+ ४।४५	+१३।५३	+११।५१	+ ३।११	- ३।०८	- १।४४	+ ४।२१	+ ६।०९	- ०।४९	-११।०९	-१६।२७	-१०।०१
५	+ ५।१२	+१३।५९	+११।३८	+ २।५३	- ३।१४	- १।३४	+ ४।३१	+ ६।०३	- १।०९	-११।२७	-१६।२६	- ९।३७
६	+ ५।३९	+१४।०३	+११।२५	+ २।३६	- ३।१९	- १।२३	+ ४।४२	+ ५।५७	- १।२९	-११।४५	-१६।२४	- ९।१२
७	+ ६।०५	+१४।०७	+११।११	+ २।१९	- ३।२३	- १।१३	+ ४।५२	+ ५।५०	- १।५०	-१२।०३	-१६।२२	- ८।४७
८	+ ६।३१	+१४।१०	+१०।५६	+ २।०२	- ३।२७	- १।०१	+ ५।०१	+ ५।४३	- २।१०	-१२।२०	-१६।१८	- ८।२१
९	+ ६।५६	+१४।१३	+१०।४२	+ १।४६	- ३।३०	- ०।५०	+ ५।१०	+ ५।३५	- २।३१	-१२।३७	-१६।१४	- ७।५४
१०	+ ७।२१	+१४।१४	+१०।२६	+ १।२९	- ३।३३	- ०।३८	+ ५।१९	+ ५।२६	- २।५२	-१२।५३	-१६।०९	- ७।२७
११	+ ७।४५	+१४।१५	+१०।११	+ १।१३	- ३।३५	- ०।२६	+ ५।२७	+ ५।१७	- ३।१३	-१३।०९	-१६।०३	- ७।००
१२	+ ८।०९	+१४।१५	+ ९।५५	+ ०।५८	- ३।३६	- ०।१४	+ ५।३५	+ ५।०७	- ३।३४	-१३।२४	-१५।५६	- ६।३३
१३	+ ८।३२	+१४।१४	+ ९।३९	+ ०।४२	- ३।३७	- ०।०१	+ ५।४३	+ ४।५७	- ३।५५	-१३।३९	-१५।४८	- ६।०४
१४	+ ८।५४	+१४।१२	+ ९।२३	+ ०।२७	- ३।३८	+ ०।११	+ ५।५०	+ ४।४६	- ४।१६	-१३।५४	-१५।४०	- ५।३६
१५	+ ९।१६	+१४।१०	+ ९।०६	+ ०।१२	- ३।३८	+ ०।२४	+ ५।५६	+ ४।३५	- ४।३८	-१४।०८	-१५।३१	- ५।०७
१६	+ ९।३७	+१४।०७	+ ८।४९	- ०।०२	- ३।३७	+ ०।३७	+ ६।०२	+ ४।२३	- ४।५९	-१४।२१	-१५।२०	- ४।३८
१७	+ ९।५७	+१४।०३	+ ८।३२	- ०।१६	- ३।३६	+ ०।४९	+ ६।०८	+ ४।१०	- ५।२१	-१४।३४	-१५।०९	- ४।०९
१८	+१०।१७	+१३।५९	+ ८।१५	- ०।३०	- ३।३४	+ १।०२	+ ६।१३	+ ३।५७	- ५।४२	-१४।४६	-१४।५७	- ३।४०
१९	+१०।३६	+१३।५४	+ ७।५८	- ०।४३	- ३।३१	+ १।१५	+ ६।१७	+ ३।४४	- ६।०३	-१४।५७	-१४।४५	- ३।१०
२०	+१०।५४	+१३।४८	+ ७।४०	- ०।५६	- ३।२८	+ १।२९	+ ६।२१	+ ३।३०	- ६।२५	-१५।०८	-१४।३१	- २।४१
२१	+११।११	+१३।४२	+ ७।२२	- १।०९	- ३।२५	+ १।४२	+ ६।२४	+ ३।१५	- ६।४६	-१५।१८	-१४।१७	- २।११
२२	+११।२८	+१३।३४	+ ७।०४	- १।२१	- ३।२१	+ १।५५	+ ६।२७	+ ३।०१	- ७।०७	-१५।२८	-१४।०१	- १।४१
२३	+११।४४	+१३।२७	+ ६।४६	- १।३३	- ३।१६	+ २।०८	+ ६।२९	+ २।४५	- ७।२९	-१५।३७	-१३।४६	- १।११
२४	+११।५९	+१३।१८	+ ६।२८	- १।४४	- ३।११	+ २।२०	+ ६।३१	+ २।२९	- ७।५०	-१५।४५	-१३।२९	- ०।४१
२५	+१२।१४	+१३।०९	+ ६।१०	- १।५४	- ३।०५	+ २।३३	+ ६।३२	+ २।१३	- ८।१०	-१५।५३	-१३।११	- ०।११
२६	+१२।२७	+१३।००	+ ५।५२	- २।०५	- २।५९	+ २।४६	+ ६।३२	+ १।५७	- ८।३१	-१६।००	-१२।५३	+ ०।१८
२७	+१२।४०	+१२।५०	+ ५।३४	- २।१४	- २।५३	+ २।५९	+ ६।३२	+ १।४०	- ८।५२	-१६।०६	-१२।३४	+ ०।४८
२८	+१२।५२	+१२।३९	+ ५।१६	- २।२४	- २।४६	+ ३।११	+ ६।३१	+ १।२२	- ९।१२	-१६।११	-१२।१४	+ १।१८
२९	+१३।०३	....	+ ४।५८	- २।३२	- २।३८	+ ३।२३	+ ६।३०	+ १।०४	- ९।३२	-१६।१६	-११।५४	+ १।४७
३०	+१३।१४	....	+ ४।४०	- २।४१	- २।३०	+ ३।३५	+ ६।२८	+ ०।४६	- ९।५२	-१६।२०	-११।३२	+ २।१६
३१	+१३।२३	....	+ ४।२२	....	- २।२२	....	+ ६।२५	+ ०।२८	....	-१६।२३	....	+ २।४५

+(धन) - (ऋण)

।। राशिका उपरथकी शुभाशुभ ग्रह देखणा ।।

राशि	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
१	स्थान नाश	अन्न	शत्रु भय	बंधु लाभ	भय	शत्रु नाश	धन नाश	हानि	हानि
२	भय	वित्त लाभ	धन नाश	धन लाभ	धन लाभ	द्रव्य लाभ	धन हरण	वित्त नाश	वित्त नाश
३	श्री प्राप्ति	द्रव्य लाभ	मित्र लाभ	क्लेश कारक	सौख्य	वित्त लाभ	धन लाभ	द्रव्य लाभ	द्रव्य लाभ
४	मान भंग	कुक्षि रोग	शत्रु भय	अर्थ लाभ	द्रव्य नाश	धन लाभ	शत्रु वृद्धि	वैर	वैर
५	दैन्य	कार्य नाश	धन क्षय	शत्रु वृद्धि	सौख्य	पुत्र लाभ	अर्थ लाभ	शोक	शोक
६	रिपु नाश	वित्त लाभ	द्रव्य लाभ	स्थान प्रप्ति	शोक	शत्रु भय	अन्न लाभ	वित्त लाभ	वित्त लाभ
७	गमन	धनस्त्री लाभ	शोक	शरीर पीडा	राज मान	शोक	दोष संग्रह	कलि	कलि
८	पीडा	मृत्यु	शत्रु भय	धन लाभ	मृत्यु	अन्न लाभ	शरीर पीडा	प्राण नाश	प्राण नाश
९	कांति क्षय	राज भय	कार्य नाश	पीडा	सौख्य	वस्त्र लाभ	धन लाभ	पाप	पाप
१०	कार्य सिद्धि	महा सौख्य	शोक	सौख्य	दैन्य	सौख्य	दौर्मनस्य	वैर	वैर
११	वित्त लाभ	विविध लाभ	वस्त्र लाभ	अर्थ लाभ	द्रव्य लाभ	धन लाभ	द्रव्य लाभ	यश	यश
१२	रोग नाश	रोगधन नाश	रोगधन नाश	वित्त नाश	पीडा	द्रव्य लाभ	अनर्थ	हानि	हानि

स्वर्गीय पण्डित मनीरामजी शर्मा

दिनका चौघडिया.

र	चं	मं	बु	गु	शु	श
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
ला	शु	च	का	उ	अ	रो
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
शु	च	का	उ	अ	रो	ला
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का

रात्रिका चौघडिया.

र	चं	मं	बु	गु	शु	श
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला

मुम्बयीनगरे श्रेष्ठो वेङ्कटेश्वरनामकः । मुद्रालयो वरीवर्ति नानाग्रन्थप्रकाशकः ॥१॥ यत्र प्रबन्धोऽनुदिनं प्रभूतो ददाति मोदं विदुषां जनानाम् । श्रीक्षेमराजाधिकृतं च मान्यं मुद्रागृहे शोभित ईक्षणीयम् ॥ २ ॥ बहवः शास्त्रिणश्चात्र कृतशास्त्रपरिश्रमाः । अनेकविद्याकुशला नियुक्ताः शोधकर्मणि ॥३॥ नागधातुकृतानेकविधकीलकयोजने । निपुणाः सन्ति चान्येऽपि बहवः कार्मणा जनाः ॥४॥

राशि मेष स्वामी भौम क्षत्रिय वर्ण चतुष्पाद चरस्व. लालरंग

रा. वृषभ स्वा. शुक्र वैश्य वर्ण च.खा.स्थि.स्व.श्वेत रङ्ग.

रा. मिथुन स्वा. बुध शुद्रवर्ण मा. जा. द्विस्व हरितरङ्ग.

रा. कर्क स्वामी चन्द्र विप्रवर्ण जलच. जा. चरस्व पाटलरंग.

रा. सिंह. स्वा. सू. क्षत्रियवर्ण स्थि. स्व. धूम्ररङ्ग. चतुष्पाद.

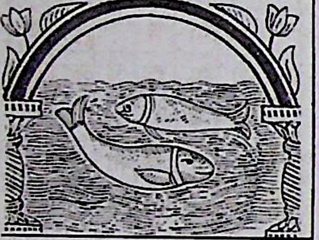

रा. मीन. स्वा. गु. विप्रवर्ण जलचरजा. द्विस्व. पीतरंग

पूर्व मानव पंचांगस्य गणित प् तत्कालीन सीकरनरेशाज्ञानुसारं पंडित मनीराम शर्मणा कृतं मुंबा य्यां श्रीकृष्णसुतेन क्षेमराजेन स्वकीये श्रीवेंकटेश्वर (स्टीम्) मुद्रणाग रे मुद्रितम् प्रकाशितश्च ।गणकगणानां प्रीत्यै पंचांगमिदम् ६६ हडपस ा औद्योगिक क्षेत्र पुणे स्थित खेमराज श्रीकृष्णदासाधिकृत श्रीवेंकटेश्वर स्टीम् मुद्रणालये मुद्रणालयाध्यक्षार्थ संजय बजाज महोदयेन मुद्रितम् प्रकााशितश्च ।

रा. कन्या स्वा. बुध मानवजा. वैश्यवर्ण द्विस्व. चित्रविचित्र रंग

रा. कुम्भ स्वा. श. शुद्रवर्ण मा. जा. स्थि. स्व शामरंग

रा. मकर स्वा. श. वैश्यवर्ण ज. जा.चरस्व. लालपीतरङ्ग.

राशि धन स्वा गुरू क्षत्रियवर्ण मा. जा. द्विस्व. पीतरंग.

रा. वृश्चिक. स्वा. भौम. विप्रवर्ण की. जा. स्थि. स्व. सौ. रं.

रा. तुला. स्वा. शु. मा. जा. शू. व. चरस्व कृष्ण रंग.

इति दशवर्षीयमानवपञ्चाङ्गम्।

वैक्रमीयसंवत् २०७१ समारभ्य २०८० पर्यन्तम्।

पृथक्पृथग्विवाहमुहूर्तादिसहितम्।

खेमराज श्रीकृष्णदास प्रकाशन, बम्बई